



भा.सा.वि.अ.प.

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
अरुणा आसफ अली मार्ग,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय संस्थागत क्षेत्र,
नई दिल्ली- 110067

विषय सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1	सिंहावलोकन	1-5
2	अनुसंधान प्रोत्साहन	7-22
	विशेष कॉल परियोजनाएं	7-8
	अनुसंधान परियोजनाएं	8-11
	अनुसंधान फेलोशिप	11-16
	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन	16-17
	प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम	17-18
	प्रकाशन और अनुसंधान सर्वेक्षण	18-19
	राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नॉस्ट्रॉक)	19-22
3	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक संपर्क प्रभाग	23-27
4	क्षेत्रीय केंद्र	29-36
5	अनुसंधान संस्थान	37-47
5.1	मान्यता प्राप्त संस्थान	49-50
5.2	उड़ीसा अनुसंधान केन्द्र (ओआरसी), भुवनेश्वर	51-53

परिशिष्ट

1	परिषद् के सदस्यों की सूची	57-60
2	आईसीएसएसआर वरिष्ठ अधिकारी (वित्तीय वर्ष 2024-25)	61-62
3	अनुसंधान परियोजनाएं	63-109
	सामाजिक एवं मानव विज्ञान में दीर्घकालिक अध्ययन	63-64
	विजन विकसित भारत@2047 पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए भा.सा.वि.अ.प. का विशेष आह्वान	64-77
	प्रदत्त वृहद एवं लघु अनुसंधान परियोजनाएं	78-101
	जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजनाएं	102-104
	सौर ऊर्जा और सततता (एस.ई.एस.) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य शोध परियोजना	105-107
	विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी)	107-109

क्र.सं. विवरण	पृष्ठ सं.
4 अनुसंधान अध्येतावृत्तियां	111-194
वरिष्ठ अध्येतावृत्ति (प्रदत्त)	111-112
पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्ति (प्रदत्त)	112-125
प्राप्त अंतिम रिपोर्ट	125-134
राष्ट्रीय / वरिष्ठ / पोस्टडॉक्टरल अध्येताओं द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों की सूची	134-142
‘स्कोपस इंडेक्स रिसर्च जर्नल्स’ में प्रकाशित शोध पत्र	134-135
* ‘यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल्स’ में प्रकाशित शोध पत्र	136-142
सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड डॉक्टरल फेलोशिप्स	142-166
इंस्टिट्यूशनल डॉक्टरल फेलोशिप	166-167
सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड शॉर्ट-टर्म फेलोशिप्स	167-169
सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड कंटिन्जेंसी ग्रांट	169-169
पी.एच.डी. थीसेज़ रिसीव्ड ऐट आईसीएसएसआर	169-181
पब्लिश्ड चैप्टर्स इन एडिटेड बुक्स बाय डॉक्टरल फेलोशिप अवॉर्डिज रिसीव्ड इन द एफ.वाई. 2024-25	181-184
वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्राप्त डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति प्रदत्त द्वारा स्कोपस इंडेक्स जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्र	184-186
वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति प्रदत्त द्वारा सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र।	186-194
5 भारत में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों के आयोजन के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता	195-222
6 प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम	223-227
7 प्रकाशन अनुदान	229-235
8 नॉन्डॉक द्वारा संकलित ग्रंथ सूची	237-238
9 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने तथा विदेश में डेटा संकलन हेतु शोधकर्ताओं/संकायों को प्रदत्त वित्तीय सहायता	239-253
10 भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियां	255-290
11 भा.सा.वि.अ.प. अनुदान सहायता अनुसंधान संस्थानों की प्रमुख गतिविधियाँ	291-419
परिवर्णी शब्द/लघुरूप	421-424
लेखा	425-482

“प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित ‘वार्षिक रिपोर्ट 2024-25’ जिसमें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन भी शामिल है, का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी प्रतिवेदन मान्य होगा।”

सिंहावलोकन

यह व्यापक रूप से माना जाता है कि सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, समाज और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में हमारी समझ को बढ़ाता है, क्योंकि यह विचार-विमर्श को बढ़ावा देता है और हमें अपने सामूहिक भविष्य को आकार देने में अपनी बात रखने का अवसर देता है। यह बदले में, सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए नीतिगत इनपुट प्रदान करता है और ऐसे विचार और जानकारी सृजित करता है जिनका उपयोग नीति निर्माण, शिक्षण और अनुसंधान में किया जा सकता है। इस प्रकार, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समाज और देश के लिए महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करता है।

भारत में सामाजिक विज्ञान शिक्षण में अनुसंधान की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है। प्राचीन काल में, तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी, पुष्पगिरि और सोमपुरा विश्वविद्यालय भारत के विभिन्न भागों में वैश्विक शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित हुए। इन विश्वविद्यालयों में वेद, वेदांत, आयुर्वेद, चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा, न्यायशास्त्र, गणित, खगोल विज्ञान, भौतिकी, धातुकर्म, सिविल इंजीनियरिंग, वास्तुकला, दर्शनशास्त्र, व्याकरण, कृषि, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, राजनीति, शासन-कला, सैन्य शिक्षा, साहित्य और शिल्प आदि विषयों को पढ़ाया जाता था। इन विश्वविद्यालयों ने दुनिया भर के विद्वानों के लिए शिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के अत्यंत उच्च मानक स्थापित किए। भारतीय शिक्षा प्रणाली में आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, अमरसिंह, चंद्रबरदाई, बाणभट्ट, दंडिन, जीवक कोमरभक्ता, महावीराचार्य, चरक, सुश्रुत, बौधायन, चाणक्य, ब्रह्मगुप्त, पाणिनी, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगला, गार्गी, कणाद, वराहमिहिर, तिरुवल्लुवर आदि जैसे महान विद्वान हुए।

हालांकि, आधुनिक युग में, औपनिवेशिक संरक्षण के अंतर्गत देश में सामाजिक विज्ञान शिक्षण और अनुसंधान, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में आधुनिक विश्वविद्यालय प्रणाली की शुरुआत के साथ बदल गया, जैसा कि सेरामपुर विश्वविद्यालय (1829), मुंबई विश्वविद्यालय (1857), मद्रास विश्वविद्यालय (1857), कलकत्ता विश्वविद्यालय (1857) और इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1875) के अस्तित्व में आने से स्पष्ट है। यह

वह समय था जब भारतीय प्राच्य पुनर्जागरण का सामना पश्चिम के ईसाई मिशनरियों और औपनिवेशवाद से हुआ और बाद में आधिपत्यवादी यूरोसैंट्रिक दृष्टिकोणों के कारण इसका महत्व हो गया। सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में वास्तविक सफलता स्वतंत्रता के बाद ही मिली, जब योजनाबद्ध सामाजिक-आर्थिक विकास के एक भाग के रूप में उच्च शिक्षा प्रणाली का तेजी से विस्तार हुआ। चूंकि देश की विकास प्रक्रिया ने कई और विविध चुनौतियों को जन्म दिया, जिनके लिए व्यापक अनुसंधान और विश्लेषण की आवश्यकता थी। भारत सरकार ने देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिदृश्य की समीक्षा करने और इसकी प्रगति में तेजी लाने के लिए सिफारिशें करने के लिए 1965 में प्रोफेसर वी.के.आर.वी. राव की अध्यक्षता में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए एक समिति की स्थापना की। इसके परिणामस्वरूप देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, बढ़ावा देने और वित्तपोषित करने के लिए 1969 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) की स्थापना हुई। हमारे समाजशास्त्रीय अध्ययन-विश्लेषण के दौरान, हमने उन मुद्दों की पहचान की जो भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के भविष्य के विकास और विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पश्चिमी वैचारिक ढाँचों पर अत्यधिक निर्भरता से उत्पन्न सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में विकृत दृष्टिकोणों को ठीक करना तात्कालिक आवश्यकता है। इस सुधारात्मक प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने के लिए, स्थानीय सामग्री का उपयोग करके मातृभाषा में शिक्षण, विद्वानों द्वारा अनुसंधान, अनुसंधान प्राथमिकताओं को पुनर्परिभाषित करने और सैद्धांतिक एवं पद्धतिगत ढाँचे पर पुनः बल देना आवश्यक है।

समय की मांग है कि भारत की 'असाधारणता' का केवल प्रलेखन करने के बजाय, भारत के बहुलवादी सामाजिकताओं पर जोर दिया जाए ताकि विविध मुद्दों का प्रतिनिधित्व किया जा सके, भारत के विविध लोगों के विविध दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नए सिद्धांत और दृष्टिकोण विकसित किए जा सकें, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय तुलना में संलग्न होकर अधिक व्यापक रूप से लागू होने वाली वैचारिक अंतर्दृष्टि उत्पन्न की जा सके। वर्तमान में, समाजशास्त्री पश्चिमी पद्धति को त्यागने का प्रयास कर रहे हैं, और

इसके स्थान पर, अब भारतीय घटनाओं को भारतीय समाज और संस्कृति के वास्तविक दृष्टिकोण से देखा जा रहा है।

भा.सा.वि.अ.प. (भा.सा.वि.अ.प.) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है और देश के विभिन्न भागों में स्थित चौबीस (24) अनुसंधान संस्थानों (सहायता अनुदान), सत्रह (17) मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों और छह (06) क्षेत्रीय केंद्रों वाला एक प्रमुख संगठन है।

भा.सा.वि.अ.प. के लक्ष्य और उद्देश्य, जैसा कि इसके संगम ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) (एमओए) में बताया गया है, निम्नलिखित हैं:

- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा और सर्वेक्षण करना तथा नीतिगत मुद्दों पर सरकार को सलाह देना;
- विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/अनुसंधान संस्थानों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को वित्तपोषित करना और बढ़ावा देना;
- शोधकर्ताओं और संकाय को डॉक्टरेट, पोस्ट-डॉक्टरेट, सीनियर और राष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान करना;
- शोधकर्ताओं और संकाय को लघु, मुख्य और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान करना;
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान निष्कर्षों के प्रसार के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों को वित्तपोषित करना;
- युवा शोधार्थियों और संकाय के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का समर्थन करना।
- विद्वानों और संकाय को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और डेटा संग्रह अनुदान प्रदान करना।
- सुप्रसिद्ध विदेशी अनुसंधान वित्तपोषण एजेंसियों के साथ सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना;
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में जर्नल और पुस्तकों के प्रकाशन को वित्तपोषित करना और पेशेवर सामाजिक विज्ञान संघों/संगठनों को मजबूत करना।
- सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए पुस्तकालय, प्रलेखन, डेटा और ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करना; और
- अनुसंधान के उपेक्षित और नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवधिक विषयों को इंगित करना।

अपनी स्थापना के बाद से अब तक के 56 वर्षों से, भा.सा.वि.अ.प. देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है और वित्तपोषित कर रहा है। यह अपने अनुसंधान संस्थानों को (समान अनुदान के आधार पर) नियमित रखरखाव और विकास अनुदान प्रदान करता है ताकि राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अनुसंधान मुद्दों का अंतःविषय दृष्टिकोण से अध्ययन किया जा सके। यह भा.सा.वि.अ.प. के कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रसार के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में परिषद् का प्रतिनिधित्व करने वाले अपने छह (06) क्षेत्रीय केंद्रों को

भी पूर्ण सहायता प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत, भा.सा.वि.अ.प. ने 13 देशों और एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के साथ द्विपक्षीय सहयोग करारों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें शामिल हैं:

- नेशनल रिसर्च काउन्सिल ऑफ थाईलैंड (एनआरसीटी), थाईलैंड
- वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंस (वीएसएस), वियतनाम
- नेशनल साइन्स फाउन्डेशन (एनएसएफ), श्रीलंका
- यू.के. रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) – इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च काउन्सिल
- (ईएसआरसी) और ब्रिटिश काउंसिल (बीसी) यू.के
- जर्मन रिसर्च फाउंडेशन (डीएफजी), जर्मनी
- कोरियन सोशल साइन्स रिसर्च काउन्सिल (केओएसएसआरईसी), कोरिया गणराज्य
- स्विट्स नेशनल साइन्स फाउंडेशन (एसएनएसएफ), स्विट्ज़रलैंड
- नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउन्सिल (एनएसटीसी), ताइवान
- जापान सोसाइटी फॉर दि प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस), जापान
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइन्सेज (एनआईएचएसएस), दक्षिण अफ्रीका
- फिलीपींस सोशल साइंस काउन्सिल (पीएसएससी), फिलीपींस
- इंस्टीट्यूट ऑफ ओरियेंटल स्टडीज (आईओएस), रशियन अकेडमी ऑफ साइन्स
- बोस्निया एंड हर्ज़ेगोविना अकेडमी ऑफ साइंसेज एंड आर्ट्स ऑफ (एनयूबीआईएच), साराजेवो, बोस्निया और हर्ज़ेगोविना
- यूरोपियन कमीशन (ईसी)

भा.सा.वि.अ.प. कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संगठनों का भी सदस्य है, जैसे इंटरनेशनल साइंस काउंसिल (आईएससी), साइंस काउंसिल ऑफ एशिया (एससीए), एसोसिएशन ऑफ एशियन सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल्स (एएसएसआरईसी) और दि लैटिन अमेरिकन काउंसिल ऑफ सोशल साइंसेज (सीएलएसीएसओ)। इसके अतिरिक्त, यह शिक्षा मंत्रालय के भारतीय राष्ट्रीय आयोग (आईएनसीसीयू) के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान उप-आयोग के लिए यूनेस्को के साथ सहयोग हेतु नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

अपनी स्थापना के बाद से, भा.सा.वि.अ.प. ने 10,176 मुख्य, लघु और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं (इम्प्रेस सहित) और विशेष आमंत्रण परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की हैं। साथ ही 8,470 पूर्णकालिक डॉक्टरेट फेलोशिप, 3,547 पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप, 921 सीनियर फेलोशिप और 174 राष्ट्रीय

फेलोशिप प्रदान की गई हैं। कुल 5,659 राष्ट्रीय और 1,557 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन प्रायोजित किए हैं, 2,694 स्कॉलरों (विद्वानों) को विदेशों में सम्मेलन में भाग लेने के लिए और 499 विद्वानों को विदेशों में डेटा संग्रह के लिए वित्त पोषित किया है। भा.सा.वि.अ.प. ने युवा संकाय और शोधकर्ताओं के लिए 1367 शोध पद्धति पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रायोजित किए हैं, 1897 स्कॉलरों को उनके डॉक्टरेट शोध प्रबंध/परियोजनाओं/फेलोशिप रिपोर्ट/ सम्मेलन कार्यवाही के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान कार्यक्रमलापों से जुड़े 442 पेशेवरों सहित 1212 सामाजिक विज्ञान जर्नल को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसने देश में महत्वपूर्ण सामाजिक विज्ञान विषयों जैसे अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान, भूगोल और मनोविज्ञान अनुसंधान की वर्तमान स्थिति पर छह दौर के सर्वेक्षण भी किए हैं। भा.सा.वि.अ.प. ने सेज, पियर्सन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशकों के सहयोग से ये सर्वेक्षण भी प्रकाशित किए हैं। भा.सा.वि.अ.प. अपने राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नॉस्टडॉक) के माध्यम से देश भर के हजारों सामाजिक विज्ञान विद्वानों और संकाय सदस्यों को पुस्तकालय, प्रलेखन और ई-संसाधन जैसी शोध सेवाएँ भी प्रदान करता है।

भा.सा.वि.अ.प., भारत सरकार को आवश्यकतानुसार नीति-संबंधित मुद्दों पर अपनी अनुसंधान-आधारित सलाह प्रदान करता रहा है। विशेष रूप से, इसने ब्रिटेन के साथ न्यूटन-विवेकानंद कार्यक्रम में योगदान दिया है। परिषद् ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, जिनमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय शामिल हैं, के लिए भी अध्ययन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न मंत्रालयों और पूर्ववर्ती योजना आयोग के नीतिगत दस्तावेजों और रिपोर्टों में भा.सा.वि.अ.प. के अध्ययनों और संदर्भों की उल्लेखनीय उपस्थिति है।

भा.सा.वि.अ.प. ने अपनी स्थापना के 56 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान इसे भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को दिशा देने और वैश्विक स्तर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सक्रिय रूप से सहभागिता सहित अवसरों के साथ-साथ महत्वपूर्ण चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। स्कोपस से प्राप्त वैश्विक ग्रंथसूची संबंधी आंकड़ों के अनुसार, 1866 से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान प्रकाशनों की संचयी संख्या 1,55,89,282 है। भारत ने 1864 से इस क्षेत्र में एक मजबूत और निरंतर जुड़ाव को दर्शाता है जो इस क्षेत्र में एक मजबूत और निरंतर जुड़ाव को दर्शाता है। अकेले 2024 में, भारत ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में 62,988 प्रकाशन किए जो संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और

यूनाइटेड किंगडम के बाद वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर था। यह वर्ष के लिए इस सेक्टर में 8,93,993 प्रकाशनों के कुल वैश्विक उत्पादन का 7.04% है। भारत का बढ़ता योगदान वैश्विक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिदृश्य में इसकी बढ़ती भूमिका और दृश्यता को रेखांकित करता है।

इसके अलावा, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (जिसे पहले मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नाम से जाना जाता था) द्वारा 2015 में 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एनआईआरएफ)' की शुरुआत के साथ, अनुसंधान के प्रकार पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, क्योंकि संस्थानों या विश्वविद्यालयों के अनुसंधान अभिविन्यास और परिणामों पर रैंकिंग काफी हद तक निर्भर करती है। परिणामस्वरूप, नीति-निर्माता भारतीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में सुधार के उद्देश्य के साथ, अनुसंधान की गुणवत्ता और संस्कृति को बढ़ाने के लिए नई रणनीतियों और 'सर्वोत्तम वैश्विक कार्य-पद्धतियों' को अपनाने के लिए चिंतित हैं। यह 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों' की उल्लेखनीय वृद्धि में भी परिलक्षित होता है, जो भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा भारत के प्रमुख सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान किया गया एक सम्मान है। इस प्रकार, अनुसंधान को बढ़ावा देने और समर्थन देने के कार्य में संलग्न सभी संस्थान, जैसे भा.सा. वि.अ.प., उन्नत, नवीन और अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने की इस प्रमुख चुनौती का सामना करते हैं ताकि संस्थानों और विश्वविद्यालयों को अपनी राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में सुधार करने और देश में एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति का निर्माण करने में मदद मिल सके। तथापि, ऐसे अनेक अवसर मौजूद हैं जो भा.सा. वि.अ.प. को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान और नीति में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए लाभप्रद स्थिति में रखते हैं।

21वीं सदी को व्यापक रूप से एशिया की सदी कहा जाता है, जहां भारत, जापान और चीन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। भारत और चीन पिछले तीन दशकों में पहले से ही तीव्र विकास दर से उभर रहे हैं। शीत युद्ध की समाप्ति और वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण भारत को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति और भूमिका को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। 1990 के दशक के आर्थिक उदारीकरण के बाद से, भारत की वैश्विक उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। भारत तीन दशकों से अधिक समय से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है; इसके अलावा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी (नॉमिनल जीडीपी के संदर्भ में) के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और क्रय शक्ति समता (पीपीपी) (आईएमएफ और विश्व बैंक के अनुसार) की दृष्टि से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले कुछ वर्षों में, इसके दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने का अनुमान

है। इस परिदृश्य में, ऐसे कई मुद्दे हैं जो साझा वैश्विक अनुसंधान चिंताओं का कारण हैं, और साथ ही, कई राष्ट्रीय और नीति-विशिष्ट शोध चिंताएँ भी हैं जिनका अध्ययन करने के लिए अलग-अलग देश मौजूदा समस्याओं को समझने और उनके संभावित समाधान खोजने के लिए उत्सुक हैं। बढ़ती जनसंख्या, राष्ट्रीय सुरक्षा, विकास के स्वरूप, जल संसाधन, जलवायु परिवर्तन, स्थिरता, प्रवासन, शहरी अवसंरचना, समावेशिता आदि भारत की कुछ विशिष्ट चिंताएँ हैं। चूँकि राष्ट्र अक्सर अपनी साझा समस्याओं के संदर्भ में एकमत होते हैं, यही बात उनके अनुसंधान संबंधी चिंताओं के लिए भी कही जा सकती है।

भारत की ज्ञान सृजन में वैश्विक अग्रणी बनने की आकांक्षा उसकी अनुसंधान क्षमताओं और अवसंरचना पर आधारित है। अनुसंधान को अंततः अनिवार्य रूप से समाज की सेवा करनी चाहिए और नीति निर्माण एवं उसके वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन में योगदान देना चाहिए। आधुनिक अनुसंधान सीमित विषयों की सीमाओं से आगे बढ़कर अंतर- और बहु-विषयक अनुसंधान की ओर बढ़ रहा है, जहाँ कई विषय अपने बौद्धिक और अवसंरचनात्मक संसाधनों को मिलाकर व्यापक समाज के हित में एक साझा उद्देश्य प्राप्त करते हैं। इस संदर्भ में, भा.सा.वि.अ.प. की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि हम इस प्रकार के अंतर- या बहु-विषयक अनुसंधान को बढ़ावा दे रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी, नए विकासों की अधिक स्वीकार्यता प्राप्त करने के साथ-साथ समाज को उन विकासों को स्वीकार करने और उनके अनुकूल ढालने के लिए तैयार करने हेतु सामाजिक विज्ञान के दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है। सौभाग्य से, मजबूत अनुसंधान और नवाचार के इन सभी पहलुओं को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020' द्वारा अच्छी तरह से शामिल किया गया है जो रेखांकित करता है कि "ज्ञान सृजन और अनुसंधान एक बड़ी और जीवंत अर्थव्यवस्था को विकसित करने और बनाए रखने, समाज के उत्थान और एक राष्ट्र को और भी अधिक ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रेरित करने में केंद्रीय रूप से महत्वपूर्ण हैं। [...] आज दुनिया में हो रहे तेजी से बदलावों के साथ अनुसंधान का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र शायद पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है [...]।"

भारत को वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय परिवेश में एक प्रमुख हितधारक के रूप में देखा जाता है, और इसलिए, इसके अनुसंधान परिणामों में वैश्विक गुणवत्तापूर्ण शोध का बड़ा हिस्सा होने की उम्मीद की जाती है। नए अनुसंधान कई बड़े बदलावों की ओर ले जा रहे हैं, जो औपनिवेशिक अवधारणाओं और सिद्धांतों को चुनौती दे रहे हैं। भारत की चुनौतियों और

समस्याओं का विश्लेषण पश्चिमी वैचारिक और अनुभवजन्य नजरिए से करने के स्थान पर, हमारी अपनी सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर करने पर भी अधिक जोर दिया जा रहा है। ऐसा अनुसंधान विभिन्न स्थानीय या सामुदायिक और देश-विशिष्ट समस्याओं को हल करने और नवीन समाधान एवं विकल्प सुझाने में बेहतर है।

भा.सा.वि.अ.प. का उद्देश्य सरकार और अन्य अनुसंधान संगठनों के सहयोग से भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को तीव्रता से बढ़ावा देना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान प्रकाशनों की भारत के उच्च वृद्धि दर (स्कोपस सांख्यिकी) भारत की वर्तमान और आने वाले वर्षों में भूमिका का एक सशक्त संकेतक है। अब, यह अपने कार्यक्रमों और योजनाओं के मात्रात्मक विस्तार के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान परिणामों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। हर साल, भा.सा. वि.अ.प. देश में गुणवत्तापूर्ण सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए हजारों विद्वानों, संकाय और अनुसंधान संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

भा.सा.वि.अ.प. का संगठनात्मक ढाँचा: भा.सा.वि.अ.प. का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय, जिसे परिषद् के नाम से जाना जाता है, में 27 सदस्य हैं, जिनमें भा.सा.वि.अ.प. के अध्यक्ष और सदस्य-सचिव, 18 समाज विज्ञानी (गैर-पदेन सदस्य), एक सहयोजित सदस्य और भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले 6 पदेन सदस्य शामिल हैं। शासी परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट 1 में दी गई है।

सदस्य सचिव मुख्य कार्यकारी अधिकारी होते हैं और भा.सा.वि.अ.प. सचिवालय का नेतृत्व करते हैं जिसमें निदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक और अन्य अधिकारी शामिल होते हैं।

परिषद् की तीन स्थायी समितियाँ हैं: अनुसंधान समिति (आरसी), अनुसंधान संस्थान समिति (आरआईसी) और योजना एवं प्रशासन समिति (पीएसी)। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भा.सा.वि.अ.प. ने विभिन्न प्रभागों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए परिषद्, अनुसंधान समिति, अनुसंधान संस्थान समिति और योजना एवं प्रशासन समिति की बैठकें आयोजित की हैं।

यह भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा. सा.वि.अ.प.) की 56वीं वार्षिक रिपोर्ट है जिसमें 1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक परिषद् की गतिविधियों का विवरण दिया गया है।

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम/ योजना/ सेवा	लाभार्थियों की संख्या
1.	अनुसंधान परियोजनाएँ (प्रदत्त) (प्रमुख, लघु, अनुसंधान कार्यक्रम और विशेष आमंत्रण परियोजनाएँ)	820
2.	प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं की अंतिम रिपोर्टें (पिछले वर्ष)	निरंतर
3.	राष्ट्रीय फेलोशिप (प्रदान की गई)	---
4.	सीनियर फेलोशिप (प्रदान की गई)	33
5.	पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप (प्रदान की गई)	273
6.	डॉक्टरेट फेलोशिप (प्रदान की गई)	483
7.	प्राप्त शोध फेलोशिप की अंतिम रिपोर्ट (पिछले वर्षों में)	467
8.	भा.सा.वि.अ.प. प्रायोजित अध्ययनों से प्रकाशित शोध पत्र	438
9.	शोध रिपोर्ट/डॉक्टरेट शोध प्रबंध आदि के लिए प्रकाशन अनुदान	8
10.	सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए तदर्थ अनुदान	71
11.	सामाजिक वैज्ञानिकों के संघों/संगठनों को रखरखाव और व्यावसायिक विकास के लिए तदर्थ अनुदान	15
12.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएँ (नैस्डॉक से परामर्श लेने वाले स्कॉलरों की कुल संख्या)	6931
13.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम क) विदेश यात्रा अनुदान एवं डेटा संग्रह ख) संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ	290 10
14.	अनुसंधान पद्धति और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	117
15.	भारत में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलन के आयोजन हेतु प्रस्तावों को मंजूरी	527
16.	भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थानों से प्राप्त शोध परिणाम (प्रकाशन) क). पुस्तकें/रिपोर्ट ख). कार्य पत्र/मोनोग्राफ ग). शोध पत्र	101 59 384

अनुसंधान प्रोत्साहन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना है। भा.सा.वि.अ.प. अपने विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है; जैसे शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं की लघु, प्रमुख और सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना; शोधार्थियों एवं शिक्षकों को डॉक्टरल, पोस्ट-डॉक्टरल, वरिष्ठ तथा राष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान करना; सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के निष्कर्षों के प्रसार हेतु सेमिनारों एवं सम्मेलनों के लिए अनुदान देना; युवा शोधकर्ताओं एवं प्राध्यापकों के लिए प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का प्रायोजन करना; शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों को अंतरराष्ट्रीय यात्राओं तथा डेटा संकलन हेतु अनुदान प्रदान करना; विदेशों की वित्तपोषक एजेंसियों के साथ अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना; पत्रिकाओं एवं पुस्तकों के प्रकाशन के लिए अनुदान देना तथा व्यावसायिक सामाजिक विज्ञान संस्थाओं एवं संगठनों को बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु सहायता प्रदान कर सशक्त बनाना; और सामाजिक विज्ञान के शोधार्थियों को पुस्तकालय, दस्तावेजीकरण, डेटा तथा ऑनलाइन साहित्य सेवाएँ उपलब्ध कराना आदि।

भा.सा.वि.अ.प. ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन हेतु निम्नलिखित प्रमुख विषयों की पहचान की है —

1. अर्थशास्त्र
2. समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानवशास्त्र
3. राजनीति विज्ञान / जन प्रशासन
4. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन
5. सामाजिक भूगोल एवं जनसंख्या अध्ययन
6. वाणिज्य एवं प्रबंधन
7. सामाजिक मनोविज्ञान
8. शिक्षा
9. सामाजिक भाषाविज्ञान / सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन
10. विधि / अंतरराष्ट्रीय विधि
11. राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन

12. अन्य संबद्ध सामाजिक विज्ञान विषय — जैसे पुस्तकालय विज्ञान, समाजकार्य, मीडिया अध्ययन, आधुनिक सामाजिक इतिहास, स्वास्थ्य अध्ययन, लिंग अध्ययन, पर्यावरणीय अध्ययन, प्रवासी अध्ययन, क्षेत्रीय अध्ययन, संस्कृत-सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन आदि, जिनसे अंतर्विषयी एवं बहुविषयी अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलता है।

विशेष कॉल परियोजनाएँ

सामाजिक एवं मानव विज्ञानों में दीर्घकालिक अध्ययन

भा.सा.वि.अ.प. ने 12 जुलाई, 2024 को सामाजिक और मानव विज्ञान में दीर्घकालिक अध्ययन पर सहयोगात्मक अनुसंधान प्रस्तावों के लिए विशेष आमंत्रण की घोषणा की। प्रारंभ में, प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया था जिसे आगे बढ़ाकर 18 अगस्त, 2024 कर दिया गया। भा.सा.वि.अ.प. को 667 प्रस्ताव प्राप्त हुए।

इन प्रस्तावों का मूल्यांकन दो चरणों वाली ब्लाइंड रिव्यू प्रक्रिया के तहत किया गया। आवेदनों/प्रस्तावों को मास्कड और कोडित किया गया। भा.सा.वि.अ.प. में 25.08.2024 से 29.08.2024 तक प्रथम चरण का मूल्यांकन आयोजित किया गया।

मूल्यांकन का दूसरा चरण, भा.सा.वि.अ.प. में दो दिनों, अर्थात् 05.09.2024 से 06.09.2024 तक आयोजित किया गया। इंटरैक्शन (संवाद) के लिए विशेषज्ञों द्वारा कुल 73 प्रस्तावों की अनुशंसा की गई।

ये इंटरैक्शन 07.09.2024 से 09.09.2024 तक आयोजित किए गए जिनमें दो पैनल शामिल थे। प्रत्येक पैनल में छह विशेषज्ञ शामिल थे। आवेदकों से इंटरैक्शन के दो दौर किए गए। पहले दौर में 73 आवेदकों को दूसरे चरण के इंटरैक्शन के लिए चुना गया। दूसरे दौर के इंटरैक्शन पूरे होने पर, 23 प्रस्तावों का चयन किया गया।

ये इंटरैक्शन हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए जिसमें अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन भाग लिया और विशेषज्ञ भा.सा.वि.अ.प. में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

सामाजिक एवं मानव विज्ञान में दीर्घकालिक अध्ययन के लिए कुल 32,20,00,000/- रुपये का सहायता अनुदान स्वीकृत किया गया।

विज्ञान विकसित भारत@2047 पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विशेष आह्वान

भा.सा.वि.अ.प. ने 11 मार्च, 2024 को विज्ञान विकसित भारत@2047 पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विशेष आमंत्रण की घोषणा की थी। प्रारंभ में, आवेदकों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया था लेकिन संसदीय चुनावों के कारण ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 जून, 2024 तक बढ़ा दी गई थी जिसे बाद में 15 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया गया था।

विज्ञान विकसित भारत@2047 पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विशेष आमंत्रण के तहत प्रस्ताव निम्नलिखित दो श्रेणियों के अंतर्गत आमंत्रित किए गए थे: -

1. (श्रेणी-ए) अन्वेषणात्मक एवं अनुप्रयुक्त सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना: इस श्रेणी के अंतर्गत परियोजनाएं 12 महीने की अवधि की थीं जिनका अधिकतम बजट 25 लाख रुपये तक था।
2. (श्रेणी-बी) अन्वेषणात्मक, प्रायोगिक और दीर्घकालिक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना: इस श्रेणी के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाएं 3 वर्षों के लिए प्रदान की गईं जिनका अधिकतम बजट 3 करोड़ रुपये तक था।

भा.सा.वि.अ.प. को 2404 शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए। श्रेणी-ए में कुल 1929 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि श्रेणी-बी में 475 शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए।

दिशानिर्देशों के अनुसार आवेदकों की पात्रता की जाँच हेतु भा.सा.वि.अ.प. के सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक स्क्रीनिंग समिति का गठन किया गया था। स्क्रीनिंग के पहले चरण के बाद, 2389 आवेदकों को आगे के मूल्यांकन के लिए पात्र पाया गया।

सभी पात्र आवेदनों/प्रस्तावों को दो चरणों वाली ब्लाइंड समीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मास्कड और कोडित किया गया था। पहले चरण का मूल्यांकन भा.सा.वि.अ.प. में 22.07.2024 से 17.08.2024 तक आयोजित किया गया था जिसका मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया था। मूल्यांकन के पहले चरण के पूरा होने पर, 768 प्रस्तावों को शॉर्टलिस्ट किया गया जिनमें श्रेणी 'ए' से 639 और श्रेणी 'बी' से 129 प्रस्ताव शामिल थे।

भा.सा.वि.अ.प. में दूसरे चरण का मूल्यांकन 10.08.2024 से 18.08.2024 तक आयोजित किया गया। दूसरे चरण के मूल्यांकन के पूरा होने पर, 501 प्रस्तावों (श्रेणी 'ए' से 413

प्रस्ताव और श्रेणी 'बी' से 82 प्रस्ताव) को इंटरैक्शन के लिए चुना गया।

ये इंटरैक्शन 21.08.2024 से 26.08.2024 तक आयोजित किए गए जिनमें दो-दो विशेषज्ञों वाले पाँच पैनल गठित किए गए (श्रेणी 'बी' के लिए 1 और श्रेणी 'ए' के लिए 4)। श्रेणी 'बी' के लिए दो दौर और श्रेणी 'ए' के लिए एक दौर का इंटरैक्शन आयोजित किया गया। ये इंटरैक्शन हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए, जहाँ अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन भाग लिया और विशेषज्ञ पैनल भा.सा.वि.अ.प. में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

इंटरैक्शन के दौरान, उनके प्रदर्शन और प्रस्तुतियों के आधार पर, विशेषज्ञ समिति ने 229 प्रस्तावों (श्रेणी ए में 214 परियोजनाएं और श्रेणी बी में 15 परियोजनाएं) की सिफारिश की।

इस आमंत्रण के लिए कुल सहायता अनुदान 46,29,41,000/- रुपये है (श्रेणी ए के लिए 35,00,41,000/- रुपये और श्रेणी बी के लिए 11,29,00,000/- रुपये आवंटित)।

अनुसंधान परियोजनाएँ

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) ओएच-31 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अंतःविषयक, बहुविषयक और ट्रान्स डिस्सिप्लनरी अनुसंधान को बढ़ावा देता है, जो विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों, महाविद्यालयों और अन्य मान्यता प्राप्त शैक्षणिक निकायों जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए खुले हैं।

भा.सा.वि.अ.प. मुख्यतः दो श्रेणियों के अंतर्गत अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है:

- **नियमित परियोजनाएं:** मुख्य और लघु श्रेणियों में विभाजित।
- **विशेष आमंत्रण:** राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के साथ संरेखित विषयगत अनुसंधान आमंत्रण।

सामाजिक विज्ञान में उदीयमान प्राथमिकताएँ: भा.सा. वि.अ.प. के नए अवार्ड थीम

€ जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना

भा.सा.वि.अ.प. ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर केंद्रित सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किए—जेजेएम एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य सभी ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य जल उपलब्धता, स्वास्थ्य परिणामों और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों के संदर्भ में योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। इस कॉल के प्रत्युत्तर में कुल 610 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 52 प्रस्ताव विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित किए गए।

€ सौर ऊर्जा और स्थिरता पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान

सौर ऊर्जा परिवर्तन के बारे में जानकारी जुटाना, सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की दक्षता और पहुँच में सुधार लाना और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 7 पर सौर ऊर्जा के प्रभाव का मूल्यांकन करना। भा.सा.वि.अ.प. शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों को लक्षित करते हुए, सौर ऊर्जा और स्थिरता पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान के लिए सक्रिय रूप से अनुसंधान प्रस्तावों की तलाश में है। इसका लक्ष्य सौर ऊर्जा परिवर्तन और सतत विकास पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी जुटाना है। इसमें सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की दक्षता, सामर्थ्य और मापनीयता का मूल्यांकन, साथ ही सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने पर उनके प्रभाव का आकलन शामिल है। प्रस्तावों के लिए आमंत्रण में सौर ऊर्जा नीतियों और रणनीतियों में सुधार के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है। इस कॉल के अंतर्गत प्राप्त 538 आवेदनों में से कुल 43 परियोजनाएँ विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित की गईं।

€ मुख्य और लघु अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25):

देश में जीवंत और प्रगतिशील अनुसंधान वातावरण को बढ़ावा देने के लिए भा.सा.वि.अ.प. सामाजिक और मानव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन, वित्तपोषण और समन्वय करता है। इस मिशन के अनुरूप, इन क्षेत्रों में भारतीय शोधकर्ताओं को मुख्य और लघु शोध परियोजनाएँ प्रदान की जाती हैं जिनका उद्देश्य वर्तमान और उभरती चुनौतियों के

साक्ष्य-आधारित समाधानों के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में योगदान देना है।

मुख्य और लघु अनुसंधान परियोजना आवेदनों के आमंत्रण के प्रत्युत्तर में, अंतिम तिथि अर्थात 3 नवंबर, 2024 तक कुल 10,492 प्रस्ताव प्राप्त हुए और कुल 439 प्रमुख और लघु परियोजनाएँ प्रदान की गईं।

- **कुल प्राप्त प्रस्ताव: 10,492**
मुख्य परियोजनाएँ: 5,122
लघु परियोजनाएँ: 5,370
- **प्रदत्त परियोजनाएँ:**
मुख्य परियोजनाएँ: 192
लघु परियोजनाएँ: 247
- **कुल अनुशंसित परियोजनाएँ: 439**

€ भारत के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर बहु-विषयक अध्ययन (2024-25)

भा.सा.वि.अ.प. ने उड़ीसा अनुसंधान केंद्र में अपने विशेष अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए भारत में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर केंद्रित परियोजनाओं के लिए आह्वान किया। भारत के 18 राज्यों और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्यक्षेत्र में 75 पीवीटीजी रहते हैं। इस पहल के तहत, भा.सा.वि.अ.प. ने भारत में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर "बहु-विषयक अध्ययनों" की एक शृंखला प्रस्तावित की। इस आमंत्रण में कुल 1,067 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 34 प्रस्तावों को विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित किया गया।

तालिका 2.1

प्रमुख और लघु अनुसंधान परियोजनाओं की स्थिति (रिस्पान्सिव)

अवधि	प्रदत्त परियोजनाएँ	रद्द/बंद/वापस ली गईं	शामिल परियोजनाएँ	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	लंबित/जारी रिपोर्टें
अप्रैल 1969-मार्च 1990	2023	225	1798	1798	---
1990-2010	1426	98	1328	1328	--
2010-2011	185	7	178	178	
2011-2012	365	10	355	351	4
2012-2013	289	3	286	285	1
2013-2014	187	5	182	180	2
2014-2015	333	21	312	310	2
2015-2016	326	22	304	288	18
2016-2017	470	17	453	405	48
2017-2018	356	2	354	262	91

अवधि	प्रदत्त परियोजनाएँ	रद्द/बंद/वापस ली गई	शामिल परियोजनाएं	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	लंबित/जारी रिपोर्टें
2018-2019	4*	—	4	2	2
2019-2020	320	41	279	205	74
2020-2021	74	3	71	71	शून्य
2021-2022	348	20	332	230	98 (जारी)
2022-2023	413	23	390	155	235 (जारी)
2023-2024	377	8	369	71	298 (जारी)
2024-2025	439	13	426	--	426 (जारी)
कुल	7931	518	7421	6119	1299

* मूल नोट के अनुसार, 249 इम्प्रेस परियोजनाओं को 2018-2019 की पंक्ति से बाहर रखा गया है।

तालिका 2.2 अनुसंधान कार्यक्रमों या परियोजनाओं की स्थिति (प्रायोजित)

वर्ष	प्रदत्त परियोजनाएँ	रद्द/बंद/वापस ली गई	शामिल परियोजनाएं	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	रिपोर्ट लंबित
2011-2012	27	0	27	27	0
डीएनटी अध्ययन	4	0	4	4	0
2012-2013	43	1	42	42	0
2013-2014	75	10	65	65	0
2014-2015	61	3	58	58	0
2015-2016	73	0	73	71	2
2016-2017	32	0	32	32	0
2017-18	73	3	70	63	9
2018-19	0	0	0	0	
2019-20	47	1	46	3	43
*2020-2021	--	--	--	--	--
2021-2022	58	4	54	33	21 (जारी)
2022-2023 भारत की अनुसूचित जनजातियों की संस्कृति, इतिहास और भूगोल पर अध्ययन हेतु विशेष आमंत्रण (जनजातीय अध्ययन)	163	24	139	27	112 (जारी)
2023-2024	51	0**	51	--	जारी
2024-2025	---	---	----	---	----
कुल	707	46	661	425	187

* महामारी के कारण उत्पन्न बाधाओं के कारण कोई नयी परियोजना प्रदान नहीं की जा सकी।

**सही संख्या शून्य (0) है

तालिका 2.3

वर्ष (2024-25)	प्रदत्त परियोजनाएँ	शामिल परियोजनाएँ	रद्द/बंद/ वापस ली गई	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	रिपोर्ट लंबित
जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना	52	52	0	जारी	जारी
सौर ऊर्जा और स्थिरता पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना (एसईएस)	43	42	1	जारी	जारी
भारत के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी)	34	33	1	जारी	जारी
कुल	129	127	2	-	-

अनुसंधान फेलोशिप

युवा, वरिष्ठ और स्थापित सामाजिक वैज्ञानिकों को अनुसंधान के अवसर प्रदान करने और उन्हें उनकी पसंद के महत्वपूर्ण विषयों पर पूर्णकालिक अनुसंधान में संलग्न करने के लिए, चार श्रेणियों की फेलोशिप, अर्थात् राष्ट्रीय फेलोशिप, सीनियर फेलोशिप, पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप और डॉक्टरल फेलोशिप, उन विद्वानों (स्कॉलर) को प्रदान की जाती हैं जो अपने पेशे में विभिन्न स्तरों पर हैं।

राष्ट्रीय फेलोशिप

राष्ट्रीय फेलोशिप का उद्देश्य प्रतिष्ठित भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को पूर्णकालिक अनुसंधान में संलग्न होने का अवसर प्रदान करना है जिससे वे अपनी पसंद के महत्वपूर्ण विषयों पर सामाजिक विज्ञान में ज्ञान के संवर्धन में योगदान दे सकें या अपने अनुसंधान पर आधारित पुस्तकें लिख सकें। भा.सा.वि.अ.प. ने अब तक 174 राष्ट्रीय फेलोशिप प्रदान की हैं। संबंधित विवरण तालिका 2.4 में दिए गए हैं।

सीनियर फेलोशिप

आवेदकों द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय एवं सामाजिक महत्व के विषयों और मुद्दों पर पूर्णकालिक अनुसंधान करने के लिए सीनियर फेलोशिप उत्कृष्ट भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को प्रदान की जाती हैं। इन अध्ययनों से विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक और वैचारिक प्रगति में योगदान, क्षेत्रीय कार्य आधारित अनुभवजन्य आँकड़े तैयार करने और नीति निर्माण में योगदान की अपेक्षा की जाती है। भा.सा.वि.अ.प. ने अब तक 921 सीनियर फेलोशिप प्रदान की हैं। वर्ष के दौरान 33 सीनियर फेलोशिप प्रदान की गईं और पिछले वर्षों से संबंधित 34 अंतिम रिपोर्टें प्राप्त हुईं। संबंधित विवरण तालिका 2.5 में दिया गया है।

पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप

पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप उन युवा भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को प्रदान की जाती है जिनमें आवेदकों द्वारा प्रस्तावित विशिष्ट विषयों और मुद्दों पर पूर्णकालिक शोध करने की उच्च क्षमता और संभावना हो। इन अध्ययनों से विभिन्न विषयों में सैद्धांतिक और वैचारिक प्रगति में योगदान, क्षेत्रीय कार्य आधारित अनुभवजन्य आँकड़े तैयार करने और नीति निर्माण में योगदान की अपेक्षा की जाती है। भा.सा.वि.अ.प. ने अब तक 3547 पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्रदान की हैं। वर्ष के दौरान 273 पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्रदान की गईं और पिछले वर्षों से संबंधित 167 अंतिम रिपोर्टें प्राप्त हुईं। संबंधित विवरण तालिका 2.6 में दिया गया है।

विद्वानों (स्कॉलर) की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, भा.सा.वि.अ.प. शोधार्थियों (फेलो) को अपनी फेलोशिप के दौरान प्रतिष्ठित जर्नल (पत्रिकाओं) में अपने शोध के विषय से संबंधित गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र/लेख प्रकाशित करने होते हैं। रिपोर्ट किए गए वर्ष 2024-25 के दौरान, पिछले वर्षों के शोधार्थियों द्वारा विभिन्न शोध जर्नल में 438 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। इनमें से 23 शोध पत्र स्कोपस इंडेक्स जर्नल में, 142 यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल में और शेष शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समकक्ष समीक्षित रेफरी जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

नये अवार्ड

रिपोर्टिंग वर्ष 2024-25 के लिए, भा.सा.वि.अ.प. सचिवालय के द्वारा क्रमशः 26 जुलाई 2024 और 29 जुलाई 2024 को भा.सा.वि.अ.प. वेबसाइट पर पोस्टडॉक्टरल और सीनियर फेलोशिप के लिए 'आवेदन आमंत्रित' किए गए। सचिवालय को सीनियर फेलोशिप के लिए 242 और पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप के लिए 1889 आवेदन प्राप्त हुए। उचित मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद, 33 सीनियर और 273 पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप

प्रदान की गई। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान स्वीकृत सीनियर और फेलोशिप योजनाओं के लिए कुल व्यय रु.1985.36/- लाख पोस्टडॉक्टोरल फेलोशिप का विवरण परिशिष्ट 4 में दिया गया है। (सामान्य-रु.1545.09/- लाख, अजा-318.09/- लाख, वर्ष 2024-25 के दौरान, राष्ट्रीय/सीनियर/पोस्टडॉक्टोरल अजजा-रु. 122.18/-लाख) था।

तालिका 2.4
भा.सा.वि.अ.प. राष्ट्रीय फेलोशिप की वर्षवार स्थिति (31.03.2025 तक)

वर्ष	प्रदत्त	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	शामिल नहीं हुई/ रद्द/ बंद	उत्कृष्ट अंतिम रिपोर्ट
1969-1990	41	34	7	-
1991-2010	60	54	6	-
2010-2011	6	5	1	-
2011-2012	04	4	-	-
2012-2013	13	10	03	-
2013-2014	17	15	02	-
2014-2015	12	10	02	-
2015-2016	10	10	-	-
2016-2017	-	-	-	-
2017-2018	-	-	-	-
2018-2019	07	05	-	-
2019-2020	04	04	-	-
2020-2021	-	-	-	-
2021-2022	-	-	-	-
2022-2023	-	-	-	-
2023-2024	-	-	-	-
2024-2025	-	-	-	-
कुल	174	151	23	-

तालिका 2.5
भा.सा.वि.अ.प. सीनियर फेलोशिप की वर्षवार स्थिति (31.03.2025 तक)

वर्ष	प्रदत्त	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	शामिल नहीं हुई/ रद्द/ बंद	कार्य चल रहा है	उत्कृष्ट अंतिम रिपोर्ट
1969-1990	256	226	30	--	--
1991-2010	187	154	33	-	--
2010-2011	18	16	02	--	--
2011-2012	14	13	01	--	--
2012-2013	40	33	7	--	--
2013-2014	34	31	3	--	--

वर्ष	प्रदत्त	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	शामिल नहीं हुई/ रद्द/ बंद	कार्य चल रहा है	उत्कृष्ट अंतिम रिपोर्ट
2014-2015	35	28	06	--	01
2015-2016	47	35	10	--	02
2016-2017	34	31	2	--	01
2017-2018	36	36	--	--	00
2018-2019	49	33	05	--	11
2019-2020	45	32	03	--	10
2020-2021	--	--	--	--	--
2021-2022	30	16	--	--	14
2022-2023	29	06	02	--	21
2023-2024	34	--	01	33	--
2024-2025	33	--	--	33	--
कुल	921	690	105	66	60

तालिका 2.6

भा.सा.वि.अ.प. पोस्टडॉक्टोरल फ़ेलोशिप की वर्षवार स्थिति (31.03.2025 तक)

वर्ष	प्रदत्त	अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई	शामिल नहीं हुई/रद्द/बंद	कार्य चल रहा है	उत्कृष्ट अंतिम रिपोर्ट
1969-1990	117	79	38	0	--
1991-2010	212	139	73	0	--
2010-2011	38	30	8	0	--
2011-2012	55	48	7	0	--
2012-2013	200	169	31	0	--
2013-2014	404	346	51	0	07
2014-2015	252	182	64	0	06
2015-2016	321	213	84	0	24
2016-2017	256	179	45	0	32
2017-2018	226	178	29	0	19
2018-2019	224	149	12	--	63
2019-2020	269	182	14	--	73
2020-2021	--	--	--	--	--
2021-2022	243	109	24	--	110
2022-2023	185	48	14	--	123
2023-24	272		10	262	--
2024-25	273		11	262	
कुल	3547	2044	515	524	464

डॉक्टरल फेलोशिप

भा.सा.वि.अ.प. डॉक्टरल फेलोशिप चयनित पंजीकृत पीएचडी शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञान विषयों में अपने डॉक्टरल शोध-प्रबंध को पूरा करने के लिए प्रदान की जाती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शोधार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपने शोध कार्य पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने पीएचडी शोध-प्रबंधों और प्रकाशनों के रूप में गुणवत्तापूर्ण शोध-कार्य प्रस्तुत कर सकें।

भा.सा.वि.अ.प. अपनी 'केंद्र-प्रशासित डॉक्टरल फेलोशिप योजनाओं' और 'संस्थागत डॉक्टरल फेलोशिप योजना' के अंतर्गत निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार डॉक्टरल फेलोशिप प्रदान कर रहा है। केंद्र-प्रशासित योजनाओं के मामले में, फेलोशिप सीधे भा.सा.वि.अ.प. द्वारा प्रदान की जाती है और उसके द्वारा निगरानी की जाती है और संबंधित डॉक्टरल फेलो किसी विश्वविद्यालय या कॉलेज से संबद्ध होते हैं। संस्थागत फेलोशिप योजना के अंतर्गत, डॉक्टरल फेलो भा.सा.वि.अ.प. सहायता-अनुदान प्राप्त अनुसंधान संस्थान से संबद्ध होते हैं जो इनकी निगरानी करते हैं।

संस्थागत डॉक्टरल फेलोशिप योजना के अतिरिक्त, डॉक्टरल फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित तीन योजनाएं उपलब्ध हैं:

1. पूर्ण-कालिक डॉक्टरल फेलोशिप दो वर्ष की अवधि के लिए या विश्वविद्यालय में शोध प्रबंध (थीसिस) प्रस्तुत करने तक, जो भी पहले हो, प्रदान की जाती है।
2. अल्प-कालिक डॉक्टरल फेलोशिप उन विद्वानों को सहायता देने के लिए छह महीने की अवधि के लिए प्रदान की जाती है जो अपने डॉक्टरल कार्य के अंतिम चरण में हैं।
3. आकस्मिक अनुदान, शोध-कार्य पर व्यय को पूरा करने के लिए एक समेकित अनुदान है और यह उन विद्वानों को

प्रदान किया जाता है जिन्हें कोई आकस्मिक अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।

डॉक्टरल फेलोशिप पुरस्कार, 2024-2025

भा.सा.वि.अ.प. ने 02 अगस्त 2024 को अपनी वेबसाइट पर आवेदन आमंत्रित करके वर्ष 2024-25 के लिए डॉक्टरल फेलोशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। इसके साथ ही, भा.सा.वि.अ.प. संस्थानों को आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा गया था। इसके जवाब में, 2,944 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए जिनमें से 2,909 केंद्र प्रशासित फेलोशिप योजनाओं के लिए प्रस्तुत किए गए और 35 आवेदन भा.सा.वि.अ.प. संस्थानों द्वारा अग्रेषित किए गए। अंततः, 2,843 आवेदक विशेषज्ञ समिति द्वारा शोध प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके थे (केंद्र प्रशासित पूर्णकालिक फेलोशिप के लिए 2658, अल्पकालिक फेलोशिप के लिए 128, आकस्मिक अनुदान के लिए 19 और संस्थागत फेलोशिप के लिए 38)। विशेषज्ञ समिति की मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर, जिसके लिए एक ब्लाइंड रिव्यू प्रक्रिया अपनाई गई थी, भा.सा.वि.अ.प. ने अनंतिम रूप से 483 पूर्णकालिक डॉक्टरल फेलोशिप प्रदान की जिनमें से 473 केंद्र-प्रशासित योजना के तहत और 10 संस्थागत डॉक्टरल फेलोशिप योजना के तहत प्रदान की गई। 473 केंद्र-प्रशासित फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं में से 190 सामान्य, 47 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) (सामान्य), 129 अन्य पिछड़ा वर्ग (एनसीएल), 71 अनुसूचित जाति और 36 अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के थे। फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं की सूची अनुलग्नक 4 में दी गई है।

संस्थागत डॉक्टरल फेलोशिप योजना का विवरण तालिका 2.7 में दिया गया है:

तालिका 2.7

भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थानों में प्रदत्त संस्थागत डॉक्टरल फेलोशिप (2024-25)

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्राप्त आवेदन	प्रदान की गई फेलोशिप							
			सामान्य	ईडब्ल्यूएस (सामान्य)	ओबीसी (एनसीएल)	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल	पुरुष	महिला
1.	एएनएसआईएसएस, पटना	9	0	1	1	0	0	2	0	2
2.	सीआरआरआईडी, चंडीगढ़	4	1	0	1	0	0	2	1	1
3.	जीआईएफटी, तिरुवनंतपुरम	3	1	0	0	0	0	1	0	1
4.	आईडीएसके, कोलकाता	2	0	0	0	1	0	1	1	0
5.	आईएसईसी, बेंगलोर	7	2	0	0	0	0	2	1	1
6.	सीएसएसएस, कोलकाता	2	0	0	0	0	1	1	0	1

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्राप्त आवेदन	प्रदान की गई फेलोशिप							
			सामान्य	ईडब्ल्यूएस (सामान्य)	ओबीसी (एनसीएल)	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल	पुरुष	महिला
7.	एनकेसीसीडीएस, भुवनेश्वर	1	1	0	0	0	0	1	1	0
8.	सीडीएस, तिरुवनंतपुरम	1	0	0	0	0	0	0	0	0
9.	आईपीई, हैदराबाद	1	0	0	0	0	0	0	0	0
10.	सीएसडीएस, नई दिल्ली	1	0	0	0	0	0	0	0	0
11.	सीईएसएस, हैदराबाद	2	0	0	0	0	0	0	0	0
12.	एमपीआईएसएसआर, उज्जैन	2	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	35	5	1	2	1	1	10	4	6

केंद्र प्रशासित और संस्थागत योजनाओं के अंतर्गत योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 511 डॉक्टरल फेलोशिप पूर्णकालिक फेलोशिप के अलावा, 24 आवेदकों को भा.सा. प्रदान की। वि.अ.प. अल्पकालिक फेलोशिप और 4 को आकस्मिक अनुदान भा.सा.वि.अ.प. द्वारा डॉक्टरल फेलोशिप प्रदान करने की प्रदान किया गया। कुल मिलाकर, भा.सा.वि.अ.प. ने अपनी चार समग्र स्थिति नीचे तालिका संख्या 2.8 में दी गई है।

तालिका 2.8
भा.सा.वि.अ.प. डॉक्टरल फेलोशिप की वर्ष-वार स्थिति (31.03.2025 तक)

प्रदान करने का वर्ष	प्रदत्त पूर्णकालिक डॉक्टरल	शामिल नहीं किया/ रह/ बंद	डॉक्टरल शोध प्रबंध प्राप्त हुए	शोध प्रबंध अभी प्रस्तुत नहीं किया गया/पर कार्य चल रहा है
1971-2003	1357	434	923	0
2003-2004	89	08	81	0
2004-2005	94	02	92	0
2005-2006	28	03	25	0
2006-2007	80	11	69	0
2007-2008	102	08	94	0
2008-2009	96	07	89	0
2009-2010	77	12	65	0
2010-2011	99	08	91	0
2011-2012	131	16	72	43
2012-2013	498	43	319	136
2013-2014	545	40	364	141
2014-2015	765	92	497	176
2015-2016	574	63	363	148
2016-2017	476	51	331	94
2017-2018	484	57	271	156

प्रदान करने का वर्ष	प्रदत्त पूर्णकालिक डॉक्टरल	शामिल नहीं किया/ रद्द/ बंद	डॉक्टरल शोध प्रबंध प्राप्त हुए	शोध प्रबंध अभी प्रस्तुत नहीं किया गया/पर कार्य चल रहा है
2018-2019	505	19	222	264
2019-2020	495	11	189	295
2020-2021*	0	0	0	0
2021-2022	518	45	78	395
2022-2023	492	54	27	411
2023-2024	482	28	273	454
2024-2025	483	07	266	476
कुल	8470	1019	4801	3189

* कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न बाधाओं के कारण 2020-2021 के दौरान कोई चयन नहीं किया जा सका।

2024-2025 में प्राप्त पीएच.डी. थीसिस और प्रकाशन

वर्ष 2024-25 के दौरान, भा.सा.वि.अ.प. डॉक्टरल फेलो द्वारा 266 पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की गईं जिनमें संस्थागत फेलोशिप पुरस्कार विजेताओं से प्राप्त 12 थीसिस शामिल हैं, सूची परिशिष्ट 4 में देखी जा सकती है। कुल मिलाकर, इस योजना के लागू होने के बाद से भा.सा.वि.अ.प. को अब तक अपने फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं से 4,480 पीएचडी थीसिस प्राप्त हुई हैं।

वर्ष 2024-25 तक प्रदान की गई भा.सा.वि.अ.प. पूर्णकालिक डॉक्टरल फेलोशिप की संख्या, फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं द्वारा ली गई फेलोशिप और पिछले कुछ वर्षों में भा.सा.वि.अ.प. द्वारा अपने फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं से प्राप्त शोध प्रबंधों (थीसिस) की वर्षवार जानकारी तालिका 2.7 में देखी जा सकती है।

भा.सा.वि.अ.प. ने 2022-23 और 2023-24 बैच के अपने डॉक्टरल फेलोशिप प्राप्तकर्ताओं द्वारा किए गए प्रकाशनों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सक्रिय कदम उठाए। इसके परिणामस्वरूप, भा.सा.वि.अ.प. को 182 शोध पत्रों की प्रतियाँ प्राप्त हुईं जो समकक्ष-समीक्षित/स्कोपस इन्डेक्स जर्नल में और 38 अध्याय संपादित पुस्तकों में प्रकाशित हुए थे। जर्नल में प्रकाशित 182 शोध पत्रों में से, 43 शोध पत्र स्कोपस-इन्डेक्स जर्नल में और 139 समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में, 108 अंतर्राष्ट्रीय और 29 राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। प्रकाशित 232 शोध पत्रों की संबंधित सूची परिशिष्ट 4 में दी गई है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/सम्मेलन

भा.सा.वि.अ.प., विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों में अनुसंधान को आगे बढ़ाने की एक प्रमुख रणनीति के रूप में, भारत में सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करने हेतु शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को अनुदान प्रदान करता है। ये सेमिनार, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, उद्योग भागीदारों और अन्य हितधारकों को शोध

निष्कर्षों के साथ-साथ क्षेत्र-विशिष्ट विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं। सेमिनार और सम्मेलन भविष्य की चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाते हुए समसामयिक मुद्दों पर महत्वपूर्ण शैक्षणिक परिणाम और अनुसंधान साहित्य भी सृजित करते हैं।

भा.सा.वि.अ.प. वित्तपोषण के लिए सेमिनार प्रस्तावों की तीन अलग-अलग श्रेणियों पर विचार करता है, अर्थात् राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और सहयोगात्मक सेमिनार। अपने सेमिनार कार्यक्रमों के माध्यम से, भा.सा.वि.अ.प. साक्ष्य-आधारित और समाधान-उन्मुख अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है जो नीति-प्रासंगिक मुद्दों पर चिंताओं और प्रश्नों का समाधान करता है। भा.सा.वि.अ.प. द्वारा चिन्हित प्रमुख क्षेत्रों में सेमिनार और सम्मेलन अनुसंधान परिणामों को विकसित करने में मदद करते हैं जिन्हें आधारभूत नीतियों या नीतिगत सिफारिशों के रूप में लागू किया जा सकता है।

अपने नियमित आमंत्रणों के अतिरिक्त, भा.सा.वि.अ.प. ने सरदार वल्लभभाई पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर उनकी विरासत की स्मृति में विशेष आमंत्रणों की घोषणा की।

राष्ट्रीय एकता (नेशनल यूनिटी) सेमिनार

राष्ट्रीय एकता सेमिनारों का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के चिरस्थायी विचारों और विरासत को आगे बढ़ाना है। आधुनिक भारत की राजनीतिक वास्तविकता और राष्ट्रीय पहचान को आकार देने, साथ ही भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए मजबूत संस्थाओं के निर्माण के संबंध में उनका दृष्टिकोण, गहन शैक्षणिक एवं अनुसंधान-कार्य के योग्य है।

जनजातीय गौरव (ट्राइबल प्राइड) सेमिनार

जनजातीय गौरव सेमिनारों का उद्देश्य चल रहे अनुसंधान को गति प्रदान करना, जनजातीय सशक्तिकरण, जनजातीय संस्कृति और

विरासत की समझ को गहरा करना और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती समारोह के आलोक में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और योगदान के प्रति जागरूकता विकसित करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भा.सा.वि.अ.प. को पूरे भारत से अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों के आयोजन हेतु 1747 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनमें से 527 प्रस्तावों को विशेषज्ञ समिति द्वारा वित्त पोषण हेतु चुना गया। इनमें 135 अंतर्राष्ट्रीय और 392 राष्ट्रीय सेमिनारों के प्रस्ताव शामिल हैं जिनमें से 42 राष्ट्रीय एकता सेमिनारों के अंतर्गत और 37 जनजातीय गौरव सेमिनारों के अंतर्गत अनुमोदित किए गए। अनुमोदित सेमिनारों की सूची परिशिष्ट-5 में देखी जा सकती है। भा.सा.वि.अ.प. द्वारा अपनी स्थापना के बाद से वित्त पोषित सेमिनारों का वर्ष-वार विवरण तालिका संख्या 2.9 में देखा जा सकता है।

तालिका संख्या 2.9

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन (प्रायोजित/वित्तपोषित)

वर्ष	राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार
1971-1990	297	24
1990-2010	1400	161
2010-2011	81	15
2011-2012	82	59
2012-2013	249	108
2013-2014	270	130
2014-2015	347	133
2015-2016	462	149
2016-2016	277	79
2017-2018	217	87
2018-2019	235	91
2019-2020	227	94
2020-2021	18	02
2021-2022	196	30
2022-2023	524*	73
2023-2024	385	187
2024-2025	392	135
कुल	5659	1557

* इसमें 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत प्रदत्त 280 संगोष्ठी / सम्मेलन भी शामिल हैं।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

भा.सा.वि.अ.प. युवा शोधार्थियों और प्रारंभिक एवं मिड-कैरियर संकाय सदस्यों की अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को वित्तपोषित और प्रोत्साहित करता है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार, नवाचार को बढ़ावा देना और जटिल सामाजिक मुद्दों का समाधान करना है।

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण (टीसीबी) प्रभाग सामाजिक विज्ञान संकायों को दो श्रेणियों में अनुदान प्रदान करता है:

(क) अनुसंधान प्रणाली पाठ्यक्रम (आरएमसी)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पीएचडी/पीडीएफ विद्वानों (स्कॉलर) को उनकी कार्यप्रणाली और लेखन कौशल को मजबूत करके भविष्य के शिक्षाविदों और सामाजिक विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं के रूप में विकसित करना है।

(ख) क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी)

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेवारत संकाय सदस्यों, मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान विषयों में सहायक प्रोफेसरों की सामान्य कार्यप्रणाली और लेखन क्षमताओं में सुधार करना तथा उन्हें अपने क्षेत्रों में नवीनतम विकास से अवगत कराना है।

1971 में, जब इस कार्यक्रम की पहली बार अवधारणा बनाई गई थी, तब से भा.सा.वि.अ.प. द्वारा 1367 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को वित्त पोषित किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण कार्यक्रम दोनों के लिए कुल 235 प्रस्ताव (आरएमसी-144 और सीबीपी-91) प्राप्त हुए और मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समितियों के समक्ष रखे गए। समितियों ने 117 प्रस्तावों को अनुमोदन दिया: अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के अंतर्गत 73 और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत 44 प्रस्ताव। वर्ष 2024-25 के लिए अनुमोदित अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की सूची परिशिष्ट-6 में देखी जा सकती है।

भा.सा.वि.अ.प. द्वारा आयोजित/वित्तपोषित आरएमसी और सीबीपी पाठ्यक्रमों का विवरण तालिका 2.10 में दिया गया है

तालिका 2.10

आरएमसी और सीबीपी की वर्षवार स्थिति

वर्ष	अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम	क्षमता निर्माण कार्यक्रम	कुल
1971 -90	119	-	119
1990-10	235	-	235
2010-11	10	-	10

वर्ष	अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम	क्षमता निर्माण कार्यक्रम	कुल
2011-12	17	-	17
2012-13	108	38	146
2013-14	53	18	71
2014-15	55	24	79
2015-16	79	23	102
2016-17	36	23	59
2017-18	29	23	52
2018-19	47	25	72
2019-20	47	20	67
2020-21	09	06	15
2021-22	31	24	55
2022-23	32	36	68
2023-24	50	33	83
2024-25	73	44	117
कुल	1030	337	1367

युवा स्कॉलरों के लिए राष्ट्रीय तर्कपूर्ण निबंध लेखन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस बात पर जोर देती है कि उत्कृष्ट शोध की संस्कृति का पोषण देश में एक मजबूत शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए आवश्यक है। इस नीति में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में "सक्रिय रूप से अनुसंधान को बढ़ावा देने" के लिए एक रूपरेखा लाकर उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव की परिकल्पना की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) ने युवा स्कॉलरों के लिए "भारत में एक साथ चुनाव: एक राष्ट्र, एक चुनाव" विषय पर एक राष्ट्रीय तर्कपूर्ण निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में आयोजित की गई: क) स्नातक छात्र ख) स्नातकोत्तर छात्र ग) पीएचडी छात्र।

इस प्रतियोगिता ने युवा स्कॉलरों और भावी शोधकर्ताओं के बीच शोध प्रक्रिया के विकास हेतु क्षमता निर्माण के एक उपाय के रूप में कार्य किया। यह शोध कौशल को संस्थागत बनाती है और उच्च-गुणवत्तापूर्ण शोध करने की उनकी योग्यता को सुदृढ़ बनाती है।

ऑनलाइन विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से तीन श्रेणियों में 2,795 प्रविष्टियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। दो चरणों के मूल्यांकन के बाद, परिणाम घोषित किए गए

और 5 दिसंबर 2024 को माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान की गरिमामयी उपस्थिति में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया।

प्रकाशन और अनुसंधान सर्वेक्षण

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) अपने प्रकाशन एवं अनुसंधान सर्वेक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो उच्च-गुणवत्ता वाले शोध-पत्रों के प्रसार हेतु एक प्रमुख पहल है। इस प्रभाग की तीन प्रमुख गतिविधियाँ हैं: (1) सामाजिक विज्ञान में डॉक्टरेट शोध-प्रबंध, परियोजना/फेलोशिप रिपोर्ट, मोनोग्राफ और सेमिनार/कार्यशाला शोध-पत्र प्रकाशित करने के लिए भारतीय नागरिकों को अनुदान प्रदान करना; (2) शोध जर्नल के प्रकाशन या निरंतरता के लिए अनुदान से व्यावसायिक संघों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को सहायता प्रदान करना; और (3) व्यावसायिक संघों और संगठनों को उनके रखरखाव और विकास के लिए तदर्थ अनुदान प्रदान करना। आज तक, भा.सा. वि.अ.प. ने 1900 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, 1212 संघों/संगठनों को उनके शोध जर्नलों के प्रकाशन के लिए सहायता दी है और रखरखाव और विकास संबंधी गतिविधियों के लिए 442 संघों/संगठनों को तदर्थ अनुदान प्रदान किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, भा.सा.वि.अ.प. द्वारा 08 प्रकाशन प्रकाशित किए गए थे। इसी तरह, सामाजिक वैज्ञानिकों के 71 पेशेवर संगठनों/संघों ने अपने 67 शोध जर्नलों के प्रकाशन के लिए भा.सा.वि.अ.प. से ₹71.65 लाख का अनुदान प्राप्त किया और 15 संगठनों ने रखरखाव और विकास के लिए ₹58.50 लाख का अनुदान प्राप्त किया। प्रकाशित पुस्तकों का विवरण, रखरखाव और विकास के लिए पेशेवर संघों/संगठनों को दिए गए अनुदान और शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए अनुदान परिशिष्ट 7 और तालिका 2.11 में दिए गए हैं।

तालिका 2.11

वर्ष	पांडुलिपियों के प्रकाशन हेतु अनुदान	पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु अनुदान	संघों/संगठनों को विकास हेतु अनुदान
1969 से मार्च 1990 तक	1025	92	229
1990-2010	591	430	70
2010-2011	22	45	05
2011-2012	33	47	07
2012-2013	20	61	13
2013-2014	23	66	11

वर्ष	पांडुलिपियों के प्रकाशन हेतु अनुदान	पत्रिकाओं के प्रकाशन हेतु अनुदान	संघों/संगठनों को विकास हेतु अनुदान
2014-2015	30	64	08
2015-2016	23	51	08
2016-2017	21	47	08
2017-2018	28	40	03
2018-2019	12	32	05
2019-2020	25	32	07
2020-2021	15	33	07
2021-2022	15	35	15
2022-2023	04	32	16
2023-2024	05	34	15
2024-2025	08	71	15
कुल	1900	1212	442

प्रकाशन और अनुसंधान सर्वेक्षण प्रभाग की गतिविधियाँ: 2024-25

वर्ष 2024-25 की अवधि के दौरान, प्रकाशन एवं अनुसंधान सर्वेक्षण प्रभाग ने कई प्रमुख पुस्तक मेलों में सक्रिय रूप से भाग लिया, साहित्यिक और शैक्षणिक समुदायों के साथ संबंधों को बढ़ावा दिया और साथ ही अपने विविध प्रकाशनों का संवर्धन किया। इन आयोजनों ने विद्वानों की रचनाओं को प्रदर्शित करने और वैश्विक एवं क्षेत्रीय आडियंस के साथ बौद्धिक आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

पुस्तक मेलों में भागीदारी

प्रभाग ने कई प्रमुख पुस्तक मेलों में भाग लिया जिनमें से प्रत्येक ने प्रकाशकों, विद्वानों और साहित्य प्रेमियों से जुड़ने के अनूठे अवसर प्रदान किए:

- **फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला (16-20 अक्टूबर 2024):** एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजन के रूप में, फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले ने दुनिया भर के प्रकाशकों और साहित्यिक विशेषज्ञों को आकर्षित किया। प्रभाग की भागीदारी ने इसे अपने प्रकाशनों को अंतरराष्ट्रीय आडियंस के सामने प्रदर्शित करने और अंतर-सांस्कृतिक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में सक्षम बनाया।
- **साहित्य अकादमी पुस्तक मेला (6-15 दिसंबर 2024):** इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन ने भारतीय साहित्य और विद्वत्ता में प्रभाग के योगदान को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान

किया जिसमें पाठकों, लेखकों और शिक्षाविदों की विविध आडियंस के साथ संवाद हुआ।

- **पुणे पुस्तक मेला (14-22 दिसंबर 2024):** भारत के सांस्कृतिक केंद्रों में से एक में आयोजित इस मेले ने आईसीसीएसआर को क्षेत्रीय साहित्यिक समुदायों के साथ जुड़ने का अवसर दिया जहां सांस्कृतिक गतिविधियों की एक समृद्ध शृंखला के साथ-साथ इसके प्रकाशन भी प्रस्तुत किए गए।
- **नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 (1-9 फरवरी 2025):** एक विश्वव्यापी मान्यता प्राप्त आयोजन, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला भा.सा.वि.अ.प. के प्रकाशनों को प्रदर्शित करने के लिए एक विस्तृत मंच प्रदान करता है। मेले में पुस्तकों के विविध चयन और उससे जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने एक बड़ी आडियंस को आकर्षित किया जिससे भा.सा.वि.अ.प. की साहित्यिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और भी पुष्ट हुई।

पुस्तक विमोचन और चर्चा

पुस्तक मेलों में अपनी सक्रिय भागीदारी के अलावा, प्रकाशन एवं अनुसंधान सर्वेक्षण प्रभाग ने 29 अप्रैल 2025 को एक महत्वपूर्ण पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर "इंटिग्रल ह्यमेनिज्म" नामक पुस्तक का औपचारिक विमोचन किया गया, जो अपने विद्वत्पूर्ण योगदान के लिए उल्लेखनीय रूप से चर्चित रही है। विमोचन के बाद, मुंबई में "इंटिग्रल ह्यमेनिज्म" पर एक आकर्षक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें विद्वानों, बुद्धिजीवियों और साहित्यिक समुदाय के विशिष्ट सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने बौद्धिक विमर्श को बढ़ावा देने और स्थायी शैक्षणिक मूल्य के कार्यों को बढ़ावा देने में भा.सा.वि.अ.प. की भूमिका को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नॉस्टॉक)

राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केंद्र (नॉस्टॉक) की स्थापना 1970 में भा.सा.वि.अ.प. के एक प्रभाग के रूप में की गई थी। यह सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समुदाय जिनमें शैक्षणिक संस्थान, स्वायत्त अनुसंधान संगठन, नीति-निर्माण निकाय, सरकारी विभागों की योजना और अनुसंधान इकाइयाँ आदि शामिल हैं, को पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी-संचालित विश्व चुनौतियों का सामना करने के लिए, यह अपने आटोमेटिड पुस्तकालय संग्रह, वेब-ओपीएसी, ई-लाइब्रेरी पोर्टल, यूनियन कैटलॉग, ऑनलाइन डेटाबेस/ई-संसाधन, डिजिटल रिपॉजिटरी, सूचना गेटवे आदि के माध्यम से सूचना के सृजन, अनुप्रयोग और उपयोग हेतु एक वेब-आधारित डिजिटल

वातावरण का उपयोग करता है। नॉस्टॉक की प्रमुख गतिविधियों और सेवाओं में शामिल हैं: पुस्तकालय, संदर्भ एवं सूचना सेवाएँ; भा.सा.वि.अ.प. के अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों के लिए ई-संसाधन; लघु ग्रंथसूचियों का संकलन/साहित्य खोज सेवाएँ; माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिच सेवाएँ; करंट अफेयर्स सर्विस (सीएसएस) जैसी मूल्यवर्धित सेवाएँ; अनुसंधान कौशल और सूचना साक्षरता बढ़ाने के लिए सतत शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यशालाएँ। इसके अतिरिक्त, नॉस्टॉक के पास भा.सा.वि.अ.प. के प्रकाशनों की आपूर्ति के लिए एक बिक्री और वितरण इकाई भी है।

पुस्तकालय, संदर्भ एवं सूचना सेवाएँ: नॉस्टॉक के पास दस्तावेजों का एक विस्तृत संग्रह (55,501) है, जिसमें संदर्भ स्रोत संग्रह जैसे ग्रंथसूचियाँ, विश्वकोश, निर्देशिकाएँ आदि शामिल हैं; ग्रे संग्रह जिसमें डॉक्टरल शोध-प्रबंध, शोध परियोजना रिपोर्ट; शोध पद्धति, शोध सर्वेक्षणों पर एक अनूठा संग्रह; और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी सहित सभी सामाजिक विज्ञान विषयों पर एक रणनीतिक संग्रह और पत्रिकाओं के 13,618 जिल्दबंद खंड शामिल हैं। पुस्तकालय सोमवार से शनिवार तक सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहता है और रविवार तथा सभी राजपत्रित अवकाशों पर बंद रहता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 6931 शोधार्थियों ने नॉस्टॉक का दौरा किया। पत्राचार/ई-मेल आदि के माध्यम से बड़ी संख्या में संदर्भ प्रश्नों का समाधान किया गया। नॉस्टॉक के संग्रह, इसके आंतरिक डेटाबेस और इलेक्ट्रॉनिक स्रोतों तथा कई अन्य इंटरनेट-आधारित संसाधनों से शोधार्थियों को शोध संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

पुस्तकालय की सदस्यता

भा.सा.वि.अ.प. - नॉस्टॉक पुस्तकालय की सदस्यता निम्नलिखित श्रेणियों के पाठकों के लिए खुली है:

आधिकारिक सदस्य: इनमें भा.सा.वि.अ.प. परिषद् के सदस्य/भा.सा.वि.अ.प. सचिवालय के अधिकारी और भा.सा.वि.अ.प. के नियमित पेशेवर कर्मचारी (अर्थात् अनुसंधान सहायक/प्रलेखन सहायक और उससे ऊपर के पद) शामिल हैं। वे पुस्तकालय से पुस्तकें लेने के हकदार हैं।

परामर्शी सदस्य: परामर्शी सुविधा शिक्षाविदों, शोधार्थियों, छात्रों और सेवानिवृत्त व्यक्तियों सहित आम जनता और पाठकों की अन्य श्रेणियों के लिए भी उपलब्ध है।

भा.सा.वि.अ.प. लाभार्थी सदस्य: विभिन्न भा.सा.वि.अ.प. कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभान्वित सभी विद्वानों और शोधार्थियों को यह सदस्यता दी जाती है।

पुस्तक लेने वाले सदस्य: पुस्तकालय के सदस्यों के रूप में पंजीकृत, समाजशास्त्रियों, शिक्षाविदों, छात्रों और सामान्य पाठकों

को पुस्तक लेने की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकें ₹1000/- प्रति पुस्तक की जमा राशि पर जारी की जाती हैं। एक सदस्य को एक बार में दो पुस्तकें जारी की जा सकती हैं।

संस्थागत सदस्य: संस्थागत सदस्यता भी उपलब्ध है। एक संस्थागत सदस्य एक महीने की अवधि के लिए अधिकतम पाँच पुस्तकें उधार ले सकता है।

अतिथि पाठक: जो अतिथि पाठक एक या दो दिन के लिए पुस्तकालय में आना चाहते हैं, उनके लिए कोई शुल्क नहीं है। उन्हें उस दिन के लिए अतिथि कार्ड जारी किया जाता है।

पुस्तकालय सदस्यता प्रपत्र पुस्तकालय काउंटर पर और हमारी वेबसाइट www.icssr.org पर ऑनलाइन उपलब्ध है। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 475 विद्वानों ने सदस्यता ली है।

दस्तावेजों का वितरण (जारी/वापसी): नॉस्टॉक आमतौर पर ऐसे शोधकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान करता है जो अपनी डॉक्टरल/पोस्ट डॉक्टरल की पढ़ाई कर रहे हों, कोई कॉन्फ्रेंस पेपर लिख रहे हों या किसी अकादमिक अनुसंधान परियोजना पर काम कर रहे हों। इस उद्देश्य के लिए, उन्हें जर्नल लेखों, संस्थागत शोध पत्रों, जैसे कार्य पत्र, चर्चा पत्र और सामयिक शोध पत्रों सहित ग्रे साहित्य की आवश्यकता होती है। यह एक परामर्श संग्रह है, जिसका उपयोग केवल शोधार्थी द्वारा ही वाचनालय में किया जाना है। हालाँकि, ग्रे साहित्य के अलावा, कुल 229 दस्तावेज, बॉरो करने वाले सदस्यों के बीच वितरित किए गए।

अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवा: नॉस्टॉक में उपलब्ध न होने वाली पुस्तकें और पत्रिकाएँ अक्सर अन्य पुस्तकालयों से उधार ली जाती हैं और बाद में विद्वानों या पुस्तकालयों को जारी की जाती हैं। इसी प्रकार, नॉस्टॉक अन्य पुस्तकालयों को पुस्तकें और पत्रिकाएँ भी उधार देता है। 2024-25 के दौरान, अन्य पुस्तकालयों को अंतर-पुस्तकालय लोन प्रदान करने के लिए 81 पुस्तकें जारी की गईं। डेलनेट (डेवलपिंग लाइब्रेरीज नेटवर्क) का सदस्य होने के नाते, नॉस्टॉक अपनी अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवाओं का उपयोग करता है।

ई-संसाधन: वाचनालय में तीन समर्पित कंप्यूटर टर्मिनल पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, सदस्य पुस्तकालय परिसर में ही सब्सक्राइब्ड ऑनलाइन जर्नल्स और अन्य डिजिटल सामग्री का अवलोकन कर सकते हैं। वर्तमान में, 23 सब्सक्राइब्ड ऑनलाइन ई-संसाधन और कई अन्य डिजिटल डेटाबेस परामर्श के लिए उपलब्ध हैं। ये ई-संसाधन न केवल नॉस्टॉक परिसर से उपलब्ध हैं, बल्कि नॉस्टॉक के समर्पित ई-लाइब्रेरी पोर्टल के माध्यम से अधिकृत पुस्तकालय सदस्य दूरस्थ रूप से भी इन तक पहुँच सकते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान, इन ई-संसाधनों का कुल उपयोग 5,03,294 दर्ज किया गया, जिसमें हिट्स, व्यूज़ और डाउनलोड शामिल हैं। संदर्भ प्रश्नों के उत्तर देने, विषय-विशिष्ट ग्रंथसूचियाँ संकलित करने और नॉस्टॉक द्वारा प्रदान

की जाने वाली विभिन्न सूचना सेवाओं का समर्थन करने के लिए इनका व्यापक रूप से उपयोग किया गया।

शोध सामग्री-पुस्तकें/ थीसिस/ पत्रिकाएँ/ ई-संसाधनों का अधिग्रहण: समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, नॉस्टॉक संग्रह में 968 दस्तावेज जोड़े गए हैं। इसमें 629 खरीदी गई मुद्रित पुस्तकें और ई-पुस्तकें शामिल हैं; 304 पत्रिकाएँ निःशुल्क प्राप्त हुईं, पाठकों के लिए 15 दैनिक समाचार पत्र और 20 लोकप्रिय पत्रिकाएँ भी सब्सक्राइब की गईं। भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों और विभिन्न संस्थानों की वार्षिक रिपोर्टें भी नॉस्टॉक के संग्रह में जोड़ी गईं। नॉस्टॉक के लिए निम्नलिखित ई-संसाधन/ ऑनलाइन डेटाबेस सब्सक्राइब किए गए: 1. ब्रिल एचएसएस ई-जर्नल संग्रह; 2. स्प्रिंगर जर्नल्स; 3. एमराल्ड जर्नल्स; 4. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स; 5. टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स; 7. डेलनेट (डेलवर्पिंग लाइब्रेरी नेटवर्क), 8. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस ई-बुक (पिरेनियल), 9. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस राइटिंग डिटेक्शन के साथ टर्निटिन ओरिजनेलिटी चैक।

भा.सा.वि.अ.प. अनुसंधान संस्थानों (आरआई) के लिए ई-संसाधन: सामाजिक विज्ञान में ज्ञान के विकास के साथ-साथ भा.सा.वि.अ.प. के अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों जिनमें नॉस्टॉक भी शामिल है, की अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, नॉस्टॉक ने 2024-25 के दौरान 9 ई-संसाधनों की सदस्यता ली है। जिन संस्थानों को स्वतंत्र और निःशुल्क पहुँच प्रदान की गई, उनकी संख्या नीचे तालिका 2.12 में दी गई है:

तालिका 2.12

क्र. सं.	ई-संसाधन का नाम	संस्थानों की संख्या (आरआई)
1.	स्टेटिस्टा	11
2.	इंडियास्टेट (डेलनेट इंडिया)	20
3.	जेएसटीओआर (इथाका)	47
4.	प्रोवेस आईक्यू (सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी)	11
5.	जे-गेट (इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड)	08
6.	कन्ज्यूमर पिरामिड (CPdx)	4
7.	इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू)	21
8.	ब्रिल एचएसएस ई-जर्नल संग्रह	3
9.	सेज रिसर्च मेथड्स	5

लघु ग्रंथसूचियों का संकलन / साहित्य खोज सेवा: वर्ष 2024-25 के दौरान, सार सहित 20 लघु और चुनिंदा ग्रंथसूचियां (परिशिष्ट 8) संकलित की गईं और शोध विद्वानों को उनकी मांग के अनुसार प्रदान की गईं।

वेब-आधारित कैटलॉग (वेबओपीएसी) की उपलब्धता: पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई-संसाधनों, थीसिस, शोध रिपोर्टों, माइक्रोफिल्मों और कार्यपत्रों सहित नॉस्टॉक पुस्तकालय के संपूर्ण संग्रह की उपलब्धता भा.सा.वि.अ.प. वेबसाइट (www.icssr.org/nassdoc) से वेबओपीएसी के माध्यम से कहीं से भी 24x7 आधार पर देखी जा सकती है। अब तक 6,196 उपयोगकर्ताओं ने इसे एक्सेस किया है।

साहित्यिक चोरी की जाँच: इस अवधि के दौरान, नॉस्टॉक ने शैक्षणिक अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रस्तावों, लेखों और शोध रिपोर्टों में साहित्यिक चोरी की जाँच का कार्य किया। कुल 1109 लेखों और शोध रिपोर्टों की समानता की जाँच की गई।

डेटा सेवाएं: इस अवधि के दौरान, ऋण और निवेश, घरेलू पर्यटन, आर्थिक जनगणना, शिक्षा, रोजगार और बेरोजगारी, उद्यम, स्वास्थ्य सेवा, घरेलू उपभोक्ता व्यय, आवासन स्थिति, जनजातीय अध्ययन, ग्रामीण अध्ययन, शहरी स्लम अध्ययन, असंगठित क्षेत्र, व्यापार और समय सर्वेक्षण, साक्षरता और संस्कृति अध्ययन, उद्योग अध्ययन आदि जैसे विषयों पर प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े 3,225 विद्वानों को डेटा सेवाएं प्रदान की गईं।

माइक्रोफिल्म एवं माइक्रोफिच सेवाएं: नॉस्टॉक के पास माइक्रोफिल्म एवं माइक्रोफिच का अच्छा संग्रह (लगभग 1,500) है, साथ ही माइक्रोफिल्म रीडर सुविधा भी है और इस अवधि के दौरान 199 स्कॉलरों को इस सेवा का लाभ मिला है।

सतत शिक्षा कार्यक्रम: नवीनतम प्रौद्योगिकीय प्रगति से अवगत रहने और सामाजिक विज्ञान सूचना तक एक्सेस में विशिष्ट कौशल विकसित करने के लिए, नॉस्टॉक इन कार्यक्रमों के अंतर्गत नियमित रूप से अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यशालाएँ/सेमिनार/ इंटरैक्टिव सत्र और व्याख्यान आयोजित करता है। इस अवधि के दौरान, शैक्षणिक समुदाय के लिए सामाजिक विज्ञान सूचना तक पहुँच और उपयोग पर 13 प्रशिक्षण/अभिविन्यास सत्र आयोजित किए गए।

ऑनलाइन संसाधन जैसे:

- (क) जे-गेट
- (ख) प्रोवेस आईक्यू
- (ग) इंडियास्टेट
- (घ) जेएसटीओआर
- (ङ) ब्रिल एचएसएस ई-जर्नल्स
- (च) सेज रिसर्च मेथड्स
- (छ) इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू)
- (ज) कंज्यूमर पिरामिड्स (CPdx)
- (झ) स्टेटिस्टा
- (ञ) स्टेटक्राफ्ट।

इस अवधि के दौरान, इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 2469 स्कॉलर लाभान्वित हुए हैं।

मूल्यवर्धित सेवाएँ: "नॉस्ट्रॉक अनुसंधान सूचना शृंखला" के अंतर्गत नियमित अंतराल पर विभिन्न प्रकाशन प्रकाशित करके वर्तमान जागरूकता सेवा (सीएस) प्रदान की जाती है। 2024-25 के दौरान, विषयवार अनुक्रमणिका, लेखक अनुक्रमणिका और कीवर्ड अनुक्रमणिका के साथ, न्यू अराइवल अलर्ट सर्विस के 12 अंक, करंट कंटेंट्स के 12 अंक और समाचार पत्र क्लिपिंग सर्विसेज के 3576 अंक प्रकाशित किए गए।

व्यावसायिक प्रशिक्षण: इंटरशिप आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के 6 छात्रों को इस योजना के अंतर्गत तीन महीने या एक महीने की अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

2024-25 के लिए व्यावसायिक निकायों की सदस्यता: व्यावसायिक कौशल विकास और नेटवर्किंग के अंतर्गत, नॉस्ट्रॉक व्यावसायिक निकायों और नेटवर्क के लिए नियमित रूप से वार्षिक सदस्यता प्राप्त कर रहा है और 2024-25 के लिए, डेलनेट और आईएलए के लिए सदस्यता का नवीनीकरण किया गया। इस प्रकार की सदस्यता में नॉस्ट्रॉक की विभिन्न सेवाएँ शामिल हैं, जैसे इंटर लाइब्रेरी लोन सुविधा और ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच आदि।

नॉस्ट्रॉक द्वारा किया गया कुल व्यय वर्ष 2024-25 के दौरान = ₹ 4,57,85,051/-

तालिका 2.13

नॉस्ट्रॉक की गतिविधियों, सदस्यों, सेवाओं आदि की जानकारी (इसकी स्थापना से)

विवरण	कुल
पुस्तकालय सदस्यता की संख्या	4758
ई-संसाधनों की सदस्यता	298
शोध सामग्री का अधिग्रहण: पुस्तकें/शोध प्रबंध/पत्रिकाएँ	127211
लघु ग्रंथसूची संकलन/साहित्य खोज सेवाएँ आदि।	7626
पुस्तकालय में आगंतुकों की संख्या	239028
नॉस्ट्रॉक द्वारा आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम	168
साहित्यिक चोरी की जाँच	3198
कोई अन्य जानकारी (शिक्षा दौरे पर छात्र का दौरा)	1075

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस): नॉस्ट्रॉक को भारत सरकार की 1 जनवरी 2025 को शुरू की गई वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पहल का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जो 30 प्रमुख डेटाबेस और 13,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं तक राष्ट्रव्यापी पहुँच प्रदान करती है। यह महत्वपूर्ण विकास वैश्विक शैक्षणिक संसाधनों तक निर्बाध पहुँच प्रदान करके सामाजिक

विज्ञान अनुसंधान को समर्थन देने की नॉस्ट्रॉक की क्षमता को बढ़ाएगा। यह पहल अंतःविषय अनुसंधान, ज्ञान तक समान पहुँच को बढ़ावा देती है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने में नॉस्ट्रॉक की भूमिका और मजबूत होगी।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक संपर्क प्रभाग

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोणों में से एक है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, परिषद् भारतीय और विदेशी विद्वानों को भारत और विदेशों में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संवाद करने, सीखने, अनुसंधान और योगदान करने का अवसर प्रदान करती है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद् कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ संचालित करती है जिनमें विदेशी वित्त पोषण परिषदों और सामाजिक विज्ञान संगठनों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए भारतीय विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और विदेशों में डेटा संग्रह के लिए वित्तपोषण आदि शामिल हैं।

आई.सी.एस.एस.आर. ने विदेशों में अपने समकक्षों के साथ मज़बूत द्विपक्षीय सामाजिक विज्ञान सहयोग समझौते किए हैं। इसके अलावा, परिषद् भारत सरकार के अन्य देशों के साथ 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम' और 'शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम' की कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है।

हमारा महत्वपूर्ण कार्य देश में नवोन्मेषी, अंतःविषयक/बहुविषयक और नीति-संगत सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना और वित्तपोषित करना है और इस प्रकार, भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को आकार देने और सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त करना है जिसमें विदेशों में समान परिषदों या एजेंसियों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान भी शामिल है। इसका उद्देश्य अनुसंधान में व्यापक, चुनौतीपूर्ण और नवोन्मेषी प्रशिक्षण के माध्यम से सामाजिक वैज्ञानिकों का पोषण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण करना है।

आई.सी.एस.एस.आर. का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय और विदेशी विद्वानों को परस्पर संवाद और अनुसंधान का अवसर प्रदान करता है। विदेशों में आयोजित सेमिनारों/सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत करने और योगदान देने के लिए आमंत्रित भारतीय सामाजिक वैज्ञानिकों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। आई.सी.एस.एस.आर. उन सामाजिक वैज्ञानिकों को भी वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो

अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में आँकड़ा संग्रह या अभिलेखीय सामग्री के संदर्भ के लिए विदेश जाने की योजना बना रहे हैं।

विदेश में शोध-पत्र प्रस्तुति/आँकड़ा संग्रहण हेतु अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के विद्वानों को महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों में पर्याप्त योगदान देने में सहायता प्रदान करना है। इस प्रकार, यह कार्यक्रम भारत और विदेशों में सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा देता है, नई अंतर्दृष्टि विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, उनके अनुसंधान दृष्टिकोणों का विस्तार करता है और सामाजिक विज्ञान विषयों में ज्ञान के विकास और प्रसार में योगदान देता है।

भारत और विदेशी समाज वैज्ञानिकों के बीच घनिष्ठ संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी नीति के अनुसरण में, आई.सी.एस.एस.आर. ने दो कार्यक्रम विकसित किए हैं। पहले कार्यक्रम के अंतर्गत, उन भारतीय विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिन्हें विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योगदान देने और शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय समाज विज्ञान शोधकर्ताओं को विदेश में आयोजित किसी महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला आदि) में मौलिक शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। ऐसा करके, यह भारत और विदेशों में समाज वैज्ञानिकों के बीच शैक्षणिक संबंधों को बढ़ावा देता है, नई अंतर्दृष्टि विकसित करने और अपने शोध परिप्रेक्ष्य को व्यापक बनाने के अवसर प्रदान करता है और सामाजिक विज्ञान विषयों में ज्ञान के विकास और प्रसार में योगदान देता है।

अपने दूसरे कार्यक्रम में, आई.सी.एस.एस.आर. उन विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो अपने चल रहे शोध कार्य के संबंध में डेटा संग्रह या अभिलेखीय सामग्री से परामर्श के लिए विदेश यात्रा करना चाहते हैं।

आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा अपनी स्थापना के बाद से वित्तपोषित यात्रा अनुदान का वर्षवार विवरण तालिका संख्या 3.1 में देखा जा सकता है।

तालिका संख्या 3.1 यात्रा अनुदान का वर्षवार ब्यौरा

वर्ष	सेमिनार/सम्मेलनों में भागीदारी के लिए यात्रा अनुदान	विदेश में डेटा संग्रह
1971-1990 (19)	342	116
1990-2010 (20)	547	64
2010-2011	35	06
2011-2012	50	03
2012-2013	101	06
2013-2014	120	32
2014-2015	146	48
2015-2016	202	57
2016-2017	197	59
2017-2018	54	23
2018-2019	178	22
2019-2020	172	22
2020-2021*	--	--
2021-2022	06	03
2022-2023	91	17
2023-2024	176	08
2024-25	277	13
कुल	2694	499

* कोविड-19 महामारी संबंधी बाधाओं के कारण, 2020-21 के दौरान विदेश यात्रा और डेटा संग्रह अनुदान प्रदान नहीं किया जा सका।

आई.सी.एस.एस.आर. पिछले कुछ वर्षों में भारत में एक प्रमुख सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संगठन के रूप में उभरा है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपस्थिति है। भारत और दुनिया के अन्य देशों के सामाजिक वैज्ञानिकों के बीच अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देने से संबंधित गतिविधियाँ 'वैश्विक प्रसार प्रभाग' का प्रमुख कार्य रही हैं। यह प्रभाग, परिषद् की ओर से, कई देशों और संगठनों के साथ सहयोग और संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों का नेतृत्व करता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम

आई.सी.एस.एस.आर. विभिन्न देशों के मौजूदा कार्यक्रमों के साथ अपना सहयोग जारी रखे हुआ है जैसे कि नेशनल रिसर्च आउंसिल ऑफ थाईलैंड (एनआरसीटी), थाईलैंड; वियतनाम अकैडमी ऑफ सोशल साइन्स (वीएएसएस), वियतनाम; नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ), श्रीलंका; यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) –

इकोनोमिक एंड सोशल रिसर्च काउन्सिल (ईएसआरसी), यूके; जर्मन रिसर्च फाउंडेशन (डीएफजी), जर्मनी; कोरियन सोशल साइंस रिसर्च काउन्सिल (केओएसएसआरसी), कोरिया गणराज्य; स्विस् नेशनल साइंस फाउंडेशन (एसएनएसएफ), स्विट्जरलैंड; नेशनल साइंस एंड टेक्नॉलोजी काउन्सिल (एनएसटीसी), ताइवान; जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस), जापान; नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि ह्यूमैनेटिज एंड सोशल साइंसेस (एनआईएचएसएस), दक्षिण अफ्रीका; फिलीपीन सोशल साइंस काउंसिल (पीएसएससी), फिलीपींस; ब्रिटिश काउंसिल (बीसी), यूके; यूरोपियन कमीशन (ईसी); इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज (आईओएस), रशियन अकैडमी ऑफ साइंस, मास्को, अकैडमी ऑफ साइंसिस एंड आर्ट्स ऑफ बोस्निया एंड हर्जगोविना (एनयूबीआईएच) सराजेवो, बोस्निया एंड हर्जगोविना।

इसके अलावा, आई.सी.एस.एस.आर. अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान निकायों का एक संगठनात्मक सदस्य है, जैसे कि इंटरनेशनल साइंस काउन्सिल (आईएससी), फ्रांस, साइंस काउन्सिल ऑफ एशिया (एससीए), जापान, एसोशिएशन ऑफ एशियन सोशल साइंस रिसर्च काउन्सिल्स (एएसएसआरसी), ऑस्ट्रेलिया, और दि लैटिन अमेरिकन काउन्सिल ऑफ सोशल साइंसिस (सीएलएसीएसओ)। आई.सी.एस.एस.आर., यूनेस्को के साथ सहयोग के लिए भारतीय राष्ट्रीय आयोग (आईएनसीसीयू) के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान उप-आयोग की नोडल एजेंसी भी है।

द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रम

आई.सी.एस.एस.आर. विद्वानों के आदान-प्रदान, संयुक्त सेमिनार, संयुक्त परियोजनाओं, संयुक्त प्रकाशनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं के आदान-प्रदान आदि जैसी गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए कई देशों के समानांतर संगठनों के साथ 'द्विपक्षीय सहयोग कार्यक्रमों' पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया जारी रखे हुए है। परिषद् अपनी "प्रतिष्ठित विद्वानों की यात्रा" योजना के अंतर्गत व्याख्यान देने के लिए प्रख्यात विदेशी विद्वानों को भारत आने के लिए आमंत्रित करने की भी योजना बना रहा है।

प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान, आई.सी.एस.एस.आर. के 'द्विपक्षीय सहयोगात्मक कार्यक्रम' के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

आई.सी.एस.एस.आर. – नेशनल साइंस एंड टेक्नॉलोजी काउन्सिल (एनएसटीसी), ताइपेई, ताइवान – संयुक्त अनुसंधान परियोजना

आई.सी.एस.एस.आर. का राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (एनएसटीसी), ताइपेई, ताइवान के साथ सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में एक द्विपक्षीय कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत द्विपक्षीय संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ, विद्वानों का आदान-प्रदान

और संयुक्त कार्यशालाएँ शामिल हैं। आई.सी.एस.एस.आर. और नेशनल साइंस एंड टेक्नॉलोजी काउन्सिल (एनएसटीसी), ताइवान ने संयुक्त रूप से अनुसंधान प्रस्तावों का आह्वान किया। संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं की अवधि दो वर्ष थी और आई.सी.

एस.एस.आर. द्वारा वित्त पोषण के लिए पाँच परियोजनाओं का चयन किया गया था। प्रत्येक प्रस्ताव के लिए 12 लाख रुपये तक का वित्त पोषण प्रदान किया गया। प्रदान की गई पाँच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तालिका 3.2 में दी गई हैं:

तालिका 3.2
आई.सी.एस.एस.आर.-एनएसटीसी संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	भारतीय प्रधान अन्वेषक	ताइवानी प्रधान अन्वेषक	संयुक्त अनुसंधान परियोजना का शीर्षक
1.	डॉ. सौम्या रंजन मोहंती एसोसिएट प्रोफेसर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी, उत्तर प्रदेश	डॉ. चुआन-यू चांग मुख्य डिजिटल अधिकारी, सेवा प्रणाली प्रौद्योगिकी केंद्र, औद्योगिक प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, ताइवान	नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन और कार्बन उत्सर्जन शमन में कमी लाने की दिशा में सामाजिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने हेतु एआई-संचालित प्रणाली
2.	डॉ. फरहत नाज़ एसोसिएट प्रोफेसर समाजशास्त्र एवं लोक नीति विद्यालयाध्यक्ष, लिबरल आर्ट्स (एसओएलए) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (आईआईटीजे), राजस्थान	डॉ. हर्लिन चिएन एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान महाविद्यालय, सतत विकास कार्यालय के डिप्टी सीईओ, राष्ट्रीय पिंगतुंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनपीयूएसटी), पिंगतुंग, ताइवान	सामाजिक-जलविज्ञान प्रणालियों के दृष्टिकोण से शहरी संदर्भों में जल स्थिरता की रूपरेखा तैयार करना: बेंगलोर, भारत और काऊशुंग, ताइवान का एक अध्ययन
3.	डॉ. रविकांत प्रोफेसर यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एस.वी.एन.आई.टी.), सूरत; गुजरात	प्रो. वेई-चांग येह चेयर प्रोफेसर औद्योगिक इंजीनियरिंग और इंजीनियरिंग प्रबंधन विभाग, राष्ट्रीय त्सिंग हुआ विश्वविद्यालय, ताइवान कुआंग-फू रोड, सिंचु, ताइवान 30013	भारी रिएक्टरों के परिवहन के लिए डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकी और उन्नत अनुकूलन एल्गोरिदम के माध्यम से टिकाऊ विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाना
4.	प्रो. रोसिका चौधरी प्रोफेसर/निदेशक सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र आर1, बैणबघाटा, पटुली टाउनशिप, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	प्रो. जॉयस सी.एच. लियू प्रोफेसर और निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय यांग मिंग चियाओ तुंग विश्वविद्यालय, ताइवान	चीन का डिजिटल सिल्क रोड और चिप-आधारित भूराजनीति: भारत-ताइवान परिप्रेक्ष्य से एक महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक अध्ययन
5.	डॉ. प्रवीण कुमार पाठक प्रोफेसर, भूगोल क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र (सीएसआरडी), सामाजिक विज्ञान संकाय (एसएसएस) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली	डॉ. त्ज़ाई-हंग वेन प्रोफेसर भूगोल विभाग, राष्ट्रीय ताइवान विश्वविद्यालय (एनटीयू), नंबर 1 सेक. 4 रुज़वेल्ट रोड, ताइपे, 10617 ताइवान	कोविड-19 के बाद लोगों के अनुकूलन को समय और स्थान में समझना: भारत और ताइवान में शहरी लचीलेपन की तुलना

आई.सी.एस.एस.आर.- जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस), जापान- संयुक्त अनुसंधान परियोजना और संयुक्त सेमिनार

आई.सी.एस.एस.आर. और जेएसपीएस, जापानी और भारतीय शोधकर्ताओं के बीच मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में अकादमिक सहयोग के आधार विकसित करने के महत्व को समझते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत की जाने वाली प्रमुख गतिविधियाँ हैं: (1) संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ; (2) संयुक्त सेमिनार; और (3) अन्य सहयोगात्मक गतिविधियाँ, जिन पर आपसी सहमति से निर्णय लिया जाए।

आई.सी.एस.एस.आर. और जेएसपीएस ने संयुक्त रूप से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग के अंतर्गत अनुसंधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए भारतीय और जापानी विद्वानों को आमंत्रित करते हुए संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और संयुक्त संगोष्ठियों का आह्वान किया है। इस संयुक्त आह्वान के लिए दोनों पक्षों को बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। समीक्षा प्रक्रिया से गुजरने के बाद, निम्नलिखित तीन संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और दो संयुक्त सेमिनार को मंजूरी दी गई (तालिका 3.3 और तालिका 3.4):

तालिका 3.3

आई.सी.एस.एस.आर.-जेएसपीएस संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ

क्र.सं.	भारतीय प्रधान अन्वेषक	जापानी प्रधान अन्वेषक	संयुक्त अनुसंधान परियोजना का शीर्षक
1.	प्रो. वी. सुजाता सामाजिक व्यवस्था अध्ययन केंद्र (सीएसएसएस), सामाजिक विज्ञान विद्यालय II जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	प्रो. युताका सातो संस्कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन विभाग, लिबरल आर्ट्स संकाय, त्सुरु विश्वविद्यालय, यामानाशी 402-0054, जापान	श्रमशील शरीर, भोजन और पोषण: भारत और जापान में लैंगिक क्षमता वंचना का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
2.	डॉ. नव गोपाल राँय सहायक प्रोफेसर बंगाली विभाग सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल	प्रो. अकियोशी सुजुकी अंग्रेजी विभाग शिक्षा विद्यालय नागासाकी विश्वविद्यालय नागासाकी, 852852 1, जापान	परियों की कहानियों के माध्यम से भारत और जापान के बीच सौभाग्य और अलौकिक प्रभावों की साझा कहानी: एक अन्वेषण
3.	डॉ. कोडिमट्टम जोसेफ जॉर्ज एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर, राजस्थान	डॉ. नकाजिमा ताकाको सार्वजनिक मामलों का संकाय ओसाका वाणिज्य विश्वविद्यालय हिगाशियोसाका-शि, ओसाका 577-8505, जापान	आपदा लचीलापन: सहयोग, कूटनीति और भागीदारी ढांचा

तालिका 3.4

आई.सी.एस.एस.आर.-जेएसपीएस संयुक्त सेमिनार

क्र.सं.	भारतीय प्रधान अन्वेषक	जापानी प्रधान अन्वेषक	संयुक्त सेमिनार का शीर्षक
1.	डॉ. राजेश भरवाड एसोसिएट प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय, गोधरा, विंजोल, कंकणपुर-388713, गुजरात	डॉ. अयाको ताकाहाशी मानव विज्ञान एवं पर्यावरण विद्यालय, ह्योगो विश्वविद्यालय 1-1-12 शिनज़ाइकेहोन्चो, हिमेजी, ह्योगो, जापान	समकालीन इंडो-जापानी पर्यावरण साहित्य में पोस्ट/एपोकैलिप्टिक नैरेटिव
2.	प्रो. (डॉ.) स्मृति अरोड़ा प्रोफेसर सह प्रिंसिपल नर्सिंग शिक्षा एवं अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र (केंद्र), एम्स ऋषिकेश, वीरभद्र रोड, पशुलोक, उत्तराखंड, भारत	डॉ. तोमोको कोमागाटा एसोसिएट प्रोफेसर नर्सिंग स्कूल टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय टोक्यो, जापान	भारत में बच्चों में कुपोषण में सुधार लाने की दिशा में

सदस्य सचिव के आधिकारिक दौरे

सदस्य सचिव ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान वित्तपोषण एवं सहयोग हेतु क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जो 9-10 मई 2024 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित किया गया था और इसके पूर्व-कार्यक्रम 8 मई को आयोजित किए गए थे। एएसएसआरआईसी के अध्यक्ष होने के नाते सदस्य सचिव ने अपना स्वागत भाषण और समापन भाषण दिया। अपने स्वागत भाषण में, सदस्य सचिव ने AASSREC के नए इंडो-पैसिफिक सामाजिक विज्ञान वित्तपोषण कार्यक्रम की प्राथमिकताओं पर जोर दिया।

सदस्य सचिव ने 22-23 जुलाई 2024 को एसेक्स विश्वविद्यालय, कोलचेस्टर, यूके में आयोजित "वैश्विक फिनटेक

पारिस्थितिकी तंत्र और फिनटेक-सक्षम सेवाओं में व्यापार" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस. एस.आर.) और यूके की इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च काउन्सिल (ईएसआरसी) द्वारा वित्तपोषित एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया था जिसका उद्देश्य फिनटेक और फिनटेक-सक्षम सेवाओं में यूके-भारत द्विपक्षीय व्यापार पर अध्ययन करना था।

"विज्ञान सामाजिक है: सतत विकास नीति में सामाजिक विज्ञानों की भूमिका और दृश्यता में वृद्धि" विषय पर पूर्व-कार्यक्रम कार्यशाला में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। यह

कार्यशाला मस्कट वैश्विक ज्ञान संवाद और तृतीय आईएससी महासभा के तारतम्य में थी जो 26-30 जनवरी 2025 तक मस्कट (ओमान) में आयोजित की गई। कार्यशाला और संवाद का आयोजन इंटरनेशनल साइंस काउंसिल (आईएससी) द्वारा ओमान के उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार मंत्रालय के सहयोग से किया गया था। मस्कट वैश्विक ज्ञान संवाद में वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया और विज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए प्राथमिकताएँ निर्धारित की गईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसी चर्चाओं को बढ़ावा देना था जो अनुसंधान के भविष्य और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के समाधान में इसकी भूमिका को आकार दे।

काठमांडू, नेपाल में 'हिमालयी क्षेत्र में बदलते पर्यावरण' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार

नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान (एनईएनएपी), नेपाल, जो नेपाली समाज में सामाजिक-आर्थिक और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक स्वतंत्र अंतःविषयक अनुसंधान संगठन है, ने आई.सी.एस.एस.आर. के सहयोग से काठमांडू, नेपाल में 13-15 सितंबर 2024 तक 'हिमालयी क्षेत्र में बदलते पर्यावरण' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार में "हिमालयी क्षेत्र में बदलते पर्यावरण" के मुख्य विषयों पर चर्चा की गई और इस क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सेमिनार में साझा प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन हेतु दक्षिण एशियाई देशों के बीच सीमा पार सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया और साझा चुनौतियों का समाधान किया गया। इसमें लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देने के क्षेत्रीय प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका पर भी ज़ोर दिया गया।

इस तीन दिवसीय व्यापक सेमिनार में विषय विशेषज्ञ, शिक्षाविद, पत्रकार, शोधार्थी, व्यवसायी और सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के साथ सार्थक संवाद और शिक्षा में भाग लिया। हिमालयी क्षेत्र में बदलते पर्यावरण से जुड़े उभरते मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने के लिए दक्षिण एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों से प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आई.सी.एस.एस.आर. – यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई-इंडिया) और इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च काउन्सिल (ईएसआरसी) संयुक्त शैक्षणिक कार्यशाला

आई.सी.एस.एस.आर. ने यूकेआरआई और ईएसआरसी के सहयोग से 'समृद्ध और लचीले भविष्य' पर एक संयुक्त शैक्षणिक कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया, जो 24-25 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यशाला के फोकस क्षेत्र थे: 21वीं सदी में मानव होना, बहुसंकट पर कार्रवाई और प्रौद्योगिकीय भविष्य। कार्यशाला में साझा चुनौतियों का समाधान करने और समृद्ध और लचीले भविष्य के लिए भारत-यूके सहयोग की क्षमता का दोहन करने के लिए अभिनव, समावेशी और संदर्भ-विशिष्ट दृष्टिकोणों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। यूके के लगभग दस विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श में भाग लिया। भारत से भी इतनी ही संख्या में व्यक्तियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में भारत और यूनाइटेड किंगडम के कई शिक्षाविदों, क्षेत्र विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं और चिकित्सकों ने भाग लिया।

भारत-ताइवान द्विपक्षीय कार्यशाला

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी काउन्सिल (एनएसटीसी), ताइपेई, ताइवान के बीच दूसरी भारत-ताइवान द्विपक्षीय कार्यशाला राष्ट्रीय चुंग हिंग विश्वविद्यालय, ताइचुंग, ताइवान में 28-29 नवंबर 2024 को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के ढांचे के भीतर "डिजिटल गवर्नेंस के रुझान और चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित की गई थी। कार्यशाला का आयोजन आई.सी.एस.एस.आर. और एनएसटीसी ने संयुक्त रूप से किया था। मुख्य भाषण डॉ. अमिताभ मट्टू, डीन, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने दिया। प्रत्येक भाग लेने वाले देश के कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने दिए गए व्यापक विषय पर संबोधित किया। इसमें विभिन्न सामाजिक विज्ञान क्षेत्रों के शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों सहित प्रमुख हितधारकों के एक समूह के साथ कई मुद्दों पर चर्चा की गई ताकि दिए गए विषय पर संवाद को सुविधाजनक बनाया जा सके।

क्षेत्रीय केंद्र

क्षेत्रीय केंद्रों की स्थापना, परिषद् के प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के व्यापक विस्तार एवं क्षेत्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थानों को सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में प्रोत्साहन देने के परिषद् के पहल के अंतर्गत की गई थी। ये क्षेत्रीय केंद्र, अपने-अपने क्षेत्र में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) का प्रतिनिधित्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्षेत्रीय केंद्र सामाजिक वैज्ञानिकों के समुदायों के मध्य भा.सा.वि.अ.प. के कार्यक्रमों, परिकल्पनाओं तथा उपक्रमों को पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं।

ये केंद्र, सामाजिक विज्ञानियों के मध्य सहयोग बढ़ाने, एवं क्षेत्रीय अनुसंधान तंत्र के निर्माण व उसे सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसा करते हुए ये केंद्र, क्षेत्रीय अकादमी समुदायों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों के साथ जोड़ते हैं जिससे संपूर्ण भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का सुसंगत व समावेशी विकास हो सके।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु, क्षेत्रीय केंद्र विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हैं। केंद्रों द्वारा, क्षेत्रीय भाषाओं के शैक्षणिक संसाधनों के प्रलेखन एवं संदर्भ-ग्रंथ सूचियों के संकलन को प्रोत्साहन दिया जाता है, साथ ही विभिन्न विद्वत्तापूर्ण कार्यक्रम जैसे संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, सम्मेलन तथा प्रतिष्ठित विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान आदि भी आयोजित किये जाते हैं, क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यरत व्यावसायिक समितियों एवं पत्रिकाओं को सहायता प्रदान की जाती है।

साथ ही, केंद्र द्वारा शोधार्थियों को आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जैसे कम बजट वाले आवास (जहां तक हो सके), शैक्षिक कार्य यात्रा हेतु अध्ययन अनुदान प्रदान करना, शोध सामग्री तक पहुंच व प्रतिलिपिकरण की सुविधा प्रदान करना आदि। केंद्र द्वारा फील्डवर्क एवं पुस्तकालय अनुसंधान में सहायता दी जाती है जिससे शोधार्थियों की महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंच रहे। इसके साथ ही, केंद्र ऐसी अन्य गतिविधियों का आयोजन करता है, जो भा.सा.वि.अ.प. द्वारा सौंपी गई हों या जिससे उस क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा मिले।

गत वर्षों में, इन क्षेत्रीय केंद्रों ने अनुसंधानकर्ताओं की आवश्यकताओं हेतु भा.सा.वि.अ.प. एवं अपने मेजबान संस्थानों की सहायता से एक मजबूत संरचना विकसित की है जिसमें पृथक पुस्तकालय, अतिथि भवन, छात्रावास सेवाएं, सम्मेलन व संगोष्ठी भवन, प्रतिलिपिकरण सेवाएं आदि सम्मिलित हैं। ये सभी संसाधन समेकित रूप से शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं अनुसंधान गतिविधियों हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण करते हैं।

भा.सा.वि.अ.प. क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख लक्ष्य

1. **क्षेत्र-विशेष में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन:** क्षेत्रीय केंद्र, अपने क्षेत्रों के विशेष सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक विषयों को प्रभावित करने वाले अनुसंधानों को प्रारंभ एवं प्रोत्साहित करने हेतु पूर्णतया समर्पित होते हैं। इन प्रयासों में मुख्य रूप से स्थानीय सामाजिक विज्ञानियों व शोधार्थियों को शामिल करना, समावेशी सहभागिता को प्रोत्साहित करना, क्षेत्रीय आवश्यकताओं व मुद्दों पर आधारित अनुसंधान को संचालित करना शामिल हैं।
2. **अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना:** भा.सा.वि.अ.प. के प्राप्ति लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, ये क्षेत्रीय केंद्र देश के अन्य केंद्रों के साथ सहयोगात्मक संबंधों के निर्माण हेतु कार्य करते हैं। पूरक क्षमताओं एवं साझा अनुसंधान विषयों पर आधारित ये साझेदारी, ज्ञान के आदान-प्रदान एवं क्षेत्रीय सीमाओं से परे की जटिल सामाजिक चुनौतियों के समाधान हेतु संसाधनों को मुहैया कराती हैं।
3. **स्थानीय ज्ञान तंत्रों की खोज एवं उपयोग:** स्वदेशी एवं क्षेत्र-विशेष के ज्ञान की महत्ता को समझते हुए केंद्र स्थानीय ज्ञान आधारों की (विशेषकर सुदूर व कम प्रचारित क्षेत्रों के), पहचान, प्रलेखन एवं उपयोग के कार्य में संलग्न होते हैं। क्षेत्रीय ज्ञान को संपन्न बनाने एवं राष्ट्रीय अनुसंधान विमर्श में भिन्न विचारों को समाहित करने हेतु समीपवर्ती विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाता है।

4. **डिजिटल ज्ञान कोष को विकसित करना:** उपलब्धता सुगम बनाने एवं ज्ञान के विस्तार हेतु क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा अनुसंधान परिणामों, डेटासेटों, कार्यकारी पत्रों एवं नीति निर्देशों के संकलन हेतु डिजिटल मंचों एवं कोषों को विकसित किया जा रहा है। ये ऑनलाइन संसाधन, अनुसंधानकर्ताओं, नीति निर्माताओं एवं उपयोगकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं जो प्रमाण-आधारित निर्णय-प्रक्रिया एवं विस्तृत ज्ञान प्रसार को प्रोत्साहित करते हैं।
5. **भा.सा.वि.अ.प. के राष्ट्रीय महत्ता वाले मुख्य विषयों के साथ अनुसंधानों का एकीकरण:** एक प्रमुख उद्देश्य ये भी है कि क्षेत्रीय केंद्रों की अनुसंधान गतिविधियों को भा.सा. वि.अ.प. के राष्ट्रीय महत्ता वाले मुख्य विषयों के रूप में पहचाने गए विषयों के साथ एकीकृत किया जाए। इन राष्ट्रीय वरीयताओं को अपने अनुसंधान विषयों में सम्मिलित कर, केंद्रों द्वारा बड़ी विकास चुनौतियों के समाधान एवं सामाजिक कल्याण हेतु उच्च स्तरीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के मध्य क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा स्वीकृत/आयोजित अनुसंधान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता ने वर्ष 1973 में अपना कार्य शुरू किया। ये केंद्र 1/आर 1, बैश्रबघाटा, कस्बा पटुली, कोलकाता-700094 में स्थित है। ईआरसी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल एवं अंडमान निकोबार द्वीप आते हैं। केंद्र का प्रमुख उद्देश्य इस क्षेत्र के सामाजिक विज्ञानियों का एक साथ लाना तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सहयोगात्मक कार्यों के माध्यम से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन एवं मजबूती प्रदान करना है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, ईआरसी द्वारा विभिन्न केंद्रीय व राज्य शैक्षणिक संस्थानों से 3 अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। अनुसंधान परियोजनाओं के अतिरिक्त केंद्र द्वारा शैक्षणिक आयोजनों व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को भी सहयोग दिया गया। मुख्य रूप से केंद्र ने 10 सम्मेलनों, 21 संगोष्ठियों एवं 4 कार्यशालाओं को स्वीकृति दी। इसके साथ ही ईआरसी द्वारा, विद्वानों व शोधकर्ताओं में कौशल विकास एवं ज्ञान साझा करने हेतु 1 अनुसंधान पद्धति कोर्स तथा 2 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसके अतिरिक्त, ईआरसी द्वारा 2 अनुसंधान शोधार्थियों को अध्ययन अनुदान प्रदान किया गया जिससे व्यक्तिगत अनुसंधान प्रयासों को भी सहयोग मिल सके। इस अवधि के दौरान केंद्र द्वारा

4 अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें 'नारी अदालत' पर कार्यशाला व 'समान व निष्पक्ष न्याय' पर जवाहरलाल नेहरू के विचार', विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भी सम्मिलित है। इसके साथ ही केंद्र द्वारा दो विद्वान आगंतुकों के व्याख्यान आयोजित किए गए: डॉ. मधुमिता नाथ जिन्होंने जलवायु परिवर्तन, आपदाएं एवं लिंग अतिसंवेदनशीलता आदि विषयों पर, तथा प्रोफेसर सुभसंकर चट्टोपाध्याय जिन्होंने पूंजी संग्रह व संरचनात्मक रुपांतरण आदि विषयों पर चर्चा की। पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, इन सभी प्रयासों के माध्यम से, भारत के पूर्वी क्षेत्रों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान व शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्र की कार्यालयीन वेबसाइट है <http://www.ercicssr.org>.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् का, 1977 में स्थापित **उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी)**, शिलांग, गत पाँच वर्षों में भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन देने वाले अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा है। एनईआरसी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड त्रिपुरा एवं सिक्किम आदि राज्य आते हैं। हाल ही में, केंद्र ने *विकसित भारत@2047* के उद्देश्यों एवं अपने क्षेत्र की विकास अनिवार्यताओं को देखते हुए अपने फोकस को उच्च सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर केंद्रित किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र द्वारा 27 संगोष्ठियों, 13 सम्मेलनों, 7 कार्यशालाओं, 5 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों, 2 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों एवं 2 व्याख्यानों को स्वीकृत किया गया। केंद्र द्वारा युवा अनुसंधानकर्ताओं को सहयोग देने हेतु 19 अनुसंधान कर्ताओं के लिए डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किए गए जिससे उनके जरूरी शैक्षणिक व्ययों की पूर्ति की जा सके जो डॉक्टरल शोध जैसे फील्ड वर्क, डेटा संकलन एवं अनुसंधान सामग्री की आपूर्ति के लिए आवश्यक होते हैं। इसके अतिरिक्त, 2 शोधार्थियों को, उनके अनुसंधान शोध के लिए आवश्यक विशेष संसाधन जुटाने हेतु पुस्तकालयों, पुरालेखागारों एवं शैक्षणिक संस्थानों में जाने के लिए अध्ययन अनुदान दिए गए।

इसके साथ ही केंद्र द्वारा 2 कार्यशालाओं, 5 संपर्क (आउटरीच) कार्यक्रमों, 1 अनुसंधान पद्धति कार्यक्रम, 2 व्याख्यानों एवं 1 संवादात्मक विमर्श का आयोजन किया गया जो कि अनुसंधान क्षमता निर्माण, अंतरविषयी संवाद, एवं सामुदायिक भागीदारी पर केंद्रित थे। मुख्य आयोजनों में अनुसंधान प्रणाली, भारतीय ज्ञान तंत्र एवं पुस्तकालय डेटाबेस उपयोग पर कार्यशालाएं, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं श्रमिक बाजार असमानताओं पर प्रतिष्ठित विद्वानों के महत्वपूर्ण व्याख्यान, एवं बंगाल की खाड़ी के इतिहास व पर्यावरणीय तंत्र पर संवादात्मक विमर्श आदि सम्मिलित रहे। केंद्र द्वारा अनेक प्रमुख दिवसों जैसे योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस एवं हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न संपर्क

(आउटरीच) कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, साथ ही अपने शैक्षणिक उत्कृष्टता व जन जागरूकता के प्रति समर्पण को पुनःस्थापित करते हुए महाविद्यालयीन छात्रों के लिए पुस्तकालय उपयोग पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

साथ ही केंद्र ने अपनी विशेषज्ञ-समीक्षित पत्रिका, 'मैन एंड सोसायटी—अ जर्नल ऑफ नॉर्थ-ईस्ट स्टडीज़', के दो संस्करणों का प्रकाशन भी किया। इसके अलावा, केंद्र ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र एवं भारत के अन्य क्षेत्रों के अनेक आगंतुक विद्वानों व नीति-निर्माताओं को शैक्षणिक स्थान एवं विद्वत्तापूर्ण विमर्श भी प्रदान किया। केंद्र की कार्यालयीन वेबसाइट है:- <https://www.icssrnerc.org/>

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा. सा.वि.अ.प.) के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), नई दिल्ली की स्थापना 1975 में हुई। ये केंद्र ओल्ड सीआरएस भवन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली में स्थित है। एनआरसी के अंतर्गत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली आदि राज्य आते हैं। भारत के उत्तरी क्षेत्र में, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी) भा.सा.वि.अ.प. के प्रतिनिधि के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये सामाजिक वैज्ञानिकों के अपने क्षेत्र से संबंधित विचारों व समस्याओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिससे उन्हें भा.सा.वि.अ.प. के मुख्यालय तक पहुंचाया जा सके। केंद्र का लक्ष्य सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रश्रय देना एवं उत्तरी क्षेत्र के शोधार्थियों एवं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक समुदायों के मध्य एक सेतु का कार्य करना है।

अपनी क्षमता अनुसार, एनआरसी अनुसंधान परियोजनाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, स्नातक संगोष्ठियों, अध्ययन अनुदानों, व्याख्यान मालाओं, अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों, क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों एवं भा.सा.वि.अ.प.-प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। केंद्र अनुसूचित जाति/जनजाती श्रेणी के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है जिससे अनुसंधान गतिविधियों में समावेशी सहभागिता को सुनिश्चित किया जा सके। वर्ष 2024-25 के मध्य, केंद्र द्वारा विभिन्न केंद्रीय एवं प्रादेशिक विश्वविद्यालयों की 10 अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया। ये इस क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में केंद्र की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। इसके साथ ही, केंद्र द्वारा 11 सम्मेलनों, 67 संगोष्ठियों, 1 व्याख्यान एवं 3 कार्यशालाओं को भी स्वीकृत किया गया। शोधार्थियों में अनुसंधान क्षमता को बल देने हेतु केंद्र ने 3 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृत किया। इन सभी प्रयासों के द्वारा, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र उत्तर भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को बढ़ाने एवं शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। केंद्र की

कार्यालयीन वेबसाइट है <https://icssr.org/northern-regional-centre>

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा. सा.वि.अ.प.) के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एनडब्ल्यूआरसी), चंडीगढ़, की स्थापना 1977 में भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, समन्वित करने एवं मजबूत बनाने हेतु की गई थी। एनडब्ल्यूआरसी के अंतर्गत, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब एवं केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ आते हैं। अपने प्रादुर्भाव के पश्चात से ही, एनडब्ल्यूआरसी अपने क्षेत्र में संस्थानों व शोधार्थियों के मध्य विद्वत्तापूर्ण विमर्श की सुगमता, अंतरविषयी अनुसंधान के प्रोत्साहन एवं अनुसंधान क्षमता के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। केंद्र, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, एवं अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करता है तथा विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही, केंद्र डॉक्टरल एवं अध्ययन अनुदान देकर व पुस्तकालय संसाधन एवं संरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करके शोधार्थियों का सहयोग करता है, इन प्रयासों से वह क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के परितंत्र को मजबूत बनाने में एक आवश्यक भूमिका निभाता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र ने संपूर्ण क्षेत्र में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों को सहयोग देकर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को सशक्त बनाने के अपने अनवरत समर्पण को दर्शाया है। केंद्र द्वारा सामाजिक विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत शृंखला की 54 संगोष्ठियां स्वीकृत की गईं जिसने अनुसंधानकर्ताओं, विद्वान एवं नीति निर्माताओं को ज्ञान के आदान-प्रदान एवं महत्वपूर्ण विचार-विमर्श के लिए एक आवश्यक मंच प्रदान किया। संगोष्ठियों के अतिरिक्त, केंद्र द्वारा 2 विशेष व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रतिष्ठित विद्वान को आमंत्रित किया गया जो समकालीन सामाजिक समस्याओं पर अपने विचार रखे जिससे विद्वत्तापूर्ण विमर्श में नये आयाम का सृजन एवं नव-प्रेरणा मिली। केंद्र ने 2 कार्यशालाओं को भी सहयोग दिया जिनका लक्ष्य विशेष अनुसंधान क्षेत्रों में कौशल एवं सैद्धांतिक विकास रहा।

अनुसंधान कौशल एवं प्रणालीगत कठिनाईयों के महत्व को देखते हुए, एनडब्ल्यूआरसी द्वारा मुख्य रूप से युवा अनुसंधानकर्ताओं एवं डॉक्टरल शोधार्थियों के लिए बनाए गए 2 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान में प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक अनुसंधान को करने हेतु आवश्यक साधन एवं तकनीक प्रदान की गई। इसके अलावा, केंद्र द्वारा 2 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये गए जिनका फोकस सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत युवा शोधार्थियों, विभागीय सदस्यों, एवं पेशेवरों

की अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने पर था। इन कार्यक्रमों की संरचना इस तरह से की गयी कि प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव, परामर्श एवं उच्च अनुसंधान पद्धतियों को सीखने का मौका मिले।

इन सभी प्रयासों के माध्यम से, एनडब्ल्यूआरसी ने भारत के उत्तर-पश्चिमी राज्यों के मध्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक क्षमता, क्षेत्रीय अनुसंधान सहभागिता एवं ज्ञान के विस्तारण में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। केंद्र की कार्यालयीन वेबसाइट है <https://icssrnwrc.org.in/>

भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद् के दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), हैदराबाद की स्थापना 1 फरवरी 1973 को की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के दक्षिणी क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन एवं बल देना था। केंद्र के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु एवं केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप व पोंडीचेरी आते हैं। अपनी स्थापना के समय से ही, केंद्र समाज संबंधित ऐसे मुद्दों पर अनुसंधान को प्रोत्साहन देने में आवश्यक भूमिका निभाता रहा है जिनका क्षेत्रीय विकास एवं नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण प्रभाव हो। ये केंद्र, द्वितीय तल, न्यू बिल्डिंग, ओयूसीआईएस प्रांगण, लैंडस्केप गार्डन के समीप, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद-500007 पर स्थित है।

अपने अधिदेश के एक भाग के रूप में, एसआरसी शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, व्यावसायिक समितियों को राज्य-स्तरीय, क्षेत्र-स्तरीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं एवं परिचर्चाओं के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ये सभी आयोजन शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं एवं नीति निर्धारकों को शैक्षणिक आदान-प्रदान, ज्ञान विस्तार एवं क्षमता निर्माण के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से केंद्र सक्रिय रूप से एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति को प्रश्रय देने एवं दक्षिणी क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना करने में भूमिका निभाता है। साथ ही केंद्र दक्षिणी क्षेत्र के सामाजिक विज्ञानियों को सहयोग बढ़ाने, विचारों के आदान-प्रदान एवं सामाजिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करने का मंच भी प्रदान करता है। यह दक्षिणी क्षेत्र के सामाजिक विज्ञानियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञानी समुदायों से जोड़ने वाले सेतु के रूप में भी कार्य करता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र द्वारा 13 सम्मेलनों, 82 संगोष्ठियों एवं 3 कार्यशालाओं के साथ 2 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों एवं 6 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, केंद्र द्वारा अनुसंधान कौशल को बल देने, क्षेत्रीय शिक्षण सहयोग को प्रोत्साहित करने एवं जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 6 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों, 2 प्रशिक्षण/शिक्षण विकास कार्यक्रम, 3 आउटरीच कार्यक्रमों एवं 1 व्याख्यान को आयोजित अथवा सहयोग देने का कार्य किया

गया। केंद्र द्वारा, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु के विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से अनेक अनुसंधान प्रणाली कोर्स (आरएमसी) एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों (सीबीपी) का आयोजन किया गया जिनके विषय परिमाणात्मक तकनीक, गुणात्मक अनुसंधान, अनुसंधान में तकनीकी एवं उच्च पद्धतियां आदि रहे। प्रमुख ध्यान देने योग्य कार्यक्रमों में गुणात्मक अनुसंधान पर 10 दिवसीय कार्यशाला, महाविद्यालयीन प्राध्यापकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम एवं विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान के पीएच डी शोधार्थियों के लिए आरएमसी। साथ ही, भा.सा. वि.अ.प.-एसआरसी द्वारा स्टाफ के लिए योग दिवस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी दिवस उत्सव, एवं पोलाची, चैन्नई एवं अनंथपुरम के शिक्षण संस्थानों में अनेक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए, इन कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र ने पूरे दक्षिण भारत में शैक्षणिक विकास एवं सामुदायिक भागीदारी के प्रति अपने समर्पण को फिर से दर्शाया।

इसके साथ ही, एसआरसी द्वारा अनुसंधान प्रयासों को सहायता देने हेतु 'डॉक्यूमेंटेशन इन सोशल साइंसेज' विषय पर एक अर्धवार्षिक प्रलेखन लाया गया। इन सभी प्रयासों के माध्यम से एसआरसी, दक्षिण भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्र के बारे में और अधिक जानकारी उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध है। <https://www.srcicssr.org/>

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्ल्यूआरसी) की स्थापना, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से जनवरी 1973 में की गई। नीतिगत तरीके से विश्वविद्यालय के विद्यानगरी कैंपस में स्थापित किये गए केंद्र का मुख्य उद्देश्य भारत के पश्चिमी क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन देना व शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना है। डब्ल्यूआरसी के अंतर्गत, गुजरात, गोवा एवं दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नागर हवेली केंद्रशासित प्रदेश आते हैं।

केंद्र के मुख्य उद्देश्यों में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन देना, अभिलाषी शोधार्थियों को अनुसंधान प्रणाली में प्रशिक्षित करना, एवं युवा सामाजिक विज्ञानियों व शोधकर्ताओं को ना सिर्फ पश्चिमी भारत के बल्कि संपूर्ण भारत एवं विदेशों के विशेषज्ञों के विशिष्ट अनुभव से परिचित कराना है। वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र द्वारा विभिन्न केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों की 15 अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया, जो कि वर्तमान में जारी हैं। इसके साथ ही केंद्र ने 17 सम्मेलनों, 15 संगोष्ठियों, एवं 4 कार्यशालाओं तथा 8 अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमों व 2 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को भी स्वीकृत किया।

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) प्रयास के अंतर्गत, केंद्र द्वारा 4 संगोष्ठियों एवं 6 सम्मेलनों को स्वीकृत किया गया।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूआरसी ने अनुसंधान सहयोग हेतु 4 पुस्तक अनुदान, 1 अध्ययन अनुदान एवं 2 पत्रिका अनुदान भी स्वीकृत किए। इस काल के दौरान केंद्र ने 5 अनुसंधान एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अंतर्गत, नए विधि ढांचे में अपराधी कानून के ऐतिहासिक व संवैधानिक दृष्टिकोण विषय पर एक संगोष्ठी, शैक्षणिक अनुसंधान एवं नीति परिणामों पर सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण के प्रभाव विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन सम्मिलित रहे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान तंत्र एवं ऐतिहासिक लेखन विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के

माध्यम से, व्यावसायिक बंधनों को तोड़ते हुए महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया, हिंदी भाषा पर एक आउटरीच कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इन सभी प्रयासों के माध्यम से डब्ल्यूआरसी, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने एवं शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभाता आ रहा है। केंद्र के बारे में और अधिक जानकारी उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध है। <https://mu.ac.in/departement-of-icssr-wrc>.

वर्ष 2024-25 के दौरान सभी छः क्षेत्रीय केंद्रों की गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट-10 में दिया गया है।

तालिका 4.1

वर्ष 2024-25 के दौरान क्षेत्रीय केंद्रों के अनुसंधान परिणामों की परिमाणात्मक सूचना

क्र.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम	अनुसंधान परियोजनाएं	सम्मेलन	संगोष्ठियां	व्याख्यान	कार्यशालाएं	प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम	अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम	डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान	अध्ययन अनुदान	प्रकाशन		छात्रावास एवं अतिथि भवन सुविधा छात्रों / शोधकर्ताओं द्वारा ली गई।	कार्यालय सदस्य संख्या
											पुस्तक अनुदान	पत्रिका अनुदान		
1.	ईआरसी, कोलकाता	3	10	21	-	4	2	1	-	2	-	-	-	1*+1
2.	एनईआरसी, शिलांग	-	13	27	2	7	2	5	19	2	-	-	295	1*+8
3.	एनआरसी, नई दिल्ली	10	11	67	1	3	-	3	-	-	-	-	-	1*+2
4.	एनडब्ल्यूआरसी, चंडीगढ़	-	-	54	2	2	2	2	-	-	-	-	519	1*+3
5.	एसआरसी, हैदराबाद	-	13	82	-	3	6	2	-	-	-	-	115	1*+4
6.	डब्ल्यूआरसी, मुंबई	15	17	15	--	4	2	8	-	1	4	2	457	1*+4
कुल		28	64	266	5	23	14	21	19	5	4	2	1386	6*+22

* एक मानद निदेशक दर्शाता है।

तालिका 4.2
निधि वितरण (अनिरीक्षित) 2024-25

1. पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	43.30	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	55.00	1. प्रशासनिक व्यय	16.08
		2. योजना व्यय	51.79
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	0.71
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	1.79
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	32.90	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	39.34
प्राप्त ब्याज	1.01	एसबी ब्याज वापसी	0.83
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	11.75	व्यय से अधिक आय	33.42
कुल	143.96	कुल	143.96

तालिका 4.3

2. उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), शिलांग			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	28.28	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	65.00	1. प्रशासनिक व्यय	30.28
		2. योजना व्यय	42.11
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	0.79
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	0.00
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	40.00	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	47.35
प्राप्त ब्याज	0.63		
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	1.35	व्यय से अधिक आय	14.73
कुल	135.26	कुल	135.26

तालिका 4.4

3. उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), नई दिल्ली			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	20.20	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	96.66	1. प्रशासनिक व्यय	2.41
		2. योजना व्यय	95.06
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	14.02
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	1.85
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	11.79	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	14.33
प्राप्त ब्याज	1.21		
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	14.14	व्यय से अधिक आय	16.33
कुल	144.00	कुल	144.00

तालिका 4.5

4. उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एनडब्ल्यूआरसी), चंडीगढ़			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	44.31	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	82.84	1. प्रशासनिक व्यय	15.48
		2. योजना व्यय	49.67
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	0.00
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	0.00
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	62.71	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	54.30
प्राप्त ब्याज	2.47		
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	20.24	व्यय से अधिक आय	93.12
कुल	212.57	कुल	212.57

तालिका 4.6

5. दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), हैदराबाद			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	57.73	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	74.39	1. प्रशासनिक व्यय	28.80
		2. योजना व्यय	52.07
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	13.12
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	0.16
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	58.35	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	38.63
प्राप्त ब्याज	1.48		
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	18.21	व्यय से अधिक आय	77.38
कुल	210.16	कुल	210.16

तालिका 4.7

6. पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्ल्यूआरसी), मुंबई			
आय	राशि (लाख में)	व्यय	राशि (लाख में)
प्रारंभिक शेष (1.04.2024 तक)	61.80	ओएच-31 के अंतर्गत व्यय	
ओएच-31 के अंतर्गत अनुदान	55.00	1. प्रशासनिक व्यय	4.67
		2. योजना व्यय	54.04
		3. अन्य प्रतिष्ठान व्यय	1.91
ओएच-35 के अंतर्गत अनुदान	0.00	ओएच-35 के अंतर्गत व्यय	24.35
ओएच-36 के अंतर्गत अनुदान	47.87	ओएच-36 के अंतर्गत व्यय	58.86
प्राप्त ब्याज	1.85		
विविध आय (व्यय ना किया गया अनुदान)	25.82	व्यय से अधिक आय	48.51
कुल	192.34	कुल	192.34

31.03.2025 तक वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए
क्षेत्रीय केन्द्रों को अनुदान का आवंटन एवं अंतिम भुगतान जारी

(रु. लाख में)

क्र.	क्षेत्रीय केंद्र का नाम	आवंटन (ओएच-31)	अनुदान भुगतान (ओएच-31)	आवंटन (ओएच-36)	अनुदान भुगतान (ओएच-36)	आवंटन (ओएच-35)	अनुदान भुगतान (ओएच-35)	कुल अनुदान आवंटन	कुल अनुदान भुगतान
1	ईआरसी, कोलकाता	70.00	55.00	45.00	32.90	15.00	---	130.00	87.90
2	एनईआरसी, शिलांग	75.00	65.00	40.00	40.00	10.00	---	125.00	105.00
3	एनआरसी, नई दिल्ली	100.00	96.66	15.00	11.79	15.00	---	130.00	108.45
4	एनडब्ल्यूआरसी, चंडीगढ़	90.00	82.84	80.00	62.71	25.00	---	195.00	145.55
5	एसआरसी, हैदराबाद	100.00	74.39	75.00	58.35	20.00	---	195.00	132.74
6	डब्ल्यूआरसी, मुंबई	65.00	55.00	75.00	47.87	30.00	---	170.00	102.87
	कुल	500.00	428.89	330.00	253.62	115.00	---	945.00	682.51

* वर्ष 2024-25 के लिए 945.00 लाख रु. के आवंटन के निमित्त 682.51 लाख रु. अनुदान राशि का भुगतान किया गया। 2023-24 की खर्च नहीं हुई राशि का क्षेत्रीय केंद्रों ने बची हुई राशि की तरह उपयोग किया है।

अनुसंधान संस्थान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) 24 अनुसंधान संस्थानों को वेतन, विकास एवं अनुसंधान के लिए अनुदान प्रदान करता है। भा.सा.वि.अ.प. के अनुसंधान संस्थान विभाग का लक्ष्य, संपूर्ण भारत में फैले हुए इन 24 अनुसंधान संस्थानों द्वारा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को नई ऊँचाईयों पर ले जाना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दायरे के बाहर इन अनुसंधान संस्थानों को वित्तीय सहयोग देकर सामाजिक विज्ञान के ज्ञान को व्यापक स्तर देना, अनुसंधान की गुणवत्ता को विकसित करना और एक अंतर विषयी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना परिषद् का एक प्रमुख कार्यक्रम है। ये संस्थान भारत सरकार एवं भा.सा.वि.अ.प. द्वारा पहचाने गए महत्वपूर्ण विषयों व क्षेत्रों को प्रमुखता देकर एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। ये संस्थान एक ऐसे मजबूत तंत्र के रूप में काम करते हैं जो परिषद् की उस नीति का क्रियान्वयन करता हैं जिसमें, अनुसंधान प्रतिभाओं का विस्तार और देश के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान क्षमता का निर्माण करना है। विशेषकर उन क्षेत्रों में, जहां अभी तक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अधिक विकास नहीं हुआ है।

इन अनुसंधान संस्थानों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण एवं परामर्श कार्यक्रमों आदि के माध्यम से क्षेत्रीय व राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञानियों से निकट संपर्क स्थापित किए हैं। कुछ संस्थान राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय योजना व विकास संस्थाओं के साथ निकट संबंध रखते हैं जिससे इन संस्थानों ने अनुसंधान और नीति निर्माण के बीच के संबंध को और अधिक मजबूत बनाया है।

प्रत्येक संस्थान अनुसंधान हेतु अपनी दिशा स्वयं निर्धारित करता है जिसमें अनुसंधान के विभिन्न विषय सम्मिलित हैं जैसे: कृषि और ग्रामीण विकास, औद्योगिक संरचना और विकास, आय वितरण और गरीबी, रोजगार और मजदूरी, विकास स्तरों की अंतर-क्षेत्रीय विभिन्नता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिलाओं सहित समाज के कमजोर वर्गों की समस्याएं, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा विकास के सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और संस्थागत पहलू आदि। अतः इन अध्ययनों द्वारा राष्ट्रीय व

क्षेत्रीय दोनों ही स्तरों पर भारतीय अर्थव्यवस्था, राजनीति, इतिहास एवं समाज की संरचना व गतिशीलता पर पर्याप्त अनुभवजन्य ज्ञान का प्रतिपादन किया गया है।

गत दस वर्षों में, इन संस्थानों ने 2646 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की हैं। ये परियोजनाएं ऐसे व्यापक विषयों को समाहित करती हैं जो ऊपर लिखित क्षेत्रों से जुड़े होते हैं। महत्वपूर्ण बात ये है, कि ये प्रयास स्वभाव से ना सिर्फ अंतर्विषयी हैं बल्कि साथ ही ये क्षेत्रीय व स्थानीय समस्याओं पर भी बल देते हैं। इस प्रक्रिया में, ये संस्थान क्षेत्र विशेष की समस्याओं के बारे में अनुसंधान के केन्द्र बन चुके हैं, साथ ही इन्होंने विकास में आने वाली समस्याओं एवं संभावनाओं के प्रति जागरूकता में भी संपूर्ण देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रकाशन की बात करें तो, गत दस वर्षों में इन संस्थानों द्वारा 1362 पुस्तकों व रिपोर्टों, 5622 अनुसंधान पत्रों एवं लेखों, और 1785 कार्य-पत्रों का प्रकाशन किया गया है।

परिषद् द्वारा महत्व दी जाने वाली दूसरी प्रमुख गतिविधि है, इन अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से युवा सामाजिक विज्ञानियों को पीएच.डी. कार्यक्रमों, कार्यशालाओं व सम्मेलनों के द्वारा प्रशिक्षण देना। गत दस वर्षों में, 462 शोधार्थियों को पीएच डी की डिग्री दी गई है। परिषद् अधिकारिक रूप से इन अनुसंधान संस्थानों द्वारा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका पर गर्व कर सकता है।

भा.सा.वि.अ.प. के सहायता-अनुदान प्राप्त अनुसंधान केंद्र, भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन देने व आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रतिवेदित वर्ष में, इन संस्थानों द्वारा ऐसे अनेक विषयों पर अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया गया जो समकालीन एवं भविष्य के भारत के लिए आवश्यक सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों से संबंधित हैं। इस वर्ष के दौरान 250 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, जो संस्थानों के विभिन्न विषयों जैसे ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, लिंग अध्ययन, प्रशासन, जन नीति, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं उभरती सामाजिक समस्याओं पर अध्ययन के सक्रिय प्रयास को दर्शाता है। ये परियोजनाएं स्वभाव से बहुधा

अंतरविषयी एवं बहुविषयी होती हैं, जो समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, नृवंश विज्ञान, इतिहास एवं अन्य संबद्ध विषयों की अंतर्दृष्टियों के सम्मिलन से ज्वलंत समस्याओं पर एक व्यापक दृष्टिकोण देती हैं। इन पूर्ण परियोजनाओं के अतिरिक्त, इस प्रतिवेदित काल के अंत तक 281 परियोजनाएं जारी हैं। ये जारी परियोजनाएं, संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों की धारणीय गतिशीलता एवं नवीन ज्ञान के निष्पादन की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके साथ ही, अनुसंधान संस्थानों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 108 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई।

अनुसंधान संस्थान, विभिन्न शोध उत्पत्तियों के माध्यम से नवीन ज्ञान के उत्पादन एवं विस्तारण के सतत प्रयास करते हैं। ये उत्पत्तियां ना सिर्फ शैक्षणिक बोध को बढ़ाने में सहायक होती हैं बल्कि प्रभावकारी नीति निर्णयों व सार्वजनिक संवाद में भी सहायक होती हैं। इनकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को सफल बनाने के लिए, विद्वानों द्वारा किए गए अनुसंधान अध्ययनों के परिणामों को अनेक माध्यमों जैसे शोध-पत्रों, पत्रिका-लेखों, पुस्तकों, संपादित संस्करणों में अध्यायों, मोनोग्राफ्स, कार्य व सामयिक पत्रों, अनुसंधान रिपोर्टों एवं नीति सार-पत्रों के द्वारा प्रस्तारित किया जाता है।

इस प्रतिवेदित वर्ष के दौरान, संस्थानों के विभागीय सदस्यों द्वारा शिक्षा साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 384 शोध-पत्र एवं लेख प्रकाशित किये गए, जो सभी विषयों में शैक्षणिक संबद्धता की गहराई व व्यापकता को इंगित करता है। इसके साथ ही सदस्यों द्वारा संपादित पुस्तकों में 105 अध्याय लिखे गए जो बहु-लेखकीय संस्करणों में उनकी विशिष्टता व सहयोगात्मक प्रयासों को दर्शाता है। इन योगदानों के अतिरिक्त, 6 सामयिक-पत्र व 54 कार्य-पत्र प्रकाशित हुए, जिसने नीतिगत चुनौतियों एवं उभरते अनुसंधान विषयों पर समय रहते विमर्श करने को सुसाध्य बनाया। सदस्यों ने 45 पुस्तकें भी लिखीं, जो उनके अपने विषयों के क्षेत्र में विस्तृत शैक्षणिक लेखन में योगदान के सतत प्रयासों को बताते हैं, साथ ही 56 अनुसंधान रिपोर्टें आई, जो बहुधा ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक एवं विकास समस्याओं को संबोधित करती हैं जिससे नीति निर्माताओं, अभ्यासकर्ताओं एवं भागीदारों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं। 5 मोनोग्राफों का प्रकाशन विभागीय सदस्यों के सूक्ष्म विश्लेषण कार्य को दर्शाता है जबकि 17 नीति सार-पत्र निकाले गए ताकि सार्वजनिक नीति एवं प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करने हेतु सारगर्भित, क्रियात्मक अंतर्दृष्टि मिल सके। संकलित रूप से, ये विविध विषयी प्रकाशन शैक्षणिक गुणवत्ता, ज्ञान विस्तारण एवं प्रभावशाली सामाजिक प्रभाव के लिए संस्थानों की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संस्थानों द्वारा युवा सामाजिक विज्ञानियों को प्रशिक्षण देने का कार्य भी किया जाता है। साथ ही नए शोधार्थियों को उनके

अनुसंधान के प्रारूप एवं संचालन में सहायता भी दी जाती है। इस कार्य हेतु, इन संस्थानों को डॉक्टरल अध्येतावृत्तियां दी गई हैं। कुछ संस्थान पीएच.डी. छात्रों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायता प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, परिषद् की नीति के अनुसार, ये संस्थान उत्तर-स्नातक शिक्षण, विश्वविद्यालय में अनुसंधान मार्गदर्शन में प्रतिभागी बनते हैं एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों को अनुसंधान कार्यक्रमों में सम्मिलित करते हैं। इस वर्ष के दौरान, 354 अनुसंधान शोधार्थी इन संस्थानों के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में कार्यरत थे, इनमें से 58 शोधार्थियों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई एवं 53 शोधार्थियों ने अपने डॉक्टरल शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

अपने पर्याप्त अनुसंधान परिणामों के साथ ही, इन अनुसंधान संस्थानों ने व्यापक शैक्षणिक व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के द्वारा, बौद्धिक प्रयासों, व्यावसायिक विकास एवं ज्ञान के आदान-प्रदान की अपनी मजबूत प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 508 अनुसंधान कार्यक्रमों का आयोजन इन संस्थानों द्वारा किया गया जिसमें 109 संगोष्ठियां, 36 सम्मेलन, 85 कार्यशालाएं, 166 व्याख्यान, 16 अनुसंधान प्रणाली कोर्स, 51 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा 45 वेबिनार शामिल हैं। इन सभी आयोजनों ने बौद्धिक संवाद, अंतरविषयी सहयोग, एवं अग्रणी अनुसंधान परिणामों के लिए आवश्यक मंच के रूप में कार्य किया। संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में विद्वानों, अभ्यासकर्ताओं एवं नीति निर्धारकों की प्रतिभागीता ने राष्ट्रीय एवं वैश्विक समकालीन समस्याओं पर संवाद को प्रोत्साहित किया। कार्यशालाओं व व्याख्यानों ने विशेष विषयों पर सूक्ष्म अन्वेषण एवं बेहतर पद्धतियों के आदान-प्रदान के अवसर प्रदान किए। अनुसंधान प्रणाली कोर्स एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी समान रूप से महत्वपूर्ण रहे क्योंकि उनका लक्ष्य, छात्रों, युवा शोधार्थियों एवं व्यवसायिकों के मध्य शोध कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमताओं एवं क्षेत्र-विशेष के ज्ञान को बढ़ाना रहा। इन गतिविधियों के आयोजन में संस्थानों की सक्रिय भूमिका उनके क्षमता निर्माण, ज्ञान हस्तांतरण, और एक गतिशील शैक्षणिक समुदाय को बनाने के अपने व्यापक लक्ष्य को परिलिखित करता है।

संयुक्त रूप में, ये सभी प्रयास संस्थानों की उस अभिन्न भूमिका को दर्शाते हैं जो शैक्षणिक क्षेत्र के अंतर्गत व उसके बाहर भी, ना सिर्फ अनुसंधान के विकास बल्कि बौद्धिक प्रगति के पोषण एवं व्यवसायिक विकास में ये संस्थान निभाते हैं।

भा.सा.वि.अ.प. के सहायता-अनुदान प्राप्त अनुसंधान संस्थानों की अनुसंधान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण (2024-25)

प्रतिवेदित वर्ष 2024-25 में, भा.सा.वि.अ.प. के सहायता-अनुदान प्राप्त अनुसंधान संस्थानों के केंद्रबिंदु व मुख्य गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

ए.एन.सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान (एएनएसआईएसएस), पटना द्वारा वर्ष 2024-25 में अपनी विस्तृत अनुसंधान गतिविधियों को जारी रखा। इनके अनुसंधान के मुख्य विषय रहे—ग्रामीण समाजशास्त्र, राजनैतिक समाजशास्त्र, कृषिक सुधार, कृषि एवं श्रमिक अर्थशास्त्र, विकास की राजनैतिक अर्थव्यवस्था, जनजातीय अध्ययन, जनजातीय विकास, औषधि की परंपरागत व्यवस्था, सामाजिक प्रभाव आकलन, नृवंशीय अध्ययन, विकास अर्थशास्त्र, भारतीय राजनीति, जातीय एवं जनजातीय अध्ययन, विकास एवं सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक भूगोल, एवं स्थानिक व सामाजिक असमानता। इस वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा 59 सामाजिक प्रभाव आकलन (सोशल इंपैक्ट एसेसमेंट-एसआईए) परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गईं एवं 13 परियोजनाएं अभी जारी हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा 20 नई परियोजनाएं ली गईं जो उनके अनुसंधान दायरे को बढ़ाती हैं।

विभागीय सदस्यों ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 7 अनुसंधान पत्रों व लेखों के प्रकाशन के माध्यम से शैक्षणिक संभाषण में योगदान दिया। एएनएसआईएसएस ने शैक्षणिक प्रयासों पर फोकस करते हुए 1 राष्ट्रीय सम्मेलन, 5 सार्वजनिक व्याख्यान, एवं 1 कार्यशाला का आयोजन किया। इस वर्ष के दौरान, उच्च अनुसंधान के क्षेत्र में 11 शोधार्थियों ने पीएच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लिया जबकि 7 शोधार्थियों को आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना द्वारा पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त 2 शोधार्थियों ने मूल्यांकन हेतु अपने डॉक्टरल शोध-पत्र प्रस्तुत किये। संस्थान के प्राध्यापकों ने संपादित पुस्तक में 1 अध्याय एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 7 अनुसंधान पत्र एवं लेख प्रकाशित किए।

संस्थान के माईक्रो डेटा सेंटर में जनगणना रिपोर्टें एवं उससे संबंधित डेटा रहता है जिसे जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक अनुसंधान करने वाले अनुसंधान कर्ताओं द्वारा सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है। संस्थान के पुस्तकालय द्वारा, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एमएलआईएस) में स्नातकोत्तर डिग्री लेने वाले छात्रों के लिए 3 महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। शैक्षणिक संसाधनों तक पहुँच बढ़ाने के लिए पुस्तकालय ने विभागीय सदस्यों व शोधकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ (EBSCO) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया।

इस वर्ष के दौरान, **विकास अध्ययन केंद्र (सीडीएस), तिरुवनंतपुरम** द्वारा अपनी अनुसंधान गतिविधियों को निम्न विषयों पर केंद्रित करते हुए जारी रखा गया - जलवायु परिवर्तन शिक्षा विज्ञान, बाल कल्याण एवं महिला प्रसव, बाल प्रवास, अनुसूचित जाति में सामाजिक गतिशीलता, केरल के रबर उत्पादक समुदाय, वैश्विक मूल्य श्रृंखला, केरल में उच्च शिक्षा हेतु छात्रों का अंतर्राष्ट्रीय प्रवास, अनुसूचित जाति प्रवास, केरल से छात्र अंतर्राष्ट्रीय प्रवास

एवं केरल में ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन आदि। इस वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं व 8 परियोजनाएं अभी जारी हैं साथ ही 11 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी है। डॉक्टरल शोध के क्षेत्र में 12 शोधकर्ताओं ने पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाया है, 4 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई है 6 ने अपना डॉक्टरल शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं 46 शोधकर्ता वर्तमान में पीएच.डी. कार्यक्रम में सलग्न हैं।

सीडीएस के विभागीय शिक्षाविदों द्वारा 1 पुस्तक, संपादित पुस्तकों में 7 अध्याय, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 30 अनुसंधान-पत्र एवं लेखों के प्रकाशन द्वारा शैक्षणिक साहित्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही, केंद्र ने 5 कार्य-पत्र, 3 अनुसंधान रिपोर्टें एवं 3 नीति सार-पत्रों के प्रकाशन के द्वारा अपनी नीति आधारित अनुसंधान में सलग्नता को दर्शाया। अनुसंधान के अतिरिक्त, इस वर्ष के दौरान केंद्र 2 सम्मेलनों, 3 संगोष्ठियों, 4 कार्यशालाओं, 38 व्याख्यानों एवं 1 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक विमर्श व क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी सक्रिय रहा। ये सभी गतिविधियाँ, केंद्र के संवाद प्रोत्साहन, अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने एवं महत्वपूर्ण नीति निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इस वर्ष के दौरान, **आर्थिक एवं सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीडीएसएस), हैदराबाद** ने अपनी अनुसंधान गतिविधियों को, श्रमिक बाजार गतिशीलता, शिक्षा, प्रवास, कृषि उत्पाद कंपनियाँ, अनुसूचित जाति की विशिष्ट विकास राशि के विश्लेषण आदि विषयों पर केंद्रित रखा। इन विषयगत अध्ययनों के अतिरिक्त, केंद्र द्वारा 16वें वित्त आयोग पर महत्वपूर्ण रिपोर्टें तैयार की गईं, जिसमें आंध्र प्रदेश का प्रदेश वित्त आकलन, तेलंगाना प्रशासन के लिए एक ज्ञापन-पत्र, एवं तेलंगाना प्रदेश वित्त आयोग के लिए पंचायती राज संस्थानों की आर्थिक स्थिति का आकलन शामिल था। 'यंग लाईवज़ लाँग्टीयूडनल सर्वे' के नवीनतम 7 वें चरण के परिणामों को नीति निर्माताओं के लिए फैक्ट शीट में संकलित किया गया, इसको शिक्षा स्थानांतरण, स्वास्थ्य एवं पोषण, कार्य एवं परिवार जीवन पर केंद्रित किया गया। इन परिणामों में से कुछ को कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया जिसे आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) एवं वित्त मंत्रालय द्वारा अक्तूबर 2024 में आयोजित किया गया था।

इस वर्ष के दौरान, केंद्र ने 14 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण कीं जबकि 11 परियोजनाएं अभी जारी हैं, साथ ही 6 नई अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी है। डॉक्टरल अनुसंधान के क्षेत्र में, 6 शोधकर्ताओं ने पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकरण करवाया है, 4 शोधकर्ताओं को उपाधि प्रदान की गई है एवं 6 शोधकर्ताओं ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये हैं, केंद्र में अभी 61 शोधकर्ता पीएच.डी. अध्ययन में सलग्न हैं। विभागीय शिक्षाविदों द्वारा 2

पुस्तकों, संपादित संस्करणों में 8 अध्यायों एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 31 अनुसंधान पत्र एवं लेख प्रकाशित कर, शैक्षणिक क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दिया। इसके साथ ही केंद्र ने इस वर्ष, 3 कार्यकारी पत्र, 1 मोनोग्राफ एवं 3 अनुसंधान रिपोर्टें निकालीं।

वर्ष के दौरान, सीईएसएस 10 व्याख्यानों, 8 विभागीय संगोष्ठियों, 3 कार्यशालाओं, 2 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, कुछ वर्ग विचार सत्र, संवाद सत्र एवं अन्य प्रस्तुतिकरण गतिविधियों द्वारा शैक्षणिक विमर्श में सक्रिय रहा, जिससे उसके अनुसंधान व नीति संवाद के केंद्र के रूप में भूमिका को मजबूती मिली।

बहु-विषयी विकास अनुसंधान केंद्र (सीएमडीआर), धारवाड़ द्वारा इस वर्ष के दौरान जो अनुसंधान गतिविधियां की गईं, उनका केंद्रबिंदु विभिन्न विषय रहे, जैसे नवीन शिक्षा प्रणाली 2020, क्षेत्रीय विकास एवं शिक्षा, योजना विकेंद्रीकरण, जनजातीय विकास, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, राज्य आर्थिक व्यवस्था एवं नीति विकास, पूंजी निर्माण एवं स्वयंसेवी समूह, सामाजिक एवं मानव-शास्त्रीय विकास, तंबाखू नियंत्रण एवं जल आपूर्ति एवं स्वच्छता आदि। इस काल के दौरान, केंद्र द्वारा 4 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गयीं, 6 परियोजनाएं अभी जारी हैं एवं 3 नई परियोजनाओं को शुरू किया गया है।

डॉक्टरल अनुसंधान के क्षेत्र में 1 शोधकर्ता ने पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकरण करवाया, 2 शोधकर्ताओं को उपाधि प्रदान की गयी तथा 2 शोधकर्ताओं ने अपने डॉक्टरल शोध-पत्र प्रस्तुत किये, वर्तमान में 27 शोधकर्ता केंद्र में पीएच.डी. के अध्ययन में सलग्न हैं। विभागीय शिक्षाविदों ने, शैक्षणिक योगदान हेतु 3 पुस्तकों, 1 मोनोग्राफ एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं एवं प्रकाशनों में 24 अनुसंधान पत्रों व लेखों का प्रकाशन किया।

शैक्षणिक विमर्श एवं क्षमता निर्माण के क्षेत्र में भी केंद्र ने सक्रिय भूमिका निभाई, इस एक वर्ष में 1 सम्मेलन, 8 संगोष्ठियों, 6 व्याख्यानों, 3 कार्यशालाओं, 1 अनुसंधान प्रणाली कोर्स, 1 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रम तथा 5 वेबीनारों का आयोजन किया गया जो केंद्र के शैक्षणिक एवं नीति आधारित संभाषणों में उसके सतत कार्य प्रयासों को दर्शाता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान **ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र, (सीआरआरआईडी)**, चंडीगढ़ द्वारा अपनी अनुसंधान गतिविधियों का केंद्रबिंदु कई महत्वपूर्ण विषयों को बनाया गया, जैसे पंजाब में अक्षय ऊर्जा एवं अपशिष्ट जल का पुनर्उपयोग, पंजाब के कृषकों के मध्य आय की असमानता, पंजाब के सिकलीगर्स के विषय में एक मानव-शास्त्रीय खोज आदि। इसके साथ ही, केंद्र द्वारा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य मानकों पर निरीक्षण अध्ययन साथ ही मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र में नौ वृहद ग्रामीण विकास योजनाओं पर निरीक्षण अध्ययन का कार्य किया गया। इन अनुसंधानों,

मूल्यांकन व निरीक्षण अध्ययनों ने जमीनी स्तर पर असमानताओं पर प्रकाश डाला, पूर्वस्थापित चुनौतियों का परीक्षण किया तथा नीति निर्माताओं व योजना निर्धारकों के लिए संभावित समाधानों के लिए राय प्रदान की।

इस काल के दौरान, केंद्र द्वारा 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 26 परियोजनाओं पर कार्य जारी है एवं 1 नई अनुसंधान परियोजना को स्वीकृति दी गयी है। डॉक्टरल क्षेत्र में 8 नए शोधकर्ताओं ने अर्थशास्त्र व समाजशास्त्र में पीएच.डी. के लिए पंजीकरण कराया है, 5 शोधकर्ताओं ने अपने पीएच.डी. शोध-पत्र को प्रस्तुत किया एवं 2 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई, साथ ही 28 शोधकर्ता वर्तमान में सीआरआरआईडी में पीएच.डी. अनुसंधान में सलग्न हैं। इसके अलावा इस वर्ष के दौरान केंद्र ने 5 कार्यशालाओं, 5 व्याख्यानों, 1 राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया। संस्थान के विभागीय शिक्षाविदों द्वारा संपादित पुस्तक में 1 अध्याय, पत्रिकाओं में 2 अनुसंधान पत्र एवं लेख तथा 11 अनुसंधान रिपोर्टों का प्रकाशन किया गया।

इस वर्ष के दौरान, **सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी) हैदराबाद**, ने अपनी अनुसंधान गतिविधियों के केंद्रबिंदु में, बाल-कल्याण से संबद्ध धारणीय विकास के लक्ष्यों की ओर तेलंगाना की प्रगति, युवा रोजगार, अनिश्चित जीविकाएं, एवं शासकीय व गैर-शासकीय संस्थानों के माध्यम से लिंग समानता आदि विषय रहे। साथ ही, अर्क उद्योगों एवं बागानी में महिलाओं का कल्याण, सार्वजनिक संपत्ति संसाधन एवं उनका प्रबंधन, भूमि हस्तांतरण एवं खाद्य व हस्तकला को लेकर ग्राहकों का रुझान आदि विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के अध्ययनों का संयोजन भी किया गया। परिषद् द्वारा 6 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 4 वर्तमान में जारी हैं एवं 6 नई अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है।

परिषद् को पीएच.डी. अनुसंधान केंद्र की मान्यता देने हेतु महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, नालगोंडा के साथ परिषद् ने एक सहमति-पत्र हस्ताक्षरित किया है, जिसके बाद अब इसमें दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। तेलंगाना विश्वविद्यालय, निजामाबाद के शिक्षकों को आर्थिक व सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद में पीएच.डी. में पंजीकृत छात्रों के निरीक्षकों के रूप में पंजीकृत किया गया है। इसके साथ ही केंद्र के शिक्षकों ने अनुसंधान व प्रकाशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, संपादित पुस्तकों में 3 अध्याय, पत्रिकाओं में 7 अनुसंधान पत्र, साथ ही 3 सामयिक-पत्रों एवं 2 अनुसंधान रिपोर्टों का प्रकाशन किया गया। इस काल के दौरान परिषद् द्वारा 4 जन व्याख्यानों, 8 कार्यशालाओं एवं 1 अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया।

इस प्रतिवेदित वर्ष के दौरान, **विकासशील समुदायों के अध्ययन का केंद्र (सीएसडीएस)**, नई दिल्ली ने विभिन्न विषयों पर अध्ययन किया जैसे दिल्ली में संक्रमण महामारियां डेंगू व कोविड

समेत, भारत में नेतृत्व के उभरते आयाम, राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन (एनईएस) 2024—मतदान पूर्व व मतदान-पश्चात, आजीविका एवं आय का स्थानिक वितरण, भारत में डिजिटल स्वास्थ्य, भारत में डिजिटल पंथ, उत्तर भारत में लोककथाएं तथा युवाओं के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार एवं आजीविका संभावनाएं आदि। केंद्र द्वारा 26 अनुसंधान परियोजनाओं को पूर्ण किया गया, 14 परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं एवं 8 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। केंद्र के शैक्षणिक समुदाय ने 3 पुस्तकों, 11 अनुसंधान लेखों, संपादित पुस्तकों में 5 अध्यायों एवं 4 अनुसंधान रिपोर्टों के माध्यम से अनुसंधान व प्रकाशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सीएसडीएस द्वारा व्यक्तिगत एवं संकलित दोनों ही तरह की कई अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन किया गया, इसमें बहुत से व्याख्यान, दल-चर्चाएं, एवं पुस्तक चर्चाएं शामिल रहे। कुछ उल्लेखनीय प्रकाशन रहे, बैदिक भट्टाचार्य की 'कोलोनिअलिज्म, वर्ल्ड लिटरेचर एंड द मेकिंग ऑफ द मॉडर्न कल्चर ऑफ लैटर्स' (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस), प्रियदर्शिनी विजयश्री की 'ऐसेज ऑफ वायोलेंस: पोल्थूशन, सैक्रीफाईस एंड मैडनेस' (ब्लूमसबरी इंडिया), हिलाल अहमद की 'अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ द प्रेजेंट: मुस्लिम्स इन न्यू इंडिया' (पेंग्विन-रैंडम हाउस, दिल्ली)। इसके अतिरिक्त प्रथम बैनर्जी द्वारा 'टैक्सचुअल लाइव्ज ऑफ कास्ट अक्रॉस द ऐजेज: इकैलिटी एंड ह्यूमैनिटी इन इंडियन हिस्ट्री' (ब्लूमसबरी इंडिया) को संपादित किया। हिलाल अहमद को उनकी पुस्तक 'अल्लाह नाम की सियासत' आदित्य निगम के साथ संयुक्त रूप से वार्षिक रामचंद्र खान सोशल साईंस अवार्ड दिया गया। केंद्र द्वारा शैक्षणिक संवाद में भी अहम भूमिका निभाई गई, इस वर्ष केंद्र ने 26 सार्वजनिक व्याख्यान, 1 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 5 कार्यशालाएं, 1 अनुसंधान प्रणाली कोर्स, एवं 1 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये।

वर्ष 2024-25 के दौरान सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, (सीएसएस), सूरत की अनुसंधान गतिविधियों के केंद्रबिंदु में कई विश्लेषणात्मक अध्ययन रहे, जिसमें जन स्वास्थ्य, शहरी संरचना, प्रवास, शहरी श्रमिक बाजार, खाद्य सुरक्षा, जनजातीय समुदाय, एवं क्षेत्रीय साहित्य आदि सम्मिलित थे। इस काल में केंद्र द्वारा 2 अनुसंधान अध्ययन पूर्ण किये गए, जबकि 8 अध्ययन वर्तमान में जारी हैं। साथ ही, 2024-25 में 2 नए अध्ययनों को शुरू करने के लिए स्वीकृति दी गई।

क्षमता निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को देखते हुए केंद्र द्वारा सामाजिक विज्ञान विषय के पीएच.डी. शोधार्थियों हेतु देशी भाषाओं (हिंदी एवं गुजराती) में 2 अनुसंधान प्रणाली कोर्स आयोजित किये गए। इन कोर्सों का लक्ष्य, खासकर क्षेत्रीय संदर्भ में कार्य करने वाले उभरते हुए शोधार्थियों में अनुसंधान कौशल को बल देना रहा।

इस वर्तमान वर्ष में, केंद्र द्वारा विभिन्न विषयों पर शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 1 कार्यशाला, 1 संगोष्ठी, 1 संयुक्त सम्मेलन, 5 विशेष व्याख्यान एवं वार्षिक आई.पी.स्मृति व्याख्यान सम्मिलित रहे। इन प्रयासों ने महत्वपूर्ण विद्वतापूर्ण संवाद एवं आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान किया। संस्थान के शिक्षक सदस्यों द्वारा 4 शोध-पत्र एवं 1 कार्य-पत्र प्रकाशित किये गए।

सीएसएस के विभागीय सदस्यों द्वारा भा.सा.वि.अ.प. के अन्य संस्थानों व विश्वविद्यालयों में आयोजित अनुसंधान प्रणाली कोर्सों में व्याख्यान देकर शैक्षणिक समुदाय में अपना सक्रिय योगदान दिया गया। इसके अतिरिक्त उनके द्वारा विभिन्न सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए गये जो केंद्र के शैक्षणिक विमर्श एवं सहयोग के प्रति उसकी अनवरत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस वर्ष के दौरान, सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र (सीएसएसएस), कोलकाता के अनुसंधान के केंद्रबिंदु में विभिन्नता लिए हुए कई विषय रहे। इसमें कुछ मुख्य विषय, जैसे आयुष्मान भारत कार्यक्रम, सांस्कृतिक मूल्यों वाली महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटাইजेशन, सुकन्या समृद्धि योजना का आकलन आदि रहे। केंद्र द्वारा विषयों व विश्वविद्यालयों के डिकोलोनाइजेशन का अन्वेषण, चीन के डिजिटल सिल्क रूट के माध्यम से उत्तर कोलोनियल प्रकाशन शृंखला एवं चिप आधारित भू-राजनीति का परीक्षण किया गया।

इसके साथ ही अनुसंधान का केंद्र, पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा में डेटा प्रबंधन एवं संरक्षण, शिक्षक शिक्षा के नवाचार, पश्चिम बंगाल में नीति सार एवं प्रसार-प्रणालियां, साथ ही आधुनिक बंगाल में पंथ एवं राजनीति का परस्पर टकराव आदि विषय भी रहे। केंद्र के अन्य महत्वपूर्ण कार्य में शिक्षा-विज्ञान एवं नबद्वीप साधारण ग्रंथागार की 2,500 पांडुलिपियों के डिजिटাইजेशन द्वारा पूर्व-कोलोनियल बंगाल की लिपिकीय संस्कृति का अध्ययन भी शामिल रहा।

इसके अतिरिक्त, केंद्र ने पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा में विकास न्यूनता को पहचानने तथा नीति विश्लेषण करने का भी कार्य किया। केंद्र द्वारा, भारतीय युवाओं में कौशल तथा श्रमिक बाजार परिणामों पर भी एक अनुदैर्घ्य अध्ययन किया गया। ऐसे गहराई लिए हुए गेम प्रोटोटाइप को बनाना जिसमें भारतीय संस्कृति व मूल्य केंद्र में हों, वीडियो गेम्स के माध्यम से भारतीय विरासत के महत्व को दर्शाना, तथा प्राचीन बोर्ड गेम के संरक्षण व उसके सांस्कृतिक प्रभावों का प्रलेखन आदि विषयों पर परियोजना का संचालन किया गया।

झारखंड के सिंदूरिया एवं लोहाडिया समुदायों पर नृवंशीय अध्ययन आयोजित किये गए, जिसमें आदिवासी संस्कृति एवं सनातन धर्म के टकराव का अन्वेषण किया गया। इस वर्ष के

दौरान, केंद्र द्वारा 4 परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 15 परियोजनाएं सक्रिय हैं। शैक्षणिक अनुसंधान के क्षेत्र में, 8 शोधार्थियों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई तथा 3 शोधार्थियों ने अपना शोध-पत्र पत्र प्रस्तुत किया। इस वर्ष के दौरान, केंद्र शैक्षणिक व नीति आधारित विमर्श में आवश्यक सामाजिक मुद्दों पर 7 सम्मेलनों, 4 व्याख्यानो, 2 कार्यशालाओं, 28 संगोष्ठियों के आयोजनों के माध्यम से अपना सक्रिय योगदान देता रहा।

इसके अतिरिक्त, सीएसएसएस के शिक्षा सदस्यों द्वारा 3 पुस्तकों, संपादित पुस्तकों में 15 अध्यायों एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 33 शोध-पत्रों व लेखों के द्वारा महत्वपूर्ण शैक्षणिक योगदान दिया गया, जो केंद्र की उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं प्रसार की प्रतिबद्धता को फिर से दर्शाता है।

इस वर्ष के दौरान, **महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस), नई दिल्ली** ने अपनी अनुसंधान गतिविधियों को विभिन्न विषयों पर केंद्रित रखा। जिसमें, महिला एवं कार्य, सह-कार्यकारी स्थानों की नई अवधारणा, उत्तर-पूर्व की महिला कर्मचारी, बाढ़ ग्रस्त मैदानी भागों के प्रवासी श्रमिक, वृद्ध देखभाल, वृद्धावस्था एवं अक्षमता, पिछड़े समूहों में लिंग एवं शिक्षा, स्टेम (एसटीएम), डिजिटल स्वास्थ्य सेवा, उत्तर-पूर्व की महिला कर्मचारियों के समक्ष स्वास्थ्य चुनौतियां, एवं लिंग आधारित हिंसा, यौन उत्पीड़न, अक्षमता एवं सायबर हिंसा सहित। महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी, हिंदी साहित्य एवं लिंग, मूल शहरी महिलाएं एवं सूक्ष्मऋण।

जारी अनुसंधान परियोजनाओं के अतिरिक्त, केंद्र द्वारा सम्मेलन आयोजित किए गये, जिनका 'समानता की ओर' के पचास वर्ष, प्रजनन न्याय, एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से संबंध रहा और अनुसंधानकर्ताओं को भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया। विभागीय सदस्यों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल की गई, जिससे केंद्र में बहुविषयी अनुसंधान में उन्नति होती रही। इस वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा 10 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं जबकि 11 परियोजनाएं जारी हैं एवं 1 नई परियोजना की शुरुआत हुई है। शैक्षणिक उपलब्धियों के क्षेत्र में 2 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई जबकि 5 शोधकर्ता वर्तमान में पीएच.डी. अध्ययन में सलग्न हैं।

शिक्षण सदस्यों द्वारा 6 शोध-पत्र एवं लेखों के प्रकाशन के माध्यम से अनुसंधान परिणामों में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इसके अतिरिक्त, संपादित पुस्तक में 1 अध्याय, 1 सामयिक पत्र, 9 अनुसंधान रिपोर्टें, 3 मोनोग्राफ्स एवं 2 नीति सार-पत्र भी सम्मिलित रहे। केंद्र ने शैक्षणिक विमर्श में भी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया, इस वर्ष में, 2 सम्मेलनों, 19 कार्यशालाओं, 3 जन व्याख्यान, एवं 3 वेबिनारों का आयोजन किया गया जिसमें महत्वपूर्ण मुद्दों पर संवाद के प्रयास को बढ़ावा दिया गया।

वर्ष 2024-25 के दौरान, **गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान (जीआईडीआर), अहमदाबाद** की अनुसंधान गतिविधियों

के केंद्र में मुख्य रूप से ग्रामीण गुजरात एवं उसके सीमावर्ती राजस्थान में सामाजिक संरचना विकास रहा। संस्थान द्वारा विशेष कार्यक्रमों जैसे पीएमएवाय-जी, एसबीएम, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं जैव विविधता प्रयासों का मूल्यांकन एवं प्रभावों का आकलन संचालित किए गये। इसके अतिरिक्त, स्वयंसेवी समूहों द्वारा संचालित सामुदायिक गोदाम सेवाओं का अध्ययन एवं राजस्थान के सिरोंही, संचोर एवं जोधपुर जिलों में ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार के सर्वोत्कृष्ट कार्यक्रमों का राष्ट्रीय स्तर का निरीक्षण भी केंद्र द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पर केंद्रित एक अध्ययन भी किया गया, जिसमें शहरी गुजरात के रेहड़ी पटरी दुकानदारों के विकास पर जोर दिया गया। संस्थान ने गुजरात के सोलहवें राज्य वित्त आयोग के साथ संयोजन किया। उल्लेखनीय है कि भा.सा. वि.अ.प. द्वारा जीआईडीआर को, गुजरात के साबरकांठा जिले की कठोडी जनजाति (विशेषतया अतिसंवेदनशील जनजातीय समूह) पर शोध के लिए एक वृहद परियोजना दी गई। इस वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा 2 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 10 परियोजनाएं जारी हैं तथा 1 परियोजना हाल ही में स्वीकृत की गयी है। संस्थान द्वारा कुल 9 शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 1 सम्मेलन जिसे गुरुग्राम के बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया, 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 3 कार्यशालाएं, एवं 2 जन व्याख्यान सम्मिलित रहे। शैक्षणिक उपलब्धियों में, 1 पीएच.डी. शोधकर्ता ने अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया, एवं 1 शोधकर्ता को परामर्शदाता प्रोफेसर (डॉ.) निशा पांडे के मार्गदर्शन में पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई। संस्थान द्वारा 2 पुस्तकों, संपादित पुस्तक में 1 अध्याय, 1 शोध-पत्र, 1 अनुसंधान रिपोर्ट एवं 1 मोनोग्राफ का प्रकाशन भी किया गया।

वर्ष 2024-25 में **गिरी विकास अध्ययन संस्थान (जीआईडीएस), लखनऊ** की अनुसंधान गतिविधियां व्यापक क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक, उन्नतिशील एवं नीति आधारित मुद्दों, विशेषकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में, विषयों पर केंद्रित रहीं। संस्थान द्वारा 22 वृहद परियोजनाओं पर कार्य किया गया, जिन्हें विभिन्न संस्थाओं जैसे भा.सा.वि.अ.प., यूनिसेफ, एवं आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय (डीईएस) के अंतर्गत आने वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा प्रायोजित किया गया। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 21 परियोजनाओं पर वर्तमान में कार्य जारी है। इसके साथ ही संस्थान ने 3 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है।

मुख्य अनुसंधान विषयों में, कृषि आय, हस्तशिल्पियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, लिंग एवं कर्मचारियों की भागीदारी, बाल स्वास्थ्य एवं पोषण, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा तक पहुंच, अनिश्चित क्षेत्र के आयाम, एवं अनुसूचित

जनजातियों के मध्य संपत्ति में पिछड़ापन आदि विषय सम्मिलित रहे। बागवानी उत्पादों (विदेशी फलों एवं जलीय-बागवानी समेत), दुग्ध उत्पादन, एवं प्रक्रिया क्षमता आदि विषयों पर वृहद-स्तरीय सर्वेक्षण आयोजित किये गए। साथ ही, अंडों के उत्पादन को बढ़ाने की संभावना, कृषि उत्पाद विक्रय मार्गों के विकल्प को चुनना, तथा उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों के मध्य ग्राम पंचायतों के स्तर पर जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन आदि विषयों पर भी अध्ययन किए गये।

संस्थान द्वारा शैक्षणिक व नीति विमर्श में भी सक्रिय भूमिका निभाई गई। 14 से 15 फरवरी 2025 को भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली के सहयोग से 'एजिंग विद डिग्रिटी: चैलेंजेज़, ऑपच्युनिटीज़ एंड इनोवेशन इन पॉलिसी एंड प्रैक्टिस', विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, जीआईडीएस द्वारा इस वर्ष के दौरान 1 स्मृति व्याख्यान एवं 7 स्वर्ण जयंती व्याख्यान आयोजित किये गए। संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा 5 पुस्तकों, संपादित पुस्तकों में 4 अध्यायों, एवं पत्रिकाओं में 8 शोध-पत्र प्रकाशित किये गए। जीआईडीएस के ये प्रयास संस्थान के प्रमाण आधारित अनुसंधान, नीति संबद्धता एवं क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं जो इस क्षेत्र में संस्थान के नेतृत्वकारी विकास अनुसंधान संस्थान की भूमिका को बल देता है।

इस वर्ष के दौरान, विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस), जयपुर, की अनुसंधान गतिविधियों के केंद्रबिंदु में कई मुख्य विषय रहे, जिसमें विपरीतलिंगी जनसंख्या की स्थिति, राजस्थान की जेलों की स्थिति, राज्य में डिसकॉम (डीआईएससीओएम) एवं जेनको (जीईएनसीओ) की सक्षमता, राजस्थान के आकांक्षापूर्ण जिलों की स्थिति, भौगोलिक सूचकांक एवं उनके प्रभाव, भारत के विभिन्न जिलों की स्वास्थ्य रिपोर्ट, उद्योगों के उत्पादन पर श्रमिक सुधारों के प्रभाव, तथा प्लास्टिक प्रदूषण के विशेष संदर्भ में धारणीय विकास लक्ष्य आदि विषय सम्मिलित थे।

संस्थान द्वारा 6 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, 4 परियोजनाएं अभी जारी हैं तथा 4 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। शिक्षण सदस्यों द्वारा 7 शोधपत्र एवं लेख, साथ ही 2 पुस्तक अध्याय व 7 अनुसंधान रिपोर्टों के प्रकाशन द्वारा शैक्षणिक व अनुसंधान के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में संस्थान द्वारा 5 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में से एक कार्यशाला विशेषकर नेत्र अक्षमता वाले लोगों के लिए संचालित की गई, जबकि अन्य दो कार्यशालाएं युवा पीएच.डी. शोधकर्ताओं व नवीन युवा शोधकर्ताओं के लिए आयोजित की गईं, जो स्टेटा (एसटीएटीए) में हैंड्सऑन प्रशिक्षण द्वारा विभिन्न डेटाबेस के उपयोग पर विशेष रूप से केंद्रित रहा। इसके अतिरिक्त, संस्थान द्वारा एनआईबीएम, पूना के सहयोग से वित्त एवं विकास विषय पर 1 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण के अलावा, आईडीएस जयपुर ने सिविल समिति संस्थानों के साथ मिलकर 8 संगोष्ठियों, 4 व्याख्यानों द्वारा शैक्षणिक विमर्श में सक्रिय भूमिका निभाई। संस्थान द्वारा इस वर्ष के दौरान राजस्थान विश्वविद्यालय के पीएच.डी शोधकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ ही एक अनुसंधान प्रणाली कोर्स को आयोजित किया गया।

वर्ष 2024-25 के दौरान, आर्थिक वृद्धि संस्थान (आईईजी), नई दिल्ली द्वारा व्यापक शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं आउटरीच गतिविधियों को किया गया, जो संस्थान की बहुविषयी मजबूती एवं नीति-संबंधित विद्वत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2024 के सफल आयोजन के कारण ये वर्ष उल्लेखनीय रहा, जिसे वित्त मंत्रालय के सहयोग से 'द इंडियन एरा' विषय पर केंद्रित किया गया था, जिसके पश्चात् उच्च स्तरीय विचार-विमर्श भी किया गया। आईईजी द्वारा अपना पहला शीत विद्यालय अनौपचारिक निष्कर्ष पर शुरु किया गया जिससे अनुभवजन्य शोध प्रणाली में क्षमता निर्माण के प्रयासों को बढ़ावा मिला है। कई प्रभावशाली कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें वित्त एवं बाजार, लिंग एवं वृद्धि में अंतर, एवं शहरी झुगियों में जलवायु तन्त्रकता आदि विषय रहे।

संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों के केंद्र में, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत की विदेशी मुद्रा, भारतीय सार्वजनिक ऋण, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) के लिए स्वास्थ्य वित्तीय सहायता, लिंग एवं स्वास्थ्य, तथा प्रजातंत्र, स्वतंत्रता एवं प्रभावशाली शासन की भूमिका आदि विषय रहे। इस वर्ष आईईजी द्वारा 10 अनुसंधान परियोजनाओं को पूर्ण किया गया, 8 परियोजनाएं जारी हैं एवं 2 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। एक गतिशील सम्मेलन सूची के माध्यम से देश एवं विदेश के प्रबुद्ध विद्वान स्वास्थ्य सेवाओं व शिक्षा से लेकर पर्यावरण प्रदर्शन व डिजिटल शासन जैसे चुनौतीपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने हेतु एकत्रित होते रहे। जहां आईईजी-सेज व्याख्यान श्रृंखला में कई प्रतिष्ठित वक्ता दिखे, वहीं आईईजी जन नीति मंच पर समकालीन व्यापार एवं आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, संस्थान द्वारा 2 सम्मेलनों, 25 संगोष्ठियों, 2 व्याख्यानों, 4 कार्यशालाओं एवं 1 अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया।

आईईजी द्वारा, परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली सरकार के सहयोग से स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर विभिन्न राज्य-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए। उल्लेखनीय स्थानिक आयोजनों में, कल्याण एवं खुशहाली पर अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन, विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम, एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व सफाई अभियान आदि आयोजन रहे। इस वर्ष की गतिविधियों का समापन आईईएस प्रशिक्षार्थी ऑफिसरों के विदाई समारोह एवं वार्षिक आईएचईपीए सम्मेलन से हुआ जो आईईजी

के शैक्षणिक नेतृत्व व जन नीति प्रयासों में उसकी भूमिका को दर्शाता है। साथ ही, संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 7 शोध-पत्र व लेख एवं 1 अनुसंधान रिपोर्ट का प्रकाशन भी किया गया।

इस वर्ष के दौरान, **सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई)**, हैदराबाद द्वारा व्यापक अनुसंधान गतिविधियों को संचालित किया गया जो राष्ट्रीय संबद्धता से लेकर वैश्विक महत्व के विषयों पर रहीं। इस प्रयासों ने संस्थान के अर्थपूर्ण, नीति संबंधित एवं सामाजिक रूप से प्रभावशाली अनुसंधान के संचालन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाया जो कि भारतीय मूल्यों की परंपरावादी बुद्धिमता और प्रशासन, विकास एवं उद्यम प्रबंधन में आने वाली समकालीन चुनौतियों के बीच सेतु का कार्य करता है। इन अनुसंधानों के विषय विभिन्न क्षेत्रों के रहे, जैसे ग्रामीण विकास, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता, डेटा संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक नीति एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आदि।

संस्थान ने ग्रामीण विकास, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता, डेटा संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आदि विषयों पर 11 अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इन परियोजनाओं में देशी प्रबंधन पद्धतियां, तमिलनाडु एवं कर्नाटक में सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन, मोटे अनाज की निर्यात संभावनाएं, डेटा संरक्षण कानूनों का प्रभाव, कपड़ा उद्योग में बालिका श्रमिकों की स्थिति, वैश्विक मूल्य शृंखला में लघु एवं मध्यम उद्योगों का सम्मिलन, बालिका शिक्षा में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाय) तथा स्टैंड-अप इंडिया आदि योजनाओं के माध्यम से आर्थिक समावेशन आदि विषयों पर अध्ययन सम्मिलित रहे। इसके अतिरिक्त वर्तमान में 3 परियोजनाएं जारी हैं, जिससे संस्थान का अनुसंधान विभाग और मजबूत होता है।

शैक्षणिक अनुसंधान के क्षेत्र में, 4 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गयी, 2 शोधकर्ताओं ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किये एवं 6 शोधकर्ता वर्तमान में डॉक्टरल कार्य में सलग्न हैं। संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा शैक्षणिक व व्यावसायिक साहित्य में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया गया। इस वर्ष के उनके शोध निष्कर्षों में लिखी व संपादित 3 पुस्तकें, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्करणों में 11 पुस्तक अध्याय, एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं व शैक्षणिक मंचों पर 64 शोध-पत्र व लेखों का प्रकाशन किया गया। ये प्रकाशन शिक्षक सदस्यों की समकालीन मुद्दों एवं नीति चुनौतियों को संबोधित करने वाले ज्ञान के प्रतिपादन व विस्तार के प्रति उनकी सतत प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संस्थान सक्रिय रूप से शैक्षणिक व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में प्रयासरत रहता है, जिससे ज्ञान एवं व्यावसायिक विकास के व्यापक विस्तार में अपना योगदान दिया जा सके। इस वर्ष, आईपीई द्वारा 2 सम्मेलनों, 2 विषयी कार्यशालाओं,

2 अनुसंधान प्रणाली कोर्स एवं 32 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ये सभी प्रयास, संस्थान के अनुसंधान आधारित अध्ययन, नीति संवाद, एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने में उसकी प्रभावशाली भूमिका को दिखाते हैं।

इस वर्ष के दौरान, **सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी)**, बेंगलुरु की अनुसंधान गतिविधियां विभिन्न विषयों जैसे जलवायु परिवर्तन, सूक्ष्म सिंचाई, स्वास्थ्य विकास, आयुर्वृद्धि, अनौपचारिक कार्यक्षेत्र, वयोवृद्धों हेतु पेंशन लाभ, ऑनलाइन शिक्षक शिक्षण, वयस्क शिक्षा, कौशल विकास, ग्राम सभा की भूमिका, आपदा प्रबंधन एवं मानविकीय रकम हस्तांतरण में स्थानीय प्रशासन की भूमिका, सामाजिक लेखा परीक्षण, एवं चमड़ा हस्तशिल्पी आदि के अध्ययन पर केंद्रित रहीं। संस्थान द्वारा 30 अनुसंधान परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गई जबकि 83 परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्ष 30 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। डॉक्टरल अध्ययन के क्षेत्र में 16 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गयी, 16 शोधकर्ताओं द्वारा शोध-पत्र प्रस्तुत किए गये। वर्तमान में 54 शोधकर्ता संस्थान में अपने शोधकार्य में सलग्न हैं।

संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रकाशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। उनके द्वारा प्रतिष्ठित प्रकाशनों जैसे स्प्रिंगर एवं राउटलेज आदि के माध्यम से 8 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। इसके साथ ही, उन्होंने 69 शोधपत्र एवं लेख प्रकाशित किये जिसमें ज्यादातर 'स्कोपस-इंडेक्स्ड जर्नल' में थे। उन्होंने 20 पुस्तक-अध्याय भी प्रकाशित किये, इसके अतिरिक्त इस वर्ष संस्थान ने 22 कार्य-पत्र व 7 नीति सार-पत्र निकाले। इस वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा 5 सम्मेलनों, 3 व्याख्यानों, 5 कार्यशालाओं, 3 अनुसंधान प्रणाली कोर्स एवं 2 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन कर शैक्षणिक विमर्श में अपनी भूमिका का निर्वाहन किया गया।

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी), नई दिल्ली की इस वर्ष की अनुसंधान गतिविधियां अन्य विषयों के साथ ही, औद्योगिक संरचना, प्रदर्शन, एवं नीतियां, कोरपोरेट प्रशासन एवं औद्योगिक आर्थिक सहयोग, एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप से लाभ लेना, वैश्वीकरण, एफडीआई एवं व्यापार, तकनीक, नवाचार एवं उद्योग 4.0, हरित औद्योगीकरण, औद्योगिक विकास के भौगोलिक आयाम, प्रतिस्पर्धात्मकता का क्षेत्रीय अध्ययन आदि विषयों पर केंद्रित रहे। केंद्र द्वारा 4 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गई जबकि 8 परियोजनाएं अभी जारी हैं। डॉक्टरल अध्ययन के क्षेत्र में, वर्तमान में 9 छात्रों द्वारा पीएच.डी. के लिए दाखिला लिया गया है और वे सभी संस्थान में पीएच.डी. कार्य में सलग्न हैं।

संस्थान के शिक्षक सदस्यों द्वारा, 5 पुस्तकों एवं 17 शोधपत्रों व लेखों के प्रकाशन से अनुसंधान एवं प्रकाशन में अपना

महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। संस्थान द्वारा, 2 अनुसंधान रिपोर्टें, 17 कार्यपत्र, 2 नीति सार-पत्र, 42 ऑप-ऐड्स व साक्षात्कार, तथा *इंडस्ट्री मैटर्स* के 52 संस्करण प्रकाशित किये गए।

संस्थान द्वारा, 1 राष्ट्रीय सम्मेलन, 9 संगोष्ठियों, 10 अनुसंधान वेबिनार, 5 कार्यशालाओं, 3 विशिष्ट व्यक्तियों के व्याख्यान एवं 1 क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन कर शैक्षणिक विमर्श में अपनी सक्रिय भूमिका को निभाया गया।

इस वर्ष के दौरान, **मद्रास विकास अध्ययन संस्थान (एमआईडीएस)**, **चैन्नई** की अनुसंधान गतिविधियों को भारत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर केंद्रित किया जिसमें तमिलनाडु को प्रमुखता दी गई। अनुसंधान में पर्यावरण, रोजगार, क्षेत्रीय विकास एवं वृहद अर्थशास्त्र से संबंधित मुद्दों पर अध्ययन किया गया। इन अध्ययनों ने वर्तमान आर्थिक परिवर्तनों से उठने वाली चुनौतियों एवं नीति प्रभावों का विश्लेषण भी किया गया। संस्थान में वर्तमान में 2 अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं एवं 1 नई परियोजना को स्वीकृति दी गयी है। इस वर्ष के दौरान, 3 छात्रों ने पीएच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लिया है, 5 को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई एवं 5 शोधकर्ताओं द्वारा अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया गया। वर्तमान में 15 शोधकर्ता संस्थान में पीएच.डी. के कार्य में सलग्न हैं।

संस्थान के शिक्षक सदस्यों द्वारा 5 पुस्तकों, पत्रिकाओं में 10 शोधपत्र एवं लेख, संपादित पुस्तकों में 12 अध्यायों के प्रकाशन द्वारा अनुसंधान एवं प्रकाशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने अपनी पत्रिका *रिव्यू ऑफ डेवलपमेंट एंड चेंज (आरडीसी)* में 11 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए। साथ ही, 4 कार्यपत्र, 1 सामयिक पत्र, 1 अनुसंधान रिपोर्ट एवं 1 नीति सार-पत्र भी प्रकाशित किये गए। इस वर्ष के दौरान, संस्थान ने 4 सम्मेलनों, 4 संगोष्ठियों, 22 सार्वजनिक व्याख्यानों एवं 2 कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा शैक्षणिक विमर्श में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस वर्ष में **मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एमपीआईएसएसआर)**, **उज्जैन** की अनुसंधान गतिविधियां, ग्रामीण विकास, मूलभूत प्रजातंत्र, चुनावी राजनीति, ग्रामीण आजीविका, कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों पर केंद्रित रहीं। संस्थान द्वारा 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं, जिन पर एलबीएसएनएएए, एसएआईएल, भा.सा.वि.अ.प., एवं सीएसडीएस जैसे संगठनों के लिए कार्य किया गया। वर्तमान में 6 अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं, जिसमें 1 राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित है तथा 2 नई परियोजनाओं को हाल ही में स्वीकृत किया गया है।

इस वर्ष में 18 शोधकर्ताओं ने पीएच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लिया, 3 शोधकर्ताओं ने अपने पीएच.डी. शोधपत्र प्रस्तुत किए तथा 1 शोधकर्ता को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई। वर्तमान में, 18 शोधकर्ता अपने पीएच.डी. अनुसंधान में सलग्न हैं। संस्थान

ने 2 नए उम्मीदवारों को भा.सा.वि.अ.प. के पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्ति (पीडीएफ) कार्यक्रम में पंजीकृत भी कराया है, जबकि 1 भा.सा.वि.अ.प. वरिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति जारी है।

संस्थान द्वारा इस वर्ष प्रासंगिक विषयों पर 4 राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, 3 कार्यशालाओं, 1 अनुसंधान प्रणाली कोर्स व साथ ही 3 व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया। संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा 2 पुस्तकों के प्रकाशन द्वारा अनुसंधान व प्रकाशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। इसके अलावा, इस वर्ष 3 शोध-पत्र व लेख भी प्रकाशित हुए। सदस्यों द्वारा 1 कार्यपत्र एवं 5 अनुसंधान रिपोर्टें भी प्रकाशित की गईं।

एमपीआईएसएसआर द्वारा इस वर्ष अपनी दो पूर्व-समीक्षित पत्रिकाओं, *‘मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज’ (एमपीजेएसएस)* एवं *‘मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल’ (एमपीएसवीएजे)* के संस्करणों के प्रकाशन द्वारा शैक्षणिक संवाद में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। संस्थान के शिक्षण सदस्यों ने पूरे देश की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में संसाधन-व्यक्ति व्यक्तित्व के रूप में व्यापक प्रयास किये।

इस वर्ष के दौरान, **नवकृष्णा चौधुरी विकास अध्ययन केंद्र (एनकेसीसीडीएस)**, **भुवनेश्वर** द्वारा अपनी अनुसंधान गतिविधियों को कई मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित किया गया, जैसे संपूर्ण उड़ीसा में मोटे अनाज का उत्पादन, उपभोग एवं बाजार चुनौतियां, 16वें वित्त आयोग का अध्ययन, प्रवास में क्षेत्रीय विभिन्नता व उसके प्रभाव, ग्रामीण उड़ीसा में जनजातीय समुदायों की आजीविका पर गैर-लकड़ी वन उत्पादों की भूमिका एवं प्रभाव, तथा कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों की आर्थिक प्रगति हेतु समेकित खेती पर अनुसंधान आदि।

इस वर्ष के दौरान, केंद्र द्वारा 7 अनुसंधान परियोजनाओं को पूर्ण किया गया, 8 परियोजनाएं अभी जारी हैं तथा 2 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। शैक्षणिक उपलब्धियों के क्षेत्र में 2 शोधकर्ताओं को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई, 2 शोधकर्ताओं ने अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं 11 शोधकर्ता वर्तमान में पीएच.डी. अध्ययन में सलग्न हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्र के शिक्षण सदस्यों द्वारा संपादित संस्करणों में 2 अध्यायों के साथ ही विभिन्न पत्रिकाओं में 5 अनुसंधान पत्र एवं लेखों का प्रकाशन किया गया। संस्थान द्वारा इस वर्ष में 1 सम्मेलन, 1 कार्यशाला, 1 प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम एवं 1 वेबिनार आयोजित किया गया।

वर्ष 2024-25 के दौरान, **ओमियो कुमार दास सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान (ओकेडीआईएससीडी)**, **गुवाहाटी** ने सरकार द्वारा शुरु की गई वर्तमान में जारी विभिन्न योजनाओं की पहुँच व परिणाम तथा उसके लाभार्थियों पर इसके प्रभाव पर सक्रिय रूप से अनुसंधान किया। संस्थान द्वारा पूर्व में असम में जल जीवन मिशन

योजना एवं यातायात श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण फीडबैक दिया जा चुका है।

इसके साथ ही, संस्थान ने गुवाहाटी शहर के झुग्गी बस्ती वालों के जीवन एवं आजीविका पर एक परियोजना पूर्ण की, जिसमें इस समुदाय के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों व समस्याओं पर एक समग्र रिपोर्ट तैयार की गई। इसके साथ साथ, कई अन्य अनुसंधान परियोजनाओं पर भी कार्य किया गया जो विभिन्न विषयों पर केंद्रित रहे, जैसे असम की जनजातियां एवं उनकी सांस्कृतिक विरासत, चाय जनजाति एवं आदिवासी समुदाय, असम में स्वास्थ्य सेवाओं पर क्षमता से बाहर का व्यय, गुवाहाटी शहर में वृद्ध एवं वृद्धाश्रम, महिलाएं एवं धारणीय आजीविका, अनौपचारिक कूड़ा बीनने वाले एवं सरकारी योजनाओं का प्रभाव, बाल कल्याण एवं पोषण, प्रचलित खेती का उभार एवं नागालैंड की परंपरागत खेती तंत्र पर इसके प्रभाव आदि। इस वर्ष, केंद्र द्वारा 5 अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया जबकि 10 परियोजनाएं वर्तमान में जारी हैं। साथ ही 3 नई अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

संस्थान द्वारा शुरू किये गए प्रशिक्षु कार्यक्रम में 5 अनुसंधान प्रशिक्षुओं द्वारा पंजीकरण करवाया गया। संस्थान द्वारा 2 नियमित पत्रिका संस्करण एवं 1 विशेष संस्करण 'सोशल चेंज एंड डेवलेपमेंट' शीर्षक से प्रकाशित किए गये। संस्थान के शिक्षण सदस्यों द्वारा 2 पुस्तकों, 5 अनुसंधान लेखों, संपादित संस्करण में 1 अध्याय, एवं 1 कार्यपत्र के प्रकाशन के माध्यम से अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। साथ ही, इस शैक्षणिक वर्ष में कुल 16 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें 2 सम्मेलन, 4 संगोष्ठियां, 4 व्याख्यान, 4 कार्यशालाएं एवं 2 अनुसंधान प्रणाली कोर्स शामिल थे।

इस वर्ष के दौरान, सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान (एसपीआईईएसआर), अहमदाबाद की अनुसंधान गतिविधियां कई मुख्य विषयों पर केंद्रित रहीं। इसमें,

गुजरात में प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, ग्रामीण शहरीकरण, प्रवास एवं औद्योगीकरण, ग्रामीण भारत में एलपीजी के उपयोग पर अनुभवजन्य शोध, स्वयंसेवी समूहों (एसएचजी) की दृष्टि से ग्रामीण रुपांतरण, भारत में यात्रा बजट की निश्चितता का परीक्षण, कृषि विकास पर सिंचाई के प्रभावों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण, एवं भारत में रोजगार तक पहुंच के संदर्भ में महानगरीय शहरों की रुपरेखा आदि विषय सम्मिलित रहे।

इस वर्ष संस्थान द्वारा 4 अनुसंधान परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गईं, 2 परियोजनाएं अभी जारी हैं तथा 2 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी है। इसके साथ ही, 6 शोधकर्ता वर्तमान में संस्थान के अंतर्गत अपने पीएच.डी. शोध में अध्ययनरत हैं। शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रकाशन के क्षेत्र में संस्थान के शिक्षक सदस्यों द्वारा उल्लेखनीय योगदान दिया गया जिसमें 1 पुस्तक, 22 अनुसंधान पत्र एवं लेखों का प्रकाशन किया गया। साथ ही उन्होंने 1 अनुसंधान रिपोर्ट, 1 नीति सार-पत्र एवं संपादित संस्करणों में 3 पुस्तक अध्याय भी प्रकाशित किए।

वर्ष भर में, संस्थान द्वारा 14 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 5 संगोष्ठियां, 2 व्याख्यान, एवं 4 प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रम व 2 वेबिनार सम्मिलित थे। 2024-25 में विभागीय सदस्यों द्वारा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में व्याख्यान दिए गये, आमंत्रण संवाद किये गए, तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। उन्होंने अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किये, राष्ट्रीय दल चर्चाओं एवं संगोष्ठियों में भाग लिया, साथ ही राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया। अपने विस्तृत संकलन, आधुनिक सेवाओं एवं भा.सा. वि.अ.प. के 'ई-रिसोर्स कौंसोर्टियम' तक पहुंच के कारण संस्थान का पुस्तकालय, छात्रों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षक सदस्यों के लिए एक समग्र संसाधन का कार्य करता है।

उपरोक्त सभी अनुसंधान संस्थानों की वर्ष 2024-25 की वृहद गतिविधियों को परिशिष्ट-11 में दिया गया है।

वर्ष 2024-25 के दौरान अनुसंधान संस्थानों के अनुसंधान परिणामों की परिमाणात्मक जानकारी

क्र.स.	अनुसंधान संस्थान का नाम	पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं	जारी अनुसंधान परियोजनाएं	स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं	जारी पीएच.डी. अध्ययन	पीएच.डी. शोधपत्र प्रस्तुत	पीएच.डी. उपाधि प्रदत्त	पुस्तकें / मोनोग्राफ्स / अनुसंधान रिपोर्टें / नीति सार-पत्र प्रकाशित	अनुसंधान पत्र / लेख / कार्य-पत्र / सामयिक-पत्र / संपादित पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित	संगोष्ठियां / सम्मेलन / कार्यशालाएं / व्याख्यान / टीसीबी संस्थान द्वारा आयोजित
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	एएनएसआईएसएस, पटना	59	13	20	0	2	7	0	8	7
2.	सीडीएस, तिरुवनंतपुरम	9	8	11	46	6	4	7	42	51
3.	सीईएसएस, हैदराबाद	14	11	6	61	6	4	6	42	23
4.	सीएमडीआर, धारवाड़	4	6	3	27	2	2	4	24	25
5.	सीपीआर, नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	0	0	0
6.	सीआरआरआईडी, चंडीगढ़	19	26	1	28	5	2	11	3	11
7.	सीएसडी, हैदराबाद	6	4	6	0	0	0	2	13	13
8.	सीएसडीएस, दिल्ली	26	14	8	2	0	0	7	16	34
9.	सीएसएस, सूरत	2	8	2	8	0	0	0	5	10
10.	सीएसएसएस, कोलकाता	4	15	0	59	3	8	3	48	41
11.	सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली	10	11	1	5	0	2	15	8	27
12.	जीआईडीआर, अहमदाबाद	2	10	1	0	1	1	3	2	9
13.	जीआईडीएस, लखनऊ	9	21	3	0	0	0	11	12	9
14.	आईडीएस, जयपुर	6	4	4	0	0	0	7	9	21
15.	आईईजी, दिल्ली	10	08	9	3	0	0	1	7	34
16.	आईआईई, पूना	-	-	-	-	-	-	0	0	0
17.	आईपीई, हैदराबाद	11	3	0	6	2	4	3	75	64
18.	आईएसईसी, बैंगलुरु	30	83	30	54	16	16	15	112	18
19.	आईएसआईडी, नई दिल्ली	4	8	0	0	0	0	9	41	29
20.	एमआईडीएस, चैन्नई	0	2	1	15	5	5	7	38	36
21.	एमपीआईएसएसआर, उज्जैन	9	6	2	18	3	1	7	5	11
22.	एनकेसीसीडीएस, भुवनेश्वर	7	8	2	11	2	2	0	7	5
23.	ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी	5	10	3	5	0	0	2	7	16
24.	एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद	4	2	2	6	0	0	3	25	14
	कुल	250	281	108	354	53	58	123	549	508

मान्यता प्राप्त संस्थान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.) ने अपनी भा.सा.वि.अ.प. मान्यता प्राप्त संस्थान योजना के अंतर्गत 17 अनुसंधान संस्थानों को मान्यता दी है। ये सभी संस्थान अपनी स्थापना के बाद से ही सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक एवं नीति आधारित अनुसंधान में अनवरत रूप से अपना योगदान देते आ रहे हैं। इन संस्थानों ने स्वयं को बौद्धिक अन्वेषण, जटिल ऐतिहासिक गतिविधियों, सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन एवं विभिन्न समकालीन मुद्दों जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, नीतिगत घटनाक्रम, आर्थिक विकास, ऊर्जा नीति, संसाधन प्रबंधन एवं वैश्विक शासन आदि पर सूक्ष्म विश्लेषण के निष्पादन के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में स्थापित किया है।

इन मान्यता प्राप्त संस्थानों को, भा.सा.वि.अ.प. द्वारा पहचाने गए प्रमुख विषयों व क्षेत्रों पर नीतिगत अनुसंधान करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया जाता है, खासकर उनके विशेष भौगोलिक क्षेत्र एवं मूलभूत सशक्त व विशेष अनुसंधान क्षेत्र में। ये संस्थान हाँलांकि अपने विषयों के केंद्रबिंदुओं एवं भौगोलिक स्थान के लिहाज से विभिन्नता लिये हुए हैं किंतु ये सभी समावेशी विकास को बढ़ाने, सामाजिक असमानता पर ध्यान देने एवं तथ्य आधारित शासन पर प्रभाव डालने की अपनी साझा प्रतिबद्धता पर एकमत हैं। इनके संगठित कार्य कई विषयों जैसे शिक्षा, सार्वजनिक वित्त, सामाजिक बहिष्कार, विकास अध्ययन, लिंग अध्ययन, नीतिगत घटनाक्रम एवं सांस्कृतिक अध्ययन पर केंद्रित रहते हैं। इनमें से कई संस्थानों के विशेष केंद्रबिंदु भारत के जनजातीय एवं पिछड़े समुदायों पर प्रभाव डालने वाले सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक मुद्दों से संबंधित है। अंतरविषयी अनुसंधान, केस अध्ययन, एवं स्थानीय मूल संबद्धता के माध्यम से ये संस्थान इन समुदायों को आने वाली चुनौतियों का अन्वेषण करते हैं और इनसे इन समस्याओं को दूर करने हेतु कार्यवाई योग्य नीति के प्रस्तावों की आशा रखी जाती है।

ये संस्थान ना सिर्फ कठिन अनुसंधान एवं विश्लेषण करते हैं, बल्कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं शैक्षणिक प्रयासों के माध्यम से क्षमता निर्माण का कार्य भी सक्रिय रूप से करते हैं,

जिससे सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में शोधार्थियों एवं अभ्यासकर्ताओं का एक वर्ग तैयार किया जा सके। अपने प्रभाव को बढ़ाने हेतु ये संस्थान, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, व्याख्यान शृंखलाओं, दलगत चर्चा, विषय संबंधी प्रकाशन आदि का आयोजन करते हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से ये संस्थान जन नीति को आकार देने वाले आवश्यक बल के रूप में काम करना चाहते हैं एवं इनका उद्देश्य स्वयं को एक नेतृत्वकारी विचार मंच के रूप में स्थापित करना है जो भारत के सामाजिक-राजनैतिक एवं आर्थिक रूपांतरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

इन सभी संस्थानों के मध्य, शैक्षणिक प्रकाशन की भूमिका उनके लक्ष्य का केंद्रबिंदु है। वे पत्रिकाओं, कार्य-पत्रों, नीति-सारपत्रों का प्रकाशन करते हैं जो विद्वानों एवं नीति निर्माताओं दोनों के ही काम आते हैं। ये परिणाम बौद्धिक चर्चा करने का मौका, जन विमर्श की सूचना एवं जटिल अनुसंधान परिणामों को अनूदित कर उसे सुलभ रूप में अधिक लोगों तक पहुंच वाला बनाते हैं।

अपने संकलित प्रयास के माध्यम से, भा.सा.वि.अ.प. के ये मान्यता प्राप्त संस्थान भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के एक संपन्न परितंत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये संस्थान ना सिर्फ शैक्षणिक विद्वत्ता में योगदान देते हैं बल्कि नीति सूचना देने, समावेशी विकास को प्रोत्साहन एवं बौद्धिक पूंजी के निर्माण के द्वारा, परिवर्तन के आवश्यक संवाहक बनते हैं।

भा.सा.वि.अ.प. के मान्यता प्राप्त संस्थानों की तालिका इस प्रकार है:

1. भारतीय दलित अध्ययन संस्थान (आईआईडीएस), नई दिल्ली।
2. एशियाई विकास अध्ययन संस्थान (एडीआरआई), पटना।
3. गुलाटी वित्त एवं कराधान संस्थान (जीआईएफटी), तिरुवनंतपुरम।
4. विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस), कोलकाता।
5. मानव विकास संस्थान (आईएचडी), नई दिल्ली।
6. सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी), नई दिल्ली।
7. सामाजिक विकास प्रतिष्ठान (एसएसएफ), पूना।
8. संशोधन ज्ञान विचार प्रतिष्ठान (एसडीवीपी), पूना।

9. विश्लेषणात्मक जनजातीय अध्ययन परिषद् (सीओएटीएस), कोरापुट।
10. ग्लोबल विलेज फाउंडेशन (जीवीएफ), नई दिल्ली।
11. दत्तोपंत थेंगड़े शोध संस्थान (डीटीएसएस), भोपाल।
12. दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केंद्र (डीएसएपीके), पूना।
13. भारतीय प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
14. नीति अनुसंधान एवं प्रशासन केंद्र (सीपीआरजी), नई दिल्ली।
15. भारतीय विचार केंद्रम (बीवीके), तिरुवनंतपुरम।
16. सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस), कोलकाता।
17. शैक्षिक एवं सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस), बैंगलुरु।

उड़ीसा अनुसंधान केन्द्र (ओआरसी), भुवनेश्वर

उड़ीसा अनुसंधान केंद्र (ओआरसी), भुवनेश्वर का प्रयास है— उड़ीसा के विविध इतिहास के अनछुए आयामों की खोज, वर्तमान वास्तविकताओं से प्रश्न एवं उभरते भविष्य से विवेचनात्मक वार्तालाप जिसके माध्यम से उन बौद्धिक प्रश्नों को बढ़ावा मिले जो विषयगत एवं सामयिक सीमाओं के बीच सेतु बनाते हैं।

अपने भविष्य के अनुसंधान प्रयासों को ओआरसी, क्षेत्र, पहचान, शासन, संस्कृति एवं विकास की अंतरसंबंधी गतिशीलता पर केंद्रित करेगा—अलग अलग विषयों के रूप में नहीं बल्कि एक जटिल, ऐतिहासिक ढांचे के प्रश्नों के रूप में। इसका लक्ष्य उड़ीसा का मात्र एक अनुसंधान विषय के रूप में अध्ययन करना नहीं बल्कि उड़ीसा को एक सैद्धांतिक ढांचे में विकसित करना जिससे व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राजनैतिक प्रक्रियाओं को समय व स्थान के अनुरूप समझा जा सके।

ओआरसी के मुख्य उद्देश्य

- **सीमाओं से मुक्त ज्ञान:** सभी विषयों जैसे इतिहास, साहित्य, नृवंशविज्ञान, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, पारिस्थितिकी एवं प्रौद्योगिकी में ऐसी व्यापक, बहु-दृष्टिकोणीय विद्वत्ता को प्रोत्साहित करना जो प्रायोगिक व सैद्धांतिक के बीच सेतु बनाए जिससे कठोर शैक्षणिक प्रकोष्ठों को चुनौती मिले।
- **असंग्रहित का संग्रहण:** एक समृद्ध डिजीटल कोष्ठ के माध्यम से उड़ीसा की संपन्न फिर भी बहुधा अनदेखी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष विरासत जिसमें परंपरागत पारिस्थितिकीय ज्ञान, प्रदर्शनीय संस्कृति, सामुद्रिक इतिहास, प्राकृत विज्ञान एवं स्वदेशीय जीवनतंत्र आदि सम्मिलित हैं, को संजोकर रखने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध है।
- **जन मानविकी का उपयोग:** प्रदर्शनियों, वार्तालाप, प्रकाशन एवं खुले मंचों के माध्यम से अनुसंधान को लोकतांत्रिक रूप देना एवं ज्ञान को शैक्षणिकता की बंद दीवारों से निकालकर उसका प्रसार होने देना।
- **नूतन शब्दावली का पोषण:** अध्येतावृत्तियों, प्रशिक्षणवृत्तियों, पाठ्यक्रम संरचना, शिक्षण संपन्नता एवं डिजीटल अध्यापन

(एमओओसीज़ व खुली किताब) के माध्यम से बौद्धिक क्षमता का निर्माण करना, साथ ही अगली पीढ़ी के ऐसे शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित करना जो जमीनी वास्तविकताओं से भी जुड़े रहें और वैश्विक प्रश्नों को लेकर भी जागरूक रहें।

- **नीति अभ्यास रूप में:** सतत विकास, जनजातीय कल्याण, शिक्षा, विरासत संपोषण एवं सामाजिक समानता जैसे क्षेत्रों में तथ्य आधारित नीति अनुसंधान करना—शोधकर्ताओं, नागरिक समाज एवं शासकीय संस्थानों के मध्य सहयोग बढ़ाकर अनुसंधान तथा नीति निर्माण के बीच की दूरी को कम करना।

वर्ष 2024-25 के दौरान ओआरसी की अनुसंधान गतिविधियों का विवरण

सम्मेलन

1. “द पास्ट इन द प्रेजेंट: उड़ीसा फैमाइन, 1866 एंड द पॉलिटिक्स ऑफ मेमोरी”

उड़ीसा अनुसंधान केंद्र द्वारा अपना प्रथम सम्मेलन, “द पास्ट इन द प्रेजेंट: उड़ीसा फैमाइन, 1866 एंड द पॉलिटिक्स ऑफ मेमोरी”, विषय पर 28 सितंबर 2024 को सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर में किया गया जिसमें 300 से ऊपर प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में 1866 के अकाल की कोलोनियल जड़ें एवं उड़ीसा की पहचान व स्मृति पर इसके प्रभाव की समीक्षात्मक विवेचना की गई। चार अलग अलग सत्रों में, कोलोनियल उत्तरदायित्व, सामाजिक विघटन, स्मृतिपरक राजनीति एवं ऐतिहासिक विवरण को डिक्लोनाईज करना आदि विषयों पर व्याख्यान दिए गए। संवाद में टी. ई. रैवेनशॉ की भूमिका को चिह्नित किया गया, जिससे वाद-विवाद का विषय बना कि कोलोनियल संस्थानों जैसे रैवेनशॉ विश्वविद्यालयों का नाम परिवर्तित किया जाना चाहिये। सम्मेलन में हाशिए की आवाजों को सशक्त बनाने एवं स्वदेशी विरासत की पुनःप्राप्ति पर बल दिया गया। इस सम्मेलन के प्रमुख परिणामों में सम्मेलन कार्यवाहियों का प्रकाशन करने की सिफारिश, स्थानीय इतिहास पर अनुसंधान,

एवं डिकोलोनाईज़्ड दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने वाली शैक्षिक कार्यशालाओं के आयोजन सम्मिलित रहे। ये आयोजन, उड़ीसा के अपने ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व की पुनःप्राप्ति एवं जन स्मृति के पुनर्गठन की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण बना।

व्याख्यान

1. रिलीजन, हिस्ट्री एंड आईडेंटिटी: द मेकिंग ऑफ हैरीटेज-स्केप ऑफ सेक्रेड सिटीज

उड़ीसा अनुसंधान केंद्र ने 17 जनवरी 2025 को आईआईटी भुवनेश्वर में प्रोफेसर प्रलय कानूनगो द्वारा “रिलीजन, हिस्ट्री एंड आईडेंटिटी: द मेकिंग ऑफ हैरीटेज-स्केप ऑफ सेक्रेड सिटीज” विषय पर दिए गए अतिथि संवाद के आयोजन में सहयोग दिया।

2. ओडिलॉग्स 1: डिकोडिंग वेस्टर्न उड़ीसा—द डायनैमिक्स ऑफ डेवलेपमेंट

उड़ीसा क्षेत्रीय केंद्र द्वारा अपनी उत्कृष्ट व्याख्यान माला, का उद्घाटन किया गया, ओडिलॉग्स: ओआरसी का एक विचार जन्मदाता, जिसे उड़ीसा की संपन्न विरासत और समकालीन अंतर्दृष्टि के मिलन से नवीन विचारों को जगाने के हेतु प्रारूप दिया गया है। उद्घाटन भाषण का विषय रहा, “डिकोडिंग वेस्टर्न उड़ीसा—द डायनैमिक्स ऑफ डेवलेपमेंट”, जिसे प्रोफेसर दीपक के. मिश्रा, अर्थशास्त्र विभाग, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर के सहयोग से 24 मार्च 2025 को किया गया।

3. ओडिलॉग्स 2: टैक्नोलॉजीकल डेवलेपमेंट टूवर्ड्स विकसित भारत 2047

ओडिलॉग्स व्याख्यान माला में दूसरा व्याख्यान “टैक्नोलॉजीकल डेवलेपमेंट टूवर्ड्स विकसित भारत 2047” विषय पर प्रोफेसर वीरेंद्र के. तिवारी, पूर्व निदेशक आईआईटी खड़गपुर, द्वारा दिया गया। इस सत्र का आयोजन बेहरामपुर विश्वविद्यालय, (भांजा विहार), बेहरामपुर के सहयोग से 31 मार्च 2025 को किया गया।

कार्यशालाएं

1. टाईमलैस थ्रैड्स: जगन्नाथ एट होम एंड द वर्ल्ड

उड़ीसा अनुसंधान केंद्र द्वारा ‘टाईमलैस थ्रैड्स: जगन्नाथ एट होम एंड द वर्ल्ड’, विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 9 से 10 फरवरी 2025 को सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया जिसमें 270 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में ऐतिहासिक क्रमिक विकास, वैश्विक

प्रसार, कलात्मक प्रतिनिधित्व एवं जगन्नाथ संस्कृति के भविष्य पर विचार-विमर्श किया गया। चार सत्रों में जिन प्रमुख विषयों को संबोधित किया गया: उनमें जगन्नाथ की ऐतिहासिक व्याख्या, प्रवासी भारतीयों के माध्यम से उनका वैश्विक स्थान, साहित्यिक एवं कलात्मक प्रस्तुतिकरण, एवं वैश्वीकरण के बीच समकालीन चुनौतियां आदि विषय रहे। विद्वानों द्वारा उड़िया पहचान को बनाने में जगन्नाथ जी की भूमिका, देवता के बढ़ते वैश्विक चरण चिन्ह, एवं मीडिया में उनके प्रतिनिधित्व पर विचार किया गया। गोलमेज विचार-विमर्श में बहुविषयी अनुसंधान प्रयासों पर भी आवेदन किया गया। परिणामों में कार्यशाला के क्रियाकलापों के प्रकाशन की योजना, डिजिटल संग्रह का विकास, सहयोगात्मक परियोजनाओं की शुरुआत एवं प्रवासियों से संपर्क साधना आदि रहे। कार्यशाला ने जगन्नाथ जी की सांस्कृतिक महत्ता को पुनःप्रतिपादित किया, साथ ही तेजी से बदलते विश्व में उनकी विरासत को संरक्षित एवं पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

2. सेलिंग थ्रू टाईम: उड़ीसाज मैरीटाईम हैरीटेज एंड ब्लू ईकोनोमी फ्यूचर्स

उड़ीसा अनुसंधान केंद्र द्वारा एक और कार्यशाला का आयोजन, “सेलिंग थ्रू टाईम: उड़ीसाज मैरीटाईम हैरीटेज एंड ब्लू ईकोनोमी फ्यूचर्स”, विषय पर 29-30 मार्च 2025 को सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर में किया गया जिसमें 350 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के माध्यम से इतिहासकार, पुरातत्ववेत्ता, नीति निर्धारक एवं विद्वान आदि साथ में आए, जिससे वे उड़ीसा की पुरातन सामुद्रिक विरासत एवं भारत की नीली अर्थव्यवस्था में उसके महत्व की विवेचना कर सकें। इसके सत्रों में ऐतिहासिक व्यापार मार्गों, बंदरगाह तंत्र, एवं दक्षिणपूर्व एशिया के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ ही समकालीन विषयों जैसे तटीय पर्यटन, मत्स्यपालन एवं सामुद्रिक पारिस्थितिकी आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन अनुसंधानकर्ताओं द्वारा 40 कार्य-पत्र प्रस्तुत किये गए, साथ में गोलमेज विमर्श लंबी अवधि के लिए प्रलेखन एवं अनुसंधान प्रयासों पर हुआ। विमर्श के मुख्य विषय, उड़ीसा के सामुद्रिक इतिहास की पुनःप्राप्ति, सतत विकास हेतु नीली अर्थव्यवस्था का लाभ लेना, सांस्कृतिक कूटनीति के प्रोत्साहन के लिए ऐतिहासिक संबंधों का उपयोग आदि रहे। कार्यशाला के परिणामों में कार्यकलापों के प्रकाशन की योजना, सहयोगात्मक बहुविषयी अनुसंधान, जहाज निर्माण व तटीय रोजगारों का प्रलेखन एवं सामुद्रिक विरासत के अनुसार पर्यटन नीतियां आदि रहे। कार्यशाला में, उड़ीसा के सामुद्रिक भूतकाल एवं पारिस्थितिकीय भविष्य के आधार पर एक विकास मॉडल की परिकल्पना की गई।

प्रकाशन**संपादित पुस्तकों में अध्याय**

वर्ष 2024-25 में, संपादित पुस्तक में केन्द्र के निदेशक द्वारा 1 अध्याय का प्रकाशन किया गया। जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

1. नंदा, सी. पी. (2024), 'कुडोपाली@1857 : फ्रॉम द मार्जिन्स ऑफ़ मेटाफोरिक इनसर्जेन्सी'। 'द सागा ऑफ़ कुडोपाली: द अनसंग स्टोरी ऑफ़ 1857' में। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् एवं नेशनल बुक ट्रस्ट।

कार्य पत्र

उड़ीसा अनुसंधान केन्द्र वर्तमान में चार विषयक संस्करणों पर कार्य कर रहा है जिनके प्रकाशन के लिए संपादन की प्रक्रिया चल रही है। ये कार्य-पत्र, समकालीन नीतियों, प्रशासन एवं पहचान विमर्श को लेकर, केन्द्र के बहुविषयी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। संचालित हो रहे इन संस्करणों के शीर्षक इस प्रकार हैं:

1. माईड क्राफ्टिंग फ्यूचर्स: नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020।
2. एनर्जीजिंग द नेशन: प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना
3. मैपिंग माईड्स एंड टाइम्स: लेजिसलेटिव क्रोनिकल्स 4, डायलेक्ट्स ऑफ़ अस्मिता: लैंग्वेज, आईडेंटिटी एंड पॉलिटिक्स।



परिशिष्ट

परिशिष्ट – 1

परिषद् के सदस्यों की सूची

31 मार्च 2025 तक

गैर-पदेन सदस्य		
क्र.सं.	सदस्य का नाम और पता	फोन नं. ईमेल आईडी
1.	प्रो. एच.एस. बेदी 125, कबीर पार्क, डाकघर, खालसा कॉलेज, अमृतसर - 143002	09356133665 0183 - 2258774 harmohinderbedi@gmail.com
2.	प्रो. पंचानन मोहंती मानद प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, लिंग्विस्टिक्स एंड इंडोलॉजी, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद - 500032, तेलंगाना आवासीय पता: हाउस नं. 298, डोयेंस टाउनशिप, सेरीलिंगमपल्ली, डाकघर, हैदराबाद - 500019, तेलंगाना (भारत)	+91 6301024393 panchananmohanty@gmail.com
3.	श्री दीपांकर महंत सामाजिक उद्यमी विवेकानंद केंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चर (वीकेआईसी), गुवाहाटी आवासीय पता : 25, जनपथ, नबीन नगर, आर.जी. बरुआ रोड, गुवाहाटी-24	9435010010; 8638529645 dipmahanta2@gmail.com
4.	प्रो. मधुकरभाई एस पडवी वाईस चांसलर, बिरसा मुंडा ट्राइबल यूनिवर्सिटी, आवासीय पता : 83, अतिमय पार्क सोसाइटी, अमरोली, जिला: सूरत, गुजरात-393145	(का.) 9409105925, (मो.) 9879392685 vc@bmtu.ac.in

क्र.सं.	सदस्य का नाम और पता	फोन नं.	ईमेल आईडी
5.	प्रो. शीला राय प्रोफेसर (रिटा.) डिपार्टमेंट ऑफ पोलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर – 302 004, राजस्थान आवासीय पता : 6, शिवाजी नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर-302 006	98290-17656	Sheilarai58@rediffmail.com
6.	प्रो. गीता धर्मपाल डीन ऑफ रिसर्च, गांधी रिसर्च फाउंडेशन, गांधी तीर्थ, जैन हिल्स, पीओ बॉक्स 118, जलगांव-425 00, महाराष्ट्र	9112203468; 9422925137	gitadh@gmail.com
7.	प्रो. अजय कुमार झा प्रोफेसर (रिटा.) ए.एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, वेस्ट गांधी मैदान, पटना – 800001, बिहार पता : सी-101, पायनियर पार्क, सेक्टर- 61, गुरुग्राम- 122011	9199075583/ 8340329384	profajaykumarjha.ansiss@gmail.com profjhaajay@gmail.com
8.	प्रो. किरण कुमार के. सलागमे प्रो. ऑफ साइकोलॉजी (रिटा.) 1531, 6 क्रॉस, थर्ड मेन विजयनगर, सेकेंड स्टेज, मैसूरु-570017, कर्नाटक	9449323993	kikusk@gmail.com
9.	प्रो. प्रदीप आपटे प्रोफेसर (रिटा.) डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, गोखले इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, पुणे – 411004, महाराष्ट्र	9822595670	pradeepapte1687@gmail.com
10.	प्रो. वंदना मिश्रा प्रोफेसर सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली-110067	9350095141 91-11-22753294	vandanamishra@jnu.ac.in vandanamishra@mail.jnu.ac.in
11.	प्रो. बट्टी नारायण तिवारी वाइस चांसलर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (TISS)	9450596686 9450613293	vc@tiss.ac.in
12.	प्रो. राम सिंह डायरेक्टर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव, नई दिल्ली- 110007	011-27008145 9971863030	ramsingh@econdse.org

क्र.सं.	सदस्य का नाम और पता	फोन नं.	ईमेल आईडी
13.	प्रो. सुशान्त कुमार नायक कुलपति (प्रभारी) राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश-791112	8414837522	nayaksushanta@rediffmail.com
14.	प्रो. मनीष के. वर्मा डीन अंबेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, बीबीए यूनिवर्सिटी, विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ-226025	9198277999	mkvbbau@gmail.com
15.	प्रो. बिभूति भूषण मोहंती डीन स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इंटरनेशनल स्टडीज, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, आर.वी.नगर, कलपेट, पुदुचेरी-605014	91-431-2654-769 9442032327	bibhutimohanty@hotmail.com mohantybb99@gmail.com
16.	प्रो. क्षमादेवी एस. खोबरागड़े वाइस प्रिंसिपल एसबीईएस कॉलेज ऑफ साइंस, सरस्वती नगर, सरस्वती कॉलोनी, औरंगपुरा, छत्रपति संभाजीनगर, महाराष्ट्र-431001	9822294639	kshama.earth@gmail.com
17.	प्रो. रंजना बाजपेयी प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, रावेनशॉ यूनिवर्सिटी, कॉलेज स्क्वायर, रेलवे स्टेशन के पास, कटक, उड़ीसा-753003	9692897972	rbajpai@ravenshawuniversity.ac.in
18.	प्रो. (रिटा.) टी. तिरुपति राव फॉर्मर डीन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, तेलंगाना-500007	9885599042	profitirupatirao@gmail.com

परिषद् के पदेन सदस्य

क्र.सं.	सदस्य का नाम और पता	फोन नं.	ईमेल आईडी
1.	सचिव उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली- 110001	011-23386451 011-23382698 (का.) 011-23385807 (फैक्स)	secy.dhe@nic.in श्री के. संजय मूर्ति

क्र.सं. सदस्य का नाम और पता	फोन नं.	ईमेल आईडी
2. सचिव व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली- 110001.	011-23092929, 011-23092663 (का.)	secyexp@nic.in डॉ. टी. वी. सोमनाथन
3. चेयरमेन इंडियन कौंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च, 35, फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001.	011-23386033/ 23384869 (का.) फैक्स- +91 11 23383421	chairman@ichr.ac.in प्रो. रघुवेंद्र तंवर
4. चेयरमेन इंडियन कौंसिल ऑफ़ फिलोसोफिकल रिसर्च, दर्शन भवन, 36, तुगलकाबाद इंस्टीट्यूशनल एरिया, (बत्रा हॉस्पिटल के पास) महरौली बंदरपुर रोड, नई दिल्ली - 110 062	011-29901503 फैक्स: +91-11- 29964755	chairman@icpr.in प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव (अतिरिक्त प्रभार)
5. प्रेजिडेंट, साहित्य अकादमी, रबिन्द्र भवन 35, फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001	9415691378 9810139991 (दिल्ली)	president@sahitya-akademi.gov.in k.madhav9@gmail.com श्री माधव कौशिक
6. चेयरमेन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली - 110002	011-23234019/ 23236350	cm.ugc@nic.in प्रो. ममीडाला जगदीश कुमार

सह-योजित (को-ओप्टेड) सदस्य

1. प्रो. रबी नारायण कर प्रिंसिपल एंड प्रोफेसर श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी	011-35016514 9212708740	principal@shyamal.du.ac.in

आईसीएसएसआर वरिष्ठ अधिकारी

(वित्तीय वर्ष 2024-25)

अध्यक्ष

प्रो. दीपक के. श्रीवास्तव

25/08/2023 से

सदस्य सचिव

प्रो. धनंजय सिंह

निदेशक

श्री रमेश येरनागुला

(31/05/2024 से प्रतिनियुक्ति पर)

प्रशासनिक अधिकारी

डॉ. आशीष देवलिया

उप निदेशक

- डॉ. एस.एन. चारी
- डॉ. ऋचा शर्मा
(प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. एस. एम. वर्मा
(पुनः नियोजित)
- डॉ. अविनाश कुमार
(प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. सिलि राउत
(प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. अभिनव पीयूष
(प्रतिनियुक्ति पर)
- डॉ. नितिन कुमार
(अल्पकालिक अनुबंध पर)
- डॉ. मल्लिका संकर
(अल्पकालिक अनुबंध पर)

प्रणाली विश्लेषक सह वरिष्ठ प्रोग्रामर

श्री पुष्कर पाठक

उप मुख्य वित्त अधिकारी

श्री नरेश सैनी

सहायक निदेशक (प्रकाशन)

श्री अभिनव पालीवाल

प्रोग्रामर

श्री प्रमोद कुमार

प्रलेखन अधिकारी

- श्री मनोज के. नेगी
(प्रतिनियुक्ति पर) 23.12.2024 को कार्यभार ग्रहण किया
- श्री दीप्ति आर. साहू
(प्रतिनियुक्ति पर) 23.12.2024 को कार्यभार ग्रहण किया
- श्री बलराम सिंह
(प्रतिनियुक्ति पर) 24.12.2024 को कार्यभार ग्रहण किया
- श्रीमती सुरभि सेठ
(प्रतिनियुक्ति पर) 08.01.2025 को कार्यभार ग्रहण किया

अनुभाग अधिकारी

- श्री शम्भू नाथ महतो
- श्री अनुपम गर्ग
- श्री शैलेन्द्र एस. चौहान
(प्रतिनियुक्ति पर)
- श्रीमती अंजू शर्मा
- श्री के. सी. शर्मा

हो गए :

1. श्री गोपाल सिंह, एमटीएस, 31.05.2024 को सेवानिवृत्त
2. श्री जीवन सिंह, एमटीएस, 31.05.2024 को सेवानिवृत्त
3. श्री सुमित सैनी, यूडीसी, 20.06.2024 को प्रत्यावर्तित
4. श्री अनोखे लाल, एमटीएस, 30.06.2024 को सेवानिवृत्त
5. श्री सौरभ भाटिया, यूडीसी, 30.09.2024 को प्रत्यावर्तित
6. श्री नरेंद्र कुमार, एससीडी, 30.09.2024 को सेवानिवृत्त
7. श्री सुनील दत्त शर्मा, एमटीएस, 31.10.2024 को सेवानिवृत्त
8. श्रीमती रेखा शर्मा, पुस्तकालय सहायक ग्रेड III, 30.11.2024 को सेवानिवृत्त
9. श्री सज्जन सिंह, एमटीएस, 28.02.2025 को सेवानिवृत्त

अनुसंधान परियोजनाएँ

सामाजिक एवं मानव विज्ञान में दीर्घकालिक अध्ययन

- हिमांशु सेखर राउत, उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, "इंटरजेनरेशनल ट्रांसफर ऑफ नोलेज एंड प्रैक्टिस अमंगस्ट हैंडलूम क्लस्टर इन उड़ीसा"। (₹ 50,00,000)
- परमोद कुमार, इंस्टीट्यूट फोर सोशल एंड इकोनोमिक चेंज (आईएसईसी) बैंगलोर, कर्नाटक, "बम्बू कल्टीवेशन फोर वैल्यू एडिशन एंड इनकम जेनरेशन ऑफ फार्मर्स: ए स्टडी ऑफ सेलेक्ट स्टेट्स ऑफ इंडिया"। (₹ 2,00,00,000)
- विजिता सिंह अग्रवाल, गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, "आंट्रेप्रेन्यूरियल एक्टिविटी एंड स्टार्ट-अप इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया फोर अशरिंग इन्क्यूसिव इकोनोमिक ट्रांसफॉर्मेशन"। (₹ 1,50,00,000)
- रामानंद पांडे, सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस, दिल्ली, "इम्पैक्ट ऑफ पीएम श्री एंड निपुण भारत मिशन ऑन एजुकेशन ईको-सिस्टम अंडर एनईपी (2020)"। (₹ 1,40,00,000)
- एम. अंजुम खान, अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फोर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फोर वीमेन, तमिलनाडु, "एजुकेशन फोर विजुअली इम्पेयर्ड स्कूल चिल्ड्रेन इन तमिलनाडु थ्रू एआई-असिस्टेड स्किल्स"। (₹ 1,50,00,000)
- साईबल कर, सेंटर फोर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कलकत्ता, वेस्ट बेंगाल, "ट्रेसिंग द ट्रांजिशन: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ स्किलिंग एंड लेबर मार्केट आउटकमस ऑफ इंडियन यूथ इन उड़ीसा, झारखंड, तेलंगाना एंड वेस्ट बेंगाल"। (₹ 2,00,00,000)
- अमी उपाध्याय, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, "इंटीग्रेशन ऑफ भारतीय नोलेज सिस्टम करिक्यूला इन हायर एजुकेशन"। (₹ 2,00,00,000)
- सुधा वासन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, "क्लाइमेटिक चेंजेस, वाइल्ड प्लांट्स एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी इन हिमाचल प्रदेश"। (₹ 1,50,00,000)
- सौम्य विनयन, काउंसिल फोर सोशल डिवेलपमेंट, साउथर्न रीजनल सेंटर, आईसीएसएसआर इंस्टीट्यूट, हैदराबाद, तेलंगाना, "इस्टैब्लिशिंग इन्क्यूसिव एंड इंटीग्रेटेड सिस्टम्स फोर प्रमोटिंग जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (जीआई) टैड राइस वेराइटीज इन इंडिया: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑफ इनोवेशन्स एंड टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट्स इन बिल्डिंग रिसिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफ फार्मिंग कम्युनिटीज"। (₹ 1,50,00,000)
- रूपम शुक्ला, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रूड़की, उत्तराखंड, "एनहेंसिंग कम्युनिटी रिसिलिएंस ऑफ स्मॉल होल्डर्स थ्रू सोसिओ-टेक्निकल एडोप्टेशंस इन सिस्टम ऑफ क्रॉप इंटेंसिफिकेशन (एससीए): ए सिस्टमेटिक इनसाइट फ्रॉम द रेनफेड फार्म्स ऑफ बुंदेलखंड एंड हिमालयन रीजन्स ऑफ इंडिया"। (₹ 1,00,00,000)
- श्रीराम दीवी, पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, "डिवेलपिंग स्मार्ट सस्टेनेबल एग्रीकल्चर विलेज: असेसिंग द डायनामिक्स ऑफ दि क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चरल प्रैक्टिस एंड इवॉल्विंग ए पाथवे फोर एनहेंसिंग प्रोडक्टिविटी एंड अटैनिंग द सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स"। (₹ 1,25,00,000)
- मदनलाल विनायकराव सूर्यवंशी, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, "एग्रो-इकोलॉजिकल अप्रोच फोर ज़ोनेशन ऑफ मेजर क्रॉप ईको-सिस्टम्स ऑफ महाराष्ट्र: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी"। (₹ 75,00,000)
- बी. अंजन कुमार प्रुस्ति, बरहमपुर यूनिवर्सिटी, भांजा बिहार, बरहमपुर, उड़ीसा, "इंटरवेंशन मॉडल्स फोर सोसिओ-इकोलॉजिकल रिकंसिलिएशन ऑफ ह्यूमन-

- वाइल्डलाइफ कॉन्सर्वेटर्स इन द ईस्टर्न घाट्स इन उड़ीसा”। (₹ 1,75,00,000)
14. बीना कुमारी सेंगर, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, “इनवेस्टिगेशन एंड डॉक्यूमेंटेशन ऑफ यूनिक हीलिंग प्रैक्टिस अमंग द ट्रेडीशनल हीलर्स ऑफ इंडिया, विथ स्पेशल रेफरेंस टू विंध्याचल हिल्स, एंड डेक्कन प्लेटो: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी”। (₹ 1,25,00,000)
15. सकीर हुसैन वी.पी., यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिकट, केरल, “एम्पावरिंग यंग इंडिया: ए 4-यर्स फिजिकल लिटरेसी इनिशिएटिव फोर ग्लोबल स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी एंड कॉम्पिटिटिव एक्सलेंस”। (₹ 1,50,00,000)
16. विसालक्ष्मी एस., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, थिरुवरुर, तमिलनाडु, “लॉन्गिट्यूडिनल इम्पैक्ट ऑफ जेंडर एफर्मिंग एंडोक्राइन इंटरवेंशन ऑन द मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग ऑफ ट्रांसजेंडर यूथ्स – ए यार्डस्टिक अप्रोच”। (₹ 1,50,00,000)
17. अनिल बिलिमाले, जेएसएस अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, कर्नाटक, “इंटीग्रेटेड फाइव-प्रॉन्ज्ड लाइफस्टाइल अप्रोच फोर प्रिवेंटिंग एंड कंट्रोलिंग नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज इन वल्लरेबल कम्युनिटीज ऑफ कर्नाटक: एन इम्प्लीमेंटेशन स्टडी”। (₹ 1,25,00,000)
18. गुरप्रीत कौर, गुरु काशी यूनिवर्सिटी, बठिंडा, पंजाब, “ए लॉन्गिट्यूडिनल एनालिसिस ऑफ म्यूजिक इंटरवेंशन ऑन
- इमोशनल एंड साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग ऑफ वर्किंग वीमेन इन इंडिया”। (₹ 1,00,00,000)
19. विवेक वर्मा, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “इफेक्टिवनेस ऑफ टेली-मेडिसिन ऑन मल्टी-मोरबिडिटी अमंग 45 यर्स एंड अबव पॉपुलेशन इन ट्राइबल एंड नॉन-ट्राइबल एरियाज (माता) इन नॉर्थ रीजन: ए मल्टीसेंटर प्री-पोस्ट प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी”। (₹ 1,25,00,000)
20. अनिश गुप्ता, सेंटर फोर डिवेलपमेंट इकोनॉमिक्स, (यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली), दिल्ली, “माइग्रेशन पैटर्न्स एंड इन्क्लूसिविटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस ऑफ केरल”। (₹ 80,00,000)
21. एस. श्रीनिवास मूर्ति, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, हैदराबाद, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ एजुकेशनल इंटरवेंशन्स ऑन गर्ल्स एकेडमिक प्रोग्रेशन: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी”। (₹ 1,00,00,000)
22. ए.वी. मंजुनाथ, इंस्टीट्यूट फोर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बैंगलोर, कर्नाटक, “ब्रिजिंग दि स्किल्स गेप: ए लॉन्गिट्यूडिनल स्टडी ऑन द इफेक्टिवनेस ऑफ आईटीआईएस एंड आईएमसीएस इन अलाइनिंग वोकेशनल ट्रेनिंग विथ इंडस्ट्री नीड्स”। (₹ 1,00,00,000)
23. अरिंदम बिस्वास, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रूड़की, उत्तराखंड, “सर्कुलर इकोनॉमी एंड वेस्ट मैनेजमेंट इन अर्बन इंडिया”। (₹ 2,00,00,000)

विजन विकसित भारत@2047 पर सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं के लिए भा.सा.वि.अ.प. का विशेष आह्वान

वर्ग – क

1. प्रीति राँय, आईआईटी(आईएसएम) धनबाद, झारखंड, “डिवेलपिंग ए प्रेमवर्क फॉर फिनटेक एंड फाईनेंशियल इन्क्लूजन: ए वे टुवर्ड्स विकसित भारत एंड विमेन इनक्लूजीविटी” (20,00,000 ₹.)
2. रामानुज कौशिक, डी.ए.वी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिहार, “एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन लाइवलीहुड एंड ऑक्युपेशनल डायवर्सिफिकेशन स्ट्रेटेजी ऑफ रुरल हाउसहोल्ड इन बिहार” (15,00,000 ₹.)
3. श्वेता शर्मा, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, राजस्थान, “अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ फिनटेक इनोवेशन एंड फाईनेंशियल इन्क्लूजन इन प्रमोटिंग डिजिटल फाईनेंशियल सर्विसेज अमंग स्ट्रीट वेंडर्स इन द सेलेक्टेड सिटीज ऑफ राजस्थान” (20,00,000 ₹.)
4. सौम्यरंजन साहू, भारतीय प्रबंधन संस्थान संबलपुर, उड़ीसा, “ट्रांसफॉर्मिंग बैंकिंग: द इंपैक्ट ऑफ द मेटावर्स ऑन फ्यूचर फाईनेंशियल सर्विसेज: ए जर्नी टुवर्ड्स ए डिवेलपड इंडिया” (15,00,000 ₹.)
5. रामकृष्णा पाढी, भारतीय प्रबंधन संस्थान संबलपुर, उड़ीसा, “रेडीनेस ऑफ डिजिटल द्विन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन इंडस्ट्रियल सप्लाय चैन: ए स्टडी ऑन मुंबई, दिल्ली (एनसीआर) एंड हैदराबाद” (18,00,000 ₹.)
6. टी.एस. पूर्णचंद्रिका, चैतन्य भारती प्रौद्योगिकी संस्थान, तेलंगाना, “ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन: एक्सप्लोरिंग द इंपैक्ट ऑफ ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म इन भारत: ए स्टडी ऑन आंध्र एंड तेलंगाना” (15,00,000 ₹.)
7. मिनती साहू, उड़ीसा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, उड़ीसा, “सस्टेनेबल लाइवलीहुड, फूड सिक्योरिटी एंड रुरल

- ट्रांसफोर्मेशन थ्रू मिलेट्स फॉर विकसित भारत: प्राइमरी डेटा एविडेंस फ्रॉम सदर्न एंड ईस्टर्न इंडियन स्टेट्स” (23,00,000 रु.)
8. वांगचुक चुंगयाल्पा, एसआरएम सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम, “डिज़ाइन एंड डिवेलपमेंट ऑफ मल्टीडाइमेंशनल टूरिज़्म डिवेलपमेंट मॉडेल (एमटीडीएम) फॉर द इनक्लूजिव डिवेलपमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न ट्राइबल कम्युनिटीज़ विद स्पेशल रेफरेंस टू विकसित भारत विज़न” (18,00,000 रु.)
 9. सर्वानन रंगास्वामी, हैप्पी वैली व्यापार विद्यालय, तमिलनाडु, “डायनामिक्स ऑफ रुरल लाइवलीहुड एंड डायवर्सिफिकेशन: ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ केरल एंड तमिलनाडु” (18,00,000 रु.)
 10. पीयूष कुमार सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “इस्टैब्लिशिंग एन एफपीओ-बेस्ड डिजिटल सप्लाय सिस्टम फॉर स्मॉलहोल्डर्स वेलफेयर इन ईस्टर्न इंडिया” (23,00,000 रु.)
 11. सुसांता रंजन चैनी, होटल मैनेजमेंट विद्यालय, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “रुरल टूरिज़्म एंड ऑटोप्रेन्योरशिप: ए स्टडी ऑन हैंडीक्राफ्ट आर्टीसन्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा” (18,00,000 रु.)
 12. पल्लवी माथुर, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, राजस्थान, “सस्टेनेबल टूरिज़्म इन द कृष्णा सर्किट अंडर स्वदेश दर्शन स्कीम: इंपेक्ट एंड डिवेलपमेंट” (20,00,000 रु.)
 13. एसके मो. अब्दुल बसर, सिधो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ सोशल प्रोटेक्शन प्रोग्राम्स ऑन लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन, सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ फॉर वलनरेबल ट्राइबल ग्रुप्स इन वेस्ट बंगाल” (20,00,000 रु.)
 14. बितान मोन्डल, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल, “स्टेटस, इनेबलर्स एंड इंपेक्ट ऑफ डिजिटल इंटरवेंशन्स इन हिल एग्रो-ईकोसिस्टम” (22,00,000 रु.)
 15. कुमुद चंद्र गोस्वामी, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “एन एसेसमेंट ऑफ डीएवाय-एनआरएलएम स्कीम विद स्पेशल रेफरेंस टू द विलेज ऑर्गेनाइज़ेशन एंड सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स ऑफ द नॉर्थ ईस्टर्न रीजन” (18,00,000 रु.)
 16. निहार रंजन मिश्रा, शिक्षा ‘ओ’ अनुसंधान मानद विश्वविद्यालय, उड़ीसा, “कम्युनिटी बेस्ड ईकोटूरिज़्म एंड सस्टेनेबल लाइवलीहुड सिन्क्रोरीटीज़ थ्रू ऑटोप्रेन्योरशिप डिवेलपमेंट: अ स्टडी इन सेलेक्टेड ट्राइबल डॉमिनेटेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया” (8,00,000 रु.)
 17. सुमन दास, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “इंडियन डायसपोरा: पेविंग द गोल्डन पाथ ऑफ विकसित भारत” (20,00,000 रु.)
 18. अनीदा जान, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी) “इंपेक्ट ऑफ रुरल टूरिज़्म डिवेलपमेंट ऑन द क्वालिटी ऑफ लाईफ ऑफ लोकल रेज़ीडेंट्स इन द जम्मू एंड कश्मीर: एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ पब्लिक सेक्टर सपोर्ट” (18,00,000 रु.)
 19. उत्कर्ष गोयल, आईआईटी इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, “एसेसिंग टूरिस्ट्स पर्सपेक्टिवज़ ऑन रिलीजीयस टूरिज़्म इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश: इंफ्रास्ट्रक्चर, सेफ्टी एंड कल्चरल एक्सपीरियेंसेज़” (15,00,000 रु.)
 20. उज्जल मुखर्जी, जन उद्योग संस्थान, तेलंगाना, “एंफॉवरिंग इंडीजिनस कम्युनिटीज़ ऑफ तमिलनाडु थ्रू सस्टेनेबल रुरल टूरिज़्म: स्टैकहोल्डर्स पर्सप्शन एंड इंपेक्ट एसेसमेंट” (22,00,000 रु.)
 21. डॉ. एस.यू. प्रभा, डॉ. एन.जी.पी. प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु, “अ डायरेक्ट एविडेंस फिज़िकल सर्वे अप्रोच ऑन एनविज़निंग सस्टेनेबल भारत ऑन इफेक्टिवनेस एंड एक्सेप्टेंस ऑफ इलेक्ट्रिक वेहीकल्स एंड पब्लिक चार्जिंग स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसीज़ एंड रेगुलेशनस” (20,00,000 रु.)
 22. निमाई दास, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, मध्य प्रदेश, “एक्ज़ामिनिंग द रोल ऑफ कम्युनिटी बेस्ड ईको-टूरिज़्म इन रुरल लाइवलीहुड्स डायवर्सिफिकेशन एंड ट्रांज़ीशन इन मध्य प्रदेश टाईगर रिज़र्व्स” (15,00,000 रु.)
 23. कमरुद्दीन, एम.बी.पी.जी. महाविद्यालय, हल्दवानी, उत्तराखंड, “अंडरस्टैंडिंग सस्टेनेबल होमस्टे टूरिज़्म एज़ अ ड्राइविंग फैक्टर फॉर टूरिस्ट्स सैटिसफैक्शन थ्रू स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडेलिंग: अ केस ऑफ कुमाउं रीजन ऑफ उत्तराखंड” (18,00,000 रु.)
 24. इरफान अहमद सोफी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इस्लामिक विश्वविद्यालय, कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी), “कम्युनिटी-बेस्ड होमस्टे टूरिज़्म इन कश्मीर: एक्सप्लोरिंग इट्स पोटेंशियल, वलनरेबिलिटीज़ एंड चैलेंजेज़” (15,00,000 रु.)

25. दिव्य नंदन मिश्रा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर, असम, “लिवरेजिंग इन्डीजीनियस मेडीकल केयर फॉर टूरिज्म एंड लाइवलीहुड इन असम” (12,00,000 रु.)
26. सतेंद्र कुमार शुक्ला, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), विकसित भारत @2047: टूरिज्म ऑटोप्रेन्योरशिप एंड रूरल विमेन्स एंपॉवरमेंट इन हिमाचल प्रदेश: एन एम्पीरिकल स्टडी” (12,00,000 रु.)
27. मेघना छाबड़ा, भासाविअप उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र (एनआरसी), दिल्ली (एनसीटी), “क्रिएटिंग एन एनैबलिंग फ्रेमवर्क फॉर टूरिज्म ऑटोप्रेन्योर्स टुवर्ड्स सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन इंडिया: अ स्टडी फ्रॉम एनसीटी ऑफ दिल्ली” (12,00,000 रु.)
28. रविकांत, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुजरात, “इवेल्यूएटिंग सस्टेनेबिलिटी एंड सप्लाय चेन लॉजिस्टिक्स बेनेफिट्स ऑफ इंटरमॉडल रेलरोड फ्राईट ट्रांसपोर्टेशन बिटवीन गुजरातस मेजर सीपोर्ट्स एंड मल्टीमॉडल टर्मिनल्स” (20,00,000 रु.)
29. अरुणिमा, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “प्रोसपेक्ट्स एंड पॉसिबिलिटीज ऑफ गोल्डन ग्रैड्स (एमयूजीए) ऑफ असम: अ पाथ टुवर्ड्स विकसित भारत” (12,00,000 रु.)
30. गिरीश एस. पथी, जैन मानद विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “अ मल्टी-डायमेंशनल स्टडी ऑन कोची वॉटर मेट्रो एज एन इनलैंड वॉटर-बेस्ड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन सोल्यूशन फॉर स्मार्ट सिटीज” (17,00,000 रु.)
31. पोशाली रॉय, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल, “अचीविंग कार्बन न्यूट्रैलिटी एंड एनर्जिसिंग फार्म लाइवलीहुड थ्रू सस्टेनेबिलिटी एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज इन सेलेक्टेड एग्रो-क्लाइमेटिक जोन्स ऑफ इंडिया” (12,00,000 रु.)
32. मनीष पी., हिंदुस्तान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मानद संस्थान, तमिलनाडु, “इंटीग्रेशन ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजीज फॉर ट्रांसफोर्मिंग रूरल ऑक्ज्यूपेशनल एंड लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन स्ट्रेटेजीज इन साउथ इंडिया” (12,00,000 रु.)
33. मुनीष गुप्ता, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, पंजाब, “एक्सप्लोरिंग द डिटरमिनेंट्स ऑफ सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) अडॉप्शन: द मॉडरेटिंग रोल ऑफ द यूनिकाईड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक्सपीरिएंस इन इंडिया” (12,00,000 रु.)
34. दीपा थंगजाम, कृषि विज्ञान विद्यालय, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड “इंपैक्ट ऑफ हाईवे डिवेलपमेंट ऑन एग्रीकल्चर, मार्केट डायनेमिक्स एंड लाइवलीहुड्स इन द हिली रीजन्स ऑफ नागालैंड” (12,00,000 रु.)
35. टी. धनाबालन, प्रेसीडेंसी महाविद्यालय, कर्नाटक, “एसेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ ऑटोप्रेन्योरियल ईकोसिस्टम्स एंड ग्रैशहोल्ड ऑटोप्रेन्योरियल कैपेसिटी डिवेलपमेंट इन सेलेक्टेड पब्लिक एंड प्राइवेट यूनिवर्सिटीज इन साउथ इंडिया” (12,00,000 रु.)
36. सीतालक्ष्मी सी., राजागिरी प्रबंधन एवं प्रायोगिक विज्ञान महाविद्यालय, केरल, “अ स्टडी ऑन रीवाइटेलाइजिंग फैब्रिक वेस्ट मैनेजमेंट इन केरल: रीयूज, रिपेयर एंड रीपरर्सिंग थ्रू सस्टेनेबल एंड ईको-फ्रेंडली अप्रोचेज” (12,00,000 रु.)
37. प्रभु, भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया, बिहार, “इंपैक्ट एसेसमेंट ऑफ लखपति दीदी स्कीम फ्रॉम सेलेक्टेड रीजन ऑफ बिहार: इन्वेस्टीगेटिंग द स्कोप एंड चैलेंजेज” (12,00,000 रु.)
38. प्रियंका सिंह निरंजन, अमिटी शिक्षा संस्थान, अमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश, “पेडागाजीकल इंटरवेंशन्स फॉर एनर्जिसमेंट ऑफ काँपीटेंसी-बेस्ड एजुकेशन इन नॉर्थ इंडिया” (10,50,000 रु.)
39. आलोक कुमार द्विवेदी, कुरुओम उन्नत विज्ञान विद्यालय, उत्तर प्रदेश, “रीडिफाईनिंग ‘अर्थ’ अकाउंटिंग टू इंडियन नॉलेज सिस्टम्स फॉर प्रमोटिंग रिलेशनल एंड स्किल वेल्थ फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” (10,00,000 रु.)
40. रेणुका पी.सी.वी., भारतीय विद्या निकेतन शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय कालेक्कड, पालक्काड, केरल, “रीचिंग द अनरीच्ड: अ स्टडी ऑन विमेन एंपॉवरमेंट इनीशिएटिव्ज इन ग्राम पंचायत्स, पालक्काड, केरल लीडिंग टू नारी शक्ति विकास” (7,50,000 रु.)
41. सोनाली श्रीवास्तव, सिम्बायसिस प्रबंधन अध्ययन केन्द्र, नागपुर, महाराष्ट्र, “फ्यूचर ऑफ स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम्स एंड जॉब प्रोसपेक्ट्स इन उत्तर प्रदेश एंड मध्य प्रदेश” (14,00,000 रु.)
42. योदीदा भूटिया, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम, “स्ट्रेटेजिक इंप्लीमेंटेशन ऑफ एनईपी 2020 एट द हायर एजुकेशन लेवल इन अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड एंड सिक्किम” (12,00,000 रु.)

43. गोपाल लाल मीणा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, दिल्ली(एनसीटी), “छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के विकास तथा उनकी सतत आजीविका के लिए उनके पारम्परिक और सांस्कृतिक ज्ञान का संकलन एवं दस्तावेजीकरण” (16,00,000 रु.)
44. संगीता साहू, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “कैपेसिटी बिल्डिंग इन हायर एजुकेशन: एंपॉवरिंग टीचर्स ऑफ उत्तर प्रदेश फॉर विज्ञान विकसित भारत थ्रू एनईपी 2020” (10,00,000 रु.)
45. अमरजीत सिंह, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, “इंडीजिनस नॉलेज, इंडीजीनिटी एंड पेडागोजी: अ स्टडी ऑफ कल्चर एंड ट्रेडिशन इन उत्तराखंड” (14,00,000 रु.)
46. गौरीशा, शिक्षण एवं सामाजिक अध्ययन केन्द्र (सीईएसएस), कर्नाटक, “डिजाईनिंग स्ट्रेटेजीज़ फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम्स एट हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स: अ स्टडी इन द कांटेक्ट ऑफ इंग्लिमेंटेशन ऑफ एनईपी 2020” (16,00,000 रु.)
47. वेंकटेश्वर मेहर, अंचल महाविद्यालय पदमपुर, उड़ीसा, “अ स्टडी ऑफ सोशल इमोशनल लर्निंग (एसईएल) अमंग सेकंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ उड़ीसा: इवेस्टीगेटिंग पैरेंट एजुकेशन प्रोग्राम एंड फैमिली स्कूल पार्टनरशिप फॉर एसईएल” (12,50,000 रु.)
48. जावेद इकबाल भट, कश्मीर विश्वविद्यालय (दक्षिणी कैम्पस), जम्मू एवं कश्मीर (यूटी), “टैपेस्ट्री ऑफ इंटेन्जीबल कल्चरल हेरीटेज (आईसीएच) ऑफ कश्मीर: प्रिजर्वेशन, हीलिंग एंड रिकंसीलेशन” (12,00,000 रु.)
49. यू.वी. किरण, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “मल्टीसेंसरी एनवायरमेंट्स एंड इट्स इंपैक्ट ऑन मेमोरी रिट्राईवल, कॉग्नीटिव फ्लैक्सीबिलिटी एंड वेल्-बीईंग: एन इंटरवेंशनल रिसर्च ऑन यूथ इन नॉर्दन इंडिया” (20,00,000 रु.)
50. ममता आनंद, पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी रचना एवं निर्माण संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश, “द रोल ऑफ ओल्ड एज होम्स इन प्रोवाईडिंग सोशल सिक्योरिटी: अ स्टडी ऑफ जिरीएट्रिक केयर इन इंडिया” (13,00,000 रु.)
51. संदीप सरकार, एनआईटी रायपुर, छत्तीसगढ़, “एनईपी 2020 एंड चैलेंजेज़, प्रोसपेक्ट्स एंड फ्यूचर डायरेक्शन्स फॉर दिव्यांगजन - एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड स्टेट बोर्ड सिलैबी विद एनसीईआरटी एज अ बेंचमार्क” (16,00,000 रु.)
52. अवतार सिंह, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब, “एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ होम-बेस्ड टाइनी यूनिट्स इन जालंधर्स स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री: चैलेंजेज़, ऑपच्युनिटीज़ एंड स्ट्रेटेजीज़ फॉर सस्टेनेबिलिटी” (5,00,000 रु.)
53. जयालक्ष्मी समाल, केआईआईटी मानद विश्वविद्यालय, उड़ीसा, “अनवेलिंग द इनफ्लूएस ऑफ कल्चरल हेरीटेज ऑफ पीवीटीज़ इन द डिवेलपमेंट ऑफ विकसित भारत: एन एथेनोग्राफिक रिफ्लेक्शन ऑफ रिटेंशन, सस्टेनमेंट एंड प्रिजर्वेशन फ्रॉम उड़ीसा एंड यूनार्इटेड आंध्र प्रदेश” (15,00,000 रु.)
54. वरुण भंडारी, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “द रोल ऑफ सोशल सिक्योरिटी इन सपोर्टिंग एजिंग पोप्यूलेशन: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड इंडियन स्टेट्स” (20,00,000 रु.)
55. सच्चिदानंद शरण दास, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “हेल्थ आसपेक्ट्स ऑफ विमेन टी लेबरर्स इन द स्टेट ऑफ असम: एन इंपैक्ट एनालिसिस एंड वे फॉरवर्ड फॉर विकसित भारत” (10,00,000 रु.)
56. चंदना शर्मा, गुवहाटी विश्वविद्यालय, असम, “सोशल नेटवर्क, फंक्शनल हेल्थ एंड अर्बन एनवायरमेंट: एसेसिंग देयर इंटररिलेशनशिप फॉर क्रिएटिंग एन एज-फ्रेंडली एनवायरमेंट” (8,00,000 रु.)
57. सोनिका शर्मा, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, “इंपैक्ट ऑफ स्क्रीन टाईमिंग ऑन न्यूट्रीशनल स्टेट्स एंड सायकोलॉजीकल डिस्ट्रेस अमंग स्कूल चिल्ड्रेन: अ डिजिटल डीटाक्स मॉडल” (17,00,000 रु.)
58. सस्वती चौधुरी, सेंट जेवियर्स (स्वायत्त) महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “वलनरेबिलिटी एंड सोशल सिक्योरिटी ऑफ द एल्डरली: अ स्टडी विद रेफरेंस टू वेस्ट बेंगाल” (18,00,000 रु.)
59. सुमोना दत्ता, शासकीय सामान्य डिग्री महाविद्यालय, सिंगूर, पश्चिम बंगाल, “डिवेलपमेंट एंड वेलीडेशन ऑफ अ माईडफुलनेस बेस्ड थैरेप्यूटिक इंटरवेंशन प्रोटोकॉल फॉर मिटीगेटिंग नोमोफोबिया इन अ यंग एडल्ट पोप्यूलेशन ऑफ वेस्ट बेंगाल” (17,00,000 रु.)
60. वीनू शर्मा, बिड़ला प्रबंधन प्रौद्योगिकी संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, “मेकिंग रूरल विमेन डिजिटली कैपेबल:

- एकजामिनिंग एनजीओज रोल इन एनहैंसिंग रुरल विमेन्स डिजिटल एक्विटी इन सेलेक्टेड रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश” (12,00,000 रु.)
61. अनुरिता सकसेना, आरकेएमवी शिमला, हिमाचल प्रदेश, “कैपेसिटी बिल्डिंग एंड यूथ्स पर्सप्शन ऑफ एग्रीकल्चर आर्टोप्रेन्योरशिप इन हिमाचल प्रदेश” (20,00,000 रु.)
 62. अशोक कुमार पंकज, सामाजिक विकास परिषद, दिल्ली (एनसीटी), “इक्विटेबल एजुकेशन फॉर विकसित भारत: एक्सप्लोरिंग स्कूल ड्रॉपआउट एंड एक्सक्लूजन ऑफ वलनरेबल सेक्शंस फॉर पॉलिसी सजेसंस” (20,00,000 रु.)
 63. जयदीप सेनगुप्ता, सिधो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “सोशल सिक्योरिटी फॉर एल्डरली थ्रू यूथ वोल्युंटेरी एक्शन (एसईवायवीए): बिल्डिंग अ सेफ्टी-नेट फॉर हेल्थ, न्यूट्रीशन एंड क्वालिटी लिविंग फॉर ओल्डर एडल्ड्स थ्रू कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड यूथ स्ट्यूवर्डशिप” (18,00,000 रु.)
 64. टी. बीना, हैप्पी वैली बिजनेस स्कूल, तमिलनाडु, “एम्पावरिंग रुरल विमेन आर्टोप्रेन्योर्स: एकजामिनिंग द इंपेक्ट ऑफ डेमोग्राफिक शिफ्ट ऑन होलिस्टिक ग्रोथ एंड डिवेलपमेंट इन तमिलनाडु” (14,00,000 रु.)
 65. नौशादुल हक मलिक, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली (एनसीटी), “पॉजिटिव इंपेक्ट्स ऑफ इंटरसेक्टिंग डायमेंशन्स ऑफ डिजिटल, हेल्थ एंड फाईनेंशियल इनक्लूजन फॉर पसमांदा मुसलिम्स: स्टेप्स टुवर्ड्स विकसित भारत” (20,00,000 रु.)
 66. अजय सिंह चंदेल, मित्तल व्यापार विद्यालय, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब, “एम्पावरिंग विमेन आर्टिसन्स फॉर विजन विकसित भारत@2047: फाईनेंशियल इनक्लूजन, मार्केट एक्सेस एंड स्किल डिवेलपमेंट इन सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ इंडिया” (22,00,000 रु.)
 67. अरविंद एन. हल्दनकर, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा, “एनहैंसिंग रीनल हेल्थ: एक्सप्लोरिंग एनवायरमेंटल फैक्टर्स एंड सोश्यो-इकोनोमिक डिटरमिनेंट्स इन गोवा” (20,00,000 रु.)
 68. अंजली पहड, महाराजा सैयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, गुजरात, “एक्सप्लोरिंग इकोनोमिक डिवेलपमेंट ऑपच्युनिटीज फॉर द डैफ एडल्ड्स इन गुजरात एंड महाराष्ट्र” (12,00,000 रु.)
 69. नेहा प्रणव कोल्हे, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), भोपाल, मध्य प्रदेश, “कंपेरेटिव एनालिसिस ऑफ स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सेसेबिलिटी इन रुरल एंड पेरी अर्बन एरियाज यूजिंग जीआईएस एंड एनालिटिकल हायरार्की प्रोसेस: केस ऑफ सेलेक्टेड रुरल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मध्य प्रदेश एंड कर्नाटक” (20,00,000 रु.)
 70. अनिदिता मजूमदार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना, “विकसित भारत की आत्मनिर्भर बेटियां: एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ सीसीटीज एंड बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इन एम्पावरिंग गर्ल्स इन इंडिया” (20,00,000 रु.)
 71. देविका अग्रवाल, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, राजस्थान, “इवेल्यूएटिंग पीएमजेएवाय आउटरीच इन राजस्थान इन रिलेशन टू अवेयरनेस, सर्विस क्वालिटी एंड सोश्यो-इकोनोमिक इंपेक्ट: अ केस स्टडी बेस्ड ऑन ग्रास डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट” (25,00,000 रु.)
 72. मधु करनाट एस., आरवी विश्वविद्यालय, आरवी विद्यानिकेतन पोस्ट, 8 माईल, मैसूर रोड, मेलासांद्रा, बैंगलुरु, कर्नाटक, “एनहैंसिंग मेंटल एंड फिजीकल वेल-बीईंग ऑफ बैंगलोर सिटी पोलिस ऑफिसर्स थ्रू अ होलिस्टिक एंड टैक-इनेबल्ड प्रोग्राम” (18,00,000 रु.)
 73. नागमणी, आरईवीए विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “अनवैलिंग मेंटल हेल्थ चैलेंजेज एंड कॉन्सीक्रेनसेज अमंग यूनिवर्सिटी फैकल्टी: अ स्ट्रेटेजिक पाथवे टू नेशनल डिवेलपमेंट इन इंडिया” (12,00,000 रु.)
 74. मौली चतुर्वेदी, एनएमआईएमएस मानद विश्वविद्यालय, तेलंगाना, “एंपावरिंग रुरल विमेन: लिवरेजिंग इफेक्टिव मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज टू एंक्लीफाई प्रॉडक्ट रीच इन स्पेशल रेफरेंस विद द स्टेट ऑफ तेलंगाना” (15,00,000 रु.)
 75. प्रवीण गुज्जर, जैन मानद विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “इन्वेस्टमेंट चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज: एम्पावरिंग रुरल विमेन आर्टोप्रेन्योर्स ऑफ कर्नाटक” (20,00,000 रु.)
 76. जीवन बिरादार, डॉ. विश्वनाथ कराद एमआईटी वर्ल्ड पीस विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, “प्रिजर्विंग द डिगनिटी ऑफ द एजिंग पॉप्यूलेशन: एन इंपेक्ट इवेल्यूएशन ऑफ सोशल सिक्योरिटी ऑन फाईनेंशियल एंड सायकोलॉजीकल वेल-बीईंग इन रुरल इंडिया” (16,00,000 रु.)

77. मधु बाला कौशिक, मनीपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, “एंपॉवरिंग विमेन ऑट्रोप्रेन्योर्स: टैक्टिक्स फॉर शैटिंग द बैरियर टू एडवांसमेंट एंड कल्टीवेटिंग जेंडर पैरिटी इन रुरल राजस्थान” (20,00,000 रु.)
78. बीजल मेहता, अमृत मोदी प्रबंधन विद्यालय, गुजरात, “नेटवर्किंग प्लैटफॉर्म एंड मेंटरिंग सपोर्ट: एक्सपेक्टेड एंड एक्सपीरियेंसेज ऑफ ऑट्रोप्रेन्योर्स ऑफ गुजरात” (8,08,000 रु.)
79. रेशमा नसरिन, जामिया हमदर्द, दिल्ली(एनसीटी), “एसेसिंग द रोल ऑफ सोशल सिव्योरिटी स्कीम्स इन एनहैंसिंग फाईनेंशियल इंडीपेन्डेंस एंड मेंटल वेल-बीईंग ऑफ एल्डरली पीपुल इन स्लम एरियाज ऑफ दिल्ली एनसीटी रीजन” (17,00,000 रु.)
80. डॉ. नाओरेम किरणमाला देवी, मानव-शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “बैरियर्स एंड फैसिलिटेटर्स ऑफ हायपरटेंशन कंट्रोल प्रोग्राम्स इन सिक्किम” (24,00,000 रु.)
81. फहाद पी., आरयूए महाविद्यालय, केरल, “विमेन वर्कर्स पार्टीसिपेशन एंड फाईनेंशियल ऑटोनॉमी: अ मीडिएटिंग रोल ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसीज इन द स्टेट ऑफ केरल” (20,00,000 रु.)
82. बिमल देब नाथ, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, मेघालय, “डिवेलपमेंट ऑफ स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इन प्रमोटिंग यूथ स्पोर्ट्स पार्टीसिपेशन इन असम” (15,00,000 रु.)
83. सुधा धवन, एलेनहाउस व्यापार विद्यालय, उत्तर प्रदेश, “इफेक्ट्स ऑफ स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम्स टारगेटेड एट विमेन ऑन ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ नॉर्थ इंडिया” (20,00,000 रु.)
84. अनीकार डी. मानवी, एम एस रामैया प्रायोगिक विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “डिवेलपमेंट ऑफ अ बिजनेस रेजीलिएंस फ्रेमवर्क टू एनहैंस द सस्टेनेंस ऑफ डीप टैक स्टार्टअप्स फॉर विकसित भारत@2047: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ साउथ इंडिया” (25,00,000 रु.)
85. केसवा रेड्डी येरागुंडा, आंध्र प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, “ब्रेकिंग ग्लास सीलिंग्स एट वर्कप्लेस: एंपॉवरिंग विमेन ऑट्रोप्रेन्योर्स इन द एमएसएमई सेक्टर ऑफ साउथ इंडिया” (19,00,000 रु.)
86. नवल गर्ग, दिल्ली प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “मेंस्ट्रुअल लीक्ज: ब्रिजिंग ओर वाईडनिंग जेंडर-बेस्ड एंप्लॉयमेंट गैप एट द वर्कप्लेस” (22,00,000 रु.)
87. सचिन बत्रा, एनआईसीएमएआर विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, “एविडेंस-बेस्ड एक्सप्लोरेशन ऑफ सायकोलॉजीकल नीड सैटिसफैक्शन एंड मेंटल हेल्थ आउटकम्स: रोल ऑफ कोपिंग मैकेनिज्म एंड डिजिटल मेंटल हेल्थ इंटरवेंशंस अमंग जेन जी इन महाराष्ट्र” (20,00,000 रु.)
88. मनसुराली ए., तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, “कैटालायजिंग ईकोनोमिक ग्रोथ थ्रू नारी शक्ति: इवेल्यूएटिंग गवर्नमेंट स्कीम्स फॉर विमेन्स एंपॉवरमेंट एंड वर्कप्लेस एक्विटी इन तमिलनाडु” (25,00,000 रु.)
89. मनीषा पालीवाल, श्री बालाजी विश्वविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर इनीशिएटिवज फॉर सोशल इनक्लूजिविटी: अ स्टडी ऑफ पिंपरी चिंचवाड स्मार्ट सिटी” (20,00,000 रु.)
90. मोहम्मद इरफान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खदान विद्यालय), धनबाद, झारखंड, “इंफ्लूमेन्टिंग पीएम सूर्या घर: मुफ्त बिजली योजना इन ट्राईबल एरियाज ऑफ झारखंड: इन्वेस्टीगेटिंग द ड्राईवर्स एंड बैरियर्स ऑफ सोलर रूफटॉप अडॉप्शन” (24,00,000 रु.)
91. रीता रानी तालुकदार, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम, “प्रिवेलेंस एस्टीमेशन एंड एसेसमेंट ऑफ वेरियस रिस्क-फैक्टर्स इनफ्लूएंसिंग अल्कोहल यूज बिहेवियर अमंग यूनीवर्सिटी स्टूडेन्ट्स ऑफ असम: अ होलिस्टिक अप्रोच यूजिंग मशीन लर्निंग टैक्नीक्स” (18,00,000 रु.)
92. फजीना खादिर, प्रबंधन अध्ययन संस्थान, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल, “एंपॉवरिंग मदर्स ऑफ ऑटिस्टिक चिल्ड्रेन: प्रमोटिंग मेंटल, फिजिकल एंड ईकोनोमिक वेल-बीईंग फॉर इनक्लूजिव सोशल डिवेलपमेंट” (25,00,000 रु.)
93. फराज अहमद, अमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा, हरियाणा, “अ स्टडी ऑन द पार्टीसिपेशन ऑफ विमेन वर्कर्स इन द अर्बन इन्फॉर्मल सेक्टर इन गुरुग्राम” (10,00,000 रु.)
94. टी.एच. लालरोखवामा, विगनान विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान समिति, आंध्र प्रदेश, “इंपेक्ट ऑफ एमजेडएसआरएलएम इन अपलिफ्टिंग द एडवांसमेंट ऑफ रुरल विमेन इन द स्टेट ऑफ मिजोरम” (20,00,000 रु.)

95. अप्पाराजू वेंकट सेशु कामेश, एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, “एकजामिनिंग द एविडेंस ऑफ द ग्लास सीलिंग इफेक्ट एंड इट्स इंपेक्ट ऑन करियर प्रोग्रेशन ऑफ विमेन इन एचआईआईएस (हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस) इन आंध्र प्रदेश” (20,00,000 रु.)
96. विकास दीक्षित, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “प्रमोटिंग फार्मेशनल इनक्लूजन विद इन्टीपेंडेंस ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटी फॉर विकसित भारत थ्रू इफेक्टिव स्ट्रेटेजीज” (24,00,000 रु.)
97. सिरीमन नवीन, वोक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना, “डिजिटल फार्मेशनल इनक्लूजन ऑफ ट्राईबल विमेन: अ केस स्टडी ऑफ आईटीडीए विलेजेज इन तेलंगाना” (12,00,000 रु.)
98. योगेश मिश्रा, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय मेघालय, मेघालय, “इनक्लूजिव एजुकेशन फॉर दिव्यांगजन इन उड़ीसा एंड असम: स्ट्रेटेजीज फॉर इक्विटेल लर्निंग एंड एंपॉवरमेंट” (20,00,000 रु.)
99. मनीषा पांडे, रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, “कंपेरेटिव स्टडी ऑफ लाइवलीहुड इन रुरल एरिया ऑफ एसपायरेशनल एंड नॉन-एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट टू एनकरेज इफेक्टिवनेस ऑफ यूथ वेंचर डिवेलपमेंट” (20,00,000 रु.)
100. अमित मजूमदार, बिजॉय कृष्णा गर्ल्स महाविद्यालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन लाईफ ऑक्कूपेशनल हैजार्ड्स ऑफ मौलीज, सुंदरबन्स वलनरेबल कम्युनिटी इन कलेक्टिंग मौबन—अ जीआई प्रॉडक्ट” (20,00,000 रु.)
101. फातमा मेहर सुल्ताना, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “एन एक्सप्लोरेटिव कंपेरेटिव एनालिसिस ऑफ जेंडर सेंसिटिव अडॉप्शन स्ट्रेटेजीज टू क्लाइमेट चेंज एंड इट्स इंपेक्ट ऑन एंप्लॉयमेंट जेनरेशन एंड सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स इन टू रीजन्स ऑफ नॉर्थ इंडिया: वेस्टर्न उत्तर प्रदेश एंड वेस्टर्न बिहार” (20,00,000 रु.)
102. एस. धिव्या देवी, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कट्टानकुलथुर, तमिलनाडु, “अ स्टडी ऑन डिजिटल ऑटोप्रेन्योरशिप अमंग ट्राईबल यूथ्स ऑफ सदरन स्टेट्स ऑफ इंडिया” (24,00,000 रु.)
103. हिमाश्री पटोवारी, मेघालय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय, “विमेन लीडरशिप एंड जेंडर मेनस्ट्रीमिंग इन गवर्नेंस ऑफ मेघालय: अ कंपेरेटिव स्टडी बिटवीन ईस्ट खासी हिल्स एंड वेस्ट गारो हिल्स” (20,00,000 रु.)
104. आकांक्षा चौधुरी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान, “सोश्यो-ईकोनोमिक इनक्लूसेज ऑन द इंटरजेनरेशनल ट्रांसमीशन ऑफ इंडीजिनस ऑक्कूपेशनल स्किल्स इन वेस्टर्न राजस्थान” (20,00,000 रु.)
105. परमसिवान, थांथई पेरियार शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, तमिलनाडु, “एन एक्सप्लोरेटरी एंड एप्लाइड रिसर्च ऑन द इनक्लूसेज ऑफ प्रधान मंत्री मुद्रा योजना टुवर्ड्स अचीविंग विमेन ऑटोप्रेन्योरशिप इन साउथ इंडिया” (20,00,000 रु.)
106. रंजीथा जी.पी., भारतीय प्रबंधन संस्थान नागपुर, महाराष्ट्र, “क्रिएटिंग इनक्लूजिव मार्केटप्लेसेज थ्रू पब्लिक पॉलिसी: अ स्टडी ऑन ट्रांसजेंडर एक्सपीरियेंसेज ऑफ मार्केटप्लेस मार्जीनलाइजेशन इन कर्नाटक एंड महाराष्ट्र” (23,48,000 रु.)
107. मोनिका चौधुरी, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, “डिवेलपमेंट ऑफ कांफ्लिक्टिंग एजुकेशन प्लान ऑफ हेल्थ एंड न्यूट्रीशन अवयरनेस फॉर स्कूल-एज चिल्ड्रेन ऑफ पंजाब” (14,00,000 रु.)
108. रितुपर्णा चक्रवर्ती, स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “पोस्ट कोविड एरा एंड द जीरो जेनरेशन: वलनरेबिलिटी, रेजीलिअंस एंड अडॉप्टिव कैपेसिटी इन एजिंग कम्युनिटीज ऑफ सेलेक्टेड अर्बन स्पेसेज ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया” (10,00,000 रु.)
109. मोएना खान, बैनेट विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “एंपॉवरिंग चिल्ड्रेन इन द डिजिटल एज: एनालायजिंग एक्सपीरियेंसेज एंड वलनरेबिलिटीज विदिन द फ्रैमवर्क ऑफ विजन विकसित भारत एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स” (15,00,000 रु.)
110. बिमल अंजुम, डीएवी महाविद्यालय, सेक्टर-10, चंडीगढ़, चंडीगढ़(यूटी), “चाईल्ड लेबर अमंगस्ट रैग पिकर्स: अ केस स्टडी ऑफ पंजाब” (9,85,000 रु.)
111. विदिशा व्यास, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, हरियाणा, “कैपेसिटी बिल्डिंग स्ट्रेटेजीज ऑफ एकेडेमिक इंस्टीट्यूशंस टू एनकरेज ऑटोप्रेन्योरशिप अमंग स्टूडेन्ट्स: अ स्टडी ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस ऑफ एनसीआर” (25,00,000 रु.)

112. सुरेश चंद्र सीएच, विगनान विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान समिति (मानद), आंध्र प्रदेश, “एनहैंसिंग मेंटल हेल्थ आउटकम्स अमंग यूथ थ्रू इफेक्टिव मेंटल हेल्थ लिटरेसी इंटरवेंशंस: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ हायर सेकेंडरी एंड यूनिवर्सिटी-बेस्ड प्रोग्राम्स इन सेलेक्ट स्टेट्स ऑफ साउथ इंडिया” (18,00,000 रु.)
113. रेणु गुप्ता, श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “एनशोरिंग एक्सेस टू इनक्लूसिव एंड होलिस्टिक एजुकेशन फॉर बिल्डिंग विकसित भारत: अ स्टडी ऑफ स्टूडेंट्स विद डिसएबिलिटी एट हायर एजुकेशन इन दिल्ली एनसीआर” (16,00,000 रु.)
114. वैशाली पाटिल, प्रिंसीपल एल.एन.वेलिंगकर प्रबंधन विकास एवं अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र, “एंपॉवरिंग विमेन फार्मर्स थ्रू सस्टेनेबल एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज: अ स्टडी ऑन फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशंस इन महाराष्ट्र” (20,00,000 रु.)
115. श्रीकुमार जयादेवन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपर, रुपनगर, पंजाब, “इंपैक्ट ऑफ ह्यूमन-वाइल्डलाईफ कॉन्फ्लिक्ट्स(एचडब्ल्यूसी) ऑन द ट्राइबल कम्युनिटीज ऑफ साउथ इंडिया: टुवर्ड्स अ सस्टेनेबल एंड इंडीजिनस सोल्यूशन” (22,00,000 रु.)
116. संतोष रुपा जलादी, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक, “एंपॉवरिंग आशा वर्कर्स: एकजामिनिंग द स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग इन ईकोनोमिकली बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक” (21,00,000 रु.)
117. राज्येश्वर सिन्हा, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “एनालायजिंग द इंपैक्ट ऑफ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ इनीशिएटिव ऑन ट्राइबल कम्युनिटी इन ईस्टर्न इंडिया: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड ब्लॉक्स ऑफ वेस्ट बंगाल, झारखंड एंड उड़ीसा” (21,00,000 रु.)
118. अविजीत महाला, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “नो वन लेफ्ट बिहाईंड इन इनक्लूसिव विकसित भारत@2047: अ कॉंप्रीहेंसिव एंड एम्पीरिकल स्टडी ऑफ स्ट्रेटेजीज फॉर एंपॉवरिंग, सोशल इनक्लूजन एंड इक्विटी फॉर चिल्ड्रेन एंड सीनियर सिटीजंस, अ केस स्टडी ऑफ बिहार, उत्तर प्रदेश एंड उड़ीसा” (22,00,000 रु.)
119. मीनल अली मिया, अलीपुरद्वार महिला महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “स्टेटस ऑफ विमेन एंपॉवरमेंट इन फॉर्मर चिटमहल्स ऑफ बांग्लादेश एनेक्स्ट टू कूच बिहार डिस्ट्रिक्ट(इंडिया) सिंस 2015” (15,00,000 रु.)
120. पलाश दत्ता, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “क्लाइमेट चेंज इंपैक्ट्स ऑन लाइवलीहुड्स एंड मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर्स ऑफ स्टूडेंट्स इन असम एंड द रोल ऑफ हेल्थ लिटरेसी इन स्कूल्स एंड यूनिवर्सिटीज” (16,00,000 रु.)
121. शिवा शर्मा, पोद्दार अंतर्राष्ट्रीय महाविद्यालय, राजस्थान, “इवेल्यूएटिंग द रोल एंड इफेक्ट ऑफ स्किल बेस्ड एजुकेशन इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस थ्रू इनक्यूबेशन एंड स्किल डिवेलपमेंट सेंटर्स फॉर विमेन ऑटोप्रेन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप डिवेलपमेंट इन नॉर्थ वेस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया: एनहैंसिंग प्रैक्टिकल स्किल्स एन” (15,00,000 रु.)
122. दिति गोस्वामी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खदान विद्यालय) धनबाद, झारखंड, “इंटरजेनरेशनल मोबिलिटी: रोल ऑफ बिड-रेंट कर्ज, इन्फोर्मल स्पेसेज, एंड इन्फोर्मल जॉब्स” (20,00,000 रु.)
123. गुरुपदेश कौर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, “जेंडर मैनेस्ट्रीमिंग अमंग एग्रीकल्चरल लेबरर्स बाय नर्चिंग देयर सायकोलॉजीकल एंड न्यूट्रीशनल वेल-बीईंग इन पंजाब” (16,00,000 रु.)
124. गीतांजली उपाध्याय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, “एंपॉवरिंग ट्राइबल विमेन ऑटोप्रेन्योर्स: एसेसिंग अचीवमेंट ऑफ एसडीजीज-8, डीसेंट वर्क एंड ईकोनोमिक ग्रोथ थ्रू ऑटोप्रेन्योरशिप” (20,00,000 रु.)
125. एस. सरस्वती, चैतन्य भारती प्रौद्योगिकी संस्थान, तेलंगाना, “फाईनेंशियल इनक्लूजन पॉलिसीज एंड स्ट्रेटेजीज फॉर विमेन ऑटोप्रेन्योर्स: रोडमैप फॉर इंडियाज ईकोनोमिक ग्रोथ बाय 2047” (23,00,000 रु.)
126. पूर्वा श्रीवास्तव, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तर प्रदेश, “एंपॉवरिंग स्ट्रीट वेंडर्स: द रोल ऑफ पीएम-स्वनिधि इन फाईनेंशियल इनक्लूजन इन दिल्ली एनसीटी रीजन” (13,00,000 रु.)
127. गणेश कुमार जे., क्राइस्ट विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “प्रिवलेंस एंड कॉजेज ऑफ बिहेबियरल एंड इमोशनल प्रॉब्लम्स अमंग स्कूल गोईंग अडॉलसेंट्स इन तमिलनाडु” (14,00,000 रु.)
128. सतीश कुमार, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, “इंपैक्ट ऑफ टेली-मेडीसिन्स ऑन हेल्थ-केयर एक्सेसीबिलिटी, इक्विटी, कालिटी इन हरियाणा, गुजरात, एंड असम” (15,00,000 रु.)

129. संयुक्ता भूपतिराजू, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “अंडरस्टैंडिंग द सोशो-ईकोनोमिक डिटरमिनेंट्स एंड इनइकेलिटीज़ ऑफ़ एक्सेस टू वाटर इन आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना” (20,00,000 रु.)
130. आकांक्षा शुक्ला, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर, झारखंड, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ़ ऑटोप्रेन्योरशिप स्कीम्स ऑफ़ द गवर्मेंट ऑफ़ इंडिया ऑन ट्राईबल विमेन ऑफ़ झारखंड” (13,00,000 रु.)
131. जयन टी., मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चैन्नई, तमिलनाडु, “पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम एंड फूड सिक्योरिटी अमंग द वलनरेबल हाउसहोल्ड्स इन तमिलनाडु” (18,00,000 रु.)
132. प्रतिभा राय, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, वसुंधरा एनक्लेव, दिल्ली, “एसेसिंग द पॉर्टेनसियल ऑफ़ एग्रीटेक स्टार्ट-अप ईकोसिस्टम फॉर यंग इनोवेटर्स इन इंडिया: प्रोसपेक्ट्स एंड चैलेंजेज़ इन द वेक ऑफ़ गवर्मेंट इनीशिएटिव्ज” (20,00,000 रु.)
133. मुनमी बोरा, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “लाईफ़स्टायल चॉइसेज़ एंड हेल्थ लिटरैसी: इट्स इंपेक्ट ऑन द ओवरऑल वेल-बीईंग ऑफ़ द सेकंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ़ टी कम्युनिटी इन डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट, असम” (16,00,000 रु.)
134. मौर्लिन के., सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “फोस्टरिंग ऑटोप्रेन्योरशिप स्किल्स एंड माइंडसेट अमंग द यूथ: अ कंपरेटिव स्टडी कंडक्टेड इन सेलेक्टेड हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस फ्रॉम केरल, तमिलनाडु एंड वेस्ट बेंगाल” (15,00,000 रु.)
135. स्वाति, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब, “डिजिटल हेल्थ लिटरैसी अमंग एल्डर्ली पॉप्यूलेशंस इन केरल एंड पंजाब: लेवल्स, इनफ़्लूएंसिंग फैक्टर्स, बैरियर्स एंड हेल्थ आउटकम्स” (12,00,000 रु.)
136. लैला मैमदानी, आईसीएफ़आई सामाजिक विज्ञान विद्यालय, आईएफ़एचआई विश्वविद्यालय, तेलंगाना, “डेमोग्राफ़िक ट्रांज़ीशन, चेंजिंग फैमिली सिस्टम एंड द क्वालिटी ऑफ़ लाईफ़ (क्यूओएल): अ स्टडी ऑफ़ बिहार, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना स्टेट्स ऑफ़ इंडिया” (12,00,000 रु.)
137. मोनमई सिन्हा, कमला नेहरु महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “विमेन कान्था वर्कर्स ऑफ़ बीरभूम, वेस्ट बेंगाल: एन एथेनोग्राफ़िक स्टडी” (12,00,000 रु.)
138. पलानीसामी सर्वानन, भारतीय प्रबंधन संस्थान तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, “इंपेक्ट ऑफ़ डिजिटल फाईनेंशियल कैपेबिलिटी एंड फाईनेंशियल लिटरैसी ऑन फाईनेंशियल वेल-बीईंग ऑफ़ इंटर-स्टेट माईग्रेंट (कंस्ट्रक्शन) वर्कर्स इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ़ महाराष्ट्र एंड तमिलनाडु” (12,00,000 रु.)
139. रथीदेवी आर., मदर टैरेसा महिला विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, “इंपेक्ट ऑफ़ ऑटोप्रेन्योरशिप डिवेलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया (ईडीआईआई) इन फोस्टरिंग यूथ ऑटोप्रेन्योरशिप स्किल्स एंड इनोवेशन इन तमिलनाडु” (13,00,000 रु.)
140. विस्मिता पालीवाल, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “एकजायमिंग द रोल ऑफ़ मेंटल हेल्थ, हायजीन एंड न्यूट्रीशनल लिटरैसी अमंग द यूथ्स इन सेकंडरी एंड हायर एजुकेशन ऑफ़ राजस्थान एंड उत्तर प्रदेश” (18,00,000 रु.)
141. अनिल बाबनराव अदसुले, सेंट विन्सेंट महाविद्यालय, पूना, महाराष्ट्र, “इंपेक्ट ऑफ़ गवर्मेंट स्कीम्स एंड देयर इंग्लीमेंटेशन फॉर ऑटोप्रेन्योरियल वेंचर इन महाराष्ट्र” (15,00,000 रु.)
142. श्रीदेवी आर.एस., क्राइस्ट मानद विश्वविद्यालय, कर्नाटक, “कल्चरल इंटीग्रेशन एंड सोशो-ईकोनोमिक वेलफेयर: अ कंपरेटिव एनालिसिस ऑफ़ इंटर-स्टेट माईग्रेंट वर्कर्स इन द अनऑर्गेनाइज़्ड सेक्टर ऑफ़ साउथ इंडियन स्टेट्स” (17,00,000 रु.)
143. प्रतीक अग्रवाल, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश, “अनलीशिंग यंग इंडिया: एसेसिंग द सिनर्जी बिटवीन ऑटोप्रेन्योरियल एजुकेशन, डिजिटल वेंचर्स एंड सोशल इंपेक्ट इन नॉर्थ एंड सेंट्रल इंडिया” (1100000 रु.)
144. चूडामणि नंदगोपाल, कर्नाटक चित्रकला परिषद्, कर्नाटक, “ब्रिजिंग इंडीजिनस नॉलेज विद इनोवेटिव प्रैक्टिसेज़: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ़ वुडन टॉयेज़ एंड डॉल मेकिंग ट्रेडीशंस ऑफ़ कर्नाटक” (10,00,000 रु.)
145. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार, “फ्रॉम स्टोरीज़ टू सीड बैंक्स: प्रिजर्विंग द इंडीजिनस लैंग्वेजेज़, प्रैक्टिसेज़ एंड ईकोलॉजिकल विज़डम ऑफ़ ओडीशा ट्राईब्स” (8,00,000 रु.)
146. दीपांजना साहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला, उड़ीसा, “एक्सप्लोरिंग द एवोल्यूशन ऑफ़ टाउनशिप एंड आर्टिसनल क्राफ्ट इंडस्ट्री ऑन द सोशो-ईकोनोमी ऑफ़

- शांतिनिकेतन-श्रीनिकेतन प्लानिंग एरिया, बीरभूम, वेस्ट बेंगाल" (12,00,000 रु.)
147. रिंडॉन कुंडु, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा, "डॉक्यूमेंटिंग रूपा ताराकासी: ओरल हिस्ट्री ऑफ द सिल्वर फिलीग्री आर्टिस्न्स फ्रॉम कटक (उड़ीसा), द सिल्वर सिटी ऑफ इंडिया" (8,00,000 रु.)
148. आराधना गाँधी, डॉ. आराधना गाँधी, महाराष्ट्र, "सोशल, ईकोनोमिक एंड कल्चरल पर्सपेक्टिव ऑफ गोधिनी क्राफ्ट कम्युनिटी ऑफ गुजरात एंड राजस्थान" (15,00,000 रु.)
149. विजय राणा, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, "रोल ऑफ फनेरा वहली लीव्ज/ बोहिनिया वहली (तौर) इन सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स ऑफ द फाईनेशियली वीकर सेक्शंस इन कांगड़ा, हिमाचल" (10,00,000 रु.)
150. के. मीनादेवी, आरएनएस प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक, "सस्टेनेबिलिटी ऑफ हैंडलूम वीविंग इंडस्ट्री इन कर्नाटक" (12,00,000 रु.)
151. अमिता विजय, पोद्दार अंतर्राष्ट्रीय महाविद्यालय, राजस्थान, "आईडेंटिफाईंग द स्किल्स ऑफ विमेन इन्वॉल्व्ड इन टाई एंड डाई टैक्सटाईल बेस्ड क्राफ्ट ऑफ सेलेक्टेड रीजन्स ऑफ राजस्थान एंड स्टडींग देयर सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ कंडीशन" (14,00,000 रु.)
152. शिवकुमार एम. बेल्ली, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "एंपॉवरमेंट ऑफ ट्राईबल्स एंड इट्स रोल इन द विजन विकसित भारत@2047: अ स्टडी ऑन ट्रेडीशनल नॉलेज, कल्चर एंड ऑटोप्रेन्योरियल एबिलिटीज अमंग सेलेक्ट ट्राईबल कम्युनिटीज ऑफ सदरन स्टेट्स ऑफ भारत" (8,00,000 रु.)
153. तनिमा दत्ता, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ ग्रीन मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन एमएसएमईज: हार्नेसिंग स्टेकहोल्डर पावर, गवर्मेंट सपोर्ट, एंड ईको-परफोमेंस फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर" (15,00,000 रु.)
154. स्वदेश सिंह, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), "डेसीफेरिंग एनशिएंट विजडम: एक्सट्रैक्टिंग बेस्ट प्रैक्टिसेज फ्रॉम द जनपदा सिस्टम फॉर कंटेम्पोररी गवर्नेंस" (10,00,000 रु.)
155. ज्योतिष प्रकाश बासु, पश्चिम बंगाल शासकीय विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट एट द हाउसहोल्ड लेवल: अ स्टडी ऑन एडवांस्ड एंड बैकवर्ड रीजन्स ऑफ वेस्ट बेंगाल" (10,00,000 रु.)
156. मर्सी सैमुअल, सीईपीटी विश्वविद्यालय, गुजरात, "अर्बन गवर्नेंस एंड मैनेजिंग फ्यूचर ग्रोथ ऑफ इंडियन सिटीज इन गुजरात" (15,00,000 रु.)
157. दक्षिणा चंद्र, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली (एनसीटी), "पोलिसिंग सायबर फ्रॉड इन दिल्ली (एनसीआर) एंड वेस्ट बेंगाल: अ क्वालीटैटिव एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ द लीगल, कैपेसिटी एंड इंस्टीट्यूशनल डिजाईन चैलेंजेज फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ सायबर क्राईम पोलिस स्पेशलिस्ट्स" (13,00,000 रु.)
158. इंद्रजीत राय चौधुरी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, "जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जीआई) एज अ टूल फॉर रीजनल डिवेलपमेंट: एन इन्वेस्टीगेशन ऑफ डिफ्रेंट टाईप्स ऑफ प्रॉडक्ट अक्रॉस द डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ वेस्ट बेंगाल" (12,00,000 रु.)
159. माला रानी, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), "ट्रेडीशनल फूड क्रॉप्स एंड माइनर ग्रेन क्रॉप्स इन इंडीजिनस कम्युनिटीज: पाथवेज टू सोश्यो-ईकोनोमिक प्रोसपेरिटी थ्रू सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट रीजन ऑफ इंडिया" (10,00,000 रु.)
160. जुथिका कोंवर, असम विश्वविद्यालय, असम, "एक्सप्लोरिंग द मार्केटिंग पोर्टेंशियल एंड चैलेंजेज ऑफ एग्रीकल्चरल जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जीआई) प्रॉडक्ट्स इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया" (850000 रु.)
161. अरिंदिता गोस्वामी, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, "एन एन्थ्रोपोलॉजीकल स्टडी ऑफ द ट्रेडीशनल हीलर्स एंड हीलिंग प्रैक्टिसेज अमंग टू शिड्यूल्ड ट्राईब्स ऑफ असम: कंजर्वेशन एंड सस्टेनेबल यूज ऑफ इंडीजिनस नॉलेज ऑफ मिशिंग एंड दिमसा ट्राईब" (7,50,000 रु.)
162. प्रकाश एन., कोन्गु अभियांत्रिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु, "इंफ्लुमेंटेशन ऑफ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी टू एनहेंस ट्रांसपैरेंसी, ट्रेसिबिलिटी एंड क्वालिटी एश्योरेंस इन द सप्लाय चेन ऑफ साउथ इंडियन एग्रीकल्चर इंडस्ट्री" (7,50,000 रु.)

163. एम.विजयकुमार, के.एस.रंगासामी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, तमिलनाडु, “ऑप्टिमायजिंग प्रोजेक्ट्स इन कोल्ली हिल्स यूजिंग ब्लॉक-चेन टेक्नोलॉजी फॉर इंप्रूव्ड एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज एंड सप्लाय चेन एफीशिएंसी” (1450000 रु.)
164. रामप्पा के.बी., सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक, “द इंटर-लिंग्वेज बिटवीन जियोग्राफिकल इंडीकेशन्स एंड रूल डिवेलपमेंट: एम्पीरिकल एविडेंस फ्रॉम सेलेक्टेड स्टेट्स ऑफ साउथ इंडिया” (15,00,000 रु.)
165. हनी राज, प्रेसीडेंसी महाविद्यालय (स्वायत्त), हेब्बल, बैंगलोर, कर्नाटक, “इटीग्रेसन ऑफ एडवांस्ड सरविलेंस टेक्नोलॉजी इन इंडियाज बॉर्डर सिक्योरिटी” (20,00,000 रु.)
166. ताहिर अहमद बानी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी), “इवेल्यूएटिंग द सायबर सिक्योरिटी प्रिपेयर्डनेस ऑफ इंडियन ऑर्गेनाइजेशन्स एंड इट्स इनफ्रूएस ऑन देयर परफॉर्मेंस: अ केस स्टडी ऑफ एमएसएमईज इन जम्मू एंड कश्मीर यूटी” (15,00,000 रु.)
167. प्रवीण जाधव, संरचना, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान, गुजरात, “एनहैंसिंग एक्सपोर्ट पोटेन्शियल ऑफ आयुष प्रॉडक्ट्स ऑफ ग्लोबल वेल-बीईंग: स्ट्रेटेजीज एंड ऑपच्युनिटीज इन गुजरात, महाराष्ट्र एंड कर्नाटक” (10,00,000 रु.)
168. मनोज कुमार निगम, कलिंगा विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, “कैटेलायजिंग क्लीन टेक्नोलॉजीज (सोलर) फॉर पाथवेज टू यूनीवर्सल एक्सेस टू क्लीन एंड अफोर्डेबल एनर्जी इन ट्राइबल एंड रूरल रीजन ऑफ गरियाबंद छत्तीसगढ़” (12,00,000 रु.)
169. जया मंगलानी, परिष्कार ग्लोबल एक्सीलेंस महाविद्यालय, राजस्थान, “अ स्टडी ऑफ नेचुरल, कल्चरल एंड इंडीजिनस मेडीसिनल वेल-बीईंग ऑफ द ट्राइबल्स ऑफ राजस्थान एंड मध्य प्रदेश” (13,00,000 रु.)
170. सुनील कुमार मिश्रा, मानव विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “एंपॉवरिंग रूरल कम्युनिटीज: एनहैंसिंग फूड सिक्योरिटी थ्रू न्यूट्रीशन गार्डन एंड न्यूट्रीशन-एजुकेशन इंटरवेंशन्स इन बिहार” (21,00,000 रु.)
171. रचना माथुर, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “बैंचमार्किंग ग्रीन स्टैंडर्ड्स: अ कांप्रैहेन्सिव इवेल्यूएशन ऑफ हाई-राईज रेजीडेंशियल बिल्डिंग्स इन दिल्ली/एनसीआर” (18,00,000 रु.)
172. जयाप्रिया जे., क्राईस्ट (मानद विश्वविद्यालय), कर्नाटक, “द ह्यूमन फायरवॉल: लिवरेजिंग यूजर सायकोलॉजी, प्राइवैसी टेक्नोलॉजीज एंड ओपन-सोर्स इंटेलीजेंस फॉर एनहैंस्ड सायबर सिक्योरिटी इन दिल्ली एंड कर्नाटक” (17,00,000 रु.)
173. सोमेश धमीजा, जीएलए विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “ट्रांसफॉर्मिंग लाइवज़: सस्टेनेबल हेल्थ सोल्यूशन्स फॉर इंडियाज मोस्ट वलनरेबल पॉप्यूलेशंस इन द सेलेक्टेड मेट्रोपोलेटन सिटीज” (20,00,000 रु.)
174. भारत भाटी, सेज विश्वविद्यालय इंदौर, मध्य प्रदेश, “मूविंग टुवर्ड्स टूमोरो: इन्वेस्टीगेटिंग द अडॉप्शन ऑफ इलेक्ट्रिक वेहीकल्स इन अर्बन मोबिलिटी इन इंदौर मेट्रोपोलेटन एरिया” (20,00,000 रु.)
175. सेशा भार्गवी वेलागलेती, जी. नारायणम्मा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तेलंगाना, “प्रिडिक्टिंग द अनप्रिडिक्टेबल: अ मल्टी मैथड अप्रोच टू डेटा कलेक्शन एंड टीएबीएपी फॉर थ्रैट एक्टर बिहेवियर प्रिडिक्शन” (12,00,000 रु.)
176. प्रियव्रता साहू, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “इफेक्टिवनेस ऑफ आईसीडीएस (इंटीग्रेटेड चाइल्ड डिवेलपमेंट सर्विसेज) अमंग पीवीटीजीज ऑफ उड़ीसा: अ केस स्टडी पॉवर्टी एंड मैलन्यूट्रीशन अमंग द डांगरिया कोंथ ऑफ रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट” (18,00,000 रु.)
177. हेम चंद्र पी.एन., महारानी महिला कला महाविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक, “प्रोएक्टिव डिटेक्शन एंड मिटीगेशन स्ट्रेटेजीज फॉर एआई एंड एमआई-बेस्ड सायबर अटैक्स इन 5जी ओ-रैन आर्किटेक्चर” (12,00,000 रु.)
178. राम मनोहर सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड, “एम्पीरिकल रिसर्च एंड एआई-ड्रिवेन वेब-टैक सोल्यूशंस फॉर एफफेक्टिव एक्शन स्कीम्स एंड एकेडेमिक सपोर्ट फॉर मार्जिनलाइज्ड एंड डिसएडवांटेज्ड स्टूडेंट्स इन अंडरग्रेजुएट इंस्टीट्यूशंस” (22,00,000 रु.)
179. विपिन वी., भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल (आईआईएसईआरबी), मध्य प्रदेश, “कन्वर्जन ऑफ प्लास्टिक वेस्ट इंटू लिक्विड फ्यूलस: मल्टीफेसेटेड पोर्टेबिलिटी एंड इट्स पब्लिक एक्सेप्टेंस” (20,00,000 रु.)
180. रुद्र प्रकाश प्रधान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट ऑफ इलेक्ट्रिक

- वेहीकल बैटरी इन्फ्रास्ट्रक्चर इन इंडिया: चैलेंजेज, सर्कुलर ईकोनोमी इंटीग्रेशन एंड पॉलिसी मीजर्स” (25,00,000 रु.)
181. लखविंदर कौर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, पंजाब, “वेस्ट टू रिसोर्स: ट्रीटेड वेस्टवॉटर इरीगेशन मैनेजमेंट सिस्टम फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर अंडर वन हेल्थ अप्रोच इन पंजाब” (20,00,000 रु.)
182. संदीप कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “कालिटेक्टिव एंड क्वांटिटेक्टिव मॉडेलिंग ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एज एन आसपेक्ट ऑफ सायबर सिक्योरिटी यूजिंग बिहेवियरल गेम थ्योरी” (15,00,000 रु.)
183. शिल्पी कुमारी, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश, “अटल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ट्यूटोरियल एप फॉर लर्निंग (डिजिटल एप: ग्रामीण पूर्वोत्तर भारत में माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक डिजिटल सशक्तिकरण पहल)” (20,00,000 रु.)
184. एच. ग्लैडियस जेनीफर, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु, “एन इंटरवेंशनल स्टडी टू कंट्रोल माईक्रो-प्लास्टिक एक्सपोजर इन वर्क्स ऑफ स्मॉल-स्केल इंडस्ट्रीज इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु” (15,00,000 रु.)
185. लखीप्रिया गोगोई, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “डिजाईन एंड डिवेलपमेंट ऑफ एआई-पॉवर्ड सिम्पल-बेस्ड एथेनो-मेडीकल रिकमेंडेशन सिस्टम फॉर द अपर ब्रह्मपुत्रा वैली ऑफ असम” (19,00,000 रु.)
186. अनुपमा शर्मा, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश, “इंटीग्रेटिंग वास्तु एंड सस्टेनेबिलिटी इन इंडियन टेंपल आर्किटेक्चर: अ सिनर्जी बिटवीन एनशिएंट विज्डम एंड कांटेम्पोररी मॉडर्निज्म” (22,00,000 रु.)
187. प्रेमिला बोरदोलाई, असम कृषि विश्वविद्यालय, असम, “एनहैंसिंग न्यूट्रीशन एंड लाइवलीहुड थ्रू वेल्थ-एडेड लोकल प्रॉडक्ट्स एंड कम्युनिटी इंटरवेंशन अप्रोच: अ स्टडी ऑफ जोरहाट एंड कामरुप डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम” (22,00,000 रु.)
188. मनीष चौधुरी, असम कृषि विश्वविद्यालय, असम, “प्रमोटिंग लोकल फार्म फ्रेश प्रोड्यूस इन अर्बन एरियाज थ्रू मैपिंग एंड डेटा-ड्रिवन सब्सक्रिप्शन डिलेवरी मॉडेल: अ केस स्टडी ऑफ अपर ब्रह्मपुत्रा वैली ज़ोन (यूबीवीजेड) ऑफ असम” (18,00,000 रु.)
189. सुराजीत महालानोबिस, सामाजिक विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एनसीटी), “मिटीगेशन ऑफ क्लाइमेट चेंज टू ब्ल्यू ईकोसिस्टम ऑफ लक्षद्वीप: अ साईस-बेस्ड सोशल आउटरीच स्टडी” (22,00,000 रु.)
190. नेनावथ श्रीनू, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल, मध्य प्रदेश, “फाईनेसिंग अ ग्रीन फ्यूचर-एक्सप्लोरिंग द रोल ऑफ ग्रीन बांड्स इन इंडियाज ट्रांज़ीशन टू अ लो-कार्बन ईकोनोमी: अ स्टडी ऑन मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एंड महाराष्ट्र” (25,00,000 रु.)
191. प्रतुल चंद्र कलिता, आईआईटी गुवाहाटी, असम, “डिवेलपमेंट एंड इंग्लिमेंटेशन ऑफ एआई-ड्रिवेन स्मार्ट फार्मिंग सोल्यूशन्स यूटीलाइजिंग आईओटी एंड डिजिटल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर एनहैंस्ड एग्रीकल्चरल प्रॉडक्टिविटी: अ स्टडी ऑन असम, छत्तीसगढ़, राजस्थान एंड उत्तर प्रदेश” (15,00,000 रु.)
192. नितिका शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली, दिल्ली(एनसीटी), “ट्रांसफॉर्मिंग वेस्ट इन्टू वैल्यू: इनोवेटिव स्ट्रेटेजीज फॉर मैनेजिंग एंड रिड्यूसिंग वेस्ट इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट (इब्ल्यूईईई) इन नॉर्थ इंडिया” (15,00,000 रु.)
193. बीरेश्वर पॉल, राष्ट्रीय मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, “टैक्नो-ईकोनोमिक, एनवायरमेंटल एंड सोशल इंपेक्ट्स ऑफ यूटीलाइजिंग बायोडिग्रेडेबल वेस्ट: अ स्टडी ऑन नॉर्थ, नॉर्थ-ईस्ट एंड साउथ इंडिया” (20,00,000 रु.)
194. विशाखा कुटुम्बले, अर्थशास्त्र विद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, “जेंडरिंग ट्राइबल हाउसहोल्ड फूड सिक्योरिटी इन एसपाईरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ एंपॉवर्ड एक्शन ग्रुप स्टेट्स (ईएजी) ऑफ इंडिया” (20,00,000 रु.)
195. गुरदीप सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, “एसेसमेंट ऑफ ऑयलसीड्स एंड पल्सेज प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग पॉटेंशियल फॉर ईकोनोमिक प्रॉस्पेक्टिविटी एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑन पंजाब” (15,00,000 रु.)
196. अदानी अज़ोनी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मणिपुर, मणिपुर, “डिवेलपमेंट ऑफ एन ईकोसिस्टम-बेस्ड सस्टेनेबल प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम मॉडेल: एसेसिंग सोश्यो-ईकोनोमिक एंड टेक्नोलॉजीकल फीजिबिलिटी फॉर मणिपुर” (10,00,000 रु.)

197. सुजीथ ए.एस., श्री संकरा महाविद्यालय, कलाडी, केरल, “रुल, वाईल्डलाईफ एंड स्पाईस टूरिज्म ऐज अ लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन स्ट्रेटेजी अमंग इंडीजिनस पीपुल इन केरल” (15,00,000 रु.)
198. प्रियंका सिंह, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “उत्तर पूर्व भारत में प्रचलित आगमिक परंपराएं तथा मंदिर-स्थापत्य एक शास्त्रीय एवं सर्वेक्षणात्मक अनुशीलन: असम, त्रिपुरा, मणिपुर एवं अरुणाचल प्रदेश के विशेष संदर्भ में” (15,00,000 रु.)
199. एम.एन.मोहमेदुन्नी एलियास मुस्तफा, डॉ.एम.एन.मोहमेदुन्नी एलियास मुस्तफा, केरल, “इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम (आईकेएस) विद एसटीईएम एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: अ स्ट्रेटेजिक पाथ फॉर विकसित भारत@2047” (18,00,000 रु.)
200. पवन कुमार सिंह, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “स्ट्रैथनिंग सोशल सिक्वोरिटी प्रोग्राम्स इन इंडिया: अ प्रपोजल फॉर रिव्यूईंग कंफ्रीहेंसिव पॉलिसी रिफॉर्म आफ्टर 2014: अ स्टडी ऑन वेस्टर्न, सेंट्रल, ईस्टर्न रोहिलखंड एंड बुंदेलखंड” (15,00,000 रु.)
201. रिमोन भुयान गोगोई, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम, “इंडीजिनस नॉलेज एंड कस्टमरी प्रैक्टिसेज इन बिल्डिंग कम्युनिटी-ओरिएंटेड एंड ईकोलॉजीकल सस्टेनेबल डिवेलपमेंट पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स: अ स्टडी ऑफ द पटकई रीजन इन नॉर्थईस्ट इंडिया” (20,00,000 रु.)
202. शबनम आरा, अमर सिंह महाविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी), “बिल्डिंग इक्विटेबल एंड सस्टेनेबल सिटीज फॉर विकसित भारत: अ केस स्टडी ऑफ कश्मीर” (10,00,000 रु.)
203. शचि राय, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “स्टडी ऑन इंपेक्ट ऑफ कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसीबिलिटी ऑन हेल्थ आउटकम्स: अ स्टडी ऑफ उत्तराखंड” (12,00,000 रु.)
204. वासुदेव ऐतल, डीईएस पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, “डिजाईन एंड इवेल्यूएट द वायबिलिटी ऑफ गेम एंड एक्टीविटी बेस्ड लर्निंग इन संस्कृत करिकुलम” (20,00,000 रु.)
205. पंकज कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “द पॉलीटिकल इन्वॉल्वमेंट ऑफ शैड्यूल कास्ट (एससी) इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशन्स विद स्पेशल रेफरेंस टू द प्रयागराज एंड वाराणसी डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश” (15,00,000 रु.)
206. संजय कुमार भारद्वाज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “इंडिया एंड ऑस्ट्रेलिया क्लीन एनर्जी को-ऑपरेशन: थ्रू इंडो-पैसिफिक ट्रांसमीशन कोरीडोर” (15,00,000 रु.)
207. नीलम दास, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “इंपैरैटिव्स ऑफ इंटीग्रेशन ऑफ भारतीय नॉलेज सिस्टम एंड सोशल सिक्वोरिटी थ्रू मेटा-एनालिसिस” (10,00,000 रु.)
208. राकेश रमन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “अनलॉकिंग सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स अमंग रुल हाउसहोल्ड्स इन रेनफेड रीजन्स ऑफ बिहार एंड उत्तर प्रदेश” (18,00,000 रु.)
209. नेहा नैनवाल, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी), “एसेसिंग द रोल ऑफ टेक्नोलॉजीकल अडॉप्शन इन एग्रीकल्चर सप्लाय चेन मैनेजमेंट: अ केस स्टडी ऑफ अरुणाचल प्रदेश एंड मेघालय” (15,00,000 रु.)
210. संजीव कुमार, चौधुरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैपस, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “एनहैंसिंग रूफटॉप सोलर अडॉप्शन इन एकजामिनिंग अवेलेबिलिटी, अपोर्टेबिलिटी एंड एक्सेसिबिलिटी एंड द रोल ऑफ पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप्स इन फैसिलिटेटिंग फ्यूचर क्लीन एनर्जी सोल्यूशंस: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी इन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एंड राजस्थान” (18,00,000 रु.)
211. कृष्णा मालाकार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, तमिलनाडु, “एनहैंसिंग लाइवलीहुड्स एंड सेफ्टी ऑफ फिशिंग कम्युनिटीज इन द बेंगाल व्हाईल एनश्योरिंग सस्टेनेबल इंप्लीमेंटेशन” (18,00,000 रु.)
212. विनायक राम त्रिपाठी, जेवियर श्रमिक संबंध संस्थान, जमशेदपुर, झारखंड, “एन इन्वेस्टिगेशन इन्टू द मल्टी-लेवल ऑट्टोप्रेन्योरियल ट्रेल्स इन द ट्राईबल कॉन्टेक्ट इन सेलेक्टेड इंडियन स्टेट्स: अ कोरिलेशन स्टडी बिटवीन मार्केट, कल्चर एंड कम्युनिटी” (15,00,000 रु.)
213. दिनेश एन. सतांगे, श्रीमती नरसम्मा कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, किरण नगर, अमरावती, “अ

- स्टडी ऑफ क्लस्टर मॉडेल ऑफ कलेक्शन एंड डिसपोजल ऑफ सोलर (पीवी) वेस्ट मैनेजमेंट इन इंडिया” (25,00,000 रु.)
214. वेंकटरमैय्या मालेपति, एसजी शासकीय डिग्री एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय, “ईको-टूरिज्म एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑफ की डेस्टीनेशन इन आंध्र प्रदेश” (2450000 रु.)
- श्रेणी-बी**
215. भारती श्रीनिवासन, एसएसटीआरए (सास्त्र) मानद विश्वविद्यालय, कुंभाकोनम, “एन एक्सप्लोरेशन ऑफ ट्रेडीशनल हीलिंग प्रैक्टिसेज एंड वैदिक चैन्टिंग टू ट्रीट डायबेटिक्स विद पार्किन्संस डिजीज” (6000000 रु.)
216. अर्चिता घोष, कल्याणी विश्वविद्यालय, नदिया, पश्चिम बंगाल, “स्टेकहोल्डर्स पर्सेप्शन एंड सोश्यो-ईकोनोमिक आउटकमस: एक्सप्लोरिंग द इंपैक्ट ऑफ एन इनोवेटिव स्क्रीनिंग टैक्नीक ऑफ गायनेकोलॉजिकल कैंसर्स एंड स्ट्रेटेजिक प्लान्स फॉर इंप्लीमेंटेशन” (10,00,000 रु.)
217. नूरजहां ए.के.ए. हनीफ, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “बायोचार*प्रोडक्शन डेमोन्स्ट्रेशन एंड टैक्नो ईकोनोमिक इवेल्यूएशन फ्रॉम एग्रीकल्चरल वेस्ट्स फॉर सस्टेनेबल सॉयल हेल्थ, न्यूट्रीएंट रीसायकलिंग एंड लाइवलीहुड प्रमोशन इन कावेरी डेल्टा रीजन” (45,00,000 रु.)
218. प्रवीण कुमार, मनीपाल उच्च शिक्षा अकादमी, “अप-सायकलड फूड: ट्रांसफोर्मिंग वेस्ट टू वेल्थ फॉर फूड सिक्योरिटी एंड सस्टेनेबिलिटी” (7,50,0000 रु.)
219. अनु सिंह लाथेर, डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, “एलायनिंग ट्रेडीशनल नॉलेज सिस्टम एंड मॉडर्न सस्टेनेबल लाइवलीहुड प्रैक्टिसेज विद विकसित भारत विजन फॉर रेजीलियंट नॉर्थ-ईस्टर्न कम्युनिटीज: अ लांगीट्यूडनल एम्पीरिकल स्टडी” (7000000 रु.)
220. मनीष पांडे, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, “कम्युनिटी-बेस्ड फूड सिक्योरिटी मॉडेल्स इन इंडिया: एन इंटरसेक्शनल, डिसेंट्रलाइज्ड अप्रोच टुवर्ड्स विजन विकसित भारत” (8400000 रु.)
221. वॉल्टर मैजेज, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा, “सोलफुल जर्नीज: इंटीग्रेटिंग थैरेप्यूटिक इंडीजिनस कुजीन्स, वैलनेस प्रोग्राम्स एंड फिलॉसोफिकल काउंसलिंग फॉर सस्टेनेबल एंड होलिस्टिक टूरिज्म इन गोआज हिन्टरलैंड: अ विजन फॉर डिवेलपड इंडिया@2047” (8,00,0000 रु.)
222. बंधन बंधु मजूमदार, बीआईटीएस पिलानी हैदराबाद कैंपस, हैदराबाद, तेलंगाना, “कम्यूटर-सेंट्रिक मोबाइल एप्लीकेशन फॉर पब्लिक इलेक्ट्रिक बायसिकल शेयरिंग सिस्टम (सीसी-मैप)” (7,50,0000 रु.)
223. शिल्पा जोस, सेंट टेरेसा महाविद्यालय (स्वायत्त), एर्नाकुलम, केरल, “इंपैक्ट एसेसमेंट ऑफ मल्टीपल फूड सिक्योरिटी इंटरवेंशन्स टू मिटीगेट माइक्रोन्यूट्रिएंट मैलन्यूट्रीशन अमंग विमेन एंड चिल्ड्रेन इन कोस्टल एरियाज ऑफ सेंट्रल केरल” (5,00,0000 रु.)
224. सुग्यांता प्रियदर्शिनी, केआईआईटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “मैपिंग द इंपैक्ट ऑफ ब्ल्यू कार्बन स्टॉक्स ऑफ सीग्रास मीडोज एंड वीड्स ऑन ईकोनोमिक प्रोस्पेरिटी एंड लाइवलीहुड जेनरेशन ऑफ चिलिका लैगून” (8,00,0000 रु.)
225. ईशा साहा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद, झारखंड, “फ्यूचर-रेडी हॉस्पिटल्स: स्ट्रेटेजिक अडॉप्शन ऑफ इंडस्ट्री 4.0 टेक्नोलॉजीज इन ईस्टर्न एंड नॉर्थ-ईस्टर्न इंडिया” (95,00,000 रु.)
226. रीना, अमृता कृषि विज्ञान विद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “कोलेबोरेटिव अप्रोच फॉर सस्टेनेबल राईस प्रोडक्शन अंडर एबायोटिक स्ट्रेस प्रोन एनवायरमेंट ऑफ तमिलनाडु” (8,00,0000 रु.)
227. संगीत कुमार रागी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, “अ सोश्यो-टैक्नीकल फ्रेमवर्क फॉर रेजीलियंट एंड सस्टेनेबल वॉटर मैनेजमेंट फॉर स्मार्ट सिटीज: अ स्टडी ऑफ अर्बन राजस्थान” (8,00,0000 रु.)
228. राकेश अरावतिया, आईआरएमए, आनंद, गुजरात, “सस्टेनेबल डेयरी फार्मिंग एंड वैल्यू चेन डिवेलपमेंट थ्रू प्राइमरी डेयरी को-ऑपरेटिव्स: लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन स्ट्रेटेजीज फॉर स्मॉल एंड मार्जिनल डेयरी फार्मर्स इन रुरल उत्तर प्रदेश, बिहार एंड मध्य प्रदेश” (7,50,0000 रु.)
229. शिल्पा, डीईएस पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, “एनहेंसिंग सोश्यो-ईकोनोमिक वेल्-बीईंग ऑफ ई-वेस्ट कलेक्टर्स थ्रू टारगेटेड इंटरवेंशन्स: अ स्टडी ऑन पूणे, महाराष्ट्र” (8,00,0000 रु.)

प्रदत्त वृहद एवं लघु अनुसंधान परियोजनाएं

वृहद

1. लवली श्रीवास्तव, “द लिटरेचर एंड कल्चर अराउंड स्टूडेंट्स एंड यूथ मूवमेंट्स इन इंडिया एंड लैटिन अमेरिका इन 20th एंड 21st सेंचुरी” जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
2. पल्लबी बोरा, “कल्चरल हेरीटेज मीट्स मार्केट इनोवेशन: अ स्टडी ऑफ द ऑटोप्रेन्योरशिप ईकोसिस्टम इन असेमीज ज्वैलरी एंड पाथवेज टू सस्टेनेबल लाइवलीहुड” गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम। (16,00,000 रु.)
3. बृंदाबन मिश्रा, “एंबॉडी, इमोशन, एन्डेंजर्ड म्यूजिक एंड डांस ट्रेडीशन ऑफ वेस्टर्न उड़ीसा: अ रिवायटैलाइजेशन इन द ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड” वोक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना।
4. हेना सिंह, “एक्सप्रेसिंग द इनएक्सप्रेसीबल: मधुबनी एंड वर्ली फोक आर्ट”, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
5. विनोद कुमार जायसवाल, “कैमूर जनपद की कला स्थापत्य एवं पुरातात्विक सामग्रियों का संकलन: समाजशास्त्रीय एवं सांस्कृतिक अध्ययन”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
6. प्रसून बर्मन, “प्रिजर्विंग द साईलेंट क्रॉनिकल्स ऑफ असम: कलेक्शन एंड आर्काइविंग ऑफ नॉन-कमर्शियल मैगेजीन्स फ्रॉम 1947 टू 2000”, कॉटन विश्वविद्यालय, असम। (18,00,000 रु.)
7. सुमीत कुमार मीना, “घुमन्तु गाडिया लोहार समुदाय का सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन: राजस्थान के आलोक में”, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
8. पुष्पम नारायण, “मृण्मय देशज कला के धरोहर, उनकी वर्तमान अवस्था एवं संभावनाएं: एक विस्तृत सांस्कृतिक अध्ययन”, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, बिहार। (16,00,000 रु.)
9. विनय कुमार, “रीविजिटिंग विंध्याचल: अ स्टडी ऑफ रिलीजीयस एंड आर्किटेक्चरल हेरीटेज”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,50,000 रु.)
10. रक्तिम पत्तर्, “कोलोनीयल हैजीमोनी एंड इंडीजिनस रेजिस्टेंस इन नॉर्थ ईस्ट भारत (1824-1912)—मिलीटरी एक्सपोजिशन, इवैन्जेलिकल फोर्सेज एंड देयर एंड्योरिंग लीगेसीज”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
11. अनूप कुमार डे, “सिटीजनशिप, आईडेंटिटी एंड बिलॉगिंग: अ स्टडी ऑफ द लीगल एंड सोशल इंग्लीकेशन ऑफ एनआरसी एंड सीएए ऑन हिंदू रिफ्यूजीज इन बराक वैली” असम विश्वविद्यालय, असम। (16,50,000 रु.)
12. अशान रिद्दी, “बिहार के अल्प ज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की विस्मृत अमरगाथाएं”, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (17,00,000 रु.)
13. अनीसा शफी, “सोश्यो-ईकोनोमिक चैलेंजेज एंड सोशल सिक्योरिटी फॉर एल्डर्ली विमेन इन अर्बन कश्मीर” कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (17,00,000 रु.)
14. सास्वती चक्रवर्ती, “सायकोलॉजिकल वेल-बीईंग ऑफ विमेन एक्सपीरियेंसेज होमलैसनेस इन देल्ही: सिचुएशनल एनालिसिस एंड लिब्ड एक्सपीरियेंसेज टू प्रपोज एन इंटरवेंशन मोड्यूल”, मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएस), दिल्ली (एनसीटी)। (16,50,000 रु.)
15. प्रसेनजीत त्रिभुवन, “अ स्टडी ऑफ रीहैबिलिटेशन सेंटर्स टू अचीव बेटर डि-एडिक्शन स्ट्रेटेजीज”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान। (16,00,000 रु.)
16. गुरप्रीत सिंह ब्रार, “इंपेक्ट ऑफ सेल्फ-हैल्प ग्रुप्स ऑन ऑटोप्रेन्योरशिप स्किल्स एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ शिड्यूल्ड कास्ट विमेन इन नॉर्दन एंड सदर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया”, पंजाबी विश्वविद्यालय, पंजाब। (18,00,000 रु.)
17. आदित्य मोहंती, “एलीविटिंग पॉवर्टी थ्रू लाइवलीहुड ग्रांट्स: अ सोशोलॉजिकल स्टडी ऑफ द सतत जीविकोपार्जन योजना (अल्ट्रा-पुअर ग्रेजुएशन अप्रोच)”, दक्षिण बिहार का केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार। (16,00,000 रु.)
18. जियाउद्दीन, “पूर्वी उत्तर प्रदेश में पसमांदा (अरजाल) मुस्लिम: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”, डीएवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,10,000 रु.)
19. नागालिंगम एम., “टेंपल फेस्टीवल्स, सोशल कोहिसन, एंड कम्युनिटी डिवेलपमेंट इन द सब-कल्चरल रीजन्स ऑफ

- तमिलनाडु एंड केरल”, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल। (16,50,000 रु.)
20. डब्ल्यू. प्रदीप कुमार सिंह, “सोशल इंपैक्ट ऑफ अर्बनाइजेशन ऑन कम्युनिटी लाइफ एंड चेंजिंग फैमिली स्ट्रक्चर्स इन मणिपुर”, लिबरल महाविद्यालय, मणिपुर। (16,50,000 रु.)
21. भूषण इंदर भामातेराजपूत, “स्ट्रीट वेंडर्स इन स्मॉल एंड लार्ज सिटीज़: द स्टडी ऑफ सोशल स्टेट्स, फाईनैशियल स्टैबिलिटी, एंड द इंपैक्ट ऑफ डिजिटल पेमेंट्स एंड गवर्मेंट स्कीम्स”, लोकसेवक मधुकर राव चौधुरी सामाजिक कार्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (16,50,000 रु.)
22. रंजय वर्धन, “ई-मोबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी डिवेलपमेंट: सोश्यो-ईकोनोमिक एंड लीगल आसपेक्ट्स ऑफ इलेक्ट्रिक वेहीकल्स एंड नीड फॉर फॉर्म्यूलेशन ऑफ पॉलिसी फॉर यूज ऑफ ईवीज”, स्नातकोत्तर शासकीय कन्या महाविद्यालय, चंडीगढ़ (यूटी)। (16,00,000 रु.)
23. जयप्रकाश मिश्रा, “एजिंग, केयर एंड माईग्रेशन: एन एथेनोग्राफिक स्टडी ऑफ एल्डर्लीज एंड माईग्रेंट केयर वर्कर्स इन पंजाब”, थापर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पंजाब। (15,10,000 रु.)
24. आर. ललिता राजा, “अ लिंग्विस्टिक एंथ्रोपोलॉजीकल सर्वे ऑफ राजापालायम तेलुगू”, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (18,40,000 रु.)
25. सास्वती हालदार, “हेरीटेज मीट्स मॉडर्निटी: मिलेनियल इंटरवेंशन्स इन रीडिफाईनिंग कोलकाताज़ कलीनरी टोपोग्राफी”, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (16,00,000 रु.)
26. शेरीन साबू, “फोरेजिंग ऐज़ एन ईकोनोमिक सिस्टम: इंडीजिनस नॉलेज, मार्केट इंटीग्रेशन एंड सस्टेनेबिलिटी इन राजस्थान एंड हिमाचल प्रदेश”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान। (18,80,000 रु.)
27. राकेश एम. कृष्णन, “सोशल लाइफ ऑफ ट्राइबल लैंड: अ स्टडी ऑन पोडू, बिलांगिंगनेस एंड माईग्रेशन ऑफ द तेलुगू कोयाज़”, जीआईटीएम विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (17,60,000 रु.)
28. हेमंताजीत गोर्गोई, “अ स्टडी ऑफ फिजीकल कल्चर ऐज़ अ पार्ट ऑफ रिचुअल्स, फेस्टीवल्स एंड सेरेमोनीज़ अमंग तानी ट्राइब्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश”, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (16,70,000 रु.)
29. दुर्गा राव पेडादा, “हेल्थ बिहेबियरल डिटरमिनेंट्स अमंग द विमेन ऑफ रिप्रॉडक्टिव एज इन उत्तर प्रदेश: अ मिक्सड मेथड्स अप्रोच”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
30. नवीन ग़ोवर, “वैलीडेशन ऑफ रिमोट एसेसमेंट ऑफ इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी: प्रमोटिंग हेल्थकेयर इक्विटी फॉर दिव्यांगजन एंड देयर केयरगिवर्स”, मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएस), दिल्ली (एनसीटी)। (19,00,000 रु.)
31. रूषी, “एंपॉवरिंग फैमिलीज़: अ कांप्रीहेंसिव पेरेंट-मीडिएटेड इंटरवेंशन प्रोग्राम टू इंप्रूव कॉगनीशन, सोशल-कम्युनिकेशन, सेंसरी एंड बिहेबियरल ईश्यूज़ इन चिल्ड्रेन विद ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर – एन आरसीटी”, अखिल भारतीय वाक् एवं श्रवण संस्थान (एआईआईएसएच), कर्नाटक। (18,00,000 रु.)
32. ए. चिदंबरम, “डायवर्सिटी, इनक्लूसिवनेस एंड इक्विटी एट वर्कप्लेस एंड एक्सेसेबिलिटी एट एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस फॉर डिसएबलड: एन एम्पीरिकल इनवेस्टिगेशन”, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (यूटी)। (18,00,000 रु.)
33. हितेश कुमार ठक्कर, “एनश्योरिंग एवेलेबिलिटी: द राइट टू इश्योरेंस सर्विसेज़ फॉर पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज़ इन द स्टेट ऑफ गुजरात”, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, गुजरात। (15,20,000 रु.)
34. बी.आर.अलामेलु, “कल्चरल लाइव्ज ऑफ विमेन विद विज़ुअल डिसएबिलिटीज़: अ क्रॉस-रीजनल स्टडी”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
35. श्रुति पांडे, “इंपैक्ट इवेल्यूएशन ऑफ एन एंक्वाएटी एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट मोबाइल एप्लीकेशन फॉर विज़ुअली इंपेयर्ड कॉलेज स्टूडेंट्स”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (18,00,000 रु.)
36. विजय खरे, “एसेसिंग कांटेम्परेरी ग्लोबल इन द इंडो पैसिफिक एंड देयर इंग्लीकेशन फॉर नेशनल सिक्योरिटी”, सावित्रीबाई फुले पूना विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (18,00,000 रु.)
37. अंकुर यादव, “स्पेशियल एंड टेम्पोरल एनालिसिस ऑफ सायबर-फाईनैशियल (साय-फाई) फ्रॉड इन इंडिया”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)

38. कृष्ण कुमार मिश्रा, “रोल ऑफ सायको-सोशल फैक्टर्स इन डिवेलपमेंट ऑफ एंटी-सोशल कॉगनीशन इन अडॉलसेंट्स: द ट्राईडिक रेसीप्रोकल डिटरमिनेंट्स अप्रोच”, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गुजरात। (18,00,000 रु.)
39. मानिकनंदप्रभु एम., “एक्जामिनिंग द इंपेक्ट ऑफ स्क्रीन टाईम ऑन ओवरऑल वेल-बीईंग अमंग यंग एडल्ट्स: अ रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड इंटरवेंशन स्टडी इन उत्तर प्रदेश”, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (18,00,000 रु.)
40. एसलावथ राजकुमार, “प्रमोटिंग मेंटल हेल्थ हैल्प-सीकिंग बिहेवियर एंड रिड्यूसिंग मेंटल हेल्थ स्टिग्मा अमंग ट्राईबल अडॉलसेंट्स: अ स्कूल-बेस्ड मेंटल हेल्थ लिटरेसी इंटरवेंशन”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, छत्तीसगढ़। (15,10,000 रु.)
41. पवन कुमार, “द पर्फॉरमेटिव, एसोटेरिक एंड सोशल-कल्चरल सिग्रीफिकेंस ऑफ रमन: द रिचुअल थियेटर ऑफ गढ़वाल”, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
42. अभिषेक शर्मा, “इंडीजिनस एंड सबजेक्टिव कंसेप्चुएलाइजेशन ऑफ ट्रस्टवर्दीनेस एंड औनेस्टी ऑफ एआई: एक्सप्लोरिंग सायकोलॉजीकल डिसपोजीशन, डिटरमिनेंट्स एंड डीस्किलिंग इंग्लिकेशंस”, सरदार पटेल पोलिस सुरक्षा एवं अपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान। (15,10,000 रु.)
43. युवराज टी., “प्रमोशन ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हार्मनी: कॉग्रेटिव एंड लाईफ स्किल्स इंटरवेंशन टुवर्ड्स प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस, अब्यूज एंड डिसक्रिमिनेशन इन स्कूल्स”, मनोनमण्यम सुंदरानार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (19,00,000 रु.)
44. अमृता देब, “रेजीलिऐंस एंड मेंटल इलनेस: एक्सप्लोरिंग सिस्टैमिक रेजीलिऐंस अमंग एडल्ट्स यूजिंग पार्टीसिपेटरी एक्शन रिसर्च (पीएआर)”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, तेलंगाना। (16,00,000 रु.)
45. मनीषा झा, “डिवेलपमेंट ऑफ अ कल्चर फेयर लोनलीनेस एसेसमेंट स्केल एंड इंटरवेंशन मॉडेल फॉर लोनलीनेस अमंग ओल्डर एडल्ट्स इन इंडिया: अ मिक्सड-मैथड्स स्टडी”, मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएस), दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
46. भास्कर बागची, “रिलेशनशिप बिटवीन जियोपॉलीटिकल रिस्क, क्लाइमेट चेंज एंड अनएंग्लॉयमेंट रेट्स: एविडेंस फ्रॉम इंडिया एंड अदर ग्लोबल ईकोनोमीज”, गौर बंगा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (18,00,000 रु.)
47. शांतनु चक्रवर्ती, “इंडिया एज अ सिविलाइजेशन-स्टेट एंड इट्स इंग्लिकेशंस फॉर हर एंगेजमेंट विद द ग्लोबल साउथ”, नेताजी एशियाई अध्ययन संस्थान (एनआईएस), पश्चिम बंगाल। (18,00,000 रु.)
48. सुजाता एश्वर्या, “स्ट्रेटिजिक इनफ्लूएंस एंड स्टेट्स: अ स्टडी ऑफ इंडियाज रिलेशनल पॉवर विस-अ-विस द यूनाइटेड स्टेट्स इन द इंडो-पैसिफिक एंड वेस्ट एशियन मिनिलेटरल फोरम्स”, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
49. दीपिका सिंह, “इंफ्रास्ट्रक्चरल डिवेलपमेंट इन द नॉर्थ ईस्ट एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप विद भूटान एंड बंगलादेश”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
50. मोहित गर्ग, “कॉन्वर्जेशनल एआई इंटरफेसेज फॉर एकेडेमिक लाइब्रेरीज: बिल्डिंग फ्रेमवर्क एंड एप्लीकेशन यूजिंग ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, दिल्ली (एनसीटी)। (18,50,000 रु.)
51. गजानन बलीराम घायल, “यूज ऑफ ई-रिसोर्सेज इन आयुर्वेदिक मेडीकल कॉलेज लाइब्रेरीज इन महाराष्ट्र स्टेट”, श्रीमती सिंधुताई जाधव कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, मेहकर, महाराष्ट्र। (16,00,000 रु.)
52. विशाल सूद, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय) अंडर स्किल इंडिया मिशन ऑन एंग्लॉयबिलिटी स्किल्स, वर्क एफीशिएंसी एंड प्रॉडक्टिविटी आउटकम्स ऑफ यूथ इन हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (20,13,000 रु.)
53. सुशांत कुमार पांडा, “इंग्लिमेंटेशन ऑफ फोर ईयर अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम (एफवाययूजीपी) थ्रू द लैस ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी”, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (20,00,000 रु.)
54. सुशील कुमार सिंह, “एक्सप्लोरिंग ईसीसीई इन नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट्स विद अ स्पेशल रेफरेंस टू एनईपी 2020: स्टेट्स,

- प्रॉब्लेम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स”, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड। (17,00,000 रु.)
55. आसिया मकबूल, “अचीवमेंट ऑफ एफएलएन गोल्स अंडर (एनआईपीयूएन) निपुण भारत मिशन इन द लाईट ऑफ एनईपी 2020”, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (17,00,000 रु.)
56. देवराजप्पा एस., “डिवेलपमेंट ऑफ करियर रेडीनेस स्किल्स अमंग अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स ऑफ तुमकुर, कर्नाटक”, तुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (16,00,000 रु.)
57. सुधीर सुदाम कावारे, “इंपैक्ट ऑफ सॉफ्टवेयर-असिस्टेड एकेडेमिक मॉनिटरिंग प्रोग्राम (एसएएमपी) फॉर एनहैंसिंग एकेडेमिक प्रोग्रेस ऑफ सेकंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन छत्तीसगढ़”, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), छत्तीसगढ़। (19,00,000 रु.)
58. राहुल त्रिपाठी, “इंडियाज रोल इन शेपिंग ग्लोबल सायबर गवर्नेंस”, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा। (16,00,000 रु.)
59. रवि रंजन चौधरी, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन इनक्लूसिव गवर्नेंस: अ स्टडी ऑफ श्री स्टेट्स एंड वन यूटी (दिल्ली, बिहार, यूपी एंड उड़ीसा)”, दयाल सिंह संध्या महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
60. हर्ष मित्तल, “कंपेयरिंग वैल्यू सर्किट्स एंड गवर्नेंस नेटवर्क्स ऑन ई-वेस्ट इन हैदराबाद एंड देल्ही: सस्टेनेबल इंड्रीकेशंस”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान पिलानी, (हैदराबाद कैपस), तेलंगाना। (19,00,000 रु.)
61. सीताराम कुम्भार, “रिविजिटिंग अर्बन लोकल बॉडीज: अ स्टडी ऑफ लोकल पार्टीसिपेशन एंड चैलेंजेज ऑफ अर्बन गवर्नेंस इन इंडिया”, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (19,00,000 रु.)
62. प्रीति दाहिया, “डायनेमिक्स ऑफ स्टेट पॉलिटिक्स इन इंडिया: मैपिंग द मल्टीप्लीसिटी ऑफ पॉलिटिकल डिसकोर्स”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
63. सुजॉय घोष, “ग्राउंडवर्क फॉर विकसित भारत: सिटीजन-गवर्नेंस इंटरफेस इन इंडिया (1989-2014)”, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (16,50,000 रु.)
64. मोहम्मद अमीन मीर, “द बैक टू विलेज(बी2वी) प्रोग्राम: एनहैंसिंग ग्रासरूट्स डेमोक्रेसी एंड सोशो-ईकोनोमिक डिवेलपमेंट इन जम्मू एंड कश्मीर”, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (17,00,000 रु.)
65. राजदीप राउथ, “पार्टीसिपेशन इन कल्चरल गवर्नेंस: मॉडेल्स, चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज इन इंडियन सिटीज”, वोक्सेन विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (18,00,000 रु.)
66. नागाराजू थोटा, “व्हाट फ्यूल्स वोटर टर्नआउट इन इंडिया? अ डीप डाइव इन्टू हाई एंड लो पार्टीसिपेशन कांस्टीट्यूएंसीज”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान पिलानी (हैदराबाद कैपस), तेलंगाना। (16,00,000 रु.)
67. वर्दा सामभुस, “सोशल एंड पॉलिटिकल थॉट ऑफ अहिल्या बाई होल्कर: अ स्टडी ऑफ द लाईफ एंड वर्क”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
68. सैयद जलील हुसैन, “माइनोरिटीज एंड पॉलिटिकल पार्टीसिपेशन: अंडरस्टैंडिंग द नेचर ऑफ कश्मीरी शिया पॉलिटिक्स एंड इट्स इंपैक्ट ऑन चेंजिंग पॉलिटिकल डिसकोर्स इन जम्मू एंड कश्मीर”, इस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आईयूएसटी), जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (18,00,000 रु.)
69. पायल कंवर चंदेल, “ब्रैकिंग द ग्लास सीलिंग: एक्सप्लोरिंग द चैलेंजेज बिफोर विमेन वाइस-चांसलर्स इन इंडियन यूनीवर्सिटीज”, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा। (16,10,000 रु.)
70. जायरु निशा, “रिविजिटिंग द कंसेप्ट ऑफ विमेन्स बॉडी एंड बर्थ: अ फिनेमेनोलॉजीकल स्टडी ऑफ रिप्रॉडक्टिव फ्रीडम एंड हेल्थकेयर ऑफ मुस्लिम विमेन इन कश्मीर एंड उत्तर प्रदेश”, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
71. शाजिया, “नारी शक्ति एंड वॉटर गवर्नेंस: अ जेंडर्ड अप्रोच टू वॉटर सिक्योरिटी इन कश्मीर”, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (16,00,000 रु.)
72. प्रद्युत गुप्ता, “ब्रिजिंग द डिवाइड: अंडरस्टैंडिंग जेंडर डिसपैरिटी इन स्टेम (एसटीईएम) करियर्स इन इंडिया”, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम। (15,60,000 रु.)
73. रेंजिनी डी., “विमेन वर्क्स इन अर्बन वेस्ट मैनेजमेंट इन सेलेक्ट सर्दर सिटीज इन इंडिया: ऑक्यूपेशनल हैजाईर्स,

- हेल्थ, सायकोलॉजीकल वेल-बीईंग एंड सोशल स्टिग्मा”, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल। (15,10,000 रु.)
74. मोनिका शर्मा, “ग्रोथ इंटेन्शंस ऑफ विमेन-लेड स्टार्ट-अप्स इन द टैक्सटाईल इंडस्ट्री: अ काँप्रीहेंसिव मल्टी-मैथड इन्वेस्टीगेशन इन दू स्टेट्स”, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राजस्थान। (17,00,000 रु.)
75. स्वाति दत्ता, “एसेसिंग काँटीनम ऑफ केयर कंपलीशन फॉर मैटरनल, न्यू बॉर्न एंड चाइल्ड हेल्थ सर्विसेज अक्रॉस जेनरेशंस अमंग विमेन इन ट्राइबल एरियाज ऑफ झारखंड एंड उड़ीसा”, मानव विकास संस्थान, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
76. दीपक कुमार राउतरे, “एन इनसाईट इन्टू मैटरनल मेंटल हेल्थ: अ स्टडी ऑफ अडॉलेसेंट्स मदर्स इन उड़ीसाज ट्राइबल कम्युनिटीज”, ईस्पात स्वायत्त महाविद्यालय, उड़ीसा। (17,00,000 रु.)
77. सीदीप चैटर्जी, “कनवर्जेंट इनफ्रूएस ऑफ मॉर्डन लाइफस्टाइल बिहेबियरल चेंजेज ऑन फिजीकल एक्टिविटी पैटर्न एंड मेंटल हेल्थ ऑफ स्कूल गोईंग चिल्ड्रेन: अ कंपैरेटिव स्टडी इन वेस्ट बंगाल”, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (16,00,000 रु.)
78. संजेनबाम यैफाबा मैतेई, “एसेसिंग द इंग्लिकेशंस ऑफ चाइल्डहुड मैलन्यूट्रीशन ऑन सेल्फ-एस्टीम एंड काँफ़िडेंस फंक्शंस अमंग स्कूल-एज चिल्ड्रेन ऑफ मणिपुर नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (16,00,000 रु.)
79. मनोहर लाल, “सिनर्जिस्टिक इफेक्ट ऑफ योगा एंड एरोबिक ट्रेनिंग ऑन बाँडी कंपोज़ीशन, हार्मोनल रिस्पॉन्स एंड सायकोलॉजीकल पैरामीटर्स ड्यूरिंग डिफरेंट फेजेज ऑफ मैन्सुएशन सायकल इन यंग हैल्दी फीमेल्स”, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (15,50,000 रु.)
80. गुरराम स्त्रीनिवास, “एप्रेजिंग हेल्थ स्टेटस एंड एक्सेस टू हेल्थकेयर सर्विसेज अमंग शिड्यूल्ड कास्ट्स विमेन एंड चिल्ड्रेन इन तेलंगाना, गुजरात एंड दिल्ली”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,50,000 रु.)
81. हुईदरोम सूरज सिंह, “मेटाबोलिक सिंड्रोम(मेटएस) इन प्रेमेन्सी एंड रिस्क फॉर एडवर्स प्रेमेन्सी आउटकम्स: एन इंटरवेंशनल स्टडी”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (16,50,000 रु.)
82. अमरेश सी., “अ ट्रिपल-ब्लाइंड एक्सप्लोरेटरी रैंडमाइज्ड ब्लॉक ट्रायल ऑफ माइन्डफुलनेस पैरेंटिंग प्रोग्राम फॉर मदर्स ऑफ चिल्ड्रेन विद इमोशनल एंड बिहेबियरल सायकेट्रिक डिसऑर्डर्स: कंपेयरिंग फेस टू फेस, हायब्रिड एंड मोबाईल वेब एप्लीकेशन डेलीवरी मैथड्स”, लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (एलजीबीआरआईएमएच), असम। (16,00,000 रु.)
83. जॉयश्री दे, “एंपॉवरिंग हेल्थ फॉर अंडरप्रिविलिज्ड विमेन: एक्सपैंडिंग एक्सेस टू हेल्थकेयर थ्रू आयुष्मान भारत”, असम विश्वविद्यालय, असम। (16,00,000 रु.)
84. धर्मेश्वरी लोरेमबाम, “पर्सपेक्शंस, एटीट्यूड एंड हीलिंग प्रैक्टिसेज टुवर्ड्स मेंटल इलनेस: एन इन-डेपथ इनसाईट इन्टू द नॉलेज सिस्टम्स ऑफ ट्रेडिशनल हीलर्स इन अरुणाचल प्रदेश”, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (16,00,000 रु.)
85. एश्वर राव, “एक्सप्लोरिंग ट्राइबल नॉलेज सिस्टम्स एंड मेडीकल वल्यूज इन कोलोनियल एंड पोस्ट-कोलोनियल आंध्र रीजन”, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (16,00,000 रु.)
86. दीपक कुमार मिश्रा, “डिफ्रेंशिएटेड अडॉप्शंस टू क्लाइमेट चेंज इन माउंटेन इकोनोमीज: अ स्टडी ऑन ईस्टर्न हिमालयाज”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (25,00,000 रु.)
87. सुनील कुमार, “इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेट इंड्यूस्ड एनवायरमेंटल चेंजेज एंड सोश्यो-ईकोनोमिक स्टेटस ऑन एपीडेमिओलॉजी ऑफ स्क्रब टायफस इन हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (15,50,000 रु.)
88. प्रियंका पाठक, “एक्सप्लोरिंग द सायकोलॉजीकल डिटरमिनेंट्स ऑफ फार्मर्स अडॉप्शन ऑफ ओर्गेनिक प्रैक्टिसेज इन द ग्रीन रेवेल्यूशन: अ स्टडी ऑफ एटीट्यूड्स, बिलीफ्स एंड बिहेवियर चेंज”, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, बिहार। (16,00,000 रु.)
89. भारथ गांधु, “इन्वेस्टीगेटिंग बायोगैस डायजेस्टर फैलिअर्स इन हरियाणा एंड आंध्र प्रदेश: इवेल्यूएटिंग इंस्टॉलेशन पोर्टेशियल एंड गैस फ्रॉम अ सोश्यो-ईकोनोमिक एंड एनवायरमेंटल प्रैक्टिसेज”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
90. स्वर्णिमा सिंह, “मशीन लर्निंग इन स्पेशियो-टेंपोरल स्टडी ऑफ ह्यूमन-ड्रिवेन लैंड यूज/कवर रिस्पॉन्स टू क्लाइमेट चेंज:

- अ केस स्टडी ऑफ गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट यूजिंग लैंडसेट टाइम सीरीज़”, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (18,00,000 रु.)
91. प्रभाकर निषाद, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ पैडेमिक रेडीनेस ऑफ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर इन पूर्वांचल रीजन ऑफ भारत: सोल्यूशंस फॉर अटेनमेंट ऑफ सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल 3”, डी.ए.वी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिहार। (15,50,000 रु.)
92. कासी इश्वरप्पा, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन आर्टिस्टिक एंड फोक ट्रेडीशन्स ऑफ ट्राईबल पीपुल ऑफ मध्य प्रदेश”, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), मध्य प्रदेश। (19,00,000 रु.)
93. अनीता रंजन, “एंपॉवरिंग पार्टीकुलर्ली वलनरेबल ट्राईबल ग्रुप्स (पीवीटीजीज़): पॉलिसी फ्रेमवर्क्स एंड कॉप्रिहेंसिव स्ट्रेटेजीज़ फॉर देयर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट एंड इफेक्टिव कांट्रीब्यूशन टू विकसित भारत 2047”, गॉसनेर महाविद्यालय, झारखंड। (17,00,000 रु.)
94. तनुश्री कुंडु, “इंडीजिनस फूड सिस्टम्स एंड फूड सिक्योरिटी: अ स्टडी ऑफ ट्राईबल कम्युनिटीज़ इन झारखंड”, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड। (15,50,000 रु.)
95. रोजी कैमलिंग, “रीकसेप्चुएलआईजिंग इंडीजिनस नॉलेज एंड विमेन्स हेल्थ इन ट्राईबल कम्युनिटीज़ ऑफ सिक्किम: प्रैक्टिसेज़ एंड इंग्लिकेशंस”, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम। (19,00,000 रु.)
96. संदीप जोशी, “नेशनल रुरल लाइवलीहुड मिशन एंड चेंजिंग लाइवलीहुड पैटर्न्स अमंग प्रिमिटिव ट्राईबल विमेन: अ स्टडी इन मध्य प्रदेश”, एम.पी. सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, मध्य प्रदेश। (18,00,000 रु.)
97. पूनम डागर, “एंपॉवरिंग ट्राईबल कम्युनिटीज़: अ कम्युनिटी-बेस्ड ट्रिज़्म अप्रोच इन हिमाचल प्रदेश—स्टेप फॉर विकसित भारत@2047”, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
98. तुफैल चौधुरी, “एजुकेशन अमंग द नोमेडिक ट्राईब्स: द चैलेंजेज़ एंड वे फॉरवर्ड: एन इंटरस्टेट केस स्टडी ऑफ हिमालयन स्टेट्स”, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (19,00,000 रु.)
99. तैलयांग सिराह, “अपतानी मॉडेल फॉर रीएन्फोर्सिंग सोशल कैपिटल एंड लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन थ्रू इनफोर्मल माइक्रोफाईनेंस”, डॉन बॉस्को महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (18,00,000 रु.)
100. एन. सुशील कुमार, “द रोल ऑफ ओरल ट्रेडीशन्स इन प्रिज़र्विंग कोच आईडेंटिटी एंड कल्चर”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
101. सौम्य संकर घोष, “एड्रेसिंग द रोल ऑफ होम लैंग्वेज इन अचीविंग फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमरेसी: अ स्टडी ऑन कोडा/कोरा लैंग्वेज यूजेज़ इन होम एजुकेशन इन द काँटेक्ट ऑफ द निपुण (एनआईपीयूएन) भारत मिशन”, वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश। (15,10,000 रु.)
102. निशीथ राय, “इटीग्रेशन एंड वैलीडेशन ऑफ इंडिजीनियस नॉलेज सिस्टम्स: अ बायो कल्चरल एनालिसिस ऑफ एथेनो-मेडीसिन, एथेनो-प्लांटपैथोलॉजी एंड एथेनो-वेटरनरी प्रैक्टिसेज़ अमंग कोलम एंड माडिया-गॉड पीवीटीजीज़ ऑफ विदर्भ, महाराष्ट्र टुवर्ड्स सस्टेनेबल डिवेलपमेंट”, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (17,00,000 रु.)
103. ए. वती वालिंग, “स्टेयिंग हैल्दी: ट्रेडीशनल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ एंड सोशल ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ इंडियन ट्राईब्स इन अ कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव फॉर पोस्ट-कोविड हेल्थ चैलेंजेज़”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागालैंड। (16,00,000 रु.)
104. दसरथ मुर्मु, “कल्चर्स एंड वर्ल्डव्यूज़ ऑफ संथाल एंड महाली ट्राईब्स इन वेस्ट बेंगाल: अ फिलॉसोफिकल एक्सप्लोरेशन फ्रॉम द वांटेज पॉइंट्स ऑफ देयर ओन्टोलॉजी, एपिस्टोमोलॉजी एंड एथिक्स”, श्री विद्यासागर महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (16,00,000 रु.)
105. श. फ्रांसिस मोनसांग, “डॉक्यूमेंटेशन ऑफ मोनसैंग इंडीजिनस नॉलेज सिस्टम फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, उत्तर प्रदेश। (15,50,000 रु.)
106. एफ विनसेंट राजशेखर, “डॉक्यूमेंटिंग थेवारा स्थलप्रानाज़: कांट्रीब्यूशन्स टू सोश्यो-कल्चरल डिवेलपमेंट इन इंडिया”, लक्ष्मी शिक्षा महाविद्यालय, तमिलनाडु। (16,00,000 रु.)
107. अभिरुचि ओझा, “बिल्डिंग जेंडर एंड डिसएबिलिटी सेंसिटिव एआई सिस्टम्स: डिवेलपिंग द ‘डिजाइनर-डिवेलपमेंट-डिप्लॉयमेंट’ (3डी) एआई अकाउंटैबिलिटी मॉडेल फॉर इंडिया”, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)

108. मनोहर कुमार, “पॉलिटिकल थ्योरी ऑफ एआई: डिवेलपिंग पाथवेज एंड पॉलिसीज टुवर्ड्स रिस्पांसीबल फ्यूचर्स”, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रबंधन संस्थान, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
109. राज किशोर पात्रा, “एक्सप्लोरिंग द प्रैक्टिकल एंड एथिकल चैलेंजेज ऑफ इंटील्लिजेंस कांशियेसनेस इन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस” राजेन्द्र विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (16,00,000 रु.)
110. अनिदिता साहू, “नेवीगेटिंग वॉइस टू एक्सप्लोर कम्प्युनिकेशन स्ट्रैटेजीज: अ क्रॉस-लिंग्विस्टिक स्टडी ऑफ सेलेक्ट इंडो आर्यन एंड द्रावीडियन लैंग्वेजेज”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, तमिलनाडु। (17,00,000 रु.)
111. कुंचम वेंकना, “एंपॉवरमेंट थ्रू लैंग्वेज: रोल ऑफ ईंग्लिश लैंग्वेज ऑन कोया ट्राईबल विमेन्स सोश्यो-ईकोनोमिक स्टेटस”, तेलंगाना जनजातीय कल्याण आवासीय डिग्री पुरुष महाविद्यालय, तेलंगाना। (16,00,000 रु.)
112. सयैदा फातिमा जहारा जाफरी, “एक्सप्लोरिंग द लैंग्वेज एंड कल्चरल हेरीटेज ऑफ द पहाड़ी कम्प्युनिटी इन रजौरी एंड पुंछ डिस्ट्रिक्ट्स, जम्मू एंड कश्मीर”, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब। (17,00,000 रु.)
113. सरिता शर्मा, “डिवेलपमेंट ऑफ फर्स्ट एवर इंडियन साईन लैंग्वेज (आईएसएल) एक्सेसीबल लिंग्विस्टिक ग्लोसरी ऑफ श्रीमद् भगवद् गीता टर्म्स फॉर पर्सन्स विद हियरिंग इम्पेयरमेंट (दिव्यांगजन)”, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूआरएजे), राजस्थान। (19,00,000 रु.)
114. राज कुमार प्रसाद, “मध्यकालीन प्रेमाख्यान में निर्मित भारतीय संस्कृति, सत्ता, संरचना और लैंगिक अर्थ-संदर्भों का अध्ययन”, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
115. मुन्नी चौधरी, “नागालैंड में हिंदी भाषा शिक्षा: समस्याएं और संभावनाएं”, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड। (17,00,000 रु.)
116. हरी माधव रे, “रिविजिटिंग लैंग्वेजेज एंड कल्चर ऑफ द राजबंशीज”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
117. प्रशांत शाही, “कन्टेक्चुएलाईजिंग द आईडियाज ऑफ ऑर्गेनाईजेशन: फाउंडिंग अ भारतीय पर्सपेक्टिव ऑफ एथिकल गवर्नेंस”, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (20,00,000 रु.)
118. ज्ञान रंजन स्वैन, “एक्सपीरियेंसिंग डिजास्टर गवर्नेंस इन इंडिया: अ कंपरेटिव स्टडी ऑफ गुजरात, केरल, उड़ीसा एंड असम”, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (15,10,000 रु.)
119. राजश्री पाढ़ी, “एन एसेसमेंट ऑफ द इंग्लीमेंटेशन स्टेटस ऑफ पॉलिसी ऑन सेक्सुअल हैरामेंट ऑफ विमेन एट वर्कप्लेस: अ केस स्टडी ऑफ सेलेक्टेड हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस ऑफ फोर डिफरेंट जोन्स ऑफ इंडिया” झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड। (15,50,000 रु.)
120. डी. चंद्रमौली रेड्डी, “फ्रॉम मार्जिन्स टू मेनस्ट्रीम: पॉलिसी इंटरवेंशंस फॉर येरुकला (पीवीटीजी) ट्राईबल विमेन्स सोश्यो-ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट इन आंध्र प्रदेश”, श्री कृष्णदेव राया विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (16,50,000 रु.)
121. स्मिता अग्रवाल, “वॉटर सिक्योरिटी इन अर्बन एरियाज ऑफ नालंदा डिस्ट्रिक्ट: अ केस स्टडी ऑफ गंगा अपलिफ्ट केनाल प्रोग्राम”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
122. आशुतोष कुमार, “गिरमिटिया भारतीय: ग्लोबल हिंदूइज्म एंड कल्चरल आईडेंटिटी”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (18,00,000 रु.)
123. रक्षदा, “माईग्रेशन, डायसपोरा एंड सोश्यो-ईकोनोमिक डिवेलपमेंट: स्ट्रैथनिंग टाईज इन इंडिया एंड गल्फ कॉ-ऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) कंट्रीज”, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
124. एम.एस.जयाकुमार, “चेंजिंग इमीग्रेशन अक्रॉस जेनरेशंस: अ स्टडी ऑन इमीग्रेंट हाउसहोल्ड्स इन केरल”, केरल विश्वविद्यालय, केरल। (16,50,000 रु.)
125. प्रवत रंजन सेठी, “कल्चरल कांटीन्यूटीज एंड ईकोनोमिक पाथवेज: कलिंगा एम्पायर्स डायसपोरा, मैरीटाईम ट्रेड, रेमीटेंसेज एंड कल्चरल रिटेंशन इन द ईकोनोमिक एंड सोशल डिवेलपमेंट ऑफ भारत”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (16,50,000 रु.)
126. भार्गवी डी. हेमीगे, “ऑडिएंस पर्सपेक्टिव ऑफ मन की बात एंड इट्स रोल इन पॉलिटिकल सोशलआईजेशन”, जैन मानद विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (18,00,000 रु.)
127. वंशी कृष्णा रेड्डी वेमीरेड्डी, “अनैवलिंग डिजिटल क्रिएटिव ईकोनोमी: डायनेमिक्स ऑफ यूट्यूब प्रोडक्शन कल्चर्स इन रूल तेलंगाना”, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (15,50,000 रु.)

128. अंजनी कुमार झा, “ब्रिजिंग पॉलिसी एंड पीपुल: अ स्टडी टू अंडरस्टैंड द रोल ऑफ मीडिया इन एडवांसिंग गवर्मेंट इनीशिएटिव्स टू एंफोर्स संथाल ट्राईब ऑफ ईस्टर्न स्टेट्स (स्पेशल रेफरेंस टू बिहार, झारखंड, वेस्ट बंगाल एंड उड़ीसा)”, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार। (16,00,000 रु.)
129. बूबालाकृष्णन, “द नैरेटिव्स ऑफ एजिंग: एक्सप्लोरिंग ओल्डर एडल्ट्स एंजमेंट्स इन द मीडिया एंड सोशल एनवायरमेंट”, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (17,50,000 रु.)
130. अजय कुमार पांडा, “जेंडर-इनक्लूसिव सोशल ऑटोप्रेन्योरशिप: रोल ऑफ फॉर्मल एंड इनफॉर्मल इंस्टीट्यूट्स एंड इनोवेशन-इनसाइट्स फ्रॉम इंडिया एंड ग्लोबल कंपेरिजन्स”, भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र। (16,00,000 रु.)
131. च.इबोहल मैतेई, “स्टार्ट-अप्स एंड ऑटोप्रेन्योरशिप ईको-सिस्टम इन मणिपुर: अ स्टडी ऑन सेलेक्टेड स्टार्ट-अप यूनिट्स”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (16,00,000 रु.)
132. सतिंदर कुमार, “रोल ऑफ सोशल मीडिया यूजेज ऑन एकेमेडीशियंस जॉब परफोमेंस”, पंजाबी विश्वविद्यालय, पंजाब। (18,00,000 रु.)
133. एजाज अकबर मीर, “इंपेक्ट ऑफ आंट्रोप्रेन्योरियल फैलियर ऑन मेंटल हेल्थ एंड फैमिली रिलेशनशिप्स इन जम्मू एंड कश्मीर”, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (15,58,000 रु.)
134. राधिका पी.सी., “एंफोवरींग विमेन ऑटोप्रेन्योर्स इन टूरिज्म: अ मल्टीटास्क होल्डर एनालिसिस ऑफ द इंडीपेंडेंशन एंड इंपेक्ट ऑफ स्वदेश दर्शन एंड प्रसाद स्कीम्स इन केरल एंड कर्नाटक”, राजागिरी सामाजिक विज्ञान स्वायत्त महाविद्यालय, केरल। (17,00,000 रु.)
135. रुद्रअप्पा शशिधर, “इंपेक्ट ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (ईवी) सेगमेंट ऑन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री: अ स्टडी ऑन कंज्यूमर अडॉप्शन, मार्केट बिहेवियर, अर्बन मोबिलिटी, सोश्यो ईकोनोमिक बेनेफिट्स”, दावनगरे विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (16,00,000 रु.)
136. अनूप के.के., “इंपेक्ट ऑफ फिनटेक इन बिजनेस ऑटोप्रेन्योरशिप: अ स्टडी अमंग नैनो ऑटोप्रेन्योर्स इन केरल”, केरल मत्स्य एवं सागर अध्ययन विश्वविद्यालय, केरल। (17,00,000 रु.)
137. अर्चना श्रीवास्तव, “इंडियन फर्म्स इन ग्लोबल वेल्थू चेन्स: सेक्टरल एनालिसिस यूजिंग प्राइमरी सर्वे”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान पिलानी, (हैदराबाद कैम्पस), तेलंगाना। (17,50,000 रु.)
138. अभिजीत दत्ता, “डिजिटल इंडिया एंड द परफोमेंस ऑफ विमेन-ड्रिवेन माईक्रो-एंटरप्राइजेज: एन इंपेक्ट इवेल्यूएशन स्टडी ऑन सिक्किम”, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम। (17,00,000 रु.)
139. श्रवण के., “ईकोनोमिक इंपेक्ट्स ऑफ थेय्यम फेस्टीवल्स ऑन लोकल कम्युनिटीज इन केरला: द केस ऑफ कन्नूर एंड कासरगोड डिस्ट्रिक्ट्स”, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल। (18,00,000 रु.)
140. आर. कविता, “कान्टीफाईंग एंड रिड्यूसिंग प्री एंड पोस्ट-कंज्यूमर फूड वेस्ट इन रेस्टोरेंट्स: एनालायजिंग की ड्राईवर्स, कंज्यूमर बिहेवियर एंड सस्टेनेबल स्ट्रेटेजीज फॉर इफेक्टिव फूड वेस्ट मैनेजमेंट”, पेरियार विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (16,00,000 रु.)
141. पूनम सेठी, “एक्सप्लोरिंग द इंपेक्ट ऑफ ईको टूरिज्म इन हिमाचल प्रदेश: अ विजन फॉर विकसित भारत@2047”, हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
142. डी. चैनप्पा, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ द स्वदेश दर्शन स्कीम इन तेलंगाना स्टेट विद स्पेशल रेफरेंस टू ईको, ट्राईबल एंड हेरीटेज टूरिज्म सर्किट्स”, उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (18,00,000 रु.)
143. देवी बरुआ, “फिनटेक अडॉप्शन अमंग एमएसएमईज इन अरुणाचल प्रदेश एंड त्रिपुरा”, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (16,00,000 रु.)
144. प्रियंका भास्कर, “एथेनो-टूरिज्म डिवेलपमेंट थ्रू ट्राईबल नॉलेज सिस्टम: अ मीडिएटिंग अप्रोच फॉर ईकोनोमिक डिवेलपमेंट ऑफ इंडीजिनस कम्युनिटीज इन राजस्थान”, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान। (17,00,000 रु.)
145. वेकेटेश्वरा राव भनोतु, “इंपेक्ट ऑफ डिजिटल फाईनेंशियल सर्विसेज ऑन ट्राईबल लाइवलीहुड: अ स्टडी ऑफ फिनटेक अडॉप्शन इन छत्तीसगढ़”, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़। (15,75,000 रु.)
146. रतन करुनिता, “प्रमोटिंग कल्चरल टूरिज्म इन नागालैंड: एक्सप्लोरिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ कल्चरल

- टूरिज्म ऑन द लोकल कम्युनिटी”, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड। (16,50,000 रु.)
147. सुशीला कुमारी सोरिया, “एंफॉवरिंग एमएसएमई थ्रू फिनटेक सोल्यूशंस: एन एम्पीरिकल स्टडी इन हरियाणा स्टेट”, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा। (17,00,000 रु.)
148. ब्रह्म प्रकाश सिंह, “संस्कृति(कल्चर)-प्रकृति(नेचर)—कृषि(एग्रीकल्चर)-काँटीनम: कल्चर एंड ईकोलॉजी इन द नेचर एंड हार्वेस्ट फेस्टीवल्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
149. वेंकट राम रेड्डी मिनामपती, “काँट्रीब्यूशन ऑफ रुल विमेन टू द इंडीजिनस हैंडलूम वीविंग प्रैक्टिसेज़: स्टडींग देयर प्रोबेबिलिटी टू ग्रो एज़ रुल ऑटोप्रेन्योर”, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गुजरात। (16,00,000 रु.)
150. अवनेश कुमार सिंह, “प्रोसपेक्ट्स ऑफ सस्टेनेबल रुल टूरिज्म इन द ब्रज प्रिलग्रिमेज रीजन”, धर्म समाज महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
151. राजेश आचार्य एच., “रुल-अर्बन कैजुअल लेबर माईग्रेशन एंड एनर्जी पॉवर्टी: हाउसहोल्ड-लेवल एविडेंस”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक। (17,00,000 रु.)
152. अविजीत सहाय, “15 मिनट सिटी प्रोजेक्ट: अ स्टडी ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट एक्सेसेबिलिटी इन देहरादून सिटी”, दून विश्वविद्यालय, उत्तराखंड। (24,00,000 रु.)
153. सुरेन्द्र पी., “डायनेमिक्स ऑफ अर्बन ईकोलॉजीकल सिम्योरिटी एंड इट्स रेजीलिएंस: अ केस स्टडी ऑफ बैंगलुरु मेट्रोपोलेटन रीजन, कर्नाटक”, बैंगलुरु विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (21,00,000 रु.)
154. नचिकेत शरदचंद्र गोसावी, “प्रोफाईलिंग मेट्रोपोलेटन सिटीज़ ऑफ इंडिया विद रिसपेक्ट टू एक्सेस टू एंफ्लॉयमेंट: अ सिंथेसिस”, सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान, गुजरात। (19,00,000 रु.)
155. अभय कृष्ण सिंह, “डिक्लाइन ऑफ ब्ल्यू-ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इट्स इंपेक्ट ऑन हायड्रोक्लाईमेटिक डायनेमिक्स एंड लाइवलीहुड्स ऑफ बीजीआई-डिपेंडेंट कम्युनिटीज़ इन रांची एंड इट्स सिटी रीजन, 1974-2024: अ जियोस्पेशियल-असिस्टेड फ्रेमवर्क फॉर सस्टेनेबल बीजीआई नेटवर्क”, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, झारखंड। (16,00,000 रु.)
156. प्रवीण प्रकाश कोकाने, “विजन प्रॉब्लम्स एंड एजुकेशनल अटेनमेंट अमंग चिल्ड्रेन: अ केस स्टडी ऑफ नागपुर डिस्ट्रिक्ट इन विदर्भा डिवीजन ऑफ महाराष्ट्र”, मुंबई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (16,00,000 रु.)
157. दुरदानाह मडू, “एसेसमेंट ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड जेंडर डायनेमिक्स इन कश्मीर वैली यूजिंग अ सोशो-जियोग्राफिकल अप्रोच”, शासकीय महिला महाविद्यालय, सोपोर, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (17,00,000 रु.)
158. बेंजामिन एल. सैतलुआंगा, “एक्सेसेबिलिटी, साईट सुटेबिलिटी एंड पॉटेंशियल ऑफ वॉटर रिसोर्स फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड प्लानिंग इन मिजोरम”, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम। (18,00,000 रु.)
159. मानश ज्योति भूयान, “रुल वॉटर इनसिक्योरिटी एंड लाइवलीहुड वलनैबिलिटी: एक्सप्लोरिंग कम्युनिटी रेजीलिएंस एंड अडॉप्शन इन अ सेंट्रल ब्रह्मापुत्रा वैली डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम इंडिया”, नाओगोंग कन्या महाविद्यालय, असम। (19,00,000 रु.)
160. उज्जल देका बरुआ, “जियोग्राफिकल इंडीकेशनस: प्रमोटिंग सस्टेनेबिलिटी एंड ट्रेडीशनल नॉलेज इन असम”, कॉटन विश्वविद्यालय, असम। (20,00,000 रु.)
161. सुभाष चंद्र, “धर्म मंजूषा: डिवेलपमेंट ऑफ अ कॉन्सेप्ट माईनिंग डिजिटल प्लैटफॉर्म फॉर धर्मशास्त्रिक नॉलेज ट्रेडीशन”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,10,000 रु.)
162. ललित पांडे, “भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेदिक सैन्य चिकित्सा: समसामायिक सैन्य-चिकित्सालयों में आयुर्वेदीय जीवन-विज्ञान के अनुप्रयोग एवं पुनःप्रतिष्ठा”, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
163. विजेंद्र सिंह, “अ काँप्रीहेंसिव स्टडी टू प्रमोट एंड एस्टैब्लिश एविडेंस-बेस्ड टीचिंग स्किल्स इन योगा एंड आयुर्वेद”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,10,000 रु.)
164. दया शंकर तिवारी, “गणितीय अवधारणाओं का अन्वेषण: वेद-वेदांग के आलोक में”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (15,50,000 रु.)
165. प्रसून दत्त सिंह, “संस्कृतवांडमय में वर्णित भारतवर्ष के सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के तात्कालीन एवं वर्तमान स्वरूपों की तुलनात्मक विवेचना”, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार। (15,10,000 रु.)

166. निरंजन बी. पूजार, “स्वराज एज मॉडेल फॉर डिक्लोनाइज्ड होलिस्टिक डिवेलपमेंट: क्राफ्टिंग इंडिक डिवेलपमेंट इन्डिक्स रुटेड इन भारतीय फिलॉसोफी”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (15,25,000 रु.)
167. नीलम कुमारी, “इनोवेशन इन एग्रीकल्चर रिलेटेड टू ईको-फ्रेंडली एग्रीकल्चरल प्रैक्टिसेज फॉर सोईल एंड पेस्ट मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन रुरल ट्राईबल रीजन ऑफ हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (15,10,000 रु.)
168. जिनेश कुमार जैन, “चैलेंजेज टू सर्कुलर ईकोनोमी अडॉप्शन इन हैंडीक्राफ्ट एमएसएमईज ऑफ राजस्थान: अ सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स एनालिसिस”, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, राजस्थान। (15,10,000 रु.)
169. ब्रजेश कुमार पांडे, “रिवाइविंग इंडीजिनस नॉलेज फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑन ईकोनोमिक रेजीलियंस थ्रू संस्कृत एंड इंडिक टेक्स्ट इंटीग्रेशन”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
170. ज्योति कुमारी, “द रोल ऑफ अल्टरनेटिव डेटा इन एक्पैडिंग द क्रेडिट एक्सेस: अ स्टडी ऑफ फिनटेक इनोवेशंस इन इंडिया”, आईएफएमआर स्नातक व्यापार विद्यालय (जीएसबी), आंध्र प्रदेश। (15,50,000 रु.)
171. मनोज कुमार, “एसेसिंग द इंपैक्ट ऑफ पीएम-किसान सम्मान निधि ऑन फार्मर्स वेल-बीईंग: माईक्रो-लेवल इनसाइट्स फ्रॉम ईस्टर्न उत्तर प्रदेश”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
172. सुशील कुमार राय, “आईडेंटिफाईंग इनेबलर्स फॉर ग्रीन ट्रांज़ीशन ऑफ एमएसएमईज इन इंडिया”, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड। (16,00,000 रु.)
173. अनुराधा नराला, “सोश्यो-ईकोनोमिक एनालिसिस एंड स्ट्रेटेजिक ऑप्शंस टू एनहैंस स्मॉल मिलेट्स कल्टीवेशन फॉर न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी इन इंडिया”, आईसीएआर-भारतीय कदन्न संस्थान, तेलंगाना। (15,50,000 रु.)
174. त्सेरिंग यांगज़ोम, “डिटर्मिनेंट्स एंड कांस्ट्रेंट्स ऑफ लाइवलीहुड डायवर्सिफिकेशन इन द यूनियन टैरीटरी ऑफ लद्दाख: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ लेह एंड कारगिल डिस्ट्रिक्ट्स”, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी) (16,00,000 रु.)
175. प्रशांत अर्वे, “अ सोश्यो-ईकोनोमिक इंपैक्ट एसेसमेंट ऑफ जीओआईज स्कीम्स एनैबलिंग ईज ऑफ लिविंग इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश”, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
176. अनिर्बान सेनगुप्ता, “कंजर्वेशन एंड लाइवलीहुड्स इन हार्मनी: अ मल्टी-स्टेकहोल्डर पर्सपेक्टिव ऑन ईको-टूरिज्म इन नॉर्थईस्ट इंडिया”, भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया, बिहार। (15,50,000 रु.)
177. राजेश कुमार जांगीर, “कंजर्विंग द क्लाइमेट: एक्सप्लोरिंग एमएसएमई सेक्टरस स्टान्स फॉर क्लीन एनर्जी ट्रेड इन दिल्ली एनसीआर”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
178. लालरिन सांगपुई, “ईकोनोमिक एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी ऑफ ऑयल पाम कल्टीवेशन इन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया”, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मिजोरम। (15,20,000 रु.)
179. रुजीथा टी.आर., “नेवीगेटिंग द प्लैटफॉर्म ईकोनोमी: एनालायजिंग चैलेंजेज एंड द नीड फॉर अ कांप्रीहेंसिव पॉलिसी फ्रेमवर्क”, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (15,10,000 रु.)
180. आर. गौहर रसूल, “एसेसिंग द अडॉप्शन ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस इन एमएसएमईज: ड्राइवर्स, बैरियर्स एंड इकोनोमिक इंपैक्ट्स”, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (15,10,000 रु.)
181. कैरोलिन वनलालहआति, “एंपॉवरिंग इंडीजिनस स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ मिजोरम एंड नागालैंड थ्रू द पीएम स्वनिधि स्कीम: अ पाथवे टू विकसित भारत 2047 फॉर इनक्लूसिव डिवेलपमेंट”, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम। (16,00,000 रु.)
182. रंजीत सिल, “ट्राईम-बैंकिंग-एन अल्टरनेटिव करेंसी मॉडल टू रेंडर सोशल वेलफेयर टू वलनरेबल सेक्शंस: अ सोश्यो-लीगल स्टडी ऑफ स्टेट्स – असम एंड मेघालय”, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, मेघालय। (20,00,000 रु.)
183. अरविंद जसरोटिया, “कांस्टीट्यूशनल रिफॉर्म्स एंड मार्जिनलाइज्ड ग्रुप्स: अ सोश्यो-लीगल एनालिसिस इन रीऑर्गेनाइज्ड जम्मू एंड कश्मीर”, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (22,00,000 रु.)

184. जी. इंदिरा प्रियदर्शिनी, “चिल्ड्रेन इन द डिजिटल वर्ल्ड: इंटरवेंशंस मॉडल्स फॉर सिक्वोरिंग राईट्स एंड वेल-बीईंग”, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (16,00,000 रु.)
185. सचिन शर्मा, “एसेसिंग डिसएबिलिटी पॉलिसिज एंड लैजिसलेशन: केस स्टडीज फ्रॉम हिमाचल प्रदेश एंड उत्तराखंड”, राष्ट्रीय हिमाचल प्रदेश विधि विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (20,00,000 रु.)
186. रंजना मुखोपाध्याय, “द इंडियन नॉलेज सिस्टम इन जापान: सोशल, कल्चरल एंड हिस्टोरिकल कनेक्शन एंड कंटेम्पॉरी रिलेवेंस”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (17,00,000 रु.)
187. प्रणव कुमार, “सिविलाइजेशन कांशियसनेस एंड विकसित भारत: एन एसेसमेंट अबाउट द अवेयरनेस ऑफ द ‘ग्रेटर इंडिया’ कांसेप्ट अमंग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
188. विक्रम बंसल, “एक्सप्लोरिंग द भारतीय मैनेजमेंट मैक्सिमस थ्रू ‘दसबोध’ ऑफ समर्थ रामदास स्वामी एंड देयर रिलेवेंस इन कंटेम्पॉरी भारत”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (18,00,000 रु.)
189. ऋचा चोपड़ा, “निष्काम सेवा (सेल्फलैस सोशल सर्विस) इन सनातन धर्मा: एन इंडिक मॉडेल फॉर मेनस्ट्रीम सोशल वर्क”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खडगपुर, पश्चिम बंगाल। (16,50,000 रु.)
190. सिम्मी वशिष्ठ, “इंटीग्रेटिंग कौटिल्याज अर्थशास्त्र इंटू मेनस्ट्रीम पेडागॉजी: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन एनहेंसिंग गवर्नेंस एजुकेशन इन सेलेक्टेड मैनेजमेंट स्कूल्स”, दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
191. अरुण एस. खराट, “एन्सैबल एक्सप्लोरेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशनल नॉलेज एंड मॉडर्न मेडीसिन फ्रॉम हिमालया एंड सब-हिमालया फॉर कैंसर एंड एंटीमाइक्रोबियल रीमेडीज: अ ट्राइबल हीलर्स एंड मॉडर्न साइंटिस्ट्स जॉइंट वेंचर”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (20,00,000 रु.)
192. विजय सारदे, “नाथ संप्रदाय इन महाराष्ट्र: एथेनोग्राफिक, स्कल्पचरल एंड टेक्सचुअल इनसाईट्स इंटू अ लिविंग ट्रेडीशन”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (16,00,000 रु.)

लघु

1. ज्योतर्मयी कूकात्ला, “डिजिटल मीडिया एंड कल्चरल ट्रांसफॉर्मेशन: एनालायजिंग द इनफ्लूएस ऑन ट्रेडीशनल वैल्यूज ऑफ रुरल आंध्र प्रदेश”, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (10,00,000 रु.)
2. उमंग गुप्ता, “विकसित भारत एंड इनफ्लूंसिव ग्रोथ: एड्रेसिंग रीजनल डिसपैरिटीज इन विमेन एंपॉवरमेंट थ्रू कम्युनिटी रेडियो इन टोंक, राजस्थान”, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान। (9,00,000 रु.)
3. पालुरी भारथी, “रिडिस्कवरींग तेलंगानाज अनडॉक्यूमेंटेड फोकलोर: एन एथेनोग्राफिक एक्सप्लोरेशन ऑफ ओरल ट्रेडीशंस, रिचुअल्स एंड कल्चरल नैरेटिव्स”, सेंट एन्स महिला महाविद्यालय, तेलंगाना। (9,00,000 रु.)
4. ओइनम बेदाजीत मैतेई, “द सोशो-कल्चरल इंपैक्ट ऑफ रिवाइडिंग यूट्यूब कंटेन्ट क्रिएटर्स इन विकसित भारत: अ केस स्टडी ऑफ नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड 2024”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (9,00,000 रु.)
5. सनोज स्टीफन हेमब्रोम, “रिफ्लेक्शंस ऑन इंडीजिनस मीडिया एंड सिनेमा: एक्सप्लोरिंग द कल्चरल, ईकोनोमिक एंड पॉलिटिकल सिग्निफिकेंस ऑफ संथाली फिल्मस”, संथाल परगना महाविद्यालय, झारखंड। (10,50,000 रु.)
6. मधुमिता आचारजी, “एसेसिंग द इंग्लिमेंटेशन ऑफ द पैरा-लीगल वॉल्यूंटिअर्स स्कीम (2009) विद रेफरेंस टू मैटरनल हेल्थ अमंग टी गार्डन वर्कर्स इन असम”, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम। (10,00,000 रु.)
7. मंजीत सिंह, “बियांड द पेवमेंट: एंपॉवरिंग द स्ट्रीट वेंडर्स थ्रू लीगल ऐड एंड अवेयरनेस इनीशिएटिव्स”, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब। (3,74,000 रु.)
8. श्रीपद श्रीधर देसाई, “द इंपैक्ट ऑफ मैरीटल कॉन्फ्लिक्ट्स ऑन फैमिली स्ट्रक्चर्स: इनसाईट्स फ्रॉम वेस्टर्न महाराष्ट्रज फैमिली कोर्ट्स”, देशभक्त रतनअप्पा कुंभार वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त), महाराष्ट्र। (12,00,000 रु.)
9. लिजी सैम्युल, “फिफ्टीन ईयर्स ऑफ नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल: डिवेलपमेंट, इंपैक्ट एंड चैलेंजेज”, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल। (9,00,000 रु.)
10. प्रीति चौधुरी, “बियांड द स्मॉग: एसेसिंग पॉलिसी एफिक्सी एंड चैलेंजेज ऑफ अर्बन गवर्नेंस इन मिटीगेशन ऑफ एयर

- पॉल्यूशन इन सिटी ऑफ लखनऊ”, बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (10,00,000 रु.)
11. तृप्ति सिंह, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ मिड-डे मील स्कीम इन स्कूल्स ऑफ बुंदेलखंड रीजन ऑफ मध्य प्रदेश”, भारतीय पीडीपीएम सूचना प्रौद्योगिकी प्रारूप एवं उत्पादन संस्थान (पीडीपीएम आईआईआईटीडीएम), मध्य प्रदेश। (10,00,000 रु.)
 12. हरीश दत्त, “कंपैरेटिव एनालिसिस ऑफ एनजीटी इंटरवेंशंस ऑन एयर पॉल्यूशन इन देल्ही: सक्सेज़ स्टोरीज़ वर्सेज़ फैलियर्स”, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (9,00,000 रु.)
 13. लेनिन गोगोई, “द एसेसमेंट ऑफ यूथ एंपॉवरमेंट थ्रू स्वामी विवेकानंद असम यूथ एंपॉवरमेंट (एसवीएवायईएम) स्कीम इन असम”, डिब्रू महाविद्यालय, असम। (9,50,000 रु.)
 14. रोहित भास्कर जाधव, “एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ पीडीएस सिस्टम इन प्रोवाईडिंग फूड सिक्योरिटी इन इंडिया”, महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (9,50,000 रु.)
 15. रामचंद्र रजाक, “अवधी लोक साहित्य में भारतीय ज्ञान परम्परा का अनुशीलन”, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार। (9,00,000 रु.)
 16. श्रीधर हरीश कुमार, “ब्रिजिंग मायथोलॉजी एंड रेशनेलिटी: फिलॉसोफिकल, एथीकल एंड साईंटिफिक डिसकोर्स इन अष्टदशा पुराणाज”, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, तेलंगाना। (9,10,000 रु.)
 17. ज्योत्सना, “अ स्टडी ऑन इफेक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन फेस्टीवल्स, रिचुअल्स एंड कल्चरल आईडेंटिटी ऑफ गद्दी जनजाति ऑफ हिमाचल प्रदेश”, गुरु कृष्ण विश्वविद्यालय, पंजाब। (9,00,000 रु.)
 18. बिभूती भूषण दास, “फोरेस्ट-बेस्ड लाइवलीहुड मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल ट्राइबल डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑन पर्टीकुलर्ली वलनेबल ट्राइबल कम्युनिटीज़ इन उड़ीसा”, बेटनोती डिग्री महाविद्यालय, उड़ीसा। (13,00,000 रु.)
 19. महिमा राज सी., “कम्युनिटी नॉलेज सेंटर्स एज़ रिपॉजिटरीज़ फॉर डिजिटल आर्काइविंग ऑफ ट्राइबल नॉलेज सिस्टम्स: एक्सप्लोरिंग फ्रेमवर्क्स फॉर इंडीजिनस नॉलेज प्रिजर्वेशन एंड डिस्सेमिनेशन – द केस ऑफ कर्नाटक”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (9,00,000 रु.)
 20. सोहिनी रॉय, “लिंगिंग न्यूट्रीशन, ईकोनोमी एंड ईकोलॉजी: अ स्टडी ऑन द ईकोनोमिक प्रोफाईल, इंडीजिनस फूड डिपेन्डेंसी एंड न्यूट्रीशनल स्टेटस इन द ट्राइबल पॉप्यूलेशन इन कुमीरमारी आईलैंड, सुंदरबन्स, वेस्ट बंगाल”, कलकत्ता महिला महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (11,00,000 रु.)
 21. तानुका चैटर्जी, “एंपॉवरिंग पीवीटीज़, ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया: अ स्टडी गॉजिंग द कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ सस्टेनेबिलिटी बाय पीएम-जनमन स्कीम टू द बीरहोर ट्राइबल कम्युनिटी”, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (4,00,000 रु.)
 22. नुषार बाग्यारी, “अ हिस्टॉरिकल एनालिसिस ऑफ ट्रेडीशनल ईकोलॉजीकल नॉलेज सिस्टम ऑफ द बोडोज ऑफ असम”, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, असम। (8,00,000 रु.)
 23. रैचल काबी, “इंपेक्ट ऑफ द एथेनिक कॉन्फ़्लिक्ट ऑन द सायको-सोशल वेल-बीईंग ऑफ द यूथ इन मणिपुर”, गिरिजानंद चौधुरी विश्वविद्यालय, असम। (10,00,000 रु.)
 24. सम्राट श्रीवास्तव, “अनरैवलिंग द वर्ली आर्ट एंड द इंपेक्ट ऑफ कमर्शियलाइजेशन ऑन वर्ली-ट्राइब – एन आदिवासी कम्युनिटी”, केईएस बीके श्राफ कला महाविद्यालय एवं एमएच श्राफ वाणिज्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (10,00,000 रु.)
 25. जिज्ञासा मीणा, “एनालायजिंग फेयर्स एज़ साइट्स ऑफ कल्चरल कनेक्शंस एंड सोश्यो-ईकोनोमिक चेंज अमंग ट्राइबल कम्युनिटीज़: अ स्टडी ऑफ बेनेश्वर फेयर इन राजस्थान”, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान। (9,00,000 रु.)
 26. नर्मदा हिदांगमायम, “सायको-सोशल स्ट्रेसर्स अमंग सिंगल मदर्स इन मेघालय”, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मेघालय। (8,50,000 रु.)
 27. दलीप सिंह, “इंफ्लुमेंटेशन ऑफ असिस्टिव टेक्नोलॉजीज़ फॉर दिव्यांगजन इन सेलेक्टेड सेंट्रल यूनिवर्सिटीज़ ऑफ इंडिया”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (10,00,000 रु.)
 28. राजेंद्रकुमार रमेशभाई बंभानिया, “गुजराती साहित्य में दिव्यांग विमर्श: एक बहुविषयक अध्ययन (दिव्यांग डिसकोर्स इन गुजराती लिटरेचर: अ मल्टीडिसिप्लीनरी स्टडी)”, आर.आर. लालन महाविद्यालय, गुजरात। (4,00,000 रु.)
 29. बैकुंठ रॉय, “डिसएबिलिटी डिवाइड्स एंड एंप्लॉयमेंट कंडीशंस इन इंडिया: अ मिक्सड मैथड अप्रोच टू इन्वेस्टिगेट इन्टू

- डिटरमिनेट्स एंड बैरियर्स ऑफ एंथ्रॉपमेट फॉर दिव्यांगजन इन पटना डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार”, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, बिहार। (6,00,000 रु.)
30. राजदीप कोनार, “परफोर्मिंग एंबॉडीड केयर फॉर द डिसएबल्ड इन इंडिया: अ स्टडी ऑफ कोलकाता-बेस्ड ब्लाईंड थियेटर ग्रुप्स ब्लाईंड ओपेरा एंड अन्यादेश”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान। (6,50,000 रु.)
31. किशोर हरीशचंद्र, “मेन अडॉप्शन एंड वैलीडेशन ऑफ कंसेप्ट मैप्स ऑफ स्टूडेंट्स विद स्पेशल एजुकेशनल नीड्स एट एलीमेंट्री एंड सेकेंडरी लेवल”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
32. अदिति जुबली, “एक्सप्लोरिंग फेस प्रोसेसिंग एंड इमोशन रिकॉग्निशन इन ऑटिज्म: द रोल ऑफ अटेंशनल बायसेज एंड प्रायर एंटी इफेक्ट”, भारतीय विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल (आईआईएसआरबी), मध्य प्रदेश। (10,00,000 रु.)
33. वंदना, “द इंपेक्ट ऑफ डार्क पैटर्न प्रैक्टिसेज ऑन ऑनलाइन कंज्युमर ब्रैंड एंगेजमेंट, सेल्फ ब्रैंड कनेक्शन एंड ब्रैंड यूजेज इंटेन्ट: अ स्टडी ऑन विजुअली इंपेयर्ड कंज्युमर्स”, सिम्बायसिस अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संस्थान, सिम्बायसिस अंतर्राष्ट्रीय (मानद) विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (8,00,000 रु.)
34. अर्चना मिश्रा, “आईडेन्टीफाय फॉर्मेशन ऑफ मार्जिनेलाइज्ड कम्युनिटीज: एन इवेल्यूएशन ऑफ जियो परासी स्कीम”, मानव रचना अनुसंधान एवं अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, हरियाणा। (8,00,000 रु.)
35. मनीष रंजन, “फ्रॉम भोजपुरी रिदम्स टू फायरवॉकिंग ट्रेडीशंस: इंडियन हेरीटेज एंड आईडेंटिटी फॉर्मेशन इन मॉरीशस एंड रीयूनियन आईलैंड अमिड्स्ट मोदीज कल्चरल डिप्लोमेसी”, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान। (9,00,000 रु.)
36. सुधारानी देंदुकुरी, “मेमोरी पर्सपेक्टिव ऑफ इंडियन डायसपोरिक थियेटर”, वीएनआर विग्राना ज्योति अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तेलंगाना। (10,00,000 रु.)
37. अविषेक बिस्वास, “माईग्रेशन ऑफ द पर्सिक्यूटेड बेंगाली हिंदू रिफ्यूजीज एंड रिहैबिलिटेशन इन मलकानगिरी (उड़ीसा) एंड अंडमान: अ सोश्यो-कल्चरल स्टडी”, विद्यासागर महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (10,00,000 रु.)
38. सचिनकुमार बालासाहेब पाटिल, “मैपिंग ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम (आईकेएस) रिसर्च आउटपुट यूजिंग स्कोपस डेटाबेस”, शिवाजी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (2,50,000 रु.)
39. सुज्जा के., “डिजीटलाइजेशन इनीशिएटिव टू प्रिजर्व द काँट्रीब्यूशंस ऑफ ट्रेडीशनल आर्ट एक्सपोजेन्ट्स ऑफ केरल कलामंडलम: 1930-1990”, कलामंडलम कला एवं संस्कृति मानद विश्वविद्यालय, केरल। (10,50,000 रु.)
40. सुर चंद्र सिंघा, “स्टेट्स ऑफ लाईब्रेरी ऑटोमेशन एंड डिजीटलाइजेशन इन द एफिलिएटेड कॉलेजेज ऑफ राजीव गाँधी यूनिवर्सिटी (आरजीयू), अरुणाचल प्रदेश”, डॉन बॉस्को महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (4,50,000 रु.)
41. युवराज जी. जाधव, “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट यूजिंग इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी इन एकेडेमिक लाईब्रेरीज”, शिवाजी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (3,00,000 रु.)
42. सुराज पावतो वेलिप, “थिन वॉलेट्स, एक्सेसिव टेस्ट्स: अंडरस्टैंडिंग द कंज्युमर पैराडॉक्स ऑफ इंडियन जेन जी”, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा। (7,00,000 रु.)
43. एम.आईशा मिह्ताथ, “ग्रीन ऑटोप्रेन्योरशिप: ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज फॉर एमएसएमईज टू फोर्ज अ विकसित भारत”, अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (6,00,000 रु.)
44. मालथी गोड्डुमुक्कला, “एंपॉवरिंग एग्री- ऑटोप्रेन्योरशिप थ्रू मिलेट प्रोडक्शन फॉर सस्टेनेबल रुरल डिवेलपमेंट: एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश”, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (11,50,000 रु.)
45. हरजोत कौर, “ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट इन द एज ऑफ जेनेरेटिव आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस-पर्सपेक्टिवज एंड रिसर्च डायरेक्शंस विद स्पेशल रेफरेंस टू सेलेक्टेड इंडस्ट्रीज इन तेलंगाना”, एसआरआर शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), तेलंगाना। (5,00,000 रु.)
46. आभा शर्मा, “स्टडी ऑफ चैलेंजेज ऑफ टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज ऑफ लैंग्वेज इन द फाउंडेशनल ईयर्स अंडर एनईपी 2020 इन दिल्ली गवर्नमेंट स्कूल्स”, प्रदेश शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी), दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)

47. उमाकांत प्रसाद, “एनालायजिंग द इंपैक्ट ऑफ कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) इन फुलफिलिंग द ऑब्जेक्टिव ऑफ ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ अंडर एनईपी 2020: अ क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ श्री स्टेट्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया”, विश्व भारती (केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय महत्व संस्थान), पश्चिम बंगाल। (9,00,000 रु.)
48. मोहन गलगोतरा, “प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज इन द इंप्लीमेंटेशन ऑफ होलिस्टिक एंड मल्टी-डिसप्लीनरी अप्रोच अंडर एनईपी 2020 इन द डिग्री कॉलेजेज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर”, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (9,00,000 रु.)
49. संगीता चौहान, “डिवेलपमेंट ऑफ इंस्ट्रक्शनल पैकेज टू इनकलकेट लाईफ स्किल्स एजुकेशन एट एकलव्या मॉडेल रेजीडेंशियल स्कूल्स (ईएमआरएस)”, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (11,00,000 रु.)
50. नाओफल सी., “अडॉप्टिंग टीचर एजुकेशन प्रोग्राम्स इन अलाइनमेंट विद एनईपी 2020 इन केरला: चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज”, फारुक प्रशिक्षण महाविद्यालय, केरल। (10,00,000 रु.)
51. अनु जी.एस., “रिसोर्सेज एंड स्किल्स ऑफ टीचर्स फॉर द इंटीग्रेशन ऑफ डिजिटल लर्निंग प्रैक्टिसेज: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी इन ट्राइबल स्कूल्स इन नागालैंड”, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड। (12,50,000 रु.)
52. हरगोविंद सिंह, “इनोवेशन ऑडिट इन हायर सेकंडरी (10+2) एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन मध्य प्रदेश (एमपी) चंबल रीजन”, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मध्य प्रदेश। (10,00,000 रु.)
53. प्रीति पंत, “हारनेसिंग द स्प्रिचुअल कैपीटल इन अर्ली ईयर्स एंड एसेसिंग इट्स लॉग टर्म इंपैक्ट ऑन लाईफ ओरिएंटेशन, रेजीलियंस, ऑप्टिमिज़्म, वेल-बीईंग एंड स्प्रिचुअल हेल्थ ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स: इंप्लीकेशंस एंड वे-फॉरवर्ड”, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (4,00,000 रु.)
54. अलकाबेन जे. मैकवॉन, “एसेसमेंट ऑफ रेडीनेस एंड पर्सपेक्शंस ऑफ टीचर्स टुवर्ड्स डिजिटल लर्निंग टेक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस ऑफ गुजरात”, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात। (9,00,000 रु.)
55. चनम सोनिया देवी, “इंपैक्ट ऑफ डिजिटल डिवाइड ऑन यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स इन मणिपुर: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन एक्सेस, यूजेज एंड एजुकेशनल डिसपैरिटीज”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (9,00,000 रु.)
56. लालचौधमोई नेन्ते, “एसेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ साईस टेक्सटबुक्स एट एलीमेंटरी लेवल ऑफ एजुकेशन इन मिज़ोरम”, शिक्षा उच्च अध्ययन संस्थान, मिज़ोरम। (10,00,000 रु.)
57. देईवाम एम., “ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन: एक्सप्लोरिंग आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) – असिस्टेड सेल्फ-डायरेक्टेड लर्निंग एंड ब्रिजिंग द डिजिटल डिवाइड फॉर एजुकेशनल इक्विटी एंड इनक्लूजन इन द गढ़वाल रीजन ऑफ उत्तराखंड”, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड। (13,00,000 रु.)
58. संगीता सिंह, “इनक्लूसिव प्रैक्टिसेज फॉर चिल्ड्रेन विद डिसएबिलिटीज/दिव्यांगजन अंडर ईसीसीई: अ स्टडी इन प्रयागराज”, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
59. नंदिता चौबे, “प्रीडिक्शन ऑफ रिसिडीविज़म – अ सायको-सोश्यो-बायलॉजीकल स्टडी अमंग फर्स्ट ऑफेंडर जुवेनाईल्स इन कॉन्फ्लिक्ट विद लॉ इन न्यू दिल्ली”, राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (8,50,000 रु.)
60. चोंगथाम खोगेन्द्र सिंह, “सायकोलॉजीकल फैक्टर्स अफेक्टिंग द मेंटल हेल्थ ऑफ इंटरनली डिसप्लेस्ड पर्सन्स (आईडीपीएस) इन मणिपुर”, डी.एम. शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, मणिपुर। (7,00,000 रु.)
61. प्रणिता जगताप, “संकल्प टू सक्सेज: अ सायकोलॉजीकल इनक्वायरी इन्टू द जर्नी ऑफ पद्मा अवाडीज इन द कांटेक्स्ट ऑफ इंडियन सायकोलॉजी”, जन प्रबोधिनी मनोविज्ञान संस्थान, महाराष्ट्र। (5,89,900 रु.)
62. अन्वेषा चक्रवर्ती, “डिवेलपिंग अ ब्रीफ मेंटल हेल्थ स्केल फॉर ट्राइबल अडॉलसेंट्स ऑफ वेस्ट बंगाल”, सरोजिनी नायडू महिला महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (7,00,000 रु.)
63. रेबेका देबबर्मा, “इफेक्ट ऑफ चाइल्डहुड ट्रॉमा ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ ट्राइबल यंग एडल्ट्स ऑफ त्रिपुरा एक्सपोज्ड टू वायोलेंस”, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब। (4,00,000 रु.)
64. अविनाश चंद्र पांडे, “अर्ली डिटेक्शन ऑफ स्युसाईडल आईडिएशन यूजिंग आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, इंटीग्रेटिंग क्लिनिकल एक्सपर्टीज एंड सोशल मीडिया कंटेन्ट्स”,

- पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी प्रारूप एवं उत्पादन संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश। (7,50,000 रु.)
65. दिव्या पदालिया, “इंडियन इंडीजिनस सायकोलॉजी इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन: एक्सप्लोरिंग आईडेंटिटी एंड वेल्-बीईंग इन द रूल कुमाऊं रीजन ऑफ उत्तराखंड”, कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,00,000 रु.)
66. बिदिशा बैनर्जी, “इनक्लूजिविटी इन इंडियन मेंटल हेल्थ रिसर्च: अ स्टडी ऑन सोशल डायवर्सिटी एंड रिप्रेजेंटेशन”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटीएस) पिलानी, (के के बिड़ला गोव कैम्पस), गोवा। (7,00,000 रु.)
67. अंकित प्रकाश, “कल्चरल डायनेमिक्स ऑफ मेंटल हेल्थ एंड वेल्-बीईंग: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन एल्डरली पीपुल इन हरियाणा”, आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (9,00,000 रु.)
68. विष्णु चंदना देवी, ‘बियॉड रिलीजन: इनकॉरपोरेटिंग द भगवद् गीता इन स्कूल्स एज अ लाईफ-लैब मैनुयल”, वी.आर. सिद्धार्थ अभियांत्रिकी महाविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (5,00,000 रु.)
69. तामेघ पंवार, “कल्चरल डिवेलपमेंट एंड इंडीजिनस नोलेज सिस्टम्स: द ऑरिजन ऑफ आर्ट, टूल मेकिंग, एंड रूल सैटलमेंट इन वेस्टर्न राजस्थान”, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान। (7,00,000 रु.)
70. प्रीति पातंजली, “एनालायजिंग द एपिस्टेमिक क्यूज रेलेवेंट टू इंडियन फीमेल नॉलेज सिस्टम इन द एपिक्स, महाभारता एंड सिलाप्पातिकरम”, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय(दिन), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (4,00,000 रु.)
71. दिलीप कुमार, “ट्राईबल भीली ओरल रामयणा रामसीतामनीवार्ता बाय भगवानदास पटेल एंड वाल्मिकी रामयणा – अ कंपैरेटिव स्टडी”, डी. डी. ठक्कर कला एवं के. जे. पटेल वाणिज्य महाविद्यालय, गुजरात। (2,00,000 रु.)
72. अजीत कुमार मिश्रा, “सस्टेनेबल लिविंग थ्रू ट्रेडिशनल नॉलेज: रीकंटेक्स्टचुएलायजिंग सुभासिताज्ञ फॉर यूनिवर्सल लाईफ डिजाईन पर्सपेक्टिव”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) उत्तर प्रदेश। (5,00,000 रु.)
73. ऋचा शुक्ला, “मोक्ष भवन (साल्वेशन होटेल्स): अ फेनोमेनोलॉजीकल अटेंप्ट टू अंडरस्टैंड द भारतीय मॉडेल ऑफ लिबरेशन एंड केयर-एथिक्स”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा। (12,00,000 रु.)
74. सच्चिदानंद सैकिया, “इनकॉरपोरेटिंग इंडीजिनस नॉलेज सिस्टम्स (आईकेएस) इन प्राइमरी एजुकेशन करीकुलम: अ स्टडी ऑफ असेमीज फोकटेल्स इंटिग्रेशन फॉर कल्चरल प्रिजर्वेशन एंड एकेडेमिक एनहैंसमेंट”, खोवांग महाविद्यालय, असम। (4,00,000 रु.)
75. रेजीथा सी., “इंटिग्रेटिंग न्याय लॉजिक एंड व्याकरण स्ट्रक्चर्स इन कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स: अ फ्रेमवर्क फॉर लैंग्वेज प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजीज”, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल। (9,00,000 रु.)
76. राजू पारधी, “ओरल लिटरेचर एंड द भील्स ऑफ झाबुआ, बांसवारा एंड दाहोद: अ सोश्यो-कल्चरल एंड रिलीजीयस कंटेक्स्ट”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,00,000 रु.)
77. धनंजय रॉय, “ओरल ट्रेडिशन ऑफ राजबंशी इन पर्सपेक्टिव ऑफ जलपाईगुडी एंड कूच बेहार डिस्ट्रिक्ट्स”, सितलकुची महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (5,00,000 रु.)
78. गीता सचदेवा, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना (पीएम स्वनिधि) ऑन स्ट्रीट वेंडर्स इन हरियाणा”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र, हरियाणा। (10,00,000 रु.)
79. रोलुआपुईया, “एग्रेरियन चेंज एंड ईकोनोमिक ट्रांसफॉर्मेशन: अ स्टडी ऑफ द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ पाम ऑयल कल्टीवेशन ऑफ फार्मर्स इन मिजोरम, नॉर्थईस्ट इंडिया”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, उत्तराखंड। (10,00,000 रु.)
80. अंदलीब, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ द इंपेक्ट ऑफ चाइल्डहुड पॉवर्टी ऑन लांग टर्म सोश्यो-ईकोनोमिक आउटकम्स इन एडल्टहुड”, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (6,60,000 रु.)
81. राशी भार्गव, “वलनरेबिलिटीज एंड स्ट्रैन्थ्स: अ स्टडी ऑफ सेक्स वर्क्स इन मेघालय”, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, मेघालय। (9,00,000 रु.)
82. एच. थैरेसा डारलॉग, “फैमिली स्ट्रक्चर, किनशिप एंड सोशल डायनेमिक्स विदिन द काईपेंग कम्युनिटी ऑफ त्रिपुरा: अ सोश्योलॉजीकल स्टडी”, श्री अरबिंदो सामान्य डिग्री महाविद्यालय, त्रिपुरा। (10,00,000 रु.)

83. उप्पुलेती काव्या ज्योत्सना, “अडॉलसेंट प्रैग्रेसी: अ स्टडी ऑफ टीन मदरहुड एंड इट्स रिपर्कशन्स ऑन यंग गर्ल्स इन श्रीकाकुलम डिस्ट्रिक्ट्स, आंध्र प्रदेश”, बी.आर.अंबेडकर विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (7,00,000 रु.)
84. प्रतिभा राज, “सोश्यो-कल्चरल एंड ईकोनोमिक स्टेटस ऑफ डी-नोटिफाईड एंड नोमेडिक ट्राईब्स एंड देयर मेनस्ट्रीमिंग: अ सोश्योलॉजीकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड ट्राईबल कम्युनिटीज इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश”, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
85. स्मिता, “जड़ता से गतिशीलता की ओर: उत्तर प्रदेश के वनटांगिया समुदाय में आकांक्षा की क्षमता के निर्माण का अध्ययन”, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (11,00,000 रु.)
86. मानिम्बा ऑगस्टिन एल., “द रोल, चैलेंजेज एंड सपोर्ट सिस्टम्स फॉर द एल्डर्ली अमंग द मारम नागा पार्टीकुलर्ली वलनेरेबल ट्राईब ऑफ मणिपुर: अ सोश्योलॉजीकल स्टडी”, सेंट जोसेफ महाविद्यालय (स्वायत्त), नागालैंड। (7,50,000 रु.)
87. रोशन तुलसीराम गज्जे, “डिजिटल एजुकेशन: ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज फेसड बाय स्टूडेंट्स इन ट्राईबल एरिया”, तिरुपुदे समाज कार्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (5,00,000 रु.)
88. पृथ्वी प्रतिभा गोगोई, “बनाना फाईबर: एन अपकमिंग सस्टेनेबल ग्रीन फाईबर चेंजिंग द ट्रेडीशनल इंडस्ट्री इन नागालैंड”, तेस्तो महाविद्यालय, नागालैंड। (9,00,000 रु.)
89. वेद कुमारी, “चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशंस एंड वेल-बीईंग ऑफ चिल्ड्रेन इन नीड ऑफ केयर एंड प्रोटेक्शन (सीएनसीपी): एन एम्पीरिकल स्टडी इन उड़ीसा”, राष्ट्रीय विधि विद्यालय उड़ीसा (एनएलयूओ), उड़ीसा। (10,00,000 रु.)
90. सुमिता श्राफ, “फिनफ्रूंसर्स, फाईनेंशियल लिटरसी, फाईनेंशियल वेल-बीईंग एंड इन्वेस्टमेंट डिजीजन्स: अ स्टडी ऑफ इन्वेस्टर्स इन इंडिया”, निरमा विश्वविद्यालय, गुजरात। (8,00,000 रु.)
91. ययाति नायक, “ट्राईबल डिसप्लेसमेंट एंड इट्स सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑन लाइवलीहुड एंड एंजॉयमेंट: अ स्टडी ऑन सेलेक्ट डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा”, रैवेनशॉ विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (8,00,000 रु.)
92. रुपज्योति साहा, ‘सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट एंड टेक्नोलॉजीकल अडॉप्शन ऑफ टेक्सटाईल-बेस्ड एमएसएमईज इन असम”, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, असम। (8,00,000 रु.)
93. पंकज दयानंद पंडागले, “इवेल्यूएटिंग द रेडीनेस ऑफ महाराष्ट्र फॉर इलेक्ट्रिक वेहीकल अडॉप्शन: द रोल ऑफ गवर्मेंट पॉलिसीज, सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट”, गोखले शिक्षा समिति के टी. के. टोपे कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (9,50,000 रु.)
94. शांतनु सौरभ, “इंपेक्ट ऑफ स्वच्छ भारत अभियान ऑन द टूरिज्म ऑफ वाराणसी: विद स्पेशल रेफरेंस टू काशी विश्वनाथ”, डीएवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, (बीएचयू), उत्तर प्रदेश। (10,00,000 रु.)
95. कौशिक कुमार रतिलाल दलवी, “रुल एंड अर्बन टूरिज्म इन कच्छ रीजन: अ कंपरेटिव स्टडी ऑन ईकोनोमिक ग्रोथ, मार्केट पॉटेंशियल एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट”, क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्णा वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय, गुजरात। (7,00,000 रु.)
96. मनोज मीणा, “एनहैंसिंग सायबर सिक्योरिटी अवेयरनेस एंड एजुकेशन टू स्ट्रैथेन नेशनल सायबर रेजीलिअंस: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इन राजस्थान”, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान। (9,00,000 रु.)
97. पंकज कुमार वर्मा, “इंडियन डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री: कौटम्पोररी डायनेमिक्स एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स”, धर्मा समाज महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (10,00,000 रु.)
98. लखन सिंह कुशरे, “चाईनाज ग्रोईंग इनफ्रूंस ऑन कोस्टल एंड आइलैंड कंट्रीज इन द इंडियन ओशन रीजन एंड इट्स इंपेक्ट ऑन इंडियाज स्ट्रेटेजिक इंटररेस्ट्स – एन एनालिटिकल स्टडी”, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), मध्य प्रदेश। (5,00,000 रु.)
99. बायशेड्री कविथा, “यूथ एंपॉवरमेंट थ्रू प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाय): अ केस स्टडी ऑन स्किल डिवेलपमेंट एंड सोशल-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑन यूथ इन हनुमाकोंडा डिस्ट्रिक्ट”, ककाटिया शासकीय महाविद्यालय (स्वायत्त), तेलंगाना। (7,40,000 रु.)
100. युवराज कुमार, “स्वदेशी पॉलिटिक्स इन इंडिया: विद स्पेशल रेफरेंस टू स्वदेशी जागरण मंच एकटीविटीज एंड स्ट्रेटेजीज सिंस 2014 टू टिल डेट (भारत में स्वदेशी राजनीति: 2014 से अब तक, स्वदेशी जागरण मंच की

- गतिविधियों और रणनीतियों के विशेष संदर्भ में”, शहीद भगत सिंह (दिन) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (5,54,000 रु.)
101. मुकेश कुमार वर्मा, “सोशल मीडिया एल्गोरिदम्स एंड इलेक्टोरल बिहेवियर: एनालाईजिंग द डायनेमिक्स ऑफ पॉलिटिकल पोलाराइजेशन इन इंडिया”, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान। (6,50,000 रु.)
102. पूजन सिंह अरिया, “विमेन इन ग्रासरूट्स पॉलिटिक्स: पॉलिटिकल पार्टीसिपेशन एंड लीडरशिप अमंग इलेक्टेड विमेन रिप्रेजेंटेटिव्स एट ग्राम पंचायत इन वेस्ट बेंगाल – इनसाइट्स फ्रॉम वेस्ट बेंगाल पंचायत इलेक्शन 2023”, पी.एन.दास महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (5,50,000 रु.)
103. अनिता टैगोर, “पॉलिटिक्स एंड टेक्नोलॉजी: अ स्टडी ऑफ न्यू डिजिटल प्रैक्टिसेज एंड इलेक्शन्स इन इंडिया”, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (6,00,000 रु.)
104. ब्रज किशोर साहू, “रोल ऑफ सेल्फ-हैल्प ग्रुप्स (एसएचजीज़) इन उड़ीसाज मिलेट मिशन: अ स्टडी ऑन मिलेट शक्ति कैफेज ऑफ उड़ीसा”, मॉडेल डिग्री महाविद्यालय, उड़ीसा। (8,00,000 रु.)
105. रूप किशोर द्विवेदी, “पीपुल्स पार्टीसिपेशन इन पॉलिटिक्स: अ स्टडी ऑफ एटीयूड एंड वोटिंग बिहेवियर ऑफ इलेक्टर्स इन उत्तराखंड”, एम.बी. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्तराखंड। (8,00,000 रु.)
106. नसीर अहमद, “डिजिटल डेमोक्रेसी: द रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन एनहैंसिंग लोकल गवर्नेंस इन जम्मू एंड कश्मीर”, शेख-अल-आलम स्मृति डिग्री महाविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (7,00,000 रु.)
107. अनुराधा सिंह, “हेल्थ एट द मार्जिन्स: अ स्टडी ऑफ हेल्थकेयर इफेक्टिवनेस इन दिल्लीज स्लम्स”, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,50,000 रु.)
108. संजीव कुमार जुयाल, “एनशिअंट कल्चरल ट्रेडीशन एंड पीपुल डाईट रिकंस्ट्रक्शन ऑफ रूपकुंड ह्यूमन स्केलेटन्स थ्रू आईसोटॉपिक एंड ट्रेस एलीमेंट एनालिसिस”, हिमवंत कवि चंद्र कुंवर बर्तवाल राजकीय महाविद्यालय, उत्तराखंड। (9,00,000 रु.)
109. मयंक प्रकाश, “एन एथेनोग्राफिक स्टडी ऑफ द ट्रेडीशनल पॉलिटिकल सिस्टम ऑफ द ट्राईब्स ऑफ कोल्हन डिबीजन(झारखंड) एंड इट्स एक्जिस्टेंशियल रिएलिटी”, कोल्हन विश्वविद्यालय, झारखंड। (7,50,000 रु.)
110. थांगौलेन किपगेन, “सिटीज एज सैक्चुरी, रिफ्यूज एंड मेमोरीज ऑफ होम: अ केस स्टडी ऑफ आईडीपीज ड्यूटिंग द मणिपुर एथेनिक कॉन्फ्लिक्ट”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, तमिलनाडु। (9,00,000 रु.)
111. अभ्रदीप बैनर्जी, “एंफॉवरिंग हैंडलूम वीवर्स फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर: अ स्टडी ऑन सम ऑफ द मेजर कॉटन वीविंग ट्रेडीशंस इन वेस्ट बेंगाल”, शासकीय सामान्य डिग्री महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (7,00,000 रु.)
112. बिराज ज्योति कलिता, “माईग्रेशन, कल्चरल प्रैक्टिस एंड आईडेंटिटी कंस्ट्रक्शन: एक्सप्लोरिंग द फोक साँस ऑफ द टी प्लांटेशन वर्कर्स ऑफ अपर असम एज अ सोर्स ऑफ ओरल हिस्ट्री”, देवी चरण बरुआ कन्या महाविद्यालय, असम। (5,00,000 रु.)
113. निपॉन पेंगिंग, “आईकोनोग्राफी ऑफ द टेंपल्स पैट्रोनाईज्ड बाय द विमेन रूलर्स ऑफ द अहोम किंगडम: अ स्टडी इन शिवसागर डिस्ट्रिक्ट, असम”, लखीमपुर कन्या महाविद्यालय, असम। (2,30,000 रु.)
114. रंजीथ कुमार वारें, “इंपेक्ट ऑफ अर्बनाइजेशन ऑन हेरीटेज कंजर्वेशन: अ केस स्टडी ऑफ हिस्टोरिकल मोन्यूमेंट्स इन आंध्र प्रदेश”, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (8,00,000 रु.)
115. आर. वेनेला, “सोशयोलिंग्विस्टिक एनालिसिस ऑफ मैटरनिटी एंड चाइल्डकेयर लीव पॉलिसीज इन इंडियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी, तेलंगाना। (7,86,000 रु.)
116. वसंत कुमार रामभाई पटेल, “द यूनिक् कल्चर ऑफ द मेर कम्युनिटी ऑफ गुजरात विद रेफरेंस टू सोशल स्ट्रक्चर, इंटर रिलेशंस एंड सोशल कम्युनिटी कल्चर्स ऑफ इंडिया”, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात। (8,00,000 रु.)
117. सोमदेव कार, “एवोल्यूशनरी ट्रेसेज इन इंडियन लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक ट्रेडीशन”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़, पंजाब। (10,50,000 रु.)
118. गरीकीपति गुराजादा आंध्र, “महाभारता उद्योग पर्व – दौत्या विधानम-समकालीन समन्वय (रेलेवेंस एंड एप्लीकेशन ऑफ डिप्लोमेसी डिप्लेटेड इन उद्योग पर्व ऑफ महाभारता

- (तेलुगू वर्जन)”, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (6,00,000 रु.)
119. दीपा मोनी बरुआ, “अ स्टडी ऑफ सोशयोलिंग्विस्टिक वैरिएशन इन लर्निंग हिंदी एज अ फोरेन लैंग्वेज इन इंडिया”, केंद्रीय हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश। (10,40,000 रु.)
120. जहांगीर इकबाल, “पर्शियन हिस्टोरियोग्राफी इन मीडिएवल कश्मीर (1339-1586)”, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (यूटी)। (5,00,000 रु.)
121. गोविंद गौरव, “मैपिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ मोदीज डिप्लोमेसी इन मेकिंग इंडिया अ लीडिंग पावर इन द इंडो-पैसिफिक”, चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (5,00,000 रु.)
122. देबाशीष नाथ, “इंडियाज अप्रोच टू क्रॉस-बॉर्डर कनेक्टिविटी थ्रू द नॉर्थ-ईस्ट रीजन: फाईंडिंग द गैप बिटवीन थ्योरी एंड प्रैक्टिस”, नाओगोंग महाविद्यालय (स्वायत्त), असम। (7,50,000 रु.)
123. अमृतपाल कौर, “चाईनाज राईज एंड द लिमिट्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन: पावर डायनेमिक्स, इंटीग्रेशन एंड द लिबरल इंटरनेशनल ऑर्डर”, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (5,00,000 रु.)
124. अरुण कुमार पांडे, “निर्गुण भक्ति दर्शन में समेकित संस्कृति के संदर्भ”, श्री शंकर महाविद्यालय (वीकेएस विश्वविद्यालय से संबद्ध), बिहार। (5,00,000 रु.)
125. श्रवण कुमार, “द एटफोल्ड पाथ टू एट लिंक्स: अनपैकिंग द पैरेलल्स बिटवीन बुद्धिस्ट एथिक्स एंड पतंजलिज योगा”, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (5,00,000 रु.)
126. नटराजू आदर्शपल्ली, “कांशियसनेस इन अद्वैत वेदांता एंड विज्ञानवाद बुद्धिज्म: सोशल चेंज दैट इज रूटेड टू इंडीविजुअल्स ट्रांसम्यूटेशन ऑफ फ्रैगमेंटेड कांशियसनेस”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (6,00,000 रु.)
127. नबप्रसाद नाथ, “बिहेबियरल चेंजेज ऑफ द स्टूडेंट्स इन सेकंडरी लेवल एंड रोल ऑफ करीकुलम कवरींग इंडियन फिलोसॉफी: एन एप्रैजल विद रेफरेंस टू रीसेंट फिनोमेनम ऑफ असम”, नाओगोंग महाविद्यालय (स्वायत्त), असम। (5,00,000 रु.)
128. पार्थ मालाकार, “रोल ऑफ कंबाईन्ड एक्सपोजर ऑफ हटयोगा एंड सायकोलॉजीकल काउंसलिंग इन द लेवल ऑफ टेस्ट एंग्जायटी एंड एकेडेमिक अचीवमेंट टू द अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स ऑफ द डिफरेंट कॉलेजेज इन कोलकाता”, दक्षिण कलकत्ता कन्या महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (5,00,000 रु.)
129. एच. सोरोजिनी देवी, “फिजिकल एंड मेंटल हेल्थ डिसप्लेस्ड विमेन इन द रिलीफ कैंप्स ऑफ इंफाल वैली, मणिपुर”, धनामंजुरी विश्वविद्यालय, मणिपुर। (9,50,000 रु.)
130. मैटिल्डा थॉमस, “फ्रॉम स्क्रीन्स टू सोशल सीन्स: हाउ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, गेमिंग एंड वर्चुअल क्लासेज शेप विमेन स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन – रिवाइटेलाइजिंग माईन्ड्स एंड बॉडीज थ्रू स्पोर्ट्स, योगा एंड सोशल एक्टिविटीज”, मोर्निंग स्टार गृह विज्ञान महाविद्यालय, केरल। (5,00,000 रु.)
131. प्रफुल्ल कुमार स्वैन, “नरीशिंग फ्यूचर्स: एक्सप्लोरिंग न्यूट्रीशन, हेल्थ एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ अमंग अडॉलेसेंट्स इन भुबनेश्वर अर्बन स्लम्स थ्रू अ मिक्सड-मैथड्स लेंस”, उत्कल विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (6,50,000 रु.)
132. प्रतिभा सिंह, “द थैरेप्यूटिक इंपेक्ट ऑफ द महामृत्युंजय मंत्रा ऑन एंग्जायटी, क्वालिटी ऑफ लाईफ एंड इमोशनल रेग्यूलेशन अमंग द जीरियाट्रिक पोप्यूलेशन विद क्रॉनिक डिजीजेज इन वाराणसी डिस्ट्रिक्ट”, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (5,00,000 रु.)
133. सोनिया कौशल, “अ स्टडी ऑन एक्सपीरियेंस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक वायोलेस ड्यूरिंग फैसिलिटी बेस्ड चाइल्डबर्थ इन सागर डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश”, हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश। (8,00,000 रु.)
134. सुरभि दत्त, “अडॉलसेंट गर्ल्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशन अमंग टी गार्डन कम्युनिटीज – अ केस स्टडी ऑफ डिब्रूगढ़ एंड तिनसुकिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम, इंडिया”, तिनसुकिया महिला महाविद्यालय, असम। (6,00,000 रु.)
135. सोवांजन सरकार, “मैनोपोज एंड ट्रेजेक्टरीज ऑफ सेलेक्टेड कार्डियोवास्कुलर रिस्क फैक्टर अमंग ट्राईबल विमेन ऑफ जंगल महल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ वेस्ट बंगाल: पाथ टू एंटर अ हैल्दी एजिंग”, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (10,00,000 रु.)
136. आशु शर्मा, “टू प्रपोज एन इंटीग्रेटेड मॉडेल ऑफ आयुष (ओवाययूएसएच) एंड कम्युनिटी मेडीसिन फॉर सस्टेनेबल सप्लाय चैन’, नारसी मुंजी प्रबंधन अध्ययन संस्थान (एनएमआईएमएस), महाराष्ट्र। (6,00,000 रु.)

137. शत्रुघ्न प्रसाद, “रोल ऑफ ट्रेडीशनल हीलर्स इन ट्रीटिंग वैरियस एलमेंट्स अमंग पार्टीकुलर्ली वलनरेबल ट्राईब्स ग्रुप्स इन थ्री डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मध्य प्रदेश”, हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश। (7,00,000 रु.)
138. धीरज मणि पाठक, “अ स्टडी ऑफ द सोश्यो-ईकोनोमिक एंड डेमोग्राफिक डिटरमिनेंट्स ऑफ मैलन्यूट्रीशन अमंग स्कूल गोईंग चिल्ड्रेन (एज्ड 6-12 ईयर्स): एविडेंस फ्रॉम रांची डिस्ट्रिक्ट ऑफ झारखंड”, सेंट जेवियर्स महाविद्यालय (स्वायत्त), झारखंड। (7,00,000 रु.)
139. कोमलबेन विमलकुमार पटेल, “वर्क-रिलेटेड मसक्यूलोस्केलेटल डिसऑर्डर्स (डब्ल्यूएमएसडीज़) एंड हेल्थ आउटकम ऑफ विमेन लेबर वर्किंग इन द टोबेको फार्म: आईडेंटिफाईंग रिस्क फैक्टर्स एंड अगोनोमिक्स सोल्यूशन”, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात। (8,30,000 रु.)
140. मौमिता आचार्य, “एसेसिंग बोर्ड-लेवल डायवर्सिटी टू एनहैंस ईएसजी एक्शंस इन इंडियन कंपनीज़: अ सेक्टरल स्टडी फॉर पॉलिसी इंग्लीकेशंस”, टीईआरआई उच्च अध्ययन विद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (10,10,000 रु.)
141. ज्योति दास, “रिवर्स एंज कैटालिस्ट्स फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स: एक्सप्लोरिंग द पॉटेंशियल फॉर रिवाइविंग द भारालु रिवर इन गुवाहाटी सिटी ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, कॉटन विश्वविद्यालय, असम। (9,00,000 रु.)
142. रमेश आनंद जारे, “इवेल्यूएटिंग कैपेसिटी-बिल्डिंग इंटरवेंशन्स फॉर वॉटर कंजर्वेशन एंड एफीशिएंसी प्रैक्टिसेज़ विस-ए-विस एसडीजी-6”, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, महाराष्ट्र। (10,00,000 रु.)
143. अबुजम मंगलेम सिंह, “अडॉप्टिंग टू क्लाइमेट-इंड्यूस्ड फ्लड्स: फ्रॉम हाउसहोल्ड रिस्पांसेज टू पॉलिसी एक्शन इन मणिपुर सेंट्रल वैली, इंडिया”, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर। (10,20,000 रु.)
144. स्वाकांखा घोष, “क्लाइमेट एंड टेक्टोनिक्स ड्रिवेन एसेसमेंट ऑफ लैंडस्लाइड ससेप्टिबिलिटी इन द नॉर्थवेस्टर्न हिमालया: एन इंटीग्रेटेड अप्रोच”, राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईआईटी), राजस्थान। (10,00,000 रु.)
145. रेसमी सी. पणिकर, “रोल ऑफ सोशल कैपिटल इन डिसास्टर रिलीफ एंड रिकंस्ट्रक्शन: एविडेंस फ्रॉम केरल”, केवीएसएम शासकीय महाविद्यालय, केरल। (7,00,000 रु.)
146. वंदना मेहरोत्रा, “फाईनेंशियल इंग्लीकेशंस ऑफ डिफरेंट मॉडेल्स फॉर सोलर पॉवर इलेक्ट्रिक वेहीकल चार्जिंग स्टेशन”, जी डी गोयनका विश्वविद्यालय, हरियाणा। (9,50,000 रु.)
147. नंदिनी गुप्ता, “सस्टेनेबल वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट एंड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन इन द कंटेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज अडॉप्शन यूजिंग ट्रेडीशनल ईकोलॉजीकल नॉलेज ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज़ इन त्रिपुरा विद मल्टी-क्राइटेरिया डिजीजन-मेकिंग एंड मशीन लर्निंग अप्रोचेज”, बीर बिक्रम स्मृति महाविद्यालय, त्रिपुरा। (10,00,000 रु.)
148. चालनंतिका लाहा सलुई, “डिसेंट्रलाइजेशन ऑफ टूरिस्ट स्पाट्स इन कालिम्पोंग डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल एंड इट्स इंपेक्ट ऑन एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी: अ जियो-स्पेशियल अप्रोच”, रानी बिड़ला कन्या महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (10,00,000 रु.)
149. पंकज डॉले, “इंडीजिनस फ्लड अडॉप्टिव एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज़ ऑफ द मिसिंग ट्राइब ऑफ असम (इंडिया) एंड इट्स रेलेवेंस इन रुरल फ्लड सिक्स्योरिटी इन द कंटेक्ट ऑफ क्लाइमेट क्राइसिस”, ढाकुआखाना महाविद्यालय (स्वायत्त), असम। (6,00,000 रु.)
150. एन. रमेश कुमार, “अ कंपैरेटिव एनालिसिस ऑफ द प्रधान मंत्री आवास योजनाज़ (ग्रामीण) सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट इन विलुप्पुरम एंड कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट्स”, तमिलनाडु शासकीय कला महाविद्यालय (स्वायत्त), तमिलनाडु। (5,50,000 रु.)
151. रौनक महताब, “रीडिसकवरींग माजुली आईलैंड फॉर इंटरनेशनल ट्रेवलर्स: अ सोश्यो-कल्चरल एक्सप्लोरेशन”, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम। (9,00,000 रु.)
152. अश्विनी कुमार, “रुरल ट्रांसफॉर्मेशन एंड लेबर मार्केट डायनैमिक्स: अ लांगीट्यूडनल स्टडी ऑफ फोर विलेजेज़ ओवर फोर एंड हाफ डिकेड्स इन झारखंड”, मानव विकास संस्थान, झारखंड। (10,00,000 रु.)
153. क्लेयर लिज़ामित सैमलिंग, “होमस्टे टूरिज़्म एंड रुरल लाइवलीहुड्स: अ स्टडी इन दार्जीलिंग एंड कालिम्पोंग डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ वेस्ट बंगाल”, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (7,00,000 रु.)
154. लिगे सोरा, “इंपेक्ट ऑफ महात्मा गाँधी नेशनल रुरल एंज्लायमेंट गारंटी एक्ट (एमजीएनआरईजीए) ऑन रुरल

- ईकोनोमी ऑफ अरुणाचल प्रदेश”, अरुणाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश। (10,50,000 रु.)
155. श्रीनाथ वी.एस., “अंडरस्टैंडिंग कविशिक्षा: इंटीग्रेटिंग द पेडागॉजीकल फ्रेमवर्क्स ऑफ कविशिक्षा इन संस्कृत पोएटिक्स विद कंटेम्पोररी क्रिएटिव राईटिंग फॉर सोशल ग्रोथ”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, तमिलनाडु। (8,80,000 रु.)
156. पद्मादास के.एल., “संस्कृत एंड सोशल रेनेसां इन केरला: अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ संस्कृत इन द 19th एंड 20th सेंचुरी सोशल रीफॉर्म मूवमेंट्स”, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल। (6,00,000 रु.)
157. अंकित त्रिवेदी, “इंडियन (संस्कृत) पोएटिक्स: डिवेलपिंग एप्लीकेशन मॉडेल्स”, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (5,80,000 रु.)
158. स्मिता शालिग्राम हार्ने, “संस्कृत इनसाईट्स इन्टू मेडीसिनल नॉलेज: अ स्टडी ऑफ ट्रेडीशनल मेडीसिनल सीड्स एंड प्लांट्स इन नाशिक थ्रू चरक एंड सुश्रुत”, महात्मा गाँधी विद्यामंदिर का एमपीएच कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (9,00,000 रु.)
159. बिलंबिता बानीसुधा, “विमेन इन मेलोडीज़ ऑफ हार्वेस्ट: अ स्टडी ऑफ न्योमा साँग ऑफ सिक्किम”, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम। (6,50,000 रु.)
160. इमतिरेन्ला लोंगकुमेर, “कस्टमरी लॉज टू यूएलबी: एओ नागा विमेन एंड पॉलिटिकल रेप्रेजेंटेशन इन मोकोकचंग टाउन, नागालैंड”, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (यूटी)। (7,50,000 रु.)
161. राउतराव शिवकुमार भीमराव, “क्रियर एंड ट्रांस रेप्रेजेंटेशन इन मीडिया एंड पॉलीटिक्स”, दयानंद कला महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (5,00,000 रु.)
162. काजल श्रीचंदन, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ ‘मो उपकारी बागीचा’ ऑन विमेन: अ स्टडी इन सदर्न डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा”, शिक्षा ओ अनुसंधान (मानद), उड़ीसा। (8,00,000 रु.)
163. प्रीति पुरी, “सोशयो-ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट ऑफ विमेन थ्रू लोकलाईज्ड ऑटोप्रेन्योरशिप: अ स्टडी ऑफ हिमाचल प्रदेश”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश। (8,50,000 रु.)
164. देबोमिता सिकदर, “डेमोग्राफिक वैरियेबल्स एंड वर्कप्लेस एनवायरमेंट: अ स्टडी ऑन ऑक्यूपेशनल स्ट्रेस ऑफ विमेन हैंडलूम वीवर्स इन वेस्ट बेंगाल”, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (8,00,000 रु.)
165. विश्व ज्योति, “एन एसेसमेंट ऑफ स्वच्छ भारत अभियान ऑन मेंस्ट्रुअल हायजीन मैनेजमेंट अमंग रुरल मैरीड विमेन इन हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (5,00,000 रु.)
166. तूलिका रानी, “विमेन-लेड डिवेलपमेंट इन थारू ट्राईब ऑफ लखीमपुर खीरी: एन एनालिटीकल स्टडी ऑफ एंपॉवरमेंट एफर्ट्स बाय द गवर्नमेंट एंड द कम्युनिटी”, डीएसएन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (4,30,000 रु.)
167. ईशदीप कौर भंडारी, “ट्रॉमा एंड रेजीलिऐंस अमंग थर्ड जेंडर इंडीविजुअल्स इन डिफरेंट कल्चरल एंड रिलीजियस कॉन्टेक्स्ट्स इन उत्तर प्रदेश”, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (6,00,000 रु.)
168. सुभासंध्या साहू, “सोशल रिकॉग्रीशन एंड एंपॉवरमेंट ऑफ ट्रांसजेंडर पीपुल: अ केस स्टडी ऑफ उड़ीसा”, अटल बिहारी महाविद्यालय, उड़ीसा। (6,50,000 रु.)
169. देबाजीत बोरा, “अंडरस्टैंडिंग ‘इंडीजेनिटी’ थ्रू म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स इन असम: कल्चरल मैपिंग एंड डॉक्यूमेंटेशन अप्रोच”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान-पिलानी, हैदराबाद कैपस, तेलंगाना। (7,00,000 रु.)
170. आरती पांडे, “वाराणसी की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों का प्रलेखन: नवसंग्रहालय विज्ञान के विशेष संदर्भ में”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (6,00,000 रु.)
171. स्मृति सिंह, “लैंग्वेज एज एजेंट ऑफ ह्यूमन वैल्यूज: डिजिटलाइजिंग, आर्काइविंग एंड मैपिंग द इंडियन फिलोसॉफी ऑफ लाईफ टू द इंडीजिनस फोकलोर सिस्टम इन बिहार एंड झारखंड”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार। (10,00,000 रु.)
172. रांग्या गाचुई, “सोशल ऑर्गेनाइजेशन एंड कल्चर ऑफ आर्ट एंड इट्स परफोमर्स: एम्पीरिकल स्टडी नचनी परफोर्मेंस एंड छाउ डांस ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बेंगाल”, विश्व भारती (केंद्रीय) विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (5,50,000 रु.)
173. सनी कुमार, “कपालिका तंत्रा इन बुद्धिज्म: अ स्टडी ऑफ इट्स ओरिजन, प्रैक्टिसेज एंड डिवेलपमेंट इन उड़ीसा”, देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (5,50,000 रु.)

174. बिजय कुमार रबिदास, “अमीर खुसरो एवं भारतेंदु हरिश्चंद्र के लोक साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन”, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (6,00,000 रु.)
175. एस. एलिका असुमी, “फोनेटिक डेटाबेस एंड डिजिटल प्रिजर्वेशन ऑफ द सुमी ट्राईबल लैंग्वेज: अ सोशोलिंग्विस्टिक एंड कल्चरल स्टडी”, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, मेघालय। (5,00,000 रु.)
176. देवप्रिया सान्याल, “वंदे मातरम: नेशनलिज्म एंड नेशनल कंसर्न्स इन बेंगाली सिनेमा”, सैंट जोसेफ विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (5,00,000 रु.)
177. अंजन रे चौधुरी, “फाईनेंशियल इनक्लूजन इन वेस्ट बेंगाल: द डिटरमिनेंट्स एंड द इंपेक्ट्स ऑन इनेकेलिटी एंड पॉवर्टी”, दुर्गापुर शासकीय महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (9,00,000 रु.)
178. सी. लालननमाविया, “सस्टेनेबल लाइवलीहुड ऑपशंस एंड स्ट्रेटेजीज अमंग रुरल कम्युनिटीज इन मिज़ोरम”, मिज़ोरम विश्वविद्यालय, मिज़ोरम। (5,50,000 रु.)
179. चिन्मयी मोहंती, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ स्मार्ट मीटर्स ऑन एनर्जी एफिशिएंसी एंड कंज्यूमर बिहेवियर इन इंडिया: अ केस स्टडी ऑफ पटना डिस्ट्रिक्ट इन बिहार”, पटना महिला महाविद्यालय, बिहार। (7,50,000 रु.)
180. डेजी कोवर, “एक्सप्लोरिंग द पॉटेंशियल ऑफ ट्रेडीशनल मूगा प्रोडक्शन एज ए पाथवे टू सस्टेनेबल लाइवलीहुड इन रुरल असम”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम। (6,50,000 रु.)
181. सुनील खोसला, “कैन फाईनेंशियल इनक्लूजन एनहेंस रेज़ीलिएंस कैपेसिटी एंड रिड्यूस् फ्यूचर पॉवर्टी ? एम्पीरिकल एविडेंस फ्रॉम ट्राईबल रीजन इन उड़ीसा”, वेल्लोर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश। (8,00,000 रु.)
182. लक्ष्मी प्रसाद पांडा, “सस्टेनेबल रीजनल डिवेलपमेंट थ्रू ट्रेडीशनल क्राफ्ट्स: एन इन-डेप्थ स्टडी ऑफ द टेराकोटा इंडस्ट्री इन उड़ीसा”, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, कालाहांडी, उड़ीसा। (5,00,000 रु.)
183. पूजा पाल, “सस्टेनेबिलिटी ऑफ डिजिटल जॉब्स: एसेसिंग द रोल ऑफ गिग-प्लैटफॉर्म ईकोनोमी इन एनहेंसिंग यूथ लाइवलीहुड ऑपच्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश”, जी बी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (इलाहाबाद विश्वविद्यालय संबद्ध संस्थान), उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
184. सिवा कृष्णा गोड्डा, “फिनटेक सोल्यूशंस फॉर ईकोनोमिक डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑन फाईनेंशियल इनक्लूजन एंड एमएसएमई ग्रोथ इन रुरल एंड सेमी अर्बन गुजरात”, राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गुजरात। (8,00,000 रु.)
185. हेमलता मंगलानी, “रेस्टोरेशन ऑफ सस्टेनेबल लाइवलीहुड थ्रू नॉन-टिंबर फॉरेस्ट प्रॉडक्ट्स (एनटीएफपीज) इन सदरन राजस्थान, इंडिया”, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान। (7,00,000 रु.)
186. मंजीत सिंह, “वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप: डबलिंग फार्मर्स इन्कम फॉर सस्टेनेबल लाइवलीहुड इन गया डिस्ट्रिक्ट”, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार। (14,00,000 रु.)
187. राबिउल अंसारी, “सर्कुलर माईग्रेशन फॉर लाइवलीहुड्स इन उड़ीसा: एन एक्सप्लोरेटरी इन्वेस्टीगेशन ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स फ्रॉम वेस्टर्न उड़ीसा”, रैवेनशा विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (7,44,000 रु.)
188. सीमा ठाकुर, “एनहेंसिंग क्लीन कुकिंग फ्यूल एक्सेसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी इन रुरल इंडिया: एन इवेल्यूएशन ऑफ द प्रधान मंत्री उज्जवला योजना”, गलगोटिया विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (5,50,000 रु.)
189. लेखा बोरा, “अनफोल्डिंग द प्रैक्टिस ऑफ विच हंटिंग अमंग द राभा कम्युनिटी एंड इफेक्टिवनेस ऑफ गवर्मेंट इंटरवेंशन इन गोलपारा डिस्ट्रिक्ट, असम”, उत्तर गुवाहाटी महाविद्यालय, असम। (7,50,000 रु.)
190. रुपेश रमेश देओरे, “माईग्रेशन एंड मोबिलिटी इन इंडिया: अ जियोग्राफिक नेटवर्क एनालिसिस एंड सोशल जियोग्राफी अप्रोच”, एनटीवीएस जी. टी. पाटिल कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (7,00,000 रु.)
191. सोनेल सोम, “फादरलेस चाइल्डहुड्स: इन्वेस्टीगेटिंग सायको-सोशल काँसीक्वेंसेज ऑफ मेल माईग्रेशन ऑन अडॉलसेंट गर्ल्स इन रुरल कूच बिहार”, कूच बिहार महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (8,00,000 रु.)
192. मुनेश कुमारी, “द इंपेक्ट ऑफ लैंड-यूज/कवर चेंज इन ग्राउंडवॉटर हायड्रोकेमिस्ट्री एंड हेल्थ रिस्क एसेसमेंट इन हरियाणा”, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (8,00,000 रु.)
193. अरविंद कुमार सिंह, “कुशोक बकुला रिमपोछे एंड द कल्चरल रिवाइवल ऑफ बुद्धिज्म इन मंगोलिया एंड रशिया”, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)

194. मज़हर आसिफ, “द वक्फ एक्ट एंड इट्स सोश्यो-कल्चरल इंप्लीकेशन्स ऑन कॉन्टेम्पोररी इंडिया”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी) (11,00,000 रु.)
195. चंद्रशेखर पासवान, “भारतीय मूर्तिकला का दक्षिण-पूर्व एशिया बौद्ध देशों पर प्रभाव: एक प्रासंगिकता”, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (5,00,000 रु.)
196. विनय राव, “एन आर्कियोलॉजिकल स्टडी ऑफ गेलुग एंड न्यिंग्मा ऑर्डर बुद्धिस्ट मोनेस्ट्रीज़ ऑफ अरुणाचल प्रदेश”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)
197. सज्जाद अहमद, “रेप्रेजेंटेशन ऑफ मधुबनी फोक-आर्ट एंड क्राफ्ट्स इन द एनशिअंट टैपल्स ऑफ मिथिला रीजन ऑफ बिहार: अ सोश्यो-कल्चरल पर्सपेक्टिव”, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली (एनसीटी)। (7,00,000 रु.)
198. अल्पना उपाध्याय भट्ट, “द रोल ऑफ ट्रेडीशनल मैनुस्क्रिप्ट पेंटिंग्स एंड म्यूरल पेंटिंग्स इन द क्रिएशन ऑफ सोशल आईडेंटिटी इन सेंट्रल इंडिया बिफोर इंडीपेंडेंस”, पीएम उत्कृष्ट महाविद्यालय शासकीय माधव महाविद्यालय, मध्य प्रदेश। (6,00,000 रु.)
199. सिंगारावेल, “एंपॉवरिंग फार्मर्स, एनहेंसिंग न्यूट्रीशन: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन माइक्रोन्यूट्रिएंट फोर्टीफिकेशन इन वेजीटेबल कल्टीवेशन”, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (14,50,000 रु.)
200. अनुश्री जानू, “अ स्टडी ऑफ गोबरधन वेस्ट टू वेल्थ प्लांट्स इन पंजाब: एसेसिंग इंप्लीमेंटेशन, इंपैक्ट एंड पॉटेंशियल फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट”, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब। (14,50,000 रु.)
201. राम प्रकाश शर्मा, “रामायण एवं राष्ट्रीय जीवन: स्मृतिपरक व सांस्कृतिक अध्ययन”, एस.पी. जैन महाविद्यालय, बिहार। (7,50,000 रु.)
202. शशि पूनम, “प्रेजेंट स्टेटस एंड फ्यूचर ऑपॉर्च्युनिटीज़ इन आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर इन हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (8,00,000 रु.)
203. विकास कुमार, “जनजातियों के जीवन में ज्ञान परंपरा की भूमिका का समाजशास्त्रीय अध्ययन: छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीज़) के विशेष संदर्भ में”, ईश्वर सरन डिग्री महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (6,00,000 रु.)
204. सेराम भोगेन्द्र सिंह, “एन इंकायरी इन्टू इंटर जेनरेशनल ऑक्यूपेशनल मोबिलिटी अमंग मैतेई-पंगाल्स ऑफ मणिपुर”, एस कुला महिला महाविद्यालय, मणिपुर। (8,00,000 रु.)
205. एम.रोमेश सिंह, “सोश्यो-इकोनोमिक एंड कल्चरल डायनेमिक्स ऑफ आर्टूप्रेन्योरशिप इन मणिपुर: एन एथेनोग्राफिक स्टडी”, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (8,00,000 रु.)
206. उरफत अंजेम मीर, “एन एथेनोग्राफिक इंकायरी इन्टू द रिस्क एंड कल्चरल प्रोटेक्टिव फैक्टर्स ऑफ मेंटल हेल्थ ऑफ अडॉलसेंट्स इन जम्मू एंड कश्मीर”, डॉ. बी.आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,00,000 रु.)
207. पी.एच. इब्राहिम कुट्टी, “लिंग्विस्टिक एंड कल्चरल नेगोसिएशंस ऑन डिसएबिलिटी: अ ट्राइलिंगुअल अप्रोच टू दिव्यांगजन रेप्रेजेंटेशन इन लिटररी ट्रांसलेशन्स अक्रॉस इंग्लिश, हिंदी एंड मलयालम”, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल। (10,00,000 रु.)
208. सुजीत ठाकुर, “‘मेक इन इंडिया’ एंड इट्स चैलेंजेज़: द पॉलीटिकल इकोनोमी ऑफ द डिफेंस इंडस्ट्री”, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (9,50,000 रु.)
209. पूजा पुरांग, “डायवर्सिटी-रिलेटेड काग्रीशंस एंड इनक्लूसिव क्लाइमेट इन द कंटेक्स्ट ऑफ जेंडर इनएक्विटी एट वर्क”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे, महाराष्ट्र। (9,00,000 रु.)
210. रचना भानगाओकर, “कर्म-योगा एंड श्रद्धा: इंप्लीकेशंस फॉर प्रिजर्वेंस एंड वेल-बीईंग इन इंडियन एडल्ट्स”, द महाराजा सय्याजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, गुजरात। (8,00,000 रु.)
211. शहजादी मल्होत्रा, “क्रिएटिंग एन इंडीजिनस फ्रेमवर्क टू अंडरस्टैंड डिसोसिएटिव एंड सोमेटोफोर्म सिंपटम्स इन नॉर्थ इंडियन विमेन थ्रू लिब्ड एक्सपीरियेंसेज़”, मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एनसीटी)। (8,00,000 रु.)
212. सुषमा यादव, “सेल्फ-रिलाएंट मॉडेल ऑफ डिवेलपड इंडिया: अ कंपैरेटिव स्टडी थ्रू हिस्टोरिकल एवीडेंसेज़”, ग्लोबल विलेज संस्था, दिल्ली (एनसीटी)। (14,00,000 रु.)
213. पार्थसारथी मुखोपाध्याय, “कैटेगोराईज़िंग इंडियन रिसर्च पब्लिकेशंस इन सोशल साइंसेज़ बाय सस्टेनेबल डिवेलपमेंट

- गोल्स: डिजिटलिंग अ मशीन लर्निंग बेस्ड ऑटोमेटेड सिस्टम”, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (7,00,000 रु.)
214. मेघना जितेंद्रभाई व्यास, “स्कॉलर्ली आउटपुट ऑफ सोशल साईटिस्ट्स ऑफ इंडिया: अ बिबिलोमेट्रिक एसेसमेंट बेस्ड ऑन स्कोपस इंडेक्स ओपेन एक्सेस जर्नल्स”, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात। (6,50,000 रु.)
215. सुप्रिया पटनायक, “एफीकेसी ऑफ रेजिडेंशियल स्कूल्स इन सेलेक्टेड ट्राईबल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा: अ केस स्टडी”, सेंटॉरियन प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (9,00,000 रु.)
216. बिनित लाल, “पॉलीटिकल पार्टीसिपेशन एंड लीडरशिप ऑफ विमेन: अ कंपेरिटिव स्टडी ऑफ पीआरआईज़ अक्रॉस बिहार, झारखंड एंड मध्य प्रदेश”, नालंदा महाविद्यालय, बिहार। (8,00,000 रु.)
217. श्रेया पांडे, “अ प्रिज्मेटिक स्टडी ऑफ माईग्रेशन ऑफ ट्राइबल्स फ्रॉम द स्टेट ऑफ झारखंड थ्रू द पॉलीटिकल, ईकोनोमिक, सोशल एंड कल्चरल लैस: अ केस स्टडी ऑफ रांची, वेस्ट सिंहभूम, खूंटी एंड सिमदेगा डिस्ट्रिक्ट्स”, सेंट जैवियर्स महाविद्यालय, झारखंड। (10,00,000 रु.)
218. कौस्तुभ कुमार देका, “स्टडिंग द ट्रांसफोर्मेशन ऑफ द इंडीजिनस कम्युनिटीज़ ऑफ अरुणाचल प्रदेश”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम। (8,00,000 रु.)
219. शारदा प्रसाना राउत, “नॉन-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक पॉल्यूशन एंड इट्स सोश्यो-ईकोनोमिक इंप्लीकेशंस, पॉलिसी गैप्स, पब्लिक हेल्थ रिस्क्स, एंड सस्टेनेबल अल्टरनेटिव्स इन कोस्टल उड़ीसा: अ केस स्टडी ऑफ पुरी एंड चिलिका”, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (8,50,000 रु.)
220. कांदी कमला, “इंडियाज़ डेमोक्रेटिक फ्यूचर: वन नेशन, वन इलेक्शन बाय 2029”, शासकीय डिग्री व स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, हैदराबाद। (5,50,000 रु.)
221. सतीश कुमार झा, “न्यू एज नेशनलिज़्म इन 21स्ट सेंचुरी एंड इट्स कल्चरल रूट्स: अ स्टडी ऑफ इंडिया एंड ब्रिटेन इन एरा ऑफ ग्लोबलाइज़ेशन”, आर्यभट्ट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,50,000 रु.)
222. मनाली करमाकर, “रिप्रॉडक्टिव जस्टिस, डिजीजन-मेकिंग, एंड कल्चरल कोनोटेशंस इन मैटरनिटी वार्ड: अ कंपेरिटिव स्टडी ऑफ रिप्रॉडक्टिव फिनोमेनोलॉजी ऑफ द इंडीजिनस कम्युनिटीज़ ऑफ बिहार एंड बंगाल”, वेल्लोर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु। (10,00,000 रु.)
223. दीक्षा तायल, “एंपॉवरिंग ट्राईबल विमेन थ्रू ऑटोप्रेन्योरशिप एंड डिजिटल एक्सेसेबिलिटी: अ केस स्टडी ऑफ ईस्टर्न इंडिया”, मानव विकास संस्थान (आईएचडी), दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)
224. कोयल पॉल, “इंपेक्ट ऑफ जियोग्राफिकल एंड क्लाइमेटिक कंडीशंस ऑन द सकसेज़ ऑफ गवर्मेंटल स्कीम्स फॉर गर्ल चाइल्ड एजुकेशन: अ स्टडी ऑफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एंड रिलेटेड इनीशिएटिव्स इन प्रयागराज, उत्तर प्रदेश”, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
225. सुगीता उपाध्याय, “जेंडर इनइक्वेलिटी इन इंडियन हायर एजुकेशन: अ कंपेरिटिव स्टडी फ्रॉम इंडीपेंडेंस टू नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020”, विश्वनाथ कराद वर्ल्ड पीस विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (5,00,000 रु.)
226. संजीव कुमार, “मॉडेल्स ऑफ हार्मोनी एंड डिवेलपमेंट इन अहिल्याबाई होल्कर्स थॉट: डॉक्यूमेंटिंग हर विजन एंड एक्शंस इन सेलेक्टेड नॉर्दन इंडियन स्टेट्स”, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (7,50,000 रु.)
227. स्वाति शास्त्री, “इंडीजिनस मेडीकल हीलिंग प्रैक्टिसेज ऑफ बैगा एंड भारिया ट्राईब्स ऑफ मध्य प्रदेश”, अमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश। (8,00,000 रु.)
228. मीरा स्वैन, “इंडीजिनस हीलिंग मैथड्स एंड प्रैक्टिसेज फॉर सिकल सेल डिजीज़: एन इंपेक्ट स्टडी इन ट्राईबल कम्युनिटीज़ ऑफ साउथ उड़ीसा, इंडिया”, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (10,00,000 रु.)
229. फ्रैंकी वराह, “प्रोसपेक्ट ऑफ इंडीजिनस नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज अडॉप्शन इन द तंगखुल नागा कम्युनिटी, मणिपुर स्टेट”, श्रीराम वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)
230. अनुपम सनी, “एनवायरमेंटल कांशियसनेस इन द वर्कप्लेस: अ केस स्टडी ऑफ एनवायरमेंटल नॉलेज, अवेयरनेस एंड बिहेवियर अमंग एंप्लॉईज एंड एंप्लॉयर्स इन अ वर्कप्लेस”, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (एनसीटी)। (8,00,000 रु.)
231. नेहा भारद्वाज, “चिल्ड्रेन एंड न्यूट्रीशनल सिक्नोरिटी: द रोल ऑफ एसएनजी फॉर फूड लिटेरेसी एंड सस्टेनेबल कंजंप्शन

- अमंग द अंडरप्रिविलेज्ड”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (9,00,000 रु.)
232. जगदीश प्रसाद, “हिमाचल प्रदेश में पंगवाल जनजाति: इसके अनुष्ठानों, संस्कृतियों और परंपराओं का अध्ययन”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (7,50,000 रु.)
233. गंगा सहाय मीणा, “संस्कृति संरक्षण में आदिवासी मौखिक साहित्य के हिंदी अनुवाद का योगदान (काँट्रीव्यूशन ऑफ हिंदी ट्रांसलेशन ऑफ आदिवासी ओरल लिटरेचर)”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (6,00,000 रु.)
234. मनीषा जैन, “जैनागमों में वर्णित आहार: दार्शनिक एवं वैज्ञानिक विवेचन (जैनागमों के आयुर्वेद सम्मत ग्रंथों के आलोक में)”, जैन विश्व भारती (मानद) विश्वविद्यालय, राजस्थान। (6,00,000 रु.)
235. सूर्यवंशी प्रदीप शिवराम, “मराठवाड़ा में स्थित मारवाड़ी, गुजराती, राजपूत एवं बंजारा लोकगीतों का सांस्कृतिक एवं भाषागत अध्ययन”, दयानंद कला महाविद्यालय, महाराष्ट्र। (7,50,000 रु.)
236. श्याम त्रिमकराव शिरसाठ, “एडमिनिस्ट्रेशन एंड स्प्रिचुएलिटी: टुवर्ड्स एन एक्सप्लोरेशन ऑफ एन इंडीजिनस एडमिनिस्ट्रेटिव कल्चर ऑफ इंडिया”, बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (7,00,000 रु.)
237. देव नाथन, “माईग्रेशन एंड डिवेलपमेंट इन बिहार: अ स्टडी ऑफ लेबर सर्कुलेशन, रुरल लाइवलीहुड्स एंड सोश्यो-ईकोनोमिक चेंज”, मानव विकास संस्थान (आईएचडी), दिल्ली (एनसीटी)। (8,00,000 रु.)
238. गीता कुमारी, “इंपेक्ट ऑफ इंप्रूव्ड पिग एंड पोल्ट्री बैरायटीज रीयरिंग ऑन सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स एंड न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी अमंग ट्राईबल पॉप्यूलेशन ऑफ नागालैंड”, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)
239. सुनील साहा, “इंपेक्ट ऑफ कम्युनिटी-बेस्ड होमस्टे टूरिज्म (एचएमटी) ऑन अचीविंग सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजीज): अ पर्सपेक्टिव स्टडी ऑन द पॉर्टेनियल, वलनरेबिलिटीज एंड चैलेंजेज ऑफ इंडीजिनस कम्युनिटीज इन द रिमोट विलेजेज ऑफ दार्जीलिंग हिमालयन रीजन”, गौर बंगा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (8,00,000 रु.)
240. आंचल कुमारी, “स्ट्रीट्स ऑफ स्ट्रगल: जेंडर्ड मोबिलिटी एंड द इन्फॉर्मल लाईव्ज ऑफ विमेन इन जमशेदपुर एंड दुर्गापुर”, पोंडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (यूटी)। (7,00,000 रु.)
241. मशकूर अहमद, “एज स्ट्रक्चरल ट्रांजीशन एंड डेमोग्राफिक, सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ कोरिलेट्स ऑफ एल्डर्ली पॉप्यूलेशन इन पंजाब एंड उत्तर प्रदेश: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स”, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (9,00,000 रु.)
242. उत्पल राय, “अंडरस्टैंडिंग द स्पेशियो-टेम्पोरल नेचर ऑफ फैमिली ट्रांजीशन इन वेस्ट बंगाल”, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (4,00,000 रु.)
243. मनीष रंजन वाल्वेकर, “द क्रिटिकल एडीशन ऑफ द अष्टध्यायी”, अमृत विश्व विद्यापीठम्, कर्नाटक। (9,00,000 रु.)
244. वानी केसरी ए., “लीगल फ्रेमवर्क एंड द सोश्यो-ईकोनोमिक कंडीशंस ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स इन अर्नाकुलम”, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल। (8,50,000 रु.)
245. मंगलसिंह सतीशसिंह बिसेन, “कौटिल्याज अर्थशास्त्र एंड कंटेम्पोररी इंडियन लीगल सिस्टम: इनसाइट्स ऑन कंज्युमेरिज्म, गवर्नेंस एंड ईकोनोमिक रिफॉर्म”, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एंड कश्मीर (यूटी)। (7,00,000 रु.)
246. चंदन कुमार, “एक्सपैंशन ऑफ इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन (बुद्ध धम्मा) इन सेंट्रल एशिया”, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (9,00,000 रु.)
247. आर. उदयचंद्रन, “इंवेस्टीगेटिंग द स्प्रिचुअल एंड आयुर्वेदिक इंपोर्टेंस ऑफ स्थला वृक्षम इन भारत टेंपल्स इन द कांटेक्स्ट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स”, भारथिआर विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (9,00,000 रु.)

जल जीवन मिशन (जेजेएम) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजनाएं

1. चंदर कुमार सिंह, “वॉटर क्वालिटी एसेसमेंट एंड कम्युनिटी अवेयरनेस/मोबिलाइजेशन इन सेलेक्टेड आर्सेनिक-प्रोन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश: एकजामिनिंग द इनफ्रूएस ऑफ स्वच्छ जल से सुरक्षा (एसजेएसएस) कैपेन अंडर द जल जीवन मिशन”, टीटी (टीईआरआई) उच्च शिक्षा विद्यालय, नई दिल्ली। (12,00,000 रु.)
2. शिव सिंह बघेल, “जल जीवन मिशन का क्रियान्वयन, प्रभाव एवं सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान का मूल्यांकन: महाराष्ट्र राज्य के विदर्भ क्षेत्र का अनुभवजन्य विश्लेषण”, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा। (12,00,000 रु.)
3. ससांक घोष, “द जल जीवन मिशन: अ पाथवे टू एड्रेस ट्रीटेड वॉटर एवेलैबिलिटी, हेल्थ प्रॉब्लेम्स एंड वेल-बीईंग इन द हिमालयन रीजन ऑफ दार्जीलिंग”, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (10,00,000 रु.)
4. शूकर टी., “इवेल्यूएटिंग हेल्थ आउटकम्स फ्रॉम ऐनहैंसड वॉटर क्वालिटी: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ द जल जीवन मिशन इन द सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ गुजरात एंड केरल”, आईआईटीआरएम अहमदाबाद। (9,00,000 रु.)
5. दीपा पालाथिंगल, “द जल जीवन मिशन एंड इट्स इनफ्रूएस ऑन रुरल विमेन्स ईकोनोमिक एक्टिविटीज एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ: एन एम्पीरिकल स्टडी”, क्राईस्ट मानद विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
6. अमित राय, “छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का मूल्यांकनात्मक अध्ययन”, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
7. रुचि गर्ग, “ट्रांसफोर्मिंग सस्टेनेबल वॉटर कंजप्शन बिहेवियर अमंग रुरल हाउसहोल्ड्स: फ्यूचर स्ट्रेटेजीज एंड चैलेंजेज इन द इंप्लीमेंटेशन ऑफ द जल जीवन मिशन इन राजस्थान”, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय। (7,50,000 रु.)
8. ईलानोवान के., “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ वॉटर क्वालिटी इंप्रूवमेंट्स अंडर द जल जीवन मिशन ऑन पब्लिक हेल्थ, सोश्यो-ईकोनोमिक डिवेलपमेंट: अ स्टडी ऑफ रुरल कम्युनिटीज इन पोंडिचेरी एंड कराईकल”, पोंडिचेरी विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
9. चंद्रिमा चैटर्जी, “एक्सप्लोरिंग द इंपेक्ट ऑफ द जल जीवन मिशन ऑन द वेल-बीईंग ऑफ रुरल विमेन इन तेलंगाना: अ सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ स्टडी”, एनएलएसएआर (नालसार) विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद। (9,00,000 रु.)
10. गरिमा गुप्ता, “जैव गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य संवर्धन पर जल जीवन मिशन का प्रभाव: बिहार एवं उत्तर प्रदेश प्रांत के सीमावर्ती जिलों का एक तुलनात्मक अध्ययन”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय। (10,00,000 रु.)
11. नताशा एलांगबाम, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन द अवेयरनेस, इंप्लीमेंटेशन एंड इफेक्टिवनेस ऑफ द जल जीवन मिशन इन द रुरल एरियाज ऑफ काकचिंग एंड इंफाल ईस्ट डिस्ट्रिक्ट्स, मणिपुर”, मणिपुर विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
12. मृदुल दत्ता, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन रुरल हाउसहोल्ड्स एंड विमेन एंपॉवरमेंट: अ केस स्टडी ऑफ फोर डिस्ट्रिक्ट्स इन असम”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
13. शेख इफ्तिखार अहमद, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन इन पंजाब: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ विलेजेज अडॉप्टेड अंडर द संसद आदर्श ग्राम योजना”, ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केन्द्र। (9,00,000 रु.)
14. संजय रिजाल, “एसेसिंग द रोल ऑफ जल जीवन मिशन इन एंपॉवरिंग विमेन इन रुरल असम”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़। (8,00,000 रु.)
15. बी. अजंथा, “एम्पीरिकल इवेल्यूएशन ऑफ द जल जीवन मिशन इन द रुरल एरियाज ऑफ विरुद्धनगर डिस्ट्रिक्ट: ए स्टडी ऑन एक्सेस, इंपेक्ट एंड सस्टेनेबिलिटी”, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय। (6,00,000 रु.)
16. अंबरीश कुमार राय, “सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ एसेसमेंट ऑफ द जल जीवन मिशन इन रुरल बिहार: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ समस्तीपुर डिस्ट्रिक्ट”, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय। (10,00,000 रु.)
17. जावेद रशीद, “द इंपेक्ट एंड इफेक्टिवनेस ऑफ द जल जीवन मिशन इन इंप्रूविंग रुरल हेल्थ एंड वेल-बीईंग: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर”, कश्मीर विश्वविद्यालय। (10,00,000 रु.)
18. विजय शंकर विक्रम, “झारखंड में पेयजल प्रबंधन: जल जीवन मिशन का ग्रामीणों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं

- समग्र विकास पर प्रभाव एवं चुनौतियाँ”, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, सारण, बिहार। (8,00,000 रु.)
19. किशोर कुमार धावला, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ ‘हर घर नल का जल’ ऑन रुरल वॉटर एक्सेसिबिलिटी इन गया एंड नालंदा डिस्ट्रिक्ट्स”, नालंदा विश्वविद्यालय। (10,00,000 रु.)
 20. झिलम रे, “द रोल ऑफ द जल जीवन मिशन इन इंप्रूविंग द लिविंग कंडीशंस ऑफ ट्राइबल विमेन इन वेस्ट बेंगॉल्स सेमी-एरिड रीजन: एन एम्पीरिकल स्टडी”, जाधवपुर विश्वविद्यालय। (9,35,000 रु.)
 21. नरेंद्र कुमार, “इंटीग्रेटिंग रुरल कम्युनिटीज थ्रू वॉटर एक्सेसिबिलिटी: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ पौड़ी गढ़वाल अंडर द जल जीवन मिशन”, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), श्रीनगर, उत्तराखंड। (9,00,000 रु.)
 22. विकास कुमार, “द जल जीवन मिशन एंड इट्स रोल इन एडवांसिंग विमेन एंपॉवरमेंट: एन एविडेंस-बेस्ड स्टडी इन दीव, यूनियन टैरीटरी”, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बडोदरा अंतर्राष्ट्रीय कैंपस, दीव। (7,50,000 रु.)
 23. सज्जाद नबी डार, “द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन वॉटर एक्सेसिबिलिटी एंड क्वालिटी: एन एम्पीरिकल स्टडी इन लेह लद्दाख”, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय। (7,00,000 रु.)
 24. आशुतोष त्रिपाठी, “सोश्यो-ईकोनोमिक एंड एनवायरमेंटल इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन (जेजेएम) एंड सस्टेनेबिलिटी: एन एम्पीरिकल स्टडी इन नागालैंड”, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी। (12,00,000 रु.)
 25. चंदन रॉय, “क्लाइमेट चेंज, वॉटर एक्सेसिबिलिटी एंड रुरल डिवेलपमेंट: एसेसिंग द इकोनोमिक एंड हेल्थ इंपेक्ट्स ऑफ द जल जीवन मिशन इन द सुंदरबन्स रीजन, इंडिया”, क्राईस्ट विश्वविद्यालय। (8,00,000 रु.)
 26. पवन, “स्ट्रेटेजिक वॉटर मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबिलिटी अंडर द जल जीवन मिशन: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ पॉटेबल वॉटर सप्लाई इन चुरु डिस्ट्रिक्ट”, राजस्थान एवं लद्दाख यूटी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय। (10,50,000 रु.)
 27. चिंताला बालाजी, “द रोल ऑफ द जल जीवन मिशन इन एनहैंसिंग सोश्यो-ईकोनोमिक वेल-बीईंग: अ फोकस ऑन शिड्यूलड कास्ट्स (एससी) एंड शैड्यूलड ट्राईब्स इन आंध्र प्रदेश”, केएल विश्वविद्यालय। (8,00,000 रु.)
 28. नताशा हजारिका, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ द जल जीवन मिशन: अ कांप्रीहेंसिव स्टडी ऑफ वॉटर एक्सेसिबिलिटी, क्वालिटी एंड सोश्यो-ईकोनोमिक आउटकम्स इन रुरल असम”, बिट्स (बीआईटीएस) पिलानी। (8,00,000 रु.)
 29. चंद्र प्रकाश मौर्या, “सोश्यो-ईकोलॉजीकल सस्टेनेबिलिटी ऑफ द जल जीवन मिशन: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ एंबर ब्लॉक इन रुरल राजस्थान”, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान। (7,00,000 रु.)
 30. पुष्परज सिंह, ‘इवेल्यूएटिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ आउटकम्स ऑफ जल जीवन मिशन इन ट्राइबल एरियाज ऑफ बिलासपुर एंड जीपीएम डिस्ट्रिक्ट्स, छत्तीसगढ़”, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
 31. एम एस देशमुख, “टुवर्ड्स विकसित भारत 2047: एसेसिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट्स ऑफ जल जीवन मिशन एंड चैलेंजेज इन वेस्टर्न महाराष्ट्र”, शिवाजी विश्वविद्यालय। (1,00,000 रु.)
 32. सुरेश कुमार पात्रा, “इवेल्यूएशन ऑफ द जल जीवन मिशन (जेजेएम) इन एनहैंसिंग कम्युनिटी हेल्थ एंड ईकोनोमिक प्रॉस्पेरिटी: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सेलेक्टेड इंडियन स्टेट्स”, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय। (10,00,000 रु.)
 33. सतीश कुमार जी., “विमेन, वॉटर एंड वर्क: अ स्टडी ऑन द ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट ऑफ विमेन थ्रू द जल जीवन मिशन इन रुरल तमिलनाडु”, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान। (8,00,000 रु.)
 34. पुष्पेंद्र सिंह, “एक्सप्लोरिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन मर्जिनलाईज्ड कम्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश एंड महाराष्ट्र: अ कांप्रीहेंसिव स्टडी”, सौमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई। (10,00,000 रु.)
 35. एमडी मसरूर आलम, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन हेल्थ ऑफ रुरल कम्युनिटीज विद रिसपेक्ट टू वॉटर बॉर्न डिजीजेज: अ स्टडी ऑफ नार्दर्न रीजन ऑफ बिहार”, एल.एन.मिथिला विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
 36. डॉ. सरिता मिश्रा, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन वॉटर सप्लाई सस्टेनेबिलिटी अंडर जल जीवन मिशन: एन एम्पीरिकल स्टडी इन उड़ीसा”, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक। (9,00,000 रु.)
 37. मनोज कुमार, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ द जल जीवन मिशन ऑन वॉटर एक्सेसिबिलिटी, पब्लिक हेल्थ

- एंड सोश्यो-ईकोनोमिक डिवेलपमेंट इन रुरल इंडिया: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश एवं झारखंड”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
38. तिरुपति, “इवेल्यूएटिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ जल जीवन मिशन इन एंशोरिंग सस्टेनेबल एंड अफोर्डेबल ड्रिंकिंग वॉटर इन द सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ कर्नाटक: एन एम्पीरिकल स्टडी फॉर पॉलिसी इनसाईट्स”, क्राईस्ट (मानद) विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
39. परमसिवम आर, “ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन विमेन एंपॉवरमेंट एंड स्पिलओवर इफेक्ट ऑन हेल्थ, एजुकेशन एंड एंग्लॉयमेंट इन एसपीरेशनल ब्लॉक्स ऑफ तमिलनाडु”, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान। (8,10,000 रु.)
40. ए. जेवियर सुसाई राज, “सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ रुरल पाईप ड्रिंकिंग वॉटर सिस्टम्स अंडर जल जीवन मिशन: एन एम्पीरिकल स्टडी इन द स्टेट ऑफ तमिलनाडु”, थिरुवल्लुर। (7,90,000 रु.)
41. डॉ. शिहाबुद्दीन एन., “कम्युनिटी पार्टीसिपेशन एंड इट्स इंपेक्ट ऑन हेल्थ एंड वॉटर क्वालिटी इन रुरल वॉटर सप्लाई सिस्टम्स: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ महाराष्ट्र एंड केरल अंडर द जल जीवन मिशन”, कालीकट विश्वविद्यालय। (11,00,000 रु.)
42. पांची पाठक, “द जल जीवन मिशन एज अ सस्टेनेबल अप्रोच टू अचीव सेफ ड्रिंकिंग वॉटर फॉर ऑल: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ टी गार्डन एरियाज़ इन तिनसुकिया डिस्ट्रिक्ट, असम”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम। (7,00,000 रु.)
43. मनु गौतम, “इनक्लूसिव डिवेलपमेंट थ्रू जल जीवन मिशन: एन एम्पीरिकल स्टडी इन मालवा रीजन ऑफ मध्य प्रदेश”, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एमपीआईएसएसआर)। (8,00,000 रु.)
44. वज़ीर आलम, “जियोस्पेशल एसेसमेंट ऑफ द जल जीवन मिशन ऑन रुरल हेल्थ अक्रॉस वैरियस जियोग्राफीकल लैंडस्केप्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, मणिपुर विश्वविद्यालय। (8,00,000 रु.)
45. चयनिका बरुआ, “अ मिशन एट द मार्जिन्स: एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन हेल्थ, हायजीन एंड पॉवर्टी रिडक्शन विद अ स्पेशल फोकस ऑन विमेन एंड चिल्ड्रेन एट सेलेक्टेड टी गार्डन्स ऑफ अपर असम”, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय। (8,00,000 रु.)
46. पंकज कुमार झा, “इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन इन फ्लड-प्रोन ज़ोन्स ऑफ इंडिया: अ स्टडी ऑफ वॉटर मैनेजमेंट एंड गवर्नेंस इन सेलेक्टेड एसपायरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ बिहार”, दिल्ली विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
47. अनिल भाट, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन रुरल वॉटर एक्सेसिबिलिटी, हेल्थ एंड लाइवलीहुड इन जम्मू एंड कश्मीर”, जम्मू शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
48. अनिल कुमार, “एसेसिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक एंड हेल्थ आउटकम्स ऑफ इंप्रूव्ड वॉटर एक्सेस: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ द जल जीवन मिशन इन हिमाचल प्रदेश एंड जम्मू एंड कश्मीर”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय। (11,00,000 रु.)
49. जयंता दास, “एसेसिंग द इंपेक्ट ऑफ द जल जीवन मिशन ऑन रिड्यूसिंग वॉटर कंटेमिनेशन एंड इट्स सोश्यो-ईकोनोमिक इंप्लीकेशंस विद अ स्पेशल फोकस ऑन विमेन एंड एल्डर्ली पॉप्यूलेशन: अ केस स्टडी इन आर्सेनिक अफेक्टेड रीजन्स ऑफ लोअर गैंजेटिक बेसिन”, पश्चिम बंगाल रामपुरहाट महाविद्यालय। (10,00,000 रु.)
50. सुधाकर पात्रा, “इवेल्यूएटिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ द जल जीवन मिशन इन एड्रेसिंग लेड पॉइज़निंग: अ स्टडी ऑफ कंटेमिनेशन हॉटस्पॉट्स इन उड़ीसा”, बेरहामपुर विश्वविद्यालय। (12,50,000 रु.)
51. अनंत गौतम, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ द जल जीवन मिशन ऑन रुरल कम्युनिटीज़: अ स्टडी ऑफ द गैंजेटिक प्लेन एंड हिमालयन रीजन्स ऑफ इंडिया”, सिक्किम विश्वविद्यालय। (9,00,000 रु.)
52. भास्कर कुमार काकती, “इंपेक्ट ऑफ जल जीवन मिशन ऑन सोशल रिलेशंस इन रुरल मध्य प्रदेश”, नीति अनुसंधान एवं शासन केंद्र। (10,00,000 रु.)

सौर ऊर्जा और सततता (एस.ई.एस.) पर सहयोगात्मक अनुभवजन्य शोध परियोजना

1. इम्माद अहमद शाह, “डिटरमिनेंट्स ऑफ हाउसहोल्ड अडॉप्शन ऑफ सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी इन द यूनियन टैरीटरी ऑफ लद्दाख”, कश्मीर शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर। (13,00,000 रु.)
2. जिजु गिल्लारिओज़, “हाउसहोल्ड फोटोवोल्टिक प्रोजेक्ट्स फॉर अफोर्डेबल एंड क्लीन एनर्जी (एसडीजी 7): स्टेकहोल्डर सैटिसफैक्शन एंड प्रोजेक्ट सक्सेज़”, क्राईस्ट (मानद) विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (13,00,000 रु.)
3. कृष्णेंद्र शां, “अंडरस्टैंडिंग द ड्राईवर्स एंड बैरियर्स ऑफ अडॉप्टिंग सोलर पंप्स अंडर पीएम कुसुम योजना अमंग मार्जिनैलाइज्ड एंड ट्राईबल फार्मर्स इन झारखंड”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद, झारखंड। (10,00,000 रु.)
4. दीप्ति शर्मा, “एंपॉवरिंग इंडियाज़ ग्रीन एनर्जी ट्रांज़ीशन: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सोलर एनर्जी इंटीग्रेशन इन एग्रीकल्चर”, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, राजस्थान। (12,00,000 रु.)
5. उज्जल प्रोतिम दत्त, “एक्सप्लोरिंग कंज्युमर विलिंगनेस टू यूटीलाइज़ सोलर एनर्जी: एन एम्पीरिकल स्टडी इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर, असम। (12,00,000 रु.)
6. पूजा शर्मा, “एनालायज़िंग पाथवेज़ ऑफ सोलर एनर्जी डिप्लॉयमेंट: फैक्टर्स, चैलेंजेज़ एंड वे फॉरवर्ड”, अर्थशास्त्र विभाग दौलतराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। (12,00,000 रु.)
7. अंकिता सरमाह, “पीएम-कुसुम स्कीम इन द नॉर्थ-ईस्ट इंडिया: ऑपच्युनिटीज़, चैलेंजेज़ एंड द पाथ फॉरवर्ड फॉर अरुणाचल प्रदेश, असम एंड सिक्किम”, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, असम। (12,50,000 रु.)
8. काले संतोष सुभाष, “एनहैंसिंग द रीच ऑफ अ स्केलेबल मैनेजमेंट फ्रेमवर्क फॉर सोलर एनर्जी डिप्लॉयमेंट”, बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छ. संभाजीनगर, महाराष्ट्र। (8,00,000 रु.)
9. ऋत्विक् मजूमदार, “अ स्टडी ऑन द सोशयो-ईकोनोमिक इंपेक्ट्स ऑफ द पीएम-सूर्यघर: मुफ्त बिजली योजना इन सदरन असम विद स्पेशल रेफरेंस टू हेल्थ”, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम। (12,00,000 रु.)
10. रचना चतुर्वेदी, “सोशयो-ईकोनोमिक इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ सोलर एनर्जी अडॉप्शन इन ट्राईबल/रुरल बेल्ट ऑफ रायसेन डिस्ट्रिक्ट”, रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश। (11,00,000 रु.)
11. देवी प्रसाद दाश, “हारनेसिंग इकैलिटी: अ ट्राई-स्टेट स्टडी ऑफ सोलर एनर्जीज़ सोशयो-ईकोनोमिक इनफ्लूएंस ऑन द वलनरेबल पॉप्यूलेशन”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राजस्थान। (12,00,000 रु.)
12. धनराज, “एसेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ सूर्यमित्र स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रेन्थनिंग द सोलर ऑटोप्रेन्योरशिप एंड एंप्लॉयमेंट”, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब। (10,00,000 रु.)
13. संदीप कुलश्रेष्ठ, “इवेल्यूएटिंग द बैरियर्स टू सोलर एनर्जी अडॉप्शन, कॉस्ट एफीशिएंसी एंड एनर्जी यूजेज़ इन द इंडियन होटेल इंडस्ट्री”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (13,00,000 रु.)
14. वंदना भावसर, “इनेबलर्स एंड बैरियर्स फॉर अडॉप्शन ऑफ रूफटॉप सोलर सिस्टम: अ केस स्टडी ऑफ सांगली”, महाराष्ट्र एनआईसीएमएआर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र। (12,00,000 रु.)
15. एमडी तनवीर अहमद, “अ कॉंप्रीहेंसिव स्टडी ऑफ सोशयो-ईकोनोमिक एंड सस्टेनेबिलिटी फैक्टर्स इनफ्लूएंसिंग द इंड्रीमेंटेशन ऑफ पीएम सूर्य घर: सोलर बिजली योजना इन रुरल एरियाज़ ऑफ साउथ बिहार”, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली, दिल्ली। (12,00,000 रु.)
16. एसीवी सुब्रमण्यम, “इवेल्यूएटिंग द फैक्टर्स एंड इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी अडॉप्शन ऑन एसएमई: अ स्टडी ऑफ एसएमई ऑफ हैदराबाद”, बिट्स-पिलानी (हैदराबाद कैंपस) तेलंगाना। (11,00,000 रु.)
17. सोनाली अग्रवाल, “हारनेसिंग सोलर पावर फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर: इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ पीएम कुसुम योजना ऑन फार्मर्स इन्कम एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन दिल्ली एंड अलवर”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। (8,00,000 रु.)
18. विनीत तिवारी, “एसेसिंग द सोशयो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी इन ईस्ट उत्तर प्रदेश एंड गुजरात: अ कंपेरिटिव स्टडी”, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश। (12,00,000 रु.)

19. दीप्ति सामंतारे, “इंपेक्ट एसेसमेंट ऑफ सोलर एनर्जी इनीशिएटिव्ह इन सेलेक्टेड एरियाज ऑफ उत्तर प्रदेश: पॉलिसी इंप्लीकेशंस फॉर रिड्यूसिंग कार्बन फुटप्रिंट”, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (11,00,000 रु.)
20. नतिशा साकिब, “एनालायजिंग द ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी अडॉप्शन ऑन हाउसहोल्ड पॉवर बिल्स, डिसपोजेबल इन्कम एंड फाईनेंशियल स्टैबिलिटी इन कश्मीर रीजन”, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर। (12,00,000 रु.)
21. अब्दुल रशीद पी सी, “टैक्नीकल एंड ईकोनोमिक फीजिबिलिटी ऑफ सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम इन एसएमईज: अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू सीजनल एनर्जी”, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल। (10,50,000 रु.)
22. सोनल गुप्ता, “रियलाईजिंग सस्टेनेबिलिटी: द सोश्यो-ईकोनोमिक एंड एनवायरमेंटल इंपेक्ट ऑफ सोलर रूफटॉप्स इन द बॉर्डर रीजन्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर एंड लद्दाख”, यूपीईएस, उत्तराखंड। (12,00,000 रु.)
23. पवन कुमार अत्री, “सोश्यो-ईकोनोमिक आउटकमस ऑफ सोलर एनर्जी अडॉप्शन: अ स्टडी ऑफ शिड्यूल्ड एंड नॉन-शिड्यूल्ड एरियाज इन हिमाचल प्रदेश”, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश। (7,31,000 रु.)
24. तारिक अहमद शेख, “सोलर एनर्जी एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: अ केस स्टडी ऑफ लद्दाख”, लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, पंजाब। (8,00,000 रु.)
25. प्रदीप कुमार साहू, “एफीशिएंसी ऑफ सोलर एनर्जी इन द सोश्यो-ईकोनोमिक डिवेलपमेंट ऑफ ट्राईबल फार्मर्स हाउसहोल्ड इन उड़ीसा”, सेंचुरियन प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (9,00,000 रु.)
26. सौरभ, “द सोश्यो-ईकोनोमिक एंड ड्राईवर्स ऑफ विलिंगनेस टू पीवी सोलर पैनल अमंग रुरल रेज़िडेंट्स ऑफ द जम्मू एंड कश्मीर: अ स्टैटिस्टिकल एंड मशीन लर्निंग अप्रोच”, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर। (8,30,000 रु.)
27. अनिर्बाण सेनगुप्ता, “एनर्जी सोवर्निटी ऑफ रुरल हाउसहोल्ड्स थ्रू सोलर एनर्जी: अ स्टडी ऑफ उड़ीसा एंड बिहार”, आईआईएम बोधगया, बिहार। (12,00,000 रु.)
28. वंदना मौर्या, “पॉलिसी इंपैक्ट ऑफ मैनेजिंग सोलर वेस्ट इन इंडिया”, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। (12,00,000 रु.)
29. डॉ. भूषण सिंह, “ग्रीन ग्रोथ थ्रू सोलर एनर्जी: इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी इनीशिएटिव्ह ऑन सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन हिमाचल प्रदेश”, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा। (12,00,000 रु.)
30. लिंग मूर्ति साधु, “ऑप्टीमल यूटीलाइजेशन ऑफ सोलर एनर्जी फॉर इलेक्ट्रिक वेहीकल्स (ईवीज): काँप्रीहेंसिव एनालिसिस एंड स्ट्रेटेजिक मैजर्स”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (12,00,000 रु.)
31. अमरनाथ पासवान, “आदिवासी समुदायों में सौर ऊर्जा का महत्व: उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद के विशेष संदर्भ में”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश। (11,00,000 रु.)
32. कादरी जावेद अहमद पीर, “इवेल्यूएटिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर वॉटर पंप्स ऑन फार्मिंग कम्युनिटीज इन कश्मीर”, एसकेयूएसटी-कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर। (10,00,000 रु.)
33. श्रुति मिश्रा, “सोश्यो-ईकोनोमिक डिफ्रेंशियल्स इन द अडॉप्शन ऑफ सोलर एनर्जी इन बिहार: अंडरस्टैंडिंग द हाउसहोल्ड डिजीजन-मेकिंग”, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, बिहार। (10,00,000 रु.)
34. सायथु मोहम्मद, “कंपैरेटिव स्टडी ऑफ रूफटॉप सोलर अडॉप्शन अमंग अर्बन हाउसहोल्ड्स इन साउथ इंडियाज मेजर सिटीज”, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु। (10,00,000 रु.)
35. सलमान हैदर, “ड्राईवर्स एंड बैरियर्स ऑफ रूफटॉप सोलर पॉवर: एन एनालिसिस ऑफ माईक्रो एंड स्मॉल साईज होटेल्स इन इंडिया”, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु। (10,00,000 रु.)
36. निकिता गोगोई, “इवेल्यूएटिंग द सोश्यो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी इन द सेलेक्टेड ब्लॉक्स ऑफ खंडवा डिस्ट्रिक्ट इन मध्य प्रदेश: एन एम्पीरिकल स्टडी” सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा, मध्य प्रदेश। (10,00,000 रु.)
37. वेंगलाराव पचावा, “एसेसिंग द ईकोनोमिक बेनेफिट्स एंड चैलेंजेज ऑफ अडॉप्टिंग ऑफ-ग्रिड सोलर पंप्स अंडर द पीएम-कुसुम स्कीम इन नॉर्थ कर्नाटक”, एनएमआईएमएस विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (10,00,000 रु.)
38. विनोद आर्या, “एसेसिंग द एनवायरमेंटल एंड ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर एनर्जी अडॉप्शन इन श्री नॉर्थ

- इंडियन स्टेट्स”, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब। (12,00,000 रु.)
39. नवनीथम बी., “एसेसिंग द सोशयो-ईकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ सोलर-पॉवर्ड टेक्नोलॉजीज़ इन तमिलनाडुज़ एग्रीकल्चरल लैंडस्केप”, कारुण्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु। (10,00,000 रु.)
40. बालासुब्रमण्यम संबासिवम, “भारतीयज़ पर्सपेक्टिवज़ ऑन ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर पीवी इंप्लीमेंटेशन”, महिन्द्रा विश्वविद्यालय, केरल। (10,00,000 रु.)
41. डी. ससिकला देवी, “कॉस्ट-बेनेफिट एनालिसिस एंड ऑप्टिमाइज़ेशन ऑफ सोलर एनर्जी इंप्लीमेंटेशन इन हाउसहोल्ड्स: विज़न विकसित भारत@2047”, भारतीआर विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (10,00,000 रु.)
42. अमरेश कुमार, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ रूफटॉप सोलर प्रोग्राम ऑन ईकोनोमी इन केरल एंड बिहार: अ कंपैरेटिव स्टडी” भारतीय प्रबंधन संस्थान, बिहार। (12,00,000 रु.)
43. रोहित बंसल, “सोलर एनर्जी एंड सस्टेनेबिलिटी: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन अडॉप्शन, इंपेक्ट एंड पॉलीसी इंटरवेंशंस इन इंडिया”, राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तर प्रदेश। (12,00,000 रु.)

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी)

1. मल्लिका एम. जी., “मैपिंग द डेमोग्राफिक डायनेमिक्स ऑफ कट्टुनायकन ट्राईबल कम्युनिटी इन केरल”, थुंचथ एजुथाचन मलयालम विश्वविद्यालय, केरल। (15,00,000 रु.)
2. थपस्या जे., “एसेसिंग द इंप्लीमेंटेशन ऑफ मदर टंग-बेस्ड मल्टीलिंगुअल एजुकेशन (एमटीबी-एमएलई) अमंग केरलाज़ पीवीटीजीज़: डिग्रेडिंग लैंग्वेज टीचिंग मॉड्यूल्स बेस्ड ऑन एनईपी 2020”, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, मध्य प्रदेश। (16,00,000 रु.)
3. मृण्मयी प्रमाणिक, “कम्युनिटी पार्टनरशिप-बेस्ड रिसर्च ऑन द लोधा कम्युनिटी इन वेस्ट बेंगाल एंड उड़ीसा: एडवांसिंग सस्टेनेबल डिग्रेडिंग पॉलिसी, लैंग्वेज डॉक्यूमेंटेशन एंड पॉलिसी फॉर्म्यूलेशन”, कलकत्ता विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल। (18,00,000 रु.)
4. मीरांबिका महापात्रो, “बिटवीन एक्सपोज़र एंड एक्सप्लोइटेशन: द इनफ़्लूएंस ऑफ मीडिया ऑन द सेक्सचुअल एंड मेंटल हेल्थ एंड वेल्-बीईंग ऑफ साओरा ट्राईबल्स (पीवीटीजी) इन उड़ीसा नेशनल”, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
5. विराग सोनटके, “कल्चर एंड सोशल मेमोरीज़ (मेमोरियल स्टोन्स) ऑफ द मडिया गोंड ट्राईब ऑफ गडचिरोली, महाराष्ट्र: एन एथेनोग्राफिक पर्सपेक्टिव”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (15,00,000 रु.)
6. प्रतीक, “बिटवीन रिचुअल एंड थिएटर: स्वांग परफोर्मेंस इन बक्सा ट्राईबल ट्रेडीशन”, बिड़ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बिट्स) पिलानी, राजस्थान। (15,00,000 रु.)
7. अंकिता सतपथी, “लैंग्वेज मैनेनेन्स थ्रू म्यूज़िक: अ ट्रांसडिसीप्लीनरी अप्रोच फॉर कॉलेबोरैटिव लैंग्वेज डॉक्यूमेंटेशन ऑफ कुटिया-कोंध ट्राईब ऑफ उड़ीसा”, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक। (15,00,000 रु.)
8. हरप्रिया सामंतराया, “न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ पीवीटीजी कम्युनिटीज़: एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ जुआंग, पौडी भुयान, डोंगरिया कोंध एंड बोंडा इन उड़ीसा”, संबलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (20,00,000 रु.)
9. जरीना जे.एम., “डिग्रेडिंग ए मल्टीलिंगुअल हेल्थ कम्युनिकेशन कोर्पस फॉर द कुटिया कोंधा ऑफ कालाहांडी डिस्ट्रिक्ट, उड़ीसा: एन एथेनोग्राफिक स्टडी”, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश। (15,00,000 रु.)
10. रीमिंगम मार्चेंग, “चेंजिंग स्ट्रक्चर ऑफ पॉप्यूलेशन, एजुकेशन एंड एंग्लायमेंट थ्रू मॉडर्नाइज़ेशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड गवर्मेंट पॉलिसीज़: अ केस ऑफ माराम नागा पीवीटीजी ऑफ मणिपुर”, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, कर्नाटक। (17,00,000 रु.)
11. हैप्जीबाह मैरी टी., “इंपेक्ट ऑफ मॉडर्नाइज़ेशन ऑन द लाइवलीहुड्स एंड ईकोनोमिक एक्टिविटीज़ ऑफ पीवीटीजीज़ इन गुजरात”, पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गुजरात। (15,00,000 रु.)
12. प्रसन्न कुमार पात्रा, “अ बायो-कल्चरल स्टडी ऑफ द पर्सपेक्शन एंड प्रैक्टिसेज अराउंड प्रेग्नेंसी, चाइल्डबर्थ, लैक्टेसन एंड चाइल्डकेयर अमंग द लोधा एंड डोंगरिया

- कोंध (पीवीटीजीज़) ऑफ उड़ीसा”, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा। (25,00,000 रु.)
13. शमशेर आलम, ‘कांटीन्युटी, चैलेंजेज एंड कॉन्फ्रूंस ऑफ हेल्थ पॉलिसीज एंड मॉडर्नाइजेशन ऑन इंडीजिनस मेडीसिनल नॉलेज एंड हीलिंग प्रैक्टिसेज ऑफ द बिरजियास ऑफ झारखंड”, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड। (18,00,000 रु.)
 14. अमित कुमार बसंतारे, ‘एक्सटेंट ऑफ वलनरेबिलिटी, सस्टेनेबल लाइवलीहुड स्ट्रेटेजीज एंड देयर आउटकम्स: अ स्टडी ऑफ जुआंग ट्राईब इन ओड़िशा”, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश। (15,00,000 रु.)
 15. सी. जस्टिन सेल्वाराज, “डॉक्यूमेंटिंग कुरुम्बा ट्रेडिशनल आर्ट फोर्म्स”, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु। (15,00,000 रु.)
 16. शुभ गुप्ता, “इवेल्यूएशन, इंप्लीमेंटेशन एंड स्टेटस ऑफ गवर्मेंट पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स: स्टडी ऑन द बोंडा हाईलैंड्स ऑफ मलकानगिरी डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़ीसा”, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (16,00,000 रु.)
 17. गोदुगु श्रीनिवास, “सोश्यो-कल्चरल डायनेमिक्स एंड लाइवलीहुड्स पैटर्न्स ऑफ द कोरागा ट्राईब इन कर्नाटका: अ मल्टी-डिस्प्लीनरी स्टडी”, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र, पणजी गोवा। (14,00,000 रु.)
 18. थनुजा मम्मीदी, “सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स विदिन क्लाइमेट चेंज डिसकोर्स: अ लांगीट्यूडनल स्टडी ऑफ द कोंडा रेड्डीज (पीवीटीजी), आंध्र प्रदेश”, पोंडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (यूटी)। (15,00,000 रु.)
 19. रमेश एम., “द पैस्टोरल लीगेसी ऑफ द टोडाज: आर्ट्स, कल्चर, एजुकेशन, हेल्थ एंड लाइवलीहुड ऑफ द नीलगिरीज बायोस्फेयर – एन एथेनोग्राफी पर्सपेक्टिवज”, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश। (18,00,000 रु.)
 20. लिंकन रीयांग, “द कल्चरल हेरीटेज ऑफ द रीयांग ऑफ त्रिपुरा: एक्सप्लोरिंग चैलेंजेज एंड सोल्यूशंस”, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा। (15,00,000 रु.)
 21. निशा पांडे, “इंटरकनेक्शंस बिटवीन पीवीटीजीज लाइवलीहुड्स, एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड फारेस्ट रिसोर्स मैनेजमेंट इन कथोडी ट्राईब इन विजयनगर तालुका, साबरकांथा डिस्ट्रिक्ट, गुजरात”, गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान (जीआईडीआर), गुजरात। (16,00,000 रु.)
 22. आशिस कुमार प्रधान, “हारनैसिंग इंडीजिनस नॉलेज फॉर जियोग्राफिकल इंडीकेशन (जीआई) टैगिंग ऑफ रेड एंड चटनी: एनहैंसिंग सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स फॉर द मनकिडिया पीवीटीजीज ऑफ उड़ीसा”, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, उड़ीसा। (15,00,000 रु.)
 23. बाबूराव संभाजी जाधव, “डिकोलोनाईजिंग द डिसकोर्स ऑन पीवीटीजीज: कल्चरल हेरीटेज एंड इंडीजिनस नॉलेज सिस्टम्स ऑफ द कोलाम ट्राईब इन महाराष्ट्र”, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र। (10,00,000 रु.)
 24. सरिता पांडे, “ब्रिजिंग पॉलिसी एंड इंडीजिनस रिएलिटीज: अ सोश्यो-ईकोलॉजीकल स्टडी ऑफ द डोंगरिया कोंध ट्राईब इन नियमगिरी माउंटेंस”, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
 25. रत्ना शंकर मिश्रा, “सस्टेनिंग टोडा एंब्रायडरी: कल्चरल हेरीटेज, मार्केट एक्सपेंशन एंड पॉलिसी इंटरवेंशन्स”, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश। (16,00,000 रु.)
 26. शशिकांत तराई, “लैंग्वेज, कल्चर एंड सर्वाइवल: अ सोशलोलिंग्विस्टिक एंड एथेनोग्राफिक एक्सप्लोरेशन ऑफ द बिरहोर पीवीटीजी अक्रॉस इंडियन स्टेट्स”, एनआईटी रायपुर, छत्तीसगढ़। (16,00,000 रु.)
 27. हैप्जीबाह बेउला जॉन, “कल्चरल रूट्स एंड एनवायरमेंटल हार्मोनी: एन एन्क्वायरी इन्टू द इंडीजिनस प्रैक्टिसेज ऑफ ट्राईब्स (पीवीटीजीज) इन मध्य प्रदेश”, जीजस एंड मैरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (एनसीटी)। (10,00,000 रु.)
 28. जयाराजन के., “क्लाइमेट चेंज एंड इंडीजिनस फूड सिस्टीम: अडाप्टेशन स्ट्रेटेजीज ऑफ द चोलानायकन ट्राईब इन द वेस्टर्न घाट्स”, शासकीय चित्तूर महाविद्यालय, केरल। (12,00,000 रु.)
 29. अमूल्य कुमार आचार्या, “एक्सप्लोरिंग द इंटरइंडीपेंडेंस ऑफ कल्चर, लाइवलीहुड डायनेमिक्स एंड ट्रेडिशनल हीलिंग प्रैक्टिसेज: अ स्टडी ऑन मनकडिया ट्राईब्स ऑफ उड़ीसा”, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (11,00,000 रु.)

30. उमाकांत मिश्रा, “डॉक्यूमेंटेशन, डिजीटाईजेशन एंड स्ट्रक्चरल हरमेन्यूटिक एनालिसिस ऑफ फोक साँस, मिथ्स एंड रिचुअल पेंटिंग्स ऑफ सोआरास ऑफ रायगढ़ एंड गजपति डिस्ट्रिक्ट्स”, रैवेनशॉ विश्वविद्यालय, उड़ीसा। (10,00,000 रु.)
31. कमल नारायण, “अंडरस्टैंडिंग द अबूझ मारिया लैंग्वेज, कल्चर, सोसायटी एंड ईकोनोमी”, हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़। (10,00,000 रु.)
32. उमाराज, “क्रियेशन ऑफ अ काँप्रीहेंसिव रिपॉजिटरी फॉर लिंग्विस्टिक, कल्चरल एंड ट्रेडीशनल नॉलेज हेरीटेज ऑफ द पनिया ट्राईब्स ऑफ तमिलनाडु एंड केरल”, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु। (12,00,000 रु.)
33. राम शैफर्ड भीनावेनी, “थोटी ट्राईब ऑफ तेलंगाना स्टेट: जियो-एथेनिक आईडेंटिटी, डेमोग्राफिक चैलेंजेज़, एंड सोश्यो-कल्चरल ट्रांसफॉर्मेशंस”, उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना। (10,00,000 रु.)
34. जी वी स्निग्धा राज, “द डाईंग आर्ट ऑफ म्यूज़िक: एन इन-डेप्ट स्टडी अमंग द थोटीस ऑफ तेलंगाना”, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर। (10,00,000 रु.)

अनुसंधान अध्येतावृत्तियां

वरिष्ठ अध्येतावृत्ति (प्रदत्त)

1. माधवी संजय कुलकर्णी, एसएनडीटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पुणे, महाराष्ट्र, “एन एनालिटिकल रिव्यू ऑफ कैपेसिटी बिल्डिंग इंटरवेंशंस फॉर सिविल सर्विसेस इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू नेशनल प्रोग्राम फॉर सिविल सर्विसेस कैपेसिटी बिल्डिंग (मिशन कर्मयोगी)
2. एन. संबशीव राव, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, ए.पी., “अ स्टडी ऑफ एम्प्लॉयी वेलनेस प्रैक्टिसेस एंड देयर इम्पैक्ट ऑन एम्प्लॉयी क्वालिटी ऑफ लाइफ इन इंडियन कॉरपोरेट सेक्टर – विद स्पेशल रेफरेंस टू सिलेक्टेड ऑर्गनाइजेशन इन विशाखापट्टनम डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश, इंडिया”
3. अभिनव वालिया, आईएचडी, दिल्ली, “एम्प्लॉइंग ‘नजेस’ फॉर अचीविंग बेटर आउटकम्स इन सोशल वेलफेयर स्कीम्स”।
4. मनीष मिश्रा, मध्य प्रदेश भोज (ओपन) यूनिवर्सिटी, भोपाल, एम.पी., “स्टेड्स एंड फंक्शनिंग ऑफ सेक्रेड ग्रोव्स अमंग बैगा पीवीटीजी ऑफ मध्य प्रदेश: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी”।
5. प्रतिमा चौधरी, मध्य प्रदेश भोज (ओपन) यूनिवर्सिटी, भोपाल, एम.पी., “जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन: मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में”।
6. बालगोविंद बाबू, सम्बलपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “रिविजिटिंग एग्रेरियन सोशल स्ट्रक्चर ऑफ वेस्टर्न उड़ीसा: यस्टरडे, टुडे एंड टुमोरो”।
7. सुजॉय दत्ता, गिरि इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज़, लखनऊ, यू.पी., “रिविजिटिंग एग्रेरियन पावर स्ट्रक्चर इन इंडिया: द एक्सपीरियंस ऑफ उत्तर प्रदेश”।
8. प्रीति हेमांग ओज़ा, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, “एम्पीरिकल स्टडी ऑन द प्रिज़र्वेशन ऑफ ओरल ट्रेडिशन इन द ट्राइबल कम्युनिटीज़ ऑफ गुजरात”।
9. अनुपमा नायर सी वी, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक, “नैरेटिंग क्लाइमेट: लिटरेरी रिफ्लेक्शन्स ऑन एनवायरनमेंटल चेंज एंड रेज़िलिएंस इन साउथ इंडिया (1700–2000)”।
10. डॉ. लवकुश द्विवेदी, जेआरडी स्टेट यूनिवर्सिटी, चित्रकूट, यू.पी., “उत्तर प्रदेश की लोक परम्पराएं: एक अध्ययन (लुप्तप्राय पारम्परिक लोकगीत एवं लोकनृत्यों के विशेष संदर्भ में)”।
11. बिस्वजीत घोष, द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, बर्धमान, डब्ल्यू.बी., “डिवेलपमेंट ऑफ वीमेन थ्रू इनोवेटिव इन्फॉर्मल सेक्टर एवेन्यूज़ विद स्पेशल रेफरेंस टू बर्दवान टाउन, वेस्ट बंगाल”।
12. एसए अब्दुल लतीफ, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश, अनंतपुरम, ए.पी., “इवैल्युएशन ऑफ हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स ऑफ अनंतपुरम डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश”।
13. सईद उनीसा, टीआईएसएस, मुंबई, “अंडरस्टैंडिंग द वैरिएशन्स इन न्यूट्रिशनल स्टेट्स ऑफ ट्राइबल्स इन इंडिया: एन असेसमेंट ऑफ इंटर एंड इंटर-ट्राइबल पॉपुलेशन”।
14. स्वर्णमयी त्रिपाठी, गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, सम्बलपुर, उड़ीसा, “राइट टू वर्क, पब्लिक पॉलिसी एंड सोशल वेलफेयर इन इंडिया: अ स्टडी ऑफ इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एमजीएनआरईजीए इन उड़ीसा एंड झारखंड”।
15. संजय लोढ़ा, आईडीएस, जयपुर, “टाइमिंग ऑफ वोटिंग डिसीजन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इलेक्टोरल आउटकम: अ कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ 2023 विधानसभा एंड 2024 लोकसभा इलेक्शन्स इन राजस्थान एंड मध्य प्रदेश”।
16. अंचल पांडेय, बीएचयू वाराणसी, यू.पी., “डिजिटल एटीकेट: एजुकेटिंग हाई स्कूल चिल्ड्रन थ्रू नेटकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल”।
17. ममता भाटी, महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, “पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में विरासत-

- संरक्षण: चुनौतियां तथा संभावनाएं (जैसलमेर एवं बाड़मेर के विशेष सन्दर्भ में)।
18. उज्ज्वला बारवे, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे, महाराष्ट्र, “यूज ऑफ़ एआई इन रीजनल लैंग्वेज न्यूज मीडिया (विद स्पेशल रेफरेंस टू मराठी एंड गुजराती मीडिया)”।
 19. दत्ताराव मुंजाजी भोसले, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “सोशियो-कल्चरल इम्पैक्ट ऑफ़ पीएम नरेंद्र मोदी’ज़ मन की बात: अ क्रिटिकल स्टडी ऑफ़ इंडियन मास मीडिया फ़ॉम 2014 टू 2024”।
 20. अमल दत्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉर्थ बंगाल, दार्जिलिंग, डब्ल्यू.बी., “ट्रेंड ऑफ़ मास मीडिया यूसेज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द पोस्ट ग्रेजुएट एंड अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट कम्युनिटी: अ स्टडी इन सिक्किम”।
 21. ज्ञान प्रकाश पांडेय, असम सेंट्रल यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “अ स्टडी ऑफ़ द रोल ऑफ़ मीडिया इन डिपिक्शन ऑफ़ ट्राइबल कल्चर विद स्पेशल रेफरेंस टू वाराणसी डिवीजन, उत्तर प्रदेश”।
 22. राजेन्द्र मलिक, आर्य गर्ल्स कॉलेज, अंबाला कैट, हरियाणा, “गुरु ग्रंथ साहिब में उद्धृत संस्कृत शब्दों की व्युत्पत्ति परक व्याख्या एवं उनका अध्ययन – एक विस्तृत शब्दकोश”।
 23. मैनेजर सिंह, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “रीडिस्कवरींग एंशिएंट सस्टेनेबिलिटी: एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ़ बायो-मैटेरियल एन्हांसड मड प्लास्टर्स फॉर मॉडर्न ईको-फ्रेंडली कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिसेस”।
 24. चितवन वर्मा, जीआईडीएस, लखनऊ, यू.पी., “एक्सप्लोरिंग द फैसिनेटिंग वर्ल्ड ऑफ़ इंडियन फोल्कलोर”।
 25. बी. सुगीता, भारतीय विचार केंद्रम, तिरुवनंतपुरम, केरल, “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन केरल एंड द इन्फ्लुएंस ऑफ़ वेदांत फिलॉसफी विद स्पेशल रेफरेंस टू शंकराचार्य एंड नारायण गुरु”।
 26. आर. थेन्मोझी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ मद्रास, चेन्नई, टी.एन., “इवाॉल्विंग पर्सपेक्टिव्स: ट्रांजिशनिंग फ़ॉम वर्क-लाइफ़ बैलेंस टू फिट फॉर वीमेन इन आईटी”।
 27. एस. पूंगावनम, एकेडमी ऑफ़ मेरीटाइम एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एएमईटी), चेन्नई, टी.एन., “अ स्टडी ऑन क्रॉस-कल्चरल डिफरेंसेज़ एंड इमोशनल इंटेलिजेंस इन द मेरीटाइम सेक्टर (विद स्पेशल रेफरेंस टू ऑफिसर्स इन एशियन कंट्रीज़)”।
 28. एस. गीता, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, टी.एन., “इम्पैक्ट ऑफ़ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) अमंग बेनेफिशरीज़ इन साउदर्न पार्ट ऑफ़ तमिलनाडु”।
 29. शीला जैस्मिन एल. एस., यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “इनक्लूजन ऑफ़ चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स इन अलर्ती चाइल्डहुड एजुकेशन: प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेस ऑफ़ एनईपी 2020 इन केरल सीनारियो”।
 30. रामकृष्ण अक्वारू, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “नेविगेटिंग हायर एजुकेशन लैंडस्केप थ्रू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंटरवेंशन: कंटेम्पररी प्रैक्टिसेस, एजुकेशनल आउटकम्स एंड चैलेंजेस”।
 31. सुमन पंवार, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान, “इकोलॉजिकल स्टडी एंड कंजर्वेशन ऑफ़ मेडिसिनल हर्ब्स एंड प्लांट्स इन थार रीजन (विद स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ-वेस्ट पार्ट ऑफ़ राजस्थान)”।
 32. भुजंग संभाजी वाघमारे, जेएनयू, दिल्ली, “द आइडिया ऑफ़ ‘सोशल जस्टिस’ इन द इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन: रिफ्लेक्शन्स ऑन द कॉन्स्टिट्यूट एंसेंबली डिबेट्स एंड जुडिशियल इंटरप्रेटेशन्स”।
 33. कैरोल लिंडा किंग्सटन, स्पाइसर एडवेंटेस्ट यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र, “एम्पावरिंग एजुकेटर्स फॉर द डिजिटल फ्रंटियर: अ कॉम्प्रिहेंसिव टीचर अपस्किंग प्रोग्राम फॉर हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स इन इंडिया”।

पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति (प्रदत्त)

1. आशिक हुसैन लोन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कश्मीर, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “यूथ आंट्रप्रेन्योरशिप: द रोल ऑफ़ एजुकेशन एंड इन्व्यूबेशन रिसोर्सेज़ इन शेपिंग इंटेंशन्स एंड स्टार्ट-अप सक्सेस इन जम्मू एंड कश्मीर”।
2. आकृति भाटिया, जेएनयू, दिल्ली, “एपिफिक्शन ऑफ़ वर्क: अंडरस्टैंडिंग द वर्किंग एंड लिविंग कंडीशन ऑफ़ ऐप-बेस्ड वर्कर्स इन इंडिया”।
3. एजाज़ अहमद, जेएनयू, दिल्ली, “कल्चरल वैरिएशन्स इन इलनेस परसेप्शन्स एंड ट्रीटमेंट-सीकिंग बिहेवियर्स:

- अ फिनॉमेनोलॉजिकल स्टडी ऑफ पेशेंट्स विद क्रॉनिक इलनेस”।
4. तबस्सुम, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “माइग्रेंट वीमेन वर्कर, मेंस्ट्रुअल हेल्थ: अ केस स्टडी ऑफ हैदराबाद सिटी”।
 5. बबीता सिंह, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, यू.पी., “गोरखपुर मंडल (यू.पी.) में वनटांगिया समुदाय की सामाजिक-आर्थिक दशाएं एवं उनका विकास प्रतिरूप”।
 6. आशीष कुमार चौरसिया, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “ट्रांसजेंडर समुदाय में वित्तीय समावेशन की योजनाओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन (उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के विशेष सन्दर्भ में)”।
 7. आर्तिका तिवारी, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, यू.पी., “इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबल वॉर्मिंग एंड क्लाइमेट चेंज इन रूरल इंडिया: एवालुएशन इन फाइव विलेजेस इन उत्तर प्रदेश”।
 8. दीपा वर्मा, जेएनयू, दिल्ली, “ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर एंड सोशल इंक्लूसिविटी इन इंडिया: चैलेंजेस, इंटरवेंशंस एंड पॉलिसीज़ फॉर एम्पावरमेंट”।
 9. हिमांशु मिश्रा, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “पर्वतीय क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सुरक्षा: लेह पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
 10. सायंतनी बनर्जी, कश्मीर यूनिवर्सिटी, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “सोशल आइडेंटिटी एंड क्लासरूम लैंग्वेज: एविडेंस फ्रॉम कश्मीर एंड वेस्ट बंगाल”।
 11. सुरभि झा, आलिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “कुलिनरी फासिज़्म एंड अनटचेबिलिटी: एवेलुएटिंग सेलेक्ट मराठी दलित फीमेल नैरेटिव्स”।
 12. कोलन पद्मजा, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ द डिजिटल इंडिया इनिशिएटिव ऑन एजुकेशनल इक्विटी: एड्रेसिंग द डिजिटल डिवाइड इन रूरल इंडिया रेफरेंस टू तेलंगाना”।
 13. कु. प्रतिक्षा, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, “अंडरस्टैंडिंग द अडॉप्शन एंड यूसेज ऑफ एआई प्लेटफॉर्म अमंग एग्रीकल्चर एंड अलाइड सब्जेक्ट स्टूडेंट्स: अ थ्योरी ऑफ प्लान्ड बिहेवियर अप्रोच”।
 14. दिलीप सिंह, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “पेडागाजी ऑफ साइंस एंड मैथमेटिक्स इन आईटीईपी: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ प्रैक्टिसेस एंड इम्प्लिमेंटेशनल चैलेंजेस इन आईआईटीज़”।
 15. इतेंद्र चौबे, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “हिंदी पत्रकारिता: राष्ट्रीय विवेक और सामाजिक दृष्टि (सन 1900 से 1920)”।
 16. अमित कुमार सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, यू.पी., “रोल ऑफ मास मीडिया इन विकसित भारत @ 2047 (विद स्पेशल रेफरेंस टू ईस्टर्न उत्तर प्रदेश)”।
 17. ओम प्रकाश यादव, डीयू, दिल्ली, “पूर्वांचल के जनपदीय साहित्य में समाज एवं संस्कृति का राष्ट्रीय स्वर और उसकी मुक्ति चेतना का अध्ययन (सन 1857 से 1947 तक)”।
 18. हिमांशु कुमार सिंह, मगध यूनिवर्सिटी, बोधगया, बिहार, “रोल ऑफ सति (माइंडफुलनेस) इन द डिवेलपमेंट ऑफ कुशल चरिया (पॉजिटिव टेम्पारमेंट) इन थेरेवाद बुद्धिज़्म विद स्पेशल रेफरेंस टू मडिज़्मा निकाय”।
 19. राजसी चक्रवर्ती, डीयू, दिल्ली, “नॉलेज टेक्स्ट इन इंडियन लैंग्वेजेस इन मीडियवल एरा इन बंगाल एंड असम इन कम्पैरिजन टू द द्रविडियन रीजन: अंडरस्टैंडिंग द पैटर्न एंड इट्स इम्प्लीकेशंस”।
 20. आशीष कुमार पांडेय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल्याधारित हिंदी सिनेमा पर प्रभाव”।
 21. हर्षा भार्गवी, विश्व भारती यूनिवर्सिटी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “इंटीग्रेटिंग ट्रेडिशनल नॉलेज विद गवर्नेंस: अ पाथवे फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन इंडिया”।
 22. ऋचा सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “द रेलिवेंस ऑफ द इंडियन नॉलेज सिस्टम विद स्पेशल रेफरेंस टू बुद्धिस्ट्स माइंडफुलनेस टेक्नीक”।
 23. दीक्षा शुक्ला, ट्रिपल आईटी इलाहाबाद, यू.पी., “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एथिक्स: अ मल्टीडायमेंशनल अप्रोच टू एथिकल एआई गवर्नेंस इन ग्लोबल एंड इंडियन कॉन्टेक्स्ट्स”।
 24. दीपक इंदोलिया, जेएनयू, दिल्ली, “सस्टेनेबिलिटी ऑफ ड्रोन टेक्नोलॉजी एंड फूड सिक्योरिटी इन इंडियन एग्रीकल्चर: एन एनालिसिस थ्रू रिस्पॉन्सिबल इनोवेशन पर्सपेक्टिव”।
 25. शुभ्रत घोष, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, “एन्हांसिंग अर्बन लाइवेबिलिटी थ्रू ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड

- इकोलॉजिकल लैंडस्केप प्लानिंग: इनसाइट्स फ्रॉम द लार्जस्ट अर्बन एग्लोमरेशन इन ईस्टर्न इंडिया”।
26. जैकब जोजू, कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि, केरल, “ब्रिजिंग द अर्बन-रूरल डिवाइड: द इम्पैक्ट ऑफ फिनटेक अडॉप्शन ऑन बैंकिंग कस्टमर्स एंड इकनॉमिक डिवेलपमेंट इन केरल”।
 27. पवित्रा, दयानंद सागर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु, कर्नाटक, “रीसेंट एडवांसेस इन द डिवेलपमेंट ऑफ नोवेल आइडियाज फॉर द प्रिंसीपल फार्मिंग रोबोट इम्प्लीमेंटेशन फॉर ऑल टाइप ऑफ एग्रीकल्चरल एप्लिकेशंस यूजिंग एआई-एमएल-डीएल स्ट्रेटेजीज डब्ल्यू.आर.टी. सोशल रेलिवेंस टू द सोसाइटी”।
 28. रेफिया विकार, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली, “इम्पैक्ट ऑफ फाइनेंशियल लिटरसी ऑन वीमेन एम्पावरमेंट: अ स्टडी ऑफ माइनॉरिटी कम्युनिटीज इन दिल्ली”।
 29. विनीता मैथ्यू, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “मैपिंग द इंटरप्ले ऑफ वीमेन, वेल्थ एंड फाइनेंशियल वेल-बिंग: एन असेसमेंट अमंग कुटुम्बश्री वीमेन इन केरल”।
 30. शीबा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली, “डायनामिक्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर केपिटल मार्केट इंटीग्रेशन बिटवीन इंडिया एंड जीसीसी कंट्रीज”।
 31. जितेश कुमार पांडेय, जेएनयू, दिल्ली, “इम्पैक्ट ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट (एचआरएम) प्रैक्टिसेस ऑन अचीविंग सस्टेनेबल कम्पेटिटिव एडवांटेज थ्रू ह्यूमन कैपिटल डिवेलपमेंट एंड एंजॉयमी कमिटमेंट इन द इफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ऑर्गनाइजेशंस”।
 32. फिरोजखान, एम.एल. दहाणुकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई, महाराष्ट्र, “एन एक्सप्लोरेशन ऑफ द चैलेंजेस एंड ऑपच्यूनिटीज फॉर वीमेन आंट्रप्रेन्योर्स इन द ट्राइबल एरियाज ऑफ पालघर डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र”।
 33. सौरभ सिंह, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज, यूपी., “स्किल डिवेलपमेंट एंड एंजॉयमेंट ऑपच्यूनिटीज अंडर ‘मेक इन इंडिया’ विद स्पेशल रेफरेंस टू मोबाइल मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री”।
 34. एकता जैन, प्रेस्टिज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मध्य प्रदेश, “इन्वेस्टिगेटिंग इंटेशन टू विजिट नेचुरल डिजास्टर-प्रोन रिलीजियस टूरिस्ट डेस्टिनेशंस: अ स्टडी ऑन इंडियन पिलग्रिम कॉरिडोर 'स पुल मोटिव्स ऐज मीडिएटर्स”।
 35. जलज कुमार भारद्वाज, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, “इम्पैक्ट ऑफ टूरिज्म ऑन रूरल डिवेलपमेंट: अ केस स्टडी ऑन अलवर डिस्ट्रिक्ट ऑफ राजस्थान”।
 36. सारिका जून, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “बियॉन्ड द डिजिटल रेलम: द मैग्रेटिक पुल एंड पुश फैक्टर्स ऑफ ईको-टूरिज्म फॉर डिजिटल नोमैड्स इन हिमाचल 'स माउंटेन हेवंस”।
 37. सुनील कक्कड़, पोद्दार मैनेजमेंट एंड टेक्निकल कैंपस, राजस्थान, “लॉन्ग-टर्म इकनॉमिक एंड एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट ऑफ सस्टेनेबल रूरल टूरिज्म ऑन लोकल कम्युनिटीज इन इंडिया”।
 38. अमना रिजवी, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, लखनऊ, यूपी., “द इम्पैक्ट ऑफ ग्रीन फिनटेक ऑन ग्रीन फाइनेंशियल बिहेवियर: एनालाइजिंग कंज्यूमर नॉलेज, एटीट्यूड्स एंड प्रैक्टिसेस इन स्मार्ट सिटीज ऑफ उत्तर प्रदेश”।
 39. स्निग्धा मिश्रा, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउकेला, उड़ीसा, “ट्रांसफॉर्मेटिव इम्पैक्ट ऑफ फिनटेक अडॉप्शन ऑन फाइनेंशियल वेल-बिंग ऑफ ट्राइबल वीमेन एसएचजीज ऑफ उड़ीसा”।
 40. मोहम्मद उमर फारुख, ए.एम.यू., अलीगढ़, यूपी., “द रोल ऑफ फिनटेक स्टार्टअप्स ऑन फाइनेंशियल इनक्लूजन इन वेस्टर्न उत्तर प्रदेश”।
 41. रवि शंकर सिंह, वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी, आरा, बिहार, “सीमांत क्षेत्रों के आदिवासियों पर सरकारी योजनाओं का प्रभाव (कैमूर जिला पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)”।
 42. मुदासिर कादिर, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, यूपी., “प्रधानमंत्री वीमेन एम्पावरमेंट थ्रू प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना इन इंडिया: ए साइकोलॉजिकल स्टडी ऑफ रूरल वीमेन इन कश्मीर डिवीजन”।
 43. सिद्धांत मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यूपी., “राइट्स, रिसोर्सेस एंड रेजिस्टेंस: अ केस स्टडी ऑफ द फॉरेस्ट राइट्स एक्ट 2006 इन बर्नवापारा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी, छत्तीसगढ़”।
 44. दीपक राय, बी.एच.यू., वाराणसी, यूपी., “राजस्व व्यवस्था का लोक कल्याणकारी स्वरूप: गुप्त-वाकाटक कालीन अभिलेखों के विशेष सन्दर्भ में”।

45. धर्म प्रकाश, जे.एन.यू., दिल्ली, “डिजिटल फोक: एक्सप्लोरिंग इनफॉर्मल क्यूरेशन एंड इंडियन फोक परफॉर्मेंसेस इन द सोशल मीडिया एरा”।
46. सुबोध कुँवर, जे.एन.यू., दिल्ली, “एस्थेटिक्स ऑफ आदिवासियत (इंडीजिनियेटी): एन इंटरवेंशन इन इंडियन एस्थेटिक ट्रेडिशन”।
47. आनंद कुमार सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, “सांस्कृतिक विरासत की सतत्यता में दान परंपरा की भूमिका: प्रयागराज कुम्भ एवं माघ मेले के सन्दर्भ में एक ऐतिहासिक अध्ययन”।
48. ध्रुव कुमार सिंह, जे.एन.यू., दिल्ली, “द आइडिया ऑफ जस्टिस इन द महाभारत”।
49. बोटलगुडुरु वेंकट साई गौतम, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, गाचीबौली, तेलंगाना, “ए सोशल एंड कल्चरल स्टडी ऑफ प्रोवर्ब्स इन तेलुगू: विद स्पेशल फोकस ऑन एग्रीकल्चरल प्रोवर्ब्स”।
50. जमील अहमद, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, “इंटरसेक्शन ऑफ इकोलॉजी एंड इमोशनस: अ कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ लल्ला डेड एंड हब्बा खातून”।
51. नर्गिस खान, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “डिकंस्ट्रक्टिंग द पिलग्रिम्स’ एक्सपीरियेंसेस एंड रियलिटीज़ पोस्ट-विजिट टू रिलीजियस पिलग्रिमेज साइट्स इन इंडिया: अ फोकस ऑन कुम्भ, मथुरा, एंड ऋषिकेश”।
52. तस्मिया बशीर, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, “द्विन इंटेलेक्चुअल लिगेसीज़ ऑफ कश्मीर: रिविज़िटिंग इंटेलेक्चुअल इंटरप्ले बिटवीन कश्मीर एंड इट्स नेबरहुड ड्यूरिंग द हिंदू एंड बुद्धिस्ट पीरियड्स”।
53. दिनेश कुमार, डीयू, दिल्ली, “हिंदी कथा साहित्य में भूमंडलीकरण के सांस्कृतिक प्रभावों का अध्ययन”।
54. चव्हाण प्रमोद आर., महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, “एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ द डी-कोलोनाइजेशन ऑफ संस्कृत थिएटर प्रैक्टिसेस एंड इट्स सोशियो-कल्चरल इम्पैक्ट इन द सर्च ऑफ ‘भारतीयता’”।
55. तहसीन मजहर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली, “बाउल गीत और हिंदी भक्ति काव्य में लोक चेतना: लालन शाह और कबीर के विशेष सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन”।
56. सुजीत कुमार तिवारी, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “छत्तीसगढ़ की शैव कला परंपरा, जनजातीय प्रभाव तथा इसके सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ”।
57. वंदना राय, जे.एन.यू., दिल्ली, “उत्तर प्रदेश में कजरी की परंपरा और अखाड़ों के योगदान का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन”।
58. यामिनी शर्मा, एम.एल.एस.यू., उदयपुर, राजस्थान, “रोल ऑफ वीमेन आर्टिस्ट इन सस्टेनिंग इंडियन प्रिंटिंग इन ट्रेडिशनल एंड कंटेम्परी टाइम्स: रिकेलिमिंग वॉयसेज एंड नैरेटिव्स”।
59. बी. अशोक कुमार, श्री कृष्णदेवराय यूनिवर्सिटी, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, “अ स्टडी ऑन द सोशल, कल्चरल एंड लिटरेरी एस्पेक्ट्स ऑफ उरुमुलावंडला (प्रिमिटिव ड्रम आर्टिस्ट्स) कम्युनिटी इन अनंतपुरम डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश”।
60. अजय कुमार, जेएनयू, दिल्ली, “परफॉर्मेंस, कल्चरल पॉलिटिक्स एंड थिएटर म्यूज़िक: अ क्रिटिकल स्टडी”।
61. सागोरिका चक्रवर्ती, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “डॉक्यूमेंटेशन एंड आइकनोग्राफिकल स्टडी ऑफ द स्कैटेड ब्राह्मणिकल एंड बुद्धिस्ट इमेजेस ऑफ डिस्ट्रिक्ट-नालंदा एंड इट्स सराउंडिंग्स”।
62. मणि कुमार, डी.यू., दिल्ली, “प्रागज्योतिषपुर की ‘सत्रा’ परंपरा और प्रदर्शनकारी कलाएं”।
63. अर्पिता मिश्रा, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “रामायण एवं महाभारत के युद्ध नीति की समीक्षा: वर्तमान परिप्रेक्ष्य में”।
64. ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “विकसित भारत हेतु नारायण गुरु के सामाजिक अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन”।
65. अखिलेश कुमार मिश्रा, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “अफगानिस्तान में बौद्ध धर्म का पुनर्संयोजन: सामाजिक और दार्शनिक दृष्टिकोण से भविष्य की दिशा”।
66. अभिनंदन पति तिवारी, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “वी.के. सरकार की नवोन्मेषी समाजशास्त्रीय दृष्टि और उसके वैशिष्ट्य का अध्ययन”।
67. श्रवण कुमार सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना: भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा के सामाजिक एवं दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में”।

68. अरीबा जैदी, डी.यू., दिल्ली, “कैसल कल्चर: अन आउटकम ऑफ अ डिसरप्टेड डायलॉग”।
69. शिवेन्द्र विक्रम सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, पंजाब, “फेक न्यूज एंड बिलीफ सिस्टम्स: अ सोशियो-फिलॉसॉफिकल स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ वर्चुअल वर्ल्ड्स एंड ए.आई. इन अ पोस्ट-ट्रुथ वर्ल्ड”।
70. सुप्रिया प्रभाकर जोशी, आर. जी. बगड़िया आर्ट्स, एस. बी. लाखोटिया कॉमर्स एंड आर. बेंजोंजी साइंस कॉलेज, जालना, महाराष्ट्र, “हिंदी-मराठी नाथ पंथी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन”।
71. विंध्यवासिनी पांडेय, उदय प्रताप ऑटोनोमस कॉलेज, भोजपुरी, वाराणसी, यू.पी., “सोनभद्र जिले के बैगा जनजाति का भाषिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन”।
72. शिवेक कुमार सिक्की, आई.आई.टी., पटना, बिहार, “नेगोशिएटिंग आइडेंटिटीज़ इन मल्टीलिंगुअल लिंक्विस्टिक लैंडस्केप्स: द केस ऑफ भोजपुरी, मैथिली एंड मगही इन बिहार”।
73. ईशा घोष, जे.एम.आई., दिल्ली, “अ स्टडी ऑफ वीमेन वर्कर्स इन ब्लू कॉलर नॉन-ट्रेडिशनल ट्रेड्स इन दिल्ली एन.सी.आर.”।
74. स्वरूप देब, आई.एस.ई.सी., बेंगलुरु, कर्नाटक, “अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ स्टेट एंड सिविल सोसायटी ऑर्गनाइजेशन इन द डिवेलपमेंट ऑफ ट्रांसजेंडर (विद स्पेशल रेफरेंस टू बेंगलुरु सिटी)”।
75. शाइस्ता रसूल, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अवंतीपोरा, जम्मू एंड कश्मीर, “अ स्टडी ऑफ द स्टेट्स ऑफ डिवोर्स वीमेन इन बारामुला एंड अनंतनाग, कश्मीर”।
76. प्रसून सेनगुप्ता, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा, “आयुर्वेदिक सामुदायिक चिकित्सा पद्धति एवं आधुनिक वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति: एक तुलनात्मक अध्ययन (विशेष रोगों के सन्दर्भ में)”।
77. सुमन जोशी, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड, “सोशियो-इकोनॉमिक एंड कल्चरल एस्पेक्ट ऑफ ट्राइबल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ इन कुमाऊँ हिमालय: अ हिस्टोरिकल स्टडी”।
78. सुमना दास, द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, पश्चिम बंगाल, “हेल्थकेयर एक्सेस एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ इन द इंडो-बांग्लादेश बॉर्डरलैंड्स: अ क्रॉस-सेक्शनल स्टडी इन मुर्शिदाबाद डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल”।
79. देबास्मिता कर, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “दि इफेक्ट ऑफ हिस्ट्री ऑफ रेट्रोस्पेक्टिव मेनोपॉज़ल सिम्पटम्स ऑन मेंटल हेल्थ एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ: अ कंपैरिटिव स्टडी बिटवीन वीमेन ऑफ अर्ली एंड लेट पोस्टमेनोपॉज़ल फेज़ेस”।
80. प्रियंका कुमारी, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “इफेक्ट्स ऑफ माइंड साउंड रेज़ोनेंस टेक्निक ऑन प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम: अ क्वांटिटेटिव एनालिसिस ऑफ सिम्पटम रिलीफ, एंजायटी, डिप्रेशन एंड स्ट्रेस”।
81. शिवाली चौधरी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू एंड कश्मीर, “बिहेवियरल इंटरन ऑफ सर्विस यूज़र्स इन आई.सी.टी.-बेस्ड स्मार्ट सॉल्यूशन्स इन स्मार्ट सिटीज़: अ स्टडी ऑफ जम्मू स्मार्ट सिटी, जे एंड के”।
82. यशस्वी सिंह, इग्नू, मैदान गढ़ी, दिल्ली, “इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरणीय न्याय: भारतीय परिप्रेक्ष्य”।
83. विकास कुमार मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “भारत में पुलिस सुधार: उत्तर प्रदेश में पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण में जातिगत संवेदनशीलता और समावेशिता”।
84. सत्यम् सम्राट आचार्य, एम.पी.आई.एस.एस.आर., उज्जैन, मध्य प्रदेश, “वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संघर्ष समाधान की अहिंसात्मक कार्रवाइयाँ: छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में एक अध्ययन”।
85. असमत जैनाब, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “हेल्थकेयर एंड वेल-बीइंग: अ कैपेबिलिटी असेसमेंट ऑफ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पी.एम.-जे.ए.वाई.) इन कश्मीर”।
86. स्निग्धा त्रिपाठी, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, “रोल ऑफ इंटरनेशनल अलायंसेज़ इन इंडिया 'ज़ स्ट्रेटेजिक पोज़िशनिंग”।
87. कुरंत उल ऐन, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “मोदी गवर्नमेंट्स स्ट्रेटेजिक शिफ्ट इन स्ट्रेंथनिंग अमिडस्ट इवॉल्विंग जियोपॉलिटिकल डायनामिक्स”।
88. आशीष कुमार गुप्ता, जे.एन.यू., दिल्ली, “असिमेट्रिक वॉरफेयर: अ केस स्टडी ऑफ एक्सट्रेमिस्ट ऑर्गनाइजेशन्स इन वेस्ट एशिया”।

89. मंज़ूर अहमद पड्डर, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “फॉर्म्युलेटिंग इंडिया’ज़ स्ट्रेटैजिक एंड डिप्लोमैटिक रिस्पॉन्स टू चाइना’ज़ इन्फ्लुएंस इन साउथ एशिया”।
90. चंद्रिमा चौधरी, देशबंधु कॉलेज, डी.यू., दिल्ली, “इंडो-जापानीज़ इकोनॉमिक रिलेशंस ड्यूरिंग मोदी-आबे एरा”।
91. सैयद मो. शहनवाज़, जे.एम.आई., दिल्ली, “कल्चरल एंड इंटेलेक्चुअल इंटरैक्शन बिटवीन भारत एंड सऊदी अरेबिया: अ स्टडी ऑफ मीडिवल पीरियड (फ्रॉम 4थ टू 13थ सेंचुरी)”।
92. रीना सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, यू.पी., “नैतिक शासन एवं सार्वजनिक सेवाएं: ग्रामीण उत्तर प्रदेश में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का एक अध्ययन”।
93. प्रमजीत सिंह, एम.डी.यू., रोहतक, हरियाणा, “माइग्रेशन एंड नेशनल सिक्योरिटी: असैसिंग द इम्पैक्ट ऑफ रिफ्यूजी फ्लोज़ फ्रॉम कॉन्फ्लिक्ट जोन्स – अ केस स्टडी ऑफ उत्तराखंड (2002–2024)”।
94. कुमार आदित्य, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “इम्पैक्ट ऑफ डिवेलपमेंट स्कीम्स ऑन लेफ्ट विंग एक्सट्रिमिज़्म एफैक्टिव एरियाज: सिक्योरिटी प्रसपेक्टिव ऑफ सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश (2014–2024)”।
95. शिउली मैती, भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, “इम्पैक्ट ऑफ कन्टेंट एंड लैंग्वेज इंटीग्रेटेड लर्निंग (सीएलआईएल) मेथड इम्प्लेमेंटेंट थ्रू फ्लिप्ड क्लासरूम ऑन ई.एस.एल. कम्युनिकेशन स्कील्स ऑफ फर्स्ट-जेनरेशन लर्नर्स”।
96. मधु चौबे, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा, “त्रिपुरा में प्री-स्कूल शिक्षा की वर्तमान स्थिति: एक प्रणाली विश्लेषण”।
97. नरेंद्र, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा, “रामायण के दृष्टिकोण से स्वदेशी मूल्य पैमाने का विकास और प्रमाणीकरण”।
98. कुसुम वर्मा, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “आदिवासी महिलाओं के संपत्ति अधिकार: अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनी परिप्रेक्ष्य, भारत के किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) के विशेष संदर्भ में”।
99. पुंडरीक शर्मा, इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, म.प्र., “धर्मशास्त्र और वर्तमान भारतीय कानूनी प्रणाली: एक परीक्षण”।
100. प्रियंका ठाकुर, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, “अहमदाबाद शहर में माइक्रो या स्मॉल उद्यमिता में संलग्न प्रवासी महिलाओं की चुनौतियाँ और संभावनाएँ”।
101. पीर जीलानी, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, जम्मू एंड कश्मीर, “कश्मीर घाटी में पर्यटक मांग और सतत पर्यटन प्रथाओं का आकलन: आगंतुक प्राथमिकताओं, अनुभवों और पर्यावरणीय प्रभावों का गहन विश्लेषण”।
102. तन्वी सिंह, एस.एन.डी.टी. विमेंस यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र, “जेंट्रीफिकेशन का स्वास्थ्य और सतत भलाई पर प्रभाव: पुणे नगर निगम का एक केस स्टडी”।
103. युमनाम ज्ञानेंद्र, मणिपुर यूनिवर्सिटी, कंचीपुर, मणिपुर, “शहरीकरण और उसका मणिपुर की वैथौ झील पर प्रभाव: एक जी.आई.एस आधारित अध्ययन”।
104. अयान डे, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदान में भूजल फ्लोराइड डायनामिक्स और खाद्य शृंखला संदूषण परिदृश्य की जांच: सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और स्वास्थ्य जोखिम आकलन सहित”।
105. सुनील सिंह, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड, “गढ़वाल हिमालय, उत्तराखंड में सौर ऊर्जा हस्तक्षेप के सामाजिक-आर्थिक विकास और पारिस्थितिकीय स्थिरता पर प्रभाव मूल्यांकन”।
106. मोहम्मद अफसर, जे.एन.यू., दिल्ली, “भारत में समाचार मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव”।
107. कुँवर पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “भारतीय जनसंचार माध्यमों के समाज पर प्रभाव का समालोचनात्मक मूल्यांकन और सकारात्मक संप्रेषण के प्रमुख मानकों की पहचान”।
108. राजीव प्रताप सिंह, सी.सी.एस.यू., मेरठ, यू.पी., “समावेशी विकास में आध्यात्मिक संप्रेषण की भूमिका: विकसित भारत – 2047 की दृष्टि में”।
109. राजविंदर कौर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब, “श्री गुरु ग्रंथ साहिब में अंकित विभिन्न मत-मतांतरों से संबंधित शब्दावली: अर्थ परिवर्तन और सर्वेक्षण”।
110. कुंदन किशोर, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “एंशिअंट इंडियन नॉलेज सिस्टम: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ जियोग्राफिकल कॉन्सेप्ट्स इन द महाभारत”।

111. गौरव देबनाथ, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, डब्ल्यू.बी., “इंटरसेक्शन ऑफ इंडिजिनस मेडिसिन्स एंड एंशिअंट आयुर्वेद शास्त्राजः अ केस स्टडी ऑफ द लेपचा कम्युनिटी इन सिक्किम एंड देयर मेडिसिनल प्रैक्टिसेज”।
112. दिग्विजय सिंह राजपूत, इयू. दिल्ली, “प्रेजेंट एज एप्लिकेबिलिटी ऑफ वैदिक शास्त्राज इन रेफरेंस टू मैनेजमेंट एंड डिवेलपमेंट प्रिंसिपल्स”।
113. संघचेता घोष, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, डब्ल्यू.बी., “आयुर्वेद डिडैक्टिफाइडः मेडिसिन/पैडागॉजी इंटरफेस इन एंशिअंट इंडियन सोसाइटी”।
114. मोहम्मद रज्जाक, विश्व-भारती यूनिवर्सिटी, शांतिनिकेतन, डब्ल्यू.बी., “फोक आर्ट एंड कल्चरल एक्सप्लोरेशन इन द आर्टिफेक्चर एंड स्कल्पचर ऑफ टेम्पल्स इन वेस्ट बंगालः विद स्पेशल रेफरेंस टू योग व्यायाम एंड क्रीड़ा”।
115. मिलन बर्मन, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “शुल्व सूत्राजः द जेनेसिस ऑफ मैथेमेटिक्स इन द वैदिक एज एंड इट्स ग्लोबल लिगेसी”।
116. मोहिनी श्रीवास्तव, अखिल भाग्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, यू.पी., “गणेश पुराण का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन”।
117. नेहरशी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा, “अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ नॉलेज, एटीट्यूड्स एंड प्रैक्टिसेज (केएपी) ऑफ द इंडियन नॉलेज सिस्टम अमंग ट्राइबल एंड नॉन-ट्राइबल अडोलसेंट्स इन राजस्थान”।
118. ज्ञान प्रकाश शुक्ल, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “हिंदी पत्रकारिता का युग धर्म और राष्ट्रधर्म पत्रिका”।
119. सुबोध कांत मिश्रा, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “धर्मशास्त्रों में वर्णित व्यक्ति धर्म की समाज निर्माण में उपयोगिता”।
120. रामू एम.एस., आई.एस.ई.सी., बेंगलुरु, कर्नाटक, “प्रोडक्शन, मार्केटिंग एंड कंजम्पशन पैटर्न्स फॉर सेलेक्टेड ऑर्गेनिक एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस इन कर्नाटक-एन इकोनॉमिक एनालिसिस”।
121. अमिया कुमार साहू, सी.एस.डी., हैदराबाद, तेलंगाना, “सस्टेनेबल लाइवलीहुड एंड रिसोर्स एक्सट्रैक्शनः द इम्पैक्ट ऑफ माइनिंग एक्टिविटी इन उड़ीसा”।
122. लैरल्लक्पम सैलेंद्र सिंह, मणिपुर यूनिवर्सिटी, कंचीपुर, मणिपुर, “डेयरी फार्मिंग एज अ सस्टेनेबल मोड ऑफ लाइवलीहुड अमंग द अडल्ट पॉपुलेशन ऑफ मणिपुर”।
123. सेल्वमणि, भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तिरुचिरापल्ली, टी.एन., “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रूरल यूथः अ स्टडी ऑन इंक्यूसिव सोशल डिवेलपमेंट”।
124. राखी कौशल, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इंदौर, एम.पी., “पश्चिमी मध्य प्रदेश की भील किशोरियों के शैक्षिक एवं पोषणिक स्तर का समाजशास्त्रीय अध्ययन (बड़वानी ज़िले के संदर्भ में)”।
125. अखिता के. रघु, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुदुचेरी यू.टी., “स्कूल मेंटल हेल्थ सर्विसेजः अ स्टडी अमंग सेंट्रल एंड स्टेट गवर्नमेंट स्कूल्स इन द यूनियन टेरिटरी ऑफ पुदुचेरी”।
126. शबीर अहमद नजर, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हजरतबल, जे. एंड के., “लिव्ड एक्सपीरियंसेज ऑफ वर्कर्स इन इनफॉर्मल सेक्टरः अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ माइग्रेंट रैग पिकर्स इन डिस्ट्रिक्ट श्रीनगर ऑफ यू.टी. जम्मू एंड कश्मीर”।
127. अफसाना, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “फ्रॉम लीगल रिकग्निशन टू सोशल एक्सेप्टेंसः एनालाइजिंग द ऑनगोइंग स्ट्रगल ऑफ किन्नर्स फॉर सोशल डिग्रिटी”।
128. प्रदीप कुमार, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल (जे.एन.एम.) पी.जी. कॉलेज, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, “ग्रामीण क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति का अध्ययन”।
129. श्याम सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों के वृद्धजनों की समस्याओं और संस्थागत देखभाल के लिए उपलब्ध सुविधाओं का तुलनात्मक अध्ययनः उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के विशेष संदर्भ में”।
130. भारत हून, एम.एल.एस.यू., उदयपुर, राजस्थान, “ह्यूमन-एनवायरनमेंट रिलेशनशिप इन इंडियाः फ्रॉम द एरा ऑफ किंग्स टू मॉडर्न डेमोक्रेसी”।
131. अरविंद प्रकाश सूरज, जे.एन.यू., दिल्ली, “डेथ, लिमिनालिटी एंड डेस्टीट्यूशनः एन एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ वाराणसी जे. डेथ शेल्टर्स”।
132. राम भवन यादव, जे.एन.यू., दिल्ली, “द हिंदी पब्लिक स्फीयर इन पोस्ट-इंडिपेंडेंस इंडिया एंड द रोल ऑफ दिनमान मैगज़ीन (1965-1985)”।
133. किशन सिंह यादव, डीयू, दिल्ली, “भारत की सामाजिक चेतना के निर्माण एवं उसकी ज्ञान परंपरा के विकास में रैदास के जीवन-दर्शन तथा उनके काव्य की भूमिका का अध्ययन”।

134. हसीना पी.वी., जे.एन.यू., दिल्ली, “कालीकट: द सिटी थ्रू द लिब्द एक्सपीरियंसेज एंड मेमोरीज”।
135. दीबा, जे.एम.आई., दिल्ली, “समकालीन हिंदी उपन्यासों में वंचित समूहों का संघर्ष (आदिवासी, दलित और स्त्रियों के विशेष संदर्भ में – समयावधि (1990-2020))”।
136. रितु रानी, डीयू, दिल्ली, “छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाच, रहस और पंडवानी का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन”।
137. विश्वमौली, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “19वीं शताब्दी का नवजागरण और जनपदीय भाषाओं में भारतीय राष्ट्रीयता की अभिव्यक्ति (संदर्भ: भोजपुरी प्रदेश की लोकभाषाएं)”।
138. जाहिद कमाल, ए.एम.यू., अलीगढ़, यू.पी., “ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ मेल एंड फीमेल चाइल्ड लेबर इन द लूम इंडस्ट्री ऑफ माउ डिस्ट्रिक्ट एंड इट्स इम्पैक्ट ओन देयर एजुकेशनल अटेनमेंट, विद स्पेशियल एम्फेसिस ऑन द रोल ऑफ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’”।
139. जे. लावण्या, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ रैपिड माइग्रेशन एंड अर्बनाइजेशन ऑन क्लाइमेट चेंज इन बेंगलुरु: अ जिओस्पेशियल अप्रोच”।
140. सत्य प्रकाश, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “अर्बन-रूरल लिंकज अप्रोच टू रूरल डिवेलपमेंट ऑफ वाराणसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया”।
141. जिनान टी.के., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल, “द रेक्विजिट ऑफ ट्रांसपोजिंग डिजिटल डिवाइड इन्टू डिजिटल इन्क्लूजन : एन असेसमेंट ऑफ द सोशियो-कल्चरल इम्प्लिकेशन्स इन द इंडियन कम्युनिटीज ऑफ केरल, विद स्पेशल रेफरेंस टू द ट्राइबल सेटलमेंट्स ऑफ मालाबार”।
142. नुसरत रशीद, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, जे.एंड.के., “सोशियोलिंग्विस्टिक्स ऑफ पर्शियन लैंग्वेज इन इंडिया: इट्स रोल इन द नॉलेज ट्रांजिशन ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज”।
143. शिव कुमार मोर्य, बी.एच.यू., वाराणसी, यू.पी., “दिव्यांगजन एवं सामाजिक सुरक्षा (उत्तर प्रदेश के वाराणसी मंडल के दिव्यांगजनों का समाजशास्त्रीय अध्ययन)”।
144. सी. रेनुका, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिलनाडु, “इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ जेनेटिकली मॉडिफाइड क्रॉप कल्टिवेशन इन साउथ इंडिया: अ केस ऑफ बीटी कॉटन क्रॉप”।
145. संतोष आर, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, मैसूर, कर्नाटक, “डाइवर्सिफिकेशन ऑफ लाइवलीहुड सस्टेनेबिलिटीज इन द रूरल एरियाज ऑफ कर्नाटक”।
146. एस. सरन्या, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिलनाडु, “एम्पीरिकल स्टडी ऑन डिजिटलाइजेशन ऑफ फाइनेंशियल इन्क्लूजन फॉर सोशल-इकोनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ रूरल वीमेन इन तमिलनाडु”।
147. शाहीन प्रवीन, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “एम्पॉवरिंग फाइनेंशियल वेलबीइंग: द रोल ऑफ फाइनेंशियल कैपेबिलिटी एंड डिजीजन-मेकिंग इन वीमेन्स सक्सेस विदिन कम्युनिटी-बेस्ड ऑर्गनाइजेशंस”।
148. आशीष कुमार, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड, “कार्यस्थल पर अध्यात्मिकता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित प्रबंधन का कर्मचारी स्थायित्व और कार्य-जीवन संतुलन पर प्रभाव: हरिद्वार के पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में”।
149. उमा महेश्वरी जी, मनोन्मणियम सुन्दरनार यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु, “डिवेलपिंग अ कॉम्प्रिहेन्सिव फ्रेमवर्क एंड असेसमेंट इंस्ट्रूमेंट फॉर मेजरिंग सेफ्टी कल्चर: अ होलिस्टिक अप्रोच अमंग द वर्कर्स ऑफ फायर इंडस्ट्री विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु”।
150. सज्जन कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “असेसिंग द सोशल इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ फारैन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट इन बैंकिंग सेक्टर इन इंडिया”।
151. मोनिका पंचाल, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, “इम्पैक्ट ऑफ गवर्नमेंट पॉलिसीज ऑन ट्रेड एंड कॉमर्स ऑफ एमएसएमई: विद स्पेशल रेफरेंस टू क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई)”।
152. एस. जोसेफिन अरुलमोजी, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिलनाडु, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन ट्रेड अपॉर्च्युनिटीज इन पिलग्रिमेज टूरिज्म अक्रॉस रूरल एंड अर्बन एरियाज ऑफ तमिलनाडु”।
153. मनीषा सोलंकी, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, “लेवरेजिंग डिजिटल द्विन टेक्नोलॉजी विद ईएसजी प्रिंसिपल्स टू एनहांस सस्टेनेबल टूरिज्म इन उदयपुर: अ स्ट्रेटेजिक मॉडल फॉर एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन, सोशल इकिटी एंड गवर्नेंस”।
154. कोसानोजु रविचंद्र, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, नालगोंडा, तेलंगाना, “असेसिंग टूरिज्म पोर्टेशियल इन तेलंगाना

- स्टेट: विद स्पेशल रेफरेंस टू नालगोंडा एंड वारंगल डिस्ट्रिक्ट्स”।
155. अहमद अली, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “सोशल-इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन इन लोकल कम्युनिटीज: एन इवैल्युएशन स्टडी ऑफ हेरिटेज टूरिज्म सर्किट डेवलपमेंट अंडर द स्वदेश दर्शन स्कीम इन राजस्थान”।
156. लीना आर्या, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “इम्पैक्ट एनालिसिस ऑफ फिनटेक ऑन इंडियन बैंकिंग सिस्टम एंड एसेट क्वालिटी ऑफ बैंक्स”।
157. अनुराग कुमार गुप्ता, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “पर्सपेक्टिव्स ऑन फाइनेंशियल इन्क्यूजन थ्रू फिनटेक अडॉप्शन अमंग इन्फॉर्मल ट्रांसपोर्ट वर्क्स”।
158. पूरुषोत्तम मिश्रा एस., अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिलनाडु, “इंटरसेक्शन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ब्लॉकचेन इन फिनटेक टू डेमोक्रेटाइज द इंडियन मार्केट”।
159. चंदन आशीष, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “आइडेंटिटी इश्यूज ऑफ बिहारी वर्क्स इन मेट्रोपोलिस: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी”।
160. अनुज गोस्वामी, बीएचयू, वाराणसी, यूपी, “सस्टेनेबिलिटी ऑफ सोशल सिविलिटी इन एन एजिंग पॉपुलेशन: ए स्टडी ऑफ टू रिलीजियस सिटीज ऑफ उत्तर प्रदेश काशी एंड वृंदावन”।
161. राजेश कुमार एम डी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “डाइकोटमीज ऑफ ट्राइबल डिवेलपमेंट इन तेलंगाना: ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ चेंचू एंड बंजारा ट्राइब्स इन नागरकुर्नूल डिस्ट्रिक्ट”।
162. अरस्मिता साहू, बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी, हैदराबाद, तेलंगाना, “मैस्कुलिनिटी एंड रिप्रोडक्टिव चॉइसेज: ए स्टडी ऑफ मेन्स एक्सपीरियेंसेज विद इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) इन भुवनेश्वर, उड़ीसा”।
163. गंगा राजू वल्लभ, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, “असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ऑन शेड्यूल्ड ट्राइब वीमेन इन अल्लूरी सीताराम राजू डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश”।
164. इशरत जहान, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “डिजिटल मैपिंग ऑफ माइग्रेशन, आइडेंटिटी एंड सोशल हेल्थ: ए कम्प्यूटेशनल स्टडी ऑफ जिप्सी वीमेन्स एक्सपीरियेंसेज अक्रॉस टाइम एंड स्पेस - ए केस स्टडी ऑफ द लांबाड़ा कम्युनिटी ऑफ हैदराबाद”।
165. मुनव्वर हनीह टी टी, एएमयू, अलीगढ़, यूपी, “द रोल ऑफ भक्ति पोएट्री एंड सूफी पोएट्री इन द सोशल रिफॉर्मेशन ऑफ केरल”।
166. कल्याणी मौर्य, बीएचयू, वाराणसी, यूपी, “मनुस्मृति की विभिन्न व्याख्याएं: राष्ट्रवादी इतिहास लेखन के विशेष सन्दर्भ”।
167. अनुपम भारती, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “इक्कीसवीं सदी के हिंदी उपन्यासों में आदिवासी अस्मिता का प्रश्न: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
168. नवीन कुमार नीरज, डीयू, दिल्ली, “अज्ञेय और निर्मल वर्मा के चिंतन-साहित्य में भारतीयता की पहचान: तुलनात्मक अध्ययन”।
169. शिवानी यादव, जेएनयू, दिल्ली, “चेंजिंग लैंडस्केप ऑफ भोजपुरी फोक डांस: कंटेम्प러리 इमेजेस ऑफ जेंडर एंड कल्चर”।
170. वईरोकपम यैफाबा चेंगलेई, मणिपुर यूनिवर्सिटी, कंचीपुर, मणिपुर, “ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ फोल्कटेल्स एंड कल्चरल आइडेंटिटी इन मणिपुर एंड असम”।
171. आलोक कुमार सिंह, बीएचयू, वाराणसी, यूपी, “मध्य सोन नदी घाटी के आदिवासी जनजाति का सांस्कृतिक अध्ययन: चेरो जनजाति के विशेष सन्दर्भ में”।
172. उदय प्रताप पाल, बीएचयू, वाराणसी, यूपी, “भारतीय लोक विश्वासों की सामाजिक स्वीकृत्यता के वैज्ञानिक आधार: भोजपुरी समुदाय के सन्दर्भ में”।
173. सैयद ताजुन्निसा महमूद, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक, “शोकेसिंग द कम्युनिटी कोहेजन थ्रू द सोशल-कल्चरल हेरिटेज एंड ट्रेडिशन ऑफ कारवार रीजन”।
174. सीमा रानी, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, “थारोली स्टडी ऑफ गणरत्नमहोदधि एंड गणरत्नावली इन द ट्रेडिशन ऑफ गणपत”।
175. स्मिता यादव, जेएनयू, दिल्ली, “संस्कृत के चरित काव्यों का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक विश्लेषण (हर्षचरित, विक्रमांकदेवचरित और नवसाहसांकचरित के सन्दर्भ में)”।

176. भवानी शंकर, जेएनयू, दिल्ली, “ए फिलॉसॉफिकल इंकायरी इन्टू द आइडियल ऑफ ह्यूमन यूनिटी ऑफ टैगोर एंड श्री अरबिंदो”।
177. अमरीक सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “फोनोलॉजिकल एंड ऑर्थोग्राफिकल ट्रांसक्रिप्शन ऑफ पंजाबी लैंग्वेज: ए स्टडी ऑफ चैलेंजेज एंड सॉल्यूशंस (विद स्पेशल रेफरेंस टू नागरी, रोमन एंड पर्शियन स्क्रिप्ट्स)”।
178. गुरमीत कौर, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “इकोलॉजिकल विज़डम, स्पिरिचुअलिटी एंड अडाप्टेशन टू क्लाइमेट चेंज इन लद्दाख थ्रू वीमेन-लेड डिवेलपमेंट”।
179. नेहा यादव, जेएनयू, दिल्ली, “क्लाइमेट अडाप्टेशन एंड रेजिलियंस फॉर एन्हांस्ड मेंटल वेलबीइंग इन माउंटेन कम्युनिटीज़: एक्सप्लोरिंग क्लाइमेट-इंड्यूस्ड चैलेंजेज इन द हिमालयाज़ (केयर-मो प्रोजेक्ट)”।
180. अक्षय कुमार, जेएनयू, दिल्ली, “द मार्जिनलाइज़्ड इन बिहार पॉलिटिक्स: ए स्टडी ऑफ रिप्रेजेंटेशन एंड पार्टी डायनैमिक्स”।
181. अनीता कुमारी, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गुजरात, “असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल पॉलिटिक्स ऑन पॉलिटिकल पार्टिसिपेशन ऑफ फर्स्ट टाइम जेन जी वोटर्स इन स्पेशल रेफरेंस टू गांधीनगर, गुजरात”।
182. सुमंता कुमार साहू, जेएनयू, दिल्ली, “इकोनॉमिक रिलेशंस बिटवीन इंडिया एंड चाइना ड्यूरिंग मोदी एंड शी'ज़ एरा: 2014-2027”।
183. नित्यानंद, जेएनयू, दिल्ली, “इंडिया'ज़ एनर्जी कोऑपरेशन विद रशिया वर्सेज मिडिल ईस्ट, 2000-2024”।
184. सद्दाम हुसैन सरकार, जादवपुर यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, “वेपनाइजिंग फेसबुक बाय पाकिस्तान एंड बांग्लादेश अगेंस्ट इंडिया, 2014-2027”।
185. सुमन कुमारी, ज़ाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली, “इंडेंचर्ड वीमेन लेबरर्स ऐज कल्चरल एंबेसडर्स ऑफ भारत: ए स्टडी ऑफ वीमेन्स राइटिंग्स इन हिंदी पीरियॉडिकल्स ऑफ द फर्स्ट जेनरेशन कैरिबियन डायस्पोरा”।
186. रविंद्र प्रसाद, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यूपी, “वीमेन इन द इंडियन आर्म्ड फोर्सेस: ए स्टडी ऑफ देयर कॉन्ट्रिब्यूशन्स एंड चैलेंजेज (2015-2024)”।
187. रोशनी सलील, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “इन्क्लूसिव एजुकेशन इन केरल: पॉलिसी इंटरवेंशन्स फॉर यूटिलाइजेशन ऑफ टेक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ एनईपी 2020”।
188. ओसामा क्रमर, जामिआ मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली, “सेकेंडरी स्कूल लर्नर्स' डिजिटल फुटप्रिंट एंड इट्स इशूज एंड इम्प्लिकेशंस: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी”।
189. संजय कुमार भीखाभाई पटेल, श्री एस आर पटेल बी.एड. कॉलेज, गुजरात, “एनहांसिंग संस्कृत ओरैटरी स्किल्स इन प्राइमरी एजुकेशन: ए वेब-बेस्ड फंक्शनल अप्रोच फॉर गुजरात स्टेट”।
190. मोनिका कौशिकभाई शिकारी, चिल्ड्रेन्स रिसर्च यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, “डिवेलपमेंट एंड इफेक्टिवनेस ऑफ सोशल मीडिया सेल्फ-डिफेंस एंड इंटरनेट डी-एडिक्शन प्रोग्राम फॉर लेट अडोलसेंस गर्ल्स”।
191. अरमान आलम, एएनएसआईएसएस, पटना, बिहार, “ए स्टडी ऑफ मेंटल हेल्थ एंड सोशल इन्क्लूजन ऑफ मार्जिनलाइज़्ड रूरल वीमेन: इम्पैक्ट ऑफ रूरल लाइवलीहुड प्रोग्राम्स इन बिहार”।
192. प्रीति रानी, पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी, बिहार, “रोल ऑफ एग्रीकल्चर ऐज प्रोविज़निंग इकोसिस्टम सर्विसेज़ एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन लाइवलीहुड: ए केस स्टडी ऑफ नालंदा डिस्ट्रिक्ट, बिहार”।
193. जेबा खानम, जेएनयू, दिल्ली, “क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट्स ऑन ह्यूमन डिसकम्फर्ट एंड हेल्थ इन द लद्दाख हिमालयाज़”।
194. निरंजन कुमार, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “जनजातीय और गैर-जनजातीय समाज का डिजिटल गैप: बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के शिक्षा गुणवत्ता में आईसीटी की भूमिका को समझना”।
195. जयनबेन मुकुंदराय परमार, सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी - राजकोट, गुजरात, “मध्यकालीन गुजराती अने वृंदावनी कृष्ण भक्ति परंपरा: एक तुलनात्मक अभ्यास (पसंदगीना भक्त कावियों संदर्भ)”।
196. शावेज़ खान, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश, “ब्रजभाषा का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन (अलीगढ़ जनपद के विशेष संदर्भ में)”।
197. इन्दुसूदन आई, श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “रिप्रेजेंटेशन ऑफ एथिकल एंड कल्चरल नॉलेज इन ना नर्पट्टु इन पथिनेनकिल्कनक्कु एंथोलॉजी”।

198. अंसारी अब्दुल रहमान, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “पर्सियन एपिस्टोलोग्राफी इन मीडियल इंडिया विद अ क्रिटिकल एडिटिंग ऑफ हदीकत अल-इर्शाद”।
199. अनामिका शील, विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “रोल ऑफ रूरल वेस्ट बंगाल पटुआ कम्युनिटी इन द प्रिजर्वेशन ऑफ इंडिजिनस नॉलेज, फोक एजुकेशन एंड कल्चर: विद द स्पेशल रेफरेंस टू योग-व्यायाम एंड क्रीड़ा”।
200. इमरोज़, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “ओरल विज़डम एंड एथिकल इन्कायरी: एग्जामिनिंग कबीर'ज़ इन्फ्लुएंस ऑन मॉरल फिलॉसफी इन मालवा रीजन ऑफ भारत”।
201. मोइरांगथेम बॉबी सिंह, मणिपुर विश्वविद्यालय, कंचीपुर, मणिपुर, “एन एथनो-हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ इंडिजिनस नॉलेज ऑफ बैम्बू कल्चर इन मणिपुर”।
202. विवेक सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “ए फिलॉसफिकल इन्कायरी ऑन लेजिटिमेसी एंड अथॉरिटी इन इंडियन डेमोक्रेसी”।
203. चंद्रबली कुमार, ए एन सिन्हा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना, बिहार, “डिवेलपमेंट एंड एंपावरमेंट ऑफ वल्टनेबल सेक्शन ऑफ सोसाइटी: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ मुसहर कम्युनिटी इन बिहार”।
204. सुरेंद्र सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, “शिक्षा और समाज में डॉ. बी. आर. अंबेडकर का योगदान”।
205. मिथुन रॉय, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “सोशल इन्क्लूजन ऑफ दिव्यांग चिल्ड्रन: ए स्टडी ऑन रोल ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइज़ेशंस इन असम”।
206. एस. सतीश कुमार, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी, “इंटीग्रेटिंग योगा थेरेपी इन्टू पीडियाट्रिक रिहैबिलिटेशन: इफेक्ट्स ऑन फिजिकल एंड साइकोलॉजिकल आउटकमस इन चिल्ड्रन विद डिसएबिलिटीज”।
207. ई बी श्रीकांत, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, टारनाका, तेलंगाना, “द इम्पैक्ट ऑफ एनईपी 2020 ऑन टैलेंट आइडेंटिफिकेशन एंड डिवेलपमेंट इन स्कूल स्पोर्ट्स: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज”।
208. प्रशांत कुमार आर्य, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, रांची, झारखंड, “लेवरेजिंग ट्राइबल नॉलेज सिस्टम्स (टीकेएस) फॉर क्लाइमेट-रेजिलिएंट लाइवलीहुड्स: ए स्टडी ऑफ अडैप्टिव स्ट्रेटेजीज अमंग ट्राइबल फार्मर्स इन झारखंड, इंडिया”।
209. पथिक अंकुर, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “अर्बन कॉरिडोर्स इन इंडिया: ए स्टडी इन स्पेशल-टेम्पोरल पर्सपेक्टिव”।
210. नीलेश सिंह, कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड, “रीजनल डिवेलपमेंट ऑफ द सॉन्ग रिवर बेसिन इन देहरादून यूजिंग द कॉन्सेप्ट ऑफ वेलफेयर जियोमॉर्फोलॉजी”।
211. सरोज कुमार, जेएमआई, दिल्ली, “कास्ट डायनमिक्स, कल्चरल एक्सप्रेसन एंड दलित आइडेंटिटी फॉर्मेशन: एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ भोजपुरी ‘अंबेडकर सॉन्स’ ऑन यूट्यूब”।
212. मानसवी पत्थार, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ (यूटी), “रोल ऑफ बुद्धिस्ट पीस थ्योरी इन पैनडेमिक रिकवरी एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: ए क्रिटिकल एनालिसिस”।
213. शिवा डी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “प्रमोटिंग सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स एंड इकोनॉमिक एम्पावरमेंट अमंग ट्राइबल कम्युनिटीज: ए केस स्टडी ऑफ इनोवेटिव इनिशिएटिव्स फॉर सोशियो-इकोनॉमिक डिवेलपमेंट”।
214. अजय चंजता, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी समरहिल, शिमला, एच.पी., “हॉर्टिकल्चर डिवेलपमेंट एज ए कैटलिस्ट फॉर रूरल ट्रांसफॉर्मेशन एंड चेंजिंग लाइवलीहुड्स इन शिमला डिस्ट्रिक्ट ऑफ हिमाचल प्रदेश: ए मल्टीडायमेंशनल एनालिसिस”।
215. दीपक कुमार बेहरा, रेवेंशॉशा यूनिवर्सिटी, कटक, उड़ीसा, “एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग ऑफ कोस्टल इरोजन पैटर्न्स एंड देयर सोशियोइकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑन फिशरीज एंड कोस्टल कम्युनिटीज इन श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश”।
216. रशपाल सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, पंजाब, “स्ट्रेटेजिक इंटीग्रेशन ऑफ ग्रीन फिस्कल पॉलिसीज इन रूरल डिवेलपमेंट: एन एनालिसिस ऑफ इंडियाज अग्रोच एंड आउटकमस”।
217. मनप्रीत, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, पंजाब, “ट्रांसफॉर्मेटिव रोल ऑफ कोऑपरेटिव्स इन टेक्नोलॉजी इन ग्लोबल वैल्यू चेन्स: ए सेक्टरल एनालिसिस”।
218. प्रकाश रंजन प्रसाद, जेएनयू, दिल्ली, “द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन शेपिंग एम्प्लॉयमेंट ट्रेंड्स इन इंडिया”।

219. निखिल मरुति अठावले, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “रोल ऑफ टेक्नोलॉजी इन प्रमोटिंग रूरल टूरिज्म विद डिजिटल प्लैटफॉर्म”।
220. झांसी रानी पी, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिलनाडु, “द रोल ऑफ ग्रीन फिनटेक इन प्रमोटिंग सस्टेनेबल एग्रीकल्चर इन तमिलनाडुज रूरल रीजन”।
221. अभिषेक कुमार, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी (ए सेंट्रल यूनिवर्सिटी), लखनऊ, यूपी, “एवेलेबिलिटी, यूज एंड सोशियो-इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल डिवाइसेज ऑन जीआईजी कल्टिवेटर्स (विद स्पेशल रेफरेंस टू दिल्ली एनसीआर)”।
222. सुधा कुमारी, बीएचयू, वाराणसी, यूपी, “वर्तमान संदर्भ में आयुष्मान भारत योजना की प्रासंगिकता एवम उपादेयता: बिहार, गया जनपद पर आधारित एक समाजवैज्ञानिक अध्ययन”।
223. अंकित कुमार भारती, जेएनयू, दिल्ली, “इकोनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट: ए केस स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश”।
224. एम हरिंदर, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ए स्टडी ऑन एक्सप्लोरिंग कल्चर एंड हेल्थ इंटरसेक्शन अमंग पार्टिकुलरली वल्नरेबल ट्राइबल वीमेन (पीवीटीजीज) इन निजामाबाद डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना एंड कुरनूल डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश विद रेफरेंस टू थोटी एंड चेंचु ट्राइब्स”।
225. सुमित कुमार चौधरी, जेएनयू, दिल्ली, “आधुनिक हिंदी कविता में जल संरक्षण: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
226. विद्यार्थी कुमार, बीएचयू, वाराणसी, यूपी., “भूमंडलीकरण तथा भारतीय समाज: इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानियों के विशेष संदर्भ में”।
227. गिरिश दहिया, जेएनयू, दिल्ली, “ए सोशियो-कल्चरल स्टडी ऑफ रविदासिया पब्लिक”।
228. जयभीम सूर्यभान शिंदे, मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र, “स्वतंत्रता के बाद महाराष्ट्र में शास्त्रीय संगीत से जुड़े नए सामाजिक घटकों का अध्ययन: समस्याएँ और समाधान”।
229. नंदिनी दास, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, डब्ल्यू.बी., “ए स्टडी ऑफ द कंट्रीब्यूशन ऑफ बंगाल टू आयुर्वेद”।
230. विशाखानंद बंसोड़, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, यूपी., “सनातन परंपरा के परिप्रेक्ष्य में थेरवाद साहित्य का सामाजिक एवं दार्शनिक अध्ययन”।
231. तेजेश्वर कारकोरा, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवेलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली, “एन इंटरसेक्शनल स्टडी ऑफ ह्यूमन ट्रेफिकिंग इन सुंदरगढ़ टू रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा”।
232. वेंकटस्वामी मल्लेपोगु, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “इम्प्रूविंग द हेल्थ एजुकेशन एंड सिस्टम्स कैपेसिटी बेस्ड ऑन कम्युनिटी अवेयरनेस ऑफ सिकल सेल डिजीज एंड इट्स प्रिवेंशन इन आंध्र प्रदेश’स नल्लमला फॉरैस्ट रीजन”।
233. उषा सिसोदिया, मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस, उज्जैन, म.प्र., “अनुसूचित जाति की महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण और जाति संरचना की स्थिति (मध्य प्रदेश के उज्जैन, देवास, शाजापुर और मालवा संभाग के विशेष संदर्भ में)”।
234. रवि शंकर सिंह, जेएमआई, दिल्ली, “द जियोपॉलिटिकल डायमेंशंस ऑफ इंडिया-ईरान रिलेशन्स: अ केस स्टडी ऑफ चाबहार पोर्ट”।
235. अनंत रंजन, जेएनयू, दिल्ली, “चाइनीज कोनंझम इन द इंडिया-रशिया रिलेशन्स: इट्स फॉरैन पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स फॉर इंडिया, 2014-2024”।
236. चित्त रंजन मलिक, जेएनयू, दिल्ली, “बाइलेटरल डिप्लोमेसी इन इंडिया-जापान रिलेशन्स: चेंजिंग डायनामिक्स, 2006-2023”।
237. अनूप कुमार, जेएनयू, दिल्ली, “प्रमोटिंग मल्टीलेटरलिज्म एंड ट्रेड कनेक्टिविटी बिटवीन इंडिया एंड द बाल्टिक स्टेट्स अंडर मोदी गवर्नमेंट”।
238. पी. विष्णु, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इफेक्ट ऑफ इंडिजिनस इंटरवेंशन प्रोग्राम ऑन हेल्थ एंड वेल-बिंग ऑफ स्टूडेंट्स एंड टीचर्स टू अलाइंग होलिस्टिक डिवेलपमेंट एडवोकेसी ऑफ एनईपी 2020”।
239. संजीव कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “रोल ऑफ वीमेन इन इकोनॉमिक एंड सोशल डिजीजन मेकिंग: ए लीगल पर्सपेक्टिव ऑन जेंडर इनइक्वैलिटी”।
240. प्रमोद कुमार, बीएचयू, वाराणसी, यूपी., “भारतीय जनसंघ गठन विकास एवं राष्ट्र निर्माण”।

241. कांबले अभितोधन बाबूराव, न्यू आर्ट, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, अहमदनगर, महाराष्ट्र, “डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के दलित मुक्ति आंदोलन में ब्राह्मण समुदाय का योगदान”।
242. कलुवोया अनिता, भारतीय इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन यूनिवर्सिटी (बेस्टीयू), गोरंटला, आंध्र प्रदेश, “ए कॉम्प्रिहेन्सिव एंड कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ तेलुगु ओटीटी प्लेटफॉर्म इन टर्म्स ऑफ कवरेज, कंटेंट, प्रोडक्शन एंड इफेक्ट्स”।
243. सुरेश पुवारे, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “‘भारत के सांस्कृतिक-भाषिक वैशिष्ट्य के परिप्रेक्ष्य में मध्य प्रदेश की गोंडी भाषा और जनजातीय संस्कृति का अध्ययन”।
244. कम्किपाटी राजा, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, गाचीबोवली, तेलंगाना, “सोशियो-कल्चरल एस्पेक्ट्स ऑफ अन्नमाचार्य’स लिटरेरी आर्ट एंड म्यूजिकल कंपोजिशन”।
245. विलास माधवराव गायकवाड़, डिपार्टमेंट ऑफ मराठी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “महाराष्ट्र के सिकलीगर जनजाति की बोली का अध्ययन (विशेष सन्दर्भ: मराठवाड़ा)”।
246. राजन कुमार शर्मा, डीयू, दिल्ली, “सांस्कृतिक चेतना की निर्मिति में दूरदर्शन द्वारा प्रसारित ‘रामायण’ और ‘महाभारत’ धारावाहिकों की भूमिका”।
247. चक्रपाणि पित्रिटी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “वर्नाक्युलर टेक्स्ट्स ऐज़ ए मीडियम फॉर इन्वायरनमेंटल कंजर्वेशन इन ट्राइबल कम्युनिटीज”।
248. दिनेश अहिरवार, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “जनजातीय साहित्य एवं संस्कृति में भारतीय ज्ञान परंपरा (मध्य प्रदेश की जनजातियों के विशेष सन्दर्भ में)”।
249. सोनू, डीयू, दिल्ली, “भारतीय ज्ञान परंपरा में बौद्ध वास्तुकला का योगदान”।
250. गिरिजा, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु, “असेसमेंट ऑफ इरुला’स इंडिजिनस मेडिसिन नॉलेज, स्नेक वेनम एक्सट्रैक्शन, एंड एक्सप्लोरेटिव ऑफ वैरियस ट्रेडिशनल हीलिंग टेक्नीक्स, थैरेपीज़ एंड स्पिरिचुअल प्रैक्टिसेज़ ऑन हेल्थ इन तमिलनाडु – एन एथनोग्राफिक स्टडी”।
251. संजू गोंड, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “जनजातीय समाज में शिक्षा की नवीन चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ: मध्य प्रदेश के रीवा मण्डल में स्थित एकलव्य विद्यालय की बालिकाओं पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
252. ब्यूटी मीणा, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, “जनजातीय महिलाओं में माहवारी का समाजीकरण (राजस्थान के उदयपुर और बांसवाड़ा जिलों के जनजातीय क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन)”।
253. थंगलिएन्मंग हाओकिप, आईआईटी, गुवाहाटी, असम, “फ्रॉम स्विडन टू पोपी: एग्रेरियन ट्रांजिशन इन अपलैंड मणिपुर, नॉर्थईस्ट इंडिया”।
254. हर्मीना बानी लाकियांग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, “ए स्टडी ऑफ टोटलिज़्म अमंग द जयंतियाज़ ऑफ मेघालय”।
255. लांदी पुस्संग मोनिया, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, “मोनास्टिक ट्रेडिशन इन बुद्धिस्ट ट्राइब्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश: ए स्टडी ऑन हिस्ट्री एंड इट्स इम्प्लीकेशन्स इन द लाइफ ऑफ तवांग एंड वेस्ट कामेंग डिस्ट्रिक्ट”।
256. राम चंद्र मीणा, जेएनयू, दिल्ली, “जौनसार बावर जनजाति की लोकसंस्कृति और साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
257. जेनी लालमुआनपुई, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिजोरम, “जुआलको: डिजिटलाइजेशन ऑफ ट्रेडिशनल कम्युनिकेशन प्रैक्टिसेज़ इन कंटेम्पररी मिज़ो सोसाइटी”।
258. स्वामी, कन्नड़ यूनिवर्सिटी हम्पी, कर्नाटक, “इरिगेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन विजयनगर एम्पायर: ए हिस्टोरिकल स्टडी”।
259. लालेंगकिमा, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिजोरम, “एन इकनॉमिक एनालिसिस ऑफ सस्टेनेबल लाइवलीहुड ऑफ रूरल कम्युनिटी थ्रू रूरल रोड कनेक्टिविटी विद स्पेशल रेफरेंस टू पीएमजीएसवाई इन मिजोरम”।
260. वडिथे मल्लिकार्जुन नायक, सेंटर फॉर इकनॉमिक एंड सोशल स्टडीज़ (सीईएसएस), हैदराबाद, तेलंगाना, “फिनटेक सॉल्यूशंस फॉर इकनॉमिक इन्क्लूज़न इन ट्राइबल रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश”।
261. सृजनलाल, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “द रोल ऑफ नियो बैंकिंग इन इंडिया’ज़ फाइनेंशियल ईकोसिस्टम”।
262. नितेश कुमार मीणा, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “‘हिस्टोरिकल एंड कंटेम्पररी एनालिसिस ऑन हेळा ख्याल: फोक थिएटर ऑफ दौसा डिस्ट्रिक्ट इन राजस्थान”।

263. अल्ताफ हुसैन, जेएनयू, दिल्ली, “रिविजिटिंग कश्मीर’ज कॉम्पोजिट कल्चर: ए स्पेशल रेफरेंस टू सूफीज़ लिटरेचर”।
264. प्रदीप कुमार मीणा, गवर्नमेंट मीरा गर्ल्स कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान, “दक्षिणी राजस्थान में वनौषधीय जड़ी-बूटियों का जनजातीय आयुर्विज्ञान: एक अध्ययन (आदिवासी अंचल के विशेष सन्दर्भ में)”।
265. श्रेया जेसिका धन, जेएनयू, दिल्ली, “रिवाइविंग ट्रेडिशनल विज़डम फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबल लिविंग: ए स्टडी ऑफ द उरांव ट्राइब इन झारखंड”।
266. टी. लियान्हमिंगसांगा, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिजोरम, “फंक्शनिंग एंड इम्प्लीकेशन ऑफ पॉलिटिकल रिफ़ॉर्मेशन इन मिजोरम (1987–2024)”।
267. ओबेड, नागालैंड यूनिवर्सिटी, लुमामी, नागालैंड, “शिफ्टिंग डायनामिक्स ऑफ पॉलिटिकल पार्टिसिपेशन इन नागालैंड (2014–2024)”।
268. एम. निर्मला रेखा, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “इफेक्ट्स ऑफ रेजिलिएंस इंटरवेंशन प्रोग्राम ऑन वैल्यू ओरिएंटेशन एंड सोशल इंटेलिजेंस ऑफ अडोलेसेंट हियरिंग इम्पेयर्ड स्टूडेंट्स”।
269. सुनील कुमार मीणा, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “ए सोशियो-लीगल स्टडी ऑफ इनक्रीसिंग क्रिमिनल टेंडेंसीज़ अमंग ट्राइबल चिल्ड्रन इन राजस्थान स्टेट”।
270. संदीप कुमार, जेएनयू, दिल्ली, “अलवर जिले की शैल चित्रकला: सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक अध्ययन”।
271. अंकलेश कुमार, बीएचयू, वाराणसी, यू.पी., “ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ कंजर ट्राइब इन राजपूताना (1900–1952)”।
272. बानोत स्वामी, काकतिया यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “एंडेंजर्ड ट्राइबल लैंग्वेजेज़ ऑफ तेलंगाना – एन ओवरव्यू”।
273. सपना, डीयू, दिल्ली, “जनजातीय क्षेत्र किन्नौर की विभिन्न बोलियों का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन”।
2. आरती श्रीवास्तव, रेवेंशॉ यूनिवर्सिटी, कटक, उड़ीसा, “इन्कल्केटिंग वैल्यू एजुकेशन बेस्ड ऑन रामायण ऐट सेकेंडरी लेवल टीचर एजुकेशन प्रोग्राम”।
3. भागवतुला वेंकट रविप्रसाद, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, मैसूर, कर्नाटक, “द एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ पोर्ट ब्लेयर सिटी इन अंडमान एंड निकोबार आइलैंड्स”।
4. शर्मिला चंद्रा, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, “जेंडर्ड स्पेस इन पुरुलिया छऊ: प्रेजेंट सिनेरियो एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स”।
5. महादेवी, कर्नाटक ओपन यूनिवर्सिटी, मैसूर, कर्नाटक, “डॉ. बी.आर. अंबेडकर एंड वीमेन्स राइट्स: एन हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ मैसूर तालुक”।
6. जी.सी. नंदा, रेवेंशॉ यूनिवर्सिटी, कटक, उड़ीसा, “एलीमेंटरी एजुकेशन एंड कोरस्पॉन्डिंग टीचर एजुकेशन इन उड़ीसा आफ्टर 1986: क्रिटिकल इंटरवेंशन्स; कांसिक्वेंशियल चेंजेस एंड सिस्टमेटिक चैलेंजेस”।
7. पडाला प्रसाद, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इनोवेशन एंड इंटरवेंशन फॉर द वेलफेयर ऑफ सीनियर सिटीजन्स – ए केस स्टडी ऑफ तेलंगाना”।
8. दुर्गा बसु, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, “वनैक्युलर टेम्पल आर्किटेक्चर ऑफ इंडिया – ए सोशियो-कल्चरल स्टडी”।
9. बी. शिवराज, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, कर्नाटक, “फाइनेंशियल डिस्ट्रेस इन सेलेक्टेड लार्ज कॉरपोरेट एंटरप्राइजेज इन इंडिया”।
10. एच.एन. मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “इंडियन सिटी सिस्टम्स एंड देयर स्पेशियल इम्प्लिकेशन्स इन रीजनल डिवेलपमेंट प्रोसेस”।
11. दीपा पुनेठा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “जेंडर बायस इन सोशललाइजेशन इन चिल्ड्रन इन ट्राइबल कम्युनिटी ऑफ नॉर्थ हिमालयन रीजन”।
12. सूर्य राव के.वी.वी.ए.पी.टी, आंध्र यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेश, “एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ डिटरमिनेंट्स ऑफ हैपिनेस – ए केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश”।
13. जी. सुदर्शनम, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “स्मार्ट सिटीज एंड क्लाइमेट-हेलिक्स मॉडल: हाउ डू वी बिल्ड इन्क्लूसिव स्मार्ट सिटीज?”।

प्राप्त अंतिम रिपोर्ट

वरिष्ठ अध्येतावृत्ति

1. रेखा गुप्ता, एमएलएसयू, उदयपुर, राजस्थान, “राजस्थान के प्रमुख संस्कृत शिलालेखों का सांस्कृतिक अध्ययन (मारवाड़ के विशेष सन्दर्भ में)”।

14. बीना अग्रवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “कश्मीरी भक्ति साहित्य और समकालीन सामाजिक सन्दर्भ”।
15. पी.के. साहू, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, यू.पी., “डिवेलपमेंट एंड वैलिडेशन ऑफ ब्लेंडेड लर्निंग पैकेज ऑन रिफ्लेक्टिव टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिस इन टीचर एजुकेशन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट फॉर प्री-सर्विस टीचर एजुकेशन”।
16. वी. रेड्डप्पा नायडू, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ डिसप्लेसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन ऑन ट्राइबल लाइव्स - ए केस स्टडी ऑफ पोलावरम डिवेलपमेंट प्रोजेक्ट इन आंध्र प्रदेश”।
17. समीता मन्ना, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, पश्चिम बंगाल, “द स्टडी ऑफ फोर मिदनापुर विलेज: देन एंड नाउ (आफ्टर 60 ईयर्स)”।
18. ऐश्वर्या अवस्थी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “पोस्ट-कोविड कॉम्प्लिकेशन एंड इम्पैक्ट ऑन हेल्थ एंड सोशल-इकोनॉमिक कंडीशन इन लखनऊ सिटी”।
19. चिन्मयी सत्पथी, नभकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डिवेलपमेंट, भुवनेश्वर, “रिसर्च स्टडी ऑन रिलीजियस एंड कल्चरल सिग्रिफिकेंस ऑफ द मोनास्ट्रीज़ इन रिचुअल्स एंड फेस्टिवल्स ऑफ श्री जगन्नाथ टेम्पल, पुरी: एन इन्वेस्टिगेटरी स्टडी”।
20. धनेश्वर हरिचंदन, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, महाराष्ट्र, “जर्नी ऑफ इंडिया'ज़ मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (मूक्स) थ्रू स्वयम: इट्स इम्प्लिकेशंस बिफोर, ड्यूरिंग एंड पोस्ट कोविड-19 पैनेडेमिक सिचुएशन”।
21. श्रीरंजन, इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, नई दिल्ली, “मैपिंग द कॉन्टूर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑफ आईसीडीएस इन 21 फस्ट सेंचुरी इंडिया एंड असेसिंग परफॉर्मेंस इन झारखंड”।
22. डी.डी. चौनियाल, दून यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, “इंटीग्रेटेड जियो-इन्वायरमेंटल मैनेजमेंट एंड रीजुवेनेशन ऑफ रिस्पना रिवर इन देहरादून”।
23. कमल कांत मिश्रा, नभकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डिवेलपमेंट, भुवनेश्वर, “सोशल एंथ्रोपोलॉजी इन इंडिया: कोलोनियल लीगेसी एंड पोस्ट-इंडिपेंडेंस चैलेंजेस”।
24. अशोक कुमार, जेएनयू, नई दिल्ली, “आचार एवं नैतिक भावना का सामाजिक विश्लेषण (धर्मसूत्र एवं नीतिशास्त्र ग्रंथों के विशेष सन्दर्भ में)”।
25. कमला भारद्वाज, श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी, “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संस्कृत वांग्मय में प्रतिपादित प्राकृतिक संसाधन संरक्षण की प्रासंगिकता”।
26. प्रकाश सी. तिवारी, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड, “वीमेन्स परसेप्शन एंड इनोवेटिव अडॉप्शन प्रैक्टिसेज़ टू क्लाइमेट चेंज इन मार्जिनलाइज़्ड माउंटन एनवायरनमेंट: ए केस स्टडी ऑफ कुमाऊँ हिमालय, उत्तराखंड”।
27. कोंडापल्ली परमेश्वर राव, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, “एग्रीकल्चर डिस्ट्रेस इन आंध्र प्रदेश: ए केस स्टडी इन नॉर्थ कोस्टल डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ आंध्र प्रदेश”।
28. मुर्जबान जल, आईसीएसएसआर, वेस्टर्न रीजनल सेंटर, मुंबई, “कास्ट ऑर कम्युनिटी?: ए स्टडी ऑफ कोलोनियलिज़्म एंड द मैन्युफैक्चरिंग ऑफ कास्ट”।
29. नामदेव प्रभाकर सनप, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “भारतीय आज़ादी के अमृत महोत्सव कालखंड में लोकतंत्र विकास में मुद्रित माध्यमों की भूमिका: महाराष्ट्र राज्य के मराठी भाषिक समाचारपत्रों का विशेष अध्ययन”।
30. पी. रघुपति, काउंसिल ऑफ सोशल डिवेलपमेंट, तेलंगाना, “लैंड एंड ट्राइब्स: ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ लैंड एलियनेशन प्रोसेस इन द एजेंसी रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश”।
31. श्रीनिवासुलु कारली, आईसीएसएसआर-एसआरसी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, “रीजनल पॉलिटिक्स, सोशल डायनैमिक्स एंड पॉपुलिस्ट पॉलिसीज़: ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ डिवेलपमेंटल रेजीम पॉलिटिक्स इन तेलंगाना एंड आंध्र प्रदेश”।
32. किशोर शामराव सूर्यवंशी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “वोटर्स परसेप्शन टुवर्ड्स रिव्यूज़ ऑफ ईवीएम मशीन्स इन इलेक्शंस: स्पेशल रेफरेंस टू महाराष्ट्र स्टेट”।
33. सुषमा पांडेय, डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, “डायनामिक्स ऑफ चाइल्ड मॉल्ट्रीटमेंट इन स्कूल्स: एजुकेशनल इम्प्लिकेशंस, प्रिवेंशन, एंड मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज़”।
34. रूमकी बसु, सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नंस, इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, नई दिल्ली, “टुवर्ड्स हेल्थ सिविलिटी: ए स्टडी ऑफ पीएम-जन आरोग्य योजना इम्प्लीमेंटेशन इन 2 स्टेट्स (2021-2023)”।

पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्ति

1. साधना श्रीवास्तव, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “सोशियो-इकोनॉमिक स्टेट्स एंड लाइवलीहुड सिक्योरिटी ऑफ वीमेन - विद स्पेशल रेफरेंस टू लखनऊ डिस्ट्रिक्ट”।
2. ए. अय्यप्पन, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, करैकुडी, तमिलनाडु, “लेवरेजिंग सस्टेनेबल मैनेजमेंट टेक्नीक्स फॉर इफेक्टिव इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एग्रीप्रेन्योरशिप”।
3. आशीष कुमार यादव, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “हिंदी विज्ञान कथा का सामाजिक सरोकार”।
4. देवी प्रसाद तिवारी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “विभाजन, विस्थापन की त्रासदी और हिंदी उपन्यास”।
5. सुमेश, जनता विद्या मंदिर गणपति राय रसिवाला (जेवीएमजीआरआर) कॉलेज, चरखी दादरी, हरियाणा, “जल, समाज एवं राज्य: प्रबंधन तथा उपयोग, 1701-1950 (जोधपुर (मारवाड़) के सन्दर्भ में)”।
6. रवि कुमार एस., कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “एम्पावर्समेंट ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब्स इन कर्नाटक - ए स्टडी”।
7. सोनिया भट्ट, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, “यूजर एक्सेप्टेंस ऑफ डिजिटल वॉइस असिस्टेंट: ए रिविजन इन यूनिफाइड थ्योरी ऑफ एक्सेप्टेंस एंड यूज ऑफ टेक्नोलॉजी (यूटीएयूटी)”।
8. सतीश मन्तना, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ए स्टडी ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स एंड देयर प्रॉब्लम ड्यूरिंग पैंडेमिक क्राइसिस”।
9. अनुपा लाहकार गोस्वामी, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “कॉम्बैटिंग हेल्थ क्राइसेज थ्रू मोबाइल हेल्थ एप्लीकेशन: ए स्टडी ऑन रेलवेंट हेल्थ-बेस्ड ऐप्स इन कामरूप (रूरल) डिस्ट्रिक्ट”।
10. शिवकुमार जे., काकतिया यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ इन-माइग्रेशन टू हैदराबाद (1911-1968) ऑन डिवेलपमेंट ऑफ तेलंगाना”।
11. हृदया भारती, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, “एन एनालिसिस ऑफ ट्रेड वॉर बिटवीन यू.एस.ए. एंड चाइना एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन इकॉनॉमी”।
12. दिव्या द्विवेदी, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन ह्यूमन रिसोर्स डिवेलपमेंट इन टूरिज्म इंडस्ट्री ऑफ इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ फाइव स्टार लज्जरी होटल्स इन राजस्थान”।
13. संगीता सिंह, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “द इफेक्ट ऑफ आयुष कॉमन योग प्रोटोकॉल ऑन सेलेक्टेड फिजिकल, साइकोलॉजिकल एंड सोशियो-साइकोलॉजिकल पैरामीटर्स ऑफ स्कूल चिल्ड्रन”।
14. प्रदीप कुमार, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “नुकड़ नाटकों का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव”।
15. प्रीति सिन्हा, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी ऑफ सोशियो-डेमोग्राफिक एंड कल्चरल फैक्टर्स अफेक्टिंग द प्रिवेलेंस ऑफ जापानीज एन्सेफेलाइटिस अमंग चिल्ड्रन इन ईस्टर्न उत्तर प्रदेश”।
16. देवेन्द्र सिंह राणा, एच. एन. बी. गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “गढ़वाल हिमालय में महाभारत परंपरा का ऐतिहासिक अध्ययन”।
17. अभिषीत त्रिपाठी, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “बिहार प्रदेश के बौद्ध विहारों का सांस्कृतिक अध्ययन”।
18. विशाल मधुकर भवरे, इंदिराबाई भास्करराव पाठक महिला महाविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “इफेक्ट्स ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक फैक्टर्स ऑन एकेडमिक अचीवमेंट्स ऑफ एलीमेंट्री स्कूल स्टूडेंट्स इन मराठवाड़ा रीजन”।
19. मीता रटावा, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ए जियोग्राफिकल स्टडी ऑफ द स्प्रेड ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ इन कैमूर डिस्ट्रिक्ट, बिहार”।
20. अंबालाल खतारा, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, “आदिवासी क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं की स्थिति: डूंगरपुर जिले के सीमलवाड़ा प्रखंड (ब्लॉक) का विशेष अध्ययन”।
21. प्रियांका श्रीवास्तव, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “कलकत्ता और काशी की हिंदी पत्रकारिता का तुलनात्मक अध्ययन (सन् 1780-1950)”।
22. पंकज कुमार तिवारी, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “सामाजिक व्यवस्था में खगोल विज्ञान की भूमिका”।
23. इशदीप कौर भंडारी, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “आइडेंटिटी एंड

- एक्सक्लूजन ऑफ थर्ड जेंडर इन द एज ऑफ कोविड-19: ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड सिटीज ऑफ उत्तर प्रदेश”।
24. तजिंदर कौर, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, “वायलेंस अमंग वीमेन इन डिफरेंट जियोग्राफिकल स्पेसेज”।
 25. के. विठ्ठल गौड़, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ए स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ नॉइज़ पॉल्यूशन ऑन हेल्थ इन हैदराबाद”।
 26. सौम्या आर., महारानी क्लस्टर यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, “इम्प्लीमेंटेशन ऑफ आंट्रेप्रेन्योरशिप स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम (ईएसडीपी) बाय सेंट्रल गवर्नमेंट एंड गवर्नमेंट ऑफ कर्नाटक – एन एम्पीरिकल इन्वेस्टिगेशन एट सेलेक्ट एमएसएमईज़ इन कर्नाटक डिस्ट्रिक्ट्स”।
 27. जियांगुआंगलुंग डांगमेई, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ आंट्रेप्रेन्योरशिप कॉम्पिटेंसीज़ एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन ऑर्गनाइजेशनल”।
 28. प्रवीण जगदीशराव नादरे, ज्ञानोपासक कॉलेज, परभाणी, “मारवाड़ा में प्राचीन ऐतिहासिक स्थल और पर्यटन: सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक संदर्भ में एक अध्ययन”।
 29. तल्लूरी रमेश, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, “हेल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम इन ट्राइबल रीजन ऑफ नॉर्थ कोस्टल आंध्र प्रदेश”।
 30. कमल कांत, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान, “द रोल ऑफ टूरिज्म इन सस्टेनेबल रूरल डिवेलपमेंट: ए केस स्टडी ऑफ सेलेक्टेड साइट्स इन राजस्थान”।
 31. अंजू सिंघल, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “रिप्रोडक्टिव राइट्स ऑफ वीमेन: चैलेंजेज एंड इशूज (विद स्पेशल रेफरेंस टू राजस्थान)”।
 32. विजेता, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, जीकेवीके, बेंगलुरु, “इम्पैक्ट ऑफ न्यूट्रिशनल हेल्थ एजुकेशन ऑन नॉलेज, एटीट्यूड एंड डाइटरी प्रैक्टिसेज अमंग सेलेक्टेड ट्रांसजेंडर कम्युनिटी इन बेंगलुरु एंड गुलबर्गा सिटी”।
 33. प्रभावती एस. एन., यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, मैसूर, कर्नाटक, “हेल्थ, न्यूट्रिशन एंड फूड सिक्योरिटी: एन इंटरवेंशन स्टडी ऑन जेनु कुरुबु (पार्टिकुलर्ली वल्लरेबल ट्राइबल ग्रुप) चिल्ड्रन ऑफ मैसूर डिस्ट्रिक्ट”।
 34. पथिम वेणु, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ फार्मर्स सुसाइड्स इन रायलसीमा, 2004–2015”।
 35. रणधीर कुमार, डीयू, दिल्ली, “कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम्स फॉर रूरल वीमेन विद पार्टिकुलर रेफरेंस टू नॉर्थ बिहार”।
 36. करिश्मा अय्यूब पठान, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, “आंध आदिवासी बोली का समाजभाषा वैज्ञानिक अध्ययन”।
 37. लता एम.टी., यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर, मैसूर, कर्नाटक, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक ऑन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री: ए केस स्टडी ऑफ मैसूर डिस्ट्रिक्ट”।
 38. सनाया खन्ना, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “डायवर्सिटी, इक्विटी एंड इन्क्लूजन (डीईआई) ऐज ए बिजनेस इम्पेरेटिव: ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड फॉर्च्यून इंडियन कंपनीज”।
 39. उरूज उन निसा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, गांदरबल, जम्मू एंड कश्मीर, “कॉन्फ्लिक्ट्स एंड एजुकेशन: ए स्टडी ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एक्सपोजर, साइकोसोशल फंक्शनिंग, आइडेंटिटी फॉर्मेशन एंड मेंटल हेल्थ ऑफ द स्टूडेंट्स इम्पैक्टेड बाय क्रॉस बॉर्डर शेलिंग इन द यूटी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर”।
 40. जी. रामलिंगप्पा, श्री कृष्णदेवराय यूनिवर्सिटी, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, “इम्प्रूविंग लाइवलीहुड सिक्योरिटी ऑफ रूरल पीपल थ्रू एग्रीकल्चरल डिवेलपमेंट इन ड्राट प्रोन एरियाज: ए स्टडी ऑफ अनंतपुर डिस्ट्रिक्ट इन आंध्र प्रदेश”।
 41. टी. टोपीसाब, श्री कृष्णदेवराय यूनिवर्सिटी, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, “टैक्स रेवेन्यू ऑफ ग्राम पंचायत्स एंड टैक्स अवेयरनेस अमंग द टैक्सपेयर्स: ए स्टडी इन रायलसीमा रीजन ऑफ आंध्र प्रदेश”।
 42. टेकमल रेनुका, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ ‘रायथु बंधु’ स्कीम ऑन स्मॉल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन संगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना स्टेट”।
 43. पूनम वर्मा, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “वरिष्ठ नागरिकों के एकाकीपन को दूर करने में संगीत की भूमिका: वाराणसी के नगरीय क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों पर आधारित एक समाज-मनोवैज्ञानिक विश्लेषण”।
 44. रितू राणा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जम्मू, “एफडीआई एंड टेक्नोलॉजी गेप: द रिलेशनशिप एनालिसिस फॉर इंडिया”।

45. पी. भवानी, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय (वीमेन्स यूनिवर्सिटी), तिरुपति, “ए.पी. इफेक्ट्स ऑफ पेरेंटिंग स्टाइल्स स्ट्रेटेजीज ऑन इमोशनल इंटेलिजेंस एंड एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ एडोलेसेंट्स”।
46. लक्ष्मण कुमार माहीकर, गवर्नमेंट वी.वाई.टी. पीजी कॉलेज, दुर्ग, छत्तीसगढ़, “ग्रामीण समाज में महिला एवं पुरुष नेतृत्व का अध्ययन (छत्तीसगढ़ के गुण्डरदेही विकासखंड के विशेष सन्दर्भ में)”।
47. थोटापल्ली अंजनेयुलु, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “द इम्पैक्ट ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक एंड एनवायरनमेंटल फैक्टर्स ऑन इंग्लिश लर्नर्स इन रेसिडेंशियल स्कूल्स (गुरुकुलम) ऑफ तेलंगाना”।
48. किरण मिश्रा, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “गोंड चित्रकला में लोक संचार का सांस्कृतिक पक्ष: एक अध्ययन”।
49. गुरविंदर सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन इंटरनल माइग्रेंट्स: ए स्टडी ऑफ पंजाब”।
50. इंगोले तक्षशिला आनंदराव, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठावाड़ा यूनिवर्सिटी, नांदेड़, महाराष्ट्र, “दि इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ द महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम ऑन शेड्यूलड ट्राइब्स लेबर्स अंडर द पेसा एक्ट स्पेशल रेफरेंस: डिस्ट्रिक्ट्स कवर्ड अंडर पेसा एक्ट इन द स्टेट ऑफ महाराष्ट्र”।
51. गुगुलोथु रवि, काकतीय यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “रोल ऑफ लांबाडास इन तेलंगाना आर्म्ड स्ट्रगल ड्यूरिंग 1940-51 एंड इट्स इम्प्लिकेशन ऑन तेलंगाना'स डिवेलपमेंट”।
52. अनुपा लाहकर गोस्वामी, गवर्नमेंट विश्वनाथ यादव तामस्कर पोस्ट ग्रेजुएट ऑटोनॉमस कॉलेज, दुर्ग, छत्तीसगढ़, “छत्तीसगढ़ की कुमार जनजाति में शिक्षा और रोजगार में लैंगिक असमानता का अध्ययन (गरियाबंद जिले के विशेष सन्दर्भ में)”।
53. बिस्मा अफज़ल शाह, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ द बिहेवियरल फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग इन्वेस्टमेंट डिजीज़न्स ऑफ इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स इन द यूनियन टेरिटरी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर”।
54. पार्थ बिस्वास, जेएनयू, नई दिल्ली, “वीमेन इन कॉम्बैट रोल: ए पॉलिसी फ्रेमवर्क ऑन जेंडर इन्क्लूसिविटी इन द इंडियन आर्मी”।
55. ए. ओमकार, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “सोशियो-इकोनॉमिक एंड हेल्थ कंडीशन्स ऑफ ट्राइबल्स इन द एरा ऑफ प्री एंड पोस्ट पैंडेमिक - ए केस स्टडी ऑफ देवरकोंडा डिवीजन ऑफ नलगोंडा डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना”।
56. श्रीनिवास नायक, काकतीय यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “एजुकेशन फॉर एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ लांबाडा ट्राइब इन वारंगल डिस्ट्रिक्ट, तेलंगाना”।
57. गिरीश चंद्र भट्ट, एच. एन. बी. गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “अंडरस्टैंडिंग द सोशियो-इकोनॉमिक एंड कल्चरल सस्टेनेबिलिटी ऑफ ट्रांसहुमेंस पास्टोरलिज्म अमंग द भोटिया ट्राइबल कम्युनिटीज इन द चेंजिंग पॉलिटिकल एंड एनवायरनमेंटल कंडीशन्स इन सेंट्रल हिमालय (उत्तराखंड)”।
58. शेखर बालकृष्ण अशीतकर, ज्ञानोपासक शिक्षण मंडल्स कॉलेज ऑफ आर्ट्स, परभणी, महाराष्ट्र, “कोविड-19 पैंडेमिक एंड इंडिया'स रोल टुवर्ड्स इंडियन ओशन नेबर्स, स्पेशल रेफरेंस टू चाइना फैक्टर”।
59. राजेन्द्र कुमार नायक, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “दि परफॉर्मेंस ऑफ द ट्राइबल सरपंचेस इन तेलंगाना स्टेट - ए केस स्टडी ऑफ महबूबनगर (डिस्ट्रिक्ट)”।
60. एम. रामांजनेयुलु, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “इलेक्टोरल रिफॉर्म्स इन इंडिया - केस स्टडी ऑफ आंध्र प्रदेश एंड तेलंगाना”।
61. मुनीसा असलम देवश, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, “साइंटिफिक एंड सोशियो-साइकोलॉजिकल इंटरफेस ऐज़ ए टूल फॉर रेस्टोरेशन ऑफ अबैंडंड वेटलैंड्स ऑफ वेस्टर्न हिमालयाज विद स्पेशल रेफरेंस टू नवगाम वेटलैंड ऑफ कश्मीर”।
62. अमरीन, कन्नूर यूनिवर्सिटी, केरल, “ज्यूडिशियल डिजीजन मेकिंग: इन्फ्लुएंस ऑफ एक्स्ट्रानियस फैक्टर्स ऑन जजिंग”।
63. सुमिता चहल, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार, “वर्क-लाइफ चैलेंजेस ऑफ आशा वर्कर्स इन इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ रूरल हेल्थ प्रोग्राम: ए स्टडी ऑफ हरियाणा स्टेट”।

64. एग्रेस अमाला टी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “चाइल्ड राइट्स एंड एजुकेशन: ए स्टडी ऑन एजुकेशनल स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन ऑफ रेस्क्यूड बॉन्डेड लेबर्स विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु”।
65. फराह अशरफ, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, “मार्जिनलाइज्ड जेंडर: एन इनसाइट इंटर द लिब्ड एक्सपीरिएसेस ऑफ ट्रांसजेंडर कम्युनिटी इन कश्मीर”।
66. अभिषेक मिश्रा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “कोरिलेट्स ऑफ स्पिरिचुअलाइजेशन ऐज ए प्रैक्सिस फॉर एग्लाइड मैनेजमेंट: एन ऑप्टिमिस्टिक अप्रोच फ्रॉम एंशेंट इंडियन स्क्रिपचर्स”।
67. सलतनत फारूक, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, “कल्चरल प्लुरालिटी एंड साइको-सोशल मेकअप ऑफ कश्मीर पर्सनालिटी: रोल ऑफ लाल देद एंड शेख-उल-आलम”।
68. लैश्रम जीना देवी, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, “जेंडर इफेक्ट ऑन आंट्रैप्रेन्योरशिप डिवेलपमेंट इन द ग्लेन रीजन ऑफ मणिपुर”।
69. अजीथन पी.आई., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “क्रम तांत्रिसिज्म ऑफ कश्मीर एंड केरल: ए स्टडी ऑन ए लिविंग रिचुअलिस्टिक ट्रेडिशन”।
70. दीपा, डीयू, दिल्ली, “डॉ. अंबेडकर का स्त्री-मुक्ति चिंतन।
71. सचिन खलक्सिंह राजपूत, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, “भारतीय दर्शन और महानुभाव सम्प्रदाय का तुलनात्मक अध्ययन (सत्ताशास्त्रीय सन्दर्भ में)”।
72. सानबोरलैंग तिनसोंग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू), शिलांग, मेघालय, “वर्किंग ऑफ कोएलिशन गवर्नमेंट: ए स्टडी ऑफ असम एंड मेघालय (2013-2022)”।
73. विनायक जे., कन्नड़ यूनिवर्सिटी, हम्पी, कर्नाटक, “सोशल ट्रांजिशन ऑफ बेड़ा ट्राइबल वीमेन (विद रेफरेंस टू कल्याण कर्नाटक)”।
74. नगम कुमार स्वामी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “दलित मूवमेंट इन तेलुगु रीजन्स डेमोक्रेसी: ट्रांसफॉर्मैटरी पॉलिटिक्स इन पोस्ट आइडेंटिटीरियन टाइम्स”।
75. सीएच. वेंकट कृष्ण रेड्डी, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेश, “एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन द ऑपरेशनल, फाइनैशियल एंड सोशियोलॉजिकल इश्यूज ऑफ द महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम (ए केस स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स इन आंध्र प्रदेश, इंडिया)”।
76. श्रीपर्णा चट्टोपाध्याय, रायगंज यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, “दि पोस्ट-सुपरएनुएशन-कंडीशन(ज) ऑफ द (फॉर्मर) इंडियन आर्म्ड फोर्सेस-पर्सनेल बेस्ड इन उत्तर दिनाजपुर: ए सेलेक्ट असेसमेंट ऑफ द आस्पेक्ट्स ऑफ देयर रिसेटलमेंट/रिहैबिलिटेशन”।
77. प्रियंका देवपुरा, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी (एमएलएसयू), उदयपुर, राजस्थान, “एप्लीकेशन ऑफ डेवलपड सेल्फ स्ट्रेटेजी फॉर कम्युनिकेशन स्किल्स एंड मॉडिफाइंग सोशल सपोर्ट सिस्टम फॉर विजुअली इम्पेयर्ड एडोलेसेंट्स”।
78. शोभा जैन, कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल, “इंस्टिट्यूशनल क्रेडिट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इनकम एंड एम्प्लॉयमेंट ऑफ फार्मर्स इन उत्तर प्रदेश (विद स्पेशल रेफरेंस टू अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट)”।
79. ज्योति ए., कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “इकोलॉजिकल कंसर्न्स ऑफ ट्राइबल वीमेन इन कर्नाटक: ए स्टडी”।
80. नूर फातिमा अंसारी, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “वेलफेयर मेजर्स फॉर माइग्रेंट वर्कर्स एंड आत्मनिर्भर भारत: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ पॉलिसी रिफॉर्म्स एंड इनिशिएटिव्स इन लखनऊ एंड वाराणसी इन उत्तर प्रदेश”।
81. राजेश कुमार, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में हिंदी साहित्यकारों का योगदान (1900 से 1947 ईस्वी तक)”।
82. सुषमा मुखर्जी, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “दि साइकोसोशल कंडीशन ऑफ द एल्डरली लिविंग इन ओल्ड ऐज होम: ए कम्पेरेटिव स्टडी इन इंडिया एंड बांग्लादेश”।
83. पुल्लैयाह चीपी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “रैपिड इंडस्ट्रियलाइजेशन एंड एनवायरनमेंटल इफेक्ट्स (ए स्टडी ऑन एग्रीकल्चर अंडर मुसी रिवर कैचमेंट एरिया इन आंध्र प्रदेश)”।
84. विकास सिंह, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “चेंजिंग मीडिया ओनरशिप पैटर्न, डिफरेंशियल कवरेज एंड इफेक्ट्स ऑन सोशल साइकोलॉजी (एन एनालिसिस ऑफ न्यूज कवरेज ऑफ जनरल इलेक्शन)”।

85. सरन्या सुंदरराजू, जेएनयू, न्यू दिल्ली, “ग्रोइंग इनइकैलिटीज अमंग वीमेन वर्कर्स इन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लोकेटेड इन कोंगु डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तमिलनाडु, इंडिया”।
86. मल्लमपल्ली रोजा, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “एंटाइटलमेंट अप्रोच एंड एम्पावरमेंट ऑफ दलित वीमेन: ए केस स्टडी ऑन एमजीएनआरईजीएस एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन दलित वीमेन इन चित्तूर डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश”।
87. इशा, जेएमआई, न्यू दिल्ली, “इंडिया एंड साउथ अफ्रीका रिलेशन्स फ्रॉम मंडेला टू रामाफोसा पीरियड”।
88. शिप्रा पंवार, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “क्लाइमेट चेंज एंड अर्बन रेजिलिएंस: ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड सिटीज इन उत्तर प्रदेश”।
89. हवा सिंह, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “भक्ति आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में संत पीपा की वाणी की सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका”।
90. ईश्वर दास बैरागी, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “रिलेवेंस ऑफ सोल्यूशन-बेस्ड जर्नलिज्म: कंटेंट एनालिसिस ऑफ मेवात इन मीडिया कवरेज”।
91. अंकित अग्रवाल, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, “स्कोप ऑफ ट्रिस्ट विलेज डिवेलपमेंट इन ग्वालियर-चंबल डिवीजन: ए रिसर्च सर्वे थ्रू रूरल ट्रिज्म बेंचमार्किंग इंडेक्स”।
92. सोनम सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “इंडिया नेबरहुड पॉलिसी: सक्सेस, स्लंप एंड द विज़न इन द वर्ल्ड ऑर्डर”।
93. अदिति मदान, आईएचडी, दिल्ली, “इम्पैक्ट ऑफ पॉवर्टी एंड पैडेमिक ऑन वॉश प्रैक्टिसेज इन अर्बन इंडिया”।
94. बी. श्रीनिवास, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट इन इंडियन बैंकिंग सेक्टर: ए सेलेक्टेड स्टडी”।
95. एम. श्रीशैलम, काकतिया यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “इम्पैक्ट ऑफ स्वच्छ भारत मिशन ऑन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इन इंडिया: ए स्टडी ऑन तेलंगाना स्टेट”।
96. सीएच. वी. कृष्णा रेड्डी, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, नागार्जुन नगर, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, “एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑन द ऑपरेशनल, फाइनेंशियल एंड सोसियोलॉजिकल इश्यूज ऑफ द महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम (ए केस स्टडी ऑफ सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स इन आंध्र प्रदेश, इंडिया)”।
97. संतोष कुमार प्रधान, नेहरू ग्राम भारती यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “पूर्वी उत्तर प्रदेश में गिरता भू-जल स्तर और जल प्रबंधन पर मीडिया दृष्टिकोण का अध्ययन”।
98. सिखाश्री राय, डेक्कन कॉलेज, पुणे, “ए सोशल-इकोनॉमिक रिलेवेंस ऑफ रिचुअल फूड इन ईस्टर्न उड़ीसा”।
99. आशुतोष पांडेय, इग्नू, न्यू दिल्ली, “सामुदायिक विकास में आध्यात्मिक संगठनों की भूमिका”।
100. वरुण कुमार, इग्नू, न्यू दिल्ली, “ग्रामीण विकास के प्रतिनिधि (एजेंट) के रूप में महिलाओं की भूमिका: वर्धा जिला (महाराष्ट्र) का एक अनुभवजन्य अध्ययन (एम्पीरिकल स्टडी)”।
101. देशराज सक्करवाल, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट एंड एम्पावरमेंट: रीथिंकिंग ऑफ रिजर्वेशन पॉलिसी टुवर्ड्स होलिस्टिक डिवेलपमेंट अमंग द शेड्यूल कास्ट्स इन इंडिया (1950-2020)”।
102. टी. संतोष कुमार, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ए स्टडी ऑन द इमर्जेन्स एंड करंट स्टेट्स ऑफ ओल्ड ऐज होम्स इन तेलंगाना स्टेट”।
103. निहारिका सिंह, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “एक्सप्लोरेशन ऑफ स्पाउसल एंड इट्स कंट्रीब्यूशन करियर डिसीजन ऑफ वीमेन डोमेस्टिक वर्कर्स: द केस ऑफ वाराणसी”।
104. के. राजाकोकिला, भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु, “ए जीआईएस बेस्ड अप्रोच ऑन सोशल वेलबीइंग एंड हेल्थकेयर फैसिलिटीज इन अरियालुर डिस्ट्रिक्ट तमिलनाडु इंडिया”।
105. डी. अरुणा, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इंटीमेसी एंड बायो-पॉलिटिक्स ऑफ कास्ट इन इंटर-कास्ट मैरेज: ए स्टडी ऑफ दलित वीमेन”।
106. शशिकुमार के.एन., कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “एजुकेशनल प्रॉब्लम्स अमंग चिल्ड्रन ऑफ द नोमैडिक ट्राइब्स इन कर्नाटक”।
107. ज़फर तबरेज़, जेएनयू, न्यू दिल्ली, “अर्बन फार्मिंग एंड सोशियो-इकोनॉमिक कंडीशन्स ऑफ फार्मर्स ऑन द यमुना फ्लडप्लेन इन दिल्ली”।

108. आशीष कुमार सिंह, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “गुप्तकालीन दक्षिण-पूर्वी एशियाई विदेशी नीति एवं समकालीन भारत: निरंतरता व परिवर्तन”।
109. सुप्रिया शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “एनहांसिंग कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ सुप्रीम ऑडिट इंस्टिट्यूशन ऑफ इंडिया इन कंटेक्स्ट ऑफ चेंजिंग एनवायरनमेंट: इश्यूज एंड ऑप्शन्स”।
110. अमर सिंह, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ इनक्लूसिव पेडागॉजिकल प्रैक्टिसेज इन एचईआईज विद रेफरेंस टू एसईडीजीज”।
111. प्रगति भाटी, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान, “रोल ऑफ एमएसएमई इन एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन एंड एम्पावरमेंट ऑफ रूरल वीमेन इन राजस्थान”।
112. रज्जन द्विवेदी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता का अध्ययन: (उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिला के विशेष संदर्भ में)”।
113. उमैबन एम.एम., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मल्लापुरम, केरल, “इम्पैक्ट ऑफ इंटीग्रेटेड होमस्टेड फार्मिंग ऑन सर्वाइवल स्ट्रेटेजीज ऑफ फार्म हाउसहोल्ड्स इन केरल – अ रोल ऑफ वीमेन”।
114. एस.डी. सुबद्रा, भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु, “डिवेलपिंग एजुकेशनल प्रैक्टिसेज इंटीग्रेटिंग एसटीईएम स्किल्स फॉर करिकुलम ट्रांजैक्शन इन बायोलॉजिकल साइंस एजुकेशन”।
115. सुहैल अहमद भट, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पैडेमिक ऑन एमएसएमई सेक्टर इन इंडिया: पॉलिसी रिस्पॉन्स एंड रिवाइवल एविडेन्सेस फ्रॉम एमएसएमईज ऑफ दिल्ली, उत्तर प्रदेश एंड पंजाब”।
116. श्रीविद्या, एनआईएमएचएनएस, बेंगलुरु, “इफेक्ट ऑफ एजुकेशन एंड टीडीसीएस ऑन सीनियर सिटिजन विद डिमेंशिया”।
117. मुकेश कुमार यादव, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “कला, साहित्य और संस्कृति चिंतन: अज्ञेय और मुक्तिबोध के विचारों का पाठ”।
118. सुधा सोनकर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “कोल राजाओं का ऐतिहासिक अध्ययन (मिर्जापुर क्षेत्र के कोल आदिवासियों के सांस्कृतिक जीवन का इतिहास)”।
119. मायंगलंबम बिमोलचंद्र सिंह, जेएनयू, न्यू दिल्ली, “ए क्रिटिकल इवैल्युएशन ऑफ कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजीज ऑफ द स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए), मणिपुर, इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई)”।
120. धीरेंद्र सिंह, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “सनातन धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन में नाथ संप्रदाय का योगदान: समीक्षात्मक अध्ययन”।
121. बिलाल अहमद शेख, एसकेयूएसटी, शालीमार, जम्मू और कश्मीर, “एप्पल सप्लाय चैन मैनेजमेंट इन इंडिया – अ केस ऑफ कश्मीर वैली”।
122. राजकुमार राम, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “धारा 370 के निराकरण के बाद जम्मू-कश्मीर में उभरते नूतन समीकरण एवं संभावनाएं”।
123. अफ़शां मीर, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “यूनाइटेड नेशन्स एजेंडा 2030: एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ प्रोग्रेस ऑफ एसडीजी11 बाय इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू एनसीटी ऑफ दिल्ली”।
124. रश्मि चौहान, जेएमआई, न्यू दिल्ली, “फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग एनरोलमेंट एंड कंज़ीशन रेट: अ स्टडी ऑफ स्वयं मूक्स”।
125. धरम बीर यादव, जेएनयू, न्यू दिल्ली, “स्वतंत्रता आंदोलन में वंचित वर्गों की सामाजिक-सांस्कृतिक एवं साहित्यिक सहभागिता”।
126. मुहम्मद शुएज़ अब्दी, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “मेडिकल टूरिज्म इन इंडिया इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ वेस्ट एशियन कंट्रीज”।
127. बसनी लावण्या, काकतिया यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना, “स्टेट्स ऑफ ट्राइबल वीमेन एंड कंटेम्पररी वीमेन डिवेलपमेंट प्रोग्राम्स इन तेलंगाना – अ स्टडी”।
128. डिपेंड काजिंगमेई, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “कॉन्ट्रीब्यूशन ऑफ एनजीओज इन सोसियो-इकोनॉमी ऑफ तांगखुल कम्युनिटी, उखरुल डिस्ट्रिक्ट, मणिपुर: अ केस स्टडी ऑफ द बेनेफिशरीज ऑफ द वॉलंटियर्स फॉर विलेज डिवेलपमेंट”।
129. दीपा रानी, डीयू, दिल्ली, “रोल ऑफ नेशनल टेलीविज़न न्यूज़ मीडिया इन प्रमोटिंग सॉल्यूशन बेस्ड जर्नलिज्म इन इंडिया: एन एनालिसिस”।

130. श्रीनिधि सी, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु, “ऑपरच्युनिटीज़ एंड चैलेंजेस ऑफ सर्कुलर माइग्रेंट्स – एन इकनॉमिक एनालिसिस ऑफ इंटरस्टेट माइग्रेंट लेबरर्स इन द चेन्नई सिटी आफ्टर पैंडेमिक”।
131. रेखा शर्मा, गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, अलवर, राजस्थान, “संविधान प्रदत्त वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस (मीडिया ट्रायल के सन्दर्भ में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)”।
132. नसीर अहमद एस., बेंगलुरु यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक, “इम्पैक्ट ऑफ द डिक्लेरेशन ऑफ ट्रिपल तलाक ऐज अनकॉन्स्टिट्यूशनल एंड चैलेंजेस फॉर म्यूचुअल कंसेंट डिवोर्स (खुला) फ्रेड बाय मुस्लिम वीमेन इन कर्नाटक”।
133. सोनाली चन्नावर, पं. रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर, छत्तीसगढ़, “टीचर सेल्फ-एफिकेसी एंड सेल्फ-रेगुलेशन ऐज प्रेडिक्टर फॉर बर्नआउट ऑफ हाई स्कूल टीचर्स इन साउथ बस्तर डिस्ट्रिक्ट, छत्तीसगढ़”।
134. चैत्रा, बेंगलुरु यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक, “इम्पैक्ट ऑफ फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) ऑन द टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर – अ कम्पैरिजन बिटवीन इंडिया एंड नीदरलैंड्स”।
135. योगेन्द्र सिंह देवाल, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, “प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना: भामाशाह योजना एवं मनरेगा का अनुभवमूलक अध्ययन (चुरू जिले के विशेष सन्दर्भ में)”।
136. वंदना खुंगर, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, “अंबेडकर’ज़ एस्पिरेशन: “फ्रॉम इकालिटी टू सस्टेनेबल डिवेलपमेंट ऑफ रिजर्व कास्ट्स”। (अ स्टडी ऑफ मेजर डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ राजस्थान)”।
137. पी. भाविता पी. महेन्द्र, श्री कृष्णदेव राय यूनिवर्सिटी, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, “स्ट्रगल ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट वीमेन फॉर सोशल जस्टिस इन अनंतपुरम डिस्ट्रिक्ट ऑफ ए.पी. – अ स्टडी”।
138. नितिन कुमार वर्मा, डीयू, दिल्ली, “लिविंग विद अनसर्टेनिटी: अनकवरांग द डायनामिक्स ऑफ हेल्थ एंड वेल-बीइंग इन अ रूरल कम्प्युनिटी”।
139. रितेश कुमार अग्रवाल, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “सिटिजन सैटिस्फैक्शन थ्रू इफेक्टिव सर्विस डिलीवरी ऑफ वाराणसी म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (वीएमसी): विद स्पेशल रेफरेंस टू डिजिटल इंडिया मिशन”।
140. शिव शक्ति घोष, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “नॉलेज ऑर्गनाइजेशन मॉडल्स फॉर रिकंस्ट्रक्शन ट्रेवल टेल्स: स्टडी ऑफ डिजिटलाइज्ड रेयर कलेक्शन्स ऑन टूर्स टू इंडिया ड्यूरिंग 19टीएच एंड अल्टी 20टीएच सेंचुरी”।
141. अवधेश कुमार, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “मिटिगेटिंग द प्रॉब्लम ऑफ सॉलिड वेस्ट मिसमैनेजमेंट विद द असिस्टेंस ऑफ जीआईएस एंड लोकेटिंग सैनिटरी लैंडफिल साइट्स यूजिंग द मल्टी क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग (एमसीडीएम) मॉडल इन वाराणसी सिटी”।
142. नाओरेम बृंदेबाला देवी, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, “रिचुअल्स ऑफ थांगा: अ स्टडी ऑफ लैंग्वेज एंड फोक बिलीफ”।
143. राजकुमार खोसला, जेएनयू, न्यू दिल्ली, “शेड्यूल्ड ट्राइब्स, इम्प्लीमेंटेशन ऑफ फॉरेस्ट राइट्स एक्ट एंड द स्टेट: अ स्टडी ऑफ केबीके डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़ीसा”।
144. एल. नरसिमूलू, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “अ स्टडी ऑन फंक्शनिंग एंड इम्पैक्ट ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशंस (एफपीओएस) इन तेलंगाना स्टेट”।
145. सारिका फरीद, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ स्ट्रेसफुल लाइफ इवेंट्स पर्सीव्ड सोशल सपोर्ट ऑन एग्रेसिव बिहेवियर: अ स्टडी ऑन जुवेनाइल डेलिंक्टेन्स”।
146. बिजेन्द्र सिंह, सीसीएसयू, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “नक्सलिज्म: चैलेंजेज़ टू इंटरनल सिक्योरिटी (विद रेफरेंस ऑफ छत्तीसगढ़)”।
147. अवनींद्र राय, बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “बौद्ध-साहित्य का समाज-दर्शन (पाली त्रिपिटक के विशेष सन्दर्भ में)”।
148. गोविंदा सी. पाल, आईआईटीएस, न्यू दिल्ली, “वॉयलेंस अगेंस्ट एथनिक माइनॉरिटीज़ इन अर्बन इंडिया: एन एक्सप्लोरेशन फ्रॉम सोशल-साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव्स”।
149. हरीश के., मंगलोर यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “साइको-सोशल प्रॉब्लम्स ऑफ सिंगल मर्दर्स – अ कम्पैरिजन ऑफ इंस्टिट्यूशनलाइज्ड एंड नॉन-इंस्टिट्यूशनलाइज्ड कंडीशन”।
150. सागी रवि कुमार, पोत्ती श्रीरामुलु तेलुगु यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “अ सोशियो-लिंग्विस्टिक स्टडी ऑफ येरुकला ट्राइब इन तेलंगाना”।
151. ड्यूवेस्ट तिवारी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, “टैलेंट आइडेंटिफिकेशन ऑफ ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ मध्य प्रदेश विद रेफरेंस टू डिफरेंट स्पोर्ट”।

152. नागेन्द्र हमसावत, पोत्ती श्रीरामुलु तेलुगु यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “लैंग्वेज, कल्चर एंड सोशल-इकोनॉमिक बैकग्राउंड: अ केस स्टडी ऑफ लाम्बाडी ट्राइब इन तेलंगाना”।
153. सबरीन जाविद, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, “अ कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ लाल ड्याड एंड फ्रिथजॉफ शूऑन'स मिस्टिक थॉट”।
154. मोतिकापुर मणिकराव मून, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली, “अ कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ दलित पैथर मूवमेंट इन महाराष्ट्र (इंडिया) एंड ब्लैक मूवमेंट इन साउथ अफ्रीका”।
155. सोनम मिश्रा, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, “एन ओवरव्यू ऑफ मुद्रा योजना एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन वूमन आंट्रप्रेन्योरशिप इन उत्तर प्रदेश विद स्पेशल रेफरेंस टू गोरखपुर डिस्ट्रिक्ट्स”।
156. के. किशोर कुमार रेड्डी, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, “एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ पोल्ट्री इंडस्ट्री इन ए.पी. – ग्रोथ ट्रेंड्स, स्ट्रक्चर, परफॉर्मेंस, प्रॉब्लम्स एंड स्ट्रेटेजीज”।
157. गुंजन सिंह, सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, “कल्चरल कंटिन्युटी एंड अडैप्टेशन अमंग कोलम: एन एथनोग्राफिक इनक्वायरी”।
158. सुष्मिता दास, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “इमर्जिंग एडवर्टाईजिंग इंडस्ट्री ऑफ इंडिया पोस्ट-नेहरूवियन एरा: अ क्रिटिकल डिस्कोर्स”।
159. राघवेंद्रगौड़ पाटिल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक, “इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ ग्राम पंचायत सर्विसेज फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट इन रूरल कर्नाटक: अ कम्पेरिटिव स्टडी”।
160. उफैरा यासीन, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, हज़रतबल, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर, “ग्लोबल रिसर्च प्रोडक्टिविटी इन सोलर एनर्जी विद स्पेशल फोकस ऑन इंडिया: ट्रेंड्स एंड वेज फॉरवर्ड”।
161. ब्रातती डे, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “सिमुलेशन मॉडलिंग ऑफ अर्बन एक्सपेंशन – अ केस स्टडी ऑफ वाराणसी सिटी”।
162. सौरिष घोष, जादवपुर यूनिवर्सिटी, “द ट्रांस-कल्चरल ट्रेंड्स इन द ग्लोबल साउथ: एनालाइजिंग कोरियन वेव ऐज अ फैक्टर इन इंडिया-रिपब्लिक ऑफ कोरिया रिलेशंस”।
163. नीता सिकलीगर, एम.एल.एस.यू., उदयपुर, राजस्थान, “भारतीय वास्तुशास्त्र तथा मानव के अंतःसंबंध: एक अनुशीलन (मेदापाटी वास्तुशास्त्र के विशेष सन्दर्भ में)”।
164. के. एस. मणिकंदन, गांधीग्राम रूरल इंस्टिट्यूट, “अ स्टडी ऑन द परसेप्शन एंड इवैल्यूएशन ऑफ स्किल बेस्ड एकेडमिक प्रोग्राम्स अमंग द स्टूडेंट्स इन तमिलनाडु”।
165. सजीना, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “एनहांसमेंट ऑफ रैशनल थिंकिंग ऑफ हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स थ्रू ब्रेन बेस्ड एक्सट्रापोलेटेड लर्निंग स्ट्रेटेजीज”।
166. संत प्रकाश तिवारी, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “संस्कृत नाटकों में चित्रित नारी पात्रों का समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
167. डी. हरि नायक, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, “आइसोलेटेड एंड कॉम्बाइंड इफेक्ट ऑफ प्लायोमेट्रिक ट्रेनिंग एंड ओन बॉडीवेट एक्सरसाइज ट्रेनिंग ऑन सेलेक्टेड बॉडी कॉम्पोजिशन एंड फिजियोलॉजिकल वैरिएबल्स ऑफ इंटर कॉलेज बॉयज़ इन हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट”।

राष्ट्रीय / वरिष्ठ / पोस्टडॉक्टरल अध्येताओं द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों की सूची

‘स्कोपस इंडेक्स रिसर्च जर्नल्स’ में प्रकाशित शोध पत्र

1. महादेवी, “रोल ऑफ मैसूर रिप्रेजेंटेटिव असेंबली इन इम्पार्टिंग एजुकेशन इन अर्ली मैसूर रूलिंग” *ग्राविडा*, वॉल्यूम 9, नंबर 11 (2023)।
2. अवस्थी, ऐश्वर्या, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन हेल्दी लाइफ ऑफ पीपल इन इंडिया.”। *इंडियन जर्नल ऑफ कॉमन हेल्थ*, वॉल्यूम 35, नंबर 4 (2023): 510-515”।
3. मिश्रा, एच.एन., “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट एंड इंडियन कॉन्टेक्स्ट.” *ट्रांजैक्शन्स ऑफ द इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन जियोग्राफर्स*, वॉल्यूम 40, नंबर 2 (2018): 157-169”।
4. तिवारी, प्रकाश सी., “क्लाइमेट चेंज इंड्यूस्ड ड्राट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सब्सिस्टेंस फार्मिंग एंड फूड सिस्टम इन हाई माउंटेन्स: एन इंटरप्रिडेशन ऑफ वीमेन'स इनसाइट्स इन अ रेन-फेड वॉटरशेड, कुमाऊं लेसर हिमालय, इंडिया.” *डिजास्टर एडवांसेस*, वॉल्यूम 17, नंबर 12 (2024): 9-22”।
5. नीसा, उरूज उन, “बॉर्डर कॉन्फ्लिक्ट एंड पीपल ऑफ जम्मू एंड कश्मीर: इम्पैक्ट ऑफ क्रॉस बॉर्डर शेलिंग ऑन

- साइकोलॉजिकल एडजस्टमेंट ऑफ चिल्ड्रेन.” *कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट जर्नल*, वॉल्यूम 8, इशू 10 (2023)।
6. खन्ना, सनाया, “डाइवर्सिटी-ओरिएंटेड लीडरशिप (डीओएल) ऐज अ प्रेडिक्टर ऑफ एम्प्लॉयी एडवोकेसी (ईए) इन सेलेक्ट फॉर्च्यून इंडियन कंपनीज: मेडिएटिंग इफेक्ट्स ऑफ सिमेट्रिकल इंटरनल कम्युनिकेशन (एसआईसी) एंड वर्क एंजमेंट.” *कोजेंट बिजनेस एंड मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 11 (2024)।
 7. अयाप्पन, “आंट्रेप्रेनोरियल एम्पिरेशन अमंग पोस्ट ग्रेजुएट मैनेजमेंट स्टूडेंट्स.” इन: 2022 फोर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग रिसर्च इन इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईसीईआईसीटी), 2022।
 8. अयाप्पन, “टेक्नोलॉजी डिफ्यूजन ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन डिवेलपिंग इकॉनॉमिक्स.” इन: इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्मार्ट इनोवेशंस फॉर सोसाइटी (आईसीएसआईएसआई-2022), 2023।
 9. देवी, लैश्रम जीना, “सोशल वर्क इंटरवेंशन इन रेजिलियंस ऑफ आंट्रेप्रेनोरियल एक्टिविटी इन मणिपुर, इंडिया.” *स्कोप*, वॉल्यूम 14, इशू 2 (2024): 445-454।
 10. श्रीविद्या, ए., “ऑडिटरी इवेंट-रिलेटेड पोर्टेशियल्स फॉर वर्ड स्टिमुली इन कन्नड़ लैंग्वेज अमंग नेटिव कन्नड़ स्पीकर्स विद डिमेंशिया.” *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन*, वॉल्यूम 20, नंबर 10 (2024)।
 11. चौधरी, पूजा, “वीमेन एम्पावरमेंट एंड सोशल आंट्रेप्रेनोरशिप: एम्पावरिंग द कम्युनिटी फॉर अ बेटर फ्यूचर.” इन: डायमेंशंस ऑफ रीजेनेरेटिव प्रैक्टिसेज इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी (2024): 179-192।
 12. चिरु, पटकसन रोमुन, “एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ कंज्यूमर डिजीजन-मेकिंग स्टाइल्स अमंग कंज्यूमर्स इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिस* (2025): 92-107।
 13. शशिकुमार, के.एन., “एजुकेशनल प्रॉब्लम्स अमंग चिल्ड्रेन ऑफ द नोमैडिक ट्राइब्स इन कर्नाटक.” *जर्नल फॉर री-अटैच थेरेपी एंड डिवेलपमेंटल डाइवर्सिटीज* (2023): 1073-1077।
 14. अशरफ, फराह, “एक्सप्लोरिंग द सोशल डायनामिक्स ऑफ हिजड़ाज इन इंडिया: अ कॉम्प्रिहेन्सिव सर्वे ऑफ लिटेचर.” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 29, नंबर 3 (2023): 581-592।
 15. सरण्यसुंदरराजु, “प्रिवेलेन्स, पैटर्न्स एंड इम्प्लिकेशन्स ऑफ जेंडर-बेस्ड वॉयलेंस अगेन्स्ट वूमेन: चैलेंजेज एंड द वे फॉरवर्ड.” *सोशल-वर्क एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 22, इशू 1 (2024): 1-17।
 16. सिंह, रवि कांत, “द एजुकेशनल थॉट ऑफ एम.एस. गोलवलकर: अ स्टडी ऑफ कल्चरल नेशनलिज्म एंड कैरेक्टर डिवेलपमेंट.” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, नंबर 5 (2024): 10042-10049।
 17. नित्या, एन., “सोशल नेटवर्क एनालिसिस फॉर प्रिसाइज फ्रेंड सजेशन फॉर ट्विटर बाय एसोसिएटिंग मल्टीपल नेटवर्क्स यूजिंग एम.एल.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड वेब इंजीनियरिंग*, वॉल्यूम 17, इशू 1 (2023): 1-11।
 18. नित्या, एन., “इम्पैक्ट ऑफ बिजनेस इंटेलिजेंस एडॉप्शन ऑन परफॉर्मेंस ऑफ बैंक्स: अ कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क.” *जर्नल ऑफ एम्बिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग*, वॉल्यूम 12 (2021): 3139-3150।
 19. खान, ज़ैनब, “टेम्पोरल ट्रेन्ड्स एंड फ्यूचर प्रोजेक्शन्स: अनालाइजिंग लैंड सरफेस टेम्परेचर इन द कुमारां हिमालयाज यूजिंग स्पेशियल टाइम सीरीज एनालिसिस.” *रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन्स: सोसाइटी एंड एनवायरनमेंट* (2024)।
 20. जान, अस्मा, “होम इज व्हेयर आई फील सेफ? चैलेंजेज एंड इशूज फ्रेस्ड बाय द ट्रांसह्यूमन्ट गुज्जर वीमेन इन कश्मीर ड्यूरिंग एंड आफ्टर प्रेगनेंसी.” *कालिटेटिव हेल्थ रिसर्च* (2025)।
 21. सिंह, अमर, “अ स्टडी ऑफ टीचर ट्रेनीज पर्सपेक्शन ऑफ इन्क्यूसिव पेडागॉजिकल प्रैक्टिसेज.” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, इशू 1 (2024): 3097-3104।
 22. रत्नकुमार, आनंद, “अ कॉम्परेटिव स्टडी ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट एंड शेड्यूल्ड ट्राइब पॉप्युलेशन चेंजेज इन कोस्टल विलेजेज ऑफ वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट: ट्रेन्ड एनालिसिस.” *वाईएमईआर*, वॉल्यूम 23, इशू 9 (2024): 371-383।
 23. मीर, अफ़शान, “द लीगल स्ट्रेटेजी: कॉन्स्टिट्यूशनल लॉ, गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स इन इंडिया.” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, नंबर 9 (2024): 538-548।

*‘यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल्स’ में प्रकाशित शोध पत्र

1. श्रीवास्तव, आरती, “रिविजिटिंग द प्रोसेस ऑफ एजुकेशन इन द लाइट ऑफ आवर एंशिएंट इंडियन विज़डम.” *जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइकिल रिसर्च*, वॉल्यूम 14 (2022)।
2. हरिचंदन, डी., “ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन फ्रॉम क्लासरूम टू स्क्रीन: अंडरस्टैंडिंग स्वयम एम.ओ.ओ.सी.एस. इन द लाइट ऑफ एन.ई.पी. 2020.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, स्पेशल इशू 1 (2023)।
3. मिश्रा, एच.एन., “स्पेशियल सिस्टम ऑफ सिटीज़ इन इंडिया.” *ए.एन.एन.ए.एल.एस. ऑफ एन.ए.जी.आई.*, वॉल्यूम 35, नंबर 2 (2015)।
4. सूर्यवंशी, किशोर, “प्रेजुएट कंस्टीट्यूंसी इलेक्शन इन महाराष्ट्र नॉट यूज़ ऑफ ई.वी.एम.” *गैलेक्सी लिंक*, वॉल्यूम 11, नंबर 11 (2023)।
5. भावरे, विशाल, “इफेक्ट्स ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक फैक्टर्स ऑन एकेडमिक अचीवमेंट्स ऑफ एलेमेंट्री स्कूल स्टूडेंट्स इन मराठवाड़ा रीजन.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 48, इशू 1 (2024)।
6. त्रिपाठी, अभिषीत, “तात्कालिक समाज पर बौद्ध विहारों का प्रभाव.” *शिवना साहित्यिकी*, वॉल्यूम 32 (2024)।
7. राणा, देवेंद्र सिंह, “गढ़वाल हिमालय में महाभारत परंपरा से संबंधित प्रमुख तीर्थ स्थलों का ऐतिहासिक अध्ययन.” *ज्योतिर्वेद प्रस्थानम्*, वॉल्यूम 11, इशू 4 (2022)।
8. द्विवेदी, दिव्या, “अनवेलिंग प्रोग्रेस: अ कॉम्प्रेहेन्सिव रिव्यू ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डिवेलपमेंट प्रैक्टिसेज़ इन राजस्थान्स डायनामिक टूरिज़्म सेक्टर.” *जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई*, वॉल्यूम 97, नंबर 12 (2023)।
9. गौड़, अर्चना, “पर्यावरण चेतना के प्राचीन आयामों की वर्तमान उपादेयता.” *शोधा संहिता*, वॉल्यूम 10 (2023)।
10. कुमार, रवि एस., “इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर डिवेलपमेंट इन इंडिया – एन ओवरव्यू.” *जुनी ख्यात* (2023)।
11. तिवारी, देवी प्रसाद, “विभाजन की अंतरकथा.” *साहित्य अमृत* (एन.डी.)।
12. यादव, आशीष कुमार, “हिंदी विज्ञान कथाओं की सामाजिक उपादेयता.” *बहुरी नहीं आवन* (2023)।
13. भालेकर, शुभांगी विकास, “‘पैरेंट्स’ परसेप्शन टुवर्ड्स स्कूल बस मैनेजमेंट सिस्टम इन पुणे.” *मुक्त शब्द जर्नल*, वॉल्यूम 8 (2023)।
14. श्रीवास्तव, प्रियांका, “हिंदी पत्रकारिता का इतिहास (सन 1826–1874).” *शिवना साहित्यिकी*, वॉल्यूम 32 (2024)।
15. श्रीवास्तव, प्रियांका, “विज्ञापन कला द्वारा उपभोक्ता समाज की भाषिक संवेदना का विदोहन.” *स्टॉम*, वॉल्यूम 24 (2024)।
16. तिवारी, पंकज कुमार, “सृष्टिक्रम का दार्शनिक एवं वैज्ञानिक विवेचन.” *आम्नायिकी*, वॉल्यूम 23 (2023)।
17. तिवारी, पंकज कुमार, “कृषि एवं वृष्टि विज्ञान का स्वरूप.” *आम्नायिकी*, वॉल्यूम 25, इशू 2 (2024)।
18. प्रभावती, एस.एन., “सोमैटिक स्टेट्स एंड न्यूट्रिएंट्स डिफिशिएंसीज़ इन जेनु केरूबा चिल्ड्रन फ्रॉम आश्रम स्कूल्स ऑफ एच.डी. कोटे तालुक ऑफ मैसूरु डिस्ट्रिक्ट.” *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 13, इशू 12 (2023)।
19. सिंह, धीरेंद्र, “सनातन धर्म के संरक्षण में नाथ संप्रदाय का समाज पर प्रभाव: एक संक्षिप्त अवलोकन.” *सताची*, वॉल्यूम 40 (जुलाई–सितंबर 2023)।
20. अरुणा, “दलित स्त्री अस्मिता: एक अध्ययन.” *वेदान्त*, वॉल्यूम 10 (जुलाई–दिसंबर 2023)।
21. कौर, तजिंदर, “स्टडी ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस इन जम्मू प्रोविंस—एन ऑनगोइंग श्रेट टू वीमेन.” *द डेक्कन जियोग्राफर*, वॉल्यूम 60 (दिसंबर 2022)।
22. भीकन, पटेल माजिद, “प्रवासी साहित्य: अवधारणा, स्वरूप एवं लेखन प्रक्रिया.” *बोहाल शोध मंजूषा*, वॉल्यूम 18 (अगस्त 2023)।
23. कोर्टकर, योगेश, “घुमंतु जातियों की लोककथाएँ.” *साहित्य अमृत*, वॉल्यूम 21 (अक्टूबर 2023)।
24. मिश्रा, शिवेन्द्र कुमार, “बौद्ध धर्म दर्शन के इतिहास में कश्मीर की भूमिका.” *शिवना*, वॉल्यूम 9 (अप्रैल–जून 2024)।
25. टोपीसाब, टी., “अवेयरनेस ऑफ टैक्स पेयर्स ऑन वैरियस टैक्स रिसोर्सेज़: ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड ग्राम पंचायत्स इन अनंतपुरमू डिस्ट्रिक्ट ऑफ रायलसीमा रीजन इन आंध्र

- प्रदेश.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड*, वॉल्यूम 8, इशू 11 (नवंबर 2020)”।
26. लता, एम.टी., “एनालिसिस ऑन द एफिशिएंसी ऑफ ट्रिजम पावर्टी एलीविएशन इन इंडियन स्टेट्स बेस्ड ऑन द स्टेज्ड डी.ई.ए. मॉडल.” *रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स*, वॉल्यूम 27 (2023)”।
 27. रिजवी, अनीस अब्बास, “जल-प्रलय आख्यान का संस्कृत साहित्य में विवेचन.” *शोध भारती*, वॉल्यूम 15 (2022)”।
 28. शर्मा, विकास कुमार, “मास मीडिया यूटिलाइजेशन पैटर्न अमंग अर्बन फैमिलीज रेसिडिंग इन वाराणसी डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश.” *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 22 (2024)”।
 29. कतारा, अंबालाल, “इम्पैक्ट ऑफ लिटरेसी ऑन वीमेन एम्पावरमेंट – ए केस स्टडी ऑफ डूंगरपुर डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान.” *शोध संचार*, वॉल्यूम 11 (2021)”।
 30. नाडरे, प्रवीण, “ए कॉइन ऑफ द कुशन पीरियड.” *आयुषी इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 11 (2024)”।
 31. नाडरे, प्रवीण, “ए कॉइन्स ऑफ मुहम्मद बिन तुगलक (1325–51 ए.डी.).” *आयुषी इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 11 (2024)”।
 32. मेहलावत, बीना, “ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि.” *मध्य भारती*, वॉल्यूम 84 (2023)”।
 33. अडावत, ओमकार, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन ट्राइबल इकॉनमी: ए केस स्टडी ऑफ देवकोंडा डिवीजन ऑफ नालगोंडा डिस्ट्रिक्ट.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 46 (2023)”।
 34. अदनान, अर्हम, “अन्वेलिंग द डायनामिक्स ऑफ सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन: इनसाइट्स फ्रॉम पी.एल.एस.-एस.ई.एम. एनालिसिस ऑन इलेक्ट्रिक व्हीकल अडॉप्शन.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 47, इशू 1 (2023)”।
 35. पांडेय, अशोक, “मेजर डिजीजेशन एंड ट्राइबल मेडिसिन्स ऑफ डूधी रीजन इन उत्तर प्रदेश.” *शोध नवनीत*, वॉल्यूम 21 (2023)”।
 36. ज्योति, ए., “मेडिसिनल प्रैक्टिसेज ऑफ सेलेक्ट फॉरेस्ट ड्रवेलिंग ट्राइबल कम्युनिटीज इन कर्नाटक.” *फैनलैक्स: ए कार्टरली रिव्यू फॉर कंटिन्युइंग डिबेट*, वॉल्यूम 18, नं. 2 (2023)”।
 37. ज्योति, ए., “एनवायरनमेंटल मूवमेंट्स एंड रोल ऑफ ट्राइबल वीमेन: ए स्टडी ऑन सेलेक्ट इकोलॉजिकल मूवमेंट्स इन इंडिया.” *जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टिट्यूट*, वॉल्यूम 72, नं. 2 (2023)”।
 38. टायसोंग, सानबोरलांग, “ए स्टडी ऑन द कोएलिशन गवर्नमेंट इन असम.” *जर्नल ऑफ इंडियन स्कॉलर ऑफ पॉलिटिकल इकॉनमी*, वॉल्यूम 36, नं. 2 (2024)”।
 39. टायसोंग, सानबोरलांग, “कोएलिशन गवर्नमेंट इन मेघालय: ए हिस्टोरिकल व्यू.” *साउथ इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 23, नं. 19 (2023)”।
 40. अहमद, नसीर एस., “डिवोर्स: कॉजेशन एंड कन्सीक्वेंसेज इन इस्लामिक पर्सपेक्टिव – ए स्टडी.” *ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज*, वॉल्यूम 12, इशू 2 (2023)”।
 41. हरीश, के., “क्वालिटी ऑफ लाइफ अमंग सिंगल मदर्स इन कर्नाटक स्टेट (इंडिया).” *आनंदम अभिलाष*, वॉल्यूम 12 (2023)”।
 42. अहमद, नसीर एस., “इंटरनेशनल सीनारियो फॉलोड इन ट्रिपल तलाक – ए स्टडी.” *जर्नल ऑफ द ओरिएंटल इंस्टिट्यूट*, वॉल्यूम 72, इशू 3 (2023)”।
 43. श्रीशैलम, एम., “एच.आर.डी. प्रैक्टिसेज इन इंडियन रेलवेज: ए स्टडी.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 47, नं. 2 (2023)”।
 44. चौधरी, अभिषेक, “रोल ऑफ रिव्यू ऑफ प्रोडक्ट्स ऑन सोशल मीडिया इन कंज्यूमर बाइंग प्रोसेस.” *भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका*, वॉल्यूम 42, इशू 2 (2023)”।
 45. कोंडा, चंद्र शेखर, “इम्पैक्ट ऑफ माइक्रो वॉटरशेड मैनेजमेंट: ए केस स्टडी ऑफ नकरेकल मंडल, नलगोंडा डिस्ट्रिक्ट, तेलंगाना स्टेट ऑफ इंडिया.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी*, वॉल्यूम 11, इशू 2 (2024)”।
 46. मुरवाथ, राजन्ना, “इम्पैक्ट ऑफ एग्रीकल्चर इनवेस्टमेंट सपोर्ट (रायथु बंधु) स्कीम ऑन इकॉनॉमिक डिवेलपमेंट ऑफ फार्मर्स: ए स्टडी इन तेलंगाना.” *आई.पी.ई. जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 14, नं. 1 (2024)”।
 47. सिंह, मयंगलंबम बिमोलचंद्रा, “एन एनालिसिस ऑफ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना विद रेफरेंस टू मणिपुर, इंडिया.” *कम्युनिकेटर*, वॉल्यूम 58, नं. 3 (2023)”।

48. सुरभि, के., “रीडिंग मूवीज गहम्मा एंड डायमंड नेक्लेस ऐज टेक्स्ट्स इन अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ वीमेन इन द डायस्पोरा.” *रवींद्र भारती पत्रिका*, वॉल्यूम 26, नं. 12 (2023)।
49. श्रीनिवासु, के., “ट्राइबल एजुकेशन इन चिंतपल्ली मंडल ऑफ विशाखापट्टनम डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश.” *अर्बन इंडिया*, वॉल्यूम 44, इशू 1 (2024)।
50. श्रीनिवासु, के., “ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ मैरिटाइम हैबिटेशंस: एक्सप्लोरिंग द सोशल-इकनॉमिक लैंडस्केप ऑफ फिशिंग कम्युनिटीज इन विशाखापट्टनम.” *इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशंस एंड मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 10, इशू 2 (2024)।
51. पाटिल, राघवेंद्रगौड़, “द डायनामिक इंटरप्ले ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड ह्यूमन डिवेलपमेंट: एन एविडेंस ऑफ कर्नाटक स्टेट.” *रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकनॉमिक्स*, वॉल्यूम 28, नं. 3 (2024)।
52. डे, ब्रातती, “ए कांप्रीहेंसिव रिव्यू ऑफ अर्बन ग्रोथ स्टडीज एंड प्रेडिक्शंस यूजिंग द स्लूथ मॉडल.” *द साइंटिफिक टेम्पर*, वॉल्यूम 15, नं. 2 (2024)।
53. शिल्पा, डी., “द एक्सप्लोरेशन ऑफ मल्टीपल लॉजिस्टिक रिग्रेशन (एम.एल.आर.) अप्रोच टुवर्ड्स परफॉर्मेंस ऑफ एम.एस.एम.ई. सेक्टर इन मैसूर डिस्ट्रिक्ट.” *जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई*, वॉल्यूम 30 (2023)।
54. शिल्पा, डी., “एम्पीरिकल एविडेंस ऑफ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पी.एम.-जे.ए.वाई.) स्कीम अंडर मेक इन इंडिया इनिशिएटिव.” *इंडियन जर्नल ऑफ साइकॉलॉजी* (2023)।
55. माजिद, शाजिया, “इंडिया'ज़ पोस्ट-2001 एंगेजमेंट इन अफगानिस्तान: कंट्रीब्यूशन टू रिकंस्ट्रक्शन एंड स्ट्रेटेजिक कंसिडरेशन्स.” *इन्क्लूसिव*, वॉल्यूम 2, नं. 25 (2024)।
56. अशितकर, शेखर बी., “इंडिया-चाइना पावर कम्पटीशन इन द मालदीव्स: जियोपॉलिटिक्स डायनामिक्स एंड स्ट्रेटेजिक इम्प्लिकेशन्स.” *एनल्स ऑफ द भांडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट*, वॉल्यूम 101 (2024)।
57. भट्ट, गिरीश चंद्र, “ट्रांसह्यूमन पास्टोरलिज्म इन द हिमालयाज: चैलेंजेस एंड अडाप्शन.” *शोध दिशा* (2023)।
58. राजाकोकिला, “जी.आई.एस. अप्रोच ऑन स्पेशल एक्सेसिबिलिटी टू हेल्थ केयर फैसिलिटीज एंड अर्बन-रूरल इनइक्वालिटीज इन अरियालुर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु, इंडिया.” *जुनी ख्यात यू.जी.सी. केयर लिस्टेड ग्रुप I लिस्टेड जर्नल*, वॉल्यूम 14, इशू 2 (2024)।
59. दत्ता, ध्रुव धनखड़, “नॉलेज शेयरिंग एंड ऑर्गनाइजेशनल कल्चर: ए कांप्रीहेंसिव रिव्यू.” *इंडियन जर्नल ऑफ साइकॉलॉजी*, बुक 6 (2023)।
60. दत्ता, ध्रुव धनखड़, “नॉलेज शेयरिंग इन ऑर्गनाइजेशन्स: स्ट्रेटेजीज, बेनेफिट्स, एंड चैलेंजेस.” *रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ इकनॉमिक्स*, वॉल्यूम 27 (एन.डी.)।
61. वर्मा, पूनम, “एजिंग एंड लोनलिनेस: अंडरस्टैंडिंग रेस्टोरेटिव इफेक्ट्स इन द कॉन्टेक्ट ऑफ म्यूजिक थेरेपी.” *संगीतिका*, वॉल्यूम 19 (2023)।
62. जेनिफर, सुषमा, “द सोल्स ऑफ द हिल्स: एन ईकोसाइकोलॉजिकल स्टडी ऑन द लाइफ ऑफ कनीक्कर.” *शोधा प्रभा*, वॉल्यूम 24, नं. 1 (2022)।
63. देव, स्मिता, “सोशल इशूज इन द फिल्म ऑफ बिमल राय: एन ओवरव्यू.” *शोध दृष्टि*, वॉल्यूम 14, नं. 6.2 (2023)।
64. इंदुमति, आर., “ए लिंग्विस्टिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ राइटिंग स्क्रिप्स फाउंड इन नीलगिरी'स गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल ट्राइबल स्टूडेंट्स.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 47, इशू 1 (2023)।
65. इंदुमति, आर., “ए लिंग्विस्टिक एनालिसिस ऑफ रीडिंग एरर्स फाउंड इन थर्ड एंड फोर्थ ग्रेड इरुला'स ट्राइबल चिल्ड्रेन एट नीलगिरी डिस्ट्रिक्ट.” *मध्य भारती*, वॉल्यूम 82, नं. 18 (2022)।
66. अमला, एग्रेस, “सोशियो-एजुकेशनल प्रोफाइल ऑफ इरुलर ट्राइबल चिल्ड्रेन: रेस्क्यूड एंड रिहैबिलिटेड फ्रॉम सर्विचूड इन तमिलनाडु.” *डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 13, इशू 6 (2023)।
67. अमला, एग्रेस, “एजुकेशनल स्टेट्स ऑफ इरुलर ट्राइबल चिल्ड्रेन इन तमिलनाडु: ए स्टडी ऑन एक्सेस टू स्कूल्स एंड एजुकेशनल परफॉर्मेंस अमंग द इरुलर बॉन्डेड लेबर चिल्ड्रेन.” *मुक्त शब्द जर्नल*, वॉल्यूम 12, इशू 12 (2023)।
68. रस्तोगी, श्रुति कृति, “ओवरव्यू ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, इन द कॉन्टेक्ट ऑफ इन्क्लूसिव एजुकेशन.” *संशोधक*, नं. 2 (2024)।

69. पॉल, बिनॉय, “एथनिक कम्युनिटी एंड कल्चरल ट्रैडिशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन: ए स्टडी ऑफ डिमासा एथनिक ग्रुप ऑफ बैंक वैली, असम.” *स्टॉम*, वॉल्यूम 24 (2024)”।
70. शिवकुमार, जे., “ग्रोथ ऑफ एग्रीकल्चर इन तेलंगाना ड्यूरिंग द लास्ट निज़ाम रूल (1911–1948).” *कटातीय जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल स्टडीज़*, वॉल्यूम 14, नं. 1 (2019)”।
71. ईशा, “इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन: लर्निंग फ्रॉम इंडिया एंड साउथ अफ्रीका.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वॉल्यूम 47, इशू 9 (2023)”।
72. कमलाकर, गेडाम, “एक्सेस एंड इक्विटी रोल ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया.” *जर्नल ऑफ इंडिया स्कूल ऑफ पॉलिटिकल इकनॉमी*, वॉल्यूम 36, नं. 1 (2024)”।
73. ज़ाकडे, वैभव, “कैरेक्टराइजेशन इन इंडियन हिंदी वेब सीरीज़: ‘एक्सप्लोरिंग कॉम्प्लेक्स कैरेक्टर्स इन कंटेम्परी नैरेटिव्स’.” *रॉक पेबल्स*, वॉल्यूम 28, नं. 2 (2024)”।
74. कमलाकर, गेडाम, “एक्सपैंडिंग होराइजन्स: हाउ फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट्स शेप्स हायर एजुकेशन वर्ल्डवाइड.” *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 14, इशू 2 (2024)”।
75. सांगोले, कृति प्रकाश, “माइग्रेशन ऐज ए सोशियोइकनॉमिक फैक्टर अफेक्टिंग इमिग्रेंट हेल्थ.” *संशोधक*, वॉल्यूम 32 (2024)”।
76. शिवशंकरा, “शोध आलेख: भारत और मॉरीशस की लोक भाषा संस्कृति (गिरमिटिया मज़दूर के विषय सन्दर्भ में).” *अपनी माटी*, नं. 52 (2024)”।
77. रानी, दीपा, “समकालीन विकासशील समाज में समाधानपरक पत्रकारिता की आवश्यकता का अध्ययन.” *संचार माध्यम*, भाग 36, अंक 2 (2024)”।
78. मीणा, माहीप कुमार, “शोध आलेख: भारतीय समाज की समरसता में रामानुजाचार्य के भक्त सिद्धांतों का योगदान.” *अपनी माटी*, वॉल्यूम 12 (2022)”।
79. दीपा, “डॉ. अंबेडकर की स्त्री दृष्टि पर भारत सरकार की वर्तमान सरकारी योजनाएँ.” *शोध दिशा*, वॉल्यूम 62, नं. 8 (2023)”।
80. दीपा, “सजातीय विवाह जाति प्रथा की जड़ता – डॉ. बी. आर. अंबेडकर.” *बहुर नहीं आवना*, वॉल्यूम 241 (2023)”।
81. मिश्रा, करण, “गोंड जनजाति का चित्र संस्कार.” *अनहद लोक*, वॉल्यूम 8, नं. 18 (2023)”।
82. वर्मा, पूनम, “संगीत का समाजशास्त्रीय अध्ययन: प्रयोग एवं चिकित्सा के सन्दर्भ में” (2023)”।
83. शीतल, “मध्य प्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2010: एक अनुभववात्मक विश्लेषणात्मक अध्ययन.” *राधाकमल मुखर्जी: चिंतन परंपरा*, वॉल्यूम 23, इशू 1 (2021)”।
84. भट्ट, गिरीश चंद्र, “गढ़वाल हिमालय की भोटिया जनजाति: सामाजिक, आर्थिक, व सांस्कृतिक संरचना का वर्तमान स्वरूप और आजीविका सुधार.” *शवना साहित्यिकी*, वॉल्यूम 8, नं. 32 (2024)”।
85. मिश्रा, करण, “गोंड चित्र गोदना का सांस्कृतिक पक्ष.” *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 13, इशू 12 (2023)”।
86. ताजने, सिद्धार्थ कोंदीराम, “अजंता गुफा में वास्तु स्थापत्य कला का उद्गम और विकास.” *अजंता*, वॉल्यूम 13, इशू 3 (2024)”।
87. ताजने, सिद्धार्थ कोंदीराम, “अजंता के भित्ति चित्र में विविधता और मोहकता का वर्णन.” *रॉयल*, वॉल्यूम 13, इशू 1 (2024)”।
88. श्रीवास्तव, सुबोध कुमार, “मनोवैज्ञानिक क्रांति के सापेक्ष वैश्विक संकट: जे. कृष्णमूर्ति के विशेष सन्दर्भ में.” *दार्शनिक त्रैमासिक*, वॉल्यूम 69, नं. 4 (2023)”।
89. सिंह, हवा, “संत पीपा की वाणी में नैतिक मूल्य.” *वैचारिकी*, वॉल्यूम 40, नं. 4 (2024)”।
90. बैरागी, ईश्वर दास, “समाधानमूलक पत्रकारिता की प्रासंगिकता का अध्ययन.” *संचार माध्यम*, वॉल्यूम 34, नं. 2 (2022)”।
91. बैरागी, ईश्वर दास, “मेवाड़ की पत्रकारिता के इतिहास का अध्ययन (भरतपुर – अलवर के विशेष सन्दर्भ में).” *संचार माध्यम*, वॉल्यूम 34, नं. 2 (2022)”।
92. सिंह, निवेदिता, “वैश्वीकरण के परिदृश्य में मूल्यबोध का संकट: समकालीन कथा साहित्य के विशेष सन्दर्भ में.” *शोध दृष्टि*, वॉल्यूम 15, नं. 6 (2024)”।
93. राजक, रामचंद्र “छायावादी कवियों का आलोचनात्मक लेखन.” *इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ कंटेम्परी रिसर्च*, वॉल्यूम 6, नं. 2 (2019)”।

94. अग्रवाल, अंकित “क्लीन एंड ग्रीन विलेज – रिवाइटलाइजेशन थ्रू टूरिज्म.” *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 14, नं. 8 (2024)”।
95. मणिकंदन, “इनइकालिटी ऑफ चाइल्ड हेल्थ स्टेट्स इन इंडिया: ए जनरल ओवरव्यू.” *डोगो रंगसांग रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 13, इशू 4 (2023)”।
96. मणिकंदन, “इन्फ्लेक्शन एंड द इनसिडेंस ऑफ पॉवर्टी इन तमिलनाडु.” *मध्य भारती – ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस*, वॉल्यूम 83, इशू 14 (2023)”।
97. वाणी सुधाकर माली, “वर्ली बोली: समाज-भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण.” *जीनियस*, वॉल्यूम 13, इशू 2 (2025)”।
98. बी. सरवनकुमार, “इंडिया'ज़ फॉरन पॉलिसी टुवर्ड्स चाइना एंड यूएसए रिलेशन्स विद इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पैडेमिक.” *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 12, नं. 6 (2024)”।
99. राजकुमार राम, “जम्मू-कश्मीर: स्थायी शांति स्थापना की प्रमुख चुनौतियाँ.” *नमन*, वर्ष 16, अंक 29 (2024)”।
100. शर्मा, सुप्रिया “भारतीय सर्वेक्षण लेखा परीक्षा संस्था द्वारा कार्यात्मक परिवर्तन एवं पनाधारक से सक्रिय संपर्क के सकारात्मक प्रयास.” *ज्योतिर्वेद-प्रस्थानम्*, वॉल्यूम 12, नं. 2 (2023)”।
101. शर्मा, सुप्रिया “रिस्पॉन्सेज ऑफ सुप्रीम ऑडिट इंस्टिट्यूशंस टू कोविड-19 क्राइसिस.” *शोध दिशा*, वॉल्यूम 62, नं. 6 (2023)”।
102. शशिकुमार, के. एन. “सोशियो-इकोनॉमिक कंडीशन्स ऑफ नोमैडिक ट्राइब्स इन कर्नाटक.” *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 21, नं. 20 (2023)”।
103. सोनम सिंह, “इंडिया'ज़ नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी: बिल्डिंग स्ट्रॉन्गर रीजनल टाइज़ फॉर अ सिक्थोर फ्यूचर.” *जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई*, वॉल्यूम 98, नं. 11 (2024)”।
104. एन. मणिकंदन, “साइकोलॉजिकल प्रोफाइलिंग इन डिजिटल मार्केटिंग: टेलरिंग मेसेजेज टू ट्रिगर इम्पल्स बायज़.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 20, नं. 2 (2024)”।
105. जितेंद्र वसावा, “बर्ड नेम्स एंड बर्ड लैंग्वेज इन द नोरीरी भीली ऑफ द नर्मदा वैली: एन एंथ्रोपोलॉजिकल लिंग्विस्टिक स्टडी.” *अलीगढ़ जर्नल ऑफ लिंग्विस्टिक्स*, वॉल्यूम 14 (2024-2025)”।
106. नीरज कुमार मिश्रा, “फ्रॉम वज्र-बेयरर टू बोधिसत्व: डिवेलपमेंट ऑफ द वैरियस आइकनोग्राफिक एलीमेंट्स ऑफ वज्रपाणि इन द बुद्धिस्ट आर्ट ऑफ वेस्टर्न डेक्न.” *जर्नल ऑफ ओरिएंटल इंस्टिट्यूट*, वॉल्यूम 73 (2024)”।
107. मुस्ताफिजुर रहमान, “असेसमेंट ऑफ बैकयार्ड पॉल्ट्री रियरिंग फॉर पोर्टेशियल फूड सिक्थोरिटी एंड इकोनॉमिक एम्पावरमेंट इन रूरल इंडिया.” *डेक्न जियोग्राफर*, वॉल्यूम 62, नं. 8 (2024)
108. रितेश कुमार, “विवाह संस्कार का आयुर्वैज्ञानिक अध्ययन: वैदिक संस्कारों के परिप्रेक्ष्य में.” *शोध-प्रज्ञा*, भाग 22 (2024)”।
109. कोलुगुरी सारिका, “एज़ामिनिंग द कंडीशन्स एंड बैरियर्स फॉर वीमेन एंड गर्ल चिल्ड्रन इन तेलंगाना'ज़ अनऑर्गनाइज़्ड वर्कफोर्स.” *शोधकोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स* (2024)
110. अश्विनी कुमार पाठक, “प्रचलित वर्तमान पर्यावरण शिक्षा की संकल्पना में नवाचार की आवश्यकता.” *मेकल मीमांसा*, वर्ष 16, अंक 1 (2024)”।
111. अश्विनी कुमार पाठक, “राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पर्यावरणीय शिक्षा से सम्बंधित तत्वों का विश्लेषण तथा एनसीएफएसई 2023 में तत्संबंधी प्रावधानों की चर्चा.” *अधगम*, अंक 32 (2024)”।
112. नसीर एस. अहमद, “वीमेन्स डिवोर्स इन इस्लामिक पर्सपेक्टिव – ए स्टडी.” *साउथ इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 12, नं. 1 (2024)”।
113. नसीर एस. अहमद, “मेन्टेनेन्स इशूज़ ऑफ मुस्लिम वीमेन इन इंडिया – ए स्टडी.” *ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस स्टडीज़*, वॉल्यूम 2, इशू 2 (2024)”।
114. सुधा सोनकर, “कोल राजा बैसंसुर: एक ऐतिहासिक अध्ययन.” *पूर्वदेव*, वर्ष 29, अंक 116 (2024)
115. राजेश कुमार, “स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी साहित्यकारों का योगदान.” *पूर्वदेव*, वर्ष 29, अंक 114-115 (2023)”।
116. एस. डी. सुबद्रा, “इफेक्टिव टीचिंग टेक्नीक फॉर डिवेलपिंग एसटीईएम एजुकेशन अवेयरनेस अमंग स्टूडेंट्स टीचर्स.” *एजुकेशन एंड सोसाइटी*, वर्ष 46, अंक 4 (2023)”।
117. उमैबन एम. एम., “सोशियो-इकोनॉमिक इवैल्यूएशन ऑफ वीमेन होमस्टेड फार्मर्स इन कंटेक्स्ट ऑफ एग्रीकल्चरल

- इंडेन्टेडनेस इन केरल – ए केस ऑफ वायनाड डिस्ट्रिक्ट.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एजुकेशनल डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 11, नं. 3 (2023)”।
118. मुहम्मद शुएज़ अब्दी, “रोल ऑफ कम्युनिकेशन इन द मेडिकल टूरिज्म इंडस्ट्री.” *मुक्त शब्द जर्नल*, वॉल्यूम 12, इशू 5 (2023)”।
119. धर्मवीर यादव, “आज़ादी में प्रवंचित वर्ग की सहभागिता और आपराधिक अधिनियम.” *अस्वस्थ*, वर्ष 27, अंक 254 (2024)”।
120. धर्मवीर यादव, “1857 की क्रांति में आदिवासियों की भूमिका.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ऑल सबजेक्ट्स इन मल्टी लैंग्वेजेस*, वॉल्यूम 12, नं. 6 (2024)”।
121. अफ़शान मीर, “मेजर लैंडमार्क्स इन द हिस्ट्री ऑफ सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: फिलॉसॉफिकल एनालिसिस.” *दबीर*, वॉल्यूम 11, अंक 1-2 (2024)”।
122. रुपंजना वर्मा, “राजीव गांधी किशोरी सशक्तिकरण योजना के माध्यम से किशोरियों का विकास: एक समीक्षात्मक अध्ययन.” *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस स्टडीज़ जर्नल*, वॉल्यूम 13, नं. 2 (2024)”।
123. अरविंद कृष्ण उपाध्याय, “उत्तर छायावादी कविता का सामाजिक पक्ष.” *सम्मेलन पत्रिका*, वॉल्यूम 109, नं. 4 (2024)”।
124. स्वर्णा पांडेय, “आधुनिक हिंदी नाटकों पर महाभारत का प्रभाव.” *अनहद लोक*, वॉल्यूम 10 (2024)”।
125. आनन्दा रत्न कुमार, “कॉम्प्रिहेन्सिव असेसमेंट ऑफ टेम्पोरल एंड स्पेशियल डायनामिक्स इन रेनफॉल एंड टेम्परेचर पैटर्न्स: ए केस स्टडी ऑफ कोस्टल विलेजेस इन वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश.” *अर्बन इंडिया*, वॉल्यूम 44, नं. 1 (2024)”।
126. टेकमल रेनुका, “इम्पैक्ट ऑफ रैतु बंधु स्कीम ऑन स्मॉल एंड मार्जिनल फार्मर्स इन संगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट ऑफ तेलंगाना स्टेट.” *जर्नल ऑफ इंडियन स्कूल्स ऑफ पॉलिटिकल इकॉनॉमी*, वॉल्यूम 35, नं. 7 (2023)”।
127. आशीष कुमार सिंह, “प्राचीन भारत (गुप्त काल) की दक्षिण-पूर्वी एशियाई वैदिक नीति: एक अध्ययन.” *शोध प्रभा*, वॉल्यूम 48, नं. 6 (2024)”।
128. प्रगति भाटी, “एन इनिशिएटिव टू स्ट्रेन्थन एमएसएमई फॉर सोशल इकॉनॉमिक डिवेलपमेंट एंड एम्पावरमेंट जनरेशन एंड एम्पावरमेंट ऑफ रूरल वीमेन इन राजस्थान.” *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड एनालिसिस*, वॉल्यूम 10, नं. 4 (2023)”।
129. सारंगबम सेन सिंह, “असेसिंग साइकोलॉजिकल वेलबीइंग अमंग एलीट एथलीट्स इन मणिपुर: ए क्रॉस-सेक्शनल एनालिसिस.” *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी*, वॉल्यूम 99, नं. 4 (2024)”।
130. सारंगबम सेन सिंह, “फैमिली डायनामिक्स एंड साइकोलॉजिकल वेलबीइंग: एक्सप्लोरिंग जेंडर डिफरेंसेज़ अमंग एलीट एथलीट्स.” *जर्नल ऑफ द के.आर. कामा ओरिएंटल इंस्टिट्यूट*, वॉल्यूम 78 (2024)”।
131. गेड्डम कमलाकर, “इन्क्लूसिव एजुकेशन इन हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन: ए कम्पेरिटिव एनालिसिस ऑफ सेंट्रल एंड स्टेट यूनिवर्सिटीज़ अंडर एनईपी 2020.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 20, नं. 1 (2024)”।
132. प्रज्ञा श्रीवास्तव, “संस्कृत साहित्य में महाकवि क्षेमेन्द्र का योगदान.” *आम्नायिकी*, वॉल्यूम 26, भाग 2 (2024)
133. प्रमोद राजेन्द्र तांबे, “आदर्श गाँव योजना इन महाराष्ट्र.” *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 13, नं. 2 (2024)”।
134. नसीर एस. अहमद, “प्रॉब्लम्स ऑफ वीमेन इन द सर्विस सेक्टर: ए सोशियोलॉजिकल एनालिसिस.” *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस स्टडीज़*, वॉल्यूम 13, नं. 2 (2024)”।
135. नसीर एस. अहमद, “वीमेन वर्कर्स इन अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर इन इंडिया – ए स्टडी.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 20, नं. 2 (2024)”।
136. रितेश कुमार अग्रवाल, “एम्पावरिंग इंडिया: ट्रांसफॉर्मिंग पब्लिक सर्विसेज़ थ्रू डिजिटल इनोवेशन.” *अन्वेषक*, वॉल्यूम 65, नं. 1(3) (2024)”।
137. कृति धवन, “दिल्ली एजुकेशन एवोल्यूशन: एन इनसाइट.” *मध्य भारती*, वॉल्यूम 85, नं. 11 (2024)”।
138. आबिद हुसैन, “कबीर का काव्य और सामाजिक न्याय.” *अनुकृति*, वॉल्यूम 14, नं. 10 (2024)”।
139. राज कुमार खोसला, “शेड्यूल्ड ट्राइब्स एंड फॉरेस्ट रिसोर्स मैनेजमेंट: रोल ऑफ द ट्रेडिशनल विलेज एंड पंचायत राज

- इंस्टिट्यूशन्स इन शेड्यूलड एरियाज़.” साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, वॉल्यूम 16, नं. 2 (2022)”।
140. अभिषेक मिश्रा, “हिंदू वास्तु की वैज्ञानिक परंपरा से अवगत कराती न्यू मीडिया.” आलोचना चक्र जर्नल, वॉल्यूम 65, नं. 3 (2024)”।
141. अभिषेक मिश्रा, “न्यू मीडिया और भारतीय स्थापत्य.” अनहद लोक, वॉल्यूम 10 (2024)”।
142. मुकेश कुमार यादव, “अज्ञेय की सांस्कृतिक दृष्टि के विविध आयाम.” अन्वेषक, वॉल्यूम 53, नं. 1 (2023)”।
- * नोट: यूजीसी केयर (UGC CARE) सूची को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। (6124898_Public-Notice-CARE-Journals.pdf)

सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड डॉक्टरल फेलोशिप्स

(जनरल कैटेगरी)

कॉमर्स

1. एडिगा राजन्ना, श्री कृष्णदेवराय यूनिवर्सिटी, अनंतपुराम, आंध्र प्रदेश, “ग्रोथ एंड एम्पावरमेंट ऑफ माइक्रो एंड स्मॉल आउटप्रेन्योर्स थ्रू प्रधानमंत्री मुद्रा योजना: ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू अनंतपुराम डिस्ट्रिक्ट”।
2. अफ्सल एफ, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “स्टडी ऑन इफेक्टिव कमर्शियल एप्लीकेशन ऑफ रीसाइक्लिंग प्रोडक्ट्स”।
3. देबब्रत मोहंती, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “एफिशिएंसी ऑफ वोलैटिलिटी मॉडल इन प्रेडिक्टिंग द अल्टरनेटिव कमोडिटी ऑप्शन-प्राइसिंग मेथड्स”।
4. अभीती, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, “ए स्टडी ऑन एडॉप्शन ऑफ डिजिटलाइजेशन बाय माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज ऑफ पंजाब”।
5. मुरारी के सी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कसारगोड, केरल, “फॉस्टिंग सस्टेनेबल कल्चरल टूरिज्म थ्रू फोक आर्ट्स- ए केस स्टडी ऑफ थिरायट्टम फेस्टिवल इन मलाबार रीजन ऑफ केरल”।
6. रेश्मा के वी, भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “असेसमेंट ऑफ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेटिव सर्विसेज अडॉप्टेड बाय एमएसएमईज विद रेफरेंस टू कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट”।

7. आयुषी गुप्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू तवी, जम्मू एंड कश्मीर (यूटी), “एनालाइजिंग ड्राइवर्स, ड्राइमेंशंस एंड कंसिक्सेज ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल एजिलिटी इन एक्सपोर्ट सेक्टर”।
8. अंजली बी. नायर, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “इन्फ्लुएंस ऑफ बिहेवियरल बायसेज ऑन इन्वेस्टमेंट डिजीजन्स: ए मल्टिपल मेडिएशन मेकेनिज्म ऑफ बिहेवियरल इन्वेस्टर टाइप्स एंड पर्सनैलिटी ट्रेट्स (ए डायग्रॉस्टिक स्टडी अमंग रिटेल हाउसहोल्ड इन्वेस्टर्स इन केरल)”।
9. वैष्णवी श्रीवास्तव, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रैक्टिसेज इन बेकरी इंडस्ट्री इन इंडिया”।
10. रेवती ए. आर., महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “फाइनैशियल कंसिक्सेज एंड मिटिगेशन स्ट्रेटेजीज ऑफ बिहेवियरल बायसेज ऑन इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स”।
11. ऐन सुसन थॉमस, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “ईएसजी इन्वेस्टमेंट्स एंड मोमेंटम स्ट्रेटेजीज इन एशियन इमर्जिंग मार्केट्स”।
12. माधव, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “मार्केटिंग ऑफ काउंटरफिट गुड्स: इश्यूज एंड चैलेंजेज”।

कल्चरल स्टडीज

13. शिवेन्द्र सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में स्थानीयता एवं राष्ट्रीयता”।
14. रिया, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “प्रेमचन्द की पत्रकारिता में स्वराज की अवधारणा”।
15. अंकित दुबे, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “इक्कीसवीं सदी के हिन्दी नाटकों में मिथक और इतिहास: एक अध्ययन”।
16. जय प्रकाश तिवारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा, पंजाब, “सत्त्विक अभिनय एंड साइकोफिजिकल प्रोसेसेज: थियोरेटिकल एंड मेथडोलॉजिकल इम्प्लिकेशन्स फॉर द मॉडर्न एक्टिंग सिस्टम”।
17. मधुर्ज्य कमल हजारीका, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, डोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, “शंकर देव एवम् कबीर दास के साहित्य में समप्राप्त विचारों का तुलनात्मक अध्ययन”।
18. अमृता डी. एस., क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, “द वर्ल्ड, द एपिक एंड द रीडर: एक्सप्लोरिंग

द पोर्टेशियल ऑफ माइथोलॉजी-इंस्पायर्ड फिक्शन टू फैसिलिटेड रीडर रिफ्लेक्शन ऑन सेल्फ एंड सोसाइटी”।

19. राज शेखर बर्मन, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “डिसलोकेशन एंड रीलोकेशन: रिकंस्ट्रक्शन ऑफ दलित हिस्ट्री थ्रू आर्ट”।
20. कुमारी अदिति जायसवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “प्राचीन भारतीय कला एवम् साहित्य में यक्ष पूजा (ब्राह्मण, बौद्ध एवम् जैन धर्म) (प्रारंभ से लगभग 12वीं शताब्दी ईस्वी तक)”।
21. सुचित्रा सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “ए स्टडी ऑफ मेमोरीज एंड आइडेंटिटीज ऑफ इंडिजिनस कम्युनिटीज: विद स्पेशल रेफरेंस टू झारखंड”।
22. अनुपमा मारिया के., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “मैपिंग द पोस्टह्यूमन एक्सपेंस: स्पैशियल पर्सपेक्टिव्स ऑन सेलेक्ट स्पेक्युलेटिव नैरेटिव्स ऑफ मंजीला पद्मनाभन एंड मार्गरेट एटवुड”।
23. नीमा ए. एम., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “रीकंसेप्चुअलाइजिंग द एंथ्रोपोसीन: कॉन्टेक्चुअलाइजिंग क्लाइमेट चेंज इन सेलेक्टेड इंडियन नॉवेल्स फ्रॉम द एरा ऑफ लॉस”।
24. रेखा रानी, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, “सितार की प्रचलित गत शैली एवं उसमें हुए परिवर्तनों का विश्लेषणात्मक अध्ययन, विशेषकर इटावा घराने के संदर्भ में”।
25. स्तुति बरूआ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “एक्सप्लोरिंग द भ्रम्यमान थिएटर: ए फिनोमेनोलॉजिकल इंकवायरी इंटू मोबिलिटी एंड ट्रांजिशनल पोर्टेशियलिटीज ऑफ द मोबाइल थिएटर्स”।
26. पूर्णिमा हार्डिया, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “उत्तरी हिंदी और दक्खिनी हिंदी के प्रमुख सूफी कवियों का तुलनात्मक अध्ययन”।
27. एल. दीपिका सिंह, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “बिलीप्स एंड प्रैक्टिसेज असोसिएटेड विद प्रीहिस्टोरिक स्टोन इम्प्लीमेंट्स एंड मेगालिथिक ट्रेडिशन: एन इन्वेस्टिगेशन अमंग सर्टेन ट्राइब्स ऑफ असम-मेघालय”।
28. अशीला शीरीन, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “द इंटरटेक्चुअल मिस्ट्री: द इंटरप्ले ऑफ ट्रांसलेशन

एंड नेशनल बैंक ट्रांसलेशन इन सेलेक्ट मलयालम क्राइम नॉवेल्स”।

डायस्पोरा स्टडीज

29. सुनेहा शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “अफ्रो-इंडियन पॉपुलेशन इन कर्नाटक 'स अंकोला एंड यल्लापुर डिस्ट्रिक्ट्स: ए स्टडी ऑफ हिस्टोरिकल प्रोग्रेशन”।

दिव्यांगजन स्टडीज

30. अस्वति पी. के., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कसारगोड, केरल, “इफेक्टिवनेस ऑफ राइटिंग स्ट्रेटेजीज फॉर इम्प्रूविंग द एक्सपोजिटरी राइटिंग स्किल्स ऑफ स्टूडेंट्स विद हियरिंग इम्पेयरमेंट एट द सेकेंडरी लेवल”।
31. नित्य नंद, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “प्राथमिक स्तर के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों में शाब्दिक सम्प्रत्यय निर्माण एवं उनकी पठन बोध योग्यता के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

32. संदीप देसवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑन इकोनॉमिक ग्रोथ एंड रेवेन्यू मोबालाइजेशन एफिशिएंसी अमंग द मेजर इमर्जिंग स्टेट्स ऑफ इंडिया”।
33. रिजवान क़ासिम, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ क्लासिकल एंड केन्सियन थियोरीज ऑफ रेट ऑफ इंटररेस्ट: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया”।
34. शिवम अग्रवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ मैक्रोइकोनॉमिक पॉलिसी ट्रेड-ऑफ्स इन द इंडियन इकॉनमी”।
35. अभिषेक रंजन, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “इफेक्टिवनेस ऑफ दीनदयाल अंत्योदय योजना-नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन ऑन इकोनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन इन ट्राइबल एरियाज ऑफ अनूपपुर डिस्ट्रिक्ट”।
36. रुबुल हुसैन, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “इंफ्लेशन, इंकलेशन अनसर्टेनिटी, एंड आउटपुट डायनैमिक्स इन इंडिया”।

37. के. श्रुति साई, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, राजेंद्रनगर, तेलंगाना, “क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑप्टिमाइजेशन ऑफ फार्मिंग सिस्टम्स इन तेलंगाना: ए टाइपोलॉजिकल अप्रोच”।
38. सुमन एल., यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, जीकेवीके, बेंगलुरु, कर्नाटक, “स्ट्रेटेजिक इंसाइड्स इन्टू टोमैटो मार्केट्स इन इंडिया: डिफ्रिडिंग अराइवल्स, प्राइसेज, एंड फोरकास्टिंग फॉर इन्फॉर्मड डिजीजन मेकिंग”।
39. प्रखर दीक्षित, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ पब्लिक एक्सपेंडिचर ऑन सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर ऑफ इंडिया बिफोर एंड आफ्टर द ईयर 2014”।
40. जुथिका बोरबोरा, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “ए स्टडी ऑफ फिस्कल डिसिप्लिन एंड फिस्कल सस्टेनेबिलिटी एक्रॉस स्टेट्स इन इंडिया”।
41. तनु दीक्षित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ नैचुरल डिजास्टर्स ऑन ग्रोथ ट्रेजेक्टरीज इन इंडिया: ए स्टडी ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज एंड रिकवरी प्रोसेसेज”।
42. सौम्येश आचार्य, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “इंस्टिट्यूशनल इनोवेशन फ्रेमवर्क फॉर इम्प्रूव्ड ऑर्गनाइजेशनल एफेक्टिवनेस एंड परफॉर्मेंस ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन्स (एफपीओज): एन एम्पीरिकल एनालिसिस”।
43. विद्यु बाला एम., यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, धारवाड़, कर्नाटक, “इम्पैक्ट ऑफ इक्विटी गारंटी फंड ऑन एफपीओज परफॉर्मेंस - एन इकोनॉमिक एनालिसिस इन कर्नाटक”।
44. मधुस्मिता साहू, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “इफेक्टिवनेस ऑफ एग्रीकल्चरल इनोवेशन एंड एक्सटेंशन सिस्टम इन डिलिवरिंग एग्रो-एडवाइजरी सर्विसेज”।
45. आयशा खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “एन एनालिसिस ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी एफिशिएंसी एंड इट्स रोल इन अबेटमेंट ऑफ पॉल्यूशन इन इंडिया”।
46. निकिता चौधरी, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ सोशल सेक्टर एक्सपेंडिचर एंड इट्स इफेक्ट ऑन ह्यूमन डिवेलपमेंट इन उत्तर प्रदेश”।

47. सानिया इकबाल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन इन अर्बन इन्फॉर्मल सेक्टर इन बिहार”।
48. नरेंद्र कुमार दरिया, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक, “ए स्टडी ऑन चेंजिंग क्रॉपिंग पैटर्न इन राजस्थान ड्यूरिंग द पोस्ट ग्लोबलाइजेशन पीरियड”।

एजुकेशन एंड स्किलिंग

49. निसी पी. जी., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “सोशियो साइंटिफिक इश्यू बेस्ड स्ट्रेटेजी टू एन्हांस क्रिटिकल थिंकिंग एंड इकोलॉजिकल इंटेलिजेंस ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
50. जिजीथा गिल्टन, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “डिवेलपमेंट ऑफ एन इकोलॉजिकल लैंग्वेज टीचिंग मॉडल टू एन्हांस सोशियोलिंग्विस्टिक कॉम्पिटेंस, कोपिंग क्लेक्सबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी लिटरेसी ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
51. शृष्टि सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “इंटरप्ले बिटवीन एआई लिटरेसी एंड कॉग्निटिव अब्सॉर्प्शन अमंग जेन-जेड ऐज मॉडरेटेड बाय कम्प्यूटेशनल थिंकिंग”।
52. मीनाक्षी पांडेय, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ धर्मपाल'स एजुकेशनल कॉन्ट्रिब्यूशन इन द लाइट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम”।
53. पल्लवी, दावणगेरे यूनिवर्सिटी, शिवगंगोत्री, कर्नाटक, “ए स्टडी ऑन इंटरैक्शन ऑफ टीचिंग कॉम्पिटेंसी, डिजिटल लिटरेसी एंड प्रोफेशनल आइडेंटिटी ऑन अकैडमिक परफॉर्मेंस अमंग स्टूडेंट टीचर्स इन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) प्रोग्राम इन चित्रदुर्गा डिस्ट्रिक्ट”।
54. उपमा त्रिपाठी, महाराजा सुहेल देव स्टेट यूनिवर्सिटी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ साइबरफोबिया अमंग प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स एनरोल्ड इन टीचर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूशन इन रिलेशन टू देयर एटीट्यूड टुवर्ड्स यूजिंग न्यू टेक्नोलॉजी”।
55. अंकिता भट्टाचार्य, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, “इफेक्टिवनेस ऑफ हैप्पीनेस करिकुलम ऑन एंजाइटी एंड वेलबीइंग ऑफ स्टूडेंट्स इन प्रोफेशनल प्रोग्राम”।

56. सुपर्णा महापात्र, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इंटीग्रेटिंग एक्सपेरिमेंशियल लर्निंग स्ट्रेटेजीज टू एन्हांस फाउंडेशनल लिटरसी, न्यूमेरीसी, एंड वैल्यू इन्क्लूशन: एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी”।
57. हरिता ई. बी., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासरगोड, केरल, “इफेक्टिवनेस ऑफ टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड-पीयर सपोर्टेड लर्निंग स्ट्रेटेजीज फॉर फॉस्टरिंग साइंस प्रोसेस स्किल्स अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
58. मूमिन अहमद राथर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब, “इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल इंटरवेंशंस ऑन द डिजिटल कॉम्पिटेंस, लाइफ स्किल्स, एंड रेजिलियंस अमंग चिल्ड्रन विद ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर”।
59. स्टुअर्ट सी., पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “ग्राफिक नैरेटिव्स ऐज रीहैबिलिटेशन: ए सेलेक्ट स्टडी ऑफ जुवेनाइल डिलिक्वेंट्स”।
60. सेहर निगार, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “इफेक्टिवनेस ऑफ वर्चुअल लेबोरेट्रीज इन टीचिंग लर्निंग ऑफ साइंस”।
61. दीक्षा तिवारी, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहितखंड यूनिवर्सिटी, बरेली, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ टेक्नो-पेडागॉजिकल कंटेंट नॉलेज ऑफ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स इन रिलेशन टू साइबर एथिक्स, सेल्फ-कॉन्सेप्ट एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स क्रिएटिव टीचिंग”।
62. अभिषेक काबरा, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “चिल्ड्रेन इन साइबरस्पेस: ए स्टडी ऑन साइबरक्राइम अवेयरनेस एंड फैक्टर्स डिटरमिनिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजीज अडाप्टेड फॉर सेंसिटाइजेशन”।
63. आर्या एस., यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “डिवेलपिंग ए ब्लेंडेड लर्निंग स्ट्रेटेजी फॉर प्रमोटिंग एनवायरनमेंटल एम्पैथी, इको-एंगेजिडिटी एंड लर्निंग कंजर्वेशन बायोलाजी अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
64. प्रगति सिंह, फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून, मध्य प्रदेश, “असेसिंग रिवर बेसिन फॉर लाइवलीहुड्स एंड सस्टेनेबल वाटरशेड मैनेजमेंट: ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ यमुना एंड चंबल रिवर्स इन आगरा डिस्ट्रिक्ट”।
65. अविजित घोरई, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, “असेसिंग द रेजिलियंस ऑफ वाटर इन्फ्रास्ट्रक्चर्स एंड चैलेंजेज ऑफ वाटर एलोकेशन अंडर द चेंजिंग क्लाइमेट एंड राइजिंग डिमांड इन द कांगसाबती रिवर बेसिन एंड कमांड एरियाज”।
66. मानसी, फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून, मध्य प्रदेश, “ईकोसिस्टम सर्विसेज ऑफ हिमालयन फॉरेस्ट्स इन सोशल-इकोलॉजिकल कॉन्टेक्स्ट एक्रॉस एन अल्टीट्यूडिनल ग्रेडिएंट इन सेलेक्टेड रीजन ऑफ हिमाचल प्रदेश”।
67. मन्नेपल्ली भारत कुमार, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “स्टडी द नेक्सस बिटवीन वलनरेबिलिटी, रेजिलियंस एंड लाइवलीहुड ऑफ द हाउसहोल्ड्स इन फेस ऑफ क्लाइमेट चेंज इन सेमी-एरिड रीजन ऑफ इंडिया”।
68. मीनू मारिया जेम्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवारुर, तमिलनाडु, “इफेक्ट ऑफ एनवायरनमेंटल फैक्टर्स ऑन द स्पैटियो-टेम्पोरल एपिडेमियोलॉजी ऑफ डेंगू इन इंडिया”।

जेंडर स्टडीज

एनवायरनमेंटल स्टडीज

64. शुभम ओझा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “द ईको सेल्फ: ए ट्रांसफॉर्मेटिव एक्सप्लोरेशन इनटो एनवायरनमेंटल रियलाइजेशन इन लाइट ऑफ अली बौद्धिज्म एंड बृहदारण्यक उपनिषद्”।
65. मेघा शर्मा, गुरुकुल कांगड़ी (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), हरिद्वार, उत्तराखंड, “असेसमेंट ऑफ वर्मीरिमेडिएशन फॉर सीवेज स्लज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन प्लांट ग्रोथ”।
71. नेहा पाल, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “जेंडर आइडेंटिटी क्राइसिस ऑफ ट्रांसजेंडर एंड देयर सोशियो लीगल स्टेट्स इन इंडिया”।
72. आसिफा सिमरन सिद्दीकी, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, “डेटरमिनेंट्स ऑफ वेल-बीइंग अमंग द मिडल एज्ड वीमेन इन असम”।
73. पूजा यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “21वीं सदी के उपन्यासों में कामकाजी स्त्रियों की समस्याओं के स्वरूप का अध्ययन”।
74. ज़ीनत महजबिन, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “द फॉरगॉटन वीमेन फ्रीडम फाइटर्स इन द प्रोविंस ऑफ बिहार एंड बंगाल: पार्टिसिपेशन, रोल, कॉन्ट्रिब्यूशन (1905-1947)”।

75. गुंजा आनंद, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, “स्त्री रचनाकारों के यात्रा-साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ : सन् 1900 से 1980 ई.)”।
76. रुबाब मोहसिन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “एल्डर्ली इन पब्लिक प्लेसेज: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी ऑफ अलीगढ़ सिटी”।
77. प्रियदर्शिनी आर., भारतीदासन यूनिवर्सिटी, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, “ए जियोक्रिटिकल एनालिसिस ऑफ जेंडर्ड पब्लिक एंड प्राइवेट स्पेसेज इन सेलेक्ट इंडियन डिस्कोर्सेज”।
78. लिजा कुमारी गौड़ा, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी, बालासोर, उड़ीसा, “डिजिटल लिटरेसी एंड यूटिलाइजेशन ऑफ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थकेयर सर्विसेज इन उड़ीसा”।
79. सोनाली बिष्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “नेविगेटिंग अनरिकाइटेड लव एंड डिजायर इन द सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ चित्रा दिवाकरनी, नमिता गोखले एंड मन्जू कपूर”।

हेल्थ स्टडीज

80. सुकृति चौला, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली, “रोल्स, परफॉर्मेंस, एंड चैलेंजेज ऑफ कम्युनिटी हेल्थ वर्क्स इन डिलिवरिंग मैटरनल एंड न्यूबॉर्न हेल्थ सर्विसेज: एक्सप्लोरिंग टू कॉन्ट्रास्टिंग डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मध्य प्रदेश”।
81. प्रदीप कुमार मिश्रा, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “इवैल्यूएशन ऑफ योगा थेरेपी एंड हर्बल ड्रग कंपाउंड इन द मैनेजमेंट ऑफ साइड इफेक्ट्स ऑफ कैंसर कन्वेंशनल थेरेपी”।
82. लता, यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, हरिद्वार, उत्तराखंड, “इफेक्ट ऑफ योगिक सूक्ष्म व्यायाम ऑन अपर एंड लोअर लिम्ब्स स्ट्रेंथ, पोस्टुरल स्टेबिलिटी एंड स्पाइनल फ्लेक्सिबिलिटी”।
83. बिप्सा बनर्जी, पटना यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार, “एम्ब्रेसिंग मिलेट्स इन द डाइट ऑफ ट्राइबल स्कूल चिल्ड्रन ऑफ वेस्ट बंगाल: अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज”।
84. चनमथबम रुद्रजीत सिंह, धनमंजुरी यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, “अंडरस्टैंडिंग द हेल्थ प्रॉब्लम्स ऑफ इंटरनली डिस्प्लेस्ड पर्सन्स इन मणिपुर”।
85. धोलारिया निकिताबेन प्रफुलभाई, सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी, राजकोट, गुजरात, “स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम फॉर ईसीजी सिग्नल एक्विजिशन एंड ऑन-बोर्ड डायग्नोसिस”।
86. नवनीथा के., क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, “पीसीओएस नॉलेज असेसमेंट टूल डिवेलपमेंट एंड साइकोमेट्रिक वैलिडेशन”।
87. अंगकिता मिश्रा, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “डाइट ऐज ए थेरेप्यूटिक टूल फॉर द मैनेजमेंट ऑफ क्रॉनिक स्किन डिजीजेज विद स्पेशल रेफरेंस टू सोरायसिस”।

इंडियन नॉलेज सिस्टम्स

88. पूजा आचार्य, श्री जगन्नाथ संस्कृत यूनिवर्सिटी, पुरी, उड़ीसा, “वैदिकवन्मये शिल्प-स्थापत्योरुपस्थितिः”।
89. शिव प्रसाद, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “भारतीय ज्ञान परंपरा मे स्व प्रबंधन का संप्रत्यय एवं प्रारूप अध्ययन विश्लेषणात्मक एक, हठयोगिक ग्रंथों व योगोपनिषदों के विशेष संदर्भ मे”।

इंटरनेशनल रिलेशंस / जियोपॉलिटिक्स

90. पौसाली गुहा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “कॉन्सेप्चुअलाइजिंग रीजनल हेगेमनी इन इंटरनेशनल रिलेशंस: ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ इंडिया एंड साउथ अफ्रीका”।
91. मानसी शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ इंडिया 'स ड्यूल डिप्लोमैटिक अप्रोच: लेवरेजिंग हार्ड-सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी विदिन बिम्सटेक [2014-2024]”।
92. स्तुति शुक्ला, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “सेंट्रल एशिया ऐज ए फैक्टर इन इंडिया 'स एक्सटेंडेड नेबरहुड पॉलिसी”।
93. सोनाक्षी शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू तवी, जम्मू एंड कश्मीर (यूटी), “इंडिया-रूस रिलेशनशिप इन ए चेंजिंग ग्लोबल ऑर्डर सिंस 2000”।
94. इप्सा साहू, ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, “मैरीटाइम सिक्वोरिटी इन द इंडो-पैसिफिक: एजामिनिंग इंडिया 'स मैरीटाइम डिप्लोमेसी इन द रीजन”।
95. श्रुति शुक्ला, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, “जियो-स्ट्रेटेजिक इम्पॉर्टेंस ऑफ अंडमान एंड निकोबार आइलैंड्स इन इंडिया 'स मैरीटाइम पावर”।

लैंग्वेज स्टडीज

96. दयानंद मांडवी, सिद्धो कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी, पुरलिया, पश्चिम बंगाल, “चंडिमंगल : सृष्टि भिन्नता ओ एकालेर निर्माण”।
97. विप्रेष के., जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “नरैई एंड सीजन सॉन्स ऑफ सुभाषित रत्नकोष श्रु तमिल तिनै थ्योरी (तिणैकोटपाट्टु नोक्किल नरैनईम सुपाचित रत्नकोष परुवप पाटलकळुम)”।
98. बी. चेला बाला सुष्मिता, मनोनमनियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु, “स्कूटिनाइजिंग सेकंड लैंग्वेज एक्विजिशन अंडर आउटकम बेस्ड एजुकेशन”।
99. सत्येंद्र आर्य, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “प्रेमचन्द और रेणु के उपन्यासों में अभिव्यक्त ग्राम संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन”।

लीगल स्टडीज

100. आकाश मनवानी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, “इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल क्राइम: ए क्रिटिकल स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया”।
101. माधवी बघेल, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ लॉ रिलेटिंग टू विक्टिम कम्पनसेशन स्कीम इन द इंडियन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम विद स्पेशल रेफरेंस टू मध्य प्रदेश”।
102. रामलीन सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “एग्जामिनिंग द चैलेंजिंग फेस्ट बाय लिंग्विस्टिक माइनॉरिटीज इन इंडिया: एड्रेसिंग एजुकेशनल इनइक्लिटीज इन लाइट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, 2020”।
103. राजद्वीप वर्धन, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड क्रिमिनल लॉ: ए सोशियो-लीगल एनालिसिस”।
104. ऋधांशु सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “एमर्जिंग इलेक्टोरल करप्ट प्रैक्टिसेज एंड इलेक्टोरल रिफॉर्म: एन एम्पीरिकल स्टडी विद रेफरेंस टू स्टेट ऑफ बिहार”।
105. सैफ अली, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “चिल्ड्रेन इन द डिजिटल स्फीयर: ए कम्पेरिटिव एनालिसिस ऑफ इंडियन एंड ईयू जीडीपीआर लीगल फ्रेमवर्क ऑफ डेटा प्रोटेक्शन एंड प्राइवेसी”।

लाइब्रेरी साइंस

106. उमरा मंसूर, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर (यूटी), “सस्टेनेबिलिटी ऑफ ई-रिसोर्स इंफ्रास्ट्रक्चर: इन्वेस्टिगेटिंग द एनवायरनमेंटल एंड इकोनॉमिक इम्पैक्ट्स ऑफ मॉनेटिंग ई-रिसोर्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स एंड प्रोजेक्ट सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिसेज”।
107. अर्शिया, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “साइंटोमेट्रिक स्टडी ऑफ ग्लोबल रिट्रैक्टेड पब्लिकेशन एंड स्ट्रेटेजीज फॉर मॉनेटिंग रिसर्च इंटीग्रिटी”।
108. भाग्यश्री चेटिया, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइजोल, मिजोरम, “स्कॉलरली कम्युनिकेशन बाय वीमेन फैकल्टी ऑफ इंडियन इंस्टिट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी: ए साइंटोमेट्रिक स्टडी”।

मैनेजमेंट

109. दिव्यम शर्मा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “मोटिवेशन, ट्रेवल सैटिस्फैक्शन एंड बिहेवियरल इंटेंशन ऑफ वेलनेस टूरिस्ट इन हिमाचल प्रदेश”।
110. मोहम्मद अजीज़, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “साइकोलॉजिकल कैपिटल एंड इनोवेटिव वर्क बिहेवियर: इंक्यूसिव लीडरशिप एंड टेकिंग चार्ज ऐज सीकेंशियल मेडिएटर्स”।
111. मीनाक्षी शर्मा, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ सस्टेनेबल एचआरएम प्रैक्टिसेज एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज अडॉप्शन ऑन एम्प्लॉई परफॉर्मेंस”।
112. प्रगति शुक्ला, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “अडॉप्शन ऑफ सर्कुलर इकॉनमी प्रोसेसेज बाय बिजनेस ऑर्गनाइजेशन्स इन उत्तर प्रदेश”।
113. अपूर्वा सिंह, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ रिटेल इन्वेस्टर्स' कंटेन्यूअन्स इंटेंशन टू इन्वेस्ट एंड रैशनल फाइनेंशियल बिहेवियर एक्रॉस फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज”।
114. काजी शम्स आगाज़, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “ग्रीन फाइनेंस इंटरवेंशन्स फॉर सस्टेनेबल इकोनॉमिक डिवेलपमेंट इन इंडिया”।
115. उज्ज्वल मिश्रा, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “डेटरमिनेंट्स ऑफ एक्सपोर्ट्स फाइनेंस फॉर इंडियन एसएमईज”।

मीडिया स्टडीज

116. दीप्ती रीना जॉन, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “द डिजिटल टर्न इन कम्युनिटी रेडियो इन साउथ एशिया”।
117. आर्या पी. जी., थुंचथ एडुथाचन मलयालम यूनिवर्सिटी, मलप्पुरम, केरल, “स्यूचर इन मूवीज: ए स्टडी ऑन द एडिटिंग प्रैक्सिस ऑफ सेलेक्टेड मलयालम फिल्मस”।
118. मितेश वसावा, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “एक्सप्लोरिंग डायनामिक्स ऑफ पॉलिटिक्स ऑन एक्स (ट्विटर): एन एनालिसिस ऑफ डिजिटल पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा एंड बॉट्स ड्यूरिंग इंडिया'स 2024 जनरल इलेक्शन”।
119. राजकुमार दास, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “द आर्ट ऑफ स्टोरीटेलिंग: एजामिनिंग क्रिएटिव नैरेटिव्स इन छत्तीसगढ़ी सिनेमा”।
120. रंजीत कुमार राय, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “सोनभद्र के आदिवासियों के जीवन उन्नयन में प्रिंट मीडिया का योगदान : एक अध्ययन”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

121. रैना अरामबम, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “इकोलॉजी ऐज ए साइट ऑफ स्टेट-मेकिंग इन द फॉर्म नॉर्थईस्टर्न फ्रंटियर ऑफ ब्रिटिश इंडिया बिटवीन 19टीएच एंड द मिड 20टीएच सेंचुरी”।
122. मेघना पाठक, यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा, कोटा, राजस्थान, “ए हिस्टोरिकल स्टडी ऑफ इनसैनिटी एंड एसाइलम्स इन द यूनाइटेड प्रोविंसेज (1850-1947)”।
123. बाके यामा, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, डोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, “द गोरखा राइफल्स एंड एक्सपैंशन ऑफ कोलोनिअल पावर्स इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया: ए स्टडी ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री 1826-1951”।
124. विश्व रंजन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “नेशनलिज्म, फ्रीडम, एंड सोशल आइडियाज: मेकिंग एंड मैनिफेस्टेशन ऑफ सुभाष चंद्र बोस”।
125. डोड्डी चिनापेड्डिराजु, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, “फैमिन्स इन आंध्रदेशा ड्यूरिंग द कोलोनिअल पीरियड: ए हिस्टोरिकल स्टडी”।

नेशनल सिक्वोरिटी एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज

126. सुखमृत कौर पवार, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, “इंडियन मिलिट्री डिप्लोमेसी इन द 21फस्ट सेंचुरी : ट्रेड्स एंड इम्प्लिकेशन्स”।
127. जय किशन सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “लद्दाख क्षेत्र के सीमा प्रबंधन में चुनौतियाँ”।

पॉलिटिकल साइंस

128. लालरेमपुइआ, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल्स इन मिजोरम एंड त्रिपुरा: ए कम्परेटिव स्टडी”।
129. बृजेश चंद्र श्रीवास्तव, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, “जल विवाद और भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा : चीन के विशेष सन्दर्भ में”।
130. किरण मलिक, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, “पितृसत्तात्मक अनिवार्यताएँ दलित चेतना आंदोलनों में: हरियाणा और पंजाब के चयनित जिलों का अध्ययन”।
131. रामानंद शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “श्री अरविंद की दृष्टि में सनातन धर्म और भारतीय राष्ट्रवाद”।
132. सुधांशु त्रिवेदी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “क्लाइटेलिज्म, कॉन्फ्लिक्ट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडियन सोसाइटी: द रोल ऑफ प्रोग्रामैटिक पॉलिटिक्स इन उत्तर प्रदेश फ्रॉम 2007-2025”।
133. अंकिता पांडेय, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “ह्यूमन ट्रेफिकिंग, ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड पीस प्रोसेस इन कंटेम्परेरी इंडिया: ए स्टडी ऑफ दिल्ली एंड इंडो-नेपाल बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट”।
134. सिमरनजीत कौर, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “सिटिजनशिप एंड कॉन्टेस्टेशन: ए स्टडी ऑफ एवरीडे लाइव्स इन कुसुमपुर पहाड़ी स्लम, दिल्ली”।
135. उत्तम नाराह, नॉर्थ लखीमपुर कॉलेज (ऑटोनॉमस), खेलेमती, असम, “ए स्टडी ऑन द फॉर्मेशन ऑफ एलीट एंड इट्स रोल इन चेंजिंग कॉन्टूर्स ऑफ मिसिंग आइडेंटिटी इन द पोस्ट-असम अकोर्ड पीरियड”।
136. चेतना नेगी, ग्राफिक एरा (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), देहरादून, उत्तराखंड, “सिंक्रॉनिक एंड डायक्रॉनिक स्टडी ऑफ भोटिया कम्युनिटी विद स्पेशल रेफरेंस टू उत्तराखंड”।

137. केतुनिक्रे-ई ग्विरी, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “नागा मूवमेंट एंड स्टडी (1950-1990): ए स्टडी”।

138. मोजमिल हुसैन, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “अर्बन गवर्नेंस एंड डिवेलपमेंट: ए स्टडी ऑफ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट इन गुवाहाटी”।

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

139. रोसांगपुईई, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “गुड गवर्नेंस इनिशिएटिव्स इन केरल एंड मिजोरम: ए कम्पेरेटिव एनालिसिस”।

140. महेश बोदेगा, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “द इम्पैक्ट ऑफ शी टीम ऑन एन्हांसिंग सेफ्टी एंड सिक्योरिटी फॉर यंग वीमेन इन तेलंगाना’स पब्लिक स्पेसेज: ए केस स्टडी ऑफ हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट”।

संस्कृत स्टडीज

141. गुल्सा, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड यूनिवर्सिटी, बरेली, उत्तर प्रदेश, “कविरत्न मेधाव्रताचार्य की अनतिख्यात रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन”।

142. सूर्यभान यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य में उपस्थापित सांख्य विषयक वाद-प्रतिवाद (भामती तथा रत्नप्रभा टीकाओं के विशेष सन्दर्भ में) का अध्ययन”।

143. श्रुति, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “कात्यायन श्रौतसूत्र का भाषाशास्त्रीय अध्ययन”।

144. स्वेता घोष, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “भारतीयज्ञानपरम्परायाः सन्दर्भे मानसोल्लासे वर्णितक्रीडानां सामयिकोपयोगितायाः विश्लेषणात्मकमध्ययनम्”।

सोशल एंड ह्यूमन ज्योग्राफी

145. राहुल प्रताप शाही, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “रोड एक्सेसिबिलिटी एंड रूरल डिवेलपमेंट इन साउथ बिहार”।

146. एफ. वल्ह जुआली, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “स्टडीज़ ऑन स्पेशियल वेरिएशन ऑन डिजायर्ड एंड एक्चुअल फर्टिलिटी ऑफ वीमेन इन आइज़ोल सिटी, मिजोरम”।

147. स्मिता रमेश पगारे, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र, “मौसम विज्ञान, जल विज्ञान और भू-आकृति

विज्ञान संबंधी जाँचें कावेरी बेसिन: दक्षिण भारत में बाढ़ की घटनाओं का अध्ययन”।

148. निहारिका तिवारी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “एन असेसमेंट ऑफ अर्बन लैंड ट्रांसफॉर्मेशन एंड लाइवबिलिटी इन इन्फॉर्मल सेटलमेंट्स ऑफ प्रयागराज सिटी”।

149. कौशल महाजन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, “ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ ऑर्गेनिक फार्मिंग ऑफ पल्सेज एंड इट्स सस्टेनेबिलिटी इन इंदौर डिस्ट्रिक्ट”।

150. सुष्मिता कुमारी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब, “स्पेशियो-टेम्पोरल असेसमेंट ऑफ ग्राउंड वाटर आर्सेनिक कंटैमिनेशन एंड इट्स इफेक्ट ऑन हेल्थ एंड लैंड यूज/लैंड कवर डायनामिक्स: ए केस स्टडी ऑफ सहरसा डिस्ट्रिक्ट, बिहार”।

151. शगुप्ता नाज़, सिद्धो कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, “वीमेन एम्पावरमेंट एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ इन पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट, वेस्ट बंगाल”।

सोशल एंथ्रोपोलॉजी

152. शालिनी शाजी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “लिविंग वाइल डाइंग: एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ इमोशंस थ्रू एन एथ्नोग्राफी विद द डाइंग इन केरल”।

153. सौम्यजीत हलदर, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “एथनिकाइजिंग पॉलिटिक्स एंड पॉलिटिसाइजिंग एथनिसिटी: ए स्टडी ऑन मतुआ एंड राजवंशी कम्युनिटी इन वेस्ट बंगाल”।

154. सुकन्या गुहा नियोगी, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “प्रागैतिहासिक और एथनोआर्कियोलॉजिकल इम्पॉर्टेंस ऑफ ईस्टर्न इंडिया स्पेशल रेफरेंस टू वेस्ट बंगाल”।

सोशल साइकोलॉजी

155. कोमल बुमरा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, “साइबरकांफ़िडेंस इन रिलेशन टू साइकोलॉजिकल वेल्-बीइंग एंड ऑथोरिक्सिया नर्वोसा: मॉडरेटिंग रोल ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस”।

156. नंदिनी रावत, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “कॉग्निटिव बिहेवियरल इंटरवेंशन फॉर मेडिकली अनएक्सप्लेंड फिजिकल सिम्पटम्स (एमयूपीएस) अमंग इंडियन पेशेंट्स”।

157. नमिता नारूला, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “एक्सप्लोरिंग द इमोशनल इम्पैक्ट एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज ऑफ वीमेन विक्टिम ऑफ स्ट्रीट हारासमेंट इन इंडिया: ए मिक्सड मेथड्स स्टडी”।
158. शेफाली कनौजिया, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ वैदिक रीडिंग ऑन मेटाकॉग्निटिव अवेयरनेस एंड त्रिगुण पर्सनैलिटी अमंग वेरीयस एज ग्रुप्स ऑफ स्टूडेंट्स”।
159. फेमिलिन डेविस, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तिरुवारूर, तमिलनाडु, “डिवेलपमेंट एंड वैलिडेशन ऑफ सुसाइडल आइडिएशन एंड बिहेवियर असेसमेंट स्केल”।
160. शेरोन सुगंधी कैरोलिन एस., नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (निम्हान्स), बेंगलुरु, कर्नाटक, “डिवेलपमेंट एंड वैलिडेशन ऑफ ए क्लिनिकल मेजर फॉर इवैल्यूएशन एंड ट्रीटमेंट प्लानिंग इन अडल्ट एडीएचडी”।
167. मुनेन्द्र प्रताप सिंह, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “फूड हैबिट्स एंड फूड सिक्योरिटी अमंग पहाड़ी कोरवा ऑफ छत्तीसगढ़”।
168. आदित्यलक्ष्मी, अविनाशिलिंगम इंस्टिट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वीमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “असेसमेंट ऑफ न्यूट्रिशनल स्टेट्स, क्वालिटी ऑफ लाइफ, ऑक्स्युपेशनल हेल्थ हैज़र्ड्स एंड इंटरवेंशन स्ट्रेटेजीज फॉर सेलेक्टेड कोस्टल फिशरफोकस इन तमिलनाडु”।
169. रिपोम पॉल, रायगंज यूनिवर्सिटी, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, “पॉटरी एंड रूरल आंत्रप्रेन्योरशिप: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ द पॉटर्स ऑफ उत्तर दिनाजपुर डिस्ट्रिक्ट”।
170. अलेनो सानो, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “इवोल्यूशन ऑफ अंगामी नागा फूड कल्चर: प्री-कोलोनियल टू कोलोनियल पीरियड”।

सोशियोलिंग्विस्टिक्स

161. सुशील शुभम राउत, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “ईएमआई (इंग्लिश ऐज ए मीडियम ऑफ इंस्ट्रक्शन) इन उड़ीसा आदर्श विद्यालय: पॉलिसीज, प्रैक्टिसेज, एंड प्रॉस्पेक्ट्स”।
162. लेलिना बर्मन, गौहाटी यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “ए डिस्क्रिप्टिव ग्रामर ऑफ नलबरिया डायलैक्ट ऑफ असमिया लैंग्वेज”।
163. मोहम्मद सलमान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “नीड्स एनालिसिस ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज लर्नर्स इन मदरसाज: ए स्टडी एट फज़ीलत (अंडरग्रेजुएट) लेवल”।
164. श्रद्धा वर्मा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “कल्चरल नेशनलिज्म एंड इट्स रोल इन द नेशन बिल्डिंग ऑफ उज्बेकिस्तान, 1991-2024”।
171. प्रियांका मौर्य, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, वाराणसी जनपद के काशी विद्यापीठ विकास खंड पर आधारित”।
172. लैशराम टोम्बिसाना, धनमंजुरी यूनिवर्सिटी, मणिपुर, “न्यूट्रिशनल प्रोफाइलिंग ऑफ सेलेक्टेड इंडिजिनस क्यूजीन्स ऑफ द मीतई कम्युनिटी ऑफ मणिपुर”।
173. रामनुसांगी, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “मेंटल हेल्थ सीकिंग बिहेवियर इन मिजो सोसाइटी”।
174. शिवांगी सिंह, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ओल्ड ऐज होम्स इन दिल्ली: ए सोशियोलॉजिकल एंड लीगल एनालिसिस ऑफ प्रैक्टिसेज, प्रोटेक्शन एंड पॉलिसी इम्प्लिकेशन्स”।
175. रायमा कायल, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुडुचेरी (यूटी), “ह्यूमन-वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट एंड क्लाइमेट-इंड्यूस्ड डिजास्टर्स ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ अडोलेसेंट्स इन सुंदरबन डेल्टा ऑफ वेस्ट बंगाल: ए मिक्सड-मेथड्स स्टडी”।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

165. साहिल शौकीन, डॉ. बी. आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “पॉलिटिक्स, पिलग्रिमेज, परफॉर्मेटिविटी: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ कांवड़ यात्रा”।
166. प्रियांका ताहबिलदार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “वीवर्स एंड क्राफ्ट प्रोडक्शन: ए स्टडी इन सुवालकुची, असम”।
176. एस. गायत्री देवी, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु, “ए स्टडी ऑन द इन्फ्लुएंस ऑफ कल्चरल टैबूज एंड स्टिग्माज ऑन द यूटिलाइजेशन ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजीज”।

177. इन्धु विजयन, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “जेंडर्ड स्पेसेज: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ वीमेन'स अनइक्वल एक्सेस टू पब्लिक स्पेसेज ऑन जेंडर रिलेशंस इन केरल”।
178. एल. पी. वानलालांघाका, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ोल, मिजोरम, “सोशल कैपिटल एंड आंत्रप्रेन्योरियल ओरिएंटेशन इन अर्बन इन्फॉर्मल सेक्टर, मिजोरम”।
179. लुंजामंग बैटे, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मणिपुर, “कॉन्टिन्यूटी एंड चेंज: ए स्टडी ऑफ सोशियो-कल्चरल प्रैक्टिसेज ऑफ कुकी डायस्पोरा”।
180. पुडुमारगोड़ा, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज (निम्हान्स), बेंगलुरु, कर्नाटक, “डिवेलपमेंट एंड फिजिबिलिटी ऑफ स्ट्रेथ-बेस्ड हेल्दी एजिंग प्रोग्राम फॉर एल्डर्ली पर्सन्स विद डिप्रेशन”।
181. करिश्मा साहू, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी, बालासोर, उड़ीसा, “इवैल्यूएटिंग एक्सेसिबिलिटी ऑफ इंडिजिनस कम्युनिटीज टू सर्विसेज प्रोवाइडेड बाय इंटीग्रेटेड चाइल्ड डिवेलपमेंट सर्विसेज (आईसीडीएस): ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ संथाल्स एंड लोधाज इन मयूरभंज डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़ीसा”।
182. सागर डे, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “फकीर्स एंड एवरीडे लाइफ: नेगोशिएटिंग कल्चर एंड आइडेंटिटी इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन”।
183. फरयाला फारूक, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर (यूटी), “अंडरस्टैंडिंग द एक्सपीरियंसेज ऑफ फैमिलीज ऑफ इंडिविजुअल्स विद सब्सटेंस यूज डिस्ऑर्डर्स”।
184. शुभम सिंह, डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “रोल ऑफ स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन इन इंडिया: ए केस स्टडी ऑफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी)”।

सोशियो-फिलॉसॉफिकल स्टडीज

185. आशीष दीक्षित, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अंडरस्टैंडिंग पोस्ट-ट्रुथ: एनालाइजिंग द कॉम्प्लेक्सिटीज ऑफ ट्रुथ इन कंटेम्पेरी डिस्कॉर्स”।
186. सुदाक्ष्य राउत्राय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अनरैवलिंग सोशल मूवमेंट्स: एक्सप्लोरिंग इट्स सोशल

ऑटोलॉजिकल स्ट्रक्चर थ्रू ए स्टडी ऑफ ईकोफेमिनिस्ट मूवमेंट्स”।

मीडिया स्टडीज

187. श्वेता तिवारी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “विज्ञापन कला एवं संरचना : समाज सापेक्ष अध्ययन एवं विश्लेषण (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विशेष संदर्भ में)”।
188. कोमल वेक्ता, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “हिमाचल प्रदेश में महिला पत्रकारों की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन”।

इंटरनेशनल रिलेशंस / जियोपॉलिटिक्स

189. कुनाल राय, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “पॉलिटिक्स ऑफ क्लाइमेट चेंज नेगोशिएशंस एट मल्टीलैटरल फोरा: ए स्टडी ऑफ ब्राजील एंड इंडिया, 2009-2022”।

सोशल साइकोलॉजी

190. कोमलचेतिवाल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, “रोल ऑफ चिल्ड्रेन एंड सोशल सपोर्ट इन मैरिटल क्वालिटी एंड साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग अमंग मेल्स: ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी”।

ओबीसी (एनसीएल) कैटेगरी

कॉमर्स

191. रिया यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑन इम्पैक्ट ऑफ ऑर्गनाइजेशनल कल्चर ऑन टैलेंट एक्विजिशन एंड टैलेंट रिटेंशन: विद स्पेशल रेफरेंस टू सेलेक्ट आईटी कंपनीज इन इंडिया”।
192. ऑटिना ट्रीसा मेंडेज़, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “वीमेन आंत्रप्रेन्योरशिप प्रोग्राम्स एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स: एन इवैल्यूएटिव स्टडी”।
193. प्रियांका जायसवाल, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “एनालाइजिंग द इम्पैक्ट ऑफ यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अडॉप्शन ऑन एम्पावरिंग रूरल इकॉनमीज: ए स्टडी ऑन सेलेक्ट डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ मध्य प्रदेश”।
194. निधि यादव, महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी, बिहार, “इम्पैक्ट ऑफ इन्फुएंसर मार्केटिंग स्ट्रेटेजीज ऑन कंज्यूमर डिजिटल बाइंग बिहेवियर ऑफ ईस्टर्न उत्तर प्रदेश”।

195. उम्मतुल फ़ातमा, सिद्धो कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, “लिंगज बिटवीन ईएसजी स्कोर एंड शेयरहोल्डर्स वैल्यू: ए स्टडी विद रेफरेंस टू सेलेक्ट इंडियन कंपनीज”।
196. अमल ए., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरल, कसारगोड, केरल, “ट्रांसफॉर्मिंग एफएमसीजी मार्केटिंग: द रोल ऑफ़ एआई ड्रिवन डिजिटल मार्केटिंग इन शेपिंग कंज्यूमर बिहेवियर”।
197. निधि सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “एम्प्लॉयर ब्रांडिंग एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन टैलेंट एक्विजिशन एंड रिटेंशन इन सेलेक्ट टेलीकॉम कंपनीज इन इंडिया”।

कल्चर स्टडीज

198. परमदीप पटेल, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “चंद्रप्रभा नदी घाटी के विशेष सन्दर्भ में चंदौली जनपद का सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक अध्ययन”।
199. मोति श्रीनु, पाला मुरु यूनिवर्सिटी, महबूबनगर, तेलंगाना, “ए स्टडी ऑफ़ तेलंगाना इंडिजिनस ट्रेडिशनस: एक्सप्लोरिंग द हेरिटेज ऑफ़ कुरुमा एंड गोल्ला कम्युनिटीज”।
200. हाजरीमायुम बिस्मार्क शर्मा, धनमंजुरी यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, “द इवोल्यूशन ऑफ़ फ्यूनरी ट्रेडिशनस इन मणिपुर: ए हिस्टोरिकल स्टडी”।
201. मुहम्मद अंशूर, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “एजिंग इन कल्चर: ए स्टडी ऑफ़ सेलेक्ट मैरीटाइम नैरेटिव्स”।
202. फिरदौस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “स्वतंत्रोत्तर हिंदी ग़ज़ल में जनतांत्रिक मूल्य”।
203. गेलवा रनबाई सजान, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, “रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ वीमेन इन फोकटेल्स ऑफ़ कच्छ एंड सौराष्ट्र”।
204. दीपक कुमार जायसवाल, जय प्रकाश यूनिवर्सिटी, छपरा, बिहार, “उपनिवेशकालीन मिथिला का सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं जन-प्रतिरोध (1800 ई. से 1947 ई. तक): एक अनुशीलन”।
205. विकाश कुमार, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “बौद्ध शिक्षा केन्द्रों के विकास में पाल शासकों का योगदान”।
206. मुजमिल शफी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर, पंजाब, “इंटरोगेटिंग कल्चरल नॉस्टेलजिया इन चिनुआ अचेबे'स सेलेक्ट फिक्शन”।
207. मुन्तज़िर महदी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ़ लिटरेरी एंड हिस्टोरिकल एस्पेक्ट्स ऑफ़ 'वज़ीर नामा' ऑफ़ सैयद अमीर अली खान बहादुर”।
208. बजरंग बली कहार, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, नई दिल्ली, “निराला और नज़ूल की कविता में राष्ट्रीयता के स्वर का तुलनात्मक अध्ययन”।

दिव्यांगजन स्टडीज

209. मिथिलेश कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, नई दिल्ली, “हिन्दी कथा साहित्य में विकलांग चेतना का अध्ययन (सन् 1924 से 2024 तक)”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

210. मार्टिना मीनम, कॉलेज ऑफ़ फिशरीज, त्रिपुरा वेस्ट, सीएयू, त्रिपुरा, “असेसमेंट ऑफ़ फिशर्स' नॉलेज-इन्फॉर्मेशन नेक्सस ऑफ़ फिश बायोडायवर्सिटी मैनेजमेंट इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”।
211. नित्या गुप्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ़ द रोल ऑफ़ टॉयज़ इंडस्ट्री इन फारैन ट्रेड ऑफ़ इंडिया”।
212. सक्थिवेल टी., अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलयनगर, तमिलनाडु, “प्रॉफिटेबिलिटी एंड वायबिलिटी ऑफ़ टर्मरिक इंडस्ट्री इन तमिलनाडु – एन इकोनॉमिक एनालिसिस फॉर ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू”।
213. पांची हलोई, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “क्लाइमेट चेंज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन टी यील्ड इन असम: ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू द स्मॉल टी ग्रोअर्स एंड देयर अडैप्टेशनस”।
214. फसीला इस्माइल, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “केरल स्टार्टअप मिशन एंड वीमेन स्टार्टअप्स: ए स्टडी ऑन द सोशियो-इकोनॉमिक इम्पैक्ट ऑफ़ वीमेन स्टार्टअप्स अंडर केएसयूएम”।
215. हारिस नूर, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “एन एनालिसिस ऑफ़ इंडिया'स ट्रेड इन पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स विद वेस्ट एशिया सिंस 2000”।

216. शेहरीन, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस इन व्हीट क्रॉप फ्रॉम फार्म लेवल टू कंज्यूमर लेवल विद स्पेशल रेफरेंस टू मेरठ डिस्ट्रिक्ट”।
217. एम.डी. तमीम, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “ए स्टडी ऑफ इंडिया'स एक्सपोर्ट्स इन एग्रीकल्चरल कमोडिटीज विद स्पेशल रेफरेंस टू ऑर्गेनिक प्रॉडक्ट्स”।
218. भावी के., भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “स्पेशियल डिजीजन सपोर्ट सिस्टम्स (एसडीएसएस) फॉर प्रिंसीजन एग्रीकल्चर ऑफ कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट: ए ज्योमैटिक अप्रोच”।
219. ऋतांजलि बेहेरा, रमा देवी वीमेन'स यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “ट्रेंड, पैटर्न एंड एफिशिएंसी ऑफ पब्लिक हेल्थ एक्सपेंडिचर इन उड़ीसा”।
220. ऐश्वर्यालक्ष्मी एम. ए. उसांग, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक, “पब्लिक एक्सपेंडिचर ऑन सोशल सेक्टर इन इंडियन स्टेट्स: एन एनालिसिस ऑफ इट्स ट्रेंड्स, डेटरमिनेंट्स एंड इम्पैक्ट”।
221. जगताप प्रवीण पंढरीनाथ, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी, महाराष्ट्र, “प्राइस बिहेवियर, मार्केट इंटीग्रेशन एंड प्राइस फोरकास्टिंग ऑफ मेजर मिलेट्स इन महाराष्ट्र”।
222. एस. अमरीश, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, मदुरै, तमिलनाडु, “परफॉर्मेंस ऑफ तमिलनाडु मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री”।
- एजुकेशन एंड स्किलिंग**
223. अंकित यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “उच्च शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों में उद्यमशील प्रवृत्ति एवं व्यावसायिक आत्म-प्रभावकारिता पर बृहत् पाँच व्यक्तित्व विशेषक और उद्यमशील मानसिकता की भूमिका”।
224. नैन्सी यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “एफिकेसी ऑफ माइंडफुलनेस एक्टिविटी-बेस्ड इंटरवेंशन फॉर इन्हांसिंग रेजिलिएंस एंड हैप्पीनेस अमंग हायर सेकेंडरी स्टूडेंट्स”।
225. जेनीटा मारिया टेरेसा जे., अलगप्पा यूनिवर्सिटी, करैकुड़ी, तमिलनाडु, “इफेक्टिवनेस ऑफ माइंड गेम्स इन इन्हांसिंग इमोशनल रेजिलिएंस एंड क्रिएटिव थिंकिंग अमंग नाइंथ स्टैंडर्ड स्टूडेंट्स”।
226. रूपा वी. आर., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “इफेक्टिवनेस ऑफ ट्रांस सेंसिटिविटी ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन एटीट्यूड एंड सेल्फ-एफिकेसी फॉर ट्रांस-इंक्लूसिव एजुकेशन अमंग स्टूडेंट टीचर्स ऑफ केरल”।
227. मौसमी मल्लिक, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “अवेयरनेस एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स एमओओसीएस अमंग टीचर्स ऑफ इंस्टिट्यूशंस ऑफ हायर एजुकेशन”।
228. सस्वती प्रियदर्शनी बिस्वाल, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नपाम, असम, “अवेयरनेस एंड एडॉप्शन ऑफ एआई-पावर्ड टूल्स अमंग स्टेकहोल्डर्स ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशंस इन उड़ीसा”।
229. शाजिया परवीन, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “सेल्फ-एस्टीम एंड सेल्फ-डायरेक्टेड लर्निंग इन रिलेशन टू टीचिंग कॉम्पिटेंसीज अमंग स्टूडेंट टीचर्स”।
230. प्रिया यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के पंचकोश एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य का एक अध्ययन”।
231. कुमारी कोमल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ए स्टडी ऑफ डॉक्टोरल स्टूडेंट्स इन सोशल साइंसेज इन पब्लिक यूनिवर्सिटीज इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ बिहार”।
232. मोहम्मद शाहनवाज़, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “रोल ऑफ मेटाकॉग्रिशन इन प्रेडिक्टिंग डिजीजन-मेकिंग स्टाइल्स ऑफ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स इन रिलेशन टू सर्टेन डेमोग्राफिक वैरिएबल्स”।
233. अंकिता यादव, छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश, “ए स्टडी ऑफ इंटीग्रेशन ऑफ इन्फॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) ऑन स्टूडेंट एंगेजमेंट, क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स एंड एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
234. रेशमा एम. आर., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “कॉन्ट्रिब्यूशन्स ऑफ अल्टरनेटिव एजुकेशन इन द कंटेम्पररी डिवेलपमेंट ऑफ एजुकेशन इन केरल”।
- एनवायरनमेंटल स्टडीज**
235. रोहेल शेख, अलियाह यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन हेल्थ एंड

लाइवलीहुड ऑफ रूरल कम्युनिटीज इन द इंडियन सुंदरबन”।

236. प्रभजोत सिंह, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, “इम्पैक्ट ऑफ डिफरेंट क्रॉपिंग सिस्टम्स ऑन साइल कार्बन स्टॉक्स, न्यूट्रिएंट ट्रांसफॉर्मेशन्स एंड देयर अपटेक इन रिलेशन टू क्रॉप प्रोडक्टिविटी”।
237. मातम जयंत कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चरल साइंसेज, बागलकोट, कर्नाटक, “स्क्रीनिंग ऑफ बिट्टर गॉर्ड जर्मप्लाज्म फॉर बेगोमोवायरस रेसिस्टेंस एंड डिवेलपमेंट ऑफ इम्प्रूव्ड हाइब्रिड्स (मोमॉर्डिका चारंटिया एल.)”।
238. सिरिपुरम हरिप्रिया, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, राजेंद्रनगर, तेलंगाना, “एनर्जी एंड सेंसिटिविटी एनालिसिस ऑफ मेजर क्रॉप्स इन तेलंगाना”।
239. अमन वर्मा, आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, अयोध्या, उत्तर प्रदेश, “स्टडी ऑन क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज यूज्ड बाय फार्मर्स इन सेंट्रल पार्ट ऑफ उत्तर प्रदेश”।

जेंडर स्टडीज

240. लोकेन्द्र नायक, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, “वीमेन एम्पावरमेंट इन ट्राइबल्स आफ्टर इंडिपेंडेंस (इन स्पेशल रेफरेंस टू साउथ-वेस्ट मध्य प्रदेश भील ट्राइब)”।
241. लक्ष्मी सोनी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कसारगोड, केरल, “साइट्स ऑफ रेजिस्टेंस: फेमिनिन रेज इन फेमिनिस्ट प्रोटेस्ट लिटरेचर इन इंडिया”।
242. कु. काजल, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, “ग्वालियर शहर के कार्यशील एवं घरेलू महिलाओं में कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता का अध्ययन विवाह विच्छेद भरण पोषण सन्दर्भ में”।
243. आर्द्रा के. वी., कन्नूर यूनिवर्सिटी, कन्नूर, केरल, “आर्टिकुलेटिंग द “म्यूट इवेंट्स”: ट्रेसिंग द डायनामिक्स ऑफ रेजिस्टेंस प्रोसेसेज इन सेलेक्टेड टेक्स्ट्स सेट इन केरल”।
244. स्नेहा ए., मनोनमणियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु, “रिकॉन्स्ट्रक्टिंग फीमेल आर्केटाइप्स इन इंडियन एंड ग्रीक माइथोलॉजीज: ए फेमिनिस्ट स्टडी ऑफ द सेलेक्ट वर्क्स ऑफ चित्रा बनर्जी दिवाकरूनी, कविता केन, मार्गरेट एटबुड, पैट बार्कर एंड नताली हेन्स”।

हेल्थ स्टडीज

245. कु. अरति, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, “राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन तथा महिलाओं का स्वास्थ्य: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (आगरा जनपद के विशेष सन्दर्भ में)”।
246. प्रदीप कुमार मौर्य, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “द कंटिन्यूइंग मेनेस ऑफ एक्यूट एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम इन गोरखपुर रीजन: एन इको-सोशल पब्लिक हेल्थ पर्सपेक्टिव ऑन इट्स कंट्रोल मेजर्स”।
247. रहमत निशादा के., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “डिवेलपमेंट एंड असेसमेंट ऑफ रेशनल इमोटिव बिहेवियर थेरेपी फॉर इंजर्ड एथलीट्स”।
248. साधना यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “एन असेसमेंट ऑफ विलेज हेल्थ सैनीटेशन एंड न्यूट्रिशन स्टेट्स इन उत्तर प्रदेश”।
249. मोहित कुमार, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “थेरेप्यूटिक इफेक्ट ऑफ योगिक टेक्नीक्स ऑन प्री-ऑपरेटिव स्ट्रेस एंड देयर एनालिटिकल स्टडी”।
250. रजनीश कुमार गुप्ता, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ऊच्च रक्त चाप के रोगियों में यौगिक क्रियाओं (आसन व प्राणायाम) एवं एक्यूप्रेसर के प्रभाव का चिकित्सकीय अध्ययन”।

इंटरनेशनल रिलेशंस / जियोपॉलिटिक्स

251. आरिफ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अनवैकिंग द डायनेमिक्स ऑफ द इंडिया-अफ्रीका रिलेशंस सिंस 2014”।
252. रिया सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “भारत-मालदीव संबंध (वर्ष 2014 से अब तक)”।
253. अनस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “द रोल ऑफ फतवाज इन द इंटिग्रेशन ऑफ मुस्लिम्स इन यूरोप”।
254. मोहम्मद इकबाल, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “इंडियाज रिलेशन विद इजिप्ट ड्यूरिंग द नासर: ए हिस्टोरिकल अप्रोजल”।
255. बिनोद खनाल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “राइट विंग पॉपुलिस्ट पार्टीज एंड द एजेंडा ऑफ क्लाइमेट चेंज इन द यूरोपियन यूनियन: ए केस स्टडी ऑफ डेनमार्क, फिनलैंड एंड स्वीडन”।

लैंग्वेज स्टडीज

256. विन्देश यादव, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “हिंदी भाषा के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान 2001–2021”।
257. निधि विश्वकर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अज्ञेय एवं राहुल सांकृत्यायन के यात्रा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन”।
258. हरिओम सुमन, इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इक्कीसवीं सदी की हिंदी कविता में पर्यावरण विमर्श”।

लीगल स्टडीज

259. वेंकटेशम गोरिगे, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “इमर्जिंग ट्रेड्स इन फेडरलिज्म इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू फिस्कल फेडरलिज्म”।
260. अनम फातिमा, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “लेबर लॉ रिफॉर्म्स इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू सोशल सिक्योरिटी कोड 2020”।
261. सूर्य प्रकाश मौर्य, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “एक्जामिनेशन ऑफ लीगल फ्रेमवर्क ऑफ नेक्रोफिलिया इन इंडिया: चैलेंजेज एंड पर्सपेक्टिव्स”।
262. अर्पित यादव, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “राइट टू इन्फॉर्मेशन इन साउथ एशियन कंट्रीज विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया: एन एनालिटिकल स्टडी”।

लाइब्रेरी साइंस

263. शीतल, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “यूज ऑफ लाइब्रेरी कलेक्शन एंड सर्विसेज बाय यूजर्स ऑफ सेलेक्ट यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज इन नेशनल कैपिटल रीजन: ए स्टडी”।
264. प्रगति नंदूर, कर्नाटक स्टेट अक्कमहादेवी विमेंस यूनिवर्सिटी, विजयपुरा, कर्नाटक, “स्किल्स एंड कॉम्प्यूटेंसीज ऑफ एलआईएस प्रोफेशनल्स वर्किंग इन द यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज इन कर्नाटक स्टेट: एन एनालिटिकल स्टडी इन द कॉन्टेक्ट ऑफ 21फस्ट सेंचुरी”।

मैनेजमेंट

265. विष्णुमाया आर, अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “द फ्यूचर ऑफ सस्टेनेबल इन्वेस्टिंग: इंटीग्रेटिंग

एनवायरनमेंटल, सोशल, एंड गवर्नेंस फैक्टर्स इन इन्वेस्टमेंट डिजीन-मेकिंग अमंग इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स इन केरल”।

266. कुमारी प्रिया, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “इन्फ्लुएंस ऑफ हाई-परफॉर्मेंस वर्क प्रैक्टिसेज ऑन एम्बिडेक्स्ट्रस इनोवेशन”।
267. अशिदा ए. पी., केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज एंड ओशन स्टडीज (कुफोस), कोच्चि, केरल, “रिटर्न एंड वोलेटिलिटी स्पिलोवर इफेक्ट्स अमंग इक्विटी, गोल्ड, एंड फॉरेक्स मार्केट्स इन इंडिया”।
268. सूर्यादेवी पी., भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “बिहेवियरल बायसेज इन शेपिंग द पर्सनल फाइनेंस प्लानिंग – एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन बिहेवियरल फाइनेंस”।
269. नैन्सी कटियार, दयालबाग शैक्षिक संस्थान (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, दिल्ली (एनसीटी), “एयर कार्गो ऑपरेशंस मैनेजमेंट एंड कैपेसिटी डिबेलपमेंट पोर्टेशियल इन इंडिया”।

मीडिया स्टडीज

270. देवेंद्र कुमार ए., यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “तमिल सिनेमा एंड सोशल-कल्चरल प्रोडक्शन”।
271. शालिनी कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “ट्राइबल वीमेन इन हिंदी सिनेमा इन 21फस्ट सेंचुरी: ए कंटेंट एनालिसिस ऑन देयर रिप्रेजेंटेशन”।

मोर्डन सोशल हिस्ट्री

272. रोशना एन. एस., पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुदुच्चेरी (यूटी), “लैंडस्केप्स ऑफ मेमोरी: ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ मेमोरी, लैंडस्केप, एंड हिस्टोरिकल नैरेटिव्स इन द सेलेक्ट वर्क्स ऑफ अनुराधा रॉय एंड एलिफ शफाक”।
273. प्रेम शंकर, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रतीकों की भूमिका: एक ऐतिहासिक अध्ययन (सन् 1880 ई. से 1947 ई. तक)”।
274. अश्वथी मोहन, क्राइस्ट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, “रिचुअल, पावर एंड पैट्रन: ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ द गुरुवायूर टेम्पल अंडर कोलोनियलिज्म (18टीएच–20टीएच सेंचुरी)”।

नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज

275. रविन्द्र निषाद, प्रो. राजेन्द्र सिंह (राज्य भैया) यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “इंडियाज साइबरसिक्योरिटी चैलेंजेज एंड प्रॉस्पेक्ट्स इन द 21^म सेंचुरी: एन एनालिटिकल स्टडी”।

पॉलिटिकल साइंस

276. फातिमा समीर, यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल, “नॉन-ट्रेडिशनल सिक्योरिटी चैलेंजेज इन हिमालयाज: ए स्टडी ऑफ ईस्टर्न हिमालयन रीजन”।

277. मनप्रीत कौर, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब, “इम्प्लिमेंटेशन ऑफ सेक्सुअल हैसमेंट एक्ट, 2013 इन पंजाब: ए स्टडी ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस”।

278. तेनिसा बैरागी, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, “सोशल वेलफेयर स्कीम एंड वीमेन: ए स्टडी ऑफ जोरहाट डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम”।

279. चबंगबम माधुमिता देवी, धनमंजुरी यूनिवर्सिटी, इफाल, मणिपुर, “द पॉलिटिक्स ऑफ शेड्यूल्ड ट्राइब स्टेट्स डिमांड फॉर मीतई: इश्यूज, पर्सपेक्टिव एंड पोलमिक्स”।

280. हितेश कुमार मंडल, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अंडरस्टैंडिंग रिलीजियस नेशनलिज्म एंड पॉलिटिकल वायलेंस इन इंडोनेशिया इन पोस्ट न्यू ऑर्डर रेजीम”।

281. वाजीहा, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “रूरल हेल्थकेयर सिस्टम इन इंडिया: ए स्टडी ऑफ नेशनल रूरल हेल्थ मिशन इन उत्तर प्रदेश”।

282. कु. संजना सोनी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “वीमेन एम्पावरमेंट इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ द आइडियाज ऑफ डॉ. भीमराव अंबेडकर”।

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

283. हर्षिका गंगवार, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “सोशल सिक्योरिटी फॉर अनऑर्गनाइज्ड वेज वर्कर्स: ए स्टडी ऑफ उत्तर प्रदेश”।

संस्कृत स्टडीज

284. प्रियांका, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “आचार्य शंकर के अद्वैतवाद एवं रेने देकार्त के द्वैतवाद का सामाजिक चिंतन पर प्रभाव”।

285. चंदन यादव, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड यूनिवर्सिटी, बरेली, उत्तर प्रदेश, “संस्कृत साहित्य में दृष्टान्तषटकम् नामधेय काव्यों का समीक्षात्मक अध्ययन”।

286. रोहित कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “रिप्रेजेंटेशन ऑफ इंड्रा इन अर्ली ब्राह्मणिकल एंड बौद्ध नैरेटिव्स”।

सोशल एंड ह्यूमन जियोग्राफी

287. सोनल, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “द स्पैटियल एनालिसिस एंड प्रिंट मीडिया कवरेज ऑफ हेरिटेज लैंडस्केप्स: ए स्टडी ऑफ वाराणसी सिटी”।

288. स्मृति राय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अर्बनाइजेशन, रेजिलिएंस ऑफ इकॉनमी, एंड सस्टेनेबिलिटी इन द सिक्किम हिमालय”।

सोशल एंथ्रोपोलॉजी

289. बॉर्नाली बोरगोहेन, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़, असम, “कस्टमरी लॉज ऑफ द सोनवाल कचारीज: एन एंथ्रोपोलॉजिकल पर्सपेक्टिव”।

290. समीक्षा कनौजिया, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “इंफॉर्मल वर्क, प्रोडक्शन रिलेशनस एंड मार्जिनलाइजेशन: एन एथनोग्राफिक केस स्टडी ऑफ शुगरकेन हार्वेस्टर्स इन कोल्हापुर डिस्ट्रिक्ट”।

291. नमेइराक्पम नेपोलियन मीतई, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इफाल, मणिपुर, “सोशल फोर्सेज एंड ड्रग एडिक्शन रिलैप्स इन मणिपुर”।

सोशल साइकोलॉजी

292. अरशी कमाल, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “टू एक्सप्लोर द फिजिबिलिटी एंड इफेक्टिवनेस ऑफ थर्ड वेव सायकोथेरेपी इन मैनेजिंग बिहेवियरल एंड सायकोलॉजिकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ फीमेल इनमेट्स इन डिस्ट्रिक्ट जेल ऑफ अलीगढ़”।

293. अपर्णा के. मोहनन, यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “डिवेलपमेंट एंड स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ माइंडफुलनेस बेस्ड काॅग्निटिव थेरेपी फॉर सेक्सुअल डिसफंक्शन इन सर्वाइवर्स ऑफ गायनेकोलॉजिकल मेलिग्रेंसीज”।

294. साक्षी कुमारी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “रोल ऑफ स्पिरिचुअलिटी, सेंस ऑफ कोहेरेंस

एंड रेज़िलिएंस इन बॉडी इमेज, क्वालिटी ऑफ लाइफ, एंड कॉग्निटिव फंक्शनिंग अमंग ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स”।

295. फैज़ा, यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “इफेक्टिवनेस ऑफ माइंडफुलनेस बेस्ड न्यूरोकॉग्निटिव रिट्रेनिंग फॉर चिल्ड्रन विद अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर”।

सोसियोलिंग्विस्टिक

296. नमनू पटेल, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “समकालीन हिंदी कविता के परिप्रेक्ष्य में अरुण कमल की कविताओं की अंतर्वस्तु का अध्ययन”।
297. भूमेश्वर सिंह राठौर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, “बिलासपुर संभाग में जनजातियों की सामाजिक और धार्मिक परंपराओं का ऐतिहासिक अध्ययन (गोंड और कंवर जनजातियों के विशेष सन्दर्भ में)”।
298. शबनम बानो, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “अल्पसंख्यक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का उनके पारिवारिक वातावरण, सामाजिक-आर्थिक स्तर तथा शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में अध्ययन”।
299. आकृति कुशवाहा, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “दलित महिलाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
300. प्रेमानंद बोराह, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, “ड्राउट, लाइवलीहुड चैलेंजेज एंड रिस्पॉन्सेज: ए स्टडी ऑफ फार्मर्स इन गोलाघाट डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम”।
301. प्रीति टेटरवाल, चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हिसार, हरियाणा, “एनालिटिकल स्टडी ऑन जेंडर इक्विटी एंड एम्पावरमेंट अमंग फार्म वीमेन इन हरियाणा”।
302. शालू पटेल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “पनिका जनजाति के उत्थान में प्रधानमंत्री जन धन योजना की भूमिका (सोनभद्र जनपद पर आधारित)”।
303. जी साई किरण, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुदुचेरी (यू. टी.), “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन हकी पिक्की ट्राइब विद स्पेशल रेफरेंस टू लाइवलीहुड इन चिक्कबल्लापुर डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक”।
304. ज्वाला प्रसाद यादव, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “ग्रामीण परम्परागत शक्ति संबंधों के

उभरते नये आयाम: एक सामाजिक अध्ययन (संत रविदास नगर जनपद के ज्ञानपुर तहसील पर आधारित)”।

305. जुहदा युमना जेड, भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “क्राफ्टिंग अ फ्रेमवर्क फॉर एन इफेक्टिव इंटरवेंशन बाय एक्सप्लोरिंग द स्पेशियल एंड नॉन-स्पेशियल फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग मेंटल वेल-बीइंग ऑफ रूरल प्राइमिग्रेविड मदर्स”।
306. विकास कुमार शर्मा, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “साइबर अपराध : सुरक्षा की चुनौतियाँ एवं समाधान (वाराणसी शहर के युवाओं पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)”।
307. इब्ने हसन, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ रूरल एंड अर्बन मुस्लिम वीमेन एस.एच.जी. मेंबर्स इन अमरोहा डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश”।
308. आकांक्षा कचर, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन द लाइफ एंड लाइवलीहुड ऑफ पी.वी.टी.जी.एस. (बैगा) एंड अदर कम्युनिटीज : अ केस स्टडी ऑफ शहडोल डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश”।
309. अंकित गुप्ता, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “आधुनिक भारत में गद्दी जनजाति : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (हिमांचल प्रदेश के विशेष संदर्भ में)”।
310. राजपाल सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑन ट्राइबल कल्चर ऑफ ग्लोबलाइजेशन: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ भोटिया ट्राइब्स ऑफ उत्तराखंड”।

सोसियो-फिलॉसॉफिकल स्टडीज़

311. अनिकेत धर्माले, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “इंटीग्रेटिव काउंसिलिंग अप्रोचेस: सिंथेसाइजिंग साइकोलॉजिकल एंड फिलॉसॉफिकल काउंसिलिंग मेथड्स”।
312. एम.डी. साजिद रज़ा, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “सोशियो-पॉलिटिकल एंड रिलीजियस थॉट ऑफ अंबेडकर : अ फिलॉसॉफिकल एनालिसिस”।

इंडियन नॉलेज सिस्टम्स

313. विश्रुति, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “इफेक्ट्स ऑफ बाइनरल बीट्स एंड क्लासिकल म्यूजिक ऑन इमोशनल एक्सप्रेसिविटी”।

लैंग्वेज स्टडीज़

314. अवनीश कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “फिगरेटिव लैंग्वेज इन कोरियन लैंग्वेज एजुकेशन फॉर इंडियन लर्नर्स : स्पेशल फोकस ऑन मेटाफ़र्स एंड सिमिलीज़”।

सोशल साइकोलॉजी

315. किशोर सी., भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “साइकोलॉजिकल एंड सोशल कैपिटल ऐज फैक्टर्स ऑफ रेजिलिएंस अमंग पुलिस पर्सनेल : अ मिक्स्ड मेथड्स स्टडी”।

मीडिया स्टडीज़

316. राखी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, “राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र में ई-लर्निंग संसाधनों की संचार प्रक्रिया एवं प्रभावशीलता”।

नेशनल सिम्योरिटी एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज़

317. सागर पुरी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “राष्ट्रीय सुरक्षा में उत्तराखंड की भू-सामरिक स्थिति तथा आई.टी.बी.पी. की भूमिका : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन”।

कल्चर स्टडीज़

318. मनीषा श्रीवास, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़, “छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के प्रमुख लोक तंत्री वाद्यों का विश्लेषणपरक अध्ययन (सरगुजा एवं बस्तर संभाग के विशेष संदर्भ में)”।

319. विकेश कुमार साह (पी.डब्ल्यू.डी.), मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, “ट्रेसिंग द सोशियो-कल्चरल हिस्ट्री ऑफ नॉर्थवेस्ट बिहार थ्रू फोकटेल्स एंड फोक सॉन्स”।

(एस.सी. कैटेगरी)**कॉमर्स**

320. मलिका शर्मा, द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, बर्धमान, पश्चिम बंगाल, “अ स्टडी ऑन कंज्यूमर एटिट्यूड्स एंड बाइंग बिहेवियर टुवर्ड्स ऑनलाइन शॉपिंग इन द स्टेट ऑफ वेस्ट बंगाल”।

321. शिवांगी सोनकर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “डिटरमिनेंट्स ऑफ बिहेवियरल फैक्टर्स

टुवर्ड्स ऑर्गेनिक पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स अमंग इंडियन कंज्यूमर्स थ्रू बिहेवियरल रीजनिंग अप्रोच”।

322. अंकित बराल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासरगोड, केरल, “इम्पैक्ट ऑफ एक्सपीरिएंशल मार्केटिंग ऑन टूरिस्ट्स’ एक्सपीरियंस : अ स्टडी ऑन के.टी.डी.सी. होटल्स”।

कल्चर स्टडीज़

323. सुश्री संगीता सेठी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “नंदकिशोर आचार्य के नाटकों में इतिहास-बोध”।

324. ज्योति अशोकराव दवांडे, काव्यत्री बहिणाबाई चौधरी नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी, जलगाँव, महाराष्ट्र, “सोशल एंड कल्चरल ऑपरेशन्स ऑफ दलित वीमेन रिफ्लेक्टेड इन द सेलेक्टेड दलित ऑटोबायोग्राफीज़”।

325. सिंगापांगा प्रभाकर, पोद्दि श्रीरामुलु तेलुगु यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ड्रामा एजुकेशन इन तेलंगाना गुरुकुल्स - अ रिसर्च”।

326. अशोक कुमार, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “निराला के काव्य में लौकिकता की भूमिका”।

डायस्पोरा स्टडीज़

327. पेरुमल्ला मृणाल कुमार राणा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “क्रॉनिकल्स फ्रॉम द दलित डायस्पोरा : एन एनालिटिकल स्टडी ऑन द लाइव्स ऑफ दलित्स एट होम एंड अब्रॉड”।

दिव्यांगजन स्टडीज़

328. कनक लता, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “डिसएबिलिटी एंड ह्यूमन सेंसिबिलिटी इन कंटेम्परेरी इंडियन वीमेन राइटर्स : अ सेलेक्ट स्टडी”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज़

329. सचिन कुरड़े, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक, “इम्पैक्ट ऑफ रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट फंड ऑन रूरल डिवेलपमेंट इन कर्नाटक”।

330. मधु कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “लेबर माइग्रेशन डायनेमिक्स अक्रॉस द इंडियन स्टेट्स : एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ पैटर्न्स एंड डिटरमिनेंट्स”।

331. ज्योति कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “एन इकोनॉमिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ इंटीग्रेटेड वल्वेरेबिलिटी इंडेक्स थ्रू सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन डुडू, राजस्थान”।
332. रैयिराला राकेश, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, राजेंद्रनगर, तेलंगाना, “एग्री स्टार्ट-अप इकोसिस्टम इन तेलंगाना - अ क्रिटिकल एनालिसिस”।
333. ज्योतिका हजारािका, असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी, सोनापुर, असम, “स्ट्रैथेनिंग फूड सिक्योरिटी : अ क्रिटिकल अप्रोच ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन द सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम”।
334. मानस रंजन दलई, महाराजा श्रीराम चंद्र भंजा देव यूनिवर्सिटी, बारिपदा, उड़ीसा, “एन एम्पीरिकल स्टडी ऑन नॉन-टिम्बर फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स एंड ट्राइबल लाइवलीहुड इन मयूरभंज डिस्ट्रिक्ट ऑफ उड़ीसा”।
335. थुशारा एन. सी., यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, मलप्पुरम, केरल, “एनालिसिस ऑफ प्रॉब्लम्स एंड ग्रोथ पोटेंशियल ऑफ पॉटरी इंडस्ट्री इन पालक्काड डिस्ट्रिक्ट ऑफ केरल”।
336. सौरभ कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “सोशल सर्विस एक्सपेंडिचर एंड हेल्थ आउटकमस : अ स्टेट वाइज एनालिसिस ऑफ इंडिया”।
337. लोकेश कुमार बादुले, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, “एन एनालिसिस ऑफ स्कूल एजुकेशन अमंग शेड्यूल्ड ट्राइब्स ऑफ छत्तीसगढ़ (विद स्पेशल रेफरेंस टू मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी डिस्ट्रिक्ट)”।
338. काकोली बैश्य, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “इफेक्ट ऑफ इंक्यूसिव क्लासरूम प्रैक्टिसेज ऑन क्वालिटी लर्निंग, सेल्फ-एस्टीम, सोशल एक्सेप्टेंस एंड एकेडमिक परफॉर्मेंस ऑफ स्टूडेंट्स एट एलीमेंट्री लेवल इन असम”।
339. खुशबू, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, झज्जर, हरियाणा, “अ स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ काउंसलिंग टेक्नीक्स टू एन्हांस एकेडमिक परफॉर्मेंस एंड मिनिमाइज साइकोलॉजिकल स्ट्रेस अमंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिल्ड्रन”।
340. श्रेया, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “माइक्रो-क्रेडेंशियल्स विद स्पेशल रेफरेंस टू एनर्पी 2020 : परसेप्शन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ हायर एजुकेशन”।
341. प्रियंका, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एटीट्यूड टुवर्ड्स रिसर्च, रिसर्च सेल्फ-एफिकेसी एंड सपोर्ट सिस्टम ऑफ फेलोशिप एंड नॉन-फेलोशिप रिसर्च स्कॉलर्स”।
342. किरण प्रेमकुमार मालगे, रानी चन्नम्मा यूनिवर्सिटी, बेलगावी, कर्नाटक, “इफेक्टिवनेस ऑफ गेम बेस्ड लर्निंग इन इंग्लिश ग्रामर अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स”।
343. विनीत कुमार आर्या, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड यूनिवर्सिटी, बरेली, उत्तर प्रदेश, “माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में स्मार्ट मोबाइल तकनीकी दक्षता व शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन”।
344. अमिता चौधरी, डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा, उत्तर प्रदेश, “माध्यमिक स्तर के सरकारी और निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का शिक्षा में इंटरनेट अनुप्रयोग की अभिवृत्ति का अध्ययन”।
345. प्रियंका तनवर, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “क्लाइमेट जस्टिस एंड एनर्जी ट्रांजिशन : अ स्टडी ऑफ एनर्जी पॉलिसीज इन इंडिया आफ्टर 2000”।
346. मृदु कुलवंत, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, “रिमूवल एंड रिकवरी ऑफ मेटल्स फ्रॉम वेस्ट प्रिंटेड सर्किट बोर्ड्स एंड इट्स मैन्युफैक्चरिंग वेस्टवाटर यूजिंग काइटोसन डेरिवेटिव्स”।

एजुकेशन एंड स्किलिंग

338. काकोली बैश्य, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “इफेक्ट ऑफ इंक्यूसिव क्लासरूम प्रैक्टिसेज ऑन क्वालिटी लर्निंग, सेल्फ-एस्टीम, सोशल एक्सेप्टेंस एंड एकेडमिक परफॉर्मेंस ऑफ स्टूडेंट्स एट एलीमेंट्री लेवल इन असम”।
339. खुशबू, जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, झज्जर, हरियाणा, “अ स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ काउंसलिंग टेक्नीक्स टू एन्हांस एकेडमिक परफॉर्मेंस एंड मिनिमाइज साइकोलॉजिकल स्ट्रेस अमंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिल्ड्रन”।
340. श्रेया, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “माइक्रो-क्रेडेंशियल्स विद स्पेशल रेफरेंस

जेंडर स्टडीज

347. लक्षिता चौहान, महाराणा प्रताप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उदयपुर, राजस्थान, “सोशियो-इकोनॉमिक अपलिफ्टमेंट ऑफ वीमेन अंडर राजीविका इन उदयपुर डिस्ट्रिक्ट ऑफ राजस्थान”।
348. कुनिका, डॉ. बी.आर. अंबेडकर यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “द आंगनवाड़ी वर्कर : जेंडर, प्रीकैरिटी एंड लेबर”।
349. सुदेश कुमारी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “रेडिफाइनिंग वीमेनहुड बियॉन्ड ट्रेडिशन: इवॉल्विंग फेमिनिन आइडेंटिटीज एंड सोशियो-कल्चरल कंस्ट्रक्ट्स इन सेलेक्ट वर्क्स ऑफ सुधा मूर्ति”।

हेल्थ स्टडीज़

350. सलील बी. एस., पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुदुचेरी (यू.टी.), “ऑप्टिमाइजिंग फुटबॉल परफॉर्मेंस एंड ग्लेयर इन्वॉल्वमेंट इन मैच ग्ले थ्रू सिस्टमैटिक एप्लीकेशन ऑफ ग्ले-प्रैक्टिस-ग्ले एंड टैक्टिकल पीरियोडाइजेशन मेथड”।

351. समीर कुमार जेना, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी, बालासोर, उड़ीसा, “सी-सेक्शन डिलीवरीज़ इन पब्लिक एंड प्राइवेट हेल्थ फैसिलिटीज़ : अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ बालासोर एंड केन्दुझार डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा”।

इंटरनेशनल रिलेशनस / जियोपॉलिटिक्स

352. रमन हलदर, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “चाइना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव्स इन ईस्ट अफ्रीका : अ केस स्टडी ऑफ केन्या”।

लैंग्वेज स्टडीज़

353. भास्वती रॉय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “लैंग्वेज पॉलिटिक्स एंड पब्लिक स्फीयर इन 19टीएच सेंचुरी बंगाल”।

354. अर्चना अय्यप्पन, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “अनामिका का काव्य : संवेदना और शिल्प”।

लीगल स्टडीज़

355. राजेश बाबू, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ द डिसआर्मामेंट पॉलिसी ऑफ इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू द मिलिटराइजेशन एंड वेपोनाइजेशन ऑफ आउटर स्पेस”।

356. राहुल पवार, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “राइट टू प्राइवसी इन करंट डिजिटल एरा : इन द व्यू ऑफ डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023”।

357. रश्मि, छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश, “एग्जामिनिंग द डेफिनिशन क्लॉज ऑफ ट्रेडमार्क लॉ इन इंडिया : एन एनालिटिकल स्टडी ऑफ द ट्रेडमार्क एक्ट, 1999”।

लाइब्रेरी साइंस

358. सतेन्द्र कुमार वर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “कलेक्शन एंड सर्विसेज़ प्रोवाइडेड बाय सेलेक्ट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूशन लाइब्रेरीज़ इन नेशनल कैपिटल रीजन, दिल्ली : अ स्टडी”।

359. सूर्यकला भारती, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “एप्लीकेशन ऑफ सोशल इंटेलिजेंस टू एन्हांस एक्टिविटीज़ एंड सर्विसेज़ ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट्स’ लाइब्रेरीज़ इन नॉर्दर्न इंडिया : अ स्टडी”।

मैनेजमेंट

360. ए. प्रियंका, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश, “बोर्ड डाइवर्सिटी एंड फर्म परफॉर्मेंस: एविडेंस फ्रॉम हाई कैपिटल इंटेन्सिव इंडस्ट्रीज़”।

361. हर्ष कुमार, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “अ स्टडी ऑफ कंज्यूमर फॉरगिवनेस इन सर्विस ट्रांसग्रेशन”।

362. विभा स्वरूप, दून यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, “अ स्टडी ऑफ ऑर्गनाइजेशनल सिनिसिज़्म, वैल्यू कॉन्फ्लिक्ट एंड एम्प्लॉयी एंगेजमेंट इन इंडियन मैनुफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन्स”।

मीडिया स्टडीज़

363. बृजनंदन पासवान, महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी, बिहार, “अ स्टडी ऑन द रोल एंड इफेक्ट्स ऑफ प्रिंट मीडिया इन रिलेशनशिप ऑफ इंडिया एंड नेपाल”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

364. रंजन बैसया, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार यूनिवर्सिटी, मुजफ्फरपुर, बिहार, “एम्पायर ऑफ द सिख्स: स्टेटक्राफ्ट एंड पावर इन पंजाब (1799 - 1849)”।

365. संदीप कुमार, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “आधुनिक उत्तर प्रदेश में दलित चेतना के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन (1920 से 1980 तक)”।

नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज़

366. वीरेन्द्र कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “भारत की साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ एवं समाधान”।

पॉलिटिकल साइंस

367. दीक्षा कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चिन्तन में सुशासन और विकास : चम्बा के गद्दी समुदाय में उज्ज्वला योजना का अध्ययन”।

368. स्वाति, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “वंचित महिलाओं के लिए समकालीन सरकार की नीतियां (2000-2002): भारत और दक्षिण अफ्रीका में एक तुलनात्मक अध्ययन”।
369. कुमारी डॉली, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “भीमराव अंबेडकर और अरविन्द घोष के राष्ट्र सम्बन्धी विचारों का तुलनात्मक अध्ययन”।
370. पिकी बिस्वास, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़, असम, “सेक्स वर्क एंड द स्टेट : पावर, पॉलिटिक्स एंड द जेंडर्ड लाइव्स ऑफ सेक्स वर्कर्स इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया”।

रूरल स्टडीज

371. राकेश कुमार घृतलहरे, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, “एप्रैजल ऑफ न्यूट्रिशनल स्टेट्स अमंग प्री-स्कूल चिल्ड्रेन इन रूरल एरिया ऑफ बलौदाबाजार-भाटापारा डिस्ट्रिक्ट ऑफ छत्तीसगढ़, इंडिया”।

संस्कृत स्टडीज

372. विजय पाल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, “सामाजिकपरिप्रेक्ष्ये लौगाक्षिगृह्यसूत्रे वर्णितसंस्काराणामध्ययनम्”।
373. नीरेन चंद्र रॉय, डेक्कन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे, महाराष्ट्र, “द क्रिटिकल एडिशन ऑफ चिकित्सा सार विद एनोटेटिव नोट्स (विद स्पेशल रेफरेंस टू पंडित गोपालदास एडिशन)”।

सोशल एंड ह्यूमन जियोग्राफी

374. सोनिका, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “साइकोजियोग्राफी ऑफ वाल्ड सिटी ऑफ दिल्ली : इट्स रिलिक्सेंस एंड चैलेंजेज टू टूरिज्म”।
375. योगिता, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “शहरी मलिन बस्तियों में कुपोषित बच्चों की स्थिति : गाजियाबाद शहर का वैयक्तिक अध्ययन”।

सोशल साइकोलॉजी

376. प्रियंका पाठक, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, “मेजरमेंट ऑफ रिस्क फैक्टर्स एंड कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट अमंग यूथ्स सफरिंग फ्रॉम सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर्स इन अरुणाचल प्रदेश एंड असम”।

377. प्रियंका शीत, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत यूनिवर्सिटी, रामटेक, महाराष्ट्र, “इम्पैक्ट ऑफ मेडिटेशन ऑन साइकोलॉजिकल हेल्थ फैक्टर्स ऑफ सेकेंडरी स्टूडेंट्स इन वेस्ट बंगाल”।

सोशियोलिंग्विस्टिक्स

378. चंद्रिमा सरकार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, “स्टडी ऑफ लैंग्वेज शिफ्ट एंड एटीट्यूड अमंग स्टैंडर्ड एंड रीजनल बंगला स्पीकर्स”।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

379. गरिमा रावल, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “एसिड अटैक्स, न्यू फॉर्म्स ऑफ जेंडर वॉयलेंस एंड राइजिंग पैट्रियार्की इन इंडिया : एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ सर्वाइवर्स लाइव्स इन दिल्ली एन.सी.आर.”।
380. दिव्या सिंह, मोहन लाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, “इम्पैक्ट ऑफ पेरेंटिंग स्टाइल ऑन मेंटल हेल्थ: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी अमंग स्कूल स्टूडेंट्स”।
381. प्रिया रानी, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “कुटीर उद्योग में महिलाओं का योगदान: गढ़मुक्तेश्वर तहसील का समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
382. अर्चना बिस्वकर्मा, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “वेस्ट बंगाल के चाय बगान पर केंद्रित कविताओं का आलोचनात्मक अध्ययन”।
383. प्रकाशम गडीपे, डॉ. बी. आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “द रोल ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी इन ब्रिजिंग सोशियो-इकोनॉमिक डिस्पैरिटीज अमंग शेड्यूल्ड कास्ट : अ स्टडी ऑफ हैदराबाद डिवेलपमेंटल डायनैमिक्स”।
384. श्वेता, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “रिजर्वेशन इन इंडिया : जेनेसिस, अंडरपिनिंग्स, एंड पॉलिसी इम्पैक्ट्स - अ रेट्रोस्पेक्टिव एंड प्रॉस्पेक्टिव स्टडी”।
385. संजय बी.सी., नवसारी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, नवसारी, गुजरात, “एग्रोरियन डिस्ट्रेस अमंग द फार्मर्स ऑफ साउथ गुजरात”।

सोसियो-फिलॉसॉफिकल स्टडीज

386. सुजीत कुमार सरकार, रायगंज यूनिवर्सिटी, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, “पैराडाइम ऑफ कान्टियन मॉरल रिलिजन : अ फिलॉसॉफिकल रिफ्लेक्शन”।

पॉलिटिकल साइंस

387. रिमांशी मुकुंद, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, “राइट्स ऑफ प्रिजनर्स : केस स्टडी ऑफ जेल्स ऑफ आगरा डिस्ट्रिक्ट एंड प्रयागराज डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश”।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

388. मनीष, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी, उत्तर प्रदेश, “स्टडीज ऑन किनोआ (केनोपोडियम किनोआ) कुकीज इन्कॉरपोरेटेड विद जामुन (सिज़िज़ियम क्यूमिनी) सीड एंड स्टीविया (स्टीविया रेबौडियाना बर्टोनी) पाउडर”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

389. अभिक सरकार, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उदयपुर, राजस्थान, “काल्कोलिथिक सेटलमेंट पैटर्न इन द बेरच बेसिन”।
390. शांतव्वा एस. पम्पर (पी.डब्ल्यू.डी.), कन्नड़ यूनिवर्सिटी, हम्पी, कर्नाटक, “कल्चरल स्टडी ऑफ हैदराबाद कर्नाटक लिबरेशन मूवमेंट (स्पेशल रेफरेंस टू मॉन्यूमेंट्स)”।

(एस.टी. कैटेगरी)**कॉमर्स**

391. स्वरंग बसुमातरी, बोडोलैंड यूनिवर्सिटी, कोकराझार, असम, “बिहेवियरल बायसेज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इन्वेस्टमेंट डिजीन मेकिंग ऑफ आंट्रप्रेन्योर्स इन बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन, असम”।
392. एन. लोचुमी लोथा, नागालैंड यूनिवर्सिटी, मेरिमा, नागालैंड, “रोल ऑफ प्रमोशनल एजेंसिज इन द डिवेलपमेंट ऑफ एम.एस.एम.ई.एस. इन नागालैंड”।
393. रिनचेन डोमा भूटिया, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, “द कॉजल चैन इफेक्ट ऑफ इमोशनल लेबर, हाइटेड इमोशन एंड सेल्फ एफिकेसी अमंग फ्रंटलाइन प्रोफेशनल्स : कॉग्निटिव स्किल्स ऐज अ मिडिएटर”।

कल्चर स्टडीज

394. मो. सफीर, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “नेगोशिएटिंग ह्यूमन बाउंड्रीज इन सेलेक्ट 21फस्ट सेंचुरी फिक्शन : अ पोस्ट-ह्यूमनिस्टिक अप्रोच”।

395. क्रिस्टीना टोप्पो, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “युद्धरत आम आदमी पत्रिका के सन्दर्भ में आदिवासी विमर्श”।

396. दीपसिखा सोनवाल, तेजपुर यूनिवर्सिटी, नापाम, असम, “हिंदी सिनेमा में चित्रित आदिवासी समाज: एक आलोचनात्मक अध्ययन”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

397. मनोज लिम्बू, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “मेज़रमेंट ऑफ कंजम्पशन इनइक्वालिटी इन इंडिया: एम्पिरिकल एविडेंस फ्रॉम सिक्किम”।
398. मनशज्योति मिली, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, डिब्रूगढ़, असम, “इकोनॉमिक्स ऑफ कॉफी प्रोडक्शन इन असम”।
399. सी. ज़िर्नधाकंगुरा, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, “द ट्रेड्स ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन फ्रॉम शिफ्टिंग टू सेटलड एग्रीकल्चर इन चंपाई एंड खावज़ावल डिस्ट्रिक्ट्स, मिज़ोरम”।

एजुकेशन एंड स्किलिंग

400. संजय सिंह, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “अ स्टडी ऑन अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन अमंग मुंडा ट्राइब इन जंगल महल ऑफ वेस्ट बंगाल”।
401. डेबी जोरेम्पुई, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, “एजुकेशनल एस्पिरेशन ऑफ हायर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ मिज़ोरम : कॉन्ट्रिब्यूटिंग फैक्टर्स एंड रिजल्टिंग लाइफ चॉइसेज”।
402. आर. लालरिनमावी, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, “द इम्पैक्ट ऑफ स्कूल ऑर्गनाइजेशनल क्लाइमेट ऑन टीचर्स' सेंस ऑफ एफिकेसी एंड वर्क टास्क मोटिवेशन: एन एनालिसिस ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स इन मिज़ोरम”।

एनवायरनमेंटल स्टडीज

403. रहूफ अहमद, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “डायनामिक्स ऑफ अर्बन लैंड यूज़ एंड लैंड कवर एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन एग्रीकल्चर : अ केस स्टडी ऑफ पेरी-अर्बन एरियाज ऑफ जम्मू सिटी”।

जेंडर स्टडीज

404. गालो मिबु, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल, “टाइम यूज स्टडीज : एन इन्वेस्टिगेटिव स्टडी ऑफ वीमेन इन एग्रीकल्चर इन अरुणाचल प्रदेश”।

हेल्थ स्टडीज

405. फारेइचोन काशुंग, अविनाशिलिंगम इंस्टिट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वीमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "वैल्यू एडिशन विद अंडरयूटिलाइज्ड ट्राइबल फ्रूट 'प्रूनस नेपाउलेंसिस' इन द डिवेलपमेंट ऑफ प्रोबायोटिक फ्रूट योगर्ट - एन एम्पीरिकल स्टडी"।

इंटरनेशनल रिलेशन्स / जियोपॉलिटिक्स

406. प्रिसिला जे.सी. चावंगमावी, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, "इंडिया-आसियान रिलेशन्स : अ स्टडी ऑफ सिक्थोरिटी स्ट्रेटेजी पर्सपेक्टिव"।

407. दोर्जे फुंचु डिंगलो, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, "इंडिया-नाइजीरिया रिलेशन (2011-2021)"।

लीगल स्टडीज

408. मंगवाह निंगमथान, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, "वीमेन'स लॉज विज-आ-विज द तंगखुल नागा कस्टमरी लॉ"।

मैनेजमेंट

409. बबीता कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, "मास्टिज मार्केटिंग स्ट्रेटेजी एंड कंज्यूमर बिहेवियर इन द एक्सपीरियंस इकॉनमी: एग्जामिनिंग द मेडिएटिंग रोल ऑफ ब्रांड परसेप्शन"।

मीडिया स्टडीज

410. निधि कच्छप, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "ट्राइबल्स इन सिनेमा : ऐस्पेक्ट्स ऑफ विज़िबिलिटी इन सेलेक्ट इंडियन फिल्मस"।

411. काकुल डोले, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, "नेटवर्क मूवमेंट इन द एज ऑफ इंटरनेट : अ केस स्टडी ऑफ ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन'स (ए.ए.एस.यू.) प्रोटेस्ट स्ट्रेटेजी इन सोशल मीडिया"।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

412. दोर्जे युरोन, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू तवी, जम्मू एंड कश्मीर (यू.टी.), "अ स्टडी ऑफ द मिक्स्ड हेरिटेज साइट्स एंड कम्युनिटी डिवेलपमेंट इन लद्दाख"।

पॉलिटिकल साइंस

413. मूल राज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश,

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, "पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन में रामायण-महाभारत के राजधर्म की अवधारणा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

414. मोहन लाल मीणा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "ट्राइबल वीमेन इन लोकल डेमोक्रेसी : एन एग्जामिनेशन ऑफ सहारिया वीमेन'स पार्टिसिपेशन इन ग्राम पंचायत्स एंड देयर सोशियो-इकोनॉमिक स्टेट्स इन बारां, राजस्थान"।

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

415. अनामिका ठाकुर, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला, हिमाचल प्रदेश, "एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ साइबर क्राइम इन हिमाचल प्रदेश : अ स्टडी"।

सोशल एंड ह्यूमन जियोग्राफी

416. अंचल मीणा, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, "सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स एंड गवर्नमेंट पॉलिसी फ्रेमवर्क फॉर एजुकेशन इन राजस्थान विद रेफरेंस टू उदयपुर डिस्ट्रिक्ट"।

सोशल एंथ्रोपोलॉजी

417. मखियेन वेइमी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, "फॉरैस्ट डिपेंडेंसी एंड रोल ऑफ कम्युनिटी इन फॉरैस्ट कंजर्वेशन : एन एथनोग्राफिक एक्सप्लोरेशन ऑफ द पौमै नागा ट्राइब इन खाबुंग कारोना विलेज मणिपुर"।

418. सामनिम लेप्चा, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, "ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज एंड फॉरैस्ट एडिबल्स अमंग द लेप्चास ऑफ सिक्किम"।

सोशल साइकोलॉजी

419. इमलिंगांगजुक लोंगकुमर, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, "द रोल ऑफ सेल्फ-डिटरमिनेशन इन सोशियो-कल्चरल अडैप्टेशन एंड एकेडमिक एडजस्टमेंट : एन इंडिजिनस पर्सपेक्टिव ऑन माइग्रेंट नागा स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन"।

सोशियोलिंग्विस्टिक्स

420. एल. डी. मिलर पो, नागालैंड यूनिवर्सिटी, मेरिमा, नागालैंड, "अ सोशियोलिंग्विस्टिक स्टडी ऑफ द पौमै नागा"।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

421. दिवांगलियु नगौनामेई, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “द रोल ऑफ इंडिजिनस नॉलेज इन सस्टेनेबल लैंड मैनेजमेंट: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ ब्रोपका ट्राइब ऑफ लेह (लद्दाख)”।
422. तकोलोग किचु, मिज़ोरम यूनिवर्सिटी, आइज़ॉल, मिज़ोरम, “प्रॉपर्टी इनहेरिटेस राइट्स ऑफ आओ नागा वीमेन”।
423. डिचेन भूटिया, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “होल्टिंग ऑन टू होस्टिंग : एन एथनोग्राफी ऑफ होमस्टे टूरिज्म इन द सिंकोना प्लांटेशन ऑफ नॉर्थ बंगाल”।
424. नेधा फ़ाज़ली एम.के., महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, “सोशल एडजस्टमेंट एंड नेटवर्किंग ऑफ स्टूडेंट माइग्रेंट्स फ्रॉम लक्षद्वीप टू केरल”।
425. लिबेंथुंग किकॉन, नागालैंड यूनिवर्सिटी, लुमामी, नागालैंड, “आइडेंटिटी, सोशल सॉलिडैरिटी एंड कॉन्फ़्लिक्ट : अ स्टडी इन असम-नागालैंड बॉर्डरलैंड कम्युनिटीज”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

426. सोनम चोडा भूटिया, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, “चीनी आक्रमण ओवर तिब्बत : इम्पैक्ट ऑन द लाइव्स ऑफ लोकल कम्युनिटीज ऑफ नॉर्दर्न सिक्किम, इंडिया (1947-1975)”।

(ई.डब्ल्यू.एस. (जनरल) कैटेगरी)**कॉमर्स**

427. विनय कुमार मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ द परफॉर्मेंस ऑफ इंडेक्स फंड्स इन इंडिया”।
428. सबीहा खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “रूल कंज्यूमर एटीट्यूड टुवर्ड्स ई-शॉपिंग : एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सेलेक्ट रीजनस ऑफ इंडिया”।
429. रतनाला संतोष कुमार, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, “मार्केटिंग ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज इन प्राइवेट सेक्टर बैंक्स विद स्पेशल रेफरेंस टू आई.सी.आई.सी.आई. बैंक”।

कल्चर स्टडीज

430. प्राची कुमारी, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “भूमंडलोत्तर हिंदी कहानियों में बदलता ग्रामीण यथार्थ”।

431. मानसी भट्टाचार्य, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “इकोलॉजिकल इंटिमेसी इन द ईस्टर्न हिमालयाज : एन ईकोक्रिटिकल इंटरप्रिटेशन ऑफ द लेप्चा लाइफ-प्लेस”।
432. विश्ववेदित प्रताप सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “रामचरितमानस के राम और लोक प्रचलित राम के छवियों का तुलनात्मक अध्ययन”।

डायस्पोरा स्टडीज

433. मानसी बोस, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “रिलोकेटिंग रूट्स एंड रूट्स : गिरमिटिया कल्चर एंड पोस्टकोलोनियलिटी इन द सेलेक्ट इंडियन नैरेटिव्स”।

दिव्यांगजन स्टडीज

434. सविता मिश्रा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “कालिटी ऑफ लाइफ ऑफ पीपल विद लोकोमोटर डिसएबिलिटीज : एन इंटरवेंशनल स्टडी”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

435. मुग्धा खंडेलवाल, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “रोल ऑफ डिस्ट्रिब्यूटिव रिन्यूएबल एनर्जी इन फैसिलिटेटिंग अ जस्ट ट्रांजिशन इन छत्तीसगढ़”।
436. प्रतिभा शर्मा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश, “डिकोडिंग द डिटरमिनेंट्स एंड आउटकम्स ऑफ ग्रीन इनोवेशन अडॉप्शन : एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ मैनुफैक्चरिंग एंटरप्राइजेज”।
437. मधुलिका ठाकुर, डॉ. वाई.एस. परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, सोलन, हिमाचल प्रदेश, “सस्टेनेबिलिटी एनालिसिस ऑफ एप्पल कल्टिवेशन इन हिमाचल प्रदेश”।
438. आदिल अहमद, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू एंड कश्मीर (यू.टी.), “ट्रेड ओपेननेस, इंस्टिट्यूशनल कालिटी, एंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी : एविडेंस फ्रॉम इमर्जिंग मार्केट इकॉनमीज”।

शिक्षा एवं कौशल विकास

439. पल्लवी कुमारी, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ सक्सेस एब्यूज ऑन स्टूडेंट्स' एकेडमिक अचीवमेंट, वेल बीइंग एंड सोशल अडजस्टमेंट ऐट सेकेंडरी लेवल”।

440. अभिलाषा सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “शिक्षक - शिक्षार्थी के मध्य संशक्तता उन्नयन हेतु भावी शिक्षकों के समानुभूति एवं स्व प्रभावकारिता पर आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन”।

441. शिवराज मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की भूगोल में शैक्षणिक दुश्चिन्ता और उपलब्धि पर जिम्मा प्रविधि आधारित शिक्षण रणनीति की प्रभावकारिता”।

पर्यावरण अध्ययन

442. हिमांशी सिंह, आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, अयोध्या, उत्तर प्रदेश, “जियोस्पेशियल मैपिंग ऑफ पोर्टेशियल एग्रोफरैस्ट्री एरियाज इन अयोध्या डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश”।

443. अंकित मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “एनवायरनमेंटल पॉलिटिक्स इन इंडिया : अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट एंड पॉलिसी रिसर्प्स इन हिमाचल प्रदेश एंड उत्तराखंड”।

जेंडर स्टडीज

444. शृंखला पांडे, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “डिटरमिनेंट्स एंड इम्पॉर्टेंस ऑफ वीमेन एम्पावरमेंट इन प्रयागराज डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, इंडिया : अ ज्योग्राफिकल पर्सपेक्टिव”।

445. सविता कुमारी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “स्त्री केन्द्रित हिंदी उपन्यास और सामाजिक यथार्थ: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (2000 ई. से 2010 ई. तक)”।

स्वास्थ्य अध्ययन

446. गणवी बी. आर., यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, जी.के.वी.के., बैंगलोर, कर्नाटक, “डिवेलपमेंट ऑफ फंक्शनल फूड प्रोडक्ट्स फ्रॉम डिफरेंट वरायटीज ऑफ अनराइप बनाना”।

447. अंजलि पाठक, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “मल्टीमोडल असेसमेंट ऑफ मॉडिफाइड डाइट, योग एंड मेडिकल एस्ट्रोलॉजी ऐस्पेक्ट इन द मैनेजमेंट ऑफ ग्रहणी रोग [अल्सरेटिव कोलाइटिस]”।

भारतीय ज्ञान प्रणाली

448. प्रभात कुमार, नवा नालंदा महाविहार (डीम्ड टू बी

यूनिवर्सिटी), नालंदा, बिहार, “योगाचार - विज्ञानवाद और अद्वैत-वेदान्त में चैतन्य : एक समीक्षात्मक अध्ययन”।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध / भू-राजनीति

449. रेनु बाला, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब, “जियोपॉलिटिक्स ऑफ द आर्कटिक ओशन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट : इम्प्लीकेशंस फॉर साउथ एशिया”।

450. पूजा सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स ऐज अ मीन्स ऑफ कॉन्फ्लिक्ट रेजोल्यूशन : अ स्टडी ऑफ इंडिया एंड चाइना रिलेशंस”।

लीगल स्टडीज

451. नितेश कुमार सिंह, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, “रिफॉर्म इन इन्वेस्टिगेशन प्रोसेस अंडर इंडियन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम : एन एनालिटिकल स्टडी”।

452. सबीना यास्मिन साहारिया, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलॉन्ग, मेघालय, “जेनेटिकली मॉडिफाइड क्रॉप्स एंड फार्मर्स' राइट्स : अ सोशियो-लीगल स्टडी”।

मैनेजमेंट

453. मोहम्मद इस्माइल सिद्दीकी, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, कलापेट, पुदुचेरी (यू.टी.), “इम्पैक्ट ऑफ डिजिटलीजेशन ऑन परफॉर्मेंस ऑफ एम.एस.एम.ई.एस. : अन्वेलिंग द इफेक्ट ऑफ डायनामिक कैपेबिलिटी एंड सप्लाय चेन कैपेबिलिटी”।

454. नेहा शर्मा, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, “एन इकोनोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग्स ऑफ द इंडियन कंपनीज”।

मीडिया स्टडीज

455. सिमरन ठाकुर, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “रोल ऑफ मास मीडिया टू एम्पावर गद्दी ट्राइब ऑफ हिमाचल प्रदेश”।

456. किरती किरण, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “एनालिसिस ऑफ इंडियन रेगुलेटरी पॉलिसीज फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन मीडिया”।

आधुनिक सामाजिक इतिहास

457. आयुष कुमार सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “बिज़नेस हिस्ट्री ऑफ मर्केटाइल कम्युनिटीज ऑफ कोलोनियल बनारस 1858-1947”।

राजनीति विज्ञान

458. शिवम वर्शेय, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, “भारत के संविधान पर भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रभाव : एक अन्वेषणात्मक अध्ययन”।
459. लता भोजवानी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “महात्मा गांधी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विकसित भारत की संकल्पना : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन”।
460. अनुराग शुक्ला, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “इकोनॉमिक एंड डिप्लोमैटिक फैक्टर्स अफेक्टिंग सॉफ्ट पावर डायनेमिक्स इन इंडिया एंड नेपाल रिलेशंस (फ्रॉम 2015 टू प्रेजेंट)”।
461. स्वप्निल द्विवेदी, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “रिविजिटिंग द आइडिया ऑफ गुड गवर्नेंस इन एंशंट इंडिया विद रेफरेंस टू अर्थशास्त्र एंड शांतिपर्व”।

संस्कृत अध्ययन

462. देवेश मिश्रा, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “वाल्मीकिरामायणोक्त लोकप्रशासनतत्त्वानां साम्प्रतं समाजोपयोगित्वम् – द एलीमेंट्स ऑफ कंटेम्परेरी सोशल रिलीवेंस ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन वाल्मीकि रामायण”।

सामाजिक एवं मानव भूगोल

463. मुकेश दुबे, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “जनपद कानपुर नगर के जलीय पर्यावरण पर चमड़ा उद्योग के प्रभाव का एक भौगोलिक अध्ययन”।
464. अंकिता मोइत्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “हाइड्रोसोशल डायनेमिक्स एंड गवर्नेंस ऑफ द महानंदा रिवर”।

सामाजिक मानवशास्त्र

465. रितेश चतुर्वेदी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, रांची, झारखंड, “रिलिजियस कोड, जनजाति, एंड पॉलिटिक्स ऑफ नेशनल इंटिग्रेसन : एन एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी अमंग हो ऑफ झारखंड”।

सामाजिक मनोविज्ञान

466. सोनाली द्विवेदी, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “अंडरस्टैंडिंग इंडिविजुअल एंड ऑर्गनाइजेशनल फैक्टर्स टू प्रमोट ऑर्गनाइजेशनल सिटीजनशिप बिहेवियर”।

समाजशास्त्र / सामाजिक कार्य

467. एम.डी. फैजान आलम, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “हेल्थ एंड वेलबीइंग ऑफ टी गार्डन वर्कर्स इन किशनगंज डिस्ट्रिक्ट, बिहार”।
468. गौरव प्रताप राव, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “पूर्वी उत्तर प्रदेश में नाथ संप्रदाय का सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
469. अभिषेक कुमार सिंह, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “भारत में अपार्टमेंट कल्चर : समाजशास्त्रीय अध्ययन (वाराणसी जनपद के विशेष सन्दर्भ में)”।
470. कुलसूम, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “परिसर केन्द्रित हिंदी उपन्यासों का समाजशास्त्रीय अध्ययन (1970 से अद्यतन)”।

सामाजिक-दार्शनिक अध्ययन

471. चिन्मय मोहंती, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजस यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “द आर्किटेक्चॉनिक्स ऑफ आंसरबिलिटी : ऑन्टोलॉजी, एस्थेटिक्स एंड हर्मेन्युटिक्स इन मिखाइल बाख्तिन”।

सामाजिक मनोविज्ञान

472. हिमांशु पांडे, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “अंडरस्टैंडिंग ऑर्गनाइजेशनल पॉलिटिक्स एंड इट्स आउटकम्स इन ऑर्गनाइजेशंस”।

संस्कृत अध्ययन

473. सुधांशु कुमार, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय (अ सेंट्रल यूनिवर्सिटी), सागर, मध्य प्रदेश, “भारतीय ज्ञान परम्परा में कृषि विज्ञान का समीक्षात्मक अध्ययन (वैदिक संहिताओं के विशेष सन्दर्भ में)”।

इंस्टिट्यूशनल डॉक्टरल फेलोशिप**(जनरल कैटेगरी)****इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज़**

474. मेघना जयसङ्कर, गुलाटी इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंस एंड टैक्सेशन, तिरुवनंतपुरम, केरल, “दि डायनामिक्स ऑफ डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंशियल सिस्टम: बैलेंसिंग इनोवेशन एंड रिस्क मिटिगेशन”।

हेल्थ स्टडीज

475. रंजिता घोष, इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, “मेनोपाउज़ल ट्रांज़िशन एंड गायनेकोलॉजिकल मॉर्बिडिटी अमंग वीमेन: इनसाइट्स फ्रॉम वेस्ट बंगाल, इंडिया”।

476. मयाधर सेठी, नबकृष्ण चौधुरी सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “न्यूट्रिशनल सिक्वोरिटी इन उड़ीसा: एनालाइजिंग डायटरी डाइवर्सिटी, इट्स डिटरमिनेंट्स एंड न्यूट्रिशनल आउटकम्स”।

पॉलिटिकल साइंस

477. रोशन थॉमस, इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, “गवर्नेंस ऑफ पेरी-अर्बन स्पेसेस इन केरल: अ स्टडी ऑफ स्मॉल एंड मीडियम टाउन्स”।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

478. अमित कुमार, सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट, चंडीगढ़, चंडीगढ़ (यूटी), “फैमिलीज हैविंग चिल्ड्रेन विद इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटीज: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ यूनियन टेरिटरी चंडीगढ़”।

ओबीसी (एनसीएल)**सोशियोलॉजी / सोशल वर्क**

479. रिहियाना, सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट, चंडीगढ़, चंडीगढ़ (यूटी), “रिहैबिलिटेशन ऑफ स्लम ड्वेलर्स इन चंडीगढ़: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स”।

480. रजनी कुमारी, ए. एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना, बिहार, “महिला सशक्तिकरण, समस्या एवं समाधान में मीडिया की भूमिका: पटना जिला के कामकाजी महिलाओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।

(एससी कैटेगरी)**मॉडर्न सोशल हिस्ट्री**

481. अनिक विश्वास, इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “फुटबॉल इन पोस्ट-कोलोनियल बंगाल: आइडेंटिटी, इकॉनमी एंड कॉन्टेस्टेशन्स”।

(एसटी कैटेगरी)**सोशल एंड ह्यूमन ज्याॅग्रफी**

482. सुनीति हेंब्रम, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेस, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “जियोग्राफी ऑफ बैरी, ऑक्ज्यूपेशनल डायवर्सिफिकेशन एंड इंडस्ट्रियल क्लस्टर इन ईस्टर्न इंडिया”।

(ईडब्ल्यूएस (जनरल) कैटेगरी)**सोशल साइकोलॉजी**

483. अपराजिता श्रुति, ए. एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना, बिहार, “अ साइकोसोशल स्टडी ऑफ मेंटल हेल्थ ऑफ वर्किंग मदर्स इन चाइल्ड केयर प्रैक्टिसेज: रोल ऑफ फैमिली मेंबर्स एंड गवर्नमेंट एजेंसिज”।

सेंद्रली एडमिनिस्टर्ड शॉर्ट-टर्म फेलोशिप्स**(जनरल कैटेगरी)****कल्चर स्टडीज**

1. मनीष कुमार, महात्मा गांधी सेंद्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी, बिहार, “मिथिला की लोक संस्कृति में पारम्परिक पारिस्थितिक ज्ञान: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन”।
2. संजयपांडी आर, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, “परफॉर्मिंग कास्ट: रिप्रिजेंटेशन, आइडेंटिटी एंड पॉलिटिक्स इन पोस्ट-2010 तमिल सिनेमा एंड पॉलिटिकल आइकॉन्स”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

3. पलनाटी नवीन रेड्डी, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, “इंडियन वर्चुअल वाटर फ्लोइज इन सीरियल ट्रेड: इम्प्लिकेशन्स ऑन ग्राउंडवाटर सस्टेनेबिलिटी फॉर पंजाब”।

एनवायरनमेंटल स्टडीज

4. अविनाश दास, सेंद्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “आईडेंटिफिकेशन ऑफ मेजर ग्रीनहाउस गैसेज (जीएचजीज) एमिशन हॉटस्पॉट्स रीजन इन बिहार, इंडिया एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन द एनवायरनमेंट”।

हेल्थ स्टडीज

5. एलेना ताक्हेल्लम्बम, गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर, उत्तराखंड,

“इवैल्यूएशन ऑफ ऑक्युपेशनल हेल्थ एंड इंटरवेंशन फॉर वीमेन वर्कर्स इन्वाल्व्ड इन कौना हैडीक्राफ्ट”।

इंडियन नॉलेज सिस्टम्स

6. शेरोन जैकब, केरल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, त्रिशूर, केरल, “न्यूट्रास्यूटिकल प्रॉपर्टीज ऑफ सेलेक्टेड एडेबल प्लांट्स कंज्यूम्ड बाय ट्राइबल्स ऑफ वेस्टर्न घाट्स”।

मैनेजमेंट

7. सुहा बिलकिस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस ऑन कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी: अ स्टडी ऑफ इंडियन लिस्टेड कंपनिज”।
8. भारती नवलानी, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र, “ऐन एनालिटिकल स्टडी ऑफ आईबीसी, 2016 एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सेलेक्टेड कॉरपोरेट्स इन द स्टेट ऑफ महाराष्ट्र”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

9. नौरैम नरेश सिंह, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, “हिस्ट्री ऑफ आयरन टेक्नोलॉजी इन मणिपुर: ऐन आर्कियोलॉजिकल अप्रोच”।

पॉलिटिकल साइंस

10. राम प्रकाश भारी, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर, राजस्थान, “सतत विकास एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना : गांधी के ग्राम स्वराज के संदर्भ में एक अध्ययन”।

सोशल एंथ्रोपोलॉजी

11. ऐश्वर्या डे, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “सोशियो-कल्चरल कॉन्ट्रैस्ट्स ऑफ हेल्थ स्टेट्स ऑफ पनिका ट्राइब वीमेन (ऐन एंथ्रोपोलॉजिकल एनालिसिस ऑफ द पनिका ट्राइब वीमेन ऑफ म्योरेपुर तहसील ऑफ सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट (यू.पी.)”।

सोशल साइकोलॉजी

12. अनुश्री रवि गोखले, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बडौदा, वडोदरा, गुजरात, “कर्म-योगा एंड श्रद्धा: इम्प्लिकेशन्स ऑन वेल-बीइंग फॉर इंडियन एडल्ट्स”।

सोशियोलॉजी / सोशल वर्क

13. अविनाश वर्मा, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब, “फूड, कल्चर एंड सोसाइटी: अ सोशियोलॉजी स्टडी ऑफ धाम इन हिमाचल प्रदेश”।
14. आराधना पांडे, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ फैमिली कोर्ट: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी ऑफ लखनऊ”।

(ओबीसी (एनसीएल) कैटेगरी)

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

15. बसंता मेहेर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “टेक्निकल एफिशिएंसी एंड प्रॉफिटेबिलिटी ऑफ हैंडलूम वीवर्स: ऐन एनालिसिस ऑफ क्लस्टर इन वेस्टर्न उड़ीसा”।

हेल्थ स्टडीज

16. विजय शंकर यादव, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “इवैल्यूएशन ऑफ इंटीग्रेटेड योगा एंड हर्बल ड्रग कंपाउंड इन द मैनेजमेंट ऑफ अनिद्रा (इंसोमनिया)”।

मीडिया स्टडीज

17. चन्द्र मणि, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र, “विजयदत्त श्रीधर की पत्रकारिता में इतिहास बोध/संसार ऑफ हिस्ट्री इन जर्नलिज्म ऑफ विजयदत्त श्रीधर”।

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

18. संदीप कुमार, रांची यूनिवर्सिटी, रांची, झारखंड, “राजमहल के भौगोलिक परिवेश में राजनीतिक-सामाजिक शक्तियों का उद्भव एवं विकास : एक ऐतिहासिक अध्ययन (1592 ई. - 1857 ई.)”।

सोशल साइकोलॉजी

19. कुमारी हरसिका जायसवाल, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड, “एक्सप्लोरेटिव एंड कोरिलेटिव स्टडी ऑफ करुणा: ऐज कोरिलेट्स ऑफ ह्यूमन पर्सनैलिटी, लाइफ सैटिस्फैक्शन, एंड मेंटल हेल्थ”।

(एससी कैटेगरी)

मॉडर्न सोशल हिस्ट्री

20. पार्थ प्रामाणिक, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता,

पश्चिम बंगाल, “दि चैलेंज ऑफ क्रॉनिक हंगर एंड जर्नी टुवर्ड्स फूड सिक्योरिटी इन वेस्ट बंगाल: अ स्टडी ऑफ द सोशियो-पॉलिटिकल डेवलपमेंट्स 1947-1979”।

(एसटी कैटेगरी)

सोशल एंथ्रोपोलॉजी

21. लिमिन कमम, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, “स्टडीज ऑन द ट्रेडिशनल मैरिज इंस्टिट्यूशन अमंग द थानयी ट्राइब ऑफ अरुणाचल प्रदेश (फ्रॉम पास्ट टू प्रेजेंट)”।

(ईडब्ल्यूएस (जनरल) कैटेगरी)

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

22. सत्रुघन बेहरा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, “पावर्टी एंड मॉर्बिडिटी अमंग द पीवीटीजीज ऑफ उड़ीसा: ऐन एम्पीरिकल एनालिसिस”।
23. मुसानी चैनम्माधव, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “अ स्टडी ऑन मेंबर कमिटमेंट एंड इफेक्टिवनेस ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनिज इन आंध्र प्रदेश”।

सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड कंटिन्जेंसी ग्रांट

(जनरल कैटेगरी)

मीडिया स्टडीज

1. ऐश्वर्या थम्मन्ना, पेरियार यूनिवर्सिटी, सलेम, तमिलनाडु, “इम्प्रेशन ऑफ सोशल मीडिया ऑन द इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन ऑफ वीमेन”।

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

2. अनु के जोस, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल (आईआईएसईआरबी), भोपाल, मध्य प्रदेश, “पॉवरिंग डिवेलपमेंट विद एनर्जी: इंडियन एंड ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स”।

एजुकेशन एंड स्किलिंग

3. ग्रीष्मा रवीन्द्रन, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल, “डिवेलपमेंट ऑफ अ पॉकेट ग्लॉसरी ऐप ऑन सेलेक्ट लिटरेरी टर्म्स फॉर इंग्लिश लैंग्वेज लर्नर्स एट ग्रेजुएट लेवल इन एन्हांसिंग नॉलेज एक्विजिशन एंड स्किल ऑफ लिटरेरी अप्रिप्रिएशन”।

(ओबीसी (एनसीएल) कैटेगरी)

इकोनॉमिक्स / डिवेलपमेंट स्टडीज

4. अर्धना एम प्रभाष, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल (आईआईएसईआरबी), भोपाल, मध्य प्रदेश, “परफॉर्मेंस प्रेडिक्शन: ऐन इंटीग्रेशन ऑफ मशीन लर्निंग एंड डीईए”।

पी.एच.डी. थीसेज़ रिसीव्ड ऐट आईसीएसएसआर

थीसेज़ रिसीव्ड फ्रॉम सेंट्रली एडमिनिस्टर्ड फुल-टर्म

डॉक्टरल फेलोशिप अवॉर्ड्स

1. आशीमा काजला, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “हेल्थ इश्यूज एंड कन्सर्न्स ऑफ वूमेन इन डिटेंशन इन द जेल्स: अ स्टडी ऑफ हरियाणा स्टेट”।
2. आस्था शर्मा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “क्लाइमेट चेंज इंड्यूस्ड लैंडस्लाइड ससेप्टिबिलिटी, वल्नरेबिलिटी एंड रिस्क असेसमेंट: अ स्टडी ऑफ शिमला डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश”।
3. आयुषी शर्मा, गौतम बुद्धा यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, “अ स्टडी ऑफ न्यूरोफीडबैक थेरेपी ऑन एग्जीक्यूटिव फंक्शन, डिजीजन मेकिंग एंड परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन अमंग एचआर मैनेजर्स”।
4. अब्दुल आखिर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “सोशल इश्यूज इन द राइटिंग्स ऑफ अब्देस्सलाम यासीन: प्रोज एंड पोएट्री अ सेलेक्ट स्टडी”।
5. अभिनय सुधा एम, भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, “बिब्लियोथेरेपी इन ऑन्कोलॉजी: एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी अमेलियोरेटिंग कैंसर पेशेंट्स' वेल-बीइंग इंटीग्रेटिंग सर्वाइवर्स' नैरेटिव्स”।
6. अभिरामी जी., यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु, “डेविएंट वर्कप्लेस बिहेवियर एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन वर्क कमिटमेंट एंड वर्क परफॉर्मेंस ऑफ एम्प्लॉइज इन द ऑटोमोबाइल सर्विस सेक्टर”।
7. अबुकासिम, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, “इंडियाज ट्रेड रिलेशन विद बिस्मटेक मेंबर कंट्रीज एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इकोनॉमिक ग्रोथ”।
8. अदिति सुरेश माने, सिम्बायोसिस लॉ यूनिवर्सिटी (डीमड यूनिवर्सिटी), पुणे, “सोशियो-लीगल एनालिसिस ऑफ चाइल्ड सोल्वरिंग लॉज एंड पॉलिसीज इन इंडिया”।

9. आकांक्षा गुप्ता, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "सीरिया-यूरोपियन यूनियन रिलेशंस, 1995-2010"।
10. आकांक्षा पाठक, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, दयालबाग, उत्तर प्रदेश, "इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इन इंडिया: पॉलिसीज एंड अडॉप्टेबिलिटी अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू पैसेंजर कार्स"।
11. आकांक्षा सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "हेल्थ स्टेट्स ऑफ वूमेन इन रूरल एरियाज: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी (विद स्पेशल रेफरेंस टू वाराणसी डिस्ट्रिक्ट)"।
12. आकांक्षा कुमारी, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, नैनीताल, "भारतीय कला एव संस्कृति में स्वस्तिक का प्रतीकात्मक अध्ययन"।
13. एलिस शोबना यसुदियन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, "स्कूल-गोइंग चाइल्ड्स सब्जेक्टिव एक्सपीरियंस एंड टीचर्स परसेप्शन एंड मैनेजमेंट ऑफ इंटरनलाइजिंग बिहेवियरल प्रॉब्लम्स इन द एट-रिस्क पॉपुलेशन: एक्सप्लोरिंग द गैप्स"।
14. अल्का, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, "दलित धार्मिक परिवर्तन के विभिन्न आयाम: हरियाणा राज्य के विशेष संदर्भ में"।
15. अंबिका प्रसाद जोशी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "इनइक्लिटी एंड कॉन्फ्लिक्ट: इसर्जेंसी एंड रेडिस्ट्रिब्यूटिव पॉलिसीज इन नेपाल"।
16. अमीशा सिंह, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड, "फेमिनिन ब्यूटी एंड रिप्रेजेंटेशन ऑफ वूमेन इन द वेस्टर्न ग्रुप ऑफ टेम्पल्स ऑफ खजुराहो"।
17. अमृता एक्का, उत्कल यूनिवर्सिटी, वाणी विहार, उड़ीसा, "प्रीडिकामेंट ऑफ अफगान वूमेन: अ स्टडी ऑफ सेलेक्टेड नॉवेल्स बाय नादिया हाशिमि एंड खालिद हुसैनी"।
18. अनघा ई., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, "डायस्पोरा, डिटेंशन एंड लाइफ नैरेटिव्स: अ स्टडी ऑफ मलयाली रिटर्न माइग्रेंट्स फ्रॉम द जीसीसी कंट्रीज"।
19. अनंत कृष्ण बी.एस., मैंगलोर यूनिवर्सिटी, कोनाजे, कर्नाटक, "इफेक्ट ऑफ योगा ऑन गट माइक्रोबायोटा इन्फ्लुएंसड इम्यूनोमॉड्यूलेटरी फंक्शंस इन ओबेस इंडिविजुअल्स"।
20. अनन्या मोहंती, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, "इन्फ्लुएंस ऑफ साइकोलॉजिकल कैपिटल एंड मैनेजरियल स्किल्स ऑन लीडरशिप एंड वेल-बीइंग इन वर्कफोर्स ऑफ स्टार्ट-अप्स एंड एंटरप्राइजेज"।
21. अंचल गुप्ता, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, "ए स्टडी ऑफ अडॉप्शन ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज, मार्केट ओरिएंटेशन ऑफ एफपीओज एंड देयर रोल इन सोशियो-इकोनॉमिक अपलिफ्टमेंट ऑफ फार्मर्स इन पंजाब एंड हरियाणा"।
22. एंजेला किशोर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "ब्लू पॉलिटिक्स ऐज पॉपुलिस्ट पॉलिटिक्स इन साउथ एशिया: अ कंपैरेटिव स्टडी ऑफ नेपाल एंड पाकिस्तान"।
23. अंजना किशनपुरी, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "हिंदी पाठ सारांशक"।
24. अंजुमोल एम.आर., द गांधीग्राम रूरल इंस्टिट्यूट, डिंडीगुल, तमिलनाडु, "एम्पावरमेंट ऑफ रूरल वूमेन: अ स्टडी ऑफ मनरेगा इन इडुक्की डिस्ट्रिक्ट, केरल"।
25. अंकिता दास, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम, "फिनटेक इन सस्टेनेबल फाइनेंशियल इन्क्लूजन: इश्यूज एंड चैलेंजेज इन इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू असम"।
26. अंकिता दत्ता, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, "ट्रांस-कल्चरलिटी एंड ट्रांस-मीडियालिटी ऑफ द एशियन नाम ट्रेडिंशंस, विद स्पेशल रेफरेंस टू मीडिअल इंडिया"।
27. अंकुर कुमार पांडे, ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज, प्रयागराज, "21वीं सदी में उरांव जनजाति का बदलता स्वरूप: सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य में"।
28. एनील काथ, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, "वूमेन्स राइट्स इन नागालैंड: रोल ऑफ नागा मदर्स' एसोसिएशन"।
29. अपर्णा त्रिपाठी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, "डायस्पोरा फैक्टर इन इंडिया-यूएसए पार्टनरशिप: रोल ऑफ इंडिया कॉक्स इन द यूएस कॉन्ग्रेस"।
30. अपूर्वा सिन्हा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "सोशियोलॉजी ऑफ रमर्स ड्यूटिंग अ हेल्थ क्राइसिस: अ स्टडी ऑफ कोविड-19 पैंडेमिक"।
31. अरिजीत घोष, सिधो-कान्हो-बिरसा यूनिवर्सिटी, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, "फ्लोराइड डायनामिक्स ऑन हाइड्रो-जियोलॉजिकल डाइवर्सिटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन सोसाइटी

- विद स्पेशल रेफरेंस टू ग्राउंडवॉटर स्टेट्स असेसमेंट ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट"।
32. अर्जुन चौहान, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, "कलोता समाज में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना जागृत करने में पंचायत राज की भूमिका – देपालपुर विकास खण्ड का एक अध्ययन"।
 33. अर्पिता सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, "इंटरलिंगेज ऑफ लिबरलाइजेशन, हंगर एंड फूड सिक्योरिटी: अ क्रिटिकल स्टडी ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन उत्तर प्रदेश फ्रॉम 1991-2015"।
 34. अर्शदीप सिंह, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, "मक्का उत्पादन इन पंजाब: कॉम्पेटिटिवनेस एंड फ्यूचर आउटलुक"।
 35. आरती शर्मा, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी कैम्पस, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "अवेयरनेस अबाउट एंड एटीट्यूड टुवर्ड्स बी.एड. इंटरशिप प्रोग्राम अमंग टीचर ट्रेनिंग इन रिलेशन टू देयर एकेडमिक स्ट्रीम, जेंडर, एंड लोकेल"।
 36. अरुणिमा नैथानी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "चेंजिंग सोशियो-कल्चरल लैंडस्केप एंड द इमर्जेस ऑफ रीजनल एस्पिरेशन: अ स्टडी ऑफ द एजुकेटेड यूथ इन उत्तराखंड"।
 37. बादल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, "एक्सप्लोरेशन ऑफ कंज्यूमर्स शॉपिंग बिहेवियर टुवर्ड्स ओम्नी-चैनल रिटेलिंग"।
 38. बेंडन ग्वापांग आओ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "अफ्रीकन यूनियन 'स पॉलिसीज ऑन एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, 2002-2018"।
 39. भास्वती अधिकारी, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम, "हाउसहोल्ड हेल्थकेयर एक्सपेंडिचर एंड हेल्थ फाइनेंसिंग पैटर्न: अ स्टडी इन रूरल सेटिंग्स ऑफ असम"।
 40. बिबेक परिया, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, "मल्टीडायमेंशनल अप्रोच टू पॉवर्टी मेजरमेंट: अ स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू पश्चिम बंगाल"।
 41. बिस्वजीत नारायण, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "एकाधिक संज्ञाओं से निर्मित संज्ञा पदबंधों का संरचनात्मक अध्ययन"।
 42. ब्रजेश कुमार देब, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी, दरभंगा, "राष्ट्रवाद के संदर्भ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का अध्ययन"।
 43. चांदनी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, वाराणसी, "मुसहर जाति में सामाजिक रूपांतरण: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।
 44. चित्रदुर्ई पी., नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "सोशल ग्रुप वर्क फॉर इंटीमेट पार्टनर वॉयलेंस अमंग वाइव्स ऑफ पर्सन्स विद अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम"।
 45. डी. कृष्णवेनी, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "पॉलिटिकल एम्पावरमेंट ऑफ दलित वूमेन एट पंचायत राज लेवल: अ केस स्टडी ऑफ रंगा रेड्डी डिस्ट्रिक्ट इन तेलंगाना"।
 46. डी. सुबलक्ष्मी, पेरियार यूनिवर्सिटी, सलेम, तमिलनाडु, "अनवेलिंग द एफिकेसी: एनालाइजिंग द बीएसएम मॉडल्स एफिशिएंसी इन एनएसई ऑप्शन प्राइस एप्लिकेशंस अक्रॉस इंडिया (2011-2022)"।
 47. देव पूजाबेन भारतकुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, "सेटलड, अनसेटलड एंड रिसेटलड: अ स्टडी ऑफ सेलेक्ट राइटिंग्स ऑफ इंडियन डायस्पोरा इन ईस्ट अफ्रीका"।
 48. दीपा अमगोथ, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "डिसेमिनेशन ऑफ न्यूट्री सेसिटिव एग्रीकल्चर इंफॉर्मेशन अमंग स्मॉल एंड मारजिनल वूमेन फार्मर्स इन तेलंगाना स्टेट – एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी"।
 49. डेनिम देका, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम, "एवरीडे लाइफ, एजेंसी, एंड इंफॉर्मल वर्क: अ स्टडी ऑफ वेस्ट पिकर्स इन गुवाहाटी सिटी ऑफ असम"।
 50. धनंजय नायक, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी, बालासोर, उड़ीसा, "क्लाइमेट चेंज, फूड सिक्योरिटी एंड ट्राइबल वूमेन: अ केस स्टडी ऑफ क्यॉज़र डिस्ट्रिक्ट इन उड़ीसा"।
 51. धर्मेन्द्र पटेल, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "हिंदी और बुंदेली क्रिया पदबंधों का व्यतिरेकी अध्ययन"।
 52. धीरज पंत, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, कुमाऊँ, उत्तराखंड, "इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन कम्युनिटी हेल्थ इन बेटालघाट डिवेलपमेंट ब्लॉक, कुमाऊँ हिमालय"।

53. दिव्य नंदन मिश्रा, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला, उड़ीसा, "मैनेजिंग कस्टमर रिलेशनशिप क्वालिटी इन वेलेनेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स इन इंडिया: अ नेटनोग्राफी अप्रोच"।
54. दिपन्रिता घोष, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "थ्रू द डार्कनड ग्लास: इंटरैक्टिव डिजिटल नैरेटिव्स ऑन मोबाइल एप्लिकेशंस"।
55. दिवाकर बेहरा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "आइडेंटिटी इश्यूज एंड पॉलिटिकल रोल ऑफ साउथ अफ्रीकन इंडियंस इन द पोस्ट-अपार्थाइड पीरियड, 1994-2016"।
56. दिव्या चौधरी, स्वामी केशवानंद राजस्थान एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, बीकानेर, राजस्थान, "प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ इम्प्रूव्ड शीप मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन हाइपर एरिड पार्टियली इरिगेटेड वेस्टर्न ब्लेन ज़ोन (आईसी) ऑफ राजस्थान"।
57. दिव्या द्विवेदी, डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "डेटा प्राइवैसी एंड पब्लिक सर्विस डिलीवरी इन इंडिया: अ क्रिटिकल लीगल स्टडी"।
58. दुर्गेश पुजारी, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक, "पब्लिक डेट मैनेजमेंट एंड फिस्कल डिसिप्लिन इन इंडिया: अ स्पेशियो-टेम्पोरल एनालिसिस"।
59. द्विविषा राय, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस, उत्तर प्रदेश, "हेल्थ एंड सोशियो-इकोनॉमिक चैलेंजेज ऑफ अर्बन सैनीटेशन वर्क्स इन वाराणसी: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी"।
60. फातिमा रजिला के.वी., जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "फूड एंड सोशल आइडेंटिटीज इन प्री-मॉडर्न केरल (सर्का 11वीं टू 18वीं सेंचुरी सी.ई.)"।
61. गनवी बी.एन., यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, बेंगलूर, तमिलनाडु, "स्टडीज ऑन जेनेटिक रिलेशनशिप ऑफ ग्रेन प्रोटीन-स्टार्च इंटरैक्शन इन राइस (ओराइज़ा सटाइवा एल.)"।
62. गर्गी साहू, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "चेंजिंग नेचर ऑफ वीमेन्स मूवमेंट इन ट्यूनीशिया, 1987-2011"।
63. गर्लापाटी श्रीनिवास राव, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "वेस्ट लैंड्स डिवेलपमेंट इन सेलेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ तेलंगाना - अ स्टडी"।
64. गौरव त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, "जम्मू-कश्मीर केन्द्रित समकालीन हिंदी उपन्यासों में अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना एवं विस्थापन का दश"।
65. गोपिका जी.जी., नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, बेंगलूर, कर्नाटक, "डी-एस्कलेशन स्किल्स अमंग द केयरगिवर्स ऑफ पर्सन्स विद सीवियर मेंटल इलनेस"।
66. गौरव कुमार, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, "मीडिया लिटरेसी एंड फेक न्यूज: अ स्टडी ऑफ सोशल मीडिया यूजर्स इन इंडिया"।
67. गुलशन कुमार, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "सेकेंडरी लेवल स्टूडेंट्स एंड करियर काउंसलिंग: स्टडी ऑफ सोर्स, नीड एंड इम्पैक्ट"।
68. गुरपाल सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब, "लॉ रिलेटिंग टू द सेटलमेंट ऑफ इंटर-कंट्री रिवर वाटर डिस्प्यूट इन साउथ एशियन कंट्रीज"।
69. गुरु चरण दास, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "पॉलिटिकल मोबिलाइजेशन एंड कंसॉलिडेशन ऑफ भारतीय जनता पार्टी इन असम (1980-2016)"।
70. ज्ञानजीत युमनाम, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, "कैंसर रिसर्च प्रोडक्टिविटी ऑफ टॉप 15 कंट्रीज ऑफ द वर्ल्ड: अ साइंटोमेट्रिक एनालिसिस"।
71. हरिता सूरप, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "वूमेन्स हेल्थ इन रूरल एरियाज: द रोल ऑफ नेशनल रूरल हेल्थ मिशन (अ केस स्टडी ऑफ आदिलाबाद डिस्ट्रिक्ट)"।
72. हरलीन गिल, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "ट्रांसनेशनल इकोनॉमिक प्रैक्टिसेज इन कंटेम्परी पंजाब: एन एनालिसिस ऑफ ड्राइवर्स एंड डिबिडेंड्स ऑफ इंटरनेशनल आउट-माइग्रेशन"।
73. हीना दास, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "वेरिएशन इन ग्रामैटिकल एग्रीमेंट इन असमीज"।
74. हिंदुजा रमेश, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "स्टेट, रिलीजियस इंस्टिट्यूशंस एंड हाइड्रोलिक नेटवर्क्स इन कर्नाटक (स.6वीं-15वीं सेंचुरी सी.ई.)"।
75. होइमी मुखर्जी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "वूमेन प्रेसीडेंट्स एंड पॉलिटिकल कल्चर ऑफ साउथ अमेरिका, 2005-2018: मिशेल बाचेलेट, क्रिस्टीना किर्चनर एंड दिल्मा रूसेफ"।

76. इंदु भौमिक, वेस्ट बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बेरुनानपुकुरिया, पश्चिम बंगाल, "अ कंपरेटिव स्टडी ऑन द किसान ट्राइब ऑफ डुआर्स एंड किसान क्लेमेन्ट्स ऑफ मालदा, वेस्ट बंगाल, इंडिया"।
77. इकबाल कौर, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, "एटीट्यूड एंड नॉलेज ऑफ ट्रेनिंग टुवर्ड्स लॉन्ग टर्म स्किल डिवेलपमेंट कोर्सेज ऑर्गनाइज्ड बाय स्किल डिवेलपमेंट सेंटर, पी.ए.यू. लुधियाना"।
78. आइरिन प्रीथा ई., यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु, "इम्पैक्ट ऑफ टूरिज्म डिवेलपमेंट ऑन ट्राइबल कम्युनिटीज इन येलागिरी हिल्स, तमिलनाडु"।
79. इर्मा केरकेट्टा, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, तुळजापुर, महाराष्ट्र, "माइग्रेशन, ह्यूमन ट्रेफिकिंग एंड द लिब्ड एक्सपीरियंसेज ऑफ द आदिवासी वूमेन ऑफ सिमडेगा, झारखंड: एन एथनोग्राफिक स्टडी"।
80. जे. सुरेश कुमार, पेरियार यूनिवर्सिटी, सलेम, तमिलनाडु, "अ स्टडी ऑफ रूरल स्टूडेंट्स' बाइंग बिहेवियर ऑन स्मार्टफोन्स इन तमिलनाडु"।
81. जेम्स रंजीत पी., नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "अंडरस्टैंडिंग द पैटर्न ऑफ साइबरबुलिंग: डिवेलपमेंट एंड टेस्टिंग द एफिकेसी ऑफ स्कूल-बेस्ड प्रिवेंटिव स्ट्रेटेजीज"।
82. जया सुधा जे., नवसारी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, नवसारी, गुजरात, "प्रेजेंट अपॉर्च्युनिटीज एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ एग्रीप्रेन्योरशिप अमंग द स्टूडेंट्स इन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज ऑफ गुजरात"।
83. जिम्मी गोयल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा, पंजाब, "एन इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी एंड इनइक्विटी अमंग स्मॉल कल्टिवेटर एंड लैंडलेस लेबरर्स इन मालवा रीजन ऑफ पंजाब"।
84. जुतिस्मिता दास, बोडोलैंड यूनिवर्सिटी, बोडोलैंड, असम, "चेंजिंग इनफॉर्मल ऑक्युपेशनल पैटर्न ऑफ वूमेन इन असम: फ्रॉम ट्रेडिशनल इकॉनमी टू नॉन-ट्रेडिशनल इकॉनमी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन देयर लिविंग स्टैंडर्ड"।
85. ज्योति गुप्ता, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, "इम्पैक्ट ऑफ फाइनेंशियल लिटरसी ऑन सस्टेनेबल लाइवलीहुड सिक्योरिटी: एन एनालिटिकल स्टडी"।
86. ज्योति शर्मा, डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "सोशियोलॉजिकल अंडरस्टैंडिंग ऑफ सेल्फ विदिन कॉर्पोरेट वर्क कल्चर: अ केस स्टडी ऑफ मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशंस/कंपनीज इन दिल्ली/एनसीआर"।
87. के. महेंदर, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "पॉलिटिकल मोबिलाइजेशन एंड लीडरशिप ऑफ ओबीसीज इन तेलंगाना स्टेट: अ स्टडी ऑफ नॉर्थ तेलंगाना डिस्ट्रिक्ट्स"।
88. कमेश्वर सिंह, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "ई-कॉमर्स उत्पादों पर की गई हिंदी टिप्पणियों का संवेदनात्मक विश्लेषण"।
89. कैथरीन राय, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम, "ब्रेन हेमिस्फेरिक डॉमिनेंस, मेटाकॉग्निटिव अवेयरनेस एंड पर्सपेक्टिव लर्निंग स्टाइल प्रेफरेंसेज ऐज कोरिलेटेड ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स एकेडमिक अचीवमेंट इन बायोलॉजी"।
90. काव्या हेब्बार, बेंगलोर यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक, "लॉ एंड एक्सेस टू लाइफ-सेविंग ड्रग्स इन इंडिया – अ क्रिटिकल स्टडी"।
91. काव्या पाल, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "साइको-एथ्नोपॉलॉजिकल प्रॉब्लम्स ड्यू टू द कोविड-19 पैंडेमिक अमंग द हायर एजुकेशन गर्ल्स ऑफ लखनऊ सिटी, उत्तर प्रदेश, इंडिया"।
92. किर्थना एस.पी., भारथियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, "थीमैटिक रिप्रेजेंटेशन ऑफ सेक्सुअल माइनॉरिटीज (ट्रांसजेंडर पीपल) इन सोशल, कल्चरल, पॉलिटिकल स्फीयर वाया मीडिया"।
93. किशोर कुमार तकरी, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, "इकोनॉमिक इवैल्यूएशन ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन कालाहांडी-बोलांगीर-कोरापुट (केबीके) डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ उड़ीसा: इम्प्लिकेशंस फॉर फूड सिक्योरिटी"।
94. के.एम. रीटू रानी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, "(इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन पीजेंट सोसाइटी एंड द रिलेटेड चैलेंजेज: अ सोशियोलॉजिकल स्टडी बेस्ड ऑन आजमगढ़ डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश)"।
95. कोमल चौधरी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "अ स्टडी ऑफ कंज्यूमर बिहेवियर एंड इंटेनशन टू यूज ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विसेज इन दिल्ली एंड एनसीआर"।

96. कृष्णमोहन मौर्य, दीन दयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, "सेवा केंद्र की भूमिका में कृषि उत्पादकता: उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले का एक केस अध्ययन"।
97. कुलदीप कुमार लोहानी, विश्व-भारती यूनिवर्सिटी, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, "एनालिसिस ऑफ ट्रेड परफॉर्मेंस एंड कॉम्पेटिटिवनेस ऑफ ब्रिक्स कंट्रीज"।
98. कुमुद रंजन मिश्रा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस, उत्तर प्रदेश, "हिंदी और उर्दू साहित्य के प्रारंभिक इतिहास लेखन का तुलनात्मक अध्ययन"।
99. कुंगा तान्जिन, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "जियोपॉलिटिकल सिप्रिफिकेंस ऑफ तिबेट: ए स्टडी ऑफ इंडिया-चाइना कंड्रम"।
100. लक्ष्मी कुमावत, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, "इफेक्ट ऑफ इन्वॉल्वमेंट इन रिलीजियस प्रैक्टिसेज ऑन साइकॉलॉजिकल स्टेट ऑफ ओल्ड एज मेल्स"।
101. लिजिथा टी थम्पी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, पेरीये, उत्तर प्रदेश, "ट्रेडिशन एंड मॉडर्निटी इन केरल: द इम्पैक्ट ऑफ सोशल रिफॉर्म मूवमेंट्स"।
102. एम. अनुराधा, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, "एन एम्पीरिकल एनालिसिस ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक कंडीशंस ऑफ डोमेस्टिक वर्कर्स इन आंध्र प्रदेश"।
103. एम. रथिका, तंथाई पेरियार गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, "एक्सटर्नैलिटीज ऑफ रिवर सैंड माइनिंग एंड देयर इम्पैक्ट ऑन एग्रीकल्चर: ए कॉम्प्रिहेंसिव असेसमेंट इन सेलेक्ट माइनिंग एरियाज ऑफ द रिवर कावेरी"।
104. एम.के. गणेशन, अलगप्पा यूनिवर्सिटी, करैकुड़ी, तमिलनाडु, "ए स्टडी ऑन इलेक्ट्रॉनिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज ऑन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स इन चेन्नई सिटी"।
105. मधुश्री डे, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "ए स्टडी ऑन कार्बन फुटप्रिंट ऐज ए रिजल्ट ऑफ चेंजिंग लाइफस्टाइल एंड डेमोग्राफिक स्ट्रक्चर: ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटवीन अर्बन एंड रूरल एरियाज इन द कल्याणी सब-डिवीजन ऑफ डिस्ट्रिक्ट नदिशा, वेस्ट बंगाल, इंडिया"।
106. मंदिरा नरैन, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "मैपिंग द कंटूरस ऑफ स्पेशियल, इन्फॉर्मेशनल, एंड डिजीनल प्राइवसी प्रैक्टिसेज इन इंडिया"।
107. मनीनी नंदा, सम्बलपुर यूनिवर्सिटी, सम्बलपुर, उड़ीसा, "द यूज ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्प्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी ऑन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज इन सेलेक्टेड मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज ऑफ वेस्टर्न उड़ीसा: एन एम्पीरिकल स्टडी"।
108. मनीषा साहू, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, बनारस, उत्तर प्रदेश, "ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ इंटरवेंशन ऑफ अमला (एब्लिका ऑफिसिनलिस) पाउडर एंड ट्रान्सडेंटल मेडिटेशन[™] इन केसेज ऑफ स्टेज 1 हाइपरटेंशन"।
109. मासूम रज़ा, कुमाऊँ यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड, "स्पेशियो-टेम्पोरल स्नो कवर एंड ग्लेशियल एनालिसिस ऑफ द हायर सेंट्रल हिमालय, उत्तराखंड"।
110. मतम सिवा लिंगा मूर्ति, आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश, "एफिकेसी ऑफ पब्लिक हेल्थ केयर सिस्टम इन इंडिया इन द प्रमोशन ऑफ राइट टू हेल्थ – ए केस स्टडी ऑफ विशाखापट्टनम सिटी"।
111. मायोंगम मुइनाओ, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, "चाइना'ज एंगेजमेंट इन साउथ एशिया एंड इंडिया'ज रिस्पॉन्स"।
112. मोहम्मद अस्माउल हक, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, "फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन थ्रू एजुकेशन लोन: ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू द 'बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना'"।
113. मोहम्मद इस्माइल, अलीगढ़ यूनिवर्सिटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "डाइमेंशंस ऑफ पॉपुलेशन ग्रोथ एंड फूड सिक्योरिटी इन मालदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ वेस्ट बंगाल"।
114. मेघना माथुर, शारदा यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, "इंडियन दलिट्स' जर्नी फ्रॉम ओप्रेसन, रेसिस्टेंस टू रिक्यूपरेशन इन द वर्क्स ऑफ बामा फॉस्टिना सूसेराज"।
115. मेहक, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, "ए स्टडी ऑफ मेजरमेंट एंड रिलेशनशिप फाइनेंशियल इंक्यूजन, फाइनेंशियल बिहेवियर एंड फाइनेंशियल सैटिस्फैक्शन"।
116. मेनका कुरिल, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश, "एनालिटिकल स्टडी ऑफ एनर्जी हीलिंग इन संस्कृत लिटरेचर"।

117. मीनाक्षी कटारिया, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड, "इन्फ्लुएंस ऑफ नॉलेज शेयरिंग एंड ऑर्गनाइजेशनल साइलेंस ऑन ऑर्गनाइजेशनल सिटीजनशिप बिहेवियर: ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड एनर्जी कंपनीज इन उत्तराखंड".
118. मोहम्मद इमरान, उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, "डिटरमिनेंट्स ऑफ ड्रॉपआउट अमंग मुस्लिम गर्ल्स इन सेकेंडरी एजुकेशन: ए स्टडी इन रूरल उड़ीसा".
119. मोहम्मद तौहीद खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "डेटा एक्सक्यूटिविटी, ट्रेड सीक्रेट्स एंड फार्मास्यूटिकल कंपनियाँ: ए क्रिटिकल स्टडी इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड क्रिमिनल लॉ पर्सपेक्टिव"।
120. मोहित कुमार, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, "सामाजिक व सांस्कृतिक समरसता और राष्ट्रीय सेवक संघ"।
121. मोहित कुमार गुप्ता, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "इन्वेस्टमेंट्स, टैक्सेशन एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस: फैमिली ओनरशिप एंड कंट्रोल ऑफ बिज़नेस ग्रुप्स इन इंडिया"।
122. मोहसिना बानो, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "ए स्टडी ऑन फाइनेंशियल अवेयरनेस अमंग एम्प्लॉइड वीमेन इन इंडिया (विथ स्पेशल रेफरेंस टू मध्य प्रदेश)"।
123. मोनिका गौर, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, "ओटोरेशिप इन इंडियन सिनेमा: ए स्टडी ऑफ फिल्म ऑफ हषिकेश मुखर्जी"।
124. मोनिका कुमारी, वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी, आरा, बिहार, "द इंपैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन"।
125. श्री बी. विष्णु, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, "सर्व शिक्षा अभियान: इम्पैक्ट ऑन क्वालिटी एजुकेशन इन गवर्नमेंट स्कूल ऑफ संगारेड्डी डिस्ट्रिक्ट, तेलंगाना स्टेट"।
126. श्री तब शेरवानी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इंपैक्ट ऑफ हाई परफॉर्मेंस वर्क सिस्टम (HPWS) ऑन फर्म्स परफॉर्मेंस: ए स्टडी ऑफ मैनुफैक्चरिंग सेक्टर"।
127. मृदुल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, डाडरौली, हिमाचल प्रदेश, "वर्कप्लेस बुलिंग एंड इट्स इंपैक्ट ऑन वेल्-बिइंग अमंग नर्सज: एग्जामिनिंग द रोल ऑफ पर्सनल एंड सपोर्ट रिसोर्सेज"।
128. मृतुंजय तिवारी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, "कबीर की कविता: लोक और समाज"।
129. एन. पेरीयमयान, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, मदुरै, तमिल नाडु, "एम्पावरिंग विलेजेस बाय सोलर फोटोवोल्टिक सिस्टम: ए स्टडी ऑफ तमिल नाडु"।
130. नाहिदा अख्तर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, "रिकंस्ट्रक्शन अमिडस्ट कॉन्फ्लिक्ट इन अफगानिस्तान सिंस 2001: द रोल ऑफ वीमेन"।
131. नैला फ़िरदौस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "पेरेंटिंग स्टाइल एज डिटरमिनेंट ऑफ इमोशनल इंटेलिजेंस एंड सेल्फ-एफिकेसी अमंग एडलसेंट्स"।
132. नैराह नूर, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "रोल ऑफ इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज इन द ह्यूमन डेवलपमेंट ऑफ कश्मीर: ए केस स्टडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट श्रीनगर एंड बडगाम"।
133. नारायण तत्यबा नारबत, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई, महाराष्ट्र, "अंडरस्टैंडिंग द रिलेशनशिप बिटवीन ड्राउट एंड लाइवलीहुड ऑफ पास्टरल नोमैडिक ट्राइब्स: ए स्टडी ऑफ ढांगर कम्युनिटी इन माण ब्लॉक ऑफ सतारा डिस्ट्रिक्ट, महाराष्ट्र"।
134. नरेंद्र सिंह, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, "पॉलिटिकल मोबिलाइजेशन ऑफ निसाद कम्युनिटी इन उत्तर प्रदेश: ए सोसियोलॉजिकल स्टडी"।
135. नरिंदर खुब्बर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा, "ए सोसियो-लीगल स्टडी ऑफ हिंदू वीमेन'स प्रॉपर्टी एंड एजुकेशनल राइट्स विद स्पेशल रेफरेंस टू एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ डेस्टिट्यूट वीमेन लिविंग इन वृंदावन टाउन ऑफ यूपी स्टेट"।
136. नवजीत बोरा, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, असम, "रिस्क पर्सपेक्शन ऑफ रिटेल इन्वेस्टर्स टुवर्ड्स इन्वेस्टमेंट इन स्टॉक मार्केट: ए स्टडी विद रेफरेंस टू सेलेक्ट सिटीज ऑफ असम"।
137. नवीन बाबू के, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पांडिचेरी, "इंटीग्रेटिंग अर्थ ऑब्जर्वेशन्स, मशीन लर्निंग एंड फील्ड स्टडीज फॉर इफेक्टिव बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन इन सेंट्रल वेस्टर्न घाट्स, इंडिया"।

138. नजनीन सुल्ताना, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, "वीमेन ऑफेंडर्स एंड द सोशल रीइटीग्रेशन ऑफ वीमेन प्रिजनर्स इन असम"।
139. नीलम उपाध्याय, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस, उत्तर प्रदेश, "अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन: नेशनल एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव"।
140. नीलश श्रीवास्तव, बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश, "ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ एल्डरली ड्यूरिंग कोविड-19 पेंडेमिक"।
141. नीदा खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "रिप्रोडक्टिव हेल्थ ऑफ इम्प्रिजनड वीमेन: ए स्टडी ऑफ अलीगढ़ एंड लखनऊ डिस्ट्रिक्ट जेल्स"।
142. निधि सारण, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "इकोनॉमिक रिलेशंस ऑफ इंडिया विद सेलेक्ट सेंट्रल एशियन कंट्रीज़: एंपिरिकल एनालिसिस"।
143. निंगनेमावी, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, "डॉक्यूमेंटेशन ऑफ इंडिजिनस नॉलेज ऑन हैंडीक्राफ्ट्स ऑफ द वैइफेयस ऑफ मणिपुर"।
144. नीलम अध्यापक, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, "एनोमिक एनालिसिस ऑफ अपैरल मैनुफैक्चरिंग एंटरप्राइजेज इन अर्बन इंफॉर्मल सेक्टर इन असम: ए केस स्टडी ऑफ गुवाहाटी"।
145. निरुपमा कुजुर, गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, संबलपुर, उड़ीसा, "पोर्ट्रेल ऑफ नेचर: ए स्टडी ऑफ लुइज ग्लक'स सेलेक्टेड पोएम्स"।
146. निसार अहमद ककरू, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "इंपैक्ट ऑफ पर्सोव्ड क्वालिटी ऑफ एडवेंचर टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर ऑन डेस्टिनेशन रीविजिट इंटेन्शन: एक्सप्लोरिंग द मीडिएटिंग रोल ऑफ टूरिस्ट सैटिस्फैक्शन"।
147. निशा, पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब, "डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ इंस्ट्रक्शनल वीडियोज़ ऑन टोमैटो कल्टिवेशन प्रैक्टिसेज"।
148. निशांत कुकेश अग्रवाल, निर्मा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, "इंपैक्ट ऑफ रिजिलिएंस, डिसरप्शन एंड एम्बिडेक्सट्री ऑन सप्लाय चैन परफॉर्मेंस"।
149. निशी फ्रांसिस, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, तुलजापुर, महाराष्ट्र, "द रोल ऑफ कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट"।
150. नितिश पी, बेंगलोर यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, कर्नाटक, "न्यू ट्रेंड्स इन फोटो जर्नलिज्म एंड प्रोफेशनल प्रॉब्लम्स ऑफ फोटो जर्नलिस्ट्स ऑफ कर्नाटक- स्टडी"।
151. पी. विनोदिनी, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिल नाडु, "सेक्सुअल अब्यूज ऑफ चिल्ड्रेन एंड POCSO एक्ट, 2012: एंपिरिकल स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू चेन्नई सिटी"।
152. पबित्रा शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, "वीमेन, अल्कोहल एंड रिकवरी: ए केस स्टडी ऑफ सिक्किम"।
153. पल्लवी खन्ना, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "फाइनैसिंग ऑफ सेकंडरी एजुकेशन बाय पब्लिक सेक्टर इन इंडिया"।
154. पल्लवी ठाकुर, शारदा यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, "एलियनेशन एंड ट्रॉमा: ए स्टडी ऑफ द इंपैक्ट ऑफ 1990s एगजोडस ऑन कश्मीरी पंडित्स"।
155. परमजोत कौर, माता जीजा बाई गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स कॉलेज, इंदौर, मध्य प्रदेश, "मेट्रोपॉलिटन ग्रोथ एंड इट्स इंपैक्ट ऑन अर्बन एनवायरनमेंट (ए जियोग्राफिकल स्टडी ऑफ इंदौर मेट्रोपोलिस)"।
156. पार्थ, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "एनवायरनमेंटल गवर्नेंस एंड पॉलिसी इन इंडिया: विद रेफरेंस टू द प्रॉब्लम ऑफ एयर पॉल्यूशन इन NCT ऑफ दिल्ली"।
157. पठान असद खान, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद, "असगर वजाहत का नाट्य साहित्य: संवेदना और रंगशिल्प"।
158. फिकुतो चीशी, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, "डेवलपमेंट इन सोशल सेक्टर: ए स्टडी ऑफ कोहिमा एंड मों डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ नगालैंड"।
159. पूजा वर्नेकर, रानी चन्नम्मा यूनिवर्सिटी, गोदिहाल, कर्नाटक, "परसेप्शन एंड बिहेवियरल एनालिसिस ऑफ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टर्स: ए केस स्टडी ऑफ बेलगावी डिस्ट्रिक्ट"।
160. प्रयातमांग, श्री रामासामी मेमोरियल यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, "एनोमिक एनालिसिस ऑफ पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इन सिक्किम स्टेट"।

161. प्रमीला पी.के., सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कसारागोड़, केरल, "ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ़ द लेक्सिकोग्राफ़िक स्ट्रक्चर ऑफ़ गुंडट'स डिक्शनरी, शब्दथारावली, एंड मलयालम लेक्सिकॉन"।
162. प्रमोद शंकर, गुलबर्गा यूनिवर्सिटी, कलबुर्गी, कर्नाटक, "यूज़ ऑफ़ ई-रिसोर्सेज़ एंड सर्विसेज़ इन इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नालॉजी इन साउथ इंडिया: ए स्टडी"।
163. प्रणमिता बनर्जी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "सोशियो-इकोनॉमिक कांसिक्सेज़ ऑफ़ रिटर्न माइग्रेशन इन रूरल वेस्ट बंगाल"।
164. प्रशांत शाही, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "मल्टीलेट्रलिज़्म इन जापान 'स फ़ॉरन पॉलिसी: केस स्टडीज़ ऑफ़ ASEAN एंड एशियन डेवलपमेंट बैंक"।
165. प्रिंस कुमार, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "विद्यालयों में जनजातीय बच्चों के अवधारण में सार्वजनिक-निजी साझेदारी की भूमिका"।
166. प्रिंस कुमार पटेल, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस, उत्तर प्रदेश, "रिस्क फैक्टर्स एसोसिएटेड विद सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शंस (STIs): ए हॉस्पिटल बेस्ड स्टडी"।
167. प्रिंटी कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, गया, बिहार, "अनऑर्गेनाइज्ड वीमेन वर्कर्स इन कोल माइन: ए सोसियोलॉजिकल स्टडी ऑफ़ धनबाद (झारखंड)"।
168. प्रिया राजपूत, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, "क्लाइमेट चेंज एंड लाइवलीहुड एडैप्टेशंस अमंग गुझर एंड बकरवाल ट्राइब्स ऑफ़ राजौरी डिस्ट्रिक्ट इन जम्मू रीजन"।
169. प्रियव्रत घोष, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथ बिहार, गया, बिहार, "इफेक्ट ऑफ़ टीचर एजुकेशन प्रोग्राम्स ऑन प्रोफेशनल कंपेटेंस एंड प्रोग्राम सैटिस्फैक्शन ऑफ़ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स"।
170. प्रियांक प्रियदर्शनी मल्लिक, गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, संबलपुर, उड़ीसा, "कॉनसेप्ट ऑफ़ इंडियन नेशनलिज़्म: ए स्टडी ऑन दीनदयाल उपाध्याय"।
171. प्रियांका गोस्वामी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, "अर्बन ट्रिंकिंग वाटर मैनेजमेंट एंड गवर्नेंस: द स्टडी ऑफ़ ट्रिंकिंग वाटर सर्विसेज़ इन जम्मू सिटी"।
172. प्रियांका वी., यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंसेस, बेंगलोर, तमिल नाडु, "माडेलिंग फॉर ऑप्टिमम रिसोर्स अलोकेशन ऑन फार्म्स टू डेवलप ए कस्टमाइज्ड क्रॉप एडवाइजरी - ए पायलट स्टडी इन चिक्काबल्लापुर डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक"।
173. पुष्पेंद्र सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, जयपुर, "भारत में मानवाधिकार एवं सतत विकास: राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में एक अध्ययन"।
174. आर. सतीशकुमार, अलागप्पा यूनिवर्सिटी, कराईकुडी, तमिल नाडु, "ए स्टडी ऑन इकोनॉमिक्स ऑफ़ सीवीड कल्टिवेशन इन रामनाथपुरम डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ तमिल नाडु"।
175. राधाकृष्णन टी., भरतियार यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिल नाडु, "एनालाइजिंग अर्बन स्प्रॉल एंड असेसिंग म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट फॉर द सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट इन कोयंबटूर सिटी, इंडिया"।
176. रैना घोष, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "घाट्स एंड एवरीडे हाइड्रोसोशल रिलेशन्स: प्रोडक्शन ऑफ़ अर्बन स्पेसेस अलाग कोलकाता 'स रिवरफ्रंट"।
177. राजनी, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, "ए एनालिटिकल स्टडी ऑफ़ मूवमेंट ऑफ़ स्टॉक ऑफ़ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज सिंस 2000"।
178. राजेश कुमार रामन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलाहाबाद, इलाहाबाद, "इकीसवीं सदी में पंचायत राज का विकास एवं प्रभाव: बिहार राज्य के विशेष सन्दर्भ में"।
179. राजू रावत, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, "एथनोम्यूजिकोलॉजिकल स्टडी अबाउट द म्यूजिकल ट्रेट्स ऑफ़ पीपल रेसिडिंग नियरबाय रंगीत रिवर बेसिन"।
180. राकेश कुमार, दीन दयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी, गोरखपुर, "आजमगढ़ जनपद (उ.प्र.) में अनुसूचित जाति की महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का भौगोलिक अध्ययन"।
181. राम कृष्ण त्रिपाठी, केंद्रीय दक्षिण बिहार विश्वविद्यालय, गया, बिहार, "योग के सन्दर्भ में भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का मानचित्रण (2000-2021)"।
182. रवि कुमार गुप्ता, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, "छत्तीसगढ़ में दुग्ध उत्पादकों के उद्यमशील एवं प्रबंधकीय कौशल का अध्ययन"।

183. रेशमा सिंह, एस.बी.पी.जी. कॉलेज, जौनपुर, "बौद्ध साहित्य में प्रतिबिंबित महिला की स्थिति"।
184. ऋचा राणा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "जाति, वर्ग और उपलब्धि प्रेरणा: दो विश्वविद्यालयों में महिला शोधार्थियों के बीच चुनौतियों और मुकाबला रणनीतियों का अध्ययन"।
185. रीता मेदी, केंद्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "स्वदेशी समुदाय में सांस्कृतिक प्रथाओं में निहित जीवन कौशल: कोंधा जनजाति का एक खोजपूर्ण अध्ययन"।
186. रितु आनंद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, "अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं व्यवसाय पर प्रभाव: भारत का एक अध्ययन"।
187. रूही, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब, "किसान गठबंधन (एफ.सी.): सरकारी नीतियों, बाजार चैनलों और उपभोक्ता स्वीकृति का अध्ययन"।
188. रूमी रानी, जम्मू विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, "बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिभा प्रबंधन प्रथाओं के पूर्ववर्ती और परिणाम"।
189. रूनाक उन निसा, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र, "कश्मीर में महिला कैदियों के परिवारों के अनुभव: 'छिपी हुई सजा' की खोज"।
190. रुचि सिंह, डी.एस. कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "आई. सी.टी. के प्रभाव में विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक कौशल का अध्ययन"।
191. रुचिका रैना, केंद्रीय कश्मीर विश्वविद्यालय, गांदरबल, जम्मू और कश्मीर, "भारत-पाक सीमा: अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा का लैंगिक दृष्टिकोण से अध्ययन, जम्मू डिवीजन (जम्मू-कश्मीर)"।
192. एस. सुगन्या, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में कृषि पर जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन का अध्ययन"।
193. साबिर हुसैन मोल्ला, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, "भारत के सुंदरबन क्षेत्र में कृषि भूमि की उपयुक्तता और कृषि विकास के स्तर की पहचान"।
194. साध्वी कालरा, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र, "बाल शोषण और स्वयं: मुंबई की सड़कों पर रहने वाले बच्चे"।
195. साएमा अली, कश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, "उत्तर कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) के एकीकृत क्षेत्र विकास के लिए सूक्ष्म स्तर की योजना"।
196. संजीव कुमार, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, "कृषि क्षेत्र पर ई-शासन का प्रयोग एवं कृषक सशक्तीकरण पर उसका प्रभाव (गोरखपुर जिला के सन्दर्भ में 2016 से 2022 तक)"।
197. सतीश रैकिंडी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, "तेलंगाना राज्य के चयनित जिलों में कृषि में उत्पादन लोच और स्केल के प्रतिफल"।
198. सत्यव्रत मोहंती, पल्लि शिक्षा भवन विश्व-भारती, श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल, "कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ एक्सटेंशन एडवाइजरी सर्विसेज एंड रिजल्टेंट चेंजेस इन फार्मिंग"।
199. शा हुसैन याकूब खान.एस, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी, मदुरै, तमिलनाडु, "द बटरफ्लाई-इफेक्ट ऑफ चेंजिंग क्लाइमेट इन द विकिनिटी ऑफ फार्मलैंड: एन इन्क्वायरी विद ए स्पेसिफिक कैप्शन टू मदुरै डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु"।
200. शालिनी, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, "साइबरबुलिंग इन सोशल मीडिया नेटवर्क्स: ए स्टडी अमंगस्ट यंगस्टर्स"।
201. शारण्य चट्टोपाध्याय, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, तुलजापुर, महाराष्ट्र, "अंडरस्टैंडिंग इकोसिस्टम सर्विसेज, रूरल लाइवलीहुड, एंड पॉलिसी इम्प्लीकेशंस: ए स्टडी इन द फॉरैस्ट फ्रिंज विलेजेज ऑफ इंडियन सुंदरबन्स, वेस्ट बंगाल"।
202. शायस्ता इस्लाम, शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर, कश्मीर, जम्मू एंड कश्मीर, "डिवेलपमेंट ऑफ माइक्रोबियल कॉन्सॉर्टियम फॉर डिकम्पोजिशन ऑफ लिटर इन टेम्परेट फॉरेस्ट इकोसिस्टम ऑफ कश्मीर हिमालय"।
203. शिबिन जोसेफ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "कॉन्टेक्ट-डिपेंडेंस ऑफ मेटाफर क्रिएशन एंड इंटरप्रिटेशन इन जॉन सर्ल एंड डोनाल्ड डेविडसन"।
204. शिउली मैती, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी, सिकंदराबाद, तेलंगाना, "कॉग्निटिव एंड लिंग्विस्टिक कॉरिलेट्स ऑफ म्यूजिकल सेंसिटिविटी इन चिल्ड्रन"।
205. शिवम चौरसिया, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "क्रिश्चियन मिशनरी अमंग मार्जिनलाइज्ड सेक्शन: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी फ्रॉम ईस्टर्न उत्तर प्रदेश इन इंडिपेंडेंट इंडिया"।

206. शिवानी यादव, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "रीतिकालीन काव्य में लोक का स्वरूप"।
207. श्रद्धा दीक्षित, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "सस्टेनेबल स्ट्रेटजीज टुवर्ड्स ग्रीन लाइवरीज: ए स्टडी ऑफ नेशनल इंस्टिट्यूशन ऑफ टेक्नोलॉजी इन इंडिया"।
208. श्रेयसी नौटियाल, दून यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, "आंत्रप्रेन्योरियल रेजिलिएंस एंड सक्सेस ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज"।
209. श्रेया अरोड़ा, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड, "वैल्यूएशन मॉडलिंग फॉर डिकेडल जक्सटापोजिशन ऑफ स्टार्टअप यूनिवर्सिटी"।
210. श्रेया सिंह, पटना यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार, "रेट्रोस्पेक्शन ऑफ ब्रिटिश रूल इन इंडिया थ्रू सेलेक्टिव राइटिंग्स ऑफ ब्रिटिश सिविल सर्वेंट्स"।
211. सिल्पी शिखा डोवराह, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर, असम, "इम्प्रिजनमेंट एंड वीमेन: ए सोशियोलॉजिकल स्टडी"।
212. स्मृति प्रसाद, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम, "माइक्रो-एंटरप्राइज डिवेलपमेंट थ्रू ट्रेनिंग ऑफ सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स इन सिक्किम"।
213. स्मृति सतीश सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, मुंबई, महाराष्ट्र, "सेंटर अफिलिएटेड टू द यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई"।
214. सोनाक्षी मारुला रावत, डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "मेगा इंफ्रास्ट्रक्चरल अर्बन डिवेलपमेंट: ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ दिल्ली एंड लखनऊ मेट्रो रेल प्रोजेक्ट्स"।
215. सुमन घोष, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, "सोशल लाइफ साइकिल असेसमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड सप्लाय चैन: ए स्टडी ऑफ द लेदर सेक्टर इन इंडिया"।
216. सौम्या हीरेगौदार, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, बैंगलोर, कर्नाटक, "एग्रीकेशन ऑफ एसेंशियल ऑयल्स फ्रॉम स्पाइसेस एंड हर्ब्स इन कॉम्पोजिट फ्लोर बेस्ड बेकरी प्रोडक्ट्स एज फंक्शनल इंग्रेडिएंट"।
217. सौरी लता दास, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई, महाराष्ट्र, "ए स्टडी ऑफ सेल्फ कॉन्सेप्ट ऑफ चिल्ड्रन लिविंग विद एचआईवी एंड रिसीविंग एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ए.आर.टी.)"।
218. स्त्री सन्याल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "प्रिवेलेंस एंड डिटरमिनेंट्स ऑफ क्रॉनिक मॉर्बिडिटीज एंड मल्टीमॉर्बिडिटी अमंग एल्डरली पॉपुलेशन इन कोलकाता"।
219. सुजिन मैथ्यू, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई, महाराष्ट्र, "सर्कल्स ऑफ वायलेंस: सेल्फ एंड अदर इन पॉलिटिक्स ऑफ केरल"।
220. सुजीत एच. पेडेवाड, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठावाड़ा यूनिवर्सिटी, नांदेड़, महाराष्ट्र, "प्लैक्टोन डाइवर्सिटी इवैल्यूएशन ऑफ मनार वाटर रिजर्वायर इन रिलेशन टू न्यूट्रिएंट साइकिल स्टडीज"।
221. सुनंदा मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, "परफॉर्मेंस असेसमेंट ऑफ अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स इन उत्तर प्रदेश - ए डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस"।
222. सुनील कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, "ए स्टडी ऑफ इन्वेस्टमेंट बिहेवियर ऑफ इन्वेस्टर्स इन नॉर्थ इंडिया"।
223. सुनील कुमार वर्मा, एच.एन.बी. गढ़वाल यूनिवर्सिटी, गढ़वाल, उत्तराखंड, "पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम एंड फूड सिक्योरिटी इन इंडिया: ए स्टडी विद स्पेशल रेफरेंस टू बहराइच डिस्ट्रिक्ट ऑफ उत्तर प्रदेश"।
224. सुनील सिंह, एच.एन.बी. गढ़वाल यूनिवर्सिटी, गढ़वाल, उत्तराखंड, "असेसमेंट ऑफ साइट सुइटेबिलिटी फॉर सोलर पावर पोर्टेशियल यूजिंग रिमोट सेंसिंग एंड जी.आई.एस. टेक्निक्स फॉर द सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन डिस्ट्रिक्ट टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड"।
225. सुनील प्रसाद, बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची, झारखंड, "ए स्टडी ऑफ कैपिटल स्ट्रक्चर ऑफ इंडियन मैनुफैक्चरिंग एस.एम.ई.: ऑटो कॉम्पोनेंट एंड कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री"।
226. सुप्रीत कौर भसीन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, "(अन) मेकिंग ऑफ ए बीइंग-इन-सुसाइड: ए फेनोमेनोलॉजिकल स्टडी विद सुसाइड अटेम्प्ट सर्वाइवर्स"।
227. सुषमा झा, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), आगरा, उत्तर प्रदेश, "चैलेंजेज ऑफ स्ट्रेंथनिंग डेमोक्रेसी थ्रू गुड गवर्नेंस इन मालदीव्स एंड बांग्लादेश: ए कम्पेरेटिव स्टडी"।

228. सैयद कुमैल सज्जाद, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, "इम्पैक्ट ऑफ़ इकॉनॉमिक डायवर्सिफिकेशन इन यू.ए.ई. ऑन इंडिया 'ज़ ट्रेड सिंस 1991'"।
229. ताम्पकमायुम एलन मुस्तफा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "पॉलिटिकल इकॉनॉमी ऑफ़ पावर्टी: ए स्टडी ऑफ़ पांगल्स इन मणिपुर"।
230. तान्या वत्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, "एन एंथ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑन द सिब्लिंस ऑफ़ इंडिविजुअल्स विद ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर लिविंग इन चंडीगढ़ ट्राइसिटी"।
231. तरनजीत कौर माथुरु, मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी, उदयपुर, राजस्थान, "एम्पावरमेंट ऑफ़ ट्राइबल यूथ ऑफ़ सदरन राजस्थान थ्रू मुद्रा स्कीम"।
232. तारिक अहमद भट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा, "सोशियो-इमोशनल कॉम्पिटेंस ऑफ़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स विद रेफरेंस टू स्कूल अडजस्टमेंट एंड करियर मैच्योरिटी"।
233. टीना राज, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, "ए स्टडी ऑफ़ कमर्शियलाइजेशन एंड इम्पैक्ट ऑफ़ ओ.टी.टी. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म"।
234. थेरस सैंटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ तमिलनाडु, नीलाकुड़ी, तमिलनाडु, "सेल्फ-कम्पैशन, इमोशन रेगुलेशन एंड साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग अमंग प्राइमिग्रेविडे इन केरल"।
235. थोखचोम प्रेमाबती देवी, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर, "पॉलिटिकल वायलेंस एंड ह्यूमन राइट्स मूवमेंट्स विद स्पेशल रेफरेंस टू द वैली ऑफ़ मणिपुर"।
236. उदय वाई., रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन, मैसूर, कर्नाटक, "इफेक्टिवनेस ऑफ़ जेनर बेस्ड अप्रोच ऑन कम्युनिकेटिव कॉम्पिटेंस एंड क्रिएटिव राइटिंग स्किल्स इन इंग्लिश अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स"।
237. उदित मलैया, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, "एन इवैल्यूएशन ऑफ़ गवर्नमेंट एफर्ट टुवर्ड्स पावर्टी एराडिकेशन एंड डिवेलपमेंट ऑफ़ बिलो पावर्टी लाइन हाउसहोल्ड्स इन इंडिया (विद स्पेशल रेफरेंस टू दमोह डिस्ट्रिक्ट)"।
238. उमर जोहान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "रोल ऑफ़ अफ्रीकन ऑथल इन इंडिया 'ज़ एनर्जी सिक्योरिटी: ए स्टडी ऑफ़ नाइजीरिया एंड अंगोला"।
239. वी. शिवरामन, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु, "कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट इन तमिलनाडु विद स्पेशल रेफरेंस टू चेन्नई मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाय एंड सीवरेज बोर्ड - ए स्टडी"।
240. वर्षा शुक्ला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, "डिवेलपमेंट ऑफ़ सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप इन इंडिया (ए स्टडी ऑफ़ द मॉडल्स रेलिवेंट इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट)"।
241. वरुण दीक्षित, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश, "ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ़ द रोल ऑफ़ एम.बी.ए. एंड पीएमओ इन फरैन पॉलिसी मेकिंग ड्यूरिंग यू.पी.ए. (2004-09) एंड एन.डी.ए. (2014-19) गवर्नमेंट्स"।
242. विनय जी.पी., कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, शिवमोग्गा, कर्नाटक, "रोल ऑफ़ प्रिंट मीडिया इन प्रमोटिंग साइंटिफिक टेम्पर: ए स्टडी ऑफ़ कन्नड़ पब्लिकेशंस"।
243. विनीथा एम., यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, "द रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ फीमेल बॉन्डिंग इन सेलेक्ट मलयालम सिनेमा: ए स्टडी"।
244. विनिता, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, नई दिल्ली, "फूड एंड फूड हैबिट्स इन द ट्राइबल सोसाइटी ऑफ़ छोटानागपुर, 1800-1950s"।
245. विष्णु प्रसाद के., जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "फ्रीडम ऑफ़ इंफॉर्मेशन इन यूरोप: ए स्टडी ऑफ़ द रोल ऑफ़ द यूरोपियन कोर्ट ऑफ़ ह्यूमन राइट्स, 1950-2015"।
246. विजोखोले लट्टू, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "मोबिलिटी एंड मॉडर्निटी इन नागालैंड: पीपल, नेटवर्क्स, एंड इंफ्रास्ट्रक्चर, 1963-2023"।
247. यमन कस्तूरी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इन द साइबर वर्ल्ड: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स एन एनालिटिकल स्टडी इन द इंडियन कॉन्टेक्स्ट"।
248. याशिका वर्मा, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी कैंपस, मेरठ, उत्तर प्रदेश, "द इफेक्ट ऑफ़ जेंडर एंड ऑन कोपिंग मैकेनिज्म्स एंड लोन्लीनेस ऑन चिल्ड्रन ऑफ़ सिंगल पेरेंट्स"।
249. यतेन्द्र शर्मा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "क्लाइमेट वेरिफेबिलिटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन वाटर, वेजिटेशन एंड सॉइल इन नैनीताल डिस्ट्रिक्ट, उत्तराखंड"।

250. याति भारद्वाज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, "इम्प्लीकेशंस एंड एथिकल एस्पेक्ट्स ऑफ न्यूरो लीडरशिप: ए स्टडी ऑन लीडर-फॉलोअर डाएड इन इंडियन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री"।
251. अनामिका दास, इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "डोमेस्टिक वायलेंस अगेंस्ट वीमेन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन वीमेन एंड चाइल्ड हेल्थ इन वेस्ट बंगाल"।
252. अशोक पाटिल, सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी डिवेलपमेंट रिसर्च (सी.एम.डी.आर.), धारवाड़, कर्नाटक, "ए बायो-कल्चरल स्टडी ऑन एंडोसल्फान पेस्टीसाइड अफेक्टेड विक्टिमस ऑफ कर्नाटक"।
253. डागम रामदास, सेंटर फॉर इकॉनॉमिक एंड सोशल स्टडीज़, हैदराबाद, तेलंगाना, "एडॉप्शन ऑफ सिस्टम ऑफ राइस इंटेसिफिकेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इनपुट यूज इन द ड्राई-लैंड रीजन ऑफ तेलंगाना स्टेट"।
254. फकीह अमरीन कमालुद्दीन, आई.एस.ई.सी., बेंगलुरु, कर्नाटक, "ए सोशियो-इकॉनॉमिक एनालिसिस ऑफ स्टार्ट-अप्स इन इंडिया - ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड सब-सेक्टर्स"।
255. जे. चक्रधर, इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "ट्रेड एग्लोमेरेशंस: जेनेसिस एंड डिटरमिनेंट्स"।
256. जमादार मुदस्सर महमद, आई.एस.ई.सी., बेंगलुरु, कर्नाटक, "आइडेंटिफाइंग द अर्बन पुअर, देयर डिप्रिवेशंस एंड कोपिंग स्ट्रेजीज: ए स्टडी इन बेंगलुरु सिटी"।
257. श्रीमती अस्मा जबीन मकांदार, सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी डिवेलपमेंट रिसर्च, धारवाड़, कर्नाटक, "एजुकेशन अकाउंट्स: एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ फ्लो ऑफ फंड्स टू हायर एजुकेशन इन कर्नाटक"।
258. नयना पाटिल, सेंटर फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी डिवेलपमेंट रिसर्च (सी.एम.डी.आर.), धारवाड़, कर्नाटक, "स्टोरेज एंड वेयरहाउसिंग ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट इन कर्नाटक: एक्सेसिबिलिटी एंड यूटिलाइजेशन"।
259. पद्मावती एन., इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "परफॉर्मेंस ऑफ अनऑर्गनाइज्ड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री इन इंडिया"।
260. रोज़मेरी जॉर्ज, आई.एस.ई.सी., बेंगलुरु, कर्नाटक, "एक्सेसिबिलिटी ऑफ एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन इन केरल: ए ग्राउंडेड थ्योरी स्टडी ऑफ बैरियर्स एंड प्रिविलेजेस एक्सपीरियेंस बाय यूथ"।
261. सुरेन्द्र कुमार नायक, इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "ह्यूमन कैपिटल एंड इकॉनॉमिक ग्रोथ: एन एम्पीरिकल स्टडी एट द नेशनल एंड सब-नेशनल लेवल्स इन इंडिया"।
262. विद्या जे. मैथ्यू, इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, "डिसेंट्रलाइज्ड गवर्नेंस एंड इंक्यूसिव डिवेलपमेंट ऑफ ट्राइबल्स: ए स्टडी ऑफ ट्राइबल-सब ग्लान इन द सेलेक्टेड पंचायत्स ऑफ केरल"।

पब्लिश्ड चैप्टर्स इन एडिटेड बुक्स बाय डॉक्टरल फेलोशिप अवॉर्डीज रिसीव्ड इन द एफ.वाई. 2024-25

1. अग्रवाल, अरुणिमा, "असेसिंग द इम्प्लीमेंटेशन ऑफ डीएवाई-एनआरएलएम इन सागर डिस्ट्रिक्ट : ए स्टडी ऑफ कवरेज, टार्गेटिंग मेकैनिज्म्स, एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज एट द ग्रासरूट्स लेवल," *बिल्डिंग अ सस्टेनेबल फ्यूचर : रोडमैप फॉर इंडिया'स प्रोग्रेस एंड प्रॉस्पेरेटी*, एडिटेड बाय डॉ. पुष्पा सुर्यवंशी, डॉ. बबीता यादव, एंड डॉ. शालिनी चोईधुरन, श्री विनायक पब्लिकेशन, 2024, पृ. 361-370।
2. अग्रवाल, अरुणिमा, "नेविगेटिंग द पाथ टू सस्टेनेबल मार्केटिंग: एक्सप्लोरिंग चैलेंजेज एंड ऑपच्यूनैटिज इन इंडियन बिजनेस ऑर्गनाइजेशन्स," *प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रांसफॉर्मेशनल डिजिटल टेक्नोलॉजीज*, एडिटेड बाय श्रीमती जे. मैरी कैथरीन, श्रीमती वी. नंधिनी, एंड श्रीमती वी. सुगंधी, शेवेलियर टी थॉमस एलिजाबेथ कॉलेज फॉर वीमेन, 2024, पृ. 255-262।
3. अनुज, "भारत-बांग्लादेश संबंधों पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव: चुनौतियां एवं संभावनाएं," *भारत की विदेश नीति की बुनियादी अवधारणाएं*, एडिटेड बाय डॉ. मीनाक्षी बंसल, बीएफसी पब्लिकेशन्स, 2022, पृ. 91-104।
4. भक्त, सुजन, "जेंडर एंड मैथमेटिक्स एजुकेशन: ए स्टडी ऑफ एलीमेंटरी एजुकेशन," *मैथमेटिक्स एजुकेशन*, एडिटेड बाय पी. सी. अग्रवाल एंड अरूप कुमार साहा, रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, एनसीईआरटी, 2023, पृ. 264-268।
5. बोरबरूआह, निहारिका, "एग्रोइकोलॉजी एंड सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिसेज," *एग्रीकल्चर एक्सटेंशन विस्टास: एडवांसेज इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन*, एडिटेड बाय रागिनी मोदी, एम.एस. सिसोदिया, बी. अरुलमणिकंदन,

- पी. वैष्णवी, एंड पूर्णिमा सैकिया, स्टेला इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स, 2024, पृ. 229-244।
6. बोरबरूआह, निहारिका, "फूड सिक्थोरिटी चैलेंजेज एंड इकॉनॉमिक सॉल्यूशन्स," *एग्रीकल्चर एक्सटेंशन विस्टास: एडवांसेज इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन*, एडिटेड बाय रागिनी मोदी, एम. एस. सिसोदिया, बी. अरुलमणिकंदन, पी. वैष्णवी, एंड पूर्णिमा सैकिया, स्टेला इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स, 2023, पृ. 172-187।
 7. बोरबरूआह, निहारिका, "न्यू एडवांसेज इन एक्सटेंडिंग शेल्फ-लाइफ ऑफ फ्रेश-कट फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स," *नोवल टेक्नॉलॉजीज फॉर शेल्फ-लाइफ एन्हांसमेंट ऑफ पेरिशेबल क्रॉप्स*, एडिटेड बाय रागिनी मोदी, एम. एस. सिसोदिया, बी. अरुलमणिकंदन, पी. वैष्णवी, एंड पूर्णिमा सैकिया, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फ़ॉरस्ट्री, 2024, पृ. 43-49।
 8. सी., शोकिला, "मार्केट इंटीग्रेशन ऑफ ज्वार इन इंडिया," *प्रोसीडिंग्स ऑफ सेकंड नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "न्यू अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज इन एग्रीकल्चर एंड अलाइड सेक्टर्स"*, एडिटेड बाय सुरेन्द्र सिंह शेखावत, बृजेश दत्त शर्मा, बांके लाल, एंड महेन्द्र कुमार यादव, आरएनबी ग्लोबल यूनिवर्सिटी, 2024, पृ. 28-36।
 9. दीपक, देश, "भारतीय त्योहार व पर्वों का धर्म में स्थान," *संत साहित्य तथा संत वाणी*, एडिटेड बाय कमलेश, विकास बुक कंपनी, 2022, पृ. 46-50।
 10. दिहिंगिया, बिकाश, "पॉलिटिक्स ऑफ एथनिक आइडेंटिटी इन द ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ असम: ए स्टडी ऑन बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी)," *माय कल्चर माय आइडेंटिटी*, एडिटेड बाय डॉ. स्वप्ना काकटी, सृष्टि प्रकाश, 2024, पृ. 77-91।
 11. फैयाज, इश्रत, "रोल ऑफ अडैप्टिव स्पोर्ट्स इन साइकॉलॉजिकल फ्रंक्शनिंग अमंग पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज: अ रिव्यू," *अंडरस्टैंडिंग डिसएबिलिटी: अ मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच*, एडिटेड बाय प्रो. राधेश्याम, प्रो. सोनिया मलिक, एंड सुश्री पद्मजाई, कनीष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रिब्यूटर्स, 2024, पृ. 282-289।
 12. गोपन, कीर्ति, "कंजर्वेशन एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: सेफ़गार्डिंग वेटलैंड इकोसिस्टम इन केरल," *फ्यूचरिस्टिक अपोज़िटनेस ऑफ कंटेम्पररी रिसर्च एंड एनईपी 2020*, एडिटेड बाय प्रो. (डॉ.) पी. पी. अजयकुमार एंड डॉ. टी. सी. थैंकाचान, यूजीसी-एचआरडीसी, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, सीरा-इंडिया एंड सेंट थॉमस कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, 2024, पृ. 212-219।
 13. इमरान, मोहम्मद, "सैक्रिफाइसिंग एजुकेशन फॉर अ सिप ऑफ वाटर: अ केस स्टडी इन रूरल उड़ीसा," *वीमेन एम्पावरमेंट एंड इकॉनॉमिक डिवेलपमेंट इन इंडिया: इश्यूज एंड चैलेंजेज*, एडिटेड बाय प्रो. जयंती डोरा, कुनाल बुक्स, 2024, पृ. 134-140।
 14. जे एस, जयहलेक्ष्मी, "सबस्टैंटिव रोल ऑफ इलेक्ट्रेड वीमेन ऑफिशियल्स इन पार्टिसिपेटरी इमरजेंसी मैनेजमेंट: एनालाइजिंग द पॉलिटिक्स इन डिजास्टर रेजिलियंस," *पॉलिसी रिसर्प्स एंड डिजास्टर मैनेजमेंट*, एडिटेड बाय डॉ. बुशरा बीगम आर. के., मैथ्री बुक्स, 2023, पृ. 45-59।
 15. के. के., सजना, "इकॉनॉमिक्स ऑफ सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट इन अर्बन एरिया: अ कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू," *सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स: द नीड फॉर अ ग्रासरूट अप्रोच*, एडिटेड बाय डॉ. निशिथा पंकन, मायस पब्लिकेशन, 2022, पृ. 95-104।
 16. कश्यप, शिवांगी, "इंडिया: अ ग्लोबल सॉफ्ट पावर लीडर इन द 21स्ट सेंचुरी," *ग्लोबल क्राइसिस एंड इम्पैक्ट ऑन इंटरनेशनल रिलेशंस*, एडिटेड बाय प्रो. निवेदिता कुमारी एंड प्रो. सोनिका चौधरी, ब्रिटेन बुक कंपनी, लंदन, 2024, पृ. 138-152।
 17. खादर, अमिया अब्दुल, "एक्सप्लोरिंग मेंस्ट्रुअल हेल्थ एंड हाइजीन इन इंडिया: अंडरस्टैंडिंग यूजेज पैटर्न्स ऑफ मेंस्ट्रुअल प्रॉडक्ट्स अक्रॉस डिफरेंट डेमोग्राफिक्स," *इंटरसेक्शन्स ऑफ लॉ एंड कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस इन हेल्थ गवर्नेंस*, एडिटेड बाय कोमल विग, क्रिश्चियन कौनेर्ट एंड भूपिंदर सिंह, आईजीआई ग्लोबल, 2024, पृ. 248-270।
 18. खादर, अमिया अब्दुल, "एम्पावरिंग एक्सीलेंस: द वाइटल रोल ऑफ फ़ैकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम्स इन हायर एजुकेशन एंक्रिडिशन," *एम्पावरिंग एक्सीलेंस*, एडिटेड बाय कोमल विग, क्रिश्चियन कौनेर्ट एंड भूपिंदर सिंह, आईजीआई ग्लोबल, 2024, पृ. 103-113।
 19. कुमारी, अनुजा, "मेनोपॉज एंड इट्स इफ़ेक्ट (स्पेशली इन हॉट क्लाइमेट) इन वीमेन'स हेल्थ एंड हेल्पफुल योगिक प्रैक्टिसेज: अ रिव्यू," *उत्कर्षिणी*, एडिटेड बाय डॉ. ऋचा आर्य एंड डॉ. रेखा यादव, अद्विक पब्लिकेशन, 2024, पृ. 108-121।

20. के. वी., अखिला, "डिजिटल इंडिया : विल ओपेननेस टू इनोवेशन मॉडरेट्स द रिलेशनशिप बिटवीन पर्सोव्ड वैल्यू एंड इंटरेशन टू यूज डिजिटल करेंसीज?," *ट्रांसफॉर्मिंग टू थर्ड बिगोस्ट इकॉनमी: द रोल ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट स्कीम्स इन इंडिया*, एडिटेड बाय डॉ. रामकृष्ण बंदारु एंड कविता पी. हेगडे, केके पब्लिकेशन, 2024, पृ. 24-40।
21. एम., मधुरिथा, "टेक्नॉलॉजिकल इनोवेशंस फ़ॉर ग्रीन डिलीवरीज," *रीसेंट फ्रेज़ेज़ इन बिज़नेस एंड मैनेजमेंट*, एडिटेड बाय डॉ. जी. नेदुमरन, जीएम अमुथम पब्लिकेशन्स, 2024, पृ. 23-32।
22. मेडी, रीता, "फैक्टर्स अफ़ेक्टिंग द हेल्थ ऑफ़ ट्राइबल चिल्ड्रन इन इंडिया," *एसडीजी: चैलेंजेज़ एंड इनिशिएटिव्स*, एडिटेड बाय प्रो. पंच. रामलिंगम एंड डॉ. शाहिद खान, इंडियन स्कूल साइकॉलॉजी एसोसिएशन, 2022, पृ. 197-209।
23. राजभर, रागिनी, "इंडिजिनस एनवायरनमेंटल प्रैक्टिसेज़ एंड डिजास्टर रिस्क रिडक्शन: हार्नेसिंग एन्सेस्ट्रल विज़डम फ़ॉर कल्टिवेटिंग रेज़िलियंस," *द जस्ट ट्रांज़िशन*, एडिटेड बाय ज्योति जे. मोजिका, अंकिता शर्मा एंड मयंक पराशर, ईबीएच पब्लिशर्स (इंडिया), 2024, पृ. 132-158।
24. एस., चरबंदराजु, "लेजिस्लेचर एंड वीमेन एम्पावरमेंट," *रेजर्वेशन्स ऑफ़ वीमेन इन लेजिस्लेचर - डाइमेंशन्स ऑफ़ पॉलिटिकल एम्पावरमेंट एंड वीमेन एम्पावरमेंट रिसर्च एक्टिविटीज़*, एडिटेड बाय डॉ. संधि श्री. के. वी., सेंटर फ़ॉर वीमेन'स स्टडीज़, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, 2024, पृ. 32-34।
25. साहू, मनीषा, "इफ़ेक्ट ऑफ़ ट्रांससेंटील मेडिटेशन ऑन हाइपरटेंशन: एन ओवरव्यू," *करंट ट्रेन्ड्स इन प्राइमरी हेल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद*, एडिटेड बाय डॉ. राशि शर्मा, शबद.इन, 2024, पृ. 79-83।
26. शर्मा, हेमंत कुमार, "वेस्ट टू वेल्थ: द पोर्टेशियल ऑफ़ वेस्ट मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग," *फ्यूचरिस्टिक ट्रेन्ड्स इन रिन्यूएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी*, एडिटेड बाय श्री विरांग शुक्ला, डॉ. राहुल अग्रवाल, श्री परमेश्वर वी. गवांडे, श्री आनंद पटेल, डॉ. मेरुम धनंजय, डॉ. एन. ए. तलवार, डॉ. आर. प्रेममुधा, एंड श्रीमती मूकम्बिका बी. ए., इटरेटिव इंटरनेशनल पब्लिशर्स, 2022, पृ. 28-54।
27. सिंह, अमोम मालेमंगान्बा, "द रोल ऑफ़ सोशल मीडिया इन द 2022 मणिपुर असेंबली इलेक्शन," *इमर्जिंग इश्यूज़ ऑन राइट्स एंड इकैलिटी*, एडिटेड बाय लाइटॉजम मुहिंद्रो, रूबी प्रेस एंड कंपनी, 2024, पृ. 80-87।
28. ठाकुर, पूजा, "मैपिंग द पाथ ऑफ़ डिजिटल एम्प्लॉयमेंट: ई-कॉमर्स'स रोल इन जॉब क्रिएशन," *बिल्डिंग अ सस्टेनेबल फ्यूचर*, एडिटेड बाय डॉ. पुष्पा सुर्यवंशी, डॉ. बबीता यादव, एंड डॉ. शालिनी चौईश्रानी, श्री विनायक पब्लिकेशन, 2024, पृ. 407-419।
29. तिवारी, अनुशका, "प्रमोटिंग चाइल्ड राइट्स इन इंडिया थ्रू मीडिया," *नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 एंड रिइन्विगरेटिंग अलर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन*, एडिटेड बाय डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सराफ़ एंड डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति, रुद्र पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, 2024, पृ. 186-197।
30. वर्गीज़, सॉली सुसान, "फ़ॉस्टरिंग ज्योमेट्रिक इंटरैक्टिव स्किल्स थ्रू एक्सपीरियेंशियल लर्निंग: एन एनईपी 2020 पर्सपेक्टिव," *फ्यूचरिस्टिक अपोज़िटनेस ऑफ़ कंटेम्पररी रिसर्च एंड एनईपी 2020*, एडिटेड बाय प्रो. पी. पी. अजयकुमार, यूजीसी-एचआरडीसी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरल, 2022, पृ. 180-187।
31. वार्शिनी, अमृत, "रोल ऑफ़ वीमेन'स एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी," *ब्रिजिंग द डिजिटल डिवाइड: एम्पावरिंग वीमेन इन रूरल इंडिया थ्रू इमर्जिंग टेक्नॉलॉजी*, एडिटेड बाय डॉ. विष्णु डी. राजपूत, डॉ. आर. के. दोहरेय, डॉ. वीनीता कुमारी, अमन वर्मा, एंड अमृत वार्शिनी, एनआईपीए, 2024, पृ. 183-199।
32. वार्शिनी, अमृत, "बिगॉन्ड कनेक्टिविटी: डिजिटल लिटरेसी एंड स्किल डिवेलपमेंट," *ब्रिजिंग द डिजिटल डिवाइड: एम्पावरिंग वीमेन इन रूरल इंडिया थ्रू इमर्जिंग टेक्नॉलॉजी*, एडिटेड बाय डॉ. विष्णु डी. राजपूत, डॉ. आर. के. दोहरेय, डॉ. वीनीता कुमारी, अमन वर्मा, एंड अमृत वार्शिनी, एनआईपीए, 2024, पृ. 215-225।
33. वार्शिनी, अमृत, "डेटा प्राइवैसी एंड सिक्योरिटी: अ क्रिटिकल लेंस ऑन जेंडर एंड टेक्नॉलॉजी," *ब्रिजिंग द डिजिटल डिवाइड: एम्पावरिंग वीमेन इन रूरल इंडिया थ्रू इमर्जिंग टेक्नॉलॉजी*, एडिटेड बाय डॉ. विष्णु डी. राजपूत, डॉ. आर. के. दोहरेय, डॉ. वीनीता कुमारी, अमन वर्मा, एंड अमृत वार्शिनी, एनआईपीए, 2024, पृ. 56-70।
34. वार्शिनी, अमृत, "रोल ऑफ़ क्लाइमेट स्मार्ट अप्रोचेज़ इन एक्सटेंशन एजुकेशन," *इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन एग्रीकल्चरल*

- एक्सटेंशन एजुकेशन, एडिटेड बाय डॉ. डी. पी. राय एंड डॉ. सायनिका बोराह, एसपी पब्लिशिंग, 2024, पृ. 162-168।
35. वार्शिनी, अमृत, "एग्रिप्रेन्योरशिप एंड एग्री जर्नलिज्म," *इमर्जिंग ट्रेड्स इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन*, एडिटेड बाय डॉ. डी. पी. राय एंड डॉ. सायनिका बोराह, एसपी पब्लिशिंग, 2024, पृ. 194-202।
 36. वार्शिनी, अमृत, "ग्रीन रेमेडिएशन: हार्नेसिंग प्लांट-बेस्ड स्ट्रेटेजीज़ फॉर रिमूवल ऑफ़ इमर्जिंग सॉइल कंटेमिनेंट्स," *नैनोटेक्नॉलॉजी एप्लीकेशन्स एंड इनोवेशन्स फॉर इम्प्रूव्ड सॉइल हेल्थ*, एडिटेड बाय डॉ. विष्णु डी. राजपूत, डॉ. आर. के. दोहरेय, डॉ. वीनीता कुमारी, श्री अमन वर्मा, एंड सुश्री अमृत वार्शिनी, आईजीआई ग्लोबल, 2024।
 37. यादव, अंशु, "बिल्डिंग इंडिया'स ग्रीन पोर्टफोलियो: अ स्ट्रेटेजिक अप्रोच टू रिड्यूसिंग द क्लाइमेट क्राइसिस," *एनवायरनमेंटल गवर्नेंस इन इंडिया*, एडिटेड बाय डॉ. संजय शर्मा, हाउ एकेडेमिक्स, 2024, पृ. 177-194।
 38. यामी, नबम, "वीमेन, स्पोर्ट्स, एंड जेंडर स्टीरियोटाइप: अ रिव्यू स्टडी ऑन इंडियन फीमेल एथलीट्स," *रिसर्च ट्रेड्स इन मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच - द कलेक्टिव*, एडिटेड बाय अनिल तंती, बिजॉय दास, एंड सबिता भगवती, वाग्देवी पब्लिशर, 2023, पृ. 91-101।
- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्राप्त डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति प्रदत्त द्वारा स्कोपस इंडेक्स जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्र**
39. आफरीन सना, "एम्पावरिंग फ्यूचर्स: द रोल ऑफ़ ईसीसीई टीचर्स इन फ़ॉस्टरिंग लाइफ़लॉन्ग लर्निंग एंड मल्टीडिसिप्लिनरी स्किल डिवेलपमेंट।" *इंटरनेशनल एजुकेशनल साइंटिफिक रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 10, अंक 12, दिसंबर 2024, पृ. 1-14।
 40. एवीपी, आर्षा। "अटिट्यूड ऑन इम्प्लीमेंटिंग सेक्स एजुकेशन इन स्कूल्स अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन पालक्काड डिस्ट्रिक्ट।" *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, अंक 4, अप्रैल 2022, पृ. 846-851।
 41. अथिरा ए., "परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ़ प्रोडक्शन एंड मार्केटिंग ऑफ़ मिलेट्स इन इंडिया।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स*, वॉल्यूम 13, अंक 1, दिसंबर 2024, पृ. 1-10।
 42. बदूनी, प्रियंका। "क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट ऑन सेंट्रल हिमालयन फ़ॉरेस्ट एंड रूरल इकोसिस्टम: एंड अडैप्टेशन, मिटिगेशन एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज़।" *एनविस बुलेटिन हिमालयन इकोलॉजी*, वॉल्यूम 31, अप्रैल 2023, पृ. 40-49।
 43. बदूनी, प्रियंका। "अनवीलिंग द हिमालयन ट्रेजर्स: एक्सप्लोरिंग वाइटल इकोसिस्टम सर्विसेज़ एंड नेविगेटिंग मैनेजमेंट चैलेंजेज़: ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू।" *माइग्रेशन लेटर्स*, वॉल्यूम 21, अंक एस9, मई 2024, पृ. 1466-1487।
 44. बालकृष्णन। "एक्सप्लोरिंग अनएक्सप्लोर्ड डायमेंशन्स ऑफ़ ऑर्गनाइजेशनल एम्बिडेक्सटेरिटी इन द होटल इंडस्ट्री: सिस्टमैटिक लिटेरेचर रिव्यू, सिंथेसिस एंड रिसर्च एजेंडा।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म सिस्टम्स*, वॉल्यूम 17, अंक 1, जनवरी 2022, पृ. 48-65।
 45. बनर्जी, सुष्मिता। "बौद्ध धर्म में मानवतावाद।" *दार्शनिक त्रैमासिक, अभिनिर्देशित (पीयर रिव्यूड) यूजीसी केयर सूचीबद्ध जर्नल*, वाल्यूम ग्रुप-1, अंक 4, जनवरी-मार्च 2023, पृ. 290-295।
 46. चकमा, मानव कुमार। "सर्किट डिवेलपमेंट अप्रोच टू जियो-टूरिज्म एंड जियोपार्क्स इन नॉर्थईस्ट इंडिया।" *जियो-जर्नल (2023)* वॉल्यूम 88, अंक 6, अक्टूबर 2023, पृ. 6161-6173।
 47. दास, सूर्यप्रभा। "साइक्लोन वल्वेबिलिटी असेसमेंट ऑफ़ कोस्टल उड़ीसा: ए सब-डिस्ट्रिक्ट लेवल एनालिसिस।" *जर्नल ऑफ़ इंटीग्रेटेड डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट (आईडीआरआईएम)*, वॉल्यूम 14, अंक 1, जून 2022, पृ. 89-96।
 48. देश दीपका। "ट्रेसिंग चैलेंजेज़ इन द पाथवेज़ ऑफ़ सीबीसीएस: ए स्टेटस स्टडी।" *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 44, अंक 3, जुलाई-दिसंबर 2024। <https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1>
 49. दीपेश। "सस्टेनेबल लीडरशिप: ए ग्लॉस फ़ॉम बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस।" *जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस*, वॉल्यूम 19, अंक 1, जनवरी 2025, पृ. 60-71।
 50. गहलौत, श्वेता। "एनी बेसेंट का भारतीय शिक्षा में योगदान।" *शोध मीमांसा*, वॉल्यूम 8, अंक 29, जनवरी-मार्च 2021, पृ. 104-105।
 51. गुप्ता, सृष्टि। "हिंदी के विकास में अंगिका की भूमिका।" *पदचिह्न*, वॉल्यूम 1, अंक 12, दिसंबर 2023, पृ. 142-168।

52. गुप्ता शुभम। “री-परचेज इंटरेशन इन मोबाइल ऑगमेंटेड रियलिटी ऐप्स: इनसाइट्स थ्रू द लेंसिस ऑफ थ्योरी ऑफ इंटरएक्टिव मीडिया इफेक्ट्स।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरैक्शन*, नवंबर 2024, पृ. 1-16।
53. गुप्ता, शुभम। “इन्वेस्टर्स सैटिस्फैक्शन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-सपोर्टेड शेयर ट्रेडिंग ऐप्स: मेडिएशन एंड पैरेलल मॉडरेशन एनालिसिस।” *इंटरनेशनल स्टडीज ऑफ मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन*, दिसंबर 2024। <https://doi.org/10.1080/00208825.2024.2442191>
54. जे., जेयकस्तूरी। “ओरिजिन एंड डिवेलपमेंट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नेंस विद स्पेशल रेफरेंस टू तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट: ए हिस्टोरिकल स्टडी।” *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 44, अंक 3, जुलाई-दिसंबर 2024, पृ. 9620-9624।
55. कौर, जसबीर। “इफेक्टिवनेस ऑफ वीडियो मॉड्यूल इन अकायमिंग नॉलेज रिगार्डिंग सेफ एंड ज्यूडिशियस यूज ऑफ पेस्टिसाइड्स बाय रूरल वीमेन।” *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 19, अंक 4, अक्टूबर-दिसंबर 2024, पृ. 347-351।
56. कुमार, राकेश। “रोल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स इन द 21st सेंचुरी: रिड्यूसिंग स्ट्रेस इन द एरा ऑफ लिबरलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन एंड ग्लोबलाइजेशन (एलपीजी)।” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 29, अंक 4, दिसंबर 2023, पृ. 3855-3862।
57. कुमारी, अनुप्रिया। “स्ट्रिक्ट लाइबिलिटी एंड इट्स इम्प्लिकेशनस फॉर ऑफिसियल अगेंस्ट वीमेन इन इंडिया: ए क्रिटिकल एनालिसिस।” *ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज स्टडीज*, वॉल्यूम 13, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2024, पृ. 36-45।
58. कुमार, राकेश। “आर्ट थैरेपी इन ट्रॉमा रिकवरी: एक्सप्लोरिंग द थैरेप्यूटिक पोटेंशियल ऑफ क्रिएटिव एक्सप्रेसन।” *अफ्रीकन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च*, वॉल्यूम 27, अंक 4, दिसंबर 2024, पृ. 9836-9847।
59. मणि, आर्द्रा। “कम्पेरिटिव एनालिसिस ऑफ एआरआईएमए एंड गार्च मॉडल्स फॉर फ़ोरकास्टिंग स्पोर्ट गोल्ड प्राइसेज एंड देयर वोलैटिलिटी: ए टाइम सीरीज स्टडी।” *आईईईई कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स (आईईईईई कॉन्फ्र. प्रोसी.)*, वॉल्यूम 2023, नंबर आरएएसएसई दिसंबर 2023, पृ. 01-05।
60. मधुरिता एम। “ए स्टडी ऑन टीसीवी: एनालाइज यूजर्स एटिट्यूड एंड प्रेफरेंस इन ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप्स।” *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 44, अंक 3, दिसंबर 2024, पृ. 17683-17691।
61. मुर्मू, दिलीप। “इंडिजिनस हीलिंग प्रैक्टिसेज: इवैल्यूएटिंग द रोल ऑफ ट्राइबल मेडिसिन इन कंटेम्परी हेल्थकेयर।” *मैन एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 47, अंक 1, 2025, पृ. 47-56।
62. परवीन पी., शिराज। “वल्नरेबिलिटी ऑफ जेन-जी टू ई-कॉमर्स डिसेप्शन ऑन कंज्यूमर्स बिलीफ कैटेगोरीज इन ऑनलाइन प्रोडक्ट रिकमेंडेशन सिस्टम्स।” *क्वालिटी इन्वेषन प्रॉस्पेक्टि*, वॉल्यूम 28, अंक 2, जुलाई 2024, पृ. 150-168।
63. पांडेय, श्रेयाशी। “एक्सप्लोरिंग द कोरिलेशनस बिटवीन सोशल सपोर्ट, रेजिलिएंस, वेल-बीइंग एंड मेंटल हेल्थ वेरिएबल्स अमंग यूथ इन बॉर्डर एरियाज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री*, जनवरी 2025। <https://doi.org/10.1177/00207640241310190>
64. राठौर, सचिन। “पार्टिसिपेशन, हिंटेसेज एंड कॉन्ट्रिब्यूटिंग फैक्टर्स ऑफ ट्राइबल वीमेन इन मिलेट कल्चिवेशन: केस ऑफ ईस्टर्न प्लेटो एंड हिल रीजन क्वाइमेटिक ज़ोन।” *इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी*, वॉल्यूम 51, अंक 4, अगस्त 2024, पृ. 750-755।
65. रावत, हरीश। “फ्रॉम फ्रैजाइल टू फ़ॉर्टिफ़ाइड: ए कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन फ़ॉरस्ट्रिंग वैल्यू कॉन्फ़्लिक्ट रिज़ॉल्यूशन एंड रेजिलिएंट अर्बन लीडरशिप।” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, अंक 1, जून 2024, पृ. 1931-1940।
66. एस., आशा। “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हायर एजुकेशन: ए बिब्लियोग्रेफिक अप्रोच।” *यूरोपियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च*, वॉल्यूम 13, अंक 3, जुलाई 2024, पृ. 1121-1137।
67. शर्मा के.एम. कृष्णा शेखर। “ए कम्पेरिटिव स्टडी ऑफ कंज्यूमर प्रोटेक्शन लेजिस्लेशन ऑफ इंडिया, चाइना एंड यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ ई-कॉमर्स।” *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 44, अंक 3, जुलाई-दिसंबर 2024। <https://doi.org/10.48165/bapas.2024.44.2.1>

68. सैनी, अक्षय। “अनवीलिंग द हिमालयन ट्रेजर्स: एक्सप्लोरिंग वाइटल इकोसिस्टम सर्विसेज एंड नेविगेटिंग मैनेजमेंट चैलेंजेज: ए कॉम्प्रिहेंसिव रिव्यू।” *माइग्रेशन लेटर्स*, वॉल्यूम 21, अंक एस9, अप्रैल-मई 2024, पृ. 1466-1487।
69. सत्यन, आर्षा वी। “बैलेंसिंग हेल्थ-केयर प्राइवेटाइजेशन इन केरल: द इम्पैक्ट ऑफ पब्लिक सेक्टर इंटरवेंशन।” *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ*, वॉल्यूम 68, अंक 1, जनवरी-मार्च 2024, पृ. 128-129।
70. शाह, शुभम। “फ्रॉम फ्रैजाइल टू फॉर्टिफाइड: ए कॉन्सेप्चुअल फ्रेमवर्क फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन फॉर स्ट्रिंग वैल्यू कॉन्सिल्टेंट रिजॉल्यूशन एंड रेजिलिएंट अर्बन लीडरशिप।” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, अंक 1, जून 2024, पृ. 1931-1940।
71. शर्मा, आस्था। “इफेक्टिवनेस ऑफ हाइब्रिड एन्सेम्बल मशीन लर्निंग मॉडल्स फॉर लैंडस्लाइड ससेप्टिबिलिटी एनालिसिस: एविडेंस फ्रॉम शिमला डिस्ट्रिक्ट ऑफ नॉर्थ-वेस्ट इंडियन हिमालयन रीजन।” *जर्नल ऑफ माउंटेन साइंस*, वॉल्यूम 21, अंक 7, जून 2022, पृ. 2368-2393।
72. शंकर प्रेम सिंह। “कैपिटल मार्केट रिफॉर्म इन इंडिया: एन एनालिटिकल ओवरव्यू।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड एप्लाइड रिसर्च*, वॉल्यूम 5, अंक 44, नवंबर-दिसंबर 2024, पृ. 346-371।
73. सिंह, पालुंगबाम लेरिक्स। “लेक्वेजिंग इन्फॉर्मेशन टू ओवरकम रेजिस्टेंस इन मोबाइल बैंकिंग: द मॉडरेटिंग रोल ऑफ जेंडर।” *एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन: थ्योरी एंड प्रैक्टिस*, वॉल्यूम 30, अंक 5, मई 2024, पृ. 6162-6167।
74. सिंह, पालुंगबाम लेरिक्स। “फ्रैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग फीमेल यूजर्स सैटिस्फैक्शन इन मोबाइल बैंकिंग: ए स्टडी इन मणिपुर, इंडिया।” *रेविस्ता डे गेस्टाओ सोशल ई एम्बिएंटल*, वॉल्यूम 18, अंक 7, जून 2024, पृ. 01-17।
75. ठाकुर, पूजा। “मैपिंग द लैंडस्केप ऑफ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी: ए बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस।” *जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस*, वॉल्यूम 7, अंक 2, अप्रैल 2023, पृ. 1533-1553।
76. तुश्या। “इफेक्टिवनेस ऑफ रिमोटली डिलीवर्ड माइंडफुलनेस एंड एक्सेप्टेंस एंड कमिटमेंट थैरेपी-बेस्ड स्मोकिंग सेसेशन प्रोग्राम्स: ए सिस्टमैटिक रिव्यू।” *करेंट साइकोलॉजी*, वॉल्यूम 43, अंक 9, मार्च 2024, पृ. 8158-8172।
77. त्रुदिर रेपकाबा। “कल्चरल एंड इकोलॉजिकल डायलॉग: ए स्टडी ऑफ नागालैंड कोल माइनिंग एरियाज़।” *एनवायरनमेंटल सोशियोलॉजी*, नवंबर 2024, पृ. 23-36।
78. वार्शिनी, अमृत। “सोशियो-इकोनॉमिक प्रोफाइल ऑफ द बेनिफिशियरीज ऑफ मनरेगा: ए स्टडी ऑन द मनरेगा इन द नालंदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार।” *एग्रीकल्चर साइंस डाइजेस्ट*, वॉल्यूम डीओआई 10.18805/एजी.डी-5975 नंबर. एनए, जून 2024, पृ. 01-05।
79. वार्शिनी, अमृत। “सोशियो-इकोनॉमिक प्रोफाइल ऑफ द बेनिफिशियरीज ऑफ मनरेगा: ए स्टडी ऑन द मनरेगा इन द नालंदा डिस्ट्रिक्ट ऑफ बिहार।” *एआरसीसी जर्नल्स: एग्रीकल्चरल साइंस डाइजेस्ट*, वॉल्यूम डीडी-5975 नंबर ..., जून 2024, पृ. 01-05।
80. यदुवंशी, एकता। “मिटीगेटिंग एसएडी स्टेट्स एंड मैलएडैप्टिव कोपिंग इन लॉ एनफोर्समेंट: एन्हांस इमोशनल कॉम्पिटेंस।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू (आईजेईआरआर)*, वॉल्यूम 40, विशेषांक, जून 2024, पृ. 132-141।
81. यदुवंशी, एकता। “मिटीगेटिंग एसएडी स्टेट्स एंड मैलएडैप्टिव कोपिंग इन लॉ एनफोर्समेंट: एन्हांस इमोशनल कॉम्पिटेंस।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल रिसर्च एंड रिव्यू (आईजेईआरआर)*, वॉल्यूम 40, विशेषांक, जून 2024, पृ. 132-141।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति प्रदत्त द्वारा सहकर्मि समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र।

1. ए, फज़ीला बेगम। “इम्पैक्ट ऑफ आर्ट ऑफ माइंडफुल लिविंग ऑन एंग्ज़ाइटि अमंग प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स.” *स्कॉलर्ली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़*, वॉल्यूम 11, नंबर 65, अक्टूबर-दिसंबर 2023, पृष्ठ 398-404।
2. ए, फज़ीला बेगम। “इन्फ्लुएंस ऑफ रेजिलिएंस ऑन एकैडमिक स्ट्रेस ऑफ बी.एड. टीचर ट्रेनिंग.” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग नॉलेज एंड स्टडीज़*, वॉल्यूम 2, नंबर 8, अगस्त 2023, पृष्ठ 210-215।
3. अनिरुधन सिलपा टी। “‘वूडेड-ब्रेस्ट’ स्टोरीज़: री-लिंकिंग लैक्तीटिंग वीमेन ऐज एन इम्यूटेबल ऐब्जेक्ट सेल्फ इन सिलेक्ट ट्राइबल फोकटेल्स.” *एरोथेनाटोस*, वॉल्यूम 8, नंबर 4, दिसंबर 2024, पृष्ठ 41-57।

4. अग्रवाल, अक्रति। "कैलिडोस्कोप ऑफ़ टैक्स रेट एंड टैक्स कॉम्प्लायंस ऑफ़ ब्रिक्स कंट्रीज़." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, वॉल्यूम 6, नंबर 3, मई-जून 2022, पृष्ठ 01-04।
5. अग्रवाल, अरुणिमा। "पब्लिक सेक्टर बैंक्स एंड द दीनदयाल अंत्योदय योजना-नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (डे-एनआरएलएम): असेसिंग देयर रोल इन रूरल फ़ाइनेंशियल इन्क्लूजन इन सागर डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ मध्य प्रदेश." *इंटरनेशनल जर्नल फ़ॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर)*, वॉल्यूम 5, नंबर 6, नवंबर-दिसंबर 2023, पृष्ठ 01-11।
6. अहमद, नज़राना। "रिलेवेंस ऑफ़ डॉ. बी.आर. अंबेडकर'स विज़न ऑफ़ सोशल जस्टिस विद स्पेशल रेफ़रेंस टू वीमेन: एन एनालिसिस." *केस्ट फ़ॉर जस्टिस*, वॉल्यूम 10, नंबर 1, जून-जुलाई 2024, पृष्ठ 26-50।
7. अहमद, नज़राना। "वीमेन'स रिप्रोडक्टिव एंड हेल्थ राइट्स: एन अप्प्रेज़ल ऑफ़ कम्पीटिंग इंटेरेस्ट्स." *सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ कश्मीर लॉ रिव्यू*, वॉल्यूम 3, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ 59-87।
8. अहमद, समरीन। "इंडियनाइज़ेशन ऑफ़ द इंडियन लीगल सिस्टम: मैपिंग द रिलेवेंस ऑफ़ द एन्शिअेंट इंडियन ज्यूरिस्ट्रुडेंस." *इंडियन स्टडीज़ रिव्यू*, वॉल्यूम 4, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2023, पृष्ठ 32-57।
9. अकरम, तमकीन। "परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ ग्लास इंडस्ट्री इन इंडिया: ए स्टडी ऑफ़ टेम्पोरल एनालिसिस." *इंटरनेशनल जर्नल फ़ॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (आईजेरीम)*, वॉल्यूम 9, नंबर 11, फ़रवरी 2024, पृष्ठ 150-156।
10. अकरम, तमकीन। "डेटरमिनेंट्स ऑफ़ फ़ूड इन्सेक्योरिटी ड्यूरिंग कोविड-19 पैडेमिक: ए केस स्टडी ऑफ़ अलीगढ़, उत्तर प्रदेश." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफ़िक मेथड्स (आईजेएआरईएसएम)*, वॉल्यूम 12, नंबर 3, मार्च 2024, पृष्ठ 2941-2950।
11. अकरम, तमकीन। "डेटरमिनेंट्स ऑफ़ फ़ूड इन्सेक्योरिटी ड्यूरिंग कोविड-19 पैडेमिक: ए केस स्टडी ऑफ़ अलीगढ़, उत्तर प्रदेश." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफ़िक मेथड्स (आईजेएआरईएसएम)*, वॉल्यूम 12, नंबर 3, मार्च 2024, पृष्ठ 2941-2950।
12. अंकित। "ट्रेड एंड कॉमर्स इन अर्ली इंडिया ऐज डिपिकटेड इन द जैन टेक्स्ट कुअलयमालकाहा." *पिरियोडिक रिसर्च*, वॉल्यूम 12, नंबर 3, फ़रवरी 2024, पृष्ठ E1-E10।
13. अनुज। "जियोपॉलिटिकल डायनामिक्स एंड कनेक्टिविटी इनिशिएटिव्स इन द इंडो-पैसिफ़िक रीजन." *वर्ल्ड फ़ोकस*, वॉल्यूम 45, नंबर 530, फ़रवरी 2022, पृष्ठ 59-64।
14. अनुज। "भारत बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में चुनौतियां एवं सहयोग." *नेशनल पीयर रिव्यूज जर्नल ऑफ़ सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 26, नंबर 6, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 32-47।
15. अथिरा. ए। (2024)। "एम्पीरिकल वेरिफ़िकेशन ऑन एक्सपोर्ट परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ हाई वैल्यू क्रॉप्स इन इंडिया." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 20, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 135-143।
16. बी एम, गौतम। "कस्टमर्स सैटिस्फ़ैक्शन टुवर्ड्स हेल्थ इंश्योरेंस: ए स्टडी विद रेफ़रेंस टू सिलेक्ट हेल्थ इंश्योरेंस कंपनिज़ इन कल्याण-कर्नाटक." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी*, वॉल्यूम 2, नंबर 2, अप्रैल-जून 2024, पृष्ठ 247-252।
17. बदुनी, प्रियांका। "कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ मिलेट्स इन फ़ूड एंड न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी टू ह्यूमन बीइंग: करंट स्टेट्स एंड फ़्यूचर पर्सपेक्टिव्स." *नैचुरल रिसोर्सेज कंज़र्वेशन एंड रिसर्च* 2024, वॉल्यूम 7, नंबर 1, जुलाई 2024, पृष्ठ 01-21।
18. बाजपेयी, अदिति। "ए ब्रीफ़ रिव्यू ऑफ़ द प्रेज़ेंस ऑफ़ सुपरस्टिशन इन रूरल इंडियन सोसाइटी." *ह्यूमैनिटीज़ ऑफ़ सोशल साइंस रिव्यू (एन इंटरनेशनल पीयर रिव्यू रिफ़रीड जर्नल)*, वॉल्यूम 11, नंबर 1, जनवरी से जून 2024, पृष्ठ 01-08।
19. बानो, बिल्किश। "जेंडर मार्किंग: विद रेफ़रेंस टू हिंदी नाउन." *टीआईजेईआर*, वॉल्यूम 9, नंबर 5, मई 2022, पृष्ठ 253।
20. भगत, सुजन। "इंडिजिनस नॉलेज इन्फ़्लुएंस टू बाय ब्रिटिश, कॉर्पोरेट एंड हिंदुत्वा प्रैक्टिसेज़." *जामिया जर्नल ऑफ़ एजुकेशन*, वॉल्यूम 5, नंबर 2, मार्च 2019, पृष्ठ 160-167।
21. चौधरी, कमल। "टू बी ऑर नॉट टू बी ऑफ़ द उत्तराखंड लैंड लॉज़." *एंट्रोकोम ऑनलाइन जर्नल ऑफ़ एंथ्रोपोलॉजी*, वॉल्यूम 20, नंबर 1, जून-जुलाई 2024, पृष्ठ 185-188।

22. चौधरी, शेफाली। "चाइना'स इन्फ्लुएंस ऑन इंडिया'स मैरिटाइम सिक्योरिटी इन द बे ऑफ़ बंगाल: रिलेवेंस ऑफ़ द क्राड." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज*, वॉल्यूम 5, नंबर 6, जून 2022, पृष्ठ 4432-4436।
23. दास, शक्तिरंजन। "एग्रीकल्चरल डायवर्सिफिकेशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इन्हांसिंग फ़ार्म इनकम." *जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 19, विशेषांक, मार्च 2024, पृष्ठ 106-115।
24. दीपक, देश। "बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का शैक्षिक दृष्टिकोण का वर्तमान परिदृश्य के संदर्भ में अध्ययन." *गीना शोध संगम*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2022, पृष्ठ 44-48।
25. दीपक, देश। "टीचर एजुकेशन: प्रोफेशनल एथिक्स एंड कोड ऑफ़ कंडक्ट." *इंटरनेशनल जर्नल फ़ॉर इन्वेस्टिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी फ़ील्ड*, वॉल्यूम 10, नंबर 3, मार्च 2022, पृष्ठ 217-220।
26. देश दीपक। "रिसर्च ट्रेड्स ऑन वैल्यू एजुकेशन इन अ डिफ़ेड विद स्पेशल रेफ़रेंस इन फ़ैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन: इंडियन यूनिवर्सिटी." *लाइब्रेरी प्रोग्रेस इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 44, नंबर 3, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 316-337।
27. देश दीपक। "ट्रेड्स ऑफ़ रिसर्च ऑन वूमन स्टडीज़ फ़ॉम 2001 टू 2020 इन फ़ैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन इन सेंट्रल यूनिवर्सिटी." *मुक्त शब्द जर्नल*, वॉल्यूम 12, नंबर 11, नवंबर 2024, पृष्ठ 136-164।
28. धनराज। "इम्पैक्ट ऑफ़ मर्जर ऑन फ़ाइनेंशियल परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ बैंक ऑफ़ बड़ौदा." *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस स्टडीज़ जर्नल*, वॉल्यूम 12, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2023, पृष्ठ 19-24।
29. धनराज। "इम्पैक्ट ऑफ़ मर्जर ऑन फ़ाइनेंशियल परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ बैंक ऑफ़ बड़ौदा." *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस स्टडीज़*, वॉल्यूम 12, नंबर 6, जुलाई-दिसंबर 2023, पृष्ठ 19-24।
30. धात्रक, स्वप्निल प्रमोद। "एनवायरनमेंट लॉज इन इंडिया: ए रिव्यू." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज*, वॉल्यूम 4, नंबर 10, अक्टूबर 2022, पृष्ठ 1671-1676।
31. दत्ता, अंकिता। "द वर्ल्ड ऑफ़ किस्सास, दास्तान नामा एंड मिनिएचर पेंटिंग्स: अ वीव ऑफ़ ट्रांस मीडिया लिटरेरी ट्रांज़ेक्शंस इन सेंट्रल एशिया." *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 14, नंबर 3, फ़रवरी 2024, पृष्ठ 08-15।
32. दत्ता, अंकिता। "द वर्ल्ड ऑफ़ किस्सास, दास्तान, नामा एंड मिनिएचर पेंटिंग्स: अ वीव ऑफ़ ट्रांस मीडिया लिटरेरी ट्रांज़ेक्शंस इन सेंट्रल एशिया." *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 14, नंबर 3, फ़रवरी 2024, पृष्ठ 08-15।
33. दत्ता, अंकिता। "कॉन्फ़्लुएंस ऑफ़ ओरैलिटी, मेमोरी एंड लिटरेसी इन शेपिंग अ न्यू लिटरेरी फ़ॉर्म: विद स्पेशल रेफ़रेंस टू द किस्सास एंड दास्तान्स." *संशोधक*, वॉल्यूम 3, नंबर 36, मार्च 2024, पृष्ठ 35-39।
34. दिहिंगिया, बिकाश। "रिफ़ॉर्मिंग द लोकल सेल्फ़-गवर्नेंस इन असम थ्रू द असम पंचायत (अमेंडमेंट) एक्ट, 2023." *द रिव्यू ऑफ़ कंटेम्परी साइंटिफ़िक एंड एकेडमिक स्टडीज़*, वॉल्यूम 4, नंबर 11, नवंबर 2024। <https://doi.org/10.55454/rcsas.4.11.2024.007>
35. एल्लिकल, आदिल। "एआई-एनेबल्ड पर्सनलाइज़्ड लर्निंग: एम्पॉवरिंग मैनेजमेंट स्टूडेंट्स फ़ॉर इम्प्रूविंग एंगेजमेंट एंड एकेडमिक परफ़ॉर्मेंस." *विलक्षण - जिम्ब जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 22, नंबर 1, 2025, पृष्ठ 2445-2459।
36. गोपन, कीर्ति। "एक्सप्लोरिंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स अवेयरनेस ऑफ़ वेतलैंड कंज़र्वेशन." *साउथ इंडिया जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस*, वॉल्यूम 21, नंबर 16, जुलाई-दिसंबर 2023, पृष्ठ 170-173।
37. गुप्ता, मनीष कुमार। "चेंजिंग जेंडर डायनेमिक्स एंड इट्स पोर्ट्रेयल इन हिंदी सिनेमा." *शोध दृष्टि*, वॉल्यूम 15, नंबर 6.1, जून 2024, पृष्ठ 207-212।
38. गुर्मकोडा, भास्कर। "अवेयरनेस ऑन असिस्टिव टेक्नोलॉजी अमंग प्री-सर्विस टीचर्स टू प्रमोट इन्क्लूसिव एजुकेशन." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट एजुकेशनल स्टडीज़*, वॉल्यूम 2, नंबर 2, दिसंबर 2023, पृष्ठ 28-40।
39. गुर्मकोडा, भास्कर। "अवेयरनेस ऑन असिस्टिव टेक्नोलॉजी अमंग प्री-सर्विस टीचर्स टू प्रमोट इन्क्लूसिव एजुकेशन." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ करंट एजुकेशनल स्टडीज़*, वॉल्यूम 2, नंबर 2, दिसंबर 2024, पृष्ठ 28-40।
40. इमरान, मोहम्मद। "एन एनालिसिस ऑफ़ स्टूडेंट्स' ट्रांज़िशन रेड्स, ड्रॉप-आउट रेड्स, एंड रिटेंशन रेट इन सेकेंडरी एजुकेशन इन उड़ीसा." *इंटरनेशनल जर्नल फ़ॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, वॉल्यूम 5, नंबर 5, अक्टूबर 2023, पृष्ठ 01-12।

41. इमरान, मोहम्मद। "ड्रॉपआउट ऑफ़ मुस्लिम गर्ल्स इन उड़ीसा: अ रिव्यू." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़*, वॉल्यूम 10, नंबर 4, अक्टूबर 2023, पृष्ठ 236-241।
42. इमरान, मोहम्मद। "एन एनालिसिस ऑफ़ स्टूडेंट्स' पार्टिसिपेशन इन सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी, एंड हायर एजुकेशन इन इंडिया." *द थर्ड वॉइस रियलिटी एंड विज़न*, वॉल्यूम 6, नंबर 1, जून 2024, पृष्ठ 63-69।
43. जे, सौम्या। "अवेयरनेस एंड परसेप्शंस ऑफ़ कैसर असोसिएटेड मलन्यूट्रिशन: अ वेब बेस्ड सर्वे अमंग डाइटिशियन्स." *द इंडियन जर्नल ऑफ़ होम साइंस*, वॉल्यूम 36, नंबर 10, जनवरी 2022, पृष्ठ 374-383।
44. जे, सौम्या। "अवेयरनेस एंड परसेप्शंस ऑफ़ कैसर असोसिएटेड मलन्यूट्रिशन: अ वेब बेस्ड सर्वे अमंग डाइटिशियन्स." *द इंडियन जर्नल ऑफ़ होम साइंस*, वॉल्यूम 36, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ 374-383।
45. जावेद, मुशिरा। "सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर साइबर अपराध." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी)*, वॉल्यूम 12, नंबर 5, मई 2024, पृष्ठ 171-177।
46. जावेद, मुशिरा। "तकनीकी के दौर में बढ़ते साइबर अपराध और महिलाओं की सुरक्षा." *अनुरक्ति*, वॉल्यूम 14, नंबर 12, दिसंबर 2024, पृष्ठ 26-39।
47. जोसेफ़, किलोइगोबे। "कस्टमरी लॉज ऑफ़ द ज़ेमे नागा ऑफ़ सेनापति डिस्ट्रिक्ट इन मणिपुर विद स्पेशल रेफ़रेंस टू द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ़ जस्टिस इन ज़े-मन्यु विलेज." *गुइनेस जर्नल*, वॉल्यूम IX: 2022, नंबर 1, मार्च 2022, पृष्ठ 225-235।
48. जोसेफ़, किलोइगोबे। "जेंडर रिलेशंस इन ज़ेमे नागा कस्टमरी लॉ रिगार्डिंग प्रॉपर्टी सक्सेशन, इनहेरिटेंस, एंड मेटेनेंस." *एम.डी.यू. लॉ जर्नल*, वॉल्यूम XXXI, नंबर 1, जुलाई 2024, पृष्ठ 71-79।
49. के, नर्मथा। "अ हिस्टोरिकल एनालिसिस ऑफ़ डिवेलपमेंट ऑफ़ द कॉन्सेप्ट ऑफ़ वूमन राइट्स." *आशा पारस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ जेंडर स्टडीज़*, वॉल्यूम 2, नंबर 2, अक्टूबर-मार्च 2023, पृष्ठ 29-37।
50. के, नर्मथा। "डीकंस्ट्रक्टिंग वायलेंस अगेन्स्ट इंडियन वूमन एंड द प्रोफ़ाइल ऑफ़ वूमन राइट्स इन इंडिया." *रिसर्च होराइज़न्स*, वॉल्यूम 13, नंबर 1, दिसंबर 2023, पृष्ठ 71-81।
51. कौंडल, रुपाली। "रिसोर्स यूज़ एफिशिएंसी इन बासमती एंड नॉन-बासमती राइस प्रोडक्शन इन द जे एंड के." *एग्रो इकॉनॉमिस्ट - एन इंटरनेशनल जर्नल*, वॉल्यूम 9, नंबर 3, सितंबर 2022, पृष्ठ 219-223।
52. कौर, जसबीर। "क्लाइमेट चेंज एंड फूड सिक्योरिटी." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड सोशल डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 7, नंबर 2, फ़रवरी 2022, पृष्ठ 115-120।
53. खान, शमीना। "हरित शासन सुनिश्चित करने में मिशन लाइफ़ की भूमिका." *ज्ञान गरिमा सिंधु*, वॉल्यूम 80, नंबर 29, अक्टूबर-दिसंबर 2024, पृष्ठ 267-275।
54. खोखर, डिम्पल। "एक्सप्लोरिंग द हिस्टोरिकल एंड कंटेम्परेरी स्ट्रक्चर ऑफ़ पंजाबी वुडन हैंडीक्राफ़्ट्स." *मध्य भारती - ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस*, वॉल्यूम 85, नंबर 20, जनवरी-जून 2022, पृष्ठ 69-73।
55. कुमारी, अनुप्रिया। "बियोन्ड स्टीरियोटाइप्स: द इवॉल्विंग पोर्ट्रेयल ऑफ़ क्रियर कैरेक्टर्स इन मीडिया." *हिस्ट्री रिसर्च जर्नल*, वॉल्यूम 30, नंबर 1, जनवरी-फ़रवरी 2022, पृष्ठ 105-109।
56. कुमारी, माया। "क्राइम अगेन्स्ट वूमन एंड साइलेंट सफ़रिंग - अ क्रिटिकल असेसमेंट ऑफ़ वूमन एम्पावरमेंट." *जर्नल ऑफ़ सोशल वर्क एंड सोशल डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 15, नंबर 1, जून 2024, पृष्ठ 133-147।
57. कुमार, गिरीश। "रेवेन्यू परफ़ॉर्मेंस ऑफ़ डायरेक्ट टैक्स एंड गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी) इन इंडिया: टैक्स बुएंसी अप्रोच." *आईपीई जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 14, नंबर 2(1), जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 101-109।
58. कुमार, पंकज। "असेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ़ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) ऑन रूरल डिवेलपमेंट: अ केस स्टडी ऑफ़ चित्रकूट डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन फ़ाइनेंस एंड मार्केटिंग*, वॉल्यूम 14, नंबर 2, नवंबर 2024, पृष्ठ 51-68।
59. के.जी. ऐश्वर्या ज्योति। "एआई एंड इमरजेंसी हेल्थ कम्युनिकेशन: अ सिस्टमेटिक लिटरेचर रिव्यू." *स्टडीज़ इन ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 31, नंबर 11, दिसंबर 2024, पृष्ठ 221-245।
60. लालेंकावला, सी। "पीपल्स राइट टू इंफ़ॉर्मेशन एंड डिवेलपमेंट इम्प्लीमेंटिंग सोसाइटी ऑफ़ मिज़ोरम (प्रिज़्म)

- एट द ग्लोबल सीनारियो." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 20, नंबर 41, जनवरी-जून 2022, पृष्ठ 01-84।
61. एम., मधुरिथा। "सम्राई चैन एनालिसिस ऑफ इंडिया'स फूड सेगमेंट इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ इंडस्ट्री 4.0." *जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च*, वॉल्यूम 4, नंबर 2, जून 2024, पृष्ठ 2603-2611।
 62. एम., मधुरिथा। "बिहेवियर एनालिसिस अमंग स्विगी यूजर्स: इनसाइट्स एंड ट्रेंड्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिसिस इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 3, नंबर 3, जून 2024, पृष्ठ 345-354।
 63. मणि डी. योगेश। "डिस्कॉर्स एनालिसिस ऑफ कावाल, क्रिमिनैलिटी एंड एग्रेगेशन कॉन्फ्लिक्ट इन कोलोनीयल मद्रास (1890-1920)." *साउथ इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस*, जनवरी 2025, पृष्ठ 23-38।
 64. मिश्रा, रोहिता। "मृदुला सिन्हा के कथा साहित्य में नारी चेतना." *ग्लोबल थॉट*, वॉल्यूम 32, 2024, पृष्ठ 160-163।
 65. मोहनन, चिनु। "अन्वेलिंग डेटरमिनेंट्स ऑफ कंज्यूमर इंटेंट इन ग्रीन परचेजिंग." *इंडियन जर्नल ऑफ नैचुरल साइंसेज़*, वॉल्यूम 14, नंबर 82, फरवरी 2024, पृष्ठ 70229-70235।
 66. मोहनन, चिनु। "इन्वेस्टमेंट प्रैक्टिसेज़: अ कम्पैरेटिव स्टडी ऑन द गवर्नमेंट एंड प्राइवेट एम्प्लॉइज विद स्पेशल रेफरेंस टू चेरथला." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज़ एंड सोशल साइंसेज़*, वॉल्यूम 10, नंबर 2, जनवरी-जून 2024, पृष्ठ 93-102।
 67. मुर्मू, दिलीप। "ट्रेडिशनल ट्राइबल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ इन बिहार: अ रिव्यू." *द ओरिजिनल सोर्स*, वॉल्यूम 8, नंबर 27, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 218-220।
 68. मुर्मू, दिलीप। "आइडेंटिफिकेशन ऑफ ऑब्स्टैकल्स हिंडरिंग द ग्रोथ ऑफ ट्राइबल मेडिसिन: अ क्रिटिकल रिव्यू." *करंट जर्नल: जर्नल फॉर ऑल रिसर्च*, वॉल्यूम 10, नंबर 31, अप्रैल-जून 2024, पृष्ठ 85-87।
 69. नंदन, आयुष। "वैदिक साहित्य में शांति एवं सद्भाव की कल्पना." *वाक सुधा*, वॉल्यूम 38, नंबर 10, अक्टूबर-दिसंबर 2022, पृष्ठ 157-160।
 70. नंदन, आयुष। "बोधायन शुल्बसूत्र में गणित अवधारणा: आधुनिक संदर्भ." *वैदिका वाक ज्योतिः*, वॉल्यूम 12, नंबर 23, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 13-24।
 71. नायक, इप्सिता। "डेमोक्रेटाइजिंग परफॉर्मिंग आर्ट्स: लुकिंग एट द डायनेमिक्स ऑफ परफॉर्मेंस इन ओरल ट्रेडिशन." *आनंदम जर्नल ऑफ आनंदराम बोरूआ इंस्टीट्यूट ऑफ लैंग्वेज, आर्ट एंड कल्चर, असम*, वॉल्यूम 13, नंबर 3, मई 2024, पृष्ठ 152-163।
 72. नीति। "रोल ऑफ द यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स इन प्रमोटिंग एंड प्रोटेक्टिंग ह्यूमन राइट्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोबेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 8, नंबर 11/391, नवंबर 2023, पृष्ठ d823-d833।
 73. नीति। "रोल ऑफ यूनाइटेड नेशंस फॉर फुलफिलमेंट ऑफ इकॉनॉमिक, सोशल, एंड कल्चरल राइट्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोबेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 8, नंबर 2, फरवरी 2023, पृष्ठ a85-a99।
 74. नीति। "रोल ऑफ द यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स इन प्रमोटिंग एंड प्रोटेक्टिंग ह्यूमन राइट्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोबेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 8, नंबर 11, नवंबर 2023, पृष्ठ d823-d833।
 75. नीति। "रोल ऑफ यूनाइटेड नेशंस फॉर फुलफिलमेंट ऑफ इकॉनॉमिक, सोशल, एंड कल्चरल राइट्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नोबेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 8, नंबर 2, फरवरी 2023, पृष्ठ a85-a99।
 76. ओझा, कोमल। "फिज़िको-फंक्शनल प्रॉपर्टीज़ ऑफ जंगल जलेबी (पिथेसेलोबियम डल्स) फ्रूट पाउडर." *बायोलॉजिकल फ़ोरम - एन इंटरनेशनल जर्नल*, वॉल्यूम 14, नंबर 4a, नवंबर 2022, पृष्ठ 521-525।
 77. पी., देविका। "अप्रेज़ल ऑफ डाइटरी प्रैक्टिसेज़ इन काश्यपसंहिता." *प्रत्यभिज्ञा*, वॉल्यूम 10, नंबर 1, जनवरी-जून 2022, पृष्ठ 213-219।
 78. पी., देविका। "मेंटल वेल-बीइंग थ्रू आयुर्वेदिक फूड्स." *रिबिल्डिंग भारत थ्रू इंडिजिनस एंड इनोवेटिव प्रैक्टिसेज़: अ वे फ़ॉरवर्ड टुवर्ड्स विश्व गुरु*, वॉल्यूम 1, नंबर 1, जून 2022, पृष्ठ 156।
 79. पी., देविका। "अहिंसायुग जीविताचारयुग: गुरुविन्टे भक्षणचिंतकले मुनिर्तियुल्ल आलोचना." *श्री नारायण गुरु इन केरल रेनैसांस हिस्ट्री एंड डाइवर्स लिटरेचर*, वॉल्यूम 1, नंबर 1, अक्टूबर 2022, पृष्ठ 157-161।
 80. पी., सौहरिदा। "गुरुदेव वीक्षणयुग वैद्य वृत्तियुग." *श्री नारायण गुरु इन केरल रेनैसांस हिस्ट्री एंड डाइवर्स लिटरेचर*, वॉल्यूम 1, नंबर 1, अक्टूबर 2022, पृष्ठ 128-134।

81. प्रजापति, प्रदीप कुमार। "फ़ाइनेंशियल लिटरेसी एंड आंत्रप्रेन्योरियल ओरिएंटेशन: एचिडेंस फ़ॉर्म माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम आंत्रप्रेन्योर्स इन सेंट्रल इंडिया." *रवींद्र भारती पत्रिका*, वॉल्यूम XXVII, नंबर 2, फ़रवरी 2022, पृष्ठ 81-91।
82. प्रसाद, स्मृति। "माइक्रो-एंटरप्राइज अडॉप्शन अमंग वूमन सेल्फ-हेल्प ग्रुप मेंबर्स ऑफ़ सिक्किम: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी." *झारखंड जर्नल ऑफ़ डिवेलपमेंट एंड मैनेजमेंट स्टडीज़*, वॉल्यूम 20, नंबर 3, सितंबर 2022, पृष्ठ 9433-9451।
83. प्रशांत, कालेपल्ली। "इम्पैक्ट ऑफ़ रिजर्वेंशंस ऑन शेड्यूल्ड कास्ट इन तेलंगाना स्टेट." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस एंड गवर्नेंस*, वॉल्यूम 6, नंबर 2, मई 2022, पृष्ठ 06-09।
84. प्रेरणा। "स्मार्ट टेक्नोलॉजीज़ एंड डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन: अ स्टडी ऑफ़ इंडस्ट्री इम्प्लिकेशंस." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी)*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2022, पृष्ठ c563-c575।
85. प्रेरणा। "अनरेवलिंग द फ़्यूचर: इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ़ फ़ाइनेंशियल लिटरेसी इन द डिजिटल एज." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफ़िक रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईजेएसआरईएम)*, वॉल्यूम 8, नंबर 3, मार्च 2022, पृष्ठ 01-12।
86. पुरोहित, रचना। "द एथिक्स ऑफ़ आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस: अ क्रिटिकल एजामिनेशन ऑफ़ मॉरल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड ऑटोनॉमी." *इंडियन जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी*, वॉल्यूम 6, नंबर 2, जुलाई 2024, पृष्ठ 398-407।
87. राय, शुभम। "स्वामी विवेकानंद'स कॉन्ट्रिब्यूशन इन रीजनलेशन ऑफ़ इंडिया." *जुनी ख्यात*, वॉल्यूम 13, नंबर 10, अक्टूबर 2022, पृष्ठ 119-122।
88. रामकंठ, दसारी। "डिजिटाइजेशन: अ वे फ़ॉर सस्टेनेबल इनोवेशन विद स्पेशल रेफ़रेंस टू ग्रोथ इन डिजिटल पेमेंट्स." *जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग साइंसेज़*, वॉल्यूम 15, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ 57-64।
89. रामकंठ, दसारी। "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन डिजिटल पेमेंट्स इन डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन एरा." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग साइंस एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आईजेएसएटी)*, वॉल्यूम 24, नंबर 5, मई 2024, पृष्ठ 380-385।
90. राठौर, सचिन। "एक्टर्स ऑफ़ लैंड सेइंग बाय टू फ़ार्मिंग: अ ग्लोबल रिव्यू ऑन डी-/री-पीजेंटाइजेशन एंड एब्सेंटि लैंडलॉर्ड्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस एंड इकॉनॉमिक रिसर्च*, वॉल्यूम 8, नंबर 11, नवंबर 2023, पृष्ठ 3453-3482।
91. रावत, सोनाक्षी मरुला। "अर्बन स्प्रॉल एंड पॉप्युलेशन ग्रोथ: अ केस स्टडी ऑफ़ लखनऊ." *रिसर्च डिस्कॉर्स*, वॉल्यूम 14, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2022, पृष्ठ 47-50।
92. रावत, सोनाक्षी मरुला। "अंडरस्टैंडिंग रूरल एंड अर्बन वीकली मार्केट्स: अ केस स्टडी ऑफ़ मंगल बाज़ार एंड बंधरा बाज़ार, उत्तर प्रदेश." *आरएमएलएनएल्यू जर्नल*, वॉल्यूम 15, नंबर 1, दिसंबर 2023, पृष्ठ 45-61।
93. रावत, सोनाक्षी मरुला। "अर्बन स्प्रॉल एंड पॉप्युलेशन ग्रोथ: अ केस स्टडी ऑफ़ लखनऊ." *रिसर्च डिस्कॉर्स*, वॉल्यूम 14, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 47-50।
94. रावत, हरीश। "सस्टेनेबल वर्क लाइफ़ बैलेंस इन आईटी प्रोफेशनल्स: अ स्टडी ऑन इनर पीस, रेज़िलिएंस, एंड मेंटल स्ट्रेस इन इंडिया'स मेट्रोपॉलिटन आईटी हब्स." *शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स*, वॉल्यूम 5, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 7-31।
95. रुद्र वाणी गायत्री। "एक्सप्लोरिंग द इमोशनल टेरेन: अ कम्प्रिहेंसिव सिस्टमिक लिटरेचर रिव्यू ऑफ़ द इफ़ेक्ट्स ऑफ़ इमोशनल इंटेलिजेंस ऑन स्ट्रेस एंड परफ़ॉर्मेंस." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हैपिनेस एंड डिवेलपमेंट*, वॉल्यूम 9, नंबर 1, मार्च 2025, पृष्ठ 78-121।
96. एस., स्वेथा। "ट्रांसलेटिंग हिस्ट्री इन्टू मूवीज़: एनालिसिस ऑफ़ कास्ट डिस्कशंस इन कंटेम्पेरी इंडियन सिनेमा." *एक्सप्लोरेशंस - ई-जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी*, वॉल्यूम 7, नंबर 3, जनवरी 2024, पृष्ठ 50-66।
97. सैनी, अक्षय। "क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट ऑन सेंट्रल हिमालयन फ़ॉरेस्ट एंड रूरल इकोसिस्टम: एंड अडैप्टेशन, मिटिगेशन एंड कोपिंग स्ट्रेटेजीज़." *एन्विस बुलेटिन हिमालयन इकोलॉजी*, वॉल्यूम 31, नंबर 1, मार्च-अप्रैल 2024, पृष्ठ 41-49।
98. सत्संगी, जया। "एन्हांसिंग सस्टेनेबिलिटी इन एजुकेशन थ्रू नॉलेज रिटेंशन इंस्ट्रक्शनल स्ट्रेटेजीज़ (केआरआईएस)." *शोध-ऋतु*, वॉल्यूम 2, नंबर 35, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 64-67।

99. सत्संगी, जया। "ब्रिजिंग द गैप: एन्हांसिंग क्रिटिकल थिंकिंग एंड लॉन्ग-टर्म मेमोरी इन सेकेंडरी स्टूडेंट्स थ्रू नॉलेज रिटेंशन इंस्ट्रक्शनल स्ट्रेटेजीज (केआरआईएस)." *शोध-ऋतु*, वॉल्यूम 6, नंबर 35, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 67-70।
100. शंकर, प्रेमसिंह। "एन एनालिसिस ऑफ़ इन्वेस्टर्स' बिहेवियर विद रीगाड्स टू म्यूचुअल फंड्स विद स्पेशल रेफरेंस टू कल्याण-कर्नाटक इन्वेस्टर्स." *जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप*, वॉल्यूम 18, नंबर 2, अप्रैल-जून 2024, पृष्ठ 174-187।
101. शर्मा, स्वप्निल। "एजैमिनिंग द मार्शल-लेनर कंडीशन ऑन रुपी-डॉलर एक्सचेंज." *जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल इकॉनॉमिक्स*, वॉल्यूम 15, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर 2024, पृष्ठ 15-32।
102. सिंह, अमन प्रताप। "अंधायुग पर अस्तित्ववादी दर्शन का प्रभाव." *शोध दृष्टि यूजीसी अप्रूव्ड जर्नल नंबर 49321*, वॉल्यूम 15, नंबर 6.1, जून 2024, पृष्ठ 73-77।
103. सिंह, पलुंगबम लेरिक्स। "एम्पावरिंग प्रॉस्पेरेटी: अनरेवलिंग द इम्पैक्ट ऑफ़ गवर्नमेंट-लेड फ़ाइनेंशियल इन्क्लूजन इनिशिएटिव्स एंड फ़ाइनेंशियल लिटरसी प्रोग्राम्स ऑन इन्क्लूसिव डिवेलपमेंट." *कांगलिपाक बिजनेस रिव्यू*, वॉल्यूम 15, नंबर 1, जून 2023, पृष्ठ 73-90।
104. सिंह, पलुंगबम लेरिक्स। "एक्सप्लोरिंग कस्टमर परसेप्शंस ऑफ़ इंटरनेट बैंकिंग सर्विस क्वालिटी फ़ॉर एन्हांस्ड सैटिस्फ़ैक्शन एंड एंगेजमेंट." *कांगलिपाक बिजनेस रिव्यू*, वॉल्यूम 14, नंबर 1, जून 2023, पृष्ठ 61-72।
105. सिंह, स्मिता। "अ स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ़ एन्हांसिंग एम्प्लॉयी वेल-बीइंग इन द डिजिटल एरा: अ कॉन्सेप्चुअल एनालिसिस ऑन द ट्रांसफ़ॉर्मेशन इन इन्फ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) सेक्टर." *आईपीई जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट*, वॉल्यूम 14, नंबर 19, जून 2022, पृष्ठ 138-142।
106. सिंह, पवन। "गिरिमितिया प्रणाली से पूर्व मॉरीशस के आर्थिक विकास में भारतीयों का योगदान." *शोध समालोचन*, वॉल्यूम 4, जनवरी-मार्च 2025, पृष्ठ 31-46।
107. सोमेश, जदी। "द रोल, फ़ंक्शंस एंड इम्प्रूवमेंट्स ऑफ़ एचआरएम प्रैक्टिसेज इन हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ 350-354।
108. सोमेश, जदी। "द रोल, फ़ंक्शंस एंड इम्प्रूवमेंट्स ऑफ़ एचआरएम प्रैक्टिसेज इन हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ h350-h354।
109. सोमेश, जदी। "द रोल, फ़ंक्शंस एंड इम्प्रूवमेंट्स ऑफ़ एचआरएम प्रैक्टिसेज इन हेल्थकेयर ऑर्गनाइजेशन." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी)*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ h350-h354।
110. सोफन, एंजेल। "साइकोलॉजी ऑफ़ कास्ट इन फूड: अ लेटर टू माय अपर कास्ट फ्रेंड." *कास्ट/ अ ग्लोबल जर्नल ऑफ़ सोशल एक्सक्लूजन*, वॉल्यूम 5, नंबर 2, मई 2022, पृष्ठ 259-269।
111. स्टीफन, अलबीना। "इंडियननेस विदिन सुपरहीरो/हीरोइन प्रोटैगोनिस्ट्स इन कोविड-19 हेल्थ लिटेरेसी कॉमिक्स: अ ग्राफ़िकल एक्सप्लोरेशन फ़्रॉम अ जेंडर्ड लेंस." *इंडियन जर्नल ऑफ़ नैचुरल साइंसेज*, वॉल्यूम 14, नंबर 82, फ़रवरी 2022, पृष्ठ 70341-70347।
112. स्टीफन, अलबीना। "पॉलिटिक्स ऑफ़ इंडियन माइग्रेंट लेबरर माइग्रेशन ड्यूरिंग कोविड-19: अ विजुअल डिस्कॉर्स एनालिसिस ऑफ़ लिमिनेलिटी एंड कम्युनिटास थ्रू कार्टून्स." *एगाथोस: एन इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ़ द ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 15, नंबर 2, नवंबर 2024, पृष्ठ 395-405।
113. सुंकु, टाकू। "मीडिया इन्फ़्लुएंस ऑन न्योकुम: कल्चरल शिफ़्ट्स इन द न्यूशी कम्युनिटी." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च इन आर्ट्स, साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, वॉल्यूम 2, नंबर 6, जून 2024, पृष्ठ 42-48।
114. टी. के., शयाना। "सेफ़गार्डिंग नेशनल सिक्योरिटी: कॉम्बैटिंग टेररिज्म एंड एंशोरिंग गुड गवर्नेंस." *जर्नल ऑफ़ एडवांस रिसर्च इन साइंस एंड सोशल साइंस (जेएआरएसएससी)*, वॉल्यूम 7, नंबर 1, अप्रैल 2022, पृष्ठ 41-52।
115. ठाकुर, पूजा। "रोल ऑफ़ डिजिटल मार्केटिंग इन इन्फ़्लुएंसिंग वीमेन'स परसेप्शन टुवर्ड्स सस्टेनेबल प्रोडक्ट्स." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस रिसर्च इन साइंस, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी (आईजेएआरएससीटी)*, वॉल्यूम 4, नंबर 2, जून 2024, पृष्ठ 576-582।
116. त्रिपाठी, शिवांश। "रीसेंट ट्रेड्स ऑफ़ एंजॉयमेंट पैटर्न इन इंफ़ॉर्मल सेक्टर इन इंडिया." *यूपीयूईए इकॉनॉमिक जर्नल*, वॉल्यूम 19(ए), सेक्शन 1 एवं 2, अप्रैल 2024, पृष्ठ 195-203।

117. त्रिपाठी, शिवांश। "अ कम्पैरेटिव एनालिसिस ऑफ़ इनइकालिटी इन हेल्थकेयर एक्सेस अमंग वर्कफ़ोर्स इन उत्तर प्रदेश एंड केरल." *यूपीयूईए इकॉनॉमिक जर्नल*, वॉल्यूम (डी), सेक्शन (4), अप्रैल 2024, पृष्ठ 298-306।
118. वी., प्रियंका। "एक्सप्लोरिंग ओन सोर्सेज ऑफ़ रेवेन्यू फ़ॉर कीआईआईएफबी." *केरल इकॉनॉमी*, वॉल्यूम 5, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2024, पृष्ठ 50-67।
119. वर्गीज़, सॉली सुसना। "जियोमेट्रिक इन्ट्यूटिव स्किल्स अमंग सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स: अवेयरनेस अमंग मैथमेटिक्स टीचर्स." *एजुकेशनल एक्सट्रैक्ट्स*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, जनवरी 2022, पृष्ठ 32-37।
120. वसुंधरा। "योग मार्तंड में मंत्र योग विमर्श." *वसुंधरा*, वॉल्यूम 17, नंबर 4, अप्रैल 2023, पृष्ठ 136-140।
121. वर्षिणी, अमृत। "लेवल ऑफ़ फ़ार्मर्स सैटिस्फ़ैक्शन इन किसान मेला." *कृषि विज्ञान सोसायटी*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, मार्च 2024, पृष्ठ 109-114।
122. वर्षिणी, अमृत। "लेवल ऑफ़ फ़ार्मर्स सैटिस्फ़ैक्शन इन किसान मेला." *जर्नल ऑफ़ कृषि विज्ञान*, वॉल्यूम 12, नंबर 1, मार्च 2024, पृष्ठ 109-114।
123. वर्षिणी, अमृत। "कन्स्ट्रेंट्स फ़ेस्ड बाय कमर्शियल वेजिटेबल प्रोअर्स इन द यूज़ ऑफ़ केमिकल पेस्टिसाइड्स इन उत्तर प्रदेश." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन एग्रोनॉमी*, वॉल्यूम 7, नंबर 6, मई 2024, पृष्ठ 163-168।
124. वर्षिणी, अमृत। "नॉलेज ऑफ़ व्हीट प्रोअर्स रीगार्डिंग इम्प्रूव्ड व्हीट प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी इन जमुई डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ बिहार, इंडिया." *जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल*, वॉल्यूम 46, नंबर 8, मई-जुलाई 2024, पृष्ठ 42-48।
125. वर्षिणी, अमृत। "नॉलेज ऑफ़ एक्सटेंशन एजेंट्स अबाउट ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग इन वैशाली डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ बिहार एंड अन्वेलिंग चैलेंजेज़ एंड अपॉर्च्युनिटीज़ इन ऑर्गेनिक एक्सपोटर्स: अ केस स्टडी ऑफ़ इंडिया." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एक्सटेंशन एजुकेशन: नेशनल कॉन्फ़्रेंसेज़ ऑन नेक्स्ट जेनरेशन एग्रीकल्चर-ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फ़ार्मिंग पाथवेज़: एक्सटेंशन स्ट्रेटेजीज़ एंड अप्रोचेज़*, वॉल्यूम 20(1), नंबर 1, जनवरी 2024, पृष्ठ 48-54।
126. वर्गीज़, एस.एस. "एक्सप्लोरिंग द डेटरमिनेंट्स ऑफ़ जॉब सैटिस्फ़ैक्शन अमंग सेकेंडरी स्कूल टीचर्स." *एजुकेशनल एक्सट्रैक्ट्स*, वॉल्यूम 12, नंबर 2, जुलाई 2024, पृष्ठ 27-32।
127. यादव, अंशु। "एनर्जी कोऑपरेशन इन साउथ एशिया: एग्रेमिनिंग बीबीआईएन ऐज एन अल्टरनेटिव मॉडल फ़ॉर एनर्जी सिक्योरिटी." *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़*, वॉल्यूम 5, नंबर 6, जुलाई 2024, पृष्ठ 3513-3519।
128. यादव, कविता। "स्टेट्स ऑफ़ टीचर एजुकेशन प्रोग्राम इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस." *रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स*, वॉल्यूम 18, नंबर 1, जून 2024, पृष्ठ 135-147।
129. यादव, कविता। "स्टेट्स ऑफ़ टीचर एजुकेशन प्रोग्राम इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस." *रवींद्र भारती यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स*, वॉल्यूम 18, नंबर 1, जून 2024, पृष्ठ 135-147।
130. यादव, तान्या। "एन एथिक्स ऑफ़ डी-कंस्ट्रक्शन रिस्पॉन्डिंग टू एआई-जनरेटेड बायस." *तत्त्व-जर्नल ऑफ़ फ़िलॉसफ़ी*, वॉल्यूम 16, नंबर 2, दिसंबर 2024, पृष्ठ 65-86।
131. यादव, वरूणा। "पैनाप्टिकॉन टू पैनस्पेक्ट्रॉन: इवॉल्यूशन ऑफ़ शर्लक होम्स इन सर्वेलांस सोसायटी." *कंसोर्टियम: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज़*, वॉल्यूम 4, नंबर 2, दिसंबर 2024, पृष्ठ 62-70।
132. यादव, विकास। "वैकल्पिक राजनीति व सुशासन: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन." *संलेषण*, वॉल्यूम 7, नंबर 3, मार्च 2022, पृष्ठ 08-11।
133. यादव, विकास। "लोकसभा चुनाव में एवं मतदान व्यवहार की लोकतंत्र में भूमिका." *संलेषण*, वॉल्यूम 7, नंबर 6, जून 2022, पृष्ठ 15-19।
134. यादव, वरूणा। "पैनाप्टिकॉन टू पैनस्पेक्ट्रॉन: इवॉल्यूशन ऑफ़ शर्लक होम्स इन सर्वेलांस सोसायटी." *कंसोर्टियम*, वॉल्यूम 4, नंबर 2, दिसंबर 2024, पृष्ठ 62-70।
135. यादवंशी, एकता। "द शैडो साइड ऑफ़ लीडरशिप: इम्पैक्ट ऑफ़ डार्क लीडरशिप ऑन जॉब-रिलेटेड आउटकम्स." *ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंस स्टडीज़*, वॉल्यूम 13, नंबर 1, अगस्त 2024, पृष्ठ 167-177।
136. जहीर, आयशा। "द इन्फ़्लुएंस ऑफ़ गवर्नर्स इन शेपिंग स्टेट पॉलिसीज़: स्ट्रेटेजीज़, इम्पैक्ट, एंड चैलेंजेज़." *एजुकेशनल एक्सट्रैक्ट्स*, वॉल्यूम 12, नंबर 2, जुलाई 2024, पृष्ठ 27-32।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नोवेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट
(आईजेएनआरडी), वॉल्यूम 9, नंबर 3, मार्च 2024, पृष्ठ
573-579।

137. जहीर, आयशा। "ज्यूडिशियल रिव्यू एंड डेमोक्रेटिक गवर्नेंस:
असेसिंग द रोल ऑफ़ द इंडियन सुप्रीम कोर्ट." इंटरनेशनल
जर्नल फ़ॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएफएमआर),
वॉल्यूम 6, नंबर 3, मई-जून 2024, पृष्ठ 01-07।
138. ज़मान, इफ़राह। "द पॉलीनिमस कैमल्स ऑफ़ अरेबिया."
वाक मंथन, वॉल्यूम 6, नंबर 1, फ़रवरी 2021, पृष्ठ 25-
40।

भारत में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों के आयोजन के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता

भारत में राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलन के आयोजन के लिए अनुमोदित प्रस्ताव:

राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन

1. रवि रमेशचंद्र शुक्ला, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, "एक्सप्लोरिंग दि आइडियाज़ ऑफ विश्व- मित्रा (ग्लोबल फ्रेंडशिप) थ्रू एंशियंट इंडियन पॉलिटिकल, स्ट्रेटेजिक एंड डिप्लोमेटिक थॉट" नई दिल्ली में 19-20 अप्रैल 2024, (₹ 3,50,000)
2. एम देवी श्री नंदिनी, एवीसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु "एआई ट्रांसफॉर्मेशन इन सोशल साइंस: नेविगेटिंग अपॉरच्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़ फॉर नेशनल प्रोग्रेस", मयिलादुमथुरई में 05-07 जुलाई 2024, (₹1,00,000)
3. मोहना कुमार, पब्लिक पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, केरल "16वां फाइनेंस कमिशन एंड कोऑपरेटिव फेडरलिज्म इन इंडिया: इश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड कंसर्न्स" तिरुवनंतपुरम में 05-06 सितंबर 2024 (₹6,20,000)
4. बरुणज्योति चौधरी, असम यूनिवर्सिटी, असम "रि-इमेजिनिंग स्वामी विवेकानंददास रोल इन दि कंटेम्परेरी वर्ल्ड: रोड टू कॉन्फ़्लिक्ट रिजोल्यूशन एंड पीस-बिल्डिंग", सिल्चर में 19-20 सितंबर 2024, (₹1,25,000)
5. प्रगति जैन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, राजस्थान "वीमेन इन डिसिजन मेकिंग एंड लीडरशिप: शैटलिंग स्टीरियोटाइप्स एंड क्रिएटिंग फ्यूचर्स" किशनगढ़ में 18-19 सितंबर 2024, (₹2,50,000)
6. पूजा माधवराव सोनावाने, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, महाराष्ट्र "साइंस एंड लीगल इंटरवेंशन्स टार्गेटिंग ई-वेस्ट प्रॉब्लम (एसएलआईटी-ईडबल्यूपी 2024)", औरंगाबाद में 14 अक्टूबर 2024 (₹3,00,000)
7. डी सुंदर राम, अकेडमी ऑफ ग्रासरूट्स स्टडीज़ एंड रिसर्च ऑफ इंडिया (एजीआरएसआरआई), आंध्र प्रदेश, "एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन फ्रॉम पंचायत टू पार्लियामेंट एज पॉलिसी मेकर्स इन इंडिया: अचीवमेंट्स, चैलेंजेज़ एंड पार्टिसिपेशन इन डिसिजन-मेकिंग प्रोसेस", तिरुपति में 30 अक्टूबर-1 नवंबर 2024, (₹ 5,00,000)
8. सेरम भोगेना सिंह, एस कुला वीमेन्स कॉलेज, मणिपुर "एन्वायरमेंटल पॉल्यूशन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन पब्लिक हेल्थ: इश्यूज़ एंड चैलेंजेज़" नम्बोल में 8-9 नवंबर 2024, (₹ 3,00,000)
9. टी श्रीनिवास, काकतिया यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, "ग्लोबलाइजेशन, डिजिटल पॉवर एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन: मैपिंग दि ट्राजेक्टरीज़ ऑफ सोशल इंस्टीट्यूशंस एंड प्रोसेसेज़ इन कंटेम्परेरी इंडिया", वारंगल में 22-23 नवंबर 2024 (₹4,00,000)
10. आई प्रिंसेस, लोयोला कॉलेज, तमिलनाडु, "एडवांसिंग जेंडर इक्विटी: पॉलिसी एंड प्रैक्टिस इन कंटेम्परेरी इंडिया", चेन्नई में 6 दिसंबर 2024, (₹1,00,000)
11. नीरज तोमर, मेरठ कॉलेज, उत्तर प्रदेश, "क्लाइमेट चेंज एंड नेचुरल डिजास्टर्स: प्रीपेयर्डनेस, मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज़", मेरठ में 23-24 नवंबर 2024, (₹2,50,000)
12. रजनी चौबे, जननायक चन्द्रशेखर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश "विकसित भारत @2047: एडवांसिंग ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस इन कंटेम्परेरी इंडिया", बलिया में 12-13 दिसंबर 2024, (₹3,00,000)
13. संदीप जोशी, एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, मध्य प्रदेश, "महिला सशक्तिकरण का समकालीन परिदृश्य और विकास योजनाओं की भूमिका: मुद्दे, चुनौतियाँ

- एवं संभावनाएँ", उज्जैन में 16-17 दिसंबर 2024, (₹ 4,00,000)
14. जीतू गोगोई, सिलापाथर साइंस कॉलेज, असम "क्लाइमेट चेंज एंड सोशल, इकोनोमिक एंड इकोलॉजिकल स्ट्रक्चरल इंटरफेस: एप्रोच टूवर्ड्स एडेप्टेशन स्ट्रेटेजीज़ फॉर बायोरिसोर्स कंजर्वेशन", सिलापाथर में 24-25 दिसंबर 2024, (₹ 2,00,000)
 15. सुमन कुमार, राजधानी कॉलेज, नई दिल्ली "यूनिफार्म सिविल कोड: द वे फॉरवर्ड", नई दिल्ली में 17-18 जनवरी 2025, (₹ 5,00,000)
 16. शरणजीत कौर, खालसा कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब "मल्टीकल्चरलिज्म, पोस्टमोडर्निज्म एंड इंडियन सोसायटी: ए ट्रीटीज", अमृतसर में 20 जनवरी 2025, (₹ 1,50,000)
 17. कृतांजलि सैकिया, बिहपुरिया कॉलेज, असम, "स्ट्रेटेजिक इंपोर्टेंस ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया: जियोपॉलिटिकल, इकोनोमिक एंड सिक्युरिटी डाइमेंशन्स", लखीमपुर में 28-29 जनवरी 2025, (₹ 2,50,000)
 18. संजय कुमार, गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज़, उत्तर प्रदेश, "एजिंग विद डिप्रिटी: चैलेंजेज़, अपॉरच्युनिटीज़, एंड इनोवेशन्स इन पॉलिसी एंड प्रैक्टिस", लखनऊ में 30 जनवरी- 1 फरवरी 2025, (₹ 4,00,000)
 19. अमलान लाहिरी, क्लूनी वीमेन्स कॉलेज, वेस्ट बंगाल "डिकोलोनाइजिंग इंडियन नॉलेज: रिक्लेमिंग इंडीजीनस एपिस्टेमोलॉजीज़ एंड प्रैक्टिस", कालिम्पोंग में 8-9 फरवरी 2025, (₹ 2,00,000)
 20. देबाजीत भुयन, गवर्नमेंट मॉडेल कॉलेज, डेथोर, असम "इकोनोमिक चैलेंजेज़ एंड सोशियो-पॉलिटिकल ट्रांसफॉर्मेशन्स इन दि हिल रीजन्स ऑफ नॉर्थईस्ट इंडिया", डेथोर करबी अंगलॉग में 20-21 मार्च 2024, (₹ 1,25,000)
 21. युगल झा, केकेएम कॉलेज, झारखंड, "पार्टिकुलरली वल्वेरेबल ट्राइबल ग्रुप्स ऑफ इंडिया: चैलेंजेज़ एंड पाथवेज़ फॉर इन्क्लूसिव डिवेलपमेंट", पाकुर में 7-8 मार्च 2025, (₹ 1,50,000)
 22. केएसएच लाल बिहारी सिंघा, मणिपुर यूनिवर्सिटी, मणिपुर "इम्प्लीकेशन ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज एंड कल्चरल हेरिटेज" इम्फाल में 25-27 फरवरी 2025, (₹ 2,50,000)
 23. विपिन कुमार आर, पब्लिक पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, केरल, "पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया एंड दि ग्लोबल साउथ: रेट्रोस्पेक्टिव एनालिसिस", तिरुवनंतपुरम में 18-19 मार्च 2025 (₹ 4,50,000)
 24. कविता रामचंद्र लघाते, जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, महाराष्ट्र, "इन्वेस्टिगेटिंग दि इम्पैक्ट ऑफ सोशियोइकोनॉमिक एन्वायरनमेंट ऑन एकेडमिक रिसर्च एंड आउटकम्स: ए पॉलिसी-ओरिएंटेड एप्रोच", मुंबई में 15 जनवरी 2025 (₹ 4,00,000)
 25. उज्ज्वल विजय पाटिल, पतमग्री कदम महाविद्यालय, महाराष्ट्र-, "इम्पैक्ट ऑफ गवर्नमेंट एफर्ट टू एनहैंस डिजिटल फाइनेंशियल लिटरसी एंड प्रोमोट डिजिटल पेमेंट सिस्टम इन रुरल इंडिया", समगली में 14-15 फरवरी 2025 (₹ 2,50,000)
 26. अभिषेक दास, अलीपुरदौर महिला महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल "नेशनलिज्म(एस) एंड बाउंडरीज़" अलीपुरदुआर में 11-12 फरवरी 2025 (₹ 3,50,000)
 27. पंकज द्विवेदी, सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, "वन नेशन वन इलेक्शन" कानपुर में 21-22 फरवरी 2025, (₹ 3,00,000)
 28. आनंदकुमार सुभाष कराडे, कर्मवीर मामासाहेब जगदाले महाविद्यालय, महाराष्ट्र, "सोशल जस्टिस प्रोविजन्स इन इंडियन कॉन्स्टीट्यूशन", धाराशिव में 5-6 मार्च 2025 (₹ 3,00,000)
 29. एस कनागराज, अमृता विश्व विद्यापीठम्, तमिलनाडु "एक्सप्लोरिंग दि फ्यूचर ऑफ डेमोक्रेसी इंडिया: वन नेशन, वन इलेक्शन एंड इट्स इम्प्लीकेशन्स फॉर गवर्नेंस एंड फेडरलिज्म टूवर्ड्स ए वाइब्रेंट भारत", कोयंबटूर में 28-29 अगस्त 2025 (₹ 2,50,000)
 30. रमेश कुमार शर्मा, विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, नई दिल्ली, "हार्नेसिंग सरदार पटेल लीगेसी फॉर विकसित भारत @2047: एजुकेशन, जस्टिस, इकेलिटी, यूनिटी एंड एम्पावरमेंट फॉर ऑल", दिल्ली में 28-29 मार्च 2025 (₹ 2,50,000)
 31. प्रदीप कुमार परिदा, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पोंडिचेरी, "स्ट्रेंथनिंग गवर्नेंस इन डिजास्टर रिस्क रिडक्शन: द रोड अहेड फॉर विकसित भारत", पुडुचेरी में 6-7 मार्च 2025 (₹ 2,50,000)

32. अनुप कुमार डे, असम यूनिवर्सिटी, “अम्बेडकर एंड दि पार्टिशन कोनुनम: लेसन्स फॉर कंटेम्पेरी इंडिया”, सिल्वर में 24-25 जनवरी 2025, (₹2,00,000)
33. विजेंद्र सिंह, सकलडीहा पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “मॉडर्न मीडिया: इम्प्लीकेशंस ऑन सोसायटी एंड नेशनल सिक्युरिटी”, चारदौली में 12-13 अप्रैल 2025 (₹ 1,50,000)
34. ज्योति जयाल, शारदा यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “मंथन: विकसित भारत-दिव्य भारत @ 2047, ए विजन फॉर नेशनल सिक्युरिटी, कैपेसिटी बिल्डिंग, एंड कल्चरल डिप्लोमेसी” ग्रेटर नोएडा में 21-22 फरवरी 2025 (₹ 4,00,000)
35. जितेंद्र कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, उत्तर प्रदेश “दि इंटररिलेशनशिप्स अमंग स्टेट्स, सोसायटी, एंड नेशन: एन इंडियन परस्पेक्टिव”, लखनऊ में 23-24 मार्च 2025 (₹2,50,000)
36. गीतिमा तालुकदार, एमएनसी बालिका महाविद्यालय, असम, “पॉलिटिकल मूवमेंट्स एंड वीमेन्स पार्टिसिपेशन इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, नलबारी में 13-14 अगस्त 2024, (₹ 2,00,000)
37. निरंकर सिंह, एमजीएम (पीजी) कॉलेज उत्तर प्रदेश, “चैलेंजेज इन दि वे ऑफ नेशनल इंटीग्रेशन: एकजीक्यूशन एंड सोल्यूशन”, संभल में 7-8 नवंबर 2024, (₹ 2,50,000)
38. बुद्धजी पांडुरंग, गडेकर, राजर्षि शाहू महाविद्यालय, महाराष्ट्र “दि पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स ऑफ फ्रीबीज: ए क्रिटिकल एनालिसिस”, लातूर में 11-12 फरवरी 2025, (₹ 2,50,000)
39. अनुराधा नागिया, डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, हरियाणा “इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल डिवेलपमेंट इन हरियाणा (वन- डे मल्टीडिसिप्लिनरी नेशनल सेमिनार)”, करनाल में 19 मार्च 2025, (₹ 1,85,000)
40. राजेश लालावत, दलित साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश “रोल ऑफ अम्बेडकर इन दि सोशल, पॉलिटिकल एंड इकोनोमिक स्ट्रक्चर ऑफ दि इंडियन कॉन्स्टीट्यूशन”, उज्जैन में 2-3 मार्च 2025, (₹ 3,00,000) (एससी)
41. संकिनेनी वेंकटैया, काकतिया यूनिवर्सिटी, तेलंगाना “कोएलिशन पॉलिटिक्स एंड डेमोक्रेसी इन इंडियन सोसायटी”, वारंगल में 21-22 मार्च 2025, (₹ 1,50,000)
- शिक्षा
42. सुभाब्रत कर, यूनियन क्रिश्चियन ट्रेनिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल “इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इनटू स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन: ए होलिस्टिक एप्रोच”, मुर्शिदाबाद में 24-25 अप्रैल 2024 (₹1,00,000)
43. अमित कुमार सिंह, गोपाल नारायण सिंह यूनिवर्सिटी, बिहार “नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 टू विकसित भारत 2047, रोहतास में 21-22 जून 2024 (₹ 1,00,000)
44. एन कुमार, एनजीपी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु, “इंटीग्रेशन ऑफ ट्रेडीशनल इंडियन नॉलेज सिस्टम इनटू मॉडर्न हायर एजुकेशन: एनईपी परस्पेक्टिव”, कोयंबटूर में 04-05 जुलाई 2024 (₹1,50,000)
45. अरुंधती निनावे, जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र, “मैपिंग फ्यूचर ट्रेंड्स इन लाइब्रेरीज एज ए सोर्स ऑफ विजडम: इंटरडिसिप्लिनरी इनसाइट्स” वर्धा में 06 जुलाई 2024, (₹ 2,00,000)
46. कोल्लूरू वेंकटा सोमनाथ, जी एस कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र “इनकल्केटिंग रिसर्च एंड इनोवेशन कल्चर अमंग अंडर-ग्रेजुएट स्टूडेंट्स फॉर विजन विकसित भारत @ 2024”, वर्धा में 20 जुलाई 2024 (₹ 1,50,000)
47. शर्मिला शर्मा, श्री टीका राम कन्या महाविद्यालय, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन एथिक्स एंड गवर्नेंस इन एजुकेशन विदइन एनईपी 2020”, अलीगढ़ में 16-17 अगस्त 2024 (₹1,20,000)
48. एस जयाभारती, हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु, “रियोरिएंटिंग एग्रोनोमिक रिसर्च एंड एजुकेशन टू कॉम्बैट करेंट एंड फ्यूचर चैलेंजेज थ्रू एनईपी 2020: मल्टीडिसिप्लिनरी मोड्स ऑफ एजुकेशन फॉर एम्पावरिंग यूथ इन रुरल एग्रीकल्चर डिवेलपमेंट वे फॉरवर्ड”, कोयंबटूर में 22-24 अगस्त 2024, (₹1,00,000)
49. नम्रता शर्मा, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश, “राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: नवाचारी शिक्षणशास्त्र एवं शिक्षा में तकनीकी का उपयोग”, इंदौर में 30-31 अगस्त 2024 (₹2,00,000)
50. हरीश कुमार सिंह, आरएसजीयू, पीजी कॉलेज पुखरायन, उत्तर प्रदेश, “न्यू एजुकेशन पॉलिसी एज दि फाउंडेशन ऑफ डिवेलपूड इंडिया (2047)”, कानपुर में 13-14 सितंबर 2024 (₹1,00,000)

51. विवेक कुमार मिश्रा, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “एनईपी-2020: मॉडल करिकुलम एंड कंटेंट इन साइकोलॉजी”, ग्रेटर नोएडा में 6-7 जून 2024 (₹4,75,000)
52. मामोनी हजारीका, पूर्वांचल कॉलेज, असम “लाइफ स्किल एजुकेशन फॉर दि एडोलेसेंट्स इन दि 21फसट सेंचुरी: इन दि लाइट ऑफ एनईपी-2020”, सिलापाथर में 23-24 अगस्त 2024 (₹2,50,000)
53. जी एलिजाबेथ रानी, कलैगनार करुणानिधि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु “हैंड्स ऑन एक्टिविटीज एट लो-कॉस्ट टीचिंग ऐड ऑन मॉडर्न पेडागोजी फॉर स्कूल टीचर्स एट रूरल एरिया इन तिरुप्पुर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु”, कन्नमपालयम में 19-20 सितंबर 2024 (₹ 1,50,000)
54. खुशबु श्रीवास्तव, जीएलए, “मास्टरिंग दि आर्ट ऑफ ऑनलाइन टीचिंग इन हायर एजुकेशन: स्ट्रेटेजीज फॉर एक्सलेंस”, मथुरा में 15-16 अक्टूबर 2024, (₹1,50,000)
55. सोमेश धमीजा, जीएलए यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “लीडिंग दि फ्यूचर: दि पावर ऑफ रिस्किलिंग एंड अपस्किलिंग इन दि प्रोग्रेसिव इंडियन लीगल लैंडस्केप”, मथुरा में 26 अक्टूबर, 2024 (₹2,00,000)
56. रोज मेरी कोच, बोडोलैंड यूनिवर्सिटी, असम “नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020: प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज”, कोकराझार में 5-6 नवंबर 2024 (₹3,00,000)
57. के किरुथिका, के, एस रंगसामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु, “एम्पावरिंग स्टूडेंट्स थ्रू सोशल एंड इमोशनल लर्निंग: बिल्डिंग रेजिलिएंस एंड सक्सेस”, तिरुचेनगोड में 5-6 नवंबर 2024, (₹1,00,000)
58. कृष्ण पाल तोमर, हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, उत्तराखंड “उत्तराखंड की जनजातियों में सामाजिक मूल्यों के संरक्षण में शिक्षा एवं लोक साहित्य की भूमिका-एक विमर्श”, हरिद्वार में 15-16 नवंबर 2024 (₹ 2,00,000)
59. आकांक्षा श्रीवास्तव, शारदा यूनिवर्सिटी, “एनईपी 2020 द रोडमैप ऑफ विकसित भारत (@ 2047: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज”, नई दिल्ली में 20-22 नवंबर 2024 (₹1,50,000)
60. एन प्रियदर्शनी, श्री कृष्णा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु, “एड्रेसिंग सोशियो-इकोनोमिक डिस्पैरिटीज इन एक्सेस टू क्वालिटी एजुकेशन: चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज अंडर दि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी”, कोयंबटूर में 11 दिसंबर 2024, (₹ 1,10,000)
61. लोकेश शर्मा, विज्ञान मंदिर बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, “एनईपी2020 रोल इन शेपिंग विकसित भारत 2047”, बनस्थली राजस्थान में 18-19 जनवरी 2025 (₹2,50,000)
62. स्टालिन पन्निर सेल्वम, हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस “इम्पैक्ट ऑफ वेरियस फाइनेंशियल इन्क्यूजन्स ऑन हायर एजुकेशन ऑफ दि स्टूडेंट्स फ्रॉम शेड्यूल्ड ट्राइब: विद स्पेशल रेफरेंस टू तमिलनाडु”, चेन्नई में 30-31 जनवरी 2025 (₹1,50,000)
63. पूनम मिश्रा, एपेक्स यूनिवर्सिटी, राजस्थान “एनईपी2020: एडोप्शन एंड इम्प्लीमेंटेशन”, जयपुर में 22-23 नवंबर, 2024 (₹2,95,000)
64. महेंद्र जगन्नाथ दुत्ते, टैगोर गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, पोंडिचेरी “इंडियानाइजिंग इंग्लिश स्टडीज: फॉर्म, लैंग्वेज एंड थियोरी”, पुडुचेरी में 22-23 नवंबर 2024 (₹4,25,000),
65. हाजी नदाफ, बाबासाहेब अम्बेडकर महाविद्यालय, महाराष्ट्र, “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड मल्टीडिसिप्लिनरी होलिस्टिक एजुकेशन इन इंडिया”, वडगांव में 18 जनवरी 2024 (₹1,50,000)
66. योगेश रमन पाटिल, आर्ट्स कॉलेज बामखेडे, महाराष्ट्र “दि इम्पैक्ट ऑफ लैंग्वेज पॉलिसिज ऑन एजुकेशन इन इंडिया, इन्क्यूडिंग दि प्रोमोशन ऑफ रिजनल लैंग्वेजेज एंड दि रोल ऑफ इंग्लिश”, नंदुरबार में 30-31 जनवरी 2025 (₹1,50,000)
67. हितेशभाई पी पटेल, एम बी पटेल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गुजरात, “नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन 2023: ए पैराडिम शिफ्ट टूवर्ड्स एक्सलेंस इन स्कूल एजुकेशन”, आनंद में 19 दिसंबर 2024 (₹3,00,000)
68. जीन मार्सलीन के एस, श्री कृष्णा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु “हायर एजुकेशन अपॉर्च्युनिटीज फॉर दि ट्रांसजेंडर कम्युनिटी: एड्रेसिंग सोशियोइकोनॉमिक एंड लीगल चैलेंजेज एमिडस्ट स्टिग्माइजेशन”, कोयंबटूर में 8 जनवरी 2025 (₹1,24,000)
69. अरविंद कुमार मिलन, ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी, बिहार “एनईपी 2020 एंड इंडियन नॉलेज सिस्टम @

- विकसित भारत” दरभंगा, में 14-15 दिसंबर 2024 (₹2,00,000)
70. एम मासूम रजा, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “इन्फॉर्मेशन लिटरेसी फॉर डिजिटल एनलाइटनड लाइब्रेरी/ इन्फॉर्मेशन यूजर कम्युनिटी इन न्यू एज”, अलीगढ़ में 21-23 नवंबर 2024 (₹3,00,000)
71. उमाकांत प्रसाद, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल “ए स्टेप टूवर्ड्स विकसित-भारत: केरियर प्रोस्पेक्ट्स इन इन्फूंसिव एजुकेशन विद स्पेशल रेफरेंस टू पर्सन्स विद डिसएबिलिटी (पीडबल्यूडी)”, बोलपुर में 3-4 दिसंबर 2024 (₹ 2,00,000)
72. जॉयदीप चंदा, बंगाल लाइब्रेरी एसोसिएशन, पश्चिम बंगाल, “रोल ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन फॉर डिजिटल लाइब्रेरी मूवमेंट इन दि कंट्री” कोलकाता में 20-22 दिसंबर 2024, (₹ 2,00,000)
73. ज्ञानेंद्र सिंह, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “ट्रांसफॉर्मिंग असेसमेंट एप्रोच इन हायर एजुकेशन फॉर इंडिया @ 2047”, वाराणसी में 26-27 दिसंबर 2024, (₹ 2,00,000)
74. बी अजंता, श्री एस रामासामी नायडू मेमोरियल कॉलेज, तमिलनाडु “दि फ्यूचर ऑफ लर्निंग: एआई इंटीग्रेशन एंड ह्यूमन एक्सपर्टाईज इन एजुकेशन”, विरुधुनगर में 11-13 दिसंबर 2024 (₹1,90,000)
75. रवि वंगुरी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू कश्मीर “इंडीजीनस लैंग्वेज एंड एनईपी-2020: पाथवेज टू सस्टेनेबल एजुकेशन”, सांबा में 14-15 नवंबर 2024 (₹ 2,00,000)
76. शुभा शर्मा, वेदान्ता पीजी गर्ल्स' कॉलेज, राजस्थान “एनईपी-2020: इग्राइंटिंग इंडियाज टाइमलेस लेगसी फॉर ए ग्लोबल रेनेसांस-लीडिंग भारत जर्नी टू विश्व गुरु श्रू ए मल्टीलिंगुअल, मल्टीकल्चरल, एंड मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन ट्रांसफॉर्मेशन” सीकर में 13-14 दिसंबर 2024 (₹3,00,000)
77. संजीव कुमार छेत्री, बेहली डिग्री कॉलेज, असम “चेंजिंग ट्रेड्स एंड ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया: प्रोस्पेक्ट एंड चैलेंजेज” विश्वनाथ में 13-14 नवंबर 2024 (₹2,00,000)
78. डी सुनीता, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, “एनविजनिंग न्यू भारत: एजुकेशनल रिफॉर्म एंड इंडीजीनस सिस्टम्स”, हैदराबाद में 21 सितंबर 2024, (₹4,00,000)
79. जी जानकीरमैया, एस वी यूनिवर्सिटी, आंध्र प्रदेश “इम्प्लीमेंटेशन ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 विद स्पेशल रेफरेंस टू दि ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ हायर एजुकेशन: स्टेटस, चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज”, तिरुपति में 29-30 जनवरी 2025, (₹3,00,000)
80. ज्योत्स्ना साहू, बेरहामपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल लाइब्रेरीज एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स: बिल्डिंग यूनिवर्सल अपॉर्च्युनिटीज फॉर लर्निंग एंड एक्सेस”, भांजा में 22-23 फरवरी 2025 (₹2,00,000)
81. सीमा मेनन के पी, एन एस एस ट्रेनिंग कॉलेज, केरल “इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम इन हायर एजुकेशन फॉर ग्लोबल एक्सलेंस इन दि एनईपी 2020 इरा”, ओड्डापलम में 6-7 मार्च 2025 (₹1,50,000)
82. ज्योति रंजन मिली, नाज़िरा कॉलेज, असम “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड एनईपी:2020”, शिवसागर में 26-27 अप्रैल 2025 (₹1,50,000)
83. किरण एम, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक, “ट्राजेक्टरीज ऑफ इंडीजीनस एडमिनिस्ट्रेटिव प्रैक्टिस इन इंडिया: ए रोड अहेड फॉर एकेडमिया एंड प्रैक्टिस” कलबुर्गी में 6-7 फरवरी 2025 (₹3,00,000)
84. प्रभाकर रेड्डी थुम्मा, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी रिजनल कैंपस मणिपुर, “फिजिकल एजुकेशन एंड इट्स एप्लीकेशन” मखान में 10-12 सितंबर 2025 (₹2, 50,000)
85. अल्का सैनी, धनौरी पीजी कॉलेज, उत्तराखंड “इंडियन नॉलेज सिस्टम: एजुकेशन एंड प्रोस्पेक्टि”, रूड़की में 28-29 मार्च 2025 (₹3,00,000)
86. अतुल नारायणराव बारकर, कवयित्री बहिनाबाई चौधरी नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र “रेलेवेस ऑफ स्वामी विवेकानंद थॉट इन दि लाइट ऑफ एनईपी- 2020” जलगांव में 18-19 मार्च 2025, (₹1,70,000)
87. तीर्थ मोंडोल, चनाकोना विद्यासागर महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज इन इम्प्लीमेंटिंग फिजिकल एजुकेशन एज ए यूजी मेजर इन वेस्ट बंगाल”, मिदनापुर में 19-20 मार्च 2025, (₹75,000)
88. सहिदुल अहमद, अमगुरी कॉलेज, असम “रिवाइटलाइजिंग एजुकेशन: एक्सप्लोरिंग दि रोल इंडियन नॉलेज सिस्टम इन एंशियंट पेडागोजिकल; प्रैक्टिस एंड देयर मॉडर्न एप्लीकेशन”, शिवसागर में 28-29 जनवरी 2025, (₹1,25,000)

89. एडलबर्ट बी मजाव, सिनोड कॉलेज, मेघालय “एम्पावरिंग एजुकेशन फॉर ए डिजिटल इंडिया”, शिलोंग में 3-4 अप्रैल 2025, (₹1,50,000)
90. एन एम शर्मा, एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज, राजस्थान, “एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर्स: इंडियन नॉलेज सिस्टम्स, एनईपी 2020 एंड ग्लोबल चैलेंजेज”, जयपुर में 14-15 फरवरी 2025, (₹1,25,000)
91. मीनाराम गोगोई, खेराजखात कॉलेज, असम “रीमेजिंग इंडियन हायर एजुकेशन: एनईपी: 2020’ विज़न, चैलेंजेज, एंड प्रोस्पेक्ट”, देवटोला में 7-8 फरवरी 2025, (₹1,50,000)
92. जी वेंकटा नागाया, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, तेलंगाना “इम्पैक्ट ऑफ एआई ऑन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन वर्क”, मलकाजगिरी में 3-4 अप्रैल 2025, (₹3,00,000)
93. निष्ठा राणा, एमआईआईआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (आटोमोमस) जम्मू कश्मीर, “एमजिंग फील्ड्स इन एजुकेशन रिसर्च: शेपिंग फ्यूचर डायरेक्शन्स विद एनईपी 2020”, जम्मू में 14-15 नवंबर 2025, (₹2,00,000)
94. दीप्ति गुप्ता, सीतापुर शिक्षा संस्थान रेसोरा, उत्तर प्रदेश “इम्पैक्ट ऑफ एनईपी 2020 ऑन क्वालिटी ऑफ एजुकेशन इन विकसित भारत”, सीतापुर में 7-8 फरवरी 2025, (₹2,00,000)
95. मिनी शर्मा, जीएचजी खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पंजाब, “ए न्यू डौन फॉर इंडियन हायर एजुकेशन: एम्ब्रेसिंग दि पैराडिम शिफ्ट”, लुधियाना में 27-28 फरवरी 2025, (₹1,25,000)
96. शमशीर सिंह ढिल्लों, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, “नेशनल सेमिनार ऑन इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) -क्रॉसरोड ऑन क्वालिटी टीचर एजुकेशन”, बठिंडा में 24-25 फरवरी 2025, (₹2,50,000)
97. दिव्यज्योति दत्ता, डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम “इंडियन नॉलेज सिस्टम्स एंड हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स: प्रोपेगेशन, प्रीजर्वेशन एंड सस्टेनेबिलिटी” डिब्रूगढ़ में 12-14 मार्च 2025, (₹2,00,000)
98. राजू कुमार सिंह, अमर नाथ मिश्रा पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन एंड चेंजिंग इंडियन सोसायटी इन करंट सिनेरियो”, बलिया में 22-23 फरवरी 2025 (₹3,00,000)
99. शंकर अशोक धांडे, वैद्यनाथ कॉलेज, महाराष्ट्र “ओपन एक्सेस हॉरिजन्स: एक्सप्लोरिंग दि फ्यूचर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस”, बीड में 26-27 जुलाई 2024, (₹1,50,000)
100. मेरेनसांगला लोंगकुमेर, यूनिटी कॉलेज, नागालैंड “मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच टू होलिस्टिक एजुकेशन-ए पैराडिम शिफ्ट इन हायर एजुकेशन इन इंडिया”, दीमापुर में 10-11 सितंबर 2024, (₹1,00,000)
101. शंकर लाल बीका, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, पंजाब “स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री): नर्चर ऑफ होलिस्टिक इंडिविड्यूअल्स फॉर 21फ़्थ सेंचुरी स्किल्स”, बठिंडा में 23-24 सितंबर 2024, (₹2,50,000)
102. सुनील लक्ष्मण माली, जनता कला वाणिज्य महाविद्यालय, महाराष्ट्र “नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, इट्स इम्पैक्ट ऑन हायर एजुकेशन- अपॉर्च्यूनिटीज एंड चैलेंजेज इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट फैकल्टीज”, मलकापुर में 15 मार्च 2025, (₹ 2,00,000)
103. दुर्लब पेगू, रंगाचाही कॉलेज, असम “इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी इन टीचिंग- लर्निंग प्रोसेस विद स्पेशल रेफरेंस टू एनईपी- 2020”, मजुली में मार्च/ अप्रैल, (₹ 1,00,000)
104. धनेश्वर बेहेरा, गवर्नमेंट वीमेन कॉलेज, बारीपाड़ा, उड़ीसा “इनोवेटिव हॉरिजन्स: एआई रोल इन शेपिंग दि फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन”, मयूरभंज में 11-12 सितंबर 2025, (₹1,50,000)
105. टी तेमजेन, नागालैंड यूनिवर्सिटी, नागालैंड “लीवरेजिंग टेक्नोलॉजी टू एनहैंस लाइब्रेरी सर्विसेज”, लुमामी में 27 फरवरी- 1 मार्च 2025”, (₹ 2,00,000)

समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान

106. हरेन चना कलिता, दक्षिण कामरूप गर्ल्स कॉलेज, असम, “वीमेन इफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स: रिविजिटिंग जेंडर डायनामिक्स, एंड एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन थ्रू हिस्ट्री” कामरूप में 17-18 मई 2024 (₹ 2,50,000)
107. नीलाक्षी शर्मा, गवर्नमेंट मॉडेल कॉलेज, असम “ओरल ट्रेडिशन, कल्चर एंड फोक हेरिटेज ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया एंड बियोंड” अंगलोंग में 03-05 जुलाई 2024, (₹ 3,50,000)
108. टी रामप्रदेश, आईएफईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु, “दि साइकोलॉजी ऑफ सोशल मीडिया

- एडिक्शन: कॉसेस एंड कॉन्सिक्सेस”, विल्लुपुरम में 22-23 जुलाई 2024, (₹1,50,000)
109. जया भसीन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू एंड कश्मीर “जेंडर इन्क्लूजन, एम्पावरमेंट एंड डिप्रिटी फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” सांबा में 11-12 सितंबर 2024, (₹2,00,000)
110. जॉन पॉल डी, लोयोला कॉलेज, तमिलनाडु “वीमेन: मैरेज, फैमिली एंड लेबर मार्केट पार्टिसिपेशन- ए सोशल वर्क परस्पेक्टिव”, चेन्नई में 24-25 अक्टूबर 2024, (₹2,00,000)
111. आर रेणुकादेवी, ए वी सी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु “हेल्थ राइट्स एंड लीगल अवेयरनेस: एनहैंसिंग एक्सेस टू हेल्थकेयर फॉर रुरल वीमेन” मईलादुतुरई में 5-6 सितंबर 2024, (₹1,00,000)
112. वंदना उपाध्याय, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश “वीमेन एंड इम्प्लॉयमेंट इन इंडिया” ईटानगर में 3-5 सितंबर 2024, (₹4,50,000)
113. डी दिव्या, श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु, “नर्चिंग नारी शक्ति: वीमेन एज लीडर्स फॉर विकसित भारत@2047”, कोयंबटूर में 9 सितंबर 2024, (₹1,00,000)
114. हरे राम त्रिपाठी, कवि कुलागुरु कालीदास संस्कृत यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, “नेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ्रेंस” नागपुर में 14-16 सितंबर 2024, (₹2,00,000)
115. पल्लबी देवी, दिखोवामुख कॉलेज, असम, “डिस्कसिंग इश्यूज एंड प्रोस्पेक्ट्स अराउंड दि स्पेक्ट्रम ऑफ जेंडर इन इंडिया: इन दि कॉन्टेक्ट ऑफ दि ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) एक्ट, 2019” मोगलो में 26-27 सितंबर 2024, (₹1,50,000)
116. लीना पुजारी, केसी कॉलेज, महाराष्ट्र, “इंटेरोगेटिंग दि जेंडर्ड सोशियोलॉजिकल केनन: फेमिनिस्ट रि-इमेजिनेशन”, मुंबई में 27-28 सितंबर 2024, (₹1,25,000)
117. बी पवित्रा, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु “नैरेटिव्स ऑफ चेंज : एस्पाउसिंग एसडीजीएस थ्रू इंडियन लिटरेचर एंड सिनेमा फॉर सोसायटल मेटामोर्फोसिस” कोयंबटूर में 4 अक्टूबर 2024, (₹1,00,000)
118. मीनाक्षी हजारािका, दिग्बोई महिला महाविद्यालय, असम “वीमेन इन दि ईरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस” दिग्बोई में 25-26 अक्टूबर 2024, (₹1,65,000)
119. सुंदरा राज टी, पेरियार यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु “जेंडर इन्क्लूसिविटी: ब्रेकिंग बायस एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” सलेम में 23-24 जनवरी 2025, (₹1,50,000)
120. करन सिंह, गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन, पाली, हरियाणा “आर्ट, आर्टिफैक्ट एंड आर्टिस्ट: सोशियोलॉजी एंड हिस्ट्री ऑफ नॉर्थ इंडियन फोक थिएटर्स” रेवाड़ी में 7-8 दिसंबर 2024, (₹2,00,000)
121. संदीप गुप्ता, नागालैंड यूनिवर्सिटी, नागालैंड “सोशल लाइव्स ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया: नेविगेटिंग डाइवर्सिटी, कनेक्टिविटी, एंड रेजिलिएंस” जुन्हेबोटो में 27-28 फरवरी 2025, (₹1,50,000)
122. गंगाधर बालू चवन, कन्या महाविद्यालय, महाराष्ट्र, “जेंडर सेंसिटाइजेशन फॉर जेंडर इकेलिटी”, मिराज में 30 अक्टूबर 2024, (₹1,50,000)
123. कुलभूषण कुमार, देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब “वसुधैव कुटुंबकम: ए भारत-सेंट्रिक एप्रोच टू होलिस्टिक ह्यूमन डिवेलपमेंट” गोबिंदगढ़ में 7-8 दिसंबर 2024, (₹3,00,000)
124. सायन दे, मिजोरम यूनिवर्सिटी, मिजोरम, “चिलेंस मीडिया कल्चर इन डिजिटल ऐज” आइजोल में 25-26 नवंबर 2024, (₹2,00,000)
125. मनदीप कौर गुलाटी, खालसा कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: सोशियो-इकोनॉमिक इम्पैक्ट”, अमृतसर में 23 नवंबर 2024, (₹2,00,000)
126. ए.टी. फ्रांसिस, अमाला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, केरल, “एम्पावरिंग कम्यूनिटीज थ्रू लाइब्रेरीज फॉर सस्टेनेबल सोशल चेंज”, त्रिशूर में 11-12 अप्रैल 2025, (₹2,00,000)
127. गुरशमिंदर सिंह बाजवा, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, पंजाब “मार्जिनलिटी एंड इनेक्वालिटी इन नॉर्थ-वेस्ट इंडिया” अमृतसर में 28-29, फरवरी 2025, (₹2,50,000)
128. त्रैलोक्य डेका, बी पी चलिहा कॉलेज, असम, “एआई, सोसायटी एंड डिवेलपमेंट” कामरुप में 25-26 अप्रैल 2025, (₹2,00,000)
129. प्रंजुमोनी सैकिया, जुरिया कॉलेज, असम “एम्पावरिंग वीमेन इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया:- चैलेंजेज, अचीवमेंट्स एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव”, नागबंध में 27-28 फरवरी 2025 (₹3,60,000)

130. काली चिट्ठीबाबू, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “सबाल्टर्न कास्ट एसोसिएशंस”, नई दिल्ली में 28-30 दिसंबर 2024, (₹4,00,000)
131. धीरज कुमार सिंह, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली, “लीडरशिप एंड लेगसी: दि विजनरी एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ अहिल्याबाई होलकर एज ए मॉडल फॉर वीमेन्स एम्पावरमेंट”, नई दिल्ली में 16 जनवरी 2025, (₹5,00,000)
132. सकाते भारत शमाराव, पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर, महाराष्ट्र, “अनलॉकिंग पोटेंशियल: दि इंटरसेक्शन ऑफ ह्यूमन क्रिएटिविटी एंड एआई”, रामानंदनगर में 21-22 फरवरी 2025, (₹2,00,000)
133. एम एन परमार, एम एन परमार कैकली ऑफ सोशल वर्क, पारुल यूनिवर्सिटी गुजरात, “सोशल इक्विटी: इन्क्लूजन प्रोब्लेम्स एंड चैलेंजेज”, वडोदरा में फरवरी 2025, (₹1,00,000)
134. एस कोटेस्वरी, वीमेन्स सेल कोआर्डिनेटर, बीवीसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आंध्र प्रदेश, “बिथोंड दि फकैड: वीमेन्स एम्पावरमेंट एंड चैलेंजेज”, पलाचारला में 8 मार्च 2025, (₹50,000)
135. बिजोया रॉय, सेंटर फॉर वीमेन्स डिवेलपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली, “रिप्रोडक्टिव जस्टिस इन इंडिया”, नई दिल्ली में 6-7 फरवरी 2025, (₹50,000)
136. राकेश द्विवेदी, यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “वीमेन लेड डिवेलपमेंट: एराइजिंग कंसर्न्स एंड स्ट्रेटेजीज फॉर विकसित भारत @ विजन 2047”, लखनऊ में 8-9 मार्च 2025, (₹1,50,000)
137. जड़ी बाला कोमरैया, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “इनोवेटिव स्ट्रेटेजीज एंड सस्टेनेबल एफर्ट्स फॉर विकसित भारत थ्रू सोशल इन्क्लूजन”, वाराणसी में 24-25 जनवरी 2025, (₹2,00,000)
138. भारती करी, संबलपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “हेल्थ एंड वेलबींग इन इंडिया: सोशियो- इकोनोमिक एंड जेंडर इम्प्लीकेशंस”, संबलपुर में 5-7 मार्च 2025, (₹2,50,000)
139. रीता चेतिया, पिथुबर कॉलेज, असम, “स्टेट्स ऑफ वीमेन इंडिया: नॉर्थ ईस्टर्न परस्पेक्टिव”, खोवांग में 29 मार्च 2025, (₹2,00,000)
140. चित्रा माली, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, “स्त्री पहचान, ननरंतर संघर्ष की पररनिनत” वर्धा में 7-8 मार्च 2025, (₹2,00,000)
141. बिंदु भूषण दाश, स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, केआईआईटी, उड़ीसा, “एक्सीलेरेटिंग वीमेन्स पार्टिसिपेटिंग एंड रिप्रेजेंटेशन इन मीडिया एंड कम्युनिकेशन फॉर विकसित भारत @2047”, भुवनेश्वर में 8 मार्च 2025, (₹1,50,000)
142. अमित कुमार, क्राइस्ट (डीमड टू बी) यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “चार्टिंग इंडियाज कोर्स टू विकसित भारत: एड्रेसिंग सोशल सेक्टर चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज”, गाजियाबाद में 15-16 जनवरी 2025, (₹2,50,000)
143. गुम्माडी श्रीदेवी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना “इंटरसेक्टिंग आइडेंटिटीज एंड इकोनॉमिक्स ऑफ डिस्क्रिमिनेशन”, हैदराबाद में 23-24 जनवरी 2025, (₹2,00,000)
144. आलोक कुमार कश्यप, महाराज बलवंत सिंह पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश, “रुल इंडिया इन दि 21फसट सेंचुरी: रीकंस्ट्रक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन”, वाराणसी में 15-16 फरवरी 2025, (₹2,00,000)

सामाजिक-भाषायी/ सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन

145. सुमिता बतव्याल, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, पश्चिम बंगाल, “सोसायटी इन संस्कृत एपिक एंड पुराणिक लिटरेचर्स: मॉडर्न रिलेवेंस”, बर्दवान में 11-12 जून 2024, (₹2,50,000)
146. पंकज दीप, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “अम्बेडकर कंट्रीब्यूशंस इन दि मेकिंग ऑफ दि मॉडर्न इंडिया: इम्पैक्ट एंड इट्स रिलेवेंस टुडे” ग्रेटर नोएडा में 13-14 अप्रैल 2024, (₹2,50,000)
147. अशोक कुमार, पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब “समकानिक कनिता ए निगीत में संस्कृतक चषस्त्व का संघर्ष”, चंडीगढ़ में 6-7 मार्च 2025, (₹1,50,000)
148. अनिता सिंह, आर्य महिला पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश, “पीपुल्स क्वीन रानी लक्ष्मीबाई: दि फेस एंड वॉइस ऑफ इंडियन रेजिस्टेंस”, वाराणसी में 19-20 अप्रैल 2024 (₹2,50,000)
149. मृदुस्मिता देवी, झांजी एच एन एस कॉलेज, असम, “एक्सप्लोरिंग शंकरदेव इन्फ्लुएंस ऑन मॉडर्न असामीज लिटरेचर”, शिवसागर में 28-29 जून 2024 (₹1,50,000)

150. प्रीति गुप्ता, एचवीएम पीजी कॉलेज, उत्तराखंड, “भारतीय आदिवासी कलात्मक, सांस्कृतिक परम्पराएँ एवं विकास की दिशाएँ”, हरिद्वार में 4-5 अप्रैल 2025 (₹3,50,000)
151. प्रणव कुमार, सीएसएसआईआईपी, एसएसएस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, “रीइमेजिनिंग एंड रिक्लेमिंग दि नॉलेज ट्रेडिन्स ऑफ भारत: बियॉड बाउंडरीज एंड डेफिनिशंस”, नई दिल्ली में 01-02 अगस्त 2024, (₹6,00,000, विदड़ान)
152. जगन्नाथ बर्मन, दक्षिण कामरुप गर्ल्स कॉलेज, असम, इंडिया, “लिटरेचर फ्रॉम नॉर्थ ईस्ट इंडिया: हेरिटेज, आउंडनेस एंड चैलेंजेज”, कामरुप में 23 -24 अगस्त 2024 (₹1,10,000)
153. हीरा सिंह, खालसा कॉलेज अमृतसर, पंजाब, “री-थिंकिंग दि पार्टिशन ऑफ पंजाब” अमृतसर में 20-21 सितंबर 2024 (₹5,00,000)
154. सुधीर ज्ञानदेव चवन, श्रीमती काशीबाई नवाले कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, महाराष्ट्र, “आइकोनोग्राफी इन टेम्पल आर्किटेक्चर: कॉम्प्रीहेंडिंग दि रिफ्लेक्शंस ऑफ महाराष्ट्र रिच हिस्ट्री एंड कल्चर”, पुणे में 23-24 दिसंबर 2024, (₹1,75,000)
155. मारिया जोसेफिन अरोकिया मारी, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक, मध्य प्रदेश, “रिफ्लेक्शन ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम इन डिजिटल ईरा”, अमरकंटक में 1-2 अगस्त 2024 (₹2,00,000)
156. सुप्रिया, हेड, दोरांडा कॉलेज, झारखंड, “इंडियन नॉलेज सिस्टम: एन ओरिएंटल रेनेसांस”, रांची में 25-26 अगस्त 2024, (₹2,00,000)
157. शबीर अहमद भट, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज त्राल, जम्मू कश्मीर “रिविजिटिंग मोरल टीचिंग्स ऑफ ऋषि एंड सूफी ऑफ कश्मीर”, त्राल में 28-29 अगस्त 2024 (₹1,20,000)
158. लक्ष्मीकांत सारंगी, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, योगोदा सत्संगा पलपारा महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, “जनजाति कंट्रीब्यूशन टू दि डिवेलपमेंट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम”, पलपारा में 20-21 सितंबर 2024 (₹2,00,000)
159. सजमीना अख्तर, खोवांग कॉलेज, असम, “ट्रेडिशनल ओरल कल्चर ऑफ इंडिया: रेलेवेस ऑफ इट्स स्टडी इन दि कंटेम्परेरी टाइम्स”, डिब्रूगढ़ में 4-5 अक्टूबर 2024 (₹4,00,000)
160. ज्योति जोशी, डीएसबी कैपस, उत्तराखंड “वीमेन, फॉक कल्चर एंड ट्रेडिशनल इकोलॉजिकल नॉलेज: फोस्टरिंग सस्टेनेबिलिटी इन दि 21फसूट सेंचुरी उत्तराखंड “नैनीताल में 21-22 अक्टूबर 2024 (₹4,00,000)
161. वाई जी जोशी, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, भरतपुर, मध्य प्रदेश, “रिजनल इश्यूज ऑफ ट्राइबल डिवेलपमेंट इन इंडिया: ग्राउंड रियलिटीज, पॉलिसी इंटरवेंशंस एंड डिजायर्ड स्ट्रेटेजीज” उज्जैन में 11-12 नवंबर 2024 (₹4,00,000)
162. अनुराग भट्टाचार्या, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी असम, “एक्सप्लोरिंग इंडीजीनस नॉलेज सिस्टम्स इन इंडिया: ट्रेड्स, इश्यूज एंड चैलेंजेज”, गुवाहाटी में 28-29 नवंबर 2024 (₹3,80,000)
163. चैताली भौमिक, बेंगाली सपतग्राम कॉलेज, असम, “एम्पावरिंग विकसित भारत@2047: दि ट्रांसफॉर्मेटिव रोल ऑफ ट्राइबल वीमेन फ्रॉम नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, सपतग्राम में 4-5 अक्टूबर 2024 (₹3,00,000)
164. पूनम चौधरी, एचवीएम (पीजी) कॉलेज, उत्तराखंड, “एम्ब्रेसिंग नेशनल आइडेंटिटी: दि एनरिचिंग इन्फ्लुएंस ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर, एंड कल्चर”, हरिद्वार में 28-29 नवंबर 2024, (₹2,50,000)
165. अर्नब बाउल, सूर्य सेन महाविद्यालय वेस्ट बंगाल, “अनरेवलिंग इंडियन रिचुअल्स एंड फेस्टिवल्स: दि इंटरप्ले ऑफ कल्चर, साइंस, एंड नॉलेज सिस्टम्स”, सिलिगुरी में 10-11 जनवरी 2025 (₹2,50,000)
166. अमित कुमार उपाध्याय, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “मिंटेड हिस्ट्रीज: अनरेवलिंग फिलोसोफी, रिलिजन, आर्ट एंड कल्चर इन नॉर्थर्न इंडिया थ्रू कॉइन्स”, वाराणसी में 3-5 दिसंबर 2024 (₹3,50,000)
167. शमसावर, श्रीमती एन.पी. सावित्रम्मा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वीमेन, आंध्र प्रदेश “मानव जीवन में भक्ति का योगदान”, चित्तूर में 5-6 दिसंबर 2024 (₹2,10,000)
168. अमित राय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, “समय, साहित्य, संस्कृति और गांधी”, वर्धा में 25-26 नवंबर 2024 (₹2,00,000)
169. संतवाना पांडे, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, “भारत के वर्तमान परिपेक्ष्य में डॉ अंबेडकर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सामाजिक दर्शन”, बिलासपुर में 19 सितंबर 2024 (₹3,00,000)

170. वैभव हेमंत पलसुले, केलकर कॉलेज, महाराष्ट्र “टेलस ऑफ ग्लोरी- स्टोरीज ऑफ नवल कॉम्बैट इन 1971”, मुंबई में 20 अगस्त 2024 (₹3,00,000)
171. संगीता माथुर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज, केरियर पॉइंट यूनिवर्सिटी, राजस्थान, “इंडियन नॉलेज सिस्टम: इनसाइट्स फॉर विकसित भारत @2047 19-20वां”, कोटा में नवंबर 2024 (₹2,00,000)
172. तन्मय भट्टाचार्य डिपार्टमेंट ऑफ लिंग्विस्टिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “लिंग्विस्टिक्स रिसर्च एंड दि पॉवर ऑफ मल्टीलिंगुअलिज्म”, नई दिल्ली में 29-31 जनवरी 2025 (₹2,75,000)
173. महीपाल सिंह राठौर, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी, राजस्थान, “हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय काव्य धारा”, जोधपुर में 1-2 मार्च 2025 (₹2,50,000)
174. श्रीरूपा चैटर्जी, आईआईटी हैदराबाद, तेलंगाना, “वल्नरेबल बॉडीज इन लिटरेचर एंड कल्चर”, हैदराबाद में 28 फरवरी-1 मार्च 2025 (₹1,50,000)
175. अतुल कुमार प्रधान, स्कूल ऑफ हिस्ट्री, गंगाधर मेहेर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “वर्सेस फ्रॉम दि वॉयड: भीमा भोई’ राइटिंग एज कंटीन्यूटी एंड रपचर विद दि इंडिक ट्रेडिशन”, संबलपुर, में 11-12 जनवरी-2025 (₹3,00,000)
176. श्री धरम, एआरएसडी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “विद्यापति साहित्य के विविध आयाम: साहित्य, संस्कृति, और इतिहास के संदर्भ में”, नई दिल्ली में 13-14 फरवरी 2025, (₹3,50,000)
177. प्रफुल्ल कु. नाथ, ट्राइबल स्टडीज सेंटर, असम यूनिवर्सिटी, असम, “असम आफ्टर 1980: पॉलिटिक्स, आइडेंटिटी, एंड डिवेलपमेंट, सिल्वर में 30-31 जनवरी 2025 (₹2,00,000)
178. रूपज्योति भट्टाचारजी, लखीमपुर कॉमर्स कॉलेज, असम, “लिटरेचर, लैंग्वेज, कल्चर एंड नेचर: एमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स विद स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, नॉर्थ लखीमपुर में 7-8 मार्च 2025 (₹2,00,000)
179. अनुराग वर्मा, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, पंजाब, “इंडियन नॉलेज सिस्टम फॉर विकसित भारत 2047: ब्रिजिंग ट्रेडिशन एंड ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर्स” मोहाली, में 16-18 जनवरी 2025 (₹2,50,000)
180. राकेश कुमार मिश्रा, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय (एमजीएचवी), महाराष्ट्र, “सिनेमा, साहित्य और समाज के अंतःसंबंध”, वर्धा में 10-11 जनवरी 2025 (₹3,00,000)
181. सोमदेव बानिक, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा “इंडियन नॉलेज सिस्टम इन लिटरेचर एंड कल्चरल स्टडीज: टूवर्ड्स न्यू मेटाडॉलॉजीज”, अगरतला में 8-9 अप्रैल 2025 (₹2,50,000)
182. रीता, एनकेबीएमजी (पीजी) कॉलेज चंदौसी, उत्तर प्रदेश, “इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन कल्चरल हेरिटेज एंड योगा इन एजुकेशन”, संभल में 20-21 मार्च 2025 (₹2,00,000)
183. नितेश कुमार मिश्रा, पीटी रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़, “आर्कियोलॉजी ऑफ छत्तीसगढ़ एंड इट्स नेबरिंग स्टेट्स”, रायपुर में 7-9 मार्च 2025 (₹2,00,000)
184. निर्दोष कुमार, एडमस यूनिवर्सिटी, वेस्ट बंगाल, “रिकैप्चरिंग द ट्राइबल हिस्ट्री ऑफ इंडिया: कममोरेटिंग दि 150वां बर्थ एनिवर्सरी ऑफ बिरसा मुंडा”, कोलकाता में 12-13 मार्च 2025 (₹1,80,000)
185. राजेश कुमार, राम लाल आनंद कॉलेज, नई दिल्ली, “प्रवासी साहित्य; पहचान और संवेदना”, नई दिल्ली में 21-22 मार्च 2025 (₹2,00,000)
186. मो. खालिद अंजुम उस्मानी, सीएम कॉलेज दरभंगा, बिहार, “उर्दू ज़बान-ओ-अदब पर मिथिला कल्चर के असरात”, दरभंगा में 25 जनवरी 2025 (₹1,80,000)
187. मणिमेकलाई एस, एन जी पी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, तमिलनाडु, “मैथेमेटिकल विजन्स ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम फॉर सोशल अवेयरनेस”, कोयंबटूर में 25-26 मार्च 2025, (₹1,00,000)
188. विश्व बंधु, त्रिपुरा सेंट्रल यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा, “संस्कृत एवं लोक-संस्कृति: संस्कृत वांग्मय का संस्कृति पुनर्मूल्यांकन”, अगरतला में 20-21 फरवरी 2025 (₹2,50,000)
189. मनीषा त्रिपाठी, सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “रि-इमेजिनिंग इंडीजीनस नॉलेज इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, नई दिल्ली में 4-5 मार्च 2025 (₹4,00,000)
190. मधुलिका अजय सोनावाने, कवयित्री बहिनाबाई चौधरी नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, “सेलिब्रेटिंग ट्राइबल हेरिटेज फॉर इट्स आइडेंटिटी एंड एक्जिस्टेंस”, जलगांव में 4 मार्च 2025, (₹2,50,000)

191. रवीन्द्र गोमाजी वैद्य, न्यू आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र, “अंडरस्टैंडिंग इंडीजीनस नॉलेज सिस्टम थ्रू एक्सप्लोरेशन ऑफ लाइफ, लिटरेचर एंड कल्चर ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज इन महाराष्ट्र”, शेवगांव में 7-8 फरवरी 2025, (₹1,50,000)

वाणिज्य और प्रबंधन

192. विजय सिंह एम वनर, आनंद कॉमर्स कॉलेज, गुजरात, “एम्पावरिंग एजुकेटर्स इन कॉमर्स इन दि ऐज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस”, आनंद, में 13 जुलाई 2024, (₹1,00,000)

193. जीतेश राय, किरोड़ी मल कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली “डिवेलपमेंट इंड्यूस्ट्रि डिस्प्लेसमेंट एंड इट्स रैमिफिकेशन्स ऑन ट्राइबल राइट्स: दि केस ऑफ इंडिया”, नई दिल्ली में 27-28 सितंबर 2024, (₹ 1,50,000) विदड़ॉन

194. वाणी भूषण पटना लॉ कॉलेज, बिहार “हार्मोनी इन क्राइसिस: इंटीग्रेटिंग सोल्यूशन्स फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंस एंड बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन” पटना में 19-20 नवंबर, 2024 (₹4,00,000)

195. स्नेहल खडगे, जी एस कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र, “सिनर्जाइजिंग सस्टेनेबिलिटी: ग्रीन इनिशिएटिव्स, वाटर कंजर्वेशन, एंड क्लाइमेट चेंज मैनेजमेंट”, वर्धा में 6-7 दिसंबर 2024, (₹2,00,000)

196. चंद्र शेखर, एनआईटी कुरुक्षेत्र, हरियाणा, “दि ह्यूमन- सेंट्रिक वर्कप्लेस: वेल-बीइंग, डाइवर्सिटी, एंड एंजॉयी एम्पावरमेंट”, कुरुक्षेत्र में 21-23 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)

197. राम रत्न, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी रिजनल सेंटर, धर्मशाला हिमाचल प्रदेश, “विकसित भारत 2047: एम्पावरिंग इंडिया थ्रू इंटीग्रेशन ऑफ कॉमर्स, मैनेजमेंट, एंड इकोनॉमिक्स फॉर ग्लोबल रिकॉग्रिशन”, धर्मशाला में 23-24 अप्रैल 2024 (₹4,00,000)

198. डी हरिकंठ, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, तेलंगाना, “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन: ए की कैटेगिस्ट फॉर सस्टेनेबल बिजनेस डिवेलपमेंट”, करीमनगर, में 7 -8 मार्च 2025 (₹2,00,000)

199. श्वेता त्रिपाठी, मैथिली कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “विकसित भारत 2047: रीडिफाइंग मैनेजमेंट एंड बिजनेस प्रैक्टिस इन दि ऐज ऑफ एआई”, नई दिल्ली में 18-19 मार्च 2025 (₹2,50,000)

200. शुभांगी निवृत्ति लवते, पतंगराव कदम महाविद्यालय, महाराष्ट्र, “एम्पावरिंग फ्यूचर्स: कल्टीवेटिंग स्किल डिवेलपमेंट एंड आर्टिफिशियल एक्सलेंस”, सांगली, में 28-29 मार्च 2025 (₹2,00,000)

201. राजू राय, एसोसिएट प्रोफेसर सीकेबी कॉमर्स कॉलेज, असम, “विजन फॉर विकसित भारत@2047: अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज”, जोरहाट, में 25-26 अप्रैल 2025 (₹1,45,000)

202. संजय रमेशभाई अजमेरी, बी जे वाणिज्य महाविद्यालय, गुजरात, एआई रिवोल्यूशन इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट: ट्रांसफॉर्मिंग बिजनेस, एम्पावरिंग फ्यूचर्स”, वल्लभ विद्यानगर में 11 जनवरी 2025 (₹1,35,000)

203. शबाना एस, भारतमाता कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, केरल, “विजन 2047 फॉर इंडिया 20: एम्पावरिंग डिजिटल फाइनेंस थ्रू एआई”, पलक्कड, में 5 फरवरी 2025 (₹ 50,000)

204. सुनीता तंवर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा, “सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल्स फॉर विकसित भारत 2047”, महेन्द्रगढ़, में 6-7 फरवरी 2025 (₹1,35,000)

205. मनोज शाह, बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, गुजरात, “एम्पावरिंग टूमोरोज एंटरप्रेन्योर्स वाया स्टार्ट-यूपी एंड इनोवेशन विद इंडियन वैल्यूज”, अहमदाबाद, में 29 मार्च 2025 (₹1,50,000)

206. गुरुनाथन ए, श्री नेहरू महाविश्वविद्यालय कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस तमिलनाडु, “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इन फाइनेंशियल सर्विसेज: टूडे एंड टूमोरो”, कोयंबटूर, में 14 मार्च 2025 (₹1,00,000)

207. वी कलाईवानी, विवेकानंद आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर वीमेन, तमिलनाडु, “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज एंड सस्टेनेबिलिटी: जन धन योजना इन फाइनेंशियल इन्क्लूजन”, सलेम में 18 फरवरी 2025 (₹50,000)

208. डी दिव्या, नल्लामुथु गौंडर महालिंगम कॉलेज, तमिलनाडु, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाय चैन मैनेजमेंट: एथिकल इम्प्लीकेशंस इन आटोमेशन, ट्रांसपेरेंसी एंड सस्टेनेबिलिटी”, पोल्वाची, में 24 जनवरी 2025, (₹1,00,000)

209. शिवाजी रामचना पचरने एसएसबी अलियास अप्पासाहेब जेठे कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस, महाराष्ट्र, “टूरिज्म पोटेंशियल इन इंडिया एंड विकसित भारत”, पुणे में जनवरी माह 2025 का तीसरा सप्ताह (₹1,25,000)

210. अंजू थापा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू कश्मीर “रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन बिजनेस मैनेजमेंट: पर्सपेक्टिव्स एंड इम्प्लीकेशंस ऑन दि वे टू विकसित भारत”, सांबा में 21-22 अगस्त 2024, (₹1,20,000)
211. अरविंद वाघु उबाले, अन्नसाहेब वर्तक कॉलेज ऑफ आर्ट्स, महाराष्ट्र “दि फ्यूचर वर्क: प्रीपेयरिंग कॉमर्स ग्रेजुएट्स फॉर दि जिग इकोनॉमी”, पालघर में 12-13 मार्च 2025, (₹ 2,00,000)
212. पुष्पलता त्रिमुखी, राजश्री शाहू महाविद्यालय, महाराष्ट्र, “रोल ऑफ एआई इन इंडियाज विज़न 2047: बिल्डिंग ए सेल्फ-रिलायंट नेशन”, लातूर में 6 मार्च 2025, (₹ 1,20,000)
213. गिरीश कुमार एम, एस एम भंडारी आर्ट्स, आर आर भंडारी कॉमर्स एंड एस के राठी साइंस कॉलेज, कर्नाटक, “रिसेंट ट्रेंड्स एंड इनोवेशन्स इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट - 2025”, गुलेदगुड्ड में 18 जनवरी 2025, (₹3,00,000)
214. सुनील कुमार प्रसाद, बापू पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज पीपीगंज, उत्तर प्रदेश, “डिजास्टर मैनेजमेंट मेकेनिज्म इन इंडिया: चैलेंजेज एंड आप्शन”, गोरखपुर, में 1-2 मार्च 2025, (₹1,60,000)

सामाजिक मनोविज्ञान

215. पुनीत कौर, खालसा कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब, “पोजिटिव साइकोलॉजिकल इंटरवेंशन्स फॉर एनहैंसिंग इमोशनल एंड मेंटल वेल-बीइंग थ्रू लाइफ स्किल्स एजुकेशन”, अमृतसर, में 19 जुलाई 2024 (₹2,00,000)
216. भावना, क्राइस्ट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी) उत्तर प्रदेश, “कंटेम्पेरी पैटर्न्स एंड फ्यूचर ट्राजेक्टरीज इन साइकोलॉजिकल साइंसेज: एडवांसिंग फ्रॉम इंटरडिसिप्लिनरी टू ट्रांसडिसिप्लिनरी”, मेरठ में 17-20 जनवरी 2025 (₹2,00,000)
217. रचना भार्गव, एसएर ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली, “इनोवेशन इन इंटरवेंशन: हीलिंग माइंड्स एंड नर्विंग सोल्स”, नई दिल्ली में 8-9 फरवरी 2025 (₹3,00,000)
218. देब कुमार दास, एनएसएचएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, पश्चिम बंगाल, “एनहैंसिंग पब्लिक हेल्थ आउटकमस थ्रू बिहेवियरल इनसाइट्स एंड योगा: ए सोशल साइकोलॉजिकल एप्रोच”, दुर्गापुर, में 12-13 जनवरी 2025 (₹1,00,000)
219. शिखा श्रीवास्तव, ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, “दि सिप्रिफिकेंस ऑफ शंकराचार्य फिलोसोफी इन कंटेम्पेरी कल्चरल एंड सोशल कॉन्टेक्सट्स”, प्रयागराज, में 13-14 फरवरी 2025 (₹2,50,000)
220. रिमा कोटाकी, मोरन महिला महाविद्यालय, असम, “ब्रेकिंग दि साइलेंस: मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग इन दि मॉडर्न सोसायटी”, चरैदो में 28- 29 मार्च 2025 (₹2,50,000)

अंतरराष्ट्रीय अध्ययन

221. जुलफेयर मजीद काजी, रुपाही कॉलेज, असम, “नेविगेटिंग दि पॉसिबिलिटीज एंड चैलेंजेज टूवर्ड्स विकसित भारत 2047” नागांव में 8-9 अगस्त, 2024 (₹ 1,00,000)
222. राम प्रसाद यादव, दिग्विजय नाथ पी जी कॉलेज, उत्तर प्रदेश, “इम्पैक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन नेशनल सिक्युरिटी” गोरखपुर में 7-8 सितंबर, 2024 (₹ 1,00,000)
223. बिमान पटोवरी, सोनापुर कॉलेज, असम, “कल्टीवेटिंग अल्टरनेटिव्स फॉर आवर कॉमन फ्यूचर: प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज फ्रॉम लोकल टू ग्लोबल” कामरुप में 19-21 सितंबर, 2024 (₹ 2,50,000)
224. रोज मेरी फिलिप, अल्फोंसा कॉलेज, केरल, “कन्वर्जिंग क्रासरोड्स ऑफ ह्यूमैनिटीज: मेमोरी, लिटरेचर, एआई, ईएलटी, एंड अनमैप्ड टेरिटरीज ऑफ दि न्यू वर्ल्ड” कोट्टायम में 17-18 अक्टूबर, 2024 (₹ 3,00,000)
225. तीर्थकर चक्रवर्ती, आईआईटी मंडी, हिमाचल प्रदेश, “इंटरडिसिप्लिनरी एप्रोचेज टू साउथ एशियन इकोलॉजी” मंडी में 23-25 अक्टूबर, 2024 (₹ 4,50,000)
226. आनंद वी, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई), मणिपाल, कर्नाटक, “अंडरस्टैंडिंग चाइना इन ए टर्बुलेंट वर्ल्ड: जियोपॉलिटिकल कंटेस्टेशन एंड कोऑपरेशन” उडुपी में 21-23 नवंबर, 2024 (₹ 5,00,000)
227. मोहम्मद शरीक, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “एनर्जाइसिंग इंडियन यूथ इन कॉन्टेक्ट ऑफ जी20 डिक्लेरेशन: एमर्जिंग इश्यूज, चैलेंजेज एंड वे फॉरवर्ड” लखनऊ में 18 फरवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
228. रंजीत भट्टाचार्या, जोरहाट कॉलेज, असम, “फेमिनिज्म: इंडियन एंड वेस्टर्न एक्सप्लोरिंग इंटरसेंस, पैरालेल, एंड डाइवर्जेंस” जोरहाट में 6-7 जनवरी, 2025 (₹2,00,000)
229. अजीजुर रहमान, पद्मनाथ गोहैन बरुआह गवर्नमेंट मॉडेल कॉलेज, असम, “लीवरेजिंग एक्ट ईस्ट पॉलिसी फॉर नॉर्थ

- ईस्ट इंडियाज ट्रांसफॉर्मेशन” तिनसुकिया में 4-5 मार्च, 2025 (₹ 1,75,000)
230. शीतल चनाकांत पाटिल, पतंगराव कदम महाविद्यालय रामानंदनगर, महाराष्ट्र, “इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन इंडियन डेमोक्रेसी” बर्ली में 23-24 जनवरी, 2025 (₹ 1,50,000)
231. गौरी कदम, डीवाई पाटिल आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस वीमेन्स कॉलेज, महाराष्ट्र, “इनोवेट टू एलिवेट: इंटरडिस्प्लिनरी स्ट्रेटेजीज टू एड्रेस ग्लोबल चैलेंजेज” पुणे में 9-11 जनवरी, 2025 (₹ 2,00,000)
232. राजश्री बरल, गवर्नमेंट वीमेन्स कॉलेज, उड़ीसा, “ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स ऑन मेंटल हेल्थ: इंटीग्रेटिंग वैल्यू एंड लाइफ स्किल्स एजुकेशन” संबलपुर में 22-23 अप्रैल, 2025 (₹ 2,50,000)
233. प्रीति शर्मा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गुजरात, “विकसित भारत 2047: शेपिंग इंडियाज ग्लोबल एंगेजमेंट” गांधीनगर में फरवरी 2025, (₹ 2,50,000)
234. एंटीआर्बम रंगलोग, एमबीबी यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा, “गुड गवर्नेंस एट दि ग्रासरूट्स: अंडरस्टैंडिंग दि सिकस्थ शेड्यूल एंड जनरल एरिया इन नॉर्थईस्ट इंडिया”, अगरतला में 28-29 नवंबर 2024, (₹ 4,00,000)
- अर्थशास्त्र**
235. आर शिवरामकृष्णन, श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु, “ग्रीन आंट्रप्रेन्योरशिप रिसर्च फॉर स्टार्टअप्स अंडर दि सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजीएस) –एन इनिशिएटिव ऑफ संकल्प स्कीम ऑफ मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डिवेलपमेंट एंड आंट्रप्रेन्योरशिप” कोयंबटूर में 6 सितंबर, 2024 (₹ 1,00,000)
236. एस लिंग मूर्ति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक, “विकसित भारत @2047: वे टूवर्ड्स सेल्फ-रिलायंस” कडगांची में 17-18 सितंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
237. नागेश कुमार, इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रीयल डिवेलपमेंट (आईएसआईडी), नई दिल्ली, “इंडस्ट्रीयल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ इंडिया: टूवर्ड्स ए कॉम्पिटिटिव, इन्क्यूसिव एंड सस्टेनेबल मैनुफैक्चरिंग सेक्टर टू रियलाइज दि विकसित भारत विजन” नई दिल्ली में 26-28 सितंबर, 2024 (₹ 6,00,000)
238. चंद्र कुमारी, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: ग्लोबल प्रोब्लेम्स, लोकल सोल्यूशन्स” टोंक में 28-29 सितंबर, 2024 (₹ 1,10,000)
239. उलगनाथन, गुरु नानक कॉलेज, तमिलनाडु, “इवॉल्विंग जिग इकोनॉमी इन इंडिया: अपॉर्च्युनिटीज, चैलेंजेज एंड वे फॉरवर्ड इन विज्ञान विकसित भारत @2047” चेन्नई में 25-26 जुलाई, 2024 (₹ 1,50,000)
240. आकांक्षा, सी वी रमन यूनिवर्सिटी, बिहार, “विकसित भारत: इग्रीटिंग यूथ पोर्टेंशियल फॉर आंट्रप्रेन्यूरियल सक्सेस” भगवानपुर में 30-31 अगस्त, 2024 (₹ 1,50,000)
241. एम सम्पत, पीएसजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु, “इम्प्लीमेंटेशन, सक्सेस एंड चैलेंजेज ऑफ नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर (एनएमएसए) इन इंडिया” कोयंबटूर में 7 अगस्त, 2024 (₹ 80,000)
242. हेमलता शर्मा, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा, “विज्ञान 2047: अलाइनिंग एसडीजीएस विद इंडियाज डिवेलपमेंट एम्प्रेरेशंस” कुरुक्षेत्र में 29-30 अगस्त, 2024 (₹ 2,00,000)
243. पंकज सैकिया, ढिंग कॉलेज, असम, सस्टेनेबल लाइवलहुड्स इन रुरल असम: चैलेंजेज अपॉर्च्युनिटीज एंड पाथवेज टू डिवेलपमेंट नागांव में 21-22 अगस्त 2025 (₹ 2,50,000)
244. कन्हैया आहुजा, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “XXXIII एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ मध्य प्रदेश इकोनॉमिक एसोसिएशन इंडियाज फॉरन ट्रेड एंड पॉलिसी ट्राइबल डिवेलपमेंट इन मध्य प्रदेश एंड कॉन्फ्रेंस ऑफ सोसायटी फॉर पाथवेज टू सस्टेनेबिलिटी बिल्डिंग सस्टेनेबल इंडिया: चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज” इंदौर में 30-31 अगस्त, 2024 (₹ 4,50,000)
245. कोदूरी श्रीवाणी, सातवाहन यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, “विकसित भारत @2047: इंडियाज विज्ञान फॉर डिवेलपमेंट” करीमनगर में 3-4 अक्टूबर, 2024 (₹ 1,50,000)
246. देबदत्ता साह, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “मशीन लर्निंग एंड इकोनॉमिक्स: थ्योरी, एप्लिकेशन्स एंड इम्प्लीकेशंस” नई दिल्ली में 4-5 अक्टूबर, 2024 (₹ 2,00,000)
247. अमृता कर्णावत, आईएसबीएस, महाराष्ट्र, “एडवांस्ड फाइनेंशियल मॉडेलिंग फॉर इंडस्ट्री 40: इंटीग्रेटिंग टेक्नोलॉजी एंड स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट” पुणे में 11-12 अक्टूबर, 2024 (₹ 3,00,000)

248. अमनदीप वर्मा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा, “वीमेन एज कैटेगोरी फॉर इकोनोमिक डिवेलपमेंट इन पंजाब एंड हरियाणा: ए स्टेप टूवर्ड्स विकसित भारत @ 2047” महेंद्रगढ़ में 21 नवंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
249. कीर्ति रंजन पल्लासिंह, रवंशा यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “क्लाइमेट, इकोनॉमी एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट इन इंडिया” कटक में 15-16 फरवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
250. नीती जैन, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी (आईजीएनटीयू), मध्य प्रदेश, “ट्राइबल डिवेलपमेंट इन इंडिया: एक्जिस्टिंग इकोनोमिक स्टेट्स एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स” अमरकंटक में 27-28 फरवरी, 2025 (₹ 2,00,000)
251. अमित कुमार सिंह, गोस्वामी तुलसीदास गवर्नमेंट पीजी कॉलेज करवी चित्रकूट, उत्तर प्रदेश, “रूरल टूरिज्म: डिवेलपमेंट, इम्प्लायमेंट एंड प्रोस्पेक्ट्स” चकला राजरानी में 21-22 दिसंबर, 2024 (₹ 2,00,000)
252. वेन्निरा सेल्वी जी, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “सस्टेनेबल इनोवेटिव फार्मिंग: दि पॉवर ऑफ आईओटी एंड एज एआई इन स्मार्ट एग्रीकल्चर” बैंगलोर में 13-14 फरवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
253. सत्यबामा के, आईएफईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु, “एम्पावरिंग चेंज: रूरल एंड अर्बन वीमेन-लेड डिवेलपमेंट इनिशिएटिव्स” गंगाराम पालायम में 21-22 जनवरी, 2025 (₹ 1,50,500)
254. प्रवीण कुमार एस, भारत इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, तमिलनाडु, “सर्कुलर इकोनॉमी इन इंडिया: चैलेंजेज एंड मैनेजमेंट अपॉर्च्युनिटीज” चेन्नई में 10-11 फरवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
255. वांडिनेसिया तरियांग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय, “इंडिया 20: विजन फॉर इंडिया फॉर 2047” शिलोंग में 27-29 नवंबर, 2024 (₹ 5,00,000)
256. धीरेश कुलश्रेष्ठ, चिटकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब, “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड स्पिरिचुअल क्रोशिएंट इन होलिस्टिक एंड इकोनोमिक डिवेलपमेंट” राजपुरा में 15-16 अक्टूबर, 2024 (₹ 2,00,000)
257. प्रियंका हज़ारिका, झांजी हेमनाथ सरमा कॉलेज, असम, “एमर्जिंग इश्यूज ऑन इकोनोमिक प्रॉस्पेक्टिटी एंड सस्टेनेबिलिटी” झांजी में 22-23 अप्रैल, 2025 (₹ 2,80,000)
258. मनिता डी शाह, सीएमएस बिजनेस स्कूल, कर्नाटक, “इंटीग्रेटिंग इक्विटी एंड डाइवर्सिटी इन बिजनेस फॉर ए सस्टेनेबल फ्यूचर” बैंगलूरु में 21-22 फरवरी, 2025 (₹ 2,50,000)
259. अनु मुटनेजा, देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब, “अनलॉकिंग पंजाब वाटर वेल्थ: ए भारत-सेंट्रिक ब्लू इकोनॉमी एप्रोच टू होलिस्टिक ह्यूमन सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” गोबिंदगढ़ में 11-12 जनवरी, 2025 (₹ 4,00,000)
260. अर्चना श्रीवास्तव, बीआईटीएस पिलानी, तेलंगाना, “एमर्जिंग इश्यूज इन इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस” हैदराबाद में 4-6 फरवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
261. दिव्या बुधिया, प्रेम चांद मार्कंडा एस डी कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब, “सस्टेनिंग ग्रोथ विद इक्विटी: रोडमैप फॉर डिवेलपमेंट ऑफ आंट्रोप्रेन्योरशिप इन पंजाब” जालंधर में 20 फरवरी, 2025 (₹ 1,50,000)
262. अमोल श्रीकांत कांबले, पतमग्री कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर, महाराष्ट्र, “एग्रीकल्चरल ट्रांसफॉर्मेशन एंड रूरल डिवेलपमेंट इन इंडिया: इश्यूज, चैलेंजेज, एंड पॉसिबिलिटीज” सांगली में 7-8 फरवरी, 2025 (₹ 2,00,000)
263. हर्षद लक्ष्मण जाधव, रयात शिक्षण संस्था कर्मवीर भौराव पाटिल कॉलेज, महाराष्ट्र, “टूवर्ड्स 2047: अचीविंग सस्टेनेबल ग्रोथ एंड एन इन्क्लूसिव फ्यूचर फॉर विकसित भारत” जुहू नगर में 27-28 फरवरी, 2025 (₹ 1,50,000)
264. करनाती किरण कुमार, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, पंजाब, “इंडियन मार्च टूवर्ड्स विकसित भारत @2047: ए स्ट्रेटेजी एंड पॉलिसी परस्पेक्टिव” बठिंडा में 20-21 फरवरी, 2025 (₹ 1,25,000)
265. पृथ्वीराज स्वर्जियरी, गोरेस्वर कॉलेज, असम, “वाइब्रेंट नॉर्थ ईस्ट इंडिया: एनविजनिंग इकोनॉमी, सोसायटी, एंड पॉलिसी” तामुलपुर में 13-14 फरवरी, 2025 (₹ 2,00,000)
266. राहुल चंद्र, एसएसजे डीडब्ल्यूएसएस गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, उत्तराखंड, “वोकल फॉर लोकल: ब्रिजिंग मार्केट्स, कम्युनिटीज, एंड सस्टेनेबल ग्रोथ” रानीखेत में 14 फरवरी, 2025 (₹ 50,000) (एससी)
267. गोगुला येल्हा कृष्णा, सिल्वर जुबिली गवर्नमेंट कॉलेज, आंध्र प्रदेश, “एम्पावरिंग रूरल कम्युनिटीज: इम्प्लायमेंट अपॉर्च्युनिटीज एंड ट्रांसफॉर्मेटिव स्ट्रेटेजीज” कुरनूल में 6-7 फरवरी 2025 (₹ 1,00,000)

268. सीएच शंकर राव, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तमिलनाडु “इंस्टीट्यूट ऑफ विकसित भारत @2047 एफिशिएंट, इन्क्यूसिव एंड सस्टेनेबल इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट इंडिया बाई 2047” तिरुवरूर में 20-21 मार्च, 2025 (₹ 1,80,000)
269. बालाजी गुरुनाथ कांबले, दयानंद कॉलेज ऑफ कॉमर्स, महाराष्ट्र “लीवरेजिंग इंडियाज़ डेमोग्राफिक डिविडेंड ऑफ ए सेल्फ-रिलायंट एंड सस्टेनेबल फ्यूचर बाई 2047”, लातूर में 12 अगस्त 2024, (₹ 2,00,000)
270. दीपिका, आरसीयू गवर्नमेंट पीजी कॉलेज उत्तरकाशी, उत्तराखंड “आंट्रेप्रेन्योरशिप: कैटलाइजिंग इंडियाज़ डिवेलपमेंट एंड बिल्डिंग ए विकसित भारत बाई 2047”, उत्तराखंड में 21-22 फरवरी 2025, (₹ 3,00,000)
271. बिद्युत बिकाश बैश्य, प्रागज्योतिष कॉलेज, असम “एक्सप्लोरिंग दि पोटेंशियल ऑफ माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस ऑफ विकसित भारत @ 2047: चैलेंजेज, अपॉर्च्युनिटीज, एंड स्ट्रेटेजीज ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, कामरूप में 14-15 फरवरी 2025, (₹ 4,00,000)
272. ब्रिजेंद्र सिंह बौधा, बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज, उत्तर प्रदेश “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वामी विवेकानंद और तथागत बुद्ध की शिक्षाओं की प्रासंगिकता”, झांसी में 12 अप्रैल 2025, (₹ 2,50,000)
273. जी. नरेश, केएनएम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, तेलंगाना “ग्रोथ पोटेंशियलिटीज इन तेलंगाना स्टेट- प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजेज”, नलगोंडा में 13-14 मार्च 2025, (₹ 1,00,000)
274. राजू मंडल, असम यूनिवर्सिटी, असम “नॉर्थ ईस्टर्न इकोनोमिक एसोसिएशन एंड नेशनल सेमिनार”, सिल्चर में 14-15 फरवरी 2025, (₹ 2,00,000)
275. रोहलुपुई पछुआउ, मिजोरम यूनिवर्सिटी, मिजोरम “एम्पावरिंग कम्युनिटीज: यूजर-सेंट्रिक लाइब्रेरी सर्विसेज ऑफ एडवांसिंग सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स”, तनहिल में 20-21 मार्च 2025, (₹ 2,00,000)
277. संजय सिंह पठानिया, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, धर्मशाला, कांगड़ा, “जियोग्राफी, डिजास्टर मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी इन दि हिमालयाज: चैलेंजेज एंड सोल्यूशन”, 16-17 अक्टूबर, 2024 (₹ 5,00,000)
278. अरुणा सिन्हा, वाराणसी इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री, उत्तर प्रदेश, “कश्मीर: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर” वाराणसी में 2-3 फरवरी, 2025 (₹ 5,00,000)
279. सूरज मल, जेएनयू, नई दिल्ली “डिजास्टर रिस्क रिडक्शन इन दि हिमालयाज: रिसेंट एडवांसमेंट्स”, नई दिल्ली में 20-21 सितंबर 2024, (₹ 4,00,000) (एससी)
280. वित्सौ यानो, मॉडर्न कॉलेज, नागालैंड, “लोकल सेल्फ गवर्नमेंट इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया: पैटर्न एंड डायनामिक्स”, चुमौकेदिमा में 28-29 नवंबर 2024, (₹1,50,000) (एसटी)
281. कंचन गोगोई, ढकुआखाना कॉलेज, असम, “बायो-रिसोर्सेज एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया” ढकुआखाना, में 21-22 मार्च, 2025 (₹ 2,37,000)
282. अपर्णा अशोक फड़के, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, महाराष्ट्र विद्यानगरी, सांताक्रूज, महाराष्ट्र, “प्रोटेक्टिंग वेटलैंड्स ऑफ अवर कॉमन फ्यूचर” मुंबई में 31 जनवरी – 1 फरवरी, 2025 (₹ 4,00,000) विदड़ॉन

अन्य

283. केवी पद्मनाभा, तुमकुर यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, “विकसित भारत @2047: डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड मीडिया कन्वर्जेंस ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया”, तुमकुर में 19-20 जुलाई 2024 (₹1,50,000)
284. एसआर जॉली वर्गीज यू. सेंट मेरी कॉलेज, केरल, “टेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड एकेडमिक लाइब्रेरीज इन ए सोसायटी 50”, त्रिसूर, में 12-13 अक्टूबर 2024 (₹ 1,00,000)
285. राजेंद्रकुमार सुखदेव देवकाते, महात्मा फूले नूतन महाविद्यालय महाराष्ट्र, “योगा ऑफ वेलनेस एंड पोजिटिव हेल्थ”, अहमदनगर में 13 अगस्त 2024 (₹1,00,000)
286. कलश मोहनन, इंडियन नेवी, दिल्ली, “टेल्स ऑफ ग्लोरी-स्टोरीज ऑफ नेवल कॉम्बैट इन 197”, नई दिल्ली, में 20 अगस्त 2024 (₹2,00,000) विदड़ॉन
287. बी मर्सेलाइन अनिता, तमिलनाडु, “ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: एनहैंसिंग एन्वायरनमेंट रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी”, नवा इंडिया में 11 सितंबर 2024 (₹75,000)

सामाजिक भूगोल और जनसंख्या अध्ययन

276. रघुनाथ राजाराम सालुंखे, छत्रपति शिवाजी कॉलेज, महाराष्ट्र, “एक्सप्लोरिंग डायनामिक्स ऑफ ग्लोबल पॉपुलेशन: ट्रेंड्स, चैलेंजेज एंड सोल्यूशन” सतारा में 30 सितंबर, 2024 (₹ 1,40,000)

288. एस अरविंद जीटीएन आर्ट्स कॉलेज (आटोनोमस), तमिलनाडु, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ग्रीन रिवोल्यूशन: ट्रांसफॉर्मिंग लाइवरी मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर्स”, दिंडीगुल में 10-11 अक्टूबर 2024 (₹ 2,00,000)
289. प्रेमदा कलिता, लोकनायक ओमियो कुमार दास कॉलेज, असम, “बायोडायवर्सिटी एंड इट्स कंजर्वेशन: इंपोर्टेंस, थ्रेट्स एंड स्ट्रेटेजीज” सोनितपुर में 25-26 अक्टूबर, 2024 (₹ 5,00,000)
290. प्रदीप कुमार मल्लिक, इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज (आईएमएस), उत्कल यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “मीडिया इन एआई इरा” भुवनेश्वर में 21-23 नवंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
291. अच्युत कृष्णा बोराह, एस बी एम एस कॉलेज, असम, “विकसित भारत @2047: प्रोग्रेस इन मोशन” सुआलकूची में 22-23 नवंबर, 2024 (₹ 3,50,000)
292. ए सुब्रमण्यम राजू, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पोंडिचेरी, “इंडियाज अंडमान एंड निकोबार आइसलैंड्स: मल्टीडायमेंशनल पर्सपेक्टिव्स” पोंडिचेरी में 5-6 दिसंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
293. डी. सरथ कुमार, कोंगू इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु, “एआई इवेन स्किल डिवेलपमेंट एंड नॉलेज ट्रांसफर फॉर एम्पावरिंग रूरल कम्युनिटीज”, पेरुंदुरई, में 19-20 दिसंबर, 2024 (₹ 1,00,000)
294. जुली एल्डहोस, केरल, “बिग डाटा एनालिसिस फॉर कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस”, अलुवा में 22-23 जनवरी 2025, (₹ 1,23,000)
295. कोपेरुनचोलन एम, नेशनल कॉलेज (आटोनोमस), तमिलनाडु, “ट्रेडीशनल ग्रेन्स, मॉडर्न गेन्स (टीजीएमजी-2024)”, तिरुचिरापल्ली में 11 दिसंबर 2024, (₹ 1,00,000)
296. विनीता, एचवीएम पीजी कॉलेज उत्तराखंड, “साइबर सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय संबंध: उभरते खतरे और नीतियां” हरिद्वार में 21-22 दिसंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
297. अशोक कुमार, सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस), दिल्ली, “सिनर्जीज इन इंडियाज डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस: टूवर्ड्स ए कॉम्प्रीहेंसिव फ्रेमवर्क”, नई दिल्ली में 23- 24 दिसंबर, 2024 (₹ 3,50,000)
298. ईस्वरन टी, टीएसएम जैन कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु, “अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन सोसायटल बेनिफिट्स ऑफ वन टेक्नोलॉजी एंड इट्स यूसेज” कल्लुकुरिची में 25- 26 अक्टूबर, 2024 (₹ 1,00,000)
299. विजेंद्र कुमार पांडे, किरोड़ी मल कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “नेचुरल हैजाइर्स इन दि एंथ्रोपोसीन: मिटिगेशन, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी” नई दिल्ली में 27 - 28 फरवरी, 2025 (₹ 3,50,000)
300. शिवानी वी, भारतीय विद्वत परिषद्, कर्नाटक, “ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस” बेंगलूर में 24-26 अक्टूबर, 2024 (₹ 2,50,000)
301. एम एस जोसेफ एंटोनी जैकोब, लोयोला इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एलआईएसएसटीएआर), तमिलनाडु “एपोचल चेंजेस इन दि इंडियन लीगल लैंडस्केप: रिसर्च ऑफ दि सिविल सोसायटी विद स्पेशल रेफरेंस टू बीएनएस, बीएनएसएस एंड बीएसए” चेन्नई में 30-31 जनवरी, 2025 (₹ 3,00,000)
302. संजय कुमार, जे पी स्टडी सेंटर जय प्रकाश यूनिवर्सिटी बिहार, “कन्सेप्ट ऑफ विकसित भारत इन जयप्रकाश नारायण फिलोसोफी” छपरा में 15-16 नवंबर, 2024 (₹ 5,00,000)
303. आर जयामति, शंकर कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, तमिलनाडु, “इंटीग्रेटिव पेडागोजिकल एप्रोच इन योगा एंड आयुर्वेदा ट्रेनिंग” कोयंबटूर में 24 जनवरी, 2025 (₹ 1,00,000)
304. डेविड सोलोमोन राजू येल्मपल्ली, होली मेरी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, तेलंगाना, “द एथिक्स ऑफ एआई: एक्सप्लोरिंग दि सोशल इम्प्लीकेशंस ऑफ एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज”, कोंडापुर में 6-7 दिसंबर 2024 (₹ 1,75,000)
305. रेनु अग्रवाल, गार्गी कॉलेज, दिल्ली, “स्किल एनहैंसमेंट: ए रोडमैप टू आत्म निर्भर भारत” नई दिल्ली में 12-13 नवंबर, 2024 (₹ 3,00,000)
306. एल आर चार्लेट शर्मिली, जयराज एनापैक्रियम कॉलेज फॉर वीमेन (आटोनोमस), तमिलनाडु, “आर्कियोलॉजिकल एक्सकेवेशन इन साउथ इंडिया: न्यू इनसाइट्स” टेनी में 4 दिसंबर, 2024 (₹ 1,40,000)
307. टीना, जी डी गोयंका यूनिवर्सिटी, हरियाणा, “एनहैंसिंग प्राइव्सी प्रोटेक्शन इन दि डिजिटल ऐज: लीगल चैलेंज एंड इनोवेशन्स” गुरुग्राम में 24-25 जनवरी, 2025 (₹ 1,05,000)
308. पूरव देसाई, पारुल यूनिवर्सिटी, गुजरात, “इंटीग्रेटिंग ट्रेडिशनल्स एंड इनोवेशन्स इन होमियोपैथी फॉर विकसित भारत” वडोदरा में 16- 17 नवंबर, 2024 (₹ 3,00,000)

309. जया कोष्टा, अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ गुड गवर्नेंस एंड पॉलिसी एनालिसिस, मध्य प्रदेश, “मध्य प्रदेश पीएचडी कोलोकियम 2024” भोपाल में 7-8 नवंबर, 2024 (₹ 2,00,000)
310. सुतावाने परिमल अरविंद, श्री शिवाजी कॉलेज, महाराष्ट्र, “सरदार वल्लभभाई पटेल, नेशनल इंटीग्रेशन एंड यूनिफिकेशन ऑफ भारत” परभानी में 28 फरवरी, 2025 (₹ 1,00,000)
311. विपिन कुमार अग्रवाल, श्री अरविंदो कॉलेज, नई दिल्ली, “दि स्ट्रेटेजिक ब्लूप्रिंट फॉर विकसित भारत 2047” मालविया नगर में 17-18 जनवरी, 2025 (₹ 5,00,000)
312. एम सरवनन, होली मेरी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, तेलंगाना, “इनोवेशन्स एंड एमर्जिंग ट्रेंड्स फॉर एस्टैब्लिशमेंट ऑफ सोलर माइक्रो ग्रिड्स टू प्रोवाइड क्लीन एनर्जी यूजिंग एआई फॉर नेक्स्ट जेनरेशन” हैदराबाद में 24-25 जनवरी, 2025 (₹ 1,00,000)
313. भारती बाला, फकीर मोहन यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “रोल ऑफ मीडिया इन शेपिंग विकसित भारत: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज” बालासोर में 6-7 फरवरी, 2025 (₹ 2,50,000)
314. सतेंद्र किशोर मिश्रा, विक्रम यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश, “कोआपरेटिव्स इन इंडिया: इश्यूज एंड चैलेंजेज” उज्जैन में 10-11 फरवरी, 2025 (₹ 2,40,000)
315. उमेश कुमार शर्मा, शारदा यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “डिजिटल हेल्थ केयर सिस्टम: एआई इन हेल्थकेयर: ब्रिजिंग इनोवेशन एंड सोशल इम्पैक्ट” आगरा में 13-14 फरवरी, 2025 (₹ 1,50,000)
316. जया आशीष सेठी, महर्षि मार्कंडेश्वर (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हरियाणा, “मल्टीडायमेंशनल एप्रोचेज फॉर ए डिवेलप्ड इंडिया: टार्गेट्स, चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज” मुल्लाना में 21-23 दिसंबर, 2024 (₹ 2,50,000)
317. संजीव मजुमदार, कल्याणी महाविद्यालय, वेस्ट बंगाल, “एन्वायरमेंटल डिवेलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी, ए फ्यूचर रोड मैप टू वर्ड्स सस्टेनेबल लाइवलीहुड” नादिया में 22-23 नवंबर, 2024 (₹ 2,00,000)
318. मंजरी जोहरी, अमेठी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “थिएटर इन एजुकेशन: एनईपी 2020 एंड दि रोल ऑफ थिएटर, आर्ट्स एंड कल्चर इन एचईआई ‘एस’ लखनऊ में 9-10 सितंबर, 2025 (₹ 1,00,000)
319. प्रतिभा नैथानी, सेंट जेवियर कॉलेज, महाराष्ट्र, “दि कैलिडोस्कोप ऑफ पॉवर” मुंबई में 7 फरवरी, 2025 (₹ 2,00,000)
320. ओमेंद्र सिंह, ब्रह्मानंद पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “यूनिफार्म सिविल कोड इन इंडिया”, कानपुर में 14-15 फरवरी 2025, (₹1,50,000)
321. वेलेंटिना तेरोंपी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय, असम “एडेसिंग फूड सिक्युरिटी: इंटरडिसिप्लिनरी इनसाइट्स एंड सस्टेनेबल एप्रोचेज”, रतोंवा पठार में 19-20 अक्टूबर 2024, (₹2,00,000)
322. थाडीपल्ली विनिला, श्रीमती एनपी सविश्रामा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वीमेन, आंध्र प्रदेश, “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस”, चित्तोड़ में 11-12 नवंबर 2024, (₹2,00,000)
323. जे वी नुनचुंगा, गवर्नमेंट जे थानकीमा कॉलेज, मिजोरम “इनोवेशन्स इन डाटा एनालिसिस: टेक्नीक्स एंड टूल्स”, आइजोल में 16-17 अप्रैल 2025, (₹2,50,000)

भारत में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन के आयोजन के लिए अनुमोदित प्रस्ताव:

वाणिज्य और प्रबंधन

1. शशांक बंसल, आईआईटी, झारखंड, “सिक्स्थ पीएनआई आईआईटी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फाइनेंशियल मार्केट्स एंड कॉर्पोरेट फाइनेंस (आईसीएफएमसीएफ)” धनबाद, में 06-07 जुलाई 2024 (₹ 3,00,000)
2. समाप्ति गुहा, टीआईएसएस, महाराष्ट्र, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल आंट्रेप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम” मुंबई में 6-7 फरवरी 2025 (₹ 5,00,000)

अर्थशास्त्र

3. नागेश कुमार, इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज़ इन इंडस्ट्रीयल डिवेलपमेंट, नई दिल्ली, “डीपनिंग ऑफ इंडिया-कोरिया इकोनोमिक पार्टनरशिप इन दि कॉन्टेक्स्ट ऑफ सप्लाय चेन रिस्ट्रक्चरिंग” नई दिल्ली में 18-19 दिसंबर 2024 (₹ 4,50,000)
4. सिद्धार्थ मित्रा, जादवपुर यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, “कंटेम्पेरी इश्यूज इन डिवेलपमेंट इकोनॉमिक्स” कोलकाता में 2-3 जनवरी 2025 (₹ 6,40,000)
5. पूजा मल्होत्रा, दयाल सिंह कॉलेज, हरियाणा “इन्क्लूसिव ग्रीन इकोनोमीज: वीमेन, आंट्रेप्रेन्योरशिप, एंड एन्वायरमेंटल कंसर्न्स” करनाल में 7 फरवरी 2025 (₹ 3,00,000)

6. पंकज धौडियाल, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), उत्तर प्रदेश “बिल्डिंग रेसिलिएंट बिजनेस विद सस्टेनेबल वैल्यू क्रिएशन” गाजियाबाद में 23-24 अप्रैल 2025 (₹ 2,00,000)
7. मनीष कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “एनुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंटेम्पेरी इश्यूज इन इकोनॉमिक्स (विंटर स्कूल)” नई दिल्ली में 12-14 दिसंबर 2024 (₹ 6,00,000)
8. राकेश चतुर्वेदी, अहमदाबाद यूनिवर्सिटी, गुजरात “कंटेम्पेरी चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज इन मॉडर्न इकोनॉमिक्स” अहमदाबाद में 6-7 जनवरी 2025 (₹ 5,10,000)
9. मृत्युंजय मिश्रा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “59वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसायटी (टीआईईएस)” वाराणसी में 3-5 मार्च 2025 (₹ 4,00,000)
10. लक्ष्मण लाल सालवी, जे एन व्यास यूनिवर्सिटी, राजस्थान “ग्लोबल इकोनोमिक ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: एमर्जिंग चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज” जोधपुर में 24-25 मार्च 2025 (₹ 2,50,000)
11. पी अनीश कुमार, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) कर्नाटक “इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव्स ऑन साइकोलॉजी लर्निंग एंड टीचिंग” बैंगलोर में 01-03 अगस्त 2024 (₹ 3,00,000)
12. चंपेश्वर मिश्रा, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा “रिइमेजनिंग एकेडमिक लाइब्रेरीज एवीडेंस-बेस्ड इनोवेशन ऑन कंटेंट्स, टेक्नोलॉजीज एंड सर्विसेज फॉर नेक्स्ट जेनेरेशन” अगरतला में 09-11 जनवरी 2025 (₹ 3,00,000)
13. श्रद्धा वर्मा, कलिंगा यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़ “इनोवेटिव एजुकेशन स्ट्रेटेजीज: एनईपी 2020 इन छत्तीसगढ़ एंड बियोंड” रायपुर में 21-22 जनवरी 2025 (₹ 3,00,000)
14. लैशराम संतोष सिंह, मणिपुर यूनिवर्सिटी, मणिपुर “एक्सप्लोरिंग करेंट ट्रेंड्स इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस: इनोवेशन्स, चैलेंजेज, एंड अपॉर्च्युनिटीज” इम्फाल में 05-07 मार्च 2025 (₹ 3,00,000)
15. के चेल्लामणि, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी “कॉग्रिटिव साइंस: एविडेंस फॉर टीचर एजुकेशन” पोंडिचेरी में 13-14 अगस्त 2024 (₹ 3,50,000)
16. केपी सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “एआई एंड नॉलेज मैनेजमेंट: अकेडमिया इंडस्ट्री समिट 2024 (एआईकेएम2024)” नई दिल्ली में 12-14 अगस्त 2024 (₹ 2,00,000)
17. एम पी कौशिक, अमेठी यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश “इश्यूज एंड चैलेंजेज इन डॉक्टोरल रिसर्च (आईसीआईसी-2024)” ग्वालियर में 22-23 अगस्त 2024 (₹ 2,00,000)
18. मुक्ता ए करमारकर, कन्नड़ संघ पुणे कावेरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, महाराष्ट्र “गिफ्टेड एजुकेशन आईसीजीई 2024 इल्युमिनेट इंडिया: क्रिएटिंग कनेक्शन्स अमंग गिफ्टेड एजुकेशन स्टेकहोल्डर्स” पुणे में 18-19 अक्टूबर 2024 (₹ 2,50,000)
19. नीलिमा अस्थाना, लेडी इर्विन कॉलेज दिल्ली, “एक्सप्लोरिंग दि इंडियन नॉलेज सिस्टम: ट्रेडिशन, मॉडर्निटी, एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स” नई दिल्ली में 8-9 नवंबर 2024 (₹ 6,00,000)
20. जगप्रीत कौर, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पंजाब “साइंस, मैथेमेटिक्स, टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन- मेकिंग एंड शेपिंग दि फ्यूचर” पटियाला में 27-29 नवंबर 2024 (₹ 5,00,000)
21. लालिमा सिंह, एसएस खन्ना गर्ल्स' डिग्री कॉलेज, उत्तर प्रदेश “इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड ग्लोबल एजुकेशन” प्रयागराज में 23-24 नवंबर 2024 (₹ 4,00,000)
22. ध्रुव कुमार सिंह, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “साइंस एजुकेशन इन इंडिया थ्रू दि एजिस” वाराणसी में 11-13 नवंबर 2024 (₹ 6,00,000)
23. बिभूति भूषण बिस्वास, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, झारखंड “इंडियन नॉलेज ट्रेडिन्स एंड सस्टेनेबल कनेक्टिविटी विज़न: साउथ एंड साउथईस्ट एशिया एज कंड्यूट फॉर रिजनल इंटीग्रेशन एंड डिवेलपमेंट” रांची में 19-20 मार्च 2025 (₹ 5,10,000)
24. मनीष कुमार पांडे, डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशियोलॉजिकल डिस्कॉर्स इन इंडियन नॉलेज सिस्टम: रिकॉग्राइजिंग एंड रिस्ट्रक्चरिंग” गोरखपुर में 21-22 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)
25. डोरोथी डिसूजा, सेंट ऐन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कर्नाटक “डायवर्सिफाइड ट्रांसफॉर्मेशन इन एजुकेशन - प्रैक्टिस एंड चैलेंजेज” मंगलुरु में 25 फरवरी 2025 (₹ 3,50,000)

शिक्षा

26. बी महादेवन, वेल्हलार कॉलेज फॉर वीमेन (आटोमोमस), तमिलनाडु “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स इन रिसर्च: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्यूनिटीज फॉर एकेडमिक लाइब्रेरीज –आईसीएआईटीआर” इरोड में 19-20 जुलाई 2024 (₹ 3,00,000)
27. विठ्ठ्या वी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, तमिलनाडु “रिसर्च प्रोस्पेक्ट्स इन स्कूल साइकोलॉजी”, तिरुवरूर में 24-26 अक्टूबर, 2024 (₹ 5,00,000)
28. रुकुलु केजो, कैपिटल कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, नागालैंड “डिजिटल ह्यूमैनिटीज एंड डिग्लोनाइजिंग एजुकेशन इन नॉर्थईस्ट इंडिया: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्यूनिटीज” कोहिमा में 25-26 फरवरी 2025 (₹ 5,00,000)
29. सिद्धार्थ कचारूबा घटविसावे, एसडीएनटी वीमेन्स यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र “ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया थ्रू इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन” मुंबई में 25-26 अप्रैल 2025 (₹ 5,00,000)

राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन

30. प्रेरणा श्रीमाल, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) एट कर्नाटक “पॉलिटिकल डायनामिक्स, टेक्नोलॉजिकल ब्रेकथ्रू, एंड सोशल इनोवेशन्स: बिल्डिंग एन इंटरनेशनल नेटवर्क टूवर्ड्स ए सस्टेनेबल फ्यूचर” 24-26 जुलाई 2024 (₹ 3,00,000)
31. कोट्टाचेरु नागेंद्र, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, तेलंगाना “ए थ्री-डे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिक्लेमिंग वाइसेज ऑफ इंडिया एंड बियॉड: मोबिलिटी, सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी” 28-30 अगस्त 2024 (₹ 5,00,000)
32. सैयद अख्तर हुसैन, इंस्टीट्यूट ऑफ इंडो-पर्शियन स्टडीज़, उत्तर प्रदेश “जोवैद नामा: दि मेनिफेस्टो ऑफ सोशल पीस इन एशिया” 5-6 अक्टूबर 2024 (₹ 3,50,000)
33. सुमित कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “इंडियाज़ फॉरन पॉलिसी अंडर मोदी 30: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्यूनिटीज” 09-10 जनवरी 2025 (₹ 3,00,000)
34. अर्चना उपाध्याय, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी दिल्ली “दि लॉजिस्टिक्स एंड जियो-पॉलिटिक्स ऑफ कनेक्टिविटी डिप्लोमेसी इन यूरोशिया: दि साउथ कोरिडोर” 17-18 अक्टूबर 2024 (₹ 6,80,000)

सामाजिक भूगोल और जनसंख्या अध्ययन

35. निवेदिता शर्मा, काउंसिल फॉर सोशल डिवेलपमेंट, दिल्ली “एग्रीकल्चर थ्रू दि लेंस ऑफ स्मॉल एंड मार्जिनल फार्मर्स: चैलेंजेज एंड पाथवेज” नई दिल्ली में 15-16 जुलाई 2024 (₹ 4,00,000)
36. स्मिता सिरौही, एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स रिसर्च एसोसिएशन, दिल्ली “32वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स ट्रांसफॉर्मेशन टूवर्ड्स सस्टेनेबल एग्री-फूड सिस्टम्स” नई दिल्ली में 02-07 अगस्त 2024 (₹ 4,00,000)
37. तखेलम्बम दीपामंजुरी देवी, मणिपुर यूनिवर्सिटी, मणिपुर “लैंडस्केप एंड लाइफवर्ल्ड: इंटरफेस बिटवीन दि नॉर्थ ईस्ट इंडिया एंड इट्स नेबेरिंग कंट्रीज” इम्फाल में 09-10 अगस्त 2024 (₹ 4,00,000)
38. शुभदीप राय चौधरी, असम यूनिवर्सिटी, असम “क्लाइमेट चेंज एंड एन्वायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन माउंटेन एंड हिली लैंडस्केप्स” सिल्चर में 30 सितंबर- 01 अक्टूबर 2024 (₹ 3,00,000)
39. अनिसुर रहमान, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली “चेंजिंग डायनामिक्स ऑफ माइग्रेशन एंड इंडियन डायस्पोरा: लीवरेजिंग इंडियाज़ ग्लोबल इमेज” नई दिल्ली में 7-8 अक्टूबर 2024 (₹ 5,00,000)
40. विनोद चंद्र, श्री जय नारायण मिश्रा पीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “पॉपुलेशन एंड डिवेलपमेंट: नेविगेटिंग चैलेंजेज एंड एक्सप्लोरिंग अपॉर्च्यूनिटीज” लखनऊ में 18-20 नवंबर 2024 (₹ 4,00,000)
41. सोहाग जौआर्दर, किडरपोर कॉलेज, पश्चिम बंगाल “मार्च टूवर्ड्स जेंडर इक्वैलिटी: हाउसहोल्ड्स, सोसायटी एंड कॉर्पोरेट्स” कोलकाता में 14 दिसंबर 2024 (₹ 1,50,000)
42. सुनील कुमार डे, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय “मैपिंग दि फ्यूचर: जियोग्राफी फॉर ए बेटर वर्ल्ड सेलिब्रेटिंग 100 ईयर्स ऑफ जियोग्राफी इन इंडिया” शिलोंग में 19-21 दिसंबर 2024 (₹ 5,00,000)
43. जयंत दास, रामपुरहाट कॉलेज, पश्चिम बंगाल “इनोवेटिव एप्रोचेज इन जियोग्राफिकल रिसर्च (आईएजीआर): एक्सप्लोरिंग न्यू डाइमेंशन्स फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोलस (एसडीजीएस)” रामपुरहाट में 29-30 नवंबर 2024 (₹ 3,25,000)

44. धीरज बर्मन, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, वेस्ट बंगाल “जियोग्राफी फॉर डिवेलपमेंट: इकोनॉमी, सोसायटी एंड एन्वायरमेंटल इंटरैक्शंस” कोलकाता में 27-29 जनवरी 2025 (₹ 6,00,000)

सामाजिक भाषायी/सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन

45. प्रणीति तिलक, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, महाराष्ट्र “एकेडमिक क्रॉसरोड्स: इंटरसेक्टिंग पाथवेज इन सोशल एंड कल्चरल स्टडीज” पुणे में 19-20 अप्रैल 2024 (₹ 3,00,000)
46. मानिका वालिया, ऋषिहूड यूनिवर्सिटी, हरियाणा “क्राफ्टिंग फ्यूचर्स: इन्फ्लुएंसिंग ग्लोबल क्रिएटिविटी एंड कल्चरल नैरेटिव्स” सोनीपत में 06-07 मई 2024 (₹ 2,00,000)
47. प्रियांकू सरमाह, आईआईटी गुवाहाटी, असम “लैंग्वेज एंड सोसायटी ऑफ दि पैन-हिमालयन रीजन” गुवाहाटी में 12-14 जून 2024 (₹ 4,00,000)
48. राशिद नेहाल, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “एप्रोप्रिएट टीचिंग मेथडॉलॉजीज इन इंटरडिसिप्लिनरी कॉन्टेक्सट्स: मैपिंग सोशियोलिंग्विस्टिक डाइवर्सिटी”, अलीगढ़ में 14-16 मई 2024 (₹ 5,00,000)
49. बाबू थालियाथ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “ट्रांसकल्चरल प्रैक्टिस – पर्सपेक्टिव्स एंड पॉसिबिलिटीज” नई दिल्ली में 02-03 अगस्त 2024 (₹ 2,40,000)
50. ए जॉनपॉल, सेंट जेवियर कॉलेज, तमिलनाडु “तमिल कल्चरल डाइवर्सिटी इन लिटरेचर” तिरुनेलवेली में 28-29 नवंबर 2024 (₹ 3,00,000)
51. राजाश्री फुकों, सिबसागर गर्ल्स' कॉलेज, असम “अनवेलिंग इंडीजीनस प्रैक्टिस फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट एमिडस्ट ग्लोबल ट्रांसफॉर्मेशन: नेविगेटिंग चैलेंजेज एंड एम्ब्रेसिंग अपॉर्च्यूनिटीज” सिबसागर में 27-28 जनवरी 2025 (₹ 2,50,000)
52. रजनीश चंद्र त्रिपाठी, गवर्नमेंट गर्ल्स' डिग्री कॉलेज, उत्तर प्रदेश “इंटीग्रेटिंग यूथ डिवेलपमेंट, रिलिजन, कल्चर, एंड स्पोर्ट्स: ए ट्रांसडिसिप्लिनरी एप्रोच” मेरठ में 16-17 जनवरी 2025 (₹ 2,50,000)
53. मजहर आसिफ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “दारा शिकोह: रिलिजियस सिंक्रेटिज्म एंड कल्चरल प्लूरलिज्म” नई दिल्ली में 27-28 नवंबर 2024 (₹ 6,00,000)
54. वृंदाबन मिश्रा, वोक्सन यूनिवर्सिटी, तेलंगाना “कल्चर ऑफ दि स्ट्रीट: रीएप्रोप्रिएटिंग टेरिटोरियलिटी इन डिस्ट्रिक्टोरियलाइज्ड उड़ीसा” हैदराबाद में 13-14 फरवरी 2025 (₹ 2,00,000)
55. सिंधु टी आई, सेंट पीटर्स कॉलेज, केरल “गिरमिटिया एंड आदिवासी लिटरेचर: डेमोक्रेटिक डायलॉग एंड कल्चरल आइडेंटिटी” एर्नाकुलम में 4-6 दिसंबर 2024 (₹ 5,00,000)
56. प्रणव कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “रिइमेजिनिंग एंड रिक्लेमिंग दि नॉलेज ट्रेडिशन ऑफ भारत: बियॉड बाउंडरीज एंड डेफिनिशंस” नई दिल्ली में 03-04 मार्च 2025 (₹ 8,00,000)
57. क्रिस्टेल रश्मि देव एडावसन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “मैपिंग डिसएबिलिटी इन 20वां सेंचुरी लिटरेचर एंड कल्चर” नई दिल्ली में 17-18 अक्टूबर 2024 (₹ 5,00,000)
58. एजाज मोहम्मद शेख, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, कश्मीर “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि लिंग्विस्टिक सोसायटी ऑफ इंडिया (आईसीओएलएसआई-46)” श्रीनगर में 3-5 अक्टूबर 2024 (₹ 3,50,000)
59. भास्करजीत बोराह, एल टी के कॉलेज, असम “पर्सपेक्टिव ऑन इंडियाज कल्चरल हेरिटेज: फिलोसोफी, हिस्ट्री एंड लिटरेचर” लखीमपुर में 7-9 फरवरी 2025 (₹ 5,20,000)
60. शृष्टि पुखरेम, इंडिया फाउंडेशन दिल्ली “रिविजिटिंग इंडिया-चम्पा हेरिटेज इन साउथईस्ट एशिया” 16-17 अप्रैल 2025 (₹ 6,00,000)
61. उपेंद्र कुमार द्विवेदी, डीएवीपीजी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “दि रोल ऑफ फोक लिटरेचर इन सस्टेनिंग इकोलॉजिकल विज्डम एंड एन्वायरमेंटल एथिक्स” कानपुर, में 27-28 मार्च 2025 (₹ 4,50,000)
62. अंतरा चौधरी, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली “साउथ एशियन लिटरेचर, सस्टेनेबिलिटी नैरेटिव्स एंड इकोलॉजिकल गवर्नेंस” नई दिल्ली में 17-19 मार्च 2025 (₹ 3,00,000)
63. विजय कुमार, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “रीजनल लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर: ए विजन ऑफ विकसित एंड दिव्य भारत” नोएडा में 3-5 अप्रैल 2025 (₹ 2,50,000)
64. नरेंद्र कुमार डी वासवा, चिल्ड्रेन रिसर्च यूनिवर्सिटी, गुजरात “कनेक्टिंग कल्चर: चिलेंस लिटरेचर एज ए ग्लोबल गेटवे” गांधीनगर में 20 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)
65. सिखामोनी कोंवर, कर्मश्री हितेश्वर सैकिया कॉलेज, असम “हिस्ट्री एंड कल्चरल लाइफ ऑफ कामरूप बिटवीन 7वां

- एंड 13वां सेंचुरी सीई” गुवाहाटी में 7-8 मार्च 2025 (₹ 4,50,000)
66. रूना पौल, वेस्ट सिल्वर कॉलेज, असम “सोसायटी, लिटरेचर एंड कल्चर ऑफ दि ट्वेन्टिएथ सेंचुरी: ए रिव्यू” सिल्वर में 08-09 अप्रैल 2025 (₹ 2,00,000)
67. प्रदीप टुडू, भूपेंद्र नाथ दत्ता स्मृति महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल “प्रमोशन ऑफ इंटेजिबल कल्चरल हेरिटेज ऑफ इंडिया, विद स्पेशल एम्फेसिस ऑन ट्रेडीशनल स्पोर्ट्स एंड गेम्स” हातगोबिंदापुर में 10-11 फरवरी 2025 (₹ 3,00,000)
68. नबजीत कुमार दास, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी, असम “बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी एंड मायरियाड ऑफ कल्चर्स: देयर इंटरसेक्शन इन नॉर्थईस्ट इंडिया” गुवाहाटी में 25-26 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)
69. अरिहंत कुमार वर्धन, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “रिसैंट ट्रेड्स इन रिसर्च: इंडियन एंड फॉरेन लैंग्वेजेज” नई दिल्ली में 16-17 जनवरी 2025 (₹ 6,00,000)
- अन्य**
70. शियो कुमार लाल, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, उत्तराखंड “फ्रॉम भारत टू विकसित भारत” गोपेश्वर में 07-09 जून 2024 (₹ 4,00,000)
71. मनजीत दास, बोडोलैंड यूनिवर्सिटी, असम “चैलेंजेज एंड स्ट्रेटेजीज फॉर इन्क्लूसिविटी, एक्सेसिबिलिटी, एंड एम्पावरमेंट फॉर पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज (पीडबल्यूडी)” कोकराझर में 27-28 मार्च 2025 (₹ 3,00,000)
72. पूनम कुमरिया, इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन, दिल्ली “एनविसेजिंग भारत एज वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ: रिविजिटिंग सीओपी28” नई दिल्ली में 27-28 अगस्त 2024 (₹ 4,00,000)
73. दिनेश चंद शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, राजस्थान “ट्रांसफॉर्मिंग म्यूजियम्स एंड हेरिटेज थ्रू दि पोस्टकोलोनियल क्रिटिक” जयपुर में 03-04 सितंबर 2024 (₹ 3,00,000)
74. मंजूश्री जी नायक, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन, कर्नाटक “बॉडीज एक्रोस बाउंडरीज: रिप्रेजेंटिंग ह्यूमन ट्रैफिकिंग एंड सेक्स वर्क्स इन कंटेम्पेरी इंडियन फिल्म एंड मीडिया” मणिपाल में 24-26 अक्टूबर 2024 (₹ 3,00,000)
75. अजय कुमार शुक्ला, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “एन्वायरमेंटल एंड एपोकैलिप्टिक इमेजिनेशन: इकोक्रिटिकल रीडिंग्स इन साउथ एशियन लिटरेचर” गोरखपुर में 19-20 सितंबर 2024 (₹ 3,00,000)
76. सस्मिता रानी शासिनी, गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “हिस्ट्री, कल्चर एंड कॉमर्स इन दि इंडो-पैसिफिक वर्ल्ड: पास्ट एंड प्रेजेंट” संबलपुर में 23-24 अक्टूबर 2024 (₹ 3,00,000)
77. संतोष बिस्वास, आईआईटी, छत्तीसगढ़ “इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, स्प्रिचुअल इंटेलिजेंस इन दि 21फ्सट सेंचुरी” भिलाई में 21-22 जुलाई 2024 (₹ 5,00,000)
78. सुनीता रेड्डी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “प्राकृतिक चिकित्सा और लोक औषधि: कंजरवेशन, प्रमोशन एंड एक्शन प्लान”, नई दिल्ली में 21-22 सितंबर 2024 (₹ 5,00,000)
79. निजामुद्दीन खान, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “ग्लोबल क्लाइमेट चेंज रेसिलिएंट सोसायटी एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” अलीगढ़ में 28-30 सितंबर 2024 (₹ 5,00,000)
80. भासी सुकुमारन, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु “III बाइनियल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉग्निटिव एंड क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी” चेन्नई में 17-19 अक्टूबर 2024 (₹ 3,50,000)
81. कपिल कुमार भट्टाचार्या, दि भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज, पश्चिम बंगाल “भारतवर्षीय कम्युनिकेशन ट्रेडिशन: फ्रॉम दि प्रीहिस्टोरिक एजेस टू दि न्यू मिलेनियम” कोलकाता में 07-08 नवंबर 2024 (₹ 5,00,000)
82. राखी भट्टाचारजी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “नॉर्थ ईस्टर्न रीजन इन दि ‘इंडिया मोमेंट’ रिन्यूड विजन, ट्रांसफॉर्मिंग नैरेटिव्स एंड सस्टेनेबल एंजमेंट्स विद ईस्ट-साउथईस्ट एशिया” नई दिल्ली में 28-29 नवंबर 2024 (₹ 3,00,000)
83. गीतुमोनी राजबोंगशी, जागीरोड कॉलेज, असम “विकसित भारत @ 2047- वॉइस ऑफ यूथ”: ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया थ्रू एम्पावरिंग यूथ्स” मोरीगांव में 28-29 नवंबर 2024 (₹ 3,50,000)
84. सुरेंद्र सिंह जाटव, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “बिल्डिंग क्लाइमेट रेसिलिएंट

- सोसायटी: इश्यूज एंड चैलेंजेज” लखनऊ में 25-26 नवंबर 2024 (₹ 3,00,000)
85. मृत्युंजय स्वैन, बरहामपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “रिविजिटिंग पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस इन टाइम्स ऑफ क्लाइमेट चेंज” बरहामपुर में 23-25 जनवरी 2025 (₹ 5,00,000)
86. एम अब्दुल जमाल, दि न्यू कॉलेज, तमिलनाडु “अचीवमेंट्स, चैलेंजेज एंड रिवाइटलाइजेशन अपॉर्च्युनिटीज फॉर माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमईएस) सेक्टर इन विजन विकसित भारत @2047” चेन्नई में 18-19 फरवरी 2025 (₹ 3,00,000)
87. प्रसेनजीत साह, करीमपुर पन्नादेवी कॉलेज, पश्चिम बंगाल “डेमोक्रेसी, सेक्युलरिज्म एंड फेडरलिज्म इन विकसित भारत@2047: अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंजेज” करीमपुर में 08-09 जनवरी 2025 (₹ 3,00,000)
88. अमित्व चक्रवर्ती, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “कंपैरेटिव लिटरचर एज अल्टरनेटिव ह्यूमैनिटीज एथिक्स, एफेक्ट एंड दि एवरीडे सोशल” नई दिल्ली में 10-12 सितंबर 2024 (₹ 5,00,000)
89. बिजय कुमार दास, एनआईटी, बिहार “रिलिजियस आर्किटेक्चर” पटना में 28-29 दिसंबर 2024 (₹ 3,50,000)
90. प्रियंका झा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “ट्रेसिंग मोड्स ऑफ जेंडर्ड थिंकिंग: आइडिएशन एंड फिलोसोफी फ्रॉम दि ग्लोबल साउथ एशिया (विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया)” वाराणसी में 4-6 दिसंबर 2024 (₹ 8,00,000)
91. सुधांशु कुमार झा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार ‘सोशल आस्पेक्ट्स ऑफ इंटीग्रल ह्यूमैनिज्म’ गया में 11-12 फरवरी 2025 (₹ 6,00,000)
92. मिथिलेश कुमार, क्राइस्ट (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), कर्नाटक “एंटैंगलमेंट्स ऑफ फिलोसोफी एंड पोएट्री: कंटेम्पेरी पोजिशन” बैंगलोर में 19-20 दिसंबर 2024 (₹ 2,00,000)
93. थियम किरण सिंह, नागालैंड यूनिवर्सिटी, नागालैंड “एप्लाइड साइकोलॉजी: प्रमोटिंग सोशल हार्मोनी एंड वेल-बीइंग” मेरीमा में 26-28 फरवरी 2025 (₹ 4,00,000)
94. समिधा वेदबाला, सिक्किम यूनिवर्सिटी, सिक्किम “वीमेन इन आर्ट्स: एम्पावरिंग वॉइसेज एंड ट्रांसफॉर्मिंग परस्पेक्टिव” गैंगटोक में 24-25 अप्रैल 2025 (₹ 5,00,000)
95. अनुपर्णा मुखर्जी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल, मध्य प्रदेश “अर्बन मेटामोर्फोसिस: अंडरस्टैंडिंग दि डायनामिक्स एंड डाइवर्सिटी ऑफ साउथ एशियन सिटीज” 27 फरवरी- 01 मार्च 2025 (₹ 6,00,000)
96. सी कलश मोहनन, नावल हिस्ट्री डिविजन एट गोवा “रिविजिटिंग दि पास्ट, शेपिंग दि फ्यूचर: दि रेलेवेंस ऑफ 1971 इंडो-पाक वार” 11-12 नवंबर 2024 (₹ 8,00,000)
97. आई सी अवस्थी, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, दिल्ली “23वां एनुअल आईएसएसआई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस” नई दिल्ली में 25-27 अक्टूबर 2024 (₹ 5,00,000)
98. गायत्री रैना, गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, हरियाणा “साइको-हार्मोनी 2024: एक्सप्लोरिंग मेंटल हेल्थ हॉरिजन्स थ्रू इंटरडिसिप्लिनरी इनसाइट्स” गुरुग्राम में 10-11 अक्टूबर 2024 (₹ 3,00,000)
99. रोज वीरा डी सूजा, सेंट एलॉयसियस (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), कर्नाटक “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स: कॉन्फ्रूएंस ऑफ लोकल, नेशनल एंड ग्लोबल एक्शन” मंगलोर में 15-17 जनवरी 2025 (₹ 4,00,000)
100. उषा कुमारी पाठक, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली “जियोस्पेशल इनोवेशन्स फॉर बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन, क्लाइमेट रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट एक्रोस मल्टी डोमेन इकोसिस्टम्स” नई दिल्ली में 08-09 अप्रैल 2025 (₹ 4,00,000)
101. मौसमी भट्टाचार्या, विश्व भारती वेस्ट बंगाल “इनोवेटिव पैराडिम्स इन कम्युनिकेशन एंड मीडिया: ब्रिजिंग दि ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स” 7-9 जनवरी 2025 (₹ 1,50,000)
102. एन मणिमेकलाई, सेंटर फॉर वीमेन्स डिवेलपमेंट स्टडीज, दिल्ली “रिफ्लेक्शंस ऑन दि पास्ट, लुकिंग टू दि फ्यूचर: ए कॉन्फ्रेंस टू सेलिब्रेट फिफ्थी ईयर्स ऑफ टूवर्ड्स इकेलिटी” 3-5 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)
103. कन्हैया त्रिपाठी, यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, पंजाब “दि नेचर फेथ, क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन राइट्स’ चैलेंजेज” चंडीगढ़ में 20-21 मार्च 2025 (₹ 2,50,000)
104. सुजाता भान, एसडीएनटी वीमेन्स यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र “एम्ब्रेसिंग डाइवर्सिटी: दि इंटरसेक्शनल एक्सपीरिएंस” 9-11 जनवरी 2025 (₹ 2,00,000)

105. पी जी धार चक्रवर्ती, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पश्चिम बंगाल “इंटरनेशनल सेमिनार ऑन बिल्डिंग रेजिलिएंस इन सुंदरवन” 12-14 फरवरी 2025 (₹ 5,00,000)
106. डांबरुधार पती, सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, राजस्थान “भारतीय ज्ञान प्रणाली का अध्ययन, प्रशिक्षण एवं शोध में चुनौतियां एवं समाधान” जयपुर में 16-17 अप्रैल 2025 (₹ 6,00,000)
107. धनंजय त्रिपाठी, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, दिल्ली “लाइब्रेरी डिप्लोमेसी: कनेक्शन नेशंस थ्रू लाइब्रेरी कोआपरेशन” नई दिल्ली में 5-7 फरवरी 2025 (₹ 6,00,000)
108. निमिषा शुक्ला, गुजरात विद्यापीठ, गुजरात “रूल ट्रांसफॉर्मेशन इन दि रियल्म ऑफ विकसित भारत” अहमदाबाद में 04-05 मार्च 2025 (₹ 2,00,000)
109. शैलू सिंह, हंसराज कॉलेज, दिल्ली “सिग्रिफिकेंस ऑफ ग्रोइंग कोआपरेशन बिटवीन इंडिया एंड साउथईस्ट एशियन नेशंस” नई दिल्ली में 30-31 जनवरी 2025 (₹ 4,00,000)
110. स्वागतिका मिश्रा, श्री श्री यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “रिइमेजनिंग स्पेशल प्लानिंग फ्रॉम वीमेन्स परस्पेक्टिव” गोविंदपुर में 3-4 जून 2025 (₹ 3,50,000)
111. नेताजी अभिनंदन, रवंशा यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “इंडियन डायस्पोरा: हिस्टोरिकल स्प्रेड एंड मॉडर्न कनेक्ट्स फॉर विकसित भारत” कटक में 10-11 जनवरी 2025 (₹ 5,00,000)
112. गायत्री दीक्षित, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “एमर्जिंग डायनामिक्स इन इंडिया- अफ्रीका पार्टनरशिप: चैलेंजेज एंड इश्यूज” नई दिल्ली में 24-25 फरवरी 2025 (₹ 3,00,000)
113. पुष्पिंदर वालिया, बीबीके डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, पंजाब “कृणवंतो विश्वमार्यम: महर्षि दयानंद सरस्वती जी फिलोसोफी एंड वैल्यूज इन दि कंटेम्पेरी कॉन्टेक्स्ट” अमृतसर में 28-29 मार्च 2025 (₹ 5,20,000)
114. बासुदेव थापा, कालीपद घोष तराई महाविद्यालय, वेस्ट बंगाल “बॉर्डर लिटरेचर: मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच” बागडोगरा में 14-15 नवंबर 2025 (₹ 6,00,000)
115. जितेश राय, किरोरी मल कॉलेज, दिल्ली “डिवेलपमेंट इंड्यूस्ड डिस्प्लेसमेंट एंड इट्स रैमिफिकेशन्स ऑन ट्राइबल राइट्स: दि केस ऑफ इंडिया” नई दिल्ली में 07-08 फरवरी 2025 (₹ 4,50,000)
116. अनिर्बन दास, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, पश्चिम बंगाल “क्रिटिकल ह्यूमैनिटीज एज वेज ऑफ रीडिंग” कोलकाता में 27-28 फरवरी 2025 (₹ 6,00,000)
117. मुकेश कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “8वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हिस्पैनिज्म: सेलिब्रेटिंग 70 ईयर्स ऑफ हिस्पैनिज्म इन इंडिया” नई दिल्ली में 21-23 मार्च 2025 (₹ 6,00,000)
118. संजय कुमार, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हरियाणा “बिल्डिंग सस्टेनेबल आर्गनाइजेशंस: साइकोलॉजिकल इश्यूज एंड चैलेंजेज” 26-27 मार्च 2025 (₹ 5,00,000)
119. दिनेश कुमार, नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली “सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: रिसर्च एंड प्रैक्टिस” द्वारका में 09-10 अगस्त 2024 (₹ 3,00,000)
120. अंगीरा कर, वीमेन्स कॉलेज, मेघालय “आर्किटेक्ट्स ऑफ कनेक्टिविटी: एक ईस्ट पॉलिसी - स्ट्रेटेजीज एंड डिवेलपमेंट इंपैरेक्ट्स” शिलोंग में 08-09 नवंबर 2024 (₹ 3,00,000)
121. वेदप्रधा आर, माउंट कारमेल कॉलेज, कर्नाटक “नेविगेटिंग क्रॉस-फंक्शनल कोलाबोरेशन फॉर इकोलॉजिकल सिस्टियुरिटी पैटर्न” बेंगलुरु में 17-18 जनवरी 2025 (₹ 6,00,000)
122. दुर्गेश एन वाल्वी, छत्रपति शाहू इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एजुकेशन एंड रिसर्च, महाराष्ट्र “ग्लोबल चैलेंजेज एंड वाइटैलिटी सोल्यूशन्स (लाइफ, पीपुल, प्रोडक्ट, एंड सिस्टम्स)” कोल्हापुर में 22-23 नवंबर 2024 (₹ 3,00,000)
123. प्रदीप कुमार दादाबाड़ा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मेघालय “लीवरेजिंग एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड एनालिटिक्स फॉर डिवेलपमेंट (लीड)-2024 थीम: एम्पावरिंग ह्यूमैनिटी” शिलोंग में 10-12 दिसंबर 2024 (₹ 4,00,000)
124. राहुल सुरेश सपकल, आईआईटी, महाराष्ट्र “5वां इंडिया पब्लिक पॉलिसी नेटवर्क (आईपीपीएन) कॉन्फ्रेंस 2024” मुंबई में 6-8 दिसंबर 2024 (₹ 5,00,000)
125. किरण कुमारी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार “जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डिवेलपमेंट: ए वे फॉरवर्ड फॉर विकसित भारत” गया में 22-24 फरवरी 2025 (₹ 2,50,000)

राष्ट्रीय एकता (नेशनल यूनिटी) संगोष्ठियां

राष्ट्रीय संगोष्ठी

- हिमांशु प्रसाद राय, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली “रेलेवेस ऑफ सरदार पटेल टुडे: कॉन्टेक्चुरलाइजिंग हिज आइडियाज ऑफ स्टेट, माइनॉरिटीज एंड फॉरेन पॉलिसी” नई दिल्ली में 07-08 अगस्त 2025 (₹ 4,95,000)
- कंवलप्रीत कौर, डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ “द लेगसी ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल इन नेगोशिएटिंग दि विजन एंड चैलेंजेज ऑफ ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी भारत” चंडीगढ़ में 24-25 अप्रैल 2025 (₹ 3,00,000)
- शेफाली रायजादा, अमेठी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “एम्पावरिंग इंडिया: सरदार वल्लभभाई पटेल विजन फॉर सोशल जस्टिस, जेंडर इकेलिटी एंड एग्रीकल्चरल सस्टेनेबिलिटी” नोएडा में 07-08 अगस्त 2025 (₹ 3,00,000)
- आरती यादव, डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “नेशनल इंटीग्रेशन एंड सिक्युरिटी आर दि फाउंडेशन ऑफ स्ट्रोंग इंडिया: कंट्रीब्यूशन ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल” गोरखपुर में 23-24 अगस्त 2025 (₹ 4,00,000)
- सुषमा जे भोसले, स्ट्रेटेजिक कल्चर एंड सिक्युरिटी फाउंडेशन, महाराष्ट्र “सरदार वल्लभभाई पटेल कंट्रीब्यूशंस टू नेशनल सिक्युरिटी एंड नेशनलिज्म” पुणे में 22-23 अप्रैल 2025 (₹ 4,00,000)
- संदीप नामदेव मिरे, न्यू आर्ट्स, कॉम. एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र “सरदार वल्लभभाई पटेल: हिज वर्क एंड अचीवमेंट्स” अहमदनगर 28-29 अप्रैल 2025 (₹ 3,50,000)
- सुनील भाऊ भोसले, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, महाराष्ट्र “सरदार वल्लभभाई पटेल: आर्किटेक्ट ऑफ नेशनल यूनिटी एंड मॉडर्न इंडिया” पुणे में 03-04 जुलाई 2025 (₹ 3,00,000)
- मधुकर शर्मा, महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र “सरदार वल्लभभाई पटेल एंड दि फाउंडेशन ऑफ इंडिया: कॉन्स्टीट्यूशन, गवर्नेंस एंड नेशनल इंटीग्रेशन” नागपुर में 18-19 जुलाई 2025 (₹ 4,00,000)
- सुब्रत चटर्जी, श्री चैतन्य महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल “रोल ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल ऑन नेशनल इंटीग्रेशन एंड यूनिफिकेशन ऑफ भारत” प्रगना में 18 जुलाई 2025 (₹ 3,00,000)
- मनू चड्ढा, जीएचजी खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पंजाब “सरदार वल्लभभाई पटेल विजन इन शेपिंग इंडियाज हायर एजुकेशन सिस्टम फॉर 21फसट सेंचुरी” लुधियाना में 25-26 जुलाई 2025 (₹ 2,00,000)
- हितेना सिंह राठौर, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान “सरदार वल्लभभाई पटेल कमिटमेंट टू सोशल जस्टिस, जेंडर इकेलिटी एंड फार्मर्स राइट्स” राजस्थान में 13-14 अगस्त 2025 (₹ 2,50,000)
- संचिता श्रीवास्तव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जम्मू, जम्मू एंड कश्मीर “वीमेन एम्पावरमेंट एंड सोशल जस्टिस इन दि 21फसट सेंचुरी: इनसाइट्स फ्रॉम सरदार वल्लभभाई पटेल आइडियोलॉजी” जम्मू में 25-26 जुलाई 2025 (₹ 4,00,000)
- नीलम पांचाल, गुजरात यूनिवर्सिटी, गुजरात “सरदार पटेल: आर्किटेक्ट ऑफ यूनिटी- आइडियाज, इम्पैक्ट, एंड लेगसी” अहमदाबाद में 02-04 अगस्त 2025 (₹ 4,00,000)
- मनोज कुमार पांडे, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र “राष्ट्रीय एकात्मता की संकल्पना और सरदार वल्लभभाई पटेल” नागपुर में 07-08 अगस्त 2025 (₹ 3,50,000)
- दीपिका वर्मा, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “मीडिया एज ए कैटेलिस्ट ऑफ सरदार पटेल आइडियोलॉजी एंड हिज रोल इन यूनिफिकेशन ऑफ भारत” मेरठ में 30-31 मे 2025 (₹ 3,50,000)
- पुष्पेंद्र यादव, मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मध्य प्रदेश “सरदार वल्लभभाई पटेल एंड रोल ऑफ सिविल सर्विसेज इन नेशनल यूनिटी” भोपाल में 25-26 जून 2025 (₹ 2,50,000)
- बाबूशा मैंगी, डीएवी कॉलेज, पंजाब “सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटिकल पाथ: ब्रिजिंग कॉलोनिअल रेजिस्टेंस एंड पार्टिशन रियलिटीज” अमृतसर में 25 जुलाई 2025 (₹ 1,10,000)
- रूपक कुमार, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु “विजन ऑफ सेल्फ-रिलायंट भारत: रिविजिटिंग प्रैग्मेटिज्म, आइडियालिज्म एंड यूनिफिकेशन इन पटेल थॉट” वेल्लोर में 04-05 अगस्त 2025 (₹ 4,50,000)
- एम एस गायत्री, ए वी सी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु “सरदार वल्लभभाई पटेल, नेशनल इंटीग्रेशन एंड

- दि यूनिफिकेशन ऑफ भारत” मयिलादुथुरी में 23-24 अप्रैल 2025 (₹ 1,25,000)
20. अर्चना देवी, खालासा कॉलेज, पंजाब “दि लेगसी ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल इन नेगोशिएटिंग दि विजन एंड चैलेंजेज ऑफ 21फसूट सेंचुरी भारत” होशियारपुर में 21-22 अगस्त 2025 (₹ 2,50,000)
21. प्रीति त्रिपाठी, नागीनदास खंडवाला कॉलेज, महाराष्ट्र “दि लेगसी ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल इन नेगोशिएटिंग दि विजन एंड चैलेंजेज ऑफ 21फसूट सेंचुरी भारत” मुंबई में 11 जुलाई 2025 (₹ 1,68,000)
22. तरुण गोगोई, शंकरदेव महाविद्यालय, असम “नेशनल इंटीग्रेशन, यूनिफिकेशन एंड सरदार वल्लभभाई पटेल: प्रोस्पेक्ट्स टू रन फॉर यूनिटी” लखीमपुर में 08-09 अगस्त 2025 (₹ 3,50,000)
23. शुभंकर घोष, दि यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, पश्चिम बंगाल “लेगसी ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल एंड नेशनल इंटीग्रेशन फॉर विकसित भारत @2047: विजन एंड चैलेंजेज ऑफ 21फसूट सेंचुरी” बर्दवान में 03-04 जुलाई 2025 (₹ 2,00,000)
24. विजय सखुजा, रेवा यूनिवर्सिटी, कर्नाटक “सरदार वल्लभभाई पटेल विजन एंड इट्स रेलेवेंस टू इंडियन आर्म्ड फोर्सेस, पैरामिलिटरी फोर्सेस, एनसीसी, एनएसएस एंड अग्निवीर” बेंगलूर में 12-13 अगस्त 2025 (₹ 4,00,000)
25. ज्ञानरंजन स्वैन, गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा “एमर्जिंग भारत एंड रेलेवेंस ऑफ पॉलिटिकल फिलोसोफी ऑफ सरदार वल्लभभाई पटेल” संबलपुर में 09-10 मे 2025 (₹ 3,00,000)
26. अखिल कुमार सिंह, एम एस रमैया यूनिवर्सिटी ऑफ एग्राइड साइंसेज, कर्नाटक “रिविजिटिंग सरदार पटेल: एग्रेसिव रिफॉर्म एंड सोशल जस्टिस इन कंटेम्परेरी इंडिया” बेंगलूर में 23 अगस्त 2025 (₹ 2,60,000)
27. राजेन बोराह, जोरहाट केंद्रीय महाविद्यालय, असम “एम्बॉडिंग नेशनलिज्म: सरदार वल्लभभाई पटेल लेगसी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन एथनिक पैटर्न्स ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया” जोरहाट में 28-29 मार्च 2025 (₹ 3,00,000)
28. रितेश कुमार राय, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, असम “दि आईडिया ऑफ इंडियन नेशनल इंटीग्रेशन थ्रू दि विजन्स ऑफ दि आइरन मैन ऑफ इंडिया” पोंडिचेरी में 21-22 अगस्त 2025 (₹ 4,50,000)
29. शरद धर शर्मा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश “रिविजिटिंग सरदार वल्लभभाई पटेल लेगसी: राष्ट्रीय एकता, इन्क्लूसिव गवर्नेंस एंड विजन विकसित भारत 2047” वाराणसी में 25-26 अप्रैल 2025 (₹ 4,50,000)
30. एस सुदर्शन, मास क्रिश्चियन कॉलेज, तमिलनाडु “सरदार वल्लभभाई पटेल कमिटमेंट टू सोशल जस्टिस एंड ट्राइबल राइट्स: रिविजिटिंग हिज कंट्रीब्यूशन इन लाइट ऑफ विजन विकसित भारत 2047” चेन्नई में 24-25 जुलाई 2025 (₹ 3,50,000)
31. राजकुमार नागवंशी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ “सरदार वल्लभभाई पटेल इकोनोमिक आइडियाज़ फॉर दि सेल्फ-रिलायंट भारत” बिलासपुर में 11-12 जुलाई 2025 (₹ 4,00,000)
32. अर्चना बनसोड़, सीवीएम यूनिवर्सिटी, गुजरात “सरदार पटेल कमिटमेंट टू जेंडर इक्वेलिटी, सोशल जस्टिस, एंड फार्मर्स राइट” आनंद में 27-28 मे 2025 (₹ 4,00,000)
33. हिमज्योति दोले, एल टी के कॉलेज, असम “सरदार वल्लभभाई पटेल, नेशनल इंटीग्रेशन एंड दि यूनिफिकेशन ऑफ भारत” लखीमपुर में 27-28 जून 2025 (₹ 2,50,000)
34. पर्वत रंजन सेठी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, असम “आर्किटेक्ट ऑफ यूनिटी: सरदार वल्लभभाई पटेल विजन एंड स्ट्रेटेजी फॉर नेशनल इंटीग्रेशन एंड यूनिफिकेशन ऑफ ‘भारत’” हिमाचल प्रदेश में 25-26 अगस्त 2025 (₹ 4,50,000)
35. ट्रिना दास, भत्तेर कॉलेज, पश्चिम बंगाल “सरदार वल्लभभाई पटेल, गांधी एंड गांधीयन सत्याग्रह एज रिफ्लेक्टेड ऑन सोसायटी एंड लिटरेचर” पश्चिम मेदिनीपुर में 12-13 जून 2025 (₹ 2,00,000)
36. धर्मेणा कुमार सोनकर, जवाहर लाल नेहरू स्मारक पी जी कॉलेज, उत्तर प्रदेश “सरदार वल्लभभाई पटेल: ए लेगसी ऑफ सोशल जस्टिस, जेंडर इक्वेलिटी एंड फार्मर्स राइट्स” महाराजगंज में 22-23 अगस्त 2025 (₹ 2,00,000)
37. धर्मेन्द्र कुमार झरिया, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश “भारत ऑफ सरदार पटेल ईएएम: कंट्रीब्यूशन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया” अमरकंटक में 07-08 अगस्त 2025 (₹ 4,00,000)
38. गुर्रम अशोक, गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, तेलंगाना “सरदार वल्लभभाई पटेल एंड फार्मर्स:

फ्रॉम चंपारण टू चित्रकूट” हैदराबाद में 04-05 अगस्त 2025 (₹ 5,00,000)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

39. शेओचाना सिंह, बी एस कॉलेज, बिहार “सार्द्ध शती जयंती वर्ष में ‘एक भारत: श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार सरदार पटेल’ पटना में 21-23 अगस्त 2025 (₹ 4,00,000)
40. अनुराग कुमार श्रीवास्तव, पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू), गुजरात “सरदार वल्लभभाई पटेल एंड इंस्टीट्यूशंस ऑफ इफेक्टिव गवर्नेंस एंड एडमिनिस्ट्रेशन इन मॉडर्न इंडिया” गांधीनगर में 05-07 अगस्त 2025 (₹ 6,00,000)
41. मनीषा देवी, के आर बी गर्ल्स कॉलेज, असम “एक्सप्लोरिंग सरदार वल्लभभाई पटेल लेगसी: लेसन्स फॉर कंटेम्परेरी इंडिया” गुवाहाटी में 24-25 जुलाई 2025 (₹ 5,00,000)
42. निरंजन चिचुआन, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली “अंडरस्टैंडिंग इंडियाज़ नेशनल सिक्युरिटी इन एमर्जिंग वर्ल्ड ओर्डर: अचीवमेंट्स, अपॉर्च्युनिटीज एंड एस्पिरेशंस” शाहदरा में 01-02 मे 2025 (₹ 6,00,000)

जनजातीय गौरव (ट्राइबल प्राइड) संगोष्ठियां

राष्ट्रीय संगोष्ठी

1. सत्यनारायण तुरंगी, वोक्सन यूनिवर्सिटी, तेलंगाना, “रिमेम्बरिंग बिरसा मुंडा एंड जनजातीय राइट्स एंड पॉलिसियों” हैदराबाद में 23-24 जुलाई, 2025 (₹ 3,00,000)
2. मधुकर बाबुराव राथोड़, रामकृष्ण मोर आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र, “बिरसा मुंडा, जनजातिया स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम” अकुर्दी में 23-24 मई, 2025 (₹ 3,00,000)
3. रश्मि शर्मा, गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज, उत्तर प्रदेश, “होनरिंग दि लेगसी ऑफ बिरसा मुंडा: चैम्पियनिंग लैंड राइट्स, एडवांसिंग एजुकेशनल रिफॉर्म्स, इंस्पायरिंग ट्राइबल मूवमेंट्स, एंड पेविंग दि पाथ फॉर सोशल जस्टिस” लखनऊ में 19-20 जुलाई, 2025 (₹ 3,50,000)
4. रितेश मिश्रा, सी वी रमन यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़, “बिरसा मुंडा: ए ट्राइबल हीरो एज ए चैम्पियन ऑफ जेंडर जस्टिस” बिलासपुर में 9-10 मई, 2025 (₹ 3,00,000)

5. अवनीश कुमार, मणिपाल यूनिवर्सिटी, राजस्थान, “डिकोलोनाइजिंग नैरेटिव्स: रिविजिटिंग जनजातीय कल्चर एंड एपिस्टेमोलॉजीज” जयपुर में 13-14 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
6. संदीप विश्वनाथराव रणभीरकर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक, “बिरसा मुंडा तथा अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान।” कडगांची में 17-18 जुलाई, 2025 (₹ 3,50,000)
7. कौस्तुभ रंजन, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, “इंडीजीनस वॉइसेज ऑफ रेजिस्टेंस: दि कंट्रीब्यूशन ऑफ दि ट्राइब्स ऑफ छत्तीसगढ़ एंड मध्य प्रदेश इन एंटीकोलोनियल मूवमेंट” खैरागढ़ में 01-02 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
8. जयसिंह, भक्त कवि नरसिंह मेहता यूनिवर्सिटी, गुजरात, “जनजातीय कल्चर, हेरिटेज एंड इंडीजीनस प्रैक्टिस” खड़िया में 20-21 फरवरी, 2025 (₹ 4,00,000)
9. पवन कुमार शर्मा, शोरे-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ऑफ जम्मू, जम्मू एंड कश्मीर, “वेविंग जनजातीय हेरिटेज एज पाथवेज टू सस्टेनेबल फ्यूचर्स इन नॉर्थ-वेस्टर्न हिमालय” जम्मू में 16-17 जुलाई, 2025 (₹ 2,00,000)
10. संदीप तुंदुवार, एसबी सिटी कॉलेज, महाराष्ट्र, “लेगसी ऑफ बिरसा मुंडा: इंडीजीनस राइट्स, एन्वायरमेंटल जस्टिस एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” नागपुर में 20-21 जून, 2025 (₹ 4,00,000)
11. कृष्ण कांत शर्मा, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “बिरसा मुंडा लाइफ एंड लेगसी” मेरठ में 29-30 अगस्त, 2025 (₹ 3,00,000)
12. प्रवीण पराश्रम सौनूने, एमएसपी मंडल आरबी अट्टल आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, महाराष्ट्र, “भगवान बिरसा मुंडा लेगसी: ए फ्रेमवर्क फॉर ट्राइबल अपलिफ्टमेंट एंड एम्पावरमेंट इन दि 21फस्ट सेंचुरी” गेवराई में 08 मार्च, 2025 (₹ 2,00,000)
13. अंजना सिंह, वसंत कॉलेज फॉर वीमेन (राजघाट), उत्तर प्रदेश, “दि लेगसी ऑफ बिरसा मुंडा: ए कैटेलिस्ट फॉर ट्राइबल एम्पावरमेंट एंड नेशनल मूवमेंट” वाराणसी में 18-19 जुलाई, 2025 (₹ 4,20,000)

14. संजय भगोराव सालुंके, बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, “बिरसा मुंडा एंड ट्राइबल वेलफेयर: ब्रिजिंग हिस्टोरिकल लेगोसिस विद कंटेम्पेरी डिवेलपमेंट” छत्रपति संभाजीनगर में 25-26 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
15. अनुराधा सिंह, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश, “फ्रॉम उलगुलन टू मॉडर्न इंडिया: सेलिब्रेटिंग दि स्पिरिट ऑफ बिरसा मुंडा” वाराणसी में 28-29 मार्च, 2025 (₹ 4,50,000)
16. उर्वशी गौतम, गंगा देवी महिला महाविद्यालय, बिहार, “डिकोलोनाइजिंग दि जनजातीय: बिरसा मुंडा इन दि उलगुलन” पटना में 30-31 जुलाई, 2025 (₹ 4,00,000)
17. प्रोनिता नियोग, बीर राघब मोरन गवर्नमेंट मॉडेल कॉलेज, असम, “एकोज ऑफ रेजिलिएंस: सेलिब्रेटिंग दि टी ट्राइब्स ऑफ असम एंड बिरसा मुंडा एंड्यूरिंग लेगसी” तिनसुकिया में 22-23 अगस्त, 2025 (₹ 3,00,000)
18. राहुल भट्टाचारजी, इस्वर चाना विद्यासागर कॉलेज, त्रिपुरा, “जनजातीय कल्चर हेरिटेज एंड इंडीजीनस प्रैक्टिस: ए स्पेशल फोकस ऑन नॉर्थ ईस्ट इंडिया एंड त्रिपुरा” साउथ त्रिपुरा में 07-08 मार्च, 2025 (₹ 3,00,000)
19. विनय द्विवेदी, अमेठी यूनिवर्सिटी, मध्य प्रदेश, “जनजातीय कंट्रीब्यूशंस इन शेपिंग दि हिस्ट्री ऑफ भारत” ग्वालियर में 19-20 अगस्त, 2025 (₹ 1,50,000)
20. संयुक्ता बनर्जी, अछरूराम मेमोरियल कॉलेज, पश्चिम बंगाल, “बिरसा मुंडा एंड डिकोलोनाइजिंग जनजातीय स्टडीज” झालदा में 12-13 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
21. नागेश एम, सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश, आंध्र प्रदेश, “रिकंसिलिएशन एंड इन्क्लूसिवनेस ऑफ दि ट्राइबल नॉलेज सिस्टम” विजियानगरम में 6-7 फरवरी, 2025 (₹ 4,00,000)
22. अभय लियोनार्ड इक्का, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार, “रेमिनिसेंस ऑफ भगवान बिरसा मुंडा, एन आइकन ऑफ रेजिलिएंस एंड प्रोटेस्ट: रिजुवेनेशन ऑफ ट्राइबल कल्चर्स एंड दि कल्चरल आइडेंटिटी इन इंडिया” फतेहपुर में 07-08 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
23. संगय तमांग, आईआईटी धनबाद, झारखंड, “रिक्लेमिंग इंडिजीनिटी: दि आदिवासी क्वेश्चन्स, जनजाति मूवमेंट्स, एंड ट्राइबल स्टडीज इन कंटेम्पेरी इंडिया” धनबाद में 08-09 अगस्त, 2025 (₹ 4,00,000)
24. बिपाशा रोजी लाकड़ा, जीसस एंड मेरी कॉलेज, नई दिल्ली, “डिकोलोनाइजिंग ट्राइबल स्टडीज: लाइफ, लेगसी, एंड हेरिटेज ऑफ बिरसा मुंडा (1875-1900)” चाणक्य पुरी में 29-30 जुलाई, 2025 (₹ 4,00,000)
25. वैभव दुधाराम मसराम, गोंडवाना यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र, “जनजातीय कंट्रीब्यूशंस इन शेपिंग दि हिस्ट्री ऑफ भारत: रिफ्लेक्शंस इन विदर्भ रीजन ऑफ सेंट्रल प्रोविंसेज” गडचिरोली में 05-06 अगस्त, 2025 (₹ 3,00,000)
26. जी एल मीना, यूनिवर्सिटी राजस्थान कॉलेज, राजस्थान, “ट्राइबल्स ऑफ इंडिया: इन सर्च ऑफ आइडेंटिटी” जयपुर में 07-08 अगस्त, 2025 (₹ 3,50,000)
27. केझंगुनुओ केलियो, सेंट जोसेफ कॉलेज, नागालैंड, “रिइमेजिनिंग दि एथनिसिटी ऑफ दि नागा: ए डिस्कोर्स- नैरेटिव” कोहिमा में 06-09 अगस्त, 2025 (₹ 4,50,000)
28. चंदूभाई सी चौधरी, ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुजरात, “बिरसा मुंडा एंड ट्राइबल फ्रीडम मूवमेंट्स इन कॉलोनिअल इंडिया” गांधीनगर में 8-9 मार्च, 2025 (₹ 4,00,000)
29. सियामलियावुंग हेंगजो, शिवाजी कॉलेज, नई दिल्ली, “लाइफ, लीडरशिप, एंड लेगसी ऑफ बिरसा मुंडा: इंस्पायरिंग नेशनल स्पिरिट एंड ट्राइबल एम्पावरमेंट” राजा गार्डन में 06 अगस्त, 2025 (₹ 4,50,000)
30. राठोड़ पुंडलिक, माउंट कारमेल कॉलेज, कर्नाटक, “ट्राइबल कल्चर, हेरिटेज, एंड इंडीजीनस प्रैक्टिस” बेंगलुरु में 30-31 जुलाई, 2025 (₹ 4,50,000)
31. अर्पणा प्रेमी लिना ओराओं, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज एंड रिसर्च, उड़ीसा “दि लेगसी ऑफ भगवान बिरसा मुंडा एंड इंडीजीनस हेल्थकेयर प्रैक्टिस: सेफगार्डिंग ट्रेडिशनल नॉलेज फॉर सस्टेनेबल मेडिकल फ्यूचर्स” भुवनेश्वर में 07-08 अप्रैल, 2025 (₹ 5,00,000)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

32. विदुषी शर्मा, सरला बिरला यूनिवर्सिटी, झारखंड, “बिरसा मुंडा विजन एंड इंडीजीनस विज्डम: मल्टीडिसिप्लीनरी इनसाइट्स फॉर इन्क्लूसिव, एथिकल एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट” रांची में 9-10 अगस्त, 2025 (₹ 6,00,000)
33. अमितायु चक्रवर्ती, दुर्गापुर वीमेन्स कॉलेज, पश्चिम बंगाल, “एनविजनिंग जनजातीय गौरव: दि लेगसी ऑफ बिरसा

- मुंडा एंड दि डिकोलोनाइजेशन ऑफ 'ग्लोबल' इंडीजीनस स्टडीज" दुर्गापुर में 26-28 मार्च, 2025 (₹ 5,00,000)
34. प्रवीण वर्मा, श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज, नई दिल्ली, "बिरसा मुंडा: हिज़ लाइफ एंड दि इंडीजीनस क्वेश्चन्स इन कंटेम्परेरी" नई दिल्ली में 20-21 मार्च, 2025 (₹ 6,00,000)
35. गंगा सहाय मीना, जेएनयू, नई दिल्ली, "बिरसा मुंडा एंड डिकोलोनाइजिंग जनजातीय स्टडीज" नई दिल्ली में 07-08 अगस्त, 2025 (₹ 6,00,000)
36. दशरथ मुर्मू, सूरी विद्यासागर कॉलेज, पश्चिम बंगाल, "बिरसा मुंडा एंड जनजातीय/इंडीजीनस पीपुल्स मूवमेंट्स" बीरभूम में 08-09 जून, 2025 (₹ 5,00,000)
37. हमराज उदयभान उइके, वसंतदादा पाटिल आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, महाराष्ट्र, "जनजातीय कंट्रीब्यूशंस इन शेपिंग दि हिस्ट्री ऑफ भारत" पटोदा में 20 मार्च, 2025 (₹ 6,00,000)

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अनुसंधान प्रणाली पाठ्यक्रम (आरएमसी)

1. अब्बूगरी श्रीधर राज, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज (आईपीई), हैदराबाद, तेलंगाना। (₹ 5,50,000/-)
2. अशोक पंकज, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, काउंसिल फॉर सोशल डिवेलपमेंट (सीएसडी), नई दिल्ली। (₹ 5,50,000/-)
3. मोहम्मद शहीर सिद्दीकी, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एमयू), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
4. मोहन सिंह पंवार, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबीजी), गढ़वाल, उत्तराखंड। (₹ 5,50,000/-)
5. जी. आर. अंगडी, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
6. मनोजकुमार सी शास्त्री, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद। (₹ 5,50,000/-)
7. गली बसवराज, डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, धारवाड़, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
8. सुहासिनी, स्कूल ऑफ बिजनेस, एसआर यूनिवर्सिटी, वारंगल, तेलंगाना। (₹ 5,50,000/-)
9. के.एच. बिमोलता देवी, डिपार्टमेंट ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज, अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु। (₹ 5,45,000/-)
10. आलोक कुमार मिश्रा, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स, बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
11. रचना चतुर्वेदी, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, रबींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू), भोपाल, मध्य प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
12. आरती शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी एंड सोशल वर्क, आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर, राजस्थान। (₹ 5,50,000/-)
13. दिव्या कीर्ति गुप्ता, स्कूल ऑफ बिजनेस, गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (जीआईटीएम) (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), हैदराबाद, तेलंगाना। (₹ 5,50,000/-)
14. मनु गौतम, एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (एमपीआईएसएसआर), उज्जैन, मध्य प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
15. अजीत कुमार साहू, सेंटर फॉर इंटरनेशनल ट्रेड एंड डिवेलपमेंट (सीआईटीडी), स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली। (₹ 5,50,000/-)
16. संजीत सिंह, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, देहरा, हिमाचल प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
17. सुरेश रंगाराजन, डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड पॉलिटिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासारगोड, केरल। (₹ 5,50,000/-)
18. रंजन अनेजा, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
19. अश्विनी कुमार नंदा, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू सांबा, जम्मू-कश्मीर। (₹ 5,50,000/-)
20. आर.एच. पविथरा, डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज एंड रिसर्च इन इकोनॉमिक्स, कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (केएसओयू), मैसूर, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)

21. अलुवाला रवि, डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, नलगोंडा, तेलंगाना। (₹ 5,50,000/-)
22. विवेक अग्रवाल, जीएलए यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, मथुरा, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
23. सुमीर गुल, डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर। (₹ 5,50,000/-)
24. श्वेता आनंद, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
25. सुजय कुमार मंडल, डिपार्टमेंट ऑफ फोकलोर, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल। (₹ 5,50,000/-)
26. रविकुमार टी, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), बैंगलोर, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
27. निहारंजन मिश्रा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशल एंथ्रोपोलॉजी, शिक्षा 'ओ' अनुसंधान, (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), भुवनेश्वर, उड़ीसा। (₹ 5,50,000/-)
28. अविषेक राय, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सिल्वर (एनआईटी), सिल्वर, असम। (₹ 5,25,000/-)
29. सुब्रत दत्ता, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च (एसपीआईईएसआर), अहमदाबाद, गुजरात। (₹ 5,50,000/-)
30. दीपक कुमार, डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (एचएनबीजी), गढ़वाल, उत्तराखंड। (₹ 5,50,000/-)
31. शाहब फजल, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एमयू), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-).
32. बी.एस. गुप्ता, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
33. राजनारायणन सम्बंधम, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार। (₹ 5,50,000/-)
34. जया भासिन, स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, सांबा, जम्मू-कश्मीर। (₹ 5,50,000/-)
35. कीशम शीतलजीत सिंह, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर। (₹ 5,50,000/-)
36. अंजनी कुमार झा, डिपार्टमेंट ऑफ मीडिया स्टडीज, महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी, बिहार। (₹ 5,50,000/-)
37. तरुणा, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
38. पी. पी. मित्रा, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान। (₹ 5,50,000/-)
39. ऋषिपाल, डीन, एसएफएमएसआर, श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी, दुधोला, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
40. बरनाली गोगोई, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम। (₹ 5,50,000/-)
41. यतेना कुमार सिंह, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन पेडागोजी, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
42. पुष्प लता, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान। (₹ 5,50,000/-)
43. बीजू के सी, डिपार्टमेंट ऑफ मीडिया स्टडीज, क्राइस्ट (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
44. स्वाति शास्त्री, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, बनस्थली विद्यापीठ (डीमंड यूनिवर्सिटी), टोंक, राजस्थान। (₹ 5,50,000/-)
45. प्रताप चाना मोहन्ती, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज (एचएसएस), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रूड़की (आईआईटी), रूड़की, उत्तराखंड। (₹ 5,50,000/-)
46. अंजुली जैन, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी), भोपाल, मध्य प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
47. अंजली शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान। (₹ 5,10,000/-)

48. हेमलता शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
49. के प्रकाश, डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी, कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, मैसूर, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
50. नीलम पांचाल, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, बी.के. स्कूल ऑफ प्रोफेशनल एंड मैनेजमेंट स्टडीज़ गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात। (₹ 5,50,000/-)
51. संदीप मलिक, चौधरी रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (सीआरएसआईएस@ईसी), महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
52. अमूल्य कुमार साहू, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज फॉर वीमेन, (यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली), नई दिल्ली। (₹ 5,50,000/-) (विदड़ों)
53. कार्थिक वी, सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसी, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-) (एससी)
54. संजीत सरदार, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़। (₹ 5,50,000/-)
55. कप्पा कौंडल, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु (सीयूटीएन), थिरुवरूर, तमिलनाडु। (₹ 5,50,000/-).
56. गोपाल प्रसाद, सेंटर फॉर बी. आर. अंबेडकर स्टडीज़, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
57. वृषाली विरेना नगराले, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, एस.एन.डी.टी. कॉलेज ऑफ होम साइंस, पुणे, महाराष्ट्र। (₹ 5,50,000/-)
58. सुंदरा राज टी, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, पेरियार यूनिवर्सिटी, सेलम, तमिलनाडु। (₹ 5,50,000/-)
59. नागाराजू गुंडेमेडा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, तेलंगाना। (₹ 5,50,000/-)
60. ए. मुथुलक्ष्मी, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आईजोल, मिजोरम। (₹ 5,50,000/-)
61. अमरनाथ पासवान, फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
62. जयशीला, डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज़ एंड रिसर्च इन इकोनॉमिक्स, तुमकुर यूनिवर्सिटी, तुमकुर, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
63. टी. आर. रात्रे, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़। (₹ 5,50,000/-)
64. अनिता आर. नाटेकर, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, कर्नाटक स्टेट अकमहादेवी वीमेन यूनिवर्सिटी, विजयपुरा, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)
65. गीता सी ए, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासारगोड, केरल। (₹ 5,50,000/-)
66. विष्णु नारायण कुचेरिया, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेंद्रगढ़, हरियाणा। (₹ 5,50,000/-)
67. जी. प्रभाकरण, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल इन्क्लूजन, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, कालापेट, पुदुचेरी। (₹ 5,50,000/-)
68. तनुजा सिंह, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, संगम यूनिवर्सिटी, भीलवाड़ा, राजस्थान। (₹ 5,50,000/-)
69. मोहद ताक्री, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख, कारगिल, यूटी लद्दाख। (₹ 5,50,000/-) (एसटी)
70. दिगामर टंगलवाड, डिपार्टमेंट ऑफ वीमेन स्टडीज़, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश। (₹ 5,50,000/-)
71. दितालक म्पनमे, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, नागालैंड यूनिवर्सिटी, मेरीमा, नागालैंड। (₹ 5,50,000/-)
72. केडिलेजो किखी, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलोंग, मेघालय। (₹ 5,50,000/-)
73. टी.टी. बसवनगौड़ा, डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज़ इन एंथ्रोपोलॉजी, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, कर्नाटक। (₹ 5,50,000/-)

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. जे. के. जैन, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
2. निजामुद्दीन खान, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
3. मृत्युंजय मिश्रा, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), वाराणसी, उत्तर प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)

4. वंदना शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, सांबा, जम्मू - कश्मीर। (₹ 8,00,000/-)
5. जी. आर. अंगडी, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक। (₹ 8,00,000/-)
6. बीआर ठाकुर, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला, हिमाचल प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
7. राजकुमार मालिपाटिल, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, कर्नाटक स्टेट अक्यामहादेवी वीमेन यूनिवर्सिटी, विजयपुरा, कर्नाटक, (₹ 8,00,000/-)
8. अनिल शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन, यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र, हरियाणा। (₹ 8,00,000/-)
9. नीरज कौशिक, डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र, हरियाणा। (₹ 8,00,000/-)
10. सस्वती चौधुरी, ओएमईओ कुमार दास इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड डिवेलपमेंट (ओकेडीआईएससीडी), गुवाहाटी, असम। (₹ 8,00,000/-)
11. के. श्रीनिवास मूर्ति, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, थिरुवरूर, तमिलनाडु। (₹ 8,00,000/-)
12. अनिल कुमार जैन, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
13. हंजबम शुखदेबा शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्य प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
14. संजीव दत्ता, डिपार्टमेंट ऑफ रूरल डिवेलपमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम), बारिदुआ, मेघालय। (₹ 8,00,000/-)
15. आर. शांति, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई, तमिलनाडु। (₹ 8,00,000/-)
16. सरथ सिंम्हा भट्टारू, कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन, हैदराबाद, तेलंगाना। (₹ 8,00,000/-)
17. सतीश वर्मा एम, स्कूल ऑफ फिलोसोफी, साइकोलॉजी एंड साइंटिफिक हेरिटेज, चिन्मया विश्व विद्यापीठ, एर्नाकुलम, केरल। (₹ 8,00,000/-)
18. नीति मेहता, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक एंड सोशल रिसर्च (एसपीआईएसआर), अहमदाबाद, गुजरात। (₹ 8,00,000/-)
19. ज्ञानेना नाथ तिवारी, डिपार्टमेंट ऑफ टीचर एजुकेशन, नागालैंड यूनिवर्सिटी, मेरीमा, नागालैंड। (₹ 8,00,000/-)
20. संध्या तिवारी, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, गंदरबल, जम्मू-कश्मीर। (₹ 8,00,000/-)
21. अभिज्ञान भट्टाचार्य, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू), तूरा, मेघालय। (₹ 8,00,000/-)
22. मेका जेम्स स्टीफन, डिपार्टमेंट ऑफ ई.सी.ई., आंध्र यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
23. विनोद कुमार, मां शाकुंभरी यूनिवर्सिटी, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
24. नरेश कौशिक, सीसीएस हरियाणा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, रेवाड़ी, हरियाणा। (₹ 8,00,000/-)
25. कौशल शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ हिर्यंग इम्पेयरमेंट, शकुन्तला मिश्रा नेशनल रिहैबिलिटेशन यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
26. मुक्ति पराशर, डिपार्टमेंट ऑफ ड्राइंग एंड पेंटिंग, जय मिनेश आदिवासी यूनिवर्सिटी, काटा, राजस्थान। (₹ 8,00,000/-)
27. शांतनु दास, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट भोपाल, भोपाल, मध्य प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
28. अमित सेठ, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), पुणे, महाराष्ट्र। (₹ 8,00,000/-)
29. गोमतम मोहाना चार्थुलू, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, वीएफएसटीआर डीमड टू बी यूनिवर्सिटी, गुंटूर, आंध्र प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
30. सोनू त्रिवेदी, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली। (₹ 8,00,000/-)
31. च. इबोहल मेतै, मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, मणिपुर यूनिवर्सिटी, इम्फाल, मणिपुर। (₹ 8,00,000/-)
32. मुकेश कुमार मिश्रा, दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान (डीटीएसएस), भोपाल, मध्य प्रदेश। (₹ 8,00,000/-)
33. विजय कुमार रेड्डी प्रोद्युतुरी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज (आईपीई), हैदराबाद, तेलंगाना। (₹ 8,00,000/-)

34. अमोद शर्मा, डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, नागालैंड यूनिवर्सिटी, चुमौकेदिमा, नागालैंड। (₹ 8,00,000/-)
35. दीपक कुमार बेहेरा, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पटना, पटना, बिहार। (₹ 8,00,000/-)
36. मीनाकेतन बेहेरा, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली। (₹ 8,00,000/-)
37. प्रवीण कुमार, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा। (₹ 8,00,000/-)
38. पायल कुमार चंदेल, डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, महेन्द्रगढ़, हरियाणा। (₹ 8,00,000/-)
39. रत्नप्रभा संतोष जाधव, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी, एसएनडीटी वीमेंस यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र। (₹ 8,00,000/-)
40. गोडुगु श्रीनिवास, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, पणजी, गोवा। (₹ 8,00,000/-)
41. नबम नखा हिना, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश। (₹ 8,00,000/-) (एसटी)
42. मोहद ताक्री, डिपार्टमेंट ऑफ एन्वायरमेंटल साइंस एंड बायोडायवर्सिटी रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख, कारगिल, लद्दाख। (₹ 8,00,000/-)
43. ईश्वर पी, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, मंगलोर यूनिवर्सिटी, मंगलगंगोथरी, कर्नाटक। (₹ 8,00,000/-)
44. सोनम जोल्डन, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख, लद्दाख। (₹ 8,00,000/-)

प्रकाशन अनुदान

डॉक्टरल/पोस्ट-डॉक्टरल थीसिस/शोध परियोजनाएं/फेलोशिप रिपोर्ट/पुस्तकें/मोनोग्राफ

क्र.सं.	पुस्तक का शीर्षक	लेखक	सह प्रकाशक	आईएसबीएन नं.
1.	सॉफ्ट पॉवर इन फॉरेन पॉलिसी-चाइना स्ट्रेटेजिक यूज ऑफ ट्रेड, कल्चर एंड डिप्लोमेसी	मधुरा आरेकर	पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली	978-81-991162-9-0
2.	वेजेस एंड रिलेटेड इश्यूज- ए क्रिटिकल एप्रेजल ऑफ दि न्यूज़ मीडिया इंडस्ट्री इन इंडिया	जयश्री जेतवानी	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम	978-93-327-0690-3
3.	फॉरेन पॉलिसी डिसिजन-मेकिंग इन इंडिया	एस.एस. पटागुंडी	रावत पब्लिकेशंस, जयपुर	978-81-316-466-2
4.	अंडरस्टैंडिंग इंडिया एंड इट्स प्रॉब्लम्स (वाल्थूम I और II)	ब्रज बिहारी कुमार	मैकमिलन पब्लिकेशंस, गुरुग्राम	938951841-5 वाल्थूम 2 938951842-3
5.	डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूवेबल एनर्जी सिस्टम्स	गिरिजेश पंत	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम	978-93-327-0659-3
6.	कल्चरल हेरिटेज- इम्प्लीकेशंस फॉर डिवेलपमेंट	एस. एन. चौधरी	रावत पब्लिकेशंस, जयपुर	978-81-316-1436-5
7.	तंत्रयुक्तिज्ञ	एस.आर. भट्ट	चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, उ.प्र.	978-81-976736-7-2
8.	नॉलेज मैनेजमेंट इन एकेडमिक लाइब्रेरीज इन इंडिया	डॉ. एस.एस. राव	एमएलबीडी पब्लिकेशंस, दिल्ली	978-81-95055-34-0

प्रकाशनाधीन शीर्षक

नीचे दिए गए सूचीबद्ध शीर्षक वर्तमान में प्रकाशन की प्रक्रिया में हैं और प्रत्येक पांडुलिपि का प्रकाशन एक अलग प्रकाशक द्वारा किया जा रहा है। यह व्यवस्था विभिन्न प्रकाशन गृहों के साथ सहयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है ताकि व्यक्तिगत कृतियों की विशिष्ट आवश्यकताओं और दायरे के अनुरूप कार्य किया जा सके।

क्र.सं.	पुस्तक का शीर्षक	लेखक	सह-प्रकाशक
1	मन की बात एंड भारतीय आर्ट, कल्चर एंड हेरिटेज	प्रियंका त्रिपाठी	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
2	मन की बात एंड एजुकेशन	डॉ. रामानंद पांडे	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
3	मन की बात एंड स्वच्छ भारत पिपल्स मूवमेंट	प्रो. प्रमोद कुमार	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
4	मन की बात एंड क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी	डॉ. सज्जन कुमार	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
5	मन की बात एंड श्री अन्ना	प्रो. सिबाब्रत दास	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6	मन की बात एंड डिजिटल इकोनॉमी	डॉ. प्रीतीश कुमार साहू	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
7	मन की बात एंड डेमोक्रेसी	डॉ. स्वदेश सिंह	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
8	मन की बात एंड नॉर्थ ईस्ट इंडिया	प्रो. ध्रुवा प्रतिम शर्मा	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
9	मन की बात एंड वीमेन एम्पावरमेंट	अर्चना सिंह	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

क्र.सं.	पुस्तक का शीर्षक	लेखक	सह-प्रकाशक
10	मन की बात एंड दिव्यांगजन	सुनीता सिंह	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
11	मन की बात एंड नारी शक्ति	नंदिता सैकिया और जयंत कुमार बोरा	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
12	मन की बात एंड जनजातीय हीरोज़ एंड आईकन्स	प्रो. टी.वी. कट्टिमनी	नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
13	ट्राइबल फ्रीडम मूवमेंट्स इन कॉलोनियल इंडिया	श्री संजय प्रसाद	ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुजरात
14	एजुकेशनल साइकोलॉजी ऑफ श्रीमद् भगवद् गीता	चंद्रशेखर पांडे	एमएलबीडी पब्लिकेशंस, दिल्ली
15	एन एम्पीरिकल स्टडी ऑफ सोशियो इकोनोमिक कंडीशंस ऑफ रिवर्स माइग्रेंट्स इन उत्तराखंड पोस्ट कोविड 19	डॉ. डी. पी. सकलानी	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम
16	इम्पैक्ट ऑफ फाइनेंशियल इन्क्यूजन ऑन इंडस्ट्रीयल वर्कर्स: ए स्टडी ऑफ दिल्ली एंड एनसीआर	सुप्रीत कौर	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम
17	न्यूज मीडिया लिटरैसी: ए स्टडी ऑफ यूथ इन दिल्ली	प्रियंका सचदेवा	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम
18	इनडायरेक्ट टैक्सेस रिफॉर्म्स इन इंडिया सिन्स 1991: ए केस स्टडी ऑफ गुड्स एंड सर्विस टैक्स	नवनीत गुलेरिया	एकेडमिक फाउंडेशन, गुरुग्राम
19	समकालीन भारतीय समाज में रामलीला की सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका (रामनगर की रामलीला के विशेष संदर्भों में एक अध्ययन)	डॉ. मुकेश कुमार शुक्ल	प्रक्रिया में
20	महिला उत्थान एवं प्रशासन (विशेष संदर्भ: बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले की पाली तहसील के कुछ गाँवों की महिलाओं का अध्ययन)	डॉ. भारती देवी	प्रक्रिया में
21	औपनिषदिक प्रणव-ध्वनि: विश्वशांति एवं शारीरिक-मानसिक विकारों के संदर्भ में	डॉ. सपना यादव	प्रक्रिया में
22	नागरिक सेवा वितरण में सामान्य सेवा केन्द्रों की भूमिका: डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विशेष हिस्सों में (जयपुर जिले का अनुप्रयोगात्मक अध्ययन)	डॉ. सुनीता चौधरी	प्रक्रिया में
23	दक्षिणी राजस्थान के जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों पर परिवार की भूमिका, समरसता एवं पर्यावरणीय जागरूकता का अध्ययन	डॉ. सवित्री देवी मीणा	प्रक्रिया में
24	अमेरिका की वापसी के बाद अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत का योगदान	डॉ. मोहन लाल जाखड़	प्रक्रिया में
25	औद्योगीकरण काल में बदलता भारतीय समाज एवं हिंदी पत्रकारिता: एक ऐतिहासिक अध्ययन	डॉ. राकेश कुमार दुबे	प्रक्रिया में
26	बनारस की वस्त्रशिल्पकला: एक समग्र अध्ययन	डॉ. सुजीत कुमार चौबे	प्रक्रिया में
27	जनजातीय महिलाओं में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का अध्ययन (विशेष संदर्भ: जनजातीय उपयोजना (टाड़ा/माडा) /क्षेत्र — उदयपुर, राजस्थान की महिलाएँ	डॉ. पिकी शर्मा	प्रक्रिया में
28	चंपारण का ग्राम्य स्वराज: कृषि उद्योग व मीडिया	डॉ. प्रवीण कुमार झा	प्रक्रिया में
29	मराठवाड़ा विभाग अन्तर्गत अनुसूचित जाति के छात्रों को उच्च शिक्षा लेते समय आने वाली आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का अध्ययन	डॉ. संदीप गोरख साल्वे	प्रक्रिया में
30	प्राचीन भारत में लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की समकालीन प्रासंगिकता	डॉ. चंचल	प्रक्रिया में

विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शोध संस्थानों सहित सामाजिक वैज्ञानिकों के व्यावसायिक संघों/संगठनों को उनके शोध पत्रिका(पत्रिकाओं) के प्रकाशन/संचालन के लिए तदर्थ वार्षिक सहायता अनुदान।

क्र.सं.	पत्रिका का शीर्षक	पत्रिका प्रकाशित करने वाले संगठन/संघ/महाविद्यालय/विभाग का नाम	राज्य	स्वीकृत अनुदान (₹)
1.	अर्थ जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज	क्राईस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) होसुर रोड, बेंगलुरु, कर्नाटक - 560029	कर्नाटक	₹1,00,000/-
2.	शोधश्री	शोधश्री, 54 ए, जसवाहर नगर कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर 302018	कर्नाटक	₹1,00,000/-
3.	एनएसओयू ओपन जर्नल	नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी, डीडी-26, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता - 700 064	पश्चिम बंगाल	₹1,00,000/-
4.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांसपेरेंसी एंड अकाउंटेबिलिटी इन गवर्नेंस	सेंटर फॉर ट्रांसपेरेंसी एंड अकाउंटेबिलिटी इन गवर्नेंस, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली, सेक्टर 14, द्वारका नई दिल्ली - 110078	नई दिल्ली	₹1,50,000/-
5.	आईएसडीए जर्नल: स्टडीज इन डिवेलपमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी	इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ डिवेलपिंग एरियाज़, टी.सी. 4/64-2 कॉन्टीनेंटल गार्डन्स, कौडियार, तिरुवनंतपुरम, केरल - 695003	केरल	₹3,00,000/-
6.	एमआईईआर जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज ट्रेन्ड्स एंड प्रैक्टिसेस	एमआईईआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन (अंडर एजिस ऑफ मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च), बी.सी रोड, जम्मू, जम्मू-कश्मीर - 180001	जम्मू और कश्मीर	₹1,75,000/-
7.	अन्वेषक	सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च, थलतेज रोड, अहमदाबाद, गुजरात - 380054	गुजरात	₹1,20,000/-
8.	पूर्वदेव	मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी, बाणभट्ट मार्ग, (ओपोजिट सेंट्रल स्कूल), उज्जैन (म.प्र.) - 456010	मध्य प्रदेश	₹1,30,000/-
9.	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर लॉ रिव्यू	डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, तुलमुल्ला, गंदरबल जम्मू, जम्मू-कश्मीर - 191131	जम्मू और कश्मीर	₹1,50,000/-
10.	शोध	डॉ. हमाना रिसर्च सेंटर, श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वरा कॉलेज (आटोनोमस) उजीरे-574240, डी. के.	कर्नाटक	₹75,000/-
11.	दि जर्नल ऑफ दि न्यूमिस्मेटिक सोसायटी ऑफ इंडिया	न्यूमिस्मेटिक सोसायटी ऑफ इंडिया, पी.ओ. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी	उत्तर प्रदेश	₹1,00,000/-
12.	इंडियन लिंक्विस्टिक्स	लिंक्विस्टिक सोसायटी ऑफ इंडिया, पी.ओ. बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी	उत्तर प्रदेश	₹1,00,000/-
13.	संश्लेषण	सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज, आर्क बिल्डिंग, गुरु तेग बहादुर मार्ग, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
14.	जीआईटीएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट	जीआईटीएम स्कूल ऑफ बिजनेस, रुशिकोंडा, विशाखापट्टनम	आंध्र प्रदेश	₹1,00,000/-
15.	मधुकरी	सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च, थलतेज रोड, अहमदाबाद, गुजरात - 380054	गुजरात	₹50,000/-
16.	वन्यजाति (क्वार्टरली जर्नल हिंदी इंग्लिश)	भारतीय अदिम जाति सेवक संघ, ठक्कर बापा स्मारक सदन, डॉ. अम्बेडकर मार्ग, नियर झंडेवाला नैट्रो स्टेशन गेट नं.-4, नई दिल्ली	नई दिल्ली	₹50,000/-

क्र.सं.	पत्रिका का शीर्षक	पत्रिका प्रकाशित करने वाले संगठन/संघ/महाविद्यालय/ विभाग का नाम	राज्य	स्वीकृत अनुदान (₹)
17.	राजागिरि जर्नल ऑफ सोशल डिवेलपमेंट	राजागिरि कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज, कलमचेरी, केरल	केरल	₹1,00,000/-
18.	हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी जर्नल (ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज)	ज्ञान पथ, समर हिल, शिमला, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी	हिमाचल प्रदेश	₹2,00,000/-
19.	जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट	जयपुर रिसर्च एंड एजुकेशनल सोसायटी, प्लॉट नं. 68-ए ओपोजिट एन.के. पब्लिक स्कूल आर्य नगर मुरलीपुरा	राजस्थान	₹2,50,000/-
20.	जियोग्राफिक	जियोग्राफी एसोसिएशन ऑफ मिजोरम, डिपार्टमेंट ऑफ जियोग्राफी एंड आरएम, मिजोरम यूनिवर्सिटी	मिजोरम	₹65,000/-
21.	जर्नल ऑफ दि इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसायटी	दि इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसायटी, आशुतोष चौधुरी एवेन्यू, कोलकाता - 700 019	पश्चिम बंगाल	₹75,000/-
22.	जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट	श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, टीवी टॉवर पीतमपुरा रोड, नई दिल्ली- 110088	नई दिल्ली	₹85,000/-
23.	स्पेस - द एसपीए जर्नल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, 4-ब्लॉक-बी, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली- 110002	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
24.	एपीजे जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी	एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस, जालंधर, पंजाब - 144007	पंजाब	₹75,000/-
25.	केरल इकोनॉमी	गुलाटी इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस एंड टैक्सेशन	केरल	₹50,000/-
26.	पोलिटिको	सोसायटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट, प्लॉट. नं. 148, सेकंड फ्लोर, पॉकेट-18, सेक्टर-24 रोहिणी, दिल्ली- 110085	नई दिल्ली	₹60,000/-
27.	फोर्टेल: जर्नल ऑफ टीविंग इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर	फोरम फॉर टीचर्स ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर (फोर्टेल), ए1ए/33बी, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058	नई दिल्ली	50,000/-
28.	सोशल चेंज जर्नल	काउंसिल फॉर सोशल डिवेलपमेंट, संघ रचना, 53 के.के. बिरला लेन, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली - 110003	नई दिल्ली	₹75,000/-
29.	आदिवासी शोध साधना	प्रसिद्ध मानव कल्याण सेवा संस्थान, राजस्थान - 327602	राजस्थान	₹50,000/-
30.	मीडिया मीमांसा	माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन, भोपाल	मध्य प्रदेश	₹1,00,000/-
31.	उड़ीसा जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट	गंगाधर मेहर यूनिवर्सिटी, संबलपुर, उड़ीसा - 768004	उड़ीसा	₹1,00,000/-
32.	इकोलॉजी, इकोनॉमी एंड सोसायटी: दि आईएनएसईई जर्नल	दि इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई), मार्फत इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली एनक्वेव, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली-110007	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
33.	जर्नल ऑफ नेहरू ग्राम भारती यूनिवर्सिटी	नेहरू ग्राम भारती (डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी), कोटवा-जमुनीपुर-डुबावाल, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश	₹1,00,000/-
34.	जर्नल ऑफ आचार्य नरेंद्र देव रिसर्च इंस्टीट्यूट, नैनीताल	कुमाऊं यूनिवर्सिटी, स्लीपी होलो, नैनीताल, उत्तराखंड - 263001	उत्तराखंड	₹1,00,000/-
35.	जर्नल ऑफ इंडियन स्पीच लैंग्वेज एंड हियरिंग	इंडियन स्पीच एंड हियरिंग एसोसिएशन, आईएसएचए आफिस, एआईआईएसएच, मानसगंगोत्री, मैसूर, कर्नाटक - 570006	कर्नाटक	₹1,50,000/-
36.	विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हिस्ट्री	विद्यासागर यूनिवर्सिटी, विद्यासागर यूनिवर्सिटी रोड मिदनापुर, पश्चिम बंगाल - 721101	पश्चिम बंगाल	₹1,00,000/-
37.	जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स	इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सर्वे नं.1266, शमीरपेट (वीएंडएम), मेडचेल-मलकाजगिरी जिला तेलंगाना	तेलंगाना	₹1,50,000/-

क्र.सं.	पत्रिका का शीर्षक	पत्रिका प्रकाशित करने वाले संगठन/संघ/महाविद्यालय/ विभाग का नाम	राज्य	स्वीकृत अनुदान (₹)
38.	मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज	एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, 6 भारतपुरी एडमिनिस्ट्रेटिव ज़ोन, उज्जैन, मध्य प्रदेश.	मध्य प्रदेश.	₹2,00,000/-
39.	लिबरल स्टडीज	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, रायसन विलेज, नोलेज कोरिडोर, गांधीनगर, गुजरात - 382007	गुजरात	₹1,50,000/-
40.	एक्सआईबीए बिजनेस रिव्यू (एक्सबीआर)	जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, 21 हाई ग्राउंड्स रोड, पलायमकोट्टई, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु - 627002	तमिलनाडु	₹1,00,000/-
41.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेआईएमआर)	शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एग्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन (यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली)	नई दिल्ली	₹1,50,000/-
42.	प्रदान्य इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च	विद्यालंकार स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, विद्यालंकार कैपस, वडाला ईस्ट मुंबई, महाराष्ट्र - 400037	महाराष्ट्र	₹50,000/-
43.	क्रिस्टु जयंती जर्नल ऑफ कोर एंड एग्लाइड बायोलॉजी	क्रिस्टु जयंती कॉलेज, नारायणापुरा क्रॉस, कोथानुर पोस्ट बेंगलुरु, कर्नाटक - 560077	कर्नाटक	₹70,000/-
44.	मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल	एम.पी. इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, रामसखा गौतम मार्ग भारतपुरी एडमिनिस्ट्रेटिव ज़ोन, देवास रोड, उज्जैन, मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश	₹1,25,000/-
45.	भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका	भारतीय शिक्षा शोध संस्थान, सरस्वती कुंज, निराला नगर लखनऊ, उत्तर-प्रदेश - 226020	उत्तर प्रदेश	₹1,50,000/-
46.	जर्नल ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग	इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स' एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएलटीएआई), 156, सिडको नगर मेन रोड, विल्लीवक्कम चेन्नई, तमिलनाडु - 600058	तमिलनाडु	₹1,00,000/-
47.	समाजकरण	गुजरात सामाजिक सेवा मंडल, मार्फत एच के आर्ट्स कॉलेज, आश्रम रोड, अहमदाबाद - 380009	गुजरात	₹50,000/-
48.	क्रिस्टु जयंती जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज	क्रिस्टु जयंती कॉलेज, नारायणापुरा क्रॉस, कोथानपुर पोस्ट बेंगलुरु, कर्नाटक - 560077	कर्नाटक	₹55,000/-
49.	जर्नल ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी एंड रिसर्च	इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइज, हैदराबाद, तेलंगाना - 500101	तेलंगाना	₹1,00,000/-
50.	लोकोदर्पण (ए पीयर-रिव्यूड बाइलिंगुअल एनुअल रिसर्च जर्नल ऑफ फोकलोर)	डिपार्टमेंट ऑफ फोकलोर, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, कल्याणी रोड, नादिया, कोलकाता, पश्चिम बंगाल - 741235	पश्चिम बंगाल	
51.	जर्नल ऑफ शिवाजी यूनिवर्सिटी: ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंस	शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर, विद्या नगर, कोल्हापुर महाराष्ट्र - 416004	महाराष्ट्र	₹50,000/-
52.	ट्राइबल स्टडीज: ए जर्नल ऑफ कोट्स	काउंसिल ऑफ एनालिटिकल ट्राइबल स्टडीज (कोट्स), सबारा श्रीक्षेत्र, डी.एन.के. रोड, कोरतपुर, उड़ीसा - 764020	उड़ीसा	₹50,000/-
53.	उस्मानिया पेपर्स इन लिंग्विस्टिक्स	डिपार्टमेंट ऑफ लिंग्विस्टिक्स, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज, उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद, तेलंगाना - 500007	तेलंगाना	₹1,00,000/-
54.	दि इंडियन जियोग्राफिकल जर्नल	दि इंडियन जियोग्राफिकल सोसायटी, केएफआई, राजघाट फोर्ट, वाराणसी, उत्तर प्रदेश - 221001	उत्तर प्रदेश	₹50,000/-

क्र.सं.	पत्रिका का शीर्षक	पत्रिका प्रकाशित करने वाले संगठन/संघ/महाविद्यालय/ विभाग का नाम	राज्य	स्वीकृत अनुदान (₹)
55.	वसंत सहस्रधारा	वसंत कॉलेज फॉर वीमेन, केएफआई, राजघाट फोर्ट वाराणसी, उत्तर प्रदेश - 221001	उत्तर प्रदेश	₹50,000/-
56.	अनुध्यान एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस (एआईजेएसएस)	राजा नरेंद्रलाल खान वीमेन्स कॉलेज गोप प्लेस, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, पश्चिम मिदनापुर पश्चिम बंगाल- 721102	पश्चिम बंगाल	₹50,000/-
57.	आईएसएसआई क्वार्टरली: कंट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोशल साइंस	इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस, मार्फत इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, 256, सेकंड फ्लोर, ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट, फेज-III, नई दिल्ली -110020	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
58.	लोकसंस्कृति	एआरएचआई सोशल एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, मिलानपुर पीओ : नागांव, असम - 782001	असम	₹50,000/-
59.	रिव्यू ऑफ डिवेलपमेंट एंड चेंज	मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज, सेकंड मेन रोड, गांधी नागर, अड्यार, चेन्नई - 600020.	तमिलनाडु	₹1,00,000/-
60.	बीबीआईएमएसआरएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च	भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नवी मुंबई, महाराष्ट्र - 400614	महाराष्ट्र	₹50,000/-
61.	इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स	इंडियन सोसायटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, मार्फत इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, नई दिल्ली- 110020	नई दिल्ली	₹80,000/-
62.	इंडियन जर्नल ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस	रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, केशव सृष्टि, महाराष्ट्र - 401106	महाराष्ट्र	₹3,00,000/-
63.	सीएलएडब्ल्यूएस जर्नल	सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज, आरपीएसओ कॉम्प्लेक्स, परेड ग्राउंड गेट नं. 1, दिल्ली कैट, नई दिल्ली - 110010	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
64.	इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमन डिवेलपमेंट	इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डिवेलपमेंट, ओखला इंडस्ट्रीयल एस्टेट, फेज- III, नई दिल्ली- 110020	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
65.	जीएचजी जर्नल ऑफ सिक्स्थ थॉट	जीएचजी खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गुरुसर साधार, तहसील रायकोट, लुधियाना, पंजाब - 141104	पंजाब	₹50,000/-
66.	खोज-ए पीयर रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोग्राफी	सोफिया गर्ल्स कॉलेज (आटोनोमस), अजमेर	राजस्थान	₹50,000/-
67.	जर्नल ऑफ दि इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट	इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, इंडिया	नई दिल्ली	₹1,00,000/-
68.	एनुअल सर्वे ऑफ इंडियन लॉ	इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली	नई दिल्ली	₹50,000/-
69.	बीएचयू मैनेजमेंट रिव्यू (नो डॉक्स रिसीव्ड)	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी - 221005	उत्तर प्रदेश	₹1,00,000/-
70.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ तमिल लैंग्वेज एंड लिटरेरी स्टडीज (नो डॉक्स रिसीव्ड)	पांडियन एजुकेशनल ट्रस्ट, महेश्वरी पब्लिशर्स, 3/350, वेटरीनरी हॉस्पिटल बैकसाइड, विरुधुनगर-626001 तमिलनाडु - भारत	तमिलनाडु	₹50,000/-
71.	एमएनएलयू नागपुर कंटेम्परेरी लॉ रिव्यू (नो डॉक्स रिसीव्ड)	महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर, महाराष्ट्र - 441108	महाराष्ट्र	₹1,00,000/-
	कुल			₹71,65,000/-

**सामाजिक वैज्ञानिकों के व्यावसायिक संघों/संगठनों को उनके विकास हेतु सहायता प्रदान करने के लिए तदर्थ
वार्षिक सहायता अनुदान (2024-25)**

क्र.सं.	संस्था/संघ का नाम	संस्था/संघ का पता	राज्य	स्वीकृत अनुदान (₹)
1.	रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी	17, चंचल स्मृति, जी.डी. अंबेकर मार्ग, वडाला, मुंबई	महाराष्ट्र	₹3,50,000/-
2.	मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी (एससी)	बाणभट्ट मार्ग, ओप. सेंट्रल स्कूल, उज्जैन (म.प्र.)-456010	मध्य प्रदेश	₹5,00,000/-
3.	सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी)	102, सिल्वर आर्क अपार्टमेंट, 22-फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, नई दिल्ली-110001	नई दिल्ली	₹5,00,000/-
4.	सेंटर फॉर एजुकेशनल एंड सोशल स्टडीज	नं. 6/6, "प्रज्ञानम", 10वां ब्लॉक, सेकेंड स्टेज, नागराभावी, बेंगलुरु - 560072	कर्नाटक	₹5,00,000/-
5.	इंडिया पॉलिसी फाउंडेशन	डी-51, फर्स्ट फ्लोर, हौज खास, नई दिल्ली - 110016	नई दिल्ली	₹5,00,000/-
6.	इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग	पीजेटीएस एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी कैंपस, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद-500030	तेलंगाना	₹2,00,000/-
7.	इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, मुंबई	सी-104, फर्स्ट फ्लोर, सद्गुरु कॉम्प्लेक्स -1, नियर वाघेश्वरी, जन. ए.के. वैद्य मार्ग, गोरेगांव (ई) मुंबई -400063	महाराष्ट्र	₹3,00,000/-
8.	अकादमी ऑफ ग्रासरूट्स स्टडीज एंड रिसर्च ऑफ इंडिया (एजीआरएसआरआई)	प्लॉट नं. 11, श्री वेंकट साई निलयम थुम्मालागुन्टा, एस.वी. यूनिवर्सिटी पी.ओ. तिरुपति, आंध्र प्रदेश -517502	आंध्र प्रदेश	₹4,00,000/-
9.	सेंटर फॉर नॉर्थ ईस्ट स्टडीज	सी-99, ग्राउंड फ्लोर, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली -110065	नई दिल्ली	₹5,00,000/-
10.	दि इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड कल्चर स्टडीज	48/2, डॉ. सुरेश सरकार रोड, कोलकाता-700 014, पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल	₹5,00,000/-
11.	दि इंडियन एंथ्रोपोलॉजिकल सोसायटी	सुखवती भवन, फ्लैट - 2ए, पी-17 डी आशुतोष चौधुरी एवेन्यू, कोलकाता -700019	पश्चिम बंगाल	₹3,00,000/-
12.	इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज	फ्लैट 4बी, मार्लिन टेम्पल टॉवर, 115/1 हाज़रा रोड, कोलकाता -700026	पश्चिम बंगाल	₹3,00,000/-
13.	दि इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई)	मार्फत इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली एनक्वेव, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली -110007	नई दिल्ली	₹2,00,000/-
14.	संशोधन ज्ञान विचार प्रतिष्ठान	संशोधन ज्ञान विचार प्रतिष्ठान मार्फत सहनिष्ठा सोसायटी, सहकारनगर, पार्वती, पुणे - 411 009	महाराष्ट्र	₹4,00,000/-
15.	उत्तरांचल विश्वविद्यालय, प्रेमनगर, देहरादून	देहरादून, उत्तराखंड-248007, भारत	उत्तराखंड	₹4,00,000/-
	कुल			₹58,50,000/-

नॉस्टॉक द्वारा संकलित ग्रंथ सूची

1. अर्पिता गिरि, “क्रॉस बॉर्डर माइग्रेशन: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया नेपाल माइग्रेशन”, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली।
2. अरुण कुमार गोविंदराव हाके, “ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ परफॉर्मेंस ऑफ एमएसआरटीसी एंज्लॉइज विद स्पेशल रेफरेंस नांदेड डिविजन”, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा यूनिवर्सिटी नांदेड, नांदेड।
3. अविनाश कुमार बनसोडे, “लेटेस्ट ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजीज इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस”, श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबरेवाला यूनिवर्सिटी, राजस्थान।
4. चंदन दास, “कॉग्निटिव एबिलिटीज, साइकोलॉजिकल वेल-बीइंग एंड अचीवमेंट्स ऑफ ट्राइबल लर्नर्स एट हायर सेकेंडरी लेवल इन वेस्ट बंगाल”, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पोंडिचेरी।
5. चित्रा सरुपरिया, “फाइनेंशियल इन्क्लूजन एंड वीमेन एम्पावरमेंट फॉर विकसित भारत”, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर।
6. चित्रा सरुपरिया, “ग्रीन फाइनेंस”, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर।
7. चित्रा सरुपरिया, “सोलर एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी, पीएम कुसुम योजना”, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर।
8. डेस्टिमोना प्रामाणिक, “कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड डिजिटल कंपीटेंस अमंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
9. ललिता राणा, “दिल्ली मास्टर प्लान: द सक्सेसिव फेज ऑफ लैंड यूज डिवेलपमेंट: एन असेसमेंट (2001-21)”, शिवाजी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली।
10. प्राची पंवार, “अवेयरनेस एंड एक्सेप्टेंस एबाउट ट्रांसजेंडर अमंग टीचर एजुकेटर्स एंड टीचर ट्रेनीज”, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पोंडिचेरी।
11. रविन्द्र कुमार, “डिवेलपिंग सोशल, इमोशनल एंड कोलेबोरेटिव स्किल्स थ्रू कल्चरली रिस्पॉन्सिव इंस्ट्रक्शन्स अमंग मिडल स्कूल स्टूडेंट्स”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
12. सार्थिक दास, “एक्सप्लोरिंग दि रिलेशन बिटवीन टेक्नोफेरेंस एंड स्कूल एलिमेंशन”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
13. सतीश कुमार, “परसेप्शंस ऑफ लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप्स: ए कॉम्प्रीहेंसिव स्टेकहोल्डर एनालिसिस”, कलिंगा यूनिवर्सिटी, रायपुर।
14. सुचन्द्रिका हाजरा, “एकेडमिक प्रोक्रास्टिनेशन एंड फबिंग बिहेवियर ऑफ दि स्टूडेंट्स विद डिफरेंट पर्सनलिटी ट्रेट्स”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
15. सुनील प्रशांत ठाकुर, “मेंटल हेल्थ चैलेंज अमंग कॉम्पिटिटिव एग्जाम एस्पीरेंट्स”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, केरल।
16. सुसांता राजवंशी, “परसेप्शन ऑफ स्टेकहोल्डर्स टूवर्ड्स च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम इन हायर एजुकेशन: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
17. त्रिशा बनर्जी, “इफेक्ट ऑफ कॉग्निटिव लोड थियरी मोड्यूल ऑन मैथ सेल्फ-एफिकेसी, मैथमेटिक्स अचीवमेंट एंड कॉग्निटिव लोड ऑफ मिडल स्कूल स्टूडेंट्स”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, बिहार।
18. अमर कुमार, “भू-राजनीतिक रूप से चीन की स्ट्रिंग आफ पल्स नीति का भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव”, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश।
19. अमृता चंदू. सुनकेकर, “ग्रामीण गृहनिर्माण विकासात प्रधानमंत्री आवास योजनेची भूमिका- विशेष संदर्भ नांदेड

जिल्हा”, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा यूनिवर्सिटी नांदेड,
नांदेड।

20. **सिद्धार्थ डी. मेनन**, “स्वतंत्रता संग्राम और विभाजन की विभीषिका और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का योगदान : एक अध्ययन”, सत्यवती कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने तथा विदेश में डेटा संकलन हेतु शोधकर्ताओं/संकायों को प्रदत्त वित्तीय सहायता

विदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी
के लिए अनुमोदित प्रस्ताव

(सामान्य वर्ग)

- मिथिला बगई, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली “चैलेंजेज एंड न्यू डायरेक्शन्स इन मल्टी-लेवल गवर्नेंस: आईपीएसए 75वां एनिवर्सरी कॉन्फ्रेंस” मॉनट्रियल, कनाडा में 25-26 अप्रैल 2024 तक।
- तीर्थकर घोष, श्री श्री यूनिवर्सिटी, कटक, उड़ीसा “34वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑन ओक्युपेशनल हेल्थ (आईसीओएच 2024)” मरकिश, मोरोक्को में 28 अप्रैल से 3 मई 2024 तक।
- अरविंद कुमार पाल, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश “9वां वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन” कोलम्बो, श्रीलंका में 9-10 मई 2024 तक।
- सुभाष डिसूजा, ध्यानदीप मंडल सेंट. जोसेफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, पालघर, महाराष्ट्र “इस्तान्बुल एनुअल इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक्स, बिजनेस, टेक्नोलॉजी एंड सोशल साइंसेज-2024” इस्तान्बुल, तुर्की में 11-12 मई 2024 तक।
- अनुज गोयल, शहीद भगत सिंह कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “11वां इंटरनेशनल कम्युनिकेशन डेज, डिजिटल इनेक्वालिटी एंड डाटा कॉलोनियलिज्म सिम्पोजियम” इस्तान्बुल, तुर्की में 15-17 मई 2024 तक।
- योगम्बर सिंह फर्सवान, डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर एंड आर्कियोलॉजी, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड, “44वां इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन आर्कियोमेट्री (आईएसए)” मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया में 27-31 मई 2024 तक।
- सुमन खर्ब, गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, गुरुग्राम, हरियाणा, “वर्ल्ड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशन कांग्रेस 2024” लंदन, यूके में 10-13 जून 2024 तक।
- हेमांगो अक्षय हिवाले, सेंट. एंथोनीज कॉलेज, शिलोंग, मेघालय, “2024 आरएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्लोबल चैलेंजेज, रिजनल कोलाबोरेशन एंड दि रोल ऑफ प्लेसेस” फ्लोरेंस, इटली में 11-14 जून 2024 तक।
- शिल्पा नंदी, खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “22वीं एनुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल स्टडीज” एथेंस, ग्रीस में 17-20 जून 2024 तक।
- शांतेश कुमार सिंह, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “एकन्स एनुअल मीटिंग” टोक्यो, जापान में 20-22 जून 2024 तक।
- डॉ. सीमा रानी, इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “21वीं एनुअल मीटिंग ऑफ दि एशिया ओशनिया जियोसाइंसेज सोसायटी (एओजीएस2024)” प्योंगचांग-गुन, साउथ कोरिया में 23-28 जून 2024 तक।
- मनीष, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “25वां बाइनियल एशियन स्टडीज एसोसिएशन ऑफ आस्ट्रेलिया कॉन्फ्रेंस” पर्थ, आस्ट्रेलिया में 1-4 जुलाई 2024 तक।
- ब्यासदेब दासगुप्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, नादिया, पश्चिम बंगाल, “18वां एनुअल इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनोमिक थियोरी, पॉलिसी एंड एप्लिकेशन्स” एथेंस, ग्रीस में 1-4 जुलाई 2024 तक।

14. मोहम्मद शोएब, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “7वां डब्ल्यूआईएससी ग्लोबल इंटरनेशनल स्टडीज कॉन्फ्रेंस” वारसा, पोलैंड में 24-26 जुलाई 2024 तक।
15. वंदना शर्मा, जाकिर हुसैन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “XXV वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ फिलोसोफी” रोम, इटली में 1-8 अगस्त 2024 तक।
16. सार्थक अगरवाल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “रॉयल इकोनोमिक सोसायटी आरईएस एनुअल कॉन्फ्रेंस” बेलफास्ट यूके, में 25-27 मार्च 2024 तक।
17. पंकज रावत, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “ब्रिटिश फॉर्म फॉर इथनोम्यूजिकोलॉजी एंड इंटरनेशनल काउंसिल फॉर ट्रेडीशनल म्यूजिक एंड डांस आइरिश चैप्टर जॉइंट एनुअल कॉन्फ्रेंस” कॉर्क, आयरलैंड में 4-7 अप्रैल 2024 तक।
18. ऋषभ दत्ता, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “सेकंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रांसलेशन एंड कल्चरल सस्टेनेबिलिटी: चैलेंजेज एंड न्यू एवेन्यूज” सलामेंस स्पेन में 17-19 अप्रैल 2024 तक।
19. मिलन दास, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “पीए 2024 एनुअल मीटिंग” कोलम्बस, यूएसए में 17-20 अप्रैल 2024 तक।
20. प्रतीति चौधरी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, “क्रिप किड लिट: क्रिटिकल एप्रोचेज टू डिसेम्बिलिटी इन चिल्ड्रेन्स एंड यंग एडल्ट लिटरेचर एंड मीडिया” कैब्रिज, यूके में 19-20 अप्रैल 2024 तक।
21. कृष्ण तखर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “सेवेंथ एनुअल साउथ एशिया कॉन्फ्रेंस” डबलिन, आयरलैंड में 24-26 अप्रैल 2024 तक।
22. आयुषी बेंगानी, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन अर्बन अफेयर्स” न्यूयॉर्क, यूएसए में 24-27 अप्रैल 2024 तक।
23. रिया भट्टाचार्य, इंस्टीट्यूशन फॉर सोशल एंड इकोनोमिक चेंज, बेंगलुरु, कर्नाटक, “चैलेंजेज एंड न्यू डायरेक्शन्स इन मल्टी-लेवल गवर्नेंस: आईपीएसए 75वां एनिवर्सरी कॉन्फ्रेंस” मॉन्ट्रियल, कनाडा में 25-26 अप्रैल 2024 तक।
24. विश्वदीप सिंह, सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इन्क्लूसिव पॉलिसी, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, पंजाब, “चैलेंजेज एंड न्यू डायरेक्शन्स इन मल्टी-लेवल गवर्नेंस: आईपीएसए 75वां एनिवर्सरी कॉन्फ्रेंस” मॉन्ट्रियल, कनाडा में 25-26 अप्रैल 2024 तक।
25. शिबू दास, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन माइग्रेसन एज ए मल्टी-साइटेड फिनोमेनन : माइग्रेंट सिलेक्शन एंड दि आउटकम्स ऑफ माइग्रेसन” मैड्रिड, स्पेन में 25-26 अप्रैल 2024 तक।
26. बबिता बालोडी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली, “9वां स्टॉकहोम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ रिसर्च इन वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग” स्टॉकहोम, स्वीडन में 14-16 मई 2024 तक।
27. अवनीश पाल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मंडी, हिमाचल प्रदेश, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर (पीएसए) 2024 एनुअल मीटिंग” सिंगापुर में 16-17 मई 2024 तक।
28. मोसलेम होसैन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, “थर्ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि जर्नल “स्कुओला डेमोक्रेटिका”, कैलियारी, इटली में 3-6 जून 2024 तक।
29. हिमांशु जैसवाल, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई, महाराष्ट्र, “27वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन ग्लोबल इकोनोमिक एनालिसिस” कोलिंग्स, कोलोराडो, यूएसए में 5-7 जून 2024 तक।
30. हर्षा शर्मा, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “लर्निंग लाइफ, वर्क-सैन फ्रांसिस्को कॉन्फ्रेंस” सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में 10-12 जून 2024 तक।
31. दीक्षा रानी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “वर्ल्ड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशन कांग्रेस 2024” लंदन, यूके में 10-13 जून 2024 तक।
32. आकाश श्रीनिवास, सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी आर्कियोलॉजिकल रिसर्च, अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, “सेमियो स्पाफा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साउथईस्ट एशियन आर्कियोलॉजी एंड फाइन आर्ट्स” बैंकाक, थाईलैंड में 10-14 जून 2024 तक।
33. कैरोल विल्सन, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “पोलेन2024 कॉन्फ्रेंस” लुंड, स्वीडन में 10-12 जून 2024 तक।

34. नेहा श्री, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेजेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “यूरोपियन पॉपुलेशन कॉन्फ्रेंस 2024” स्कॉटलैंड, यूके में 12-15 जून 2024 तक।
35. सुजॉय पाल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “दि यूरोपियन पॉपुलेशन कॉन्फ्रेंस (ईपीसी)” स्कॉटलैंड, यूके में 12-15 जून 2024 तक।
36. चंदन राय, मिजोरम यूनिवर्सिटी, आईजोल, मिजोरम, “सिंगापुर इंटरनेशनल वाटर वीक 2024” सिंगापुर में 18-22 जून 2024 तक।
37. गौरी खन्ना, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, “क्रिटिकल यूनिवर्सिटी स्टडीज कॉन्फ्रेंस 2024” हांगकांग में 19-21 जून 2024 तक।
38. तपस डे, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेजेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “डबल्यूएफआरएनएस 2024 कॉन्फ्रेंस” मॉन्ट्रियल, कनाडा में 19-22 जून 2024 तक।
39. चंद्रमोले मोदगिल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “36वां सीआईएचए वर्ल्ड कांग्रेस-ल्योन 2024” ल्योन, फ्रांस में 23-28 जून 2024 तक।
40. प्रसेनजीत बारिक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी, असम, “डीएसए 2024: सोशल जस्टिस एंड डेवलपमेंट इन ए पोलराइजिंग वर्ल्ड” लंदन, यूके में 26-28 जून 2024 तक।
41. परिष्मिता काकाती, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ट्वेंटी-सेकेंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन न्यू डायरेक्शन्स इन दि ह्यूमैनिटीज” रोम, इटली में 26-28 जून 2024 तक।
42. प्रिया धवन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, “33वां यूरोपियन फाइनेंशियल मैनेजमेंट एसोसिएशन (ईएफएमए) एनुअल कॉन्फ्रेंस” लिस्बन, पुर्तगाल में 26-29 जून 2024 तक।
43. अभिषेक आनंद, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेजेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “यूहेआ कॉन्फ्रेंस 2024” विएना, आस्ट्रिया में 30 जून से 3 जुलाई 2024 तक।
44. कंगकाना शिवम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी, असम, “ईएसएसटी-4एस 2024 एम्सटर्डम: मेकिंग एंड डूइंग ट्रांसफॉर्मेशन” एम्सटर्डम, नीदरलैंड में 16-19 जुलाई 2024 तक।
45. देवांशी ठाकुर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
46. विनीत कुमार, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
47. महेश्वेता चक्रवर्ती, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
48. मधुरिमा शर्मा, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “एजिंग एंड सोशल चेंज: फोर्टीथ इंटरडिसिप्लिनरी कॉन्फ्रेंस” गलवे, आयरलैंड में 19-20 सितंबर 2024 तक।
49. अरात्रिका राय चौधरी, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक्स, फाइनेंस एंड बिजनेस” पेरिस, फ्रांस में 3-5 जून 2023 तक।
50. पूजा कलबालिया, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, कर्नाटक, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर कॉन्फ्रेंस कमेटी” सिंगापुर में 16-17 मई 2024 तक।
51. ईशा गुप्ता, रामानुजन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “वर्ल्ड कांग्रेस फॉर सोशल इकोनॉमिक्स” मैसाचुसेट्स, बोस्टन, यूएसए में 5-6 जून 2024 तक।
52. सितारा बालन वी., गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन, तिरुवनंतपुरम, केरल, “XXV वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ दि इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर होम इकोनॉमिक्स (आईएफएचई)” गलवे, आयरलैंड में 23-28 जून 2024 तक।
53. शर्मिष्ठा मलिक, कमला नेहरू कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “इंटर-डिसिप्लिनरी बांडीज कॉन्फ्रेंस” लंदन, यूके में 25-27 जून 2024 तक।
54. अमनजीत कौर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश, “पीएलईए 2024” ब्रोकलॉ, पोलैंड में 25-28 जून 2024 तक।
55. अरविंद श्रॉफ, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “33वां यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन आपरेशनल रिसर्च (यूरो 2024)” कोपेनहेगन, डेनमार्क में 30 जून से 3 जुलाई 2024 तक।

56. कनिका आर्य, स्कूल ऑफ क्रिएटिव स्टडीज़, डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी, मुंबई, “आईएमसीआर क्राइस्टचर्च 2024” क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड में 30 जून से 4 जुलाई 2024 तक।
57. सृजिता गुप्ता, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज़, बैंगलोर, कर्नाटक, “9वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बिहेवियरल एडिक्शन्स आईसीबीए 2024” जिब्राल्टर, यूके में 8-10 जुलाई 2024 तक।
58. हेमायूं अख्तर नज़मी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, “14वां एनुअल गल्फ रिसर्च मीटिंग (जीआरएम) 2024” कैंब्रिज, यूके में 9-11 जुलाई 2024 तक।
59. सुनिता सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “कॉन्फ्रेंस ऑन दि इंटरनेशनल पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ लेबोर माइग्रेशन” डुइसबर्ग, जर्मनी में 18-20 जुलाई 2024 तक।
60. नम्रता, मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल, मध्य प्रदेश, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी-आईसीपी 2024” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
61. सुनैना के., कन्नूर यूनिवर्सिटी, कन्नूर, केरल, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी-आईसीपी 2024” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
62. आकांक्षा चौरसिया, वसंता कॉलेज फॉर वीमेन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी-आईसीपी 2024” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
63. डॉ. वैशाली कृष्णा, सेंटर फॉर रशियन एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज़, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “7वां डब्ल्यूआईएससी ग्लोबल इंटरनेशनल स्टडीज़ कॉन्फ्रेंस” वारसा, पोलैंड में 25-26 जुलाई 2024 तक।
64. डॉ. जैरू निशा, असिस्टेंट प्रोफेसर, रामानुजन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “25वां वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ फिलोसोफी” रोम, इटली में 1-8 अगस्त 2024 तक।
65. उर्वशी शर्मा, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “13वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ दि ग्लोबल इकोनॉमी (आरओजीई) 2024-प्रमोटिंग सस्टेनेबिलिटी” ओक्सफोर्ड, यूके में 5-6 अगस्त 2024 तक।
66. गोपाल कृष्णा गौड़ा, XIM यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “84वां एनुअल मीटिंग ऑफ दि अकादमी ऑफ मैनेजमेंट” शिकागो, यूएसए में 9-13 अगस्त 2024 तक।
67. सुमा उप्पलुरी, श्री सत्य साई इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, “84वां एनुअल मीटिंग ऑफ दि अकादमी ऑफ मैनेजमेंट” शिकागो, यूएसए में 11-13 अगस्त 2024 तक।
68. शिवानी मिश्रा, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, विद्यानगर, आनंद, गुजरात, “8वां इंटरनेशनल एकेडमिक कॉन्फ्रेंस ऑन रिसर्च इन सोशल साइंसेज़” ओक्सफोर्ड, यूके में 23-25 अगस्त 2024 तक।
69. कंवलजीत विर्दी, केवीए डीएवी कॉलेज फॉर वीमेन, करनाल, हरियाणा, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
70. नारायण चंद्र जना, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
71. प्रभाकर निषाद, डीएवी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, सिवान, बिहार, “35 इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
72. अब्दुल शबन, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, मुंबई, महाराष्ट्र, “आरजीएस-आईबीजी एनुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2024” लंदन, यूके में 27-30 अगस्त 2024 तक।
73. जगमहेन्द्र सिंह सेहरावत, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, “30वां एनुअल मीटिंग ऑफ यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ आर्कियोलॉजी” रोम, इटली में 28-31 अगस्त 2024 तक।
74. गुरविंदर कौर, माता सुन्दरी कॉलेज फॉर वीमेन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “बीएम 2024 कॉन्फ्रेंस” नॉटिंघम, यूके में 2-6 सितंबर 2024 तक।
75. रूपल अरोरा, गार्गी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “4वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉरपोरेट गवर्नेंस, रिस्पॉन्सिबिलिटी, एंड दि इंस्टीट्यूशनल डायवर्सिटी ऑफ कैपिटलिज्म: टूवर्ड्स ए ग्लोबल डायलॉग” लंदन, यूके में 11-13 सितंबर 2024 तक।

76. मनीष कुमार शर्मा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “2024 आरसीईए इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक्स, इकोनोमेट्रिक्स एंड फाइनेंस” लंदन, यूके में 20-22 मई 2024 तक।
77. तान्या द्विवेदी, मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल, मध्य प्रदेश, “ईयूएसपीआरआई 2024 फॉर्म कॉन्फ्रेंस” ट्वेन्टी, द नीदरलैंड्स में 4-7 जून 2024 तक।
78. एनजी सौरव सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी, असम, “पोलेन2024 कॉन्फ्रेंस” लुंड, स्वीडन में 10-12 जून 2024 तक।
79. शिफा शाहिन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “31st एनुअल ग्लोबल फाइनेंस कॉन्फ्रेंस” सार्दीनिया, इटली में 18-20 जून 2024 तक।
80. जिज्ञासा शांडिल्य, आईआईटी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, “4वां डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस 2024” लिनकॉन, यूके में 24-26 जून 2024 तक।
81. हर्षिता तालुकदार, तेज़पुर यूनिवर्सिटी, असम, “5वां यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर फोरेंसिक एंड लीगल लिंग्विस्टिक्स (आईएएफएलएल)” बर्मिंघम, यूके में 24-27 जून 2024 तक।
82. अफरोज जहां, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “इंटर-डिसिप्लिनरी बांडीज कॉन्फ्रेंस” लंदन, यूके में 25-27 जून 2024 तक।
83. अदिति बर्मन रॉय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “इंटर-डिसिप्लिनरी बांडीज कॉन्फ्रेंस” लंदन यूके, में 25-27 जून 2024 तक।
84. ज्योति दास, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज़, मुंबई, महाराष्ट्र, “यूहेआ कॉन्फ्रेंस 2024” विएना, आस्ट्रिया में 30 जून से 3 जुलाई 2024 तक।
85. निशिथा जैन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली, दिल्ली, “17वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एनडीएम” ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में 1-5 जुलाई 2024 तक।
86. रवि रोशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “9वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन न्यू बिजनेस मॉडल्स” मोंट्रागन यूनिवर्सिटी, स्पेन में 3-5 जुलाई 2024 तक।
87. सुजाता पटेल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पटना, बिहार, “चिल्ड्रेन्स हिस्ट्री सोसायटीज़ 2024 कॉन्फ्रेंस” न्यूकास्टल, यूके में 4-6 जुलाई 2024 तक।
88. नवनीथम पी, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी, “2024 इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर रिलेशनशिप रिसर्च कॉन्फ्रेंस” बोस्टन, यूएसए में 5-9 जुलाई 2024 तक।
89. हार्दिक मलिक, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “2024 आईसीओएन-एस एनुअल कॉन्फ्रेंस” मैड्रिड, स्पेन में 8-10 जुलाई 2024 तक।
90. नबनिता हज़ारिका, असम यूनिवर्सिटी, सिल्चर, असम, “सिंगापुर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल एंड इनोवेटिव प्रैक्टिस इन मैनेजमेंट, साइंस, लॉ, ह्यूमैनिटीज़, इंजीनियरिंग एंड हायर एजुकेशन (एसआईपीएमएस-2024)” सिंगापुर में 11-12 जुलाई 2024 तक।
91. मोहित कुमार पांडे, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस, मुंबई, महाराष्ट्र, “दि यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन एजिंग एंड जेरोटोलॉजी (एगोन 2024)” लंदन, यूके में 11-15 जुलाई 2024 तक।
92. श्रावणी बनर्जी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “दि यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़ (ईसीएच2024)” लंदन, यूके में 11-15 जुलाई 2024 तक।
93. गुंजन कुमारी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फारैन ट्रेड, कोलकाता, “3वां एशियन इकोनॉमिक डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस” सियोल, रिपब्लिक ऑफ कोरिया में 13-14 जुलाई 2024 तक।
94. स्वागत घोष, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान, “इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग एंड एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (इस्कसेट 2024)” लॉबश, जर्मनी में 17-19 जुलाई 2024 तक।
95. शिवानी मणि, मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
96. अंजली मलिक, पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।

97. आकांक्षा भारती, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
98. शशि कांत शर्मा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “दि एपीआरआईए 2024 एनुअल कॉन्फ्रेंस” विंएंटिएन, लाओस में 28-31 जुलाई 2024 तक।
99. सौम्य दत्ता, शैलेश जे मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र, “एनुअल मीटिंग ऑफ अकादमी ऑफ मैनेजमेंट” शिकागो, यूएसए में 9-13 अगस्त 2024 तक।
100. दिलवार हुसैन, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “जॉइंट कॉन्फ्रेंस ऑफ आईएसईएच आईसीईपीएच एंड आईएसईजी” गलवे, आयरलैंड में 11-18 अगस्त 2024 तक।
101. रजनीश यादव, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, “8वां इंटरनेशनल एकेडमिक कॉन्फ्रेंस ऑन मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स” ओक्सफोर्ड यूके में 23-25 अगस्त 2024 तक।
102. श्रुति मेहता, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
103. मासूम रेजा, कुमाऊन यूनिवर्सिटी, नैनीताल, उत्तराखंड, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
104. स्नेहा सहा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “35 इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
105. आकांक्षा खड्से, पीडीईएस बाबूरावजी घोलप कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स, पुणे, महाराष्ट्र, “ईएसएसई कॉन्फ्रेंस 2024” लॉसन, स्विट्जरलैंड में 26-30 अगस्त 2024 तक।
106. अंकिता नंदी, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, “जॉइंट एशिया कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस एंड इकोनॉमिक स्टडीज” बाली, इंडोनेशिया में 28-30 अगस्त 2024 तक।
107. निधि अग्रवाल, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, “जॉइंट एशिया कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस एंड इकोनॉमिक स्टडीज” बाली, इंडोनेशिया में 28-30 अगस्त 2024 तक।
108. गीता राउत, गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ब्रिटिश अकादमी ऑफ मैनेजमेंट 2024 कॉन्फ्रेंस” नॉटिंगहम, यूके में 2-6 सितंबर 2024 तक।
109. द्विकल अरोरा, गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ब्रिटिश अकादमी ऑफ मैनेजमेंट 2024 कॉन्फ्रेंस” नॉटिंगहम, यूके में 2-6 सितंबर 2024 तक।
110. तनिशा भादुड़ी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गांधीनगर, गुजरात, “दि एनुअल ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज (बीएसएसएस) कॉन्फ्रेंस” लंदन, यूके में 9-11 सितंबर 2024 तक।
111. अंशित बक्शी, कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, मुंबई, महाराष्ट्र, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन चिल्ड्रन्स राइट्स: टेकिंग स्टॉक, प्लगिंग गैप्स एंड लीवरेजिंग एमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज” केप टाउन, साउथ अफ्रीका में 10-11 सितंबर 2024 तक।
112. स्वराली सहस्रबुधे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “17वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि यूरोमेड अकादमी ऑफ बिजनेस (ईएमएबी) ऑन ग्लोबल बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन इन ए टर्बुलेंट इरा” पीसा, इटली में 11-13 सितंबर 2024 तक।
113. प्रज्ञा तनेजा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “ईएपीएस एचएमएमडबल्यूजी एनुअल मीटिंग” बिलबाओ, स्पेन में 25-27 सितंबर 2024 तक।
114. अवधेश कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “दि इस्वा 2024 वर्ल्ड कांग्रेस एट केप टाउन”, साउथ अफ्रीका में 15-18 सितंबर 2024 तक।
115. बृज मोहन, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “26वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट (ईएसएए)” लेइपजिग, जर्मनी में 16-20 सितंबर 2024 तक।
116. डी. डी. चौनियाल, नित्या नंद हिमालयन रिसर्च एंड स्टडी सेंटर, दून यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, “जियोलाजिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका (जीएसए) कनेक्ट्स 2024 कॉन्फ्रेंस” कैलिफोर्निया, यूएसए में 22-25 सितंबर 2024 तक।
117. आर. सेंधिल, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी (ए सेंट्रल यूनिवर्सिटी), “पोंडिचेरी, 3वां इंटरनेशनल व्हीट कांग्रेस” पर्थ, आस्ट्रेलिया में 22-27 सितंबर 2024 तक।

118. नियथी आर कृष्णा, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलपमेंट, चंडीगढ़, “2024- एटर्जेंडर कॉन्फ्रेंस” उत्रेचत यूनिवर्सिटी, उत्रेचत, नीदरलैंड में 27-29 सितंबर 2024 तक।
119. रीना रागी, आर्यभट्ट कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “दि वर्कशॉप ऑन “कंसोसिएशनल डेमोक्रेसी: दि एंड ऑफ एन ईरा” यूनिवर्सिटी ऑफ बेलफास्ट, नॉर्थन आयरलैंड, यूके में 17-18 अक्टूबर 2024 तक।
120. अंगशुमन कर, यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, बर्दवान, पश्चिम बंगाल, “4वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ थैनेटिक एथिक्स” पेरिस, फ्रांस में 17-19 अक्टूबर 2024 तक।
121. रुहीला हसन शेख, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पुलवामा, जम्मू कश्मीर, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एशियन कांग्रेस फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन”, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2024 तक।
122. सुरेश कुमार पात्रा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “19वां इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑफ दि ईस्ट एशियन इकोनोमिक एसोसिएशन” बैंकोक, थाईलैंड में 1-2 नवंबर 2024 तक।
123. आर. अर्जुन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, “वर्ल्ड नियोलिथिक कांग्रेस-2024” सलीउर्फा, तुर्की में 4-8 नवंबर 2024 तक।
124. प्रकाश चांद कंदपाल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “2024 एएपीए-ईआरओपीए-एजीपीए-आईएपीए जॉइंट कॉन्फ्रेंस” योग्यकर्ता, इंडोनेशिया में 5-7 नवंबर 2024 तक।
125. सबीहा मजीद, जीसस एंड मेरी कॉलेज, नई दिल्ली, “मिड-अटलांटिक पॉप्युलर एंड अमेरिकन कल्चर एसोसिएशन (एमएपीएसीए) एनुअल कॉन्फ्रेंस” 2024 अटलांटिक सिटी, यूएसए में 7-9 नवंबर 2024 तक।
126. संगीता भट्टाचार्य, आईसीएआर-सेंट्रल साइट्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर, महाराष्ट्र, “15वां इंटरनेशनल साइट्स कांग्रेस 2024 (आईसीसी 2024)” जेजू, साउथ कोरिया में 10-15 नवंबर 2024 तक।
127. अमीत परमेश्वरन, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “लेबरहुल्मे कॉन्फ्रेंस: परफॉर्मिंग साइट्स ऑफ डिक्लोरिनियल एंटीगलमेंट: हिस्ट्री, पॉलिटिक्स, एंड कल्चरल प्रैक्टिस” लंदन, यूके में 7-12 नवंबर 2024 तक।
128. मल्लारिका सिन्हा रॉय, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “लेबरहुल्मे कॉन्फ्रेंस: परफॉर्मिंग साइट्स ऑफ डिक्लोरिनियल एंटीगलमेंट: हिस्ट्री, पॉलिटिक्स, एंड कल्चरल प्रैक्टिस” लंदन, यूके में 7-12 नवंबर 2024 तक।
129. मनोज सिंह राना, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गांधीनगर, “गुजरात, डिजिटल ह्यूमैनिटीज कांग्रेस 2024” यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड, साउथ यॉर्कशायर, इंग्लैंड में 4-5 सितंबर 2024 तक।
130. अनूप कुमार शर्मा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रूड़की, उत्तराखंड, “19वां एसडीईडब्ल्यूईएस कॉन्फ्रेंस रोम 2024” रोम, इटली में 8-12 सितंबर 2024 तक।
131. दीकोंडा शालिनी, ओस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ साउथ एशियन स्टडीज़ एनुअल कॉन्फ्रेंस 2024” लंदन, यूके में 9-11 सितंबर 2024 तक।
132. सौरभ सिंह, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “ब्रिटिश सोसायटी फॉर पॉपुलेशन स्टडीज़ 2024 कॉन्फ्रेंस” यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, यूके में 9-11 सितंबर 2024 तक।
133. द्विकल गुरुमायूम, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ साउथ एशियन स्टडीज़ एनुअल कॉन्फ्रेंस 2024” लंदन, यूके में 9-11 सितंबर 2024 तक।
134. अयंतिका भट्टाचर्जी, हेमावती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी, श्रीनगर, उत्तराखंड, “4वां आईएसए आरसी48 पीएचडी वर्कशॉप” कैटानिया, इटली में 12-13 सितंबर 2024 तक।
135. भारत सिंह, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, “एसआईएसपी 2024- एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इटालियन सोसायटी ऑफ पॉलिटिकल साइंस” ट्रिएस्टे, इटली में 12-14 सितंबर 2024 तक।
136. अनुप्रिया कुमारी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “इंटरनेशनल रिसर्च स्कोलर कॉन्फ्रेंस ऑन थिंकिंग कॉन्फ्लिक्ट एंड रेसिलिएंस इन सोसायटी” यूनिवर्सिटी ऑफ पाड्यूबिस, चेक रिपब्लिक में 16-18 सितंबर 2024 तक।
137. दिव्या हिमांशी मिश्रा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “26वां कॉन्फ्रेंस ऑफ दि यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट” लेइपज़िंग, जर्मनी में 16-20 सितंबर 2024 तक।

138. निकिता, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “26वां कॉन्फ्रेंस ऑफ दि यूरोपियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट” लेइपज़िंग, जर्मनी में 16-20 सितंबर 2024 तक।
139. अनुज गौतम,, महर्षि मार्कंडेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, महर्षि मार्कंडेश्वर डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी, अंबाला, हरियाणा, “15वां आईएफएसडीए इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस” गॉटिंगन, जर्मनी में 17-19 सितंबर 2024 तक।
140. भावना तनेजा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “एएचईएस कॉन्फ्रेंस 2024” सिडनी, आस्ट्रेलिया में 18-20 सितंबर 2024 तक।
141. मो. ज़मीर अनवर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधी नगर, गुजरात, “जिप्सी लोर सोसायटी एनुअल मीटिंग एंड कॉन्फ्रेंस ऑन रोमानी स्टडीज़” सोफिया, बुल्गारिया में 25-28 सितंबर 2024 तक।
142. मनीष चौहान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर, उत्तर प्रदेश, “दि वर्ल्ड एट ए टर्निंग पॉइंट: कोर्नेल कॉन्फ्रेंस ऑन डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स एंड लॉ” एनवाई, यूएसए में 3-5 अक्टूबर 2024 तक।
143. उबैश मोन सी.पी., पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी, “46वां आईएटीयूआर कॉन्फ्रेंस” यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, कोफू, ग्रीस में 7-9 अक्टूबर 2024 तक।
144. अभिज्ञान प्रीतम सरमा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पटना, बिहार, “प्लेसहोल्डर्स इन ईस्ट एंड वेस्ट कॉन्फ्रेंस” ट्यूबिंगेन, जर्मनी में 9-11 अक्टूबर 2024 तक।
145. आकाशदीप रॉय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे, महाराष्ट्र, “पाथवेज यूरोप कॉन्फ्रेंस 2024” कॉडोबा, स्पेन में 13-16 अक्टूबर 2024 तक।
146. दीपांशी अरोरा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली, “2024 फाइनेंशियल मैनेजमेंट एसोसिएशन एनुअल मीटिंग” टेक्सास, यूएसए में 16-19 अक्टूबर 2024 तक।
147. मोहई मेनुल बिस्वास, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंस, मुंबई, महाराष्ट्र, “10वां एनुअल सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस” वाशिंगटन डीसी, यूएसए में 18-20 अक्टूबर 2024 तक।
148. अर्जुन आनंद, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “4वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडीजीनस नोलेज सिस्टम्स एंड प्रैक्टिस” केप टाउन, साउथ अफ्रीका में 22-24 अक्टूबर 2024 तक।
149. तनू दीक्षित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “19वां इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑफ दि ईस्ट एशियन इकोनोमिक एसोसिएशन” बैंकोक, थाईलैंड में 1-2 नवंबर 2024 तक।
150. राजकुमार जैकसन सिंह, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजिकल यूनिन कांग्रेस 2024” जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका में 11-15 नवंबर 2004।
151. शुभोजित शॉ, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन अर्बन हेल्थ (आईसीयूएच 2024)” मरकिश, मोरोक्को में 18-21 नवंबर 2024 तक।
152. ऐश्वर्या शर्मा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईईपीए), नई दिल्ली, “2024 कॉन्फ्रेंस ऑफ कंपरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ होंग-कॉंग (सीईएसएचके)” यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, हांगकांग में 22-24 नवंबर 2024 तक।
153. शिवा कांत दुबे, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “4वां मेडिटरेनियन जियोसाइंसेज यूनिन एनुअल मीटिंग” कैटालोनिया, स्पेन में 25-28 नवंबर 2024 तक।
154. प्रीति शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “दि एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन एजुकेशन (एसीई 2024)” टोक्यो, जापान में 25-29 नवंबर 2024 तक।
155. डेजी बर्मन, गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, बेंगलुरु, कर्नाटक, “दि आस्ट्रेलियन सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन” पर्थ, आस्ट्रेलिया में 26-30 नवंबर 2024 तक।
156. रीना मारवाह, जीसस एंड मेरी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “डायलोगो: फिलिपीन स्टडीज़ गोज ग्लोबल, 2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फिलिपीन स्टडीज़” फिलिपीन्स में 27-29 नवंबर 2024 तक।
157. दीपा सिंहल, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली, “18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेबोमेट्रिक्स, इन्फॉर्मेट्रिक्स एंड साइंटोमेट्रिक्स (डब्ल्यू आईएस) एंड 23वां कॉलनेट मीटिंग” स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में 12-14 दिसंबर 2024 तक।
158. हेमंत शर्मा, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, “कॉलनेट 2024: 18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

- ऑन वेबोमेट्रिक्स, इन्फोर्मेट्रिक्स एंड साइंटोमेट्रिक्स (डबल्यूआईएस) एंड 23वां कॉलनेट मीटिंग” स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में 12-14 दिसंबर 2024 तक।
159. हितेशकुमार ठक्कर, सेंटर फॉर दि एम्पिरिकल एंड एप्लाइड रिसर्च इन लॉ एंड इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज़, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, “दि 20वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इटालियन सोसायटी ऑफ लॉ एंड इकोनॉमिक्स (एसआईडीई)” रोम, इटली में 18-20 दिसंबर 2024 तक।
160. वी. पद्मावती, एवीसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मईलादुतुरई, तमिलनाडु, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर साइंस, मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा (आईसीसीएसएमएलबीडी)” सिंगापुर में 21-22 दिसंबर 2024 तक।
161. देबजानी गांगुली, राममोहन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “बीआईएपीटी 2025” यॉर्क, इंग्लैंड में 9-11 जनवरी 2025 तक।
162. सी. उपेंद्र राव, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पाली एंड बुद्धिस्ट स्टडीज़” यूनिवर्सिटी ऑफ केलनिया, कोलम्बो, श्रीलंका में 23 जनवरी 2025 को।
163. कनिका खुराना, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई, ठाणे, महाराष्ट्र, “नेमला 2025 कॉन्फ्रेंस (नॉर्थ ईस्ट मॉडर्न लैंग्वेज एसोसिएशन)” फिलाडेल्फिया, पीए 19107, यूनाइटेड स्टेट्स में 6-9 मार्च 2025 तक।
164. शैलेशकुमार विठ्ठलजी ब्रह्मभट्ट, चिल्ड्रन्स रिसर्च यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात, “5वां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस फॉर चिल्ड्रन एंड यूथ” ओक्सफोर्ड, लंदन यूके, में 27-29 मार्च 2025 तक।
165. राजेश, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “वर्ल्ड लिटरेसी समिट, 2025 - ब्रिजिंग लिटरेसिज़- कनेक्टिंग वर्ल्ड्स” ओक्सफोर्ड, लंदन, यूके में 6-9 अप्रैल 2025 तक।
166. आर. कनिमोझी, एवीसी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मईलादुतुरई, तमिलनाडु, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग एंड इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईसीसीआईटी 2025)” जार्ज टाउन, मलेशिया में 7-8 मई 2025 तक।
167. रामप्पगारी लेशमा मनोग्रा, बीआईटीएस पिलानी, सैनकोले, गोआ, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट 2025 (आईएटीएम 2025)” पिट्सबर्ग, यूएसए में 28-31 मई 2025 तक।
168. स्मृति जयारा, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मार्जिनलिटीज़/ मार्जिनलिटा” रोम, इटली में 9-11 अक्टूबर 2024 तक।
169. गुरलीन कौर, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू कश्मीर, “एनज़ेडजीएस कॉन्फ्रेंस 2024” तौरंगा, न्यूज़ीलैंड में 20-24 नवंबर 2024 तक।
170. टीना ठाकुर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईपीए), नई दिल्ली, “2024 कॉन्फ्रेंस ऑफ दि कंपैरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ हांगकांग (सीईएसएचके)” हांगकांग में 22-24 नवंबर 2024 तक।
171. सुकृति चावला, टीईआरआई, स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़, नई दिल्ली, “6वां एशियन पॉपुलेशन एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस” काठमांडू, नेपाल में 27-30 नवंबर 2024 तक।
172. संतोष युमखाम, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “इंडिया-जापान साइंस टेक्नोलॉजी इनोवेशन(एसटीआई) फॉर्म 2024” केइयो यूनिवर्सिटी, जापान में 4-6 दिसंबर 2024 तक।
173. थॉमस टॉनी जार्ज, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पोंडिचेरी, “दि 2024 न्यूज़ीलैंड फाइनैस मीटिंग” आकलैंड, न्यूज़ीलैंड में 5-7 दिसंबर 2024 तक।
174. गायत्री राजपुरोहित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “सीसीसीएस कॉन्फ्रेंस 2024: ग्राउंड ग्लोबल चाइना” मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया में 8-10 दिसंबर 2024 तक।
175. गार्गी वत्स, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, “ट्वेंटी-फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एन्वायर्नमेंटल, कल्चरल, इकोनोमिक एंड सोशल सस्टेनेबिलिटी” मियामी, यूएसए में 23-25 जनवरी 2025 तक।
176. वंदना चौधरी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “आरआईएमएमए 2025 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस” यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न, स्विट्ज़रलैंड में 28-31 जनवरी 2025 तक।
177. नमितारानी गोछायत, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भिलाई, छत्तीसगढ़, “एडीईए-क्यूयूटी डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स कॉन्फ्रेंस” ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में 10-11 फरवरी 2025 तक।
178. नेहा गुप्ता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, “एनुअल मीटिंग साउथवेस्टर्न फाइनैशियल एसोसिएशन

- (एसडब्ल्यूएफए)” सैन एंटोनियो, टीएक्स, यूएसए में 12-14 फरवरी 2025 तक।
179. रौनक कुमार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “56वां नेमला कन्वेंशन 2025” फिलाडेल्फिया, यूएसए में 6-9 मार्च 2025 तक।
180. अनिमेष गुप्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, “एएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस 2025” कोलम्बस, ओहियो, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में 13-16 मार्च 2025 तक।
181. मनोज अन्नाजी सोनूने, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस (टीआईएसएस), मुंबई, महाराष्ट्र, “दि एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन एजिंग एंड जेरोटोलॉजी (एजेन) 2025” टोक्यो, जापान में 24-29 मार्च 2025 तक।
182. रुचिरा चक्रवर्ती, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस), मुंबई, महाराष्ट्र, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (पीए) 2025 एनुअल मीटिंग” वॉशिंगटन, डीसी, यूएसए में 10-13 अप्रैल 2025 तक।
183. शुभा कृति, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस), मुंबई, महाराष्ट्र, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (पीए) 2025 एनुअल मीटिंग” वॉशिंगटन, डीसी, यूएसए में 10-13 अप्रैल 2025 तक।
184. एम.पी. अखिल, गुलाटी इंस्टीट्यूट ओएफ फाइनेंस एंड एएमपी; टैक्सेशन, तिरुवनंतपुरम, केरल, “ग्लोबल रिसर्च फोरम-जियोपॉलिटिक्स एंड जीईओ-इकोनॉमिक्स ऑफ फाइनेंस कॉन्फ्रेंस” सिंगापुर में 20-22 फरवरी 2025 तक।
185. प्रिय रंजन कुमार, सेंटर फॉर गांधीयन थॉट एंड पीस स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “आईएसए 66वां एनुअल कन्वेंशन ऑन रिकनेक्टिंग इंटरनेशनल स्टडीज” शिकागो, इलिनोइस, यूएसए में 2-5 मार्च 2025 तक। पीडब्ल्यूडी
186. प्रदीप सिंह चौहान, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “आईएसए 66वां एनुअल कन्वेंशन: रिकनेक्टिंग इंटरनेशनल स्टडीज” शिकागो, यूएसए में 2-5 मार्च 2025 तक।
187. देबाशीष मित्रा, डायमंड हज़ारबौर वीमेन्स यूनिवर्सिटी, सरीशा साउथ 24 परगना, पश्चिम बंगाल, “दि एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन एजिंग एंड जेरोटोलॉजी (एजेन2025)” टोक्यो, जापान में 24-29 मार्च 2025 तक।
188. नीलू रावत, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा, पंजाब, “8वां यूरोपियन पब्लिक हेल्थ कॉन्फ्रेंस” बार्सिलोना, स्पेन में 4-5 अप्रैल 2025 तक।
189. रितिका जोशी, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, “8वां एनुअल साउथ एशिया कॉन्फ्रेंस” डबलिन, आयरलैंड में 15-17 अप्रैल 2025 तक।
190. सरोज कुमार साहू, संबलपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा, “एसीसीआई एनुअल कॉन्फ्रेंस 2025” पिट्सबर्ग, पीए, यूएसए में अप्रैल 15-17 2025 तक।
191. अनिता मिश्रा शुक्ला, गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, नोएडा, उत्तर प्रदेश, “कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इंटरनेशनल अलफ्रेड शुटज सर्कल फॉर फिनोमेनोलॉजी एंड इंटरप्रेटिव सोशल साइंस” विएना, आस्ट्रिया में 24-26 अप्रैल 2025 तक।
192. अत्रयी चौधुरी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, नई दिल्ली, “रिजनल स्टडीज एसोसिएशन (आरएसए) एनुअल कॉन्फ्रेंस 2025: नेविगेटिंग रिजनल ट्रांसफॉर्मेशन” पोर्टो, पुर्तगाल में 6-9 मई 2025 तक।
193. गार्डकर विलास भाऊ, श्रीमती चंडीबाई हिमाथमल मनसुखानी कॉलेज, उल्हासनगर, महाराष्ट्र, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इकोनॉमिक्स, फाइनेंस एंड बिजनेस” लंदन, यूनाइटेड किंगडम में 09-11 जून 2025 तक।
194. मीरमणि एन, जैन (डीमड-टू-बी यूनिवर्सिटी), बैंगलोर, कर्नाटक, “10वां वर्ल्ड आर्कियोलॉजिकल कांग्रेस” डार्विन, आस्ट्रेलिया में 22-28 जून 2025 तक।
195. सुखबीर सिंह, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, “19वां वर्ल्ड संस्कृत कॉन्फ्रेंस” काठमांडू, नेपाल में 26-30 जून, 2025 तक।
196. अरिजिता दत्ता, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “33वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर फेमिनिस्ट इकोनॉमिस्ट्स” मैसाचुसेट्स, यूएसए में 3-5 जुलाई 2025 तक।
197. राज कुमार कोठारी, संस्कृत कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी कोलकाता, “28वां आईपीएसए वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ पॉलिटिकल साइंस, रेजिस्टिंग आटोक्रेटाइजेशन इन पोलराइज्ड सोसायटीज” सियोल, साउथ कोरिया में 12-16 जुलाई 2025 तक।
198. नंदिता सैकिया, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस), देओनार, मुंबई, “30वां

- इंटरनेशनल पॉपुलेशन कॉन्फ्रेंस (आईपीसी2025)” ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में 13-18 जुलाई 2025 तक।
199. प्रजनन सेन, देशबंधु कॉलेज फॉर गर्ल्स, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “XXवां कांग्रेस ऑफ दि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज (आईएबीएस)” लेइपजिंग, जर्मनी में 10-15 अगस्त 2025 तक।
200. मनीष कुमार, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, देओनार, मुंबई, “66वां एनुअल कन्वेंशन: रिकनेक्टिंग इंटरनेशनल स्टडीज” शिकागो, यूएसए में 2-5 मार्च 2025 तक।
201. तरुण अग्रवाल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “66वां एनुअल कन्वेंशन: रिकनेक्टिंग इंटरनेशनल स्टडीज” शिकागो, यूएसए में 2-5 मार्च 2025 तक।
202. वरुण मोहन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएस), बेंगलुरु, कर्नाटक, “दि 4वां एनआईआरपीएस कॉन्फ्रेंस” मनीला, फिलिपीन्स में 5-7 मार्च 2025 तक।
203. ईश्वरीया प्रभाकरण, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर, तमिलनाडु, “नेमला 2025 कॉन्फ्रेंस (नॉर्थ-ईस्ट मॉडर्न लैंग्वेज एसोसिएशन)”, फिलाडेल्फिया, यूएसए में 6-9 मार्च 2025 तक।
204. एस. के. समीउल, सीएसआरडी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “प्रीपेप कॉन्फ्रेंस 2025: प्रिसिपिटेटर्स प्रोसेसेस एस्टीमेशन एंड प्रेडिक्शन”, बॉन, जर्मनी में 16-21 मार्च 2025 तक।
205. आरती कुमारी, ए एन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना, बिहार, “आर्किटिक एमरजेंसी मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस 2025” बोडे, नॉर्वे में 18-20 मार्च 2025 तक।
206. शिवम शर्मा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान, “दि 15वां एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन साइकोलॉजी एंड दि बिहेवियरल साइंसेज (एसीपी 20205)” टोक्यो, जापान में 24-29 मार्च 2025 तक।
207. सैयद तौसीफ अहमद तिरमाइज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “ईएसआरईए 2025” रेनीज, फ्रांस में 27-29 मार्च 2025 तक।
208. राजाश्री समल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “12वां गोप्रीन समिट-2025” कुआलालम्पुर, मलेशिया में 29-30 मार्च, 2025 तक।
209. अभिषेक महंता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, उड़ीसा, “एसआईबीआर बैंकाक कॉन्फ्रेंस 2025” बैंकाक, थाईलैंड में 4-6 अप्रैल 2025 तक।
210. विपिनदास पी., एमएस स्वामिनाथन रिसर्च फाउंडेशन, वायनाड, केरल, “8वां एनुअल साउथ एशिया कॉन्फ्रेंस” डबलिन, आयरलैंड में 15-17 अप्रैल 2025 तक।
211. असिका वी एम, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, गाचीबावली, तेलंगाना, “बीएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल ट्रांसफॉर्मेशन” मैनेचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम में 23-25 अप्रैल 2025 तक।
212. मेघना खुरानिया, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “बीएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल ट्रांसफॉर्मेशन” मैनेचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम में 23-25 अप्रैल 2025 तक।
213. गायत्री राजपुरोहित, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, “11वां वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन वीमेन स्टडीज” बाली, इंडोनेशिया में 29-30 मई, 2025 तक।
214. अक्षय कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “नियोलिबरल ग्लोबल कैपिटलिज्म: चैलेंजेज फॉर पोस्टकोलोनियल स्टडीज (जीएपीएस 2025)” बीलेफेल्ड, जर्मनी में 29-31 मई 2025 तक।
215. पूनम, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “फिनोमेनोलॉजी, रिलिजियस एक्सपीरिएंस एंड स्पिरिचुअल प्रैक्टिस” न्यू यॉर्क, यूनाइटेड स्टेट्स में 16-19 जून 2025 तक।
216. ज्योति यादव, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “फिफ्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिलिजन एंड स्पिरिचुअलिटी इन सोसायटी” रोम, इटली में 19-20 जून 2025 तक।
217. अभिनव कुमार मिश्रा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “30वां इंटरनेशनल पॉपुलेशन कॉन्फ्रेंस (आईपीसी2025)” ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में 13-18 जुलाई 2025 तक।

(अनुसूचित वर्ग)

1. केशव माणिक वाल्के, मातृ सेवा संघ इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर, महाराष्ट्र, “जॉइंट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल वर्क, एजुकेशन एंड सोशल डेवलपमेंट” पनामा में 4-7 अप्रैल 2024 तक।

2. मनुकोंडा रवींद्रनाथ, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “आईएमसीआर कॉन्फ्रेंस 2024” क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड में 30 जून से 4 जुलाई 2024 तक।
3. राजिंदर कौर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब, “2024 एएमए ग्लोबल मार्केटिंग एसएजी डॉक्टरल कंसोर्टियम” वेरोना, इटली में 24-26 मई 2024 तक। एससी
4. हिमांशु कुमार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली, “पोलेन 24 कॉन्फ्रेंस” लुंड, स्वीडन में 10-12 जून 2024 तक।
5. भारती सिंह, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “यूरोपियन पॉपुलेशन कॉन्फ्रेंस 2024” स्कॉटलैंड, यूके में 12-15 जून 2024 तक।
6. अरविंद कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “7वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सीएसआर एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट” योग्यकर्ता, इंडोनेशिया में 10-11 जून 2024 तक।
7. कल्लाबाथिनी सिद्धार्था, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “7वां विस्क ग्लोबल इंटरनेशनल स्टडीज कॉन्फ्रेंस” वारसा, पोलैंड में 24-26 जुलाई 2024 तक।
8. संघमित्र मौलिक, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी, “7वां विस्क ग्लोबल इंटरनेशनल स्टडीज कॉन्फ्रेंस” वारसाव, पोलैंड में 24-26 जुलाई 2024 तक।
9. शुभ्र ज्योति दास, विश्व-भारती शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, “25वां वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ फिलोसोफी” रोम, इटली में 1-8 अगस्त 2024 तक।
10. सुनैना कनोजिया, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “4वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉरपोरेट गवर्नेंस, रिस्पॉन्सिबिलिटी, एंड दि इंस्टीट्यूशनल डाइवर्सिटी ऑफ कैपिटलिज्म: टूवर्ड्स ए ग्लोबल डायलॉग” लंदन, यूके में 11-13 सितंबर 2024 तक।
11. ए. रंजीत कुमार, इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, “डेमोक्रेटाइजेशन एंड आटोक्रेटाइजेशन: आईपीएसए 75वां एनिवर्सरी कॉन्फ्रेंस” लिस्बन, पुर्तगाल में 11-13 सितंबर 2024 तक।
12. कांडी कमला, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, ओस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हायर एजुकेशन (आईसीएचई)” कोलम्बो, श्रीलंका में 22-23 अक्टूबर 2024 तक।
13. हरचंद राम, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज, मुंबई, महाराष्ट्र, “वर्क एंड फैमिली रिसर्चर्स नेटवर्क डबल्यूएफआरएन 2024 कॉन्फ्रेंस” मॉन्ट्रियल, कनाडा में 19-22 जून 2024 तक।
14. अजय कुमार, रांची यूनिवर्सिटी, रांची, झारखंड, “8वां इंटरनेशनल एकेडमिक कॉन्फ्रेंस ऑन मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स” ओक्सफोर्ड, यूके में 23-25 अगस्त 2024 तक।
15. सौमिक दास, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
16. प्रभात कुमार, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
17. रखोहोरी बाग, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
18. गेदाम कमलाकर, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी हैदराबाद, तेलंगाना, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हायर एजुकेशन (आईसीएचई)” कोलम्बो, श्रीलंका में 22-23 अक्टूबर 2024 तक।
19. टी. पद्मावती, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु, “आईसीएबीई 2024” यूनिवर्सिटी ऑफ श्टेटीन, पोलैंड में 12-14 सितंबर 2024 तक।
20. कौशलया, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इयू), नई दिल्ली, “वेक्स 2024” ओलैंडो, एफएल, यूएसए में 13-15 सितंबर 2024 तक।
21. अनिल कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, “वेक्स 2024” ओलैंडो, एफएल, यूएसए में 13-15 सितंबर 2024 तक।
22. ज्योति दास, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “4वां विपना एंथ्रोपोलॉजी डेज 2024 (वांडा)” विपना, आस्ट्रिया में 23-25 सितंबर 2024 तक।
23. रितेश खुन्याकारी, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, हैदराबाद, तेलंगाना, “पार्ट41 नानजिंग कॉन्फ्रेंस 2024” नानजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी, चीन में 22-25 अक्टूबर 2024 तक।
24. क्षेत्रीमयुम रबीना चन्नू, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजिकल यूनियन कांग्रेस 2024” जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका में 11-15 नवंबर 2024 तक।

25. बिपाशा दास, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, “दि 5वां बार्सिलोना कॉन्फ्रेंस ऑन एजुकेशन (बीसीई2024)” बार्सिलोना, स्पेन में 12-16 नवंबर 2024 तक।
26. महेंद्र प्रताप सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, “18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वेबोमेट्रिक्स, इन्फॉर्मेट्रिक्स एंड साइंटोमेट्रिक्स (डब्ल्यूआईएस) एंड 23वां कॉलनेट मीटिंग” स्ट्रासबर्ग, फ्रांस में 12-14 दिसंबर 2024 तक।
27. आशीष मिस्त्री, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, “मैटीरियलिटी ऑफ माइग्रेशन वर्कशॉप” यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, डेविस, यूएसए में 15-16 दिसंबर 2024 तक।
28. मोनिदीप मंडल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वाटर एंड फूड सिक्युरिटी इन दि फेस ऑफ क्लाइमेट चेंज: चैलेंजेज एंड अपॉर्च्युनिटीज फॉर रेसिलिएंस” दोहा, कतर में 4-7 फरवरी 2025 तक।
29. अमिया साहा, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस), मुंबई, महाराष्ट्र, “दि एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन एजिंग एंड जेरोटोलॉजी (एजेन) 2025” टोक्यो, जापान में 24-29 मार्च 2025 तक।
30. अंशुमन पात्रा, सेंट स्टीफन्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “20वां एनुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फिलोसोफी” एथेंस, ग्रीस में 26-29 मई 2025 तक।
31. शैलजा सिंह, भारती कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, जनकपुरी, नई दिल्ली, “आईएसए 66वां एनुअल कन्वेंशन: रिकनेक्टिंग इंटरनेशनल स्टडीज एटी शिकागो, यूएसए में 2-5 मार्च 2025 तक।
32. भीमा कुमार कुक्कमल्ला, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “बुद्धिज्म इन इंडिया, अमेरिका, जापान एंड आस्ट्रेलिया इन 2025” उचिसंगे, जापान में 7-9 अप्रैल 2025 तक।
33. हरचंद राम, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ अमेरिका 2025 एनुअल मीटिंग” वॉशिंगटन, डीसी, यूएसए में 10-13 अप्रैल 2025 तक। एससी
34. आलोक कुमार गौरव, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, “75वां एनुअल पॉलिटिकल स्टडीज एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस, पॉलिटिकल साइकोलॉजी-पॉलिटिकल कम्युनिकेशन एंड कॉग्रेशन” बर्मिंघम, इंग्लैंड, यूके में 14-16 अप्रैल 2025 तक।
35. संघमित्रा आचार्य, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “5वां इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर्म ऑफ सोशियोलॉजी” रबत, मोरोक्को में 6-11 जुलाई 2025 तक।
36. चित्तरंजन सेनापति, गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, अलीगंज, लखनऊ, “28वां आईपीएसए वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ पॉलिटिकल साइंस, रेजिस्टिंग आटोक्रेटाइजेशन इन पोलराइज्ड सोसायटीज” सियोल, साउथ कोरिया में 12-16 जुलाई 2025 तक।
37. अनामिका रॉय, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “योंग रिसर्चर्स कॉन्फ्रेंस: आइडेंटिटी, कंस्ट्रक्शन एंड मीनिंग, मेकिंग बॉर्डर रीजन्स” यूनिवर्सिटी ऑफ लोरेन, फ्रांस में 18-19 मार्च, 2025 तक।
38. पपाई बर्मन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर, गुजरात, “पॉपुलेशन एसोसिएशन ऑफ अमेरिका 2025 एनुअल मीटिंग” वॉशिंगटन, डीसी, यूएसए में 10-13 अप्रैल 2025 तक।
39. अरिंदम साहा, पोंडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुदुचेरी, “नियोलिबरल ग्लोबल कैपिटलिज्म: चैलेंजेज फॉर पोस्टकोलोनियल स्टडीज (जीएपीएस 2025)” बीलेफेल्ड, जर्मनी में 29-31 मई 2025 तक।
40. कटुपल्ली संथा राम, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मिजोरम, “एम्ब्रेसिंग डाइवर्सिटी: इन्क्लूजन इन एजुकेशन एंड सोसायटी कॉन्फ्रेंस” फ्रिबर्ग, स्विट्जरलैंड में 12-13 जून 2025 तक।

(अनुसूचित जनजाति वर्ग)

1. नरेश सुब्बा, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, “बीआईएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस 2024” बर्मिंघम, यूके में 5-7 जून 2024 तक।
2. उग्याल त्शेरिंग लामा योल्मो, सिक्किम यूनिवर्सिटी, गैंगटोक, सिक्किम, “33वां इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी” प्राग, चेक रिपब्लिक में 21-26 जुलाई 2024 तक।
3. अजय मुरमू, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “35वां इंटरनेशनल

- जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
4. प्रसन्न कुमार मुदी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज, मुंबई, महाराष्ट्र, “35वां इंटरनेशनल जियोग्राफिकल कांग्रेस 2024” डबलिन, आयरलैंड में 24-30 अगस्त 2024 तक।
 5. केतौखरी, कोहिमा कॉलेज, कोहिमा, नागालैंड, “2024 इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी कॉन्फ्रेंस ऑन म्यांमार बॉर्डरलैंड्स (आईआईसीएमबी)” बैंकाक, थाईलैंड में 17-19 जून 2024 तक।
 6. रूपा रानी सोनोवाल, स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कडगांची, कर्नाटक, “आईएमसीआर क्राइस्टचर्च 2024” क्राइस्टचर्च, न्यूजीलैंड में 30 जून से 4 जुलाई 2024 तक।
 7. बिपाशा रोजी लाकरा, जीसस एंड मेरी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, “13वां इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑफ एशिया स्कोलर” सुराबाया, इंडोनेशिया में 28 जुलाई से 1 अगस्त 2024 तक।
 8. विस्लावथ राजुनायक, दि ईएफएल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना, “हिस्टोरिकल एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ साउथ एशिया” विस्कॉन्सिन-मैडिसन, यूएसए में 28 अक्टूबर से 4 नवंबर 2024 तक।
 9. कारिंथिया बालाबेट नेंगनॉंग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, शिलोंग, मेघालय, “10 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिक हेल्थ (आईसीओपीएच 2024)” बैंकाक, थाईलैंड में 15-16 अगस्त 2024 तक।
 10. टेरेसा एल खब्जावल, कॉटन यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम, “वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजिकल यूनियन कांग्रेस (डब्ल्यूएयूसी 2024)”, जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका में 11-15 नवंबर 2024 तक।
 11. लॉगशिबेनी नजुथुंग किथन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, कलबुर्गी, कर्नाटक, “वर्ल्ड एंथ्रोपोलॉजिकल यूनियन कांग्रेस” 2024, जोहान्सबर्ग, साउथ अफ्रीका में 11-15 नवंबर 2004 तक।
 12. वनलाल छांछुआही, तेजपुर यूनिवर्सिटी, सोनितपुर, असम, “30वां एएमआईसी एनुअल कॉन्फ्रेंस” बीजिंग, चीन में 24-26 सितंबर 2024 तक।
 13. एन न्येजत कोन्याक, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलोंग, मेघालय, “37वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि जैपनीज एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज” ओसाका, जापान में 28-29 सितंबर 2024 तक।
 14. ए. प्रेमकुमार, क्रिस्तु जयंती कॉलेज (आटोनोमस), बेंगलुरु, कर्नाटक, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबिलिटी, एन्वायरनमेंट एंड सोशल ट्रांजिशन इन इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस (एसईएसटीईएफ 2024)” पैरिस, फ्रांस में 11-13 दिसंबर 2024 तक।
 15. टी. लॉगकोई खियामनिउंगन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, मोहिन्द्रगढ़, हरियाणा, “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एंथ्रोपोलॉजी एंड सोशल चेंज (आईसीएससी-24)” जेनेवा, स्विट्जरलैंड में 15-16 दिसंबर 2024 तक।
 16. राकेश मोचाहारी, क्राइस्ट (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी), बेंगलुरु, कर्नाटक, “7वां ल्युमिनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस” हो ची, वियतनाम में 20-22 फरवरी 2025 तक।
 17. उर्गेन दुक्पा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की, उत्तराखंड, “8वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बिजनेस, मैनेजमेंट एंड फाइनेंस” ओक्सफोर्ड, यूके में 27-29 मार्च 2025 तक।
 18. फोकरेलो कपेसा, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, “2025 एसईएन कॉन्फ्रेंस ऑन नेशनलिज्म एंड बॉर्डर्स” बुडापेस्ट, हंगरी में 23-25 अप्रैल 2025 तक।
 19. गैदिमलुंग के जैकोब, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी), नई दिल्ली, “दि माइग्रेशन कॉन्फ्रेंस 2025” लंदन, यूके में 11-13 जून 2025 तक।
 20. रोपफ्यूविनो क्रोस, नेशनल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागालैंड, “बीएसए एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन सोशल ट्रांसफॉर्मेशन” मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम में 23-25 अप्रैल 2025 तक।

विदेश में डाटा संग्रहण

(सामान्य वर्ग)

1. मनीष बर्थवाल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात ने ओट्टावा, कनाडा के लिए अपने रिसर्च वर्क “ए कंपैरेटिव स्टडी ऑफ सिख डायस्पोरा एंड खालिस्तान इन कैनेडा एंड दि यूनाइटेड किंगडम: इम्प्लीकेशन फॉर इंडियाज नेशनल सिक्युरिटी” का 15 दिन का दौरा किया।

2. सौम्यजीत मुखर्जी, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता ने अपने रिसर्च वर्क “डेवलपमेंट ऑफ कंटेनराइजेशन एंड कंटेनर शिपिंग इन दि इंडियन ओशन: ए कंपैरेटिव स्टडी ऑन कलकत्ता, बॉम्बे एंड सिंगापुर पोर्ट्स (1960-2000)” के लिए सिंगापुर का 15 दिन का दौरा किया।
3. साक्षी राठी, बनस्थली विद्यापीठ, पी.ओ. बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान ने अपने रिसर्च वर्क त्रिभुवन यूनिवर्सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी, कीर्तिपुर, काठमांडू, नेपाल “ए स्टडी ऑफ इंडो-नेपाल रिलेशंस विद स्पेशल रेफरेंस टू मोदी रिजीम” का 15 दिन का दौरा किया।
4. उपासना हजारीका, डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी, नॉर्थ गुवाहाटी, असम ने अपने रिसर्च वर्क “बुरजिस एंड बियोड: ट्रेसिंग इंटेलेक्चुअल करेंट्स फ्रॉम साउथईस्ट एशिया टू अर्ली मॉडर्न असम” के लिए लंदन, यूके का 15 दिन का दौरा किया।
5. आरती कुमारी, डिविजन ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, ए एन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना, बिहार ने अपने रिसर्च वर्क “इंडियाज पॉलिसी टूवर्ड्स दि आर्किटेक्चर रीजन: जियोपॉलिटिक्स, एनर्जी, एंड सिक्युरिटी” के लिए अखार्गिल्स्क, रूस का 15 दिन का दौरा किया।
6. आर्य एम नायर, डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, करियावट्टोम, केरल ने अपने रिसर्च वर्क “सिविल सोसायटी इंटरवेंशन इन पोस्ट कॉन्फ्लिक्ट पीसबिल्डिंग: ए केस स्टडी ऑफ श्रीलंका” के लिए नॉर्थर्न प्रोविंस ऑफ जाफना, श्रीलंका का 15 दिन का दौरा किया।
7. मसुदुल हक, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश ने अपने रिसर्च वर्क “डाटा कलेक्शन इन बांग्लादेश फॉर पीएचडी रिसर्च ऑन: इकोसोफी ऑफ दि बाउल्स ऑफ बेंगल, पोइंटिक्स, परफॉर्मेंस एंड डिस्कोर्स” के लिए कुश्तिया, सिल्हेट, ढाका, बांग्लादेश का 15 दिन का दौरा किया।
8. कुलदीप ओझा, सेंटर फॉर कैनेडियन, यूएस एंड लैटिन अमेरिकन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने अपने रिसर्च वर्क “एन्वायरनमेंटल गवर्नेंस इन सेंट्रल अमेरिका: ए केस स्टडी ऑफ कॉस्टारिका, 2010-2022” के लिए सन जोस, हेरेडिया, गुआनाकास्ट, मोंटेवेर्डे, कोस्टा रिका का 15 दिन का दौरा किया।
9. एस.ए. आद्या, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, तिरुवनंतपुरम, केरल ने अपने रिसर्च वर्क “कल्चरल मेमरी इन सेलेक्ट जापानीज ट्रेडिशनल आर्टिस्टिक प्रैक्टिस: ए डायलॉजिक स्टडी” के लिए टोक्यो, शिंजुकु, शिबुया, कोटो, क्योटो, नारा ओसाका, कामाकुरा, कनाज़ावा एंड शिजुओका का 15 दिन का दौरा किया।
10. सौम्या शालिनी, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, जय प्रकाश यूनिवर्सिटी, छपरा, बिहार ने अपने रिसर्च वर्क “ब्रिटिश भारत से मॉरीशस में अनुबंधित श्रम प्रवासन एवं भोजपुरी लोक संस्कृति का प्रसार (1834 एडी -1917 एडी): एक ऐतिहासिक अध्ययन” के लिए मॉरीशस का 15 दिन का दौरा किया।
11. अंकिता कुमारी, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री (मेन कैपस), बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ने अपने रिसर्च वर्क “इंडियन इमिग्रेशन टू दि कैरेबियन: ए स्टडी ऑफ दि फिमेल एमिग्रेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया (1845-1917)” के लिए 15 दिन का त्रिनिदाद का दौरा किया।
12. मेरी रे, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान ने अपने रिसर्च वर्क “डेवलपिंग एंड इवैल्यूएटिंग ए वैल्यू-बेस्ड एजुकेशन मॉडेल इंस्पायर्ड बाई मियाजावा केंजीज एजुकेशनल थॉट्स, लिटरेचर, एंड केंजी स्कूल: इनसाइट्स फ्रॉम फील्ड एक्सप्लोरेशन” के लिए जापान का 15 दिन का दौरा किया।

(अजजा वर्ग)

1. हिमाद्री सोनोवाल, सेंटर फॉर ईस्ट एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने अपने रिसर्च वर्क “दि चाइनीज डायस्पोरा एज ए फैक्टर इन सिनो-यूएस रिलेशनशिप, 2008-2020” के लिए मैसाचुसेट्स, कैलिफोर्निया, अमेरिका का 15 दिन का दौरा किया।

भा.सा.वि.अ.प. के क्षेत्रीय केंद्रों की प्रमुख गतिविधियां

पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी), कोलकाता

अनुसंधान परियोजनाएं (स्वीकृत)

1. रंजीता डॉन, “कैपेसिटी एनहैंसमेंट एंड मॉडर्नाइजेशन थ्रू असिस्टिव डिवाइसेज फॉर पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज इन इंडिया: अ कंपेरेज़िन ऑफ पब्लिक सेक्टर एंड प्राइवेट कंपनीज”, लोरेटो महाविद्यालय, कोलकाता। (1,25,000 रु.)
2. रंजनी रामचंद्रन, “कांटीब्यूशंस ऑफ वीना सहस्रबुद्धे एंड द बोडाज़ लीगेसी टू हिंदुस्तानी म्यूज़िक: रीएंगेज़िंग विद आर्काइव इन परफोर्मेंस प्रैक्टिस”, विश्व भारती, शांतिनिकेतन। (1,45,000 रु.)
3. पृथा कुंडु, “म्यूज़िकल ऑटोबायोग्राफीज़ एंड द डेवलेपमेंट ऑफ अ कल्चरल हिस्ट्री ऑफ बैंगॉल (1930-1980ज़): अ सोशो-कल्चरल स्टडी इन म्यूज़िकोलॉजी”, हीरालाल मजूमदार स्मृति महिला महाविद्यालय। (1,00,000 रु.)
4. “कंटेम्पोररी ईश्यूज़ इन ईकोनोमिक डेवलेपमेंट”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय द्वारा 18 से 19 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
5. “ऑटोप्रोन्योरशिप: ईकोनोमिक्स, मैनेजमेंट एंड सोशल चेंज”, विषय पर व्यापार प्रबंधन एवं अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 20 से 21 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
6. “फिफ्थ ऑल इंडिया लीगल हिस्ट्री काँग्रेस”, विषय पर विधि इतिहास अध्ययन केंद्र, पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा 22 से 24 मार्च 2025 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशाला

सम्मेलन

1. “सस्टेनेबल रीजनल डेवलेपमेंट ईश्यूज़ एंड पाथवेज़”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर द्वारा 28 से 29 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,40,000 रु.)
2. “ट्रैड, ऑर्गेनाइजेशन एंड डेवलेपमेंट: औनरिंग प्रोफेसर सुगता मर्जित फॉर हिज़ कांटीब्यूशन टू ईकोनोमिक्स”, विषय पर बंगाली में अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति, कोलकाता द्वारा 15 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (95,000 रु.)
3. “कंटेम्पोररी ईश्यूज़ इन ईकोनोमिक थ्योरी एंड पॉलिसी”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय,
7. “लिटरेचर एंड हैरीटेज: इंटरडिसीप्लीनरी पर्सपेक्टिवज़”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, मालदा महाविद्यालय द्वारा 20 से 21 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,35,000 रु.)
8. “पब्लिक फाईनेंस एंड पब्लिक पॉलिसी”, विषय पर सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र, कलकत्ता द्वारा 6 से 7 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,40,000 रु.)
9. “रिसर्च मैथेडोलॉजी: ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़”, विषय पर केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, ब्रह्मानंद केशव चंद्र महाविद्यालय के सहयोग से 10 जनवरी

- 2025 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
10. “इवेल्यूएशन ऑफ द इंडियन ईकोनोमी सिंस इंडीपेंडेंस एंड ‘विकसित भारत’@2047: वेदर ड्रीम्स विल मीट डेलीवरी”, विषय पर बंगाल अर्थशास्त्रीय समिति, कोलकाता एवं कलिम्पोंग महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 3 से 4 मई 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
- संगोष्ठियां**
1. “ईकोविज़न 2024”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 5 अप्रैल 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 2. “सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड सीएसआर: द रोल एंड ऑपच्युनिटीज़ फॉर ट्राइबल कम्युनिटीज़”, विषय पर वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, एआईएसईसीटी विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड द्वारा 25 मई 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,40,000 रु.)
 3. “वायसेज इन ट्रांज़िट: माईग्रेशन एंड सिटीज़नशिप इन साउथ एशिया”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, सरोजिनी नायडू महिला महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा 10 से 12 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 4. “आईडिया ऑफ इंडिया एंड इंडियन लिटरेचर: अ स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ ईस्ट इंडिया”, विषय पर बंगाली विभाग, गुरुदास महाविद्यालय, द्वारा 28 से 30 अगस्त के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
 5. “ग्रोथ, इनइक्लिटी एंड एंज़ॉयमेंट—अ फॉरवर्ड-लुकिंग रिव्यू ऑफ सेक्टर”, विषय पर अर्थशास्त्र, महिला महाविद्यालय, कलकत्ता द्वारा 21 सितंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (98,000 रु.)
 6. “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: अ जर्नी इनटू द रिलैम ऑफ ऑटोमेशन इन पेडागोजी ऑफ लर्निंग एंड टीचिंग”, विषय पर बी.एड. विभाग, लोरेटो महाविद्यालय, द्वारा 29 नवंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (91,442 रु.)
 7. “एड्रैसिंग मल्टीडायमेंशनल पॉवर्टी एंड फूड इंसिक्योरिटी अमांग ट्राइबल कम्युनिटीज़ इन इंडिया”, विषय पर नृवंश विज्ञान विभाग, कलिंगा सामाजिक विज्ञान मानद विश्वविद्यालय (केआईएसएस-डीयू), द्वारा 9 से 10 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 8. “द एवोल्यूशन ऑफ स्प्रिचुअल कॉंशियसनेस इन द बैंगाली लिटरेचर एंड कल्चर: लॉर्ड रामा एंड कृष्णा”, विषय पर रामकृष्ण मिशन आवासीय महाविद्यालय (स्वायत्त) द्वारा 10 से 11 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,35,000 रु.)
 9. “सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना के कवि: काजी नज़रुल ईस्लाम”, विषय पर हिंदी विभाग, काजी नज़रुल ईस्लाम महाविद्यालय, द्वारा 17 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
 10. “द इमर्जिंग ईकोनोमिक पैराडाइम: गेनिंग मूमेंटम एंड टैकलिंग द चैलेंजेज़ फेसिंग द वर्ल्ड ईकोनोमी”, अर्थशास्त्र विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, द्वारा 17 से 19 फरवरी 2025 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
 11. “इमर्जिंग ईश्यूज़ ऑफ जी20 — अ यूथ पर्सपेक्टिव”, विषय पर स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा 6 से 7 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,45,000 रु.)
 12. “कंटेम्पोररी ईश्यूज़ इन डेवलपमेंट विद ग्रोथ: अ सेंटेनरी ट्रिब्यूट टू प्रोफेसर संतोष कुमार भट्टाचार्या”, विषय पर पूर्व छात्र संघ अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 13. “अंडरस्टैंडिंग ह्यूमन राइट्स इन द 21स्ट सेंचुरी: चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़”, विषय पर राजनीति विभाग, किदारपुर महाविद्यालय द्वारा 11 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,40,000 रु.)
 14. “ईकोनोमिक्स ऑफ जेंडर एंड हैल्थ: लेसन्स फ्रॉम इंडिया इन द पोस्ट-इंडीपेंडेंस एरा”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, मुर्शिदाबाद विश्वविद्यालय, द्वारा बंगाल आर्थिक संघ के सहयोग से 18 से 19 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)

15. “एआई एंड रिलेटेड टेक्नोलॉजीज़ इन एजुकेशन: कांटिंग एज ईश्यूज़”, विषय पर शिक्षा विभाग, बांकुरा विश्वविद्यालय, द्वारा 25 से 26 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
16. “पर्सपेक्टिव्स ऑन एन एशियन पोएट: सेलिब्रेटिंग 125th बर्थ एनीवर्सरी ऑफ काजी नज़रुल ईस्लाम”, विषय पर तुलनात्मक भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा 28 से 29 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)
17. “डिसेम्बलिंग जस्टिस: लुकिंग बियॉन्ड एबलिस्ट फ्रेम्स”, कोलकाता विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएसके) द्वारा 12 से 13 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,40,000 रु.)
18. “लाईब्रेरीज़ ऑन मेटामोर्फोसिस: फ्रॉम क्लैड टैबलेट टू टैब्स – जर्नी बियॉन्ड इमेजिनेशन”, विषय पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, द्वारा 13 से 14 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,25,000 रु.)
19. “द रोल ऑफ लाईब्रेरीज़ इन अनवेलिंग द इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन डिजिटल एरा”, बिस्व भारती पुस्तकालय द्वारा 21 से 22 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
20. “ईस्टर्न हिमालयाज़ थ्रू टाइम्स: हिस्ट्री, पीपुल, कल्चर, बिलीफ्स एंड आईडेंटिटी—विद स्पेशल फोकस ऑन नॉर्थ बैंगॉल एंड सिक्किम”, विषय पर इतिहास विभाग, कालिम्पोंग महाविद्यालय, कालिम्पोंग द्वारा 28 से 29 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)
21. “स्टेट्स ऑफ दलित इन इंडीपेंडेंट इंडिया एंड विकसित भारत”, प्रभु जगतबन्धु महाविद्यालय, हावड़ा द्वारा 17 से 18 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (2,20,000 रु.)
2. “इंडियन नॉलेज सिस्टम: रिलेवेंस एंड एप्लीकेशन”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग एवं अंग्रेजी विभाग, बंकिम सरदार महाविद्यालय, 24 परगना द्वारा 29 से 30 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
3. “इंटरडिसीप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स ऑन सोशल डायनैमिक्स: नेवीगेटिंग वलनरैबिलिटी, आईडेंटिटी, माइन्योरिटी नैरेटिव्स, जेंडर, चाइल्डहुड एंड सोसाइटील ट्रांसफॉर्मेशंस”, विषय पर जेवियर जनजातीय शिक्षा संस्थान (एक्सआईटीई महाविद्यालय), झारखंड द्वारा 7 से 8 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (30,000 रु.)
4. “एडवांस्ड रिमोट सेंसिंग एंड स्टैटिस्टिकल मैथड्स इन जियोग्राफिकल रिसर्च”, भूगोल एवं प्रायोगिक भूगोल विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, द्वारा 17 से 21 मार्च 2025 के मध्य पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

प्रायोजित व स्वीकृत अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज/ प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज

1. वाणिज्य विभाग, बनवारीलाल भलोतिया महाविद्यालय, आसनसोल द्वारा 8 से 12 जुलाई 2024 के मध्य ‘सामाजिक विज्ञान’ पर पांच दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,25,000 रु.)

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी इन स्पेशियो-टेंपोरल एप्लीकेशन्स: ब्रिजिंग ट्रेडीशन एंड इनोवेशन”, विषय पर भूगोल विभाग, धुपगुरी कन्या महाविद्यालय, द्वारा 18 से 24 नवंबर 2024 के मध्य सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (78,000 रु.)
2. “रिसर्च मैथेडोलॉजी इन सोशल साइंसेज: कांसेप्ट, टूल्स एंड टैक्नीक्स”, विषय पर वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, दम दम मोतीझील रबिन्द्र महाविद्यालय, द्वारा 10 स 25 जनवरी 2025 के मध्य 12 दिवसीय विभागीय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (98,000 रु.)

कार्यशालाएं

1. “कंटेम्पोररी ईश्यूज़ इन एंपायरिकल एंड थियोरैटिकल ईकोनोमिक्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय द्वारा 23 से 24 अप्रैल 2024 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (64,000 रु.)

अध्ययन अनुदान

1. सुश्री श्रुति शर्मा, पीएच डी शोधकर्ता, सामाजिक विज्ञान

अध्ययन केंद्र (पीएच डी जाधवपुर विश्वविद्यालय में पंजीकृत), को उनके शोध अनुसंधान विषय “प्रोड्यूसिंग फॉर प्ले: स्पेसेज़, सोशल रिलेशंस एंड मटेरिएलिटीज़ इन स्पोर्ट्स गुड्स प्रॉडक्शन इन इंडिया”, के लिए अनुसंधान सामाग्री एकत्र करने हेतु 21 दिन के लिए अध्ययन अनुदान स्वीकृत किया गया। (11,525 रु.)

2. सुश्री शिप्रा मांडल, पीएच डी अनुसंधान शोधकर्ता, इतिहास विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय, को उनके शोध अनुसंधान विषय “ट्रेसिंग द प्रॉब्लेमेटिक ऑफ नेशनैलिटी: सम आसपेक्ट्स ऑफ द इमीग्रेंट्स इन पोस्ट-कोलोनिअल असम”, के लिए अनुसंधान सामाग्री एकत्र करने हेतु 45 दिन के लिए अध्ययन अनुदान स्वीकृत किया गया। (17,928 रु.)

केंद्र द्वारा आयोजित अनुसंधान गतिविधियां

1. “नारी अदालत्स इन इंडिया: नोट्स फ्रॉम द फील्ड”, विषय पर 29 मई 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (4,390 रु.)
2. “स्टेट एज द प्रोवाइडर ऑफ डिस्ट्रीब्यूटिव जस्टिस: फॉर्मेटिव आईडियाज़ ऑफ जवाहरलाल नेहरू, 1928-30”, विषय पर 17 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1850 रु.)
3. “क्लाइमेट चेंज, डिसास्टर एंड जेंडर वलनरैबिलिटी”, विषय पर विद्वान अतिथि: डॉ. मधुमिता नाथ, सामाजिक मानव-शास्त्र, पूर्व-सदस्य, आईसीएमआर, नई दिल्ली का व्याख्यान। (60,000 रु.)
4. “गोल्डन रूल ऑफ कैपिटल एक्क्यूमुलेशन अंडर स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन”, विषय पर विद्वान अतिथि: प्रोफेसर सुभसंकर चट्टोपाध्याय, अर्थशास्त्र, आईआईएम इंदौर का व्याख्यान।

पुस्तकालय

पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (ईआरसी) के पुस्तकालय में लगभग 6000 पुस्तकों एवं 100 पत्रिकाओं के पूर्व संस्करणों का विशिष्ट संकलन है। इसके विविध संकलन में पुस्तकें, पत्रिकाएं, कई तरह की रिपोर्ट्स एवं अनेक तरह के ई-रिसोर्सेज सम्मिलित हैं। जेएसटीओआर, जे-गेट, इंडियास्टेट.कॉम, प्रोवेसआईक्यू एवं ईपीडब्ल्यू(ऑनलाईन) आदि ई-रिसोर्सेज हैं, जो भासाविअप-नैसडॉक के माध्यम से उपलब्ध हैं। ईआरसी की स्थापना से ही वह सीएसएसएससी पुस्तकालय के साथ अपने परिसर को बांटता आया है, जिससे सभी ई-रिसोर्सेज कैम्पस के भीतर से ही उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को एक हवादार व वातानुकूलित पठन कोष्ठ द्वारा अच्छा वातावरण प्रदान करता है। दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु विशेष डेस्क उपलब्ध हैं। भौतिक पठन सुविधाओं के अतिरिक्त पुस्तकालय ई-रिसोर्सेज व अन्य पठन सामाग्री हेतु वाई-फाई की सुविधा प्रदान करता है।

पुस्तकालय की सेवाओं में संदर्भ व ग्रंथसूची सहायता, विशिष्ट सूचना सेवाएं, डेटाबेस अनुसंधान, निर्दिष्ट सेवाएं एवं प्रतिलिपिकरण सुविधाएं सम्मिलित हैं। पुस्तकालय की पुस्तक निर्गम की सुविधा जहां सिर्फ आंतरिक सदस्यों तक सीमित है वहीं पुस्तकालय अन्य शोधकर्ताओं को विस्तृत उपयोगी सेवाएं देकर उन्हें सहायता प्रदान करता है।

ईआरसी का संपूर्ण पुस्तक संकलन उसके ऑनलाईन कैटलॉग पर उपलब्ध है। पुस्तकों के संचार का प्रबंधन इलेक्ट्रॉनिकली, कोहा (केओएचए) की सहायता से किया जाता है जो एक समग्र पुस्तकालय प्रबंधन तंत्र है एवं वास्तविक समय के तहत कार्य करता है। सहायक उपाय के रूप में पुस्तकों के आगम-निगम का मैनुअल रिकॉर्ड भी रखा जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पुस्तकालय द्वारा 23 भारतीय पत्रिकाओं की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया। साथ ही, पुस्तकालय द्वारा निरंतर लिए जाने वाले 9 प्रमुख समाचार-पत्रों जिनका पुस्तकालय सदस्य भरपूर लाभ लेते हैं उनकी सदस्यता भी जारी रखी गई।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), शिलांग

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशालाएं सम्मेलन

1. “अगुनही सगुनही नहीं कुछ भेदा – पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में”, विषय पर हिंदी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 4 से 6 सितंबर 2024 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया। (25,000 रु.)
2. “प्रौसपेक्ट्स एंड कांस्ट्रैन्ट्स ऑफ इंडियाज़ एकट ईस्ट पॉलिसी विद स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ-ईस्ट रीजन

(एनईआरसी)”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, दीमापुर शासकीय महाविद्यालय, 25 अक्टूबर 2024 को एक दिवसीय सम्मेलन व राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)

3. “इंटरडिसीप्लिनरी (कॉएन-2024) रीथिंकिंग ह्यूमैनिज्म: इंटरडिसीप्लिनरी अप्रोचेंज इन ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज”, विषय पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मेघालय द्वारा 16 स

- 17 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
4. “फोर्टी सेकंड एनुअल कॉन्फ्रेंस नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन (एनईआईएचए)”, महासचिव, एनईआईएचए द्वारा 5 से 7 नवंबर 2024 को तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 5. “रोल ऑफ स्पेशल इंस्टीट्यूट्स इन सोशो-ईकोनोमिक प्रोग्रेस ऑफ द नॉर्थ-ईस्ट रीजन ऑफ इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य नॉर्थ ईस्टर्न इकोनोमिक एसोसिएशन (एनईईए) के दो दिवसीय 25वें वार्षिक सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 6. “कंटेम्पोररी ट्रेंड्स ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, वीरांगना सती सधानी राज्यिक विश्वविद्यालय (बीएसएसआरवी), असम द्वारा 19 से 20 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 7. “इंटरनल यंग रिसर्चर्स कान्फ्रेंस एंड रूल साइंस कॉंग्रेस”, विषय पर सूक्ष्मजीव-विज्ञान विभाग, निदेशक-आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा 6 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 8. “कंटेम्पोररी ईश्यूज इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज इन द एरा ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस”, विषय पर प्रबंधन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, तूरा कैपस, मेघालय द्वारा 20 से 21 जून 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 9. “लिटरेचर, कम्युनिटी एंड कल्चर”, विषय पर सेंट एंथोनी महाविद्यालय, शिलांग द्वारा 26 से 27 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
 10. “इंडियन लिंग्विस्टिक ट्रेडीशन एंड इंडीजीनियस नॉलेज सिस्टम”, विषय पर भाषा विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 के मध्य तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
 11. “इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ द तिब्बतो-बर्मन लिंग्विस्टिक्स एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया-5 (आईसीटीआईबीएलएनईआई-5) – तिब्बतो बर्मन लैंग्वेजेज ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया” विषय पर गारो विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, तूरा कैपस, तूरा द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 के मध्य तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 12. “एडवांस ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन इन एआई एंड एमएल (एआईएसएएम-2025)”, विषय पर सांख्यिकीय विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 21 से 23 फरवरी 2025 के मध्य तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 13. “इंडियन डिसएबिलिटी स्टडीज कलेक्टिव क्रिप एनकाउंटेर्स: डिसएबिलिटी एंड कंटेम्पोररी कन्वर्जेंस”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा 6 से 7 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
- संगोष्ठियां**
1. “एनईपी 2020 – अ पैराडाईम शिफ्ट इन इंडियन एजुकेशन सिस्टम”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, दिखौमुख महाविद्यालय, असम द्वारा 24 अगस्त 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
 2. “थिंकिंग डायनैमिक शिफ्ट्स: रिलीजन एंड जेंडर इन रिप्रेजेंटेशन ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, तेस्तो महाविद्यालय, नागालैंड द्वारा 16 से 18 अक्तूबर 2024 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 3. “लिविंग विद प्रिकैरिटी: लिटरेचर इन कंटेक्स्ट इन द 21स्ट सेंचुरी”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम द्वारा 3 से 4 अक्तूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 4. “फोकलोर लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर: अ नॉर्थ ईस्टर्न इंडिया पर्सपेक्टिव”, विषय पर सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अध्ययन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 22 अगस्त 2024 को एक दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 5. “रीलोकेटिंग अनसंग हीरोज फ्रॉम एन.ई. इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू असम”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, एच.सी.डी.जी. महाविद्यालय, नितार्पुखुरी, असम द्वारा 24 से 25 अक्तूबर के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)

6. “एनवायरमेंट डेवलेपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी: अ क्रिटिकल डायलॉग इन एन.ई. इंडिया”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय, तुलुंगिया, असम द्वारा 28 जनवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
7. “चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज फॉर सोश्यो-ईकोनोमिक डेवलेपमेंट इन रुरल एरियाज ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, डॉन बॉस्को महाविद्यालय, ईटानगर द्वारा 7 से 8 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
8. “री-इमेजनिंग स्वामी विवेकानंद्स रोल इन द कंटेम्पोररी वर्ल्ड: रोड टू कॉनफ्लिक्ट रेजोल्यूशन एंड पीस-बिल्डिंग”, विषय पर निदेशक, उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण एवं विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
9. “डेवलेपमेंट एंड डिसप्लेसमेंट: इंपेक्ट, चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स*”, विषय पर राजनीति शास्त्र एवं इतिहास विभाग, दसरथ देब स्मृति महाविद्यालय, खोवाई, त्रिपुरा द्वारा 17 से 18 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
10. “रोल ऑफ ट्रांसलेशन एंड कंपैरेटिव स्टडी एंड रीजनल लिटरैचर इन द प्रोसेस ऑफ नेशनल इंटीग्रेशन”, विषय पर संकर दे महाविद्यालय, शिलांग द्वारा 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
11. “प्रिज़र्वेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशनल नॉलेज प्रिज़र्व्ड इन द एथेनो लाइब्रेरीज ऑफ इंडिया विद स्पेशल रेफरेंस टू नॉर्थ-ईस्ट रीजन”, विषय पर बिलासीपारा महाविद्यालय, असम द्वारा 31 जनवरी से 1 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
12. “हार्नेसिंग आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ऑपच्युनिटीज फॉर आउटकम बेस्ड एजुकेशन: नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (2020)”, विषय पर निदेशक, शिक्षा विद्यालय, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 28 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
13. “चिल्ड्रेन्स मीडिया कल्चर इन डिजिटल ऐज”, विषय पर जन संचार विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम द्वारा 25 से 26 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
14. “इनफ्लूएस ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस इन शैपिंग पॉलीटिकल बिहैवियर ऑफ सिटीजंस”, राजनीति शास्त्र विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय, असम द्वारा 10 से 11 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
15. “बादल सिरकार एंड पोस्ट-कोलोनियल थियेटर्स इन इंडिया: सोसायटी, पॉलीटिक्स एंड परफोमेंस”, बंगाली विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा 12 से 13 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
16. “अंडरस्टैंडिंग इंडियाज नॉर्थ-ईस्ट एथिनीसिटी, आईडेंटिटी, लैंग्वेज एंड ईश्यूज ऑफ कॉनफ्लिक्ट ऑफ इंटरैस्ट”, विषय पर आईक्यूएसी संयोजक, एमजीएम महाविद्यालय, नागालैंड, दीमापुर एवं आईक्यूएसी संयोजक, प्रनब महाविद्यालय, दीमापुर द्वारा संयुक्त रूप से 7 से 8 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
17. “ट्रैकिंग प्रोग्रेस ऑफ सस्टेनेबल डेवलेपमेंट गोल्स विद अ फोकस ऑन नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, नौगोंग महाविद्यालय (स्वायत्त), असम द्वारा 23 से 24 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
18. “रीथिंकिंग कल्चर: रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट इन द नॉर्थ-ईस्ट इंडिया कांटेक्स्ट”, विषय पर समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानव-शास्त्र केंद्र, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), गुवाहाटी द्वारा 8 से 9 अप्रैल 2025 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
19. “इंडियन नॉलेज सिस्टम: ट्रेडीशन एंड मॉडर्निटी”, विषय पर असमीज विभाग, बारपेटा महाविद्यालय (पूर्व में बारपेटा कन्या महाविद्यालय), असम द्वारा 25 से 26 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
20. “विमेन इन द एरा ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस”, विषय पर दिगबोई महिला महाविद्यालय, असम द्वारा 29 से 30 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

21. “क्राफ्ट्स कम्युनिटीज एंड विमेन सोश्यो-ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, विषय पर समाज कार्य विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूएसटीएम), मेघालय द्वारा 18 से 19 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
22. “क्लासिकल असेमीज लैंग्वेज: चैलेंजेज एंड पॉसीबिलिटीज”, विषय पर असमीज विभाग, निर्मल हलोई महाविद्यालय, असम द्वारा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, असम के सहयोग से 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
23. “ग्लोबलाइजेशन, सेल्फ एंड लाईफवर्ल्ड”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
24. “लर्निंग बियॉड अल्फाबेट: चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स इन एनईपी-2020”, विषय पर वयस्क सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा 11 से 12 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
25. “सस्टेनेबल यूज ऑफ वेतलैंड्स ईकोसिस्टम: चैलेंजेज एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज फॉर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट विद स्पेशल फोकस ऑन एनई इंडिया”, वनस्पति शास्त्र विभाग, शिक्षा विभाग एवं भूगोल विभाग, माजुली महाविद्यालय, असम द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
26. “इंडिया टूवर्ड्स डॉलर 7 ट्रिलियन ईकोनोमी-2030”, विषय पर वाणिज्य विभाग एवं निदेशक आईक्यूएसी, मणिपुर विश्वविद्यालय, मणिपुर द्वारा 2 से 3 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
27. “आर्किटेक्स्ट्स ऑफ कनेक्टिविटी: एक्ट ईस्ट पॉलिसी-स्ट्रेटेजीज एंड डेवलेपमेंट इंपैरेक्टिव”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग एवं इतिहास विभाग, महिला महाविद्यालय, शिलांग द्वारा 7 से 9 नवंबर 2024 के मध्य तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)

व्याख्यान

1. “ऑक्यूपेशनल डायवर्सिफिकेशन एंड इमर्जिंग क्लास स्ट्रक्चर इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ ट्राईबल सोसायटीज ऑफ नॉर्थ-ईस्ट

इंडिया”, विषय पर एस. सी. दत्ता स्मृति व्याख्यान, जिसे प्रधानाध्यापक, शिलांग महाविद्यालय, शिलांग द्वारा 22 अक्तूबर 2024 को आयोजित किया गया। (30,000 रु.)

2. “विकसित भारत@2047: ग्लोबल ट्रेंड्स इन हायर एजुकेशन एंड एनईपी-2020”, विषय पर व्याख्यान जिसे गणित विभाग व आईक्यूएसी एवं डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम द्वारा 30 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया। (80,000 रु.)

कार्यशालाएं

1. “हिस्ट्री एंड फिलोसॉफी ऑफ ईकोनोमिक्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 12 से 14 जून 2024 के मध्य तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
2. “न्यू क्रिमिनल लॉज” विषय पर विधि विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 13 जुलाई 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
3. “कंडक्टिंग रिसर्च इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया इन कंटेम्पोररी टाईम्स: ईश्यूज, कंसर्न्स एंड चैलेंजेज” विषय पर समाजशास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा 13 से 14 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय युवा शोधकर्ता कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
4. “चैलेंजेज ऑफ एनईपी-2020 फॉर टीचर्स एंड रिसर्चर्स ऑफ द हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इन द एनई रीजन”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, कृष्ण कांत हांदीकुई मुक्त विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा 17 से 18 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
5. “ट्रांसलेटिंग चिल्ड्रेन्स टेल्स फ्रॉम सिक्किम: को-क्रिएशन, क्रिटिक एंड कोलेबोरेशन”, विषय पर निदेशक, भाषा एवं साहित्य विद्यालय, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम द्वारा 3 से 7 दिसंबर 2024 के मध्य पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
6. “हैल्थ ईकोनोमिक्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा 17 से 21 फरवरी 2025 के मध्य पांच दिवसीय शीत विद्यालय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
7. “डिज़ाईन एंड डेवलेपमेंट ऑफ लाईब्रेरी वेबसाईट यूजिंग ओपन-सोर्स सीएमएस (कंटेन्ट मैनेजमेंट सिस्टम)”, विषय

पर डेरा नाटुंग पुस्तकालय, डॉन बॉस्को महाविद्यालय, ईटानगर द्वारा 25 से 29 मार्च 2025 के मध्य पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

प्रायोजित/स्वीकृत अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज/ प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी फॉर रिसर्च स्कॉलर्स”, विषय पर शिक्षक शिक्षा विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड द्वारा 10 से 19 फरवरी 2025 के मध्य दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
2. “डेटा एनालिटिक्स फॉर सोशल साइंस रिसर्च”, विषय पर प्रबंधन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, तूरा कैम्पस, मेघालय द्वारा 4 से 6 नवंबर 2024 एवं 5 से 7 फरवरी 2025 को छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
3. “रिसर्च मैथेडोलॉजी फॉर कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी टीचर्स”, विषय पर दीमापुर शासकीय महाविद्यालय, नागालैंड द्वारा 18 से 28 फरवरी 2025 के मध्य दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
4. “रिसर्च मैथेडोलॉजी एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम इन सोशल साइंस रिसर्च”, मोरन महिला महाविद्यालय, मोरनहाट, एवं ताई अध्ययन व अनुसंधान संस्थान, मोरनहाट, असम द्वारा 19 से 25 अप्रैल 2025 के मध्य सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
5. “रीसेंट ट्रेंड्स इन सोशल साइंस रिसर्च मैथेडोलॉजी” विषय पर डॉ. नोबिन बोरदोलाई महाविद्यालय, जोरहाट, असम द्वारा 28 से 30 अप्रैल 2025 के मध्य तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. “बिजनेस केस राईटिंग”, विषय पर व्यापार प्रबंधन विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर असम द्वारा 20 से 24 मई 2024 के मध्य पांच दिवसीय प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
2. “नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020: आउटकम बेस्ड एजुकेशन एंड एसेंशियल एआई टूल्स फॉर टीचर्स” विषय पर जैनतिया ईस्टर्न महाविद्यालय, खलेहरियत, ईस्ट जैनतिया हिल्स जिला, मेघालय द्वारा 24 मई 2024 को

एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)

अध्ययन अनुदान

1. सुश्री संशी उपाध्याय, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके शोध अनुसंधान विषय “द गुरखाज इन द बैंगॉल एंड असम दुआर्स: अ स्पेशियल हिस्ट्री” के लिए अनुसंधान सामाग्री एकत्र करने हेतु 30 दिन के लिए अध्ययन अनुदान स्वीकृत किया गया। (14,030 रु.)
2. श्री के. रोमुआना, पीएच डी अनुसंधान शोधकर्ता, जन संचार विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, एजवाल को उनके शोध अनुसंधान विषय “मीडिया नैरेटिव्स ऑफ चिन रिफ्यूजीज एंड ज़ो-कुकी इंटरनली डिस्प्लेस्ड पीपुल इन मिजोरम”, के लिए अनुसंधान सामाग्री एकत्र करने हेतु 30 दिन के लिये अध्ययन अनुदान स्वीकृत किया गया। (14,014 रु.)

डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान

1. सुश्री वुंगलुनमावी, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “मटेरियल कल्चर ऑफ द कुकीज ऑफ मणिपुर फ्रॉम प्री-कोलोनियल टू कोलोनियल पीरियड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
2. सुश्री लेंगरिआंगल्यू लूसी, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “रोंगमैई नागा सोसायटी फ्रॉम प्री-कोलोनियल टू कोलोनियल पीरियड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
3. सुश्री बिष्णु कुमारी गुरुंग, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “गुरखाज इन कोलोनियल एक्सपेंशन एंड डिफेंस इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
4. सुश्री इनोतोली एल. असुमी, पीएच डी शोधकर्ता, मानव-शास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “कल्चर एंड स्पेस: अ स्टडी ऑन द सुमी नागा ऑफ नागालैंड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग

- एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
5. सुश्री आत्रेयी कश्यप, पीएच डी शोधकर्ता, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अध्ययन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “फोक म्यूजिकल ट्रेडीशनल ऑफ द देओरीज ऑफ असम: एन एथेनोम्यूजिकोलॉजीकल स्टडी”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 6. सुश्री दीपांजली रीआंग, पीएच डी शोधकर्ता, भूगोल विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “सस्टेनेबिलिटी ऑफ ईकोटूरिज्म: एन एसेसमेंट ऑफ सस्टेनेबल सेलेक्टेड टूरिज्म साइट्स इन त्रिपुरा”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 7. सुश्री कामेई काबिनेई, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “गेम्स ऑफ द रोंगमैई नागा: फ्रॉम प्री-कोलोनियल टू द कंटेम्पोररी टाईम्स”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 8. सुश्री रायमा सरकार, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “सोशल हिस्ट्री ऑफ वेस्टर्न असम (13th टू 18th सेंचुरी)”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 9. सुश्री इवासनकीनी रिम्बाई, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “सोशल एंड पॉलिटी फोरमेशंस ऑफ द जैन्तियाज: अ टैक्नोलॉजीकल पर्सपेक्टिव”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 10. श्री तरुण कुमार, पीएच डी शोधकर्ता, हिंदी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “हिंदी के रीतिमुक्त काव्य में सूफी तत्व: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 11. श्री कृष्ण कुमार साह , पीएच डी शोधकर्ता, हिंदी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “पाली ‘धम्मापदत्तकथा’ का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 12. सुश्री अमो कोन्याक बी., पीएच डी शोधकर्ता, मानव-शास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “मैरीज अमांग द कोन्याक नागा ऑफ नागालैंड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 13. श्री हाओरंगबाम अरुणदीप सिंघा, पीएच डी शोधकर्ता, पर्यावरण अध्ययन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “ह्यूमन वाईल्डलाईफ इंटेरेक्शन इन मेघालया”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 14. श्री लुमिंगथांग ल्हाओवम, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “ईकोलॉजीकल हिस्ट्री ऑफ द थाडौ-कुकी ऑफ मणिपुर: प्री-कोलोनियल टू कोलोनियल पीरियड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 15. सुश्री निंगनेईमावी, पीएच डी शोधकर्ता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “डॉक्यूमेंटेशन ऑफ इंडीजीनियस नॉलेज ऑन हैंडीक्राफ्ट्स ऑफ द वाईफेईस ऑफ मणिपुर” पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 16. सुश्री मेडोसानो मैरी, पीएच डी शोधकर्ता, इतिहास विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “विमेन एंड ईकोनोमी इन अंगामी सोसायटी: 19th-20th सेंचुरी” पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
 17. श्री विवोतो त्सुकु , पीएच डी शोधकर्ता, मानवशास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके

- अनुसंधान विषय “बॉडी कॉम्पोजीशन एंड फिज़ियोलॉजीकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ नागा रेसलर्स ऑफ नागालैंड”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
18. श्री अबिजीथ अब्राहम, पीएच डी शोधकर्ता, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “टूरिज़्म डेस्टीनेशन काम्प्यूटैटिवनेस थ्रू एनालिटिक हाइड्रार्की प्रोसेस: अ केस स्टडी ऑफ थ्रिसूर डिस्ट्रिक्ट ऑफ केरला”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)
19. सुश्री टिंकी क्षेत्री, पीएच डी शोधकर्ता, हिंदी विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग को उनके अनुसंधान विषय “हिंदी और नेपाली के प्रमुख आंचलिक उपान्यासों का तुलनात्मक अध्ययन”, पर शोध निबंध की टाईपिंग एवं जिल्दकरण हेतु डॉक्टरल आकस्मिक अनुदान स्वीकृत किया गया। (10,000 रु.)

केंद्र द्वारा आयोजित अनुसंधान गतिविधियां

1. “हिस्ट्री एंड ईकोलॉजी ऑफ द बे ऑफ बैंगोल: पर्सपेक्टिव फ्रॉम द नॉर्थ-ईस्ट रीजन” विषय पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा एशियन कॉन्फ्रेंस, शिलांग के सहयोग से 31 मई 2024 को एक दिवसीय संवादात्मक विमर्श का आयोजन किया गया। ***no Amount
2. “इंपैक्ट इवेल्यूएशन ऑफ पब्लिक वेलफेयर प्रोग्राम्स”, विषय पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 27 से 31 मई 2024 के मध्य एक सप्ताह की अनुसंधान प्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया गया। (3,24,060 रु.)
3. “यूज़ ऑफ डेटा बेसेस ऑफ लाईब्रेरी सर्विस ऑफ भासाविअप-एनईआरसी एंड नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी”, विषय पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 16 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (11,400 रु.)
4. “इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम इन रिसर्च इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज़”, विषय पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,25,446 रु.)
5. “डिटरमिनेंट्स ऑफ नेशनल सिक्योरिटी: इंडियन पर्सपेक्टिव्स”, विषय पर 14 फरवरी 2025 को प्रोफेसर स्वर्ण सिंह, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन एवं निरस्त्रीकरण केंद्र, जवाहरलाल विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान, जिसे भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा राजनीति शास्त्र विभाग, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग के सहयोग से आयोजित किया गया। (51,213 रु.)
6. “लेबर मार्केट इनैकेलिटी इन इंडिया ओवर श्री डिकेड्स”, विषय पर 25 फरवरी 2025 को प्रोफेसर कुणाल सेन, निदेशक, यूनाईटेड नेशन्स विश्वविद्यालय – वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फॉर डेवलेपमेंट ईकोनोमिक्स रिसर्च (यूएनयू-डब्ल्यूआईडीआईआर) एवं डेवलेपमेंट ईकोनोमिक्स प्रोफेसर, ग्लोबल डेवलेपमेंट इंस्टीट्यूट, मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी के द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसे भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा अर्थशास्त्र विभाग, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग के सहयोग से आयोजित किया गया। (39,954 रु.)
7. “अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस”, पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 26 जून 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (6,020 रु.)
8. “स्वतंत्रता दिवस”, पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 15 अगस्त 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (4,326 रु.)
9. “हिंदी दिवस”, पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 30 सितंबर 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (14,100 रु.)
10. “गणतंत्र दिवस”, पर भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 26 जनवरी 2025 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (4,095 रु.)
11. “अवेयरनेस क्रिएशन ऑन लाईब्रेरी यूज़”, विषय पर लेडी कीन महाविद्यालय, शिलांग के छात्रों के लिये भासाविअप-एनईआरसी, शिलांग द्वारा 18 मार्च 2025 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

पत्रिका-मैन एंड सोसायटी—उत्तर-पूर्व अध्ययन का एक पत्रिका संस्करण 21, ग्रीष्म एवं शीत 2023।

प्रतिलिपिकरण इकाई

2024-25 के काल के दौरान, लगभग 58 विद्वानों ने प्रतिलिपिकरण इकाई की सेवाओं का लाभ लिया। इस काल

के दौरान प्रतिलिपिकरण इकाई द्वारा सात हजार तीन सौ साठ (7,360) पृष्ठ फोटोकॉपी सामग्री उपलब्ध कराई गयी।

पुस्तकालय

एनईआरसी पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान की संपन्न एवं आवश्यक 11,200 पुस्तकों के संकलन का भंडार है जिसमें समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र एवं मानव शास्त्र आदि विषय सम्मिलित हैं। इसके साथ ही, पुस्तकालय में क्षेत्र विशेष एवं तत्कालीन विषयों जैसे उत्तर-पूर्व भारत, महिला अध्ययन, जनजातीय अध्ययन, भारत-चीन संबंध एवं एशियन अध्ययन आदि पर भी अनेक स्रोत उपलब्ध हैं।

इन अकादमिक वर्ष 2024-25 में, पुस्तकालय ने वर्तमान परिस्थितियों व क्षेत्रीय गतिविधियों से अवगत रहने हेतु 8 समाचार-पत्रों की सदस्यता ली। इसमें शिलांग टाइम्स, द टाइम्स ऑफ इंडिया, द मेघालय गार्जियन, द सेंटिनेल, द असम ट्रिब्यून, द ईस्टर्न क्रॉनिकल एवं लोकल खासी भाषा का एक क्षेत्रीय अखबार द माॅफोर शामिल है।

पुस्तकों एवं समाचार-पत्रों के अतिरिक्त, पुस्तकालय शिक्षा एवं अनुसंधान सामग्री का विस्तृत संग्रह रखता है।

इसमें 197 शोध-प्रबंध, 2,473 संगोष्ठी कार्यवाहियां, एवं लगभग 277 कार्यपत्र शृंखला शामिल है। पुस्तकालय का प्रबंधन कोहा(केओएचए) लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाता है, हाल ही में पुस्तकालय 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन(ओएनओएस)' प्रयोजन का हिस्सा बना है जिसे नैसडॉक, नई दिल्ली का सहयोग प्राप्त है।

अपने संपन्न एवं विशेषकर उत्तर-पूर्व पर रिसोर्सेज के कारण, एनईआरसी पुस्तकालय अनुसंधान का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह भारत एवं विदेश के ऐसे शोधकर्ताओं को आकर्षित करता है जिन्हें उच्च गुणवत्ता वाली क्षेत्र विशेष सूचनाओं की आवश्यकता होती है। उनकी अनुसंधान आवश्यकताओं हेतु, पुस्तकालय अनेक सुविधाएं मुहैया कराता है जैसे संदर्भ सहायता, जेएसटीओर व इंडिया स्टेट आदि डेटाबेस के लिए इंटरनेट सर्च सुविधा, एवं ईकोनोमिक व पॉलिटिकल वीकली आदि।

अपनी गुणवत्ता एवं विस्तृत संकलन के परिणाम स्वरूप, एनईआरसी पुस्तकालय अनुसंधान कर्ताओं एवं विभागीय सदस्यों का अनुसंधान हेतु प्राथमिक गंतव्य रहता है। सिर्फ वर्ष 2024-25 में ही, कुल 452 शोधकर्ताओं ने पुस्तकालय के विस्तृत स्रोतों व सेवाओं का लाभ उठाया है।

उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, (एनआरसी), नई दिल्ली

(स्वीकृत) अनुसंधान परियोजनाएं

1. जीतेश राय, "अ जियोग्राफिकल एनालिसिस ऑफ एनटीएफपी-लाइवलीहुड लिंकेज इन द बुंदेलखंड रीजन ऑफ मध्य प्रदेश", किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। (1,00,000 रु.)
2. श्वेता गौर, "द इनफ्लूएस ऑफ मीडिया ऑन पब्लिक अंडरस्टैंडिंग एंड एंगेजमेंट विद द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) इन देल्ही(इंडिया)", लिंगायाज ललिता देवी विज्ञान एवं प्रबंधन संस्थान, देल्ही। (1,00,000 रु.)
3. अंजली भारद्वाज, "ब्रिजिंग द लर्निंग लॉस ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ड्यूरिंग कोविड-19 एज परसीव्ड, बाय एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर्स, टीचर्स एंड पैरेंट्स", लिंगायाज ललिता देवी विज्ञान एवं प्रबंधन संस्थान, देल्ही। (1,00,000 रु.)
4. सूर्य तिवारी, "लैंडस्केप ऑफ रीजनल मैनुफैक्चरिंग इन इंडिया: रिफ्लेक्शंस फ्रॉम कॉमोडिटी फ्लो एनालिसिस", औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली। (1,00,000 रु.)
5. रिंपल मनचंदा, "एक्सप्लोरेशन ऑफ क्लाइमेट चेंज नॉलेज, एटीट्यूड्स एंड बिहैवियर्स अमांग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स इन नोएडा/ग्रेटर नोएडा", शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा। (1,00,000 रु.)
6. निशु कुमार, "21वीं सदी में भारत-नेपाल संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन", चमनलाल महाविद्यालय, लांधोरा, हरिद्वार, उत्तराखंड। (1,00,000 रु.)
7. तीर्थ प्रकाश, "21 वीं सदी में भारत-ईरान संबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन", शासकीय डिग्री महाविद्यालय, मंगलोर, हरिद्वार, उत्तराखंड। (1,00,000 रु.)
8. अनिल कुमार, "स्पेशियो-टेंपोरल एनालिसिस ऑफ मैन-एनीमल कॉन्फ्लिक्ट इन तेराई रीजन ऑफ उत्तर प्रदेश: पैटर्न्स, ड्राइवर्स एंड मैनेजमेंट स्ट्रेटेजीज", डी.एस.एन. (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय, उन्नाव, उत्तर प्रदेश। (1,00,000 रु.)
9. संतेश्वर कुमार मिश्रा, "सोशियोलॉजीकल स्टडी ऑफ द इंपेक्ट ऑफ प्रधान मंत्री योजना ऑन रुरल विमेन लिविंग बिलो पॉवर्टी लाईन", नेहरु ग्राम भारती विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। (1,00,000 रु.)
10. नोनिका दत्ता, "द मेकिंग ऑफ इंपीरियल बोर्डर्स इन कोलोनियल इंडिया, 1885-1947", ऐतिहासिक अध्ययन

केन्द्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। (1,00,000 रु.)

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशालाएं

सम्मेलन

1. “रिवाइविंग इंडियन नॉलेज सिस्टम्स: अ डीप डाईव इनटू द फाउंडेशंस ऑफ द एनईपी 2020” विषय पर समाज शास्त्र विभाग, बयालासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 20 से 21 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
2. “बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन एंड सस्टेनेबल इनोवेशन: एन एज टू द ग्लोबल सर्कुलर ईकोनोमी”, विषय पर बनारसीदास चांदीवाला व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 7 से 8 अगस्त 2024 के मध्य तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
3. “इंटरडिसीप्लिनरी एप्लीकेशन ऑफ द इंडियन वैल्यू सिस्टम इन मॉडर्न बिजनेस”, विषय पर रुकमणी देवी उच्च अध्ययन संस्थान, दिल्ली द्वारा 30 से 31 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
4. “इंटरडिसीप्लिनरी एप्लीकेशन ऑफ द इंडियन वैल्यू सिस्टम इन मॉडर्न बिजनेस”, विषय पर रुकमणी देवी उच्च अध्ययन संस्थान, दिल्ली द्वारा 27 से 28 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.) * Repeat same point
5. “लीविंग नो वन बिहाइंड: नेवीगेटिंग पॉप्यूलेशन डायनेमिक्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन इंडिया”, विषय पर क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 12 से 14 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)
6. “विजन ऑफ अ विकसित भारत: चैलेंजेज, इनीशिएटिव्ज, स्ट्रेटेजीज”, विषय पर डॉ. के. आर. नारायणन दलित एवं अल्पसंख्यक अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
7. “सस्टेनेबिलिटी, टेक्नोलॉजी एंड एजुकेशन: ड्राइविंग इनोवेशंस फॉर विकसित भारत@2047”, विषय पर

वाणिज्य विभाग, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

8. “कंटेस्टिंग स्पेस, ब्रेकिंग कन्वेंशंस: कंटेम्पोररी लिटररी लैंडस्केप एंड पॉप्यूलर लिटेरेचर”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा 26 से 27 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
9. “सेफगार्डिंग द फ्यूचर: एड्रेसिंग यूथ ऑन ड्रग यूज एंड अब्यूज इन हिमालयन रीजन थ्रू अवेयरनेस, वेलनेस स्ट्रेटेजीज एंड लीगल फ्रेमवर्क”, मनोविज्ञान विभाग, आई.पी. कन्या स्नातकोत्तर वाणिज्य महाविद्यालय, हल्द्वानी, उत्तराखंड द्वारा 27 से 28 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
10. “नर्चिंग ग्रोथ थ्रू इंडीजीनियस डेवलपमेंट: अ की टू ग्लोबल कॉम्पीटेंस (आईसीएनजीआईडी:केजीसी 2024)”, विषय पर ट्रिनिटी व्यवसायिक शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 1 जून 2024 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
11. “यूथ एंपॉवरमेंट थ्रू स्किल एक्विजीशन (वायडीएसए): ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज फॉर विकसित भारत”, प्रबंधन अध्ययन विभाग, डॉन बॉस्को प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 27 जुलाई 2024 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

संगोष्ठियां

1. “ईकोलॉजीकल कॉन्शियसनेस इन एंशिएंट इंडिया: लाईफ देन एंड नाओ”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 22 अप्रैल 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
2. “अनवेलिंग द साईलेंट हीरोज: द रोल ऑफ सोशल ऑट्रोप्रोन्योर्स इन शैपिंग विकसित भारत”, विषय पर प्रबंधन विभाग, रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा 13 मई 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
3. “विमेन ऑट्रोप्रोन्योरशिप: ड्राइविंग ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट इन आत्मनिर्भर भारत”, विषय पर जेपी व्यापार विद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा 17 से 18 मई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

4. “स्किल डेवलेपमेंट फॉर आत्मनिर्भर भारत: अनपैकिंग एजुकेशन इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ द एनईपी 2020”, विषय पर हिमालयन प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून द्वारा 23 मई 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
5. “भारत में दलित चेतना का अस्पृश्यता उन्मूलन पर प्रभाव”, विषय पर संत बुला सत्यनाम दास बीरबल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 6 से 7 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
6. “वर्तमान शैक्षिक व्यवसाय एवं संपूर्णानंद”, विषय पर डॉ. राममनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 8 से 9 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
7. “भारत में आंतरिक सुरक्षा एवं नक्सलवाद”, विषय पर जय प्रकाश महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नागरा, बलिया, उत्तर प्रदेश द्वारा 11 से 12 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
8. “भारतीय राजनीति को श्रीमती इंदिरा गाँधी की देन”, विषय पर भगवती स्मारक महाविद्यालय, मिर्जापुर खास, शाहपुर, जहानागंज, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा 12 से 13 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
9. “बीईंग एंड इंटरप्रिंटिंग हिंदू: ट्रेडिशन, रीडिंग एंड मिसअंडरस्टैंडिंग”, विषय पर शिक्षा विद्यालय, ईगू, नई दिल्ली द्वारा 29 से 30 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
10. “द न्यू एजुकेशन रिफॉर्म: इवेल्यूएटिंग द इंग्लिमेंटेशन चैलेंजेज”, विषय पर एचएलएम महाविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा 1 से 2 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
11. “स्किल डेवलेपमेंट—बिल्डिंग अ फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स फॉर विकसित भारत”, विषय पर मानविकी एवं उदार कला विभाग, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल (एम.पी.) द्वारा 13 अगस्त 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
12. “सोशल इंपैक्ट एंड अडॉप्शन ऑफ क्लाईमेट चेंज इन उत्तराखंड”, विषय पर भूगोल विभाग, धनौरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धनौरी, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा 16 से 17 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
13. “ऑटोप्रोन्योरशिप डेवलेपमेंट: अ ट्राईबल पर्सपेक्टिव फॉर अ स्किल्ड एंड विकसित भारत”, विषय पर ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, बल्लारपुर द्वारा 17 अगस्त 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
14. “मानवतावाद और निर्धनता चुनौतियां एवं संभावनाएं”, विषय पर संत बुला छोटू यदुवंशीय महाविद्यालय, भोगोवा जलालपुर, सचुई, मऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 23 से 24 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
15. “भारतीय सामाजिक व्यवस्था एवं बुद्ध दर्शन”, विषय पर कृष्ण महाविद्यालय, ताजपुर (उस्मानपुर) पिपरीदीह-मऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 23 से 24 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
16. “बीईंग एंड इंटरप्रिंटिंग हिंदू: ट्रेडिशन, रीडिंग एंड मिसअंडरस्टैंडिंग* विषय पर शिक्षा विद्यालय, ईगू, नई दिल्ली द्वारा 18 से 19 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)**Repeat point from 9
17. “यूथ एंपॉवरमेंट थ्रू स्किल एक्विजीशन (वायईटीएसए): ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज फॉर विकसित भारत”, विषय पर प्रबंधन अध्ययन विभाग, डॉन बॉस्को प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 27 जुलाई 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
18. “द न्यू एजुकेशन रिफॉर्म: इवेल्यूएटिंग द इंग्लिमेंटेशन चैलेंजेज”, विषय पर एच.एल.एम महाविद्यालय, गाजियाबाद द्वारा 1 से 2 अगस्त 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
19. “इंपोर्टेंस ऑफ सैक्रेड रिवर्स इन इंडिया: हिस्टोरिकल एंड कल्चरल सिग्रीफिकेंस ऑफ रिवर मंदाकिनी एंड इट्स ईकोलॉजीकल रेस्टोरेशन फॉर सस्टेनेबल एनवायरमेंटल मैनेजमेंट”, विषय पर पर्यटन एवं अतिथि सेवा विभाग, अट्टारा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अट्टारा बांदा, उत्तर प्रदेश द्वारा 9 से 10 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया (1,50,000 रु.)
20. “इंडिया टूवर्ड्स विकसित भारत@2047”, विषय पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, भारती विद्यापीठ कम्प्यूटर

- एड्मिनिस्ट्रेशन एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 13 से 14 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
21. “रिसर्च बूटकैप: हैंड्स ऑन क्वालिटी रिसर्च इन सोशल साइंस”, विषय पर व्यापार प्रबंधन संस्थान, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 13 से 14 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 22. “सोशल इंपैक्ट एंड अडॉप्शन ऑफ क्लाईमेट चेंज इन उत्तराखंड”, विषय पर भूगोल विभाग, धनौरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धनौरी, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा 20 से 21 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 23. “विमेन ऑटोप्रोन्नोरशिप: ड्राईविंग ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट इन आत्मनिर्भर भारत”, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा द्वारा 20 से 21 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 24. “सक्सेज़फुल एजिंग: ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़”, विषय पर मनोविज्ञान विभाग, बुद्धा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश द्वारा 1 से 2 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 25. “समागम—सोश्लोजीकल एंड जियोग्राफिकल डायमेंशंस ऑफ ग्लोबल एनवायरमेंटल कन्वर्जेंस टूवर्ड्स अटैनिंग सस्टेनेबल डेवलेपमेंट गोल्स”, विषय पर भूगोल विभाग, नेहरू ग्राम भारती, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा 1 से 2 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 26. “अर्बनाइजेशन इन इंडिया, फोकसिंग ऑन कंटेम्पोरी ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ विद अ स्पेशल रेफरेंस टू विकसित भारत”, विषय पर भूगोल विभाग, सहकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मिहरावन, जौनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 16 से 17 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 27. “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इन बिजनेस: एआई, सस्टेनेबिलिटी एंड ईकोनोमी”, विषय पर जीएल बजाज प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा 18 से 19 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 28. “सैक्रेड जियोग्राफिज़: कंटेक्टचुएलाइजिंग लैंडस्केप ऑफ फेथ इन इंडिया”, विषय पर भूगोल विभाग, दयाल सिंह महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 28 अक्टूबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 29. “स्टेट पॉलीटिक्स इन इंडिया”, विषय पर राजनीति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 28 से 29 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 30. “राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत: चुनौतियां एवं संभावनाएं”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, गंगापुर, वाराणसी द्वारा 2 से 3 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 31. “इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट: द बैकबोन ऑफ विकसित भारत”, विषय पर केसीसी विधि एवं उच्च शिक्षा संस्थान, ग्रेटर नोएडा द्वारा 8 से 9 नवंबर के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 32. “अर्बन डेवलेपमेंट मिशंस, रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ स्पेसेज़ एंड इमर्जेंस ऑफ न्यू अर्बनिज़्म”, विषय पर भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 15 से 16 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 33. “इनोवेशन इन बायोटेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबिलिटी”, विषय पर जैव-प्रौद्योगिकी विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू मैहरोली रोड, नई दिल्ली द्वारा 23 से 25 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 34. “टाईम सीरिज़ एनालिसिस विद आर (सॉफ्टवेयर)”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 2 से 3 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 35. “सस्टेनेबल डेवलेपमेंट गोल्स (एसडीजीज़) एंड द जी20 एजेंडा: प्रोग्रेस एंड चैलेंजेज़”, विषय पर रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 2 दिसंबर 2024 को दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 36. “स्किल डेवलेपमेंट-बिल्डिंग अ फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स फॉर विकसित भारत”, विषय पर मानविकी एवं उदार कला

- विभाग, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल (एम.पी.) द्वारा 6 से 7 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
37. “सोशल साईस एंड लाईव्रेरी साईस फॉर विकसित भारत@2047 (एनएसएसएसएलएस-2024)”, विषय पर मानविकी एवं प्रबंधन विभाग, जेपी अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुना, मध्य प्रदेश द्वारा 7 से 8 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.) Check the date..it should be 24
 38. “महिला उद्यमिता एवं कौशल विकास: सशक्त भारत के आर्थिक विकास का आधार”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, हरीद्वार द्वारा 12 से 13 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 39. “विकसित भारत@2047 के निर्माण में महिलाओं की भूमिका एक विमर्श”, विषय पर वाणिज्य विभाग, चमनलाल महाविद्यालय, लैंधोरा, हरिद्वार द्वारा 16 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 40. “भारत में सार्वजनिक नीति का समसामयिक संदर्भ: चुनौतियां एवं संभावनाएं”, विषय पर मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन द्वारा 19 से 20 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 41. “स्किलिंग फॉर इंटरनेशनल माईग्रेशन: पाथवेज टू सस्टेनेबल डेवलेपमेंट एंड ईकोनोमिक रेजीलिएंस”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 19 से 20 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,30,000 रु.)
 42. “मल्टीडिसिप्लीनरी पाथवेज टू अचीव विकसित भारत 2.0: इनोवेशंस इन एजुकेशन, साईस, इंडस्ट्री एंड टेक्नोलॉजी”, विषय पर खंडेलवाल प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बरेली द्वारा 20 से 21 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 43. “अटल बिहारी वाजपेई एवं विकसित भारत की संकल्पना”, विषय पर अटल बिहारी वाजपेई प्रबंधन एवं उद्यमिता विद्यालय (एबीवीएसएमई), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 25 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)
 44. “मानव जीवन प्रकृति एवं पर्यावरण अध्ययन”, विषय पर सत्यनाम दास बीरबल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर द्वारा 28 से 29 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 45. “ईकोनोमी एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी इन माउंटेन” विषय पर डी. डी. महाविद्यालय, देहरादून, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, उत्तराखंड से संबद्ध, द्वारा 10 से 11 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 46. “नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020: ग्रोथ ऑफ साईस एंड टेक्नोलॉजी”, विषय पर रसायन शास्त्र विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 23 से 24 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 47. “सोशियोलॉजिकल अप्रैचेज टू नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020: शैपिंग विकसित भारत 2047”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, केशव प्रसाद मिश्रा राजकीय महिला महाविद्यालय, द्वारा 23 से 24 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 48. “करंट एनवायरमेंटल इश्यूज फॉर सस्टेनेबल सर्कुलर ईकोनोमिक स्ट्रेटेजीज एंड फिशरीज डेवलेपमेंट फॉर अ ग्रीनर टुमोरो”, विषय पर जैविक विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा 28 से 29 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 49. “विकसित भारत 2047: परसिस्टेंस ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम”, विषय पर शिक्षा एवं मानविकी विद्यालय, आईएफटीएम विश्वविद्यालय, लोधीपुर, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 31 जनवरी से 1 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
 50. “सायकोलॉजी इन अ ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड”, विषय पर मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान प्राध्यापक, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 4 से 5 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

51. “महाकुंभः द सैक्रेड पिचर ऑफ सनातन”, विषय पर एआईएचसी एवं पुरातत्व विभाग, वसंत कन्या महाविद्यालय, कामाच्छा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,25,000 रु.)
52. “हिंदी साहित्य के बदलते सरोकार एवं मूल्य”, विषय पर हिंदी विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, मंगलोर, हरीद्वार, उत्तराखंड द्वारा 10 से 11 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
53. “एलायनिंग सस्टेनेबिलिटी विद इंडियन नॉलेज सिस्टम्स फॉर अ विकसित भारत”, धारणीय विकास केंद्र, विवेकानंद व्यवसायिक अध्ययन संस्थान—प्रौद्योगिकीय कैम्पस, पीतम्पुरा, दिल्ली द्वारा 12 से 13 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
54. “राष्ट्र निर्माण में एन सी सी युवाओं की भूमिका: विकसित भारत@2047 के संदर्भ में”, विषय पर चमन लाल महाविद्यालय, लैंधोरा, हरिद्वार द्वारा 18 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
55. “सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में पुस्तकालय में एआई की भूमिका”, विषय पर पुस्तकालय विज्ञान विभाग, चमनलाल महाविद्यालय, लैंधोरा, हरीद्वार द्वारा 21 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
56. “शिवोहमः शिवा-द जर्नी ऑफ सैक्रेड जियोग्राफी ऑफ भारत”, विषय पर भूगोल विभाग, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 26 से 27 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
57. “डिसीप्लिन फोर्मेशन इन डिकोलोनाईज्ड इंडिया”, विषय पर मनोविज्ञान विभाग, आर्यभट्ट महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 27 से 28 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
58. “कस्टोडियंस ऑफ कल्चर: काँटीब्यूशंस ऑफ विमेन इन सेफगार्डिंग इंडियन ट्रेडीशनल नॉलेज, हैरीटेज एंड वैल्यू सिस्टम्स”, विषय पर शिक्षा विभाग, भोपाल सामाजिक विज्ञान विद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
59. “इंडियन नॉलेज सिस्टम्स: हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव्स एंड कंटेम्पोररी रिलेवेंस”, इतिहास विभाग, काशी नरेश शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भदोही, उत्तर प्रदेश द्वारा 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
60. “भारतीय दर्शन और भक्ति काव्य”, विषय पर हिंदी विभाग, श्यामलाल महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 7 से 8 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
61. “इंडियन कल्चर एंड विमेन एंपॉवरमेंट: अ काँप्रीहेंसिव इवेल्यूएशन”, विषय पर अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तर प्रदेश द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
62. “स्टडी ऑफ देल्ही एजुकेशन मॉडेल: नंबर, नेम, नैरेटिव ओर नीड्स”, विषय पर ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
63. “पाली एज द क्लासिकल लैंग्वेज ऑफ इंडिया: स्ट्रैन्थनिंग एशियाज कल्चरल यूनिटी एंड एडवांसिंग इंडियाज रोल इन प्रमोटिंग पाली एज अ ग्लोबल हैरीटेज लैंग्वेज”, विषय पर सम्राट अशोक सुभारती बुद्धिस्ट अध्ययन विद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
64. “उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता: नागरिक अधिकारों की समानता की ऐतिहासिक पहल”, अर्थशास्त्र विभाग, चमनलाल महाविद्यालय, लैंधोरा, हरिद्वार द्वारा 11 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
65. “द केस्ट फॉर जस्टिस इन ग्लोबल पॉलीटिक्स”, विषय पर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, संगठन एवं निशस्त्रीकरण केंद्र (सीआईपीओडी), अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 19 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
66. “एकेडेमिया मीट्स ट्रेडीशन: डेवलेपिंग इंडीविजुअल रिलेक्सेशन एंड रेजीलिअंस फॉर ग्लोबल वेल-बीईंग थ्रू इंडियन नॉलेज सिस्टम”, विषय पर अदिती महाविद्यालय,

दिल्ली विश्वविद्यालय, भवना, दिल्ली द्वारा 28 से 29 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

67. “मीडियाज पिवेटल रोल इन शैपिंग द डिसकोर्स ऑफ विकसित भारत@2047”, दिल्ली कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 29 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

व्याख्यान

1. “व्हाए इंटरनेशनल रिलेशंस मैटर”, विषय पर कैनेडियन, यूएस एवं लैटिन अमेरिकन अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 17 से 21 फरवरी 2025 के मध्य व्याख्यान का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

कार्यशालाएं

1. “करियर्स इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड एलाइड डिप्लोमा”, विषय पर अटल बिहारी वाजपेई प्रबंधन एवं उद्यमिता विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 21 मई 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
2. “रिसर्च बूटकैप: हैंड्स-ऑन क्वालिटी रिसर्च इन सोशल साइंस”, विषय पर व्यापार प्रबंधन संस्थान, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 18 से 19 अक्टूबर 2024 के

मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

3. “करिकुलम डेवलपमेंट ऑफ ट्राईबल स्टडीज इन इंडियन हायर एजुकेशन”, विषय पर राजनीति शास्त्र अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 27 से 28 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी कोर्स फॉर फैकल्टी मेंबर्स एंड सोशल साइंस रिसर्च स्कॉलर्स”, विषय पर अंग्रेजी विभाग, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा 26 से 31 जुलाई 2024 के मध्य छः दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
2. “बियोड बाउंड्रीज: एक्सप्लोरिंग इंटरसेक्शंस इन सोशल साइंस रिसर्च”, विषय पर सामाजिक विज्ञान विभाग, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा 20 से 21 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)
3. “रिसर्च मैथेडोलॉजी कोर्स फॉर सोशल साइंस”, विषय पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 24 से 28 फरवरी 2025 के मध्य पांच दिवसीय कोर्स का आयोजन किया गया। (1,50,000 रु.)

उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (एनडब्ल्यूआरसी), चंडीगढ़

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशालाएं

संगोष्ठियां

1. “विमेन्स मेंटल हैल्थ इन नॉर्थ वेस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया: ट्रॉमा एंड हीलिंग”, विषय पर मानवाधिकार एवं दायित्व केंद्र (यू.आई.ई.ए.एस.एस.), प्रथम तल, छात्र केंद्र एमर्जिंग एरियाज बिल्डिंग के समीप, पी.यू., सेक्टर-14, चंडीगढ़ द्वारा 13 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
2. “एथीकल यूज ऑफ एआई इन रिसर्च एंड रोल ऑफ लाईब्रेरीज”, विषय पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, पी.यू., चंडीगढ़ द्वारा 14 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

3. “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड एसडीजी पार्टनरशिप इन द इंडियन कंटेक्स्ट”, विषय पर स्नातकोत्तर शासकीय कन्या महाविद्यालय, सेक्टर 42-सी, चंडीगढ़ द्वारा 14 से 15 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
4. “द क्वेस्ट फॉर एजुकेशनल जस्टिस इन द सिनेरियो ऑफ मार्जिनालिटी एंड माईग्रेशन: इन द कंटेक्स्ट ऑफ गांधीयन फिलोसॉफी”, विषय पर गांधीवाद एवं शांति अध्ययन विभाग, पी.यू., चंडीगढ़ द्वारा 17 से 18 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
5. “इंडियाज रोडमैप टू 2030: अलायनिंग नेशनल पॉलिसीज विद यूएन एसडीजीज”, विषय पर जन प्रशासन विभाग,

- राजीव गाँधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, सेक्टर-12, चंडीगढ़ द्वारा 10 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
6. “बी.आर. अंबेडकर्स फिलोसॉफिकल लेगैसी एंड इंडियाज़ केस्ट फॉर सोशल जस्टिस”, डॉ. बी. आर. अंबेडकर केंद्र (समाज के पिछड़े वर्ग का सामाजिक-आर्थिक अध्ययन), पी.यू. चंडीगढ़ द्वारा 12 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 7. “डिजिटल लर्निंग एंड टैक्नोलॉजी इंटीग्रेशन”, विषय पर वी.एस.एल.एम. शिक्षा महाविद्यालय, चंडी (सोलन), वीपीओ-चंडी, तहसील-कसौली, जिला-सोलन (एचपी) द्वारा 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 8. “सस्टेनेबल एग्रो-टैक्नोलॉजीज़ एंड इनोवेशंस फॉर रेनफैड एग्रो-ईकोसिस्टम इन हिमाचल प्रदेश”, विषय पर करियर पॉइंट विश्वविद्यालय, टिक्कर-खारवारियां, भोरांज हमीरपुर, (एचपी) द्वारा 25 से 26 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 9. “एनशिअंट विज़डम, मॉडर्न इनोवेशन: इंडियन नोलेज-सिस्टम अक्रॉस डिसेप्टीस”, विषय पर भारतीय ज्ञान तंत्र प्रकोष्ठ एवं भौतिकी व संस्कृत विभाग, डब्ल्यूआरएस शासकीय महाविद्यालय, देहरी, कांगड़ा, (एचपी) द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 10. “सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज़ फॉर स्मॉल बिजनेस ऑटोप्रोन्योर्स ऑफ नॉर्थ वेस्ट इंडिया”, विषय पर प्रबंधन विभाग, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, सेक्टर-87, कंकरोला, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा 28 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 11. “विमेन लीडरशिप एंड डेवलेपमेंट”, विषय पर दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा द्वारा 11 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 12. “आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस: सोशल एंड ईकोनोमिक्स एप्लीकेशन प्रौसपेक्टिव”, विषय पर श्री गुरु हरी सिंह महाविद्यालय, श्री जीवन नगर, जिला-सिरसा, हरियाणा द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 13. “साईटीफिक इनोवेशंस, टैक्नोलॉजी एंड ईकोनोमिक इंटरफेस फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर इन इंडिया”, विषय पर विज्ञान विभाग एवं अर्थशास्त्र विभाग, गुरु नानक कन्या महाविद्यालय, संतपुरा, यमुनानगर द्वारा 19 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 14. “इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राईट्स एंड इंपैक्ट ऑफ सोशल मीडिया ऑन ईंग्लिश लैंग्वेज”, विषय पर गुरु नानक खालसा महाविद्यालय, रेल्वे रोड, करनाल द्वारा 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 15. “कन्वर्जेंस ऑफ रेग्युलर, ऑनलाइन एंड ओडीएल मोड्स एंड टैक्नोलॉजी इंटीग्रेशन इन हायर एजुकेशन”, विषय पर सीडीओई, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा द्वारा 6 से 7 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 16. “इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम इन टीचर एजुकेशन”, विषय पर शिक्षक शिक्षा विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ द्वारा 12 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 17. “सोश्यो-ईकोनोमिक इंपैक्ट ऑफ एआई ऑन हायर एजुकेशन अंडर एनईपी 2020”, विषय पर सतयुग दर्शन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद, हरियाणा, द्वारा 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 18. “विकसित भारत@2047: चैलेंजेज़, ऑपच्युनिटीज़ एंड डेवलेपमेंट”, विषय पर जन प्रशासन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119, हरियाणा द्वारा 20 से 21 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 19. “लद्दाख, जम्मू एंड कश्मीर: अंडरस्टैंडिंग द एब्रोगेशन ऑफ आर्टिकल 370 एंड बियॉड”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, आरकेएसडी महाविद्यालय, कैथल, हरियाणा, द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
 20. “द एथिक्स ऑफ एआई: अ ग्लोबल पर्सपेक्टिव”, विषय पर वैश आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय, रेल्वे स्टेशन के सामने, बहादुरगढ़, द्वारा 1 से 2 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)

21. “रोल ऑफ द इंडियन नॉलेज सिस्टम इन प्रमोटिंग डिजीटल लर्निंग एंड एजुकेशन विद अ स्पेशल फोकस ऑन जम्मू एंड कश्मीर एंड लद्दाख”, विषय पर पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, ईस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 1 यूनिवर्सिटी एवेन्यू, अवंतीपोरा, पुलवामा—जेके द्वारा 27 से 28 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
22. “इंटीग्रेटिंग डिजीटल लर्निंग एंड टेक्नोलॉजी इन टीचर एजुकेशन”, विषय पर शासकीय शिक्षा महाविद्यालय (आईएसई), एम. ए. रोड, श्रीनगर द्वारा 4 से 5 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
23. “भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति के आलोक में जम्मू कश्मीर का हिंदी साहित्य”, विषय पर हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
24. “सस्टेनेबल ग्रोथ: बैलेंसिंग ट्रेडीशन एंड मॉडनिटी इन कश्मीरी आर्ट एंड कल्चर”, विषय पर हब्बा खातून कश्मीरी भाषा एवं साहित्य केंद्र, ईस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अवंतीपोरा, कश्मीर द्वारा 20 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
25. “कॉन्टीन्यूटी एंड चेंज: सम सोशियोलॉजीकल इनसाइट्स फ्रॉम कश्मीर एंड लद्दाख”, विषय पर मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जे एवं के, द्वारा 20 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
26. “एनवायरमेंटल एथिक्स एंड ट्रेडीशनल नॉलेज सिस्टम इन द कश्मीर वैली: अ फिलोसॉफिकल अप्रौच”, अब्दुल अहद आजाद स्मृति डिग्री महाविद्यालय, बेमिना-श्रीनगर द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
27. “एनकरेजिंग ऑटोप्रोन्योरशिप एज अ वे रिड्यूसिंग अनएम्प्लॉयमेंट इन लद्दाख”, विषय पर वाणिज्य विभाग, लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह कैम्पस द्वारा 17 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
28. “आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर: इनोवेशंस, चैलेंजेज एंड स्ट्रैटेजीज फॉर कॉलेबोरेशन”, मृदा एवं जल अभियांत्रिकी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब द्वारा 12 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
29. “आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस फॉर ग्लोबल गुड: ईकोनोमिक एंड बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन”, विश्वविद्यालय व्यापार विद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र, सिविल लाईन्स, लुधियाना, पंजाब द्वारा 21 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
30. “क्लाइमेट रेजीलिएंट एग्रीकल्चर इन द कैसेट ऑफ ट्रांजीशन इन एग्रीकल्चर (सीआरएएफटी)”, विषय पर जलवायु परिवर्तन एवं कृषि ऋतु-विज्ञान विभाग, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा 17 से 18 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
31. “नेशनल सेमीनार ऑन कंटेम्पोररी ईश्यूज ऑन ईकोनोमिक डेवलपमेंट इन इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, अकाल विश्वविद्यालय, तलवंडी साबो, भटिंडा, पंजाब द्वारा 27 से 28 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
32. “डिजीटल ट्रांसफॉर्मेशन इन एजुकेशन: इंटीग्रेटिंग टेक्नोलॉजी फॉर एनहैंस्ड लर्निंग”, विषय पर जीएनए व्यापार विद्यालय, जीएनए विश्वविद्यालय, फगवाड़ा-होशियारपुर रोड, श्री हरगोविंद धाक खाती, पंजाब द्वारा 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
33. “ऑटोप्रोन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप्स: डायनैमिक रिलेम ऑफ ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज”, विषय पर गुरु नानक महाविद्यालय, किलियावाली, जिला-श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब द्वारा 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
34. “द रोल ऑफ लीगल एंड पैरा लीगल स्टडीज इन लीगल एंपॉवरमेंट”, विषय पर विधि विभाग, न्याय अध्ययन विद्यालय, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, वीपीओ-घुदा, भटिंडा, पंजाब द्वारा 19 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
35. “इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ विमेन पार्टीसिपेशन इन पंचायती राज इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया एंड रोल ऑफ मीडिया”, विषय पर कन्या महाविद्यालय, जालंधर विद्यालय मार्ग, टांडा रोड-144004, पंजाब द्वारा 28 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

36. “ओवरसीज़ माईग्रेशन: अ बिग चैलेंज इन नॉर्थ रीजन”, विषय पर गुरु अर्जन देव खालसा महाविद्यालय, चोला साहिब तहसील, जिला तरण तारण, पंजाब द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
37. “एप्रैज़ल ऑफ सस्टेनेबिलिटी डेवलेपमेंट गोल्स इन नॉर्थ वेस्टर्न इंडिया: नेवीगेटिंग ऑपच्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़ फॉर अ ग्रीनर फ्यूचर”, विषय पर विश्वविद्यालय गुरु नानक देव महाविद्यालय, जालंधर, पंजाब द्वारा 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
38. “एंपॉवरिंग सस्टेनेबल डेवलेपमेंट: इनोवेशंस एंड इंडीजीनियस टैक्नोलॉजीज़ फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ इन इंडिया”, विषय पर एसडी महाविद्यालय, होशियारपुर, दीप नगर, फगवाड़ा रोड, होशियारपुर द्वारा 22 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
39. “विकसित भारत@ 2047: अचीविंग सस्टेनेबल डेवलेपमेंट गोल्स”, अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग, हंसराज महिला महाविद्यालय, जालंधर द्वारा 28 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
40. “इंडियन नॉलेज सिस्टम (विद स्पेशल रेफरेंस टू सप्त सिंधु)”, विषय पर आई. के. गुजराल पंजाब प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जालंधर द्वारा 27 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
41. “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड एनईपी 2020 – चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़”, विषय पर मालवा महिला शिक्षा केंद्रीय महाविद्यालय, सिविल लाईन्स, लुधियाना द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
42. “एनशिअंट विज़डम फॉर मॉडर्न माईन्ड्स: अ सिनर्जी ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स”, विषय पर खालसा शिक्षा महाविद्यालय, रंजीत एवेन्यू, अमृतसर, पंजाब द्वारा 21 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
43. “एनहैंसिंग एथिक्स, वैल्यूज़ एंड इनोवेशन इन एजुकेशन”, विषय पर केनवे शिक्षा महाविद्यालय, अबोहर हनुमानगढ़ रोड, अबोहर द्वारा 4 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
44. “एनवायरमेंट स्टडीज़”, विषय पर संत बाबा हाजरा सिंह कन्या महाविद्यालय, निके घुम्नन, जिला-गुरदासपुर, द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
45. “कंटेम्पोररी प्रैक्टिसेज़ ऑफ ट्रेडीशनल आर्ट एंड क्राफ्ट ऑफ नॉर्थ वेस्ट इंडिया”, विषय पर बीबीके डीएवी महिला महाविद्यालय, लॉरेंस रोड, अमृतसर द्वारा 21 से 22 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
46. “शैपिंग द वर्ल्ड ऑफ दिव्यांग श्रू स्पोर्ट्स एंड योगा”, शारिरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा 28 से 29 मार्च 2025 द्वारा दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
47. “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड द ईंग्लिश लैंग्वेज लर्निंग लैंडस्केप इन पंजाब”, प्रेम चंद मार्कंडा एसडी महिला महाविद्यालय, जालंधर द्वारा 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
48. “आर्टोप्रोन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप्स”, विषय पर सुख अमृत सोसायटी, न्यू एरा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंडीगढ़ रोड, खरार द्वारा 7 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
49. “फ्लाइट टू ग्रीनर पेस्वर्स: माईग्रेशन स्टोरी ऑफ द पंजाब”, विषय पर सामाजिक विज्ञान विद्यालय, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 6 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
50. “विमेन एंपॉवरमेंट एंड सोशल डेवलेपमेंट”, स्योन महाविद्यालय, हनुमानगढ़ रोड, अबोहर द्वारा 22 मार्च 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
51. “इनोवेशंस इन एग्रीकल्चर एंड वैल्यू चेन मैनेजमेंट फॉर रुरल डेवलेपमेंट इन नॉर्थ-वेस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया”, अकाल अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय, इटरनल विश्वविद्यालय, बारु साहिब, जिला-सिरमौर (एचपी), द्वारा 27 से 28 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
52. “लिटरेचर एंड फिलोसॉफी: इंटर-डायलॉग”, विषय पर पंजाबी अध्ययन विद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 28 से 29 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
53. “उद्भव: इमर्जिंग ट्रेंड्स इन रिसर्च”, विषय पर वाणिज्य विभाग, एच. पी. विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा 30 नवंबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

54. “थर्टी-फाईव ईयर्स ऑफ ईकोनोमिक रिफॉर्म्स इन इंडिया—अ ट्रिब्यूट ऑफ डॉ. मनमोहन सिंह”, अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, द्वारा 27 मार्च 2025 को भासाविअप-एनडब्ल्यूआरसी के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

1. “रोल एंड सिग्रीफिकेंस ऑफ हिंदी लिटरेचर इन मॉडर्न सोसायटी”, विषय पर भासाविअप उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 23 सितंबर 2024 को व्याख्यान का आयोजन।
2. “रिजर्वेशंस विदिन रिजर्वेशन अ न्यू इवोल्विंग कांस्टीट्यूशनल स्ट्रेटेजी ऑफ कॉसोलिडेटिंग ‘इक्विटैबल इनक्लूसिव सोसायटी’ (अ क्रिटिक ऑफ द 7-जज कांस्टीट्यूशन बेंच जजमेंट ऑफ द सुप्रीम कोर्ट डेलीवर्ड ऑन ऑगस्ट 1, 2024)”, विषय पर भासाविअप उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र द्वारा 18 दिसंबर 2024 को व्याख्यान का आयोजन। no amount

कार्यशालाएं

1. “करीकुलम डेवलेपमेंट इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन”, विषय पर जन प्रशासन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 18 से 19 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (90,000 रु.)
2. “इंडीजीनियस आर्ट: आर्टिस्ट्स पर्सपेक्टिव”, विषय पर विश्वविद्यालय फैशन प्रौद्योगिकी एवं व्यवसायिक विकास संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 7 मार्च 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

स्वीकृत अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज/ प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी इन सोशल साइंसेज फॉर रिसर्च स्कॉलर्स एंड फैकल्टी मेंबर्स”, विषय पर 10 से 20 फरवरी 2025 के मध्य दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

2. “रिसर्च मैथेडोलॉजी एंड डेटा एनालिसिस”, विषय पर 3 से 8 मार्च 2025 के मध्य एक सप्ताह का क्षमता निर्माण/ शिक्षण विकास कार्यक्रम का आयोजन।

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. आरआईएमटी विश्वविद्यालय, मंडी, गोबिंदगढ़ द्वारा 17 से 27 मार्च 2025 के मध्य एक सप्ताह के ‘प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम’ का आयोजन। (2,00,000 रु.)
2. महाराजा रंजीत सिंह, पंजाब राजकीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भटिंडा द्वारा 24 से 29 मार्च 2025 के मध्य एक सप्ताह के ‘प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम’ का आयोजन। (2,00,000 रु.)

पुस्तकालय

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में भासाविअप-उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का पुस्तकालय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान शोधार्थियों, विभागीय सदस्यों एवं अतिथि शोधकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्तोत्र केंद्र का काम करता है। उपयोगकर्ताओं की बदलती हुई जरूरतों के लिये पुस्तकालय ने अपने रिकॉर्ड्स का डिजिटাইजेशन शुरू किया है, जिसमें पुस्तकें भी सम्मिलित हैं जिससे इन महत्वपूर्ण स्रोतों को अधिक सुरक्षित और पहुंच के दायरे में रखा जा सके।

पुस्तकालय द्वारा सामाजिक विज्ञान की कुल 15 पत्रिकाओं की सदस्यता ली जाती है, जिसमें 12 भारतीय पत्रिकाएं एवं 3 पंजाबी भाषा की पत्रिकाएं सम्मिलित हैं। पुस्तकालय का संकलन विविधतापूर्ण एवं विस्तृत है जिसमें 4,370 पुस्तकें एवं पत्र-पत्रिकाओं के 3,775 के पूर्व संस्करण सम्मिलित हैं।

इसके साथ ही, पुस्तकालय में क्षेत्रीय केंद्र द्वारा प्रायोजित 681 संगोष्ठी-पत्रों, 1,937 सामयिक अनुसंधान एवं कार्य-पत्रों का संकलन है, जो सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। साथ ही, पुस्तकालय में उपभोक्ताओं के लिए सेज अनुसंधान प्रणालियां ई-स्रोत उपलब्ध हैं जिन्हें नैसडॉक, भासाविअप नई दिल्ली के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। यह प्लेटफॉर्म उच्च-गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं प्रणाली प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण उपकरण व सामाग्री प्रदान करता है।

दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी), हैदराबाद

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशालाएं

सम्मेलन

1. “इमर्जिंग ‘न्यू’ वर्ल्ड ऑफ ओपन एंड डिस्टेंस एजुकेशन मेकिंग ट्रांसफॉर्मेशन हैप्पन”, विषय पर पीजीआरआरसीडीई उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 27 से

28 अप्रैल 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)

2. “रिवाईवल एंड इंटरप्रिटेशन ऑफ एपिस्टोमोलॉजीकल रूट्स ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स इन लाईट ऑफ मॉडर्न इंटेलिक्चुअल लैंडस्केप” विषय पर शिक्षा विभाग, उस्मानिया

- विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 28 से 30 अक्टूबर 2024 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
3. “जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज़ फॉर सस्टेनेबल एनर्जी रिसोर्सेज एंड एसडीजीज़: पॉलिसी फ्रेम वर्क्स एंड ग्लोबल इनीशिएटिव्स”, विषय पर भूगोल विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 27 से 29 दिसंबर 2024 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 4. “ईकोनोमिक ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट – इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, तिरुनेलवेली दक्षिण मारा नादर संगम महाविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु द्वारा 31 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 5. “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन फोर्जिंग द फ्यूचर बिजनेस लैंडस्केप”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सेंट जोसेफ वाणिज्य (ए) महाविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा 18 फरवरी 2025 को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (35,000 रु.)
 6. “एंपॉवरिंग वलनैरेबल कम्युनिटीज़: स्ट्रेटेजीज़ फॉर इनक्लूसिव सोशल डेवलेपमेंट अंडर द थीम-विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, वेल टेक रंगराजन डॉ. सगुनथला आर एवं डी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चैन्नई, तमिलनाडु द्वारा 22 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 7. “डेटा एवं डायवर्सिटी: रीथिंकिंग सोशल एक्सक्लूज़न, ईकोनोमिक डेवलेपमेंट एंड वेल-बीईंग इन इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, मानविकी एवं उदार कला विद्यालय, वोक्सेन विश्वविद्यालय, संगारेड्डी, तेलंगाना द्वारा 24 से 25 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
 8. “प्रमोटिंग विमेन्स राईट्स, जेंडर इक्विटी एंड फोस्टरिंग एंपॉवरमेंट”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 12 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
 9. “रीसेंट ट्रेन्ड्स इन फीमेल ऑटोप्रोन्योरशिप: इनोवेशन एवं इमीग्रेशन”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सीथालक्ष्मी अची महिला महाविद्यालय, सिवांगंगाई, तमिलनाडु द्वारा 12 से 13 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 10. “सस्टेनेबल ईकोनोमिक एंपॉवरमेंट थ्रू इनोवेशन एंड ऑटोप्रोन्योरशिप”, विषय पर वाणिज्य विभाग, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, तमिलनाडु द्वारा 13 से 14 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
 11. “विज़न इंडिया@2047: ट्रांसफॉर्मिंग स्मार्ट सिटीज़ इनटू सस्टेनेबल सोसायटीज़ – अ होलिस्टिक पर्सपेक्टिव”, विषय पर व्यापार प्रशासन स्नातकोत्तर विभाग, मारिस स्टैला महाविद्यालय (ए), विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा 20 से 21 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 12. “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड आयूष फॉर विकसित भारत”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, श्रीमती सी. बी. पाटिल कला एवं वाणिज्य डिग्री महाविद्यालय, कालाबुर्गी, कर्नाटक द्वारा 24 से 25 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 13. “ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया 5.0: सस्टेनेबल स्ट्रेटेजीज़ फॉर इमर्जिंग चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़”, विषय पर प्रबंधन विभाग, विश्व विश्वानी तंत्र एवं प्रबंधन संस्थान, मेडचल जिला, तेलंगाना द्वारा 25 से 26 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

संगोष्ठियां

1. “हायर एजुकेशन एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट गोल्स (एसडीजीज़) इन इंडिया: चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़ इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ न्यू एजुकेशन पॉलिसी”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 14 से 15 मार्च 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
2. “‘विजन इंडिया – 2025’ टूवर्ड्स \$5 ट्रिलियन ईकोनोमी: ऑपच्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सेंट जोसेफ्स महाविद्यालय (ए), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा 27 से 28 जून 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
3. “इंपैक्ट ऑफ डेवलेपमेंट प्रोग्राम ऑन तेलंगाना ईकोनोमी”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, एनटीआर शासकीय डिग्री एवं

- स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना द्वारा 28 जून 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (30,000 रु.)
4. “फोर्जिंग टूमोरोज़ ट्रायम्फ: कटिंग-एज इनोवेशंस एंड इनसाईट्स डिफाईनिंग फ्यूचर बिजनेस ट्रेंड्स”, विषय पर रामनाथ गुलजारीलाल केडिया वाणिज्य महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 28 से 29 जून 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 5. “बिल्डिंग एन ऑटोप्रोन्योरियल ईकोसिस्टम: अलायनिंग द एनईपी 2020 विद द चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़ ऑफ द 21स्ट सेंचुरी”, विषय पर वाणिज्य विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय (ए), जिला-कामारेड्डी, तेलंगाना द्वारा 11 से 12 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
 6. “एंपॉवरिंग इंडिया थ्रू डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन: अ सस्टेनेबल अप्रोच”, विषय पर वाणिज्य विभाग (ई-कॉमर्स), नल्लामुथु गौडर महालिंगम महाविद्यालय, पोल्लाची, तमिलनाडु द्वारा 19 जुलाई 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (16,000 रु.)
 7. “फाईनेंशियल सर्विसेज़ इन इंडिया—ऑपच्युनिटीज़, ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, टीआरआर शासकीय डिग्री महाविद्यालय, नेल्लोर (डीटी), आंध्र प्रदेश द्वारा 25 से 26 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
 8. “विमेन एंपॉवरमेंट एज ए कैटालिस्ट फॉर द होलिस्टिक डेवलेपमेंट ऑफ द ईकोनोमी”, अर्थशास्त्र विभाग, श्री जी.वी.जी. विसालक्षी महिला महाविद्यालय (ए), तिरुपुर जिला, तमिलनाडु द्वारा 30 से 31 जुलाई 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 9. “रोल ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस इन अचीविंग विकसित भारत@2047 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, सेंट फ्रांसिस महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 3 से 4 सितंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (34,000 रु.)
 10. “नर्वरिंग माईड्स, नरीशिंग सोल्स, इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम इन पैडागॉजिकल डिसीप्लिन्स”, विषय पर शिक्षा विभाग, सेंट एन्स शिक्षा महाविद्यालय (ए), सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 18 से 19 अक्टूबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (34,000 रु.)
 11. “आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, सोशल मीडिया एंड सोसायटी (एआईएसएमएस)”, विषय पर समाजशास्त्र विभाग, श्रीमती वीरम्मा गंगासिरी महिला महाविद्यालय, कालाबुर्गी, कर्नाटक द्वारा 5 से 6 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 12. “टूवर्ड्स विकसित भारत सिनर्जीजिंग ह्यूमन इंटेलीजेंस एंड आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट फॉर अ सस्टेनेबल एंड प्रोस्पेरस इंडिया अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, वाणिज्य विभाग, सेंट फ्रांसिस महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 19 से 20 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (36,054 रु.)
 13. “डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड द फ्यूचर ऑफ इंडियाज़ ईकोनोमी”, अर्थशास्त्र विभाग, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, अनंथपुरम, आंध्र प्रदेश द्वारा 29 से 30 नवंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
 14. “विजन विकसित भारत@2047 – अपग्रेडिंग इंडियन एग्रीकल्चरल सिस्टम विद सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज़ एंड इनक्लूसिव रुरल डेवलेपमेंट अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, कर्नाटक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, बेंगलोर, कर्नाटक द्वारा 12 से 13 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (38,700 रु.)
 15. “इनहिबीशंस ऑफ ट्रांस ऑटोप्रोन्योर्स विद स्पेशल रेफरेंस टू कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु”, विषय पर वाणिज्य विभाग, श्री कृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 20 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (16,980 रु.)
 16. “स्ट्रैटेजिक ट्रेड एंड फाईनेंस – इंडियाज़ रोल इन द ग्लोबल ईकोनोमी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर प्रबंधन विभाग, एसआर विश्वविद्यालय (निजी वि.वि.), वारांगल, तेलंगाना द्वारा 20 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 17. “सोशल इनोवेशन—एड्रेसिंग सोसाइटल नीड्स एंड चैलेंजेज़ अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय

- पर व्यापार प्रबंधन विभाग, आरबीवीआरआर महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 3 से 4 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (34,981 रु.)
18. “डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) स्कीम: एन इनीशिएटिव फॉर इनक्लूसिवनेस”, अर्थशास्त्र विभाग, जयाराज अन्नापकियम महिला महाविद्यालय (ए), पेरियाकुलम, थेनी जिला, तमिलनाडु द्वारा 6 से 7 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 19. “इक्विपिंग एमएसएमई क्लस्टरर्स टूवर्ड्स इंडस्ट्री 4.0 – प्रोसपेक्ट्स एंड चैलेंजेज अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, श्री रामकृष्ण कला एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 7 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 20. “एंपॉवरिंग द नेक्स्ट जेनरेशन ऑफ विमेन इन स्टेम (एसटीएम)—नेवीगेटिंग चैलेंजेज एंड सीजिंग ऑपच्युनिटीज अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, संयुक्त सचिवपद विभाग, एस. ए. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, चैन्नई, तमिलनाडु द्वारा 8 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (17,000 रु.)
 21. “अंडरस्टैंडिंग इलेक्टोरल आउटकम्स इन इंडियन स्टेट्स ऑफ लोक-सभा इलेक्शंस—2024”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 9 से 10 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
 22. “विजन विकसित भारत@2047 चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज फॉर लाईब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन प्रोफेशनल्स इन माईग्रेटिंग टू वेब-बेस्ड इन्फोर्मेशन रिसोर्सेज अंडर द थीम ऑफ विकसित भारत@2047”, विषय पर पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र, कर्नाटक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिदर, कर्नाटक द्वारा 20 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 23. “एक्सीलरेटिंग विमेन्स ईकोनोमिक फुटप्रिंट: एड्रेसिंग अ वाइटल मिसिंग लिंक इन इंडियाज ग्रोथ स्टोरी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, मद्रास क्रिश्चियन महाविद्यालय (ए), चैन्नई, तमिलनाडु द्वारा 21 से 22 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 24. “अनलॉकिंग ईकोनोमिक पोटेंशियल इन 21स्ट सेंचुरी: हार्नेसिंग डेमोग्राफिक डिवीडेंड इन इंडिया अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, बिशप कुरियालचेरी महिला महाविद्यालय, कोट्टायम, केरल द्वारा 21 से 22 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 25. “हैल्थ केयर एंड सोशल सिक्योरिटी: एड्रेसिंग द नीड्स ऑफ द एल्डर्ली अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर समाज कार्य अध्ययन एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर विभाग, सेंट फिलोमेनाज महाविद्यालय (ए), मैसूर, कर्नाटक द्वारा 22 से 23 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (39,500 रु.)
 26. “एंपॉवरिंग विमेन: प्रमोटिंग इनोवेशन, आर्टोप्रोन्योरशिप एंड सस्टेनेबिलिटी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, एसवीसीआर शासकीय डिग्री महाविद्यालय, चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश द्वारा 23 से 24 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
 27. “एनवायरमेंटल इंपैक्ट एंड क्लीन टेक्नोलॉजी स्टार्ट-अप्स फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य अनुसंधान स्नातकोत्तर विभाग, वी. ओ. चिदंबरम महाविद्यालय, थुथुकुडी, तमिलनाडु द्वारा 23 से 24 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
 28. “नारी सशक्तिकरण –जेंडर एंपॉवरमेंट स्ट्रेटजीज टू ग्लास सीलिंग टू इरेडीकेट जेंडर डिसक्रिमिनेशन अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, श्री रामकृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (ए), कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 24 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
 29. “विजन विकसित भारत 2047@एजुकेशन 4.0 – एनहैंसिंग इंडियाज वर्कफोर्स फॉर द एआई-पॉवर्ड फ्यूचर अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, नल्लामुथु, गौडर महालिंगम महाविद्यालय,

- कोयंबटूर जिला, तमिलनाडु द्वारा 24 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
30. “ब्रिजिंग द डिवाइड: एस्टैब्लिशिंग जेंडर इक्वैलिटी इन द वर्कप्लेस अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर महिला अध्ययन विभाग, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश द्वारा 24 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (30,000 रु.)
31. “एक्सीलेरेटिंग सस्टेनेबल ईकोनोमिक ग्रोथ थ्रू रिसर्च, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, अर्थशास्त्र विभाग, लिटिल फ्लॉवर महाविद्यालय, गुरुवयूर, केरल द्वारा 27 से 28 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
32. “ग्रीन फाईनेंस फॉर अ विकसित भारत अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, रथीनाम टैकजोन, रथीनाम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 29 जनवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
33. “विजन विकसित भारत@2047: ईकोनोमिक प्रौद्योगिकी थ्रू इंडस्ट्री 4.0 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर प्रबंधन अध्ययन विभाग, एसएसजीएस डिग्री महाविद्यालय (वित्तीय सहयोग), अनंतपुरम जिला, आंध्र प्रदेश द्वारा 29 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
34. “नेवीगेटिंग द फ्यूचर: एजिंग एंड सोशल सिक्योरिटी इन द 21स्ट सेंचुरी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अस्पताल प्रशासन विभाग, डॉ. एन.जी.पी. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 30 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
35. “चेंजिंग सिनेरियो इन लेबर फोर्स एंड एंज्लॉयमेंट इन रुरल इंडिया: चैलेंजेज एंड स्ट्रैटेजीज अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, विवेकानंद महाविद्यालय, मदुरै जिला, तमिलनाडु द्वारा 30 से 31 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
36. “ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ यूपीआई इन डिजीटलाइजिंग माईक्रो बिजनेसेज पैर इंडिया ऑफ विजन विकसित भारत@2047 अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, श्री कृष्ण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (ए), कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 30 से 31 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (37,907 रु.)
37. “एडवांसिंग फूड एंड न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी इन इंडिया: इनोवेशंस, चैलेंजेज एंड फ्यूचर डायरेक्शंस अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, कामराज महाविद्यालय, थुथुकुडी, तमिलनाडु द्वारा 31 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
38. “विजन विकसित भारत 2047: काँट्रीब्यूशन एंड इनीशिएटिव ऑफ डिजीटल इंडिया फॉर एंपॉवरिंग रुरल विमेन अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, पीए नल्लामुथु गौंडर, महालिंगम महाविद्यालय, कोयंबटूर जिला, तमिलनाडु द्वारा 31 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
39. “विमेन एंपॉवरमेंट एंड ऑटोप्रोन्नोरशिप: विजन विकसित भारत@2047 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047” विषय पर वाणिज्य विभाग, कस्तूरबा गाँधी डिग्री एवं स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, नेहरू नगर, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 6 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (17,020 रु.)
40. “एंग्लॉयबिलिटी इंपेक्ट ऑन नान मुधालवन स्किल्स डेवलपमेंट कोर्सेज इन हायर एजुकेशन इन तमिलनाडु अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान विभाग, राजाह सेरफोजी शासकीय महाविद्यालय, थंजावुर, तमिलनाडु द्वारा 6 से 7 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
41. “एंपॉवरिंग रुरल ईकोनोमीज: विमेन ऑटोप्रोन्नोरर्स लीडिंग द वे टू विकसित भारत अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, ईस्ट ब्लॉक, एसआरएमआईएसटी (रामापुरम कैंपस), चैन्नई, तमिलनाडु द्वारा 7 से 8 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (37,400 रु.)

42. “इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट इन तेलंगाना”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, नालगोंडा, तेलंगाना द्वारा 8 से 9 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
43. “रोल एंड रेलेवेंस ऑफ द पैरलल बॉडीज़ इन रूल लोकल गवर्मेंट”, विषय पर राजनीति विज्ञान एवं जन प्रशासन विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश द्वारा 10 से 11 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
44. “ऑटोप्रोन्योरशिप चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़ – मेक इन इंडिया विजन विकसित भारत 2047 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, वाणिज्य विभाग (बैंकिंग एवं बीमा), पीएसजी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 12 फरवरी 2025 को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
45. “ग्रीन फाईनेंस एंड इंपेक्ट इन्वेस्टिंग: पेविंग द वे फॉर सस्टेनेबल ईकोनोमिक ग्रोथ टूवर्ड्स अचीविंग विकसित भारत@2047 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सेंट जोसेफ्स वाणिज्य महाविद्यालय, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा 12 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
46. “एंपॉवरिंग विमेन: ब्रिजिंग द गैप थ्रू ऑटोप्रोन्योरशिप अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर प्रबंधन विभाग, अलगप्पा प्रबंधन संस्थान, अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, तमिलनाडु द्वारा 13 से 14 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
47. “विजन विकसित भारत@2047 – सोशल सिक्योरिटी एंड एजिंग पॉप्यूलेशन इन विकसित भारत 2047 अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर प्रबंधन विभाग, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय, कराईकल, पुदुचेरी (यू.टी.), द्वारा 13 से 14 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
48. “विजन विकसित भारत@ 2047 – अ रोडमैप फॉर इंडस्ट्रियल ग्रोथ, ईकोनोमिक प्रौसपैरिटी एंड इनक्लूसिव डेवलेपमेंट अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, श्री रामकृष्णा कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 14 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (17,225 रु.)
49. “फिनटेक इनोवेशन, इनक्लूजन एंड सस्टेनेबिलिटी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर वाणिज्य अध्ययन विभाग, दावनगरे विश्वविद्यालय, दावनगरे, कर्नाटक द्वारा 14 से 15 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
50. “रूल टूरिज़्म एंड सस्टेनेबल रूल लाइवलीहुड्स अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालयम तिरुपति, आंध्र प्रदेश द्वारा 14 से 15 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
51. “पाथवेज़ टू प्रोग्रेस: एनहेंसिंग विमेन्स स्किल्स फॉर विकसित भारत अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, कुक्के श्री सुभ्रमण्येश्वरा महाविद्यालय, कदाबा, कर्नाटक द्वारा 17 से 18 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
52. “विजन विकसित भारत@2047: कांस्टीट्यूशनल, लैजिसलेटिव एंड ज्यूडीशियल रिफॉर्म्स इन इंडिया अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर राजनीति शास्त्र अध्ययन विभाग, विजयनगर, श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय, बल्लारी, कर्नाटक द्वारा 19 से 20 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
53. “इनोवेटिव पाथवेज़ टू सस्टेनेबल लाइवलीहुड्स: डायवर्सिफाईंग रूल ऑक्वूपेशंस अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर एमबीए-पर्यटन प्रबंधन विभाग, विक्रम सिंहापुरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश द्वारा 19 से 20 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
54. “सस्टेनेबल डेवलेपमेंट: ऑपच्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़ इन इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, नागार्जुन शासकीय महाविद्यालय (ए), नालगोंडा, तेलंगाना द्वारा 19 से 20 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
55. “ग्रीन ईकोनोमी – स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ फाईनेंशियल सेक्टर टूवर्ड्स सस्टेनेबल फाईनेंसिंग एंड फ्यूलिंग ऑफ इंडियाज़ ग्रीन ग्रोथ ऑफ विजन विकसित भारत@ 2047

- अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, डॉ. एम.जी.आर. शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय संस्थान (मानद), चैन्नई, तमिलनाडु द्वारा 20 से 21 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
56. “एनहैंसिंग वर्कफोर्स रेडीनेस फॉर विजन 2047: रीस्किलिंग एंड अपस्किलिंग अग्रोचेज अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर व्यापार प्रशासन विभाग, कलासलिंगम शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी (मानद विश्वविद्यालय), विरुद्धनगर जिला, तमिलनाडु द्वारा 20 से 21 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
57. “यूथ एंड सोशल आउट्रोप्रोन्योरशिप: फोस्टरिंग द नेक्स्ट जेनरेशन ऑफ चेंजमेकर्स इन इंडिया”, समाज कार्य विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय, निजामाबाद, तेलंगाना द्वारा 20 से 21 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
58. “इनोवेशंस इन एग्रीकल्चर एंड रुरल डेवलपमेंट”, विषय पर पर्वथानेनी ब्रह्ममैया सिद्धार्थ कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा 21 से 22 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
59. “द वे फॉर ईकोनोमिक डेवलपमेंट: ऑपच्युनिटीज़, चैलेंजेज़ एंड एंपॉवरमेंट ऑफ विमेन आउट्रोप्रोन्योर्स इन इंडिया अंडर द थीम विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर मनोविज्ञान विभाग, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा 27 से 28 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
60. “एंपॉवरिंग रुरल विमेन – पॉलिसीज़ स्ट्रैटेजीज़ एंड आउटकम्स”, विषय पर एमबीए विभाग, केजी रेड्डी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, ग्राम चिलकुर, तेलंगाना द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
61. “ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ इन फ्यूचर पर्सपेक्टिवज़ ऑन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रुरल डेवलपमेंट थ्रू द आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु द्वारा 4 से 5 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
62. “सस्टेनेबल ट्रांसफोर्मेशन इन रुरल इंडिया: पाथवेज़ टू विकसित भारत अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, पोंडीचेरी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), कालापेट, पुदुचेरी द्वारा 6 से 7 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
63. “टैक्नोलॉजीकल इनोवेशंस इन एग्रीकल्चर: ब्रिजिंग द रुरल-अर्बन डिवाइड फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, मदुरै द्रवियम थायुमानवर हिंदू महाविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु द्वारा 6 से 7 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
64. “मिशन टू विजन: द ईश्यूज़ एंड चैलेंजेज़ ऑफ इंडियाज़ \$5 ट्रिलियन ईकोनोमी अंडर द थीम ऑफ विजन विकसित भारत@2047”, विषय पर व्यापार प्रबंधन विभाग, सेंट पायस एक्स डिग्री एवं स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 11 से 12 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (35,970 रु.)
65. “डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन: अ की कैटालिस्ट फॉर सस्टेनेबल बिजनेस डेवलपमेंट”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सातवाहन विश्वविद्यालय, करीमनगर, तेलंगाना द्वारा 12 से 13 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
66. “रिप्रॉडक्टिव राईट्स एंड लीगल फ्रेमवर्क्स एड्रेसिंग पॉप्यूलेशन ईश्यूज़”, विषय पर विधि विभाग, एसडीएम महाविद्यालय, मैंगलोर, कर्नाटक द्वारा 15 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
67. “फोस्टरिंग इनक्लूजीविटी: वेलनेस एंड डेवलपमेंट फॉर विमेन एंड दिव्यांगजन”, विषय पर प्रबंधन अध्ययन विभाग, दयानंद सागर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा 21 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (35,000 रु.)
68. “एक्सप्लोरिंग ईएसजी: बिल्डिंग सस्टेनेबल फ्यूचर्स”, विषय पर पर्वथानेनी ब्रह्माया सिद्धार्थ कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)

69. “रोड मैप टू विकसित भारत@ 2047: स्ट्रैटेजिक ईनसाइट्स इन विजुएलाइजिंग एक्सीलेंस इन द मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर प्रबंधन विभाग, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, अनंथपुरम, आंध्र प्रदेश द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
70. “कोएलीशन पॉलीटिक्स एंड डेमोक्रेसी इन इंडियन सोसायटी”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, ककाटिया विश्वविद्यालय, वारांगल, तेलंगाना द्वारा 21 से 22 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
71. “वेलफेयर प्रोग्राम्स इन इंडिया: ईश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड द वे फॉरवर्ड अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, एस.जे.एम.वी. एवं बी.ए.जे. एस.एस. कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय, रानेबेन्नूर, कर्नाटक द्वारा 26 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (20,000 रु.)
72. “इकैलिटी एंड इनक्लूसिव सोसायटी फॉर मार्जिनैलाइज्ड ग्रुप्स इन इंडिया अंडर द थीम विजन विकसित भारत – 2047”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय(ए), सिद्दीपेट, सिद्दीपेट जिला, तेलंगाना द्वारा 26 से 27 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
73. “ई-कॉमर्स एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन फॉर विकसित भारत अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर वाणिज्य विभाग, व्यापार अध्ययन विद्यालय, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कालाबुर्गी जिला, कर्नाटक द्वारा 28 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (30,000 रु.)
74. “एनविजनिंग विकसित भारत@ 2047: कोलेबोरेटिव एफर्ट्स फॉर एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी” विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय (ए), सिद्दीपेट, तेलंगाना द्वारा 3 से 4 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
75. “ग्रासरूट्स विमेन्स लीडरशिप: इंपेक्ट एंड चैलेंजेज़ ऑन इनक्लूज़िव डेवलपमेंट, इफेक्टिव गवर्नेंस एंड जेंडर इकैलिटी अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, शासकीय नगर महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 8 से 9 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
76. “द रोल ऑफ सोशल साईसेज़ इन शैपिंग पब्लिक पॉलिसी: अ मल्टीडिसीप्लीनरी पर्सपेक्टिव”, विषय पर जन प्रशासन विभाग, तारा शासकीय महाविद्यालय (ए), सांगारेड्डी, तेलंगाना द्वारा 9 से 10 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
77. “एंपॉवरिंग द मार्जिनैलाइज्ड: अंबेडकर्स काँट्रीव्यूशन टू सोशल वर्क प्रैक्टिस”, विषय पर समाज कार्य विभाग, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश द्वारा 14 से 15 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
78. “विकसित भारत 2047: अ रोडमैप फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ, ईकोनोमिक प्रौसपैरिटी, एंड गुड गवर्नेंस”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 24 से 25 अप्रैल 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
79. “ऑटोप्रोन्योरशिप एंड स्टार्टअप्स: नेवीगेटिंग चैलेंजेज़, अचीविंग सक्सेज़”, विषय पर एमबीए विभाग, राजा बहादुर वेंकटा रामा रेड्डी महिला महाविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 24 से 26 अप्रैल 2025 के मध्य तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
80. “चैलेंजेज़ एंड ऑपच्युनिटीज़ फेस्ड बाय इनोवेटिव ऑटोप्रोन्योर्स इन इंडिया”, विषय पर व्यापार प्रबंधन विभाग, केबीएन महाविद्यालय (ए), विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा 27 से 28 जून 2025 के मध्य दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
81. “डिजिटल इकोनोमी: द इंपेक्ट ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस ऑन ग्लोबल मार्केट्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, पिंगले शासकीय महिला महाविद्यालय (ए), हनमकोंडा, तेलंगाना द्वारा 25 से 26 जुलाई 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
82. “ई-गवर्नेंस एंड आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस: ट्रांसफॉर्मिंग पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन फॉर विकसित भारत”, विषय पर जन प्रशासन विभाग, शासकीय डिग्री महाविद्यालय, मेडक, तेलंगाना द्वारा 7 से 8 अगस्त 2025 के मध्य दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)

कार्यशालाएं

1. “ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग: स्ट्रैटेजीज़ फॉर विमेन इन ऑटोप्रोन्योरशिप अंडर द थीम विजन विकसित भारत@ 2047”, विषय पर समाज कार्य विभाग, एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेंगलपट्टु, तमिलनाडु द्वारा 28 से 29 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (40,000 रु.)
2. “सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड लाइवलीहुड्स: चैलेंजेज़ एंड अल्टरनेटिव्स इन इंडिया”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 15 से 16 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
3. “इंडिया 2030: इनोवेट, इंटीग्रेट, इंसपायर – द पाथ टू अचीविंग एसडीजीज़”, विषय पर वाणिज्य विभाग (सीएस एंड एफ), एसआरएमआईएसटी, कट्टानकुलथुर, तमिलनाडु द्वारा 26 से 27 जून 2025 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

प्रायोजित/स्वीकृत अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज/ प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम**अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज**

1. “डेटा एनालिसिस फॉर सोशल साइंस रिसर्च”, विषय पर वाणिज्य विभाग, एसआरएम एवं सीवीआर शासकीय डिग्री महाविद्यालय (ए), विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा 20 से 21 जून 2024 के मध्य दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (60,000 रु.)
2. “एप्लीकेशन ऑफ टूल्स एंड टेक्नीक्स इन सोशल साइंस रिसर्च”, विषय पर व्यापार प्रबंधन विभाग, शासकीय कला महिला महाविद्यालय, डिंडीगुल (डीटी), तमिलनाडु द्वारा जून 2025 में तीन दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कार्यशाला का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी फॉर लेक्चर्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पालामुरु विश्वविद्यालय, महबूबनगर, तेलंगाना द्वारा 25 से 27 सितंबर 2024 के दौरान तीन दिवसीय शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (80,000 रु.)
2. “इनोवेटिव टीचिंग पेडागोजी, मॉडर्न टीचिंग एंड लर्निंग

मैथड्स फॉर टीचर्स एंड रोल ऑफ रिसर्च इन 21^{स्ट} सेंचुरी”, विषय पर वाणिज्य विभाग, सेंट जोसेफ महाविद्यालय (ए), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु द्वारा 7 से 9 जनवरी 2025 के दौरान तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (1,05,000 रु.)

3. “शैड्यूल्ड कास्ट एंड शैड्यूल्ड ट्राइब सब-प्लान एंड सब-क्लासिफिकेशन”, विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग, विकास अध्ययन केंद्र, थिरुवनंथपुरम, केरल द्वारा 6 से 7 फरवरी 2025 के दौरान दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (74,240 रु.)
4. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर वाणिज्य विभाग, भवन्स विवेकानंद विज्ञान, मानविकी एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 6 से 8 मार्च 2025 के दौरान तीन दिवसीय शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
5. “एकेडेमिक राईटिंग फॉर यंग फैकल्टी/रिसर्च स्कॉलर्स”, विषय पर अर्थशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 7 से 9 अप्रैल 2025 के दौरान तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)
6. “एकेडेमिक राईटिंग फॉर पीएच डी स्कॉलर्स एंड यंग टीचर्स”, विषय पर वाणिज्य विभाग, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नालगोंडा, तेलंगाना द्वारा 18 से 20 अप्रैल 2025 के दौरान तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,20,000 रु.)

केंद्र द्वारा आयोजित अनुसंधान गतिविधियाँ

1. भासाविअप-दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी) द्वारा जन उद्योग संस्थान, उस्मानिया विश्वविद्यालय कैंपस, हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से 24 से 30 जून 2024 के दौरान सात दिवसीय “रिसर्च मैथेडोलॉजी कोर्स फॉर पीएच डी स्टूडेंट्स इन सोशल साइंसेज”, का आयोजन किया गया। (1,80,000 रु.)
2. भासाविअप-एसआरसी द्वारा स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग, कुवेंपु विश्वविद्यालय, शंकरघट्टा, कर्नाटक के सहयोग से “क्वॉन्टिटैटिव टेक्नीक्स फॉर पीएच डी स्कॉलर्स ऑफ सोशल साइंसेज”, विषय पर 1 से 7 मार्च 2025 के दौरान सात दिवसीय आरएमसी/सीबीपी का आयोजन किया गया। (2,50,000 रु.)

3. भासाविअप-एसआरसी द्वारा सामाजिक विकास परिषद, हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से “रिसर्चिंग एवरीडे लाइव्स: नेशनल वर्कशॉप ऑन क्वालिटी टैटिव रिसर्च”, विषय पर 10 से 19 मार्च 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (2,50,000 रु.)
4. भासाविअप-एसआरसी द्वारा प्रबंध विभाग, केबीएन महाविद्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के सहयोग से “टैक्नोलॉजी इन रिसर्च फॉर यंग रिसर्चर्स”, विषय पर 17 से 23 मार्च 2025 के दौरान सात दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (1,32,859 रु.)
5. भासाविअप-एसआरसी द्वारा व्यापार प्रबंधन विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु के सहयोग से “एडवांस्ड रिसर्च मैथेडोलॉजी कोर्स फॉर सोशल साइंस रिसर्च स्कॉलर्स”, विषय पर 24 से 30 मार्च 2025 के दौरान सात दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (2,50,000 रु.)
6. भासाविअप-एसआरसी, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा “रिसर्च मैथेडोलॉजी वर्कशॉप फॉर पीएच डी स्टूडेंट्स इन सोशल साइंसेज फ्रॉम तेलंगाना”, विषय पर मई 2025 में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (3,50,000 रु.)
7. भासाविअप-एसआरसी, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा, एसआरसी सदस्यों के लिए “‘योग स्वयं व समाज के लिए’ विषय पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस” पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (1,960 रु.)
8. भासाविअप-एसआरसी द्वारा आर्थिक व सामाजिक अध्ययन केंद्र, निजामैया ऑब्जर्वेटरी कैपस, हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से 1 से 11 जुलाई 2024 के दौरान “क्वान्टिटैटिव टैक्नीक्स फॉर डिग्री कॉलेज लेक्चर्स इन तेलंगाना स्टेट”, विषय पर दस दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। (1,75,000 रु.)
9. “हिंदी दिवस” पर भासाविअप-एसआरसी, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 13 से 19 सितंबर 2024 के दौरान व्याख्यान का आयोजन किया गया। (850 रु.)
10. भासाविअप-एसआरसी हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा वाणिज्य (ई-कॉमर्स) विभाग, नल्लामुथु गौंडर महालिंगम

महाविद्यालय, पोलाची, तमिलनाडु में 19 जुलाई 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

11. भासाविअप-एसआरसी हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा गुरु नानक महाविद्यालय (ए), चैन्नई, तमिलनाडु में 14 अगस्त 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
12. भासाविअप-एसआरसी हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा अर्थशास्त्र विभाग, आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, अनंथपुरम आंध्र प्रदेश में 29 नवंबर 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय

वर्ष 2024-25 के दौरान, भासाविअप के दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी) द्वारा शोधकर्ताओं को सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सहयोग हेतु विविध सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती रही हैं। इसमें प्रलेखन सेवाएं, पुस्तकालय एवं संदर्भ सेवाएं, अनुसंधान परियोजनाओं की रिपोर्टों एवं सामाजिक विज्ञान की भारतीय व विदेशी भाषाओं के वर्तमान एवं पुरालेखी संस्करणों को उपलब्ध कराना सम्मिलित है।

पुस्तकालय विशेष सेवाएं जैसे करंट अवेयरनेस सर्विस (सीएसएस), संदर्भ सहायता, ग्रंथसूची सेवाएं एवं विभिन्न अनुसंधान प्रलेखों तक पहुंच आदि सुविधाएं भी देता है। केंद्र द्वारा अपने अर्धवार्षिक प्रलेखन बुलेटिनों को भी विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित किया जाता रहा है, जिसमें अंग्रेजी, उर्दू, तेलुगु एवं मलयालम आदि भाषाएं हैं जिससे भिन्न भाषाई उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूर्ण किया जा सके।

केंद्र द्वारा उपयोगकर्ताओं को वर्तमान परिदृश्य एवं क्षेत्रीय घटनाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से साथ समाचार-पत्र लिये जाते हैं – जिसमें दो अंग्रेजी, एक उर्दू और चार तेलुगु भाषा के हैं।

भासाविअप-एसआरसी पुस्तकालय के संपन्न संकलन में विभिन्न प्रकार के सामयिक-पत्र, प्रबंध-लेख, शोध-निबंध, पत्रिकाओं के पूर्व संस्करण, शासकीय दस्तावेज, एवं अनुसंधान रिपोर्टें सम्मिलित हैं। पुस्तकालय में पत्रिकाओं के कुल 2,971 जिल्द संस्करण तथा 295 प्रबंध-लेखों, शोध-निबंधों एवं परियोजना रिपोर्टों का संकलन है।

वर्तमान में पुस्तकालय 5 सामाजिक विज्ञान पत्रिकाओं की सदस्यता ले रहा है – जिसमें 1 तेलुगु एवं 4 अंग्रेजी भाषा की हैं। इसके साथ ही केंद्र को 8 भारतीय पत्रिकाएं मुफ्त मिलती हैं, जिससे उसके शैक्षिक स्रोतों में और बढ़ोतरी होती है।

पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्ल्यूआरसी), मुंबई

अनुसंधान प्रस्ताव (स्वीकृत)

1. नागार्जुन वाडेकर, “फोक साँस एंड फोक डांसेज ऑफ ट्राईब्स ऑफ नाशिक डिस्ट्रिक्ट”, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिका। (50,000 रु.)
2. इंद्राणी रॉय, “एक्सप्लोरिंग द फिलोसॉफिकल आसपेक्ट ऑफ वर्ली पेंटिंग्स एंड इट्स कंजर्वेशन स्ट्रेटेजीज: अ केस स्टडी ऑफ सेलेक्ट विलेजेज फ्रॉम येउर एंड दहानु”, के.जी. जोशी कला महाविद्यालय एवं एन.जी. बेडेकर वाणिज्य महाविद्यालय, ठाणे। (50,000 रु.)
3. मंजु शेठ्ये, “डॉक्यूमेंटिंग ट्राईबल नॉलेज एंड सोश्यो-इकोनोमिक प्रैक्टिसेज इन नॉर्थ गोवाज परनेम तालुका”, संत शिरोबंथ अंबिये शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गोवा। (50,000 रु.)
4. सोमनाथ डी. कदम, “अ हिस्टोरिकल, कल्चरल एंड एजुकेशनल स्टडी ऑफ ठाकर ट्राईब इन सिंधुदुर्ग डिस्ट्रिक्ट (1999-2024)”, कंकावेली महाविद्यालय, कंकावेली, सिंधुदुर्ग। (50,000 रु.)
5. प्रहलाद डी. गठाडे, “अ स्टडी ऑफ फोक आर्ट्स एंड फोक साँस ऑफ ठाकर कम्युनिटी इन डोडामर्ग तहसील”, लक्ष्मीबाई सीताराम हल्बे कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, डोडामर्ग, सिंधुदुर्ग। (50,000 रु.)
6. रोशनी उधवानी, “अ काँप्रीहेंसिव स्टडी ऑफ ट्रेडीशनल मेडीसिन सिस्टम्स प्रैक्टिसेज अमांग ट्राईबल कम्युनिटीज ऑफ ठाणे डिस्ट्रिक्ट एंड देयर यूजेज इन डे टू डे लाईफ टू क्योर डिजीजेज नेचुरली”, बीयूएनटीएस बीएमएस महाविद्यालय, कुर्ला, मुंबई। (50,000 रु.)
7. मोहन के. बेरा, “मैनेजिंग ट्रेडीशनल इरीगेशन सिस्टम्स फॉर इंप्रूविंग लाइवलीहुड सिक्योरिटी ऑफ ट्राईबल कम्युनिटीज इन गोवा”, बिडला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, के.के.बिडला गोवा कैंपस, गोवा। (50,000 रु.)
8. वनश्री पी. फलके, “अ क्रिटीकल स्टडी ऑफ ओकेजनल साँस ऑफ द वर्ली ट्राईब ऑफ पालघर डिस्ट्रिक्ट”, श्री पुरुषोत्तमदास लालदास श्रॉफ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पालघर। (50,000 रु.)
9. शेख परवीन एम. हुसैन, “इवेल्यूएटिंग द इंपेक्ट ऑफ परिवर्तन महिला संस्थाज स्किल डेवलेपमेंट इनीशिएटिव ऑन प्रमोटिंग ऑटोप्रोन्योरशिप अमांग रुरल विमेन इन

पालघर: अ फोकस ऑन मार्केट लिंकेजेज एंड फाईनेंशियल इनक्लूजन”, केईएस श्रॉफ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कांदीवली वेस्ट, मुंबई। (50,000 रु.)

10. अनिल के पाटिल, “आदिवासी समुदायाच्या विकासात प्रगति प्रतिष्ठान स्वयंसेवी संस्थेचे योगदान संदर्भ जावहर तहसील, कालावधि 2020-21 से 2024-25”, मुरलीधर नानाजी मोहिते गुरुजी कला एवं वाणिज्य व बीएमएस महाविद्यालय, खोंडाला-जोगलवाडी, तालुका-मोखाडा, पालघर। (50,000 रु.)
11. कनिका खुराना, “बिल्डिंग कॉलेबोरेटिव कैपेसिटी इन द थर्ड सेक्टर—द सेवावर्धिनी अप्रौच”, ठाणे सब-कैंपस, मुंबई विश्वविद्यालय, ठाणे वेस्ट। (1,00,000 रु.)
12. हर्ष डी शुक्ला, “स्लम एनवायरमेंट एंड एजुकेशनल आउटकम्स: अ क्रिटीकल एनालिसिस विद अ केस स्टडी ऑफ सेवा सहयोग फाउंडेशन्स समुत्कर्ष प्रोग्राम”, महात्मा रात्रिकालीन कला एवं वाणिज्य डिग्री महाविद्यालय, चेंबूर, मुंबई। (1,00,000 रु.)
13. अनीता पी. बोबडे, “एसेसमेंट ऑफ सोश्यो-इकोनोमिक इंपेक्ट ऑफ द वर्किंग ऑफ मिड-साईज्ड एनजीओज इन कोंकण डिस्ट्रिक्ट ऑफ महाराष्ट्रा”, डीईएस मुंबई कैंपस, दादर वेस्ट, मुंबई। (50,000 रु.)
14. दीपिका एम. गुप्ता, “एसेसिंग द इफेक्टिवनेस ऑफ स्किल डेवलेपमेंट प्रोग्राम्स इन ट्राईबल एरियाज: अ स्टडी ऑफ प्रगति प्रतिष्ठान्स इंटरवेंशंस”, रामानंद आर्या डी.ए.वी. महाविद्यालय (स्वायत्त), भांडुप ईस्ट, मुंबई। (50,000 रु.)
15. सीमा एस. संत, “स्टूडेंट सेल्फ-अवेयरनेस ऑफ जॉब-रिक्वायर्ड स्किल्स एंड एंगेजमेंट विद स्किल डेवलेपमेंट प्रोग्राम्स: अ केस स्टडी ऑफ पुणे सेवा सहयोग यूथ स्किल प्रोग्राम्स”, विवेकानंद प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान शिक्षा समिति संस्थान, चेंबूर, मुंबई। (1,00,000 रु.)

स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/व्याख्यान/कार्यशालाएं

सम्मेलन

1. “स्टेटस ऑफ विमेन इन ट्रेडीशनल सोसायटी”, विषय पर एमकेएलएम एवं बी.एल.अमलानी महाविद्यालय, विले पार्ले द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 23 नवंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

2. “ट्राईबल लाईफस्टायल्स: अ जर्नी थ्रू कल्चर, कम्युनिटी एंड चेंज”, विषय पर समाज कार्य विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 17 से 18 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
3. “सायबर क्राईम इन इंडिया: अ सोशल पर्सपेक्टिव”, विषय पर ग्रामीण कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 28 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
4. “फैशन—इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, ट्रेंड्स, एवेन्यूज एंड सोसायटी (फैशन आईएसटीएस-2025)”, विषय पर केलकर शिक्षा ट्रस्ट के विनायक वाजे कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मुलुंड, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 24 से 25 जनवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
5. “रीसेंट ट्रेंड्स इन द सोशल साईस ईंग्लिश लिटरेचर एंड लाईब्रेरी एंड इनफोर्मेशन साईस”, विषय पर संत राउल महाराज महाविद्यालय, कुंडल, सिंधुदुर्ग द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 1 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
6. “रीडिफाईनिंग एजुकेशन इन द एरा ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस: सोश्यो-लीगल कंसर्न्स”, विषय पर किशनचंद चेल्लराम महाविद्यालय, चर्चिंगट द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
7. “कंटेम्पोररी ईश्यूज ऑफ एग्रीकल्चर, पॉप्यूलेशन, एनवायरमेंट, टूरिज्म एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट”, विषय पर श्रीमती इंदिरा महादेव बेहारे कला महाविद्यालय, श्रीराम चंदुलाल शेठ वाणिज्य महाविद्यालय एवं श्रीमती शोभनाताई चंदुलाल शेठ विज्ञान महाविद्यालय, खेड, रत्नागिरी द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
8. “एप्लीकेशन ऑफ आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)—प्रॉमिसेज, पेरिल्स एंड सस्टेनेबिलिटी”, विषय पर नागिनदास खांडवाला महाविद्यालय, मलाड, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 14 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
9. “सोशल इनक्लूजन थ्रू फोस्टरिंग ऑटोप्रोन्योरशिप”, विषय पर सामाजिक समावेश अध्ययन केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 27 से 28 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
10. “इंटीग्रेटिंग आईकेएस विद डिजीटल एज: द रोल ऑफ वैल्यू एजुकेशन इन सस्टेनेबल डेवलेपमेंट”, विषय पर दोषी वकिल कला महाविद्यालय एवं जी.सी.यू.बी. विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मनगांव, रायगढ़ द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 5 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
11. “ट्रांसफॉर्मिंग एकेडेमिक एंटरप्राइज: इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एज कैटालिस्ट फॉर इनोवेशन”, विषय पर रामानंद आर्या डी.ए.वी. महाविद्यालय, भांडुप द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
12. “विमेन-लेड डेवलेपमेंट: लीगल फ्रेमवर्क फॉर एंपॉवरमेंट एंड इनक्लूजन”, विषय पर विवेकानंद शिक्षा समिति विधि महाविद्यालय, द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
13. “रीसेंट ट्रेंड्स इन द सोशल साईस ईंग्लिश लिटरेचर एंड लाईब्रेरी एंड इनफोर्मेशन साईस”, विषय पर संत राउल महाराज महाविद्यालय, कुदाल द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
14. “जी20 एंड द ग्लोबल साउथ”, विषय पर डीडीकेएसएसएसबीएस, गोवा विश्वविद्यालय, तालेगांव पठार, द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 15 से 16 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
15. “कंटेम्पोररी एप्लीकेबिलिटी ऑफ ट्रेडीशनल नॉलेज इन इंडियन नॉलेज सिस्टम”, विषय पर श्रीनाथ शिक्षा

- महाविद्यालय, पैठण छत्रपति संभाजी महाराज नगर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 18 से 19 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
16. “एप्लीकेशन ऑफ एआई इन रिसर्च”, विषय पर लक्ष्मीबाई सीताराम हल्बे कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, डोडामर्ग, सिंधुदुर्ग द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 29 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (10,000 रु.)
 17. “लेवरेजिंग कांटिंग एज टेक्नोलॉजीज़ फॉर सस्टेनेबल बिजनेस प्रैक्टिसेज इंडस्ट्री 5.0”, विषय पर भारती विद्यापीठ प्रबंध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 6 से 7 दिसंबर 2024 के मध्य दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
 5. “जेंडर एक्विटी एंड इक्वैलिटी: एन इंडियन पर्सपेक्टिव”, विषय पर रीना मेहता कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन महाविद्यालय, भायंदर, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 15 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
 6. “सस्टेनेबल डेवलेपमेंट टू एनवायरमेंट: चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज़”, विषय पर शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, पनवेल द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 7 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 7. “एंफॉवरिंग ट्राईब्स एंड विमेन: पाथवेज़ टू इनक्लूजिव ग्रोथ एंड इक्वैलिटी इन द 21स्ट सेंचुरी”, विषय पर भीमराव प्रधान कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शाहपुर, ठाणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 10 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
 8. “इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड मल्टीडिसीप्लीनरी होलिस्टिक एजुकेशन इन इंडिया”, विषय पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर महाविद्यालय, पेठ वडगांव, कोल्हापुर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 18 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
 9. “एथीकल कंसीडरेशन इन यूजिंग एआई इन एजुकेशन: नेवीगेटिंग चैलेंजेज एंड पाथ अहेड”, विषय पर मांजरा धर्माथ-न्यास शिक्षा एवं अनुसंधान महाविद्यालय, एरोली, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 21 से 22 फरवरी 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (70,000 रु.)
 10. “एनईपी-2020: अ विजन फॉर इनक्लूसिव एंड इक्विटैबल एजुकेशन”, विषय पर ओरिएंटल शिक्षा महाविद्यालय, सनपदा, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 22 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
 11. “सस्टेनेबिलिटी 5.0: रीडिफाईनिंग बिजनेस, टेक्नोलॉजी एंड सोसायटी फॉर फ्यूचर*”, राजीव गांधी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, वाशी, नवी मुंबई, द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 28 फरवरी से 1 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)

संगोष्ठियां

1. “जेंडर सेंसीटाइजेशन फॉर इक्विटी एंड सोशल जस्टिस”, विषय पर एमकेएलएम एवं अधिया विधि महाविद्यालय, विले पार्ले द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 13 अप्रैल 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
2. “डॉ. अंबेडकर्स काँट्रीब्यूशन टूवर्ड्स विमेन्स वेलफेयर इन इंडिया”, द्वारा एमकेएलएम एवं बी.एल.अमलानी महाविद्यालय, विले पार्ले द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 14 अप्रैल 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
3. “इफेक्टिव इंग्लिमेंटेशन ऑफ एनईपी 2020”, विषय पर एसआईईएस नेरूल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 13 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
4. “सस्टेनेबल लाइवलीहुड इनिशिएटिव फॉर वलनरैबल ट्राईबल्स इन इंडिया”, विषय पर बी.एल. अमलानी वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, विले पार्ले, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 11 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

12. “न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020: करंट स्टेटस एंड चैलेंजेज”, विषय पर सुभाष बाबूराव कुल महाविद्यालय, केडगांव, पूणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 7 से 8 मार्च 2025 के मध्य दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
13. “फोस्टरिंग होलिस्टिक ग्रोथ: इंटीग्रेटिंग लाइफ स्किल इन एजुकेशन”, विषय पर सारदा कुरुप शिक्षा एवं अनुसंधान महाविद्यालय, घांसोली, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
14. “प्रिजर्वेशन एंड प्रोटेक्शन ऑफ इंडियन नॉलेज (आईकेएस) थ्रू इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी राइट इन डिजिटल एज”, विषय पर सोनूभाउ बासवंत कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, शाहपुर, ठाणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 11 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
15. “विमेन्स एंग्लॉयमेंट इन इंडिया: ईश्यूज एंड चैलेंजेज”, विषय पर भारतीय संस्कृति संस्थान, अंधेरी द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 25 मार्च 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

कार्यशालाएं

1. “एनईपी-2020 इन महाराष्ट्र: इंप्लीमेंटेशन एंड स्ट्रैटेजीज—द रोड अहैड”, विषय पर रामानंद आर्या डी.ए.वी. महाविद्यालय, द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 14 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
2. “सेल्फ हैल्प ग्रुप” विषय पर ग्रामीण कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, नांदेड़ द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 28 दिसंबर 2024 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
3. “अनवेलिंग एंड नेवीगेटिंग सोशल लीगल रिसर्च थ्रू नॉन-डॉक्टरल मैथेडोलॉजीज”, विषय पर श्री जयंतीलाल एच. पटेल विधि महाविद्यालय, कांदीवली द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (75,000 रु.)
4. “अ नेशन बिल्डर छत्रपति शिवाजी महाराज एंड हिज ईकोनोमिक पॉलिसी”, विषय पर कर्मवीर काकासाहेब वाघ कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पीपलगांव, नाशिक द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 19 फरवरी 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

‘आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएम)’ के अंतर्गत स्वीकृत सम्मेलन/संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

सम्मेलन

1. “पैराडाइम शिफ्ट इन एजुकेशन: विकसित भारत@ 2047”, विषय पर ए. जी. शिक्षक महाविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 17 अक्टूबर 2024 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
2. “जर्नी ऑफ खादी – एक्सपैंडिंग होराइजंस फ्रॉम सेल्फ-रिलाईंस टू प्रोग्रेस”, विषय पर के. जी. जोशी कला महाविद्यालय एवं एन. जी. बेडेकर वाणिज्य महाविद्यालय, ठाणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 18 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
3. “सस्टेनेबल रुरल डेवलपमेंट फॉर बैटर इंडिया”, विषय पर मुरलीधर नानाजी मोहिते कला, वाणिज्य एवं बीएमएस महाविद्यालय, पालघर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 18 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
4. “विकसित भारत: इंडिया@ 2047 – ऑपच्युनिटीज एंड चैलेंजेज अहैड”, विषय पर शेठ नान्नीभाई खिमजी ठक्कर थानावाला वाणिज्य महाविद्यालय एवं शेठ जयंतीलाल थिरोबादास थानावाला कला महाविद्यालय, ठाणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 8 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
5. “भारतीय ज्ञान परंपरा (इंडियन नॉलेज सिस्टम): एक्सप्लोरिंग द कन्वर्जेंस ऑफ एकेडेमिक डिसीप्लिन्स”, विषय पर सेंट गोन्सालो गार्सिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, वसई, पालघर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 15 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

6. “विकसित भारत@2047: द फ्यूचर ऑफ डेवलेपमेंट इन ईकोनोमी, मैनेजमेंट एंड सोशल साईंसेज”, विषय पर वीवा प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, विरार, पालघर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 15 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

संगोष्ठियां

1. “रूल ट्रांसफॉर्मेशन इन इंडिया: चैलेंजेज एंड प्रौसपेक्ट्स”, पी.ई.एस. रवि एस. नायक कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, पोंडा, गोवा द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 31 जनवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
2. “ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया: द सिग्रीफिकेंस ऑफ हायर एजुकेशन इन एंक्लीशिंग विकसित भारत @2047”, विषय पर श्री सी. एच. शाह मैत्री विद्यापीठ, सुरेंद्रनगर, गुजरात द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 9 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
3. “इनक्लूजन ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम इन द करीकुलम: चैलेंजेज एंड ऑपच्युनिटीज”, विषय पर एच.बी. बी.एड महाविद्यालय द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 15 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
4. “आईडियाज़ फॉर विकसित भारत@ 2047”, विषय पर अकबर पीरभाँय शिक्षा महाविद्यालय, वाशी, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 22 फरवरी 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
5. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर श्री सरस्वती समाज कार्य महाविद्यालय, वाशी द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 11 से 21 दिसंबर 2024 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (77,000 रु.)
6. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर जन प्रबोधिनी मनोविज्ञान संस्थान, पूणे द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 27 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (1,00,000 रु.)
7. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर विवेकानंद शिक्षा समिति प्रबंधन संस्थान, चेंबूर द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 20 से 30 जनवरी 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
8. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर जन नीति विभाग, बी.के. व्यापार प्रबंधन विद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 5 से 14 फरवरी 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (97,000 रु.)
9. “रिसर्च मैथेडोलॉजी इन सोशल साईंस”, विषय पर एच.बी. बी.एड. महाविद्यालय, वाशी, नवी मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 17 से 27 फरवरी 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
10. “रिसर्च मैथेडोलॉजी इन सोशल साईंस”, विषय पर अंजुमन-ए-ईस्लाम अकबर पीरभाँय वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 17 से 27 मार्च 2025 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

प्रायोजित/स्वीकृत अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज/ प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अनुसंधान प्रणाली कोर्सेज

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर पिल्लई शिक्षा एवं अनुसंधान महाविद्यालय, चेंबूर, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 18 से 28 नवंबर 2024 के दौरान दस दिवसीय अनुसंधान प्रणाली कोर्स का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)
2. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर यशवंतराव चव्हाण समाज कार्य विद्यालय, जातकवाडी, सतारा द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. “रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर सैंट फ्रांसिस प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, बोरीवली द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 10 से 21 फरवरी 2025

के दौरान दस दिवसीय प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

2. “एडवांस रिसर्च मैथेडोलॉजी”, विषय पर वी. के. कृष्णा मेनन वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय, भांडुप द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई, के सहयोग से 24 फरवरी से 7 मार्च 2025 के दौरान दस दिवसीय प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (50,000 रु.)

अध्ययन अनुदान

1. सुश्री श्रीलक्ष्मी के.एस., पीएच डी शोधकर्ता, पुरातात्विक विज्ञान केंद्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर को उनके शोध अनुसंधान विषय “कलीनरी प्रैक्टिसेज ऑफ एनशिंट तमिलाकम”, के लिए अनुसंधान सामाग्री एकत्र करने हेतु 20 दिन के लिए अध्ययन अनुदान स्वीकृत किया गया। (13,634 रु.)

प्रकाशन

पुस्तक अनुदान

1. ग्रामीण कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, नांदेड़ को ग्रामीण क्षेत्रीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए पुस्तकें खरीदने हेतु पुस्तक अनुदान स्वीकृत किया गया। (25,000 रु.)
2. संत राउल महाराज महाविद्यालय, कुदाल, सिंधुमार्ग को ग्रामीण क्षेत्रीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए पुस्तकें खरीदने हेतु पुस्तक अनुदान स्वीकृत किया गया। (25,000 रु.)
3. काय बापूसाहेब पाटिल एकंबेकर महाविद्यालय, उदगिर, लातूर को ग्रामीण क्षेत्रीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए पुस्तकें खरीदने हेतु पुस्तक अनुदान स्वीकृत किया गया। (25,000 रु.)

पत्रिका अनुदान

1. अशोक चौसालकर, समाज प्रबोधिनी पत्रिका, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर। (25,000 रु.)
2. बी. के. शेलाट, गुजरात अनुसंधान समिति, अहमदाबाद। (25,000 रु.)

केंद्र द्वारा आयोजित अनुसंधान गतिविधियां

1. “क्रिमिनल लॉ एंड कांस्टीट्यूशनल पर्सपेक्टिव: अ हिस्टोरिकल ओवरव्यू विद स्पेशल रेफरेंस टू न्यू क्रिमिनल लॉ”, विषय पर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई द्वारा 29 अगस्त 2024 को मुंबई विधि अकादमी विश्वविद्यालय के सहयोग से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (1,91,344 रु.)
2. “हिंदी भाषा प्रतियोगिता पर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई द्वारा 20 सितंबर 2024 को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (4,984 रु.)
3. “इंवेस्टीगेटिंग द इंपैक्ट ऑफ सोशियो-ईकोनोमिक एनवायरमेंट ऑन एकेडेमिक रिसर्च एंड आउटकम: अ पॉलिसी ओरिएंटेड अप्रौच”, विषय पर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई द्वारा 24 जनवरी 2025 को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। (3,63,476 रु.)
4. “भारतीय नॉलेज सिस्टम इन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 एंड विजन फॉर राईटिंग हिस्ट्री”, विषय पर पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई द्वारा 6 मार्च 2025 को पुरातत्व विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के सहयोग से व्याख्यान का आयोजन किया गया। (2,075 रु.)
5. “ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग: विमेन हू मेड ईट”, विषय पर मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र भासाविअप, मुंबई के सहयोग से 15 मार्च 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय

पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र (डब्ल्यूआरसी) का पुस्तकालय कोष्ठ, मुंबई विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में स्थित है। इस प्रतिष्ठित पुस्तकालय के विस्तृत संकलन में लगभग 7,92,000 सामाग्रियां हैं, जिसमें विविध तरह की अकादमिक एवं अनुसंधान सामाग्रियां शामिल हैं। अपने विस्तृत पुस्तक संकलन के अतिरिक्त पुस्तकालय में मूल्यवान हस्तलिपि कोष, दुर्लभ पुस्तकें, अकादमिक पत्रिकाएं एवं ऐतिहासिक पुरावशेष भी हैं, जो इस पुस्तकालय को सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बना देता है।

भा.सा.वि.अ.प. अनुदान सहायता अनुसंधान संस्थानों की प्रमुख गतिविधियाँ

एएन सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान (एएनएसएसआईएस), पटना

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. अविरल पांडे, “बिहार और उत्तर प्रदेश के वर्षा आधारित क्षेत्रों में ग्रामीण परिवारों के बीच सतत आजीविका का मार्ग प्रशस्त करना”, स्व-प्रेरित
2. अविरल पांडे, “बिहार में आर्द्रभूमि का सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन: कबरताल आर्द्रभूमि का केस स्टडी”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. अविरल पांडे, “लघु कृषक संघ का अध्ययन”, एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित।
4. अवधेश कुमार, “एसआईए भोजपुर समाहरणालय, आरा, रजस्व ग्राम नायक टोला में, पीरो सब-डिवीजन सिविल कोर्ट एवं न्यायिक आवास निर्माण परियोजना”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
5. अवधेश कुमार, “पूर्णिया सैन्य हवाई अड्डे पर सिविल एन्क्लेव के संचालन के लिए 15 एकड़ अतिरिक्त भूमि अवसंरचना के निर्माण हेतु एसआईए भूमि अधिग्रहण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
6. अवधेश कुमार, “दरभंगा जिले के बहेरी-सिंधिया-रोसड़ा रोड, मौजा-बहादुरपुर और देकुली अंचल-बहादुरपुर पर स्थित एलसी संख्या-18 पुल के स्थान पर ऊपरी पुल आरओबी और पहुंच पथ के निर्माण के लिए एसआईए भूमि अधिग्रहण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
7. अवधेश कुमार, “पूर्वी चंपारण जिले के अंतर्गत बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन और मोतिहारी कोर्ट स्टेशन के बीच रेलवे क्रॉसिंग संख्या-160 पुल सह सड़क के निर्माण कार्य के लिए एसआईए भूमि अधिग्रहण दिनांक 14.11.2024”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
8. अवधेश कुमार, “मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना लावापुर चौक अलीपुर हट्टा पीसीसीआरईओ रोड से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मजलिसपुर, वार्ड नंबर-09 दलित टोला, मौजा-मजलिसपुर और अलीपुर हट्टा, थाना नंबर-622 और 623, वैशाली जिले के आंचल-महनार के निर्माण के लिए एसआईए भूमि अधिग्रहण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. अवधेश कुमार, “एसआईए भोजपुर मौजा नायक टोला थाना. 64”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
10. अवधेश कुमार, “कटिहार जिले के मौजा-गोराबारी, अंचल-कोढ़ा में प्रस्तावित 220/132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु एसआईए”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
11. अवधेश कुमार, “एसआईए जहानाबाद एमएमजीएसवाई मोदनगंज”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
12. अवधेश कुमार, “मधुबनी जिले के अंतर्गत पुराने एनएच-57, मौजा-नानौर, बेहट और दुबौली खैरा, अंचल-झंझारपुर के पास 7x42.00 मीटर आकार के उच्च स्तरीय आरसीसी पुल और अप्रोच रोड के कमला नदी पर निर्माणाधीन झंझारपुर पुल के अप्रोच रोड में अतिरिक्त जल-मार्ग के प्रावधान के साथ अप्रोच रोड बचाव कार्य, सड़क सुरक्षा कार्य के निर्माण कार्य के लिए एसआईए भूमि अधिग्रहण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
13. बीएन प्रसाद, “एसआईए पटना मेट्रो रेल स्टेशन भाग-02”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
14. बीएन प्रसाद, “एसआईए बेगूसराय मौजा बगरस थाना 260”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।

15. बीएन प्रसाद, "एसआईए भागलपुर मौजा मलकपुर कहलगांव", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
16. बीएन प्रसाद, "एसआईए शेखपुरा बीजी रेल लाइन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
17. बीएन प्रसाद, "बिहार में दलित महिलाओं की बदलती स्थिति: पंचायती राज को संस्थागत संदर्भ में लाना"।
18. बिल्लुब धाक, "बाल श्रम और शिक्षा: बिहार के मुसहर समुदायों के बीच संभावनाएं और चुनौतियां", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
19. बिल्लुब धाक, "उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना, उत्तरी कोयल नहर प्रभाग, गौआ के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव आकलन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
20. बिल्लुब धाक, "नालंदा के नगरनौसा ब्लॉक में रामघाट (एनएच-30ए) से लच्छूबेघा रेलवे क्रॉसिंग तक भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
21. बिपुल कुमार, "न्याय का सहभागी जमीनी प्रशासन: बिहार में ग्राम कचहरी और हिमाचल प्रदेश में न्याय पंचायतों का तुलनात्मक अध्ययन", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
22. बिपुल कुमार, "आर्मी एन्क्लेव, बिहटा, पटना के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के कारण एसआईए। एजेंसी डीएम, पटना, बिहार", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
23. बिपुल कुमार, "बिहार के अरवल जिले में मंडल कारा के निर्माण के कारण प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन। एजेंसी डीएम, अरवल, बिहार", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
24. बिपुल कुमार, "एसआईए बेगुसराय मौजा बरौनी थाना 335", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
25. बिपुल कुमार, "मधुबनी जिले में कमला नदी पर एप्रोच रोड के साथ आरसीसी पुल के प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के कारण एसआईए", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
26. बिपुल कुमार, "पीएमजीएसवाई के तहत जहानाबाद में सड़क (कंसुआ रामसेबिगहा) कुंडिला पथ के निर्माण के कारण प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का एसआईए अध्ययन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
27. हबीबुल्लाह अंसारी, "वर्तमान युग में वृद्ध व्यक्तियों की देखभाल: बिहार के गोपालगंज जिले में पारंपरिक सामाजिक संस्थागत की भूमिका"।
28. हबीबुल्लाह अंसारी, "तीन गांवों पर भूमि अधिग्रहण की सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना - रामपुर, थाना संख्या -391, क्षेत्र -0.25325 एकड़; हरेरामके टोला, थाना संख्या -372, क्षेत्र 0.18425 एकड़; खैरा, थाना संख्या -374, क्षेत्र 0.2410 एकड़ - सारण जिले में मरौरा रोड पर खैरा रेलवे स्टेशन के पास एलसी -7 सी पर आरओबी के निर्माण के लिए", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
29. हबीबुल्लाह अंसारी, "समस्तीपुर जिले में बूढ़ीगंधक नदी पर एचएल आरसीसी पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए तीन गांवों - हकीमाबाद, हंसा और नागरबस्ती - पर भूमि अधिग्रहण की सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
30. हबीबुल्लाह अंसारी, "औरंगाबाद जिले में उत्तरी कोयल नहर प्रभाग, गया (मौजा: चौबारा, थाना नंबर 411; हाजीपुर, थाना नंबर 416; कर्मसुद, थाना नंबर 415; अहमदपुर, आंचल रफीगंज के थाना नंबर 414) के तहत उत्तरी कोयल जलाशय योजना के लिए भूमि अधिग्रहण की सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
31. कौशल किशोर, "पीएमजीएसवाई के तहत महुआटोला पोखरभिंडा से नोनियाटोला पोखरभिंडा तक एप्रोच रोड का एसआईए, मौजा-पोखरभिंडा, सर्किल-कुचायकोट, जिला-गोपालगंज", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
32. कौशल किशोर, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित "चेरिया-बरियारपुर, मौजा-कर्ख, सर्किल-विभूतिपुर, जिला-समस्तीपुर के आरसीसी पुल सह एप्रोच रोड का एसआईए"।
33. कौशल किशोर, "हाथीखाना मोड़ से चांदमारी रोड के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का एसआईए, मौजा-मुबारकपुर और लोदीपुर, अंचल- दानापुर, जिला- पटना", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
34. कौशल किशोर, "पूर्वोत्तर के लिए पीएम विकास पहल (पीएम डेवाइन) का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

35. राजीव कमल कुमार, “बाल श्रम और शिक्षा: बिहार के मुसहर समुदायों के बीच संभावनाएं और चुनौतियां (आईसीएसएसआर अनुसंधान अनुदान ओएच-31)”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
36. राजीव कमल कुमार, “एनएफएसए खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 (चरण- II, राउंड 5 और 6) की समवर्ती निगरानी”, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
37. राजीव कमल कुमार, “एमवी फाउंडेशन द्वारा संचालित बाल श्रम परियोजना का प्रक्रिया मूल्यांकन”, वाईएलआई, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
38. राजीव कमल कुमार, “मीनापुर-टेंगराहा रोड, मौजा-तबीबपुर, थाना नंबर-571; नंदना (चादर नंबर-2), थाना नंबर-567; टेंगराहा गोसाईपुर (चादर नंबर-1), थाना नंबर 576; गोरीगामा, थाना नंबर-564; आंचल-मीनापुर” के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर एसआईए अध्ययन, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
39. राजीव कमल कुमार, “अररिया जिले में मीरगंज-जोगबनी रोड, थाना 169 और 175, आंचल-फोर्ब्सगंज, मौजा-मीरगंज और दक्षिण महेश्वरी के पहले किमी पर आरसीसी पुल के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर एसआईए अध्ययन”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
40. राजीव कमल कुमार, “विकास या क्रांति: क्या रोजीरोटी माइक्रोफाइनेंस बिहार, भारत में गरीब महिलाओं के लिए औपचारिक बैंकिंग तक सेतु प्रदान कर सकता है?”, नॉटिंगम विश्वविद्यालय, यूके और सीपीएसएल, पटना के सहयोग से, बेलफास्ट के क्रीन्स विश्वविद्यालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा वित्त पोषित।
41. राजीव कमल कुमार, “मौजा अरदा, थाना संख्या 16, आंचल हाजीपुर, वैशाली जिला के अंतर्गत हाजीपुर नई रेल लाइन के निर्माण के लिए एसआईए भूमि अधिग्रहण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
42. राजीव कमल कुमार, “एसआईए पटना मौजा कन्हौली, थाना नं. 69”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
43. राजीव कमल कुमार, “सरकारी मेडिकल कॉलेज और जेपी इंजीनियरिंग कॉलेज, छपरा, आंचल-छपरा सदर, मौजा विशुनपुरा, माला शेरपुर और शेरपुर, जिला सारण के लिए एप्रोच रोड के प्रस्तावित निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर एसआईए अध्ययन”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
44. राकेश तिवारी, “बिहार में किशोरों और युवा वयस्कों के बीच परिवार नियोजन का आकलन, डॉ. संध्या महापात्रा के साथ सह-निर्देशित”, यूएनएफपीए, बिहार द्वारा वित्त पोषित।
45. राकेश तिवारी, “एसआईए किशनगंज, मौजा बरारो जनमज”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
46. राकेश तिवारी, “एसआईए पटना, मौजा विशुनपुर, थाना 270”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
47. राकेश तिवारी, “एसआईए पटना मेट्रो स्टेशन पार्ट-2, वार्ड नंबर 13”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
48. राकेश तिवारी, “एसआईए समस्तीपुर, मौजा रामपुर, थाना नंबर 75”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
49. राकेश तिवारी, “एसआईए वैशाली, मौजा कुतुबपुर, थाना 469”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
50. राकेश तिवारी, “बागमती बाढ़ प्रबंधन चरण II के अंतर्गत तटबंध निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन, मौजा परमानंदपुर, ब्लॉक कटरा, थाना संख्या 225, मुजफ्फरपुर”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
51. राकेश तिवारी, “एसआईए मोतिहारी, ढाका ब्लॉक, पूर्वी चंपारण”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
52. राकेश तिवारी, “एसआईए सहरसा, खजुरदेवा चौक, सलखुआ”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
53. राकेश तिवारी, “मोहाने नदी पर पुल के लिए पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन (मुख्यमंत्री सेतु निर्माण के तहत मुर्तजापुर - जफरपुर रोड), मौजा बिशुनपुर मालचक, अंचल बेलची, जिला पटना”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
54. विद्यार्थी विकास, “रिविलगंज से विशुनपुरा बाईपास, सारण जिला के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
55. विद्यार्थी विकास, “132/33 केवी पावर ग्रिड उप-केंद्र, बिहार शरीफ, नालंदा जिले के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
56. विद्यार्थी विकास, “उप-विभागीय न्यायालय, मौजा रतनपुरा, मुजफ्फरपुर जिले के भवन और आवासीय क्षेत्र के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।

57. विद्यार्थी विकास, "समस्तीपुर जिले के मौजा धनेशपुर में नदी पर आरसीसी पुल के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
58. विद्यार्थी विकास, "सुपौल जिले के आवासीय भवन के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
59. विद्यार्थी विकास, "एसआईए पटना रेल मेट्रो स्टेशन पार्ट-02, थाना 19", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
7. राजीव कमल कुमार, "पटना में थाना संख्या 69, मौजा-कन्हौली, अंचल बिहटा में पटली बस स्टैंड (कन्हौली) के प्रस्तावित निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर एसआईए अध्ययन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
8. राजीव कमल कुमार, "मधेपुरा जिले के मौजा भिरखी उत्तरबाड़ी, थाना संख्या-65 और भिरखी दक्षिणबाड़ी, थाना संख्या-66 मधेपुरा आंचल में लेवल क्रॉसिंग संख्या 90बी/टी-2, किमी 77/9-78/0, मधेपुरा-पतरघट रोड पर आरओबी के प्रस्तावित निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण पर एसआईए अध्ययन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. अवधेश कुमार, "सुपौल जिले के सुपौल मौजा-गौरवगढ़, थाना संख्या-218, अंचल-सुपौल में नए बस स्टैंड के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
2. अवधेश कुमार, "प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत टी-1 से जगन सैदपुर पैकेज संख्या-बीआर-04आर-142 तक सड़क निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण, बेगुसराय जिला के मौजा-अकबरपुर बरारी, थाना संख्या-434, अंचल-शाम्हो अकहा कुरहा", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. बिप्लव धाक, "दीघा से दीदारगंज, पटना तक जेपी गंगा पथ के निर्माण के तहत मथानी ताल (सीट संख्या-256, वार्ड संख्या-29 और 31) में 1.7850 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. बिपुल कुमार, "दरभंगा जिले के बिरौल उप-मंडल में न्यायिक अधिकारियों के लिए क्वार्टरों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के कारण सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन। डीएम, दरभंगा, बिहार", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
5. बिपुल कुमार, "रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) मुंगेर घाट-रसीदपुर पथ, मौजा-बरौनी थाना संख्या 335, बेगुसराय, बिहार के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के कारण सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन। डीएम, बेगुसराय, बिहार", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
6. हबीबुल्लाह अंसारी, "पटना जिले में पटना मेट्रो रेल स्टेशन, खेमनीचक, अंचल-फुलवारी शरीफ के निर्माण कार्य के लिए गांव-जगनपुरा, थाना नंबर-26, क्षेत्रफल -0.0415 एकड़ पर भूमि अधिग्रहण की सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना। पटना", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. राकेश तिवारी, "गंगा नदी परिटुश्यों की पारिस्थितिक-सामाजिकता: गंगा बेसिन में नदी उपसंस्कृतियों, लोक परंपराओं और सामुदायिक प्रथाओं का एक अध्ययन (आईसीएसएसआर समर्थित परियोजना में सह-परियोजना निदेशक)", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. विद्यार्थी विकास, "मऊ धनेशपुर, विद्यापति नगर, जिला-समस्तीपुर, थाना संख्या 84, समस्तीपुर में नदी के माध्यम से आरसीसी पुल के लिए भूमि अधिग्रहण का एसआईए", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
11. कौशल किशोर, "कला, शिल्प, संस्कृति एवं लोक परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में पर्यटन एवं तीर्थाटन की भूमिका: बिहार एवं उत्तर प्रदेश के कुछ चयन स्थलों का एक महत्वपूर्ण अध्ययन, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
12. कौशल किशोर, "जैव गुणवत्ता एवं स्वास्थ्य संवर्धन पर जल-जीवन शिविर का प्रभाव, आर्य कन्या पीजी कॉलेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
13. राजीव कमल कुमार, "विकास या क्रांति: क्या रोजीरोटी माइक्रोफाइनेंस बिहार, भारत में गरीब महिलाओं के लिए औपचारिक बैंकिंग तक सेतु प्रदान कर सकता है?", क्वीन्स यूनिवर्सिटी ऑफ बेलफास्ट के सेंटर फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा वित्त पोषित, क्वीन्स यूनिवर्सिटी ऑफ बेलफास्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंगहम, यूके और सीपीएसएल, पटना (व्यक्तिगत स्तर) के सहयोग से।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. अवधेश कुमार, "पूर्वी चंपारण जिले के अंतर्गत एनएच 28 के चैलाहो-बेला नहर चौक रोड के चेनेज 10+670 के क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर 2X16.00 मीटर आकार के उच्च स्तरीय आरसीसी पुल के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
2. अवधेश कुमार, "औरंगाबाद जिले के अंतर्गत नवीनगर कजरत रेलवे ट्रैक में नवीनगर रेलवे यार्ड के एलसी नंबर 29 पर आरओबी के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. अवधेश कुमार, "पश्चिम चंपारण जिले के अंचल-बेतिया, मंझौलिया रेलवे स्टेशन और बेतिया रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे क्रॉसिंग संख्या-188 पर ओवरहेड ब्रिज के साथ सड़क कार्य के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. अवधेश कुमार, आईसीएसएसआर के तहत "पीएचडी स्कॉलर्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर एक प्रस्ताव प्रस्तुत करना। वर्ष 2024-25 के लिए ओएच-31 के तहत नई दिल्ली अनुसंधान अनुदान", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. बीएन प्रसाद, "जमुई जिले के जमुई ब्लॉक के अंतर्गत विक्रमपुर सिमरिया मौजा में चौमासा बहियार से सोनबरखा बहियार के लिए सिंचाई चैनल के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", जमुई समाहरणालय, जमुई, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
6. बीएन प्रसाद, "बेगूसराय जिले के शाम्हो अकहा कुरहा ब्लॉक के अंतर्गत जगनसैदपुर मौजा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना परियोजना के तहत टी01 से जगनसैदपुर (पैकेज संख्या बीआर-04आर-142) तक सड़क निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", बिहार सरकार के बेगूसराय समाहरणालय, बेगूसराय द्वारा वित्त पोषित।
7. बीएन प्रसाद, "औरंगाबाद जिले के कुटुंबा ब्लॉक के अंतर्गत महसू, जोरा, इरियाप, करमडीह, कझपा, निरंजनपुर और सहदेई परसावां मौजा में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", औरंगाबाद समाहरणालय, औरंगाबाद, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
8. बीएन प्रसाद, "नवादा जिले के रोह ब्लॉक के अंतर्गत कुंज मौजा में नवादा में सकरी नदी पर नवादा कुंज एचएल ब्रिज से कुंज रोड पैकेज संख्या बीआर-25आर-653 के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", नवादा समाहरणालय, नवादा, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. बीएन प्रसाद, "बक्सर जिला अंतर्गत राजापुरकला और दलीपुर मौजा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना परियोजना के तहत टी06 से दलीपुर तक सड़क के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", बिहार सरकार के बक्सर समाहरणालय, बक्सर द्वारा वित्त पोषित।
10. बीएन प्रसाद, "अरवल जिले के सोनभद्र बंशी सूर्यपुर ब्लॉक के अंतर्गत शेरपुर और रैनाथ मौजा में पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन", अरवल समाहरणालय, अरवल, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
11. बिप्लव धाक, "सिविल कोर्ट, बांका के उत्तरी प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
12. बिप्लव धाक, "पर्यटन विभाग, बिहार के लिए पंथ पाकर धाम, सीतामढ़ी में भूमि अधिग्रहण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
13. बिप्लव धाक, "जीवधारा स्टेशन, किशुनपुर, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी का नवीनीकरण", बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
14. हबीबुल्लाह अंसारी, "औद्योगिक क्षेत्र, मौजा-कचरा, थाना नंबर-253, तेलमर, थाना नंबर-190 के विकास के लिए सालेहपुर-नरसंडा-तेलगर-करौता रोड से प्रस्तावित नूरसराय-अहियारपुर-सिलाव होते हुए सालेहपुर को राजगीर एनएच-82, बुद्ध सर्किट, राजगीर से जोड़ने वाली सड़क के पास औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना का प्रस्ताव। और सुधरी थाना संख्या-197, आंचल-चंडी और हरनौत, नालन्दा जिले में", जिला मजिस्ट्रेट, नालन्दा जिले द्वारा वित्त पोषित।
15. हबीबुल्लाह अंसारी, "बक्सर जिले में एलसी संख्या-59बी के बदले रघुनाथपुर और द्विनिंग गंज रेलवे स्टेशन के बीच आरओबी और उसके पहुंच मार्गों के निर्माण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना का प्रस्ताव", बक्सर जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वित्त पोषित।

16. हबीबुल्लाह अंसारी, “रोहतास (सासाराम) जिले के डेहरी ऑन सोन, मौजा-उगरा, थाना संख्या 142, क्षेत्रफल-10.29 एकड़, अंचल-डेहरी ऑन सोन में 220/132 केवी, 220 केवी की दो तरफा लाइन के विद्युत परीक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए ग्रिड सबस्टेशन के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना का प्रस्ताव”, रोहतास जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वित्त पोषित।
17. हबीबुल्लाह अंसारी, “नालंदा जिले के परसुराय गांव, थाना संख्या 34, क्षेत्रफल-5.09 एकड़, अंचल-करायपरसुराय में ब्लॉक सह अंचल कार्यालय भवन के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना का प्रस्ताव”, जिला मजिस्ट्रेट, नालंदा द्वारा वित्त पोषित।
18. हबीबुल्लाह अंसारी, “नालंदा जिले में अंधना गांव, थाना संख्या 59, क्षेत्रफल-10.0745 एकड़, अंचल-नूरसराय में नूरसराय से बेगमपुर होते हुए सिलाव तक सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) परियोजना का प्रस्ताव”, जिला मजिस्ट्रेट, नालंदा द्वारा वित्त पोषित।
19. राकेश तिवारी, “पीएमजीएसवाई के अंतर्गत कहुआरा से माया बिगहा (पैकेज बीआर-25आर-602) सड़क के निर्माण के कारण प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन, मौजा कहुआरा, ब्लॉक नारदीगंज, जिला नवादा। नोडल विभाग (प्रायोजित विभाग): भूमि राजस्व और भूमि सुधार विभाग”, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।
20. राकेश तिवारी, “मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीयकृत रसोईघर और केंद्रीयकृत रसोईघर से जुड़े 5 प्रतिशत स्कूलों का तृतीय पक्ष मूल्यांकन”, मध्याह्न भोजन निदेशालय, बिहार सरकार द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/ अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. “भारत में कोविड-19 और सतत विकास लक्ष्य: चुनौतियाँ, प्रतिक्रियाएँ और आगे का रास्ता” विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान

परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आईएससीसी बेंगलुरु द्वारा 12 से 14 मार्च 2024 तक आयोजित किया गया

व्याख्यान

1. 22 अक्टूबर 2024 को प्रोफेसर राजीव भार्गव द्वारा “अशोक और भारत के लोकतांत्रिक बहुलवाद की जड़ें” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. 7 अप्रैल 2024 को एमएन मेमोरियल समिति के सहयोग से उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुरलीधर द्वारा “न्यायालय, न्याय प्रणाली और सामाजिक आंदोलन” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
3. 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2024 को एएनएसआईएसएस में योग प्रशिक्षक श्री योगेश द्वारा “लाइव अभ्यासों के साथ समग्र विकास के लिए योग” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
4. 1 मई 2025 को मधु लिमये की जयंती की पूर्व संध्या पर एएनएसआईएसएस में प्रोफेसर डीएम दिवाकर द्वारा “समाजवादी आंदोलन में मधु लिमये की भूमिका” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
5. मधु लिमये की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर 8 जनवरी 2025 को प्रो. डीएम दिवाकर, प्रो. रामचंद्र पूर्वे और न्यायमूर्ति राजेंद्र प्रसाद द्वारा “भारतीय लोकतंत्र में आम लोगों की समस्या” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएं

1. एएनएसआईएसएस, पटना द्वारा 18 से 19 जनवरी 2025 तक “निजी स्कूलों में वंचित वर्गों के बच्चों के प्रवेश से संबंधित, बिहार (भारत) में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (सी) के कार्यान्वयन” पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 11 विद्वानों ने पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला लिया, जबकि 2 विद्वानों ने सफलतापूर्वक अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की और 7 विद्वानों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

प्रकाशन**संपादित पुस्तकों में अध्याय**

1. पांडे, ए. “बिहार में जाति-आधारित सर्वेक्षण का मिथक और वास्तविकता।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 33, 2024, आईएसएसएन 0012-9976

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. कुमार, बी. “भारत में ग्राम न्यायालय: पुनरावलोकन और संभावना”, खंड 18, संख्या 1, जनवरी-मार्च 2024।
2. अंसारी, एच., और आलम, ए. “किशोरों में चिंता, अवसाद और तनाव पर योग की भूमिका: एक व्यापक अध्ययन।” *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी*, खंड 2025, पृष्ठ 16-20। यूजीसी केयर सूचीबद्ध, आईएसएसएन 0019-5553।
3. कुमार, आर.के., कुमार, एस., चटर्जी, एस.पी., और खांडेड़, टी.एन. “स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) को मजबूत करने में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) दृष्टिकोण: बिहार का एक मामला।” *समन्वय (जेडएचडीसी, डीयू)*, खंड 0, संख्या 2, 2024, पृ. 1-16।
4. तिवारी, आर. “हाशिये पर पड़े लोगों के लिए पर्यावरणीय कॉमन्स तक पहुँच में सुधार पर राजनीतिक पारिस्थितिकी परिप्रेक्ष्य।” *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*, खंड 59, अंक 17, 27 अप्रैल 2024।
5. विकास, वी. “21वीं सदी की शुरुआत में बेरोज़गारी वृद्धि के रुझान का अध्ययन: भारतीय विनिर्माण क्षेत्र से साक्ष्य।” *झारखंड जर्नल ऑफ डिवेलपमेंट एंड मैनेजमेंट*, खंड 22, अंक 3, 2024।
6. विकास, वी. “दक्षिण एशिया में खाद्य सुरक्षा: विभिन्न देशों में विविधताओं का एक अध्ययन।” *बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन*, खंड 21, अंक 2, 2024।

7. विद्यार्थी, वी., और कुमार, आर. “बिहार में सूक्ष्म उद्यमों का विकास: एक प्रक्षेप पथ और रेखाचित्र।” *बहुविषयक अनुसंधान का एक मासिक जर्नल*, खंड 11, अंक 4, 2024।

पुस्तकालय

एएनएसआईएसएस पुस्तकालय संदर्भ सेवा, ई-जर्नल, दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ, संस्थान की समाचार सेवाएँ, सेमिनार अलर्ट, ग्रंथ सूची सेवाएँ और हालिया रिपोर्टों और प्रकाशनों की वर्तमान जागरूकता सेवाओं सहित उपयोगकर्ता-उन्मुख सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है। यह ईकॉनलिट (ईबीएससीओ), जेएसटीओआर, इंडियास्टैट और प्रोवेस आईक्यू जैसे प्रमुख सामाजिक अध्ययन डेटाबेस तक पहुँच के साथ ई-लाइब्रेरी सेवाएँ भी प्रदान करता है। संकाय सदस्य, डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलो, नैसडॉक-आईसीएसएसआर के सहयोग से, स्थिर आईपी पते के माध्यम से या उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के माध्यम से दूरस्थ रूप से पूर्ण-पाठ पत्रिकाओं तक पहुँच सकते हैं। पुस्तकालय 28 राष्ट्रीय और 2 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है और विभिन्न समाचार पत्रों और राष्ट्रीय साप्ताहिक पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है।

वर्तमान में, पुस्तकालय में 33,711 पुस्तकें और पत्रिकाओं व रिपोर्टों के 33,302 जिल्दबंद खंड हैं, और 2024-25 के दौरान 49 पुस्तकें और 65 जिल्दबंद खंड जोड़े जाएँगे। इसमें विशेष “जेपी संग्रह” है, जो लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा प्रदान की गई लगभग 3,000 पुस्तकों का एक निजी उपहार है। इस पुस्तकालय को यूएनसीटीएडी और यूएनईएससीओ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा एक निक्षेपागार पुस्तकालय के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, यह पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए “3-माह का पुस्तकालय इंटरशिप कार्यक्रम” भी चलाता है, जो पुस्तकालय सेवाओं में शैक्षणिक विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण में सहायता करता है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25**एएनएसआईएसएस, पटना**

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	136.46	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	363.46
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	28.54
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	299.52	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	58.26

आय	राशि	व्यय	राशि
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	52.79
		परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	0.00
आय से अपने स्रोतों (परियोजनाओं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	21.51	विविध व्यय	0.00
कोई अन्य स्रोत:	0.00	व्यय से अधिक आय	4.44
कुल	507.49	कुल	507.49

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

विकास अध्ययन केंद्र (सीडीएस), तिरुवनंतपुरम**अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)**

- देविका जे. “केरल में जलवायु परिवर्तन शिक्षाशास्त्र डेटा संग्रह”, शिक्षण और सीखने के लिए ग्लोबल इनोवेशन नेटवर्क द्वारा वित्त पोषित, यूनिवर्सिटी ऑफ जैवस्काइला, फ़िनलैंड, 2023।
- प्रवीणा कोडोथ, थियागु रंगनाथन, और तीर्थ चटर्जी। “बाल देखभाल और शिक्षित महिला श्रम”, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वित्त पोषित, 2021।
- प्रवीणा कोडोथ और विनोज अब्राहम। “बाल प्रवास में साक्ष्य सृजन: केरल और तमिलनाडु का एक केस स्टडी”, यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित, 2020।
- विनोज अब्राहम, प्रवीणा कोडोथ, एम. परमेश्वरन और रितिका जैन। “केरल में प्रवासन और धन प्रेषण के सामाजिक-आर्थिक परिणाम”, केरल और सीडीएस की विश्व अर्थव्यवस्था इकाई द्वारा प्रायोजित और केरल सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- अनामिका अजय। “कोविड-19, केरल में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं द्वारा आजीविका और हस्तक्षेप: एक खोजपूर्ण अध्ययन”, आरयूएलएसजी, सीडीएस और आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित, 2022।
- थियागु रंगनाथन। “अनुसूचित जातियों के बीच सामाजिक गतिशीलता: तमिलनाडु में जाति स्तर का विश्लेषण”, OH31 द्वारा वित्त पोषित, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, 2025।

- प्रवीणा कोडोथ और वीजे वर्गीस। “खाड़ी से परे प्रवास: केरल से श्रम गतिशीलता के परिवर्तन का चार्टिंग”, केरल सरकार के केरल से अंतर्राष्ट्रीय प्रवास पर अनुसंधान इकाई द्वारा वित्त पोषित।
- “केरल में रबर उत्पादक समितियों का प्रदर्शन”, सीडीएस में वृक्षारोपण विकास पर राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित।
- “काँफी क्षेत्र में किसान उत्पादक संगठनों का प्रदर्शन”, सीडीएस में वृक्षारोपण विकास पर राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

- अभिलाष टी. “अंतर-पीढ़ीगत गतिशीलता और अधिकारों की सामूहिक अभिव्यक्ति: केरल में मला अराया जनजातीय समुदाय का एक केस स्टडी”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, 2023 द्वारा वित्त पोषित
- सी. वीरमणि। “वैश्विक मूल्य शृंखलाओं (जीवीसी) में पिछड़ी भागीदारी के माध्यम से भारत में मोबाइल फोन विनिर्माण में घरेलू मूल्य संवर्धन, व्यापार संतुलन के रुझान, पैटर्न और अवसर”, इंटीग्रल एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2023 द्वारा वित्त पोषित।
- विनोज अब्राहम, प्रवीणा कोडोथ, वी. संथाउमर, गोगोल मित्रा ठाकुर, और रितिका जैन। “केरल में उच्च शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन”, सीडीएस की केरल इकाई के अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन द्वारा प्रायोजित, केरल सरकार द्वारा वित्त पोषित।

4. जे. देविका, अनु जाँय और हेडडी लेने के साथ। "केरल के लिए जलवायु परिवर्तन शिक्षाशास्त्र परियोजना", टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), हैदराबाद और यूनिवर्सिटी ऑफ जैवस्काइला, फ़िनलैंड द्वारा वित्त पोषित, 2023-24।
5. प्रवीणा कोडोथ, रितिका जैन, विनोज अब्राहम और एम. परमेश्वरन। "अनुसूचित जाति प्रवासन अध्ययन, कड़कवूर: आंतरिक विभेदीकरण, सामाजिक और मानव पूँजी", केरल सरकार के केरल से अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन पर अनुसंधान इकाई द्वारा वित्त पोषित।
6. "केरल से अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रवास के पैटर्न और निर्धारक", सीडीएस में अंतर्राष्ट्रीय प्रवास पर अनुसंधान इकाई द्वारा वित्त पोषित।
7. एस.के. शशिकुमार, "प्रवासन के लिए कौशल का मानचित्रण – चयनित यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं का एक अध्ययन", सी.डी.एस. में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन पर अनुसंधान इकाई द्वारा वित्त पोषित।
8. गोगोल मित्रा ठाकुर और बीना पी.एल., "केरल में प्रवासियों की वापसी के लिए पुनः एकीकरण कार्यक्रमों का मूल्यांकन", सीडीएस में अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन पर अनुसंधान इकाई द्वारा वित्त पोषित।
6. सूरज जैकब और एनसी नारायणन। "पर्यावरण सेवाओं के लिए नीति प्रक्रियाएँ: केरल में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन", आईआईटी-बॉम्बे द्वारा प्रायोजित।
7. थियागु रंगनाथन, "अनुसूचित जातियों के बीच सामाजिक गतिशीलता: तमिलनाडु में जाति स्तर का विश्लेषण", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. बीना पीएल और थियागु रंगनाथन, "केरल ट्रांसफॉर्मिंग: लेबर एंड ट्रेड मोबिलिटी इन टाइम्स ऑफ पैडेमिक", अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन इकाई, सीडीएस, केरल सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. "भारत में ज्ञान और प्रौद्योगिकी संचालित क्षेत्रों को विनियमित करने की अनिवार्यताएँ", सीडीएस द्वारा प्रायोजित।
10. एम. परमेश्वरन, "भारत में विकेंद्रीकरण की स्थिति: भारतीय राज्यों में विश्लेषण", स्थानीय स्वशासन पर अनुसंधान इकाई, सीडीएस, 2025 द्वारा वित्त पोषित।
11. एम. परमेश्वरन और कृष्णकुमार सी. एस., "वृद्ध-अनुकूल स्थानीय शासन: तीन पंचायतों का तुलनात्मक अध्ययन", स्थानीय स्वशासन पर अनुसंधान इकाई, सीडीएस, 2025 द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. एम. परमेश्वरन, सी. वीरमणि, और हृषिकेश मल्लिक। "केरल राज्य के वित्त का मूल्यांकन", 16वें वित्त आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, 2024।
2. रितिका जैन। "भूमि पुनर्स्थापन के लिए देश प्रणाली विश्लेषण", संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (यूएनसीसीडी), 2024 द्वारा वित्त पोषित।
3. सूरज जैकब और ऋचा कुमार, "ग्रामीण आहार, उपभोग और आजीविका", आईआईटी-दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
4. सूरज जैकब और ऋचा कुमार, "छात्र पृष्ठभूमि और भोजन विकल्प: भारतीय विश्वविद्यालय में जीवन", आईआईटी-दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
5. सूरज जैकब, कैरोलीन डायर, सुमन भट्टाचार्य और अर्चना चोकसी, "भारत में स्कूल उपस्थिति और सीखने की प्रगति", ईएसआरसी, यूके द्वारा प्रायोजित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. विकास अध्ययन केंद्र द्वारा 10 से 11 मार्च 2025 तक "केरल और विश्व अर्थव्यवस्था" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
2. जी20 ग्लोबल लैंड इनिशिएटिव और सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज द्वारा 2 से 3 जनवरी 2025 तक "केरल में यूएनसीसीडी भूमि और पारिस्थितिकी तंत्र बहाली" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सेमिनार

1. इंस्टीट्यूट फॉर न्यू इकोनॉमिक थिंकिंग (आईएनईटी) के यंग स्कॉलर्स इनिशिएटिव (वाईएसआई) और सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज द्वारा संयुक्त रूप से 20 से 22 जुलाई 2024 तक "मानसून स्कूल ऑन इनइक्विटी 2024" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।

2. 31 जुलाई 2024 को "जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य प्रस्तुतकर्ता डॉ. लूसी मारुएजोल्स, सहायक प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कील विश्वविद्यालय और श्री बियाजियो रोसो, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय थे।
3. 14 से 15 जनवरी 2025 तक सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज, वक्कम मौलवी फाउंडेशन ट्रस्ट और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "बदलते समाज में भाषा और संस्कृति - केरल की स्कूल शिक्षा प्रणाली के समर्थन के लिए अनुसंधान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

व्याख्यान/चर्चा

1. 12 अप्रैल 2024 को प्रोफेसर विनोज अब्राहम, सीडीएस द्वारा "केरल में रबर उत्पादक समाजों की समस्या क्या है? एक संस्थागत अन्वेषण" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
2. 3 मई 2024 को एसआईएस, क्रेया विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सम्बैया गुंडीमेडा द्वारा "लोकतंत्र और सामाजिक न्याय: हमारे समय में अंबेडकर को पढ़ना" विषय पर 6वां डॉ. बीआर अंबेडकर स्मारक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
3. 9 मई 2025 को आईसीसी द्वारा आयोजित, द टेलीग्राफ के संपादक आर. राजगोपाल द्वारा दी गई "भारत में राजनीति और लैंगिक न्याय" पर सार्वजनिक चर्चा।
4. 10 मई 2024 को वाणिज्य मंत्रालय के अध्यक्ष और सीडीएस में प्रोफेसर, प्रोफेसर विनोज अब्राहम द्वारा "क्या किसानों को उत्पादक समूहों में शामिल होने से लाभ होता है? केरल में रबर उत्पादकों का मामला" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
5. 28 जून 2024 को डॉ. सार्थक गौरव, आईआईटी बॉम्बे और प्रो. थियागु रंगनाथन, सीडीएस द्वारा "आकस्मिक जुआरी: विदर्भ कपास में जोखिम और भेद्यता" पर सार्वजनिक चर्चा।
6. 22 जुलाई 2024 को रुक्मिणी एस द्वारा "पूर्ण संख्याएँ और अर्ध-सत्य: डेटा हमें आधुनिक भारत के बारे में क्या बता सकता है और क्या नहीं" विषय पर सार्वजनिक चर्चा।
7. 24 जुलाई 2024 को महाप्रबंधक श्री आर. अय्यप्पन नायर और सहायक सलाहकार श्री कुश शर्मा द्वारा "भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्तीय स्थिरता" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
8. 2 अगस्त 2024 को फ्लोरेंस, पीसा और सिएना विश्वविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर श्री नंदू एस. नायर द्वारा "संक्रमण में अनौपचारिक अर्थव्यवस्थाएं और सार्वजनिक ऋण गतिशीलता" पर सार्वजनिक संगोष्ठी दी जाएगी।
9. 12 अगस्त 2024 को केएफआरआई के डॉ. सजीव द्वारा "वायनाड रेजिलिएंस सीरीज़: भारत में जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का समाधान" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
10. 14 अगस्त 2024 को डॉ. श्रीकुमार चट्टोपाध्याय, डॉ. के. सोमन और श्री श्रीधर राधाकृष्णन द्वारा "विकास चौराहे पर: वायनाड का अतीत और भविष्य" विषय पर आम जनता के लिए पैनल चर्चा आयोजित की गई।
11. 16 अगस्त 2024 को डॉ. एम. परमेश्वरन, प्रोफेसर, सीडीएस द्वारा "भारत में मुद्रास्फीति: गतिशीलता, वितरणात्मक प्रभाव और नीतिगत निहितार्थ" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
12. 21 अगस्त 2024 को किंग्स कॉलेज लंदन के डॉ. जयसीलन राज द्वारा "तमिलनाडु में जातिगत हिंसा, चुनावी राजनीति और स्थानीय लोकतंत्र" पर सार्वजनिक संगोष्ठी दी जाएगी।
13. 22 अगस्त 2024 को एमएसएसआरएफ के वरिष्ठ फेलो प्रोफेसर टी. जयरामन द्वारा "वायनाड रेजिलिएंस सीरीज़: भारत में जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का समाधान" विषय पर छात्रों की पहल पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
14. 23 अगस्त 2024 को प्रोफेसर राकेश बसंत, आईआईएम अहमदाबाद (सेवानिवृत्त) द्वारा "मेजबान देशों में बहुराष्ट्रीय निगम और तकनीकी परिवर्तन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
15. 2 सितंबर 2024 को डॉ. थियागु रंगनाथन द्वारा "मलयालम सिनेमा उद्योग में श्रम अधिकारों का उल्लंघन: हेमा समिति की रिपोर्ट और उपचार के खुलासे" पर सार्वजनिक चर्चा।
16. 5 सितंबर 2024 को सीडीएस छात्रों द्वारा आयोजित "केरल और भारत में आपदा प्रबंधन की नीतियां और अनुभव" विषय पर डॉ. प्रवीणा कोडोथ द्वारा पैनल चर्चा।
17. 10 सितंबर 2024 को प्रोफेसर जे. देविका द्वारा "केरल की सामाजिक और कल्याण नीति में परिवारवाद - एक ऐतिहासिक आलोचना" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

18. 27 सितंबर 2024 को प्रोफेसर थियागु रंगनाथन द्वारा “विचारधारा और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था: हम केएन राज से क्या सीख सकते हैं?” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
19. 4 अक्टूबर 2024 को बिंदु साजन द्वारा “जलवायु लचीलापन: महिलाओं द्वारा बताया गया जीवन” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
20. 8 अक्टूबर 2024 को डॉ. अनूप थंकचन के और डॉ. नजीब वी. आर द्वारा “वायनाड एक समाजशास्त्रीय लेंस के माध्यम से: समुदाय और परिवर्तन” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
21. 7 नवंबर 2024 को डॉ. रजित बिस्वास द्वारा “गेम थ्योरी का परिचय और अर्थशास्त्र में इसके कुछ अनुप्रयोग” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
22. 15 नवंबर 2024 को क्योटो विश्वविद्यालय, जापान के प्रोफेसर रोहन डिसूजा द्वारा “कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शक्तिशाली इंटरनेट सर्च इंजन के युग में, क्या हमें अभी भी सामाजिक विज्ञान और मानविकी में पीएचडी की आवश्यकता है?” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
23. 25 नवंबर 2024 को श्री पपैया कोप्पुला द्वारा “बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के निर्धारक: एक क्षेत्र और राज्य-स्तरीय विश्लेषण” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
24. 4 दिसंबर 2024 को श्री अभिनव सूर्या एल. टी. द्वारा “क्या भारत में गरीबी कम हुई है?: रंगराजन समिति की विधि का अनुमान” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
25. 5 दिसंबर 2024 को प्रोफेसर विनोज अब्राहम द्वारा “केरल से उच्च शिक्षा और छात्र प्रवास की आकांक्षाएं” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
26. 8 नवंबर 2024 को डॉ. वी.एस. शेषाद्री, दिल्ली नीति समूह और पूर्व राजदूत, आईएफएस द्वारा “मुक्त व्यापार समझौते: भारत और विश्व” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
27. 11 दिसंबर 2024 को 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया द्वारा “नेहरू विकास मॉडल: इतिहास और इसका स्थायी प्रभाव” पर 13वें स्थापना दिवस सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
28. 16 दिसंबर 2025 को प्रोफेसर सूरज जैकब द्वारा “भारतीय नीति प्रक्रियाओं का विश्लेषण” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
29. 3 जनवरी 2025 को डॉ. मुरली थुम्मारकुडी द्वारा “भविष्य के केरल के बारे में सोचना: जनसांख्यिकी परिवर्तन और डिजिटल परिवर्तन” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
30. 8 जनवरी 2025 को आईआईटी रुड़की के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार सिंह द्वारा “भारतीय राज्य को कौन उधार देता है?” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
31. 10 जनवरी 2025 को जामिया मिलिया इस्लामिया की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोमती बोदरा हेन्ब्रोम द्वारा “शहरी स्थानों में आदिवासी महिलाओं के जीवन का अनावरण” विषय पर तीसरा बिरसा मुंडा स्मारक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
32. 9 जनवरी 2025 को श्री रहीम के.ए. द्वारा “संरक्षण से प्रतिस्पर्धा तक: भारत के एमएसएमई और निर्यात उद्यमों पर आरक्षण समाप्ति के प्रभाव का आकलन” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
33. 28 फरवरी 2025 को प्रोफेसर विनोज अब्राहम, प्रोफेसर प्रवीणा कोडोथ और सुश्री मुफीदा एन, सीडीएस द्वारा “महिलाओं का प्रवासन उनके श्रम भागीदारी निर्णय को कैसे प्रभावित करता है? दक्षिण भारत में एक सर्वेक्षण से साक्ष्य” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
34. 7 मार्च 2025 को श्री अभिनव सूर्या एल. टी. द्वारा “भारत के संगठित विनिर्माण क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और आकार वर्गों में श्रम और उत्पादन” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
35. 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के संबंध में आईसीसी द्वारा आयोजित “इंटरसेक्शनलिटी पर परिप्रेक्ष्य” विषय पर प्रोफेसर अजैलियु नियामाई और सुश्री शालिन मारिया लॉरेंस द्वारा दिया गया सार्वजनिक व्याख्यान।
36. 12 मार्च 2025 को एनटीईपी की प्रमुख सलाहकार और एमएसएसआरएफ की अध्यक्ष डॉ. सौम्या स्वामीनाथन द्वारा “भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज: एक सतत यात्रा” पर 15वां बीजी कुमार स्मारक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
37. 14 मार्च 2025 को प्रोफेसर थॉमस एफ. टार्टरिन और प्रोफेसर पी. सनल मोहन द्वारा “केरल समुद्री समुदाय परियोजना (केएमसीपी): संक्षिप्त इतिहास, परियोजना के उद्देश्य और प्रारंभिक परिणाम” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
38. 24 मार्च 2025 को दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रमुख अर्थशास्त्री डॉ. राणा हसन द्वारा “भारतीय शहरों की आर्थिक क्षमता का दोहन” विषय पर 14वां डॉ. पीके गोपालकृष्णन स्मारक सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएँ

1. 8 अप्रैल 2024 को माननीय वित्त मंत्री श्री के.एन. बालगोपाल की अध्यक्षता में “राजकोषीय विकेंद्रीकरण” पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें प्रो. वीरमणि और सीडीएस के अध्यक्ष प्रो. सुदीप्तो मुंडले का स्वागत होगा
2. विकास अध्ययन केंद्र द्वारा 17 से 23 फरवरी 2025 तक ऑफलाइन मोड में “भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटा बेस” पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
3. सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज़ द्वारा 13 से 18 मार्च 2025 तक ऑफलाइन मोड में “ओपन इकोनॉमी मैक्रोइकॉनॉमिक्स एंड इकोनॉमिक इंटीग्रेशन इन इमर्जिंग मार्केट इकोनॉमीज़” पर छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। आरबीआई एंडोमेंट यूनिट द्वारा प्रायोजित।
4. विकास अध्ययन केंद्र द्वारा 20 से 22 मार्च 2025 तक ऑफलाइन मोड में “क्रॉसरोड्स 2025” पर तीन दिवसीय सीडीएस पीएचडी संगोष्ठी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. विकास अध्ययन केंद्र द्वारा 24 से 28 मार्च 2025 तक ऑफलाइन मोड में “प्रवासन मुद्दों पर अनुसंधान के तरीके और दृष्टिकोण” पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वेबिनार

1. 6 सितंबर 2024 को जर्मनी के रुहर विश्वविद्यालय बोचुम में पोस्टडॉक्टरल फेलो, सुश्री अनु कृष्णा, पीएचडी द्वारा “तालु का विरोधाभास: एक मसाले की वनस्पति एजेंसी” विषय पर एक दिवसीय एनआरपीपीडी वेबिनार।
2. 13 दिसंबर 2024 को प्रोफेसर थियागु रंगनाथन द्वारा “उनकी बौद्धिक विरासत पर चिंतन” विषय पर एक दिवसीय प्रोफेसर एम. कुन्हामन स्मारक कार्यक्रम।
3. 26 मार्च 2025 को प्रोफेसर विनोज अब्राहम द्वारा “चाय उद्योग में भूमि, श्रम और उत्पादन की राजनीतिक अर्थव्यवस्था” पर एक दिवसीय एनआरपीपीडी वेबिनार।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 12 शोधार्थियों ने पीएचडी कार्यक्रमों में

दाखिला लिया और 6 शोधार्थियों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की। इसके अलावा, 4 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गईं और वर्तमान में, 46 शोधार्थी अपना पीएचडी शोध जारी रखे हुए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. देविका, जे. *सत्यवादीनियम स्वातंत्र्यवादीनियम: जे. देविकायुडे गवेषणा प्रबंधंगल 2018-24*. डीसी बुक्स, कोट्टायम

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. जैकब, एस. “भारत में राज्य कार्रवाई, स्वायत्तता और चुनावी लोकतंत्र।” वाई.एस. सिसोदिया और पी. चट्टोपाध्याय (संपादक), *भारत में लोकतंत्र और शासन के चुनावी आख्यान।* रूटलेज, 2024।
2. देविका, जे. “केरल, भारत में जेल नारीवाद और दंडात्मक राज्य।” एम. कैपुती और पी. मोयनाघ (संपादक), *नारीवादी राजनीतिक विचार पर शोध पुस्तिका*, पृष्ठ 193-217। एडवर्ड एल्गर, 2024।
3. देविका, जे. “बीसवीं सदी के केरल में नव-सवर्णों का लैंगिक इतिहास।” एन. मन्नुथुकरन (सं.), *दक्षिण भारत में हिंदू राष्ट्रवाद: केरल में भगवा का उदय*, पृष्ठ 112-145। रूटलेज, 2024।
4. देविका, जे. “केरल में बचपन के इतिहास और राज्य पर विचार।” एम.ई. जॉन, बी. लोट्ज़ और ई. शोम्बुचर (संपादक), *क्वैरिंग चाइल्डहुड: फेमिनिस्ट रीफ्रेमिंग*, प्रथम संस्करण, पृष्ठ 80-103। रूटलेज इंडिया, 2024। <https://doi.org/10.4324/9781003465256>
5. वीरमणि, सी. “वर्तिकल स्पेशलाइजेशन और फ्रैगमेंटेशन ट्रेड की जटिलता को उजागर करना: पैटर्न, चालकों, निहितार्थों और विकसित होती गतिशीलता का एक सर्वेक्षण।” आर. भट्टाचार्य और डी. मजूमदार (संपादक), *अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्दे: चुनौतियाँ और अवसर*, पृष्ठ 9-36। एमराल्ड पब्लिशिंग, 2024
6. देविका, जे. “देखभालकर्ता बनाम नागरिक? भारत के केरल राज्य से पारिस्थितिक नारीवाद पर विचार।” एस. रघुरामन (सं.), *द रूटलेज कम्पेनियन टू इंडियन एथिक्स: विमेन, जस्टिस, बायोएथिक्स एंड इकोलॉजी*, पृष्ठ 322-334 में। रूटलेज, 2024।

7. कोडोथ, पी. “देहेज का सामान्यीकरण।” एस. रघुरामन (सं.), द रूटलेज कम्पेनियन टू इंडियन एथिक्स: वीमेन, जस्टिस, बायोएथिक्स एंड इकोलॉजी, पृष्ठ 479-488। रूटलेज, 2024।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. जैकब, एस. “केएन राज की विद्वता: मानवतावादी दृष्टि, आधारभूत सिद्धांतीकरण, और संस्थागत संदर्भ पर ध्यान।” इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, खंड 59, अंक 47, 2024, पृष्ठ 40-47।
2. जैकब, एस. “आर्थिक विकास और गौरव का अभिमान।” इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, खंड 59, अंक 20, 2024, पृष्ठ 30-32।
3. जैन, आर. “भारत में आईसीटी तक किसकी पहुँच है? एक लिंग-आधारित विश्लेषण।” द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 2024। <https://doi.org/10.1177/00194662241260816>
4. अब्दुल्ला, बी., अब्राहम, वी., और जैन, आर. “भारत में युवा बेरोजगारी: क्या आकांक्षाएं मायने रखती हैं?” द इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, खंड 67, अंक 3, 2024, पृष्ठ 883-908
5. बिस्वास, एस., और जैन, आर. “प्रचुरता की समस्या—ग्रामीण भारत में जातीय विभाजन और महिला रोजगार।” जर्नल ऑफ क्रांटेटिव इकोनॉमिक्स, खंड 22, संख्या 4, 2024, पृ. 1053-1076।
6. जैन, आर., और चटर्जी, टी. “भारत में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और महिला रोजगार।” सूचना अर्थशास्त्र और नीति, खंड 69, 2024, लेख 101116।
7. बिस्वास, एस., और जैन, आर. “व्यवसायों के लिए बहुत जोखिम भरा?—भारत में अपराध और फर्म पंजीकरण के बीच संबंधों की जाँच।” इकोनॉमिक नोट्स, खंड 54, संख्या 1, 2025, लेख e70006।
8. देविका, जे. “प्यार कहाँ है? कमला सुरीया की भावात्मक राजनीति पर विचार।” जर्नल ऑफ द हिस्ट्री ऑफ विमेन फिलॉसॉफर्स एंड साइंटिस्ट्स, खंड 3, अंक 2, 2025, पृष्ठ 113-134। <https://doi.org/10.1163/2666318x-bja00024>
9. अजय, ए. “सामाजिक-पारिस्थितिक कमजोरियों से निपटना: केरल, भारत की सफाई/घरेलू महिला श्रमिकों के दो समूहों के अनुभव।” लिंग और विकास, खंड 32, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 685-706 <https://doi.org/10.1080/13552074.2024.2410057>
10. अय्यर, सी.जी. “भारत में डिजिटल भुगतान का प्रसार: दो तकनीकों की कहानी।” उभरती अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमिता और नवाचार जर्नल, 2024 <https://doi.org/10.1177/23939575241292940>
11. अय्यर, सी.जी. “भारत के लिए मोबाइल विनिर्माण पथ: अन्य एशियाई देशों से सबक।” भारतीय लोक नीति समीक्षा, खंड 5, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 105-128 <https://doi.org/10.55763/ipp.2024.05.04.005>
12. अभिलाष, टी., और बंसोडे, पी. “खानाबदोश जीवन से अनिश्चित जीवन तक: केरल में अर्ध-खानाबदोश आदिवासी समुदायों का अभाव और सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार।” जर्नल ऑफ आदिवासी और स्वदेशी अध्ययन, खंड 13, अंक 2, 2024, पृष्ठ 1-16
13. अभिलाष, टी. “एम कुन्हामन (1949-2023): एक क्रांतिकारी शिक्षाविद जिन्होंने ऐसी चीजें देखीं जो दूसरे नहीं देख पाए।” इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, खंड 59, अंक 5, 2024, पृष्ठ 22-25।
14. अभिलाष, टी. “भूमि अधिकार और आजीविका: वन संरक्षण अधिनियम का संदर्भीकरण।” अर्थ विज्ञान, खंड 67, संख्या 4, 2025।
15. अभिलाष, टी. “आदिवासी अधिकार और केरल विकास मॉडल: नए रुझान की खोज।” इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, खंड 85, संख्या 2, 2024, पृ. 401-406। https://www.academia.edu/127080323/Tribal_Rights_and_Kerala_Model_of_Development_Exploring_New_Trends
16. मणि, एस. “भारत के विनिर्माण उद्योग में रोजगार पर नई तकनीक का प्रभाव: बहुउद्देश्यीय औद्योगिक रोबोटों के प्रसार की जाँच।” इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 2024. <https://doi.org/10.1007/s41027-024-00525-1>
17. मणि, एस. “पेटेंट संशोधन नियम 2023 के आलोक में अनुदान-पूर्व विरोध की मृत्यु की घंटी।” इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, खंड 59, संख्या 52, 2024, पृष्ठ 18-21।

18. मणि, एस. "भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता में विकसित रणनीतियाँ: पेटेंट नीतियों, अनुसंधान एवं विकास प्रोत्साहनों और मानव संसाधन विकास का एक अध्ययन।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, 2025.
19. वीरमणि, सी. "वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में भारत की भूमिका में रणनीतिक सुधार।" *ईस्ट एशिया फोरम क्वार्टरली*, खंड 16, संख्या 2, 2024, अप्रैल-जून।
20. वीरमणि, सी., और धीर, जी. "विखंडन व्यापार की गतिशीलता और निर्धारक: तुलनात्मक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में भारत।" *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*, खंड 59, अंक 34, 24 अगस्त 2024।
21. मलिक, एच., पाल, एस., महालिक, एम.के., और हेशमती, ए. "क्या वित्तीय विकास एक उभरती अर्थव्यवस्था में कुल कारक उत्पादकता वृद्धि को प्रेरित करता है? लैंगिक मानव पूँजी की भूमिका।" *जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स*, 2024।
22. मलिक, एच., पटेल, जी., और महालिक, एम.के. "ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में पर्यावरणीय गुणवत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घटकों के विषम प्रभाव: सतत वृत्ताकार अर्थव्यवस्था के लिए निहितार्थ।" *वृत्ताकार अर्थव्यवस्था और स्थिरता*, 2024।
23. मल्लिक, एच., कुजूर, जे., मिश्रा, यू.एस., और राजन, एसआई "हाशिये के भीतर हाशिये पर: भारत में भूमि अलगाव के संदर्भ में आदिवासी महिलाओं के बीच व्यावसायिक पैटर्न में बदलाव की खोज।" *विश्व विकास*, खंड 182, 2024। <https://doi.org/10.1016/j.worlddev.2024.106591>
24. मलिक, एच., पाल, एस., महालिक, एम.के., पटेल, जी., और हेशमती, ए. "क्या आयु संरचना उप-सहारा अफ्रीकी क्षेत्र में वित्तीय क्षेत्र के विकास को प्रभावित करती है? आर्थिक वैश्वीकरण की भूमिका।" *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंड एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज*, 2025
25. पाल, एस., महालिक, एम.के., और मलिक, एच. "नवाचार को आकार देने वाले कारकों का अनावरण: उभरती और उन्नत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं का तुलनात्मक विश्लेषण।" *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप*, 2025।
26. रंगनाथन, टी., गौरव, एस., और सिंह, आर.के. "कृषक और श्रमिक परिवारों की श्रम आपूर्ति: विदर्भ, महाराष्ट्र में एक अनुदैर्घ्य सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि।" *इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स*, खंड 67, 2024, पृष्ठ 1117-1140।
27. बीना, पी.एल., और अभिनव, एल.टी. "भारत के संगठित विनिर्माण क्षेत्र में निवेश और पूँजी श्रम संबंध।" *इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक्स*, फरवरी 2025।
28. अब्राहम, वी. "ग्रामीण परिवर्तन में व्यवधान: ग्रामीण भारत में गैर-कृषि से मिश्रित परिवारों तक।" *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*, खंड 59, अंक 50, 14 दिसंबर 2024।
29. अब्राहम, वी. "गहरा होता अलगाव: केरल में रबर उत्पादकों और उत्पादक संगठनों का मामला।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 43, 26 अक्टूबर 2024।
30. जैन, आर., कोडोथ, पी., परमेश्वरन, एम., और अब्राहम, वी. केरल, भारत में कोविड-19 महामारी और रोजगार की कमजोरी: क्या प्रवासन की स्थिति मायने रखती है? कार्य पत्र संख्या 515, विकास अध्ययन केंद्र, 2024।

कार्य पत्र

1. जैन, आर., कोडोथ, पी., परमेश्वरन, एम., और अब्राहम, वी. केरल, भारत में कोविड-19 महामारी और रोजगार की कमजोरी: क्या प्रवासन की स्थिति मायने रखती है? (कार्य पत्र संख्या 515)। विकास अध्ययन केंद्र, 2024। <http://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/WP515-Covid19Pandemic.pdf>
2. लिबिथा, सी. भारत में जाति और आय की गतिशीलता: केरल और तमिलनाडु पर विशेष ध्यान देते हुए (कार्य पत्र संख्या 516)। विकास अध्ययन केंद्र, 2025। <http://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/WP516-Libitha.pdf>
3. बालकृष्णन, पी., और परमेश्वरन, एम. भारत में मुद्रास्फीति: गतिशीलता, वितरणात्मक प्रभाव और नीतिगत निहितार्थ (कार्य पत्र संख्या 517)। विकास अध्ययन केंद्र, 2025। <http://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/WP517-ProfPulapre-ProfMParameswaran.pdf>
4. जैन, आर., और बिस्वास, एस. क्या आईसीटी छोटे व्यवसायों को सुंदर बना सकता है? भारत में एसएमई के ऋण व्यवहार को प्रभावित करने में आईसीटी की भूमिका की जाँच (एडीबीआई कार्य पत्र संख्या 1459)। एशियाई

विकास बैंक संस्थान, 2024 <http://www.adb.org/publications/can-ict-make-small-beautiful-examining-the-role-of-ict-in-affecting-the-credit-behavior-of-sm-es-in-india>

5. जैन, आर., कोडोथ, पी., परमेश्वरन, एम., और अब्राहम, वी. केरल, भारत में कोविड-19 महामारी और रोजगार की कमजोरी: क्या प्रवासन की स्थिति मायने रखती है? (कार्य पत्र संख्या 515)। विकास अध्ययन केंद्र, 2024। <https://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/WP515-Covid19Pandemic.pdf>

अनुसंधान रिपोर्ट

1. वीरमणि, सी., परमेश्वरन, एम., और मलिक, एच. केरल राज्य के वित्त के मूल्यांकन पर अध्ययन (16वें वित्त आयोग के लिए तैयार रिपोर्ट)।
2. वीरमणि, सी. विकसित भारत के लिए आर्थिक नीति ढांचा (भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार को प्रस्तुत रिपोर्ट)।
3. वीरमणि, सी. वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में पिछड़े-लिंकड भागीदारी के माध्यम से भारत में मोबाइल फोन विनिर्माण से लाभ: घरेलू मूल्य संवर्धन, निर्यात, रोजगार और मजदूरी आय पर प्रभाव (एप्पल इंडिया के लिए तैयार रिपोर्ट)।

नीति संक्षिप्त

1. राष्ट्रीय वृक्षारोपण विकास अनुसंधान कार्यक्रम (एनआरपीपीडी)। अप्रैल-जुलाई 2024 <https://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/NRPPDPoilyBrief-April-July2024.pdf>
2. राष्ट्रीय वृक्षारोपण विकास अनुसंधान कार्यक्रम (एनआरपीपीडी)। अगस्त-अक्टूबर 2024 <https://सीडीएस.एडु/wp-content/uploads/NRPPD-PolicyBriefAUG-OCT24.pdf>
3. अय्यर, सीजी (2024, 10 अक्टूबर)। मोबाइल के लिए, पीएलआई पर्याप्त नहीं है। द हिंदू बिजनेसलाइन <https://www.thehindubusinessline.com/opinion/for-mobiles-pli-is-not-enough/article68737611.ece>

पुस्तकालय

केएन राज पुस्तकालय में 138,727 संसाधनों का एक व्यापक और विविध संग्रह है, जिसमें पुस्तकें, रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन,

शोध प्रबंध और शोध प्रबंध, 726 ई-पुस्तकें और 18,419 जर्नल बैंक वॉल्यूम शामिल हैं, जो सामाजिक विज्ञान विषयों की एक विस्तृत शृंखला को कवर करते हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, पुस्तकालय ने 65 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 12 क्षेत्रीय और राष्ट्रीय समाचार पत्रों की सदस्यता ली, जिससे इसके ज्ञान भंडार में और वृद्धि हुई।

जनवरी 2025 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि पुस्तकालय को भारत सरकार की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) ई-जर्नल्स पहल तक पहुंच प्राप्त हुई, जो आईसीएसएसआर -नैस्टॉक के उदार सहयोग से संभव हुई। इस पहल से सीडीएस समुदाय को 13,000 से ज्यादा ई-जर्नल्स तक पहुंच प्राप्त हुई। इसके अलावा, पुस्तकालय ने कई प्रमुख ई-जर्नल डेटाबेस की सदस्यता ली है, जिनमें ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन - सोशल साइंस कलेक्शन (86 जर्नल्स), विले ऑनलाइन (22 जर्नल्स), प्रोजेक्ट एमयूएसई - सोशल साइंस कलेक्शन (113 जर्नल्स), और साइंसडायरेक्ट - इकोनॉमिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स, एंड फ़ाइनेंस (एसडी-ईईएफ) कलेक्शन (106 जर्नल्स) शामिल हैं। पुस्तकालय में 682 सीडी/डीवीडी का एक मल्टीमीडिया संग्रह भी है।

पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर कोहा के माध्यम से प्रबंधित है। उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए, ऑनलाइन कैटलॉग (वेब-ओपेक) यहाँ उपलब्ध है। <https://cdslibओपीसी.ल्ट्सिनफॉर्मेटिक्स.कॉम> आईसीएसएसआर - नैस्टॉक के सहयोग से, यह लाइब्रेरी ईकोनलिट (599 ई-जर्नल), जेगेट, जेएसटीओआर (2,400 ई-जर्नल), इंडियास्टेट, पॉलिसी कॉमन, प्रोवेस आईक्यू और स्टेटिस्टा जैसे महत्वपूर्ण डेटाबेस तक भी पहुंच प्रदान करती है।

सांख्यिकीय अनुसंधान के लिए, पुस्तकालय व्यापक डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण, भारत की जनगणना डेटा, सीएमआईई प्रोवेसआईक्यू, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण इकाई स्तर डेटा, आईएमएफ डेटाबेस (भुगतान सांख्यिकी संतुलन, व्यापार सांख्यिकी दिशा और अंतर्राष्ट्रीय वित्त सांख्यिकी), भारतीय अर्थव्यवस्था पर आरबीआई डेटाबेस, यूएन कॉमट्रेड और विश्व बैंक डेटा शामिल हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को कई प्रकार की डिजिटल और भौतिक सेवाओं का लाभ मिलता है, जैसे ऑनलाइन सामग्री अलर्ट सेवाएँ, ई-जर्नल और ई-पुस्तकें, सूचना संग्रह, और ग्रंथसूची एवं साहित्य खोज सहायता। अतिरिक्त उपयोगकर्ता सेवाओं में संचलन और आरक्षण सेवाएँ, जर्नल सामग्री पृष्ठ अलर्ट, एक पुस्तकालय ब्लॉग, नई सामग्री की सूची और प्रदर्शन, फोटोकॉपी, दस्तावेज और डेटा वितरण, और डेलनेट के माध्यम से अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधाएँ शामिल हैं। पुस्तकालय उपयोगकर्ता लेनदेन के लिए भीम यूपीआई-आधारित भुगतान सुविधा भी प्रदान करता है।

अपने विशाल और विशिष्ट संग्रह, आधुनिक बुनियादी ढांचे और उपयोगकर्ता-केंद्रित सेवाओं के साथ, केएन राज पुस्तकालय सीडीएस के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के साथ-साथ केरल और अन्य संस्थानों के विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण ज्ञान और अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्य करता है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीडीएस, तिरुवनंतपुरम

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	266.06	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	681.10
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
एकमुश्त अनुदान (ओएच-31)	13.00		
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	335.09	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	28.90
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	156.40	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	186.88
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फेलोशिप, परामर्श आदि)	100.97	परियोजनाएँ, फेलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	24.64
कोई अन्य स्रोत		विविध व्यय	0.00
कुल	921.52	कुल	921.52

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस), हैदराबाद

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

- ई. रेवती, “काम पर युवा जीवन (2002 से एक दीर्घकालिक अध्ययन): राउंड 7 सर्वेक्षण”, एफसीडीओ, यूके सरकार द्वारा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, यूके के माध्यम से वित्त पोषित।
- ई. रेवती, “व्यापक डोर-टू-डोर घरेलू सर्वेक्षण - सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।
- बी. सुरेश रेड्डी, “तेलंगाना राज्य में एससी समुदाय का व्यापक आधारभूत सर्वेक्षण: स्थानिक डोमेन पर डेटा और संसाधनों का मानचित्रण”, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) और तेलंगाना राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (जीओटी) द्वारा वित्त पोषित।
- बी. सुरेश रेड्डी, “यासंगी सीज़न (रबी) 2023-24 के लिए तेलंगाना में धान खरीद प्रक्रिया पर किसानों की संतुष्टि”, नागरिक आपूर्ति विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- पी. प्रुधविकार रेड्डी, “तेलंगाना में पीएम पोषण का सामाजिक ऑडिट 2023-24 (चरण- I)”, स्कूल शिक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- के. चंद्रशेखर, “तेलंगाना में चयनित स्कूलों में समग्र शिक्षा योजना का सामाजिक ऑडिट”, स्कूल शिक्षा निदेशालय, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- ममीदी भारत भूषण, “पीवीएनआर ओपन कास्ट माइनिंग का सामाजिक-आर्थिक और विरासत प्रभाव, जैव विविधता, विरासत और रामप्पा मंदिर और झील का सामाजिक-धार्मिक महत्व”, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, कोठागुडेम द्वारा वित्त पोषित।

8. जाधव चक्रधर, “भारतीय श्रम बाजार में विविधता: भारतीय विनिर्माण उद्योग से साक्ष्य”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
9. प्रदीप कांबले, “तेलंगाना सरकार के अनुसूचित जाति विशेष विकास निधि (एससी उप-योजना) का विश्लेषण (2014-15 से 2021-22)”, अनुसूचित जाति विकास विभाग (एससीडीडी), तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
10. जी.आर. रेड्डी, “XVI वित्त आयोग के लिए ज्ञापन की तैयारी”, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
11. कोर्ता विजय, “गैर-अधिसूचित जनजातियों का व्यावसायिक विविधीकरण, प्रवासन और विकास: तेलंगाना में एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
12. आरिफा सुल्ताना, “किसान उत्पादक संगठनों का प्रदर्शन मूल्यांकन: आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य”, लघु कृषक कृषि-व्यवसाय संघ (एसएफएसी), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
13. एम. गोपीनाथ रेड्डी, “तेलंगाना राज्य में नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं (केएपी) का अंतिम चुनाव सर्वेक्षण”, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, तेलंगाना राज्य द्वारा वित्त पोषित।
14. एम. गोपीनाथ रेड्डी, “द्वितीय एसएफसी के संदर्भ में तेलंगाना राज्य में पीआरआई की वित्तीय स्थिति का स्थितिजन्य विश्लेषण”, तेलंगाना राज्य वित्त आयोग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. जीना टी. श्रीनिवासन, “सूखी मछली की सामाजिक अर्थव्यवस्था: केरल, भारत में मछली की खपत का एक अध्ययन”, सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान परिषद् (एसएसएचआरसी), कनाडा द्वारा वित्त पोषित, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा समन्वित।
4. जीना टी. श्रीनिवासन, “सूखी मछली मायने रखती है: आंध्र प्रदेश, भारत में सूखी मछली की सामाजिक अर्थव्यवस्था का मानचित्रण”, सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान परिषद् (एसएसएचआरसी), कनाडा द्वारा वित्त पोषित, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा समन्वित।
5. वेंकटरारायण मोटकुरी और ई. रेवती, “शासन और शैक्षिक परिणाम: तेलंगाना में स्कूली शिक्षा का एक अध्ययन”, तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद् (टीएससीएचई), हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित।
6. चक्रधर जाधव, प्रवीण जाधव, शुक्ल टी, और अरुण कुमार बैरवा, “वैश्विक कल्याण के लिए आयुष उत्पादों की निर्यात क्षमता को बढ़ाना: रणनीतियाँ और अवसर”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित।
7. सीटी विद्या, “कार्बन तटस्थता और व्यापार: आसियान की हरित पहल”, इंडोनेशिया के आसियान और पूर्वी एशिया के लिए आर्थिक अनुसंधान संस्थान द्वारा वित्त पोषित।
8. एम. गोपीनाथ रेड्डी, “द्वितीय एसएफसी के संदर्भ में तेलंगाना राज्य में पीआरआई की वित्तीय स्थिति का स्थितिजन्य विश्लेषण”, तेलंगाना राज्य वित्त आयोग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. एम. गोपीनाथ रेड्डी, “भारत के जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक स्वशासी संस्थाएं और पंचायतों के साथ उनकी अंतःक्रिया-उड़ीसा और तेलंगाना का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित।
10. एम. गोपीनाथ रेड्डी, “आंध्र प्रदेश राज्य में हाशिए पर रहने वाले समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बदलने के लिए विकास पहल - टीएसपी और एससीएसपी का प्रभाव”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित।
11. जी.आर. रेड्डी, “आंध्र प्रदेश राज्य के लिए राज्य वित्त का मूल्यांकन”, भारत सरकार के XVI वित्त आयोग द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. ई. रेवती, “यंग लाइव्स सर्वे – बचपन की गरीबी, असमानता और शिक्षा के कारणों और प्रभावों की बेहतर समझ – कार्यस्थल पर युवा जीवन – सातवां दौर (2002 से एक दीर्घकालिक अध्ययन)”, एफसीडीओ, यूके सरकार द्वारा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, यूके के माध्यम से वित्त पोषित
2. जीना टी. श्रीनिवासन, “भारत में घरों में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा की पारंपरिक बनाम आधुनिक प्रणालियाँ व्यवहार”, आर्य वैद्य शाला कोट्टकल के सहयोग से, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. ई. रेवती, “भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का अनुसंधान मूल्यांकन करना: एक वैश्विक विकास नेटवर्क परियोजना”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
2. बी. सुरेश रेड्डी, “आंध्र प्रदेश में कृषि से उर्वरक की खपत, लागत और लाभ”, रायथु साधिकारा समस्था (आरवाईएसएस), आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. पी. प्रधुविकार रेड्डी, “तेलंगाना राज्य में पीएम पोषण कार्यक्रम का मूल्यांकन 2024-25, 2025-26 और 2026-27 (चरण- II)”, स्कूल शिक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. रेड्डी एम. श्रीनिवास, रेड्डी वाई. केशव, मिश्रा ब्रजराजा, महापात्र सुशांत कुमार और कुमार नीरज, “कार्यस्थल पर कांच की छत को तोड़ना: दक्षिण भारत के एमएसएमई क्षेत्र में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. वाई. श्रीनिवासुलु, “आंध्र प्रदेश सामुदायिक प्राकृतिक खेती - सत्यापन सर्वेक्षण”, आंध्र प्रदेश सरकार के रायथु साधिकारा समस्था (आरवाईएसएस) द्वारा वित्त पोषित।
6. डॉ. जी.आर. रेड्डी, “तेलंगाना में राज्य वित्त का एक अध्ययन”, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्त पोषित।
3. 20 सितंबर 2024 को आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा आयोजित “भारत में नियमित वेतनभोगी श्रमिकों की मजदूरी आय कौशल स्तर और लिंग आयाम के साथ कौशल बेमेल: पीएलएफएस (2022-23) का उपयोग करके विश्लेषण” पर एक दिवसीय सेमिनार।
4. आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा “तेलंगाना में अनुसूचित जातियों की शैक्षिक स्थिति: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा 8 अक्टूबर 2024 को “तेलंगाना के अनुसूचित जाति स्वयं सहायता समूहों के विशेष संदर्भ में संस्थागत सदस्यता और सामाजिक समावेशन” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
6. 8 अक्टूबर 2024 को आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा “तेलंगाना राज्य में अनुसूचित जातियों के बीच विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
7. नवंबर 2024 में सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस) द्वारा “तेलंगाना में अनुसूचित जातियों के बीच स्व-रोजगार: वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया।
8. मार्च 2025 में सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस) द्वारा “तेलंगाना में अनुसूचित जातियों के बीच कौशल विकास और रोजगार: एक अनुभवजन्य मूल्यांकन से उभरने वाले नीतिगत निहितार्थ” पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सेमिनार

1. आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा 2 जनवरी 2025 को “हैदराबाद राज्य का आर्थिक इतिहास: 1858 से 1948” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
2. 27 मार्च 2025 को आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस) द्वारा “तेलंगाना राज्य में अनुसूचित जाति के किसानों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकियों को अपनाना: एक अनुभवजन्य विश्लेषण” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

1. 29 अप्रैल 2024 को प्रो. दिलीप एम. नाचने (अध्यक्ष, सीईएसएस) द्वारा “‘निम्न और दीर्घकालिक’ (एल एंड एल) ब्याज दरों के माहौल में स्थिरीकरण नीति विकल्प” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
2. 14 नवंबर 2024 को प्रोफेसर ज्योति चंद्रामणी (निदेशक, सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स) द्वारा “भारत 2047 की ओर परिवर्तनकारी शहरीकरण” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

3. सीईएसएस के संस्थापक श्री बीपीआर विठ्ठल की जयंती के उपलक्ष्य में 2 दिसंबर 2024 को “भारत के 16वें वित्त आयोग के समक्ष मुद्दे: राजकोषीय संतुलन, राजकोषीय स्थान, निधि प्रवाह और उप-राष्ट्रीय राजकोषीय जोखिम” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया। यह व्याख्यान डॉ. पिनाकी चक्रवर्ती (विजिटिंग विशिष्ट प्रोफेसर, एनआईपीएफपी) द्वारा दिया जाएगा।
4. 9 दिसंबर 2024 को प्रो. सुधा मोहन (पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय) द्वारा “विकास के परिप्रेक्ष्य और प्रतिमान” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
5. 11 दिसंबर 2024 को प्रोफेसर सुधा मोहन (पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय) द्वारा “शहरी मोड़: प्रतियोगिता और प्रतियोगिता” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
6. 17 दिसंबर 2024 को श्री मनीष कुशवाहा और श्री मयंक कुशवाहा द्वारा “भारत में बीज उद्योग: वर्तमान चुनौतियाँ” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
7. सार्वजनिक व्याख्यान - “भारत का राजकोषीय संघवाद - को वादीस?” विषय पर तीसरा बीपीआर विठ्ठल स्मारक व्याख्यान, 30 जनवरी 2025 को डॉ. डी. सुब्बा राव, आईएसएस (सेवानिवृत्त) (पूर्व गवर्नर, आरबीआई) द्वारा दिया जाएगा।
8. 18 फरवरी 2025 को एडम डी. वोल्स्की (वरिष्ठ अनुसंधान विशेषज्ञ, समाजशास्त्र विभाग, प्रिंसटन विश्वविद्यालय) द्वारा “राजनीतिक कदाचार के सार्वजनिक विचार और चुनावी परिणाम” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
9. 12 मार्च 2025 को प्रोफेसर चंद्रहास देशपांडे (अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डिवेलपमेंट एंड रिसर्च, मुंबई) द्वारा “अर्थशास्त्र में 2024 का नोबेल पुरस्कार - संस्थान और उससे आगे” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
10. 13 मार्च 2025 को प्रोफेसर चंद्रहास देशपांडे (अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डिवेलपमेंट एंड रिसर्च, मुंबई) द्वारा “लोकतंत्र और पूंजीवाद - बदलती गतिशीलता” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएँ

1. सीईएसएस द्वारा पीएचडी स्कॉलर्स के लिए 13 अगस्त

2024 को “लेखन कौशल” पर एक दिवसीय कार्यशाला (ऑफलाइन) आयोजित की गई

2. पीएचडी स्कॉलर्स के लिए सीईएसएस द्वारा 3 से 6 सितंबर 2024 तक “स्टेटा” पर चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन (ऑफलाइन)।
3. 12 दिसंबर 2024 (ऑफलाइन) को हरित क्रांति परिषद् और नागरिक उपभोक्ता और नागरिक कार्रवाई समूह (सीएजी) के सहयोग से सीईएसएस द्वारा आयोजित “ऊर्जा संक्रमण: सीओपी29 और भारत - तेलंगाना पर विशेष ध्यान” पर एक दिवसीय कार्यशाला।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

4. आईसीएसएसआर-एसआरसी, हैदराबाद के सहयोग से 1 से 11 जुलाई 2024 तक सीईएसएस द्वारा “तेलंगाना राज्य में डिग्री कॉलेज व्याख्याताओं के लिए मात्रात्मक तकनीक” पर ग्यारह दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
5. 23 से 27 सितंबर 2024 तक सीईएसएस द्वारा आयोजित “किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और निदेशकों” के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 6 विद्वानों ने पीएचडी कार्यक्रम में नामांकन कराया और 6 ने अपनी पीएचडी प्रस्तुत की। 4 विद्वानों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई, जबकि 61 विद्वान वर्तमान में अपना पीएचडी शोध जारी रखे हुए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें / संपादित पुस्तकें

1. कोर्ना, वी. तेलंगाना में खाड़ी प्रवास और ग्रामीण परिवर्तन। मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2025. आईएसबीएन: 978-93-5999-003-3
2. रेवती, ई., अवस्थी, आई.सी., रेड्डी, बी.एस., और मदन, ए. सतत विकास, शहरीकरण और महिला सशक्तिकरण के परस्पर जुड़े रास्ते। स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 2024। आईएसबीएन: 978-981-97-9218-4।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. रेड्डी, एमजी “आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कल्याणकारी शासन और कल्याणकारी योजनाएँ: एक आकलन।” बीए कुमार और डीजे कुमार (संपादक), *कर्नाटक में शासन और विकास: एक राज्य, अनेक दुनियाएँ* राइटर्स चॉइस पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, 2024। आईएसबीएन: 978-93-93082-89-3।
2. रेवती, ई., और अनीश, एमआर “ग्रामीण आंध्र प्रदेश में महिलाओं के रोजगार के रुझान को समझना।” के. सरप (सं.), *ग्रामीण भारत में श्रम बाजार: गतिशीलता और उभरते मुद्दे* साउथ एशिया प्रेस, 2024। आईएसबीएन: 978-81-974489-7-3।
3. रेवती, ई. “क्या भारत में जनसंख्या के स्थान, लिंग और सामाजिक या धार्मिक पहचानों का अंतर्संबंध उनकी माध्यमिक शिक्षा के बाद की भागीदारी को प्रभावित करता है?” *सतत विकास, शहरीकरण और महिला सशक्तिकरण के अंतर्संबंधी पथों में*। स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 2024। आईएसबीएन: 978-981-97-9217-7।
4. गोपीनाथ रेड्डी, एम. “पूर्वी भारतीय राज्य झारखंड में आदिवासी कृषि: क्या यह टिकाऊ हो सकती है?” ई. रेवती, आईसी अवस्थी, बीएस रेड्डी और ए. मदान (संपादक), *सतत विकास, शहरीकरण और महिला सशक्तिकरण के अंतर्संबंधी पथ*। स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 2024 [ई-बुक]। आईएसबीएन: 978-981-97-9218-4।
5. श्रीनिवास रेड्डी, एम., और मिश्रा, बी. “आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मनरेगा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और श्रम बाजार गतिशीलता को आगे बढ़ाना।” ई. रेवती, आईसी अवस्थी, बीएस रेड्डी, और ए. मदान (संपादक), *सतत विकास, शहरीकरण और महिला सशक्तिकरण के अंतर्संबंधी पथ (आईएसएसआई, सीईएसएस का 22वाँ वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, भारत)*। स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2024।
6. जाधर, चक्रधर। “डिजिटल समावेशन और महिला विकास: भारतीय राज्यों से साक्ष्य।” *सतत विकास, शहरीकरण और महिला सशक्तिकरण के अंतर्संबंधी पथों में*। स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 2024। आईएसबीएन: 978-981-97-9217-7।
7. कृष्णा राव, सी. “कौशल विकास और उच्च शिक्षा: भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक क्रांतिकारी बदलाव।”

एम.के. वर्मा (सं.), *शिक्षा और सतत विकास: चुनौतियाँ, अवसर और भविष्य की संभावनाएँ*। रावत पब्लिकेशंस, जयपुर, 2025।

8. सुल्ताना, ए., प्रसाद, एल., और रेवती, ई. “एफपीओ की स्थिरता की ओर ले जाने वाले महत्वपूर्ण सफलता कारक।” एल. प्रसाद (सं.), *ग्लोबल इकोनॉमीज़ में सस्टेनेबल स्मार्ट टेक्नोलॉजी बिजनेस*, पृष्ठ 219-232। रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप पब्लिकेशन्स, 2024। <https://doi.org/10.1201/9781003616306>

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. रेवती, ई., और सुल्ताना, आरिफ़ा। “तेलंगाना राज्य में किसान उत्पादक कंपनियों का प्रभाव और प्रदर्शन।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एकेडमिक रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़*, खंड 12, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 213-218। ई-ISSN 2348-1269
2. रेवती, ई., और अपर्णा, पी. “भारत में महिला सशक्तिकरण: स्थिति और परिणामों का आकलन।” *आईएसएसआई त्रैमासिक: भारतीय सामाजिक विज्ञान में योगदान*, खंड 43, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 130-154।
3. श्रीनिवासन, जे.टी., रमेश, पी.आर., और महेश, के. “भारत में आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवा उपयोग पैटर्न, प्राथमिकताएँ और निर्धारक: एक संस्थागत केस स्टडी।” *जर्नल ऑफ़ रूरल डिवेलपमेंट*, खंड 43, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 11-26। <https://nirdprojms.in/index.php/jrd/article/view/173248>
4. कस्तूरी, ए. “ईएसजी उपाय और लॉजिस्टिक्स कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन।” *लेटर्स इन स्पैटियल रिसोर्सिंग*, खंड 17, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 1-12। <https://doi.org/10.1007/s12076-023-00358-4>
5. कस्तूरी, ए. “भारत में वित्तीय समावेशन को प्रभावित करने वाले कारकों का अनावरण: एक व्यापक विश्लेषण।” *कॉर्जेंट इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस*, खंड 12, अंक 1, 2024। <https://doi.org/10.1080/23322039.2024.2381682>
6. मोटुकुरी, वी., और रेवती, ई. “भारत में उपकरण और अधिभार की वृद्धि: केंद्र सरकार के शिक्षा उपकरण और उसके उपयोग के विशेष संदर्भ में।” *भारतीय मानव विकास जर्नल*, 2024। <https://doi.org/10.1177/09737030241239738>

7. दुर्गा भवानी, नीलम, और चंद्रशेखर, के. "विकासशील देशों में वित्तीय समावेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका।" *मध्य भारती*, खंड 86, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 183-192
8. मिश्रा, बी., और रेड्डी, एम.एस. "जलवायु अनुकूल शून्य-बजट प्राकृतिक खेती का कार्यान्वयन और प्रभाव: अनंतपुरमु जिले में एएफ-ईसी आंध्र प्रदेश सामुदायिक प्राकृतिक खेती का एक केस स्टडी।" *आईएसएसआई त्रैमासिक*, खंड 43, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 878-891।
9. श्रीनिवासुलु, वाई. "अनुपस्थित भूस्वामी और उनका प्रभाव: आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक ग्राम-स्तरीय अध्ययन।" *जर्नल ऑफ लैंड एंड रूरल स्टडीज*, खंड 13, संख्या 1, 2025, पृष्ठ 1-21।
10. श्रीनिवासुलु, वाई., विजय, आर., और चंद्रा, के.एस. "किरायेदारी, अनिवासी परिवार और इनपुट तक पहुँचने के लिए प्रयुक्त संस्थान: दक्षिण भारत के पश्चिमी गोदावरी जिले के दो गाँवों की जाँच।" *जर्नल ऑफ सोशल साइंस*, खंड 22, अंक 2, 2024। <https://doi.org/10.62656/SIJSS.v22i2.363>
11. कृष्णा राव, सी. "भारत में मुस्लिम महिलाओं की शैक्षिक स्थिति: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज*, खंड 20, अंक 1, 2024. अंक 55. आईएसएसएन 2347-4777
12. कृष्णा राव, सी. "अनुसूचित जातियों में उच्च शिक्षा तक पहुँच: तेलंगाना राज्य में एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज*, खंड 21, संख्या 2, 2024. संख्या 33. आईएसएसएन 2347-4777.
13. कृष्णा राव, सी. "कौशल विकास शिक्षा पर डॉ. अंबेडकर के विचार और समकालीन भारत में इसकी प्रासंगिकता।" *मध्य भारती-मानविकी और सामाजिक विज्ञान*, खंड 85, संख्या 12, 2024. आईएसएसएन 0974-0066।
14. कृष्णा राव, सी. "भारतेदेसालोनी मुस्लिम महिलालालो विद्या परिस्थितिह ओका सामाजिक अध्ययनम।" *स्त्रीवाद पत्रिका भूमिका*, खंड। 20, नहीं. 5, 2025. आईएसएसएन 2347-7369।
15. चक्रधर, जे., और गुप्ता, आर. "आर्थिक नीति अनिश्चितता और फर्म वित्तीय प्रदर्शन का विषम प्रभाव: भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य।" *प्रबंधकीय और निर्णय अर्थशास्त्र*, 2024, पृष्ठ 1-22। <https://doi.org/10.1002/mde.4308>
16. चक्रधर, जे., और थाओ, टीटी "क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) समझौते में भागीदारी का प्रभाव और वियतनामी चावल के लिए संभावित निर्यात बाजार: संवर्धित गुरुत्वाकर्षण मॉडल का एक अनुप्रयोग।" *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स, इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी*, खंड 15, संख्या 2, 2024, आलेख आईडी 2450004।
17. चक्रधर, जे. "भारतीय सेवा क्षेत्र में जाति संबद्धता और उच्च प्राधिकारी नौकरियों तक पहुँच।" *जर्नल ऑफ द एशिया पैसिफिक इकोनॉमी*, 2024, पृ. 1-27. <https://doi.org/10.1080/13547860.2024.2401220>
18. अपर्णा, पी., विद्या, सी.टी., लक्ष्मण राव, एस., और जाधव, चक्रधर। "सम्मेलन कार्यवाही।" *आईएसएसआई त्रैमासिक: भारतीय सामाजिक विज्ञान में योगदान*, खंड 43, अंक 1, 2024, पृष्ठ 234-257
19. गुगुलोथु, एस., और कोर्ता, वी. "सांस्कृतिक वर्जनाएँ और महिलाओं का कल्याण: तेलंगाना में जनजातीय समुदायों का एक अध्ययन।" *आईएसएसआई त्रैमासिक*, खंड 43, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 922-939।
20. गुगुलोथु, एस., और कोर्ता, वी. "सांस्कृतिक प्रथाएँ और आर्थिक चुनौतियाँ: तेलंगाना में जनजातीय समुदायों का एक अनुभवजन्य अध्ययन।" *इंडियन जर्नल ऑफ सोशल डिवेलपमेंट (आईजेएसडी)*, खंड 24, संख्या 2, 2024. आईएसएसएन 0972-3692।
21. कोर्ता, वी., और गुगुलोथु, एस. "क्या वेश्यावृत्ति संक्रमण काल में एक जाति व्यवसाय के रूप में है? तेलंगाना में डोमारिस का एक मामला।" *सुडानियन-क्रॉनिक - साउथ एशिया क्रॉनिकल*, हम्बोल्ट यूनिवर्सिटी ज़ू बर्लिन, जर्मनी, 2024। आईएसएसएन 3051-9904।
22. कोर्ता, वी., और गुगुलोथु, एस. "खाड़ी देशों में तेलंगाना के कम-कुशल प्रवासियों की स्वास्थ्य संबंधी कमजोरियाँ।" *आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस (आईओएसआर-जेएचएसएस)*, वॉल्यूम। 30, नहीं. 3, शृंखला 2, 2025, पृ. 37-45। ई-आईएसएसएन 2279-0837, पी-आईएसएसएन 2279-0845।
23. श्रीविद्या, एम., और विद्या, सी.टी. "प्रारंभ में अंतर्राष्ट्रीयकरण: भारतीय वस्त्र उद्योग के जन्मजात वैश्विक

- दृष्टिकोण।" जर्नल ऑफ इकोनॉमिक इंटीग्रेशन, खंड 39, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 688-713।
24. विद्या, सी.टी. "एशिया में जलवायु जोखिम और सतत निवेश।" *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल असेसमेंट पॉलिसी एंड मैनेजमेंट*, 2024। <https://doi.org/10.1142/S146433322450008X>
 25. विद्या, सी.टी. "जटिल वेब का अनावरण: अंतर्राष्ट्रीय जीवाश्म ईंधन व्यापार नेटवर्क और CO2 उत्सर्जन और व्यापार पैटर्न पर इसके प्रभाव की खोज।" *अर्थशास्त्र और वित्त में अध्ययन*, खंड 41, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 871-901 <https://doi.org/10.1108/SEF-12-2023-069>
 26. अंजनेयुलु, पी., और संकिनेनी, एलआर. "प्राकृतिक संसाधन-आधारित आजीविका की अनिश्चितता: तेलंगाना राज्य में वड्डेरा समुदाय का एक अध्ययन।" *द डेक्कन जियोग्राफर*, खंड 62, संख्या 6, 2024, पृष्ठ 36-49
 27. अंजनेयुलु, पी., और लक्ष्मण राव, एस. "प्राकृतिक संसाधन-आधारित आजीविका की अनिश्चितता: तेलंगाना राज्य में वड्डेरा समुदाय का एक अध्ययन।" *द डेक्कन जियोग्राफर*, खंड 62, संख्या 6, 2024, पृष्ठ 36-49।
 28. अंजनेयुलु, पी. "हैदराबाद का आकर्षण: हैदराबाद में विदेशी पर्यटकों की धारणाएँ।" *द डेक्कन जियोग्राफर*, खंड 62, संख्या 7, 2024, पृ. 331-345।
 29. लक्ष्मण राव, एस., और हरिनाथ, एस. "विकास एजेंडा के रूप में चुनावी जनादेश: 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के फैसले को समझना।" *एक्सप्लोरेशन्स (भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी की ई-जर्नल)*, खंड 8, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 198-212।
 30. नरेश, एस. "सामाजिक समावेशन और स्कूली शिक्षा: तेलंगाना में सर्वोत्तम उपलब्ध स्कूलों का एक मूल्यांकन अध्ययन।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन*, खंड 5, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 72-92।
 31. सागर, एम., और नरेश, एस. "आर्थिक प्रवासन रुझान: भारत के श्रम बाजार और जनसांख्यिकीय बदलावों से अंतर्दृष्टि – एक दशकीय समीक्षा (2001-2011)।" *मध्य भारती मानविकी और सामाजिक विज्ञान*, खंड 16, संख्या 1, 2025, पृष्ठ 100-108।
- शिक्षा में भागीदारी असमानताएँ: राष्ट्रीय स्तर के घरेलू सर्वेक्षण (पीएलएफएस-3), भारत पर आधारित अनुमान। सीईएसएस-आरयूएसआईडी कार्य पत्र संख्या 147, 2024
2. मोटकुरी, वेंकटरारायण। *तेलंगाना में शैक्षिक विकास की रूपरेखा (1850-2021)*। सीईएसएस-आरयूएसआईडी कार्य पत्र संख्या 148, 2024।
 3. श्रीनिवासन, जे.टी. *केरल में सूखी मछली की खपत: भारतीय संदर्भ में पैटर्न, रुझान और प्राथमिकताएँ*। डीएफएम वर्किंग पेपर, सूखी मछली मायने रखती है, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, 2024। https://driedfishmatters.org/dfm/wpcontent/uploads/2024/05/DFM_Kerala_Consumption_Report.pdf.

अनुसंधान रिपोर्ट

1. रेवती, ई. व्यापक घर-घर घरेलू सर्वेक्षण – सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण। तेलंगाना सरकार
2. श्रीनिवासन, जे.टी. *भारत में पारंपरिक बनाम आधुनिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ, परिवारों का व्यवहार। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस.एस.आर.), नई दिल्ली।*
3. श्रीनिवासन, जे.टी. *आंध्र प्रदेश, भारत में सूखी मछली मूल्य शृंखला का मानचित्रण: पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक आयाम। मैनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा।*

मोनोग्राफ

1. रेवती, ई., एसबी रेड्डी, पी. अपर्णा, और पी. संपत। *तेलंगाना, भारत में कपास उत्पादक समुदायों में कार्यस्थल पर मौलिक सिद्धांतों और अधिकारों का त्वरित स्थितिजन्य मूल्यांकन।* संख्या 58, आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र, हैदराबाद

पुस्तकालय

सीईएसएस पुस्तकालय ने तेलंगाना के सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त किया है, विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में। इसमें लगभग 50,250 खंडों का एक व्यापक संग्रह है, जिसमें 3,450 जर्नल बैक वॉल्यूम, कई संस्थानों के विभिन्न कार्य पत्र, मोनोग्राफ, थीसिस, केंद्र और राज्य सरकारों और अन्य संगठनों की सांख्यिकीय रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, संदर्भ पुस्तकें और पाठ्यपुस्तकें शामिल हैं। इसके अलावा, पुस्तकालय वर्ष 2025 के लिए 100 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है और चालू वित्तीय वर्ष में 50 नए शीर्षक जोड़े हैं

कार्य पत्र

1. मोटकुरी, वेंकटरारायण, और ई. रेवती। *उच्चतर माध्यमिक*

पुस्तकालय का उद्देश्य कोहा लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के माध्यम से सूचना प्राप्त करना, व्यवस्थित करना, संरक्षित करना और प्रसारित करना है ताकि केंद्र के छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं के साथ-साथ परिसर के बाहर के शोधकर्ताओं की शोध आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। पुस्तकालय पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, सीडी-रोम, सरकारी रिपोर्टों, ई-पत्रिकाओं और ई-डेटाबेस जैसे कि ईबीएससीओ-इकॉनलिट, जेएसटीओआर, ईपीडब्ल्यू रिसर्च फाउंडेशन इंडिया टाइम सीरीज़ और इंडियास्टेट सहित मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है, और यह सब एक सुखद पठन वातावरण में। यह डिस्पेस के माध्यम से संस्थागत रिपोजिटरी सेवाएँ भी प्रदान करता है। इस वर्ष, संस्थान ई-पत्रिकाओं तक पहुँच को और बेहतर बनाने के लिए 'एक राष्ट्र - एक सदस्यता' कार्यक्रम में शामिल हुआ।

शैक्षणिक अखंडता को बढ़ावा देने के लिए, पुस्तकालय ने संस्थान के लिए एक समानता सूचकांक सॉफ्टवेयर, टर्निटिन -

आईथेनाटिकेट की सदस्यता ली है। सीईएसएस अनुसंधान समुदाय के लेखन कौशल को बेहतर बनाने के लिए, पुस्तकालय ने 'शिक्षा के लिए ग्रामरली' की भी सदस्यता ली है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में विश्व बैंक की एकमात्र डिपोजिटरी लाइब्रेरी होने के नाते, पुस्तकालय में विश्व बैंक के प्रकाशनों का एक समृद्ध संग्रह है, जिससे शोधकर्ताओं को बहुमूल्य वैश्विक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

पुस्तकालय दस्तावेज़ वितरण सेवा, वर्तमान सामग्री, मुद्रित पत्रिकाओं के लेखों का डेटाबेस, ऑनलाइन साहित्य खोज, सम्मेलन अलर्ट, प्रतिलिपि सेवाएँ, अंतर-पुस्तकालय ऋण, वर्तमान जागरूकता सेवा, सूचना का चयनात्मक प्रसार, और नियमित रूप से आयोजित उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रमों जैसी सेवाएँ प्रदान करके उपयोगकर्ताओं के ज्ञान को अद्यतन करने का निरंतर प्रयास करता है। यह शोधकर्ताओं को उनके परिणामों में भी सहायता प्रदान करता है, जिसमें पत्रिका चयन और संदर्भ प्रबंधन जैसे पत्रिका प्रकाशन सहायता शामिल है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

उपकर, हैदराबाद

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	263.21	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	265.95
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.23
राज्य सरकार अनुदान	700.00	आईसीएसएसआर द्वारा अनुमोदित शेष (55%) पदों का वेतन और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित अन्य पदों के लिए पूर्ण वेतन और रखरखाव व्यय (आईसीएसएसआर निधि से किए गए व्यय के अलावा) राज्य सरकार अनुदान और केंद्र के अपने संसाधनों से पूरा किया जाएगा	741.20
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00		
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00		
केंद्र के अपने संसाधन			
पीएचडी शुल्क/आवास का रखरखाव/एसबी खाते पर ब्याज आदि	38.90		
प्रायोजित परियोजनाएँ	436.84	प्रायोजित परियोजनाएँ	486.88
प्रायोजित फैलोशिप	13.38	प्रायोजित फैलोशिप	6.72
प्रायोजित सेमिनार/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम	1.75	प्रायोजित सेमिनार/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम	3.21
छात्रावास भवन का निर्माण	0.00	छात्रावास भवन का निर्माण	3.46
आय पर व्यय की अधिकता	53.57		
कुल	1557.65	कुल	1557.65

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र (सीएमडीआर), धारवाड़

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. कुलकर्णी, ए. आर., “स्वच्छ भारत अभियान-ग्रामीण (एसबीएम-जी): उपलब्धियाँ, प्रभाव और चुनौतियाँ – कर्नाटक में चयनित क्षेत्रों का एक अध्ययन”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित, अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान 2023-24 के लिए विशेष आह्वान के भाग के रूप में
2. बिल्लव, नारायण, और नयनतारा एस. नायक, “परियोजना जलासिरी के लिए कर्नाटक के रानेबेन्नूर शहर में निरंतर जल आपूर्ति (24x7) का प्रभाव आकलन”, केयूआईडीएफसी, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषित।
3. बिलावा, नारायण, और नयनतारा नायक, “हुबली-धारवाड़, बेलगावी और कलबुर्गी के प्रोजेक्ट शहरों में आईडब्ल्यूएस से सीडब्ल्यूएस की ओर बढ़ने का प्रभाव मूल्यांकन”, एथेना इन्फोर्नामिक्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित। लिमिटेड, चेन्नई।
4. अशोक, एचएस, जय प्रभाकर एससी, और मुरलीधर, “एनईपी 2020 के अनुसार चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम: कर्नाटक के चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों में चुनिंदा हितधारकों की प्रतिक्रियाओं का कार्यान्वयन के बाद का अध्ययन”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित, अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान 2023-24 के लिए विशेष आह्वान के हिस्से के रूप में।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. तिगिरिपल्ली, ब्रह्मानंदम, “आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोया जनजाति के स्वदेशी स्वास्थ्य और सांस्कृतिक अभ्यास: एक अनुभवजन्य अध्ययन”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. हनगोदीमठ, एस.वी., और बिल्लव, नारायण, “कर्नाटक में पंचायत राज संस्थाओं (पीआरआई) को वित्तीय हस्तांतरण”, 5वें राज्य वित्त आयोग, कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषित।
3. बागलकोटी, एस.टी., और हनगोदीमथ, एस.वी., “कर्नाटक की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नकद सहायता योजनाओं का लाभार्थियों और राज्य के वित्त पर प्रभाव का मूल्यांकन”, बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र (सीएमडीआर), धारवाड़ द्वारा वित्त पोषित।
4. बिल्लव, नारायण, डीआर रेवणकर, और प्रतीक माली, “स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से पूंजी निर्माण को

बढ़ावा देना: धारवाड़, कर्नाटक से एक सूक्ष्म अध्ययन”, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित, बेंगलुरु।

5. जय प्रभाकर, एससी, अशोक, एचएस, और लक्ष्मीश हेगड़े सोंडा, “ऐतिहासिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के रूप में त्यौहार: कर्नाटक के क्षेत्रीय त्यौहारों का एक अध्ययन”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. अशोक, एचएस, जय प्रभाकर एससी, गौरीशा, और धरणी, एस, “उच्च शिक्षा में सुधार के लिए रणनीतियाँ: कल्याण कर्नाटक क्षेत्र का एक अध्ययन”, बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र (सीएमडीआर), धारवाड़ द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. नायक, नयनतारा एस., एआर कुलकर्णी, और डीआर रेवणकर, “तंबाकू के विकल्पों की प्रगति और व्यवहार्यता पर नज़र रखना”, डब्ल्यूएचओ, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
2. बिलावा, नारायण, “पंचायत निकायों में कार्यकाल के बाद का अनुभव: कर्नाटक में ग्राम पंचायतों के एससी और एसटी प्रतिनिधियों का एक अध्ययन”, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित, बेंगलुरु।
3. बिलावा, नारायण, “कर्नाटक में विकेन्द्रीकृत योजना को मजबूत करना: एक क्षेत्रीय विश्लेषण, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित, बेंगलुरु।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र (सीएमडीआर), धारवाड़ द्वारा शैक्षिक और सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीईएसएस), बेंगलुरु की ज्ञान साझेदारी के साथ आयोजित “भारत का परिवर्तन: एक दशक की कहानी और भविष्य का दृष्टिकोण” विषय पर दो दिवसीय विकास सम्मेलन

सेमिनार

1. सीएमडीआर द्वारा 3 से 4 मार्च 2025 को “जनजातियों के विकास के लिए कार्यक्रम और नीतियाँ: मुद्दे और चुनौतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

2. 21 दिसंबर 2024 को श्री शरण नूलिया चंदय्या के सहयोग से सीएमडीआर द्वारा "कर्नाटक में सतत मानव विकास" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन: डॉ. बीआर अंबेडकर स्मारक एकेके एजुकेशन सोसाइटी के कला और वाणिज्य कॉलेज, गंगाधर नगर, हुबली।
3. 20 दिसंबर 2024 को सीएमडीआर द्वारा गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज और पीजी सेंटर, हावेरी के सहयोग से "भारत में औद्योगिक प्रगति: चुनौतियों को समझना और अवसरों का लाभ उठाना" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. 5 दिसंबर 2024 को सीएमडीआर द्वारा एसएस आर्ट्स कॉलेज और टीपी विज्ञान संस्थान, संकेश्वर के सहयोग से "कर्नाटक में कृषि के विकास की हालिया चुनौतियों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. 7 दिसंबर 2024 को सीएमडीआर द्वारा सरकारी प्रथम श्रेणी कॉलेज, बादामी के सहयोग से "कर्नाटक में संतुलित क्षेत्रीय विकास: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
6. 24 मार्च 2025 को सीएमडीआर द्वारा लक्ष्मी सोमा बंगेरा गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, कोटा पादुकारे, मैंगलोर जिले के सहयोग से "तटीय कर्नाटक में कृषि उद्यमिता: चुनौतियां और अवसर" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
7. 19 मार्च 2025 को सीएमडीआर द्वारा केएलई सोसाइटी के एसवीएस बेलुब्बी आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, सौदती, बेलगावी के सहयोग से "कर्नाटक में असंगठित श्रम के मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
8. सीएमडीआर द्वारा 17 से 18 मार्च 2025 को सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के सहयोग से "अंतर को पाटना: लैंगिक असमानता, शिक्षा और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता की खोज" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- महेशबाबू एन, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग, धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर महाविद्यालय (स्वायत्त), उज्जरी द्वारा दिया गया सार्वजनिक व्याख्यान
2. 1 मार्च 2025 को सरकारी कला और विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), कारवार में 'समाज को प्रभावित करने वाले वर्तमान और प्रासंगिक मुद्दे' पर सीएमडीआर व्याख्यान शृंखला (ओएच-31 के तहत) के तहत श्री गोविंदप्पा गौडप्पगोल, पूर्व उपायुक्त, वाणिज्यिक कर, हुबली द्वारा दिया गया "भारत की युवा शक्ति: व्यक्तिगत उत्कृष्टता के मार्ग की आवश्यकता" पर सार्वजनिक व्याख्यान।
3. 24 मार्च 2025 को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के रानीबेन्नूर स्थित कृषि महाविद्यालय (हनुमंतहट्टी) में 'समाज को प्रभावित करने वाले वर्तमान और प्रासंगिक मुद्दे' विषय पर सीएमडीआर व्याख्यान शृंखला (ओएच-31 के अंतर्गत) के अंतर्गत प्रोफेसर आरएसपी सिंह, निदेशक, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण स्कूल, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा "उच्च शिक्षा में कौशल विकास" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
4. "आजादी का अमृत महोत्सव" के भाग के रूप में "क्यों की मूल अवधारणाओं" पर विशेष व्याख्यान 10 अक्टूबर 2024 को वाईबी अन्निगोरी कॉमर्स कॉलेज, धारवाड़ में सहायक आयुक्त श्री श्रीमंत चिंचोली द्वारा दिया गया।
5. "आजादी का अमृत महोत्सव" के एक भाग के रूप में विशेष व्याख्यान "मानव विज्ञान और इसकी प्रासंगिकता" पर एक व्याख्यान, कनकदास शिक्षण समिति के केएसएस कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय और पीजी सेंटर, गडग में 30 अक्टूबर 2024 को आयोजित सहायक प्रोफेसर डॉ. जय प्रभाकर एससी द्वारा दिया गया।
6. प्रोफेसर गुरुनाथ बडिगर द्वारा "अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा के रूप में और स्वतंत्र भारत में इसकी भूमिका" पर "आजादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में विशेष व्याख्यान 3 अक्टूबर 2024 को केएलई एसवीएस कॉलेज, सौदती में आयोजित किया गया था।

व्याख्यान

1. 28 फरवरी 2025 को शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (स्वायत्त), कारवार में 'समाज को प्रभावित करने वाले वर्तमान और प्रासंगिक मुद्दे' पर सीएमडीआर व्याख्यान शृंखला (ओएच-31 के अंतर्गत) के अंतर्गत डॉ.

कार्यशालाएं

1. 5वें राज्य वित्त आयोग कार्यालय, खनिज भवन, बेंगलुरु (ऑफलाइन) के सहयोग से 5 सितंबर 2024 को सीएमडीआर, धारवाड़ द्वारा "कर्नाटक में पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय हस्तांतरण" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई

2. 5वें राज्य वित्त आयोग कार्यालय, खनिज भवन, बेंगलुरु (ऑफ़लाइन) के सहयोग से 3 दिसंबर 2024 को सीएमडीआर सेमिनार हॉल, धारवाड़ में “कर्नाटक में पीआरआई को वित्तीय हस्तांतरण” पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
3. कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय-धारवाड़, कोडागु विश्वविद्यालय-कोडागु, चामराजनगर विश्वविद्यालय-चामराजनगर, और लेलाडी शिवप्पा नायक कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, शिवमोगा के सहयोग से 21 से 23 नवंबर 2024 तक स्टाफ ट्रेनिंग यूनिट, यूएस धारवाड़ (ऑफ़लाइन) के परिसर में “गुणात्मक डेटा विश्लेषण के लिए एटलस.टीआई” पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
4. 6 मार्च 2025 को बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़ द्वारा “पर्यावरण नृविज्ञान: नदी पर्यावरण के साथ जीवन” पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
5. 14 मार्च 2025 को धारवाड़ स्थित बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र द्वारा “बिजनेस एंथ्रोपोलॉजी में करियर की खोज” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 1 विद्वान ने पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकन कराया, 2 विद्वानों ने अपनी पीएच.डी. थीसिस प्रस्तुत की, 2 विद्वानों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई, तथा 27 विद्वान अपना पीएच.डी. शोध जारी रखे हुए हैं।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. सीएमडीआर, धारवाड़ द्वारा 27 फरवरी से 19 मार्च 2025 तक आयोजित “संकाय सदस्यों और पीएचडी विद्वानों के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में आधुनिक उपकरणों का उपयोग” विषय पर इक्कीस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (दो सप्ताह ऑफ़लाइन और एक सप्ताह ऑनलाइन)।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. कर्नाटक के हावेरी जिले में चयनित 10 ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम” पर आठ दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 4 मार्च से 13 मार्च 2025 तक सीएमडीआर, धारवाड़ द्वारा कर्नाटक पंचायत राज परिषद, बेंगलुरु के सहयोग से जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी), जिला पंचायत, हावेरी, कर्नाटक में आयोजित किया गया।

वेबिनार

1. बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़ द्वारा 8 नवंबर 2024 को “गैर-सरकारी क्षेत्र में मानव विज्ञान करियर” पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया।
2. 13 दिसंबर 2024 को धारवाड़ स्थित बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र द्वारा “लोगों से उत्पादों तक: नृविज्ञान और यूएक्स अनुसंधान को जोड़ना” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
3. 15 जनवरी 2025 को बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र, धारवाड़ द्वारा “आणविक नृविज्ञान के नवाचार और अनुप्रयोग” पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. जय प्रभाकर, कर्नाटक जनजातियों के स्वास्थ्य और उपचार पद्धतियों पर एससी सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। आयु प्रकाशन, 2024। आईएसबीएन: 978-93-91685-74-4
2. गंगाधर, एमआर, जय प्रभाकर, एससी, सुगंधी, एसबी, महंतेश कंबार, और दत्तनिरंजन। मानवविज्ञान की एक पुस्तिका: अतीत, वर्तमान और भविष्य की आवश्यकता। अनंत शिक्षण समाधान, 2024। आईएसबीएन: 978-93-341-5339-2।
3. सिद्धलिंगप्पनवर, एस.वी., वी. हनागोदीमठ, और आई. बाशा, संपादक। कर्नाटक में संतुलित क्षेत्रीय विकास पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका: मुद्दे और चुनौतियाँ। समावेशी विकास एवं विकास संस्थान (आईआईजीडी), 2024। आईएसबीएन: 978-8198280961।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. बसवराज और एआर कुलकर्णी। “भारत में बाजरे के क्षेत्रफल, उत्पादन और उपज के रुझानों और पैटर्न का विश्लेषण।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनोवेटिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन, खंड 3, संख्या 7, 2024, पृष्ठ 1215-1218।
2. बिलावा, नारायण, जय एससी प्रभाकर, और एनएस नायक। “आरक्षण के माध्यम से सशक्तिकरण: कर्नाटक

- में अनुसूचित जनजाति ग्राम पंचायत सदस्यों के अनुभव।” महिला प्रतिष्ठा, खंड. 9, नहीं. 4, 2024, पृ. 11-20.
3. बिरादर, आर.आर., और एन.एस. नायक। “राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम 2003: एक संक्षिप्त समीक्षा से अंतर्दृष्टि।” अर्थशास्त्र: भारतीय अर्थशास्त्र एवं अनुसंधान जर्नल, खंड 13, अंक 4, 2024, पृष्ठ 159-165।
 4. बिरादर, आर.आर., और एन.एस. नायक। “भारत में आर्थिक विकास पर सार्वजनिक व्यय का प्रभाव: एफआरबीएम अधिनियम से पहले और बाद का विश्लेषण।” मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, खंड 13, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 124-133।
 5. ब्रह्मानंदम, टी. “महिला सशक्तिकरण: सतत विकास की कुंजी।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीस एंड गांधीयन स्टडीज़, खंड 11, 2024।
 6. दत्तानिरंजन, जय एससी प्रभाकर, और एमआर गंगाधर। “मानव विज्ञान और भारतीय ज्ञान प्रणालियाँ: समरेखीय और सहयोगात्मक भविष्य पर एक नज़र।” सीएमडीआर जर्नल ऑफ सोशल रिसर्च, खंड 1, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 63-73। <https://doi.org/10.xxxx/cmjr.2024.011063>
 7. दत्तानिरंजन, जय एससी प्रभाकर, और एम. कंबरा। “गरदी माने स्थानों को आधुनिक प्रणालियों में एकीकृत करना: शारीरिक कल्याण की भारतीय ज्ञान प्रणाली का मानवशास्त्रीय विश्लेषण।” सीएमडीआर जर्नल ऑफ सोशल रिसर्च, खंड 1, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 18-32 <https://doi.org/10.xxxx/cmjr.2024.011018>
 8. दीपा, सी., वीबी अन्निगेरी, और एआर कुलकर्णी। “भारत में कोविड-19 के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को कम करने में मनरेगा की भूमिका का विश्लेषण।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (आईजेआरएआर), खंड 11, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 224-227
 9. दीपा, सी., वीबी अन्निगेरी, और एआर कुलकर्णी। “ग्रामीण प्रवास पर मनरेगा का प्रभाव: साहित्य से अंतर्दृष्टि।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), खंड 12, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 322-325। <https://www.ijcrt.org>
 10. हनागोदीमठ, एस.वी., यू.आर. राजेश्वरी, और एस. बम्मनल। “कर्नाटक में औद्योगिक क्षेत्र में विकास और क्षेत्रीय असंतुलन।” भारत में औद्योगिक प्रगति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, शासकीय प्रथम श्रेणी महाविद्यालय और स्नातकोत्तर केंद्र, हावेरी और सीएमडीआर, धारवाड़, 2024। आईएसबीएन: 978-8198323606
 11. हनागोदीमठ, एस.वी., एमएन सिद्धलिहंगप्पनवर, और एस. कुलकर्णी। “खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रीय आयाम: कर्नाटक के जिलों और तालुकों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।” कर्नाटक में संतुलित क्षेत्रीय विकास पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, आईआईजीडी, धारवाड़, 2024। आईएसबीएन: 978-8198280961।
 12. कुलकर्णी, ए.आर. “कर्नाटक के येल्लम्मनगुड्डा और धर्मस्थल में स्वच्छता की स्थिति और प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन: पर्यटन विकास के लिए सबक।” इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), खंड 13, संख्या 11, 2024, पृष्ठ 1635-1639।
 13. कुलकर्णी, ए.आर. “कर्नाटक में स्वास्थ्य प्रशासन और वित्तपोषण: समानता, बुनियादी ढाँचे और नीतिगत पहलों पर विचार।” ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड एनवायरनमेंटल इश्यूज़, खंड 12, संख्या 10, 2024, पृष्ठ 21-25।
 14. कुलकर्णी, पी.आर., और एस.सी. प्रभाकर। “तिब्बतियों की चिकित्सा परंपराओं की खोज: मुंडगोड, कर्नाटक में मेन-त्सी-खांग की जातीय चिकित्सा पद्धतियों पर एक अध्ययन।” इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, खंड 14, अंक 11, 2024, पृष्ठ 54-56। [https://www.worldwidejournals.com/indian-journal-of-applied-research-\(IJAR\)/fileview/exploring-the-healing-traditions-of-tibetans-a-study-on-mentseekhangs-ethno-medicine-practices-at-mundgodkarnataka_November_2024_6903968917_5110786.pdf](https://www.worldwidejournals.com/indian-journal-of-applied-research-(IJAR)/fileview/exploring-the-healing-traditions-of-tibetans-a-study-on-mentseekhangs-ethno-medicine-practices-at-mundgodkarnataka_November_2024_6903968917_5110786.pdf)
 15. मंटूर, डी., और एस.वी. हनागोदीमठ। “कर्नाटक में क्षेत्रीय असमानताओं का मानचित्रण: एक व्यापक समग्र विकास सूचकांक विश्लेषण।” ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड एनवायरनमेंटल इश्यूज़, खंड 12, अंक 8, 2024। <https://eprajournals.com/IJRV/article/13869>

16. मंटूर, डी., और एस.वी. हनागोदीमठ। “क्षेत्रीय असमानताओं का अनावरण: पश्चिम बंगाल और राजस्थान में गरीबी का एक बहुआयामी विश्लेषण।” *जीआईएस साइंस जर्नल*, खंड 11, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 272-293
17. नारायण, बी., और एसवी हनागोडिमथ। “उत्तरी कर्नाटक में ग्राम पंचायतों का वित्तीय परिदृश्य: एक अनुभवजन्य विश्लेषण।” *आर्थिका चर्चे*, खंड 9, नहीं. 1, 2024, पृ. 110-123 (विशेष अंक)।
18. नारायण, बी. “हाशिये पर पड़े समुदायों में महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी: कर्नाटक से एक अनुभवजन्य अध्ययन।” *लोक प्रशासन की गतिशीलता*, खंड 41, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 33-46।
19. नारायण, बी., जय एस.सी. प्रभाकर, और एन.एस. नायक। “आरक्षण के माध्यम से सशक्तिकरण: कर्नाटक में अनुसूचित जनजाति ग्राम पंचायत सदस्यों का अनुभव।” *महिला प्रतिष्ठा*, खंड 9, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 11-20।
20. नारायण, बी., वी.एस. कटकटी, आर.के. नीलाम्मा, और पी. हेगड़े। “कर्नाटक में जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना का कार्यान्वयन: प्रबंधन और स्थिरता के मुद्दे।” *स्थानीय सरकार त्रैमासिक*, खंड 94, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 45-58।
21. नायक, एन.एस., और एन. बिल्लुव। “पानी बाँटने की पारंपरिक प्रथाएँ: कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर के दो गाँवों में दमाशा का एक अध्ययन।” *बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन*, खंड 21, अंक 2, 2025, पृ. 628-635।
22. नायक, एन.एस., एन. बिल्लुव, और एम. ज्योति। “कोविड-19 के दौरान और उसके बाद: कर्नाटक में ग्राम पंचायतों की भूमिका पर एक संक्षिप्त विवरण।” *जर्नल ऑफ लोकल गवर्नमेंट क्वार्टरली*, खंड 94, अंक 4, 2024, पृष्ठ 15-31।
23. पाटिल, ए., एस.सी. प्रभाकर, और एस. माली। “कर्नाटक के हक्की-पिक्की आदिवासी समुदाय में रक्तरंजित और भयावह प्रथाएँ: देवताओं और आत्माओं को जानवरों की बलि देना।” *इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन एंथ्रोपोलॉजी*, खंड 10, अंक 1, 2024, पृष्ठ 23-28। <https://doi.org/10.21088/ijra.2454.9118.10124.3>
24. प्रभाकर, जय एससी, एन. बिल्लुव, और एनएस नायक। “विकेंद्रीकृत शासन: कर्नाटक में दलित वर्ग के ग्राम पंचायत सदस्यों की धारणाएँ।” *जर्नल ऑफ रूरल डिवेलपमेंट*, खंड 43, अंक 3, 2024, पृष्ठ 304-313 <https://doi.org/10.25175/jrd/2024/v43/i3/172579>

मोनोग्राफ

1. पंचमुखी, पीआर *शैक्षिक नीति मूल्यांकन: विमर्श में कुछ बुनियादी विचार*। मोनोग्राफ संख्या 110, बहु-विषयक विकास अनुसंधान केंद्र, 2024। आईएसबीएन: 978-81-948826-9-5

पुस्तकालय

31 मार्च 2025 तक, सीएमडीआर पुस्तकालय में 29,937 संसाधनों का एक व्यापक संग्रह है, जिसमें पुस्तकें (खरीदी गई और दान की गई दोनों), अनुसंधान रिपोर्ट, प्रसिद्ध सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा पुनर्मुद्रण, विश्व बैंक के प्रकाशन और प्रमुख शोध संस्थानों के कार्य पत्र शामिल हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने 52 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 7 क्षेत्रीय/राष्ट्रीय समाचार पत्रों की सदस्यता ली। इस संग्रह में विभिन्न विषयों की पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के 1,423 पुराने संस्करण भी शामिल हैं

2024-25 के दौरान एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त डीआरआईएलएलबीआईटी था, जो एक साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर है, जो पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षणिक अखंडता सहायता को बढ़ाता है। सीएमडीआर पुस्तकालय ईपीडब्ल्यू, सेज ऑनलाइन, ईबीएससीओ ईकोनलिट विद फुल टेक्स्ट, डेलनेट ऑनलाइन, जेएसटीओआर, जे-गेट और ओएनओएस इंडिया सहित कई प्रकार के ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है। यह ईपीडब्ल्यूआरएफ टाइम सीरीज, IndiaStat.com और प्रोवेस्स आईक्यू (सीएमआईई) जैसे कई ऑनलाइन सांख्यिकीय डेटाबेस तक भी पहुँच प्रदान करता है।

अपने समृद्ध संग्रह और डिजिटल संसाधनों के अलावा, पुस्तकालय अनुसंधान और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें संदर्भ सेवाएँ, ग्रंथसूची सेवाएँ, समसामयिक जागरूकता सेवाएँ, समाचार पत्र कतरन सेवाएँ और फोटोकॉपी सेवाएँ शामिल हैं। शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय की सामग्री तक आसान पहुँच के लिए एक ऑनलाइन सार्वजनिक पहुँच कैटलॉग (ओपीएसी) भी उपलब्ध है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीएमडीआर, धारवाड़

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच 36)	115.08	वस्तु शीर्ष (36/101)	352.86
वस्तु शीर्ष (ओएच 31)	52.10	वस्तु शीर्ष (ओएच 31)	79.95
एकमुश्त अनुदान (ओएच-31)	75.00		
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच 36/101)	183.97	वस्तु शीर्ष (ओएच 36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच 31/059)	200.00	वस्तु शीर्ष (ओएच 31/059)	63.43
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फेलोशिप, परामर्श, रुचियां, विविध प्राप्ति आदि)	82.12	परियोजनाएँ, फेलोशिप, परामर्श कार्य, विविध प्राप्ति आदि	99.65
कोई अन्य स्रोत	0.00	विविध व्यय	1.15
		अप्रयुक्त परियोजना और रखरखाव अनुदान अगले वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया	111.23
कुल	708.27	कुल	708.27

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. बिंदु दुगल, “चंडीगढ़ के निवासियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर आधारभूत सर्वेक्षण: निष्कर्ष और आगे का रास्ता”, चुनाव आयोग कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा वित्त पोषित।
2. बिंदु दुगल, “पंजाब में सिंचाई के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से उपचारित जल के उपयोग का प्रभाव मूल्यांकन”, योजना विभाग, पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. हंस लाल, “महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. हंस लाल, “मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. हंस लाल, “मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. हंस लाल, “महाराष्ट्र के सतारा जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
7. हंस लाल, “मध्य प्रदेश के गुना जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. जतिंदर सिंह, “पंजाब में ट्यूबवेलों में ऊर्जा की खपत।” योजना विभाग/पीडीसी, पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. पूनम संधीर, “परिवार नियोजन की स्वीकृति में क्षेत्रीय विविधताएँ: पंजाब और हरियाणा का तुलनात्मक विश्लेषण”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. मनोज के. तेवतिया, “उत्तरी भारत के पहाड़ी शहरों में अमृत के तहत अच्छे स्थानीय शासन के लिए डिजिटल और ई-गवर्नेंस सुधार: शिमला, श्रीनगर और देहरादून का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

11. मनोज के. तेवतिया, “हरियाणा में पीएमवाई-यू का सामाजिक ऑडिट, प्रथम चरण”, हरियाणा सरकार के सभी के लिए आवास विभाग द्वारा वित्त पोषित।
12. मनोज के. तेवतिया, “हरियाणा में पीएमवाई-यू का सामाजिक ऑडिट, दूसरा चरण”, हरियाणा सरकार के सभी के लिए आवास विभाग द्वारा वित्त पोषित।
13. मनोज के. तेवतिया, “पंजाब राज्य में सेवा केंद्रों का निष्पादन लेखापरीक्षा”, योजना विभाग, पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषित।
14. मनोज के. तेवतिया, “केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के चयनित स्कूलों में पीएम-पोषण योजना का सामाजिक ऑडिट”, शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ द्वारा वित्त पोषित।
15. नीतू गौर, “मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
16. नीतू गौर, “मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
17. नीतू गौर, “महाराष्ट्र के लातूर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
18. नीतू गौर, “महाराष्ट्र के अकोला जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
19. विकास कुमार, “पंजाब में किसानों की विभिन्न श्रेणियों की आय असमानता”, योजना विभाग/पीडीसी, पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- पर एंडलाइन सर्वेक्षण”, चुनाव आयोग कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा वित्त पोषित।
4. विकास कुमार, “किसानों की आय बढ़ाने की खोज: पंजाब और हरियाणा में कृषि-व्यवसाय क्षमता और संभावनाओं का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. पवन कुमार शर्मा, “हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के चयनित जिलों में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का मूल्यांकन”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. पवन कुमार शर्मा, “एसएस नगर जिला, पंजाब में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
7. पवन कुमार शर्मा, “पंजाब के रूपनगर जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. पवन कुमार शर्मा, “पटियाला जिले, पंजाब में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
9. पवन कुमार शर्मा, “पंजाब के बठिंडा जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. पवन कुमार शर्मा, “पंजाब के फरीदकोट जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
11. पवन कुमार शर्मा, “उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. गुरिंदर कौर, “सीमांत जनजातियाँ: पंजाब के सिकलीगरो की मानवशास्त्रीय जाँच”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. जे.एस. समरा, “पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के प्रबंधन का व्यापक मूल्यांकन”, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), मुंबई द्वारा वित्त पोषित।
3. नीतू गौर, “चंडीगढ़ में लोकसभा के आम चुनावों (2024) के लिए नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास (केएपी)
12. पवन कुमार शर्मा, “उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
13. राजेश कुमार अग्रवाल, “चंडीगढ़ जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
14. राजेश कुमार अग्रवाल, “पंजाब के अमृतसर जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

15. राजेश कुमार अग्रवाल, “पंजाब के तरनतारन जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
16. राजेश कुमार अग्रवाल, “पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
17. राजेश कुमार अग्रवाल, “उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
18. राजेश कुमार अग्रवाल, “उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
19. शेख इफ्तिखार अहमद, “पंजाब में जल जीवन मिशन के प्रभाव का मूल्यांकन: सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत गोद लिए गए गांवों का एक अनुभवजन्य अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
20. शेख इफ्तिखार अहमद, “उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
21. शेख इफ्तिखार अहमद, “हरदोई जिले, उत्तर प्रदेश में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
22. शेख इफ्तिखार अहमद, “पंजाब के होशियारपुर जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
23. शेख इफ्तिखार अहमद, “एसबीएस नगर जिला, पंजाब में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
24. शेख इफ्तिखार अहमद, “पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
25. शेख इफ्तिखार अहमद, “पंजाब के संगरूर जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

26. शेख इफ्तिखार अहमद, “पंजाब के फाजिल्का जिले में एनएचएम फील्ड मॉनिटरिंग”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. गुरिंदर कौर, “नशे की लत से उबर रहे लोगों द्वारा अपनाए गए सामाजिक, व्यवहारिक और जीवनशैली में बदलाव: पंजाब में ओओएटी केंद्रों से एक अध्ययन”, योजना विभाग/पीडीसी, पंजाब सरकार द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान / कार्यशालाएँ / अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम / वेबिनार

सेमिनार

1. ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से 11 जुलाई से 12 जुलाई 2024 तक “पंजाब में कृषि व्यवसाय: क्षमता, संभावनाएं और चुनौतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

1. 3 मई 2024 को प्रोफेसर दीपांकर गुप्ता (सीएसएसएस, जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर) द्वारा “शहरीकरण और पुरुषत्व” पर विशेष व्याख्यान दिया गया।
2. 12 अगस्त 2024 को प्रोफेसर रवि भंडारी (एम.एस. रामैया विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रख्यात प्रोफेसर) द्वारा “कॉमन्स की त्रासदी और कृषि प्रश्न: संपत्ति अधिकार, पट्टे की सुरक्षा और सामुदायिक वनों पर अर्थशास्त्र में एक नया (पुराना?) विचारधारा” विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया।
3. 11 दिसंबर 2024 को प्रोफेसर दार्ड येउन जियॉंग (एमरिटस प्रोफेसर, पर्यावरण समाजशास्त्र, जेजू नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया और निदेशक, एशिया जलवायु परिवर्तन शिक्षा केंद्र (एसीसीईसी), जेजू, दक्षिण कोरिया) द्वारा “संरक्षण से प्राप्त होने वाले प्रकृति के आर्थिक मूल्य” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

4. 11 दिसंबर 2024 को प्रोफेसर दाई येउन जियोंग (एमेरिटस प्रोफेसर, पर्यावरण समाजशास्त्र, जेजू नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया और निदेशक, एशिया जलवायु परिवर्तन शिक्षा केंद्र (एसीसीईसी), जेजू, दक्षिण कोरिया) द्वारा "कार्बन-तटस्थ समाज को प्राप्त करने के लिए एक वांछनीय रूपरेखा" पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
5. 6 मार्च 2025 को प्रोफेसर सुरिंदर एस. जोधका (जेएनयू, नई दिल्ली के समाजशास्त्री) द्वारा "जाति और असमानता" पर विशेष व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएं

1. सीआरआरआईडी, चंडीगढ़ द्वारा 11 फरवरी 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज (ऑफलाइन) के सहयोग से "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: प्रकृति, संरचना, नैतिक चिंताएँ और महत्व" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. सीआरआरआईडी, चंडीगढ़ द्वारा 13 फरवरी 2025 को पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज (ऑफलाइन) के सहयोग से "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में डेटा संग्रह के तरीके" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. 14 फरवरी 2025 को सीआरआरआईडी, चंडीगढ़ द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज (ऑफलाइन) के सहयोग से "सामाजिक विज्ञान में अनुभवजन्य अनुसंधान: क्षेत्र प्रदर्शन और चर्चा" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. सीआरआरआईडी ने 16 से 17 दिसंबर 2024 को समग्र शिक्षा विभाग (डीएचई), विद्या भारती प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा आयोजित शिक्षा महाकुंभ "वैश्विक विकास के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में ज्ञान भागीदार के रूप में भाग लिया।
5. सीआरआरआईडी ने नेहरू युवा केंद्र, चंडीगढ़, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सीआरआरआईडी, चंडीगढ़ में 30 से 3 जनवरी 2025 तक 5 दिवसीय "सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (बीएवाईपी) 2024-25" का आयोजन किया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में कुल 8 नए नामांकन हुए, जिनमें से 5 अर्थशास्त्र में और 3 समाजशास्त्र

में नामांकित हुए। इसी अवधि में, 5 विद्वानों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की, जो सभी अर्थशास्त्र विषय से थीं। इसके अतिरिक्त, 2 विद्वानों को उनकी पीएचडी उपाधियाँ प्रदान की गईं, दोनों अर्थशास्त्र में। वर्तमान में, 28 विद्वान अपनी पीएचडी शोध जारी रखे हुए हैं (14 अर्थशास्त्र में और 14 समाजशास्त्र में)।

प्रकाशन

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. सिंह, जे., और चीमा, एमडीएच "भारत में अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा: प्रगति और अंतराल।" *परिवर्तन में जनजातियाँ: आजीविका विकास और स्थिरता*, आर. सिंह, वी. सेन, और ए. सुगंधे द्वारा संपादित, अकादमिक प्रकाशन, दिल्ली, 2025, पृष्ठ 103-116

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. सिंह, जे., और चीमा, एम.डी.एच. "भारत में शिक्षा वित्तपोषण: नव-उदारवादी बदलाव को दिशा देना।" *जर्नल ऑफ रिसर्च एंड डिवेलपमेंट*, खंड 17, संख्या 2, 2025, पृ. 80-91।
2. जमाल, ज़ेड., और अहमद, एसआई "जलवायु परिवर्तन पर विज्ञान के छात्रों का ज्ञान मूल्यांकन।" *दक्षिण एशियाई मानवविज्ञानी*, खंड 24, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 57-62।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. दुग्गल, बिंदु और नीतू गौर। *पंजाब में सिंचाई के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से उपचारित जल के उपयोग का प्रभाव मूल्यांकन*। योजना विभाग, पंजाब सरकार 2024।
2. दुग्गल, बिंदु और नीतू गौर। *चंडीगढ़ के निवासियों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) पर आधारभूत सर्वेक्षण: निष्कर्ष और आगे की राह*। चुनाव आयोग कार्यालय, चंडीगढ़ 2024।
3. लाल, हंस, नीतू गौर, और रमेश लाल। *मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी*। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
4. गौर, नीतू और लाल हंस। *मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी*। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
5. लाल, हंस और नीतू गौर। *मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी*। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।

6. लाल, हंस और नीतू गौर । मध्य प्रदेश के रतलाम जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
7. लाल, हंस, नीतू गौर और रमेश कुमार। और राजेश कुमार। महाराष्ट्र के सतारा जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
8. लाल, हंस, नीतू गौर और रमेश लाल। मध्य प्रदेश के गुना जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
9. लाल, हंस, नीतू गौर और रमेश कुमार। महाराष्ट्र के लातूर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
10. गौर, नीतू और हंस लाल । महाराष्ट्र के अकोला जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।
11. लाल, हंस, नीतू गौर और रमेश कुमार। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले की नियमित निगरानी, चरण I, राष्ट्रीय स्तर की निगरानी। ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 2024।

पुस्तकालय

मार्च 2025 तक, पुस्तकालय में 29,052 पुस्तकों का संग्रह है, जिसमें 2024-25 की अवधि के दौरान 22 नई पुस्तकें और रिपोर्टें जोड़ी गई हैं। यह उपयोगकर्ताओं को कई प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें संदर्भ सहायता, नई पुस्तकों की नियमित रूप से अद्यतन सूची, अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधाएँ, वाई-फाई पहुँच, सीडी-रोम संसाधन और रिप्रोग्राफ़िक सेवाएँ शामिल हैं। पुस्तकालय संकाय डेटा विश्लेषण का समर्थन करने के लिए एसपीएसएस सॉफ्टवेयर के साथ-साथ एलएसईएसई , एलआईबीएसवाईएस सॉफ्टवेयर के एक प्रकार का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय 2,150 पत्रिकाओं के पुराने संस्करणों का रखरखाव करता है और भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। यह विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से 15 पत्रिकाएँ और मानार्थ आधार पर 15 पत्रिकाएँ भी प्राप्त करता है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीआरआरआईडी, चंडीगढ़

(लाख रुपये में)

आय (शीर्ष)	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	118.30	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	272.60
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	68.23	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	20.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	10.00	परियोजनाएँ, फैलोशिप / कार्यशालाएँ / प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	13.50
कोई अन्य स्रोत	5.67	विविध व्यय	0.00
आय पर व्यय की अधिकता	103.90		
कुल	306.10	कुल	306.10

नोटः

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी), हैदराबाद

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. सुजीत कुमार मिश्रा, “महिला सुरक्षा त्वरक कोष (डब्ल्यूएसएफ) का एक अध्ययन – असम में चाय क्षेत्र में निवेश पर प्रतिफल स्थापित करने की दिशा में”, आईडीएच-डब्ल्यूएसएफ (नीदरलैंड) द्वारा वित्त पोषित।
2. सुजीत कुमार मिश्रा, “आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में भारत मानव विकास सर्वेक्षण-3 के लिए डेटा संग्रह असाइनमेंट”, राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. पचिनलु रघुपति, “भूमि और जनजातियाँ: आंध्र प्रदेश के एजेंसी क्षेत्र में भूमि अलगाव प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (प्रो. सुजीत कुमार मिश्रा की देखरेख में वरिष्ठ फैलोशिप)।
4. सुजीत कुमार मिश्रा और सुंकरी सत्यम, “अनौपचारिक रोजगार की स्थिति: तेलंगाना और उड़ीसा में अस्तित्व की रणनीतियाँ और नीतिगत निहितार्थ”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (ओएच-31 अनुदान के अंतर्गत)।
5. सौम्या विनयन, “भारत में जीआई टैग उत्पादों के लिए भुगतान करने की इच्छा: दक्षिण भारत के चुनिंदा उत्पादों का मामला”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (ओएच-31 अनुदान के अंतर्गत)।
6. सुजीत कुमार मिश्रा, “उड़ीसा और मध्य प्रदेश में सामान्य संपत्ति संसाधन, प्रथाएं, कानून और चुनौतियाँ” (मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोगात्मक अध्ययन), बीएन युगंधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. प्रज्ञा परमिता मिश्रा और सुजीत कुमार मिश्रा, “राजनीतिक भूगोल और संरचनात्मक परिवर्तन: भारत में महिलाओं की स्थिति निष्कर्षण उद्योग”, हैदराबाद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस द्वारा वित्त पोषित
2. सुजीत कुमार मिश्रा, “तेलंगाना में सतत विकास लक्ष्य और बाल कल्याण”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।

3. सुंकरी सत्यम, “तेलंगाना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विशेष विकास निधि पर एक अध्ययन”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।
4. सुंकरी सत्यम, “तेलंगाना कल्याण पहल: एक जनमत सर्वेक्षण”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. सुजीत कुमार मिश्रा, “तेलंगाना में स्कूलों में लैंगिक समावेशी बुनियादी ढांचे और लड़कियों के बीच शैक्षिक परिणाम”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली और योजना विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
2. सौम्या विनयन, “भारत में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाली चावल किस्मों को बढ़ावा देने के लिए समावेशी और एकीकृत प्रणालियों की स्थापना: कृषि समुदायों के लचीलेपन और स्थिरता के निर्माण में नवाचारों और तकनीकी प्रगति का एक अनुदैर्घ्य अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. शिव कुमार दान्यासी, “तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और भारत में युवा रोजगार गतिशीलता और शैक्षिक उपलब्धियाँ (2004-05 से 2022-23)”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ओएच-31 अनुदान के अंतर्गत और योजना विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. सुजीत कुमार मिश्रा, “सामाजिक विकास रिपोर्ट 2025: तेलंगाना में स्वास्थ्य की स्थिति”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।
5. सुजीत कुमार मिश्रा, “तेलंगाना में वन स्टॉप सखी केंद्रों का प्रभाव और प्रभावशीलता: एक अध्ययन”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।
6. रघुपति पी., “ग्रामीण परिवर्तन: कृषि में संरचनात्मक परिवर्तन”, तेलंगाना सरकार के योजना विभाग द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

व्याख्यान

1. 10 जुलाई 2024 को प्रोफेसर श्रीजीत मिश्रा (इंदिरा गांधी

- विकास अनुसंधान संस्थान (आईजीआईडीआर), मुंबई) द्वारा “सार्वजनिक नीति और मापन: क्या मायने रखता है, इसकी गणना” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. 13 जनवरी 2025 को डॉ. राम्या रंजन पटेल (एसोसिएट प्रोफेसर, आर्थिक अध्ययन और योजना केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) द्वारा “कृषि-निराशावाद, उपेक्षित कृषि संक्रमण और गरीबी: गरीबी लक्ष्यीकरण और इसके विभिन्न दृष्टिकोण” पर सार्वजनिक व्याख्यान (ऑनलाइन)।
 3. 21 जनवरी 2025 को प्रोफेसर देबा प्रसाद रथ (आरबीआई चेयर प्रोफेसर, सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद) द्वारा “ओपन इकोनॉमी मैक्रोइकॉनॉमिक्स: एक विकासवादी परिप्रेक्ष्य” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
 4. 13 मार्च 2025 को प्रोफेसर एसएन चौधरी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में टैगोर फेलो और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के पूर्व राष्ट्रीय फेलो) द्वारा “मध्य भारत की जनजातियाँ: संस्कृति, राज्य और बाजार के बीच” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
 5. और जनजातीय विकास केंद्र, सुंदरगढ़, उड़ीसा के सहयोग से, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित (ऑफलाइन)।
 6. आरबीआई अध्यक्ष, सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी), हैदराबाद द्वारा 21 से 24 जनवरी 2025 (ऑफलाइन) तक “उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में खुली अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक्स” पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
 7. 11 मार्च 2025 को सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद (ऑफलाइन) द्वारा आयोजित पुस्तक “ऑबट्यूज एंगल: ए ब्यूरोक्रेट्स जर्नी थ्रू कार्टून्स” पर बी.पी. आचार्य द्वारा चर्चा।
 8. सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी), हैदराबाद द्वारा आईसीएसएसआर, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र और तेलंगाना सरकार (ऑफलाइन) के सहयोग से 10 से 19 मार्च 2025 तक “रोजमर्रा के जीवन पर शोध – एक गुणात्मक शोध कार्यशाला” पर दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशालाएँ/पैनल चर्चाएँ

1. सामाजिक विकास परिषद् (सीएसडी), हैदराबाद द्वारा 16 से 20 दिसंबर 2024 तक आईसीएसएसआर, नई दिल्ली (ओएच-31 अनुदान के अंतर्गत) और तेलंगाना सरकार (ऑफलाइन) के सहयोग से “सामाजिक विज्ञान में शोधार्थियों के लिए अकादमिक लेखन कार्यशाला” पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया
2. 18 दिसंबर 2024 को सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद में “जर्नल में प्रकाशन: संपादकों का दृष्टिकोण” विषय पर पैनल चर्चा (ऑफलाइन)।
3. 20 दिसंबर 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित “राजनीतिक भूगोल और संरचनात्मक परिवर्तन: भारतीय निष्कर्षण उद्योग में महिलाओं की स्थिति” पर एक दिवसीय कार्यशाला (ऑफलाइन)।
4. 20 दिसंबर 2025 को सामाजिक विकास परिषद्, हैदराबाद में “महिलाओं के खिलाफ हिंसा” पर पैनल चर्चा (ऑफलाइन)।
5. 13 जनवरी 2025 को “राजनीतिक भूगोल और संरचनात्मक परिवर्तन: भारतीय निष्कर्षण उद्योग में महिलाओं की स्थिति” पर एक दिवसीय कार्यशाला, एकीकृत ग्रामीण

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. सीएसडी, हैदराबाद द्वारा आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सहयोग से 2 से 12 जुलाई 2024 तक “सामाजिक विज्ञान में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम” पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

2024-25 में, संस्थान को महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नलगोंडा द्वारा पीएच.डी. अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है और प्रवेश प्रक्रियाधीन है

प्रकाशन

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. विनयन, एस., चक्रवर्ती, एस., घोष, एन., और महाराणा, डी. “भारत में विकलांगता की व्यापकता का मानचित्रण: लिंग के साथ अंतर्संबंध”, 2024. ए. हंस (सं.), विकलांगता, लिंग और शक्ति के प्रक्षेप पथ (द्वितीय संस्करण, पृष्ठ 17-41) में। रूटलेज इंडिया
2. रघुपति, पी. “भूमि अलगाव में सामाजिक भेदभाव: आंध्र प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र में व्यापक स्तर का अनुभव”, 2025. एम. मुनिनारायणप्पा (प्रधान संपादक), डी. श्रीनिवास राव और के. वेंकट रेड्डी (संपादक), भारत में

विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण: मुद्दे, अवसर और चुनौतियाँ (पृष्ठ 48-73)। रेड'शाइन प्रकाशन।

3. अख्तर, डब्ल्यू. "ग्रामीण भारत में उपभोक्ता व्यवहार पर डिजिटल मीडिया का प्रभाव; ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता व्यवहार के बीच तुलना: एक अनुभवजन्य अध्ययन; और ग्रामीण भारत में डिजिटल भुगतान की चुनौतियाँ और अवसर: प्रभाव, पहल और नीतिगत विचार", 2024. एम.-डी. गिला मोन (सं.), व्यवसाय, प्रबंधन और अर्थशास्त्र में समकालीन शोध रेड'शाइन प्रकाशन। <https://isbn.org/9788197116469>

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. "विनयन एस एंड मिश्रा एस के सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स एंड अंडरस्टैंडिंग ऑफ जेंडर जर्नल ऑफ रूरल डिवेलपमेंट 43(3) 2024 420-428 <https://doi.org/10.25175/jrd/2024/v43/i3/1733001>"
2. "मिश्रा एस के एंड पाठक के 2024 अगस्त 16 स्मार्ट फोन्स आर इंटेसिफाइंग डिस्ट्रिक्ट एंड किलिंग प्राइवसी डाउन टू अर्थ <https://www.downtoearth.org.in/>"
3. "मिश्रा एस के [रिव्यू ऑफ द बुक यज्ञसेनी बाय पी रे] सोशल चेंज 54(3) 2024 448-450 <https://doi.org/10.1177/004908572412541981>"
4. "मिश्रा एस के द बाज़ा मार्केट ऑफ छत्तीसगढ़ पाइंट ऑफ व्यू - विजुअल नैरेटिव्स एंड डॉक्यूमेंटेशन 2024 दिसम्बर।"
5. "सत्यं एस स्कूलिंग ऑफ चेंचू चिल्ड्रन एथनोग्राफिक ऑब्जर्वेशन फ्रॉम सिलेक्टेड स्कूल ऑफ तेलंगाना स्टेट रिसर्च एंड रिफ्लेक्शंस ऑन एजुकेशन 22(4) 2024 5-9 (पीयर-रिव्यूड यू जी सी केयर जर्नल) आई एस एस एन 0974-648X (प्रिंट)।"
6. "अख्तर डब्ल्यू एनालिसिस ऑफ न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन हायर एजुकेशन इन इंडिया ज्ञान गरिमा सिंधु इश्यू 80, 2024 165-176 (क्वार्टरली हिंदी मैगज़ीन यू जी सी केयर लिस्टेड जर्नल) आई एस एस एन 2321-0443।"
7. "अख्तर डब्ल्यू स्मार्ट सिटी डिवेलपमेंट द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड मेडिकल रिसर्च आई जे ई एम एम आर 11(1) नं.1 2025 1-7 (यू जी सी केयर लिस्टेड जर्नल)।"

सामयिक पत्र

1. "ज्योतिषी ए थ्रिंकिंग कॉमन्स फॉर स्मॉल-स्केल फिशर्स रिफ्लेक्शंस फ्रॉम द कर्नाटका कोस्ट (इनवाइटेड लेक्चर सीरीज नं. 3/2024)।"
2. "हेरिस बी-डब्ल्यू नॉन वेजिटेरियन हिस्ट्रीज ऑफ एग्रीकल्चर (इनवाइटेड लेक्चर सीरीज नं. 4/2024)।"
3. "मिश्रा एस पब्लिक पॉलिसी एंड मेज़रमेंट काउंटिंग व्हाट काउंट्स (इनवाइटेड लेक्चर सीरीज नं. 5/2024)।"

अनुसंधान रिपोर्ट

1. "सुजीत कुमार मिश्रा प्रज्ञा परमिता मिश्रा सौम्या विनयन आशीष अमन सिन्हा एंड सी एच शंकर राव (2024) इन्क्लूडिंग एनवायरनमेंटल सैनीटेशन इन सैनीटेशन प्रोग्राम्स एविडेंस फ्रॉम स्वच्छ भारत मिशन इन सिलेक्ट एरियाज ऑफ तेलंगाना आंध्र प्रदेश एंड उड़ीसा काउंसिल फॉर सोशल डिवेलपमेंट हैदराबाद।"
2. "सुजीत कुमार मिश्रा राज कुमार कडुला सुजीत के एस सुन्दर राज डी सौम्या विनयन एंड वसीम अख्तर (2024) स्टडी ऑफ द वीमन्स सेफ्टी एक्सेलेरेटर फंड डब्ल्यू एस ए एफ - टुवर्ड्स एस्टैब्लिशिंग रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट इन द टी सेक्टर ऑफ असम वीमन्स स्टडी एक्सेलेरेटर फंड डब्ल्यू एस ए एफ।"

पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय में 14,808 पुस्तकों और दस्तावेजों का एक संग्रहित संग्रह है, जिसमें पुस्तकें, रिपोर्ट, संदर्भ सामग्री, विश्वकोश, संघ सूचीपत्र, ग्रंथसूची, एटलस और अन्य विद्वतापूर्ण संसाधन शामिल हैं। इनमें से 2,021 पुस्तकें दान के रूप में प्राप्त हुईं। पुस्तकालय संकाय सदस्यों और आगंतुकों को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करता है, जैसे सूचीपत्र तक ऑनलाइन पहुँच, सूचना का चयनात्मक प्रसार (एसडीआई), और वर्तमान जागरूकता सेवाएँ (सीएसएस)। यह इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू), इंडियास्टेट, जेएसटीओआर (नैडॉक के माध्यम से), और चुनिंदा टेलर एंड फ्रांसिस ई-पुस्तकों सहित कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच भी प्रदान करता है।

पुस्तकालय में फोटोकॉपी की सुविधा उपलब्ध है। पत्रिकाओं या पत्रिकाओं की सदस्यता में किसी भी कमी को पूरा करने के लिए आवश्यकतानुसार पुराने संस्करणों को एकत्रित या प्राप्त किया जाता है। पुस्तकालय में वर्तमान में लगभग 18 पत्रिकाएँ और समाचार पत्र आते हैं, जिनमें कुछ विदेशी प्रकाशन और निःशुल्क अंक भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पाठकों के लिए पाँच समाचार पत्र भी उपलब्ध हैं, जिनमें तीन प्रमुख राष्ट्रीय अंग्रेजी समाचार पत्र भी शामिल हैं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25
सीएसडी, हैदराबाद

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	45.32	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	103.77
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	99.45
राज्य सरकार अनुदान	35.00	स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	32.78
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फेलोशिप, परामर्श आदि)	157.36	परियोजनाएँ, फेलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	112.58
कोई अन्य स्रोत (सीएसडी अनुसंधान निधि)	60.90	विविध व्यय	0.00
कुल	348.58	कुल	348.58

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वेतन और भत्ते

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

विकासशील समाज अध्ययन केंद्र (सीएसडीएस), दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. "अनन्या वाजपेयी अरूप जर्नल ऑफ आर्ट्स पोएट्री एंड आइडियाज़ वॉल्यूम 5 'फ्यूचर' फंडेड बाय रजा फाउंडेशन नई दिल्ली।"
2. "अवधेंद्र शरण कम्पैरिजन अक्रॉस वायरल एपिडेमिक्स इन दिल्ली-डेंगू एंड कोविड फंडेड बाय आई सी ए एस एम पी नई दिल्ली।"
3. "हिलाल अहमद इमर्जिंग फॉर्म्स ऑफ लीडरशिप इन इंडिया फंडेड बाय ल्यूस फाउंडेशन/साइंस पॉ पेरिस।"
4. "हिलाल अहमद मोहम्मद संजीर आलम एंड नज़ीमा परवीन रीथिंकिंग अफ़र्मेटिव एक्शनस फॉर मुस्लिम्स इन कंटेम्परी इंडिया फंडेड बाय यू एस-इंडिया पॉलिसी इंस्टिट्यूट वॉशिंगटन डी.सी.।"
5. "प्रथमा बनर्जी रविकांत एंड प्रभात कुमार एन एंथोलॉजी ऑफ डू बोइस इन ट्रांसलेशन फंडेड बाय यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो।"
6. "रवि सुंदरम मीडिया एंड द कॉन्स्ट्रक्शन ऑफ द पॉलिटिकल फंडेड बाय आई सी ए एस एम पी नई दिल्ली।"
7. "रवि सुंदरम एंड मयंक अग्रवाल आर्काइव्स इंटरनेशनल प्रोग्राम सेल्फ-फंडेड।"
8. "रवि सुंदरम इन्टू द मिडस्ट फंडेड बाय कैम्प 2024।"
9. "रवि सुंदरम एंड सुवानी सूरी कैप्चर ऑल अ सॉनिक इन्वेस्टिगेशन फंडेड बाय ऑस्ट्रेलिया काउंसिल फॉर द आर्ट्स।"
10. "रवि सुंदरम रवि वासुदेवन एंड श्रीरुपा रॉय मीडिया एंड द कॉन्स्ट्रक्शन ऑफ द पॉलिटिकल फंडेड बाय आई सी ए एस एम पी नई दिल्ली।"
11. "रविकांत अ मीडिया आर्काइव ऑफ द पॉलिटिकल फंडेड बाय आई सी ए एस एम पी नई दिल्ली।"
12. "रविकांत बायोस्कोप कीवर्ड्स फॉर प्रतिमान फंडेड बाय बायोस्कोप ट्रस्ट।"
13. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री नेशनल इलेक्शन स्टडीज़ (एन ई एस) 2024-ग्री पोल फंडेड बाय द हिंदू ग्रुप (टी एच जी) पब्लिशिंग हाउस।"
14. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री नेशनल इलेक्शन स्टडीज़ (एन ई एस) 2024-पोस्ट पोल फंडेड बाय द हिंदू ग्रुप (टी एच जी) पब्लिशिंग हाउस।"

15. "संजय कुमार अ स्टडी ऑफ यू पी एस सी एस्पिरेंट्स इन दिल्ली 2024 फंडेड बाय लोकनीति रिसर्चर्स फंड।"
16. "संजय कुमार अ स्टडी ऑफ द कांवड़ यात्रा फंडेड बाय लोकनीति रिसर्चर्स फंड।"
17. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री जम्मू एंड कश्मीर असेंबली इलेक्शन पोस्ट पोल स्टडी फंडेड बाय द हिंदू ग्रुप (टी एच जी)।"
18. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री हरियाणा असेंबली इलेक्शन प्री पोल स्टडी फंडेड बाय द हिंदू ग्रुप (टी एच जी)।"
19. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री झारखंड असेंबली इलेक्शन प्री पोल एंड पोस्ट पोल स्टडी फंडेड बाय न्यूट्रल पब्लिशिंग हाउस।"
20. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री महाराष्ट्र असेंबली इलेक्शन प्री पोल स्टडी फंडेड बाय द हिंदू ग्रुप।"
21. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री दिल्ली असेंबली इलेक्शन प्री पोल एंड पोस्ट पोल स्टडी फंडेड बाय इंडियन एक्सप्रेस पब्लिशिंग हाउस।"
22. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री इंडियन्स परसेप्शन यूरोप एंड जर्मनी फंडेड बाय कोनराड एडेनउर स्टिफ्टुंग नई दिल्ली।"
23. "संजय कुमार अंडरस्टैंडिंग द मीडिएटर्स दैट एनेबल वीमन्स यूजेज ऑफ डिजिटल प्लेटफॉर्म फंडेड बाय आई आई एच एस।"
24. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री स्टेट्स ऑफ पुलिसिंग इन इंडिया रिपोर्ट (एस पी आई आर राउंड V) फंडेड बाय कॉमन कॉज नई दिल्ली।"
25. "संजय कुमार अ स्टडी ऑन द स्पेशियल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एंड इनकम कैटेगरीज इन द चेन्नई मेट्रोपॉलिटन एरिया फंडेड बाय आई आई एच एस।"
26. "संजय कुमार कॉन्डक्ट ऑफ एंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज एटिट्यूड बिहेवियर बिलीफ एंड प्रैक्टिसेज (के ए बी बी पी) ऑफ सिटिजन्स इन एन सी टी ऑफ दिल्ली फंडेड बाय चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर दिल्ली।"
- सिटीज एन एंथोलॉजी ऑफ अनन्या वाजपेयी'ज़ एसेज सेल्फ-फंडेड।"
2. "अवधेंद्र शरण एटमॉस्फियर्स अ हिस्ट्री सेल्फ-फंडेड।"
3. "अवधेंद्र शरण डिजिटल हेल्थ इन इंडिया फंडेड बाय अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन।"
4. "अवधेंद्र शरण एंड प्रथमा बनर्जी साइंस टेक्नोलॉजी एंड डेमोक्रेसी इन इंडिया फंडेड बाय जयंता बंधोपाध्याय।"
5. "हिलाल अहमद बुक प्रोजेक्ट पॉलिटिक्स ऑफ रिप्रजेंटेशन सेल्फ-फंडेड।"
6. "हिलाल अहमद एडिटेड वॉल्यूम मुस्लिम इंडिया सेल्फ-फंडेड।"
7. "हिलाल अहमद स्पेशल इश्यू थियोराइजिंग इंडियन पॉलिटिक्स फॉर स्टडीज इन इंडिया पॉलिटिक्स सेल्फ-फंडेड।"
8. "हिलाल अहमद स्पीकिंग टाइगर बुक सीरीज कॉन्स्टिट्यूशन एंड द कंटेम्पररी मोमेंट ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी सेल्फ-फंडेड।"
9. "प्रथमा बनर्जी डिजिटल रेलिजन इन इंडिया फंडेड बाय अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन।"
10. "प्रथमा बनर्जी हिस्ट्री ऑफ इंडियन इकोनॉमिक थॉट सेल्फ-फंडेड।"
11. "राकेश पांडेय फिलॉसफी एंड एस्थेटिक्स इन ए.के. कूमारस्वामी सेल्फ-फंडेड।"
12. "राकेश पांडेय ट्रांसलेशन ऑफ रस-मीमांसा बाय रामचंद्र शुक्ल सेल्फ-फंडेड।"
13. "रवि सुंदरम बुक प्रोजेक्ट ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी मीडिया एस्थेटिक्स एंड द पॉलिटिकल फंडेड बाय आई सी ए एस एम पी नई दिल्ली।"
14. "रवि सुंदरम आर्काइव्स रिसर्च सेल्फ-फंडेड।"

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. "प्रियदर्शिनी विजयश्री एंड कोंडा श्रीनिवासुलु ऑफ्सप्रिंग्स ऑफ जातिस जीनियोलॉजीज एंटाइटल्मेंट्स एंड ट्रांस-स्ट्रक्चरल मॉडल ऑफ किनशिप फंडेड बाय आई सी एस एस आर नई दिल्ली।"

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. "अनन्या वाजपेयी एंड रिनु मेनन इंटीमेट एनकाउंटेर्स विद

2. "रविकांत एंड प्रभात कुमार एन इंटरमीडिया डिजिटल आर्काइव ऑफ फोकलोर इन नॉर्थ इंडिया 1930-2020 फंडेड बाय आई सी एस एस आर नई दिल्ली।"
3. "रविकांत एंड प्रभात कुमार एन इंटरमीडिया हिंदी-उर्दू आर्काइव ऑफ सिनेमा इन साउथ एशिया फंडेड बाय मॉडर्न एंजेंजर्ड आर्काइव्स प्रोग्राम यू सी एल ए लाइब्रेरी यू एस।"
4. "रवि सुंदरम इवेंट्स एंड अफेक्शंस द मेकिंग ऑफ ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी टेक्नोलॉजिकल कलेक्टिव्स सेल्फ-फंडेड।"
5. "रवि सुंदरम एंड सुवानी सूरि रिकम्पोज़िशन फंडेड बाय ऑस्ट्रेलिया काउंसिल फॉर द आर्ट्स।"
6. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री इवैल्यूएटिंग द वेलफेयर स्कीम्स इन आंध्र प्रदेश फॉर रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी अमरावती फंडेड बाय रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी गवर्नमेंट ऑफ आंध्र प्रदेश।"
7. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री द एस्पिरेशन ऑफ यूथ एंड द अपॉर्च्युनिटीज फॉर मोर मीनिंगफुल एम्प्लॉयमेंट फंडेड बाय मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स नई दिल्ली।"
8. "संजय कुमार सुहास पलशीकर एंड संदीप शास्त्री स्टेट्स ऑफ पुलिसिंग इन इंडिया (राउंड VI) फंडेड बाय कॉमन कॉज नई दिल्ली।"
2. "पब्लिक लेक्चर ऑन व्हाय डज एयर पॉल्यूशन नॉट मैटर ड्यूरिंग इलेक्शन्स एविडेंस फ्रॉम दिल्ली डिलिवर्ड बाय तारिक ठाकिल (प्रोफेसर ऑफ पॉलिटिकल साइंस मदन लाल सोबती प्रोफेसर फॉर द स्टडी ऑफ कंटेम्पररी इंडिया एंड डायरेक्टर सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया) ऑन 11 मार्च 2025।"
3. "25 बी. एन. गांगुली मेमोरियल पब्लिक लेक्चर ऑन एलेगरी हिस्ट्री एंड लिटरेचर बिटवीन पास्ट एंड फ्यूचर डिलिवर्ड बाय सुप्रिया चौधुरी (प्रोफेसर एमेरिता इन द डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश जादवपुर यूनिवर्सिटी) ऑन 19 फरवरी 2025।"
4. "पब्लिक लेक्चर ऑन अपार्थाइड रिमेन्स डिलिवर्ड बाय शरद चारी (एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ जियोग्राफी एंड क्रिटिकल थ्योरी एट द यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया एट बर्कले) ऑन 4 फरवरी 2025।"
5. "पब्लिक लेक्चर ऑन सांख्य-योगा एंड डिजिटल रेलिजन डिलिवर्ड बाय कनुट ए. जैकबसेन (प्रोफेसर इन द डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलॉजी हिस्ट्री कल्चरल स्टडीज एंड रेलिजन एट द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गेन नॉर्वे) ऑन 30 जनवरी 2025।"
6. "पब्लिक लेक्चर ऑन रिकास्ट(e)इंग मेडिसिन इन इंडिया कॉन्टेस्टेड हाइराकीज़ ऑफ एक्सपर्टीज़ इन डिजिटल प्राइमरी केयर डिलिवर्ड बाय सैंड्रा बैर्नरथर (असिस्टेंट प्रोफेसर एट द डिपार्टमेंट ऑफ सोशल एंथ्रोपोलॉजी यूनिवर्सिटी ऑफ ल्यूसर्न स्विट्ज़रलैंड) ऑन 20 जनवरी 2025।"
7. "पब्लिक लेक्चर ऑन स्पिरिचुअलिटी एंड क्रीनेस इन कंटेम्पररी कृष्ण भक्ति डिलिवर्ड बाय अजय कुमार यादव (पोस्ट-डॉक्टोरल फेलो सी पी एस जे एन यू दिल्ली) ऑन 17 जनवरी 2025।"
8. "पब्लिक लेक्चर ऑन 2024 द इलेक्शन दैट सरप्राइज़्ड इंडिया डिलिवर्ड बाय राजदीप सरदेसाई (कंसल्टिंग एडिटर एंड लीड न्यूज़ एंकर ऑफ द इंडिया टुडे ग्रुप) ऑन 17 दिसंबर 2024।"
9. "पब्लिक लेक्चर ऑन डायनैमिक्स ऑफ डिजिटल पॉलिटिकल कैम्पेनिंग इन इंडिया अ स्टडी ऑफ नेशनल एंड सब-नेशनल इलेक्शन स्ट्रैटेजीज डिलिवर्ड बाय तबरेज़ अहमद नेयाज़ी (एसोसिएट प्रोफेसर एंड डायरेक्टर ऑफ डिजिटल कैम्पेन एशिया प्रोजेक्ट इन द डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन्स एंड न्यू मीडिया एट द नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर) ऑन 19 नवम्बर 2024।"

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. श्री डेज़ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिसिटी एंड द पॉलिटिकल इन द लॉन्ग 20वीं सेंचुरी ऑर्गनाइज़्ड बाय सी एस डी एस-सराय फ्रॉम 5 दू 7 जून 2024 इन कोलैबोरेशन विद ग्योथे यूनिवर्सिटी फ्रैंकफर्ट।

व्याख्यान

1. "पब्लिक लेक्चर ऑन सेविंग कैपिटलिज़्म फ्रॉम एम्पायर यूजेस ऑफ कॉलोनिअल हिस्ट्री इन न्यू इंस्टिट्यूशनल इकॉनॉमिक्स डिलिवर्ड बाय ओनुर उलास इन्से (एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ पॉलिटिकल थ्योरी एट एस ओ ए एस लंदन एंड 2024 ब्रिटिश अकैडमी/लेवरहुल्म सीनियर रिसर्च फेलो) ऑन 26 मार्च 2025।"

10. "पब्लिक लेक्चर ऑन तजुर्बे रेडियो तरंगों के (अ लाइफ ऑन रेडियो वेव्स) डिलीवर्ड बाय विजयलक्ष्मी देसराम (इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर/हिंदी वेब एट वॉइस ऑफ अमेरिका वाशिंगटन डी.सी. यूएस) ऑन 5 नवम्बर 2024।
11. पब्लिक लेक्चर ऑन द मॉस्क्स ऑफ केरला: आर्टिस्टिक वोकेब्युलरीज़ इन द आइडेंटिटी-बिल्डिंग ऑफ मुस्लिम कम्युनिटीज़, डिलीवर्ड बाय सारा मॉन्डिनी (असिस्टेंट प्रोफेसर ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर ऑफ वेस्ट एंड साउथ एशिया, डिपार्टमेंट ऑफ लैंग्वेज एंड कल्चर्स, गेन्ट यूनिवर्सिटी, बेल्जियम) — 18 अक्टूबर 2024।
12. पब्लिक लेक्चर ऑन न्यू रिसर्च इन पज़ेशन, एजेंसी एंड नैरेटिव फॉर्मेशन, डिलीवर्ड बाय फ्रेडरिक स्मिथ (एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ संस्कृत एंड क्लासिकल इंडियन रेलिजन्स, यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा) — 7 अक्टूबर 2024।
13. पब्लिक लेक्चर ऑन साहित्य का लोक अंग, डिलीवर्ड बाय शिवमूर्ति (हिंदी भाषा के एक कथाकार एवं उपन्यासकार) — 1 अक्टूबर 2024।
14. पब्लिक लेक्चर ऑन फेथ ऑन द फीड: चिल्ड्रन्स रेलिजियस इनैक्टिविटीज़ ऑनलाइन, डिलीवर्ड बाय किरण भाटिया (रिसर्च डायरेक्टर, FemLab; रिसर्च एफिलिएट, डिपार्टमेंट ऑफ मीडिया एंड कल्चर स्टडीज़, यूट्रेकट यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स) — 27 सितम्बर 2024।
15. पब्लिक लेक्चर ऑन रेन ऑफ टेक्नोक्रेसी: अ हिस्ट्री ऑफ द ग्रीन रेवोल्यूशन, डिलीवर्ड बाय प्रकाश कुमार (असोसिएट प्रोफेसर ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री, पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी) — 23 सितम्बर 2024।
16. 8 सी. आर. पारेख मेमोरियल पब्लिक लेक्चर ऑन सर्चिंग फॉर सतगुरु रविदास ट्रेडिशन इन द ट्वेंटीएथ सेंचुरी, डिलीवर्ड बाय पीटर फ्राइडलैंडर (ऑनरेरी असोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कल्चर, हिस्ट्री एंड लैंग्वेज, द ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी) — 11 सितम्बर 2024।
17. पब्लिक लेक्चर ऑन ऑफ अल्लेगोरिकल एक्सप्लोरेशन्स: आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इन इंडिया'स हेल्थकेयर, डिलीवर्ड बाय निष्ठा भारती (पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च फेलो, नफील्ड डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड) — 30 अगस्त 2024।
18. पब्लिक लेक्चर ऑन ड्रीमिंग बिग विद लिटिल थेरेपी डिवाइसेज़: ऑटोमेटेड थेरेपी फ्रॉम इंडिया, डिलीवर्ड बाय क्लॉडिया लैंग (मेडिकल एंथ्रोपोलॉजिस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ लीपज़िग) — 29 अगस्त 2024।
19. 16 गिरी देशिंगकर मेमोरियल पब्लिक लेक्चर ऑन इंडिया इन द चाइनीज़ क्वेस्ट फॉर नेशनलिज़्म एंड मॉडर्निटी: पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम चाइनीज़ ट्रैवल राइटिंग्स, डिलीवर्ड बाय कमल शील (एजंक्ट फेलो, इंस्टिट्यूट ऑफ चाइनीज़ स्टडीज़, नई दिल्ली) — 20 अगस्त 2024।
20. पब्लिक लेक्चर ऑन गीतों-भरी-कहानी (स्टोरी-फुल-ऑफ-सांग्स): हिंदी फिल्म-सांग फैनफिक्शन ऑन द रेडियो एयरवेक्स, 1960-1979, डिलीवर्ड बाय इसाबेल हुआकुजा अलोंसो (असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ मिडिल ईस्टर्न, साउथ एशियन एंड अफ्रीकन स्टडीज़, कोलंबिया यूनिवर्सिटी) — 7 अगस्त 2024।
21. पब्लिक लेक्चर ऑन कम्युनिटी एंड क्रिएशन: ब्रिजेज़ एंड ब्रीचेज़ अमंगस्ट रीजनल कल्चर्स, डिलीवर्ड बाय रत्नाकर त्रिपाठी (विज़िटिंग फेलो, ए डी आर आई, पटना) — 3 मई 2024।
22. पब्लिक लेक्चर ऑन वन साइज (डज़न't) फिट ऑल: इंडियन फेम टेक एप्स एंड डैटाफाइड रिप्रोडक्शन, डिलीवर्ड बाय पारो मिश्रा (असिस्टेंट प्रोफेसर ऑफ एंथ्रोपोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड ह्यूमैनिटीज़, आईआईटीडी, दिल्ली) — 2 मई 2024।
23. पब्लिक लेक्चर ऑन द यूखरिस्ट एंड द मॉरल टेम्पोरलाइज़ेशन ऑफ एयर, डिलीवर्ड बाय हरीश नारायणदास (प्रोफेसर ऑफ सोशियोलॉजी, जे एन यू, नई दिल्ली) — 23 अप्रैल 2024।
24. पब्लिक लेक्चर ऑन पुरबिया लोक संस्कृति और फिल्म संगीत, 1980 तक (एक श्रव्य-दृश्य यात्रा), डिलीवर्ड बाय कन्हैया लाल पांडे (म्यूज़िकोलॉजिस्ट) — 22 अप्रैल 2024।
25. पब्लिक लेक्चर ऑन बीइंग हिंदू, बीइंग इंडियन: लाला लाजपत राय आइडियाज़ ऑफ नेशनहुड, डिलीवर्ड बाय वान्या वैदेही भार्गव (सीनियर रिसर्च फेलो, मल्टीपल सेक्युलेरिटीज़-बियॉड ई वेस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ लीपज़िग, जर्मनी) — 19 अप्रैल 2024।
26. पब्लिक लेक्चर ऑन रूल ऑफ लॉ, समरी जस्टिस एंड कलकत्ता पुलिस, 1770-1800, डिलीवर्ड बाय नितिन सिन्हा (सोशल हिस्टोरियन ऑफ इंडियन मॉडर्न एंड कॉलोनियल हिस्ट्री) — 16 अप्रैल 2024।

कार्यशालाएँ

1. श्री-डेज वर्कशॉप ऑन व्हाट इज द इकॉनमी आफ्टर ऑल: डिसिप्लिनरी अप्रोचेज एंड बियॉन्ड, ऑर्गनाइज्ड बाय सी एस डी एस, दिल्ली — 26 दू 28 मार्च 2025.
2. टू-डेज वर्कशॉप ऑन नॉलेज एंड नेशन, ऑर्गनाइज्ड बाय सी एस डी एस, दिल्ली — 20 दू 21 फरवरी 2025.
3. सेवन-डेज वर्कशॉप ऑन द लिस्निंग अकैडमी, ऑर्गनाइज्ड बाय सराय-सी एस डी एस — 9 दू 14 दिसम्बर 2024.
4. श्री-डेज सराय-कैप वर्कशॉप, ऑर्गनाइज्ड बाय सराय-सी एस डी एस — 20 दू 22 अप्रैल 2024.
5. श्री-डेज वर्कशॉप ऑन डिजिटल सब्जेक्ट्स एंड सिटिजन्स: रिकास्टिंग डेमोक्रेसीज इन नेटवर्क सोसाइटीज, ऑर्गनाइज्ड बाय सी एस डी एस, दिल्ली — 8 दू 10 अप्रैल 2024.

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. एट-डेज रिसर्च मेथडॉलॉजी कोर्स ऑन क्वांटिटेटिव टेक्निक्स इन सोशल साइंस रिसर्च, ऑर्गनाइज्ड बाय सी एस डी एस - लोकनीति प्रेस — 22 दू 29 जुलाई 2024, इन कोलैबोरेशन विथ निट्टे, बेंगलुरु.

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. फोर्टीन-डेज कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप फॉर एस सी-एस टी पी एच डी स्कॉलर्स ऑन प्रीकैरियस लाइव्स, ऑर्गनाइज्ड बाय सी एस डी एस, दिल्ली — 24 फरवरी दू 7 मार्च 2025, इन कोलैबोरेशन विथ इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आई सी एस एस आर), नई दिल्ली.

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

ड्यूरिंग द रिपोर्टिंग ईयर, 2 स्कॉलर्स आर कंटिन्यूइंग देयर पी एच डी रिसर्च वर्क।

प्रकाशन**पुस्तकें**

1. अहमद, एच. (2024). *अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ द प्रेजेंट: मुस्लिम्स इन न्यू इंडिया*, पेंगुइन-रैंडम हाउस, दिल्ली.
2. बैनर्जी, पी. (2024). *द टेक्चुरल लाइव्स ऑफ कास्ट एक्रॉस द एजेज: इकालिटी एंड ह्यूमैनिटी इन इंडियन हिस्ट्री*, लंदन एंड दिल्ली: ब्लूमसबरी अकैडमिक.
3. विजैश्री, पी. (2024). *एसेज ऑन वायलेंस: पॉल्यूशन, सैक्रिफाइस एंड मैडनेस*, ब्लूमसबरी इंडिया.

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. शरण, ए. "पवित्र नदी, प्रदूषित नदी: कुछ विचार गंगा नदी के सन्दर्भ में।" *जीवन का तट: उत्तर भारत की नदियाँ एवं निषाद जीवन*, आर. सिंह द्वारा संपादित, इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी, 2025 पृष्ठ 49-57।
2. शरण, अजय। "स्वास्थ्य और पर्यावरण।" *भारत में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन कानून की ऑक्सफोर्ड हैंडबुक*, फिलिप कलेट, लवलीन भुल्लर और सुजीत कूनन द्वारा संपादित, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2024, पृष्ठ 673-678।
3. भट्टाचार्य, बुधादित्य। "वर्नाक्यूलर कम्पेरेटिविज़्म: औपनिवेशिक भारत में तुलनात्मक साहित्य का गुप्त इतिहास, लगभग 1800-1854।" *द रूटलेज कम्पेनियन टू ग्लोबल कम्पेरेटिव लिटरेचर*, झांग लोंगशी और ओमिद आजादीबौगर द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024, पृष्ठ 5-12।
4. अहमद, हिलाल। "स्वतंत्रता के बाद से भारत में मुसलमानों की राजनीतिक भागीदारी और चुनावी व्यवहार: एक अवलोकन।" *भारत में लोकतंत्र और शासन के चुनावी आख्यान*, योगेश अटल सिसोदिया और पार्थ चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024, पृष्ठ 100-130।
5. कुमार, प्रदीप। "राष्ट्र को बाँधने के लिए जाति का चित्रण।" *युगों-युगों में जाति का पाठ्य जीवन: भारतीय इतिहास में पदानुक्रम, मानवता और समानता*, पाउला बनर्जी द्वारा संपादित, ब्लूमसबरी, 2024, पृष्ठ 245-270।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. वाजपेयी, अनन्या। "अम्बेडकर और जीवनी की समस्या।" *मनोविश्लेषण, संस्कृति और समाज*, खंड 29, 2024, पृष्ठ 541-556।
2. अहमद, हिलाल। "मुस्लिम प्रतिनिधित्व के तीन पहलू।" *इंडिया इन ट्रांजिशन*, सेंटर फॉर द एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया (सीएसआई), यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया, 2024।
3. अहमद, हिलाल। "भारत में इस्लाम की मुस्लिम कल्पनाएँ।" *जर्नल ऑफ मुस्लिम फिलैंथ्रोपी एंड सिविल सोसाइटी*, खंड 8, 2024, पृष्ठ 418।
4. अहमद, हिलाल, और क्रिस्टोफ़ जाफ़रलॉट। "भारतीय मुसलमान: (स्वयं) धारणाएँ और 2024 में मतदान के रुझान।" *भारतीय राजनीति में अध्ययन*, खंड 12, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 289-302।

5. विजयश्री, प्रियंका, और वाई. चिन्ना राव। “अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण: दृष्टिकोण और विचलन।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 44-45, 2 और 9 नवंबर 2024।
6. कुमार, प्रदीप। “2024 लोकसभा फैसला।” *भारतीय अध्ययन समीक्षा*, खंड 5, अंक 2, 2024।
7. कुमार, प्रदीप और धनंजय कुमार। “2024 के लोकसभा चुनावों में युवा वोट।” *भारतीय राजनीति में अध्ययन*, खंड 12, अंक 2, 2024।
8. कुमार, प्रदीप, सुहास पलशीकर, और संदीप शास्त्री। “क्या 2024 के चुनावों में विविधता का कोई लाभ होगा?” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 38, 21-28 सितंबर 2024।
9. आलम, संजय। “भारत के 18वें संसदीय चुनावों में पॉकेटबुक वोटिंग।” *भारतीय राजनीति में अध्ययन*, खंड 12, अंक 2, 2024, पृ. 251-264।
10. आलम, संजय, और राकेश रंजन। “बिहार में एनडीए की पकड़ मजबूत है।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 38, 2024, पृष्ठ 36-39।
11. आलम, संजय। “भारत की परिसीमन दुविधा: चुनौतियाँ और परिणाम।” *द इंडिया फ़ोरम*, 16 अक्टूबर 2024।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. अहमद, एच., आलम, एम. एस., एंड परवीन, एन. (2024). *रिपोर्ट ऑन रिथिंकिंग अफ़र्मेटिव एक्शन फॉर मुस्लिम्स इन कंटेम्पररी इंडिया*. यू एस-इंडिया पॉलिसी इंस्टिट्यूट, सी डी पी पी.
2. रविकांत. (2025). *एन इंटरमीडिया डिजिटल आर्काइव ऑफ़ फोकलोर इन नॉर्थ इंडिया, 1930-2020: फर्स्ट क्वार्टर रिपोर्ट*. (रिपोर्ट सबमिटेड टू आई सी एस एस आर).
3. लोकनीति-सी एस डी एस. (2025). *स्टेट्स ऑफ़ पुलिसिंग इन इंडिया रिपोर्ट: पुलिस टॉर्चर एंड (अन) अकाउंटैबिलिटी*.
4. लोकनीति-सी एस डी एस. (2025). *रिलीज़ ऑफ़ इंडियन्स पर्सप्शन ऑफ़ यूरोप एंड जर्मनी*.

पुस्तकालय

सीएसडीएस पुस्तकालय ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान 200 नई पुस्तकें प्राप्त कीं और 300 जिल्दबंद पत्रिकाएँ जोड़ी गईं। 32 अकादमिक पत्रिकाओं की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया। इनमें द बुक रिव्यू, लंदन रिव्यू ऑफ बुक्स, द इंडियन इकोनॉमिक सोशल हिस्ट्री रिव्यू, इकोनॉमिक एंड पब्लिक वीकली, स्टडीज इन हिस्ट्री, साउथ एशिया रिसर्च, बायोस्कोप साउथ एशियन स्क्रीन स्टडीज और स्टडीज इन इंडियन पॉलिटिक्स आदि शामिल हैं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीएसडीएस, नई दिल्ली

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	578.80	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	665.94
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	77.20
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप, परामर्श आदि)	121.82	परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	0.00
कोई अन्य स्रोत	0.00	व्यय की तुलना में आय की अधिकता	7.48
कुल	750.62	कुल	750.62

नोट: वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीएसएस), सूरत

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. गगन बिहारी साहू, “किशोरावस्था जागरूकता, मासिक धर्म स्वच्छता और प्रबंधन: एक मूल्यांकन रिपोर्ट”, रामकृष्ण संवेदना ट्रस्ट, सूरत द्वारा वित्त पोषित।
2. सदन झा, गगन बिहारी साहू, सत्यकाम जोशी और किरण देसाई, “अमृत और गुजरात के चयनित जिलों में समावेशी शहरी विकास”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. लैला मेमदानी, सुशांत कुमार महापात्रा, गगन बिहारी साहू, देबजानी साहू और तम्मा कोटि रेड्डी, “जनसांख्यिकीय परिवर्तन, बदलती पारिवारिक व्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल)”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित। यह अध्ययन आईबीएस, हैदराबाद में रखा गया है।
2. गगन बिहारी साहू, “प्रवासी श्रमिकों पर कोविड-19 का प्रभाव: सूरत से एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. गगन बिहारी साहू, “गुजरात में आदिवासियों की खाद्य सुरक्षा का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. सदन झा, “क्षेत्रीय साहित्य और ऐतिहासिक चेतना: फणीश्वरनाथ रेणु की दुनिया”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. किरण देसाई, “कोरोना महामारी और सूरत समाज: एक खोजपूर्ण अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. सत्यकाम जोशी, “गुजरात में आदिवासी समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा पहलों के कार्यान्वयन के आकलन पर एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
7. सत्यकाम जोशी, “जनजातियों के लिए सामाजिक न्याय और कानून: गुजरात के आदिवासियों के संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

8. गगन बिहारी साहू, “गुजरात में जनजातीय समुदायों की पोषण स्थिति का अन्वेषण”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. गगन बिहारी साहू, “किशोरावस्था जागरूकता, मासिक धर्म स्वच्छता और प्रबंधन: एक मूल्यांकन रिपोर्ट”, रामकृष्ण संवेदना ट्रस्ट, सूरत द्वारा वित्त पोषित।
2. सदन झा, “गुजरात के रंग और रंग: शिल्प, सौंदर्यशास्त्र और बाजार”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. “जनसांख्यिकीय परिवर्तन, बदलती पारिवारिक व्यवस्था और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल)” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएसएसआर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, हैदराबाद और सेंटर फॉर सोशल स्टडीज (सीएसएस), सूरत द्वारा संयुक्त रूप से 29 नवंबर 2024 को आईबीएस, हैदराबाद में, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से, हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया।

सेमिनार

1. 11 मार्च 2025 को सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीएसएस), सूरत द्वारा आयोजित “भारत में बोंडा जनजाति की धार्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएँ” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा ओएच-31 के अंतर्गत वित्त पोषित।

व्याख्यान

1. स्पेशल लेक्चर ऑन महाकुंभ एंड द स्पेक्टेकल्स एट द संगम: फ्रॉम अ घूमकड़ सोशियोलॉजिस्ट्स डायरी, डिलीवर्ड बाय डॉ. देव नाथ पाठक (एसोसिएट प्रोफेसर एंड चेयरपर्सन ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी एट साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली) ऑन 12 फरवरी 2025।

2. स्पेशल लेक्चर ऑन आदिवासी लाइफ वल्ड्स – एक्सप्लोरिंग द रिलेशनशिप बिटवीन स्पेस एंड सोसाइटी, डिलीवर्ड बाय डॉ. गौरी भारत (सीनियर एसोसिएट प्रोफेसर एंड प्रोग्राम चेयर, मास्टर्स इन आर्किटेक्चरल हिस्ट्री एंड रिसर्च, फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर, सेण्ट यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद) ऑन 14 फरवरी 2025।
3. स्पेशल लेक्चर ऑन सगला बगला: इंडीजेनाइजेशन ऑफ द टर्किश बक्लावा इन सूरत, डिलीवर्ड बाय प्रो. विभूति पारिख (प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा) ऑन 18 फरवरी 2025।
4. स्पेशल लेक्चर ऑन ग्रामीण पत्रकारत्व मा मातृभाषा नु महत्व (इन गुजराती) बाय श्री अजय एम. नाइक एंड श्री कृष्णकांत उनडकट ऑन 21 फरवरी 2025।
5. स्पेशल लेक्चर ऑन इंडिया'स ग्रोथ स्टोरी: अ ह्यूमन डिवेलपमेंट अप्रोच बाय प्रो. सरिता अग्रवाल (डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज़ इन इकॉनॉमिक्स एंड प्लानिंग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, वडोदरा) ऑन 27 फरवरी 2025।

कार्यशालाएँ

1. टू-डेज वर्कशॉप ऑन सोशल साइंसेज़ इन द वर्नाक्युलर, ऑर्गनाइज़्ड बाय सेंटर फॉर सोशल स्टडीज़ (सीएसएस), सूरत ऑन 24 टू 25 मार्च, 2025 इन कोलेबोरेशन विथ इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), न्यू दिल्ली (ऑफलाइन)।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. डॉ. गगन बिहारी साहू, सामाजिक अध्ययन केंद्र, सूरत द्वारा 19 से 25 सितंबर 2024 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से ओएच-31 के अंतर्गत “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान लेखन और प्रकाशन (गुजराती में)” पर सात दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
2. सामाजिक अध्ययन केंद्र (सीएसएस), सूरत द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली (ऑफलाइन) के सहयोग से 12 से 18 फरवरी 2025 तक “हिंदी में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान लेखन और प्रकाशन (समाजविज्ञान अनुसंधान: लेखन-कौशल और प्रकाशन)” पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 8 विद्वान अपना पीएच.डी. शोध कार्य कर रहे हैं।

प्रकाशन

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. सनी, डी., और एस. पवार। “भारत का कपड़ा उद्योग: चुनौतियाँ, प्रतिस्पर्धा और आगे की राह।” *इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, खंड 7, अंक 2, मार्च-अप्रैल 2025। ई-आईएसएसएन: 2582-2160
2. सादविलकर, पी., और डी. सनी। “नवीकरणीय सूचकांक निधियों का उदय: भारत में तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण और रणनीतिक आवश्यकता।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, खंड 11, अंक 10, अक्टूबर 2024।
3. सनी, डी., और एम. सामंत। “अर्थव्यवस्थाओं में क्रिप्टोकॉर्सी की उत्पत्ति, अस्थिरता और प्रभाव।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च*, खंड 14, अंक 1, जुलाई-दिसंबर 2024।
4. वाघंड, ए., और डी. सनी। “भारत की विकसित होती भुगतान प्रणालियाँ।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च*, खंड 14, अंक 1, जुलाई-दिसंबर 2024।

कार्य पत्र

1. सनी, डी. “भारतीय रिज़र्व बैंक के लिए समीक्षित कार्य पत्र पर विशेषज्ञ टिप्पणियाँ 2025।”

पुस्तकालय

सीएसएस लाइब्रेरी ग्रंथसूची सहायता, फोटोकॉपी, वर्तमान जागरूकता और संदर्भ सहायता सहित कई सेवाएँ प्रदान करती है। यह पहुँच और प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए एसओयूएल और जेएसटीओआर जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयर और डिजिटल संसाधनों का उपयोग करती है।

पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं के पुराने संस्करणों और पत्रिकाओं सहित कुल 34,605 वस्तुओं का संग्रह है। रिपोर्टिंग वर्ष 2024-25 के दौरान, संग्रह में 137 नई पुस्तकें जोड़ी गईं।

पुस्तकालय वर्तमान में 43 अकादमिक पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है—40 राष्ट्रीय और 3 अंतर्राष्ट्रीय—तीन भाषाओं में: 29 अंग्रेजी में, 12 गुजराती में, और हिंदी व मराठी में एक-एक। इसके अतिरिक्त, सीएसएस को 10 पत्रिकाएँ एक्सचेंज के माध्यम से और 8 पत्रिकाएँ निःशुल्क प्राप्त होती हैं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीएसएस, सूरत

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	64.03	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	132.74
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	2.57
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	10.78
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	15.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	7.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फैलोशिप, परामर्श आदि)	6.35	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	18.04
कोई अन्य स्रोत	16.93		
आय से अधिक व्यय	4.82		
कुल	164.13	कुल	164.13

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वेतन और भत्ते

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र (सीएसएसएस), कोलकाता

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. प्रणब कुमार दास, “आयुष्मान भारत: भारतीय राज्यों में पहुँच और प्रभावकारिता”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. राजर्षि घोष, “जतिन्द्रमोहन भट्टाचार्य संग्रहालय, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्, बंगाल से सभी पांडुलिपियों और कुछ मुद्रित सामग्री का डिजिटलीकरण”, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय पुस्तकालय, फिलाडेल्फिया द्वारा वित्त पोषित।
3. ज्योत्सना जालान, “सुकन्या समृद्धि योजना: पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले का एक केस स्टडी” (अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना - सहयोगात्मक), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. इशिता बोराल, “प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)” (अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. रोसिका चौधरी, “विषयों और विश्वविद्यालय का उपनिवेशीकरण”, एंड्रयू डब्ल्यू. मेलन फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित (2019)।
2. रोसिका चौधरी, “पोस्टकोलोनियल प्रिंट नेटवर्क्स”, एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजना जिसमें छह देशों के आठ संस्थान शामिल हैं।
3. रोसिका चौधरी, “चीन का डिजिटल सिल्क रोड और चिप-आधारित भूराजनीति: भारत-ताइवान परिप्रेक्ष्य से एक महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक अध्ययन”, आईसीसीएस-ताइवान और अन्य भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित।
4. रोसिका चौधरी, “लैंगिक समानता: वैश्विक नेतृत्व में परिवर्तन”, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और घाना विश्वविद्यालय के सहयोग से।
5. प्रणब कुमार दास, “पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा: डेटा प्रबंधन और डेटा रखरखाव”, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वित्त पोषित।

6. राजर्षि घोष, "पूर्व-औपनिवेशिक बंगाल में शिक्षाशास्त्र और लिपिक संस्कृति: नवद्वीप साधारण ग्रंथागार से 2500 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण", दक्षिण एशिया सामग्री परियोजना, सेंटर फॉर रिसर्च लाइब्रेरीज (शिकागो) द्वारा वित्त पोषित।
7. राजर्षि घोष, "अल्पसंख्यक अतीत के अभिलेखागार: आधुनिक बंगाल में धर्म और राजनीति का मानचित्रण", आधुनिक लुमप्राय अभिलेखागार कार्यक्रम, यूसीएलए लाइब्रेरी द्वारा वित्त पोषित।
8. "प्रोफेसर आर.सी. मजूमदार (1888-1980) के शोधपत्रों की एक एनोटेटेड चेकलिस्ट का कैटलॉगिंग और प्रकाशन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस. एस.आर.) द्वारा वित्त पोषित।
9. "उच्च शिक्षा में शैक्षणिक नवाचार: पश्चिम बंगाल में नीति संक्षेप और प्रसार", उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वित्त पोषित।
10. सैबल कर, "पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा: विकास घाटे की पहचान और नीति विश्लेषण", स्व-प्रेरित।
11. सैबल कर, "संक्रमण का पता लगाना: भारतीय युवाओं के कौशल और श्रम बाजार परिणामों का एक अनुदैर्घ्य अध्ययन (2024-2029)", स्व-प्रेरित।
12. सौविक मुखर्जी, "वीडियो गेम के माध्यम से भारतीय विरासत को उजागर करना", निकु गेम्स के सहयोग से आईएनईई-एसईआरबी 'इमर्सिव गेम प्रोटोटाइप' श्रेणी-II अनुदान द्वारा वित्त पोषित।
13. "प्राचीन भारतीय बोर्डगेम्स: संरक्षण, प्रलेखन और सांस्कृतिक प्रभाव", आईआईटी इंदौर जेपीएन सेंटर फॉर ह्यूमैनिटीज द्वारा वित्त पोषित।
14. विभूति नायक, "झारखंड के सिंदुरिया और लोहड़िया समुदायों का नृवंशविज्ञान अध्ययन", डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय अनुसंधान संस्थान, झारखंड द्वारा वित्त पोषित।
15. विभूति नायक, "आदिवासी संस्कृति और सनातन धर्म के अंतर्संबंध की खोज: झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र में रॉक आर्ट और मेगालिथ का एक अध्ययन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार/

सम्मेलन

1. वन-डे नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हिस्ट्री एंड द आर्काइव: पर्सपेक्टिव्स, चैलेंजेस, प्रैक्टिसेस, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 7 मार्च 2025 इन कोलंबोरोशन विथ इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), न्यू दिल्ली।
2. टू-डेज नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन प्रिकेरीयस परफॉर्मेंस: जेंडर, लेबर एंड एम्बॉडीड कल्चर्स प्रेजेंट, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी फ्रॉम 20 टू 21 मार्च 2025 इन कोलंबोरोशन विथ आईसीएसएसआर, न्यू दिल्ली।
3. टू-डेज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिक फाइनेंस एंड पब्लिक पॉलिसी, ऑर्गनाइज्ड बाय सीटीआरपीएफपी फ्रॉम 6 टू 7 जनवरी 2025.
4. टू-डेज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एन इंटरडिसिप्लिनरी कॉन्फ्रेंस इन द सोशल साइंसेज: पीपल, कल्चर, स्पेसेज, ऑर्गनाइज्ड बाय डीएसएस फ्रॉम 9 टू 10 जनवरी 2025.
5. टू-डेज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एंटी-कोलोनीयल / डी-कोलोनीयल टेक्स्ट एंड प्रिन्ट इन द कोल्ड वॉर एरा: लाइव्स एंड आफ्टरलाइव्स, ऑर्गनाइज्ड बाय आईआरएनपीपीसी फ्रॉम 7 टू 8 फरवरी 2025.
6. टू-डेज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन क्रिटिकल ह्यूमैनिटीज: वेज ऑफ रीडिंग, ऑर्गनाइज्ड फ्रॉम 27 टू 28 फरवरी 2025.
7. टू-डेज इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कॉन्टेम्परी इश्यूज इन लेबर इकोनॉमिक्स, ऑर्गनाइज्ड फ्रॉम 25 टू 26 मार्च 2025.

सेमिनार

1. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन पॉलिटिकल साइंटिस्ट्स एट कोलकाता इन द मिडल डिकेड्स ऑफ द ट्वेंटीएथ सेंचुरी, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 21 अगस्त 2024.
2. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन स्टेजिंग रिवोल्यूशन: उत्पल दत्त 'स 'कल्लोल' (1965) एंड द केश्वन ऑफ 'स्पेक्टैक्युलर' एस्थेटिक्स इन कोलकाता'स लेफ्टिस्ट थिएटर प्रैक्टिस, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 4 अक्टूबर 2024.

3. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन स्वदेशी स्टीम: इकोनॉमिक नेशनलिज्म एंड मैरीटाइम राइवली इन कोलोनियल साउथ इंडिया, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 17 अप्रैल 2024.
4. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन ऑल दैट इज़ डांस: मैपिंग द फील्ड ऑफ क्रिटिकल डांस स्टडीज़ इन इंडिया, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 13 मई 2024.
5. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन ड्रीमिंग ऑब्जेक्ट्स: ओरहान पामुक'स म्यूज़ियम ऑफ़ इनोर्सेंस, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 29 मई 2024.
6. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन जर्नीइंग टू द फार्थेस्ट प्लेस ऑफ़ वर्शिप: सॉनिक एन्काउंटर्स ऑन सेक्रेड बॉर्डरलैंड्स, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 6 सितम्बर 2024.
7. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन सिंग्युलर शेल्क्स: एन इंट्रोडक्शन टू सिंगल्स स्टडीज़, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 23rd सितम्बर 2024.
8. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन अमेरिकन मुस्लिम पर्सपेक्टिव्स ऑन रेडिकलाइज़ेशन, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 17 जनवरी 2025.
9. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन वर्ल्डिंग वैल्यूइंग: इंट्रोड्यूसिंग द रिकर्सिव मेडिएशन फ्रेमवर्क, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 20 जनवरी 2025.
10. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन ब्यूरोक्रेटिक आर्कियोलॉजी: स्टेट, साइंस एंड पास्ट इन पोस्टकोलोनियल इंडिया, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 19 फरवरी 2025.
11. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन द स्टेट्स ऑफ़ फ्रीडम ऑफ़ रिलिजन और बिलीफ़ इन इंडिया: अ रिपोर्ट, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 24 फरवरी 2025.
12. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन वोटिंग फॉर द पीपल: द आइडिया ऑफ़ डेमोक्रेसी इन इंडियन एंटीकोलोनियल थॉट, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 11 मार्च 2025.
13. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन डेथ बाय वॉटर इज़ अ लाइफ़ बाय चॉइस? सेक्स वर्क ऑन द इरोडिंग कोस्ट्स ऑफ़ सुंदरबन्स, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 24 मई 2024.
14. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन रिफ्रेमिंग द सिटी: द पॉलिटिक्स ऑफ़ स्पेशियल रिलेशनशिप्स इन इंडस्ट्रियल कानपुर एंड पोस्ट-बाबरी कोलकाता, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 7 अगस्त 2024.
15. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन ई-साहित्य, ई-लिट, और व्हाट यू मे नॉट! द कॉन्टेस्टेड इमर्जेन्स ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक विदिन द लिटरेरी इन इंडिया, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 20 सितम्बर 2024.
16. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन सीड्स ऑफ़ रिवोल्ट: द इंडिगो स्कैंडल इन द कोलोनियल पब्लिक स्पेस, 1855-1862, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 12 फरवरी 2025.
17. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन पोएट'स वर्ल्ड एंड पोएट'स वेज़ ऑफ़ नोइंग, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 21 मई 2024.
18. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन फ्रॉम कोलोनियलिज्म टू पॉपुलिज्म: सिविक स्टैच्यूरी एंड कोलकाता'स कल्चरल हिस्ट्री, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 16 अगस्त 2024.
19. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन इन द शैडो ऑफ़ एम्पायर: ऑन द मूविंग स्टैच्यूज़ ऑफ़ द सिटी'स विक्टोरिया मेमोरियल, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 16 अगस्त 2024.
20. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन लीगलाइजिंग द रिवोल्यूशन: इंडिया एंड द कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ़ द पोस्टकोलोनी, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 19 अगस्त 2024.
21. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन लिविंग थ्रू एंड आफ्टर द कोल्ड वॉर: अ कन्वर्सेशन, ऑर्गनाइज्ड बाय जेबीएमआरसी ऑन 6 फरवरी 2025.
22. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन ऑन द गोल्डन रूल ऑफ़ कैपिटल अक्यूम्यूलेशन अंडर स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 12 जून 2024.
23. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन जेंडर्ड ट्रांसपोर्ट सब्सिडी एंड इट्स शॉर्ट रन इफेक्ट ऑन फीमेल एंजॉयमेंट: एविडेन्स फ्रॉम दिल्ली'स पिक पास स्कीम, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 26 जून 2024.
24. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन डू इंडिविजुअल्स फॉलो रिकमेंडेशन?, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 10 जुलाई 2024.

25. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन सोशल आइडेंटिटी एंड डिप्रेषन अमंग द एल्डरली: एविडेन्स फ्रॉम इंडिया, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 9 अगस्त 2024.
26. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन मोअर पावरफुल डिफरेंस-इन-डिफरेंस, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 16 अगस्त 2024.
27. वन-डे नेशनल सेमिनार ऑन द गुड, द बैड एंड द अग्ली: इफेक्ट्स ऑफ AI क्वालिटी इन्फॉर्मेशन ऑन डिटेक्टिंग टेक्स्ट-बेस्ड लाइज, ऑर्गनाइज्ड बाय द इकोनॉमिक्स स्टडी ग्रुप, सीएसएसएससी ऑन 6 सितम्बर 2024.
28. वन-डे इंटरनेशनल सेमिनार ऑन द हिस्ट्री ऑफ सोशियोलॉजी इन इंडिया: थिंकिंग थ्रू एंड अगेंस्ट इट, ऑर्गनाइज्ड बाय सीएसएसएससी ऑन 28 मार्च 2025.

व्याख्यान

1. पब्लिक लेक्चर ऑन बॉडी ऑफ वर्क: फेमिनिस्ट थिएटर प्रैक्टिसेस इन इंडिया सिंस द '80 एंड वाइब्रेंट मैटर: द फिनोमेनोलॉजी ऑफ स्टेजक्राफ्ट, डिलीवर्ड बाय प्रो. अनुराधा कपूर (फॉर्मर डायरेक्टर, स्कूल ऑफ ड्रामा, न्यू दिल्ली) ऑन 28 दू 29 नवम्बर 2024.
2. पब्लिक लेक्चर ऑन ब्रिंगिंग एन आर्काइव टू लाइफ: सेलिब्रेटिंग बुद्धदेव बोस, डिलीवर्ड बाय प्रो. सौरिन भट्टाचार्य ऑन 30 नवम्बर 2024 एट जेबीएमआरसी.
3. पब्लिक लेक्चर ऑन चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ फिस्कल फेडरलिज्म: इम्पैक्ट ऑफ गवर्नेंस ऑफ द स्टेट्स, डिलीवर्ड बाय डॉ. एच. के. द्विवेदी (चेयरमैन, 6 स्टेट फाइनेंस कमीशन एंड फॉर्मर चीफ सेक्रेटरी, गवर्नमेंट ऑफ वेस्ट बंगाल) ऑन 10 फरवरी 2025 एट जेबीएमआरसी.
4. पब्लिक लेक्चर ऑन इन द फुटस्टेप्स ऑफ डेविड मैककटचियन: ब्रिक टेम्पल्स ऑफ बंगाल, डिलीवर्ड बाय डॉ. जॉर्ज मिशेल (एमिनेंट आर्ट हिस्टोरियन) ऑन 6 दिसम्बर 2024 एट जेबीएमआरसी.

कार्यशालाएं

1. टू-डे वर्कशॉप ऑन डिजिटाइजेशन फ्रॉर आर्काइव्स, डिजिटल प्रिजर्वेशन एंड मेटाडेटा स्टैंडर्ड्स, ऑर्गनाइज्ड बाय द सीएसएसएससी आर्काइव्स ऑन 16 दू 17 अप्रैल 2024 (ऑफलाइन).
2. टू-डे वर्कशॉप ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन पब्लिक फाइनेंस एंड टैक्सेशन, ऑर्गनाइज्ड बाय द सीटीआरपीएफपी ऑन 6 दू 7 सितम्बर 2024 (ऑफलाइन).

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 3 विद्वानों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की और 8 विद्वानों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। वर्तमान में कुल 59 विद्वान पीएचडी शोध कर रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. चौधुरी, आर.. इंडिया'ज़ फ़र्स्ट रेडिकल्स: यंग बंगाल एंड द ब्रिटिश एम्पायर. पेंगुइन वाइकिंग, 2025
2. देशपांडे, पी. देशाच्या भाषा, देशाचे लोक एंड देशाची फळनी [मराठी ट्रांसलेशनस फ्रॉम बंगाली ऑफ हिस्ट्री बुक्स फ्रॉर चिल्ड्रन बाय अन्वेषा सेनगुप्ता, देववती बागची, एंड तित्ता दास]. मनोविकास पब्लिकेशन्स, 2024
3. मार्जित, एस., & मंडल, बी. (ईडीएस). इंटरनेशनल ट्रेड, रिसोर्स मोबिलिटी एंड एडजस्टमेंट्स इन अ चेंजिंग वर्ल्ड: एस्सेज इन मेमोरी ऑफ रोनाल्ड डब्ल्यू. जोन्स. स्प्रिंगर-नेचर. 2024 <https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-97-5652-0>

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. चौधुरी, आर. वॉइस. इन एस. प्रायर (ईडी.), द कैम्ब्रिज कम्पैनिन टू द पोएम (पीपी. 117-133). कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस. 2024
2. चौधुरी, आर. निर्मल वर्मा एंड द सिंगुलैरिटी ऑफ लिटरेरी प्रोडक्शन. इन एस. हेल्गेसन, सी. लिंगे, एस. मुखर्जी, एंड जे. पेलग (ईडीएस.), लिटरेचर एंड द वर्क ऑफ यूनिवर्सलिटी. दे ग्रुइटर. 2024
3. बनर्जी, टी.एन. स्टेजिंग रेवोल्यूशन: उत्पल दत्त 'ज़ कल्लोल' (1965) एंड द केशन ऑफ 'स्पेक्टैक्युलर' एस्थेटिक्स इन कलकत्ता'ज़ लेफ्टिस्ट थिएटर प्रैक्टिस. इन बी. दत्त एंड एस. जेस्ट्रोविक (ईडीएस.), इन सर्च ऑफ द लेफ्ट थ्रू थिएटर, एक्टिविज्म एंड ऑटो/बायोग्राफी. मैन्चेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस. 2024
4. बनर्जी, टी.एन. कल्लोल एंड द इन्कासरेशन ऑफ उत्पल दत्त: स्टेट रिप्रेषन, सेंसरशिप एंड द स्ट्रगल फ्रॉर 'नेशनल'

- हिस्ट्री. इन G. सॉन्डर्स एंड ए. एतिएन (ईडीएस.), *द पॉल्ग्रेव हेंडबुक ऑन थिएटर सेंसरशिप*. पॉल्ग्रेव मैकमिलन. 2024
5. बनर्जी, टी.एन. न्यू मैसक्युलिनिटीज़ एंड ऑथॉरिटेरियन एस्थेटिक्स इन कंटेम्पररी बॉम्बे सिनेमा. इन आर. गोस्वामी, ए. डी. डुबिन, एंड I. शर्मा (ईडीएस.), *इंडियन सिनेमा एंड ह्यूमन राइट्स: एन इंटरसेक्शनल टेल*. स्प्रिंगर. 2024
 6. इस्लाम, एम. कम्युनिस्ट्स एंड द फुलफ़िलमेंट ऑफ़ सेक्युलर प्रॉमिसेज़ इन वेस्ट बंगाल. इन ए. सेनगुप्ता एंड ओ. गोयल (ईडीएस.), *द वर्किंग ऑफ़ द इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन 2025* (पीपी. 152–159). रूटलेज.
 7. इस्लाम, एम. डेमोक्रेसी: थ्योरी एंड प्रैक्टिस. इन एस. तत्त्वसरणंद (ईडी.), *पॉलिटिकल साइंस: टीचिंग एंड लर्निंग* (पीपी. 62–65). रामकृष्ण मिशन शिक्षामंदिर. 2024
 8. कर, एस. अनएम्प्लॉयमेंट, लेबर फ़ोर्स पार्टिसिपेशन, एंड ग्रोथ इन पोस्ट-इंडिपेंडेंस इंडिया. इन बी. चटर्जी एंड जे. सस्मल (ईडीएस.), *द इंडियन इकोनॉमी @75: सक्सेस एंड चैलेंजेज़*. रूटलेज. 2024
 9. कर, एस., कर, एम., एंड मार्जित, एस. इन्फ़्लेशन, इंडेक्सेशन एंड रियल वेज ऑफ़ नॉन-यूनियनाइज़्ड वर्कर्स. इन एस. मार्जित एंड बी. मंडल (ईडीएस.), *इंटरनेशनल ट्रेड, रिसोर्स मोबिलिटी एंड एडजस्टमेंट्स इन अ चेंजिंग वर्ल्ड: एस्सेज़ इन मेमोरी ऑफ़ रोनाल्ड डब्ल्यू. जोन्स* (चैप्टर 21, पीपी. 437–452). स्प्रिंगर. 2024
 10. कर, एस., एंड गुहा, एस. ट्रेड इन इंटरमीडिएट्स, इंडस्ट्रियल श्रेयोल्ड एंड सस्टेनेबल इमिशन इन साउथ एशिया. इन एस. मार्जित एंड बी. मंडल (ईडीएस.), *इंटरनेशनल ट्रेड, रिसोर्स मोबिलिटी एंड एडजस्टमेंट्स इन अ चेंजिंग वर्ल्ड* (चैप्टर 11, पीपी. 229–258). स्प्रिंगर 2024
 11. कर, एस. रिसोर्स, इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्टिटी एंड इंटरनेशनल कॉन्फ़्लिक्ट्स. इन ओ. मिश्रा एंड एस. सेन (एड्स.), *ग्लोबल पॉलिटिकल इकोनॉमी, जियोपॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल सिक्वोरिटी* (चेप्टर 5, पृ. 69–90). पेलग्रेव मैकमिलन. 2024
 12. मुखर्जी, एस. नो साइक्लोन इन एज ऑफ़ एम्पायरस: एम्पायर, इकॉलॉजी एंड वीडियो गेम्स. इन जे. रैसेंस (एड.), *इकोगेम्स (ग्रीन मीडिया सीरीज़)*. एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी प्रेस. 2024
 13. मुखर्जी, एस. द वीडियो गेम वर्जन ऑफ़ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट: द एज़ॉटिक एंड द कॉलोनाइज़्ड. इन सी. पैटरसन एंड टी. फिकल (एड्स.), *मेड इन एशिया/अमेरिका: व्हाई वीडियो गेम्स वेयर नेवर (रियली) अबाउट अस*. ड्यूक यूनिवर्सिटी प्रेस. 2024
 14. मुखर्जी, एस. प्लेयिंग इंडियन लिटरेचर. इन ए. नेरलकर एंड यू. अंजरिया (एड्स.), *ऑक्सफ़र्ड हेंडबुक ऑफ़ इंडियन लिटरेचर*. ऑक्सफ़र्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. 2024
 15. मंडल, बी., बर्धन, ए. आर., एंड चौधुरी, एस. कंट्रोलिंग एनवायरनमेंटल पोल्यूशन, सेक्टरल कम्पोज़िशन एंड फ़ैक्टर प्राइसेज़: अ एच-ओ एंड एसएफ़एम हाइब्रिड अप्रोच. इन एस. मार्जित एंड बी. मंडल (एड्स.), *इंटरनेशनल ट्रेड, रिसोर्स मोबिलिटी एंड एडजस्टमेंट्स इन अ चेंजिंग वर्ल्ड: एस्सेज़ इन मेमोरी ऑफ़ रोनाल्ड डब्ल्यू. जोन्स*. स्प्रिंगर. 2024
- शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख**
1. चौधुरी, रोसिका। “बस रवींद्रनाथ।” *टाइम्स लिटरेरी सप्लीमेंट*, 19 जुलाई 2024।
 2. चौधुरी, देबदत्ता। “किनारे पर रहना: भारत-बांग्लादेश सीमा पर गतिशीलता, सुरक्षा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी।” *फ्रंटलाइन मैगज़ीन* (द हिंदू), 31 मार्च 2025।
 3. कुमार, सुरजीत। “कोलकाता के बाईपास शहरीकरण का गलियारा।” *द हिंदू*, 2024, <https://www.thehindu.com/opinion/op-ed/the-corridor-of-kolkatas-bypass-urbanism/article68047542.ece>.
 4. दास, अनिर्बान। “शोरिर राजनीति: मृत्युरसोंगे मोकाबिला।” *स्वार*, जनवरी 2025, पृ. 21–35।
 5. दास, अनिर्बान। “चिन्ताबिदेर तत्वायन्।” *बोयर देश*, वॉल्यूम। 20, नहीं. 3, जुलाई-सितंबर। 2024.
 6. दास, अनिर्बान। “ओनेकांतो टोर्कर परिचय।” *देश*, खंड. 91, नहीं. 23, 2 अक्टूबर 2024।
 7. दास, अनिर्बान, और अंजन चट्टोपाध्याय। “चिन्ताबिदेर तत्वायन्।” *बोयर देश*, वॉल्यूम। 20, नहीं. 3, जुलाई-सितंबर। 2024.
 8. दास, अनिर्बान और समर्षि चक्रवर्ती। “ओनेकांतो टोर्कर परिचय।” *देश*, खंड. 91, नहीं. 23, 2 अक्टूबर 2024।
 9. दास, प्रणब कुमार। “व्यापारिक संबंधों के बिना संक्रमण का एक मॉडल।” *अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और आर्थिक नीति*, खंड 22, अंक 1, 2024, <https://doi.org/10.1007/s10368-024-00637-5>.

10. देशपांडे, प्राची. "लोकतिहास का खोज करने वाले प्रभाववी, पथदर्शक, इतिहास - रणजीत गुहा (1913-2023)।" *भारतीय इतिहास आनि संस्कृति*, खंड 59, नं. 233-236, 2024, पृ. 58-64.
11. घोष, रंजन और उदिति रे। "पूर्वी पाकिस्तान और बांग्लादेश में जाति प्रश्न।" *दक्षिण एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व का तुलनात्मक अध्ययन*, खंड 44, अंक 3, 2024, पृष्ठ 565-576।
12. इस्लाम, मैदुल। "समकालीन भारत में अधिनायकवाद और बहुसंख्यकवादी धार्मिक राष्ट्रवाद।" *वर्ल्ड अफेयर्स*, खंड 187, अंक 2, 2024, पृष्ठ 137-150, <https://doi.org/10.1002/waf2.12018>.
13. कर, सैबल, आदि। "घरेलू स्तर पर मशीन लर्निंग वर्गीकरण के साथ बहुआयामी गरीबी की स्थिति की भविष्यवाणी: तंजानिया से अनुभवजन्य साक्ष्य।" *आईईईई एक्सेस*, 2024, <https://doi.org/10.1109/ACCESS.2024.1234567>.
14. कर, सैबल, नीलांजन दत्ता, और एंड्रयू स्टिवर्स। "भारत में कथित भ्रष्टाचार, आर्थिक स्वतंत्रता और फर्में।" *व्यापार और राजनीति*, खंड 26, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 621-648, <https://doi.org/10.1017/bap.2024.23>.
15. कर, सैबल, नीलांजन दत्ता, और इशरत जहाँ। "पर्यावरण नीति कार्यान्वयन, लिंग और भ्रष्टाचार।" *शासन का अर्थशास्त्र*, 2024, <https://doi.org/10.1007/s10287-024-00303-4>.
16. कर, सैबल, और सुगाता मार्जित। "क्या कौशल प्रवास अकुशल श्रमिकों को नुकसान पहुँचाता है? सिद्धांत और अंतर-देशीय साक्ष्य।" *अंतराष्ट्रीय प्रवास*, खंड 62, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 41-56, <https://doi.org/10.1111/imig.12345>.
17. कर, सैबल, नीलांजन दत्ता, और सुमेधा रे। "भारत में लॉकडाउन और ग्रामीण बेरोजगारी: रोजगार में लैंगिक असमानता?" *द जर्नल ऑफ डेवलपिंग एरियाज़*, जुलाई 2024
18. मुखर्जी, सौविक। "वीडियोगेम और कला पर मार्ग विशेषांक।" *मार्ग: कला की एक पत्रिका*, 2024, <https://www.marg-art.org/marg-special-issue-videogames-and-art>.
19. मुखर्जी, सौविक, आदि। "गेम्स, बुक्स, एंड गेमबुक्स।" *जर्नल ऑफ गेमिंग एंड वर्चुअल वल्ड्स*, खंड 16, अंक 2, 2024
20. मुखर्जी, सौविक और ज़ोया रिज़वी। "'आपका अधीनस्थ मेरा अधीनस्थ नहीं है': अंतर्संबंध और एक एकल खेल-कहानी के खतरे।" *गेम: द इटैलियन जर्नल ऑफ गेम स्टडीज़*, 2024।
21. मुखर्जी, सौविक। "पुस्तक समीक्षा: *अस्सी खेलों में दुनिया भर में*।" *बिब्लियो: पुस्तकों की समीक्षा*, 2024, <https://www.biblioindia.in/book-reviews/around-the-world-in-eighty-games>.
22. नायक, कंचन वी., आदि। "प्राचीन पत्थरों की कहानियाँ: झारखंड, भारत में मूल निवासियों (मुंडाओं) की एक जीवंत परंपरा।" *सामाजिक विकास और इतिहास*, खंड 24, अंक 2, 2025
23. नायक, कंचन वी. "स्वदेशी महिलाओं द्वारा स्वदेशी विरोधी हिंसा का मूल्यांकन: एक अंतर्विभागीय विश्लेषण।" *अल्टरनेटिव: स्वदेशी लोगों का एक अंतराष्ट्रीय जर्नल*, 2024, <https://doi.org/10.1177/1177180124123456>.
24. नायक, कंचन वी. "स्वास्थ्य केंद्र में भेदभाव: झारखंड, भारत में आदिवासी महिलाओं और दाइयों के अनुभव।" *द ओरिएंटल एंथ्रोपोलॉजिस्ट*, खंड 24, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 284-302
25. संगमेश्वरन, प्रिया। "शहरी संपत्ति के वैकल्पिक दृष्टिकोण का नुकसान: महाराष्ट्र में यूएलसीआरए के निरसन के बाद का प्रक्षेप पथ।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 60, अंक 9, 2024, पृष्ठ 41-47।
26. सिंह, अंजलि। "बहुसंख्यक पिछड़ी जातिकी महिला होने के मायने।" *समाजशास्त्र, विकास और लोकतंत्र: 49वें अखिल भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन*, 2024 की कार्यवाही।
27. सिंह, अंजलि। "बंधुआ मजदूरों का जीवन और उसके बाद का जीवन: आवाज़ें और खामोशियाँ की समीक्षा: फ़िजी और कैरिबियन के गिरमिटिया और जहाजियों के आख्यान।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 21, 25 मई 2024।
28. सिंह, अंजलि और अनंत सिंह। "भारतीय ईसाई धर्म पर अम्बेडकर: एक आलोचना की ओर।" *दक्षिण एशिया: दक्षिण एशियाई अध्ययन पत्रिका*, 2025, <https://doi.org/10.1080/00856401.2025.1234567>.

29. मंडल, बिस्वजीत, और मनीषा दास। “समय क्षेत्रों से संबंधित दूरी और विलंब लागत के कारण व्यापार में बदलाव: एक सैद्धांतिक व्याख्या।” *मैनचेस्टर स्कूल*, 2025, <https://doi.org/10.1111/manc.125>.
30. मॉडल, बिस्वजीत, सुगाता मार्जीत, और लिक्सिन यांग। “नया व्यापार सिद्धांत पुराने व्यापार सिद्धांत में परिवर्तित होता है: एक प्रारंभिक सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक थ्योरी*, खंड 20, अंक 4, 2024, पृष्ठ 393–501, <https://doi.org/10.1111/ijet.12412>.
31. मंडल, बिस्वजीत, लेखा रॉय चक्रवर्ती, और अरिंदम सान्याल। “ऑनलाइन मार्केटिंग, उत्पादन, लाभ और वृद्धि का एक सरल मॉडल।” *सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र*, खंड 31, संख्या 4(641), 2024, पृष्ठ 53–66, <https://store.ectap.ro/articole/1785.pdf>.
32. मंडल, बिस्वजीत और ए.एस. प्रसाद। “समय क्षेत्रों में श्रम कौशल और ऑफ़शोरिंग में भिन्नता।” *स्कॉटिश जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल इकोनॉमी*, खंड 71, अंक 4, 2024, पृष्ठ 553–569, <https://doi.org/10.1111/sjpe.12379>.
33. मंडल, बिस्वजीत, बी. भट्टाचार्य, और सप्तर्षि चौधरी। “माता-पिता का सौदेबाजी और बाल स्वास्थ्य: एक सैद्धांतिक नोट।” *एसएन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स*, खंड 4, संख्या 4, 2024, अनुच्छेद 44, <https://doi.org/10.1007/s43546-024-00637-2>.

पुस्तकालय

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय के ई-संसाधनों और अन्य पठन सामग्री ब्राउज़ करने के लिए वाई-फ़ाई सुविधा के साथ-साथ पठन सुविधाएँ भी प्रदान करता है। उधार सेवाएँ केवल संस्थागत सदस्यों के लिए ही उपलब्ध हैं। शोधकर्ताओं को संदर्भ

सेवाओं, ग्रंथसूची सहायता, अनुकूलित सूचना सेवाओं, डेटाबेस खोजों, रेफरल सेवाओं और पुनरुत्पादन सुविधाओं का लाभ मिलता है। वाचनालय अच्छी तरह हवादार है और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जोड़ने के लिए पर्याप्त पोर्ट से सुसज्जित है। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय के अंदर विशेष पठन डेस्क की व्यवस्था की गई है।

वर्तमान में, पुस्तकालय किसी विशिष्ट डिजिटलीकरण सॉफ़्टवेयर का उपयोग नहीं करता है। हालाँकि, संपूर्ण पुस्तक संग्रह ऑनलाइन सूचीबद्ध है। पुस्तक संचलन का प्रबंधन केओएचए के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जाता है, जो एक एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली है जो वास्तविक समय प्रसंस्करण को सक्षम बनाती है। इसके साथ ही, पुस्तकालय संचलन का मैनुअल रिकॉर्ड भी रखता है।

पुस्तकालय ने अपनी स्थापना के बाद से पत्रिकाओं के लगभग सभी पुराने संस्करणों को संरक्षित किया है और जब भी संभव हो किसी भी लापता मुद्दे को प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान कोई विशेष अधिग्रहण नहीं किया गया था। ई-संसाधनों के लिए, पुस्तकालय पूरी तरह से आईसीएसएसआर-नैसडॉक कंसोर्टियम पर निर्भर करता है, जो जेएसटीओआर, सीएमआईई प्रोवेसआईक्यू, जे-गेट, इंडियास्टैट. कॉम और अन्य जैसे डेटाबेस तक पहुँच प्राप्त करता है। इस वर्ष एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू की गई वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) योजना थी, जो केंद्र के आईपी पते के माध्यम से प्रमुख प्रकाशकों के कई प्रमुख ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करती है। आईसीएसएसआर-नैसडॉक टीम ने इस आईपी-आधारित सेवा को सक्रिय करने के लिए सभी आईसीएसएसआर शोध संस्थानों में लाइब्रेरियन का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, पुस्तकालय ने लगभग 23 भारतीय पत्रिकाओं के लिए सदस्यता का नवीनीकरण किया और पुस्तकालय के संग्रह में एक नई पत्रिका जोड़ी गई।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024–25

सीएसएसएस, कोलकाता

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	294.95	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	662.46
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	47.78
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	242.01	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00

आय	राशि	व्यय	राशि
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	32.01	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	0.00
कोई अन्य स्रोत	17.19	विविध व्यय	0.00
आय पर व्यय की अधिकता	74.08		
कुल	710.24	कुल	710.24

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वेतन और भत्ते

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस), नई दिल्ली**अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)**

1. एन. मणिमेकलाई, “तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में महिला स्वच्छता कर्मचारियों के बीच टूटी हुई छतें और लिंग और आजीविका के सवालों का खुलासा”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
2. नीता एन, “समुदाय द्वारा संचालित प्रशामक देखभाल: महिला स्वयंसेवकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. नीता एन, “महिलाओं का भूमि से संबंध: खाद्य परंपराओं के विकास में महिलाओं की भूमिका के माध्यम से भूमि स्वामित्व और एजेंसी का एक अध्ययन”, रोजा लकजमबर्ग स्टाफ्टिंग (आरएलएस), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. रेणु अदलखा, “विकलांगता और कामुकता का अंतर्विषयक विश्लेषण”, भारत में फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित, नई दिल्ली।
5. वंदना, “बेटियों की (उच्च) शिक्षा के लिए बातचीत करती माताएँ: बाल्मीकि समुदाय में जाति, वर्ग और लिंग के अंतर्संबंध का अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. एन. मणिमेकलाई और गायत्री पांडा, “इंजीनियरिंग शिक्षा में महिलाएं: एक तकनीकी संस्थान में छात्रों के अनुभव की खोज”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

7. एन. मणिमेकलाई और भास्वती ठाकुरता, “यमुना फ्लडप्लेन में प्रवासी महिलाओं का जीवन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. सीमा काजी और नयनतारा सिंह, “माइक्रो क्रेडिट और महिला उद्यमिता: मंगोलपुरी क्षेत्र (दिल्ली) का एक केस स्टडी”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
9. सीमा काजी और विजय कुमार झा, “राष्ट्रीय चुनाव और महिलाओं का मतदान व्यवहार: दिल्ली का संदर्भ”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. बिजोया रॉय और खुंडोंगबाम ज्ञानबती देवी, “दिल्ली और एनसीआर में उत्तर-पूर्व क्षेत्र की प्रवासी महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. एन. मणिमेकलाई और वी. मधुरिमा, “एसटीईएम क्षेत्रों में लैंगिक बाधाएँ: महिला पेशेवरों के अनुभवों की खोज”, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से
2. नीता एन, “सह-कार्यशील स्थान और महिलाएं: एक खोजपूर्ण अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

3. नीता एन, संघमित्रा जन चटर्जी और अखलाक अहमद, "महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध की खोज: रुझान और योगदान कारक", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. रेणु अदलखा, "उम्र बढ़ने और विकलांगता के अंतर्संबंध: दिल्ली में एक खोजपूर्ण अध्ययन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. रेणु अदलखा, "भूली हुई विषयपरकताएं और अधीनस्थ स्व: दक्षिण एशिया में विकलांगता के इतिहास की खुदाई", स्व-प्रेरित।
6. वंदना, "उच्च शिक्षा संस्थान और निवारण तंत्र: आंतरिक शिकायत समितियों की भूमिका और कार्यप्रणाली पर एक खोजपूर्ण अध्ययन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
7. संघमित्रा जन चटर्जी, अखलाक अहमद और रत्ना शर्मा, "सम्मेलन दस्तावेजों और मौखिक इतिहास साक्षात्कारों का डिजिटलीकरण: स्मृति से इतिहास तक", फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
8. सीमा काजी और नयनतारा सिंह, "स्वनिधि योजना और महिलाओं के स्वरोजगार का प्रश्न: उत्तरी दिल्ली का एक अध्ययन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
9. सीमा काजी और विजय कुमार झा, "राष्ट्रवाद और महिला प्रश्न: हिंदी पत्रिका चाँद का संदर्भ", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. एन. मणिमेकलाई और गायत्री पांडा, "उच्च शिक्षा के मार्ग: एक लैंगिक विश्लेषण", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
11. बिजोया रॉय और खुंडोंगबाम ज्ञानबती देवी, "पूर्वोत्तर महिला श्रमिकों का जीवन और उनकी स्वास्थ्य चुनौतियाँ: भारत के एक महानगरीय शहर में एक अध्ययन", भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. नीता, एन, "हर ओन वडर्स: स्टोरीज़ ऑफ़ चेंज", रोज़ा लकज़मबर्ग स्टिफ्टिंग (आरएलएस) द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भारत में प्रजनन न्याय" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, बीवीएसएसएस, नई दिल्ली के सहयोग से 6 से 7 फरवरी 2025 तक भाई वीर सिंह साहित्य सदन (बीवीएसएसएस) में आयोजित किया गया।
2. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "अतीत पर चिंतन: भविष्य की ओर देखना: समानता की ओर पचास वर्षों का जश्न मनाने के लिए एक सम्मेलन" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली के सहयोग से 3 से 5 मार्च 2025 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

पैनल चर्चाएँ

1. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 2 अप्रैल 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली में आयोजित "महिला अध्ययन पोर्टल पर महिलाएँ और सूचना एवं ज्ञान गेटवे" विषय पर एक दिवसीय पैनल चर्चा।
2. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में विकलांगता समावेशन" पर एक दिवसीय परामर्श, 3 मई 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

व्याख्यान

1. पब्लिक लेक्चर ऑन योगा फॉर वीमेन्स हेल्थ, डिलिवर्ड बाय डॉ. लक्ष्मी निशिता जे. (साइंटिस्ट-बी, डिपार्टमेंट ऑफ़ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बेंगलुरु) ऑन 21 जून 2024।
2. पब्लिक लेक्चर ऑन साइलेंसेज फ्रॉम माई फ्रील्ड नोट्स, डिलिवर्ड बाय डॉ. के. सुनीता रानी (प्रोफेसर एंड हेड, सेंटर फॉर वीमेन्स स्टडीज़, यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद) ऑन 27 अगस्त 2024।

3. पब्लिक लेक्चर ऑन स्लीप हेल्थ: एन इमर्जिंग कन्सर्न, डिलिवर्ड बाय डॉ. कमलेश के. गुलिया (साइंटिस्ट-जी एंड इन-चार्ज, डिवीजन ऑफ स्लीप रिसर्च, बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी विंग, श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टिट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज़ एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम, केरल) ऑन 10 जनवरी 2025।

कार्यशाला

1. दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए महिला अध्ययन पोर्टल पर नॉलेज गेटवे के आधिकारिक शुभारंभ के अवसर पर, सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 2 अप्रैल 2024 (हाइब्रिड मोड) को आयोजित "महिलाएं और सूचना" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला
2. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 18 अप्रैल 2024 को वाईडब्ल्यूसीए, नई दिल्ली में "महिला अध्ययन केंद्रों की क्षमता निर्माण" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 24 अप्रैल 2024 को आईआईसी, नई दिल्ली में "प्रारंभिक और बाल विवाह पर अध्ययन" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. 13 मई 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा महिला और लिंग अध्ययन विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के सहयोग से "दक्षिण एशिया में महिला अध्ययन पर ज्ञान गेटवे पर संसाधन साझाकरण और नेटवर्किंग" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
5. 14 मई 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा पद्मा कन्या महिला अध्ययन विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के सहयोग से "दक्षिण एशिया में महिला अध्ययन पर ज्ञान गेटवे पर संसाधन साझाकरण और नेटवर्किंग" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
6. 3 जून 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा महिला अध्ययन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय (ऑनलाइन मोड) के सहयोग से "दक्षिण एशिया में महिला अध्ययन पर ज्ञान गेटवे पर संसाधन साझाकरण और नेटवर्किंग" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
7. 19 जून 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा महिला अध्ययन केंद्र और अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (ऑफलाइन) के सहयोग से "महिलाएं और कार्य: समानता की ओर पुनर्विचार" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
8. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 24 जून 2024 को महिला अध्ययन केंद्र, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहयोग से "लैंगिक परिप्रेक्ष्य में श्रम संहिता: महिला श्रमिकों पर प्रभाव" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
9. 24 जून 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा महिला अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय (हाइब्रिड मोड) के सहयोग से "दक्षिण एशिया में महिला अध्ययन पर ज्ञान गेटवे पर संसाधन साझाकरण और नेटवर्किंग और संदर्भ प्रबंधन सॉफ्टवेयर" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
10. 26 जून 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा हैदराबाद विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से "महिला अध्ययन / लिंग अध्ययन शिक्षण: प्रतिबिंब, अनुभव और चुनौतियां" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
11. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 13 सितंबर 2024 को महिला अध्ययन केंद्र, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (ऑनलाइन मोड) के सहयोग से "सार्वजनिक पहुंच सूची और संदर्भ प्रबंधन प्रणाली" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
12. 25 सितंबर 2024 को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर के सहयोग से सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा "टेबल पर बातचीत" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
13. 27 सितंबर 2024 को वीना मजूमदार मेमोरियल फंड (वीएमएमएफ), सीडब्ल्यूडीएस और महिला अध्ययन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "परिवर्तन की परिकल्पना: पूर्वोत्तर भारत में महिला अध्ययन केंद्रों में समानता की ओर 50 वर्ष" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला।
14. 9 अक्टूबर 2024 को वीना मजूमदार मेमोरियल फंड (वीएमएमएफ), सीडब्ल्यूडीएस और ताराभाई शिंदे महिला अध्ययन केंद्र, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "परिवर्तन की कल्पना: समानता की ओर 50 वर्ष" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला।

15. 29 अक्टूबर 2024 को वीना मजूमदार मेमोरियल फंड (वीएमएमएफ), सीडब्ल्यूडीएस और महिला अध्ययन केंद्र, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमेन, कोयंबटूर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "परिवर्तन की कल्पना: समानता की ओर 50 वर्ष" विषय पर एक दिवसीय दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला।
16. 6 नवंबर 2024 को वीना मजूमदार मेमोरियल फंड (वीएमएमएफ), सीडब्ल्यूडीएस और महिला अध्ययन स्कूल, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "परिवर्तन की कल्पना: समानता की ओर 50 वर्ष" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला।
17. 16 नवंबर 2024 को वीना मजूमदार मेमोरियल फंड (वीएमएमएफ), सीडब्ल्यूडीएस और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एमयू), अलीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "परिवर्तन की कल्पना: छात्रों के साथ वैश्विक युग में समानता की ओर 50 वर्ष" विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला।
18. 12 दिसंबर 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा "ओएच31 पूर्ण परियोजनाओं का प्रसार" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
19. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 29 जनवरी 2025 को (ऑनलाइन मोड) आयोजित "परिवर्तनशील परंपराओं पर: बदलती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी महिलाएं" शीर्षक से एक दिवसीय प्रसार कार्यशाला

वेबिनार

1. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 23 जुलाई 2024 को "पारंपरिक निवेशिक कानूनी दस्तावेजों में महिलाओं का इतिहास" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। वक्ता डॉ. रुचिका शर्मा थीं।
2. 22 नवंबर 2024 को सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा "किताब - मिजाज-ए-बनारस - बनारस के बुनकर पर परिचर्चा" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। वक्ता सीडब्ल्यूडीएस की अध्यक्ष प्रोफेसर वसंती रमन थीं और अनुवादक श्री विजय कुमार झा थे।
3. सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली द्वारा 16 विश्वविद्यालयों के सहयोग से 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक "महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 2024 के स्मरणोत्सव" पर 16 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

वर्ष के दौरान, 2 विद्वानों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई और 5 विद्वान अभी भी अपना पीएचडी शोध कार्य जारी रखे हुए हैं।

प्रकाशन

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. नीता, एन. "महिलाओं के रोजगार के सामाजिक समूह आयाम।" *इंडिया जेंडर रिपोर्ट*, आर. दीवान और एस. राजू द्वारा संपादित, फेमिनिस्ट पॉलिसी कलेक्टिव, 2024

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. मणिमेकलाई, एन., और एम. इमाम। "उभरती प्रौद्योगिकियाँ, छिपे हुए पूर्वाग्रह: लिंग और सुरक्षा के नए मोर्चे।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन सोशल साइंसेज*, खंड 8, संख्या 12, 2024 पृष्ठ 4136-4139।
2. मणिमेकलाई, एन., और एम. इमाम। "मुक्ति और खतरे के बीच: डिजिटल स्पेस में लिंग, शक्ति और हिंसा की खोज।" *भारतीय महिला अध्ययन पत्रिका*, खंड 6, अंक 2, 2024 पृष्ठ 133-145।
3. नीता, एन., एलेसेंड्रा मेज़ाद्री, एट अल। "सामाजिक प्रजनन दृष्टिकोण का बहुलीकरण।" *इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स*, वॉल्यूम। 27, नहीं। 1, 2025 पृ. 6-33. <https://doi.org/10.1080/14616742.2024.2447594>.
4. अदलाखा, रेणु। "महिलाओं के खिलाफ हिंसा की दूसरी तरफ से पूछताछ: दिल्ली में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ अपराधों के संदिग्ध और पुष्ट अपराधियों के दृष्टिकोण।" *इंडियन जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज*, खंड 12, संख्या 2, 2024 पृष्ठ 107-126
5. वंदना, "बाल्मीकि समुदाय में मातृत्व: दिल्ली के वंचित शहरी इलाकों में बेटियों की शिक्षा की दिशा।" *समकालीन दलित आवाज़*, 2025. <https://doi.org/10.1177/2455328X241306256>.
6. काज़ी, सीमा। "भारत में मुस्लिम महिलाएँ: इतिहास, अल्पसंख्यक और अंतर।" *तुलनात्मक संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून जर्नल*, खंड 8, संख्या 2, 2024 पृष्ठ 38

सामयिक पत्र

1. नीता, एन. *भागीदारी, समय आवंटन और समय उपयोग*

में विविधताएँ: समय उपयोग के आंकड़ों से अंतर्दृष्टि - हरियाणा और भारत। सामयिक पत्र संख्या 68, 2024 <https://www.cwds.ac.in/wp-content/uploads/2024/09/OccasionalPaper68.pdf>.

अनुसंधान रिपोर्ट

- नीता, एन. सामुदायिक नेतृत्व वाली प्रशामक देखभाल: महिला स्वयंसेवकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक अध्ययन। सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली 2024।
- नीता, एन., मजूमदार, इंद्राणी, और अनीषा दुल। अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्यों में लैंगिक आंकड़ों के अंतर को कम करना। सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली 2024।
- वंदना। बेटियों की (उच्च) शिक्षा के लिए बातचीत करती माताएँ: बाल्मीकि समुदाय में जाति, वर्ग और लिंग के अंतर्संबंध का अध्ययन। सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली 2024।
- काज़ी, सीमा, और नयनतारा सिंह। माइक्रो क्रेडिट और महिला उद्यमिता: मंगोलपुरी क्षेत्र (दिल्ली) का एक केस स्टडी। सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली 2024।
- काज़ी, सीमा और विजय कुमार झा। राष्ट्रीय चुनाव और महिलाओं का मतदान व्यवहार: दिल्ली के संदर्भ में। सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली 2024।
- मणिमेकलाई, एन. तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में महिला सफ़ाई कर्मचारियों के बीच टूटी हुई छतें और लिंग व आजीविका के सवालों का खुलना। सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली 2024।
- मणिमेकलाई, एन., और गायत्री पांडा। इंजीनियरिंग शिक्षा में महिलाएँ: एक तकनीकी संस्थान में छात्रों के अनुभव की खोज। सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली 2024।
- मणिमेकलाई, एन., और भाषवती ठाकुरता। यमुना बाढ़ क्षेत्र में प्रवासी महिलाओं का जीवन। सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली 2024।
- रॉय, बिजोया, और खुंडोंगबाम ज्ञानबती देवी। दिल्ली-एनसीआर में पूर्वोत्तर प्रवासी महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता। सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली 2024।

मोनोग्राफ

- अदलखा, आर., सिंह, आर., और नारायणन, एन. (2024). स्वास्थ्य प्रणाली में विकलांगता समावेशन: भारत

में स्वास्थ्य प्रणाली में स्वास्थ्य समानता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रशिक्षण मैनुअल। महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली

- दुगल, आर., और रॉय, बी. (2024). भारत में निजी स्वास्थ्य सेवा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: एमएफसी लेंस के माध्यम से एक संकलन. मेडिको फ्रेंड सर्कल.
- लिंगम, एल., सत्यमाला, सी., प्रकाश, पी., खन्ना, आर., और रॉय, बी. (2024)। सीमाओं को आगे बढ़ाना और रूपरेखा को फिर से लिखना: एमएफसी महिलाओं और स्वास्थ्य पर लेखन का संकलन। मेडिको फ्रेंड सर्कल।

नीति संक्षिप्त

- नीता, एन., और एनसीईआर - राष्ट्रीय डेटा नवाचार केंद्र। (2024)। महिलाओं का श्रम प्रवास: प्रणालियाँ, प्रथाएँ और एजेंसी (मापन संक्षिप्त 2024-संख्या 1)। <https://ndic.ncaer.org/2-womens-labour-migration-systems-practices-and-agency/>
- रॉय, बी. (2024). स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स में कार्यस्थल पर लिंग-आधारित हिंसा - चुप्पी तोड़ना और साक्ष्य को स्पष्ट करना। सीओएफईएम ब्लॉग, सीओएफईएम सचिवालय <https://cofemsocialchange.org/workplace-gender-based-violence-in-healthcare-settings-breaking-the-silence-and-visiblizing-evidence/>

पुस्तकालय

महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस) का एक हिस्सा, वीना मजूमदार स्मारक पुस्तकालय (वीएमएमएल), लिंग और महिला अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। दिवंगत प्रो. वीना मजूमदार के सम्मान में नामित इस पुस्तकालय में पुस्तकों, लेखों, शोध प्रबंधों, रिपोर्टों और दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का एक व्यापक संग्रह है, जिसमें संस्थागत नेटवर्क के माध्यम से प्राप्त अप्रकाशित कार्य भी शामिल हैं। इसके प्रमुख फोकस क्षेत्रों में विकलांगता, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, हाशिए पर रहने वाली जातियाँ, महिला स्वास्थ्य, रोजगार, प्रवास, कामुकता, कानून, साहित्य और हिंदी में संसाधन शामिल हैं

वर्तमान में, वीएमएमएल में लगभग 17,654 पुस्तकें और माइमोग्राफ पेपर हैं। कोहा कैटलॉग में 138,578 से अधिक रिकॉर्ड हैं, जिनमें इंटरनेट के माध्यम से नियमित रूप

से अपडेट किए गए पूर्ण-पाठ जर्नल और समाचार पत्र लेख शामिल हैं। पुस्तकालय सात समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है—द टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, द हिंदू, द इंडियन एक्सप्रेस, द टेलीग्राफ, डेक्कन हेराल्ड और हिंदुस्तान (हिंदी)। इसके अतिरिक्त, यह 14 भारतीय पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, जैसे द इंडियन जर्नल ऑफ सोशल वर्क, सोशल साइंटिस्ट, सोशल एक्शन, महिला विधि भारती (द्विभाषी), विमेंस लिंक और इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू)। पुस्तकालय को इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज (आईजेजीएस) के आदान-प्रदान के माध्यम से तीन पत्रिकाएँ—एशियन जर्नल ऑफ विमेन स्टडीज, हेकेट और सोशल चेंज—भी प्राप्त होती हैं।

वीएमएमएल सूचना सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है, जिसमें ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग), एक द्विमासिक वर्तमान जागरूकता बुलेटिन, संदर्भ और रेफरल सहायता, वेब ग्रंथसूची, पूर्ण-पाठ डेटाबेस खोज, अंतर-पुस्तकालय ऋण, वाचनालय पहुँच और पुनरुत्पादन सेवाएँ शामिल हैं। पुस्तकालय ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में महिला अध्ययन के लिए एक समर्पित पोर्टल, नॉलेज गेटवे भी विकसित किया है, और डीस्पेस में एक डिजिटल संग्रह का रखरखाव करता है, जिसमें 5,000 से अधिक डिजिटल दस्तावेज़ हैं। दृष्टिबाधित विद्वानों की सहायता के लिए, चयनित सामग्री को डेजी प्रारूप में परिवर्तित किया गया है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	345.75	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	404.15
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	23.76
		प्रशासनिक व्यय	30.94
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय			
परियोजनाएँ	35.35	परियोजनाएँ	35.35
फेलोशिप	0.00	फेलोशिप	1.76
कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम	15.00	कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम	15.00
परियोजना उपरि	2.00	छूट व्यय	0.64
अन्य विविध प्राप्तियाँ	0.50		
कोई अन्य स्रोत (ब्याज)	88.00		
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	25.00
कुल	536.60	कुल	536.60

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान (जीआईडीआर), अहमदाबाद

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. निशा पांडे, “गुजरात के लिए सोलहवें राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट तैयार करना”, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
2. रुद्र नारायण मिश्रा, “ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), भारत सरकार (जीओआई) की प्रमुख योजनाओं चरण- I, 2024-25 की राष्ट्रीय स्तर की निगरानी, सिरोही, सांचोर और जोधपुर जिलों में राजस्थान”, एमओआरडी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. निशा पांडे और रुद्र नारायण मिश्रा, “ग्रामीण गुजरात में सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई-जी) का मूल्यांकन: एक हितधारक दृष्टिकोण”, मूल्यांकन निदेशालय, सामान्य प्रशासन विभाग (योजना), गुजरात सरकार, गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित।
2. निशा पांडे और झरना पाठक, “गुजरात में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का मूल्यांकन: स्ट्रीट वेंडर सशक्तीकरण और वित्तीय समावेशन पर इसके प्रभाव का आकलन”, मूल्यांकन निदेशालय, सामान्य प्रशासन विभाग (योजना), गुजरात सरकार, गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित।
3. निशा पांडे और रुद्र नारायण मिश्रा, “गुजरात में मानव कल्याण योजना (एमकेवाई) का मूल्यांकन”, गुजरात ग्रामीण उद्योग विपणन निगम लिमिटेड (जीआरआईएमसीओ), गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित।
4. रुद्र नारायण मिश्रा और निशा पांडे, “गुजरात माटी काम प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जीएमके एंड आरटीआई), गुजरात ग्रामीण उद्योग विपणन निगम लिमिटेड (जीआरआईएमसीओ), गुजरात राज्य हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड (जीएसएचएचडीसी), औद्योगिक विस्तार-कॉटेज (आईएनडीईएक्सटी-सी) द्वारा गुजरात में कारीगर प्रशिक्षण का मूल्यांकन”, गुजरात माटी काम प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जीएमके एंड आरटीआई), गुजरात सरकार, गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित।
5. मधुसूदन बंदी, “भारत में पसमांदा मुसलमानों की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थिति: तुलनात्मक

दृष्टिकोण से गुजरात और कर्नाटक का अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

6. निशा पांडे और इतिश्री पटनायक, “महिलाओं का सशक्तिकरण और कृषि को बनाए रखना: कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) के प्रबंधन और दक्षता में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका का मूल्यांकन”, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), अहमदाबाद, गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित।
7. इतिश्री पटनायक, अमृता घटक और निशा पांडे, “सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण के रूप में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम): गुजरात से वास्तविकता”, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), अहमदाबाद, गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित।
8. इतिश्री पटनायक और निशा पांडे, “सामुदायिक योजना के माध्यम से जल संरक्षण: गुजरात में मनरेगा कैसे जैव विविधता को पुनर्जीवित करते हुए जीवन और आजीविका को बदल रहा है”, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी), अहमदाबाद, गुजरात सरकार द्वारा वित्त पोषित।
9. इतिश्री पटनायक और केशव दास, “स्थायी स्थानीय आजीविका के लिए कृषि-गैर-कृषि संबंधों में परिवर्तन: नीतिगत विकल्प के रूप में प्रतिस्पर्धी कृषि-क्लस्टरिंग”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. अमृता घटक और तूलिका त्रिपाठी, “भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान वायु-प्रदूषण से संबंधित गैर-संचारी रोग: दो शहरों में एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. निशा पांडे, “विजयनगर तालुका में कथौड़ी जनजाति में पीवीटीजी की आजीविका, पर्यावरणीय स्थिरता और वन संसाधन प्रबंधन के बीच अंतर्संबंध”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय के सहयोग से 19 से 20 फरवरी 2025 तक “एक सतत भविष्य के लिए नवाचार: प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और समाज” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

व्याख्यान

1. 20 जनवरी 2025 को गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद में श्री मुकुलजी कानिटकर (प्रख्यात लेखक) द्वारा “बनाएँ जीवन प्रणाली” (पुस्तक लोकार्पण) पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
2. 27 नवंबर 2024 को गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट रिसर्च, अहमदाबाद के लकड़ावाला हॉल में श्री राजीव शर्मा (उपाध्यक्ष, सीओई स्किल्स, जेबीएम ग्रुप) द्वारा “अनलॉकिंग ग्रोथ: एमएसएमई सेक्टर के लिए फंडिंग के अवसर” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएं

1. गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा 15 अगस्त 2024 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से जीआईडीआर के माध्यम से ओएच 31 (ऑफलाइन) के अंतर्गत “प्राकृतिक खेती: जहाँ विज्ञान प्रकृति से मिलता है” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा 15 अगस्त 2024 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से ओएच 31 (ऑफलाइन) के तहत जीआईडीआर के माध्यम से “शासन और प्रबंधन: रामायण से सबक” पर एक दिवसीय गोलमेज चर्चा का आयोजन किया गया।
3. गुजरात सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा 16 से 18 जनवरी 2025 तक आयोजित “एसडीजी-केंद्रित ग्रामीण विकास: कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और गुजरात में सतत विकास के लिए वाटरशेड प्रबंधन” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला (ऑफलाइन)।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा 16 से 18 जनवरी 2025 तक “एसडीजी-केंद्रित ग्रामीण विकास: गुजरात में सतत विकास के लिए कृषि, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और वाटरशेड प्रबंधन” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. डॉ. मधुसूदन बांदी द्वारा गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान में 23 से 27 जनवरी 2025 तक संकाय विकास कार्यक्रम के अंतर्गत “शोध प्रस्ताव लेखन पाठ्यक्रम” पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा ओएच 31 के तहत जीआईडीआर के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा।
3. गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान द्वारा 29 नवंबर 2024 को लकड़ावाला हॉल में “प्रशासन और वित्त में उत्कृष्टता को सशक्त बनाना” पर एक दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा ओएच 31 के तहत जीआईडीआर के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 1 विद्वान ने पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की और एक विद्वान को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. पांडे, एन., और आशीष पांडे (2025)। *भारत में सामाजिक उद्यमिता: सिद्धांत और मामले*। पैलंग्रेव मैकमिलन, सिंगापुर
2. पांडे, एन. (2025). *सार्वजनिक नीति के माध्यम से समावेशी विकास: आकांक्षी जिला कार्यक्रम का अनुभव*। स्टैंडर्ड पब्लिशर्स (भारत), नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-85830-54-9

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. मिश्रा, आरएन “गुजरात में स्वास्थ्य असमानताएँ: बुनियादी ढाँचे, उपयोग और सामाजिक-आर्थिक कारकों की भूमिका।” *गुजरात का विकास पथ: सार्वजनिक नीति हस्तक्षेप*, एस. दवे द्वारा संपादित, प्रथम संस्करण, एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2025 पृष्ठ 185-206।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. नायर, टी., पटेल, बी., और आर.एन. मिश्रा। “आशा और निराशा की खाड़ी में फँसे: गुजरात, भारत के कच्छ तट पर वाघेर लघु-स्तरीय मत्स्य पालन।” *समुद्री अध्ययन*, खंड 23, संख्या 22, 2024 लेख 22। <https://doi.org/10.1007/s40152-024-00362-4>.

अनुसंधान रिपोर्ट

1. विश्वनाथन, पी.के., बंदी, एम., महंती, बी., और ए. दास। *स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन का अनुकूलन और ग्रामीण परिवारों का सामाजिक-आर्थिक कल्याण: भारत में प्रधानमंत्री उज्जला योजना (पीएमयूवाई) के प्रभावों पर एक राज्य-स्तरीय अध्ययन। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), मार्च 2024*

नीति संक्षिप्त

1. बंदी, एम. *वन अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन: निर्धारकों को समझना* (नीति संक्षिप्त संख्या पीबी 1)। गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान (जीआईडीआर), 2025 <https://gidr.ac.in/upload/GIDR-PB-FINAL.pdf>

पुस्तकालय

जीआईडीआर पुस्तकालय में विकास अध्ययन और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करने वाले संसाधनों का एक व्यापक और विविध संग्रह है। इसमें पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के 3,792

पुराने खंड हैं, साथ ही 22,730 पुस्तकों का एक बड़ा संग्रह है, जिसमें रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन, शोध प्रबंध और संदर्भ सामग्री शामिल हैं। ये शहरी विकास, उद्योग, रोजगार और श्रम अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण, वानिकी, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण, महिला अध्ययन, जनसंख्या अध्ययन, सामाजिक क्षेत्र, बुनियादी ढाँचा, वित्त, बैंकिंग, भूमि और कृषि अध्ययन, जल और प्राकृतिक संसाधन, अर्थशास्त्र और आर्थिक विकास जैसे विषयों की एक विस्तृत शृंखला को कवर करते हैं।

मुद्रित सामग्री के अलावा, पुस्तकालय में सूक्ष्म सामग्रियों का एक मूल्यवान संग्रह भी है, जिसमें कार्य-पत्र, सामयिक शोध-पत्र और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के अनुसंधान रिपोर्ट शामिल हैं। पुस्तकालय में 279 सीडी भी हैं जो इसके डिजिटल और मल्टीमीडिया संसाधनों का पूरक हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने 27 राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 6 क्षेत्रीय या राष्ट्रीय समाचार पत्रों की सदस्यता ली है, जिससे शोधकर्ताओं और विद्वानों के लिए इसकी पेशकश में और वृद्धि हुई है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को विविध प्रकार की सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। इनमें संदर्भ सेवाएँ, समाचार पत्रों की कतरनें, फोटोकॉपी, अंतर-पुस्तकालय ऋण, इंटरनेट-आधारित सेवाएँ, दस्तावेज स्कैनिंग और ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) तक पहुँच शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं को निर्बाध और संसाधन-समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अंक-वापसी सेवाएँ, मुद्रण, वाचनालय, डेटाबेस और लेख खोज, और सामान्य संदर्भ एवं सूचना सेवाएँ जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

जीआईडीआर, अहमदाबाद

(₹ लाख में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	78.51	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	151.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	40.00
एकमुश्त अनुदान (ओएच-31)	75.00	मरम्मत और रखरखाव	10.00
राज्य सरकार अनुदान	19.00	स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फैलोशिप, परामर्श आदि)	2.00	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	1.37
कोई अन्य स्रोत	5.56	विविध व्यय	0.00
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	27.70
कुल	230.07	कुल	230.07

नोट: वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

गिरि विकास अध्ययन संस्थान (जीआईडीएस), लखनऊ

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. के.एस. राव, “अयोध्या की सदर तहसील के हलकारा का पुरवा में चार लेन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण के लिए जिला कलेक्टर, अयोध्या के कार्यालय द्वारा भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित 04 गाँवों के भूमि स्वामियों की एसआईए”, एसआईए अयोध्या, जिला कलेक्टर अयोध्या के कार्यालय द्वारा वित्त पोषित
2. केएस राव, “अमृत 2.0 के तहत जलाशय परियोजनाओं के कार्यालय का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आकलन अध्ययन”, लखनऊ प्रबंधन संघ, लखनऊ द्वारा वित्त पोषित।
3. केएस राव, कविता बालियान, आरके प्रजापति, और अंबुमणि, “उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) की आउटरीच और संभावनाएँ”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. मंजूर अली और शिल्प शिखा सिंह, “सामाजिक रूप से समावेशी भाजपा और पसमांदा प्रश्न: उत्तर प्रदेश में पसमांदा आउटरीच के राजनीतिक प्रभाव को समझना”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. केएस राव और कविता बालियान, मध्याह्न भोजन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्त पोषित, “उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में प्रधान मंत्री पोषण योजना (एमडीएम) वर्ष 2022-23 का विशेष सामाजिक लेखापरीक्षा”।
6. शिल्प शिखा सिंह, “प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: बुंदेलखंड क्षेत्र की महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ सामाजिक प्रभाव का आकलन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
7. प्रमोद कुमार और दीपानविता चक्रवर्ती, “राष्ट्रीय आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और ग्रामीण गरीबों की आजीविका परिवर्तन और महिला सशक्तिकरण पर इसका प्रभाव”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. केएस राव, “एमजीएनआरआईजीए का प्रभाव आकलन और कोविड-19 प्रवासियों का कौशल मानचित्रण, संकटग्रस्त प्रवासन में कमी और यूपी के चयनित जिलों में प्रभावी

कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार के लिए सुझावात्मक उपाय”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

9. केएस राव, “उत्तर प्रदेश के 30 यूएलबी/साइटों में उपचारित विरासत अपशिष्ट स्थलों का सामाजिक ऑडिट”, राज्य मिशन निदेशक, यूपी द्वारा वित्त पोषित

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. नोमिता पी. कुमार, “लैंगिक प्रश्न का पुनर्मूल्यांकन: उत्तर प्रदेश में बाल जीवन रक्षा, बाल स्वास्थ्य और पोषण”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “राज्य में उत्पादित होने वाले फूलों और अन्य सजावटी/औषधीय पौधों की विस्तृत सूची की पहचान के लिए सर्वेक्षण”, बागवानी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “यूपी में उत्पादित उच्च मूल्य/विदेशी फलों (जैसे, ट्रैंगन फ्रूट, कीवी, रसभरी, स्ट्रॉबेरी, रामफल आदि) के उत्पादन और कीमतों को पकड़ने के लिए सर्वेक्षण”, बागवानी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “सभी बागवानी फसलों पर डेटा एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण”, बागवानी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
5. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “एकका बागवानी फसलों के डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण”, बागवानी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
6. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “शहद उत्पादन के डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण”, बागवानी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
7. केएस राव, “राज्य में विपणन योग्य अधिशेष दूध का जिलावार मूल्यांकन”, डेयरी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
8. केएस राव, “राज्य में कुल स्थापित दूध प्रसंस्करण क्षमता”, डेयरी विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।

9. केएस राव, “जीवीए में योगदान का आकलन करने के लिए एकीकृत डेटाबेस के निर्माण के लिए विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्र सहित असंगठित क्षेत्र की गतिविधि के डिजिटल पदचिह्न को कैप्चर करके फ्रेम का विकास”, उद्योग (एमएसएमई) विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
10. केएस राव, “राज्य में हस्तशिल्प उद्योगों की परिचालन और आर्थिक विशेषताओं और कारीगरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण”, उद्योग (हस्तशिल्प), डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
11. सी. सेनापति, “सार्वजनिक और निजी निर्माणों में प्रयुक्त निर्माण सामग्री की खपत और आपूर्ति स्रोत का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण”, पीडब्ल्यूडी, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
12. केएस राव, “राज्य में अंडा उत्पादन के योगदान को 2.97% से बढ़ाकर 10% और उससे अधिक करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन”, पशुपालन, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
13. केएस राव, “प्रजातिवार दूध उत्पादन और मूल्य अंतर और मूल्य संवर्धन को पकड़ने के लिए सर्वेक्षण”, पशुपालन / डेयरी, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
14. नोमिता पी. कुमार और कविता बालियान, “राज्य में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर अध्ययन, विशेष रूप से कार्यबल में उनकी भागीदारी”, श्रम विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
15. केएस राव और प्रशांत के. त्रिवेदी, “2022-23 के दौरान उत्तर प्रदेश में किसानों की आय का अनुमान और 2017-18 की तुलना में इसकी वृद्धि की सीमा: एक क्षेत्र सर्वेक्षण-आधारित अध्ययन”, कृषि विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
16. केएस राव और शिल्प शिखा सिंह, “विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के नामांकन और शैक्षिक प्राप्ति पर अध्ययन”, दिव्यांग जन विभाग, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
17. केएस राव, “गैर-मंडी चैनलों और फसल-वार निर्यात मूल्यों के माध्यम से कृषि वस्तुओं की बिक्री पर कब्जा”, कृषि विपणन, डीईएस परियोजना, यूपी सरकार द्वारा वित्त पोषित।
18. प्रमोद कुमार, “उत्तर प्रदेश में जीवन की गुणवत्ता: सभी 75 जिलों के लिए एमओआई अनुमानों के साथ ग्राम पंचायत

में एक जांच”, यूनिसेफ, भारत के फील्ड ऑफिस के प्रमुख द्वारा वित्त पोषित।

19. सी. सेनापति, “भारत में कोविड-19 के बाद की रिकवरी के इंजन के रूप में कौशल विकास और रोजगार”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
20. शिल्प शिखा सिंह, “नई दलित राजनीति: संभावनाएँ और चुनौतियाँ”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
21. अनिमेष रॉय और मंजूर अली, “परिसंपत्ति सीमांतता और सामाजिक बहिष्कार: उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई शोध परियोजनाएँ (2024-25)

1. सी. सेनापति, “भारत में कोविड-19 के बाद की रिकवरी के इंजन के रूप में कौशल विकास और रोजगार”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
2. शिल्प शिखा सिंह, “नई दलित राजनीति: संभावनाएँ और चुनौतियाँ”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. अनिमेष रॉय और मंजूर अली, “परिसंपत्ति सीमांतता और सामाजिक बहिष्कार: उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ओएच-31 अनुदान) (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सेमिनार

1. दो दिन “गरिमा के साथ वृद्धावस्था: नीति एवं व्यवहार में चुनौतियाँ, अवसर और नवाचार” विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर),

नई दिल्ली के सहयोग से 14 से 15 फरवरी 2025 तक आयोजित की गई

व्याख्यान

1. न्यायमूर्ति श्री डी.के. उपाध्याय (मुख्य न्यायाधीश, बॉम्बे उच्च न्यायालय) द्वारा 8 नवंबर 2024 को “न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य” पर वी.वी. गिरि स्मृति व्याख्यान दिया गया
2. 6 सितंबर 2024 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आनंद कुमार द्वारा “स्वर्ण जयंती वर्ष: विवरण, विकास, विमर्श की आधी सदी और मौजूदा चुनौतियाँ” विषय पर व्याख्यान दिया गया।
3. 23 अगस्त 2024 को डॉ. देबदत्ता पाल (एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ) द्वारा “क्या विद्युतीकरण से घरेलू हिंसा कम होती है? भारत से साक्ष्य” विषय पर स्वर्ण जयंती मासिक व्याख्यान दिया गया।
4. 29 जुलाई 2024 को डॉ. जीके गोस्वामी (आईपीएस) (निदेशक, यूपी राज्य फॉरेंसिक संस्थान) द्वारा “क्षितिज पर नए आपराधिक कानून: परिवर्तन, चिंताएं और चुनौतियाँ” पर स्वर्ण जयंती मासिक व्याख्यान दिया गया।
5. 28 जून 2024 को डॉ. मैत्रेयी चौधरी (अध्यक्ष, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी) द्वारा “सामाजिक विज्ञान, समाजशास्त्र, लोकतंत्र” पर स्वर्ण जयंती मासिक व्याख्यान दिया गया।
6. 24 मई 2024 को डॉ. संघमित्रा एस. आचार्य (प्रोफेसर, सीएसएमसीएच, जेएनयू, दिल्ली) द्वारा “समकालीन भारत में पहचान प्रेरित स्वास्थ्य अंतर: विविधता और असमानता के मुद्दे” पर स्वर्ण जयंती मासिक व्याख्यान दिया गया।
7. 21 मई 2024 को सुश्री श्रेया मिश्रा द्वारा “राजनीतिक अभिजात वर्ग और सीखने के परिणाम” पर जीआईडीएस व्याख्यान शृंखला दी जाएगी।
8. 16 अप्रैल 2024 को डॉ. मनीष (प्रोफेसर, एसपीआईआर, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात) द्वारा “भारत की विदेश नीति में उभरते रुझान” पर स्वर्ण जयंती मासिक व्याख्यान दिया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. त्रिवेदी, पी.के. ग्रामीण परिवर्तन की पुनर्कल्पना: उत्तर भारत में बाजार की गतिशीलता और सामाजिक असमानताएँ रूटलेज, 2025

2. श्रीनिवास राव, के., और आर.के. जायसवाल। उत्तर प्रदेश में मनरेगा का प्रभाव आकलन और कोविड-19 प्रवासियों का कौशल मानचित्रण। सैंडपाइपर पब्लिशर्स, 2024
3. श्रीनिवास राव, के., और आर.के. जायसवाल। उत्तर प्रदेश के शहरी केंद्रों में उपचारित विरासती अपशिष्ट स्थलों का सामाजिक लेखा-परीक्षण। सैंडपाइपर पब्लिशर्स, 2024
4. श्रीनिवास राव, के., और आर.के. जायसवाल। उत्तर प्रदेश में मतदाताओं का ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार। सैंडपाइपर पब्लिशर्स, 2024
5. कुमार, एन.पी. शहरी असंगठित श्रम बाजार में महिलाएँ, कार्य और भेद्यता। मित्तल प्रकाशन, 2024

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. कुमार, पी., और प्रमोद कुमार। “उत्तर प्रदेश में कृषि प्रदर्शन: कृषि जलवायु क्षेत्रों का एक अध्ययन।” योगी @ ट्रिलियन ड्राइव: एक्सेलरेटिंग टू ए ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी, पी. कुमारी द्वारा संपादित, ओक ब्रिज पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड 2024। आईएसबीएन 978-93-95764-34-6।
2. कुमार, एनपी, और ए. श्रीवास्तव। “शहरी अनौपचारिक श्रम बाजार में प्रवासी महिला श्रमिकों की कमजोरियों का पता लगाना।” अनौपचारिक अर्थव्यवस्था और सतत विकास लक्ष्य: विचार, हस्तक्षेप और चुनौतियाँ, ए. विनोदन, एस. महालक्ष्मी और एस. रमेश कुमार द्वारा संपादित, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, 2024 पृष्ठ 273-296। <https://doi.org/10.1108/978-1-83753-980-220241015>.
3. अली, एम. “भारत के मुसलमान और कानून के शासन के तहत ‘अन्यीकरण’।” भारत में कानून का शासन: विभिन्न आयामों की खोज, वी. सेथुरमन एट अल द्वारा संपादित, आकार बुक्स, 2025 पृष्ठ 128-156
4. अली, एम. “उत्तर प्रदेश की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में हस्तशिल्प और सामाजिक समूहों का योगदान।” सतत परिवर्तन की ओर: समग्र विकास, जेड. अकील और के. आलम 2025 द्वारा संपादित

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. श्रीनिवास राव, के., और रुक्मणी देवी। “अन्वेषण: ज्ञान की खोज, एक बहु-विषयक समकक्ष समीक्षित रेफरीड शोध पत्रिका।” एजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एजेआईएम), खंड 14, संख्या 1, 2024 पृष्ठ 2-24। आईएसबीएन 2249-1449।

2. श्रीनिवास राव, के., और रुक्मणी देवी । “उत्तर प्रदेश में शहरीकरण के रुझान और आंतरिक प्रवास के आयाम।” *अर्बन पैनोरमा*, खंड 23, 2024 पृष्ठ 43-68। आईएसबीएन 0975-8534।
3. कुमार, एनपी, और ए. श्रीवास्तव । “उत्तर प्रदेश के शहरी असंगठित श्रम बाजार में सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों की स्थिति: एक क्षेत्रीय जाँच।” *इंडियन जर्नल ऑफ़ लेबर इकोनॉमिक्स*, खंड 8, 2024 पृष्ठ 221-236। <https://doi.org/10.1007/s41027-00490-9>.
4. कुमार, एनपी, के. बलियान, ए. श्रीवास्तव, और जी. रानी। “शहरी श्रम बाजार में लैंगिक वेतन अंतर की गतिशीलता: उत्तर प्रदेश में एक जाँच।” *अन्वेषक*, खंड 54, संख्या 2, 2024 पृष्ठ 1-20
5. कुमार, एनपी, के. बलियान, और ए. श्रीवास्तव। “उत्तर प्रदेश में महिला कार्य भागीदारी में परिवर्तन की रूपरेखा: एनएसएसओ और पीएलएफएस डेटा की जाँच।” *मैन एंड डिवेलपमेंट* 2022।
6. एंटनी, पी., एनपी कुमार, और के. बलियान। “उत्तर प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में आयुष्मान भारत योजना की पहुँच।” *जर्नल ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट*, खंड 27, अंक 5, नवंबर 2025, प्रेस में।
7. रानी, जी., और के. बलियान । “शिक्षा का अर्थशास्त्र: भारत में उत्पादन वृद्धि पर लैंगिक मानव पूँजी के प्रभाव का एक पैनेल डेटा विश्लेषण।” *भारतीय मानव विकास जर्नल*, खंड 18, अंक 2, 2024 पृष्ठ 319-339। <https://doi.org/10.1177/09737030241288707>.
8. अली, एम., और एस. सिंह । “समकालीन ‘पसमांदा’ नेतृत्व और उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व राजनीति।” *भारतीय राजनीति में अध्ययन*, खंड 12, अंक 1, 2024 पृष्ठ 1-15
3. उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) की पहुँच और संभावनाएं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली, 2024।
4. द्वितीय चरण- उत्तर प्रदेश के 04 जिलों में वर्ष 2022-23 की प्रधानमंत्री पोषण योजना (एमडीएम) का सामाजिक अंकेक्षण एमडीएम प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश सरकार, 2024।
5. अमृत 2.0 के अंतर्गत जल निकाय परियोजनाओं के पुनरुद्धार का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव आकलन अध्ययन लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन और सहयोगी, 2024.
6. अयोध्या जिले की सदर तहसील के हलकारा का पुरवा में फोर-लेन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण हेतु जिला कलेक्टर, अयोध्या के कार्यालय द्वारा भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित 04 गांवों के भूमि स्वामियों का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन. जिला कलेक्टर कार्यालय, अयोध्या, 2024.

पुस्तकालय

जीआईडीएस पुस्तकालय ने सामाजिक विज्ञान में दुर्लभ दस्तावेजों का एक विशिष्ट और मजबूत संग्रह विकसित किया है, जो संस्थान के विविध अनुसंधान उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करता है। यह मूल्यवान संपत्ति क्षेत्र के शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं दोनों की सेवा करती है। जबकि मुद्रित पुस्तकें उपयोगकर्ताओं के लिए प्राथमिक संसाधन बनी हुई हैं, पुस्तकालय ऑनलाइन संसाधनों की एक विस्तृत शृंखला के लिए एक केंद्रित सदस्यता भी बनाए रखता है, जिनका विद्वानों द्वारा अत्यधिक उपयोग किया जाता है। आईसीएसएसआर पुस्तकालय नेटवर्क सहित कई संघों और नेटवर्कों के सदस्य के रूप में, जीआईडीएस पुस्तकालय डेलनेट और ईपीडब्ल्यू रिसर्च फाउंडेशन के समय शृंखला डेटा जैसे संसाधनों तक पहुँच के माध्यम से अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाता है

42,768 पुस्तकों के कुल संग्रह के साथ, पुस्तकालय 90 भारतीय पत्रिकाओं और जेएसटीओआर के माध्यम से कई विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, जो मुख्य रूप से अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षा, राजनीति विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामग्री पर विशेष जोर दिया जाता है, और इस संग्रह को बनाने और अद्यतन करने के लिए नियमित रूप से दस्तावेजीकरण प्रयास किए जाते हैं। पुस्तकालय में कई सीडी-रोम डेटाबेस, विशेष रूप से विश्व बैंक के प्रकाशन, भी हैं और संस्थान के उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न ऑनलाइन सदस्यताओं तक नेटवर्क पहुँच प्रदान करता है।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा मेसर्स एएनएस डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए सदर तहसील के ग्राम बाधामऊ में एकीकृत टाउनशिप विकास हेतु भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित भूमि स्वामियों का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन लखनऊ विकास प्राधिकरण, 2024.
2. उत्तर प्रदेश के 10 जिलों में वर्ष 2022-23 की पीएम पोषण योजना (एमडीएम योजना) का सामाजिक लेखा परीक्षण एमडीएम प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश सरकार, 2024।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय स्वामित्व वाले डेटाबेस भी रखता है, जिनमें पुस्तकों और पत्रिकाओं का अनुक्रमण और सार-संक्षेपण, संस्थान के डिजिटल प्रकाशन, मुख्य विषयों पर समाचार पत्रों की कतरनें और सीडी-रोम डेटाबेस शामिल हैं। संग्रह को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है: 38,690 पुस्तकें, 1,797 सरकारी रिपोर्टें, 2,946 मोनोग्राफ, 8,337 विश्व बैंक प्रकाशन, 271 पर्चे, 7,266 जिल्दबंद पत्रिकाएँ, 2,490 संदर्भ खंड, 225 अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) दस्तावेज़, 500 आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) प्रकाशन, 375 संयुक्त राष्ट्र दस्तावेज़ और 456 सीएमआईई रिपोर्टें।

विद्वानों की विकसित होती शोध और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय कई प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है, जिनमें इंडियास्टेट, ईपीडब्ल्यू आर्काइव, जेएसटीओआर आर्काइव, सेज जर्नल्स ऑनलाइन, डेलनेट, इकॉनलिट (ईबीएससीओ), विश्व बैंक ई-लाइब्रेरी, प्रोवेस-आईक्यू, डिजिटलीकृत जीआईडीएस प्रकाशन और सीडब्ल्यूडीएस, नई दिल्ली की सीएस सेवा शामिल हैं। ये इलेक्ट्रॉनिक सेवाएँ विद्वानों की शोध क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैं और एक विशिष्ट सामाजिक विज्ञान अनुसंधान केंद्र के रूप में पुस्तकालय की भूमिका को सुदृढ़ करती हैं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

जीआईडीएस, लखनऊ

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	127.28	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	277.02
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	127.28	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	13.90
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	97.93
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	34.05	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	0.07
कोई अन्य स्रोत	0.31	विविध व्यय	0.00
कुल	388.92	कुल	388.92

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

विकास अध्ययन संस्थान (आईडीएस), जयपुर

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. मोतीलाल महामल्लिक, “राजस्थान में ट्रांसजेंडर जनसंख्या का एक अध्ययन”, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित
2. मोतीलाल महामल्लिक, “राजस्थान में जेल सुधार”, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
3. मोतीलाल महामल्लिक, “राजस्थान में आकांक्षी जिलों का विश्लेषण”, योजना विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
4. वरिंदर जैन, “राजस्थान के विद्युत क्षेत्र में विद्युत उत्पादन

- दक्षता: तकनीकी, आर्थिक और परिचालन मुद्दों की जांच”, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
5. वरिंदर जैन, “राजस्थान डिस्कॉम्स की समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक (एटी एंड सी) दक्षता: परिचालन गतिशीलता में एक जांच”, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
6. हरचंद राम, “भारत में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य (एसआरएच) की स्थिति और संबंधित संकेतकों पर जिला स्तरीय तथ्यपत्र का संग्रह”, भारतीय परिवार नियोजन संघ (एफपीए, भारत), मुंबई, भारत द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. विनीश कथूरिया, राजेश राज एस.एन., और गुलाम रब्बानी, “स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आजीविका पर भौगोलिक संकेतों के प्रभाव: चयनित उत्पादों से साक्ष्य”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. विनीश कथूरिया, अनूप भंडारी और गोलाम रब्बानी, “काम की बदलती प्रकृति-महिला रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर प्रभाव”, तमिलनाडु राज्य योजना आयोग, चेन्नई द्वारा वित्त पोषित।
3. मोतीलाल महामल्लिक और हरचंद राम, “राजस्थान में पशुधन और उसके उत्पादों का मूल्य अनुमान”, आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
4. मोतीलाल महामल्लिक, “व्यक्तियों के समय आवंटन का विश्लेषण: समय उपयोग सर्वेक्षणों से अंतर्दृष्टि”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. विनीश कथूरिया, अनूप भंडारी और गोलाम रब्बानी, “काम की बदलती प्रकृति-महिला रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर प्रभाव”, तमिलनाडु राज्य योजना आयोग, चेन्नई द्वारा वित्त पोषित।
2. मोतीलाल महामल्लिक और डॉ. हरचंद राम, “राजस्थान में पशुधन और उसके उत्पादों का मूल्य अनुमान”, आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
3. मोतीलाल महामल्लिक, “व्यक्तियों के समय आवंटन का विश्लेषण: समय उपयोग सर्वेक्षणों से अंतर्दृष्टि”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. हरचंद राम, “भारत में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य (एसआरएच) की स्थिति और संबंधित संकेतकों पर जिला स्तरीय तथ्यपत्र का संग्रह”, भारतीय परिवार नियोजन संघ (एफपीए, भारत), मुंबई, भारत द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/ अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. आईडीएस, जयपुर द्वारा एनआईबीएम, पुणे के सहयोग से 21 से 22 मार्च तक “विकास के लिए वित्त” पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया

सेमिनार

1. आईडीएस जयपुर द्वारा 24 मई 2024 को “राजकोषीय हस्तांतरण, क्षेत्रीय विकास और असमानता” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया
2. 14 अगस्त 2024 को आईडीएस जयपुर द्वारा “तनाव से शक्ति तक: भावनात्मक लचीलापन का निर्माण” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
3. 19 सितंबर 2024 को आईडीएस जयपुर द्वारा “कानून के शासन को आगे बढ़ाना: प्रौद्योगिकी के माध्यम से खुला न्याय” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. 10 अक्टूबर 2024 को आईडीएस जयपुर द्वारा “समग्र शिक्षा योजना के संदर्भ में तेलंगाना में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. 13 नवंबर 2024 को आईडीएस जयपुर द्वारा “सतत कृषि के लिए कार्बन बाजार” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
6. 20 नवंबर 2024 को गर्ल्स एम्पावरमेंट अलायंस (जीईए) के सहयोग से आईडीएस जयपुर द्वारा “माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक समानता” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय परामर्श आयोजित किया गया।
7. 24 जनवरी 2025 को पीयूसीएल के सहयोग से आईडीएस जयपुर द्वारा “मानवाधिकारों के लिए चुनौतियां - इसका कार्यान्वयन और निगरानी” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
8. 30 जनवरी 2025 को आईडीएस जयपुर द्वारा “भूमि अधिग्रहण का खेल” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

1. 29 नवंबर 2024 को श्री वीरेंद्र कुमार परिहार (कार्यक्रम अधिकारी, निर्माता, कृषि और डीडी किसान) द्वारा “कृषि क्षेत्र में मीडिया और प्रभावी संचार की भूमिका” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. 26 अक्टूबर 2024 को प्रोफेसर अमित बसोले (अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर) द्वारा “कोविड के बाद रोजगार के रुझान” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

3. 9 जनवरी 2025 को आईडीएस जयपुर के स्थापना दिवस पर “बालिका लिंग अनुपात में गिरावट” विषय पर डॉ. मीता सिंह (सेवानिवृत्त चिकित्सा अधिकारी, भारतीय सेना और अध्यक्ष, डिग्री ऑफ गर्ल चाइल्ड फाउंडेशन) द्वारा दिया गया सार्वजनिक व्याख्यान।
4. 21 मार्च 2025 को प्रोफेसर इलान नोय (विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन, न्यूजीलैंड) द्वारा “चरम घटनाओं के प्रभाव - एट्रिब्यूशन और हानि और क्षति निधि” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएँ

1. आईडीएस जयपुर द्वारा बीजीवीएस, राजस्थान के सहयोग से 17 मई 2024 को (ऑफलाइन) “वर्तमान समय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, बदलाव और चुनौतियाँ” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. आईसीएसएसआर, नई दिल्ली (ऑफलाइन) के सहयोग से आईडीएस जयपुर द्वारा 21 से 27 अक्टूबर 2024 तक सात दिवसीय “भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस पर कार्यशाला (डीबीआई)” का आयोजन किया गया।
3. डीआरसी, बीएआरसी और आईडीएस जयपुर द्वारा 15 जनवरी 2025 को (ऑफलाइन) “राज्य स्तरीय पूर्व-बजट परामर्श” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए “स्वावलंबन” पर छह दिवसीय आवासीय कार्यशाला, 26 से 31 मई 2024 तक (ऑफलाइन) आयोजित की गई।
5. स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर 2024 के अंतर्गत “रिसर्च पब्लिकेशन्स” पर आधे दिन की कार्यशाला, आईडीएस जयपुर, आईसीएसएसआर और स्प्रिंगर नेचर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (ऑफलाइन)।
6. आईसीएसएसआर, नई दिल्ली (ऑफलाइन) के सहयोग से आईडीएस जयपुर द्वारा 3 से 7 मार्च 2025 तक “बड़े पैमाने पर डेटा से निपटना: एनएफएचएस” पर पांच दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से 22 जुलाई 2024 से 5 सितंबर 2024 तक आईडीएस जयपुर द्वारा आयोजित “सामाजिक विज्ञान विषय में पीएचडी के लिए शोध पद्धति”

पर 46-दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम (राजस्थान विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त पीएचडी समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में)।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. 26 मई 2024 से 31 मई 2024 तक उद्भव विजन फाउंडेशन और आईडीएस जयपुर द्वारा फिक्की एफएलओ और आरएनपीएफ के सहयोग से “स्वावलंबन” पर छह दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. आईडीएस जयपुर द्वारा 3 से 7 मार्च 2025 तक “बड़े पैमाने पर डेटा से निपटना: एनएफएचएस” पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर (आईडीएस-जे) और राजस्थान विश्वविद्यालय ने 17 मई 2024 को आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करना है।

समझौते के तहत, दोनों पक्ष पीएचडी कार्यक्रम की पेशकश के लिए मिलकर काम करेंगे, जिससे अनुसंधान, शिक्षण और शैक्षणिक विकास में आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता ज्ञापन विकास अध्ययन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते के तहत, सामाजिक विज्ञान विषय में पीएचडी के लिए अनुसंधान पद्धति (आरएम) पाठ्यक्रम 22 जुलाई से 5 सितंबर 2024 तक आईडीएस में आयोजित किया गया।

प्रकाशन

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. अग्रवाल, वी., और वी.के. सिंह। “शोध सहायता सेवाओं और उपकरणों की अवधारणा।” *नई शिक्षा नीति (एनईपी) के युग में अनुसंधान प्रतिमान - 2020*, आर. तंवर, एस. शर्मा, ए.के. पाठक, ए.एस. ठाकुर और एम. रावत द्वारा संपादित, इंटीग्रेटी एजुकेशन, 2024 पृष्ठ 149-162
2. कथूरिया, वी., और एन. जरदोश। “सतत विकास लक्ष्य और प्लास्टिक प्रदूषण के प्रबंधन पर उनका जोर।” *संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य अनुसंधान और नीति की रूटलेज हैंडबुक*, आरबी स्वेन और पी. डोबर्स द्वारा संपादित, प्रथम

संस्करण, रूटलेज, 2025 अध्याय 17। <https://doi.org/10.4324/9781003285472>.

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. राम, एच., एस. गोली, एम.एस. रेड्डी, और ए. राममोहन। “भारत में वृद्धों में खाद्य असुरक्षा: जाति, गरीबी और लिंग के अंतर-वर्गीय अक्षों पर असमानताओं का एक अध्ययन।” *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स*, रेस एंड पॉलिसी, खंड 7, 2024, पृष्ठ 331-351। <https://doi.org/10.1007/s41996-024-00145-3>.
2. जैन, वी. (2024) “कोविड-19 संकट के बीच राजस्थान का सूक्ष्म उद्यम: परिचालन प्रदर्शन और लचीलेपन का प्रश्न।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 17, 2024, पृष्ठ 64-72
3. कथूरिया, वी., और एस.एन. राज। “भारतीय विनिर्माण उद्योगों में निकासी की क्या व्याख्या है?” *भारतीय विकास और विकास समीक्षा*, खंड 17, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 207-223।
4. जरदोश, एन., और वी. कथूरिया। “मुंबई, भारत में अनुप्रयोग के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विकल्पों का सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण।” *अपशिष्ट प्रबंधन और अनुसंधान*, खंड 43, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 39-49। <https://doi.org/10.1177/0734242X241231401>.
5. शर्मा, एम., और वी. कथूरिया। “मैक्रोइकोनॉमिक नाउकास्टिंग: केंद्रीय बैंक संरचनात्मक साहित्य समीक्षा से क्या सीख सकते हैं?” *जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स*, 2024 <https://doi.org/10.1007/s40953-024-00421-x>.
6. कथूरिया, वी., और एस.एन. राज। “बजट में मेक इन इंडिया: आवंटन और परिणाम!” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 39, 2024, पृष्ठ 45-51
7. जरदोश, एन., और वी. कथूरिया। “भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन पर नियामक नीति उपकरणों का प्रभाव: एक प्रणालीगत गतिशीलता दृष्टिकोण।” *अपशिष्ट प्रबंधन और अनुसंधान*, 2024। <https://doi.org/10.1177/0734242X241304342>.

अनुसंधान रिपोर्ट

1. मोहनकुमार, एस., और एस. सेन. स्व-रोजगार और सशक्तिकरण के लिए महिला पहल: राजस्थान के

झालावाड़ जिले का एक अध्ययन (आरआर-324)। विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर; आईटीसी लिमिटेड; एसआईआईआरडी, 2024

2. महामल्लिक, एम. राजस्थान में ट्रांसजेंडर जनसंख्या पर एक अध्ययन। वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, 2024 को प्रस्तुत।
3. महामल्लिक, एम. राजस्थान में जेल सुधार। वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, 2024 को प्रस्तुत।
4. महामल्लिक, एम., और वी. कथूरिया। राजस्थान में आकांक्षी जिलों का विश्लेषण। राजस्थान सरकार, जयपुर, 2024 के नियोजन विभाग को प्रस्तुत।
5. जैन, वी. राजस्थान के विद्युत क्षेत्र में विद्युत उत्पादन दक्षता: तकनीकी, आर्थिक और परिचालन संबंधी मुद्दों की जाँच। वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, 2024 को प्रस्तुत।
6. जैन, वी. राजस्थान डिस्कॉम्स की समग्र तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटीएंडसी) दक्षता: परिचालन गतिशीलता पर एक जाँच। वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर, 2024 को प्रस्तुत।
7. राम, एच. भारत में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य (एसआरएच) की स्थिति और संबंधित संकेतकों पर जिला स्तरीय तथ्यपत्र का संकलन। भारतीय परिवार नियोजन संघ (एफपीए, भारत), मुंबई, 2024 को प्रस्तुत।

पुस्तकालय

संस्थान के पुस्तकालय में विभिन्न विकास विषयों पर आधारित 36,529 पुस्तकों और दस्तावेजों का समृद्ध संग्रह है। यह सूचना के कुशल भंडारण, प्रसंस्करण और पुनर्प्राप्ति के लिए सीडीएस/आईएसआईएस और विनिसिस सॉफ्टवेयर (यूनेस्को द्वारा विकसित) का उपयोग करता है

यह पुस्तकालय विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और संयुक्त राष्ट्र अनुसंधान संगठन (UNRISD) जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 6,500 से अधिक प्रकाशनों का भंडार है। इसमें एफएओ, एपीओ, आईडीआरसी, आईएफपीआरआई और आईडब्ल्यूएमआई जैसी एजेंसियों की व्यापक शोध और संदर्भ सामग्री भी मौजूद है।

एक मूल्यवान डिजिटल संग्रह में सीडी पर अंतर्राष्ट्रीय डेटाबेस शामिल हैं, जैसे विश्व बैंक संकेतक, विश्व विकास रिपोर्ट, यूएनसीडीडी द्वारा ट्रेडकैन, और आईएफपीआरआई, आईएलओ, एडीबी और आईएमएफ से पोषण और श्रम डेटा, जो गहन शोध का समर्थन करते हैं।

आईडीएस पुस्तकालय में 48,000 से ज्यादा लेख, 22,000 पुस्तकें और लगभग 12,000 शोध सामग्री कम्प्यूटरीकृत हैं। यह जेएसटीओआर, इंडियास्टेट, इकॉनलिट, ईपीडब्ल्यूआरएफ जैसे प्रमुख ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है, और इसमें जनगणना और अंतर्राष्ट्रीय डेटा वाली 709 सीडी भी हैं।

पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं में आईडीएस संकाय और कर्मचारी, भारत और विदेश के विद्वान, छात्र, शिक्षक और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। पुस्तकालय वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन

(ओएनओएस) प्लेटफॉर्म तक पहुँच भी प्रदान करता है, जो 30 प्रमुख प्रकाशकों की हजारों अकादमिक पत्रिकाएँ और शोध लेख उपलब्ध कराता है।

2024-25 में, पुस्तकालय ने इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, आईएसएसआई क्वार्टरली, पांच दैनिक समाचार पत्र, रोजगार समाचार, चार मासिक पत्रिकाओं की सदस्यता ली और अपने संग्रह में 83 नई पुस्तकें जोड़ीं, जिससे अनुसंधान और सीखने के लिए इसके संसाधनों का लगातार विस्तार हुआ।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

आईडीएस, जयपुर

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	89.15	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	222.71
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान	100.00	स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	47.82
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	126.89	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	18.89
कोई अन्य स्रोत	0.00	विविध व्यय	0.00
		व्यय पर आय का व्यय	76.62
कुल	366.04	कुल	366.04

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

आर्थिक विकास संस्थान (आईजी), दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

- चेतन घाटे, “द ग्रेट इंडियन सेविंग्स पज़ल”, स्व-प्रेरित।
- चेतन घाटे, “भारतीय अर्थव्यवस्था की 2024 मध्य-वर्षीय समीक्षा”, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित।
- चेतन घाटे, “भारत का विदेशी मुद्रा भंडार और वैश्विक जोखिम”, इंडिया पॉलिसी फोरम।
- चेतन घाटे, “सार्वजनिक ऋण: भारत में ऋण न्यूनीकरण लक्ष्यों के लिए राजकोषीय आवश्यकताएं”, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली द्वारा आमंत्रित।

- चेतन घाटे, “सार्वजनिक ऋण: भारतीय सार्वजनिक ऋण की परिपक्वता संरचना - भारतीय डेटा का उपयोग करते हुए एक विस्तृत दृष्टिकोण”, एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स (खंड 53) में प्रकाशित होगा।
- इंद्राणी गुप्ता, “सरकारी बजट में स्वास्थ्य के लिए राजकोषीय स्थान और प्राथमिकता: भारतीय राज्यों का एक अध्ययन”, वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई पर एनआईएचआर परियोजना “चुनौतीपूर्ण समय में यूएचसी के लिए स्वास्थ्य वित्तपोषण: किसी को पीछे न छोड़ना”, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) द्वारा वित्त पोषित।

- इंद्राणी गुप्ता, “ग्रामीण भारत में सार्वजनिक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की सुलभता का विस्तृत मूल्यांकन”, वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई पर एनआईएचआर परियोजना, “चुनौतीपूर्ण समय में यूएचसी के लिए स्वास्थ्य वित्तपोषण: किसी को पीछे न छोड़ना”, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “कोविड-19 और गरीबी के जोखिमों का असमान वितरण: शहरी भारत से साक्ष्य”, स्व-प्रेरित।
- इंद्राणी गुप्ता, “गुणवत्तापूर्ण (यूएचसी) गर्भनिरोधक (सरल) तक सार्वभौमिक पहुंच की ओर”, पॉपुलेशन सर्विस इंटरनेशनल द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “वैश्विक स्वास्थ्य समानता के लिए लैंगिक न्याय प्राप्त करना: लैंगिक और स्वास्थ्य पर लैंगेज आयोग”, द लैंगेज द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

- चेतन घाटे, “अनौपचारिकता, कराधान और सार्वजनिक ऋण”, स्व-प्रेरित
- चेतन घाटे, “अनौपचारिकता, कराधान और सार्वजनिक ऋण”, स्व-प्रेरित
- चेतन घाटे, “राजकोषीय प्रभुत्व और ऋण की परिपक्वता संरचना”, स्व-प्रेरित।
- इंद्राणी गुप्ता, “चुनौतीपूर्ण समय में यूएचसी के लिए स्वास्थ्य वित्तपोषण: किसी को पीछे न छोड़ना”, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “राजकोषीय पुनर्गठन और स्वास्थ्य क्षेत्र पर इसके प्रभाव: उत्तर प्रदेश और बिहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य बजट का विश्लेषण”, बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “क्या स्वास्थ्य पर जेब से किए जाने वाले खर्च में दूरी मायने रखती है? भारत के मेघालय में एक प्राथमिक सर्वेक्षण से साक्ष्य”, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण: लोकतंत्र, स्वतंत्रता और प्रभावी शासन की भूमिका की जांच”, स्व-प्रेरित।

- इंद्राणी गुप्ता, “खराब परिणामों को समझना – मेघालय में उच्च निवेश विरोधाभास”, स्व-प्रेरित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

- इंद्राणी गुप्ता, “क्या स्वास्थ्य पर जेब से किए जाने वाले खर्च में दूरी मायने रखती है? भारत के मेघालय में एक प्राथमिक सर्वेक्षण से साक्ष्य”, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर) द्वारा वित्त पोषित।
- इंद्राणी गुप्ता, “मेघालय में खराब परिणाम-उच्च निवेश विरोधाभास को समझना”, स्व-प्रेरित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

- आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) और वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 4 से 6 अक्टूबर 2024 तक आयोजित “भारतीय युग” पर तीन दिवसीय कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन
- 7 अक्टूबर 2024 को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर ऐनी कुगर और प्रोफेसर अमियतोष पूर्णानंदम के साथ एक दिवसीय “कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2024 – कार्यक्रम पश्चात बातचीत” का आयोजन किया गया।

सेमिनार

- 10 मई 2024 को “विविधता से सीखना: भारत में “जाति” विभाजन, सामाजिक अपेक्षाएँ और बेहतर स्वच्छता प्रथाएँ” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: उपासक दास (मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके)।
- 5 जुलाई 2024 को “भारत में कृषि हस्तक्षेपों के वितरणात्मक प्रभाव” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ता: सागर सक्सेना (ईजीसी, येल विश्वविद्यालय)।
- 12 जुलाई 2024 को “बुजुर्गों की मृत्यु दर पर मध्य-स्तरीय प्रदाताओं का प्रभाव: भारत के बड़े पैमाने पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा विस्तार के साक्ष्य” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: पैट्रिक अग्रे (ईजीसी, येल विश्वविद्यालय)।

4. 19 जुलाई 2024 को “कणों से जलवायु तक: शहरी वायु पर विचार” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ता: अवधेंद्र शरण (सीएसडीएस)।
5. 26 जुलाई 2024 को “पर्यावरण प्रदर्शन और पूंजी बाजार” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ता: श्रीकांत गुप्ता (इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान)।
6. 29 अगस्त 2024 को “क्या कुशल होना लाभदायक है? वैश्वीकरण के बाद के भारत में कौशल प्रीमियम की बदलती गतिशीलता” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: मृणालिनी झा (ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी)।
7. 6 सितंबर 2024 को “भंडारण करें या न करें: भारत में किसानों की अपेक्षाओं और भंडारण से होने वाले लाभ पर साक्ष्य” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: सुधा नारायणन (आईएफपीआरआई)।
8. 20 सितंबर 2024 को “तृतीयक शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन: भारत से साक्ष्य” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: अभिरूप मुखोपाध्याय (आईएसआई-दिल्ली)।
9. 27 सितंबर 2024 को “साझेदारी के माध्यम से भारत में पोषण नीतियों और कार्यक्रमों के समर्थन के लिए साक्ष्य निर्माण” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: एस.के. सिंह (पूर्व निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर, आईआईपीएस)।
10. 18 अक्टूबर 2024 को “जलवायु झटके, घरेलू हिंसा और जलवायु-लचीलापन परियोजनाओं की सुरक्षात्मक भूमिका” पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: निधिया मेनन (ब्रैंडिस विश्वविद्यालय)।
11. 8 नवंबर 2024 को “छोटा हमेशा सुंदर नहीं होता: फर्म का आकार और महिला रोजगार” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: कनिका महाजन (अशोका विश्वविद्यालय)।
12. एक दिवसीय “सार्वजनिक वियोग और निजी विस्तार पर संगोष्ठी: भारत में ग्राम-स्तरीय प्रशासन का डिजिटल निजीकरण”, 22 नवंबर 2024 को आयोजित किया गया। वक्ता: मरीन अल दहदा (सीएनआरएस, आईएफपी-सीईएमएस)।
13. 10 जनवरी 2025 को “कृषि उत्पादकता पर बिना शर्त नकद हस्तांतरण की प्रभावशीलता का अनावरण: भारत से साक्ष्य” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: देबदत्ता पाल (भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ)।
14. 6 फरवरी 2025 को “ब्रिजिंग द माइल्स: स्पैटियल फैक्टर्स इन जॉब एप्लीकेशन एंड सिलेक्शन” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: परमिता मुखर्जी।
15. “क्या मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण सूचना प्रसारण में सहायक है?” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी। वक्ता: शतद्रु दास (भारतीय रिजर्व बैंक)।
16. 7 मार्च 2025 को “जो आपको नहीं मारता, वह आपको अधिक चिंतित बनाता है: नेपाल में मानसिक स्वास्थ्य पर नागरिक संघर्ष का प्रभाव” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: विक्टोरिया टैफेसे (यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके)।
17. 13 मार्च 2025 को “बाल टीकाकरण पर अनाथता और माता-पिता की देखभाल की कमी के प्रभाव: 82 निम्न और मध्यम आय वाले देशों, 2005 से 2022 तक 189 क्रॉस-सेक्शनल घरेलू सर्वेक्षणों का विश्लेषण” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: मीरा जौहरी।
18. 20 मार्च 2025 को आयोजित “अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति, संचय और श्रम पर स्वायत्त मांग के झटकों का प्रभाव” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार। वक्ता: सैंटियागो जोस गेहन (यूनिवर्सिटी डेगली स्टुडी “निकोलो कुसानो”)।
19. 10 जुलाई 2024 को “फिनटेक, रोजगार और समय-उपयोग: एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य” पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: संध्या गर्ग (आईईजी)।
20. 2 अगस्त 2024 को “बैंक झटकों के वास्तविक प्रभाव” पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: विवेक शर्मा (लैंकेस्टर विश्वविद्यालय)।
21. 1991-2021 के दौरान भारतीय कॉर्पोरेट फर्मों में लीवरेज के वितरण में बदलाव और “क्लब” का गठन: एक गैर-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण” पर एक दिवसीय सेमिनार 16 जनवरी 2025 को आयोजित किया गया। वक्ता: इंद्राणी चक्रवर्ती (आईईजी)।
22. 26 सितंबर 2024 को “उत्पाद विभेदीकरण और मूल्य प्रतिस्पर्धा के तहत अंतर्जात विलय: उच्च गुणवत्ता वाले निर्माता की भूमिका” पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: नीलांजन सेन (मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स)।

23. 9 जनवरी 2024 को “निर्मित वस्तुओं के निर्यात में वैश्विक मूल्य शृंखलाओं की भूमिका” पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वक्ता: एम. राहुल (आईईजी)।
24. 29 जनवरी 2024 को “उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों का रोजगार प्रभाव” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: सुगत चतुर्वेदी (अहमदाबाद विश्वविद्यालय)।
25. 9 मई 2024 को “छूटी हुई माताएँ, पीछे छूटी हुई बेटियाँ” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ता: चिन्मयी श्रीकांत (आईईजी-सीडीई)।

व्याख्यान

1. 22 फरवरी 2025 को प्रो. कैथ वेस्टन द्वारा “भारतीय समाजशास्त्र में योगदान: आईईजी-सेज व्याख्यान” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. डॉ. एम. राहुल (आईईजी) द्वारा “अमेरिकी टैरिफ नीति और वैश्विक आर्थिक स्थिरता: संरक्षणवाद या प्रगति” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएं

1. “वित्त और बाजार पर पहली कार्यशाला” पर दो दिवसीय कार्यशाला, टाटा सूचना प्रौद्योगिकी अध्यक्ष और एचडीएफसी बैंकिंग और वित्त अध्यक्ष के तहत 15 से 16 अप्रैल 2024 तक क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली (ऑफ़लाइन) के सहयोग से आयोजित की गई
2. 8 अगस्त 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में इंस्टीट्यूट ऑफ़ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी), येल विश्वविद्यालय और भारत रोजगार और औद्योगिकीकरण कंसोर्टियम (आईआईसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित “भारत में लिंग और विकास अंतराल - अनुसंधान और नीति संवाद 2024” पर एक दिवसीय कार्यशाला (ऑफ़लाइन)।
3. 9 अगस्त 2024 को (ऑफ़लाइन) आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी), येल विश्वविद्यालय और भारत रोजगार और औद्योगिकीकरण कंसोर्टियम (आईआईसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित “अर्थशास्त्र में नेतृत्व में महिला (डब्ल्यूआईएल)” पर एक दिवसीय कार्यशाला।
4. 27 नवंबर 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में “स्लम निवासियों के लिए हीट वेव अनुकूलन हस्तक्षेप” पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई (ऑफ़लाइन)।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. घाटे, चेतन। आईएसआई दिल्ली के एमएसक्यूई कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम: “समष्टि अर्थशास्त्र II, मौद्रिक अर्थशास्त्र और वैश्विक समष्टि अर्थशास्त्र।”

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 3 विद्वान अपना पीएच.डी. शोध जारी रख रहे हैं।

प्रकाशन

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. घाटे, सी., और पी.डी. दास। “भारत में ऋण न्यूनीकरण लक्ष्यों के लिए राजकोषीय आवश्यकताएँ।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 39, 2024, विशेष बजट अंक
2. झा, आर., डी. सिंह सौन, और आई. गुप्ता। “कोविड-19 और भारत में चिकित्सा उपकरण: एक लचीली स्वास्थ्य प्रणाली के लिए व्यापार।” *इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ*, अप्रैल-जून 2024, वोल्टर्स क्लूवर।
3. दुग्गल, बी., आई. गुप्ता, वी. रायपति, और यू. कुमार। “आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत पक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन - उपयोग और लागत निहितार्थ।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, वॉल्यूम। 59, नहीं। 35, 31 अगस्त 2024।
4. डांग, ए., वी. रात्रा, सिंह, और आई. गुप्ता। “ग्रामीण भारत में सार्वजनिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की पहुँच का विस्तृत मूल्यांकन।”
5. डांग, ए., एम. दास, और आई. गुप्ता। “कोविड-19 और गरीबी के जोखिमों का असमान वितरण: शहरी भारत से साक्ष्य।”
6. गुप्ता, आई., और ए. सिंह. “शहरी स्वास्थ्य: दरारों से फिसलते हुए।”, 22 मई 2024.
7. गुप्ता, आई., और ए. सिंह। “भारत में शहरी स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान: शहरी गरीबों पर ध्यान केंद्रित करना।” *सीएसईपी चर्चा पत्र*, 17 मार्च 2025।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. घाटे, सी., अथारे, पी., दास, जी.के., गर्ग, एस., राहुल, एम., और एस. सिंह। *भारतीय अर्थव्यवस्था की 2024 मध्य-वर्षीय समीक्षा*। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 2025

पुस्तकालय

आईईजी स्थित सीएच हनुमंत राव पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान से संबंधित पुस्तकों और दस्तावेजों का एक विशिष्ट संग्रह है, जिसका मुख्य उद्देश्य विकास और नियोजन है। यह मुख्य रूप से संकाय की अनुसंधान और प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। पुस्तकालय के संग्रह में अनुसंधान संगठनों, कॉर्पोरेट निकायों, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, विश्वविद्यालयों और विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सरकार के विभागों द्वारा निर्मित सूक्ष्म दस्तावेज, धारावाहिक और आधिकारिक प्रकाशन शामिल हैं, जिनमें उनके अनुसंधान और मूल्यांकन प्रकोष्ठ भी शामिल हैं

31 मार्च, 2025 तक, पुस्तकालय में लगभग 1,49,700 परिग्रहण दस्तावेज हैं, जिनमें पुस्तकें, मोनोग्राफ, कार्यशाला पत्र और सम्मेलन कार्यवाहियाँ शामिल हैं, साथ ही भारत और अन्य देशों के डेटा वाले लगभग 3,500 सांख्यिकीय धारावाहिक भी हैं। यह संस्थागत अनुसंधान रिपोर्ट, कार्य पत्र और कंपनियों, सरकारी विभागों और अन्य संस्थाओं की वार्षिक रिपोर्ट जैसे सूक्ष्म दस्तावेजों का भी रखरखाव करता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में 1,250 शीर्षकों वाले पत्रिकाओं के 24,500 पुराने संस्करणों का संग्रह है। वर्तमान में, पुस्तकालय 172 पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, जिनमें से 52 सदस्यता द्वारा, 28 विनिमय के माध्यम से और 92 निःशुल्क प्राप्त की जाती हैं। यह आईईजी के शोध परिणामों और प्रकाशनों का—जिसमें इसकी पत्रिका, "भारतीय समाजशास्त्र में योगदान" भी शामिल है—भारत और विदेशों में समान संस्थानों के साथ आदान-प्रदान भी करता है।

पुस्तकालय में 1872 से शुरू होने वाली जनगणना रिपोर्टों का एक व्यापक संग्रह है। 1872 से 1951 तक के जनगणना आँकड़े माइक्रोफ़िच प्रारूप में उपलब्ध हैं, जबकि 1951

से 2011 तक के आँकड़े हार्ड कॉपी में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, 1991, 2001 और 2011 के जनगणना आँकड़े सीडी में उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में यूनेस्को संग्रह से प्राप्त पुरानी पांडुलिपियों और दस्तावेजों का एक अनूठा संग्रह भी है। इसमें एसआई, एनएसएस, विश्व बैंक, आईएमएफ और एडीबी जैसी संस्थाओं के महत्वपूर्ण डेटासेट और सीडी का एक विस्तृत संग्रह है, जिनकी कुल संख्या 31 मार्च, 2025 तक 1,396 सीडी-रोम है।

आईईजी लाइब्रेरी ने आईईजी वर्किंग पेपर्स, डिस्कशन पेपर्स और अन्य शोध आउटपुट को डिजिटल रूप दिया है, और ये सभी आईईजी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण पाठ में उपलब्ध हैं। लाइब्रेरी ने एक डेटा सेंटर भी स्थापित किया है और indiastat.com, द इकोनॉमिस्ट ऑनलाइन और सीएमआईई-सीपीडीएक्स (कंज्यूमर पिरामिड्स डीएक्स) सहित कई प्रमुख डेटाबेस की सदस्यता ली है।

वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएन से जुड़ा हुआ और डेलनेट का सदस्य, यह पुस्तकालय टेलर एंड फ्रांसिस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, सेज ऑनलाइन, इकॉनलिट, जेएसटीओआर, साइंसडायरेक्ट और ईबीएससीओ जैसे ऑनलाइन संसाधनों, पत्रिकाओं और डेटाबेस की एक विस्तृत शृंखला तक पहुंच प्रदान करता है।

2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने संकाय और शोधकर्ताओं के लिए कई उपयोगकर्ता अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें आईईजी परिवीक्षार्थियों, संकाय और शोध कर्मचारियों के लिए ईबीएससीओ डेटाबेस उपयोगकर्ता प्रशिक्षण भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, आईईजी पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के छात्रों के लिए पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में इंटरनशिप प्रशिक्षण प्रदान करता है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

आईईजी, दिल्ली

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	401.93	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	582.41
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	5.72	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	19.8

आय	राशि	व्यय	राशि
कोई अन्य स्रोत	194.56	विविध व्यय	0.00
कुल	652.21	कुल	652.21

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सार्वजनिक उद्यम संस्थान (आईपीई), हैदराबाद**अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)**

1. श्रीनिवास मूर्ति, एस., सिंह महापात्रा, एम., और रॉब, सी., “अंतर्राष्ट्रीय परियोजना: भारतीय परिवारों का वित्तीय कल्याण”, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन द्वारा वित्त पोषित
2. श्रीनिवास मूर्ति, एस., कार्तिक, सिंह महापात्रा, एम., और ऋचा, “दुनिया के विभिन्न देशों में बाजरा के निर्यात बाजार, उनके प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर एक अध्ययन”, भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित।
3. लक्ष्मी कुमारी, सी., नोरी, यू., कल्याणी, शौकत, एम., डॉंथी, वी., और मस्चेंडर गौड, एम, “भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत तमिलनाडु - मदुरै में सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. कल्याण कुमार, ए.एस., शाहीन, विवेक, एस., और पिप्ले, आर., “भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास पर डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण ढांचे के प्रभाव पर एक अध्ययन, जिसमें चुनिंदा दक्षिण भारतीय राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. कार्तिक, एम, “भारतीय कपड़ा और परिधान उद्योग में बालिका श्रम की व्यापकता - तमिलनाडु और गुजरात में परिधान समूहों पर एक अध्ययन”, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
6. नोरी, यू., और कार्तिक, एम, “भारतीय एसएमई की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं का उदय: विनिर्माण और आईटी क्षेत्रों का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

7. विजय कुमार रेड्डी, पी.वी., राम कृष्ण, वाई., महेश, पी., चाना, डी., और खान, एम, “बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका - तेलंगाना में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रभावी कार्यान्वयन पर एक अनुभवजन्य अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
8. अजहर अली, एस., सिंह महापात्रा, एम., नाइक, ए., और बाबा, एम. ए., “ग्रामीण महिला सशक्तिकरण में वित्तीय समावेशन की भूमिका: पीएमजेडीवाई का प्रभाव विश्लेषण”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
9. कार्तिक, एम., दोंती, वी., मेहरोत्रा, एस., और जाधव, पी, “स्टैंड-अप इंडिया का प्रभाव - भारत के चुनिंदा राज्यों में उद्यमियों का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
10. मेहर करुणा, एम., श्रीधर राज, ए., और शंकर, एस, “मेक इन इंडिया का सामाजिक प्रभाव - तेलंगाना में सामाजिक भलाई के लिए व्यापार करने में आसानी पर एक अनुभवजन्य अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
11. अकुंदी, ए., और शंकर, एस, “भारतीय प्रबंधन लोकाचार में परंपरा और आधुनिकता - एक नृवंशविज्ञान जांच”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. एस. श्रीनिवास मूर्ति, पी.वी. विजय कुमार रेड्डी, डी. वसंती

- और मोहसिन खान, “भारत के चुनिंदा राज्यों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों में सशक्तिकरण की दिशा में लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति पर शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रभाव पर एक अनुदैर्घ्य परिप्रेक्ष्य”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. चौधरी लक्ष्मी कुमारी, “एसएमई पर सौर ऊर्जा अपनाने के कारकों और प्रभाव का मूल्यांकन: हैदराबाद के एसएमई का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
 3. उज्जल मुखर्जी, चौधरी लक्ष्मी कुमारी, एम. मशेंद्र गौड़, पी. कल्याणी और स्वाति माथुर, “स्थायी ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाना: हितधारकों की धारणा और प्रभाव आकलन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
 2. 25 अक्टूबर, 2024 को आईपीई में डॉ. वरदराजू जनार्दन (उपाध्यक्ष - मानव संसाधन, फ्लिपकार्ट) द्वारा “ए बिलियन ड्रीम्स: डिफेंडिंग फ्लिपकार्ट की विकास कहानी” पर व्याख्यान दिया गया।
 3. 7 नवंबर, 2024 को डॉ. श्री ज्योति कौथा (सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक उद्यम संस्थान) द्वारा “गुणात्मक अनुसंधान विधियां और परिकल्पना परीक्षण” पर व्याख्यान दिया गया।
 4. 20 मार्च, 2025 को श्री अभिनव गुप्ता (एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, इनोवेशन) द्वारा “एआई और कार्य का भविष्य” विषय पर व्याख्यान दिया गया।
 5. 20 मार्च, 2025 को श्री मधु वडलमणि (प्रेक्टिस मैनेजर, मिरेकल सॉफ्टवेयर) द्वारा “स्टार्टअप शॉपिंग क्रांति” पर व्याख्यान दिया गया।
 6. 28 मार्च, 2025 को डॉ. श्री ज्योति कौथा (सहायक प्रोफेसर, सार्वजनिक उद्यम संस्थान) द्वारा “वित्तीय बाजारों का परिचय” विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- सम्मेलन / सेमिनार / व्याख्यान / कार्यशालाएं / अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम / वेबिनार**

सम्मेलन

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आईपीई हैदराबाद द्वारा 21 मार्च 2025 को “आईसीएसएसआर विज्ञान विकसित भारत @ 2047: सतत पर्यटन के माध्यम से ग्रामीण परिदृश्यों का परिवर्तन” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया
2. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आईपीई हैदराबाद द्वारा 18 से 19 जुलाई 2024 तक “जल स्थिरता और ग्रामीण विकास” पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सेमिनार

1. आईपीई शमीरपेट परिसर द्वारा रामकी समूह के सहयोग से 20 से 21 मार्च 2025 तक “स्टार्टअपपीडिया'25” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

व्याख्यान

1. 25 सितंबर, 2024 को सुश्री तारा कोमारराजू (कॉर्पोरेट शिक्षण एवं विकास सलाहकार) द्वारा “जीवन के व्यवसाय को समझना” विषय पर व्याख्यान दिया गया

कार्यशालाएं

1. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 17 मई से 18 मई 2024 तक “ग्राहक अधिग्रहण और प्रतिधारण रणनीति” पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई
2. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 21 मई से 22 मई 2024 तक “ग्राहक अधिग्रहण और प्रतिधारण रणनीति” पर दो दिवसीय कार्यशाला, [साक्षी टीवी के अधिकारियों के लिए] आयोजित की गई।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) एसआरसी, हैदराबाद के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा 24 से 30 जून 2024 तक आयोजित सात दिवसीय “सामाजिक विज्ञान में पीएचडी विद्वानों के लिए अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम”
2. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा 25 नवंबर 2024 से 5 दिसंबर 2024 तक “गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान के लिए नवीन उपकरणों और तकनीकों के अनुप्रयोग” पर दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 15 से 16 अप्रैल 2023 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 22 से 24 अप्रैल 2024 तक आयोजित “नेतृत्व उत्कृष्टता त्वरक कार्यक्रम” [रामकी एस्टेट्स एंड फार्म्स लिमिटेड, हैदराबाद के अधिकारियों के लिए] मॉड्यूल-V पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
3. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 6 से 7 मई 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 10 से 11 जून 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
5. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 25 से 27 जून 2024 तक “नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
6. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 8 से 9 जुलाई 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
7. 12 जुलाई 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा आयोजित “आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग” पर आधे दिन का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम [रामकी एस्टेट्स एंड फार्म्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए]।
8. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 5 से 6 अगस्त 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
9. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 7 से 9 अगस्त 2024 तक “परियोजना मूल्यांकन, वित्तपोषण और प्रबंधन” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
10. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 22 से 23 अगस्त 2024 तक “उच्च प्रभाव कॉर्पोरेट प्रदर्शन के लिए सीएसआर” पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
11. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 28 से 30 अगस्त 2024 तक “इम्पैक्ट: उद्योग 5.0 के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता में महारत हासिल करना” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
12. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 9 से 10 सितंबर 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
13. 26 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा “साइबर सुरक्षा” पर एक दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम [सिक्वोरिटी प्रिंटिंग प्रेस, हैदराबाद के अधिकारियों के लिए] आयोजित किया गया।
14. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 25 से 27 सितंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम “कार्यस्थल पर अपनी बात कैसे कहें: वरिष्ठों, सहकर्मियों और बाहरी ग्राहकों के साथ संवाद करने के कौशल” [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए]।
15. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 7 से 8 अक्टूबर 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
16. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 9 से 11 अक्टूबर 2024 तक “बिजनेस शिष्टाचार और ग्रूमिंग” [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पर्यवेक्षकों के लिए] पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
17. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 21 से 23 अक्टूबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, “भावनात्मक गुणांक कैसे बढ़ाएं, भावनाओं पर नियंत्रण कैसे करें और सामाजिक कौशल को बढ़ावा दें” [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए]।
18. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 4 से 5 नवंबर 2024 तक “पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम” [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट

- लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
19. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 6 से 8 नवंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम "भावनात्मक गुणांक कैसे बढ़ाएं, भावनाओं पर नियंत्रण कैसे करें और सामाजिक कौशल को बढ़ावा दें" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए]।
 20. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 12 से 14 नवंबर 2024 तक "परिवर्तनकारी नेतृत्व" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
 21. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 12 से 14 नवंबर 2024 तक आयोजित "बिजनेस राइटिंग स्किल्स एंड कम्युनिकेशन" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पर्यवेक्षकों के लिए] पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
 22. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 18 से 20 नवंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, "कार्यस्थल पर अपनी बात कैसे कहें: वरिष्ठों, सहकर्मियों और बाहरी ग्राहकों के साथ संवाद करने के कौशल" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए]।
 23. "सामाजिक भलाई के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विपणन" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम [विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित], आईपीई, हैदराबाद द्वारा 18 से 22 नवंबर 2024 तक आयोजित किया गया।
 24. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 25 से 27 नवंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, "भावनात्मक गुणांक कैसे बढ़ाएं, भावनाओं पर नियंत्रण कैसे करें और सामाजिक कौशल को बढ़ावा दें" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए]।
 25. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 28 से 30 नवंबर 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, "भावनात्मक गुणांक कैसे बढ़ाएं, भावनाओं पर नियंत्रण कैसे करें और सामाजिक कौशल को बढ़ावा दें" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए]।
 26. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 2 से 3 दिसंबर 2024 तक "पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम" [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
 27. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 16 से 20 दिसंबर 2024 तक "कार्यकारी महिला विकास कार्यक्रम" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
 28. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 19 से 21 दिसंबर 2024 तक आयोजित "फ्लोरिश: अनलॉकिंग वीमेन वेलनेस पोटेंशियल" [पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की महिला अधिकारियों के लिए] पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
 29. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 6 से 7 जनवरी 2025 तक "पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम" [एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
 30. 23 से 24 जनवरी 2025 तक आईपीई, हैदराबाद द्वारा आयोजित "सेवा निपुणता: दृष्टिकोण, तैयारी और आदतें, बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए सेवा प्रक्रिया" [बीएमडब्ल्यू केयूएन एक्सक्लूसिव के कर्मचारियों के लिए] पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
 31. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 17 से 21 फरवरी 2025 तक "सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के परिवर्तनकारी मार्ग" [डीएसटी प्रायोजित कार्यक्रम] पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
 32. आईपीई, हैदराबाद द्वारा 20 से 21 फरवरी 2025 तक "सीएसआर नीति, सर्वोत्तम प्रथाओं और रिपोर्टिंग" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वेबिनार

1. आईपीई, हैदराबाद द्वारा गौतमी डिग्री कॉलेज, शमशाबाद के सहयोग से 4 अप्रैल 2024 को "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया।
2. गायत्री डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, राजेंद्रनगर के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा 4 अप्रैल 2024 को "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

3. 4 अप्रैल 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन विभाग, गिर्राज सरकारी कॉलेज (स्वायत्त), निजामाबाद के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
4. 4 अप्रैल 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा आंध्र महिला सभा, आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन, हैदराबाद के सहयोग से "छात्र विकास" (ऑनलाइन और ऑफलाइन) पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
5. 13 जून 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा तेलंगाना सोशल वेलफेयर रजिडेंशियल डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, अरमूर के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
6. 13 जून 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा सेंट मैरी सेंटेनरी डिग्री कॉलेज, हैदराबाद के सहयोग से "एफडीपी ऑनलाइन" पर पांच दिवसीय एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
7. 11 जुलाई 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
8. 11 जुलाई 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा सेंट मैरी कॉलेज, हैदराबाद के सहयोग से "एफडीपी ऑनलाइन" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
9. 11 जुलाई 2024 को अर्का जैन विश्वविद्यालय, झारखंड के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा "पीएचडी स्कॉलर्स के लिए क्षमता निर्माण" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
10. 11 जुलाई 2024 को इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एंड मैनेजमेंट, गाजियाबाद के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा "सहयोगी राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
11. 14 अगस्त 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा अमेरिकन एकेडमी ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट (एएफएम इंडिया) के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
12. 30 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा टीजीएसडब्ल्यू आवासीय डिग्री और पीजी कॉलेज फॉर विमेन, जगतगिरिगुट्टा, मेडचल के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
13. 30 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा सेंट फ्रांसिस कॉलेज फॉर विमेन, बेगम्पेट के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
14. 30 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा विज्ञान भारती प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से पावर बीआई पर "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
15. 30 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, वाणिज्य विभाग, बोधन के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
16. 30 सितंबर 2024 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा सरकारी डिग्री कॉलेज, वाणिज्य विभाग, अरमूर के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
17. 4 फरवरी 2025 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा सरकारी डिग्री कॉलेज, धरपल्ली, निजामाबाद के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
18. गुरु नानक विश्वविद्यालय, आरआर जिला के सहयोग से आईपीई, हैदराबाद द्वारा 4 फरवरी 2025 को "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
19. 24 फरवरी 2025 को आईपीई, हैदराबाद द्वारा रेवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के सहयोग से "छात्र विकास" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 2 शोधार्थियों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की और 4 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, 6 शोधार्थी वर्तमान में संस्थान में पीएचडी शोध कर रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. कल्याण कुमार, एएस, *बिज़नेस एनालिटिक्स विद एआई* साइंटिफिक इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2024। आईएसबीएन 9789366740263

2. दुबे, ए., और बी. बागडे। भूमि उपयोग और भूमि आवरण: भारत में कर्नाटक राज्य का बागलकोट जिला। लुलु.कॉम, 2024। आईएसबीएन 781304257680।
3. मूर्ति, एस.एस., जे. किरणमई, और एस.के. मोहंती। शासन, उत्तरदायित्व और स्थिरता: नई पीढ़ी की अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियाँ। ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 2024। आईएसबीएन 978-93-61314-02-5।
8. मुखर्जी, यू. “मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाएँ और तंत्रिका विविधता: अनुसंधान एजेंडा खोलना।” *एजाइल सस्टेनेबल एचआर प्रैक्टिसेस: विविध अध्ययनों का संश्लेषण*, बेंथम साइंस, 2024।
9. मुखर्जी, यू. “संगठनात्मक संचार: शिक्षण संगठनों पर संचार के एक माध्यम के रूप में सोशल मीडिया का प्रभाव।” *मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक विकास में प्रगति*, 2024, पृष्ठ 192-223। <https://doi.org/10.4018/979-8-3693-0556-0.ch010>.

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. श्रीवास्तव, ए.के. “नेतृत्व शैली, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और कैरियर विकास के अवसरों का विश्लेषण।” *आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग*, 2024।
2. श्रीवास्तव, ए.के. “एयरलाइन कर्मचारी प्रेरणा में कौशल विकास, चुनौती और व्यक्तिगत विकास के महत्व का आकलन।” *आईजीआई ग्लोबल साइंटिफिक पब्लिशिंग*, 2024।
3. राज, बी. “लेखा और वित्त क्षेत्र में मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके उन्नत धोखाधड़ी का पता लगाना।” *विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (आईसीओएनएसटीईएम) पर 2024 के नौवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, आईईईई*, 2024। <https://doi.org/10.1109/ICONSTEM60960.2024.10568756>.
4. राज, बी. “एकीकृत पोर्टफोलियो प्रबंधन रणनीतियाँ: बेहतर निर्णय लेने के लिए IoT और मशीन लर्निंग का उपयोग।” *आईईईई*, 2024।
5. शेखर, सी.एम. “क्रॉस-कल्चरल बिज़नेस एनवायरनमेंट में सतत नैतिकता।” *बिज़नेस मैनेजमेंट एंड एथिक्स*, एमराल्ड पब्लिशिंग, 2025, अध्याय 2। <https://bookstore.emerald.com/business-management-and-ethics-hb-9781835492550.html>.
6. किरणमई, जे., और एस.के. मोहंती। “सीएसआर पहलों के माध्यम से स्वच्छता सुविधाएँ: भारत में स्कूलों से साक्ष्य।” *जीवित ग्रह का पोषण: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की समीक्षा*, एक्सेल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2024।
7. मेहरोत्रा, एस. “भारत में व्हिसलब्लोइंग सिस्टम को फिर से शुरू करना: तरीके और साधन।” *व्हिसलब्लोइंग और व्हिसलब्लोअर: एक जवाबदेह और नैतिक समाज को बढ़ावा देना*, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, 2024।
10. मुखर्जी, यू., बी. राज, और डी. अरोड़ा। “समावेशी कार्यस्थलों के लिए मेटावर्स का लाभ उठाना: अनुसंधान एजेंडा खोलना।” *निरंतर आभासी वास्तविकता की दुनिया में मानव संसाधन प्रबंधन का भविष्य*, एमराल्ड पब्लिशिंग, 2024, पृष्ठ 69-86।
11. श्रीकांत, वी., और एस. वीरमंगला। “गेमीफाइड मोबाइल ऐप्स के माध्यम से वैश्विक ग्राहक जुड़ाव (स्माइटन ऐप का एक उदाहरण)।” *गेमीफिकेशन और वैश्विक व्यापार प्रबंधन: भविष्य का मानचित्रण*, ए. बहल, बी. संपत और वी. परेरा द्वारा संपादित, वर्ल्ड साइंटिफिक, 2024, पृष्ठ 229-257। https://doi.org/10.1142/9789819801541_0010.

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. कल्याण कुमार, ए.एस. “डिजिटल युग में कर्मचारी कल्याण को बढ़ाने के प्रभाव पर एक अध्ययन: सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में परिवर्तन पर एक वैचारिक विश्लेषण।” *आईपीई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, खंड 14, संख्या 19, 2024, पृष्ठ 1-7। <https://doi.org/10.2249/ijpma.2024.01>.
2. श्रीवास्तव, ए.के., डी. सिंह, जी. मलिक, और ए. यादव। “बीमा और आर्थिक विकास संबंध: गतिशील संबंधों और भविष्य के अनुसंधान प्रक्षेप पथों का एक व्यापक अन्वेषण।” *जर्नल ऑफ इकोनॉमिक सर्वे*, 2024। <https://doi.org/10.1111/joes.12627>.
3. दुबे, ए. “स्पेस एंड कल्चर, उत्तर प्रदेश, भारत में कचरा बीनने वालों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का विश्लेषण।” *स्पेस एंड कल्चर इंडिया*, खंड 12, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 1-10। <https://doi.org/10.20896/saci.v12i2>.

4. दुबे, ए., और आर.के. मिश्रा। "क्षेत्रीय असमानता के बीच सतही जल प्रबंधन।" *मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज*, खंड 21, अंक 1, 2024, पृष्ठ 57-70
5. दुबे, ए. "जलोढ़ गंगा मैदानों और विंध्य पठार के जल गुणवत्ता मापदंडों का तुलनात्मक आकलन और मूल्यांकन।" *भौगोलिक विश्लेषण*, खंड 13, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 12-17। <https://doi.org/10.53989/bu.ga.v13i1.7>.
6. दुबे, ए. "उत्तर प्रदेश में कचरा बीनने वालों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विश्लेषण।" *स्पेस एंड कल्चर इंडिया*, खंड 29, अंक 1, 2024, पृष्ठ 57-70
7. दुबे, ए., ए. भाटी, वी.के. मायाला, एस. आनंद और डी. मीना। "उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद ज़िले में जैविक कृषि प्रणालियों का मूल्यांकन।" *मध्यभारती मानविकी और सामाजिक विज्ञान*, खंड 1, अंक 1, 2025, पृष्ठ 1-10।
8. बूरा, एन., और आर. गटला। "कर्मचारी जीवन चक्र: संगठनात्मक कार्य-जीवन संतुलन के लिए एक आदर्श संदर्भ।" *व्यवसाय, प्रबंधन और अर्थशास्त्र इंजीनियरिंग*, खंड 22, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 1634-1645। <https://doi.org/10.2669/BMEE.2024.01>.
9. बूरा, एन., और वाई.वी. सुजाना। "ग्राहक खरीद निर्णयों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव का मूल्यांकन: ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीद का एक केस स्टडी।" *जर्नल ऑफ मार्केटिंग विस्टास*, खंड 13, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 1-15
10. बूरा, एन., और पी. अदुपा। "आईटी क्षेत्र में कार्य-जीवन संतुलन की खोज: चुनौतियाँ, प्रभाव और मानव संसाधन रणनीतियाँ।" *इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और विज्ञान में आधुनिकीकरण का अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल*, खंड 6, संख्या 7, 2024, पृष्ठ 1134-1145। <https://doi.org/10.56726/IRJMETs60070>.
11. शेखर, एमसी "भारतीय उच्च शिक्षा में फॉरेंसिक अकाउंटिंग पर छात्र दृष्टिकोण।" *विजन*, 2025, पृष्ठ 1-15 <https://doi.org/10.1177/09722629241307135>.
12. चंद्रा, डी., और एमएस मुख्तार। "बैंकिंग पेशेवरों के बीच ऑनलाइन खरीदारी के इरादों पर ई-कॉमर्स का प्रभाव: व्यक्तिगत कारकों की मध्यस्थ भूमिका।" *बिमटेक बिजनेस पर्सपेक्टिव्स*, 2024
13. विद्यार्थी, एच., एस.के. तिवारी, आर. शेख, सी. चित्रे, और आर.वी. कोम्मू। "व्यावसायिक समूह और फर्म-विशिष्ट विशेषताएँ: उद्यमशीलता अभिविन्यास पर प्रभाव।" *अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र*, खंड 2, अंक 1, 2024, पृष्ठ 1-15।
14. विद्यार्थी, एच., एस. प्रसाद, जे. कुमार, और एस. मुखर्जी। "भारत में सार्वजनिक क्षेत्र, निजी और विदेशी बैंकों की दक्षता।" *अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र*, 2024। <https://doi.org/10.5281/zenodo.14566058>.
15. किरणमई, जे., पीएस भुल्लर, पीके गुप्ता, और डी. टंडन। "ऊर्जा वस्तुओं और वैश्विक स्टॉक सूचकांकों के बीच परस्पर निर्भरता: एक अस्थिरता संचरण दृष्टिकोण।" *एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू*, खंड 24, संख्या 11, 2024, पृष्ठ 1-12 <https://doi.org/10.1177/23197145241288>.
16. किरणमई, जे., पीएस भुल्लर, और पीके गुप्ता। "भारत में फर्मों के सीएसआर व्यय पर कॉर्पोरेट प्रशासन का प्रभाव और फर्म के प्रदर्शन का मध्यम प्रभाव।" *प्रबंधन और लेखा समीक्षा*, खंड 23, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 1-15
17. राज, केबी, ए. कुमार, एस. मोहम्मद, एन. अरोड़ा, एम. कुमार, और एसबी बाबर। "पारंपरिक बैंकिंग प्रणालियों पर वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) का प्रभाव।" *यूरोपियन इकोनॉमिक लेटर्स*, खंड 14, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 1-10।
18. राज, केबी, आरके बोम्मिसेट्टी, ए. राय चौधरी, एए अल-अतावी, एसडी होआंग, और जी. बागले। "संगठनों में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर बिग डेटा प्रक्रिया प्रभाव पर मानव संसाधन विश्लेषण मॉडल का एक व्याख्यात्मक विश्लेषण।" *अकाउंटेंसी बिजनेस एंड द पब्लिक इंटरैस्ट*, खंड 40, संख्या 5, 2024, पृष्ठ 1-10।
19. नईम, एम.ए., वी.एस. कुमार, एन. बर्गवी, वी. श्रीवास्तव, आर. अरुलमोली, और टी. अमुथा। "लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों में उद्यमिता को बढ़ावा देने और संगठनात्मक क्षमताओं को बढ़ाने में डिजिटल परिवर्तन की भूमिका।" *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, खंड 10, संख्या 22s, 2025, पृष्ठ 1-10। <https://doi.org/10.52783/jisem.v10i22s.3523>.
20. कार्तिक, एम. "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर बंदरगाह अवसंरचना का प्रभाव: भारतीय बंदरगाहों पर एक अध्ययन।" *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स*, खंड 15, अंक 1, 2024, पृष्ठ 1-10
21. खान, एम., और वी.वी. रेड्डी। "एचआरएम संचालन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका की यथास्थिति।" *आईएमआईबी*

- जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मैनेजमेंट, 2024, पृष्ठ 1-16।
<https://doi.org/10.1177/ijim.241247423>.
22. खान, एम. “हरित उद्यमिता और सतत अर्थव्यवस्था: भारत के आर्थिक विकास में सतत व्यावसायिक मॉडल की भूमिका की खोज।” *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, खंड 3, 2024, पृष्ठ 1239-1244
 23. खान, एम. “भारत में महिला उद्यमी: महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप की सफलता पर सरकारी योजनाओं की भूमिका का आकलन।” *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, खंड 3, 2024, पृष्ठ 1239-1244।
 24. शौकत, एम., और आर. नगीना। “शिक्षण संगठन और पर्यटन में स्थिरता के परिणाम: सतत प्रथाओं की मध्यस्थ भूमिका।” *शिक्षण संगठन: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 2024, पृष्ठ 1-15।
<https://doi.org/10.1108/IJOA-02-2024-4305>.
 25. शौकत, एम., एम.ए. बाबा, और आर. नगीना। “मेटावर्स प्रौद्योगिकियों के साथ कार्यस्थलों का रूपांतरण: उभरती अर्थव्यवस्थाओं से कर्मचारी दृष्टिकोण।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल एनालिसिस*, 2025, पृष्ठ 1-15
<https://doi.org/10.1108/IJOA-02-2024-4305>.
 26. शौकत, एम., एम.ए. बाबा, आर. नगीना, और ए.टी. याह्या। “महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर वित्तीय साक्षरता का प्रभाव: डिजिटल वित्तीय सेवाओं की मध्यस्थ भूमिका की खोज।” *कॉजेंट इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस*, 2024, पृष्ठ 1-15। <https://doi.org/10.1080/23322039.2024.2440444>.
 27. बाबा, एमए “कोविड-19 के युग में दर्शकों पर जनसंचार माध्यमों का प्रभाव।” *कम्युनिकेटर- भारतीय जनसंचार संस्थान*, 2024, पृष्ठ 1-10
 28. कल्याणी, पी., एस. माथुर, और वाई. रामकृष्ण। “युवा नेताओं में डिजिटल वित्तीय साक्षरता का अनावरण।” *अनुभवजन्य अर्थशास्त्र पत्र*, खंड 23, विशेषांक 2, 2024, पृष्ठ 1-10।
 29. कल्याणी, पी., और एसएस मूर्ति। “भारत में इंश्योरटेक और नवाचार: व्यावसायिक मॉडलों की जाँच।” *भारतीय बीमा संस्थान की पत्रिका*, 2024।
 30. कल्याणी, पी., एस. माथुर, और वाई. रामकृष्ण। “प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की दक्षता गतिशीलता: क्षेत्रीय असमानताओं और प्रमुख निर्धारकों का विश्लेषण।” *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024।
 31. कुमार, पी. “रूस की स्वर्ण नीति: कैसे एक राष्ट्र ने वैश्विक मानकों को मात दी।” *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स*, 2024।
 32. प्रार्थना और के. बडोनी। “भारत में सामाजिक उद्यमिता के माध्यम से ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण: दिल्ली और उत्तर प्रदेश से एक केस स्टडी।” *इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज का जर्नल*, विशेषांक, 2024। यूजीसी केयर सूचीबद्ध। आईएसएसएन 0971-1864।
 33. विवेक, एस., बी. भव्या, एस.बी. नाइक, एस.पी.आर., जी. वेंकटेश्वरन, और एन.आर. गोपाल। “ऑनलाइन शिक्षण मोड में कॉलेज शिक्षकों की नौकरी से संतुष्टि और प्रदर्शन।” *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च*, खंड 4, अंक 3, 2024।
 34. मोहंती, एस.एस., एन. नंदा, और टी. पटनायक। “वित्तीय समावेशन और सामुदायिक विकास में जुनून और क्षमता की भूमिका की खोज: पूर्वोत्तर में कारीगर महिला उद्यमियों के केस स्टडीज़।” *अकाउंटेंसी बिज़नेस एंड द पब्लिक इंटररेस्ट*, खंड 41, अंक 2, फ़रवरी 2025।
 35. शाहीन, और यू. नोरी। “लैंगिक समावेशिता के लिए मशीन लर्निंग: भारत के आईटी परिदृश्य में महिलाओं का सशक्तिकरण।” *ईआरसीआईसीए-2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही*, स्प्रिंगर, 2024। स्कोपस अनुक्रमित।
 36. शाहीन। “समुदायों का सशक्तिकरण: आदिवासी महिलाओं में सिकल सेल एनीमिया (एससीए) के कारकों की पहचान और व्यावहारिक उपचार तैयार करना।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉवेल रिसर्च एंड डिवेलपमेंट (आईजेएनआरडी)*, खंड 9, अंक 7, जुलाई 2024। आईएसएसएन 2456-4184। समकक्षों द्वारा समीक्षित। प्रभाव कारक: 8.76।
 37. शाहीन और यू. नोरी। “स्वदेशी महिलाओं में एनीमिया और सिकल सेल एनीमिया के प्रकारों की खोज: एक व्यापक अध्ययन।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी)*, खंड 12, अंक 8, अगस्त 2024। यूजीसी द्वारा अनुमोदित जर्नल संख्या 49023(18)। प्रभाव कारक: 7.97।
 38. शाहीन, पंकज शर्मा, जेएस प्रसाद, और एसके अहमद। “एक नवीन कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग करके एक कुशल साइबर खतरे की भविष्यवाणी।” *मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन*, खंड 83, 2024, पृष्ठ 66757-66773।
<https://doi.org/10.1007/s11042-023-14612-2>.

39. कुमार आर, एस., और वीएल नारायण आर. “सतत विकास के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का लाभ उठाना: भारत, इंडोनेशिया और थाईलैंड में एसडीजी 8 को प्राप्त करने में उनके आर्थिक प्रभाव और भूमिका का तुलनात्मक विश्लेषण।” *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स*, खंड 15, अंक 2, दिसंबर 2023, पृष्ठ 15-32। आईएसएसएन 0976-0792।
40. कौथा, एसजे “भारतीय बेस मेटल कमोडिटी डेरिवेटिव्स पर भू-राजनीतिक जोखिमों का अस्थायी प्रभाव: एक वेवलेट कोहरेस विश्लेषण।” *आईयूपी जर्नल ऑफ अकाउंटिंग एंड ऑडिट प्रैक्टिसेस*, खंड 24, संख्या 1, 2025, पृष्ठ 382-396। <https://research-ebsco-com-ipeindia.knimbus.com/c/ao6xbe/viewer/pdf/k3ponb4dfn>.
41. मेहरोत्रा, एस., एम. इनामदार, और आर. कृष्णन। “भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों की लाभांश वितरण नीति का सामग्री विश्लेषण।” *आईएमआईबी जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड मैनेजमेंट*, 2024, पृष्ठ 1-15 <https://doi.org/10.1177/jinm.241252529>.
42. माथुर, एस., और पी. कल्याणी। “संकटग्रस्त आरएफसी – क्या खोया हुआ गौरव वापस लाया जा सकता है?” *एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट केसेस*, 1 दिसंबर 2024 <https://doi.org/10.1177/09728201241288935>.
43. माथुर, एस., ए. गुनार्डी, और एस. बदावथ। “ऑनलाइन खरीदारी के रवैये के ऑनलाइन आवेगी खरीदारी पर नियंत्रणकारी प्रभाव का मूल्यांकन: भारतीय उभरते बाजार के खरीदारों का एक अध्ययन।” *कॉन्ट्राडुरिया वाई एडमिनिस्ट्रेशन*, खंड 70, संख्या 3, फरवरी 2025, अनुच्छेद 505 <https://doi.org/10.22201/fca.24488410e.2025.5023>.
44. माथुर, एस., एस. बदावथ, केवीएलएन पवन कुमार, और आर. लावुरी। “नियोजित व्यवहार मॉडल के सिद्धांत का उपयोग करते हुए हरित खरीद इरादे के पूर्ववर्ती: भारत से साक्ष्य।” *इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ सस्टेनेबिलिटी अकाउंटिंग एंड मैनेजमेंट*, खंड 8, अंक 1, जून 2024 <https://doi.org/10.28992/ijssam.v8i1.830>.
45. माथुर, एस., पी. कल्याणी, और वाई. रामकृष्ण। “स्वयं सहायता समूहों के बीच वित्तीय कल्याण पर वित्तीय साक्षरता, वित्तीय व्यवहार और आर्थिक सशक्तिकरण की भूमिका।” *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024. एबीडीसी-बी
46. मुखर्जी, यू., और एस. तिवारी। “आतिथ्य और पर्यटन में उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणाली और टर्नओवर इरादे: कर्मचारी खुशी की मध्यस्थ भूमिका की जाँच।” *जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एप्लीकेशन एंड रिसर्च*, खंड 20, अंक 1, 2025, पृष्ठ 1-31।
47. मुखर्जी, यू., और ई. बरुआ। “क्या आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में खुश कर्मचारी टकराव से बचते हैं और कम रचनात्मकता प्रदर्शित करते हैं: एक अनुभवजन्य जाँच।” *जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एप्लीकेशन एंड रिसर्च*, खंड 20, अंक 1, जनवरी 2025, पृष्ठ 128-159।
48. मुखर्जी, यू., और टी. श्रीजा। “पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कार्यस्थल आध्यात्मिकता: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा।” *प्रबंधन और श्रम अध्ययन, एक्सएलआरआई*, 7 फरवरी 2025। <https://doi.org/10.1177/0258042X241308422>.
49. मुखर्जी, यू., और टी. श्रीजा। “पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कार्यस्थल आध्यात्मिकता: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा।” *प्रबंधन और श्रम अध्ययन*, अगस्त 2024, पृष्ठ 1-23 <https://doi.org/10.1177/0258042X241308422>.
50. मुखर्जी, यू. “न्यूरोडायवर्सिटी शिक्षा और चैटबॉट्स व्यक्तिगत शिक्षण उपकरण के रूप में: अनुसंधान एजेंडा खोलना।” *जर्नल ऑफ इंफॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च*, खंड 5, संख्या 1, 2025। <https://doi.org/10.52783/jier.v5i1.2065>.
51. मुखर्जी, यू. “साहित्यिक समीक्षाओं का भविष्य: बहुविषयक दृष्टिकोणों से साहित्य समीक्षाओं को बढ़ाना।” *एकेडमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज जर्नल*, खंड 29, अंक 3, 2025। <https://www.abacademies.org/articles/the-future-of-literature-reviews-enhancing-literature-reviews-with-multidisciplinary-perspectives.pdf>.
52. मुखर्जी, उपासना, और एसआर सरिता। “अनैतिक समर्थक-संगठनात्मक व्यवहार: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और शोध एजेंडा।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एथिक्स एंड सिस्टम्स*, जुलाई 2024 <https://doi.org/10.1108/IJOES-11-2023-0243>.
53. नोरी, यू., और शाहीन। “भारत में 5G तकनीक के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण: एक मशीन लर्निंग-सक्षम विश्लेषण।” *आईयूपी जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक्स*, खंड 23, अंक 4, अक्टूबर 2024

54. नोरी, यू., एम. शौकत, आर. नगीना, एम.ए. बाबा, और एम.ए. शाह। "डिजिटल युग में महिलाओं का सशक्तिकरण: क्या डिजिटल वित्तीय सेवाएँ सतत विकास लक्ष्य 5 की प्राप्ति में वित्तीय स्वायत्तता और लैंगिक समानता का वादा पूरा कर सकती हैं?" *कॉजेंट इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस*, 2024। <https://doi.org/10.1080/23322039.2024.2342459>.
55. नोरी, यू., और एम. शौकत। "वित्तीय समावेशन और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के अंतर्संबंध की खोज: एक ग्रंथसूची विश्लेषण।" *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024
56. नोरी, यू., और एम. शौकत। "जीवीसी रोजगार सृजन में डिजिटलीकरण की भूमिका: भारत के इलेक्ट्रॉनिक उद्योग से साक्ष्य।" *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024।
57. नोरी, यू., एम. शौकत, और आर. नगीना। "सतत विकास की ओर: भारत में वित्तीय समावेशन और महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण।" *प्रबंधन में लिंग*, 23 अक्टूबर 2024। <https://doi.org/10.1108/gm-05-2024-0229>.
58. श्रीकांत, वी., और बी.ए. कुमार। "भारत के एनपीएस में केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण।" *मध्य भारती: मानविकी और सामाजिक विज्ञान*, खंड 85, अंक 5, जनवरी-जून 2024, पृष्ठ 146-150
59. श्रीकांत, वी., बी. अबास, एस. इकबाल, एस. बुखारी, और एम. खान। "आतिथ्य में कार्यस्थल विचलन का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण: एक द्वि-स्तरीय साहित्य समीक्षा।" *विज्ञान: द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव*, 4 फरवरी 2024। <https://doi.org/10.1177/09722629231220990>.
60. श्रीकांत, वी., बी. अबास, एस. बुखारी, और आई. फ़याज़। "आतिथ्य क्षेत्र में संकट के मानवीय परिणामों की खोज: भारत से एक अध्ययन।" *आईआईएमटी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, 26 जुलाई 2024। <https://doi.org/10.1108/iimtm-08-2023-0003>.
61. रेड्डी, वी.के., और एम. खान। "डिजिटलीकरण के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण: उच्च शिक्षा में शिक्षा का परिवर्तन।" *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024
62. रेड्डी, वी.के., और एम. खान। "एसटीईएम शिक्षा में लैंगिक असमानताओं के शमन कारक: भारत में महिलाओं के लिए बाधाएँ और अवसर: एक वैचारिक अध्ययन।" *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, 2024।
63. रामकृष्ण, वाई. "राजकोषीय घाटा, मुद्रा आपूर्ति, मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास के बीच सह-एकीकरण: एक एआरडीएल दृष्टिकोण।" *भारतीय आर्थिक जर्नल*, 2024।
64. रामकृष्ण, वाई., एस. माथुर, और पी. कल्याणी। "खाद्यान्न, तिलहन और अन्य वाणिज्यिक फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादकता और उपज पर कृषि ऋण का प्रभाव: भारत से साक्ष्य।" *जर्नल ऑफ इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन*, 2024।

पुस्तकालय

आईपीई पुस्तकालय में शैक्षणिक संसाधनों का एक समृद्ध और विविध संग्रह है। इसमें 67,193 सामग्री है, जिसमें प्रबंधन, अर्थशास्त्र और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न विषयों की पुस्तकें, रिपोर्टें और पत्रिकाओं व पत्रिकाओं के पुराने संस्करण शामिल हैं। इनमें से 49,124 पत्रिकाओं व पत्रिकाओं के पुराने संस्करण हैं, जो पिछले शैक्षणिक और शोध प्रकाशनों का एक मजबूत संग्रह बनाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने 132 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली, जिनमें ई-जर्नल कंसोर्टियम के माध्यम से ईबीएससीओ (बिजनेस सोर्स एलीट, इकॉनलिट), प्रोक्सेस्ट – एबीआई/इंफॉर्म ग्लोबल, जेएसटीओआर, एसएजीई और यूजीसी एन-लिस्ट जैसे प्रमुख शैक्षणिक डेटाबेस तक पहुँच शामिल है। पुस्तकालय ने बिजनेस स्टैंडर्ड, बिजनेस लाइन, द हिंदू, द इकोनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, डेक्कन क्रॉनिकल, इंडियन एक्सप्रेस, मिनट, तेलंगाना टुडे, ईनाडु, आंध्र ज्योति, साक्षी, नमस्ते तेलंगाना, वर्था और वेलुगु जैसे 16 प्रमुख समाचार पत्रों के साथ-साथ 13 लोकप्रिय पत्रिकाओं की भी सदस्यता ली।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में 110 सीडी/डीवीडी, 137 शोध-प्रबंध और शोध प्रबंध, 8,000 छात्र परियोजना रिपोर्ट और 4,740 सरकारी रिपोर्ट और प्रकाशनों का संग्रह है। 2024-25 में, आईपीई ने यूजीसी एन-लिस्ट, प्रोक्सेस्ट – ईबुक सेंट्रल, एमसीग्राउ हिल, पीयर्सन और ईबीएससीओ जैसे स्रोतों से 37,399 ई-पुस्तकें भी सब्सक्राइब कीं।

यह पुस्तकालय इंडियास्टेट, सीएमआईई प्रोवेस, जेएसटीओआर, ब्लूमबर्ग, ईपीडब्ल्यूआरएफआईटीएस, प्राइम डेटाबेस, द बिजनेस एंड मैनेजमेंट कलेक्शन (एचएसटॉक्स), प्रोक्सेस्ट एबीआई/इनफॉर्म, एमराल्ड ईकेसेज कलेक्शन (इंडिया), और साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए टर्निटिन सहित डिजिटल संसाधनों की एक विस्तृत शृंखला तक व्यापक पहुँच प्रदान करता है। यह ऑनलाइन बिज्रविज्र क्विज जैसे इंटरैक्टिव संसाधन भी प्रदान करता है, और डेलनेट और यूजीसी-इनफ्लिबनेट

की एन-लिस्ट के साथ सक्रिय संस्थागत सदस्यताएँ रखता है, जिससे एक लाख से अधिक व्यावसायिक और प्रबंधन पुस्तकों सहित पूर्ण-पाठ शैक्षणिक सामग्री के विशाल संग्रह तक पहुँच संभव हो पाती है।

पुस्तकालय में 132 मुद्रित पत्रिकाएँ हैं, जिनमें 79 सदस्यता प्राप्त पत्रिकाएँ, 46 विनिमय द्वारा प्राप्त पत्रिकाएँ और 7

आईपीई द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ शामिल हैं। संस्थान की स्थापना के बाद से ही पत्रिकाओं की हार्ड कॉपी रखी जाती रही है। इसके अलावा, अपने ऑनलाइन डेटाबेस के माध्यम से, पुस्तकालय 17,402 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे आईपीई में शोध और शैक्षणिक वातावरण काफ़ी समृद्ध हुआ है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

आईपीई, हैदराबाद

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	2258.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	103.82	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	1446.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप, परामर्श आदि)	4637.00	परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	1190.00
कोई अन्य स्रोत	995.00	विविध व्यय	0.00
आय पर व्यय की अधिकता	3.18	अचल संपत्तियों का मूल्यहास	340.00
		ग्रेच्युटी, ईएल, बुनियादी ढांचे और अन्य निधियों का हस्तांतरण	555.00
कुल	5789.00	कुल	5789.00

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी), बेंगलुरु

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. डी. राजशेखर और आर. मंजुला, “दीर्घकालिक पेंशन बचत उत्पाद में नामांकन और बचत बढ़ाना”, यूएसएआईडी द्वारा वित्त पोषित
2. सुनील नौटियाल, “भारत के जैव-विविधता हॉटस्पॉट्स का जलवायु स्मार्ट आजीविका और सामाजिक-पारिस्थितिक विकास”, टीआईएफएसी, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. इंद्रजीत बैराग्य और एस. मानसी, “कोविड काल में शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता पर

एक अध्ययन”, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।

4. सोबिन जॉर्ज और इंद्रजीत बैराग्य, “भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के योगदान का आकलन”, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा गठबंधन द्वारा वित्त पोषित।
5. सोबिन जॉर्ज और चन्नम्मा कंबरा, “कर्नाटक में डोम्बरो समुदाय की स्थिति: एक नृवंशविज्ञान अध्ययन”, अंबेडकर अनुसंधान संस्थान, समाज कल्याण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, जीओके द्वारा वित्त पोषित।

6. लेखा सुबैया और रमेशा वी, "सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा वितरण: दक्षिण भारतीय राज्यों का तुलनात्मक अध्ययन", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
7. लेखा सुबैया और मधु बिदारी, "भारत में गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं में सेकेंड हैंड स्मोकिंग का जोखिम", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
8. केबी रामप्पा, थॉमस फेलिक्स और आई. मारुति, "कर्नाटक रिपोर्ट में 2019-20 के दौरान कार्यान्वित पायलट परियोजना 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत आदर्श गांवों का विकास' का प्रभाव मूल्यांकन", फर्ट यूज सेल/आईएनएम डिवीजन, डीए एंड एफडब्ल्यू, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
9. केबी रामप्पा, थॉमस फेलिक्स और आई. मारुति, "देश भर में 2019-20 के दौरान कार्यान्वित पायलट परियोजना 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत आदर्श गांवों का विकास' का प्रभाव मूल्यांकन-समेकित अध्ययन", फर्ट यूज सेल/आईएनएम डिवीजन, डीए एंड एफडब्ल्यू, कृषि मंत्रालय, सहकारिता और किसान कल्याण द्वारा वित्त पोषित।
10. केबी रामप्पा, आई. मारुति और लेनिन बाबू, "भारत भर में सूक्ष्म सिंचाई के क्षेत्र में कौशल अंतर - कर्नाटक राज्य रिपोर्ट", कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम, अहमदाबाद को अध्ययन आयोग द्वारा वित्त पोषित।
11. केबी रामप्पा, आई. मारुति और लेनिन बाबू, "परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के भीतर किसानों की भागीदारी के निर्धारक, जिसमें भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) शामिल है - कर्नाटक रिपोर्ट", कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम, अहमदाबाद के अध्ययन आयोग द्वारा वित्त पोषित।
12. केबी रामप्पा और आई. मारुति, "कर्नाटक में सूक्ष्म सिंचाई रणनीतियों को प्रभावित करने वाले कारक/कर्नाटक में सूक्ष्म सिंचाई रणनीतियों के मूल्यांकन के माध्यम से जल उपयोग दक्षता उपायों को बढ़ाना", हन्स-सेडेल-स्टिफ्टिंग ईवी, म्यूनिख, जर्मनी द्वारा वित्त पोषित।
13. डी. राजशेखर और आर. मंजुला, "ग्राम/वार्ड सभा की बैठकों और सार्वजनिक वस्तुओं के आवंटन में भागीदारी", हितोत्सुबाशी विश्वविद्यालय, जापान द्वारा वित्त पोषित।
14. इंद्रजीत बैराग्य, "भारत में ग्रामीण गैर-कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास की भूमिका", आईसीएसएसआर-इम्प्रेस योजना द्वारा वित्त पोषित।
15. लेखा सुबैया, टीएस श्यामला और बीपी वाणी, "भारत में वृद्धावस्था पर वार्तालाप - एक ऑनलाइन कार्यक्रम", पार्टनरशिप फंड, यूनाइटेड किंगडम द्वारा वित्त पोषित।
16. केबी रामप्पा, "कृषि सूखे से निपटने के लिए जल-उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई पहुंच को बढ़ाना", हेन्स सेडेल स्टिफ्टिंग (एचएसएस) द्वारा वित्त पोषित।
17. एम. कुसन्ना, एस. मधेश्वरन और बीपी वाणी, "कर्नाटक में अनुसूचित जाति के चमड़ा कारीगरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति: एक आकलन", लिडकर (डॉ. बाबू जगजीवन राम चमड़ा उद्योग निगम लिमिटेड, सरकार) द्वारा वित्त पोषित।
18. एस. मधेश्वरन और बीपी वाणी, "कर्नाटक में चुनावी जागरूकता पैदा करने और चुनाव प्रक्रिया में अपने सदस्यों की सक्रिय भागीदारी में चुनावी साक्षरता क्लबों का प्रभाव", चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन कार्यालय, कर्नाटक द्वारा वित्त पोषित।
19. एस. मधेश्वरन और बीपी वाणी, "ज्ञान, दृष्टिकोण, व्यवहार (केएपी) - बेसलाइन सर्वेक्षण कर्नाटक 2022", मुख्य निर्वाचन कार्यालय, कर्नाटक द्वारा वित्त पोषित।
20. थॉमस फेलिक्स और केबी रामप्पा, "भारत के पोषक अनाज उत्पादन, उपभोग और व्यापार को बढ़ाने की रणनीतियाँ", आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
21. डी. राजशेखर और आर. मंजुला, "कर्नाटक में स्थानीय सरकार, आपदा प्रबंधन और मानवीय नकद हस्तांतरण", यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित।
22. कृष्णा राज, "एससीएसपी और टीएसपी के तहत कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) की प्रमुख सिंचाई योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण", समाज कल्याण विभाग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
23. कृष्णा राज, "एससीएसपी और टीएसपी के तहत कृष्णा भाग्य जल निगम (केबीजेएनएल) की प्रमुख सिंचाई योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण", समाज कल्याण विभाग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
24. कृष्णा राज, "एससीएसपी और टीएसपी के तहत कर्नाटक नीरावरी निगम लिमिटेड (केएनएनएल) की प्रमुख सिंचाई

- योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण”, समाज कल्याण विभाग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
25. स्टैनज़िन नौस्किट, “बैंगलोर की मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण में ऑडिट साक्षरता कार्यक्रमों की भूमिका”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
 26. वी. अनिल कुमार, “भारत में आधुनिकता और लोकतंत्र”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
 27. एस. मानसी, मालिनी एल. तंत्री और चन्नम्मा कंबरा, “आई-आरटीसी और आरटीसी वॉलेट के प्रभाव पर मूल्यांकन अध्ययन – इंटरनेट के माध्यम से भूमि रिकॉर्ड (आरटीसी) – कर्नाटक में ई-गवर्नेंस पहल का एक अध्ययन”, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
 28. सोबिन जॉर्ज, “भारत के राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य कैडर की वांछनीयता”, ठाकुर फैमिली फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
 29. माचांग रीमेङ्गम, “बेंगलुरु में पूर्वोत्तर प्रवासी श्रमिकों की सामाजिक गतिशीलता”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
 30. सीएम लक्ष्मण, “पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में स्वास्थ्य अवसंरचना और सेवा वितरण: कर्नाटक में चयनित जिला अस्पतालों में एक जांच”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 5. केबी रामप्पा, विलास जाधव और थॉमस फेलिक्स, “भारत में नारियल प्रसंस्करण, परिवहन और विपणन लागत का अनुमान – कर्नाटक रिपोर्ट”, सीएसीपी, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 6. केबी रामप्पा, विलास जाधव और थॉमस फेलिक्स, “भारत में नारियल प्रसंस्करण, परिवहन और विपणन लागत का अनुमान – समेकित अखिल भारतीय अध्ययन”, सीएसीपी, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 7. केबी रामप्पा और विलास जाधव, “किसान आत्महत्या: भारत में कारण और नीति निर्धारण कर्नाटक रिपोर्ट”, {नीति प्रभाग, डीए एंड एफडब्ल्यू, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय} कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 8. प्रमोद कुमार और केबी रामप्पा, “भूमि स्वामित्व और कृषि उत्पादकता – कर्नाटक रिपोर्ट”, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 9. प्रमोद कुमार और केबी रामप्पा, “भूमि स्वामित्व और कृषि उत्पादकता – एक समेकित अखिल भारतीय अध्ययन”, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 10. केबी रामप्पा, “आकांक्षी जिला कार्यक्रम के बीच क्षेत्रीय अंतर-संबंधों की खोज – कर्नाटक के आकांक्षी जिलों का एक केस स्टडी”, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित।
 11. विलास जाधव, “कर्नाटक में खाद्यान्न उत्पादन और विपणन योग्य अधिशेष के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति की प्रभावशीलता”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
 12. विलास जाधव, केबी रामप्पा और प्रमोद कुमार, “कर्नाटक में 2014-15 से 2020-21 तक एनएफएसएम का मूल्यांकन”, कर्नाटक मूल्यांकन प्राधिकरण, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
 13. अक्षता नायक, “भारतीय प्याज का उत्पादन और निर्यात प्रदर्शन”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. प्रमोद कुमार, “कृषि संकेतक”, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित
2. प्रमोद कुमार, “सूचना, बाजार निर्माण और कृषि विकास/” पंजाब और कर्नाटक के गांवों में तीन महीने तक दैनिक आधार पर शराब पीने वाले परिवारों पर सब्सिडी प्रयोग और अंतर-परिवार सर्वेक्षण, ग्लासगो विश्वविद्यालय, यूके द्वारा वित्त पोषित
3. केबी रामप्पा, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स और अक्षता नायक, “कर्नाटक में ग्राम अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. प्रमोद कुमार, “प्रगति को मापना और देश-आधारित परिवर्तन का विश्लेषण करना (एमपीसीटी)/आरटीआई”, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) कृषि विकास टीम के तहत रिसर्च ट्रायंगल इंस्टीट्यूट (आरटीआई इंटरनेशनल) द्वारा वित्त पोषित।

14. रामप्पा केबी, “पीएमएफबीवाई / आरडब्ल्यूबीसीआईएस के लिए व्यापक प्रभाव आकलन अध्ययन”, अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम (ए) अहमदाबाद को सौंपा गया।
15. रामप्पा केबी, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, “पशुपालन और मत्स्य पालन के विशेष संदर्भ में भारत में केसीसी का अध्ययन: एक यथार्थवादी आकलन”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआरसी-जोरहाट को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
16. विलास जाधव, रामप्पा केबी, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, “भारत में बाजरा मूल्य शृंखला का विस्तृत विश्लेषण - उत्पादन, प्रसंस्करण, खपत और निर्यात”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम (ए), अहमदाबाद को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
17. विलास जाधव, रामप्पा केबी, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, “प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएमकिसान): समस्याएं, संभावनाएं और आवश्यक सुधार”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईजी, दिल्ली को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
18. थॉमस फेलिक्स, रामप्पा केबी, विलास जाधव, अक्षता नायक और टीएम गजानन, “चावल की परती भूमि का कायाकल्प: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके एक अखिल भारतीय अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
19. अक्षता नायक, रामप्पा केबी, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स और टीएम गजानन, “भारत के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत कृषि समुदाय विकास का एक अनुभवजन्य अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
20. केबी रामप्पा और प्रमोद कुमार, “ड्रोन संचालन का आर्थिक और व्यावसायिक व्यवहार्यता अध्ययन: एक अखिल भारतीय अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
21. केबी रामप्पा और मालिनी एल तंत्री, “भौगोलिक संकेत और ग्रामीण विकास के बीच अंतर्संबंध: दक्षिण भारत के चयनित राज्यों से अनुभवजन्य साक्ष्य”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
22. प्रमोद कुमार और विलास जाधव, “किसानों के मूल्य संवर्धन और आय सृजन के लिए बांस की खेती: भारत के चुनिंदा राज्यों का एक अध्ययन”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
23. केबी रामप्पा, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स और अक्षता नायक, “2023-24 के दौरान डीओएण्डएफडब्ल्यू, भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के समवर्ती मूल्यांकन पर प्रतिक्रिया”, एमओएण्डएफडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषित।
24. केबी रामप्पा, “कृषक समुदायों के लिए नई कृषि विपणन रणनीतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम”, सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (एनआईएम), जयपुर द्वारा वित्त पोषित।
25. डी राजशेखर और आर मंजुला, “गरीबों के पक्ष में विकास के लिए संस्थानों में सुधार”, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा वित्त पोषित।
26. डी राजशेखर और मंजुला, “कर्नाटक में महिला नेतृत्व, शासन और सार्वजनिक वस्तुओं का आवंटन”, जापान के त्सुडा विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।
27. डी राजशेखर और आर मंजुला, “ग्राम पंचायतों के अधिकार क्षेत्र में सार्वजनिक वस्तुओं के प्रावधान के लिए धन के आवंटन को प्रभावित करने वाले कारक”, जापान के त्सुडा विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।
28. डी. राजशेखर, मीनाक्षी राजीव, कला एस. श्रीधर, बीपी वाणी, इंद्रजीत बैराग्य, थॉमस फेलिक्स, आर. मंजुला और खलील शाहा, “कर्नाटक राज्य के वित्त का मूल्यांकन”, 16वें वित्त आयोग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
29. आर मंजुला, “कर्नाटक में ग्राम पंचायतों की निर्वाचित महिला प्रतिनिधि: क्या स्वयं सहायता समूहों में पिछला अनुभव मायने रखता है”, आईसीएसएसआर नई दिल्ली द्वारा (ओएच-31) के तहत वित्त पोषित।

30. एम. बालासुब्रमण्यन, “वन संसाधनों का आर्थिक मूल्य: कर्नाटक के नौ जिलों का एक केस स्टडी”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
31. एम. बालासुब्रमण्यन, “महत्वपूर्ण नियंत्रण बिंदुओं की पहचान करने के लिए पोर्क उत्पादन शृंखला में एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोधी एस्चेरिचिया कोली का उच्च-रिज़ॉल्यूशन जीनोम आधारित अनुखण: एक स्वास्थ्य प्रणाली अध्ययन”, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
32. सुनील नौटियाल और एस. श्रीकांतस्वामी, “भारत के जैव-विविधता हॉटस्पॉट का जलवायु स्मार्ट आजीविका और सामाजिक-पारिस्थितिक विकास”, टीआईएफएसी, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
33. सुनील नौटियाल और एस मानसी, “ग्रामीण-शहरी इंटरफेस के सतत सामाजिक-पारिस्थितिक विकास की दिशा में क्षेत्र मार्जिन वनस्पति की संरचनात्मक और कार्यात्मक विशेषताएं”, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
34. एम. बालासुब्रमण्यन, “जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण बच्चों की शिक्षा प्राप्ति: कर्नाटक का एक केस स्टडी”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
35. बालासुब्रमण्यम एम और निहार रंजन, “तमिलनाडु के विभिन्न वन प्रकारों से वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन”, उप वन संरक्षक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, कोलापट्टम, चेन्नई द्वारा वित्त पोषित।
36. एस. मधेश्वरन और बी.पी.वाणी, “उत्तराखंड में वन पारिस्थितिकी प्रणालियों के पारिस्थितिकी पर्यटन और अन्य सांस्कृतिक सेवाओं के संभावित मूल्य का आकलन”, उत्तराखंड वन विकास निगम, उत्तराखंड सरकार द्वारा वित्त पोषित।
37. कृष्णा राज, “साक्ष्य आधारित सतत विकास संकेतक विकसित करना: कोडागु जिले में सतत पर्यटन का एक अध्ययन”, पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
38. कृष्णा राज, “कर्नाटक में पर्यटन सांख्यिकी के संग्रह के लिए सतत वैज्ञानिक ढांचा”, पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
39. मीनाक्षी राजीव, “महिलाओं के लिए सतत आजीविका विकल्प प्रदान करने में प्रशिक्षण कार्यक्रम कितने प्रभावी हैं: कर्नाटक में डीएवाई-एनयूएलएम कार्यक्रम का एक अध्ययन”, डीएवाई-एनयूएलएम के तहत कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
40. कृष्णा राज, “मानवजनित परिवर्तन के तहत हिमालय शीतोष्ण वन के पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यप्रणाली और सेवाएं: हिमालयी वनों में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का एक पादप कार्यात्मक गुण आधारित मूल्यांकन आर्थिक मूल्यांकन”, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईएसडी), उत्तराखंड द्वारा वित्त पोषित।
41. एस. मधेश्वरन और कुसन्ना एम, “कर्नाटक में मृत मैनुअल स्कैवेंजर्स के परिवारों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम का मूल्यांकन: मिथक और वास्तविकताएं”, कर्नाटक राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, जीओके, बेंगलूरु द्वारा वित्त पोषित।
42. मीनाक्षी राजीव, “ऑनलाइन मार्केटप्लेस: क्या वे ग्रामीण महिलाओं के लिए ऑफलाइन हैं: भारत में महिला उद्यमियों का मामला”, एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्त पोषित।
43. मालिनी एल तंत्री और एस मानसी, “आयात निर्यात क्षेत्र: चीनी शैली के विशेष आर्थिक क्षेत्रों की प्रतिकृति और भारत के शहरी विकास के लिए निहितार्थ”, ब्रिटिश अकादमी द्वारा वित्त पोषित।
44. कृष्णा राज, “कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) के तहत टैंक भरने की योजनाओं का निष्पादन लेखापरीक्षा”, जल संसाधन विभाग, सीएनएनएल, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
45. कृष्णा राज, “कर्नाटक में एससी/एसटी उद्यमियों के कल्याण के समर्थन में एससीएसपी/टीएसपी कार्यक्रमों का मूल्यांकन”, उद्योग और वाणिज्य निदेशालय, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
46. कृष्णा राज, “भारत में पर्यावरण संरक्षण में आर्थिक उपकरणों का अनुप्रयोग: आर्थिक और पर्यावरणीय नीतियों के विचलन और अभिसरण पर एक अध्ययन”, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
47. कृष्णा राज, “ऊपरी भद्रा परियोजना के कमांड क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर अध्ययन”, वीजेएनएल, जल संसाधन विभाग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
48. मीनाक्षी राजीव, “शहरी क्षेत्र में आजीविका और लिंग: डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत सीएससी का मामला”, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।

49. मीनाक्षी राजीव, “बैंकिंग संवाददाताओं के माध्यम से वित्तीय समावेशन: लिंग की भूमिका”, आरबीआई अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
50. एस मधेश्वरन और बीपी वाणी, “सामाजिक-धार्मिक समूहों में मानव विकास: विविधता सूचकांक”, कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित।
51. मालिनी एल. तंत्री और एस. मानसी, “एसईजेड और शहरीकरण – एक जीआईएस परिप्रेक्ष्य”, किंम्स कॉलेज के माध्यम से ब्रिटिश अकादमी द्वारा वित्त पोषित।
52. कृष्णा राज, “सार्वजनिक परिवहन सब्सिडी की प्रभावशीलता और पास धारकों की यात्रा विशेषताएं – बीएमटीसी और मेट्रो का एक केस स्टडी”, शहरी भूमि परिवहन निदेशालय, शहरी विकास विभाग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
53. मालिनी एल. तंत्री, “कनाडा और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार में सुधार: गैर-टैरिफ उपायों और व्यापार सुविधा का बहु-स्तरीय विश्लेषण”, शूलिच स्कूल ऑफ बिजनेस, यॉर्क विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा वित्त पोषित।
54. मीनाक्षी राजीव, “कर्नाटक में समृद्धि योजना का मूल्यांकन 2018-19 से 2021-22, केईए द्वारा वित्त पोषित।
55. मीनाक्षी राजीव, “क्या भारत में मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों का प्रभाव लिंग-तटस्थ है? रोजगार के नज़रिए से समझना”, आरबीआई अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
56. मीनाक्षी राजीव, “भारत और जापान में एमएसएमई: महामारी प्रभाव और पुनर्प्राप्ति”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
57. एस मधेश्वरन और बीपी वाणी, “कर्नाटक में बाल अधिकार सूचकांक 2023”, कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
58. मालिनी एल तंत्री, “समावेशी विकास और विशेष आर्थिक क्षेत्र: प्रवासन और रोजगार का परिप्रेक्ष्य”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
59. एस मधेश्वरन, बीपी वाणी, कार्तिक वी और एम कुसन्ना, “एससीएसए/टीएसए योजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन”, समाज कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
60. कार्तिक वी और एस मधेश्वरन, “ग्रामीण कृषि ऋण बाजार में सामाजिक बहिष्कार: कर्नाटक का एक अध्ययन”, कर्नाटक आदिजम्बवा विकास निगम, जीओके द्वारा वित्त पोषित।
61. मल्लेश उम्माला, “क्या वित्तीय समावेशन भारत में ऊर्जा गरीबी को कम करता है: एक अनुभवजन्य विश्लेषण”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
62. डी राजशेखर और इंद्रजीत बैराग्य, “भारत में कौशल विकास कार्यक्रम के व्यापक आर्थिक प्रभाव का आकलन”, आईसीएसएसआर द्वारा (ओएच-31) के तहत वित्त पोषित।
63. इंद्रजीत बैराग्य, “महामारी के दौरान और बाद में प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में रोजगार: डिजिटल कैब सेवाओं का एक अध्ययन”, प्रमुख अनुसंधान परियोजना योजना के तहत आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
64. इंद्रजीत बैराग्य और स्टैनज़िन नौस्किट, “रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण का छात्रों के सीखने के परिणामों पर प्रभाव”, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषित।
65. इंद्रजीत बैराग्य, स्टैनज़िन नौस्किट और एस. मानसी, “शैक्षिक परिणामों पर गैर-सरकारी संगठनों के स्वैच्छिक प्रयासों के प्रभाव का आकलन: अगस्त्य फाउंडेशन के हस्तक्षेप का एक केस स्टडी”, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषित।
66. इंद्रजीत बैराग्य, “उच्च शिक्षा धाराओं के चयन में लैंगिक असमानता पर बहस पर पुनर्विचार और भारत में श्रम बाजार के परिणामों पर इसका प्रभाव”, (ओएच-31) के तहत आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
67. केसी स्मिता, “भारत के मेट्रो शहरों में गिग-प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था का शासन: सेवा वितरण में एक आदर्श बदलाव”, आईएसईसी द्वारा वित्त पोषित।
68. चन्नम्मा कंबरा और मालिनी एल तंत्री, “लिंग और पहचान – बेंगलुरु में उत्तर पूर्वी प्रवासी के संदर्भ में”, डब्ल्यूएफपी ट्रस्ट फॉर इंडिया, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
69. कला एस श्रीधर, “क्या आपका शहर बहुत बड़ा है? भारत में शहरी प्रधानता”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
70. एस. मानसी, मालिनी एल. तंत्री, चन्नम्मा कंबरा और इंद्रजीत बैराग्य, “प्रवासी अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा: चुनौतियां और आगे का रास्ता”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
71. कला एस श्रीधर, कृष्णा राज, वी. अनिल कुमार, एस. मानसी, चन्नम्मा कंबरा, और आर. मंजुला, “पर्यावरणीय

- समस्याएं और भीड़भाड़: बेंगलुरु के विकास के लिए सतत समाधान विकसित करना", कर्नाटक मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा वित्त पोषित।
72. एस. मानसी और चन्नम्मा कंबरा, "सतत विकास को बढ़ाने के लिए कपड़ा अपशिष्ट में परिपत्र अर्थव्यवस्था के दायरे की खोज", गोकलदास एक्सपोर्टर्स चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
 73. एस. मानसी और चन्नम्मा कंबरा, "पश्चिमी घाट के पेरी-शहरी क्षेत्रों में समुदाय-संचालित जलवायु कार्यों की क्षमता का आकलन", गोकलदास एक्सपोर्टर्स चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
 74. कला एस श्रीधर, "क्या भारत के छोटे शहर शहरीकरण से लाभान्वित हो सकते हैं?", आईसीएसएसआर द्वारा (ओएच-31) के तहत वित्त पोषित।
 75. सोबिन जॉर्ज और लेखा सुबैया, "भारत और बांग्लादेश के लिए शहरी गतिशीलता बुनियादी ढांचे तक समान पहुंच के माध्यम से समावेशी शहर", नीदरलैंड्स ऑर्गनाइजेशन फॉर साइंटिफिक रिसर्च (एनओडब्ल्यू), द हेग द्वारा वित्त पोषित।
 76. सोबिन जॉर्ज, "सार्वजनिक गतिशीलता: बाद के जीवन में स्थानों के भीतर और बीच आंदोलन के लिए एक नया दृष्टिकोण", यूरोपीय अनुसंधान परिषद् (ईआरसी) और ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।
 77. लेखा सुबैया, टीएस श्यामला, मधु बिदारी और रमेशा वी, "गैर संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत एनसीडी क्लिनिकों का कामकाज", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 78. सीएम लक्ष्मण, "कर्नाटक में युवा वयस्कों में जोखिम कारक और स्वास्थ्य व्यवहार", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 79. देविन्द्र, "प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों का स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा: कर्नाटक में एक अध्ययन", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 80. मधु बिदारी, "भारत में शहरी और ग्रामीण गरीब वयस्कों के बीच उच्च रक्तचाप उपचार कैस्केड: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 (2019-21) का विश्लेषण", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 81. लेखा सुबैया, टीएस श्यामला, रमेशा वी, श्रीकांत और मधु बिदारी, "भारत के दक्षिणी राज्यों में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) का मूल्यांकन", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 82. मधु बिदारी, "फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम: कर्नाटक के दो फ्लोराइड-स्थानिक जिलों में विकसित रणनीतियाँ, पहल और संभावनाएँ", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 83. सीएम लक्ष्मण, "राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएस-6) का 6वां दौर, द्वितीय चरण, (2023-24) दक्षिण कर्नाटक", अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. रामप्पा केबी, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, "पीएमएफबीवाई / आरडब्ल्यूबीसीआईएस के लिए व्यापक प्रभाव आकलन अध्ययन", अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम (ए) अहमदाबाद को सौंपा गया।
2. रामप्पा केबी, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, "पशुपालन और मत्स्य पालन के विशेष संदर्भ में भारत में केसीसी का अध्ययन: एक यथार्थवादी आकलन", कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईआईएम-जोरहाट को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
3. विलास जाधव, रामप्पा केबी, थॉमस फेलिक्स, अक्षता नायक और टीएम गजानन, "भारत में बाजरा मूल्य श्रृंखला का विस्तृत विश्लेषण - उत्पादन, प्रसंस्करण, खपत और निर्यात", कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीएमए, आईआईएम (ए), अहमदाबाद को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
4. थॉमस फेलिक्स, रामप्पा केबी, विलास जाधव, अक्षता नायक और टीएम गजानन, "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएमकिसान): समस्याएं, संभावनाएं और आवश्यक सुधार", कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और

- किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईईजी, दिल्ली को सौंपे गए अखिल भारतीय अध्ययन द्वारा वित्त पोषित।
5. थॉमस फेलिक्स, रामप्पा केबी, विलास जाधव, अक्षता नायक और टीएम गजानन, “चावल की परती भूमि का कायाकल्प: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग करके एक अखिल भारतीय अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
 6. अक्षता नायक, रामप्पा केबी, विलास जाधव, थॉमस फेलिक्स और टीएम गजानन, “भारत के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत कृषि समुदाय विकास का एक अनुभवजन्य अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
 7. मालिनी एल तंत्री, “समावेशी विकास और विशेष आर्थिक क्षेत्र: प्रवासन और रोजगार का परिप्रेक्ष्य”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
 8. डी राजशेखर, मीनाक्षी राजीव, कला एस श्रीधर, बीपी वाणी, इंद्रजीत बैराग्य, थॉमस फेलिक्स, आर मंजुला और खलील शाहा, “कर्नाटक राज्य के वित्त का मूल्यांकन”, 16वें वित्त आयोग, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
 9. इंद्रजीत बैराग्य, स्टैनज़िन नौस्किट और एस मानसी, “शैक्षणिक परिणामों पर गैर-सरकारी संगठनों के स्वैच्छिक प्रयासों के प्रभाव का आकलन: अगस्त्य फाउंडेशन के हस्तक्षेप का एक केस अध्ययन”, अगस्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन, बेंगलुरु द्वारा वित्त पोषित।
 10. एस मानसी और चन्नम्मा कंबरा, “सतत विकास को बढ़ाने के लिए कपड़ा अपशिष्ट में परिपत्र अर्थव्यवस्था के दायरे की खोज”, गोकलदास एक्सपोर्ट्स चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
 11. एस मानसी और चन्नम्मा कंबरा, “पश्चिमी घाट के पेरी-शहरी क्षेत्रों में समुदाय-संचालित जलवायु कार्यों की क्षमता का आकलन”, गोकलदास एक्सपोर्ट्स चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।
 12. एस मधेश्वरन, बीपी वाणी, कार्तिक वी और एम कुसन्ना, “एससीएसए/टीएसए योजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन”, समाज कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा वित्त पोषित।
 13. सीएम लक्ष्मण, “कर्नाटक में युवा वयस्कों में जोखिम कारक और स्वास्थ्य व्यवहार”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 14. देविन्द्र, “प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों का स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा: कर्नाटक में एक अध्ययन”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 15. मधु बिदारी, “भारत में शहरी और ग्रामीण गरीब वयस्कों के बीच उच्च रक्तचाप उपचार कैस्केड: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 (2019-21) का विश्लेषण”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
 16. केबी रामप्पा और प्रमोद कुमार, “ड्रोन संचालन का आर्थिक और व्यावसायिक व्यवहार्यता अध्ययन: एक अखिल भारतीय अध्ययन”, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
 17. केबी रामप्पा और मालिनी एल तंत्री, “भौगोलिक संकेत और ग्रामीण विकास के बीच अंतर्संबंध: दक्षिण भारत के चयनित राज्यों से अनुभवजन्य साक्ष्य”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
 18. प्रमोद कुमार और विलास जाधव, “किसानों के मूल्य संवर्धन और आय सृजन के लिए बांस की खेती: भारत के चुनिंदा राज्यों का एक अध्ययन”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
 19. आर मंजुला, “कर्नाटक में ग्राम पंचायतों की निर्वाचित महिला प्रतिनिधि: क्या स्वयं सहायता समूहों में पिछला अनुभव मायने रखता है”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
 20. एम. बालासुब्रमण्यम एम और निहार रंजन, “तमिलनाडु के विभिन्न वन प्रकारों से वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन”, उप वन संरक्षक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, कोलापक्कम, चेन्नई द्वारा वित्त पोषित।
 21. कार्तिक वी और एस मधेश्वरन, “ग्रामीण कृषि ऋण बाजार में सामाजिक बहिष्कार: कर्नाटक का एक अध्ययन”, कर्नाटक सरकार के कर्नाटक आदिजम्बवा विकास निगम द्वारा वित्त पोषित।
 22. इंद्रजीत बैराग्य, “उच्च शिक्षा धाराओं के चयन में लैंगिक असमानता पर बहस पर पुनर्विचार और भारत में श्रम बाजार के परिणामों पर इसका प्रभाव”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
 23. कला एस श्रीधर, “क्या भारत के छोटे शहर शहरीकरण से लाभान्वित हो सकते हैं?”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।

24. सीएम लक्ष्मण, “पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में स्वास्थ्य अवसंरचना और सेवा वितरण: कर्नाटक में चयनित जिला अस्पतालों में एक जांच”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
25. लेखा सुबैया, टीएस श्यामला, रमेशा वी, श्रीकांत और मधु बिदारी, “भारत के दक्षिणी राज्यों में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) का मूल्यांकन”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
26. मधु बिदारी, “फ्लोरोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम: कर्नाटक के दो फ्लोराइड-स्थानिक जिलों में विकसित रणनीतियाँ, पहल और संभावनाएँ”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।
27. एवी मंजूनाथ और एस मधेश्वरन, “कौशल अंतर को पाटना: उद्योग की जरूरतों के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण को संरेखित करने में आईटीआई और आईएमसी की प्रभावशीलता पर एक दीर्घकालिक अध्ययन”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
28. माचिंग रीमिंगम, “कर्नाटक, भारत में धार्मिक, सामाजिक और आय समूहों के बीच नियमित वेतन रोजगार में सभ्य कार्य घाटा”, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
29. लेखा सुबैया, टीएस श्यामला और बीपी वाणी, “भारत में स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने के लिए एक प्रणाली दृष्टिकोण”, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित।
30. सीएम लक्ष्मण, टीएस श्यामला और लेखा सुबैया, “30 जिलों (मध्य प्रदेश के 6 जिले और अरुणाचल प्रदेश के 24 जिले) की एनएचएम-पीआईपी निगरानी”, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. राजनीतिक संस्थान, शासन और विकास केंद्र (सीपीआईजीडी), आईएसईसी द्वारा 5 से 6 जून 2024 तक “सस्टेनिटी: एक असमान दुनिया में सतत विकास: सार्वजनिक नीति पथ” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, लोक नीति विभाग (डीपीपी), एमएचई (मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी) बेंगलूर और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

– कर्नाटक क्षेत्रीय शाखा (आईआईपीए-केआरपी) के सहयोग से, एसआरटीटी के आंशिक समर्थन से आयोजित किया गया

2. सामाजिक परिवर्तन और विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) द्वारा विद्याशिल्प विश्वविद्यालय के सहयोग से 12 से 13 दिसंबर 2024 तक “शहरी नृवंशविज्ञान और बेंगलूर” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
3. “भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी (आईएसएलई) 65वां वार्षिक सम्मेलन” पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) द्वारा श्रम विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 9 से 11 जनवरी 2025 तक आयोजित किया गया।
4. सीईएसपी और सीआरयूए, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) और किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा 15 से 16 जुलाई 2024 तक “भारतीय मॉडल: चीन से परे विशेष आर्थिक क्षेत्र” विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
5. 24 से 26 फरवरी 2025 तक इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसईसी) और इंस्टीट्यूट फॉर न्यू इकोनॉमिक थिंकिंग (आईएनईटी) के यंग स्कॉलर्स इनिशिएटिव (वाईएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित “दक्षिण एशिया में 21वीं सदी में सामाजिक परिवर्तन, समझ और उभरती असमानताओं को संबोधित करना” विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

व्याख्यान

1. 16 अक्टूबर 2024 को प्रोफेसर आरएस देशपांडे (पूर्व निदेशक और सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईएसईसी) द्वारा “बौद्ध धर्म में नैतिकता और गांधीवादी विचार” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. 20 जनवरी 2025 को प्रोफेसर धनंजय सिंह (सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली) द्वारा “सतत भविष्य के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
3. 21 जनवरी 2025 को प्रोफेसर सतीश देशपांडे (प्रोफेसर एमएन श्रीनिवास चेरर, आईएसईसी, बेंगलुरु) द्वारा “लाभ भेदभाव: भारतीय उच्च शिक्षा में समकालीन चुनौतियां” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएँ

1. आर्थिक अध्ययन एवं नीति केंद्र, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा 8 सितंबर 2024 (ऑफ़लाइन) को “विद्यालय एवं उच्च शिक्षा में मूल्य एवं नैतिक शिक्षा: विषयवस्तु, शिक्षाशास्त्र, शिक्षक एवं संस्थागत तैयारी से संबंधित मुद्दे” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. 20 नवंबर 2024 (ऑफ़लाइन) को विकेंद्रीकरण और विकास केंद्र, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा “कर्नाटक में आघात उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और मानवीय नकद हस्तांतरण” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. 3 फरवरी 2025 को (ऑफ़लाइन) आर्थिक अध्ययन और नीति केंद्र, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा “कर्नाटक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा: एक परामर्श और प्रसार” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. 19 अप्रैल 2024 को (ऑफ़लाइन) आर्थिक अध्ययन और नीति केंद्र, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी), बेंगलुरु द्वारा “बेंगलुरु में जल सुरक्षा प्राप्त करना” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
5. 13 जनवरी 2025 को (ऑफ़लाइन) सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, भारत और डीकिन विश्वविद्यालय, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित “भारत में घरेलू और यौन हिंसा को संबोधित करने पर अनुसंधान और नीति मंच” पर एक दिवसीय कार्यशाला।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. सीईएसपी, आईएसईसी, बेंगलुरु द्वारा 19 से 30 अगस्त 2024 तक “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए शोध पद्धति और गुणवत्तापूर्ण लेखन कौशल” पर दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
2. सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, आईएसईसी, बेंगलुरु द्वारा 2 से 13 सितंबर 2024 तक आयोजित “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में विधियाँ और अनुप्रयोग (सीसीएमएसएसएसआर)” पर दो सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
3. सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) द्वारा 23 से 28 जनवरी 2025 तक “शैक्षणिक पठन और

लेखन” पर एक सप्ताह का अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) द्वारा 20-21 अप्रैल 2024 और 27 से 28 अप्रैल 2024 को चार दिवसीय सामाजिक विज्ञान प्रतिभा खोज योजना (एसएसटीएसएस) अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
2. सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) द्वारा 22 से 23 फरवरी और 8 से 9 मार्च 2025 को चार दिवसीय सामाजिक विज्ञान प्रतिभा खोज योजना (एसएसटीएसएस) अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 16 विद्वानों ने पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला लिया, 16 विद्वानों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की, 16 विद्वानों को पीएचडी डिग्री प्रदान की गई और 54 विद्वान अपना पीएचडी शोध जारी रख रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. राजशेखर, डी., और आर. मंजुला, संपादक। *महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और विकास: भारतीय राज्यों के परिप्रेक्ष्य*। स्प्रिंगर, 2024। आईएसबीएन 978-981-97-3709-3
2. गण श्रुति, एमके, और पी. कुमार। *द कालिटी ब्रू: कोडागु, भारत में कॉफ़ी का उत्पादन और विपणन*। रूटलेज - टेलर एंड फ्रांसिस, 2024।
3. नौटियाल, एस., एम. गोस्वामी, और ए. प्रेमकुमार। *घरेलू कार्बन पदचिह्न के निर्धारक और स्तरीकरण: जलवायु परिवर्तन शमन और सामाजिक-आर्थिक सह-लाभों की संभावना को समझना*। स्प्रिंगर सिंगापुर, 2025। <https://link.springer.com/book/9789819627387>.
4. नौटियाल, ए., आदि। *भारतीय हिमालयी क्षेत्र एक सतत भविष्य की ओर। भारतीय पुस्तकें और पत्रिकाएँ*, 2025 <https://www.ibpbooks.in/indian-himalayan-region-towards-a-sustainable-future/p/62317>. आईएसबीएन 978-93-6028-1014

5. रॉय, एन., ए. देबनाथ, और एस. नौटियाल। *भारत में जलवायु परिवर्तन, बदलती खेती और आजीविका की कमज़ोरियाँ: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन*। स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड, 2024। <https://link.springer.com/book/10.1007/978-3-031-54927-4>.
6. राज, के. *कर्नाटक में सामाजिक न्याय और अधिकारिता*। राइटर्स चॉइस पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, 2024. आईएसबीएन 978-93-93082-86-2
7. कुमार, एवी, और डीजे कुमार, संपादक। *कर्नाटक में शासन और विकास: एक राज्य, अनेक दुनियाएँ*। राइटर्स चॉइस पब्लिकेशन्स, 2024।
8. राजशेखर, डी., और आर. मंजुला, संपादक। *महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और विकास: भारतीय राज्यों के परिप्रेक्ष्य*। स्प्रिंगर, 2024। आईएसबीएन 978-981-97-3709-3।
5. नायका, एस., केबी रामप्पा, टीके फेलिक्स, एस. विनोथकन्ना, और ए. नायक। "भारत में भूमि उपयोग और भूमि आवरण प्रतिस्पर्धा की स्थानिक-कालिक गतिशीलता: एक जीआईएस आधारित अध्ययन।" *भारत में भूमि उपयोग और भूमि आवरण प्रतिस्पर्धा की स्थानिक-कालिक गतिशीलता: एक जीआईएस आधारित अध्ययन*, एस. आनंद एट अल. द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, 2024
6. रामप्पा, केबी, राष्ट्रक्षक, और टी. फेलिक्स। "मृदा स्वास्थ्य कार्ड अपनाना और पोषक तत्व प्रबंधन पर इसका प्रभाव।" *भारत में भूमि उपयोग और भूमि आवरण प्रतिस्पर्धा की स्थानिक-कालिक गतिशीलता: एक जीआईएस आधारित अध्ययन*, एस. आनंद, एस. यादव, पी. लाल, पी. मिश्रा और यू. रानी द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड, 2024।
7. मंडल, डी., और एस. मानसी। "शहरी झीलों के लिए समुदाय आधारित संरक्षण पहल: भारत के बेंगलुरु शहर से केस स्टडीज़।" *हाइड्रो सिस्टम रेस्टोरेशन हैंडबुक खंड 1, स्ट्रीम फ्लो रिचार्ज (एसएफटी) और झील पुनर्वास (एलआर)*, एस. एस्लामियन और एफ. एस्लामियन द्वारा संपादित, एल्सेवियर, 2025, पृष्ठ 265-279।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. राजशेखर, डी., और आर. मंजुला। "महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और समावेशी विकास।" *महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और विकास: भारतीय राज्यों के दृष्टिकोण*, डी. राजशेखर और आर. मंजुला द्वारा संपादित, स्प्रिंगर, 2024, पृष्ठ 3-20।
2. कुमार, पी., और के.एस. राव। "उत्तर प्रदेश में कृषि प्रदर्शन: कृषि जलवायु क्षेत्रों का एक अध्ययन।" *योगी @ ट्रिलियन ड्राइव: उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करना*, पी. कुमारी द्वारा संपादित, ओक ब्रिज पब्लिकेशंस, 2023।
3. अमरेंद्र रेड्डी, ए., एस. बाबू, पी. कुमार, और एस. नरेश कुमार। "खाद्य आपूर्ति और सुरक्षा।" *स्वतंत्रता के बाद भारतीय कृषि के 75 वर्षों का प्रक्षेप पथ*, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2023।
4. सक्सेना, के.जी., एस. श्रीकेश, के.एस. राव, आर.के. मैखुरी, और एस. नौटियाल। "व्यापार-संस्कृति-जैव विविधता संबंध: भारतीय हिमालय में पारंपरिक सांस्कृतिक परिदृश्यों में सामाजिक-पारिस्थितिक अखंडता की नींव।" *व्यापार और जैव विविधता: सामाजिक-पारिस्थितिक उत्पादन परिदृश्यों और समुद्री दृश्यों के संदर्भ में पारस्परिक संबंध*, एम. निशि, एस.एम. सुब्रमण्यन और पी. वर्गीस द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर, 2025, पृष्ठ 89-110। https://doi.org/10.1007/978-981-97-7574-3_6.
5. बिरावत, के., एस. मानसी, और एस. नायका। "भारत के बेंगलुरु महानगरीय क्षेत्र के शहरी और उप-नगरीय क्षेत्रों में टिकाऊ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समाधान: एक जीआईएस और रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोण।" *उप-नगरीय अनुसंधान में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, वैश्विक परिवर्तन, स्थिरता और लचीलेपन पर परिप्रेक्ष्य*, एम. सहाना द्वारा संपादित, मॉडर्न कार्टोग्राफी का खंड 11, एल्सेवियर, 2024, पृष्ठ 453-480।
9. जॉर्ज, एस., और पी. नागेश। "स्वास्थ्य असमानता को समझना: एक बहुआयामी परिप्रेक्ष्य।" *असमानता की वैश्विक पुस्तिका*, एसएस जोधका और बी. रेहबीन द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड, 2024, पृष्ठ 1403-1421।
10. नागेश, पी., ए. बेली, एस. जॉर्ज, और एल. सुबैया। "क्या नम्मा मेट्रो आयु-समावेशी है? वृद्धों के लिए परिवहन असमानताओं के रोज़मर्रा के अनुभव।" *समावेशी शहर और वैश्विक शहरी परिवर्तन: अवसरचुनाएँ, अंतर्संबंध और सतत विकास*, ए. बेली और के. ओत्सुकी द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2025, पृष्ठ 123-133।
11. जॉर्ज, एस., पी. नागेश, और ए. बेली। "परस्पर विरोधी क्षेत्रों में शामिल होना: भारत के बेंगलुरु शहर में महिला क्षय रोग रोगियों के लिए कार्य, जीवन और उपचार के संतुलन

- में यात्रा।" *समावेशी शहर और वैश्विक शहरी परिवर्तन: अवसरचनाएँ, अंतरसंबंध और सतत विकास*, ए. बेली और के. ओत्सुकी द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2025, पृष्ठ 111-122।
12. कंबरा, सी., और केबी नागार्जुन। "स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 और महिला स्ट्रीट वेंडर्स: बेंगलुरु शहर के संदर्भ में।" *मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच टू फील्ड लर्निंग*, ए. पारिख द्वारा संपादित, रिसर्चगेट पब्लिकेशंस, 2024, पृष्ठ 73-82। आईएसबीएन 978-81-941001-7-1।
 13. नौस्किट, एस. "समग्र विकास के लिए शिक्षा: स्पेन।" *सीखने की दुनिया: 52 देशों से सबक*, एम. मुखोपाध्याय, एम. कैबार्ता, बी. गंतैत और एम. मुखर्जी द्वारा संपादित, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अकादमी (ईटीएमए), 2024, पृष्ठ 685-703।
 14. श्रीवास्तव, सी., और के.सी. स्मिता। "भारतीय रेलवे की भूमिका और डीकार्बोनाइजेशन का मिशन: विद्युतीकरण कार्यक्रम का एक अध्ययन।" *जीरो कार्बन एनर्जी सिस्टम्स एंड एनर्जी ट्रांजिशन की पैल्येव हैंडबुक*, जी. वुड, वी. ओन्यांगो, के. येनेटी और एम.ए. लियाकोपोलू द्वारा संपादित, पैल्येव मैकमिलन, 2024, पृष्ठ 675-697। https://doi.org/10.1007/978-3-030-74380-2_41-1.
 15. राजशेखर, डी., और आर. मंजुला। "महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और समावेशी विकास।" *महिला नेतृत्व, विकेंद्रीकृत शासन और विकास: भारतीय राज्यों के परिप्रेक्ष्य*, डी. राजशेखर और आर. मंजुला द्वारा संपादित, स्प्रिंगर, 2024, पृष्ठ 3-20।
 16. जाधव, वी., और पी. अमृता। "आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों में नीतिगत मुद्दे: फसल सुधार के लिए प्रजनन रणनीतियाँ।" *आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों में नीतिगत मुद्दे*, बायोटेक बुक्स, 2024, पृष्ठ 153-170।
 17. गौड़ा, सी. "पुराना मैसूर: एक कलाकार के लिए एक परिवेश।" *राष्ट्र, क्षेत्र और आधुनिकता: के. वेंकटप्पा की कला*, डी. आचार और एन. पुष्पमाला द्वारा संपादित, रूटलेज, 2025, पृष्ठ 25-32।
 18. गौड़ा, सी. "गाँधी के जुनून: सीमाओं और स्थानीय स्वायत्तता का जीवन।" *21वीं सदी के लिए महात्मा गाँधी*, एनआर विश्वकुमार और पी. कृष्णा द्वारा संपादित, कर्नाटक गाँधी स्मारक निधि, 2025, पृ. 136-138.
 19. गौड़ा, सी. "धनवन्तरि की चिकित्सा: कुवेम्पु की लघु कहानी का कन्नड़ से अंग्रेजी में अनुवाद।" *100 भारतीय कहानियाँ: उल्लेखनीय लघु कथाओं का पर्व*, ए.जे. थॉमस द्वारा संपादित, एलेफ बुक कंपनी, 2025, पृ. 78-84।
 20. गौड़ा, सी. "द रिटायर्ड वन्स: पी. लंकेश की लघु कहानी का कन्नड़ से अंग्रेजी में सह-अनुवाद।" *सॉर मैंगे ट्री: पी. लंकेश के चुनिंदा लेख*, एन. हुलियार द्वारा संपादित, पेंगुइन बुक्स, 2025, पृ. 85-94.
- ### शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख
1. राजशेखर, डी. "सामाजिक और आर्थिक विकास पर निबंध: एक परिचय।" *जर्नल ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक डिवेलपमेंट*, खंड 26, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 1-4। <https://doi.org/10.1007/s40847-024-00387-9>.
 2. राजशेखर, डी. "विकेंद्रीकृत शासन, सुशासन और महात्मा गांधी नरेगा।" *जर्नल ऑफ रूरल डिवेलपमेंट*, खंड 43, अंक 2, 2024, पृष्ठ 150-156।
 3. राजशेखर, डी. "महात्मा गांधी नरेगा से वंचित समूहों को लाभ: भारत के प्रमुख राज्यों में स्थिति और रुझान।" *जर्नल ऑफ रूरल डिवेलपमेंट*, खंड 43, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 169-183। <https://doi.org/10.25175/jrd/2024/v43/i2/173505>.
 4. मोरी, वाई., राजशेखर, डी., मंजुला, आर., कुरोसाकी, टी., और गोतो, जे. "क्या महिला परिषद् सदस्य अधिक सार्वजनिक वस्तुओं का आवंटन करती हैं? ग्रामीण भारत से साक्ष्य।" *आर्थिक विकास और सांस्कृतिक परिवर्तन*, खंड 73, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 451-486। <https://doi.org/10.1086/727799>.
 5. मोरी, वाई., मंजुला, आर., राजशेखर, डी., गोतो, जे., और कुरोसाकी, टी. "लिंग कोटा प्रणाली में राजनेता कौन बनता है? भारत से साक्ष्य।" *विश्व विकास*, 2025।
 6. मंजुला, आर., और राजशेखर, डी. "स्थानीय सरकार का वित्त: कर्नाटक में स्वयं राजस्व जुटाने की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ।" *अर्थिका चर्चे*, खंड 9, अंक 1, 2024, पृष्ठ 86-96। (विशेषांक)।
 7. बर्ग, ई., राजशेखर, डी., और मंजुला, आर. "सेलफ़ेयर: मोबाइल फ़ोन का उपयोग करके स्व-लक्षित सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।" *आईडीएस बुलेटिन*, खंड 55, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 177-192। <https://doi.org/10.19088/1968-2024.129>.

8. उपाध्याय, एम., और राजशेखर, डी. “मध्य प्रदेश, भारत में स्थानीय सरकार और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन: एक महत्वपूर्ण संस्थागत विश्लेषण।” *पर्यावरण और विकास जर्नल*, खंड 0, संख्या 0, 2024, पृष्ठ 1-25 <https://doi.org/10.1177/10704965241300211>.
9. सुब्रमण्यन, अर्जुन, और प्रमोद कुमार। “संपत्ति अधिकार, कारक आवंटन और घरेलू कल्याण: भारत में भूमि स्वामित्व कार्यक्रम से प्रायोगिक साक्ष्य।” *जर्नल ऑफ डिवेलपमेंट इकोनॉमिक्स*, खंड 167, 2024, पृष्ठ 1-18
10. चक्रवर्ती, डी., और प्रमोद कुमार। “बढ़ते सूखे के सामने लैंगिक आजीविका की भेद्यता: बांकुरा, पश्चिम बंगाल, भारत में किसानों का एक अध्ययन।” *अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान जर्नल*, खंड 11, 2024, पृष्ठ 11-22।
11. देशमुख, ए.एस., और प्रमोद कुमार। “किसानों के विकास के लिए वैकल्पिक संस्थागत तंत्र के रूप में एफपीओ: महाराष्ट्र, भारत में महा एफपीसी का मूल्यांकन।” *भारतीय कृषि विपणन पत्रिका*, खंड 37, अंक 3, 2023, पृष्ठ 223-244।
12. चौधरी, एच., आदि। “कृषि पद्धतियों पर उर्वरक नीतियों का प्रभाव: शीर्ष पाँच उपभोक्ता राज्यों से साक्ष्य।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 58, संख्या 39, 2023, पृष्ठ 51-59।
13. चक्रवर्ती, डी., और प्रमोद कुमार। “सूक्ष्म वित्त, स्वयं सहायता समूह और साल के पत्ते से प्लेट-कटोरा बनाने में महिला उद्यमिता: पश्चिम बंगाल में एक मामला।” *माइक्रोफाइनेंस रिव्यू*, खंड 15, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2023।
14. नेगी, बी., एट अल. “हिमालय में जलवायु-अनुकूल गाँवों को आकार देने में पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान की भूमिका।” *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट*, खंड 376, 2025, अनुच्छेद 124325। <https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2025.124325>.
15. विजेशिंह, जे., एट अल. “शहरी-ग्रामीण कृषि परिदृश्यों के स्थानिक पैटर्न और विशेषताएँ: बेंगलुरु, भारत का एक केस स्टडी।” *भूमि*, खंड 14, संख्या 2, 2025, अनुच्छेद 208 <https://doi.org/10.3390/land14020208>.
16. राव, के.एस., एट अल.। “भारत के समशीतोष्ण हिमालय में क्षीण सामुदायिक वनों के सामाजिक-पारिस्थितिक कार्यों को बहाल करने में अनुकूली सह-प्रबंधन की क्षमता।” *जर्नल ऑफ माउंटेन साइंस*, खंड 22, 2025, पृष्ठ 860-872 <https://doi.org/10.1007/s11629-024-8872-9>.
17. गोस्वामी, एम., एट अल.। “सैंडबार वनरोपण के संभावित पर्यावरणीय निहितार्थ: ब्रह्मपुत्र नदी के एक सैंडबार, असम, भारत में पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पहल से अंतर्दृष्टि।” *भूमि उपयोग नीति*, खंड 147, 2024, अनुच्छेद 107354 <https://doi.org/10.1016/j.landusepol.2024.107354>.
18. गोस्वामी, एम., एट अल.। “घरेलू कार्बन पदचिह्न के समावेशी मूल्यांकन पर एक पद्धतिगत परिप्रेक्ष्य।” *पर्यावरण, विकास और स्थिरता*, 2024 <https://doi.org/10.1007/s10668-024-05390-y>.
19. मैखुरी, आर.के., एट अल.। “पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियाँ और प्रतिरक्षा बढ़ाना: कोविड-19 महामारी के बीच पादप आधारित स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की खोज।” *डिस्कवर प्लांट्स*, खंड 1, संख्या 1, 2024, अनुच्छेद 51 <https://doi.org/10.1007/s44372-024-00005-2>.
20. मौर्य, पी., एट अल. “पेरी-अर्बन एग्रोइकोसिस्टम में संसाधन प्रवाह: सर्कुलर इकोनॉमी परिप्रेक्ष्य से एक आकलन।” *सर्कुलर इकोनॉमी एंड सस्टेनेबिलिटी*, खंड 4, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 1093-1114 <https://doi.org/10.1007/s43615-023-00311-z>.
21. नौटियाल, एस., एट अल. “कोडागु जिले, पश्चिमी घाट, भारत में जलवायु परिवर्तन के संबंध में फसल उपज भिन्नताओं का विश्लेषण।” *पर्यावरणीय स्थिरता*, खंड 7, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 349-362 <https://doi.org/10.1007/s42398-024-00323-x>.
22. जमादार, एम., और के.एस. श्रीधर। “‘झुग्गी-झोपड़ियों’ से परे शहरी गरीबी: इसकी बहुआयामीता का मानचित्रण।” *क्षेत्र विकास और नीति*, खंड 9, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 518-537 <https://doi.org/10.1080/23792949.2024.2352550>.
23. श्रीधर, के.एस., और ए. महेंद्र। “मेट्रो और शिथिल भूमि उपयोग नियमों के आर्थिक लाभ: बेंगलुरु से साक्ष्य।” *परिवहन नीति पर केस स्टडीज़*, खंड 19, 2025, अनुच्छेद 101395 <https://doi.org/10.1016/j.cstp.2025.101395>.

24. श्रीधर, के.एस., और एस. नायका। “बड़े और छोटे के बीच का लुप्त मध्य: भारतीय राज्य कर्नाटक में शहरी प्रधानता।” *जर्नल ऑफ अर्बन मैनेजमेंट*, खंड 14, अंक 1, 2025, पृष्ठ 17–31 <https://doi.org/10.1016/j.jum.2024.08.005>.
25. यादव, पी., के.बी. रामप्पा, और के. वेबल। “गन्ना कटाई श्रमिकों का प्रवासी जीवन: नृवंशविज्ञान अनुसंधान।” *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च एंड रिव्यू*, खंड 8, अंक 2, 2025, पृष्ठ 22–29 <https://doi.org/10.47814/ijssrr.v8i2.2450>.
26. फेलिक्स, केटी, केबी रामप्पा, और पीएल गोविंदराजन। “भारत में प्रमुख बाजरा उत्पादक किसानों की तकनीकी, आवंटन और आर्थिक दक्षता बढ़ाने की रणनीतियाँ: एक प्राथमिक प्रणाली दृष्टिकोण।” *पर्यावरण और स्थिरता संकेतक*, खंड 24, 2024, अनुच्छेद 100493 <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2665972724001612>.
27. फेलिक्स, केटी, और केबी रामप्पा। “फलों का उन्माद: दक्षिण भारत में उपभोग और मांग के उभरते रुझान।” *भारतीय कृषि अर्थशास्त्र जर्नल*, खंड 79, अंक 3, 2024, पृष्ठ 349–369 <https://isaeindia.org/wp-content/uploads/2024/10/02-1002-1004-THOMAS-FELIX-3.pdf>.
28. फेलिक्स, केटी, और केबी रामप्पा। “आधुनिक कृषि अर्थशास्त्र के लिए व्यापक मार्गदर्शिका” *पुस्तक की समीक्षा। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 42, 2024 <https://www.epw.in/journal/2024/42/book-reviews/comprehensive-guide-modern-agricultural-economics.html>.
29. बाबू, केएल, और केबी रामप्पा। “बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए उच्चतर गियर पर जाने का समय।” *करेंट साइंस*, खंड 127, अंक 3, 2024।
30. यूसेफियन, एन., एट अल. “शहर में गायेँ: भारत की आईटी राजधानी में उपभोक्ता मांगें शहरी डेयरी को कैसे बनाए रखती हैं।” *शहरी कृषि और क्षेत्रीय खाद्य प्रणालियाँ*, खंड 9, संख्या 1, 2024, लेख e20070। <https://access.onlinelibrary.wiley.com/doi/full/10.1002/uar2.20070>.
31. विद्याश्री, एच., एट अल. “कटे हुए गुलाबों में विपणन दक्षता: संगठित बनाम असंगठित बाजारों का तुलनात्मक अध्ययन।” *करेंट रिसर्च इंटरनेशनल के अभिलेखागार*, खंड 24, संख्या 5, 2024, पृष्ठ 383–390।
32. राजू, बी.जे., और एस. मानसी। “भारत के कुटुनाड वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र में भूदृश्य परिवर्तनों और जलवायु-संवेदनशील रोगों की गतिशीलता का खुलासा।” *मिलेनियल एशिया*, खंड 15, अंक 3, 2024। <https://doi.org/10.1177/09763996241259531>.
33. घोष, आर., और टीएस श्यामला। “भारत में औसत रजोनिवृत्ति आयु और रजोनिवृत्ति के स्थानिक बदलावों का अनुमान: बड़े पैमाने पर सर्वेक्षणों से साक्ष्य।” *जियोजर्नल*, खंड 89, 2024, पृष्ठ 244 <https://doi.org/10.1007/s10708-024-11245-w>.
34. नागेश, पी., एट अल.। “बेंगलुरु में वृद्धों की गतिशीलता पर परिवहन नीतियाँ और उनका दैनिक प्रभाव।” *जर्नल ऑफ ग्लोबल एजिंग*, खंड 1, अंक 1, 2024, पृष्ठ 52–77
35. नागेश, पी., एट अल.। “उत्तर युगों में गतिशीलता और अवकाश: भारत में कम आय वाली वृद्ध महिलाओं के जीवन में धार्मिक पर्यटन की भूमिका।” *जर्नल ऑफ एजिंग स्टडीज़*, 2025।
36. हाओकिप, टीटी, और आर. मार्चांग। “आजीविका पर बुनियादी ढाँचे के प्रभाव: मणिपुर में पहाड़ियों और घाटियों का तुलनात्मक विश्लेषण।” *जर्नल ऑफ सोशल स्टडीज़*, खंड 10, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 1–25।
37. जॉर्ज, एस., ए. बालचंद्रन, और ए. के.एन. “क्या भारत में दवा की लागत नियंत्रण के उपाय कैंसर की दवाओं की सामर्थ्य बढ़ाते हैं? कैंसर की दवाओं पर खर्च और लागत से साक्ष्य।” *जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट*, खंड 26, अंक 3, 2024, पृष्ठ 486–495। <https://doi.org/10.1177/09720634241246940>.
38. नागेश, पी., एट अल.। “बेंगलुरु में वृद्धों की गतिशीलता पर परिवहन नीतियाँ और उनका दैनिक प्रभाव।” *जर्नल ऑफ ग्लोबल एजिंग*, खंड 1, अंक 1, 2024, पृष्ठ 52–77 <https://doi.org/10.1332/29767202Y2023D000000004>.
39. पाटिल, डी.एस., एट अल.। “बेंगलुरु, भारत में वृद्धों की गतिशीलता को आकार देने वाली दैनिक यात्रा के

- दौरान सुरक्षा की धारणाएँ।" बीएमसी पब्लिक हेल्थ, खंड 24, संख्या 1, 2024, लेख 1940 <https://doi.org/10.1186/s12889-024-19455-0>.
40. पाटिल, डी.एस., एट अल.। "बेंगलुरु, भारत में विकलांग वृद्धों के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँचने में देरी: स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और वृद्धों के विचार।" *जर्नल ऑफ ग्लोबल एजिंग*, खंड 1, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 196-218 <https://doi.org/10.1332/29767202Y2024D000000014>.
 41. नागेश, पी., एट अल.। "उत्तर युगों में गतिशीलता और अवकाश: भारत में कम आय वाली वृद्ध महिलाओं के जीवन में धार्मिक पर्यटन की भूमिका।" *जर्नल ऑफ एजिंग स्टडीज*, खंड 72, 2025, पृष्ठ 101302 <https://doi.org/10.1016/j.jaging.2024.101302>.
 42. लावण्या, बीटी, और एवी मंजूनाथ। "भारतीय चीनी क्षेत्र में अदृश्य एकाधिकार।" *शुगर टेक*, खंड 27, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 318-327
 43. मंजूनाथ, एवी, सीएम देविका, और बीटी लावण्या। "भारत में बहुक्रियाशील कृषि को बढ़ावा देना।" *पारिस्थितिकी, पर्यावरण एवं संरक्षण*, खंड 7, 2024.
 44. जाधव, सी., और ए.वी. मंजूनाथ। "बदलती वैश्विक व्यापार संरचना: उभरते व्यापार समूह।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज एंड सोशल साइंसेज*, खंड 20, अंक 1, 2024, पृष्ठ 169-177।
 45. तंत्री, एम.एल. "व्यापार उदारीकरण और अंतर-और अंतर-घरेलू खाद्य सुरक्षा: नीलगिरी के चाय बागानों में एक अनुभवजन्य जाँच।" *भारतीय मानव विकास जर्नल*, मार्च 2025। <https://doi.org/10.1177/09737030251319845>.
 46. मंडल, एस., और एम. बालसुब्रमण्यम। "पारिस्थितिक सेवाओं के लिए सकल पारिस्थितिकी तंत्र उत्पाद (जीईपी) लेखांकन: एक समीक्षा और पद्धतिगत ढाँचा।" *जर्नल ऑफ इनकम एंड वेल्थ*, खंड 46, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 65-79
 47. संघा, के.के., सी. मडेगौड़ा, और एम. बालासुब्रमण्यम। "स्वदेशी दृष्टिकोण को शामिल करते हुए संरक्षण को नया रूप देना।" *ग्लोबल इकोलॉजी एंड कंजर्वेशन*, खंड 54, 2024, पृष्ठ e03197। <https://doi.org/10.1016/j.gecco.2024.e03197>.
 48. बालसुब्रमण्यम, एम. "भारत में जलवायु संबंधी घटनाएँ और आर्थिक प्रभाव।" *उत्पादकता: राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् की एक त्रैमासिक पत्रिका*, खंड 64, संख्या 4, 2024, पृष्ठ 355-364 <https://doi.org/10.32381/PROD.2024.64.04.2>.
 49. बालसुब्रमण्यम, एम. "वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के नुकसान का आर्थिक आकलन और पारिस्थितिक बहाली के लिए मुआवजा।" *पर्यावरण आर्थिक लेखांकन प्रणाली (SEEA)*, संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी प्रभाग, 2024, पृष्ठ 1-6 https://seea.un.org/sites/seea.un.org/files/session_6_muniyandi_balasubramanian.pdf.
 50. बैराग्य, आई., और एस. थॉमस। "आर्थिक विकास पर व्यावसायिक शिक्षा का प्रभाव: भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्लेषण।" *सिंगापुर आर्थिक समीक्षा*, खंड 70, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 513-535 <https://doi.org/10.1142/S0217590824500383>.
 51. कंबारा, सी. "अम्बेडकर अवरा चिन्ताने मत्तु असंगहिता महिला कार्मिकरु: वास्तुनिष्ठा विश्लेशेने।" *चरित्र अध्ययन: कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी*, खंड 14, अंक 2, 2023, पृष्ठ 32-48
 52. जाधव, वी., और बी.वी.सी. रेड्डी। "हाइब्रिड टमाटर उत्पादन में तकनीकी परिवर्तन: एक क्षेत्र आधारित अध्ययन।" *जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स*, खंड 30, संख्या 12, 2024, पृष्ठ 216-223। <https://doi.org/10.9734/jsrr/2024/v30i122666>.
 53. जाधव, वी., और बी.वी.सी. रेड्डी। "कर्नाटक, भारत में बागवानी विकास के माध्यम से आजीविका सुरक्षा प्राप्त करना।" *जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एग्रीकल्चर इंटरनेशनल*, खंड 46, संख्या 12, 2024, पृष्ठ 663-667 <https://doi.org/10.9734/jeai/2024/v46i123174>.
 54. राघवेंद्र, के.वी., एट अल.। "टमाटर (लाइकोपर्सिकॉन एस्कुलेंटम मिलर) के कीटों की निगरानी और बड़े पैमाने पर जाल लगाने के लिए पीले चिपचिपे जाल की क्षमता: एक क्षेत्र अध्ययन।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल इंसेक्ट साइंस*, 2024, पृष्ठ 1-9 <https://link.springer.com/article/10.1007/s42690-024-01282-w>.
 55. फेलिक्स, केटी, केबी रामप्पा, और पीएल गोविंदराजन। "भारत में प्रमुख बाजरा उत्पादक किसानों की तकनीकी,

- आवंटन और आर्थिक दक्षता बढ़ाने की रणनीतियाँ: एक प्राथमिक प्रणाली दृष्टिकोण।" पर्यावरण और स्थिरता संकेतक, खंड 24, 2024, पृष्ठ 100493 <https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S2665972724001612>.
56. खंगार, एनएस, एट अल. "मध्य प्रदेश में फसल अवशेष जलाने का पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण: प्रमुख फसलों में एक बहुभिन्नरूपी तुलना।" पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, खंड 197, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 211
 57. फेलिक्स, केटी, और केबी रामप्पा। "फलों का उन्माद: दक्षिण भारत में उपभोग और माँग के उभरते रुझान।" भारतीय कृषि अर्थशास्त्र जर्नल (आईजेआई), खंड 79, अंक 3, 2024, पृष्ठ 349-369। <https://isaeindia.org/wp-content/uploads/2024/10/02-1002-1004-THOMAS-FELIX-3.pdf>.
 58. फेलिक्स, केटी, और केबी रामप्पा। "आधुनिक कृषि अर्थशास्त्र के लिए व्यापक मार्गदर्शिका [आधुनिक कृषि अर्थशास्त्र के लिए व्यापक मार्गदर्शिका पुस्तक की समीक्षा]।" इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू), खंड 59, अंक 42, 2024। <https://www.epw.in/journal/2024/42/book-reviews/comprehensive-guide-modern-agricultural-economics.html>.
 59. दचेन, जे., एट अल. "लद्दाख की अर्ध-खानाबदोश जनजातियों के बीच आजीविका परिवर्तन: ज़ांस्कर का एक केस स्टडी।" हिमालयन और मध्य एशियाई अध्ययन, खंड 29, संख्या 1-2, 2025, पृष्ठ 99-108। <https://www.himalayanresearch.org/images/Journal-Vol-29-No1-2-January-June-2025.pdf>.
 60. चक्रवर्ती, डी., और एस. नौस्किट। "नई शिक्षा नीति -2020 पर स्नातकोत्तर छात्रों की धारणा और जागरूकता: बेंगलोर का एक केस स्टडी।" ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएमआर), खंड 11, संख्या 3, 2025, पृष्ठ 480-485 <https://eprajournals.com/IJMR/article/15365/abstract>.
 61. स्मिता, के.सी. "बेंगलुरु में उद्यमशीलता से जुड़े 'वीआईपी शहरीकरण' की राजनीति: अभिजात वर्ग की प्रथाएँ और एजेंसी समस्या।" मानव भूगोल, खंड 17, संख्या 3, 2024, पृष्ठ 304-322 <https://doi.org/10.1177/19427786231171885>.
 62. अश्विनी, एम., एट अल. "एशिया और अफ्रीकी देशों में गांठदार त्वचा रोग की व्यापकता का व्यापक मूल्यांकन: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण।" इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसेज, खंड 94, संख्या 8, 2024, पृष्ठ 659-664
 63. ब्ले, जे.के., एट अल. "भारत में प्याज़ बाजारों में असममित और सीमांत मूल्य संचरण गतिशीलता।" कॉर्जेंट इकोनॉमिक्स एंड फ़ाइनेंस, खंड 12, संख्या 1, 2024, लेख 2402557। <https://doi.org/10.1080/23322039.2024.2402557>.
 64. मंजुला, आर., और डी. राजशेखर। "स्थानीय सरकार के वित्त: कर्नाटक में स्वयं के राजस्व जुटाने की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ।" अर्थिका चर्चे, खंड 9, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 86-96
 65. मोरी, वाई., एट अल. "क्या महिला परिषद् सदस्य ज्यादा सार्वजनिक वस्तुओं का आवंटन करती हैं? ग्रामीण भारत से साक्ष्य।" आर्थिक विकास और सांस्कृतिक परिवर्तन, खंड 73, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 451-486। <https://doi.org/10.1086/727799>.
 66. बर्ग, ई., डी. राजशेखर, और आर. मंजुला। "सेलफेयर: मोबाइल फोन का उपयोग करके स्व-लक्षित सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।" इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज (आईडीएस) बुलेटिन, खंड 55, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 177-192 <https://doi.org/10.19088/1968-2024.129>.
 67. मंजुला, आर. "क्या लोक निर्माण कार्यक्रम सहभागी और मांग-आधारित हैं? कर्नाटक से साक्ष्य।" जर्नल ऑफ रूरल डिवेलपमेंट, खंड 43, अंक 2, 2024, पृष्ठ 197-210 <https://doi.org/10.25175/jrd/2024/v43/i2/173501>.
 68. मोरी, वाई., एट अल. "लिंग कोटा प्रणाली में राजनेता कौन बनता है? भारत से साक्ष्य।" विश्व विकास, ऑनलाइन उपलब्ध, 12 जनवरी 2025
 69. शाहा, के., और आर.एस. देशपांडे। "महाराष्ट्र में कृषि संकट: बाधाओं पर बातचीत।" कृषि क्षेत्र की कठिनाइयाँ: जमीनी स्तर की आवाजें, आर.एस. देशपांडे द्वारा संपादित, शब्दशिवर प्रकाशन, 2025, पृष्ठ 10-58।

कार्य पत्र

1. जाधव, सी., और ए.वी. मंजूनाथ। बदलते ज्वार को नेविगेट करना: उभरते व्यापार समूहों के युग में अंतर्राष्ट्रीय

- व्यापार सिद्धांत और नीति का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन। कार्य पत्र संख्या 574, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024
2. जमादार, एम., और के.एस. श्रीधर। गरीबी से लड़ने का गरीब तरीका: बेंगलुरु, भारत में शहरी गरीबों द्वारा अपनाई गई मुकाबला करने की रणनीतियों का एक अध्ययन। कार्य पत्र संख्या 575, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 3. नाइक, एस.के., और आई. बैराग्य। क्या भारतीय राज्यों के आर्थिक विकास के लिए मानव पूँजी मायने रखती है? एक गतिशील पैनल डेटा विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 576, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 4. हुसैन, जेड. मुस्लिम महिलाओं के हाशिए पर होने को समझना: बेंगलुरु शहर में एक अध्ययन। कार्य पत्र संख्या 577, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 5. सिंह, बी.के. एकीकृत बाल संरक्षण योजना और नवउदारवादी शासन: एक पाठ्य विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 578, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 6. हुसैन, जेड. युवाओं को रोजगार योग्य बनाना: कर्नाटक के विशेष संदर्भ में भारत में कौशल विकास नीति का विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 579, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 7. फिलिप, पी.एम. पेसा अधिनियम, 1996 के संदर्भ में मध्य प्रदेश की पारंपरिक जनजातीय शासन प्रणालियाँ और औपचारिक ग्राम पंचायतें। कार्य पत्र संख्या 580, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 8. राज, डी.आर., और रीमिंगम मार्चांग। बेंगलोर में एमबीए स्नातकों के कौशल और सीखने के असंतुलन के बारे में नियोक्ताओं की धारणा। कार्य पत्र संख्या 581, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 9. सुधामनी, एन., और ए. इन्बानाथन। बाधाओं को तोड़ना: लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने वाली योजनाएँ। कार्य पत्र संख्या 582, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 10. मैथ्यू, वीजे स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के माध्यम से जनजातीय उपयोजना का विकास और स्थिति: केरल के अनुभव से विचार। कार्य पत्र संख्या 583, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 11. श्रीधर, के.एस. दक्षिणी भारत में शहरी प्रधानता: औद्योगिक नीतियाँ और परिणाम। कार्य पत्र संख्या 584, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 12. कर्णिका, ए., और के. राज. कर्नाटक के लिए जलवायु परिवर्तन भेद्यता सूचकांक: कर्नाटक के जिलों के लिए अनुकूलन क्षमता, जोखिम और संवेदनशीलता। कार्य पत्र संख्या 585, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 13. अबीना, वी.पी., और एम. राजीव। प्राकृतिक आपदाओं की गंभीरता की जाँच: निम्न मध्यम आय वाले देशों का एक अध्ययन। कार्य पत्र संख्या 586, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 14. थॉमस, एस.जे., और एम.एल. तंत्री। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में भारत का व्यापार – उभरते रुझान और चुनौतियाँ। कार्य पत्र संख्या 587, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 15. भट्टाचारजी, एस., टीकेए कुमार, और के. राज। मातृ स्वास्थ्य सेवा के उपयोग पर सामाजिक-आर्थिक कारकों का प्रभाव: कर्नाटक से साक्ष्य। कार्य पत्र संख्या 588, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 16. वड्डीराजू, ए.के. चाणक्य के अर्थशास्त्र और मैकियावेली के द प्रिंस में मानव प्रकृति की अवधारणा। कार्य पत्र संख्या 589, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 17. आदित्य, ए., और के. राज. भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्राकृतिक गैस आवंटन के आर्थिक प्रभाव। कार्य पत्र संख्या 590, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 18. स्मिता, केसी, और बीडी पाल। बेंगलुरु में शहरी विकास से प्रेरित मलिन बस्तियों का पुनर्वास: लैंगिक संवेदनशीलता और एजेंसी का पता लगाना। कार्य पत्र संख्या 591, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 19. कादर, एसएकेपी, और एमएल तंत्री। आर्थिक सुधारों और प्रमुख बंदरगाहों के प्रदर्शन का बदलता परिदृश्य – भारत से साक्ष्य। कार्य पत्र संख्या 592, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
 20. चक्रधर, जे., और ए.वी. मंजूनाथ। वैश्विक व्यापार के संदर्भ में व्यापार समूहन का आकलन और व्याख्या। कार्य पत्र संख्या 593, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।

21. भट्टाचार्य, आर. भारत में शहरी सेवा वितरण: स्थिति और मुद्दे। कार्य पत्र संख्या 594, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2024।
22. मानसी, एस., एम.एल. तंत्री, सी. कंबरा, आई. बैराग्य, और एस. विजयलक्ष्मी। अनौपचारिक प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के शैक्षिक परिणामों में असमानताएँ: बेंगलुरु, भारत से साक्ष्य। कार्य पत्र संख्या 595, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, 2025।
6. नायक, अक्षता, सईदा गज़ाला और विलास जादव। खेती से परे: भारत के तिलहन उद्योग की उभरती कहानी। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 62, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।
7. उपाध्याय, महिमा, और डी. राजशेखर। स्थानीय सरकार और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 63, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।

सामयिक पत्र

1. विजयलक्ष्मी, एस., सी. कंबरा, और एमएल तंत्री। “अंतर को पाटना: शहरी भारत में प्रवासी युवाओं में शिक्षा और कौशल की कमी से निपटना।” एनसीएचएफ बुलेटिन, खंड 37, संख्या 3-4, 2024, पृष्ठ 37-39

नीति संक्षिप्त

1. जॉर्ज, सोबिन। मार्ग का निर्धारण: भारतीय संदर्भ में कैसर के निदान में होने वाली टालने योग्य देरी को रोकने के लिए एक नीतिगत रोडमैप। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 57, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2024
2. मार्चिंग, रीमिंगम। आजीविका की अनिश्चितता और चुनौतियों पर काबू पाने की रणनीतियाँ: कोविड-19 महामारी के दौरान पूर्वोत्तर में उलटे प्रवास से नीतिगत सबक। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 58, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।
3. रामप्पा, केबी, राष्ट्ररक्षक, और थॉमस फेलिक्स। किसानों की आजीविका और ऋण पहुँच बढ़ाने के लिए भूमि स्वामित्व को मज़बूत करना। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 59, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।
4. स्मिता, के.सी., और बरुण देव पाल। क्या लिंग संवेदनशीलता स्लम पुनर्वास दृष्टिकोण में व्याप्त है? शहरी समावेशिता को बढ़ावा देने वाले नीतिगत नवाचार की आवश्यकता। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 60, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।
5. स्मिता, के.सी., और अभिजीत वरदराज एस. भारत में कौशल विकास का प्रशासन: जनसांख्यिकीय लाभांश और आर्थिक विकास प्राप्त करने हेतु नीतिगत परिदृश्य। आईएसईसी नीति संक्षिप्त संख्या 61, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलुरु, 2025।

पुस्तकालय

डॉ. वीकेआरवी राव पुस्तकालय सामाजिक विज्ञान में विशेषज्ञता वाले भारत के अग्रणी शोध पुस्तकालयों में से एक है। 1972 में अपनी स्थापना के बाद से, इसने देश भर के संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, पीएचडी विद्वानों, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, सलाहकारों और छात्रों सहित उपयोगकर्ताओं के विविध समूह को कुशल और समय पर सहायता प्रदान करके संस्थान के भीतर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुस्तकालय में केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ बहुपक्षीय संस्थानों द्वारा प्रकाशित समकालीन और ऐतिहासिक सांख्यिकीय स्रोतों का एक व्यापक संग्रह है। इन संसाधनों में सांख्यिकीय वार्षिक पुस्तकें, बुलेटिन, जनसंख्या जनगणना, व्यापार सांख्यिकी और आर्थिक, वित्तीय और सामाजिक डेटा की एक विस्तृत शृंखला शामिल है।

पुस्तकालय शोध डेटा सहायता, उधार और संदर्भ सहायता जैसी कई आवश्यक सेवाएँ प्रदान करता है। यह वर्तमान जागरूकता सेवाएँ भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को नई सामग्री, जर्नल लिस्टिंग, वर्तमान सामग्री और मासिक लेख अनुक्रमणिकाओं के बारे में जानकारी मिलती रहती है। कोहा सॉफ्टवेयर से पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत और स्वचालित, इस पुस्तकालय में सेल्फ-चेक-इन/चेक-आउट कियोस्क, सुरक्षा द्वार, स्टाफ वर्कस्टेशन और स्टॉक प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाने वाले हैंडहेल्ड रीडर के लिए आरएफआईडी-सक्षम तकनीक एकीकृत है। इसके अतिरिक्त, यह भारत सरकार की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल के तहत पंजीकृत है, जो शैक्षणिक सामग्री तक पहुँच को बेहतर बनाता है।

आईसीएसएसआर-नैसडॉक से प्राप्त सहायता पुस्तकालय के संसाधनों को और मज़बूत बनाती है, क्योंकि यह सीएमआईई कंज्यूमर पिरामिड (सीपीडीएक्स), प्रोवेस आईक्यू, इंडियास्टेट, जेएसटीओआर, स्टेटिस्टा और सेज रिसर्च मेथड्स सहित कई प्रमुख डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है। पुस्तकालय के भौतिक संग्रह में वर्तमान में 1,60,918 दस्तावेज़ शामिल हैं, जिनमें 50,250 पुस्तकें, 65,500 रिपोर्ट, 568 सीडी-रोम, 350 शोध प्रबंध, 18,500 उपहार पुस्तिकाएँ और महत्वपूर्ण पत्रिकाओं

के 25,750 पुराने संस्करण शामिल हैं—जिनमें से कई अपने शुरुआती अंकों से ही अनुरक्षित हैं।

ओएनओएस पहल के अंतर्गत अनेक पत्रिकाएँ शामिल हैं, इसलिए पुस्तकालय केवल उन्हीं पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है जो ओएनओएस के अंतर्गत शामिल नहीं हैं। वर्तमान में, यह 35 पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, जिनमें 15 अंतर्राष्ट्रीय और 20 राष्ट्रीय पत्रिकाएँ शामिल हैं, जैसे *जर्नल ऑफ़ पॉलिटिकल इकोनॉमी*, *न्यू लेफ्ट रिव्यू*, *पैसिफिक अफेयर्स* और *रिव्यू ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स*। पुस्तकालय 13 क्षेत्रीय और

राष्ट्रीय समाचार पत्रों की भी सदस्यता लेता है, जिनमें *द टाइम्स ऑफ़ इंडिया*, *द इंडियन एक्सप्रेस*, *द हिंदू*, *विजया कर्नाटक* और *प्रजावाणी* आदि शामिल हैं।

पुस्तकालय में डिजिटलीकरण कार्यक्रम लगातार प्रगति पर है और अब तक 26,000 से ज़्यादा दस्तावेज़ों का डिजिटलीकरण हो चुका है। ये डिजिटल सामग्री पुस्तकालय के भीतर स्थित डीस्पेस डिजिटल लाइब्रेरी सर्वर पर उपलब्ध है, जिससे ये वैश्विक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समुदाय के लिए सुलभ हो गई है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

आईएसआईसी, बेंगलुरु

(₹ लाखों में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	515.37	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	1185.93
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	524.39	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	300.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	319.62
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप, परामर्श आदि)	90.60	परियोजनाएँ, फ़ैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	26.09
कोई अन्य स्रोत	0.00	विविध व्यय	4.58
आय से अधिक व्यय	55.86		
कुल	1536.22	कुल	1536.22

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी), नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

- नागेश कुमार, “भारत में श्रम-प्रधान उद्योगों के तीव्र विकास की दिशा में: खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, और रत्न और आभूषण”, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- आईएसआईडी, “भारत औद्योगिक विकास रिपोर्ट (आईआईडीआर)”, आईएसआईडी और आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।

- अजय शंकर, “मध्यम आय के जाल से बचने और उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की रणनीतियाँ”, आईएसआईडी द्वारा समर्थित।
- रेजी के. जोसेफ, “मेक इन इंडिया: छह विनिर्माण क्षेत्रों पर कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. नागेश कुमार, सत्यकी रॉय, अंजलि टंडन, रमा अरुण कुमार, संगीता घोष और ईशा चावला, “भारत में श्रम-प्रधान उद्योगों के तीव्र विकास की ओर: खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, और रत्न और आभूषण”, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
2. प्रकाश सिंह, दुर्इराज कुमारसामी, और अखिलेश कुमार शर्मा, “वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में एमएसएमई की वित्तीय पहुंच, संस्थागत वातावरण और भागीदारी: उभरती अर्थव्यवस्थाओं और भारत के संदर्भ में एक फर्म-स्तरीय विश्लेषण”, गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा वित्त पोषित।
3. रुचि शर्मा और अखिलेश के. शर्मा, “बौद्धिक संपदा जागरूकता और प्रबंधन के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाना”, आईआईटी इंदौर द्वारा वित्त पोषित।
4. नागेश कुमार और कुणाल सेन, “वाइडर - आईएसआईडी रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन ग्रीन स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन इन द ग्लोबल साउथ: चैलेंजेज, ऑपच्युनिटीज एंड पॉलिसी लेसन फॉर नेशनल एंड ग्लोबल एक्शन”, यूएनयू - वाइडर, हेलसिंकी द्वारा वित्त पोषित।
5. नागेश कुमार, “भारत-जापान आपूर्ति शृंखला पुनर्गठन पर ईआरआईए-आईएसआईडी-सीआईआई परियोजना बैठक”, ईआरआईए, जकार्ता द्वारा वित्त पोषित।
6. नागेश कुमार और रेजी जोसेफ, “भारत-कोरिया आर्थिक साझेदारी पर आईएसआईडी-केआईआईटी कार्यक्रम”, केआईआईटी और आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित।
7. सूर्या तिवारी, “भारत में क्षेत्रीय विनिर्माण का परिदृश्य: कमोडिटी फ्लो विश्लेषण से प्रतिबिंब”, आईसीएसएसआर, उत्तरी क्षेत्र केंद्र द्वारा वित्त पोषित।
8. संगीता घोष, “सूरत क्लस्टर में वस्त्र और परिधान मूल्य-शृंखला में अनौपचारिक उद्यम और एमएसएमई”, न्यू पॉलिटिकल इकोनॉमी इनिशिएटिव, आईआईटी बॉम्बे और एसईडब्ल्यूए द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर),

नई दिल्ली के सहयोग से आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा 21 से 23 नवंबर, 2024 तक “भारत का औद्योगिक परिवर्तन: एक प्रतिस्पर्धी, समावेशी और सतत विनिर्माण क्षेत्र की ओर” विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया

सेमिनार

1. आईएसआईडी द्वारा आईआईसी के सहयोग से 27 फरवरी 2025 को आयोजित “भारत की विनिर्माण क्षमता का दोहन: आईएसआईडी की भारत औद्योगिक विकास रिपोर्ट 2024-25 पर चर्चा” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार
2. 14 फरवरी 2025 को आईएसआईडी द्वारा आयोजित “नए ट्रम्प युग में चीन से आपूर्ति शृंखला में बड़े बदलाव पर नीति गोलमेज सम्मेलन: भारत की संभावनाएं” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
3. औद्योगिक रणनीति पर आईएसआईडी कार्य समूह (डब्ल्यूजीआईएस) की पहली बैठक पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईएसआईडी, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
4. 5 दिसंबर 2024 को सीयूटीएस के सहयोग से आईएसआईडी द्वारा आयोजित “विश्व प्रतिस्पर्धा दिवस 2024 पर सीयूटीएस-आईएसआईडी पैनल चर्चा” पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
5. 25 अक्टूबर 2024 को आईएसआईडी द्वारा डब्ल्यूआईआईआईआर के सहयोग से आयोजित “वैश्विक दक्षिण में स्वच्छ संक्रमण और हरित औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने पर नीति गोलमेज सम्मेलन: उभरती जी20 अर्थव्यवस्थाओं के परिप्रेक्ष्य” पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
6. 19 दिसंबर 2024 को केआईआईटी के सहयोग से आईएसआईडी द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा समर्थित “आपूर्ति शृंखला पुनर्गठन के संदर्भ में भारत-कोरिया आर्थिक साझेदारी को गहरा करने पर भारत-कोरिया नीति वार्ता” पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
7. 6 दिसंबर 2024 को आईडब्ल्यूएफ के सहयोग से आईएसआईडी द्वारा आयोजित “भारत में हरित औद्योगिकीकरण के मार्ग पर आईएसआईडी-आईडब्ल्यूएफ नीति गोलमेज सम्मेलन: चुनौतियां, अवसर और नीतिगत सबक” पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
8. 20 मार्च 2025 को आईएसआईडी द्वारा “वैश्विक स्तर पर हरित औद्योगिक नीति पर नीति गोलमेज सम्मेलन और

भारत के लिए सबक” पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- 24 फरवरी 2025 को आईएसआईडी द्वारा “विनिर्माण क्षेत्र में भारत-जापान आर्थिक साझेदारी को गहरा करने पर नीति गोलमेज सम्मेलन: ऑटो और फार्मा क्षेत्रों पर ध्यान” विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

- 1 मई 2024 को आईएसआईडी में प्रोफेसर धनंजय सिंह (सदस्य-सचिव, आईसीएसएसआर) द्वारा दिया गया “आईएसआईडी स्थापना दिवस व्याख्यान” पर सार्वजनिक व्याख्यान
- 9 अगस्त 2024 को आईएसआईडी में प्रोफेसर अर्कबे ओकुबे (ब्रिटिश अकादमी ग्लोबल प्रोफेसर, एसओएसएस, लंदन विश्वविद्यालय) द्वारा “औद्योगिक नीति, हरित परिवर्तन और 21वीं सदी में वैश्विक दक्षिण का उदय” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
- 27 मार्च 2025 को आईएसआईडी और डीएफबीई-डीयू द्वारा आयोजित “वित्तीय क्षेत्र, मैक्रो अर्थव्यवस्था और मैक्रोइकॉनॉमिक्स” पर सार्वजनिक व्याख्यान, प्रोफेसर सौम्येन सिकदर (प्रोफेसर सेवानिवृत्त, आईआईएम कलकत्ता) द्वारा दिया गया।

कार्यशालाएं

- आईएसआईडी और विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (वीआईपीएस) द्वारा 12 जून 2024 को (ऑफलाइन) “औद्योगिक विकास और नीति अनुसंधान पर क्षमता निर्माण कार्यशाला” पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- आसियान और पूर्वी एशिया के लिए आर्थिक अनुसंधान संस्थान (ईआरआईए) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से आईएसआईडी द्वारा आयोजित “आपूर्ति शृंखला पुनर्गठन और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए भारत-जापान साझेदारी” पर कार्यशाला (ऑफलाइन)।
- 26 मार्च 2025 को (ऑफलाइन) “एमएसएमई के लिए आईपीआर: रणनीतिक उपयोग की ओर बढ़ना” विषय पर कार्यशाला का आयोजन मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी इंदौर, एमएसएमई डीएफओ इंदौर, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार और आईएसआईडी नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

- 11 मार्च 2025 को आईएसआईडी द्वारा आयोजित एक दिवसीय शोध कार्यशाला (ऑफलाइन)।
- 27 मार्च 2025 को आईएसआईडी द्वारा आयोजित एक दिवसीय शोध कार्यशाला (ऑफलाइन)।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- आईसीएसएसआर के सहयोग से 2 सितंबर से 14 सितंबर 2024 तक आईएसआईडी नई दिल्ली द्वारा “विकसित भारत@2047 को साकार करने के लिए औद्योगिक विकास और नीतियां” पर चौदह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वेबिनार

- आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा 7 जून 2024 को “भारत में पेटेंट की कार्यप्रणाली: अवसर और चुनौतियाँ” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया।
- 12 जुलाई 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “भारत के संरचनात्मक परिवर्तन का रुका हुआ मार्ग: क्या गलत हुआ?” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार।
- 26 जुलाई 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन प्रवृत्ति: एक अपघटन और वियोजन दृष्टिकोण” पर एक दिवसीय वेबिनार।
- 30 अगस्त 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा “क्षेत्रीय मूल्य शृंखला, आसियान और भारत” पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- 13 सितंबर 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “अनौपचारिक से औपचारिक तक: भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का संरचनात्मक परिवर्तन” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार।
- 27 सितंबर 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “प्रौद्योगिकी प्रवाह, अपनाना और दक्षता: भारत और चीन में निर्यात और रोजगार का द्वंद्व” विषय पर एक दिवसीय वेबिनार।
- 29 अक्टूबर 2024 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित “बिल्डिंग ब्रिजस: एक्सप्लोरिंग फर्म परफॉर्मेंस एंड फर्म डिस्ट्रेस यूजिंग इंडक्टिव एनालिसिस” पर एक दिवसीय वेबिनार।

8. 31 जनवरी 2025 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा "भारतीय विनिर्माण के वेतन-आधारित पुनरुद्धार" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
9. 7 फरवरी 2025 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा "भारत के निर्यात की कारक सामग्री" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
10. 7 मार्च 2025 को आईएसआईडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय वेबिनार "क्या भारत समय से पहले ही औद्योगिकीकरण से विमुख हो रहा है? जीडीपी में विनिर्माण हिस्सेदारी के रुझान"।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 9 विद्वानों ने पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन कराया है।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. कुमार, एन., और एस. रॉय। एफडीआई, एमएसएमई, डिजिटलीकरण और हरित औद्योगिकीकरण: भारत के लिए चुनौतियाँ, अवसर और नीतिगत सबक। स्प्रिंगर, 2024 <https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-97-8999-3>.
2. औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आईएसआईडी)। भारत की औद्योगिक विकास रिपोर्ट 2024-25। आईएसआईडी, 2024 <https://isid.org.in/publication/indias-industrial-development-report-2024-25/>.
3. चटर्जी, एस. भारत में समावेशी आर्थिक विकास: समृद्धि लाना और अभावों को समाप्त करना। रूटलेज, 2024 <https://www.routledge.com/Inclusive-Economic-Growth-in-India-Inducing-Prosperity-and-Ending-Deprivations/Chatterjee/p/book/9781032608112>.
4. रॉय, एस. भारत की अर्थव्यवस्था 2024. आकार बुक्स, 2024.
5. कुमार, एन. भारत का औद्योगिक परिवर्तन। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक (विशेषांक), 24 अगस्त 2024।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. कुमार, एन., और एस. रॉय। "एफडीआई, एमएसएमई, डिजिटलीकरण और हरित औद्योगिकीकरण: संपादक का

परिचय।" एफडीआई, एमएसएमई, डिजिटलीकरण और हरित औद्योगिकीकरण: भारत के लिए चुनौतियाँ, अवसर और नीतिगत सबक, एन. कुमार और एस. रॉय द्वारा संपादित, स्प्रिंगर, 2025, पृष्ठ 1-11। व्यवसाय और अर्थशास्त्र में भारत अध्ययन।

2. शर्मा, ए.के., डी. कुमारस्वामी, और पी. सिंह। "पूँजीगत बाधाएँ और प्रतिस्पर्धात्मकता: विकासशील देशों में एमएसएमई के वित्त-उत्पादकता संबंधों की खोज।" एफडीआई, एमएसएमई, डिजिटलीकरण और हरित औद्योगिकीकरण: भारत के लिए चुनौतियाँ, अवसर और नीतिगत सबक, एन. कुमार और एस. रॉय द्वारा संपादित, स्प्रिंगर, 2025, पृष्ठ 161-176। व्यवसाय और अर्थशास्त्र में भारत अध्ययन।
3. टंडन, ए., और डी. प्रताप। "भारत में डेटा स्थानीयकरण नीति पर एक परिचय।" साइबर सुरक्षा, कानून और अर्थशास्त्र: भारत का मामला, जी. कौर, एन.एन. दलेई, एस.के. महापात्रा और वी. कांडपाल द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024, पृष्ठ 182-200।
4. कुमार, एन. "बदले हुए बाहरी संदर्भ में विनिर्माण-आधारित परिवर्तन को बढ़ावा देना: औद्योगिक नीति हस्तक्षेपों की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता।" भारत में आर्थिक विकास, खंड 267, यू. कपिला द्वारा संपादित, अकादमिक फाउंडेशन, 2024।
5. घोष, एस. "पुस्तक समीक्षा: भारतीय श्रम बाजार में अनुसूचित जातियाँ: रोजगार, भेदभाव और गरीबी पर इसका प्रभाव, एस. थोराट, एस. मधेश्वरन और बी.पी. वाणी द्वारा।" सामाजिक परिवर्तन, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2024।
6. रॉय, एस. "हालिया मुद्रास्फीति और अमीरों के पक्ष में पुनर्वितरण।" भारत की अर्थव्यवस्था 2024, आकार बुक्स, 2024, पृ. 97-106.
7. दास, एस.के. "भारत के बैंकों में एनपीए संकट: एक मूल्यांकन।" भारत की अर्थव्यवस्था 2024, एस. रॉय द्वारा संपादित, आकार बुक्स, 2024, पृ. 68-83।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. कुमार, एन. "खंडित व्यापार प्रणाली के संदर्भ में भारत के 2047 विजन को साकार करने के लिए विनिर्माण-नेतृत्व परिवर्तन: चुनौतियाँ, अवसर और रणनीतिक

- हस्तक्षेप।" भारतीय आर्थिक समीक्षा, खंड 59, 2024, पृष्ठ 155-176। <https://link.springer.com/article/10.1007/s41775-024-00220-4>.
2. शर्मा, ए.के., और एस.के. राय। "भारत में कोविड-19 और क्षेत्रीय रोजगार: प्रभाव और निहितार्थ।" *द इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स*, खंड 67, अंक 1, 2024, पृष्ठ 177-196 <https://doi.org/10.1007/s41027-024-00486-5>.
3. कुमारसामी, डी., पी. सिंह, और ए.के. शर्मा। "वित्तीय सुगम्यता और एमएसएमई की श्रम उत्पादकता: विकासशील देशों से साक्ष्य।" *भारतीय विकास और विकास समीक्षा*, खंड 17, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 186-206 <https://doi.org/10.1108/IGDR-08-2023-0115>.
4. वर्मा, एस. "एफडीआई और विदेशी मुद्रा बहिर्वाह: भारत में विनिर्माण क्षेत्र के विदेशी सहयोगियों के चालू खाता लेनदेन से साक्ष्य।" *आईएसएसआई त्रैमासिक: भारतीय सामाजिक विज्ञान में योगदान*, खंड 43, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 285-315।
5. तिवारी, एस. "भारत के आकांक्षी जिले: औद्योगिक विकास की स्थिति और संभावनाएँ।" *आईएसएसआई त्रैमासिक: भारतीय सामाजिक विज्ञान में योगदान*, खंड 43, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 486-510।
6. कुमार, आर.ए. "व्यापार उदारीकरण चरण के दौरान भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में आयात में वृद्धि।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, संख्या 25, 2024, पृष्ठ 35-41। <https://www.epw.in/journal/2024/25>.
7. टंडन, ए. "भारत की लौह और इस्पात फर्मों में ऊर्जा तीव्रता के चालकों पर पुनर्विचार: आयातित मध्यवर्ती पदार्थों की भूमिका।" *मिलेनियल एशिया*, खंड 15, अंक 3, 2024 <https://doi.org/10.1177/0976399624128235>.
8. टंडन, ए. "भारत के विनिर्माण के तकनीकी पहलू का विश्लेषण: वैश्विक संदर्भ और कार्य का भविष्य।" *द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, खंड 2-ए, 2024, पृष्ठ 117-138
9. जोसेफ, आरके, और आरए कुमार। "वैश्विक फार्मा आपूर्ति शृंखला को लचीला बनाना: क्या भारत की पीएलआई योजना इसे एपीआई की आपूर्ति के लिए चीन का एक विश्वसनीय विकल्प बनाएगी?" *इंडियन इकोनॉमिक जर्नल*, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2024। <https://doi.org/10.1177/00194662241265475>.
10. रिजेश, आर. "भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में व्यापार, श्रम पुनर्आर्बंटन और उत्पादकता वृद्धि।" *भारतीय आर्थिक समीक्षा*, खंड 59, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 327-353 <https://doi.org/10.1007/s41775-024-00210-6>.
11. शर्मा, ए.के., और एस.के. राय। "ओकुन के नियम का उपयोग करते हुए भारत में विकास-आधारित बेरोजगारी न्यूनीकरण परिकल्पना की प्रभावकारिता।" *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनपावर*, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2024 <https://doi.org/10.1108/IJM-02-2024-0091>.
12. टंडन, ए., और डी. प्रताप। "भारत में डेटा स्थानीयकरण नीति पर एक परिचय।" *साइबर सुरक्षा, कानून और अर्थशास्त्र: भारत का मामला*, जी. कौर, एन.एन. दलेई, एस.के. महापात्रा और वी. कांडपाल द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024, पृष्ठ 182-200।
13. रिजेश, आर. "व्यापार उदारीकरण, निर्यात मार्जिन और भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 60, अंक 13, 2025, पृष्ठ 40-48।
14. सरस्वती, बी. "भारतीय इस्पात क्षेत्र में पहला पीएलआई अनुभव: प्रभावकारिता और चुनौतियाँ।" *मिनरल इकोनॉमिक्स*, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2025। <https://link.springer.com/article/10.1007/s13563-025-00491-0>.
15. टक्कर, आई., एम. भट्टाचार्य, और ए. टंडन। "आसियान को भारत के निर्यात पर गैर-टैरिफ उपायों का प्रभाव।" *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड लॉ एंड पॉलिसी*, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2025 <https://doi.org/10.1108/JITLP-09-2024-0057>.
16. तिवारी, एस. "भारत का विनिर्माण परिदृश्य: आर्थिक जनगणना का उपयोग करते हुए एक जिला-स्तरीय विश्लेषण।" *जर्नल ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक डिवेलपमेंट*, अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन, 2025 <https://doi.org/10.1007/s40847-024-00405-w>.
17. कुमार, एन. "बदले हुए बाहरी संदर्भ में विनिर्माण-आधारित परिवर्तन को बढ़ावा देना: औद्योगिक नीति हस्तक्षेपों की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता।" *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 34, 2025, पृष्ठ 31-38

कार्य पत्र

1. सरस्वती, बी. भारत में एक लचीले इस्पात उद्योग की ओर: चीन के मुकाबले व्यापार प्रतिस्पर्धा का अनुकूलन। कार्य पत्र संख्या 284, सितंबर 2024।
2. कुमार, एस. भारतीय संगठित विनिर्माण क्षेत्र में फर्मों की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: क्या टेक-एसएमई अलग हैं? कार्य पत्र संख्या 285, अक्टूबर 2024।
3. रॉय, एस. भारत में घरेलू आय की निम्न सीमा पर सेवाओं की बढ़ती खपत: एक अनुभवजन्य अन्वेषण। कार्य पत्र संख्या 286, अक्टूबर 2024।
4. शर्मा, ए.के., और टी. मिश्रा। भारतीय विनिर्माण उद्योगों में सामग्री और ऊर्जा दक्षता के बीच संबंध को समझना। कार्य पत्र संख्या 287, नवंबर 2024।
5. टंडन, ए. भारत में सौर फोटोवोल्टिक विनिर्माण का विकास: उभरते रुझान और विकास रणनीतियाँ। कार्य पत्र संख्या 288, नवंबर 2024।
6. वर्मा, एस., और आर. पंवार। भारत में बड़ी विनिर्माण कंपनियों में पर्यावरणीय जागरूकता: रिपोर्टिंग और प्रदर्शन में हाल के रुझानों का आकलन। कार्य पत्र संख्या 289, दिसंबर 2024।
7. हुड्डा, एस.के. भारत के चिकित्सा उपकरण उद्योग की विकास गतिशीलता की खोज: प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ। कार्य पत्र संख्या 290, दिसंबर 2024।
8. चावला, आई., और एन. कुमार। श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, वैश्विक मूल्य शृंखलाएँ और निर्यात-प्रतिस्पर्धा: भारतीय विनिर्माण के लिए एक फर्म-स्तरीय विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 291, जनवरी 2025।
9. दास, एस.के., और के. उप्पल। फिनटेक नवाचार और उभरती नियामक चुनौतियाँ। कार्य पत्र संख्या 292, जनवरी 2025।
10. रिजेश, आर. भारत में व्यापार और विनिर्माण उत्पादकता: प्रौद्योगिकी-तीव्रता द्वारा उद्योग-स्तरीय विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 293, जनवरी 2025।
11. जोसेफ, आर.के., और आर.ए. कुमार। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कोरिया आर्थिक जुड़ाव को गहरा करना। कार्य पत्र संख्या 294, फरवरी 2025।
12. घोष, एस., और एम. दासगुप्ता। भारत में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र के विकास की चुनौतियों को कम करना: दो समूहों से प्राप्त साक्ष्य। कार्य पत्र संख्या 295, फरवरी 2025।
13. सीनैया, के. विनिर्माण फर्मों की प्रतिस्पर्धात्मकता और दक्षता। कार्य पत्र संख्या 296, फरवरी 2025।
14. झा, ए., और वी. कुमार। भारत के आर्थिक विकास में निर्माण उद्योग का मार्ग। कार्य पत्र संख्या 297, मार्च 2025।
15. शर्मा, ए.के. भारतीय अर्थव्यवस्था पर नई तकनीकों को अपनाने का व्यापक आर्थिक प्रभाव: सीजीई मॉडलिंग फ्रेमवर्क का उपयोग करते हुए एक विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 298, मार्च 2025।
16. पॉल, एम., और एसआर साहू। भारत में क्षेत्रीय विनिर्माण उत्पादकता का आकलन: संगठित और असंगठित विनिर्माण का तुलनात्मक विश्लेषण। कार्य पत्र संख्या 299, मार्च 2025।
17. मलिक, एस.के. भारत में उद्यमशीलता गतिविधियों की प्रकृति और पैटर्न। कार्य पत्र संख्या 300, मार्च 2025।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. भारत की औद्योगिक विकास रिपोर्ट 2024-25 आईएसआईडी, दिसंबर 2024 <https://isid.org.in/publication/indias-industrial-development-report-2024-25/>.
2. जोसेफ, आर.के., आदि। मेक इन इंडिया: छह विनिर्माण क्षेत्रों पर कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), 2024

नीति संक्षिप्त

1. अलकोर्टा, एल. मिशन-उन्मुख औद्योगिक नीति। नीति संक्षिप्त संख्या पीबी #24-03, 2024 <https://isid.org.in/wp-content/uploads/2024/06/PB2403.pdf>.
2. श्रेसर, आर., आदि। विकासशील देशों में स्वच्छ संक्रमण और सतत औद्योगीकरण के लिए जलवायु प्रौद्योगिकियों तक किफायती पहुँच को बढ़ावा देना। नीति संक्षिप्त संख्या पीबीएस #24-04, 2024। <https://isid.org.in/wp-content/uploads/2024/11/PB2404.pdf>.

पुस्तकालय

आईएसआईडी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केंद्र में औद्योगिक अर्थशास्त्र, विदेशी निवेश, कॉर्पोरेट क्षेत्र, श्रम, रोजगार और संबंधित विषयों पर केंद्रित संसाधनों का एक व्यापक संग्रह है। इसके विविध संग्रह में मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक दोनों प्रकार की सामग्रियाँ जैसे पुस्तकें, पत्रिकाएँ, तकनीकी रिपोर्ट, शोध-प्रबंध और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। पुस्तकालय नियमित रूप से आधिकारिक समितियों की रिपोर्ट, नीति अधिसूचनाएँ और अन्य सार्वजनिक दस्तावेज प्राप्त करता है। 31 मार्च, 2025 तक, पुस्तकालय में कुल 17,218 सामग्री उपलब्ध है, जिनमें पुस्तकें, सरकारी दस्तावेज, समिति और आयोग की रिपोर्टें, और पुराने संस्करण शामिल हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान, 247 नई पुस्तकें और दस्तावेज जोड़े गए। पुस्तकालय 34 प्रकाशनों का ग्राहक है, जिनमें शैक्षणिक पत्रिकाएँ, पत्रिकाएँ, पत्रिकाएँ और 13 अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र शामिल हैं।

पुस्तकालय और दस्तावेजीकरण सेवाओं के नवीनतम रुझानों के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएसआईडी पुस्तकालय अपने सीडी-रोम और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के संग्रह को अधिकतम करने का प्रयास करता है। यह सीएमआईआई-प्रूवेस, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया - टाइम सीरीज़ ऑनलाइन डेटाबेस, जेएसटीओआर, ईपीडब्ल्यू वेब संस्करण और डेलनेट डेटाबेस सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस और पूर्ण-पाठ ई-पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय को वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल का भी लाभ मिलता है, जो इनफ्लिबनेट केंद्र के माध्यम से लगभग 30 प्रकाशकों की पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को संदर्भ संबंधी प्रश्न,

रेफरल सेवाएँ, प्रतिलिपि सेवाएँ, दस्तावेज वितरण, अंतर-पुस्तकालय ऋण, ऑनलाइन सार्वजनिक पहुँच सूची (ओपीएसी) और दस्तावेजीकरण सेवाएँ सहित कई सेवाएँ प्रदान करता है। इन दस्तावेजीकरण सेवाओं में विभिन्न विषयों पर कम्प्यूटरीकृत समाचार पत्रों की कतरनें शामिल हैं, साथ ही वर्ष 2000 से पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन प्रेस कतरनें और अनुक्रमणिकाएँ भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, सामाजिक नृविज्ञान, व्यवसाय प्रबंधन, वित्त, भूगोल, सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे विषयों को कवर करने वाली 262 भारतीय सामाजिक विज्ञान पत्रिकाओं की एक अनुक्रमणिका भी रखता है। इसके अतिरिक्त, यह "इंडस्ट्री मैटर्स" नामक एक साप्ताहिक समाचार शृंखला भी प्रकाशित करता है, जो विभिन्न समाचार पत्रों और ई-संसाधनों से भारतीय अर्थव्यवस्था, उद्योग और नीति पर नवीनतम समाचारों को संकलित करती है।

आईएसआईडी पुस्तकालय ने प्रकाशनों के आदान-प्रदान के लिए कई राष्ट्रीय संगठनों के साथ मज़बूत संबंध स्थापित किए हैं और प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ अंतर-पुस्तकालय ऋण व्यवस्थाएँ स्थापित की हैं। डेलनेट के एक सक्रिय सदस्य के रूप में, पुस्तकालय अंतर-पुस्तकालय ऋण, संदर्भ प्राप्त करने, दस्तावेज वितरण और दस्तावेजों की उपलब्धता की पुष्टि के लिए नेटवर्क की सुविधाओं का व्यापक रूप से उपयोग करता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करके, पुस्तकालय संकाय, छात्रों, विद्वानों, शोधकर्ताओं और बाहरी उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करता है, विशेष रूप से समसामयिक मुद्दों और विकासात्मक नीतियों पर, आधुनिक मानकों और अपेक्षाओं के अनुरूप।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

आईएसआईडी, नई दिल्ली

(₹ लाखों में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	319.61	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	930.43
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	318.73
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	991.46	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम/पीएचडी कार्यक्रम और अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	103.68

आय	राशि	व्यय	राशि
कोई अन्य स्रोत	0.00	विविध व्यय	0.00
		पूँजी निधि और आरक्षित निधि तथा अन्य में स्थानांतरण	8.23
कुल	1361.07	कुल	1361.07

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान (एमआईडीएस), चेन्नई

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. कृपा अनंतपुर, वेंकटचलम, एल., और जाफर, के., "तमिलनाडु घरेलू पैनल सर्वेक्षण (टीएनएचपीएस)", योजना, विकास और विशेष पहल विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रायोजित
2. वेंकटचलम, एल., "पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का आर्थिक मूल्यांकन: तमिलनाडु में 61 प्राथमिकता प्राप्त आर्द्रभूमियों का एक अध्ययन", राज्य योजना आयोग (एसपीसी), तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रायोजित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. सुरेश बाबू, एम., उमानाथ, एम., और हफसल, के., "फोकस ब्लॉक डिवेलपमेंट प्रोग्राम (एफबीडीपी)", राज्य योजना आयोग (एसपीसी), तमिलनाडु सरकार द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएँ/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. तीन एमआईडीएस चेन्नई द्वारा 11 से 13 नवंबर 2024 तक आयोजित "अर्थशास्त्र और विकास अध्ययन पर डॉक्टरेट संगोष्ठी, दूसरा संस्करण"।
2. एमआईडीएस द्वारा 10-11 मार्च 2025 तक आयोजित दो दिवसीय "भारत में श्रम बाजार की बदलती गतिशीलता पर वार्षिक विकास सम्मेलन: चुनौतियाँ और अवसर, प्रथम संस्करण"।

3. 6 मई 2024 को एमआईडीएस द्वारा आयोजित "ग्रहीय कल्याण की खोज: अर्थशास्त्र, दर्शन और साहित्य पर पुनर्विचार" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
4. 28 मार्च 2025 को एमआईडीएस द्वारा आयोजित "समग्र विकास, सामाजिक उपचार और जीवन का एक नया उपनिषद: अनंत कुमार गिरि के साथ संवाद" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड संगोष्ठी

सेमिनार

1. 18 जुलाई 2024 को एमआईडीएस द्वारा आयोजित "आर्द्रभूमि प्रबंधन: वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार
2. 6 दिसंबर 2024 को एमआईडीएस द्वारा एक दिवसीय "ऊर्जा संक्रमण और औद्योगिक विकास पर नीति गोलमेज सम्मेलन" का आयोजन किया गया।
3. 6 से 7 जनवरी 2025 तक एमआईडीएस द्वारा आयोजित "परिवर्तनकारी विश्वास और आशा की एक नई पारिस्थितिकी का विकास" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सेमिनार।
4. 7 से 8 जनवरी 2025 तक एमआईडीएस द्वारा "अच्छा जीवन, अच्छा समाज और विकासवादी समृद्धि" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सेमिनार का आयोजन किया गया।

व्याख्यान

1. 9 जुलाई 2024 को डॉ. अरविंद सुब्रमण्यम (वरिष्ठ फेलो, पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स) द्वारा "जीएसटी राजस्व के सात वर्ष" विषय पर संस्थापक दिवस व्याख्यान दिया गया

2. 14 अगस्त 2024 को प्रोफेसर एन. राजेंद्रन (सेवानिवृत्त प्रोफेसर और पूर्व कुलपति, अलगप्पा विश्वविद्यालय) द्वारा “तमिलनाडु में ब्रिटिश उपनिवेशवाद और आर्थिक राष्ट्रवाद” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
3. 25 अक्टूबर 2024 को प्रोफेसर पुलप्रे बालकृष्णन (मानद विजिटिंग प्रोफेसर, सीडीएस और क्रेआ विश्वविद्यालय) द्वारा “क्या ‘एजेआर’ में आर्थिक विकास का सिद्धांत है?” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
4. 11 नवंबर 2024 को डॉ. केपी राजेश (समाजशास्त्र के सहायक प्रोफेसर, महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नागपुर) द्वारा “विकास अध्ययन, नवउदारवादी तर्कसंगतता और पद्धतिगत दुविधाओं के विऔपनिवेशीकरण के विचार और व्यवहार पर पुनर्विचार” विषय पर मुख्य भाषण दिया जाएगा।
5. 13 नवंबर 2024 को प्रोफेसर रीतिका खेरा (अर्थशास्त्र की प्रोफेसर, नरेंद्र और चंद्र सिंघी चेर प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली) द्वारा “भारत में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान करना” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
6. 11 दिसंबर 2024 को डॉ. राजेश वेंकटसुब्रमण्यम (एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसईआर मोहाली) द्वारा “प्रगतिशील दृष्टि से सुब्रमण्यम भारती का पठन: तमिलनाडु में साहित्यिक आलोचना और सांस्कृतिक वामपंथ” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
7. 10 मार्च 2025 को प्रोफेसर सतीश देशपांडे (एमएन श्रीनिवास चेर प्रोफेसर, आईएसईसी, बेंगलुरु) द्वारा “जाति, समकालीन पूंजीवाद और श्रम बाजार” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
8. विकास अध्ययन में विशिष्ट योगदान के लिए आदिशेषिया पुरस्कार 2024 के भाग के रूप में, 18 अक्टूबर 2024 को एमआईडीएस और एम एंड ई ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, प्रो. सुरेंद्र एस. जोधका (समाजशास्त्र के प्रोफेसर, जेएनयू) द्वारा दिया गया मैल्कम आदिशेषिया स्मारक व्याख्यान।
9. 18 अक्टूबर 2024 को एमआईडीएस और एमएंडईए ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विकास अध्ययन में विशिष्ट योगदान के लिए आदिशेषिया पुरस्कार 2024 के भाग के रूप में, डॉ. विकास कुमार (अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर) द्वारा “डेटा, विकास और लोकतंत्र – भारतीय जनगणना की राजनीतिक अर्थव्यवस्था” पर एलिजाबेथ आदिशेषिया स्मारक व्याख्यान दिया गया।
10. 22 अप्रैल 2024 को प्रोफेसर अनंत कुमार गिरि (प्रोफेसर, एमआईडीएस) द्वारा “पृथ्वी की पुकार सुनना” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
11. 26 जून 2024 को प्रोफेसर आनंद पांडियन (मानव विज्ञान के प्रोफेसर, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय) द्वारा “सड़न और मरम्मत: विनाश के सामने पारिस्थितिक भविष्य का निर्माण” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
12. 28 अगस्त 2024 को प्रोफेसर दीपक कुमार बेहरा (कुलपति, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज) द्वारा “यूरोसेंट्रिज्म से परे बाल अधिकारों को साकार करना” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
13. 19 सितंबर 2024 को प्रोफेसर पीबी आनंद (सार्वजनिक नीति और सतत विकास के प्रोफेसर, ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके) द्वारा “क्षमताओं से सामाजिक न्याय तक” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
14. 24 अक्टूबर 2024 को डॉ. सिद्धि बायू तुर्कर (ध्यान पुरा विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया में संकाय) द्वारा “बाली में जलवायु परिवर्तन के लिए सतत पर्यटन और रचनात्मक प्रतिक्रियाएं” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
15. 21 जनवरी 2025 को डॉ. पॉल श्वार्ट्जेंडुबर (स्वतंत्र विद्वान, हैलिकैक्स, कनाडा) द्वारा “डिस्कूलिंग सोसाइटी से लेकर नए दृष्टिकोण और ग्रहों के सह-शिक्षण के मार्ग: इवान इलिच और चित्त रंजन दास के साथ परिवर्तन की सहृदयता, आलोचना और आह्वान” पर सेमिनार दिया जाएगा।
16. 24 जनवरी 2025 को श्रीमती कैथरीन विंकलर (नोवा स्कोटिया वॉयस ऑफ वीमेन फॉर पीस, हैलिकैक्स, कनाडा) द्वारा “एक साथ शांति के लिए चलना: स्वदेशी आवाजों के नेतृत्व में” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
17. 27 फरवरी 2025 को प्रोफेसर रथिन रॉय (प्रतिष्ठित प्रोफेसर, कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी) द्वारा “भारत में राजकोषीय संघवाद और क्षेत्रीय असमानताएं” विषय पर सेमिनार दिया जाएगा।
18. विकास संवाद “#1: अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं”, 26 अप्रैल 2024 को प्रोफेसर सैकत सिन्हा रॉय (अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय) के साथ बातचीत।
19. 10 फरवरी 2025 को “अर्थव्यवस्था की स्थिति और बजट 2025-26” पर पैनल चर्चा।

20. 18 मार्च 2025 को “भारत में अनुदैर्घ्य सर्वेक्षण: सबक और चुनौतियाँ” पर पैनल चर्चा।
21. 14 जून 2024 को एमआईडीएस द्वारा फ्रंटलाइन द्वारा प्रकाशित पंकज सेखसरिया की पुस्तक “द ग्रेट निकोबार बिट्टेयल” का विमोचन और चर्चा का आयोजन किया गया।
22. 4 जुलाई 2024 को एमआईडीएस द्वारा आयोजित प्राइमस बुक्स और एमआईडीएस द्वारा प्रकाशित एस नीलकांतन की पुस्तक “ए रिमेम्बर्ड विलेज, ए रिमेम्बर्ड टाउन” का विमोचन और चर्चा।

कार्यशालाएँ

1. एमआईडीएस द्वारा 18 से 19 मार्च 2025 तक “भारत में अनुदैर्घ्य सर्वेक्षण: चुनौतियाँ और अवसर” विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।
2. 24 मार्च 2025 को एमआईडीएस द्वारा “पूर्वी एशियाई विकास अनुभव: भारत के लिए सबक” पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. एमआईडीएस द्वारा 10 जुलाई 2024 को “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग” पर एक दिवसीय गहन कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. एमआईडीएस द्वारा 24 से 26 जुलाई 2024 तक “शैक्षणिक लेखन और संदर्भ प्रबंधन” पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

वेबिनार

1. 23 मई 2024 को “विकास संवाद #2: राज्य वित्त और 16वां वित्त आयोग” पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. पिनाकी चक्रवर्ती (विजिटिंग विशिष्ट प्रोफेसर, एनआईपीएफपी) के साथ बातचीत शामिल होगी
2. 3 अक्टूबर 2024 को आयोजित “विकास संवाद #3: बहु-पौधों का गुणन: भारत में बड़े पौधों के आकार के बारे में तीन नए तथ्य और उनके परिणाम” पर एक दिवसीय वेबिनार, डॉ. अरविंद सुब्रमण्यन (वरिष्ठ फेलो, पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स) द्वारा दिया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएचडी

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 3 विद्वानों ने संस्थान के पीएच.डी. कार्यक्रम में नामांकन कराया, 5 विद्वानों ने अपने डॉक्टरेट शोध-प्रबंध प्रस्तुत किए, 5 विद्वानों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई, तथा 15 विद्वानों ने अपना पीएचडी शोध-कार्य जारी रखा।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. सिंह, सुरिंदर, और अनुषा मेनन, संपादक। *स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय राजनीति: भारत में प्राकृतिक संसाधन शासन*। ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2024 <https://www.orientblackswan.com/details?id=9789354425721>.
2. गिरि, ए.के. ईश्वर के उद्यानों की खेती: आस्था में एक आदर्श बदलाव। एंथम प्रेस, 2024 <https://anthempres.com/gardens-of-god-epub>.
3. गिरि, ए.के., अनंत कुमार चौधरी, और डेविड ब्रायन विलिस, संपादक। *सीमा पार करने की एक नई कला की ओर। एंथम प्रेस, 2024* <https://anthempres.com/towards-a-new-art-of-border-crossing-hb>.
4. गिरि, ए.के. *अनलॉकिंग होप्स। ऑर्थर्स प्रेस, 2025*
5. गिरि, ए.के., संपादक। *समाज, संस्कृति या दर्शन: ध्यान, साधना, संग्राम या अतिक्रमण (समाज, संस्कृति और दर्शन: अध्ययन, साधना, संघर्ष और अतिक्रमण: समाज, संस्कृति और दर्शन पर चित्त रंजन दास के कुछ लेखों का एक शताब्दी संग्रह)। अमे उड़ीसा, 2024।*

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. मेनन, अनुषा। “परिचय।” *स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय राजनीति: भारत में प्राकृतिक संसाधन शासन*, सुरिंदर सिंह और अनुषा मेनन द्वारा संपादित, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2024।
2. मेनन, अनुषा। “आगे का रास्ता: संस्थाएँ और राजनीतिक शक्ति।” *स्थानीय स्तर पर पर्यावरणीय राजनीति: भारत में प्राकृतिक संसाधन शासन*, सुरिंदर सिंह और अनुषा मेनन द्वारा संपादित, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2024।
3. गिरि, ए.के. “राजनीतिक अर्थव्यवस्था की आलोचना में समकालीन योगदान: राजनीतिक अर्थव्यवस्था, नैतिक अर्थव्यवस्था, नैतिक समाजशास्त्र, आध्यात्मिक पारिस्थितिकी और उससे आगे।” *सामाजिक सिद्धांत पर*

- पुनर्विचार: चुनौतियाँ और संभावनाएँ, डी.वी. कुमार द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024।
4. गिरि, ए.के. "सह-प्राप्ति के रूप में अनुसंधान।" *मानविकी में जुनून और उद्देश्य: प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं की दुनिया की खोज*, मार्क्स बुसे, सेसिलिया मोज़िनी-एलिस्टर, बोवेन वांग और स्कॉट विलकॉक्स द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024।
 5. गिरी, ए.के. "बिफ्रॉस्ट: ट्रांसनेशनल सिविक एंड हार्ट मोबिलाइजेशन के नए इंद्रधनुषों की ओर (उपसंहार)।" *ट्रांसनेशनल कम्युनिटी मोबिलाइजेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन 2010-2020*, अब्दी उमर फ़राह द्वारा संपादित, एंथम प्रेस, 2024।
 6. गिरि, ए.के. "ईश्वर के बगीचों की खेती।" *ईश्वर के बगीचों की खेती: आस्था में एक आदर्श बदलाव*, ए.के. गिरि द्वारा संपादित, एंथम प्रेस, 2024।
 7. गिरि, ए.के. "बॉर्डर क्रॉसिंग की एक नई कला की ओर।" *बॉर्डर क्रॉसिंग की एक नई कला की ओर*, ए.के. गिरि, ए.आर. चौधरी और डी.बी. विलिस द्वारा संपादित, एंथम प्रेस, 2024।
 8. जाफ़र, के., उन्नीमाया, यू.जी., और मलाइरासन, यू. "गिंग इकोनॉमी में लचीलापन, भेद्यता और समावेशिता: अनौपचारिकीकरण के संदर्भ में भारत के अनुभव की समीक्षा।" *अनौपचारिक अर्थव्यवस्था और सतत विकास लक्ष्य: विचार, हस्तक्षेप और चुनौतियाँ*, ए. विनोदन, एस. महालक्ष्मी और एस. रमेशकुमार द्वारा संपादित, एमराल्ड पब्लिशिंग, 2024, पृष्ठ 259-272। <https://doi.org/10.1108/978-1-83753-980-220241014>.
 9. भट्टाचार्य, पी., और जाफ़र, के. "प्रवासन और शहरी अनौपचारिक श्रम बाज़ार: हैदराबाद शहर में श्रम अड्डों का एक अध्ययन।" *भारत प्रवासन रिपोर्ट 2023*, एस. इरुदया राजन द्वारा संपादित, रूटलेज, 2024, पृष्ठ 336-355। <https://doi.org/10.4324/9781003490234>.
 10. उमानाथ, एम., और भास्कर, वीडीसी "आईसीटी अनुप्रयोग के माध्यम से कृषि बाज़ार पहुँच में सुधार।" *कृषि वानिकी विपणन: संवर्धन रणनीतियाँ*, पी. तिवारी, वीडीसी भास्कर, पीपी देशमुख और एम. श्रीवास्तव द्वारा संपादित, सतीश सीरियल पब्लिशिंग हाउस, 2024, पृष्ठ 171-180
 11. वेंकटचलम, एल. "वेटलैंड इकोसिस्टम सेवाओं का आर्थिक मूल्यांकन: वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता।" *राजकोषीय नीति और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन*, पी. चक्रवर्ती और के.आर. शनमुगम द्वारा संपादित, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2024, पृष्ठ 299-316। <https://doi.org/10.1093/9780198930464.003.0018>.
 12. वेंकटचलपति, एआर "राज का उपहास: स्वतंत्रता-पूर्व तमिल पत्रकारिता में कार्टून।" *इनहैबिटिंग टेक्नोलॉजीज/मॉडर्निटीज: मीडिया एंड कल्चरल प्रैक्टिसेज इन साउथ एशिया*, पी. थिरुमल और के.ए.नुआइमन द्वारा संपादित, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2025, पृष्ठ 273-288 <https://www.orientblackswan.com/details?id=9789354428920>.
- ### शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख
1. कुट्टी, आर., और ए. मेनन। "ब्रोकरींग पावर: सहभागी वन प्रशासन में नौकरशाही विवाद।" *कंजर्वेशन एंड सोसाइटी*, खंड 23, संख्या 2, 2025, पृष्ठ 41-51। https://doi.org/10.4103/cs.cs_6_24.
 2. गिरि, ए.के. "सतत विकास लक्ष्य और गांधीवादी रचनात्मक कार्यक्रम: बहुविविध विकासवादी समृद्धि, पार-सभ्यता संवाद और ग्रहीय अनुभूतियाँ।" *जर्नल ऑफ ग्लोबल एथिक्स*, खंड 20, अंक 3, 2024, पृष्ठ 363-372 <https://doi.org/10.1080/17449626.2024.2413492>.
 3. हफ़सल, के., और एसआरएस दुर्ई। "एसेट प्राइस बबल्स का परीक्षण: एक वैकल्पिक दृष्टिकोण।" *एशियन इकोनॉमिक्स लेटर्स*, खंड 6, अंक 1, 2025 <https://doi.org/10.46557/001c.124262>.
 4. राधाकृष्णन, ए., और के. जाफ़र। "विकेंद्रीकृत शासन ढाँचे में आघात-प्रतिक्रियाशील सामाजिक सुरक्षा: आपदा-पश्चात संदर्भ में केरल के अनुभव से सबक।" *सोशल ग्लॉस: जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज*, खंड 12, 2024, पृष्ठ 3-23 <https://www.loyolacollege.edu/lisstar/SG/2023.html>.
 5. कलैयारासन, ए., और पी. नारायण। "आधुनिकता के माध्यम से समावेश: भारत के तमिलनाडु राज्य में द्रविड़ शहरीकरण।" *शहरी अध्ययन*, 2025 <https://doi.org/10.1177/00420980251317917>.
 6. मोहनराज, के., आदि। "टैंक-सिंचित किसानों की अनुकूलन रणनीतियों को प्रभावित करने वाले कारकों का

- निर्धारण: तमिलनाडु से अनुभवजन्य साक्ष्य।” *कृषि विज्ञान डाइजैस्ट*, खंड 44, संख्या 6, 2024, पृष्ठ 1043-1049 <https://doi.org/10.18805/ag.D-6090>.
7. वेंकटचलम, एल. “पर्यावरण अर्थशास्त्र और पारिस्थितिक अर्थशास्त्र: ऐतिहासिक विकास और वर्तमान स्थिति।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, 2025 <https://doi.org/10.1177/09722661241309458>.
 8. थॉमस, ए.एम., एल. वेंकटचलम, और के. हफसल। “आर्थिक चिंतन के इतिहास पर विशेष अंक का परिचय।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, 2025 <https://doi.org/10.1177/09722661251335419>.
 9. विजयभास्कर, एम. “तमिल प्रवासियों का मानचित्रण।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 60, अंक 8, 2025, पृ. 26-28। <https://doi.org/10.71279/epw.v60i8.40974>.
 10. सुरेश बाबू, एम. “क्या प्रोत्साहन औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं?” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 39, 28 सितंबर 2024, पृष्ठ 52-55 <https://www.epw.in/journal/2024/39/budget-2024-25/can-incentives-spur-industrial-growth.html>.
 4. महापात्रा, एस.के., और पी. साहू। “उड़ीसा में सामाजिक व्यय: लोकलुभावनवाद बनाम मानव पूंजी निर्माण।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, अंक 1, 2024, पृष्ठ 67-85 <https://doi.org/10.1177/09722661241252948>.
 5. शमीर, केएम, और एसआरएस दुरई। “राजनीतिक बजट चक्र: भारतीय नगर निगम चुनावों से साक्ष्य।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 86-105 <https://doi.org/10.1177/09722661241256713>.
 6. कृष्णा नायर, जे., और पी. मिश्रा। “बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल चुनने में क्या मायने रखता है? कोट्टायम, केरल के अनुभव।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, अंक 1, 2024, पृष्ठ 106-128 <https://doi.org/10.1177/09722661241259212>.
 7. कुमार, वी. “डेटा, विकास और लोकतंत्र: भारतीय जनगणना का राजनीतिक अर्थशास्त्र।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 145-155 <https://doi.org/10.1177/09722661241303743>.
 8. बालकृष्णन, यू., और हरि कुरुप के.के. “क्या केरल में अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए सामाजिक पूंजी मायने रखती है? एक अंतर-जनजातीय विश्लेषण।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 156-175 <https://doi.org/10.1177/09722661241297268>.
 9. सुमलता, बीएस, एलडी भट, और केपी चित्रा। “रोजगार की स्थिति और कार्य परिस्थितियाँ: भारत में महिला घरेलू कामगारों का स्थितिजन्य विश्लेषण।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 176-197 <https://doi.org/10.1177/09722661241299506>.
 10. घोष, पी. “जी-20 देशों में पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जिम्मेदार कारक: एक पैनेल डेटा विश्लेषण।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 220-241 <https://doi.org/10.1177/09722661241295518>.
 11. सुब्रमण्यन, बी. “नामांकन से परे: शहरी गरीबी शैक्षिक अनुभवों को कैसे प्रभावित करती है।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 2, 2024, पृष्ठ 242-260 <https://doi.org/10.1177/09722661241291164>.

संस्थान की पत्रिका- रिव्यू ऑफ डिवेलपमेंट एंड चेंज (आरडीसी) में प्रकाशित शोध पत्र

1. कृष्णा, एनआर, आदि। “कोविड-19, आंतरिक संक्रमण और कमजोर नागरिक: महामारी के दौरान भारत में प्रवासी संकट की कहानियाँ।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 5-24। <https://doi.org/10.1177/09722661241246837>.
2. सुरेश बाबू, जीएस “भारत में महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा में असमान शैक्षिक अवसर और चुनौतियाँ।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 25-43 <https://doi.org/10.1177/09722661241248932>.
3. दर्शिनी, जे.एस., और के. गायत्री। “भारतीय राजकोषीय संघवाद और राज्य सरकारों का संसाधन अंतराल: मापन और विश्लेषण।” *विकास और परिवर्तन की समीक्षा*, खंड 29, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 44-66 <https://doi.org/10.1177/09722661241260627>.

कार्य पत्र

1. आनंद, ए., सुब्रमण्यन, ए., और थॉमस, एन. बहु-पौधों का गुणन और बड़े आकार के पौधे: परिणाम, लागत और तर्क। एमआईडीएस वर्किंग पेपर संख्या 244, मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज, 2023। https://mids.ac.in/assets/doc/WP244_R.pdf.
2. राजेश, वी. प्रगतिशील दृष्टि से सुब्रमण्यम भारती का पठन: तमिलनाडु में साहित्यिक आलोचना और सांस्कृतिक वामपंथ। एमआईडीएस कार्य पत्र संख्या 245, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2025 https://www.mids.ac.in/assets/doc/WP_245.pdf.
3. गिरि, ए.के. समाजशास्त्र और भारतीय ज्ञान के साथ और उससे परे: भारत हिंद भारत विश्व, उपनिषदिक समाजशास्त्र और ग्रहीय वार्तालाप। एमआईडीएस कार्य पत्र संख्या 246, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2025 https://www.mids.ac.in/assets/doc/WP_246.pdf.
4. ऐश्वर्या, जीवीएन, भारतीय संदर्भ में देखभाल श्रम पर पुनर्विचार: शहरी देखभाल बुनियादी ढांचे की एक विस्तारित अवधारणा के माध्यम से। एमआईडीएस कार्य पत्र संख्या 247, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2025 https://www.mids.ac.in/assets/doc/WP_247.pdf.

सामयिक पत्र

1. अभिषेक, ए. अर्थव्यवस्था की स्थिति—चक्र तोड़ना: संरचनात्मक और चक्रीय चुनौतियों के बीच विकास को पुनर्जीवित करना। सामयिक शोधपत्र, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2025। https://www.mids.ac.in/assets/doc/State_of_Economy_MIDS_Feb_2025.pdf.

अनुसंधान रिपोर्ट

1. जाफ़र, के., अनंतपुर, के., वेंकटचलम, एल., और सुरेश बाबू, एम. तमिलनाडु में आय, रोजगार और जीवन-यापन की स्थितियाँ: टीएनएचपीएस बेसलाइन सर्वेक्षण 2022-23 की रिपोर्ट। तमिलनाडु घरेलू पैनल सर्वेक्षण (टीएनएचपीएस), मद्रास विकास अध्ययन संस्थान और अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार, 2025।

नीति संक्षिप्त

1. जाफ़र, के., अनंतपुर, के., वेंकटचलम, एल., और सुरेश बाबू, एम. क्रियाशील कल्याण: नीतियों को लाभों

में परिवर्तित करना। तमिलनाडु घरेलू पैनल सर्वेक्षण (टीएनएचपीएस) नीति संक्षिप्त, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, 2024

पुस्तकालय

एमआईडीएस पुस्तकालय, अपने ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के व्यापक संग्रह के साथ, संस्थान के छात्रों और शिक्षकों की बौद्धिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जहाँ संभव हो, ये सेवाएँ आम जनता तक भी पहुँचाई जाती हैं। पुस्तकालय में 63,000 से अधिक मुद्रित दस्तावेज़ हैं और 105 पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं

पुस्तकालय ऑनलाइन और अनुकूलित सेवाओं के अंतर्गत वर्गीकृत विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है। अपनी ऑनलाइन सेवाओं के अंतर्गत, पुस्तकालय अपनी सामग्री तक आसान पहुँच के लिए एक ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) प्रदान करता है। यह लगभग 105 मुद्रित अकादमिक पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है, जिनमें से 57 से अधिक पत्रिकाएँ (55 मुद्रित और 2 ऑनलाइन) परिसर में ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, आईसीएसएसआर कंसोर्टियम के माध्यम से, सदस्य जे-एसटीओर, आईपी-आधारित ईकोनलिट, इंडियास्टेट और प्रोवेस आईक्यू जैसे संसाधनों तक दूरस्थ रूप से पहुँच सकते हैं। पुस्तकालय नियमित रूप से सीडी-आरओएम/डीवीडी प्रारूपों में उपलब्ध भारत की जनगणना, एनएसएसओ और एसआई जैसे इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस प्राप्त करता है, और सीएमआई और ईपीडब्ल्यूआरएफ टाइम सीरीज़ से इकोनॉमिक आउटलुक जैसे ऑनलाइन डेटाबेस की सदस्यता लेता है। आईसीएसएसआर Indiatat.com की वार्षिक सदस्यता का भी समर्थन करता है। इसके अलावा, डिजिटल लाइब्रेरी सेवा उपयोगकर्ताओं को संस्थान के अभिलेखागार, सार्वजनिक डोमेन और सहयोगी पुस्तकालयों से प्राप्त इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़, रिपोर्ट और पत्रिकाएँ प्रदान करती है।

अनुकूलित सेवाओं में उपयोगकर्ताओं को सामग्री ढूँढ़ने में मदद के लिए संदर्भ सहायता, चेन्नई स्थित शैक्षणिक पुस्तकालयों के सहयोग से दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ और फोटोकॉपी सेवाएँ प्रदान करने वाली रिप्रोग्राफ़िक सेवाएँ शामिल हैं। पुस्तकालय समय-समय पर छात्रों और शिक्षकों को नई पुस्तकों और रिपोर्टों के आगमन के बारे में जानकारी देता है। यह विशिष्ट विषय रुचियों के आधार पर अनुकूलित ग्रंथसूची संबंधी जानकारी भी प्रदान करता है। अन्ना विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय और ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय के सदस्य के रूप में, एमआईडीएस पुस्तकालय शिक्षकों और शोधार्थियों को अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवाएँ प्रदान करता है।

अपने आंतरिक कार्यों के लिए, पुस्तकालय एलआईबीएसवाईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। जे-

एसटीओर, ईकोनलिट,सीएमआईई ईकोनॉमिक आउटलुक, ईपीडब्ल्यूआरएफ और इंडियास्टेट जैसे प्रमुख डेटाबेस तक पहुँच छात्रों और संकाय के लिए उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों को समृद्ध बनाती है। पुस्तकालय सीडी-आरओएम/डीवीडी पर डेटाबेस प्राप्त करता है, जिसमें भारत की जनगणना, डीएलएचएस और एनएसएसओ जैसे संग्रह शामिल हैं, जो उपभोक्ता व्यय, रोज़गार,

घरेलू संपत्ति, रुग्णता और स्वास्थ्य सेवा जैसे विषयों को कवर करते हैं।

वर्तमान में, एमआईडीएस लाइब्रेरी 55 अंतर्राष्ट्रीय और 50 भारतीय पत्रिकाओं का ग्राहक है। वर्ष 2024-25 में, लाइब्रेरी ने अपने संग्रह में 333 नई पुस्तकें जोड़ी हैं, जिससे इसके उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध संसाधनों में और वृद्धि होगी।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

एमआईडीएस, चेन्नई

(₹ लाखों में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	180.79	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	372.43
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	170.97	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
वित्त वर्ष 2024-25 के लिए MIDS से वेतन प्रतिबद्धता का 10%	40.00	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम/पीएचडी कार्यक्रम और अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	80.92
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फैलोशिप, परामर्श आदि)	7.59	विविध व्यय	0.00
कोई अन्य स्रोत	0.90	व्यय की तुलना में आय की अधिकता	46.90
कुल	500.25	कुल	500.25

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एमपीआईएसएसआर), उज्जैन

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

- यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, और सुमित कुमार झा, “सामान्य संपत्ति संसाधनों पर शोध अध्ययन: मध्य प्रदेश में प्रथाएं, कानून और चुनौतियां”, बीएन युगंधर ग्रामीण अध्ययन केंद्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी द्वारा वित्त पोषित।
- संदीप जोशी, मनु गौतम, सुनील सिंह चन्देल, अमित तिवारी और मनीष ज्ञानी, “भारत के पश्चिमी जनजातीय क्षेत्र में दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का मूल्यांकन (मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात राज्य के चुनिंदा क्षेत्रों का एक

अध्ययन)”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

- मनु गौतम, अमित तिवारी और मनीष ज्ञानी, “सेल, भिलाई स्टील प्लांट द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का आधारभूत अध्ययन”, भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा वित्त पोषित।
- मनु गौतम, अमित तिवारी और मनीष ज्ञानी, “सेल, भिलाई स्टील प्लांट द्वारा पिछले पांच वित्तीय वर्षों (2018-19 से 2022-23) में किए गए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों का प्रभाव आकलन अध्ययन”, भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा वित्त पोषित।

- यतीन्द्र सिंह सिसोदिया और मनीष ज्ञानी, “राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन 2024: मतदान-पश्चात सर्वेक्षण (मध्य प्रदेश)”, लोकनीति-सीएसडीएस, दिल्ली के सहयोग से।
- यतीन्द्र सिंह सिसोदिया और मनीष ज्ञानी, “राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन 2024: चुनाव पूर्व सर्वेक्षण (मध्य प्रदेश)”, लोकनीति-सीएसडीएस, दिल्ली के सहयोग से।
- संदीप जोशी और अमित तिवारी, “राजस्थान के चुरू जिले में प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रम 2024-25 चरण- I की राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- संदीप जोशी और अमित तिवारी, “राजस्थान के टोंक जिले में प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रम 2024-25 चरण- I की राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- आशीष भट्ट और मनीष ज्ञानी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली (एमपीआईएसएसआर संस्थागत परियोजना) द्वारा वित्त पोषित, “ग्राम पंचायतन की स्थापना, क्षमता एवं व्यवहारिता”।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

- यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, “विकेंद्रीकृत शासन के माध्यम से बदलती सामाजिक-राजनीतिक गतिशीलता में ग्रामीण परिवर्तन: मध्य प्रदेश के गांवों में पंचायती राज संस्थाओं का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
- आशीष भट्ट, “स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) का क्रियान्वयन ग्रामीण समाज में व्यवहारगत परिवर्तन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
- संदीप जोशी, मनु गौतम, अमित तिवारी और मनीष ज्ञान, “असंगठित क्षेत्रों में महिलाएं: भारत के मध्य क्षेत्र में एक गहन मूल्यांकन”, राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत द्वारा वित्त पोषित।
- यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, “द्विध्रुवीयता की राजनीति: 1990 से मध्य प्रदेश”, एमपीआईएसएसआर संस्थागत परियोजना।
- मनु गौतम, “कृषि विकास में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की प्रभावकारिता: मध्य प्रदेश के मालवा

क्षेत्र में एक मूल्यांकन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली (एमपीआईएसएसआर संस्थागत परियोजना) द्वारा वित्त पोषित।

- तपस कुमार दलपति, “आजीविका परिवर्तन और हाशिए पर जाना: मध्य प्रदेश में सहरिया जनजाति का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

- संदीप जोशी, “राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और आदिम जनजातीय महिलाओं के बीच बदलती आजीविका पद्धतियाँ - मध्य प्रदेश में एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
- मनु गौतम, “जल जीवन मिशन के माध्यम से समावेशी विकास: मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में एक अनुभवजन्य अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सेमिनार

- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, “महिला सशक्तिकरण का समकालीन संदर्भ और विकास योजनाओं की भूमिका: मुद्दे, अवसर और चुनौतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 19 से 20 फरवरी 2025 को आयोजित की गई।
- 18 से 19 दिसंबर 2024 तक एमपीआईएसएसआर, उज्जैन द्वारा आयोजित “भारत में सार्वजनिक नीतियों का वर्तमान संदर्भ: चुनौतियाँ और अवसर” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, एनआरसी, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित।
- एमपीआईएसएसआर, उज्जैन द्वारा आजीविका अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, भोपाल के सहयोग से 23 से 24

जनवरी 2025 तक “भारत में ग्रामीण आजीविका परिदृश्य में परिवर्तन: चुनौतियाँ और रास्ते” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

4. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से 7 से 8 नवंबर 2024 को “भारत में जनजातीय विकास के क्षेत्रीय मुद्दे: जमीनी हकीकत, नीतिगत हस्तक्षेप और वांछित रणनीतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

व्याख्यान

1. 31 जनवरी 2025 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर हिमांशु राय द्वारा “नेतृत्व और भारतीय ज्ञान परंपरा” पर बारहवां प्रोफेसर राम सखा गौतम स्मृति व्याख्यान दिया गया
2. 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर “पहला सुख निरोगी काया” विषय पर विशेष व्याख्यान।
3. 8 मई 2024 को “भारतीय सांस्कृतिक विरासत में जीवन आनंद के आयाम” पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यशालाएँ

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, 23 से 27 सितंबर 2024 तक “अंतरालों को पाटना: सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में डेटा और ई-संसाधनों का एकीकरण, विश्लेषण” विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला
2. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पर शोधार्थियों का उन्मुखीकरण” विषय पर पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 30 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 तक आयोजित की गई। संयोजक: मनु गौतम एवं अमित तिवारी।
3. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एमपीआईएसएसआर, उज्जैन द्वारा 3 से 7 फरवरी 2025 तक “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में डेटा और ई-संसाधनों के एकीकरण और विश्लेषण के लिए रणनीति” पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आईएसईसी, बेंगलुरु द्वारा 12 से 25 मार्च 2024 तक “सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में गुणात्मक अनुसंधान पद्धतियाँ” पर चौदह दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 18 विद्वानों ने पीएचडी कार्यक्रम में नामांकन कराया, 3 विद्वानों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई, 1 विद्वान ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की और 18 विद्वान अपना पीएचडी शोध जारी रखे हुए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. सिसोदिया, वाईएस, और पी. चट्टोपाध्याय, संपादक। *समकालीन भारत में लोकतंत्र और शासन के चुनावी आख्यान।* रूटलेज, 2024
2. सिसौदिया, वाईएस, यूएस राजपूत, और पीके मिश्रा, संपादक। *भारतीय संघवाद का बदलता हुआ समकालीन सन्दर्भ: चुनौतियाँ, अवसर एवं संभावनाएँ।* रावत प्रकाशन, 2024।

पुस्तकों में अध्याय

1. चंदेल, एसएस “भारत में स्रोतों, संसाधनों और ई-संसाधनों की पहुँच: समस्याएँ और संभावनाएँ।” *पुस्तकालय और सूचना केंद्रों का डिजिटल परिवर्तन: रुझान और विकास*, बी. रमेश बाबू, के. वीरंजनेयुलु, आर.जी. रथिनासबपति, आई. सिंह और के.एन. कांडपाल द्वारा संपादित, दिशा इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2024, पृष्ठ 130-138।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. सिसोदिया, योगेश एस. “लोकसभा चुनाव 2024 और मध्य प्रदेश में भाजपा का असाधारण प्रभुत्व।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 38, 21 सितंबर 2024। <https://search.app/oPydum3yzByUoeU4A>.
2. सिसोदिया, योगेश एस. “मध्य प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनावों के चुनावी परिणाम: भाजपा के निरंतर उत्थान की

व्याख्या।" *इंडिया स्टडीज रिव्यू*, खंड 5, अंक 2, जुलाई-दिसंबर 2024 <https://www.ugc-care.org/>.

3. सिसोदिया, योगेश एस. "सीएसडीएस-लोकनीति चुनाव-पश्चात सर्वेक्षण: मध्य प्रदेश में भाजपा का असाधारण उदय।" *द हिंदू*, 8 जून 2024 <https://www.thehindu.com/elections/lok-sabha/csds-lokniti-post-poll-survey-extraordinary-ascendancy-of-bjp-in-madhyapradesh/article68263274.ece>.

कार्य पत्र

1. जोशी, एस., गौतम, एम., चंदेल, एसएस, तिवारी, ए., और ज्ञानी, एम. *भारत के पश्चिमी जनजातीय क्षेत्र में दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का मूल्यांकन: मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात राज्य के चुनिंदा क्षेत्रों का एक अध्ययन*। 2023. कार्य पत्र

अनुसंधान रिपोर्ट

1. जोशी, एस., आदि। *भारत के पश्चिमी जनजातीय क्षेत्र में दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का मूल्यांकन: मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात राज्य के चुनिंदा क्षेत्रों का एक अध्ययन*। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), 2024
2. जोशी, एस., और तिवारी, ए. *राजस्थान के चुरू जिले में प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रमों 2024-25 चरण-I की राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी*। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2024।
3. जोशी, एस., और तिवारी, ए. *राजस्थान के टोंक जिले में प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रमों 2024-25 चरण-I की राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी*। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, 2024।
4. गौतम, एम., तिवारी, ए., और ज्ञानी, एम. सेल, भिलाई स्टील प्लांट द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का आधारभूत अध्ययन। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), 2024।

5. गौतम, एम., तिवारी, ए., और ज्ञानी, एम. सेल, भिलाई स्टील संयंत्र द्वारा पिछले पाँच वित्तीय वर्षों (2018-19 से 2022-23) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों का प्रभाव आकलन अध्ययन। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), 2024।

पुस्तकालय

एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय मध्य प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण केंद्रों में से एक है, जो सामाजिक विज्ञान में अपने व्यापक संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है। इसमें एक सुसज्जित वाचनालय है, जिसे विद्वानों के लिए अनुकूल शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पुस्तकालय अपने संग्रह को सामाजिक विज्ञान और समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में नए शीर्षकों के साथ निरंतर अद्यतन करता है, जिससे भारत भर के शोध विद्वान आकर्षित होते हैं जो अपने अध्ययन के लिए मूल्यवान साहित्य की तलाश में रहते हैं

वर्षों से, एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय ने पुस्तकों, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, वार्षिक रिपोर्टों, समाचार पत्रों, कार्यपत्रों और मोनोग्राफ सहित दस्तावेजों का एक व्यापक संग्रह विकसित किया है। वर्तमान में इसमें 18,885 से अधिक पुस्तकें, पत्रिकाओं के 4,966 जिल्दबंद खंड और विभिन्न विषयों में विभिन्न विश्वविद्यालयों को प्रस्तुत 486 शोध प्रबंध हैं। पुस्तकालय लगभग 92 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं को सदस्यता, विनिमय या उपहार के माध्यम से प्राप्त करता है।

एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय अपने शोध परिणामों और प्रकाशनों, जैसे *मध्य प्रदेश जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज* और *मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल*, का भारत भर के अन्य सामाजिक विज्ञान संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से आदान-प्रदान करता है। विद्वानों की बेहतर सेवा के लिए, शोध-प्रबंधों और परियोजना रिपोर्टों के लिए एक समर्पित अनुभाग का विकास किया जा रहा है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक विद्वानों के लिए खुला रहता है।

भौतिक संसाधनों के अलावा, एमपीआईएसएसआर पुस्तकालय विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है, जिनमें साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए टर्नितिन और नैसडॉक-आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के माध्यम से उपलब्ध जेएसटीओआर शामिल हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान, सामाजिक विज्ञान से संबंधित विविध विषयों पर आधारित 405 नई पुस्तकें मौजूदा संग्रह में जोड़ी गईं।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

एमपीआईएसएसआर, उज्जैन

(₹ लाखों में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	99.35	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	228.10
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	90.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	1.46	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	25.84
स्वयं के स्रोतों से आय	38.75	अनुसंधान घटक (ओएच-31)	28.64
कोई अन्य स्रोत	3.02	विविध व्यय	0.00
कुल	282.58	कुल	282.58

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वेतन और भत्ते

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केंद्र (एनसीडीएस), भुवनेश्वर

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. संध्या आर. महापात्रो, “श्री अन्न अभियान के तहत उड़ीसा के विभिन्न जिलों में रागी के बाजार मूल्य रुझानों पर अध्ययन”, कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा वित्त पोषित।
2. संध्या आर. महापात्रो, “श्री अन्न अभियान के तहत बेस लाइन-VII चरण राज्य रिपोर्ट”, कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा वित्त पोषित।
3. बिस्वाबस पात्रा, “उड़ीसा में 2024 के लोकसभा आम चुनावों के लिए नागरिकों के 'ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी)' पर अंतिम सर्वेक्षण रिपोर्ट”, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
4. बिस्वाबस पात्रा, “उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम पर बेस लाइन सर्वेक्षण रिपोर्ट (एसपीपीआईएफ) मयूरभंज जिला, उड़ीसा”, कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
5. बिस्वाबास पात्रा, “उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम पर बेस लाइन सर्वेक्षण रिपोर्ट

(एसपीपीआईएफ) कालाहांडी जिला, उड़ीसा”, कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।

6. बिस्वाबास पात्रा, “उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम पर बेस लाइन सर्वेक्षण रिपोर्ट (एसपीपीआईएफ) कंधमाल जिला, उड़ीसा”, कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
7. बिस्वाबास पात्रा, “उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम पर बेस लाइन सर्वेक्षण रिपोर्ट (एसपीपीआईएफ) बलांगीर जिला, उड़ीसा”, कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. राज कुमार खोसला, “गैर-लकड़ी वन उत्पाद और आदिवासी समुदायों में आजीविका सुरक्षा: उड़ीसा के अनुसूचित क्षेत्रों में उपभोग, प्रबंधन और विपणन का एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित

2. संध्या आर. महापात्रो, "श्री अन्न अभियान का मध्यावधि मूल्यांकन", कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा वित्त पोषित।
3. संध्या आर. महापात्रो, "वृद्धिशील लागत और अन्य फसलों से बाजरा की ओर वृद्धिशील बदलाव", कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा वित्त पोषित।
4. संध्या आर. महापात्रो, "श्री अन्न अभियान के तहत बाजरा टिफिन केंद्रों के माध्यम से अर्जित लाभ के विश्लेषण पर एक अध्ययन", कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर द्वारा वित्त पोषित।
5. बिस्वाबस पात्रा, "उड़ीसा के गजपति जिले में उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम (एसपीपीआईएफ) का मध्यावधि मूल्यांकन", कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
6. बिस्वाबस पात्रा, "उड़ीसा के कोरापुट जिले में उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम (एसपीपीआईएफ) का मध्यावधि मूल्यांकन", कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
7. बिस्वाबस पात्रा, "उड़ीसा के रायगढ़ जिले में उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम (एसपीपीआईएफ) का मध्यावधि मूल्यांकन", कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।
8. बिस्वाबस पात्रा, "उड़ीसा के नुआपाड़ा जिले में उड़ीसा में एकीकृत खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम (एसपीपीआईएफ) का मध्यावधि मूल्यांकन", कृषि और खाद्य उत्पादन निदेशालय (डीए और एफपी), उड़ीसा द्वारा वित्त पोषित।

संस्थान द्वारा शुरू की गई नई अनुसंधान परियोजनाएँ (2024-25)

1. संध्या आर. महापात्रो, "उड़ीसा के राज्य वित्त का मूल्यांकन", 16वें वित्त आयोग द्वारा वित्त पोषित।
2. संध्या आर. महापात्रो, "प्रवासन, अनुकूलन व्यवहार में क्षेत्रीय भिन्नता का आकलन और उड़ीसा में पीछे रहने

वालों पर इसका प्रभाव: तीन चयनित जिलों से अंतर्दृष्टि", आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएँ/अनुसंधान पद्धति/पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. एनसीडीएस, भुवनेश्वर द्वारा भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ (आईएसपी) के सहयोग से 17 से 18 अक्टूबर 2024 तक "जनसंख्या, स्वास्थ्य और विकास: पूर्वी भारत के परिप्रेक्ष्य" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया

व्याख्यान

1. 24 जून 2024 को प्रो. श्रीजीत मिश्रा (पूर्व निदेशक, एनसीडीएस) द्वारा "नवकृष्ण चौधरी का समाज में योगदान" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया

कार्यशालाएँ

1. "एसटीएटीए का उपयोग करके बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण डेटा प्रबंधन" पर पाँच दिवसीय कार्यशाला, 15 से 19 जुलाई 2024 तक (ऑफ़लाइन) आयोजित की गई

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. 20 नवंबर 2024 को "ईबीएससीओ (इकॉनलिट विद फुल टेक्स्ट)" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। संसाधन व्यक्ति: श्री राज कुमार महापात्रा, प्रशिक्षण प्रबंधक, ईबीएससीओ सूचना सेवाएँ (पूर्व भारत) (ऑफ़लाइन)।

वेबिनार

1. 1 जून 2024 को "ईबीएससीओ (पूर्ण पाठ के साथ अर्थशास्त्र)" पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। संसाधन व्यक्ति: श्री राज कुमार महापात्रा, प्रशिक्षण प्रबंधक, ईबीएससीओ सूचना सेवाएँ (पूर्व भारत)।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 2 विद्वानों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई, 2 विद्वानों ने अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की, और 11 विद्वान अपना पीएचडी शोध जारी रख रहे हैं।

प्रकाशन

इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, खंड 19, अंक 6, 2024।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. खोसला, आर.के. “उड़ीसा में पंचायती राज संस्थाओं में भागीदारी के माध्यम से आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण।” *भारत में महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास: मुद्दे और चुनौतियाँ*, जे. डोरा एट अल. द्वारा संपादित, कुणाल बुक्स, 2024, पृष्ठ 114-125
2. खोसला, आर.के. “उड़ीसा के संदर्भ में पंचायती राज संस्था के माध्यम से ग्रामीण विकास की खोज।” *भारत में सार्वजनिक नीति और शासन*, आर. बाबू और बी.के. बेहरा द्वारा संपादित, एबीएस बुक्स, 2025, पृष्ठ 176-188।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. खोसला, आर.के. “आदिवासी आजीविका में लघु वनोपजों का महत्व: उड़ीसा के कोरापुट जिले का एक अध्ययन।” *सामाजिक विज्ञान, शिक्षा और मानविकी अनुसंधान में प्रगति*, खंड 848, 2024, पृष्ठ 117-136। स्प्रिंगर नेचर। https://doi.org/10.2991/978-2-38476-255-2_11
2. अहमद, एस., और एसआर महापात्रो। “ग्रामीण भारत में गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य अनुभव: एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण पर एक अध्ययन।” *महिला एवं स्वास्थ्य*, 2025, <https://doi.org/10.1080/03630242.2025.2459759>.
3. श्रीवास्तव, एस., और एसआर महापात्रो। “भारत में वृद्ध वयस्कों में खराब स्वास्थ्य परिणामों के निर्धारक।” *सामाजिक विज्ञान और मानविकी जर्नल (एसएसएचजे)*, खंड 8, संख्या 11, 2024, पृष्ठ 5793-5802
4. महापात्रो, एस.आर., और एम. सेठी। “सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य: उड़ीसा में संथाल जनजाति समुदाय के एक अध्ययन से प्राप्त अंतर्दृष्टि।” *जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च*, खंड 19, अंक 9, 2024।
5. सेठी, एम., और एसआर महापात्रो। “भारत में कृषि नवाचार में परिवर्तन की वाहक के रूप में महिलाएँ।” *जर्नल ऑफ*

पुस्तकालय

भुवनेश्वर स्थित नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केंद्र (एनसीडीएस) के पुस्तकालय में एक व्यापक संग्रह है, जिसमें 30 वर्षों से अधिक पुराने पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के खंड शामिल हैं। इस संग्रह में 20,620 मुद्रित पुस्तकें, 276 विभिन्न रिपोर्टें, 102 पीएचडी शोध प्रबंध और 38 शोध प्रबंध शामिल हैं। यह विविध और मूल्यवान संग्रह शैक्षणिक और शोध संबंधी आवश्यकताओं की एक विस्तृत शृंखला का समर्थन करता है

पुस्तकालय स्वचालन का प्रबंधन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाता है। पुस्तकालय को नियमित रूप से भारत सरकार और उड़ीसा सरकार के विभिन्न विभागों सहित कई संगठनों से संस्थागत प्रकाशन—जैसे पुस्तकें, रिपोर्ट, पत्रिकाएँ और पत्रिकाएँ—प्राप्त होते रहते हैं।

आईसीएसएसआर/नैस्डॉक के ई-संसाधन संघ में भागीदार होने के नाते, पुस्तकालय को कई उच्च-गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच प्राप्त है। इनमें जेएसटीओआर, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू), ईबीएससीओ के माध्यम से इकॉनॉमिस्ट (पूर्ण-पाठ पहुँच के साथ), और इंडियास्टेट शामिल हैं, जो इसके भौतिक संसाधनों के लिए एक मज़बूत डिजिटल पूरक प्रदान करते हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें एक वातानुकूलित वाचनालय और कंप्यूटर सुविधाओं, इंटरनेट एक्सेस पॉइंट और वाई-फाई कनेक्टिविटी से युक्त एक ई-लाइब्रेरी है। इसके अतिरिक्त, यह संदर्भ सहायता, फोटोकॉपी और इंटरनेट सर्च सहायता सहित कई उपयोगकर्ता सेवाएँ प्रदान करता है।

अपने व्यापक संसाधनों और सेवाओं के साथ, एनसीडीएस लाइब्रेरी छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए एक आवश्यक केंद्र के रूप में कार्य करती है, जो सामाजिक विज्ञान और विकास अध्ययन में शैक्षणिक और नीति-उन्मुख अनुसंधान की सुविधा प्रदान करती है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

एनसीडीएस, भुवनेश्वर

(₹ लाखों में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	48.12	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	148.40
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	49.37

आय	राशि	व्यय	राशि
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	185.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	65.50	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	54.01
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	301.48	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	103.62
कोई अन्य स्रोत	0.00	व्यय की तुलना में आय की अधिकता	294.70
कुल	650.10	कुल	650.10

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

ओमियो कुमार दास सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान (ओकेडीआईएससीडी), गुवाहाटी**अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)**

1. सास्वती चौधरी और कृष्णा सुरज्य दास, "जल जीवन मिशन का सामाजिक प्रभाव आकलन", सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग, असम सरकार द्वारा वित्त पोषित।
2. अरुणिमा डेका और नितीश गोगोई, "गुवाहाटी में स्लम निवासियों का जीवन और आजीविका", ओमियो कुमार दास इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज एंड डिवेलपमेंट, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।
3. राजदीप सिंह और कृष्णा सुरज्या दास, "असम परिवहन श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना, 2022 के लिए सामाजिक लेखा परीक्षा", श्रम आयुक्त, असम सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. अक्षय ज्योति सरमा, "नीपको लिमिटेड के सीएसआर हस्तक्षेपों का दस्तावेजीकरण, निगरानी और मूल्यांकन, 2021-22", नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, शिलांग द्वारा वित्त पोषित।
5. अक्षय ज्योति सरमा, "संभावित समाधान निकालने के लिए पूर्वोत्तर भारत में जातीय अल्पसंख्यक समुदायों की समस्याओं को समझना", पूर्वोत्तर परिषद, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. जोगेश काकाती, "असम की जनजातियों के बीच एकता: असम में संस्कृति और हिंदू धर्म के पहलुओं पर एक अध्ययन", ओकेडीआईएससीडी के माध्यम से भारतीय

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित

2. राजदीप सिंह., कृष्णा एस. दास., अक्षय जे. सरमा., अरुणिमा डेका., नितीश गोगोई., और सास्वती चौधरी, "जनसांख्यिकी तक पहुंच के लिए चाय जनजातियों और आदिवासी समुदाय का सर्वेक्षण", चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण विभाग, असम सरकार द्वारा वित्त पोषित।
3. अरुणिमा डेका और अक्षय ज्योति सरमा, "स्वयं को दृश्यमान बनाना: ग्रामीण असम में महिलाएं, बाजार और पारिस्थितिक नारीवाद", जेपीएन सेंटर आईआईटी-इंदौर द्वारा वित्त पोषित।
4. सास्वती चौधरी, "असम के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जेब से किया गया व्यय", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।
5. सास्वती चौधरी, "निजी और घरेलू क्षेत्र के लिए सकल स्थिर पूंजी निर्माण का प्राथमिक सर्वेक्षण", अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, असम सरकार के साथ।
6. निकिता ठाकुरिया, "बुजुर्ग और वृद्धाश्रम: गुवाहाटी शहर में उभरता परिदृश्य", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।
7. अन्वेषा कलिता, "ग्रामीण कामरूप में महिलाएं और सतत आजीविका", ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।

8. बरिस्ता मौत, “अनौपचारिक कचरा बीनने वालों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताएं और सरकारी नीतियों का प्रभाव”, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।
9. अनुष्का शर्मा, “बाल स्वास्थ्य और पोषण: मातृ धारणाओं और गलत धारणाओं को समझना”, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।
10. येपुतोली, “नगालैंड में ट्रेड खेती का उदय और पारंपरिक कृषि प्रणाली पर इसका प्रभाव: यांगसेक्यू और नितोई गांव, किफिरे जिले का केस स्टडी”, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा वित्त पोषित।

नए शोध संस्थान द्वारा शुरू की गई परियोजनाएँ (2024-25)

1. “असम के गाँव: निरंतरता और परिवर्तन”, स्व-प्रेरित
2. “ग्रामीण असम में कार्य और कल्याण”, स्व-प्रेरित
3. “असम के विभिन्न जिलों से प्रवासियों और प्रेषणों का पता लगाना”, स्व-प्रेरित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सम्मेलन

1. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 21 से 22 जनवरी 2025 तक आयोजित “8वें युवा सामाजिक वैज्ञानिक सम्मेलन” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन
2. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 11 से 12 मार्च 2025 तक इंस्टीट्यूट फॉर न्यू इकोनॉमिक थिंकिंग, यंग स्कॉलर्स इनिशिएटिव के सहयोग से “उभरते परिप्रेक्ष्य से भारत के पूर्वोत्तर को समझना” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

सेमिनार

1. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 4 से 5 अप्रैल 2024 तक सीएसएसआईआईपी, मणिपुर विश्वविद्यालय और आईसीएसएसआर-एनईआरसी, शिलांग के सहयोग से “विकसित भारत संकल्प यात्रा और समावेशी विकास” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
2. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली

के सहयोग से 24 से 25 जून 2024 तक “असम में चाय बागान अर्थव्यवस्था के 200 वर्ष: समस्याएं और संभावनाएं” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

3. 28 से 29 अगस्त 2024 तक ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और बिरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय, असम के समाजशास्त्र विभाग के सहयोग से “पूर्वोत्तर भारत में जातीयता, शांति और संघर्ष समाधान” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 12 से 13 सितंबर 2024 तक “डॉक्टरल स्कॉलर्स मीट” पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय (केबीवीएसएसयू), नलबाड़ी के सहयोग से किया जाएगा।

व्याख्यान

1. 3 अप्रैल 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, प्रोफेसर पुलिन बी. नायक द्वारा “पूँजीवाद में वर्तमान संकट: एक संक्षिप्त रूपरेखा और आगे का रास्ता” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया
2. 9 मई 2024 को डॉ. कुलधर सैकिया, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व डीजीपी, असम और पूर्व अध्यक्ष, असम साहित्य सभा द्वारा “सामाजिक विज्ञान की बदलती गतिशीलता: आगे की चुनौतियाँ” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
3. 21 नवंबर 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर मीनाक्षी राजीव द्वारा “जमीनी संस्थानों की उपस्थिति में वित्तीय समावेशन” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
4. 22 अक्टूबर 2024 को कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सीमाश्री बोरा द्वारा “असम में माजुली नदी द्वीप की सांस्कृतिक और राजनीतिक पारिस्थितिकी” पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

कार्यशालाएं

1. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 29 से 31 मई 2024 तक “शोध प्रस्ताव लेखन” पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

2. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 7 से 9 अगस्त 2024 तक “शोध प्रस्ताव लेखन” पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 20 से 21 अगस्त 2024 तक पूर्वोत्तर सामाजिक अनुसंधान केंद्र, गुवाहाटी के सहयोग से “असम के चाय बागानों में बाल श्रम: अतीत, वर्तमान और भविष्य” पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. कृष्ण कांता हांडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय और उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ के सहयोग से ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 17 से 18 दिसंबर 2024 तक “पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए एनईपी की चुनौतियां” पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. 27 से 31 जनवरी 2025 तक रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान के शेर्बुत्से कॉलेज के संकायों के लिए संस्थान द्वारा आयोजित “मूल्यांकन विधियों” पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
2. ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी द्वारा 15 से 28 जुलाई 2024 तक “सामाजिक विज्ञान में संकाय के लिए क्षमता निर्माण” पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 5 विद्वानों ने पीएचडी में नामांकन कराया है और 5 विद्वान संस्थान के संकाय सदस्यों की देखरेख में अपना पीएचडी शोध कर रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. सिंह, आर., और के. डेका। असम के चाय बागानों में बाल श्रम। उत्तर पूर्वी सामाजिक अनुसंधान केंद्र (एनईएसआरसी), 2024
2. कुमार, एस.के., आदि। पशुधन अपशिष्ट से संसाधन पुनर्प्राप्ति: वैश्विक दक्षिण से व्यावसायिक मामलों का संकलन। अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई), 2024।

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. सिंह, आर. “सीमा क्षेत्र और जीवन का अर्थशास्त्र: पूर्वोत्तर भारत से अनुभवजन्य समझ।” *स्वदेशीता, विकास और स्थिरता: पूर्वोत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य*, ए. चक्रवर्ती, जी. चक्रवर्ती और एस चक्रवर्ती द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2024, पृष्ठ 107-127।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. सिंह, आर. “ग्रामीण रोजगार, सार्वजनिक नीति और कोविड-19 महामारी: भारत के सबसे कम विकसित जिलों का एक अध्ययन।” *सामाजिक परिवर्तन और विकास*, खंड 21, संख्या 1, 2024, पृष्ठ 25-43। <https://www.socialchangeanddevelopment.in/downloads/january2024/paper-2.pdf>.
2. दास, के.एस., और एन. गोगोई। “भारत में शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़ी महिलाओं की प्रसवपूर्व देखभाल तक पहुंच: राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि जनसांख्यिकीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण से साक्ष्य।” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 17, 2024, पृष्ठ 49-56 https://www.epw.in/system/files/pdf/_/salix17270424krishna-surjya-das.pdf.
3. दास, के.एस. “भारत में युवा बेरोजगारी और संबंधित कारक।” *बाल एवं युवा सेवा समीक्षा*, खंड 169, 2025, लेख संख्या 108081 <https://doi.org/10.1016/j.childyouth.2024.108081>.
4. गोगोई, एन. “हम पीड़ित हैं, वे परेशान नहीं होते: असम, भारत में बाढ़ के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की कमजोरियों के आख्यान।” *सामाजिक परिवर्तन और विकास*, खंड 21, अंक 2, 2024, पृष्ठ 41-60 <https://www.socialchangeanddevelopment.in/downloads/july2024/paper-4.pdf>.
5. गोगोई, एन. “उपनिवेशवाद-विरोधी स्थानों की खोज में! असम, भारत में जातीय-राष्ट्रवादी सशस्त्र संघर्ष के समय में एक पूर्व बोडो महिला विद्रोही की मृत्यु, इच्छाओं और रोमांस की 'अंतरंग गवाही'।” *एशियन एथनिसिटी*, 2024, पृष्ठ 1-29 <https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/14631369.2025.2468655>.

कार्य पत्र

1. कर्माकर, यू., ए. कलिता, के.एस. दास, और एस.

चौधरी। प्रवासन के प्रेरक और प्रेरक कारकों की एक शृंखला। वर्किंग पेपर सीरीज संख्या 13, ओकेडी सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान, 2024। https://okd.in/downloads/working_paper_13.pdf.

पुस्तकालय

ओकेडी सामाजिक परिवर्तन एवं विकास संस्थान (ओकेडीआईएससीडी) के पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संसाधनों का एक उत्कृष्ट और विविध संग्रह है। इसमें एक व्यापक संदर्भ संग्रह, दान की गई पुस्तकें, शोध प्रबंध, कार्य-पत्र, आंतरिक प्रकाशन, पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के पुराने संस्करण, समाचार पत्रों की कतरनें और अन्य सूक्ष्म-दस्तावेज शामिल हैं। पुस्तकालय के कुल संग्रह में लगभग 30,075 दस्तावेज शामिल हैं, जो इसके शैक्षणिक भंडार की गहराई और व्यापकता को दर्शाते हैं।

भौतिक संसाधनों के अलावा, पुस्तकालय 50 क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के साथ-साथ 7 क्षेत्रीय और राष्ट्रीय समाचार पत्रों का भी ग्राहक है। वर्ष 2024-

25 के दौरान, मौजूदा संग्रह को और समृद्ध बनाने के लिए 75 नई पुस्तकें जोड़ी गईं।

डिजिटल पहुँच और शोध को बढ़ावा देने के लिए, पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है, जिनमें ई-पुस्तकें, ई-पत्रिकाएँ और जेएसटीओआर, ईपीडब्ल्यू और IndiaStat.com जैसे डेटाबेस शामिल हैं। इसमें ओपीएसी टर्मिनलों और वेब ओपीएसी के माध्यम से सुलभ एक इलेक्ट्रॉनिक कैटलॉग भी है, जिससे उपयोगकर्ता कुशलतापूर्वक जानकारी खोज और प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ता-केंद्रित सेवाओं और सुविधाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है। इनमें सदस्यता सेवाएँ, संदर्भ और सूचना सहायता, सूचना पुनर्प्राप्ति और प्रसार, इंटरनेट और सीडी-रोम डेटाबेस तक पहुँच, समाचार पत्र-क्लिपिंग सेवाएँ और फोटोकॉपी सुविधाएँ शामिल हैं।

कुल मिलाकर, पुस्तकालय संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है और व्यापक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समुदाय में संस्थान के अनुसंधान योगदान के प्रसार को सुविधाजनक बनाता है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	92.10	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	92.10
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00
राज्य सरकार अनुदान		स्थापना/प्रशासनिक व्यय	
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	200.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	339.38
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	75.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	76.50
स्वयं के स्रोतों से आय (परियोजनाएँ, फैलोशिप, परामर्श आदि)	180.63	परियोजनाएँ, फैलोशिप/कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य विविध व्यय (ओएच-31)	95.63
कोई अन्य स्रोत	57.68	विविध व्यय	1.80
कुल	655.41	कुल	655.41

नोटः

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान (एसपीआईएसआर), अहमदाबाद

अनुसंधान परियोजनाएँ (पूर्ण)

1. नीति मेहता, “प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कृषि नवाचारों को अपनाना: पीएम-किसान सम्मान निधि योजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: गुजरात के चुनिंदा जिलों में एक अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा अल्पकालिक अनुभवजन्य परियोजनाओं के लिए विशेष आह्वान के तहत वित्त पोषित
2. सुब्रत दत्ता, “ग्रामीण शहरीकरण, प्रवासन और ग्रामीण औद्योगिकीकरण: पश्चिम बंगाल के संदर्भ में संबंधों का अध्ययन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित।
3. फोरम एस. दवे, “राष्ट्रीय स्तर की निगरानी”, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
4. संदीप कुमार कुजूर, वाचस्पति शुक्ला, यू.एस. मिश्रा और दिति गोस्वामी, “ग्रामीण भारत में एलपीजी का उपयोग: व्यावहारिक, आर्थिक और शासन कारक” (अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना - सहयोगात्मक), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

अनुसंधान परियोजनाएँ (जारी)

1. फोरम एस. दवे, “स्वयं सहायता समूहों के दृष्टिकोण से ग्रामीण परिवर्तन”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. नचिकेत गोसावी, “भारत में यात्रा समय बजट की स्थिरता की जांच”, सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान (एसपीआईएसआर), अहमदाबाद द्वारा वित्त पोषित।

नए शोध संस्थान द्वारा शुरू की गई परियोजनाएँ (2024-25)

1. नीति मेहता, “सरदार सरोवर परियोजना: सरदार सरोवर कमान क्षेत्र में कृषि विकास संभावनाओं और सतत विकास पर सिंचाई लाभों के प्रभाव का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण”, सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड, गुजरात सरकार, गांधीनगर द्वारा वित्त पोषित

2. नचिकेत गोसावी, “रोजगार तक पहुंच के संबंध में भारत के महानगरीय शहरों की रूपरेखा: एक संश्लेषण”, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

सम्मेलन/सेमिनार/व्याख्यान/कार्यशालाएं/अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबिनार

सम्मेलन

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से एसपीआईएसआर द्वारा 28 मार्च 2025 से “नए भारत का निर्माण: समावेशी विकास की रणनीतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया

सेमिनार

1. एसपीआईएसआर द्वारा 30 अप्रैल 2024 को (ऑफ़लाइन मोड में) “अफ्रीका में ग्रामीण सतत जल और कृषि, तथा सतत परिवर्तन के लिए कार्य” विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया
2. 21 जून 2024 को संस्थान द्वारा “अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली का समर्थन प्राप्त होगा।
3. 12 दिसंबर 2024 को गुजरात सरकार के पुस्तकालय निदेशालय के सहयोग से एसपीआईएसआर द्वारा “पुस्तकालयों में डिजिटल विस्तार की भूमिका” पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
4. 28 से 29 मार्च 2025 को एसपीआईएसआर द्वारा “नए भारत का निर्माण: समावेशी विकास के लिए रणनीतियाँ” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. “स्प्रिंगर नेचर इंडिया रिसर्च टूर 2024” पर एक दिवसीय सेमिनार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से स्प्रिंगर नेचर द्वारा एक राष्ट्रीय शृंखला के हिस्से के रूप में संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम, 29 सितंबर 2024 को आयोजित किया गया।

व्याख्यान

1. 22 फरवरी 2025 को डॉ. मोंटेक सिंह अहलुवालिया (पूर्व उपाध्यक्ष, भारतीय योजना आयोग) द्वारा “विकसित भारत की ओर बढ़ने में चुनौतियाँ” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।
2. 24 मार्च 2025 को सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान में डॉ. फोरम दवे द्वारा “एक आदिवासी जिले में महिला सशक्तिकरण का केस स्टडी - एसएचजी लिंकेज” विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

1. सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से 17 से 28 मार्च 2025 तक उभरते सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए बारह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद द्वारा 17 से 28 मार्च 2025 तक आयोजित “क्या ग्रामीण विकास ग्रामीण को ग्रामीण बनाए रखता है” विषय पर सामाजिक विज्ञान सदस्यों के लिए बारह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
3. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद द्वारा 17 से 28 मार्च 2025 तक आयोजित “एक गुणवत्ता शोध लेख पर संपादक का दृष्टिकोण” विषय पर सामाजिक विज्ञान सदस्यों के लिए बारह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
4. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद द्वारा 17 से 28 मार्च 2025 तक “ग्रामीण खुदरा फ्रेंचाइजी” पर सामाजिक विज्ञान सदस्यों के लिए बारह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वेबिनार

1. 17 जनवरी 2025 को (हाइब्रिड मोड के माध्यम से) एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद द्वारा आयोजित “राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) रुग्णता और 70 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा डेटा विश्लेषण की लागत: अवधारणाओं,

परिभाषाओं, मापन और परिणामों पर प्रमुख विचार” पर एक दिवसीय वार्ता

2. 30 अप्रैल 2024 को (ऑफलाइन मोड के माध्यम से) एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद द्वारा “अफ्रीका में ग्रामीण सतत जल और कृषि, और सतत परिवर्तन के लिए कार्य” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अनुसंधान संबद्धता और पीएच.डी.

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, 6 विद्वान अपना पीएच.डी. शोध कार्य कर रहे हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें

1. फोरम, डी. *गुजरात का विकास पथ: सार्वजनिक नीति हस्तक्षेप*। एलाइड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, 2025

संपादित पुस्तकों में अध्याय

1. मेहता, एन. “गुजरात में कृषि: प्रगति, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ।” 2024.
2. अलघ, एम. “गुजरात में ग्रामीण नवाचार के लिए संस्थागत बाधाएं: एक अनुभवजन्य मूल्यांकन. गुजरात का विकास पथ: सार्वजनिक नीति हस्तक्षेप”, एफ. दवे द्वारा संपादित, एलाइड पब्लिकेशन, 2025, पृ. 16-37.
3. दवे, एफ. “सतत ग्रामीण विकास के लिए सामाजिक पूंजी।” *गुजरात का विकास पथ: सार्वजनिक नीति हस्तक्षेप*, एफ. दवे द्वारा संपादित, एलाइड पब्लिकेशन, 2025, पृ. 293-306।

शोध पत्र और पत्रिकाओं में लेख

1. मेहता, एन. “जाम्बिया में परिवारों की आय, खाद्य सुरक्षा और कल्याण पर एसएसएपी हस्तक्षेपों (जल और आजीविका) का प्रभाव।” *आगामी पुस्तक अध्याय*, 2024।
2. दत्ता, एस. “पश्चिम बंगाल में ग्रामीण शहरीकरण और ग्रामीण औद्योगीकरण: अनुभवजन्य मॉडलों के माध्यम से एक चित्रण।” *इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस*, आगामी, 2025।
3. दत्ता, एस. “क्षेत्रीय आर्थिक समस्याएँ और बुनियादी ढाँचे से प्रेरित ग्रामीण शहरीकरण और ग्रामीण औद्योगीकरण की आवश्यकता: पश्चिम बंगाल से अंतर्दृष्टि।” *इंडियन जर्नल*

- ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, खंड 60, संख्या 3, 2025, पृष्ठ 405-418।
4. अलघ, एम. “ग्रामीण गुजरात में अधिशेष के निकास के लिए अनुभवजन्य नोट।” *अन्वेषक, समीक्षाधीन*, 2025. पांडुलिपि संदर्भ संख्या 2023/835.
 5. शुक्ला, वी., और यू.एस. मिश्रा। “भारत में उच्च शिक्षा लक्ष्यों की प्राप्ति में पठन प्रगति: विशेषताएँ और अभिलक्षण।” *सामाजिक परिवर्तन*, खंड 54, अंक 1, 2024, पृष्ठ 68-85।
 6. शुक्ला, वी. “भारत में कृषि परिवारों के बीच आय वितरण का विश्लेषण।” *भारतीय कृषि अर्थशास्त्र जर्नल*, आगामी।
 7. शुक्ला, वी., और के.के. कुजूर। “भारत में घरेलू ऊर्जा परिवर्तन: क्या एलपीजी के उपयोग में हालिया विस्तार समावेशी है?” *सामाजिक परिवर्तन और विकास*, आगामी।
 8. शुक्ला, वी. “भारतीय राज्यों में स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों में समूह असमानताओं का विश्लेषण: एनएसएस 79वें दौर के सर्वेक्षण से साक्ष्य।” *अन्वेषक*, आगामी।
 9. शुक्ला, वी. “जनगणना आँकड़ों के अभाव में भारत की साक्षरता प्रगति की जाँच।” *जर्नल ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक स्टडीज़*, आगामी।
 10. शुक्ला, वी. “सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता कितनी सार्वभौमिक है?” *इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली*, खंड 59, अंक 47, 2024, पृ. 4.
 11. शुक्ला, वी. “कृषि परिवारों की कृषि आय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 77वें दौर के साक्ष्य।” *भारतीय आर्थिक जर्नल*, खंड 0, संख्या 0, 2024।
 12. शुक्ला, वी. “भारत की साक्षरता यात्रा का अनावरण जब जनगणना के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।” *मेनस्ट्रीम वीकली*, खंड 62, अंक 14, 6 अप्रैल 2024।
 13. गोसावी, एन., और जी. दिताकवि। “यात्रा दूरी और आवासीय स्व-चयन: तूफान का सामना करना।” *विकासशील देशों के लिए परिवहन योजना और कार्यान्वयन पद्धतियों पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (टीपीएमडीसी) की कार्यवाही*, स्प्रिंगर, प्रेस में।
 14. शुक्ला, वी., और एस.के. दाश। “पीएमजेडीवाई ने भारत में बैंकिंग को कैसे बदल दिया है।” *द हिंदू बिजनेसलाइन*, 24 मार्च 2025।
 15. शुक्ला, वी. “कृषि आय बढ़ाना: एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता।” *द हिंदू बिजनेसलाइन*, 14 फरवरी 2025।
 16. शुक्ला, वी., और एस.के. दाश। “भारत का भूख विरोधाभास: कुछ ही लोग भोजन छोड़ पाते हैं, लेकिन खाद्य असुरक्षा बनी रहती है।” *बिजनेस स्टैंडर्ड*, 30 दिसंबर 2024।
 17. शुक्ला, वी., और एस.के. दाश। “अर्थव्यवस्था के लिए शिक्षा: कुशल कार्यबल भारत के 'विकसित भारत' लक्ष्य की कुंजी है।” *टेलीग्राफ इंडिया*, 28 दिसंबर 2024।
 18. शुक्ला, वी., और एस.के. दाश। “शैक्षिक विभाजन: राज्यों के बीच आर्थिक विभाजन को पाटने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है।” *ईटी एजुकेशन (indiatimes.com)*, 23 दिसंबर 2024।
 19. शुक्ला, वी. “घरेलू उपभोग वृद्धि: क्या राज्यों के बीच असमानताएँ कम हो रही हैं?” *द हिंदू बिजनेसलाइन*, 6 दिसंबर 2024.
 20. शुक्ला, वी. “घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस): भारत के सबसे गरीब परिवारों में गैर-खाद्य उपभोग में उच्च वृद्धि आर्थिक स्थिति में सुधार का संकेत देती है।” *ईटी सरकार (indiatimes.com)*, 26 अक्टूबर 2024।
 21. शुक्ला, वी. “एमपीसीई: ग्रामीण और शहरी परिवारों के उपभोग के रुझान में समावेशी प्रगति के संकेत।” *ईटी सरकार (indiatimes.com)*, 23 जुलाई 2024।
 22. शुक्ला, वी., और एस.के. दाश। “भारत में कंप्यूटर साक्षरता को पुनः शुरू करने की आवश्यकता है।” *द हिंदू*, 5 जुलाई 2024।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. जैन, एच. *तकनीकी परिवर्तन और उभरते रोजगार पैटर्न: भारत में आंतरिक और अंतर-क्षेत्रीय प्रभावों का विश्लेषण। अनुसंधान रिपोर्ट, 2024-2025, सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली को प्रस्तुत*

नीति संक्षिप्त

1. अलघ, एम. “आर्थिक सर्वेक्षण, 2024-25 से भारत की अर्थव्यवस्था, राज्य क्षमता और बाजार सुविधा के लिए एक रेडी रेकनर।” *वाई-मैक्रो एनालिटिक्स: भारत के राज्य और जिला स्तरीय आर्थिक अंतर्दृष्टि पर एक ब्लॉग*, फरवरी 2025।

पुस्तकालय

एचके पुस्तकालय में संसाधनों का एक व्यापक और विविध संग्रह है जो छात्रों, संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं की शैक्षणिक और शोध आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसमें कुल 40,000 संसाधनों का संग्रह है, जिसमें पत्रिकाओं और पत्रिकाओं के 8,000 पुराने खंड शामिल हैं। ये सामग्रियाँ अर्थशास्त्र, उद्योग और कृषि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित हैं, जो अंतःविषय अध्ययन और अनुसंधान के लिए ज्ञान का एक समृद्ध भंडार प्रदान करती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, पुस्तकालय ने 6 क्षेत्रीय और राष्ट्रीय समाचार पत्रों सहित 17 राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता ली, जिससे इसके वर्तमान जागरूकता संसाधन और समृद्ध हुए। पुस्तकों, रिपोर्टों और पत्रिकाओं के अलावा, पुस्तकालय में छात्रों के शोध-प्रबंधों और परियोजना रिपोर्टों का एक मूल्यवान संग्रह भी है, जो संस्थान में किए जा रहे विभिन्न शोध विषयों और शैक्षणिक प्रयासों की जानकारी प्रदान करता है।

हांगकांग पुस्तकालय विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है, जैसे कैटलॉग एक्सेस के लिए वेब-ओपीएसी, ई-जर्नल, ई-पुस्तकें, एक नॉलेज रिपॉजिटरी और

एक ईटीडी (इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध) रिपॉजिटरी। ये डिजिटल सेवाएँ पहुँच को बढ़ाती हैं और दूरस्थ शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देती हैं। पुस्तकालय "आईसीएसएसआर ई-रिसोर्सेज कंसोर्टियम" के माध्यम से, जिसे रिमोटएक्सएस सेवा द्वारा सुगम बनाया गया है, डेटाबेस और ई-जर्नल सहित ई-संसाधनों की एक विस्तृत शृंखला तक पहुँच भी प्रदान करता है।

अपनी डिजिटल क्षमताओं को और बढ़ाते हुए, पुस्तकालय ने अपनी आंतरिक पत्रिका, अन्वेषक के लिए एक संस्थागत भंडार (आईआर) स्थापित किया है, जिससे संस्थागत शोध परिणामों तक खुली पहुँच सुनिश्चित होती है। उपयोगकर्ता सेवाओं के संदर्भ में, पुस्तकालय संदर्भ सेवाओं, अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवाओं, दस्तावेज वितरण, फोटोकॉपी सेवाओं और इंटरनेट खोज सहायता सहित सहायता का एक व्यापक समूह प्रदान करता है।

अपने विशाल संग्रह, मजबूत डिजिटल अवसंरचना और व्यापक उपयोगकर्ता सेवाओं के साथ, एच.के. लाइब्रेरी संस्थान के भीतर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्य करती है, जो ज्ञान सृजन, प्रसार और आजीवन सीखने में सहायता करती है।

निधि (अलेखापरीक्षित) 2024-25

एसपीआईईएसआर, अहमदाबाद

(लाख रुपये में)

आय	राशि	व्यय	राशि
आईसीएसएसआर अनुदान		वेतन	203.43
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	91.11	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	50.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
राज्य सरकार अनुदान	52.50	स्थापना/प्रशासनिक व्यय	53.07
वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-36)	0.00
वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00	वस्तु शीर्ष (ओएच-31)	0.00
स्वयं के स्रोत से आय (परियोजनाएं, फैलोशिप, परामर्श आदि)	59.41	परियोजनाएँ फैलोशिप कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य विविध व्यय	55.36
कोई अन्य स्रोत	80.63	विविध व्यय	0.00
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	21.79
कुल	333.65	कुल	333.65

नोट:

वस्तु शीर्ष (ओएच)-36

वस्तु शीर्ष (ओएच-31)

वेतन और भत्ते

1. अनुसंधान योजना/कार्यक्रम

2. गैर-वेतन

परिवर्णी शब्द/लघुरूप

ए.ए.यू	- असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी	बी.पी.जी.सी	- बापू पी.जी. कॉलेज
ए.सी	- आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली	बी.आर.ए.ओ.यू	- भीम राव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी
ए.सी.सी	- आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज	सी.ए.यू	- सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, इम्फाल
ए.जी.टी.सी	- आचारतलाल गिरधरलाल टीचर्स कॉलेज	सी.बी.आई.टी	- चैतन्य भारती इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
ए.आई.एच.एस.एच.ई	- अविनाशिलिंगम इंस्टिट्यूट ऑफ होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वीमन	सी.सी.एस.यू	- चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ
ए.आई.आई.एम.एस	- ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	सी.डी.ई	- सेंटर फॉर डिवेलपमेंट इकोनॉमिक्स
ए.आई.एल.एच	- एसोसिएशन ऑफ इंडियन लेबर हिस्टोरियन्स, दिल्ली	सी.ई.एस.एस	- सेंटर फॉर इकनॉमिक एंड सोशल स्टडीज
ए.आई.टी.एस	- अन्नामाचार्य इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज	सी.जी.एस	- सेंटर फॉर जेरॉन्टोलॉजिकल स्टडीज
ए.एल.आई.यू	- आलिया यूनिवर्सिटी, कोलकाता	सी.एच.एस	- कॉलेज ऑफ होम साइंस
ए.एल.यू	- इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद	सी.एल.एम	- चमन लाल महाविद्यालय
ए.एम.यू	- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी	सी.एम.डी.आर	- सेंटर फॉर मल्टी - डिसिप्लिनरी डिवेलपमेंट रिसर्च
ए.एन.एन.ए.यू	- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चिदंबरम	सी.पी.आर.जी	- सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस
ए.एन.एस.आई.एस.एस	- ए.एन. सिन्हा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज	सी.आर.आर.आई.डी	- सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट
ए.एन.यू	- आदिकवि नन्नैया यूनिवर्सिटी	सी.एस.डी	- काउंसिल फॉर सोशल डिवेलपमेंट
ए.आर.एस.डी.सी	- आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज	सी.एस.एस	- सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज
ए.यू	- असम यूनिवर्सिटी, सिलचर	सी.एस.डब्ल्यू	- कॉलेज ऑफ सोशल वर्क
ए.वी.वी.वी.एम.एस.पी.सी	- एवीवीएम श्री पुष्पम कॉलेज	सी.यू	- कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता
बी.ए.ओ.यू	- डॉ. भीमराव अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी	सी.यू.ए.पी	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश
बी.ए.एम.यू	- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी	सी.यू.एच	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा
बी.ए.यू	- डॉ. बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी	सी.यू.एच.पी	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश
बी.बी.ए.यू.	- डॉ. भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ	सी.यू.जे	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड
बी.बी.सी	- बी. बोरूआ कॉलेज, गुवाहाटी	सी.यू.के	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल
बी.सी.सी	- बोर्डोलोनी सेंट्रल कॉलेज	सी.यू.के (केयू)	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर
बी.जी.एस.बी.यू.	- बाबा गुलाम शाह बादशाह यूनिवर्सिटी	सी.यू.ओ	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ उड़ीसा
बी.एच.यू	- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी	सी.यू.पी	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब
बी.आई.एम.टी	- बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी	सी.यू.एस.ए.टी	- कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि
बी.आई.टी.एस	- बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, गोवा	सी.यू.टी.एन	- सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु
		डी.ए.सी	- देवांगा आर्ट्स कॉलेज

डी.ए.वी	— डीएवी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज
डी.बी.आर.ए.सी	— डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज
डी.बी.आर.ए.जी.पी.जी.सी	— डॉ. भीम राव अंबेडकर गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज
डी.डी.यू.जी.यू	— दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी
डी.ई.एस.पी.यू	— डीईएस पुणे यूनिवर्सिटी
डी.एच.एस.जी.यू	— डॉ. हरीसिंह गौर यूनिवर्सिटी
डी.के.सी	— दक्षिण कामरूप कॉलेज
डी.एल.आर.सी	— दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर, देहरादून
डी.एन.एम	— धनाजी नाना महाविद्यालय
डी.आर.एम.एल.एन.एल.यू	— डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी
डी.एस.ई	— दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स
डी.एस.पी.एस.आर	— दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च
डी.टी.यू	— दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी
डी.यू	— दिल्ली यूनिवर्सिटी
ई.सी.सी.	— इविंग क्रिश्चियन कॉलेज
जी.ए.एम.सी	— गोपिचंद आर्य महिला कॉलेज
जी.ए.यू	— गुवाहाटी यूनिवर्सिटी
जी.बी.पी.एस.एस.आई	— जी.बी. पंत सोशल साइंस इंस्टिट्यूट
जी.डी.बी.जी.सी	— गवर्नमेंट डी.बी. गर्ल्स कॉलेज
जी.डी.सी	— गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज
जी.एफ.जी.सी.डब्ल्यू	— गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज फॉर वीमेन
जी.जी.एस.आई.यू	— गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी
जी.जी.वी	— गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
जी.आई.डी.आर	— गुजरात इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट रिसर्च
जी.आई.डी.एस	— गिरी इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज
जी.के.यू	— गुरु काशी यूनिवर्सिटी
जी.एल.ए.यू	— जीएलए यूनिवर्सिटी
जी.एन.डी.यू	— गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी
जी.एन.यू.डी.सी	— गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी कॉलेज
जी.ओ.यू	— गोवा यूनिवर्सिटी
जी.यू.आई.एन.ई.आई.एस	— गुवाहाटी यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज
एच.आई.टी.एस	— हिंदुस्तान इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस
एच.एन.बी.जी.यू	— हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी
एच.वी.बी.एस	— हैप्पी वैली बिज़नेस स्कूल
आई.ए.एस.एस	— इंडियन अकादमी ऑफ सोशल साइंस
आई.डी.एस	— इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज

आई.जी.एन.ओ.यू	— इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी
आई.जी.एन.टी.यू	— इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी
आई.एच.डी	— इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन डिवेलपमेंट
आई.आई.ई	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन
आई.आई.एफ.एम	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ फारैस्ट मैनेजमेंट
आई.आई.आई.टी	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी
आई.आई.एल.ई	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ लेबर इकॉनॉमिक्स
आई.आई.एल.एम.यू	— आईआईएलएम यूनिवर्सिटी
आई.आई.एम	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
आई.आई.टी	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
आई.आई.टी.आर	— इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रूड़की
आई.एम.आई	— इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्टडीज
आई.पी.ई	— इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज
आई.आर.एम.ए	— इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद
आई.एस.ए.एम	— इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल मार्केटिंग
आई.एस.डी.सी	— ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज
आई.एस.ई.सी	— इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज
आई.एस.आई	— इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट
आई.एस.आई.डी	— इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट
आई.टी.एम.यू	— आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर
आई.टी.पी	— इंस्टिट्यूट ऑफ टाउन प्लानर, दिल्ली
आई.यू.एस.टी	— इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
जे.ए.आई.आर	— जादवपुर एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस
जे.ई.सी.आर.सी.यू	— जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी
जे.एम.आई	— जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जे.एन.सी	— जवाहरलाल नेहरू कॉलेज
जे.एन.यू	— जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी
जे.एन.वी.यू	— जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी
जे.पी.आई.पी	— ज्ञान प्रबोधिनी इंस्टिट्यूट ऑफ सायकॉलॉजी
जे.एस.एच.पी.जी.सी	— जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज
जे.एस.एस.ए.एच.ई.आर	— जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च
जे.एस.एस.आई.ई.आर	— जेएसएस इंस्टिट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक रिसर्च
के.ए.यू	— कल्याणी यूनिवर्सिटी
के.सी.डब्ल्यू	— खालसा कॉलेज फॉर वीमेन
के.ई.आर.यू	— केरल यूनिवर्सिटी
के.आई.आई.टी	— कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी
के.आर.के.जी.डी.सी	— केआरके गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज

के.यू.एम.यू	— कुमाऊँ यूनिवर्सिटी
एल.के.यू	— यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
एल.पी.यू	— लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी
एल.एस.आर	— लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वीमेन
एल.यू.सी	— यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
एम.ए.सी	— महाराजा अग्रसेन कॉलेज
एम.ए.एन.आई.टी	— मौलाना आज़ाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
एम.ए.एन.यू.यू	— मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी
एम.ए.यू	— मद्रास यूनिवर्सिटी
एम.बी.एस.पी.जी.सी	— महाराज बलवंत सिंह पी.जी. कॉलेज
एम.सी	— मेरठ कॉलेज
एम.सी.एम.डी.ए.वी.सी.डब्ल्यू	— एम सी एम डी ए वी कॉलेज फॉर वीमेन
एम.जी.सी	— महिशादल गर्ल्स कॉलेज
एम.जी.के.सी.जी	— माता गंगा खालसा कॉलेज फॉर गर्ल्स
एम.जी.के.वी	— महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
एम.आई.डी.ए	— मद्रास इंस्टिट्यूट ऑफ डिवेलपमेंट स्टडीज़
एम.के.यू	— मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी
एम.एल.एस.यू	— मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी
एम.एन.आई.टी	— मालवीय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
एम.पी.आई.एस.एस.आर	— एम.पी. इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च
एम.पी.डी.एस.ए	— मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी
एम.पी.एल.सी	— माणिकचंद पहाड़े लॉ कॉलेज
एम.एस.आर.यू.ए.एस.	— एम. एस. रमैया यूनिवर्सिटी ऑफ अग्लाइड साइंसेज़
एम.टी.डब्ल्यू.यू	— मदर टेरेसा वीमेन्स यूनिवर्सिटी
एम.यू	— मिज़ोरम यूनिवर्सिटी
एम.यू.यू	— मुंबई यूनिवर्सिटी
एम.वी.एस.जी.ए.एस.सी	— एम. वी. एस. गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज
एम.वाई.यू	— मैसूर यूनिवर्सिटी
एन.बी.सी.सी	— नंदलाल बोर्गोहेन सिटी कॉलेज
एन.सी.सी.डी.एस	— नबकृष्ण चौधरी सेंटर फॉर डिवेलपमेंट स्टडीज़
एन.ई.एच.यू	— नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी
एन.ई.एस.आर.सी	— एन. ई. एस. रत्नम कॉलेज
एन.आई.ए.एस	— नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज़
एन.आई.एच	— नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी
एन.आई.सी.एम.ए.आर.यू	— एन.आई.सी.एम.ए.आर. यूनिवर्सिटी

एन.आई.एम.एच.ए.एन.एस	— नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज़
एन.आई.आर	— नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ राउरकेला
एन.आई.टी	— नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
एन.एल.यू.एम	— नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी मेघालय
एन.एम.आई.एम.एस.यू	— एनएमआईएमएस यूनिवर्सिटी
एन.एम.एम.एल	— नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी
एन.ओ.यू	— नॉर्थ उड़ीसा यूनिवर्सिटी
एन.आर.सी	— आईसीएसएसआर नॉर्दर्न रीजनल सेंटर
एन.एस.पी.ए.सी	— एन. एस. पटेल आर्ट्स कॉलेज
पी.ए.यू	— पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी
पी.डी.सी	— पश्चिम धेमाजी कॉलेज
पी.डी.ई.यू	— पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी
पी.डी.डी.यू.जी.ए.सी.सी	— पं. दीन दयाल उपाध्याय गवर्नमेंट आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज
पी.डी.डब्ल्यू.सी	— पी. डी. वीमेन्स कॉलेज
पी.ई.एस.आर.एस.एस.सी.ए.एस	— पीईएस रवि सीताराम नाइक कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस
पी.जी.डी.सी	— पिथुबर गर्ल्स डिग्री कॉलेज
पी.जी.आई.एम.ई.आर	— पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च
पी.एच.एफ.आई	— पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
पी.आर.एस.यू	— पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी
पी.एस.एस.ओ.पी.यू	— पं. सुंदरलाल शर्मा (ओपन) यूनिवर्सिटी
पी.यू	— पंजाबी यूनिवर्सिटी
पी.वी.के.एन.जी.सी	— पीवीकेएन गवर्नमेंट कॉलेज
आर.सी.यू	— रानी चन्नम्मा यूनिवर्सिटी
आर.एम.एल.ए.यू	— डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी
आर.एम.पी	— रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी
आर.एम.वी.सी.सी	— रामकृष्ण मिशन विवेकानंद सेंटेंरी कॉलेज
आर.पी.एस.डी.सी	— राव पहलाद सिंह डिग्री कॉलेज
आर.आर.एम	— राजे रामराव महाविद्यालय
आर.एस.जी.सी	— राजा सरफोजी गवर्नमेंट कॉलेज
आर.यू	— रेवेनशा यूनिवर्सिटी
आर.वी.यू	— आर वी यूनिवर्सिटी
एस.ए.सी.सी	— सर्वजनिक आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज
एस.एस.सी.एम.ए.एच.एस.सी	— श्रीमती ए. एस. चौधरी महिला आर्ट्स एंड होम साइंस कॉलेज
एस.ए.एस.टी.आर.ए	— एस.ए.एस.टी.आर.ए यूनिवर्सिटी
एस.बी.एस.सी	— शहीद भगत सिंह कॉलेज

एस.के.बी.यू	– सिधो कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी
एस.एल.सी	– श्याम लाल कॉलेज
एस.एम.वी.डी.यू	– श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी
एस.ओ.ए.यू	– शिक्षा 'ओ' अनुसंधान यूनिवर्सिटी
एस.पी.पी.सी	– शहीद प्रोली फुकन कॉलेज
एस.आर.एम-आई.एस.टी	– एस आर एम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
एस.आर.एम.यू	– एस आर एम यूनिवर्सिटी
एस.एस.डी.एम	– श्री संत दामाजी महाविद्यालय
एस.यू	– सिक्किम यूनिवर्सिटी
एस.वी.एन.आई.टी	– सरदार वल्लभभाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
एस.वी.यू	– श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी
टी.एच.बी.सी	– त्यागबीर हेम बरुआ कॉलेज
टी.आई.ई.एस	– द इंडियन इकॉनॉमेट्रिक सोसायटी
टी.आई.एस.एस	– टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज
टी.एम.वी	– तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ

टी.एन.ए.यू	– तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी
टी.टी.जी.सी	– टीचर्स ट्रेनिंग गोविंदम कॉलेज
टी.टी.एन.सी	– तेलही तुवाराम नाथ कॉलेज
यू.ओ.ए	– यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद
यू.ओ.सी	– यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट
यू.ओ.के	– यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर
यू.टी.के.यू	– उत्कल यूनिवर्सिटी
यू यू	– उत्कल यूनिवर्सिटी
वी.आई.पी.एस	– विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज
वी.एल.बी.जे.सी.ए.एस	– वीएलबी जानकीअम्मल कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस
वी.यू	– विद्यासागर यूनिवर्सिटी
वी.वी.पी.जी.सी	– वी. वी. पी. जी. कॉलेज
वी.वी.वी.सी डब्ल्यू	– वी. वी. वन्नीपेरुमल कॉलेज फॉर वीमेन
डब्ल्यू.सी.सी	– वीमेन्स क्रिश्चियन कॉलेज
डब्ल्यू.आर.सी	– वेस्टर्न रीजनल सेंटर, आईसीएसएसआर
जेड.एच.सी	– ज़ाकिर हुसैन कॉलेज



लेखा

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.), नई दिल्ली के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की राय

राय

हमने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.), नई दिल्ली के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2025 तक की वित्तीय स्थिति का विवरण और वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता/प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के सारांश सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणों में 6 क्षेत्रीय केंद्रों के लेखे शामिल हैं। इनमें से एक क्षेत्रीय केंद्र अर्थात् उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र (एनआरसी), दिल्ली के लेखाओं की वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा की गई और रिपोर्ट में शामिल करने के लिए टिप्पणियों पर विचार किया गया।

इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों, प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ अनुरूपता के संबंध में लेखांकन उपचार पर टिप्पणियाँ शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और कार्यकुशलता सह प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, निरीक्षण रिपोर्टों/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती हैं।

हमारी राय में, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (भा.सा.वि.अ.प.), नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरणों को, लेखांकन नीतियों और उन पर टिप्पणियों तथा पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित मामलों के साथ पढ़ने पर, 31 मार्च, 2025 तक समाप्त वर्ष के लिए स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा लेखाओं के निर्धारित समान प्रारूप के अनुसार, उसके वित्तीय निष्पादन और उसके नकदी प्रवाह का **सही और निष्पक्ष विवरण** मिलता है।

राय का आधार

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लेखापरीक्षा विनियमों/मानकों/ मैनुअल / दिशानिर्देशों/ मार्गदर्शन- टिप्पणियों/ आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार की है। हमारी जिम्मेदारियों का विवरण हमारी रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ" भाग में दिया गया है। हम वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा-परीक्षा से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

भा.सा.वि.अ.प. का शासी निकाय, शिक्षा मंत्रालय के लेखा प्रारूप के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए और आंतरिक नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है क्योंकि प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि ऐसे वित्तीय विवरणों को तैयार करना आवश्यक है, जो धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली भौतिक गलतबयानी से मुक्त हों।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समग्र वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी भी प्रकार की भौतिक गलतबयानी से मुक्त है और एक लेखापरीक्षक रिपोर्ट जारी करना है जिसमें भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा विनियमों/मानकों/ मैनुअल/दिशानिर्देशों/मार्गदर्शन-निर्देशों/आदेशों/ परिपत्रों आदि के अनुसार हमारी राय शामिल हो।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से



स्थान: नई दिल्ली

दिनांक:

महानिदेशक, लेखा परीक्षा
(केंद्रीय व्यय)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

क. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई हेतु अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से सदस्य सचिव, भा.सा.वि.अ.प., दिल्ली के संज्ञान में लाया गया है।

ख. आंतरिक नियंत्रणों का मूल्यांकन

1. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

भा.सा.वि.अ.प. की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है क्योंकि:

- वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी का पद जनवरी 2016 से रिक्त है।

2. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- भा.सा.वि.अ.प. का अपना आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है, लेकिन वर्ष 2024-25 के लिए कोई लेखा परीक्षा नहीं की गई।
- 2015-16 से 2017-18 की अवधि के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा प्रधान लेखा नियंत्रक द्वारा की गई है।
- एनआरसी,आईसीएसएसआर में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा शाखा नहीं है।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- भा.सा.वि.अ.प. (मुख्यालय) की अचल/गैर-उपभोज्य परिसंपत्तियों (भूमि, भवन, फर्नीचर और फिक्सचर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कंप्यूटर और सहायक उपकरण) का वर्ष 2024-25 के लिए भौतिक सत्यापन किया गया और कोई विसंगति नहीं पाई गई।
- भा.सा.वि.अ.प. मुख्यालय के पुस्तकालय का भौतिक सत्यापन 2018 में किया गया था। हालाँकि, वर्ष 2024-25 तक के लिए भौतिक सत्यापन का कार्य प्रगति पर था।
- एनआरसी, आईसीएसएसआर में 2008-2009 तक अचल परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।
- एनआरसी, आईसीएसएसआर में पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक सत्यापन 31.03.2025 तक किया गया।

4. वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- भा.सा.वि.अ.प. मुख्यालय और इसकी नमूना जाँच इकाई की स्टेशनरी और उपभोज्य सामग्रियों का भौतिक सत्यापन 31.03.2025 तक किया गया है।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

- 31.03.2025 तक सांविधिक देय राशि के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

ग. सहायता-अनुदान

वर्ष 2024-25 के दौरान, भा.सा.वि.अ.प. को भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग से 247.01 करोड़ रुपये की सहायता अनुदान राशि प्राप्त हुई और संस्थानों/संगठनों द्वारा 5.76 करोड़ रुपये का अप्रयुक्त अनुदान वापस किया गया। 1 अप्रैल 2024 तक इसके पास 5.20 करोड़ रुपये (पूँजी: 1.45 करोड़ रुपये और राजस्व: 3.75 करोड़ रुपये) के सहायता अनुदान का प्रारंभिक शेष था। 31 मार्च 2025 तक, 257.97 करोड़ रुपये की कुल धनराशि में से, 251.64 करोड़ रुपये (राजस्व व्यय के लिए 241.68 करोड़ रुपये, पूँजीगत व्यय के लिए 1.81 करोड़ रुपये और मंत्रालय को 8.15 करोड़ रुपये वापस किए गए) का उपयोग किया तथा 6.33 करोड़ रुपये (पूँजी: 1.84 करोड़ रुपये और राजस्व: 4.49 करोड़ रुपये) शेष है।

1

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि रुपये में)

निधियों के स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
समग्र/पूँजीगत निधि	1	-1,41,07,23,996	-1,38,53,23,283
निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	2	17,39,73,252	17,87,45,082
चालू देनदारियां तथा प्रावधान	3	1,76,55,88,778	1,72,70,36,958
जोड़		52,88,38,034	52,04,58,757
निधियों का अनुप्रयोग	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
अचल संपत्तियां	4		
मूर्त परिसंपत्तियां		14,57,98,415	14,08,97,684
अमूर्त परिसंपत्तियां		65,58,750	20,87,736
चल रहे पूँजीगत कार्य		2,90,74,835	2,99,87,735
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश	5		
दीर्घावधि		-	-
लघु अवधि		17,30,37,532	17,75,68,543
निवेश - अन्य	6	-	-
चालू परिसंपत्तियां	7	9,53,23,472	12,48,06,828
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	7,90,45,030	4,51,10,231
जोड़		52,88,38,034	52,04,58,757
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	24		



(नरेश सैनी)

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



(धनंजय सिंह)

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

(राशि रुपये में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	-	-
अनुदान / सब्सिडी	10	2,41,67,75,143	2,32,28,90,082
निवेश से आय	11	-	-
ब्याज जमा	12	-	55,32,221
अन्य आय	13	53,41,839	4,51,17,462
पूर्व अवधि आय/समायोजन	14	-	-
जोड़ (क)		2,42,21,16,982	2,37,35,39,765
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	15	72,61,89,162	74,50,45,096
अकादमिक व्यय	16	-	-
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	11,85,53,422	3,75,86,410
परिवहन व्यय	18	7,90,840	5,13,216
मरम्मत और अनुरक्षण	19	2,51,69,331	2,97,84,022
वित्तीय लागत	20	-	-
अन्य व्यय	21	1,57,90,58,385	1,56,51,30,882
पूर्व अवधि व्यय/समायोजन	22	-	-
मूल्यहास	4	1,50,03,210	94,48,360
जोड़ (ख)		2,46,47,64,350	2,38,75,07,986
व्यय से अधिक आय होने पर शेष (क-ख)		-4,26,47,368	-1,39,68,221
नामित फंड से/में अंतरण		-	-
भवन निधि		-	-
अन्य (विनिर्दिष्ट करें) वापसी योग्य ब्याज		-	-55,32,221
शेष के आधिक्य/(कमी) होने के कारण पूंजीगत निधि में लाया गया		-4,26,47,368	-1,95,00,442
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	24		



(नरेश सैनी)

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



(धनंजय सिंह)

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

3

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची 1-समग्र/पूँजीगत निधि

(राशि रुपये में)

विवरण	भा.सा.वि.अ.प	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) पूँजीगत निधि-सामान्य		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-1,38,83,94,441	-1,38,28,78,633
जोड़े: समग्र/पूँजीगत निधि में अंशदान	-	-
जोड़े: एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान जिसका उपयोग पूँजीगत व्यय हेतु किया गया	1,81,13,329	1,32,50,520
घटाएँ: बट्टे खाते में डाला गया	28,891	4,30,786
जोड़े: उद्दिष्ट निधियों से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ	97,403	2,52,000
जोड़े: सुधार/समायोजन कार्य चल रहा है	-9,19,791	9,12,900
जोड़: (क)	-1,37,11,32,391	-1,36,88,93,999
ख) पूँजीगत निधि- उपहार स्वरूप पुस्तकें		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	7,18,448	6,87,180
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	31,268
जोड़े / घटाएँ: सुधार एवं समायोजन	43,270	-
जोड़: (ख)	7,61,718	7,18,448
ग) पूँजीगत निधि-समूह्य प्रकाशन		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	23,52,710	23,98,130
वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	45,420	-
घटाएँ: वर्ष के दौरान कटौतियाँ	1,04,085	45,420
जोड़: (ग)	22,94,045	23,52,710
जोड़: (क) + (ख) + (ग)	-1,36,80,76,628	-1,36,58,22,841
जोड़े: व्यय से अधिक आय जो आय एवं व्यय लेखा से अंतरित किया गया	-	-
जोड़	-1,36,80,76,628	-1,36,58,22,841
(कटौती) आय एवं व्यय लेखे से अंतरित कमी	4,26,47,368	1,95,00,442
वर्ष के अंत में शेष	-1,41,07,23,996	-1,38,53,23,283



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

4

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 2 निर्दिष्ट/उद्दिष्ट/अक्षय निधियां

(राशि रुपये में)

विवरण			निधि-वार विवरण								जोड़	
			उद्दिष्ट निधियाँ							अक्षय निधि		
	भवन निधि	पेंशन निधि	परियोजना/सेमिनार आईसीएसएसआर नई दिल्ली	इम्प्रेस आईसीएसएसआर	आईसीएसएस आर अतिथि गृह	सेमिनार/कार्यशालाओं/परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	एएसएसआरआईसी	आरएस सीआईएसआर आईसीएसएसआर		चालू वर्ष	गत वर्ष	
क												
क) अथ शेष	9,64,725	-	35,47,028	6,84,06,994	10,54,63,154	3,63,181	-	-	-	17,87,45,082	18,23,94,107	
ख) वर्ष के दौरान अभिवृद्धियाँ	-	-	32,23,500	-	63,37,381	-	22,39,581	-	-	1,18,00,462	1,70,99,851	
ग) निवेश की गई निधियों से आय	39,883	-	-	4,15,627	12,44,356	-	-	-	-	16,99,866	3,49,004	
घ) निवेशों/अग्रिमों पर प्रोद्भूत ब्याज	833	-	-	-	9,34,819	68	-	-	-	9,35,720	11,76,539	
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज	5,836	-	3,565	20,27,772	21,46,627	8,770	8,428	-	-	42,00,998	52,69,230	
च) अन्य अभिवृद्धियाँ (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	15,955	-	-	-	-	-	-	15,955	1,37,530	
(i) व्यय की प्रतिपूर्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
(ii) विविध (अव्ययित शेष)	-	-	-	19,12,798	-	-	-	-	-	19,12,798	46,38,941	
कुल (क)	10,11,277	-	67,90,048	7,27,63,191	11,61,26,337	3,72,019	22,48,009	-	-	19,93,10,881	21,10,65,202	
ख												
i) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय												
ii) पूंजीगत व्यय	-	-	-	-	97,403	-	-	-	-	97,403	2,52,000	
ii) राजस्व व्यय	-	-	39,34,941	59,62,763	96,74,363	1,55,565	19,75,668	-	-	2,17,03,300	2,33,16,940	
iii) अन्य	-	-	-	35,36,926	-	-	-	-	-	35,36,926	87,51,180	
कुल (ख)	-	-	39,34,941	94,99,689	97,71,766	1,55,565	19,75,668	-	-	2,53,37,629	3,23,20,120	
वर्ष के अंत में अंत शेष (क-ख)	10,11,277	-	28,55,107	6,32,63,502	10,63,54,571	2,16,454	2,72,341	-	-	17,39,73,252	17,87,45,082	

विवरण	निधि-वार विवरण						जोड़		
	उद्दिष्ट निधियां					अक्षय निधि			
	भवन निधि	पेंशन निधि	परियोजना/सेमिनार आईसीएसएसआर नई दिल्ली	इम्प्रेस आईसीएसएसआर	आईसीएसएसआर आर अतिथि गृह			सेमिनार/कार्यशालाओं/परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	
द्वारा प्रतिनिधित्व									
नकद एवं बैंक शेष	2,20,285	-	28,55,107	6,32,63,502	7,59,19,752	2,16,386	-	-	14,27,47,373
निवेश	7,90,159	-	-	-	2,95,00,000	-	-	-	3,02,90,159
प्रोद्भूत व्याज परन्तु देय नहीं	833	-	-	-	9,34,819	68	-	-	9,35,720
अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्य प्रगति अधीन	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जोड़	10,11,277	-	28,55,107	6,32,63,502	10,63,54,571	2,16,454	-	-	17,39,73,252
									17,87,45,082


 वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
 भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली


 सदस्य-सचिव
 भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

5

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 2 (क) अक्षय निधियां

उद्दिष्ट/अक्षय निधियों' अनुसूची के 'अक्षय निधियां' कॉलम के आंकड़ों के समर्थन में उप अनुसूची का नमूना फॉर्मेट तुलन पत्र का शेष भाग

(राशि रुपये में)

1 क्र. सं.	2. अक्षय निधि का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान अभिवृद्धि		जोड़		वर्ष के दौरान उद्देश्य पर किया गया व्यय	अंत शेष		12. जोड़ (10+11)
		3. अक्षय निधि	4. संचित ब्याज	5. अक्षय निधि	6. ब्याज	7. अक्षय निधि (3+5)	8. संचित ब्याज (4+6)		10. अक्षय निधि	11. ब्याज	
1	सारामाई मेमोरियल ट्रस्ट	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

1. तुलन-पत्र के भाग के रूप में उद्दिष्ट निधियों की अनुसूची 2 के कॉलम 'अक्षय निधियां' के 'अथ शेष' के आंकड़े कॉलम 3 एवं 4 का जोड़ होंगे।

2. कॉलम 9 का जोड़ सामान्यतया कॉलम 8 के जोड़ से कम होगा क्योंकि अक्षय निधियों (पीठों के लिए अक्षय निधियों को छोड़कर) के उद्देश्य पर व्यय के लिए केवल ब्याज का प्रयोग किया जाना है।

3. अनुसूची में प्रायः नामे शेष नहीं होना चाहिए। यदि असाधारण मामले में किसी अक्षय निधि के प्रति नामे शेष है तो नामे शेष, अनुसूची-8 क्रण, अग्रिम एवं जमा में तुलन-पत्र की परिसंपत्ति की तरफ 'प्रायः' के रूप में दर्शाए जाने चाहिए।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

6

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची 3-चालू देनदारियां तथा प्रावधान

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष का जोड़	गत वर्ष का जोड़
क. चालू देनदारियां	-	-
1 कर्मचारी वर्ग से जमा	-	-
2 छात्रों से जमा	-	-
3 विविध ऋणदाता	-	-
क) सामान एवं सेवाओं के लिए	1,34,32,699	1,04,41,047
ख) अन्य (परिसंपत्तियों की खरीद)	61,44,036	26,34,420
ग) ठेकेदारों से रोका गया सेवा कर (देनदारियां)	11,34,727	11,34,727
4 जमा-अन्य (ईएमडी, प्रतिभूति जमा सहित)	13,12,554	15,64,894
5 सांविधिक देनदारियां (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस):	-	17,827
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य-आईआरसीटीसी को देय	-	-
6 अन्य चालू देनदारियां	-	-
क) वेतन (मार्च 2022)	1,95,75,855	1,95,41,272
ख) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्ति	-	-
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के लिए प्राप्ति	-	-
घ) अप्रयुक्त अनुदान	6,33,34,578	5,20,33,481
ड) अग्रिम अनुदान	-	-
च) अन्य निधियां (राशि में परिवर्तन)	-	-
छ) अन्य देय देनदारियां - भारत सरकार को देय अर्जित ब्याज (प्राप्त प्रोदभूत ब्याज सहित)	32,23,930	55,32,221
जोड़ (क)	10,81,58,379	9,28,99,889
ख. प्रावधान		
1. कराधान के लिए	-	-
2. ग्रेच्युटी/उपदान	5,41,84,849	5,42,19,433
3. अधिवर्षिता पेंशन	1,56,52,68,705	1,54,11,50,120
4. संचित छुट्टी नकदीकरण	3,79,76,845	3,87,67,516
5. ट्रेड वारंटी/दावे	-	-
6. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-
जोड़ (ख)	1,65,74,30,399	1,63,41,37,069
जोड़ (क+ख)	1,76,55,88,778	1,72,70,36,958

टिप्पणी : अप्रयुक्त अनुदान 6 (घ) में अगले वर्ष के लिए अग्रिम रूप से प्राप्त अनुदान शामिल होंगे।

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 3 (क) प्रायोजित परियोजनाएं

(राशि रुपये में)

क्रम सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान प्राप्ति/वसूलियां	जोड़	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष	
		जमा	नामे				जमा	नामे
1	अनुसंधान परियोजनाएं	-	-	-	-	-	-	-
2	प्रायोजित सेमिनार	-	-	-	-	-	-	-
	जोड़	-	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी

1. परियोजनाएं एजेंसी-वार तथा प्रत्येक एजेंसी के लिए उपजोड़ के साथ सूचीबद्ध की जाएं।
2. कॉलम 8 (जमा) का जोड़ तुलन-पत्र (अनुसूची 3) की देनदारियों की तरफ उपर्युक्त शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया जाएगा।
3. कॉलम 9 (नामे) का जोड़ तुलन-पत्र की परिसंपत्ति की तरफ अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम एवं जमा में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

8

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति

(राशि रुपये में)

क्रम सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.2023 की स्थिति के अनुसार अथ शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.2024 की स्थिति के अनुसार अंत शेष	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	-	-	-	-	-	-
2	मंत्रालय	-	-	-	-	-	-
3	अन्य (वैयक्तिक रूप से विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
	जोड़	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी

- कॉलम 7 (जमा) का जोड़ तुलन पत्र (अनुसूची 3) की देनदारियों के उपर्युक्त शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया जाएगा।
- कॉलम 8 (नामे) का जोड़ तुलन-पत्र की परिसंपत्ति की तरफ अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम एवं जमा में प्राप्य के रूप में दर्शाया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची -3 (ग) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. ओएच 31 भारत सरकार- शिक्षा मंत्रालय		
अग्रेनीत शेष	1,15,09,953	9,06,15,153
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	1,78,17,34,000	1,72,89,16,000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	-	-
iii) संस्थानों/संगठनों द्वारा वापस किया गया अप्रयुक्त अनुदान।	3,76,10,515	-
जोड़ (क)	1,83,08,54,468	1,81,95,31,153
धनवापसी/समायोजित	5,52,593	6,76,91,847
शेष	1,83,03,01,875	1,75,18,39,306
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	1,82,56,82,501	1,74,03,29,353
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
जोड़ (ख)	1,82,56,82,501	1,74,03,29,353
अग्रेनीत अप्रयुक्त राशि (क-ख)	46,19,374	1,15,09,953
ख. ओएच 35 भारत सरकार-शिक्षा मंत्रालय		
अग्रेनीत शेष	1,44,95,580	1,98,67,843
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	-	-
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	8,32,04,000	3,86,52,000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	-	-
iii) संस्थानों/संगठनों द्वारा वापस किया गया अप्रयुक्त अनुदान।	-	-
जोड़ (ग)	9,76,99,580	5,85,19,843
धनवापसी/समायोजित	6,11,83,410	3,07,73,743
शेष	3,65,16,170	2,77,46,100
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	1,81,13,329	1,32,50,520
जोड़ (घ)	1,81,13,329	1,32,50,520
अग्रेनीत अप्रयुक्त राशि (ग-घ)	1,84,02,841	1,44,95,580



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

10

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची -3 (ग) भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
ग. ओएच 36 अनुदान: भारत सरकार-शिक्षा मंत्रालय		
अग्रेनीत शेष	2,60,27,948	14,66,70,475
वर्ष के दौरान प्राप्तियां		-
i) एमएचआरडी से प्राप्त अनुदान	60,51,64,000	47,86,52,000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त रिफंड (धनवापसी)	-	-
iii) संस्थानों/संगठनों द्वारा वापस किया गया अप्रयुक्त अनुदान।	1,99,32,309	-
जोड़ (ड)	65,11,24,257	62,53,22,475
धनवापसी/समायोजित	1,97,19,252	1,67,33,798
शेष	63,14,05,005	60,85,88,677
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	59,10,92,642	58,25,60,729
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
अन्य भुगतान	-	-
जोड़ (च)	59,10,92,642	58,25,60,729
अग्रेनीत अप्रयुक्त राशि (ड-च)	4,03,12,363	2,60,27,948
*कुल जोड़ (क+ख+ग)	6,33,34,578	5,20,33,481

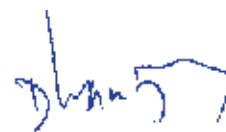
टिप्पणी:

1. अप्रयुक्त अनुदान में पूंजीगत लेखा के अग्रिम शामिल हैं।
2. अप्रयुक्त अनुदान में अगले वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल हैं।
3. अप्रयुक्त अनुदान, पूंजीगत लेखा में बैंक एवं अग्रिम के साथ बैंक शेष, लघु अवधि-जमा के रूप में परिसंपत्तियों की तरफ दर्शाए जाते हैं।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची 4- (अचल परिसंपत्तियां):- ओएच-35

(राशि रुपये में)

क्रम सं.	लेखा शीर्ष	वर्ष	अचल परिसंपत्ति की मदों का मूल्य				प्रभारित मूल्यहास				निलाल ब्लॉक				
			वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्तन	कटौतियाँ (अर्थात् वर्ष के दौरान बड़े खाते)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौतियाँ (अर्थात् बड़े खाते डाली गई)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल जोड़	चालू वर्ष के अंत तक मूल्य	गत वर्ष के अंत तक मूल्य	स्ट्रेलाइन मैशड के लिए पूर्ववर्ती वर्ष मूल्य	
मूल परिसंपत्ति															
i)	भवन (2%)	2023-24	19,85,27,653	-	-	-	19,85,27,653	10,41,53,828	20,07,953	-	-	10,61,61,781	9,23,65,872	9,43,73,825	10,03,97,684
		2024-25	19,85,27,653	2,29,184	-	-	19,87,56,837	10,61,61,781	20,12,537	-	-	10,81,74,318	9,05,82,519	9,23,65,872	10,03,97,684
ii)	यंत्र एवं मशीनरी (5%)	2023-24	3,68,46,620	14,07,838	21,08,743	3,93,559	3,65,39,274	1,71,88,729	12,05,490	18,12,462	-	1,65,81,757	1,99,57,517	1,96,57,891	2,26,04,673
		2024-25	3,65,39,274	47,36,197	-	6,431	4,12,81,902	1,65,81,757	14,42,621	-	322	1,80,24,700	2,32,57,202	1,99,57,517	2,41,09,789
iii)	वाहन-मिनी बस (10%)	2023-24	11,97,292	-	-	-	11,97,292	11,63,586	4,815	-	-	11,68,401	28,891	33,706	48,151
		2024-25	11,97,292	30,12,671	11,97,292	-	30,12,671	11,68,401	3,01,267	11,68,401	-	3,01,267	27,11,404	28,891	-
iv)	वाहन- कार (10%)	2023-24	35,24,325	-	-	-	35,24,325	19,49,527	2,24,971	-	-	21,74,498	13,49,827	15,74,798	22,49,711
		2024-25	35,24,325	8,65,040	-	-	43,89,365	21,74,498	3,11,475	-	-	24,85,973	19,03,392	13,49,827	22,49,711
v)	फर्नीचर व जुड़नारें (7.5%)	2023-24	2,82,10,567	19,74,105	4,82,923	2,40,000	2,99,41,749	1,69,95,568	12,06,441	3,50,444	-	1,78,51,565	1,20,90,184	1,12,14,999	1,40,04,256
		2024-25	2,99,41,749	8,66,960	-	93,403	3,09,02,112	1,78,51,565	12,78,469	-	-	1,91,30,034	1,17,72,078	1,20,90,184	1,80,85,882
vi)	कंप्यूटर व पैरिफेरल (20%)	2023-24	2,49,93,140	53,65,290	17,63,148	-	2,85,95,282	2,12,40,023	22,98,370	17,61,122	-	2,17,77,271	68,18,011	37,53,117	61,28,586
		2024-25	2,85,95,282	45,67,503	-	-	3,31,62,785	2,17,77,271	32,11,871	-	-	2,49,89,142	81,73,643	68,18,011	1,14,91,850
vii)	पुस्तकालय की पुस्तकें (10%)	2023-24	7,82,36,265	29,16,155	-	-72,831	8,10,79,589	7,19,62,170	10,50,319	-	-7,283	7,30,05,206	80,74,383	62,74,095	76,52,592
		2024-25	8,10,79,589	1,69,906	-	-	8,12,49,495	7,30,05,206	10,67,310	-	-	7,40,72,516	71,76,979	80,74,383	1,05,03,199

क्रम सं.	लेखा शीर्ष	वर्ष	अचल परिसंपत्ति की मदों का मूल्य					प्रभारित मूल्यहास					निवल ब्लॉक		
			वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	कटौतियां (अर्थात् वर्ष के दौरान बड़े खाते)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत में	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौतियां (अर्थात् बड़े खाते डाली गई)	सुधार/समायोजन	वर्ष के अंत तक कुल जोड़	चालू वर्ष के अंत तक मूल्य	गत वर्ष के अंत तक मूल्य	स्ट्रेटलाइन में जोड़ के लिए पूर्ववर्ती वर्ष मूल्य
viii)	उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकें (10%)	2023-24	20,28,835	31,268	-	-	20,60,103	18,16,360	30,744	-	-	18,47,104	2,12,999	2,12,475	2,76,168
		2024-25	20,60,103	-	-	43,270	21,03,373	18,47,104	35,071	-	-	18,82,175	2,21,198	2,12,999	3,07,436
ix)	कम मूल्य की परिसंपत्तियां 100%	2023-24	46,515	22,716	-	12,000	81,231	46,515	34,716	-	-	81,231	-	-	-
		2024-25	81,231	38,206	-	4,000	1,23,437	81,231	42,206	-	-	1,23,437	-	-	-
	जोड़ (क) :	2023-24	37,36,11,212	1,17,17,372	43,54,814	5,72,728	38,15,46,498	23,65,16,306	80,63,819	39,24,028	-7,283	24,06,48,814	14,08,97,684	13,70,94,906	15,33,61,821
		2024-25	38,15,46,498	1,44,85,667	11,97,292	1,47,104	39,49,81,977	24,06,48,814	97,02,827	11,68,401	322	24,91,83,562	14,57,98,415	14,08,97,684	16,51,45,551

अमूर्त परिसंपत्ति

i)	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (परिसंपत्ति (40%))	2023-24	-	12,39,000	-	22,40,560	34,79,560	-	13,91,824	-	-	13,91,824	20,87,736	-	-
		2024-25	34,79,560	36,27,662	-	61,43,735	1,32,50,957	13,91,824	53,00,383	-	-	66,92,207	65,68,750	20,87,736	34,79,560
	जोड़ (ख) :	2023-24	-	12,39,000	-	22,40,560	34,79,560	-	13,91,824	-	-	13,91,824	20,87,736	-	-
		2024-25	34,79,560	36,27,662	-	61,43,735	1,32,50,957	13,91,824	53,00,383	-	-	66,92,207	65,68,750	20,87,736	34,79,560
	कार्य प्रगति पर (ग)	2023-24	2,90,74,835	-	-	9,12,900	2,99,87,735	-	-	-	-	-	2,99,87,735	2,90,74,835	-
		2024-25	2,99,87,735	-	-	-9,12,900	2,90,74,835	-	-	-	-	-	2,90,74,835	2,99,87,735	-
	कुल जोड़ (क+ख+ग)	2023-24	40,26,86,047	1,29,56,372	43,54,814	37,26,188	41,50,13,793	23,65,16,306	94,55,643	39,24,028	-7,283	24,20,40,638	17,29,73,155	16,61,69,741	15,33,61,821
		2024-25	41,50,13,793	1,81,13,329	11,97,292	53,77,939	43,73,07,769	24,20,40,638	150,03,210	11,68,401	322	25,58,75,769	18,14,32,000	17,29,73,155	16,86,25,111

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 5 उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
4. शेयर	-	-
5. डिबेंचर एवं बॉन्ड	-	-
6. बैंक में सावधि जमा	3,02,90,159	2,57,50,080
7. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए) फ्लेक्सी सेविंग बैंक शेष	14,27,47,373	15,18,18,463
8. कार्य प्रगति पर	-	-
जोड़	17,30,37,532	17,75,68,543



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

13

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची-5 (क): उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश (निधि-वार)

(राशि रुपये में)

क्र.सं.	निधियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	भवन निधि	10,10,444	9,64,529
2	पेंशन निधि	-	-
3	परियोजना/सेमिनार आईसीएसएसआर नई दिल्ली	28,55,107	35,47,028
4	इम्प्रेस योजना	6,32,63,502	6,84,06,994
5	आईसीएसएसआर गेस्ट हाउस	10,54,19,752	10,42,86,944
6	सेमिनार/कार्यशाला/परियोजनाओं के लिए अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान	2,16,386	3,63,048
7	एएसएसआरआईसी	2,72,341	-
8	आरएससीआईएसआर-आईसीएसएसआर	-	-
9	साराभाई स्मारक ट्रस्ट	-	-
10	जोड़	17,30,37,532	17,75,68,543

इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के जोड़ के अनुरूप होगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 6- निवेश-अन्य

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
4. शेयर	-	-
5. डिबेंचर एवं बॉन्ड	-	-
6. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	-	-
जोड़	-	-



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

15

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची -7- चालू परिसंपत्तियां

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. स्टॉक:		
क) भंडारण एवं स्पेयर	-	-
ख) पोस्टेज	1,82,431	73,918
ग) प्रकाशन	22,94,045	23,52,710
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य वस्तु एवं ग्लास वेयर	-	-
ङ) भवन सामग्री	-	-
च) विद्युत सामग्री	-	-
छ) लेखन सामग्री	18,66,629	23,62,627
ज) हाउस कीपिंग सामग्री	1,68,728	1,95,712
2. विविध देनदार:	-	-
क) 6 महीने से अधिक अवधि के बकाया ऋण	18,96,753	18,96,753
ख) अन्य	-	-
3. नकद एवं बैंक शेष:	-	-
नकदी (कैश इन हैंड)	-	-
क) अनुसूचित बैंकों के साथ:	-	-
i) चालू खाते में	-	-
ii) सावधि जमा खाते में	-	-
iii) बचत खाते में	8,53,47,340	11,79,25,108
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ:	-	-
i) सावधि जमा खाते में	-	-
ii) बचत खाते में (ट्रांजिट में जारी)	35,67,546	-
4. पोस्ट ऑफिस-बचत खाता	-	-
जोड़	9,53,23,472	12,48,06,828

टिप्पणी: अनुलग्नक 'क' बैंक खाते का विवरण दर्शाता है।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची 7 का अनुलग्नक 'क'

बचत बैंक खाता

(राशि रुपये में)

क्र.सं.	मुख्यालय/क्षेत्रीय केंद्र	बैंक का नाम	खाता नम्बर	चालू वर्ष	गत वर्ष
1	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली	10671201006	-	-
2	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050001	6,67,13,345	9,00,55,734
3	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050825	5,93,695	5,74,233
4	मुख्यालय भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	8474101050826	14,30,663	14,23,758
5	डब्ल्यूआरसी भा.सा.वि.अ.प., मुंबई	इलाहाबाद बैंक, मुंबई	200595041	16,29,038	53,28,954
6	एनईआरसी भा.सा.वि.अ.प., शिलांग	भारतीय स्टेट बैंक, शिलांग	30788221168	17,09,553	30,65,267
7	ईआरसी भा.सा.वि.अ.प., कोलकाता	भारतीय स्टेट बैंक, कोलकाता	11000016054	15,67,104	49,69,975
8	एसआरसी भा.सा.वि.अ.प., हैदराबाद	भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद	39768487048	47,39,993	59,23,029
9	एनडब्ल्यूआरसी भा.सा.वि.अ.प., चंडीगढ़	कैनरा बैंक, चंडीगढ़	2845101000543	62,56,188	45,64,159
10	एनआरसी, नई दिल्ली	कैनरा बैंक भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली	847410150286	7,07,761	20,19,999
	जोड़			8,53,47,340	11,79,25,108



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली

17

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 8- ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (गैर ब्याज वाला)		
क) वेतन	-	-
ख) त्यौहार	-	-
ग) चिकित्सा अग्रिम	20,878	19,483
घ) एलटीसी अग्रिम	-	-
ङ) अन्य अग्रिम	-	1,04,714
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम: (ब्याज वाला)		
क) वाहन ऋण	-	-
ख) गृह ऋण	-	25,000
ग) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	4,99,889	5,51,454
3. अग्रिम या किसी अन्य प्रकार से नकद या वस्तु के रूप में प्राप्त वसूली योग्य राशि:		
क) मरम्मत और रखरखाव लेखा पर (एनपीसीसी)	31,74,004	31,74,004
ख) आपूर्तिकर्ताओं को	1,27,08,514	39,23,008
ग) अन्य-	9,12,900	9,12,900
4. प्री पेड व्यय	-	-
क) बीमा		
ख) अन्य व्यय	-	-
i) एएमसी	-	80,535
ii) जर्नल का सब्सक्रिप्शन और ई-रिसोर्सेस आदि	2,83,02,537	3,27,37,294
iii) अन्य कोई व्यय	-	573
कुल	4,56,18,722	4,15,28,965

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

अनुसूची - 8- ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
5. जमा		
क) टेलीफोन	16,746	16,746
ख) पट्टा किराया	-	-
ग) विद्युत	8,990	8,990
घ) एआईसीटीई, यदि लागू हो	-	-
ड.) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) मैसर्स इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	2,88,608	2,88,608
च) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) अन्य विभागों/स्थानीय निकायों में जमा	18,99,615	18,99,615
6. प्रोद्भूत आय:	-	-
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश पर	9,35,720	11,76,539
ख) निवेश पर-अन्य	-	-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-
घ) अन्य (जमा पर ब्याज)	-	-
7. अन्य-यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य चालू परिसंपत्तियां	-	-
क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	41,000	41,000
ख) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति में नामे शेष	-	-
ग) प्राप्य अनुदान	3,00,00,000	-
घ) अन्य प्राप्य	2,35,629	1,49,768
8. दावे प्राप्य रॉयल्टी	-	-
जोड़	3,34,26,308	35,81,266
कुल जोड़	7,90,45,030	4,51,10,231

टिप्पणी: यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर एवं वाहन अग्रिम देने के लिए परिक्रमी निधि सृजित की गई हैं तो अग्रिम, उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के भाग के रूप में दर्शाए जाएंगे। इन ब्याज वाले अग्रिमों के अधिशेष को इस अनुसूची में नहीं दर्शाया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

19

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 9- अकादमिक प्राप्तियां

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
छात्रों से शुल्क		
1. ट्यूशन शुल्क	-	-
2. प्रवेश शुल्क	-	-
3. नामांकन शुल्क	-	-
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	-	-
5. प्रयोगशाला शुल्क	-	-
6. कला और शिल्प शुल्क	-	-
7. पंजीकरण शुल्क	-	-
8. पाठ्यक्रम शुल्क	-	-
जोड़ (क)	-	-
परीक्षा		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	-
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	-	-
3. अंक सूची, प्रमाण पत्र शुल्क	-	-
4. प्रवेश (एंटरेंस) परीक्षा शुल्क	-	-
जोड़ (ख)	-	-

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25
वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 9- अकादमिक प्राप्तियां

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-	-
2. जुर्माना/विविध शुल्क	-	-
3. चिकित्सा शुल्क	-	-
4. परिवहन शुल्क	-	-
5. छात्रावास शुल्क	-	-
जोड़ (ग)	-	-
प्रकाशनों की बिक्री		
1. प्रवेश फार्मों की बिक्री	-	-
2. पाठ्यक्रम विवरण की बिक्री एवं प्रश्नपत्र आदि	-	-
3. प्रवेश फार्मों सहित प्रोसपेक्टस की बिक्री	-	-
जोड़ (घ)	-	-
अन्य अकादमिक प्राप्तियां		
1. कार्यशाला, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क	-	-
2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज)	-	-
जोड़ (ङ)	-	-
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)	-	-

टिप्पणी: यदि शुल्क यथा प्रवेश शुल्क, अभिदान आदि सामग्री है तथा पूंजीगत प्राप्तियों की प्रकृति का है तो ऐसी राशि को पूंजीगत निधि के रूप में माना जाना चाहिए। अन्यथा ऐसा शुल्क इस अनुसूची में उपयुक्त रूप से समाहित किया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
 भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
 भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

21

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 10- अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

(राशि रुपये में)

विवरण	ओएच-31	ओएच -35	ओएच -36	चालू वर्ष जोड़	गत वर्ष जोड़
अग्रणीत शेष	1,15,09,953	1,44,95,580	2,60,27,948	5,20,33,481	25,71,53,471
जोड़ें वर्ष के दौरान प्राप्तियां					
i) शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	1,78,17,34,000	8,32,04,000	60,51,64,000	2,47,01,02,000	2,24,62,20,000
ii) क्षेत्रीय केंद्रों से प्राप्त वापसी	-	-	-	-	-
iii) संस्थाओं/संगठनों द्वारा वापस किया गया अप्रयुक्त अनुदान।	3,76,10,515	-	1,99,32,309	5,75,42,824	-
जोड़	1,83,08,54,468	9,76,99,580	65,11,24,257	2,57,96,78,305	2,50,33,73,471
घटाएं: वापसी	5,52,593	6,11,83,410	1,97,19,252	8,14,55,255	11,51,99,388
शेष	1,83,03,01,875	3,65,16,170	63,14,05,005	2,49,82,23,050	2,38,81,74,083
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (क)	-	1,81,13,329	-	1,81,13,329	1,32,50,520
शेष	1,83,03,01,875	1,84,02,841	63,14,05,005	2,48,01,09,721	2,37,49,23,563
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए उपयोग (ख)	1,82,56,82,501	-	59,10,92,642	2,41,67,75,143	2,32,28,90,082
अग्रणीत शेष (ग)	46,19,374	1,84,02,841	4,03,12,363	6,33,34,578	5,20,33,481

क. इसे वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों की अभिवृद्धि और पूंजीगत निधि की अभिवृद्धि के रूप में दर्शाया जाता है।

ख. आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में दर्शाया जाता है।

ग. (i) तुलन पत्र में चालू देनदारियों के अंतर्गत दर्शाई गई राशि अगले वर्ष अथ शेष बन जाएगी।

(ii) परिसंपत्तियों की तरफ बैंक शेष, निवेश एवं अग्रिमों द्वारा दर्शाया गया।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25
वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 11- निवेश से आय

(राशि रुपये में)

विवरण	उद्दिष्ट/अक्षय निधि		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. ब्याज	-	-	-	-
क) सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड/डिबेंचर	-	-	-	-
2. सावधि जमा राशि पर ब्याज (फ्लेक्सी ए/सी)	16,99,866	3,49,004	-	-
3. सावधि जमा/ कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों में उपार्जित परन्तु अदेय आय	9,35,720	11,76,343	-	-
4. बचत बैंक खाते पर ब्याज	42,00,998	52,69,230	-	-
5. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
जोड़	68,36,584	67,94,577	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधि को अंतरण	68,36,584	67,94,577	-	-
शेष	-	-	-	-

टिप्पणी: भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि एवं कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर प्रोदभूत ब्याज परन्तु देय नहीं तथा कर्मचारियों का ब्याज वाला अग्रिम यहां (मद सं. 3) शामिल किया जाएगा, केवल वहां जहां ऐसे अग्रिमों के लिए परिक्रामी निधि (ईएमएफ) स्थापित किए गए हैं।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

23

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 12- अर्जित ब्याज

(राशि रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क) अर्जित ब्याज		
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	32,07,430	54,39,608
2. ऋणों पर		
क) कर्मचारी/स्टाफ	16,500	92,613
ख) अन्य	-	-
3. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर	-	-
जोड़	32,23,930	55,32,221
विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
ख) जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार		
i. जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्त आय	-	-
ii) जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार	-32,23,930	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के दौरान प्राप्त आय	-	-
वर्ष के अंत में निवल आय (क+ख)	-	55,32,221

टिप्पणी:

- उद्धृष्ट/अक्षय निधियों के बैंक खाते के संबंध में मद 1 में दर्शित राशि अनुसूची 11 (प्रथम भाग) एवं अनुसूची के साथ व्यवहृत की जाएगी।
- मद 2(क) केवल तभी लागू है जब ऐसे अग्रिमों के लिए परिक्रामी निधियां नहीं बनाई गई हों।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 13-अन्य आय

विविध आय में शामिल सामग्री की मदों को अलग से दिखाया जाए

(राशि रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
क. भूमि एवं भवनों से आय		-
1. छात्रावास के कमरे का किराया	5,11,375	3,94,313
2. लाइसेंस शुल्क	3,990	2,220
3. कॉन्फ्रेंस हॉल/गेस्ट हाउस एनेक्सी/सम्मेलन केंद्र आदि का किराया प्रभार	96,000	88,800
4. वसूल किए गए विद्युत प्रभार	-	-
5. वसूल किए गए जल प्रभार	-	-
जोड़	6,11,365	4,85,333
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
ग. कार्यक्रमों के आयोजनों से आय	-	-
1. वार्षिक समारोह/खेल कार्निवल से सकल प्राप्ति	-	-
घटाएं: वार्षिक समारोह/खेल कार्निवल पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-	-
2. उत्सवों से सकल प्राप्ति	-	-
घटाएं: उत्सवों पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-	-
3. शैक्षिक दौरे के लिए सकल प्राप्ति	-	-
घटाएं: दौरे पर किए गए प्रत्यक्ष व्यय	-	-
4. अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए एवं अलग से दर्शाया जाए)	-	-
जोड़	-	-

25

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 13-अन्य आय

विविध आय में शामिल सामग्री की मदों को अलग से दिखाया जाए

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष	गत वर्ष
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	-	-
2. आरटीआई शुल्क	190	290
3. रॉयल्टी से आय	52,268	45,420
4. आवेदन पत्र की बिक्री (भर्ती)	1,85,600	9,99,600
5. विविध प्राप्तियां (निविदा फार्म की बिक्री, वेस्ट पेपर, बस किराया आदि)	1,69,604	3,37,575
6. बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटान पर लाभ	-	-
क) स्व: परिसंपत्तियां	-	-
ख) निशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
7. संस्थानों, कल्याण निकायों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-	-
8. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-
i) ग्रंथ सूची की फोटोकॉपी, संकलन	36,105	31,094
ii) अनुपयुक्त अप्रचलित स्टोर्स की बिक्री	4,37,998	7,93,288
iii) लेखा परीक्षा वसूली	22,80,985	1,56,585
iv) प्राप्ति	95,572	-
v) विविध आय (अव्ययित शेष)	13,86,291	4,21,18,509
जोड़	46,44,613	4,44,82,361
कुल जोड़ (क + ख + ग + घ)	52,55,978	4,49,67,694
विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
ख) जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार		
i. जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्य आय	1,81,433	1,49,768
ii) जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार	-	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के दौरान प्राप्त आय	95,572	-
वर्ष के अंत में निवल आय (क + ख + ग + घ + इ)	53,41,839	4,51,17,462

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची - 14- पूर्व अवधि आय

(राशि रुपये में)

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
1. अकादमिक प्राप्ति	-	-
2. निवेश से आय	-	-
3. अर्जित ब्याज	-	-
4. अन्य आय	-	-
(क) जल एवं विद्युत प्रभार	-	-
जोड़	-	-



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

27

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-15-कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि रुपये में)

क) कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) वेतन एवं मजदूरी	-	56,98,32,289	56,98,32,289	-	56,50,32,655	56,50,32,655
ख) भत्ते एवं बोनस	-	81,250	81,250	-	90,000	90,000
ग) भविष्य निधि में अंशदान (सीपीएफ)	9,25,294	-	9,25,294	7,31,063	-	7,31,063
घ) अन्य निधि में अंशदान (विनिर्दिष्ट करें) एनपीएस	27,02,315	-	27,02,315	23,60,677	-	23,60,677
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	-	-	-	-
च) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ	-	-	-	-	-	-
(i) पेंशन संराशीकरण सहित पेंशन	-	-	-	-	-	-
(ii) डिपोजिट लिंकड बीमा	-	-	-	1,20,000	-	1,20,000
(iii) उपदान (ग्रेच्यूटी)	-	-	-	-	-	-
(iv) छुट्टी नकदीकरण	-	-	-	-	-	-
छ) छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा (एलटीसी)	-	4,73,708	4,73,708	-	1,39,654	1,39,654
ज) चिकित्सा सुविधा	-	25,64,629	25,64,629	-	17,28,403	17,28,403
झ) संतान शिक्षा भत्ता	-	5,55,363	5,55,363	-	6,75,288	6,75,288
ञ) मानदेय/समयोपरि भत्ता	-	3,405	3,405	-	18,500	18,500
ट) अन्य (i) छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान	-	81,380	81,380	-	35,97,189	35,97,189
1) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
i) कर्मचारी को यात्रा भत्ता (टीए)	-	1,98,369	1,98,369	-	2,82,615	2,82,615
ii) ब्याज की कमी जीपीएफ/सीपीएफ	95,574	-	95,574	1,93,722	-	1,93,722
iii) विविध (छुट्टी नकदीकरण एलटीसी)	-	4,63,211	4,63,211	-	3,10,594	3,10,594
जोड़ (क)	37,23,183	57,42,53,604	57,79,76,787	34,05,462	57,18,74,898	57,52,80,360

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25
वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपये में)

ख) जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान किया गया समायोजन/सुधार	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	86,49,618	1,09,26,237	1,95,75,855	99,05,041	96,36,231	1,95,41,272
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्च के सापेक्ष व्यय	573	1,14,197	1,14,770	-	4,81,784	4,81,784
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान राशि	99,05,041	96,36,231	1,95,41,272	75,48,354	98,52,731	1,74,01,085
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	573	-	573
v) सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ	13,20,49,239	1,60,13,783	14,80,63,022	17,05,26,463	-33,83,125	16,71,43,338
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	13,45,17,572	59,16,71,590	72,61,89,162	17,62,88,039	56,87,57,057	74,50,45,096



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

29

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-15 क- कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हित-लाभ

(राशि रुपये में)

	पेंशन	ग्रेच्युटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
1.4.2024 को अथ शेष	1,54,11,50,120	5,42,19,433	3,87,67,516	1,63,41,37,069
अभिवृद्धि: अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीगत मूल्य	1,67,051	-	-	1,67,051
जोड़ (क)	1,54,13,17,171	5,42,19,433	3,87,67,516	1,63,43,04,120
घटाएं: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	10,80,97,705	1,02,62,554	65,76,484	12,49,36,743
31.03.2025 को उपलब्ध शेष ग(क-ख)	1,43,32,19,466	4,39,56,879	3,21,91,032	1,50,93,67,377
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2025 को अपेक्षित प्रावधान (घ)	1,56,52,68,705	5,41,84,849	3,79,76,845	1,65,74,30,399
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	13,20,49,239	1,02,27,970	57,85,813	14,80,63,022
ख. नई पेंशन योजना में अंशदान	-	-	-	-
ग. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
घ. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ड डिपोजिट लिंकड बीमा भुगतान	-	-	-	-
जोड़ (क+ख+ग+घ+ड)	13,20,49,239	1,02,27,970	57,85,813	14,80,63,022

टिप्पणी:

1. इस उप अनुसूची के जोड़ (क+ख+ग+घ+ड) को अनुसूची 15 में सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ दर्शाया जाएगा।
2. मद ख, ग, घ एवं ड की गणना प्रोद्भूत आधार पर की जाएगी एवं 31.3.2025 को भुगतान के लिए अधिमानतः परन्तु बकाया बिलों को शामिल किया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
समेकित वार्षिक लेखा 2024-25
वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-16-अकादमिक व्यय

(राशि रुपये में)

क) अकादमिक व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) प्रयोगशाला व्यय	-	-	-	-	-	-
ख) सम्मेलन में फील्ड कार्य/भागीदारी	-	-	-	-	-	-
ग) सेमिनार/कार्यशाला पर व्यय	-	-	-	-	-	-
घ) विजिटिंग फैकल्टी को भुगतान	-	-	-	-	-	-
ङ) परीक्षा	-	-	-	-	-	-
च) छात्र कल्याण व्यय	-	-	-	-	-	-
छ) प्रवेश व्यय	-	-	-	-	-	-
ज) दीक्षांत समारोह व्यय	-	-	-	-	-	-
झ) प्रकाशन	-	-	-	-	-	-
ञ) वृत्तिका/माध्यम-सह-मेरिट छात्रवृत्तियां	-	-	-	-	-	-
ट) अभिदान व्यय	-	-	-	-	-	-
ठ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
जोड़ (क)	-	-	-	-	-	-

31

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-16-अकादमिक व्यय

(राशि रुपये में)

ख) जोड़ें/घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	-	-	-	-	-	-
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चों के लिए व्यय	-	-	-	-	-	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	-	-	-	-	-	-
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	-	-	-	-	-	-



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-17-प्रशासन एवं सामान्य व्यय

(राशि रुपये में)

क) प्रशासन एवं सामान्य व्यय	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क1. अवसंरचना						
क) विद्युत प्रभार	98,04,457	-	98,04,457	91,03,582	-	91,03,582
ख) जल प्रभार	1,14,518	-	1,14,518	1,10,510	-	1,10,510
ग) बीमा	43,714	-	43,714	40,010	-	40,010
घ) किराया, दर एवं संपत्ति कर सहित कर	11,81,005	-	11,81,005	11,49,518	-	11,49,518
क2. संचार						
ड) पोस्टेज और टेलीग्राम	4,19,722	-	4,19,722	2,26,206	-	2,26,206
च) टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	9,82,147	-	9,82,147	10,55,331	-	10,55,331
क3. अन्य						
छ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	31,09,809	-	31,09,809	36,45,237	-	36,45,237
ज) यात्रा एवं वाहन व्यय	27,79,646	-	27,79,646	18,62,284	-	18,62,284
झ) आतिथ्य	4,07,439	-	4,07,439	7,03,518	-	7,03,518
ञ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	9,51,260	-	9,51,260	10,52,750	-	10,52,750
ट) व्यावसायिक प्रभार	1,22,04,883	-	1,22,04,883	92,87,116	-	92,87,116
ठ) विज्ञापन एवं प्रचार	3,38,950	-	3,38,950	2,76,882	-	2,76,882
ड) पत्रिका एवं जर्नल	5,05,242	-	5,05,242	21,08,488	-	21,08,488
ढ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
i) मूल्य रहित प्रकाशन	3,76,268	-	3,76,268	5,06,285	-	5,06,285
ii) सदस्यता शुल्क	39,150	-	39,150	1,95,847	-	1,95,847
iii) बैंक प्रभार	51,107	-	51,107	1,75,902	-	1,75,902
iv) अन्य आकस्मिकता	43,83,052	-	43,83,052	62,31,003	-	62,31,003
v) अनुसंधान योजना की आकस्मिकता	-	-	-	-	-	-
(क) सितिंग फीस/मानदेय	90,71,500	-	90,71,500	-	-	-
(ख) विशेषज्ञों से संबंधित टीए	74,18,774	-	74,18,774	-	-	-
(ग) ई-संसाधन सदस्यता	4,08,37,477	-	4,08,37,477	-	-	-
(घ) विविध व्यय	1,28,20,687	-	1,28,20,687	-	-	-
जोड़ (क)	10,78,40,807	-	10,78,40,807	3,77,30,469	-	3,77,30,469

33

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-17-प्रशासन एवं सामान्य व्यय

(राशि रुपये में)

ख) जोड़ें/घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/ सुधार	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	1,04,69,868	-	1,04,69,868	28,75,777	-	28,75,777
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चों के लिए व्यय	3,69,62,791	-	3,69,62,791	21,69,405	-	21,69,405
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	63,68,447	-	63,68,447	27,52,696	-	27,52,696
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	3,03,51,597	-	3,03,51,597	24,36,545	-	24,36,545
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	11,85,53,422	-	11,85,53,422	3,75,86,410	-	3,75,86,410



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-18-परिवहन व्यय

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) परिवहन व्यय						
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)						
क) परिचालन व्यय	3,73,334	-	3,73,334	4,23,163	-	4,23,163
ख) मरम्मत एवं अनुरक्षण	1,26,160	-	1,26,160	80,905	-	80,905
ग) बीमा व्यय	4,326	-	4,326	-	-	-
2. किराए/लीज पर लिए गए वाहन	-	-	-	-	-	-
क) किराया/लीज व्यय	-	-	-	-	-	-
3. वाहन (टैक्सी) भाड़ा व्यय	2,20,205	-	2,20,205	5,382	-	5,382
जोड़ (क)	7,24,025	-	7,24,025	5,09,450	-	5,09,450
ख) जोड़ें/घटाएं:						
वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	1,03,659	-	1,03,659	36,844	-	36,844
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्च के लिए व्यय	-	-	-	-	-	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	36,844	-	36,844	33,078	-	33,078
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल मूल्य:	7,90,840	-	7,90,840	5,13,216	-	5,13,216

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

35

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-19-मरम्मत एवं अनुरक्षण

(राशि रुपये में)

मद	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण						
क) भवन	61,07,754	-	61,07,754	48,26,582	-	48,26,582
ख) फर्नीचर एवं जुड़नारें	4,00,745	-	4,00,745	6,82,246	-	6,82,246
ग) संयंत्र एवं मशीनरी	64,697	-	64,697	2,76,391	-	2,76,391
घ) कार्यालय उपस्कर	4,62,368	-	4,62,368	28,576	-	28,576
ङ) कंप्यूटर	13,74,448	-	13,74,448	11,68,249	-	11,68,249
च) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपस्कर	-	-	-	-	-	-
छ) दृश्य-श्रव्य उपस्कर	-	-	-	-	-	-
ज) सफाई सामग्री एवं सेवा	47,64,534	-	47,64,534	48,23,206	-	48,23,206
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	240	-	240	240	-	240
ञ) बागवानी	25,12,739	-	25,12,739	25,37,074	-	25,37,074
ट) संपदा अनुरक्षण	1,05,48,971	-	1,05,48,971	1,08,73,203	-	1,08,73,203
ठ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	1,900	-	1,900	-	-	-
जोड़ (क)	2,62,38,396	-	2,62,38,396	2,52,15,767	-	2,52,15,767

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-19-मरम्मत एवं अनुरक्षण

(राशि रुपये में)

मद	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच-31	ओएच-36	जोड़	ओएच-31	ओएच-36	जोड़
ख) जोड़ें/घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	26,97,972	-	26,97,972	38,74,556	-	38,74,556
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्च के लिए व्यय	2,72,460	-	2,72,460	39,41,195	-	39,41,195
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	38,74,556	-	38,74,556	29,75,036	-	29,75,036
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	1,64,941	-	1,64,941	2,72,460	-	2,72,460
वर्ष के अंत में निवल मूल्य:	2,51,69,331	-	2,51,69,331	2,97,84,022	-	2,97,84,022

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

37

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-20-वित्त लागत

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) वित्त लागत						
क) बैंक प्रभार	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-
जोड़ (क)	-	-	-	-	-	-
ख) जोड़ें/घटाएं:						
वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	-	-	-	-	-	-
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्चों के लिए व्यय	-	-	-	-	-	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	-	-	-	-	-	-
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:-

यदि राशि मैटिरियल नहीं है। तो शीर्ष बैंक प्रभारों को हटाया जा सकता है और इन्हें अनुसूची 17 में प्रशासन व्यय के रूप में शामिल किया जा सकता है।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-21-अन्य व्यय

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष				गत वर्ष			
	ओएच-31	ओएच-35	ओएच-36	जोड़	ओएच-31	ओएच-35	ओएच-36	जोड़
क) अन्य व्यय								
क) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण/ अग्रिम के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) बड़े खाते डाले गए अप्रतिसंहरणीय शेष	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी								
i) क्षेत्रीय केन्द्र	-	-	-	-	-	-	-	-
ii) अनुसंधान संस्थान	13,27,34,747	-	-	13,27,34,747	11,80,62,000	-	-	11,80,62,000
iii) अन्य संस्थान	1,44,63,23,638	-	-	1,44,63,23,638	1459136140	-	-	1,45,91,36,140
घ) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-
जोड़ (क)	1,57,90,58,385	-	-	1,57,90,58,385	1577198140	-	-	1,57,71,98,140
ख) जोड़ें/घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार								
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	-	-	-	-	34,92,670	-	-	34,92,670
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्च के लिए व्यय	-	-	-	-	1,81,29,436	-	-	1,81,29,436
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	-	-	-	-	9,52,070	-	-	9,52,070
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	-	3,27,37,294	-	-	3,27,37,294
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	1,57,90,58,385	-	-	1,57,90,58,385	1,56,51,30,882	-	-	1,56,51,30,882

टिप्पणी:-

अन्य व्यय को बड़े खाते डालने, प्रावधान, विविध व्यय, निवेशों की बिक्री पर हानि, अचल परिसंपत्ति की हानि तथा अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर हानि के रूप में वर्गीकृत तथा तदनुसार प्रकट किया जाएगा।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव

भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

39

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखे 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची 21 का अनुलग्नक क

(राशि रुपये में)

प्रभाग	चालू वर्ष				गत वर्ष			
	ओएच-31	ओएच-35	ओएच-36	जोड़	ओएच-31	ओएच-35	ओएच-36	जोड़
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सेमिनार (आईसीएस)	5,46,92,685	-	-	5,46,92,685	-	-	-	-
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार (एनआईएस)	11,31,80,549	-	-	11,31,80,549	-	-	-	-
प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण (टीसीबी)	6,08,72,828	-	-	6,08,72,828	-	-	-	-
रिसर्च फेलोशिप डॉक्टरल (आरएफडी)	12,46,77,134	-	-	12,46,77,134	-	-	-	-
रिसर्च फेलोशिप सीनियर (आरएफएस)	19,64,92,802	-	-	19,64,92,802	-	-	-	-
अनुसंधान परियोजना (आरपी)	33,64,57,535	-	-	33,64,57,535	-	-	-	-
स्पेशल कॉल प्रभाग (एससीडी)	55,07,60,750	-	-	55,07,60,750	-	-	-	-
अनुसंधान संस्थान और समीक्षा समिति (आरआई और आरसी)	13,27,34,747	-	-	13,27,34,747	-	-	-	-
क्षेत्रीय केंद्र (आरसी)	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रकाशन एवं अनुसंधान सर्वेक्षण (पीआरएस)	91,89,355	-	-	91,89,355	-	-	-	-
नैस्डॉक और एस.एस.प्रमोशन	-	-	-	-	-	-	-	-
जोड़	1,57,90,58,385	-	-	1,57,90,58,385	-	-	-	-



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय एवं व्यय लेखा

अनुसूची-22- पूर्व अवधि व्यय

(राशि रुपये में)

	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	ओएच -31	ओएच -36	जोड़	ओएच -31	ओएच -36	जोड़
क) पूर्व अवधि व्यय						
1. स्थापना व्यय	-	-	-	-	-	-
2. अकादमिक व्यय	-	-	-	-	-	-
3. प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-	-
4. परिवहन व्यय	-	-	-	-	-	-
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-	-	-	-	-
6. अन्य व्यय	-	-	-	-	-	-
जोड़ (क)	-	-	-	-	-	-
ख) जोड़ें/घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए समायोजन/सुधार						
i) जोड़ें: वर्ष के लिए बकाया राशि	-	-	-	-	-	-
ii) जोड़ें/घटाएं: गत वर्ष के अग्रिम के समायोजन/प्री पेड खर्च के लिए व्यय	-	-	-	-	-	-
iii) घटाएं: गत वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि	-	-	-	-	-	-
iv) घटाएं: प्री-पेड व्यय (अर्थात् बाद के वर्ष के लिए भुगतान की गई राशि)	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल मूल्य: (क+ख)	-	-	-	-	-	-



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

अनुसूची-23- महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियां

1. लेखाकरण परंपरा

- 1.1 वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो और लेखाकरण की प्रोद्भूत प्राप्ति के आधार पर तैयार किए गए हैं।

2. माल सूची मूल्यांकन

- 2.1 प्रकाशनों का मूल्यांकन उनकी लागत अथवा वसूली योग्य कीमत, जो भी कम हो, पर किया गया है।

3. अचल परिसंपत्तियां

- 3.1 अचल परिसंपत्तियों का उल्लेख अर्जन की लागत पर किया गया है जिसमें आवक भाड़ा, ड्यूटी और अर्जन से संबंधित कर तथा प्रासंगिक व प्रत्यक्ष व्यय भी सम्मिलित है। निर्माण वाली परियोजनाओं के संबंध में पूर्व प्रचालन व्यय (विशिष्ट परियोजना की पूर्णता से पहले परियोजना के लिए ऋण पर ब्याज सहित) पूंजीकृत परिसंपत्तियों के मूल्य का भाग है।
- 3.2 उपहार/ दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां, यदि कोई है, का मूल्य, घोषित मूल्य, जहां उपलब्ध हैं, लगाया जाता है, यदि उपलब्ध नहीं है वहां मूल्य का अनुमान परिसंपत्ति की प्रत्यक्ष स्थिति के संदर्भ में वर्तमान बाजार मूल्य समायोजित करके लगाया जाता है। इन्हें पूंजीगत निधि में जमा करके संस्थानों की अचल परिसंपत्तियों को मिलाकर स्थापित किया जाता है। संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यहास प्रभारित किया जाता है।
- 3.3 उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन पुस्तकों पर छपे विक्रय मूल्य पर किया जाता है जहां मूल्य मुद्रित नहीं हैं, वहां मूल्य शून्य मान लिया जाता है।
- 3.4 जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने आईसीएसएसआर मुख्यालय नई दिल्ली को अरुणा आसफ अली मार्ग नई दिल्ली में 5.63 एकड़ भूमि प्रति वर्ष 1/- रुपये के लीज किराए पर प्रदान की है। इस आशय का करार, विश्वविद्यालय अधिनियम 1966 (1966 का 33) के तहत 31 मई 2002 को किया गया है।
- 3.5 परियोजना निधि से खरीदे गए सभी उपकरण और पुस्तकें संबंधित संस्थान की संपत्ति होंगी, और संस्थान के प्रमुख/ रजिस्ट्रार/ प्रिंसिपल द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित विस्तृत स्टॉक प्रमाण पत्र अंतिम रिपोर्ट के साथ आईसीएसएसआर को प्रस्तुत किया गया है।

4. अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यहास

- 4.1 मूल्यहास, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अब शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए विनिर्दिष्ट वित्तीय विवरण के प्रोफॉर्मा में निर्धारित दरों पर स्ट्रेट लाइन पद्धति के अनुसार प्रभारित किया जाता है।
- 4.2 वित्तीय वर्ष 2019-20 तक अचल संपत्तियों पर अवमूल्यन आयकर अधिनियम के तहत निर्धारित दरों पर रिटन डाउन वैल्यू पद्धति पर लगाया जाता था। वर्ष 2020-21 से अवमूल्यन की पद्धति को स्ट्रेट लाइन पद्धति के रूप में बदल दिया गया है और शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरण के प्रारूप के तहत निर्धारित दरों पर अवमूल्यन प्रभारित किया जाता है।
- 4.3 मूल्यहास, वर्ष के दौरान परिवर्धनों पर पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है।

5. बिक्री के संबंध में लेखाकरण

- 5.1 बिक्री की गणना बिक्री प्राप्ति और छूट/ बट्टे के निवल स्वरूप में की जाती है।

6. राजस्व मान्यता

आय और व्यय की निम्नलिखित मदों को नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है:

(क) आय

- (i) केंद्रीय/राज्य सरकार व उनकी एजेंसियों/बैंकों/अन्य के विरुद्ध दावे, जो प्रथमदृष्ट्या विवादग्रस्त हैं-कोई विवाद नहीं है।
- (ii) परिषद् द्वारा प्राप्ति-योग्य रायल्टी: भा.सा.वि.अ.प. द्वारा किसी एक समान नीति का पालन नहीं किया जाता है। रायल्टी की प्रतिशतता प्रत्येक प्रकाशक और प्रकाशन के संबंध में भिन्न-भिन्न है। तथापि, प्राप्त रायल्टी का लेखा-जोखा प्रोद्भव आधार पर किया जाता है।

(ख) व्यय

- (i) केंद्रीय/राज्य सरकार के सभी विवादास्पद कर/उपकर: कोई विवाद नहीं है।
- (ii) परिषद् द्वारा देय रायल्टियां: परिषद् द्वारा कोई रायल्टी देय नहीं है।

7. अंशदान/सदस्यता शुल्क

- 7.1 पुस्तकों/पत्रिकाओं और ऑनलाइन डाटाबेस हेतु एक वर्ष के लिए अदा किया गया अंशदान/सदस्यता शुल्क को भुगतान वाले वर्ष में खर्च के रूप में समझा जाएगा।

8. सरकारी अनुदान/सब्सिडियां

- 8.1 सरकारी अनुदान की गणना वसूली आधार पर की जाती है। तथापि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है तथा अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, वहां अनुदान की गणना प्रोद्भूत आधार पर की जाती है तथा इसके बराबर राशि को अनुदाता से वसूली योग्य दर्शाया जाता है।
- 8.2 पूंजीगत व्यय (प्रोद्भूत आधार पर) के रूप में प्रयोग की गई राशि की सीमा तक सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में अंतरित किए जाते हैं।
- 8.3 राजस्व व्यय (प्रोद्भूत आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को वर्ष की आय के रूप में उस सीमा तक प्रयोग में लाया जाता है जिसमें वे प्राप्त होते हैं।
- 8.4 अप्रयुक्त अनुदानों (ऐसे अनुदानों से अग्रिम के रूप में किए गए भुगतान सहित) को आगे ले जाया जाता है तथा तुलन पत्र में देनदारियों के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।
- 8.5 सरकारी अनुदानों/गैर-सरकारी अनुदानों को अनुदान के उपयोग/प्रयोजन के आधार पर राजस्व/पूंजीगत अनुदानों के रूप में माना जाता है।

9. विदेशी मुद्रा लेन-देन

- 9.1 विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देन को उस तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर हिसाब में लिया जाता है।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

- 10.1 सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। संस्थान में आमेलित कर लिए गए कर्मचारियों के पूर्व नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी के पूंजीगत मूल्य को संबंधित प्रावधान खातों में जमा कर दिया जाता है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन अंशदान को भी पेंशन खाते के प्रावधान में जमा कर दिया जाता है। पेंशन, ग्रेच्युटी और लीव एनकैशमेंट के वास्तविक सेवानिवृत्ति के भुगतान को संबंधित प्रावधानों में नामे किया जाता है। सेवानिवृत्ति के अन्य लाभ अर्थात् डिपोजिट लिंकड बीमा, नई पेंशन स्कीम में अंशदान, सेवानिवृत्ति कर्मियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति और सेवानिवृत्ति पर गृह नगर की यात्रा की गणना प्रोद्भूत आधार (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान जमा बकाया बिल) पर की जाती है।

11. उद्दिष्ट/अक्षय निधियां

- 11.1 दीर्घकालीन निधियों को विशिष्ट प्रयोजनों के लिए उद्दिष्ट किया जाता है। प्रत्येक निधि का अलग बैंक खाता होता है। इन वृहत शेषों को सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचरों तथा बांडों एवं बैंकों की सावधि जमा में निवेश किया जाता है। उद्दिष्ट निधियों में से सृजित परिसंपत्ति, जहां संस्थान का स्वामित्व होता है, को पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। संबंधित निधियों की शेष राशि को आगे ले जाया जाता है तथा बैंक में शेष, निवेश एवं प्रोद्भूत ब्याज के रूप में परिसंपत्तियों में दर्शाया जाता है।
- 11.2 "उद्दिष्ट निधियों में सभी प्राप्तियाँ और भुगतान नकद आधार पर दर्ज किए जाते हैं। हालाँकि, निवेशों पर अर्जित ब्याज का लेखा-जोखा उपार्जन आधार पर दर्ज किया जाता है।"
- 11.3 उद्दिष्ट निधियों के अंतर्गत सभी अग्रिमों को नकद आधार पर हिसाब में लिया गया है तथा अग्रिम रजिस्टर द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- 11.4 अनुदानदाताओं द्वारा विनिर्दिष्ट अक्षय निधियां वे निधियां होती हैं जो पीठों तथा मेडल एवं पुरस्कारों की स्थापना हेतु विभिन्न वैयक्तिक अंशदाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त होती हैं, जबकि प्रत्येक अक्षय निधि का अपना निवेश होता है, सभी अक्षय निधियों का एक बचत बैंक खाता होता है क्योंकि उनका अनिवेशित शेष नगण्य होता है।
- 11.5 प्रत्येक अक्षय निधि के निवेश से प्राप्त आय को निधि में जोड़ा जाता है। आबंटित बैंक के बचत खाते से प्राप्त ब्याज को सभी अक्षय निधियों को, प्रत्येक निधि में वर्ष के अंत शेष की राशियों के अनुपात में दिया जाता है। मेडल एवं पुरस्कारों पर व्यय को संबंधित अक्षय निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पूरा किया जाता है तथा शेष को आगे ले जाया जाता है। तथापि, पीठों के संबंध में अक्षय निधि के कोरपस को भी प्रयोग में लाया जाता है।
- 11.6 अधिशेष को भारतीय रिजर्व बैंक बॉन्ड तथा सावधि निक्षेपों में निवेश तथा सभी अक्षय निधियों के लिए साझा बचत खाते के शेष और निवेशों पर प्रोद्भूत ब्याज के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

12. क्षेत्रीय केंद्रों की स्थिति

- 12.1 सभी क्षेत्रीय केंद्रों के खातों को परिषद के खातों में शामिल किया गया है।

13. आयकर

- 13.1 संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखा में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

अनुसूची-24- आकस्मिक देनदारियां तथा लेखाओं पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देनदारियां: संस्था के विरुद्ध दावे, जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया- 81,30,914/- रुपए (गत वर्ष - रुपए 94,78,509/-)
2. चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम: प्रबंधन के मतानुसार, चालू परिसंपत्तियां, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य सामान्य कामकाज के दौरान वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन-पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।
3. जहां भी आवश्यक हुआ, गत वर्ष के संबंध में तदनुरूपी आंकड़ों को पुनः वर्गीकृत/पुनः व्यवस्थित किया गया है।
4. अंतिम लेखों के आंकड़ों को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किया गया है।
5. "आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित शोध अध्ययन रिपोर्टों का प्रकाशन, उन प्रकाशकों से प्राप्त जिन्हें अनुदान प्रदान किया गया है, आईसीएसएसआर प्रकाशनों को व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सब्सिडी प्रदान की गई है। प्रकाशकों द्वारा प्रदान की गई रिपोर्टों की प्रतियां विभिन्न मंत्रालयों, प्रमुख थिंक टैंकों, महत्वपूर्ण विदेशी प्रतिनिधियों को पूरक के रूप में भेजी जाती हैं और विभिन्न पुस्तक मेलों में प्रदर्शित की जाती हैं, इसलिए इन्हें प्रकाशन सामग्री का हिस्सा नहीं माना जाता है।"
6. अनुसूची 1 से 24 संलग्न है और 31/03/2025 को तुलन-पत्र तथा इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे का अभिन्न अंग है।



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

43

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष	अदायगियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
I. अथ शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष	-	-	क) स्थापना व्यय	70,29,13,530	68,22,36,256
ख) बैंक शेष	-	-	ख) अकादमिक व्यय	-	-
i) सरकारी अनुदान	11,79,25,108	28,61,87,450	ग) प्रशासनिक व्यय	10,78,40,807	3,77,30,469
ii) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	17,87,45,082	18,23,94,107	घ) परिवहन व्यय	7,24,025	5,09,450
ग) ट्रांजिट में जारी	-	-	ङ) मरम्मत एवं अनुरक्षण	2,62,38,396	2,52,15,767
II. प्राप्त अनुदान	-	-	च) पूर्व अवधि व्यय	-	-
क) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 31)	1,78,17,34,000	1,72,89,16,000			
ख) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 35)	8,32,04,000	3,86,52,000	II. उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के लिए अदायगी	2,53,37,629	3,23,20,120
ग) एमएचआरडी (जीओआई ओएच 36)	60,51,64,000	47,86,52,000	III. प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के लिए अदायगी	-	-
घ) क्षेत्रीय केंद्रों से अनुदान की वापसी	-	-	IV. प्रायोजित फैलोशिप / छात्रवृत्ति के लिए प्राप्ति	-	-
III. अकादमिक प्राप्ति	-	-	V. किए गए निवेश एवं जमा	-	-
IV. उद्दिष्ट/अक्षय निधियों के लिए प्राप्ति	2,05,65,799	2,86,71,095	क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से	-	-
V. प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के लिए प्राप्ति	-	-	ख) स्वयं की निधियों से (निवेश-अन्य)	-	-
VI. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के लिए प्राप्ति	-	-	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	-	-
VII. निम्नलिखित से निवेश पर आय	-	-	VII. अचल परिसंपत्तियों एवं चल रहे पूंजीगत कार्य पर व्यय	-	-
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	-	-	क) अचल परिसंपत्तियां	1,81,13,329	1,32,50,520
ख) अन्य निवेश	-	-	ख) चल रहे पूंजीगत कार्य	-	-

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	गत वर्ष	अदायगियां	चालू वर्ष	गत वर्ष
VIII. निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज	-	-	VIII. सांविधिक अदायगियों सहित अन्य अदायगियां	-	-
क) बैंक जमा	-	-	i) सेवा कर-वापसी	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम	16,500	92,613	ii) प्रेषण	17,827	73,111
ग) बचत बैंक खाता	32,07,430	54,39,608	iii) प्रतिभूतियां/ईएमडी वापसी	2,69,340	-
IX. भुनाया गया निवेश	-	-	iv) ठेकेदारों को	17,37,895	-
X. अनुसूचित बैंकों में भुनाया गया सावधि जमा	-	-	v) गेस्टहाउस को स्थानांतरण	-	-
XI. क) अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	52,55,978	4,49,67,694	IX. अनुदानों/ब्याज की वापसी		
ख) संस्थानों/संगठनों द्वारा वापस किए गए अनुदान की अप्रयुक्त शेष राशि	5,75,42,824		क) अनुदान की वापसी	8,14,55,255	11,51,99,388
			ख) ब्याज की वापसी	55,32,221	77,01,517
XII. जमा एवं अग्रिम	-	-	X. जमा एवं अग्रिम	-	-
i) ऋण एवं अग्रिमों की वसूली	86,565	81,066	i) पूंजी के लिए जमा	68,29,238	18,09,124
ii) ठेकेदारों से प्रतिभूति जमा	4,000	3,49,340	ii) मरम्मत और रखरखाव के लिए जमा राशि	46,41,444	40,19,766
iii) ठेकेदारों से प्राप्त/रोका गया सेवा कर	-	-	iii) अन्य अग्रिम	3,00,20,878	12,45,526
iv) कोई अन्य प्राप्ति	-	75,631	XI. अन्य अदायगियां	1,57,90,58,385	1,57,71,98,140
	-	-	XII. अंत शेष	-	-
	-	-	क) धनशेष (कैश इन हैंड)	-	-
XIII. सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां	-	-	ख) बैंक शेष	-	-
i) एल एस और पी सी की प्राप्ति	1,67,051	6,82,913	i) सरकारी अनुदान	8,53,47,340	11,79,25,108
XIV. कोई अन्य प्राप्ति- प्रेषण	-	17,827	ii) उद्दिष्ट/अक्षय निधियां	17,39,73,252	17,87,45,082
			ग) ट्रांजिट में जारी	35,67,546	-
जोड़	2,85,36,18,337	2,79,51,79,344	जोड़	2,85,36,18,337	2,79,51,79,344



(नरेश सैनी)

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली



(धनंजय सिंह)

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली

45

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

भविष्य निधि खाता

(राशि रुपये में)

राशि गत	देनदारियां	राशि चालू	राशि गत	परिसंपत्तियां	राशि चालू
	सामान्य भविष्य निधि	-	23,77,943	निवेश	20,07,283
6,58,84,160	अथ शेष	7,28,01,484	95,921	31/03/2025 को प्रोद्भूत ब्याज	2,18,657
1,00,24,000	जोड़े: वर्ष में अंशदान	89,77,000	-	मार्च..... का अंशदान	-
-		-	-	सामान्य भविष्य निधि	-
-		-	-	अंशदायी भविष्य निधि	-
-	जोड़ें/घटाएं-संशोधन/समायोजन	-	-	सीपीएफ के कारण यूसी	-
46,34,986	जोड़ें: ब्याज जमा	46,55,514	-	एनपीएस-II	-
77,41,662	घटाएं: अग्रिम/निकासी	2,20,09,903	-		-
7,28,01,484	अंत शेष	6,44,24,095	-	निवेश पर ब्याज से वसूला गया कर, आयकर विभाग से लंबित वापसी	-
	कर्मचारी अंशदान (सीपीएफ)		-		-
55,58,438	अथ शेष	58,91,150	-		-
-	घटाएं: मार्च के लिए अंशदान	-	-	बैंक में नकदी	-
7,60,566	जोड़ें: वर्ष में अंशदान	6,64,085	10,18,29,387	बैंक	9,33,08,154
-	जोड़ें: मार्च के लिए अंशदान	-	-		-
4,15,836	जोड़ें: ब्याज जमा	3,96,722	-		-
8,43,690	घटाएं: अग्रिम/निकासी	14,58,010	-		-
-	जोड़ें/घटाएं-संशोधन/समायोजन	1,97,895			
58,91,150	अंत शेष	56,91,842	-		-
	आईसीएसएसआर अंशदान (सीपीएफ)		-		-
46,98,866	अथ शेष	51,03,012	-		-
		-			
2,64,900	जोड़ें: वर्ष के दौरान अंशदान	2,30,762			
3,28,891	जोड़ें: ब्याज जमा	2,92,074			
1,89,645	घटाएं: अग्रिम/निकासी	1,60,222			
-	जोड़ें/घटाएं -संशोधन/समायोजन	-1,97,895			
51,03,012	अंत शेष	52,67,731			
	आरक्षित ब्याज				
2,08,25,600	अथ शेष	2,05,07,605			
-3,17,995	जोड़ें: व्यय से अधिक आय	-3,56,606			
-	जोड़ें/घटाएं -संशोधन/समायोजन	-573			
2,05,07,605	अंत शेष	2,01,50,426			
10,43,03,251	जोड़	9,55,34,094	10,43,03,251	जोड़	9,55,34,094


वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली


सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

46

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

भविष्य निधि खाता

(राशि रुपये में)

राशि 31/मार्च/24	व्यय	राशि 31/मार्च/25	राशि 31/मार्च/24	आय	राशि 31/मार्च/25
	में जमा ब्याज:		49,18,921	निवेश से प्राप्त ब्याज	47,69,748
46,34,986	जीपीएफ खाता	46,55,514	95,921	जोड़ें: वर्ष 2024-25 के दौरान प्रोद्भूत ब्याज	1,22,736
4,15,836	सीपीएफ खाता कर्मचारी अंशदान	3,96,722	-	जोड़ें: ब्याज पर वसूल कर-प्राप्त होने वाली वापसी	-
3,28,891	सीपीएफ खाता नियोक्ता अंशदान	2,92,074	1,93,722	विविध प्राप्तियां (ब्याज की कमी)	95,574
-	बैंक प्रभार	354	1,22,687	वर्ष 2023-24 के दौरान पूर्व अवधि के लिए ब्याज कम प्राप्त हुआ	-
			-23,586	जोड़ें/घटाएं-संशोधन/ समायोजन	-
-	व्यय से अधिक आय	-	3,17,422	व्यय से अधिक आय	3,56,606
53,79,713	जोड़	53,44,664	53,79,713	जोड़	53,44,664

वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

47

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

भविष्य निधि खाता

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
1/4/2024 को अथ शेष		जीपीएफ अग्रिम/निकासी	2,20,09,903
बैंक	10,18,29,387	सीपीएफ अग्रिम/निकासी	16,18,232
प्राप्त सामान्य भविष्य निधि अंशदान	89,77,000	वर्ष के दौरान निवेश	2,07,283
प्राप्त सीपीएफ अंशदान	6,64,085	अन्य प्रभार (बैंक प्रभार)	927
सीपीएफ परिषद् का अंशदान	2,30,762	31-03-2025 को अंत शेष	-
भुनाया गया निवेश	5,77,943	बैंक	9,33,08,154
प्राप्त ब्याज	-		-
i) बचत बैंक/निवेश ब्याज	47,69,748		-
ii) जीपीएफ/सीपीएफ ब्याज की कमी	95,574		-
विविध प्राप्ति	-		-
जोड़	11,71,44,499	जोड़	11,71,44,499



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

एनपीएस टियर - 1 खाता

(राशि रुपये में)

राशि	देनदारियां	राशि	राशि	परिसंपत्तियां	राशि
	एनपीएस टियर - 1 खाता			एनपीएस टियर - 1 खाता	
	अथ शेष			2024-25 के लिए देय अभिदान और अंशदान	
	घटाएं: मार्च.. के लिए अंशदान			निवेश	
				प्रोद्भूत ब्याज परन्तु देय नहीं है	
	जोड़ें: सब+यू अंशदान			बैंक में शेष	
	जोड़ें: ब्याज जमा				
	घटाएं: एनएसडीएल को अंतरित				
	जोड़ें: मार्च... के लिए सब+यूसी				
	व्यय से अधिक आय				
	1.4.20.... को शेष राशि				
	जोड़ें: वर्ष के दौरान				
	कुल			कुल	



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

49

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए आय और व्यय लेखा

एनपीएस टियर - 1 खाता

(राशि रुपये में)

राशि	व्यय	राशि	राशि	आय	राशि
	अंशधारक के खातों में ब्याज जमा	0	0	निवेश पर अर्जित ब्याज	
	बैंक प्रभार				
				घटाएं: ब्याज प्रोद्भूत 31/03/.....	
	व्यय से अधिक आय			प्रोद्भूत ब्याज परन्तु देय नहीं है	
	जोड़			जोड़	



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

50

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

समेकित वार्षिक लेखा 2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्ति एवं अदायगी लेखा

एनपीएस टियर - 1 खाता

(राशि रुपये में)

प्राप्तियां	राशि	भुगतान	राशि
1/4/2024 को अथ शेष	-	निवेश	-
एनपीएस टियर - 1 खाता	-	निकासी/ एनएसडीएल विश्वविद्यालय को वापसी	62,09,362
स्वः अंशदान	30,51,448		
आईसीएसएसआर अंशदान	31,57,914		
		31/03/2025 को अंत शेष	-
निवेश पर प्राप्त ब्याज	-		
बैंक बचत खाते पर ब्याज	-		
भुनाया गया निवेश	-		
जोड़	62,09,362	जोड़	62,09,362



वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (प्रभारी)
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली



सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प, नई दिल्ली

भा.सा.वि.अ.प.

स्वतंत्रता के पश्चात् भारत ने सामाजिक एवं मानव विज्ञान अनुसंधान के अपने स्वदेशी मॉडल को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जिसके लिए शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में औपनिवेशिकता से मुक्त दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। देश की विकास प्रक्रिया के दौरान अनेक और विविध चुनौतियां उत्पन्न हुईं। इसके समाधान हेतु व्यापक अनुसंधान एवं विश्लेषण की आवश्यकता महसूस हुई। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार ने वर्ष 1965 में प्रोफेसर वी. के. आर. वी. राव की अध्यक्षता में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की स्थिति की समीक्षा करने तथा इसके विकास को गति देने हेतु सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान समिति का गठन किया। परिणामस्वरूप, वर्ष 1969 में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य देश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, बढ़ावा देना तथा वित्तपोषित करना था। स्थापना के पश्चात से ही आईसीएसएसआर ने अनुदानों एवं परियोजनाओं के माध्यम से नवोदित तथा वरिष्ठ शोधकर्ताओं की क्षमताओं के निर्माण के अलावा अनुसंधान पद्धतियों उन्हें में प्रशिक्षण प्रदान कर, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसका उद्देश्य नीति हस्तक्षेप और नीति निर्माण हेतु उपयोगी, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करना रहा है। इसके अतिरिक्त देशभर में आत्म और समाज की संरचनाओं के औपनिवेशिक प्रभावों से मुक्त करने की दिशा में मानविकी एवं सांस्कृतिक अनुसंधान में भी आईसीएसएसआर का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा है।

यह माना जाता है कि वर्तमान समय की आवश्यकता भारत की 'विशिष्टताओं' मात्र का दस्तावेजीकरण करने से आगे बढ़कर, देश की विविध सामाजिक वास्तविकताओं के साथ अंतर्मुखी दार्शनिक दृष्टिकोण से संवाद स्थापित करने की है ताकि व्यापक विषयों पर मौलिक एवं नवीन समझ विकसित की जा सके। नई सिद्धांतों एवं दृष्टिकोणों का सृजन हो सके तथा भारत के विविध समुदायों की बहुविध आकांक्षाओं का समुचित प्रतिनिधित्व किया जा सके।

इक्कीसवीं सदी में जब राष्ट्र स्वतंत्रता की शताब्दी वर्ष-2047 तक विकसित भारत बनने का लक्ष्य रखता है, आईसीएसएसआर सामाजिक अनुसंधान और समाज के बीच समरसता स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) की सिफारिशों के अनुरूप, आईसीएसएसआर सामाजिक अनुसंधान को समतामूलक, सुलभ, समावेशी, सामाजिक रूप से संवेदनशील तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्तमान में आईसीएसएसआर देश के विभिन्न भागों में स्थित 24 अनुदान-प्राप्त अनुसंधान संस्थानों, 17 मान्यता-प्राप्त अनुसंधान संस्थानों तथा छह क्षेत्रीय केंद्रों को सहयोग प्रदान करता है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

अरुणा आसफ अली मार्ग, जे.एन.यू. संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110067

☎ 26741849/50/51

✉ info@icssr.org, 🌐 www.icssr.org

✂ /icssr 📘 /icssr 📷 /icssr.official 🌐 /icssr-official 📺 @icssrindia